# ΣΕΝΟΦΩΝΤΟΣ ΚΥΡΟΥΠΑΙΔΕΙΑΣ

Βιβλία Η'.

# XENOPHONTIS

### De CYRI Institutione

LIBRI Octo:

Juxta Exemplar Etonense summa cura recusi:

Cum Latina Interpretatione

## Joannis Leunclavii Amelburni,

Qui & vitam ipsius Xenophontis concinnavit.

Accessit Index rerum memorabilium.

#### LONDINI:

Ex Officina P. REDMAYNE:

Prostant apud J. KNAPTON, R. WILKIN, B. TOOKE, D. MIDWINTER, J. OSBORN, & R. ROBINSON.

MDCCXX.

ge Musgrave

# 

Distin H.

to Exempler Internal Council tard parall :

Can Land Interpretation

e granda esta estas renda se insti

SCOT A SELECT OF SECURITY OF A SECURITY OF SECURITY OF

ZZOJON





### ΧΕΝΟΦΩΝΤΩΣ

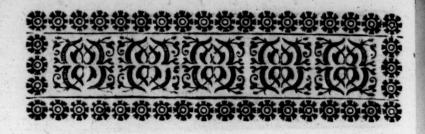
### BIOZ EK TON

TE Zuida.



ΕΝΟΦΩΝ Γρύλλε, 'Αθωωωω, φιλόσοφω Σωκεαπκός. ός πρώπος έγεαψ βίες φιλοσόφων, κὸ ώπομνημονεύματα. παζδας έχεν κπό Φιλησίας, Γρύλλον κὸ Διό-

δωρον οἱ χ Διόσκυροι ἐκληθντο. αὐτὸς δὲ ΤΑΤὶκὰ μέλιτῖα ἐπωνομάζετο. γέρονε δὲ συμφοιτητὰς Πλάτων Θο χ ἄκμαζε κζ τὰν ἐννενηνος κὸ ἀγδοὰν Ὁλυμπαόδα. "Εγραψε βιδλία ωλείονα τῆ μ, ὧν χ ταιδτα, Κύρυ παρθείας βιβλία π, Κύρυ ἀναβάσεως βιβλία ζ, τυμπόσιον, χ ἄλ-λα πολλά.



### Έκ τε ἀυτε.

Ενοφών Σωκεάτες μαθητής εφρατεύσετο επί Πίςσας, Κύςφ συνανελθών επί τον αδελφον 'Αςταξέςξω. ὁ ΚῦςΘ ἢ ἦν μῷ Τιωταφέςνίω ἴποπαςχος ὑπὸ Δαςείε τὰ πατεὸς πῶ ὀν τῆ 'Ασία καταςτές. Μετὰ ἢ τὸν Δαρείε θά-

vator, Kuegy 'Agtalegens Staban Serta iso Tiangegrus αναιρείν μέλλον, αφίκε, Παρυσάπδος τ μητείς εραιπσαμβρης αυτόν, κή τ seatial auto φυλαξάσης. ὁ ή, ώς Transferes moneuli, no egros Swiamir, i on i denφον έγρα τραπεύειν. τετρακόποι ή κατέλιπον τ Κύρον, में हैं क्या के देश कार क्या कार के मार्थ के मार्थ में महत्त्व γφ'. Ξενοφών ή συνανέδη. Δέκα έν βαρδάρων μυσιάδας or va 3polo as, is om Misidas d'idev emperero de 3 7a Edrn Sinder ep' a sparever emeganizero, ouvertes oi EN Luce Sti Bankia iD, & spartiar axist & avalant. Κλεάςχε δε εἰπόντ τω των των άπορον είναι, Κύςε μι συναιςεωμε συνήες. Κύς Τ΄ γυμιή τη κερλή σρος Τιωαφέριω μαχόων , Κλεάρχε ή άπαγορεύοντος au no un moneueir, ant Daver. oi j' Exhluses ino Knedeχω τεταγωνίοι 'Αρισίον σροεδάλλοντο βασιλέα αμήθ ο ή παρηπίσατο. βασιλεύς ή τ το Κύρο κερομω κ χοίρα పποκό Las τοις Ελλησιν కπεμπε, (ησήν τα δπλα ώς παρά verinnuliav. oi j en ebo, sono j Tiarapigens acacas THE SERBS, TOP STOWN BATTANT THE ENLWAS IN KNEAPLE און אונישים, און דמי אפודוצי בקמדווץ ציר, און דאל באאנושי, ביר बंग्याइस में ड्रा॰क्ळेंग बांगी इत्याम् सं, में कर्यण्या गामते. हेर-Soutes i xi eis Ogonlw, euldwa toward Zeidy to Ba-האם עניפוסו לומסש שנידו.

The same of the sa



## ΞΕΝΟΦΩΝΤΟΣ

\* Κύρυ Παιδείας Βιβλίον α'.

\* 26. Kola Than deias

Nvoia nod' nuiv essilo dom Innoxparia Bic. אמדבאט שחק ישם אל מאשה דושה באאס שלים אי Ε Ε πολιτεύειος μάλλον η οκ δημοκρατία, δου τ' αυ μοναρχιαι, σου κο δου τυ εάννειν επ-

Pòp

É 9-

34-

NRC.

771-

45

A-

gv,

504

as

TH

10

ny.

al,

Min

tics

ie-

R.

eg

eg.

λ-

a-

0.

χαις ήσαν τες, οἱ μθο αὐτθ τὸ τα χὸ πάμπαν κατελύ Энο, οἱ , καν οποσονών χεόνον άξχοντες \* διαχώων ται, θαυμά- \* χε. Δε-of idons who nata usua Innievas, no en idiois oinois too il, Εροντας κὸ πλείονας οἰκέτας, του Β΄, κὸ πάνυ ὀλίγες, κὸ ὅμως ה דינו בי לא לשנו דע דינו בי שלעון לנוש בעלונים אביושל שנושים בי שביע דו פסוב זול ליבשל דמה בח ל שפים דעדוב ביציעטעט, פח בנצעי אב אמיני דונ क्टर क्ष्रिं संत के वां विषयंत्रवा की विवरण, के वां विकालक हिया की Ιππων, κ) πάντες ή, οί καλέμθοι νομείς, ων αν όπισατώπ ζώων είκότως αν αξχοντες τέτων νομίζοιντο πάσας τοίνυν ταύτας τας αγέλας εδοκέμβυ ός αν μαλλον έθελέσας

कांजिस्के कोंड प्राथमिंगा, में क्ले वेरिक्न वा कार्र वेह्र प्रमण, का ενονταί τε 30 αι αγέλαι \* οξ αν αντας δυθύνωση οί νο- 3. ή αν μείς, νέμονταί τε χωεία εφ' όποια αν αυτάς εφιώσην, απέ- αυτάς έενταί τε ων αν αυτας απείρηωσι η πίς καρποίς τοίνυν πάρωση οξ ांड प्राप्ताक के वासी हें का कर प्रमुख्य प्रश्निया है तकड़ σος αν αυτοί βέλωνται έπ τοίνυν έθεμίαν πώποτε αγέ-कार केंद्र шो टेमा रहिम सार पढ़ी καρπώ χεй और. αλλα κί χαλε-कां महत्वां संराण वां बंद्रांभवा मविता गर्वेड \* बंभेगड़, में गर्वेड वंड - दूर. वंभेक-צנים דב מניקל, אל מיספג שונים וכל מנישלי מישף או שו שונים ל בא פטאסונ. किए वह मबे रे के का पांड्या नवा में किये कहा कह के ह वें में के का का कह-क्षा का नी किरा द्वार है एता उत्त कर का मार्थ के का निर्मा है विकास के किरा है कि विकास के किरा के किरा के किरा

कार हे प्राविकाल्यीय करी वांनी, जंड वंग्निवंत्रक मान्यर्थन निय-

TOV मी वेश का दिल्ला में p paor, में बेर प्रकृत मकर बेर्सिंग है माδή ή ενενοήσε μου, όπ Κυρ ο εγρίε ο Πέρσης,, ος παμπόλλες μου αιθρώπες επτήσα ο ποιθομείες αυτώ, παμπόλια ο πόλει, παμπόλλα ο έθνη, όκ τέτε δη ήνα Γκαζόμεδα עוב דמוסביי, עוו צדב קול מלושמדשי, צדב קל במאפ חשי לפושי וו το αν βρώπων αρχειν, ην τις οπισαμιρίως τετο σράπη. Κύρω γεν ίσμεν εθελήσαντας σείθελζ, που μαπέχοντας παμ-प्रवेद के दे हैं के पिछ कर विशेष के हैं है है है है है है है के कि है कि है कि एक प्रवेश के प्र ม) ชีนพร ที่ 3 เมอง นบาลี เลลหร้อง, ม) วล่า ของ ของ ซาง ปีท์-25.παζώες· νεγκε τη ανων βασιλέων, η την παθείες αξχάς παξειληφότων, κ' τω δι έσωτω κτησα μέρων, ώςε ό μέρ Σκύθης, χαίπης παμπολλων όντων Σκυθών, άλλε μων έδενος ag xwv da fiolo no Oga & Ogakar, no 'Inveros Inve ewor in Takka j woavtws & In answer (Ta yer er Th Ευρώπη έπ κ νον αυτόνομα εθ λέρε), κ λελύος απ' αλλήλων.) Κύρος ή τραλαδών "ώσαύτως κή τα έν τη 'Ασία έθνη αὐτόνομα όντα, όρμηθείς σύν όλίχη Περσών ςρατιά, έχοντων ωλύ ήγωσατο Μήδων, έχοντων ή Υεχανίων κατεspé Jaro j Σύρκς, 'Aoveirs, " Αραβας, Καππαδοκας, Φρύγας 28. Kinnas auporeeus, Audes, \* Karas, Poivinas, Babunavius nege

al. wowi-

TW5 87W.

THE R. P. LEWIS CO. LANSING MAN ASSESSMENT OF THE PARTY O

j z Bangiav, z 'Ivdav, z Kininav' wouvros j Sanav, ρε.Βεδινών κ Παφλαρόνων, κ \* Μεραδινών, κ άλλων ή παμπόλλων हे जेगळा, केंग हेती' केंग तथ केंग्रिकत्त हे हु। तह सं असं " हे त्राहिंड में प्रवा Exhiver the en Th' Aria natabas 5 on Sunatar, is Κυπείων, κ) Αίγυπλίων. κ) τοίνυν τέτων τω έθνων πέξεν έθ' έσυτο διογλώπων οντων, ετε αλλήλοις η διως ήθι-क्षेत्रम हेक्टरहिन्य क्षेत्रे टेन्से मान्यमंत्रीय नीय मही बेंके हेकारेंड क्रिक केंड्ड मकाकामें मेंड्रिक मकं प्राच दे, में प्रमार्थि के देना रेमा देश के कार के हिंग. νήθη ο com ου μίαν εμβλιείν πο αυτίω το πάντας αυτώ χαeiledt, ase dei Th dure mahn aktien mubegrädt. dung. חוֹשת דם הם משודם סנוֹאם, ל פסם אין אובא לפוֹע בנוסף לבוֹע, פאסו वें व व हिंग नवां मार मार्डिश केवा केंगी विवाम संबंध, में पह कहार

28. WSE X

σημεθείαν. ήμεις με ο ος άξιον οντα θαμμάζεος τέπον τ ardea, sous dauda n's note ar \* Ausar, i noiar mra qui-סוט צאשי, אן שסום חיו ששול משול ש שנו, דס צדטי לוחיבן-प्रथम संद को वें १ असाप वें प्रमू किए मार के प्रथम है कि अर्थ के मार के किया है। சிவக்யில் कहा कार , त्यां क सहक्राण्यीय माम्भाजवरी. Nasos

हैं के गर कहार है कर हमा, भग मह कहार बेह्स मार, भगम कहार धर

De Suran.

ΠΑΤΡΟς μ Si λέχε ? ο Κυρ Αυία Καμεύσε, Περσων βασιλέως (ο 5 Καμβύσης देखें नी Перосно ων Muss hu, oi 3 Megori Sau anto Megorius xxni (ovra) untegs o inoxover ? Mardains Swidt i 3 Mardain an Asvá-עצ או שיום אוף, דצ אוולשי אנים שלים במחאנשנ.

711-יאסת-

Mas

re.Da

wy h

Luga

Tau-

wpg-

goten.

din-

द्र १ स-

Σxú-

Seròs

SAACE

IANU-

cr 79

' αλ-

'Aoia

and,

2078-

evya

· nege

axov,

πο λλων

SE na

ar, x

Tegev

ne nov.

φ66ω,

m. 690.

vie ya-

iv, onot

मह करां

opgs He

ד עסדאד

שעם סטי

Dinves-

में भेजमें केंड

Ha Jos

avne.

2. Φਹੌਂ var ਤੋਂ 8 Kuess λίρε? ਲੇ ਕੰਨੀ ? ਵੱਜ ਲੇ ਪਹਿ ਦੀ ਰਹੇ ਜੀ Buplacer of Q in rankis O, toxles on ar sportora-10 મું φιλομαθέτα Ο μο φιλοτιμότα Ο, ώς ε πάντα μ שניים של משתא אונים, אלידם ב אונילעוטי לשיטובוים עם באים

veid Evena. 3. कर्णका है कि रे कि मुलंड में के प्रवृक्तिंड कार्यांनीय है दूथा Praumunveres & marger et in de merone Cerone voucis. Etor S Souver of vouor agx som to noise a pade offuenteωροι. έχ ομοίως οδ τ πλείσαις πόλεσιν αξχονται αί μ δ πλάςαι πόλας αθάσαι παιδεύαν, όπως Τις έθέλοι, του कार नवारिया, में कारा के कहर्नियमहिष्ठ व माला हे मेर्रियन िरंबेर्सण \* ठीनाचं नीक्षण को काँ है। धर्म स्ट्रेडिसण, मार्ग बंदूनवं (सण, प्र. हम सम्ब wi Big eis oiniar macievas, wi maier or wi d'navor, wi wegsat-

μοιχεύειν, μη απειθείν αξχοντι, κ ταλλα τα ποιαυτα Ικοιν. σωτως. W & TIS TETWY TI TOGGENIN, (nuias autois int deg. oi j Педоткой горог, отерхавогте стийхог Эг. Сприат. יחשו ל מוצע עוו דסופדסו בססים סו מסא ודעו, \* מבני חם- צף. בחמום-ευτοίς Ελά θέρα άρροα καλυμβήν, ενθα τά τε βασίλεια al. ciot.

में के से से बेह्र हाँ के महारांगी देश महा में के के हार में हैं। νεσίοι, η αι τέτων φωναί η άπειροκαλίαι άπελίιλαν.) שנה באאסי דלידסי, שנ עוו נוציעים) או דצידשי דיפלח דה אני சு எவ்சி விய்வா ப்பாரம்(வ. சிர்ந்ற நீ வரா ந் வ்றுவி நி விய वं बंदूर लंब कंद नरंतीबहुद प्रांदुण नरंत्रका थीं देंद्राण है। प्रे जायानों ए, o episois, देम्र निर्माणाड केर्य हुने गर, क्रिये गाँड की नवे கோசுப்படிக் தோ அமைப்பா. மடும் நீ வ் என் தவகிய ஆம் ஒது த किरा महामा मर्वहस्ता, oi में मर्वार द वेपय मा म्हाद, में oi Theor andres of 3 raediteeor, win ar enden wee Xwen, किया के स्वाह महत्त्व प्रिमंश्रह मिर्महत्वाह, देन वहि वह वर्ध करे जल-क्षाया. ां हे दिवादिवा में सवाधारण क्या किये त्ये बेह्र संब गण काइ 

क्रिंगच्या, थि थाने कल्लाहें में जात क्रिंग्या. हिन्ह जात्रेर वेज क्रिया नाराहें इन क्षिण सहस्थामा में हेवे, हंप क्षेत्र प्रमाण में लाहेल्ये स्वा कुल पुरस्य

A 2 (Swifera ποιεν, διηγησομίδα, ώς μακλον δηλον γρίη , η δπιμελου) ώς αν βέλτιςτι είεν οἱ πολίται.

4.

4. Oi whi d'i maides eis ta d'idamaneia poiturtes, לומ נוסו עמו שמיסט דבי לואמוסתי ענו, אל אב נוס סדו כחו שמו έρχον), ώστες πας ημίν οι τα γεάμματα μαθησομβροι oi 3 वेश्वरणमाड कामी के विमान में जो में में कि पांड में μέρας δικάζοντες αὐτοῖς. γίγνε) χο δη κὶ παισί σερς άλ. λήλες, ώσες ανδράσιν, εξελήματα κι κλοπής, κι άρπαγής, में दिवा, में वेत्रवंगाद, में मवमठभेठभंबा, में बेम भेका गाँका संमर्वद है। מ' מי שושו דו שלותצעדם, דונשפשים. אסאמ (שסוה x 85 av a dixos equansiras evelonom. Sinatum d' ม ร โหมที่ผลใช . ซึ่ รับรหล ลังอาอาการ เมธรับร นี้ ล้มมักมีร แล่-Alsa, Sind (ov) 3 \* 8x nxisa, a xaeisias x ov av yvan לעט ב עלטים, עו אמפני צורם ושלטים, עוו בותם ושלטידם ה, אסאם. ( 851 x) TE TOV inguens. olov) 20 7800 a zaeisus, xi wei Jess के pud A 150 के तार में किए मा में की प्रशंस में का मही की में की १४६. राम्भी ने रेज्यम प्रवंशास्य मा वे त्रवहारां में वेशवायुष्णमीव में के वर्णमा पर्शात में कार हैं। देनां मर्वणमा नवे वांबूद्रवे में मुक्सकंप. में சென்கார நீ கார் சுவிசியா வு மை ஒரைப்பட முட்டுக நீ மை டுக்காரி कंड To war Javer ownerer au महाने, करा के महा कि कहा कि प्राप्त है। όρῶσιν ἀνὰ πάσαν ημέραν σωφρόνως διάροντας. διδάσακη ने वांक्र में कलंगिर की कांद्र केंद्र प्रका प्रदेश में में मेंद्र नहीं ( uplante), ori oper mi ageoforteges x mendo popules उठाँ वंद्रप्रकार रिपट्कर. रीविकायका है में देम महत्त्र हैं। है

Steph. leg.

των) οἱ παῖδες, ἀλλὰ ౘఄΟὰ τω διδασιάλω, ὅταν οἱ ἄςγς. ὅτα χοντες ζημήνωτι. φέρου) δὲ οἶκοθεν ὅτον ζί, ἄςτον, μ΄, ἄςτω. ὄψον ϳ, κάςδαμον πεῖν ϳ, ω τις διψή, κώθωνα ὡς AIDTR idas 5 7g-ROGI κῶσι भ्रे खे 175. त्ये नव TUX? mui-של דבנו ust, woor THE His al-マッカラ x05. 85 (8013 ROI N 85 Ma-2100 Rond. 1836 is , z) píwild i wv. A Ga'ANE) BUTESES DE ON BOT יזצר פא 38 chan of ED) 20. TI OCUs evena, ist (1-

म oi बंह-

dava os

के के मारायमार बेट्रां क्या कर के के किया माराय में महिंदी-ण, में वेमकार्गिद्वा मार्थ है में के के के के की वसको असत के तक में के usas oi क्यों के त्यां या क हुने में का रेस पर पर है में दिन के दिन us Kiegov). Eros d' au oi tentes Siayuriv & Se. 5. Alua im do' & do en maidur Eladwoi, nomar-म में क्ये के बंदूर्सिय, बैक्काइ क्लुलंद्वात्या, मुखे क्राम्यमाँद इसक में मर्ग्रहकार में क्लक्ट्रवर्णणाइ (Sousi के व्याम में ने मार्थक मंत्राच्य विमाधकांबा करिये हो मार्क्र अवत की मार्थ किया मार्थ हिंद्र धारक मार्थ मार्थ पर्वाद वंद्व प्रका प्रश्निया, मेर में अंबर मार्थ रही अक्षा में है त्या में हैं भ, नवंशना अधिका क्यें नवे वेह प्रसंव: w 3 Kin Bareneus om ' Digar, Zager who incho ear 28. Ingar-Anyanis, wein 3 1810 moyyanie ag himos, ¿Xetà 3 que Las um. देशिक्षणा " नर्दिय किये नां क्या क्या मा दे प्राप्त मा प्राप्त पा- वर्षिय क्यla, il Cajaeir देश है मर्था पृष्टिक्षण, में क्योति शिंव, केंड्ड hands na-में बंगांकाया, नर्ज में बेर मिंग, देम प्रसर्छेड, प्रश्ने की वे नह- न्यमसंत्रसः 3 δημοσία το δηράν δειμέλος), κ βασιλεύς, α συες 29- τόξα टेंग मार्ग्स् का निर्मालिंग वर्ध पर्वाद किंदा, में वर्ध पर्व पर जेनाहर्वे, में में मार्थ के V andor ommunei ) omos av \* Inguer, ori andesatu ve. Ingo-प्रश्ने कामा में प्रध्नेक्स की कर्नेड परं महिम्मा ही. में निर्दे हैं। कों बंगीक केर हे जोर्स, में प्रांत्रमा में जैयं में या वेगई रहतेर, प्राde j n osomeias n sejuos, avayun j n rogevou neior, में बंश्वमांज्या विषय वंश करियांत्रीय में नीयों नेप्रिया माध्येतार बंगबेश्या \* अमंत्रकेड दंग माँ अमंद्रव, हम्बा मा मी हर्शनिकेड. - अब्दे हुंद म मा मार्थ हंत है हिंदू प्रिय पाना कि हिंदा प्राप्त है में प्रति प्रधार प्रधार प्रधार प्रधार प्रधार vouduov, quadzadau j ro empresulvov. ase & jadov mot. हमें। म दें। नमें अहित बेमहा की दें। मार्रहाल मार्ट्र मार्थ. दें-2019 3 cm the Inear. deisor Exertes maior it, \* os 28. os eines av deisnouer no du vo den dueis evena Guna talin-4, il ander Benedus Starfinal wei this Infar, to 28. 638 An-पड़िंग विश्वार्भाजकारहर, नीय पेडहल्यांवा वर्धे जेमल्लेन प्रदेश राज्या. TIE' Rai miar a mow tantes this huseas rosi (ortal, साब हे मार्थिया कारा कि अवस्थालिया. यह कि अवस्थित यह हुनेθαι ένεκα, ένα κὸ ἐάν τι ἐν πολέμω δεήση, διωώνται क कालिए, में वर्षण है बहुत है प्रदेश हो मार्थामणा है, म देंप egimore ei 3 un to ade da mor. ei de ne autor oieh Edien andas, o ran nago aun. moror Exwen oni ra Stob. Edie το, η πίνειν ανδώς όταν υδως πίνωσιν, αναμνηδήτω ωσιν. ε μ ήδυ μάζα κ ας Ο πεινώντι φαγείν, πώς δε b' volug difarn meir. ai d' au phisoau qua d'anti-6808

701.

29. TEXE-

Geor materiou ra te anna, à maides outes quador, à τοξεύειν κὸ ἀκοντίζειν κὸ διαγωνιζόμθροι ταυτα τοςς ἀλλήλες διατελέσιν. εἰσὶ τὰ κὸ διμώσιοι τέτων ἀγώνες, ਬ੍ਰੇਕੈਰੈਸਕ ਕਦ ਜੰਤਰ ਹੈ ਦੇ ਜੋ ਨੇ ਕੈਂਂ ਕੈਂਂ ਜੀ ਰਹਮਕਾ ਲੇਲੰਗ ਕੌਰ। ਰਿਕ-38. 51 1 V. ทุนองธ์รฉางเม่า ลังธ์ ยนต์ใฉางเ, ม่ \* อับการปิลางเ, ลิสแหลงเท αν φυλή. 28. πρότα- οι πολίπα, κό πμώσιν ε μόνον τον νῦν ἄρχονία αὐτί. ana i ssis autos maidas orlas imaidas. 2001) יסוֹב שלשנים אל בּסְוֹלשׁי מוֹ מֹבְּצָמוֹ, אוֹ זו חׁ הְפְצְפָאוֹים לבּוֹסיו, મેં મનમંદ્રપુષ્ટ દેદવી ભાવતા, મેં ત્રમુક્તાં કે જી જીવાના છે, મેં મેં ને ત્રે તે ત્ર

77, doa igu G n raxes tega est. Taura pi di oi ton-Got कार्व निष्ठाए. देससारिक में नवे रिवास देसा \* रावनहर्भेडकारण, र्ट्रिक्ट्रण में संदेश करें उर्रे स्थान कर्म हिन्दु है.

GOO IV . 6. 6. 'Ap' & S' ar JEEADWOI ZEOVE ON THE EONGER, & THE בני אלידב אמו פואססוי בדו לומץ צסוי של לב. הפשרים ושל, ware of tongot, magerrow tauter rais agrais gen-שמו, אני דו לבו \* הבנו דע מסונים, להם \* ספטיצעדמי דו 20. 200 non egya di nai eti swawww. nv de we denon spa-TE KOLVE. τεύε δαι, τόξα μέρ οί ετω πεπαιδά μέροι εκέτι έχον. 29.000099τες, έδ παλτά, σρατεύονται, τά δ' άγχέμαχα όπλα VEVTEY. nankulpa, I weand to mei tois servois, n'y péppor à The deisega, ofor mee yegiportal of Hegoal Exertes de Se Th Segia ud zargar, n nomisa. nai ai dezai j न्येou on नहत्त्वण मार्चा द्वाराम, क्रिक्ष का निर्म क्यां किए कि विवास

7. 'E क्रांतिक में क्ये क्या के मार्थ के स्वाप के क्या की कार के कि कार 7. लेंगाज्या क्ष्मि देंग है तहा को लेंहर या में जारण का राहण है तम प्रदेश हैं के מחם אנופמי של בפון ביו שוואמנידם בין דושואמנידם בין דושי אפון דופון त्राचा मा में मबनेश्मिंडिंड को हैं वर्ष महिला हिन्द दिला दिला or Tou whi white Ew of icural, o'inor o' who or Tes Shail un नवं मह स्वाप के नवंगी व को नवं डिशव. को उवार्वमा में है महा सर्वाप्ता, में उच्छेड़ बेह्नबें हैं उठा नर्वत वह बोहरिंग है में गड़ में दे हिंगि हिंगह, में εν τελείοις ανδράση ελλίτη τι το νομίμων, φαίνεσι μο of Dunapor Exasor, if The annor o Renoused of de अरुद्रां प्रकृत वेर्धाच्यापड़, देमस्रीएडलए के ने देमस्य निरं, बेम्प T ADIAOV BIOV SIATEAM.

8. Tra j oupersegr Indush mara n Hegowr med! 8. שמש, שונפשע בחמינושו. יעי של כיו בפשעודים ביו. לואשי Jein Sia τα σεзыенивиа. λέχρυται μθο 28 Πέρσαι άμφί नवंद रिकेरियम मण्डावेरीय हों) नयं माण में वर्षे वं महर्मित्र वामा νόμω πιών κ άξχων, άλλ' έξες πάσι Πέρσως, πέμ-万段

साम करें हिमारी क्यांनित होंद को प्रवार में नी मतावर्ण माद नी-कार्यक्षं व. बंभे ां हा रिकार क्षिण महाक्षण महाने मार्च रिवा बंदgras, whaseir of 3 hy smanhor, & whaseir, of में बंग म्यानी अवहा की वे नहीं है अमावनंवाद वी विकास वे त्वाद, रहsan avnit en wit eduloit nearionentent. wit i hin gla-λατελίσωσι τὰ γόμιμα ποιδέττες, έξες τέτοις είς τού τε-שונה ביש פפה שושואול בשל, אל פוץ צפיע אל חוואל וובדב צבוי of d' av au de rois मत्यान un d'aren sowow, में दे काड़ कारिवाद, हेर लंग्ड्यूकर में लंड कार महर्माहर की में केर कर दे कांद्र मार्रसंगद ग्रीय प्रेंगक है वेश्वता रेश मार्ग का मार्थ का मार्य का मार्थ का मार्य का मार्थ का मार्थ का मार्थ का मार्थ का मार्थ का मा ov.). इस्य में की oi pegitege की मं मर्यण्या मी प्रवस्थित HAU Hotes na Hisau J. z in moditela auth in olov J 284-Voi Beansoi av ED.

9. Kai vor है देन देम श्रीमंस क्षीर महांव हो में प्रदेश की विंताड क्री, हे के देम मार्ग हों त्रीय शिवात्ता. बांश्रु में के देत के र हैंडा । हिल्लाइ में के वेजनियंसर, में के वेजन्मर्थ में हैंडी, में के र्गाड पहरूडि क्यांप्रा येथिं। मुद्रा में मा में में प्राप्त कह क्यार-જે મુર્દે હતા મેં જે કંદુમેન્ય દેષ્ક્રમન, મેં મનો ને એક જાણે જે જાઈ જે જે છે. क्षांत्व है अस क्षेत्र हिर्णियमण महालिए, सं क्ष्मों में शिवांत्रम् क्ष्माराव χούντο, κ' το ύγεον οππονέντες ανήλισκον, ώς αλλη ப வால்வழவ் ப.

10. Ταυτα με δι κΤ πάντων Περσών έχομεν λέγειν. ο ένεκα ο λόρος ώςμήθη, νῦν λέξουθυ τὰς Κύςκ σρά-

μς, αξάμθοι Σπο πουδός.

P, 2

weis

wyes,

Sa-VE GIV

with,

v93

enon, άλλο

₹øn-

TWO IV.

, % 701

y whi,

Xin-

WV 75

sfa-

Exovδπλα

ov cr

TEG OF

5 mi-

dond.

5000 01V,

DOVOTES

2175686

sparev. na (un

reiven, 6015, 1

שלאן דסצי

· oi si

anus

יו אפאוי

Suxa.

u auqi

in A a Tal 5, TEM-

Ten

11. Κύρος μορ οδ μέρς, δώθεκα έπο, πολίγω \* πλεί-, रविष्म माँ जवारी व कावार हिं जैम, में जवंश रक्ष में में में मिक्क है. के स्कं αφέρων έφαίνετο, κ) είς το ταχύ μαν θαίνεν α δέοι, και γων. के सबस्केंद्र में वेश्वीदुर्सक्द इसबद्ध मारासंग. देस है रहरह पर ονε μετεπέμ λαζο 'Ασυάγης τω έαυτε θυρατέρα, καὶ म्यार्थि क्यामार. हर्निंग प्रवेष हमार्चियास, ठमा मसडह सम्रोहेग सर्वdov autor eivau. दृश्याया औं वेपर्मा मह में Mardarn कर्ड़ πατέρα η τον Κυρον τον μον έχεσα. ώς ή άφικετο usa, z spro o Kug O Tov' A sud plus Tis un Tegs maen orta, cudu's ofa di mus pidosogy & wir ovort, πάξετό τε αυτίν, ώσερ αν εί τις σάλαι ζυντεθραμν το πάλαι φιλών άσσάζοι ο. κό όρων δι άυτον κεounperor, i opsa will isogaph, i zewnal cileito y nomais megalitois (à si vomma lu de Mistois. धाम निर्देश महिला अभिनी से हिंदा, से वह महिलाहिका अमिर्टड, से

X. Tais regoiv.

28.30 min TO פעדטיים אין

dia.

or nav Nes, no or special well The Nen, no Ta Jenia well \* Tuiv reggiv. en Hegraus 3 rois oixor x vur En mond n' i Dires cauxoreeus, n' d'autau cutexéseeges) ogav 5 t κόσμον το πάππε, εμελέπων αυτώ, έλεγω, δ μήτες, ώ καλός μοι δ πάππος. ερωπώσης ή της μηρος άυτον, πο repgs denei nandiav aura ED, o marie i cor, ameneivan άρα ο Κύρος, ο μήτες, Περσών κου πολύ κάλλισος ο εμώς πατής, Μήθων μβό τοι, δοων έως ακα έρω κή έν τ οδοίς ή čπ θύραις, πολύ τοπ ο εμος πάππ G κάλλισος. αντι ana (oulu + j autiv o' Asváyns, x solu naklu črt δυτε, και ερεποίς και Δελλίοις ετίμα και διόσμει κής πε ξελαύνοι, εφ' ίππε χευσοχαλίνε σεικοχυ, ωσες ή बेग्नेंड संबंधित मा दृश्यं की, 6 5 Kug G, ब मह खुबाड़ के में दे λόκαλ Φ κὸ φιλόπμ Φ, ήδετο τη σολή κὸ ίππεύειν μαν Θάνων, τωρέχωις εν. Εν Πέρσαις ράς, δια το χαλεπον ε में ज्हेंक्सर रिजयहर, में रिजयर्थसर देर ठेहुसरमें हैंकम क्रि अबहुद, र ideiv iππιν πάγυ ασάνιον lib. Semay j o 'Aquáyng σω τη Juzalei κ' τω Κύρω, βελομοφο τ σαίδα ώς non Sermeiv, iva narev ra oixade modoin, megonjagev aum κό παροψίδας, κό παντοδαπά εμβάμματα κό βρώματι τον ή Κυρον έφασαν λέγειν, ω σάσπι, όσα φράγματ हेर्सा देश गर्छ रिसंमाफ, सं वंगवेश्रा का देना मर्वश्य गः χ. λεκανί- \* λεκανια ταυτα διατείνειν τας χείρας, κ) απογεύεδα τετων τη παιτοδαπών βρωμάτων. π δε; φάναι τ' Aqu άγω, ε γάς πολύ σοι δοκει κάλλιον πόδε το δείπνον ε τε εν Πέρσας; τον ή Κυρον πρός ταυτα αποκείναδα त्रंपूर्), हर्ने, के नर्य कार, वेश्रेव मात्रें वे मो डहे हवा के टेंपरे पत हुद्र मक्षे ग्राम में ठीड़ दिन्त देनां के ह्यामेम निर्मा में क्या υμίν. ημάς μβύ γάς άς ि κ) κρέας είς τοπο άγει. υμε שון וגם צמעד של בשל אסד הדיל טישים עונות סדעם של עליי בום כ άνω και κάτω πλανώμθοι, μόλις άφικνείδε όποι ήμε ma hau ninouty). ann, a wai, payau Toy Asvazlui, il αχθόμινοι ταυτα σειπλανώμεθα. γδομίνο δί, కథ મું જો γνώση όπ ήθεα παυπά όζιν. άλλα καί σε, φανα τον Κυρον, ο πάτοπε, μυσαπομίνον πάστα τα βρώμαπ ठेडळे. में गरंग 'Asua'zlu हे जाह है जीवा, में गंगा की का नहस्राय ερίνο, & παί, λέγεις; όπος, φάναι, όςῶ, όταν μ में बेंद्रमा बर्मा, संड ४ रिंग मीट प्रसंहद के कार्या की कार्य

Stepb. na- Ta xersonanga, ús návo axboulp@ on " natámed a या क्रेडिक

र क्ल πολύ ז כ ענ 7EP, 01 V, 770 eivan o Emis odois x a PTU in de 4° 29 81 क्टिश् भें दे। erv mar mov ti wed, x vns ou : मेरीव ev cum WHATE. YHAT VTCL T: veveda 7 'Agu TYOV E eivada TU CUS में ज्य . v µ.51 8×1 1/18 os nush على , العار A', Epi pava 3ew year TEXHU o TOU M JOY OTA Y ELEG. HI क्रोडवं व

an

बंत वर्ग की देशिंह क. कहाड़ क्यां क Si में 'Asvaylu संत्र सं ποίνυν έπω μινώσκεις, ω παί, αλλά κρέα γε ευωχέ, ίνα γεανίας οίκαδε άπελθης. άμα ή παίτα λέχοντα πολλά αυτώ δραφέρειν, κ) θήρεια κ) του κύρον. κ) τον Κύρον, देसरों देखें हुद्र सरमेर से मदंब, संस्थि, में में रिरिक्ष क्वेंग्या μοι, ω πάππε, ταυτα πάντα τα κρέα, ο, π αν βέλω-யவ் வப்ரவித் ஆள்கிய ; vi dia, pavai, உறம் சவ, ம் ரவி. ப்ταύθα δή τον Κύρον λαβόντα την κρεών, διαδιθέναι πίς αμοί τον πάππον θεραπάταις, επιλέροντα έκάςω, σοί की नहरू, हरा कल मां किया का स्थाप कार के के के का है, אדו עום או אדטי בלשאמן דצדם אל זעני בצשי ספו ל, פדו דפי שלא אינו שא אול של בין היים בין לים ישלא אולי שאדבים דוμας. ποιαυτα \* ποιείν, έως διεδίδε πάντα ά έλαδε κρέα. γρ. έπείει. Zána j, pávas riv Asvázlu, ru oivozów, ov ezw uá-NIST TILE, ESEV Sidus; O D Zakas a eg kanos te av ידי אבעיב, או דועלט בצמי שפששמאפוי דמי לבסעלטינה 'Asti-בשנה หลู อังกอนผมบัคม ซึ่ง แท้ หลายวิ่ง อับกัน อื่อหอไท ซีปี เอออσάρειν. κ) में Κυρον देमार्थि कट्टमार्ग्ड, ώς αν παίς μηθέ-क अकामी में अकर, Sid Ti, के मर्वमार, महत्तर है तक प्राथविंद है अ πον 'Αςυάγω σκώ αντα είπειν, εχ οράς, φάναι, ώς καλώς οινοχοεί, κή συζημόνως; οι δε τη βασιλέων τέτων οἰνοχόοι κομιτώς τε οἰνοχοβη, κὶ καθαείως εγχέκη, κὶ διδύαση τοις πεισί δακτύλοις όχεντες των φιάλω, καλ σερτφέρεσην ώς αν ενθίεν το έκπωμα ευληπότα] α τώ μέλλοντι πίνειν. κέλδουν δη, φάιαι, ω πάππε, \* τω χε. τίν Σά-Σάκα, κ) έμοι δέναι το έκπωμα, ίνα κάγω καλώς σοι καν. πείν έγχέας, ανακτήσομαί σε, Ιω διωωμαι. κή τον κελεύσαι δεναι λαβόντα ή τον Κύεςν. ετω μέρ εὐ κλύου το έκπωμα, ώσσες τον Σάκαν έωρα ετω ή εκσαντα το σείσωπον, συκδείως κή δυγημόνως πως σερσενεγκείν, टेम के हिंग्या मीको कार्य में भी मार्थ मर्त मार्थ में पहिं मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ συάγη πολύν γέλωτα το ξαρείν κὸ αὐτον ή τον Κύερν ελάσαντα αναπηθήσαι σεςς τον πάππον, χ φιλέντα αρα είπειν, ω Σάκα, απόλωλας εκδαλώ σε τ τιμής. Τα τε γαις άλλα, φάναι, σε κάλλιον οίνοχεήσω, κ έκ εκπίσμαι αὐτός τον οίνον. οι το τη βασιλίων οίνοχόσις काम की केंग देश की किया मांध्ये कार्य है थिए ते हुए ज्यान हुई हमें वर्ष में इ मार्थ πυάθα, είς τω άεις εξάν χείες έγχε αμθοι καταρροος τε δή, ει φάρμακα έγχέστεν, μη λυπτελείν αὐτοίς έκ τέτε δη ο 'Αςυάγης οπισκά πων έφη, κὸ τί δη,

ω Κύρε, τὰ ἀλλα μιμέμλο Τον Σάκαν, ἐκ ἀπεδρόρησας τὰ οἴνε; ὅπ νη Δί, ἔφη ἐδεδοίκειν μη ἐν τω κρατηριφία εἴν. κ) κο ὅτε εἰςἰας σῦ τεὰ φίλες ἐν τοῖς κριεθλίοις, σαφως κατέμαθον φάρμακα αὐτὸς ὑμῖν ἐγχέαντα. κ) πῶς δη, ἔφη, σῦ, ὡ ποῖ, τῶτο κατέχνως; ὅπ νη Δί, ἔφη, ὑμᾶς ἑώρων κ) τὰ γνώμαις κ) τοῖς ζώμασι σφαλλομίνες. σροῦτον μλὸ χὸ, α ἐκ ἐᾶτε ἡμᾶς

ρς. ἔπειτ' ει ανας.

ગુદુ∙ <del>ગવ</del>શાંદvai.

12. **γ**ς. ποωί**τ**ας.

358

करें मवार वह महासंग, त्यां व वर्णा देनाहाँ में मवंशरहड़ भी है aua cheneageite, quar Javete j'e de er aminaur ndete ο η μάλα γελοίως εκ άκροωμίνοι ο τε άδοντος, ωμού. ETE distil acisa. Nejwy j enas & unav this eauts par why, " हम di avasainte ogmorphon, un onws og sida ลง คุบยินต์, ล่ง มั่ง อยู่ รี อินาร์ อีนาร์ สอย. อีกางัยงทอย กั म्या स्वास्था, वर्ण मह. विम दिवन रहणेड़ में जैया, वर्ग मह बेरिया, वरा συ άςχων. τότε ράς δη έρο ρε κή προστιν κατεμαθον, ότι रहर बहुत no n longoeia, o vuels नर्ग काराहार अधिकार 280 दलका बार. मां 6 'Asuayns स महण, 6 है कोड मबालीह, ब mui miswo & ue Dione ); & ma di, een adda mus moiei ; di lav mave). ando j narov soev mages & po, olumb ω πάππε, Σάκας αυτώ οἰνοχεί κὶ ή μήτης είπεν άλλά τί ποτε σύ. ὧ παί, ετω τι Σάκα πολεμείς; τον ή Κύεν επείν, ότι νη Δία, φάνοι, μιπώ αὐτόν. πολλάκις χάς पर करेंड रहे में मर्वन मार क्या के प्राप्त कर कर के प्राप्त कर कर के प्राप्त कर कर के प्राप्त कर के αρώτα] Ο αποκωλύει. άλλα ίκετεύω, φάναι, δ πάππε, dos μοι मुझंड nuieas a eξαι αυτέ. κ) + 'Asvaylu संमसी, रो मार्जेड में तें वें बंदिवाद व्याहें हे में Kuegy pavas sas as छ कर है कि की को को लेल कि के समस्य के कि के कि के कार के लेल के कि एवा देन' वैहाइरए त्रेश्नाम' वैए ठिना हमक रियाव महें वेहाइक दे गण्या कर के दिस के कार्ड़ मारबड़. से में वेसक मारम किये में ל בו חיסי, אבשונו בעי בדו אצ של, בו של חמים שוצלם (סו סמץ בוו संमार्थ वर द्रा किने में गुर्णवाहार हुंगार हुले किने मार्थित रहत्र व कारह देवर देवर किन्द्रमां कार कर प्रकर्ण कर

12. Totoutas in outils cudu mages yev com to de-

שוני דמ ב ל אוניף פגל, בו דוים ב שלסודם לבנעלטים וו דסי חלת.

πον, η τον τ μητες αθελφον χαλεπον ήν άλλον φω

σω τέτο σοιήσωντα δ, τι γὰς Νναιτο ὁ Κῦς Φ, ὑρί χαις εν αὐτοῖς χαριζόμθΦ. ἐπειδη ἢ ἡ Μανθάνη πο ς επαθάζετο ώς ἀπέσα πάλιν σερος τὸν ἄνθρα, ἐθετι αὐτῆς ὁ ᾿Αςυάγης καταλιπεῖν τὸν Κῦρον. ἡ ἢ ἀπεκεί νατο, ὅτι βέλοιτο μθὶ ἀν ἀπαντα τῶ πατὶ χαρίζεῖς

a xova

OT078(8

POONnegoi. doros ro karig Tels nuas of they N 8 25 www. 78 PW X10ीय DE A 01, 071 DY, OTI N 77078 ETHE, a 5 701oi wal \* άλλά j Ku-KIS Jak त्ये व मा παππε, संज्ञा, 50,5 01 ें लेगः eisw in भ दिने ने Payell Teivau

i the set of the set o

ακονία μβύτοι τ παίδα χαλεπόν νομίζειν εί) καθαλιπείν, Evod Sil & 'Asuayns here meg tov Kuego, & mai, wi שליון המן בעם , שבשר דסי על דוון המן בעם ביסים לא סוו ב Σάκας άξξει, άλλ οπότων βέλη είσεναι ώς έμε, οπί σι देश्या में देवरा का, देवा, मिंबिरेश संक्रमका, ठिक के में हिंग के us eigins de eue. हमसाच है निमलाइ काई है एकाई दूर्णिया, में Ελλοις οπόσοις αν βέλη. η όταν απής, έχων απει ές αν कार्गंड हे जिस्ते मुह देन साथ में देश मूर्व विश्व मार्थ देनों में प्रश्तां कड़ का Dusy Exer onoian Bener of more on Exerta Ta Te fort. omian νῦν ἐν τω Φραδείσω Ινεία δίδωμί σοι, και άλλα παν- ἀν βέλη. ποθαπά (υλλέξω, ά σύ, επειθάν τάχισα ίππευεν μάθης, διώξη, και τοξεύων και ακοντίζων κα αδαλείς, ωστες οί μεράλοι ανδρες. και παίδας δέ σοι εγώ συμπαίκ ορας πα. etew nai adda, oou av Bedn, dejwy wegs eur en atumous. επεί ή τουτα είπεν ο Asvayns, η μάτης διηςώτα τον Κυρον, ποτερα βελοιτο μερίεν, η απέναι. ὁ δὲ εκ εμέλλησεν, αλλά ταχύ είπεν, οπ μίζειν βελοίο. έπεeath Seis है मर्थे रा रेक्के मांड un महें दे, है। ये में ; संमर्स रेड्रिक् Tri oinos who The nainav nai eini, nai dona negitisos El), winter, nai to Esuav nai anovii (wv. crtan da j co olda. อินเกราะบ่อง ที่ที่อง ค่นเ ที่มี ทั้งเหอง หลุโ ซิงาว อง เอา, ร้อน, D unter, oti sue mavo avia. Li de us nalanimns endade, καὶ μάθω ίππεύειν, όταν ωψ εν Πέρσαις ώ, οίμαί σοι देशका मा के के के के देश के कि दिल के कि की कि पार माम कि मंड Mind 85 रें रेक, देर जैसे कि कसर्लं उठ प्रवा गर्ज नवं नमा वे वे वि जेस ιππέων κράτις Ο ων ίππευς (υμμαχείν αυτώ. πίω δε un Teça ei Ter, The de d'inquor vi les, à mai, mos madnon voade, ines ovrav ou The didamakov; nai Tov Kuest paras, 'dy', a un Teg, a nechas Tautu pe olda. Tas ου οίολα, είπειν τω Μανδάνω; ότι φέναι, ο διδάπα-Los us, os non aneis sola the d'inquotivle, nai annois Ladish Sing (en nai Tolvor, paval, टेमों धार्व कठारे Si-In Thinga's Exacor, wis ex destis Singsag. nv 3 n Sixn πιάδε. Παίς μέγας μικρον έχων χιονία, ετερον παίδα μικούν μέγαν έχον α χισθία ενθίσας αυτον, τ μθρ έσω-בו ביושים חושונים לי לו בצביים מנידס ביובלט. ביץ של שצי τέτοις δικάζων, έγνων βέλλιον εθ άμφοτεροις τον άρμόζον α έχειτερον έχριν χιδονα εν ή τέτω με έποισεν ό διδάπαλΦ, λέρων ότι όπότε μου καλαςα θείω τε ά çµंतीवार 🗗 प्रशामें इ, ह रक्ष र देश कावाल ए वेत्र वेत्र हैं प्रशास्त्र रहें वा,

xcicã.

वंत्रवर्ष्ट्र वे प्रान्तिंग संभ, रहेर देवम कास्त्रीहिवम ही), तोड मत्त्रवाड ही। καία δξί, πότερα τον βία άφελομθον έχειν, η τον ποι-חדם בשלטוי, ה שפום שלטו מבאדה שעו. בחמדם כ בסח דם שלי νόμιμον, δίκαιον εί), το ή ανομον, βίαιον. σύν τω νόμω Er cuende deir tor duasti the Inpor tide dan stag हिन्न का, देवा, के धाँ महि, स्वीत श्रीप्रधाय स्वाम्बंसकाए \* विके De. non a- aneibas. no de u aba aco Mohan o अव्यय कि me, tou कियं ट्रेन ट्रेन निर्देश. वं भें हे मधी नव, हैं का, के नवी, किन नह नहीं πάππω δίκαια, κ) εν Πέρσαις διολογεί). Εξί μ΄ γας το EN Mudois may tor Seasother sounds me toinker en Ties

ous j so ioon Exer Sixuor volised. Xan o oos about 28. नवे तर- मवाने \* तराव मार्थिय की मार्थे, वे मार्थे को महास में महत्रस, तराव ?τα Γυλία με μβία δε λαμβάνει μέξον ή αυτώ εχ ή \* τύχη, άλλ ό νόμο δάν. όπως έν μη απολή μαπγέμθο, επειδάν मागास रहा oinoi eins, av म्हान्य नहार धक्रिय मामाइ रोग्ना पर Banding mores, Ta το πυραννικόν, εν ώ όξι το πλέον ο ιεως χείωαι άπαντων שעעות έχειν άλλ' όγε σος πατής, είπεν ο Κύρος, δεινότερος όξιν, 28. Juzni. के प्रभारह, री रिवंत्रसम् प्रसंग्न, में क्रेसंग्र में दूर हेवूंद, हैवूंग,

अ. हेर है कि है आप के Mind'es विज्ञासमायड़ की की कि प्रहा है का महिला है दूसा ; केंद्र un Si Sag- રિલંદુના લંદ o σος γε πατής \* જ τε άλλον જે રિંપલ, જે τે દેવા જો દા-מנ האבסעבר עבא פוע שמשלים בע מיחס מינע בים ידו מני שו או ד מיסאם מיחס מינע בין דו או די מיסאם τεν άπο- ελάλει ὁ Κύρος. τέλ ۞ ή μί μήπης άπηλθε, Κύρος δ

πεμ 1εται. κατέμψε, κ) αυτέ έπέρετο.

13. Και ταχύ μερι τοις πλικιώταις ζυνεκίκεατο, ώς oineius Saneideu razi de 780 maregas augh \* avip-माना कल्लाकंप, में इंग्लीमें कि क्षेप कम में कार्क (इस्ट क्यों में निष् थसंड केंद्र में स म यह दिवल्रेड्लड़ रिंगाग्य, क्यें क्यांनिय देमहे-Ador Kugs Seing Started East of inv. o Se Kue o 6, n िंशागा वेदार को मर्बार्डिड, रीवं मिट कार्र वामक मुक्कां वर के कार्रकाμίαν, किंशे मका τος εποιείτο διαπράπειος, κ) ο 'Asváyιις δε όπ δέοιπο αυτε ό Κυρος, εδεν εδίνατο ανπλερειν μή ε zaei ( en.

14. Kai 28 बे जेर एमे ज्यानि वारहे, हे मिन्स वेस्तिसका नि 14. πάππου, έδε κλαίων ποτε επαύετο. δηλός τε ήν πάσιν, όπ १९. देश १७४- रिक्ट्रक्टिकित एमें वा व मर्वेत मार वेता अवंशवा- भे के देश प्रथमारे में TIVO, Seotto 'Aquayns, operto nativeto Kueo, nai मर्वणम्बर वंशार्वाचीय वेण्डमानीय ज्ञान्डमान्कर के, म वावान प्रवeieidt' ase manta mann avention to rov' Asvaylur.

> 15. Και ήν μθο ίσως ο Κυρ Θ πολυλογώ τερ Θ, αμε मीं रीवे त्रीयां त्रार्थिसंबा, वता माम्ब्यू मार्थिक रेखा के रीविक ex 2.18

De. avek-

27, 00 TO.

15.

is di 701ify is Nous 87005 olda , žon TS TO ie ali Пер ũ T O ETRYin 'in erdav σιλικέ עשדעשו 5 6GIV. s, Eon, 3 65 6 को ह0 mond.d 895 SE

το, αςε ανήςβυ τού ες ομέο, π φιλοπςυάγης

oro xa.

6, a us 6, da-6, da-

αάλε η Αδόναι λόρον Ενεποία, η λαμβάνων παν άλλων \* α δικάζοι επ 3 κ δια το φιλομαθώς εθ, πολλά γε. οπότε μεν αυτός α से τες παρόντας ανηρώτα πώς έχεντα τυη- δίκ. χάνοι, κὸ δσα αὐτὸς ౘα ἀκων ἐρωτῶτο, διὰ τὸ ἀγχί-שני בל), דמצו מ' הבצפוניבדם " ביב בע שמידפיני דצישי א שםλυλογία συνελέγετο αυτώ. α'λλ' ωσσερ γαρ ον σώμαση, δσοι νέοι όντες μέγεθ & έλαζον, όμως εμφαίνεταί παύτοῖς νεαρόν, ὁ κατηρος द τ όλιγρετίαν, έτω κὸ Κύζε ἐκ τῆς TONUNONIAS & Jear of Aspairero, a'M' a Thorne x' orλοσοργία ώσε επθυμίαν τις έχεν έπ πλείω ακκου αιπε, η σιωπώνη παξείναι ώς ή τεροη βυ ο χεόν Ο αυτόν कार मही महत्र्धीस संद कि किए में क्रिकारिक प्रिक्रिया, दे महत्त्व א דסוֹב שבי אביסוב בפתאטדנפסוב באבחדם, אל דה סשיה הסטγαιτέρα. αίδες ή ενεπίμπλατο, ώς εχ ερυθερίνεδαι, οπότε (μυτυγχάνοι τοίς σεξοβυτέροις και το σχυλακώ-As, τω σχου ομοίως σεροσιπθεν, εκέπ όμοιως \* σερπε- ρε. σεροπε-This eiger sto 3 nougaires of mir sip, or 3 rais (we res. εσίαις σάμπαν επίχαεις κ νο δοσα διαγωνίζου η σοκλά-Ms ηλικες πρός αλληλες, εκ α κρείων ήδει ών ταντα שנשאפודס דשנ (שוסידמנ, מא מחבף בע הלבו במשדטי חדτονα όντα, ταυτα Επεχε, φάσκων κάκλιον αυπ σοιή-कुण में κατης χεν ηθη αναπηθών δλί τες ίππες, η διακον. πέμενος, η διατοξά σόμενος ώπο ην ίππων, επω πάνυ ב אס אפן שיי און שוובוש לי, מש דל ג בס " ב משודם עם אובת ביצב עף. במשות ל Aa, wis d' su वंत्रहीं किवज्रहण देश यह भरी वंदेखा संद के mi สาเล้ง ฉัทรีผู้รอ, ฉัม ' อันลมเปลี่รอ อง รด์ สาคลีสินเ ฉบัติเร βελπον ποιείν ταχύ μέν είς το ίπον αφίκετο τη ίππ-का रहा \* मेरायां राया र रवार है \* कवार्माल, ठीवे के देख्या कर पूर मेराहाτον ταχύ ή τα εν τω πωρεθείση δηρία ανηλώκει, δι- Steph. leg. ακω", κ βάνων, κ κατακαίνων ώσε ο 'Ασυάγης εκέτ' σαρία. ener auto Cunique Jegia. no 6 Kile ai Bouer O on Βελόμεν 🕒 ε δωίαιτο οἱ \* ζῶντα παρέχειν, πολλάκις γε. ζῶντα τεμ σε ος αυτίν, ω σάππε, τι σε δει Δηρία ζητέντα σολλά σεάγματα έχει ; άλλ' ω έμε ενπέμπης δλί θέραν σύν σαμέχειν, το θείω νομιώ, όσα αν ίδω θηςία, \* σέ μοι ταῦτα τε έλεγε. oes. Em Bu par 3 opospa Kievas em & Jugar, exes 6- 29. epoi μοίω; λιπαμείν εθύνατο, ώστες σαίς ών, άλλ' όχνης ότες ον ταθτα ροσήει, κ) α σρίωτεν πο Σάκα εμέμφετο, όπ ε παρίει πεφεδαι. είτον τρές τον τάππον, αίτος ήδη Σάκας έσυπο έχί-भारत. ह के कर्वजाल, से भा कर्वाठी। से प्रमाहेट सेंग प्रयो के

Σάκα εδείτο σεάντως σημαίνειν αυτώ, όπότε εν καιςώ εἰκ εἰσεναι, κὴ ὁπότε ἐκ ἐν καιςώ. ὧςε ὁ Σάκας ἡδη ὑώρεφί.

रस वर्णेंग, विकाद में मं वे में मा कर्णा है.

16.

3. EEw Ingregar.

3. Suggeger vel potius sugger.

3. Suggeger vel potius sugger.

16. Έπεὶ δι ἔν ἔρνω ὁ Αςυάγης σφόδρα αὐτὸν ἐπθυμεντα τῆς ἔξω βέςας, ἐκπέμπει αὐτὸν σὸν τις βείω, ἐρύλακαι συμπέμπει ἐφ' ἔππων σρεσβυτέρες, ὅπως ἐπθυ \* Μορερῶν φυλάποιεν αὐτὸν, καὶ εἰ τῆν ἀκίων τρανείη βηείων. ὁ ἔν Κιρος τῆν ἐπομένων σρεβυμως ἐπωράνετο, ὁποίοις ἐ κρὶ βηείοις σελάζειν, κὶ ὁποῖα κρὶ βαρρένντα διώκειν. οἱ δι ἔλερον, ὅτι ἀςκτοι τε πολλὲς ἡδι πληπασσαντας διέφθειραν, κὶ λέοντες, κὶ κάσει, κὶ παρδάλεις αἱ β ἔλαφοι, κὶ δορκάδες, κὶ ἀρειοι ὁῖες, κὶ αὐνοι οἱ ἀρειοι, ἀσνες εἰσν. ἔλερον β κὶ τετο, τὰς δυρε εἰαι ὅτι δὲοι φυλάτεραι ἐΛυ ἡτρον, ἢ τὰ βηεία. πολλὶ ρὸ ἤδη αὐτοῖς τοῖς ἔπποις κατακρημικιθίω αι.

17.

17. Και ο Κύρος ταντα πάντα εμάνθανε προθύμως ως ή είδεν έλαφον εκπιδύσασαν, σώντων επιλαθόμεν θ อับ ทหงอง, อิร์เอนอง, ชิริยง ผู้หอ อัฐอง ที่ อัสอเ ออส์ ห. หล माध्द री वनारिष र वार्ष व नित्त कि कार्म स संद प्रवेशवाब, में माम् καικάνον έξετεαχήλιτην. ε μίω άλλ' επέμενεν ο Κίξ MONIS TOUS, is o in TO Javesn. wis i eig to westor in Δεν, ακουτίσας καταβάλλει τω ελαφον. κλών π χείμε μέρα, ο μέν δη τωρέχαιζεν. οί δε φύλακες σερσελά sures exoldogen auton, no exerce els of nindulon exam ये देववन्या भ्राट्टिंग वार्में मार्ग कर्वत्रम् के हैंग Kie G संदर्भार καταξεξηκώς, κ) άκκων του τα Ιωίατο. ώς δ' ήθετο κρα भूगेंड, वेश्वमां रीमजर देशों में मिना के व्यव्ह देश देश वर्ण में केंड में Ar in To orantie na mes v wes opees menor, antio exam νει χ διαθεινάμεν Ο ευσόχως βάλλει είς το μέτωπον, स्वर्वाष्ट्र में मुद्र क्लिए. टेमरवाँ जैव प्रवंश राश में भी में के मिलि वार् ελοιδος είτο, την Αρασίτητα δεών δ δι' αυτέ λοιδος μένε, ομως έδειτο, τσα αὐτος έλαδε, ταῦτα ἐάσαι ω τον δεναι εισχομίσαντα τω σάππω τον δε θείον в नहीं प्रवेता, देशे थि वा जाना वता हिन विश्व हु, हे जा प्रवेष αλλα κή εμοί λοιδερήσεται, ότι σε είων. κάν βέλε), φάν αύτον, μασιρωσάτω, επειδών γε έρω δω αυτώ κ) σύ से विश्वेस, हेका, के जिल्ह, म्हार्मिश्वविद्याप के, म विश्वेस, यहा όμως χαρίσαι μοι. κ) ο Κυαξάρης μέντοι τελοτή είπ woles omus Benes où jair viv je ninov zoinas Banhes era. ETa Si o Koe einouisa ra Ingia, edide t

( W 61 Spepi. ेगा जैप ein, i क्ष न्य שי ז ÉT W اع عوا yes uqu भें जयह , xi ci 5 Sugar mo Nie שון ער Preno 74. Xa में माभी o Koles Siov in 28" MA CO OE NO ע באשם eis ni र ० भवा is wis H Exam WTOV, ! G auri Yolde zoau a Deicy 8 roi mova J, pains 2007 A 64, T81 क्रिं संगा βαπλευ edid8 1

πό πάππω, κ) έλεγω ότι αυτός τουτα Эн εφιστιεν οπείνα. ע דם מאסידום ב לביאועב עלי צ, אמד ב אואב לב העמדם עונים, किं ह के हरा रहे। मर्वमारण है किया. ह में 'Asuzyns बेहद से महण, केंग्र', के कवा, S'expuas per Eyaye में S'eus oou por Sidus, ε μέντοι Νομαί γε τέτων έδενδς, ώσε σε πινθυνεύειν, καλ 8 Κι ερς έφη, εἰ τοίνω μη συ δέη, ίκετεύω, οι σάππε, שנים של שנים, סחשו ביןם לומלם דסוק אמואוש דמוק. מאל, 8 παῖ, ἔρη ὁ 'Αςυάγης, κỳ ταῦ τα λαβών διαδίδε, ὅτω ου εκλα, η औ άλλων οπόσα εθέλας, η ο Κύρος λα-िकंग, हेरी के पह बेट्ट गाँड मार्थानं, में वसक हैरेड्रीण, के मार्थे-As, ώς αρα έφλυαρευλύ, ότε τα έν τω παρεθείσω Эπεία किक्क्ष्रहण ; है माठावर के देमाठाकृत किस हैं हैं की कि हैं माद किकμίτα ζωα Απεών. எனோல் பல் ல ல் முடிய வைய், மு, \* Επειτα χ΄ μικεά. χ΄ Ιωεαλία. χ΄ το μέν αι Αν, χωλόν χε. επειτα ம் το δε κολοδέν. τα δ' έν τοις όρεπ και λειμώπ Эn- λεπα και εία, ώς μέν καλά, ώς ή μεγάλα, ώς ή λιπαρά έραίνετο. Ιωρ. के वां प्रदेग हर बदेश, केळहरे श्रीणिया ग्रेप्रशास करते हैं म बहेबार है. ம் நீ मर्द्र कर्ना, மகை कार केम्मिया क्या, महत् केम्मिया, क्या जह intervor iso de f manital of she awater offer to lie αὐτω. καλλίω δέ, έφη, έμοιχε δοκεί και τεθνηκότα ταῦτα εί), η ζώντα εκείνα τα σειωκο θρωμένα. ακλά άρα क, ह्मा, बहुर्स्ड प्रवा र्मिंड भी नवस्तुहड़ टेना नीए अंद्रिय ; के is siws y' av, Epacus, ei 'Asudyns neasuos. n' o Koeos &-कह, तांड बेंग हैंग ग्रें क्रिक कहांड 'Asvaylus winden; तांड प्रकृ ο, έφασαν, σε γε ίχανώτερος πείσαι; αλλά μα \* τίω Χ. τ Δία Hear, รอก, ร่วง แรง ร่x อโร อีราร สีขางเพางร วุรารียกแล. और 38 λέρειν οξός τ' είμι, εδ' αναβλέπειν περς τ πάπv in The los en Swaper. Wi de Tooktor Emilde, θοικα, έφη, μη παντάπασι βλάξ πς, κ) ηλίδι ο γέυαι. παιδάριον δε ων, δεινότατον λόμειν εδόκεν είναι. of maises el mov, movneou legers to wearen, el and मिम्मी, वंग म रिम, रिप्पानम् कर्दिनीसम्, वंभे वंभेष मण्डे ας τὸ ἐπὶ σοὶ ἀνάγκη δείδαι ἀκέσας δε ταῦτα δ togo ishixin' ni ory i amendair, samendodusio iαυτό τολμάν, είσηλθεν, επιθελεύσας όπως αν άλυπό-करत से मा। कहा द में भ मर्थ ममाण, में जीवमहर्व देसहर व्यामा नह में τοις πωσίν, ων εδίοντο. ήςξατο εν ωδε, είπε μοι, έφη, कर्तमह, थिंगड डेक्टरिल्लाम की ठांप्रकी, में मर्बेडिमड त्यां करेंग, www zenon; Ti di anno, son, n d'noas esza (edal भू अर्थका ; lu j authuaris का क्ये राष्ट्र के निर्मा में इसहित है। स्थान

Tolnotis; 71 A, Epn, in masizadas aitor ze, Tra un ai.

मह रहेरा कार्ने, देस समय रिक्ट्रमेंड स्वेश व्यापने द्वांगण पता weg sv, Equ à Kugo, Sanda (edal ou ein ora pa. στρώσεις με, ώς βελουρμον γι όπως έποδρώ, λαβών του euss naixiwitas on Siego is o 'Asuayns, xaxos, Equ काराम प्रकार कार्य कार्य विश्व प्रमाण है प्रकार में मार्थ कार कार्य मार्थ Jas. zaeler zae, con, ei erena neadlor, Th Bugarei ni παίδα Σπιθεκολήσαμμι. ακέσας παυτα ο Κύρος έπείθεη ald nai Euler, aviagis de nai onutromos ou, ouni δίη γω ο μέρτοι 'Αςυάρης, επεί έρνω αὐτον λυπέμενο igução, βελόμεν Φ αυτώ χαρίσαδαι, ¿ξάγει όπὶ θίρα καί πεζές πολλές, και ίππεας ζυναλίσας, και πού πώ. Sas nai Cuvenatas eis Ta immanua zweia Ta Snein emoinos merantu Inear nai Basininas di airis me gov, ampeede un Siva Banner weir Koles Eumanden βάλλων. ὁ ζ Κος 🕒 ἐκ ε΄ α κωλύειν, ἄλλ' εἰ βέλει हरमा, के जब जाता, मेरिकंड पह अमुद्री, बेंद्र को जबेग्य में देशहे ीळात्सर मवो ीवप्रवर्गिहिलेया, ठमक देशवह कि नवं प्रवर् nsa Sivaro cerasta si ò 'Asvayne apinn, nai sai है अरबंग्न कारे वंधाने में कार्यों के के कार्य मार्थिक, सवा कार्य कार्य τας, κ) διάκοντας, κ) άκουτίζοντας, κ) τω Κύρω ήδετο, Sucultie (17av imo Tis informs, and wate oxunan > ναίω, ανακλάζονη όποτε πλησιάζοι θηείω, και προκα λέντο δνομαςί έκας ον. και τ μέν κα ταγελώντα αὐτον δρώ ευφερίνετο, τον Α΄ πνα κι έπαινώντα αυτον ηδαίνετο εδ όπωτικν φθονεςως τέλ Φ δ' έν, πολλά Ineia έχαν ! "A SUA 7 Ms संस्माल अवते के Aolado ह कार मंत्रा की कर्म के महिन बेंडर बेले, रेंग्लंगर गाँरेंग नर लेंग, Curekher नर्स Kuge, yai दे λες τε πολλές παρελάμβανέ, κή τού παίδας, Κύρε ένδ भद्र. में एके हैं क्रेसंड्र प्रहरेग्य हम् रीमिश्री के Koles, नवन 3. i Avds. nobvis wiv, z ajadi nvo Cwaino wv, xani & \* i Sevi. aupi de नवे मर्पन में राष्ट्रा विषय हमा वेपार अध्यान ¿ yòs Te of 'Acoveiar Baonheus zameir minar, inedi μησεν αυτός επερίσαι είς τέτον τον χερνον. ακέων έν ο Tois ME Joelois Tois Te auth, xi Tois Mildov word dreis' E)), ατε αθής & τα δυτα διώ ή πόλεμον, ενταύθα επιθύ μησεν έξελθείν. όπως έν ασφαλώς θηρώη, ίππέας 11

> σροσέλαδε πολλές και πελτασάς, οιπιες έμελλον αυτώ α नी रेवर्गका नवे जारांव रहिरत्ये मंड नवे देश्यवाधा नह भी ευήλατα. αξικόμβυ 🗗 κ όπε 🛍 αυτά τα φεκεια κί

> > φυλακ!!

De. Ingav.

n du.

oud;

w ma.

ישר עינ

, Eon,

xive.

rei Ti

लंजिल

onwa!

. R MENC

In east

ουλακή, Ενταύθα έδειπιοποιείτο, ως αρφί τη ύπεραία Snegiows. non 3 corees suo wins, in Stade zi Ti meg-Der ourany keze. ) on moreme, no mezoi no immeis. Esb-Εν εν αυτώ πολι πραπά σαρείναι, δύο με φυλακαί γε. δύο χο कें के हिल्ला, मार्गिशे हैं है दिल हैं है के मार्थ में म ζές, εδελεύσατο έν κράπισον εξ) λεηλατήσου όκ της Μη- φυλακού κ Ακώς, κ λαμπεότερον τε αν φανώναι το έρρον της 3ή- πολλές αυες, κ) ίεςείων \* πολλω αφθονίαν ενόμιζε χυήσεως. Επω τὸς ηκεν A किल्कों बेंग्बड्वेड मेंगूर में " sparov. में मध्ये भीने मार्टिंड मद- देर्कण. πελείπει άθρους εν τοις μεθοείοις, αυτίς ή πίς ιπποις γε. παμσερσελάσας το ερς τα την Midwo ogselz, του μου βελτί πολλίω. इस्र में क्रेसंइस्र हें द्वार मही दियार , देश त्या के सव महम्मार , केंद्र हु. इति ती-ישות לי Inein. τό δι οπιτηθείες αφηκε x3 φυλάς, αλλες αλλοσε κα-ग्रेंड जय - θαν, κή επέλαε σειδαλλομβίες ότω πε έπυχχάνοι. Anden के वर्णा सार करहे द विकारिंग. oi क्षीरे में स्थाप द करवारी ov जापवा-BENA Μυτων ή τω 'Asuajes δπ πολέμιοι είσιν ον τη χωρα, οκas na Con असे में क्यों केंद्र करहेंद्र को ठिएक को प्र कींद्र करेंद्र क्यों केंद्र में ठ ע אפתי الم الم Tis amois j conjucive many inconder. wis j eider PEINEL TON'S av Spares of 'Acoucier our TETA Juspes, if Tou in-SE 70, 1 mas nou year a zerras, Esne ni or Muster. 6 5 Kuess ogar ours ye कि दिला में हे एस में के में के में के में कि का कि का में के कि का कि में कि कि के कि का महिल Deg. na. TOTE OTA CUSUS, ETTOTE \* OLOULUS, ETTE ALSO LONG ingo vo માં મુલ લે હાર્મોં ક રિલ્મો ઉવારે. મે ત્રેફ માર્લ માલ માલ છે મે મે કહે 1570 Kd क्रियां निरम्त वामके, बे ठ मधंत्र म कि कि में कि व्याधि कार का EZUVI क हमा है दिन्त्राम्मिक कलामिय प्राप्त में है Sied. sudyns idwo, eduduare who tivo nexectous of nixor egi ar τιως d' सं मह ν αυτώ ερβ εκν σαρ εαυτώ ο 3 κυς , ώς CR ENS θε ποιλές ιππέας άντιες, ηρετο, η ετοι, έρη, ω πάπ-5, जावना Se + 8 , TOLEMOI HOW, OF EDESHIAO TOIS IT TOIS HELLE ; TO- 20. ESHILE A mos who tos, ton. i x cheives, Ep., os shauvovtes ; our tois Susperis. cheivos εδότοι. νη τον Δί έφη, ω πάππε · αλλ' έν πο- ίπποις; οδ हिलाहरीं. εσί γε φαινόμθοι κὸ όπὶ πονης ον ίππαείων όχειθροι έν έπ. N SN C Jeon null ra zenuara exer zen exaurer mras n- ze. zi esne à Dreis' क्षे हम, काप्रकड़, बुष्प, हर्र वहेंदर, हर्मा, कु कर्ता, व्यक्त के यह न कार्यास्त्र ह अह जैं। 9 τη ιππέων \* έςκαι συντετα ωμόον οί, ην επ' εκεινες μερίον σιο मध्यद्र ग ues Exaurould, Torteus ) maxir nuas cheroi; nuiv tois inaura de sme igus magestv. ann' no où whens, "con o Kugo, mois; of, नह भया या वंश्वतव्यविष्माह मध्ये क्रम्भात क्रिंग क्रम्मा क्रिंग क्रमें, ela xil ουλακι,

Tot, x & xivnoov Tui' of d' a portes aphoren cubis Tu λείαν, επειδών ίδωσί πναι επ' αυτέ: ελαύγονται. του είπων εκξέ π λέρειν τω 'Αςυάρει, κ αμα Δαυμάζει कंड में किल्लास में हेर्नार्वहस, मह्महर्णस म्हेर प्रेर में कि में צוע וח חובשע באמחע כחו דוש מ בסעדת דעני אפומו. בין או 20. हेरे बेक्क. हिमा, हिमों Tक्षित हि, मेंए टेमों वह सार्के एन्स, \* हेरेके के इस बेरबा na Drioov ) in pur mego exert & ver & ro dri o Kuagaens ha Phil. 1π- 6ων Αν ερραμένων \* ιππέων τε, κ ανδρών σεστλαύνη ky o Kuel, ais ei der ognameres, ouregogna cudus

αυτός πρώτ 🔾 ήγειτο ταχέως, κ) ο Κυαξάςης μθώτιι ές TETO, X, OI ALLOI " EN ATTENHITOUTO. W'S " HISOV QUITO

TWY.

στελάζοντας οι λεηλατεντες, ουθύς αφέντες τα χεήμαπ בשעישיים לו או מעבו דבי וניפט שב דבעיטידס, או ענ שנו או τελαμβανον, δυθύς έπαιον, σερτ Ο ή ο κυρ Ο· οπ ο σαρλημέζαντες αυτή έφθας, κατόπο τέτες εδίωκοι או צא מיוֹבּלַ, מֹאְאְ אֹנְצְיִי הוימוֹ מֹטהול. משפר ה צומי איי va कि समाहक वे कल्डा von Tws क्रिक्स करें इस कल्डा, क्षा κ) ο Κύρ 🗗 εφέρετο, μόνον όρων το παίειν τον αλισκόμε νον, άλλο δ' έδεν σερνοών. όι ή πολέμιοι, ώς έωραν π महभाग्य कार् क्रिक्ट हैं। क्रिक्स भार्न के तिक्कि, केंद्र माधान प्रधान τε διαγμε, επεί σφας ίδοιεν σερτοςμήσαντας. ο ή κυθί with mannon avier, and woo The xupuovies avandart 20. parlei. Desor edlane ni iguedo rlui \* puzlui rese monepions! Steph. mal. ποιει \* κατέχων. κό Κυαξάςης μέντοι έφειπετο, ίσως β omitt. xal- i aixuno al G Tiv martea i i o anno jeimovo, we

EXEN.

TWY TUS.

2e. 51100-NWOI.

जिए थार्ग हुन है। तर देश मूर्व महाराष्ट्र मंद्र में के कि सम्प्र, में है। मा nd vu wegs my cravites a Amunos ortes. 6 3 'Asuayill कंड डब हव नकां में वं कर्शिंगांकड रीकंप्रम्या नकां में मार्थ। 29. रक्क av- miss a Sposs रह में रहत्त्वर महंग्र, \* वे त्रवा नक गर वड़, र लिया की שנות של אשר של ביני או אינודם בעשלי שבי ב אשל אונו Miss, or of an montaior, as order 780 Miles meaning Sevan, Satervaulos os nev, नवे म्यूरेम, ठा है नवे में हैन, हें इसाम्बर, केंद्र वेंग हम सर्विंग सेंद्र मार्ट्स पूर्व पूर्व केंग्रहारी \* 51 mus & . के कार नवे को हो दिय \* संक ने बन का हो ए. प्रदेश ! τοσέτε όπότε εγρύτα α γίγνοιν ο, σερσάλουνον αλλά Bened Jeg. As, x incosonito To mondans ueges saveges ensis έως ων του μεν σσετέρες φυγή εις αυτού φερομένες, πο

> of augi Kuegy our देन वेपका देन्त्याहिएस, निष् में नेप्रारं ale our tois in mois crtos proposour non to Esucalo,

5 The

TOUT

ua di

200 di

dvay

ens ha

A a U VH

שלי יו

HOS 157

auto:

nuan

my Kt

Si wikor

wy you

7, 870

MOROUR

Seav m

WOT HIS

3 Kuen

Royart

peioss !

, ious #

70, 00

ين فد بنا

sud yIK

JE TON

रिया की

α τα κτικ

יולסת לי

weg xill

מ שו אני ולו

الاعجابا

y andi

· \$761

EVES, 780

SE, y cha.

evinal G.

18. Ev wi Si Mindois Tau Ta e Sue To x of TE a No! 18. mivres & Kuego dia somalo eixer zien hoyor zi en θλως. ο τε 'Αςυάγης ε προθεν πρών αυτόν, τότε ερεξεπεπληκτο επ' αυτώ Καμδύσης ή ο τη Κύρη πα-אוני וו לבידם על שטע שמים שולשל שני בא מו של ביל בא של אונים ביל אונים ביל אונים של אונים ש avspès non igja \* siampationsvor tor Kuegr, amena- y. Siagesλει όπως το εν Πέρσαις " όπιχώεια αποτελοίη. κ τον ειζημθύον. Κυρον δι ενταυθα λέγε) віжни от атіма βέλοιτο, γε δπίχειο ικό δ πατής τι αχθοιτο, κό κ πόλις μέμφοιτο. τω εν εσ. δπιτε-" A รบล่วย ร่งถิ่นย ล่งลว หลังง รับ ลังงางคุม สเมางง. รับ - มิงเก. มู่ จั Sa Si निजाह, नह व्यास रहें, हैंद वेपारेंद्र देन प्रेम्स त्यिस, Kugo. के बेश्रव ( एमर वेंड वह \* मका मार्डिय मर्थ, बंगां महम्मा में डीव पृष्ट मारा वें το φιλείν αυτόν, η άμα ελπίδας μεράλας έχων ον αυ ετό. το ανδεα έσεδαι ικανόν, κό φίλες ώφελειν, κό έχει κ eviav.

19. 'Απόντα ή τον Κύρον τος επεμπον απαντες, χη ωρες, χη κλικες, χη ένθεες, χη γερεντες ερ' ιπ πων, κη λεσάγης αυτός. χη εθένα εφασαν όντην ε θακεύστα αποσκέφεωτι. χη Κύρον ή αυτόν συν πολλοίς θατούοις λέγε η Σποχωρήσαι. πολλα ή δωρα διαθέναι αυτόν φασι τοις ήλικιω ταις, ων 'Αστάγης αυτώ έθεθω και τέλ ή ή, χη ην είχε σελίω τίω Μηθικίω εκθιώ ται δεναί τηνι δηλών ότι τετον μάλισα ή απάζετο. τευ κάγαι ποι δηλών ότι τετον μάλισα ή απάζετο. Τευ κάγαι απενεγκείν 'Ασμάγλιμ ή δεξέμθον Κύς ω άπος κάγαι απενεγκείνας τα δωρος κύς επερικείνας τα δωρος κάγαι 'Ασμάγλιμος κύς ω άπος κάγαι απενεγκείν 'Ασμάγλιμος κάγαι Αποκοί Αποκοί

- -

wenter, Tov de want Te Store infar eis Mindres nai & al. as os πείν, ω πάππε, ei βέλει με καὶ πάλιν ίεναι \* ώς σ ndews, x μη αισμοριθον, ξα έχειν είτω π έγω δεδωκα. 'Αςυά. mi) algem. γω δε ταυτα ακεσαντα ποιήσαι, ω ασες ο Κυρ 🗨 επί-

20.

שני שניאני TIVA.

20. TW 3 अंत्रसंग.

au 785.

12.

SEHX SV. 20. Ei j કને મે મહાઈ ામજ મેંગુ મામા અધા છા, મેક્યું, હત Κυς Θ απήκι κι άπηλλαθοντο απ' αλλήλων, τού συγ. γωθίς φιλέντας τον Κυερν τω σόματι, εποπεμπεδα

αὐτὸν νόμω Περσικώ (κ) γας νῦν ἔπ τοπο πείδο Πέρσα) ανδεα δή πνα τη Μηδων, μάλα καλδυ καραθούν οντ επποπληχ θαι \* πολυν δ'η χρόνον επί τω κάλλει το Κύρκ nvina de notes कार Cuy soms pirevias autor, ion λειοθωία έπει δε οι άλλοι άπηλθον, σερσελθείν πί Κύρφ, καὶ είπειν, εμέ μόνον ε μηνώσκεις, ο Κύρε, ή Curston; Ti de ester Tou Kuege, il kai où our sevis εί; μαλιπα φάναι, ταῦτ' άνα, είπειν τὸν Κύζον, κα ενεώ ε μοι σολλάκις γας δοκώ σε γιγνώσκειν τέπ

कार्राय करार्मि अवंद का बंसे विष्में कि देवा, में 783 Oess, ngungulu. and en ider, para Tor Kuege סטין לביו ועם מדעם. מעם ל שפים של שלים בי המו מני שלי או A Midor OIAN BEPTU Efectus, il xì de Megous vou O Bin क्षि ज्या दिशमा कार्रमा दे मार्थ हिंदी के किया के दिल्ला के λήλες δια χεόνε, η απωσί ποι απ' αλλήλων ωρα ά 29 είπ, έφη \* είη σοι, έφη ὁ Μηδ , πάλιν φιλείν εμε άπερχουαι

o Mild G, yag, wis ocas, indn. Erw z rov Kuegov manin pinhouts πάλιν σε αποπέμπειν, κ) απέναι κ) όδον τε έπω πολλίω \* διελ! אט אל מט דכוֹג, און דפו מוולסט ווצפונו את אנו ולוצידו דול וות. PIA. 28. διηνύ- πφ. καὶ τὸν Κῦρον ἰδόντα, ἀλλ' ή, φάναι, ἐπελάθε π ως αυτοίς. ων εβέλε είπειν; ε μα Δία, φαναι αλλ' ηκω δια χείτ 28. x Sia- ve x Tov Kuegov eiter. vi di' & riggues, Si' oxige

24' Tole, oxiye ei : eiv Tor Misor; en olda parai, i บบานอินเ Κύζε, ότι κό ότον σαφθαμύθω Χεόνον, πάνυ πολύς μαι Souel ED, ότι έχ όρω σε τότε τοιντον όντα; ένταυ λα δη τον Κυρον γελάσαι τε οκ την πρέδεν δακρύων, κ ή mir auto amorta Sappeir, oti magesay autois odige

> χεόνε ώς δράν σοι έξεςαι, κάν βέλη, ασκαρθαμυτίε. 21. O who sin Kug & word attendar eig Theoras, cut entor us regarde ETI or Tois main fuedas. x To pul क्टूजिंग्र को महार्थिद हैजरक्षिक वर्षेत्रके, केंद्र मिर्गिक महत्त्व Inkas

nai i ws 0 Asua. 9, 87 יל סטץ. 11 महत्वेषा Tegow) שרעם על & Kues v, ion. DEIV TU हर, नी UY SEVIN gr, xal URL AFE žon, ni Kuegh דסף. אמו 10 Gil worv al. ₩ eg. a1 is some Anowers + SIENII. TW 17. אפיסוב דצדסוב שבושטעוסו, בעונומצים מעדם הסוצע דעו. h & Con Sia 260.

i oxige aval, i oxus pul NT av. Sa שע, או אי is oxige

มบาโต้.

In was

Энкој दे Midois मारा हमाने हैं में हिने विगम को में हे के विश्वा मार कांगों मंतिका, भी मांग्राय, भी ले मार देन देवहाम देशायां क בים אניסודם, באוחלו של עם או אים עם או אים עם דו של במשודם עובר או שמים-אמע אה שפים לינושיים או שפיה דצדפוה ה או דם אמ אפתח-इंडिंग्य कारिंग हर्ष्ट्रका कहा बेसवार दियारी टेम्स्या नेव है सर्वे 18 าใน ทั้งท ค่อที่มิงยง ค่ร ซาร์ ยอท์ธิชร, อง ซึ่งของ อมี ยองี่นคง महत्राहरणंसर, में पत्रमार्थ के प्रशं, में मक्राहर्क के देरीस, में को-1 km/ or of engurieus, x) कला र्रायी कार बंद χεσι.

22. The joul of de To xeove, o whi Asuayns in Tois Mindois amodviones. o 3 Kuagaens o To Asuayes mais, T 3 Kuge unless ad Expos. The + de you Exale of Mister. 25. Baorο ην Ασυείων βασιλεύς, καταςρε- αίνου Ο μου πάντας λείαν ειχε Σύρες, φύλον ε μακεθν, Εσήκοον ή πεποιημέν Ο τ' Αξα- τω. Ciev Bannéa, Ennoss de Exer non nai Texarise, no-Mognar 3 ng Rangiss cromicer, et the Mindes adevers πιήσειε, πάντων γε αν την περιέ ραδίως αρξείν. ίουρβ-שנדטע שהף אל בין נעל סטאשע דצדם בלא אנו בול. צדם לא לומπίμπε) πείς τε του ύφ' έωντον πάντας, κή πείς Κερίου του Λυθων βασιλέα, κ) τους του Καππαθοκών, και ορίς Φρύγας αμφοτέρας, η σορς Κάρας, η Παφλαρόνας, "h' Ivs's 5, n's week Kininas, ta whi n' diala new week Steph. nai with Mides if Higgas, higher is medada to ein tauta weis Ivton, x iqued, x orvesuno ra eis to auto, nai omjani des j, x annace we moin who ever, he ouvernoise eis er, nai Kilinas. πινδυμεύοιεν, ει μήτις αυτές φθάσας άθενώσει, όπι έν masor of Edrar iortas nataspe Ja Dan. oi alo de ni tois

ταν τα ιδ αυτώ. Κυαξέρης ή ο το Αςυάγες παίς, χε τοι αυτα कार में अवंशहरा मांग र' टेलार्डिशियों, में मांग की वरार दीया वर्णο Curisa ulplu έρ' έαυτον, αύτος τε ουθεως όσα έλ'-το κοινον, κή σείς Καμδύσων τον τω άδελφω έχοντα, παρεσκάε βαπλεύοντα εν Πέρσαις. έπεμπε δε και τρος Κυρον, άζετο. Michy àuπε σειρά ο αι άρχοντα ελ ο την άνδιων, εί

πυας πέμποι spanioras το Περσών κοινόν. ηδη ράς καί ous, in Kuess dia Teter ixais ta in tois episcois dexa etn, in 28. Tois Teο το μω τοῖς ἀνδράσην lui, ετω δι \* δεξαμθύε τε Κύρε, οι βε- λείοις ἄνδ , महार्थ- Motortes अहवारह्ला वांट्रिंग्स वर्णे वेंड्रिंग्स मेंड संड क्र. रे. रे. Mind's whise

il Si κ) δώροις, κ) χεήμασιν άναπει σομίνοι. πολλά ράς

Mndes spareiae Elosar de aura Sanories of ouorium कल्लाम्भरं वेया. मीं में वामी मियानका देसवेडक, म्हेनवहवड वेंग-Spas in Al oucles the means inc. piprov) it on store

Hac verba zistos. The y' an zistov TETOV \* ESOG TOPOTES ENT EXACO בולים שפים בת דו לויעו שלנו וובפסטי לומם עלנו הבא דמקם ב, לואמ ל ספור Soviras, Sixa 3 ngoras. x) 8 mus explorero uveros us Scholio ir- τοξότου, μύριοι ή πελτασοί, μύριοι ή σφενδονήτου. χωreplife fuf els ? Terme of Minior is negot nowith who on spani TW Kugw ESE In. picatur

Steph. 23.

23. Ener av de ngedu raysa, ng द्वार क्यों करकार केंग्रे मिर्ट किर्थ में प्रमाहित्य क्रिकित कर केंग्रे किर्थ महस्त्र करें Saxooiss. देत्रसे हैं क्टुक्संत्र अपन के देंगा की कि न्या हुएड़ Enasti, Cureneger autor, z' Eneger à Kuess er autois τό τε σρώτον πάθε. "Ανδίες φίλοι, έγω σερσειλόμιω μ ύμας, ε νύν πρώτον δοκιμάτας, αλλ' έκ παιδων όρως viuas, a usi nana i mones vouice, mego uns auta on πονέντας, α δε αίρεα ηγείται ε), παι τελώς τε των απε. De miss. Du d' evena ai tos te un anov es tote to te λ Ο κατέτω, καὶ ύμᾶς παςεκάλεσο, δηλώσου ύμιν βέ. λομαι έγω ράς κατειόνσα, όπι οἱ πρέρριοι έδεν χείζες มีเก็บ ยังถ้องรอง สุดหลักระง วิลุก หลุ่หยุ่งอง อุเรายุงออสา สุนะโ देश्य देश्यां प्राथितिया. व म मिर्गा किन्त्र मार्गिया कार TOI OVTES में नार्व की निश्वका प्रवाद के क्षेत्रकारिंग, में कां Tals, करा εκίπ δίναμαι καπδείν. καίτοι έραγε οίμαι εδεμίαν άρι चीयों बे जर हा जेचा के बेर जिन्ने जल्म, केंद्र ध्यानिम का देश है दूर्य जा रो 2. ana 301 \* ear of subultor of mone an and of the opportus

netohor.

ηδονών απεχομοί, εχ ινα μηδέπιτε ευφρονθώσι τέτι 2. an as wegithers, and omes dia routhe the experted ४. टंपक्ट्या - माम्यामें वात कांद्र कार समास्य प्रहेंपा \* टंपक ट्रिका प्रथा, क्षेत्र of good a Cortai of TE NEZEN agg Jupe julie de voi Mir שמו, אצ וועם כנו אבש דבר עוול בחסדב המני שנו דעו, דצדם עוי אבידש זוי, מאא באדו (סוידבה דע אבץ פון בל חבו לסוידבה חסאי Ακς ανθρύπες πολλά και μεγάλα άγαθά διαπιάζα Dai il τε αξ τα πολεμικά ασιέ, τες, εκ ως μαχομθω αινθέποτε παύσωνται τέτ' έκποιδου, άλλα ιομίζου Tes nai 8701, ra wanemina ayadoi guompiai wondi μέν όλδον, σολλίω δε ευδωμονίαν, μεγάλας ή πμάς सबी वर्ण नर्गेड सबी " नो किंग्स र्ज्य प्रेस . सं में मण्ड न्यां"

τα έκπονήσαντες τεν πνα καρπόν απ' αυτή κομίσα.

भेवा, क्टामंडिए, वर्ष महाने प्रमृद्ध वंडीयार्थम्ड प्रिश्महरूड, व्यवार

& work

X. 7015 euoi.

Sei Stepb.

WHITO as av-भि हेरा। Exaco ο σφεν· 101 mg 11. 2w-SPATIL

DE WITH 470 76V 20,600 au 701 in why บบ อัยตั้ง שום כוני vans. £ 70 76. wir Bs. v Xeigus का वामा TO . TO18. 15, 7871 iav det Zwow a Equixa won 7871 REGITERS דעו, צדט evoi sur 2820 mi 785 70h emed a ex oution voni (or 1 TOAUI

וצאות כ ves Tail

\* work

Lucive Souson memor Divas off et Tis peway de agados meg Du mu Deis gue Dt, xì eo onsigen, noù co qu rever, o-मार्ग का मार्ग मक्त हरीया न्यां नव र्रहा, हला महम सक्ति व συγκόωσον είς τω γωι σάλεν καταρρείν. και εί τις ά-DANTIS TOANA TOVITAS Rai a Elovino Subulyo, avayours of Saterister, is av con Europe done dinaes avairio ed apporives. and nuess, a avspes, un ma Jump Taura and Emeime our iguer huir au rois sme παίδων α εξαμίνοι άσκη ται όντες τη κομών κα τα θών ές γων, why on the moderies, is eye ougues consumu airds idiv, idiaras ovras as megs unas a javicent. & jae mo Tol incroi einv a javisa, of av rozzionv, na korni any, n in medway comencedows, lu de ne nounce den, Te-דע אמ חשו דעו מאא צדו ו ווע דעו פוח אל דמו חסישה. שלב ह गामाहद के प्रधानामा किए भने का मध पश्च के से से से से हिन्द शिक्ष त्यां सन XT रहे प्रश्न अर्थ प्रश्न त्यां रवार्य महि ! सवारा, a maid do to j wis sen is Coupe sois, is masulois sen-उवा बामव प्रयो हारा र्वामण व्या की पहरी दिए मचार के प्रवासक देमसंदूष्ट्र दे रहतार प्रसंद में रायम प्रीर में मह देन महत वा बर-An inus a sirade gendy, wors, of the insteas igemoras rouil TE / INO SE ONE TER in Sex 28 nde, volegπεσίαν ή ράον τη λεοντών φέρετε. κάλλισον δε πάντων במו " שסת בעומנידם דנט אדו וום פוב דמב שנצמב (עצמבוסמו- אף. שסתוד. कर हमकार हार्या प्रवाद मार्थ मार्थ में कार्र के में दे हे के मार्थ में मार्थ के मार्थ में मार्थ हर्म. का में हम्बाग्ड द्वाइवंड वंग्वेप्रमा टेमो नहम् द्वारम who wovon, warra d'è xivdunon ideas icondiedas. ei d'è τώτα γω λερω ωτί ύωλ, άλλως ριγνώσεων, έμων-मा देश के राम मार्थ महास. ब्रेश्व कार्रिक का मा किल्य, की कर्म-Rai Th vum et Eus curoia, no Th The Torentar avoid ea Th hus-मा रे. ए । सा प्र प्राचित परंड के नूस है के मार्थिक . से मेर डिस्ट्रे- प्रदेश में प्रा POVTES OF LIGHTER TO LEG. Steph. δόξυ του αλλοτείων αδίκως ερίεδς, νύν γάς έςχενται E of wayintion, absorte at inen subar, navea 2 ninge i pi or connépse. Ti en Bin il te di Eadar Sinaite- 28. naneren, à Terrois pixous desiren nantion; anta plui \* d'a vor ci pas 18 TO Upac 8x nisa oluar Jappeir, To The magnue An upas Jago एं त्य अ नी अहार नीय दिव्या का लेखा. का ते ते पूर्व पात करेंग. Sed κομίσαι ανόντες επισαδε ε μόνον τὰ υεγάλα, άλλα κή τὰ μι- δείν θαρs, omen tes verandor so Osar ognadas dei. Ter G, fon, n peir mal.

र्डिस र्राट्रसर देंग ; बेरे रे एंग्रेस है क्यों कि बेर्डिक है रे क्यों है। इब ανδιαδόντες, κ) ταλλα ωξασκοδασάμθρος ίτε eis Mide Eya d' Emare A Dair megs Tor matteg, megenus din, om τα τω σολεμίων ως ταχισα μαθών οία ba, ωρασιά. απο υμίν ο, π αν δύνωμαι, όπως ώς κάλλισα σύν Θι αγανιζωμθα. οἱ μθὸ δὰ ταῦτα ἐπεμπον Κῦς Θ inda'v o'inade, nai wegowegauly & 'Esia margua, na Διὶ παρώφ κὶ τοις άλλοις Θεοίς, ώς μάτο ἐπὶ τίκο ςο τείαν. (υμωρού πεμπε δε αὐτον καὶ ὁ πατής. ἐπεὶ 🤅 🖔 της οικίας έχρύοντο, λέρονται άςραπαί κή βρονταί απ αίσιοι γρεώτι. Τέτων δέ φανέντων, εδέν έτι άλλο οι νιζουθύοι επορεύοντο, ώς \* εθένα αν λήσαντα τα τε μ MER OFR ONHEID.

X. 0, 834 a Aho as ड्या रव रव

Fis Flor. Edit.

24.

24. Πεσίοντι δε τω Κύεφ ο πατής ής χετο λόγε τι 8de, "TI Whi, a mai, O oi inew Te nai cumpers mi TEO OF X CV LEGGIS STAOV X CV Eggviols onuesols. 71711 oxers de nai autis Eya zas or Tauta Offith des Edide ξάμω, όπως μη δι' άλλων έρμω έων τας το Θεών οι σελας (uveing. αλλά αυτός και όρων τα όροιτα, μ वंश्रह्म नवं वंश्रह्मं, अपूर्विष्रवाद, सवा मा ठीना मवरमहत्त्र मा οί, εί βέλοιντό, σε έξαπατώεν, έπερα λέχρυπες, ή: किन की भिट्ट onparopha und' au, समार बहु की maires Suoto, smeets Desois on meiors o, 11 2600. ay δια της μαντικής γιγνώσιων τα ωρά των Θεάν συμί λούμμα, τέτοις σείθοιο. καὶ μξύ δίὶ, ω πάτες, έρι

avav.

2. Κύς Φ \* Κύς Φ, όπως γ' αν ίλω οι Θεοί όντες ημίο συμά λεύειν εθέλωσιν, όσον δύναμαι χΤ τον σον λόρον δι τελέσω δπιμελεμέν . μέμνημαι γας ακέσας ποτέ ( ठम संप्रव क्या स्वों की वं मी अर्थे कर्वमाप्रधं म्हा सं ώσες κη παιά ανθρώπων, ος η μη όποτε ον δποροις ε τότε κολακεύοι, άλλ' ότε άριςα πράθοι, τότε μάλε An Θεών μεμιώτο καὶ τῶν φίλων δὲ ἔφηστα χείνωα

σωντως οπικλείδαι. εκεν νύν, έφη, ω παί, διά ) Evras & Two cheivas Ta's commendias no lov whi Egyn areis Tow Of Staneine- \* Senoonly O. Extiles of maxxon rengaden on an il VO. Flor. οπ (υιειδέναι σ'αιπώ θοιείς ε πώποτ' αμελήσας αιπ कर्वण क्षेत्रे हैंग, हैका, के नर्व महु, केंद्र करां के वार्थ कार्य Edit. χ. ήμίο; Θέες όντας ετω διάκειμαι. τί ραρ, έφη, ω παί, μέμνη οπόσα δια ενείνα α ποτε έδοκει \* ήμιν; ώς απες δεδώκαση ShAK. Θεοί μαθόντας ανθρώπες βελπον πράξειν, η αναπική

का वांनी रामका, में इद्राव (व्याप्तिक प्रविभेष्ण वेंग्रंमीका में बहु-WOL KA שנידעה, או ביוועבא בעושונה מס שמ ביד פפי מי לומ וביו וו מ-Mndu υλακτέντας τέτων. σαςέχοντας έν έαυτες οίες δεί, भे ठ मा है नकड़ मिर्दाण है विरास किए मको बारसकी नवे बेर्ब के नव हुने नहीं Paond. Trav. vai mà dia, con o Kue, usurina phi Tos Tab-שני פני का बेरहें वह कहें में उबेर बेरबेंगु मा मिंग क लंजिर केवा मार्ज में ग्रेंग्स O 11 τίτφ, \* κ γας οίδα σε λέγρντα ακί, ώς εδε θέμις ein Stob.habet od, Xa का संजीवा मानून में जिस्किए, हो ने मिलार्थसा माने एव जेंगायड, मि- श्रे वीरिय वर The Sta שעם צביים עומשי בדב עוו לאובם עליב ת לבעיפוי, תלבני- הפינה שלים rei 5 % कार महदासंग, की ठीनाडवाधिका नाईर्धसा, हेन्स थाने ठीनाडव- नव व्यापि, Tai aun wiss xubegvav, owiler Euzedai vang xubegvartas ede acede,&c. ZAAO Ols \* σειροντάς γε στον, είχελς καλόν αυτοίς στον φύε Stob. σεί-ग्यं ग्रह म Bi is un ouranoulis de en moréno, conheran al- bartas. र्विष्ठ मा अध्या मार्थ प्रवेश महा मी अर्थण अर्वारह मर्वणमा मा मार्थvers mit = iD. 780 d'è adémisa cuzadius omotos conda eines οις. γιγι 🕡 παρά Βεών άπιχείν, ώσυερ κ) παρά αι βρώπων άπρακ-Es Edid: This Tagaroua Seoudius. Eneivar de, Epn, a mai. θεών οι επλάθε, α ποτε έρω και συ έλομζομεθα; ως ίκανδη og. Ta, na का सको सक्तिय कंपरिं हिन्नूकर, से गाइ Sivato देना एक भारी किया τεπν ει δ σως αν αυτός τε καλός καιραθός δοκίμως χώοιτο, κ ντες, η : το οπτήθεια όπως αυτός τε καί οι οικίται ίκανώς έχοιεν. άρα απ το δε τέτε μεγάλε \* έργε επως ενθ \* υφίσαδαι, ρε. ες ή ε εφο αλλ πρόπων άλλων προσαπεύειν, οπως εξεπν άπαντα το ενθ ε-מי סטעול לאיוולפום באת אבש, אל פאר בינים באר את מוער בינים לבו עובים בינים היים היים היים בינים ביני

είν συμώ निरु, μέμενημαι καὶ τότο σε λέρον . Сυνεδοκει εν οπις αδζ. λόρον δι καὶ έμωὶ τωρμέγεθες είναι έρρον, το καλώς αρχειν. χ ς ποτέ ο τον γ', έφη, \* ταυ πά μοι δοκεί ταυ τα, όταν σεώς άυτο ρε ταυ τά ότεεως εί το άεχειν (κοπών λογίζωμαι όταν μινίτοιγε σεώς άλλες μοι δοκεί δπόεως είναι βρώπες ίδων κατανούσω, οξοί τε όντες διαγίγνονται πό άυτας τε μάλη εχοντες, καὶ οξοι όντες άνταρωνισαι ή ωλ έσονται, πά-Zelwa To por Sones aiges v ervar, To Toretes auter ortas ι, διά τοπητέαι, και μη έθέλειν ίεναι αυτοίς ανταρωνικτου θι του κες. ές, έρη, έγω αἰδανομαι, ἀξξάμθυ ἀπο τη ήων ἀν δι μτέςων φίλων τέπων, ηγεμένες δείν τὸν ἀςχοντα τη 
ποας αὐτ χρμένων διαφές εν τιδ καὶ πολυτελές τες ν δεπνείν, κὸ 
κε μοι π τέον ἔνδον ἔχειν χρυσον, καὶ πλείονα χονον καθεύθειν. 
εῖ, μέμνι πάντα ἀπονώτες εν τη ἀςχρμένων διάγειν ἐγω δὲ οἶδώκασιν ται, ἔρη, τὸν ἀςχοντα ἐ τω ἡαβιεγείν χριμωί διαφέαναπική την τη ἀςχριένων, ἀλλά τω πορονοείν τε καὶ φιλοπονείν

τερ, ές ν δενυαςον δήπε έφαίνετο ημίν ε). ναὶ μα Δί, ές η, ω Step. malit

BET.

gew.

mws a Fa

नवा, कह

av Sm.

Egel.

कल्डि प्रेमहामीका. बेरेरबं का, हैका, के नवी, हैगर हैं। σρος αν βρώπες αρωνιστον, αλλά σρος αυτά τα σράχ. ματα, ών ε postor ευπόρως τουχρίδαι. αυτίκα δίπ o िच्य, ह्मा, ठम से धमे हिंदस में spand नवे टेनामं विसव, प्रवात. λύσεται σε ουθύς ή άρχη. έκεν του τα μβρ, έφη, ω σά. Tee. Κυαξάρης φησί παρέξειν τοίς εντεύ θεν σάσην ίδου, ono oo av ao. रहरा है, हैका, के नवी, ou miseuw χη τοίς παες. \* Κυαξάςη χεήμαπν; έρωχε, έφη ὁ Κῦ-28. Kuažás · τί ή, έφη, οίδα όποσα αυτώ όξι; μά τον Δία, έξι ο Κύς 🕒, έ μο δή. όμως ή τέτοις, έφη, πιτύεις το adinhois; on j mothar wer ou denote, motha j' x at λα νύν ανάγκη δαπανάν, εκθνο ε γινώσκεις; γινώσκη έφη ο Κυρ . εαν έν, έφη, δπλίπη αὐτον ή δαπάμ 2. 4 súon में में suav \* 4 súon), मळंड़ का हैंदूस मारे मांड क्रवमाबंड ; की TUL. के नार्य, hov on & nahos. तेनवेड़, के नवंन्डड़, ह्मा, où ei टेमाइवेड़ ना एवं मर्त्र में वेम हिम्ह वेंग क्लु श्रिक्षिण ए, रेंकड़ हम दे हा λία εσμέν, λέρε έρωτος \* έρη, τέτο, α παί, εί πς αι 28. Eqn. & ठेत महिला कल्ल प्रिंग्से हैं, में अने के रिष्याण ह्रिली हैं हैं is it by his his spar expers and in the sex in and in se οίδ' όπ πολλαπλασίαν άλλιω έκ αν δίξαιο ίππιλ δε σοι όπες κράπευν το Μήδων (ύμμαχον έςαι. ποίοι En EDO AN meais & sone ou nai zacised Benous νον ύμιν ύση η ετήσειν, κ) φοδέμθρον μή τι πάθη, ά χεί σε κοινή σύν Κυαξάξη ζκοπά δαι, μήποτε όπιλίπη τι บันณัร ผู้ ชิย์เ เซาส์ คุวยาง. พลน์ \* ยีวิทธร ชิย์ รังยหล นุเท รูณหลังโล 26. €982. σεοσόδε σόρον. τόδε δε μάλισα σάντων μεμνησό μα und Emore avantever to mei ( & रेया नवे किता मेरिस्स, हैं दें। ή χεία σε αναγκάση άλλ ότε μεν μάλισα ευποβία μαλλον πας ων αν δέη, μη απορείν δοκάν, κ) έπ ανω

Stob. μά- τότε σε της δοπείας μάλλον μη χανώ. και γάς τευξ 115d. 28. 2047-κωτέρες vel λου κη των σην άλλων αίδες τεύξη κη ην πνας βέλη τ δυνάμει ξυ ποιήται η κακώς, \* μάλλον έως αν έχωση π WEISIKW-TUTES. δέοντα οἱ spatiates, έσηςεπίσεοί σοι κ) \* πιςοτέςς γε. τι ων (κο ίδι λόγκε διωήση τότε λέγειν, όταν πες κ ενδε uru da ud kisa Siry nj Eu mier izards wu nj nandi pesu vur άλλ' έφη, ώ πάτες, άλλως τε μοι καλώς δοκείς του τ Nego Tal

λή Ι. ωζ οι λέρειν πάντα, και \* ότι ά μέν αῦ νῦν λήχονται οι 54 TIE), हेर से का की देश में प्रका देखा में कर ) ( रेज्य में है 57.

17, a. i wegy. र र्जामा nata. w wa. y ikon, UWV EP n o Kūsia, sen Sets TOK i xy an NV WOLL Sa main 25 5 811 080 5 TI 11 CN Q1. में गाइ दे। LOV EXX O ; 00 J' 85 81 immun 04. 20101 BENOUS ای م کوا TAITH TI X21 के जेवा שווסס עווו 2, Es di CU77081161 वं रहण्य हैंग बेंग्यो s j mal BEAN T E DOOT TE क्राइकर इंडिस के देंग्येस y nandi त्यम रूपे हैं।

οίς αυτος Κυαξάρης άγεται συμμάχες) ο, π δ' άν πρός τοις eignulious λαμβάνη τις, ταῦτ καὶ πμίω νομικα, Flor. edit. प्या प्रवेश महत्त्वण क्रिसंडमण संस्कृत से श्रिया मार्ड शिर्विश्या महे श्री χοντα διωαμιν ή δει μέν φίλες ευ ποινντα ανταφε τον δ. रेले जेया, हैं ही है हे है हे हैं है हुए र क कल हुने जेयां म अम्बेजिया वन पूर- मल हुनेευήν, επατα αμελάν το ποείζαν, οία π, εφη, ήωτη δαι ποασ-किंग् ही बांबुर्वण, में लें मार हेर्रिण महेंग बंगू हेर, हर्रिण हैं हेर्न्स जैवा है महीब τας οίς αν έργαζοιτο, έπειτα εφη τίω γίω αργέσαν ανω- αμελείν το έλητον ε); ώς εν εμε, έφη, απο έποτε αμελήσαν Το τε ποείζεδαι मां ट्रमामार्थित τοις σραπώτους ζυμμη χανά δαι, μήτ' έν φι-אוֹם עווֹד' ביו שיסאבעוֹם, צודשו בצב דעם אישעונש. דו ץ בפר, on, Wandar, & wai, we esone wod' nuiv avo snaior Bud. leg. Dun apquex v. usumoa; & pap, Epn, usumum, ore ω μεν τις ες σε πλ θον επ' α εγύειον, οπως Σποδίλω πο υ χ. ο σκονή με τραπιχείν σε παι Αυκέναι συ ή αμα Αδές μοι, σπρώτας ωδί πως, άρχε, είπες, ω σαί, ον τοίς σρατη-Trois Eppois nai oixovopias ti σοι επεμνή Dn o aving ώ τον พอง จรุง ; ชิง ยิง นร์ง รอง อง ราชกอาน ที่ที่อง ที่ป อีราห-Ation \* Stortes, noi er oine oine J. Ener of Ege ou ne ye. Jen-mer us war iv el nunelas uce meet enege nai pouns, os Steph leg. λήσοι χ τέτων, ώσσες χ τώς της spathylas τον spath- δίησον. Σν οπιμελειδαι ως δέ κ ταῦτα απέρησα, ἐπήρε με αῦ γε. εἰ πνας के το \* ले πο कि μέλααν εδίδαξε μέ, ως αν εκασα το τε χυας εδίτολεωκών έργωνικράπισοι αν σύμμαχοι γένοιντο. αποφή- δαξεν αίς उद्यों कि रह प्रथ प्रथा नहरत, यंग्हें प्रथा को को में निर्देश की मा कि कार्य μ έπαίδωσεν ώς αν διωαίμω εραπά σεοθυμίαν έμβα- μικών. אווי אבשטי פח דם שבי לומסינפו בי חמוח בפין שפישיםμια αθυμίας επειδή δε η τέτο ανένδον ήλεγχει αυ ον ને πνα λόγον σοιήσαιτο διθάσχων σεεί το σεί Γεθαι τ σαπαν ώς αν τις μάλιςα υπχανώτο देमला में है के रहर0 ααντάπαση αβρητον έφαίνετο, τέλ 🗗 δή με έπήςε δ, π Tote Adanav, seathylar pain us didanav naga di στού θα απεκεινάμων οπ τα τακτικά κή ου γελάσας diades not magandels exastr, \* out is ev open & ein al. Anaple अपूरा व प्रथम मार्थे ये प्रथम की देश मा मार्थिका, में में ये प्रथम के प्रथम का प्राचांग्ला ; मं में वेष्ट्री में ठीमांड वर्जिया मध द र ध्रामार्थिया लेंद्र प्रश्नम लेंग के मंद्र नका कि हमार नहें अबद ; नं ही बेंग्से के कलं जिल्लीका ; केंद्र हैं मारा क्रिश्द हुद्यαι οί द्वा καταφανές εποίησας ότι μικούν τι μίο Επ σεαθηγίας τηρία ανα का माम के देव हिल्ला के का का का का का कि का का का कि का का के कि के कि का का कि का का का का का का का का का का

संगद, वंतांग्रास पर देशके केवस कांद्र इक्स्प्राम् प्रवीद संग्री हुने एं milouline in Saxinada, xi wurdaredas wi exasa is שני של איב לי ביני בינים בינים בינים בינים בינים בינים בינים לינים לינים אל בינים או דעור בינים או בי र्गायह को उक्षा मामार मामार ही. मा को को थी एक है हमां री irasov il Gaagger, or: Kuazagns quene magegen nuir मार हो है जिस्सेवड, बंगहकर मह मबो ठेडूकर का प्रवां महंभसड़ को अहं (४७वा प्रावाण्या, रे प्रिश् बांद्रिणम्य, सवा वां इक्तमार्थों की इत. nord Evener lass Edyent, Etw nai ego into in the TE es TETO ENJOULUS, ELDOS TETE ETTELENDU Kai OJUM Epn, a mate, mavo ivares the laterale texte Exer वंग्रीवा महत स्वयाह कर्लेर महत्व भी व अवसी महर, वंगी ω παί, εφη, ετο: μω, ες λέχει, ωστες ination ραγώ अ. मेम्मा नवां. मका लेलं माहः \* बेमहत्वो, हमक प्रके विकी, हमका माहः vooi σωση, τότε ίωνται τέτες σοί δε τέτε μεραλοπρεπε stea esay in The unelas committee To pale the again in namen to spatama, Tete out des mixer. nat tiva di हैं ए म, के नवे नहर, दे किए दिए पहिन्त का कुरी निम देखा के है का का עלם לוחד צפינים דוים עלאואו כי דוף מנידנו עוייבוץ, לאומו ปี ๑๑๑๑๑๐ รายางกราช หม่า ฉุ่น ธงตัวสน า ธาน ปัง นั้น ฉับ ล่ μάςτοις, έχυ πες μέλη σοι. και ράς λερουτες εδύν παίν का त्या को वेर में काता कहते यह ती एक मुख्य प्रवासिक प्रवासिक में अस्मार्थि मर्वश्रम ६६ में व्यक्ति स्त्रमार्थि कार्य मर्थाइयाम Ta TE ज्यामक मा प्रांत प्रवासिक क्षा मा कि के प्रांत के हाव шогог बंद्रश्ना कई विमेदा, बेरेरे वे प्राणिमा मार्ड कलाई où omus endas oraurs omus unaives nai o Koegs en σεωτον μου σειεωμα νη Δία μηδέποτε τώρεμπιπλαδαι δύσφορον γας धमलाम бе он πονώ τα επόντα в πο γα μοι δοκά ή τε ύρι κα μάλλον παραμένεν, και ίους περι-அப் சதியா. தாம ரவியய வின், க்றா, ம் கூடிர், ஆ ஆ வில் வில் வி μελείδαι. ο και 30λη, έφη, έςαι, ω σάτες, ζωμαπεί τοίς σραπώτως; έ μα Δί', έφη ὁ σατής, έ μόνου μι क्षेत्रवं प्रवां वंगर्वप्रमा रेसं क्षेत्र क्ष दृश्वमवंग, सं म्हां कस ξων τα Νοντα, μηδέποτε παυεδαι η τοίς \* πολεμίοι καταπερτίνεταν κακά, η ξαυτή αραθά ως γαλεπόν μίπ थां मा कि का स्था है। व वें प्रेम् का के पूर्ण मुह्म के का . मा के का γες η έσω. χαλεπώτεουν οίκον όλον πάντων δε χαλεπώτατον ετά वी. बंहरासी मार्थे बंहरूमे महर्कसा मार्थेड्स में हे में हे में का मार्थेड़ र्वहित्तवहा इतः मयो वेक रेश्वर्रह्मण वेह्नार्वाधिय, मयो व्हेंद्र वेष भवित्त विक्रीर्भ इय τα χεώμηα, ώς ε εδέποτε \* φεσήκει εραπάν άξχει त्रहेश्मा एएं, देवा, के कवा द्दा केंद्र है प्राची विमल, केंक्का वर्ष है मिला

32. 70 λ €-Migis xa-

gair.

00.01 VOI 250 78º उत्त क्टु me ist ev nuir ai عدية की सव מו כו דע ai ofm الله المرا v, all v pashi 16: VOOR ० जा १९७७ g xw mi Tiva di ques ; al , บันษณ์ in ava Siv now ישו איני שי reisarm דמ אם

y.

र देश के किए ठें कहरे कि मार है कि कि कार में हैं के कि N'xeuas (lu μή τις Θεός દિλα तीम) वै μα καὶ τα टेला मंθα μάλισα έχοντας του σρατιώτας άποδείξει, καὶ τα σώματα άρισα έχεντας ορασκαίζεν. άλλα μύντος ช่วย แลงอานี อินเ, รือท, อีนสรน สรีมี พองอนเหลีย รัฐวุลย, ล่าลีeas av \* Tirds wor done, a water, wegenwor enastis, \* Stob. Tis है वें रेरे क कल्पारे में ६, मवं राज्य वेंग महासंग् देंगे वेंग्रसंस्था इसवa, ase, onore Seorto, Exer an nageondas uliois gen-Βαι. κάλλισα λεγεις, έρη, ω παί, τετο γάς ποιήσας, क्षं है है , बेक्का प्रदेश मांड नाईसड़ वेसे ना क्रमां क्रमा μελετώπας θεάση. άλλα μιω, έρη ο Κύρος, είς τε το क्टु निम्मां के मिर्टि हिमार प्रति का कार के मिर्ट मिर्ट के मिर्ट मिर्ट के मिर के मिर्ट के मिर के मिर्ट के मिर के ev ED, में नवे र्रिण्याच्या हिम्मारिया बेज्याचेर हिम्मासिंग बेण-அவ்ளாரு. \* வ்லல், "த்தா, வீ கூர், ரீஜார் நடி சார்ச்ச தோ " of- \* Stob. வ்ல. Tree से TIS χύνας ον Эπερ ανακδηρίτο ακ τη χλήσει λα μήν. बंद मह उत्त्या के उनहां र के हुन. के क्षेत्र कह कह किए कह की - \*al. है। बामह was en oil ett exet manegas. yn 3 monnante fen- 28. ogoa-Απται αυτάς, τελά τώται εδ' όποταν άληθώς όρων καλή, क्लं निगमा थाएं, हमा में क्ला मी हर्मारीका हर से थि महरrans meso d'onias ajadav eubar av feide rai Tis, Teλευτο εδ' όπόταν αληθες έλπίδας λέγη ὁ πίντ છ. σάθων δύναται άλλα τε μβρ αυτον λέρων α μή σαφώς ως जला बेर्ना \* фей रे कें र किं, ω मर्वा. άλλοι δ' ενίστε λέρρη τες γ ? स ? γε જે ए से मार के बर्ग के शिवक हवंती शहर बंग नीयां है व्याह मबहु के प्राया में प्रश् मार विक रांक्रेवर्ज्या के प्रदर्शिष्ठ प्रार्थियां ४६ विसं कंड प्रवंशास्त्र देन कांड्स विवर्णिद्व प्रशंतिरण्यार इ το μ Ιλλά, ναὶ μα τον Δία, ξφη ὁ Κυρος, ω πάτες, κ καλώς his west me fores yeden, ni shot sine uflor is de hom werze-πολολος τοις παδερωκας, κ) οκώλοι ας Δ, ας μο 126 ω Δαιος εμης πολολος Σερες, ο απώ ακη 3. σχ ακαλ καζων, εμιμα τοις ειθα ανα-πια και τη μίας μαρεχων 189 ελαι το μας οκ αν κέπε τοις 9.0κω επολεμίαι 3 ώς το τοίς εφήδοις ήμων, ο άρχων υμών αυτέ τέτε ίουκεπου μίπ τως επεμελείτο κ) οί νόμοι ή οί πολλοί δοκεσί μοι δύο ι δ΄ παί τωτα μάλισα διδάσχειν, άςχειν τε κὶ άςχεδαι. κὶ τοί-τατον σα τυν κατανοῶν τοὲ τέτων, ἐν ἀπασιν όςἄν μοι δοκῶ τδ εν σρατιό σερπέπον σείθεως μάλισα ον, το τον μέν σειθόμενον η δειψικί ταυνείν τε εξ τιμάν, τ η άπειθεντα άτιμάζειν τε εξ κο-εν άξγει τάζειν εξέπει μέν γε το άνάγκη σείθεως, έφη, αυτη γε. έπευς. हिंदे क्या के मधी, में वेरिंद किया देमां है के कार प्रसित्र पर्वार, के बे-

30 प्रकार कर जिल्ला, वे NA ( un Tomatega of 5 दिए. के 20 at אנידם סטוף - אין אוסטידם שבו דוצ בעניפנפיום בשודיון ספטיונוני דופה έσωτω εί), τετω οι ανθρωποι έσερηδέως σείθου). γκί. федрии. भड़ में बेंग उम नहें हैं हम्बड़ है दूस देंग बैरेरेगड़ मह मार्रिय गड़ में में में देश करिंड मर्वाधारकार, कड़ कल्लीर्याकड़ करें देता नर्वे देश माड़ है, TI हिने महासंग प्रवर्भिता में देन जैक्रवंत्रीम है, कंड क्लु रिपा Tois KUESEVITULE of CULTREOVTES THE DOV ), x 85 y a \*al. 1000gav voui (woi nves Bénnov saugh obs, eistra, as \* 190gas पर्याप हरे थारा महामानी अहर अहर के का ने के का में कहा महान \* Steph. พ. หลหอง ระ มท์ปะมีรู, ชักะ ไทนเลเ พล่งบ \* รอเ วิห์มชอง ผันผง, कार कि हुआ इ कार्य हु देवा. के हैं पूर्व है कि हुन की पढ़ देवाल κακο έκων કેθείς λαμβάνει λέρεις συ, έρη, ω πάτες, ες τερον θοκείν εθ την αρχομθών. λέρω χορ κν, έφη, κ πως I'm TIS, के कर्वन्द्र, Tolanton Sogar करा वेजर नवंत्रक कित्वर्श्विया वंग र्रिंग्यामा ; इस द्वा, देवा, के नवीं, (एएमा μωτέρα όδος જો ων αν βέλη δοκείν φρόνιμο हैं) ! הו אניב שמו הציו דצדעי ספקיונוסי. ממש בי בי ה במשנים של דור שני סתפחשי שעמים מדו בשם באחשה אבשם. איני אל בצלאו un av azados zenezos Soneiv ED azados, n immeus, i अ कार का निम्हेंद्र, में वर्षेत्रामांड, में वेतरे निष्ण. देश्रेष्ट \* मार्ग्य पृथ्वा Not जर प्राप्त स्थाय के दिल के कार्य है एस कर में ले हैं के कार्य है माया Searay νείν τέ σε πυλλές όπως δίξαν λάξης, και κατασκευάς MIX. καλάς ερ εκάς ω αυτίν κτήσαιο, αξτί τε Σηπατηκώς Η. ns av, ni odizo uzegov, one av weigar Soins, Egedi-

λε [μθύ 🕒 τ' αν είης, κ) σεσεπ ελαζον φαίνοιο. φείνι μ. कि कि कि पर συνοίσειν μέλλοι कि πως αν πς πρ οντι שני של בלון בל לואסיים אוסים או בים או בים אוסים אל לוו עם שלים אותם לידות של האו שנים לינות של היו של הי हैंद्रा, के ज्ञां, संर्टिश्या, ध्राविष्णे केंग, केंकारह नवें नवस्तामवें हैं ध्राविदः ठ०व रि αν βρώποις έτε μα θετά, έτε περεριτά αν βρωπίνη περνοία, ĕ77.

Sid warmings av raeg. கெல்ச குபு கொடும். TSEOS बेरेरेका केंग लाड़ के, TE 3 groing BERTION on कहा Alman, Struck out & av TETE is av weardein rai n क ठिलामहर्भित्र महत्र है वेंग र्रात्र, क्लामानहिंह वेंगर्र हों क बंगहर्मिंग वंत्रते प्रींगिंग देयां के व्राम्मिन रेक नी बंहχομίων (όπες έμειγε èν τοίς μεγίσοις fore eival)

Stob . Si ACP OTI.

Snaovoti navin odos. note ei Tie voo of piaw seg May Emdupein. a yag olpan dely worden paregir છી. હો મેર્સ જેકે જા લોકે, કેવા, હ મારાં. મુલમેક મારે, મેરે હાલે કિંપમada co woiein ge antie egeyh, 20 3 Conngowhon te pairens

VETE

פני של מו aireda, lu na jador airis \* Cuulain, i Curazão- Stob. ou u-ME TERST wov, win nando, no Covemuseer ocedu psulion rais Gairn. J. 2001. meias auth, i \* megoob sulvor pin no opah won, i meg x. i po-மால் கையில்லை வித புள் ஏறுக்கிலாகம், கார் கம் கன் கணை கின கேயில்லும். סעדענ ס, μάνον συμπαερωβτών. καὶ όπὶ το πείξεων ή, Ιώ ושון יור פשי માં દેશ મહેલ છે. જિ. છે. વેઠે પ્રમાણા, યક ના, પ્રકા છે છે . શક્ય મેં પ્રકાર જિ. છે . શક્ય મેં મેં માર્ય છે. જે ક્ષેત્ર માં મેં માર્ય છે. મુક્ત માં માર્ય માં માર્ય માર sy a \* igugas μοχθείν, των σονων. σάντα το τούτα είς το φιλείδται μόγθων. का अर्थ केट म του τη αρχοικίων συλλαμβάνει. λέγεις \* σύ, έφη, ω Stob. εν. IV EIKHY, वर्ष महर, कंद भ्रे भक्षमहर्ष महरूप र से करेंद्र कर्य गय में बंद भरण य το εσινή το άξχομείων εί). λέγω ρό έν, έφη. θάρρα μείτοι, έφη, άτες, αι παι. εί ρό ιων του του σωμάτων οι σώpegvilla. τοί τόνοι έχ όμοίως απονται, αςχοντός τε αποθές κ ί-וא אנו דעו פון dots' αλλ' ¿πικφίζει τι ή τιμή του σόνες τω άςχοιτι, והואות n'y to airiv ei sevan on o hav Saves \* o, n av moioin. g. nai CUVTO. οπότε ή, ω σάτες, ήδη έχριεν μού τα όπιτίδετα οι 572 αυτό το εί-一部,前 τιώται, ύγιαίνοιεν τε, πονείν ή δύναιτο, τας ή πελεμι- δέναι. वड्ण वर्ध τάς τέχιας ποχηκότες είεν, φιλοτίμως δι' έχριεν σερές το Stob. 6, τε त तर्थं, में कार, हम के मंद्रा निकासका नव Coperver av TIS का रिवा का का ाव भू वा ிவுமைட்டுக்கு நகல்லியடு எழுத்த குர் குலகம்கு மத் குறுக்க CUS \$ 77011. ταί μα Δί, έρη, εί μελλοι γε πλείον εξειν' εί δε μί, πασχευεί των αν δοφ οιοίμων κ αυτός βελτίων ε), κ του έπικώς εί τομλίες βελτίες έχειν, τόσω δι αν μαλλον φυλαποί-, JEEN11. www. ware ny ra ana, a av oiwilla meiss niñ a zia ο. φεόνι ), ταῦτα πειςώμθα ώς εν ἰγυςωπέτφ ποιείως. πλέον דנש פודו δί έχειν, ώ πά τες, πολεμίων πως αν τις δυναιτο μαλιεα; ua d'orta τ μα Δί, έφη, κκέτι τέτο φαυλον, ω παϊ, κδ' άπλεν οσα θε τορον εξωτάς άλλ' εδ ίδι ότι δεί τον μεκλουθα τέτο wegvola, minoen nai comsenov ED, nai neu-liver nai donees v, no редуций क्षेत्र महारूपक, में प्रश्लिमिक, मार्थ केंद्र मकाक, में देश मकामा के मोह Mal. Steph ονευτείν τω πολεμίων. και ο Κύερς δτηγελάσας είπεν, πλεονέκrai y "Ηράκλεις, जी \* συ λέρεις, ώ πάτερ, δείν ανδεσ με τίω. vdegs il ψέως. οί Θ αν έφη, ω παί, δικαιότατος τε κ νομιμώ- Stob. αν. मी वेहral de avne eins' mos ulu, son, maisas orras nuas सं संग्रा) καί εφήθες παναντία τέπων εδιδάσκετε; ναι μα Δί, έ-Nov seg-का, मबो । गेंग अ कलेंड करें क्रिया कर मध्यों कलेंड करें करोंoave egy This omes de de use moveries déparde navos moier ex aci Sur οίδα μαν θάνοντας ύμας πολλάς κακκερίας; κ δητ' ε-WWOV TS γωγ', έφη, ω πάτες. τίν Φ μίω, έφη, έγεκα έμαν. Δάpairens

Mal.

vere needen; no d'évena anovnicen; no d'i Steph. do- vena \* denev us a yeiss miguan x oguyuan; ni YEN.

ελάφες ποδάγεαις κ άρπεδοναις; π ο λέεσι κ άξκτι में मवर् निर्देशकार देम मंद्र को रिकार मवजाइवीयीया दे मर्व मुखेर, वेंगी मा कार्कार्द्वावद मार्थेद बंसे रमस्त्रके बावार्दिक कार्या 28. 20 28- में हे अर्थ ज्यास है जा नवामि नविश्व \* 20 28 हो वा नार है अब γίαι τε είσι απάται και δολώσεις κή πλεονεξίαι; ναι μα Δί, το ο Kug , Ineiw γε αν Βρώπων ή οι και εξαιμι βί λεως θαπατήσαι πνα πολλάς πληράς οίθα λαμβάνω BAE 20 rogevier, oluai, ton, BA' axorticer ai Spum έπετς έπομεν ύμιν άλλ' δλί σχοπον βάλλειν έδιδάσω על זים אב ישו על עה אמאנקסוות דבי קוֹאצי, אי אי गाउन गाउं रहार कि अधिवान, Swiande Rai al Spoi गाथ 50% ζεως. κ) έξαπαταν ή κ) πλεονεκίοιν κα εν αι βρώπη εποιδούομο ύμας, αλλ εν βεείοις, ίνα μάδι εν τέπη τές φίλες βλάποιτε εί δέποτε πόλεμο γρόοιτο, μπί

28. 17 arsp.

( ETO.

MYEONEK. TEIV TUP สบาฟ์.

os estelancer a ea res vaisas the te singuonivia ळळारू मयो को महत्रहांसड, मार्ग प्रांतिहरू मया प्रांतिहरू, νο. διωεί- διαδάλλειν, κ) μη πλεονεκιείν κ) πλεονεκιείν. \* διώει है परमाण बैस् कर्नेड यह क्षित्र माना महत्र भेर, स्वा बै कर् τες έχθρες κ έπ δε πορδάς παυτα εδίδασκεν, τές φίλες δίκουον είν εξαπαταν δλί γε αγαθώ, κ) κλί मीला मां की कांत्रका देनां पूर बें पूर्व हैं. में नकां म्य की विकास τα ανάγκη κ) γυμναζεν ην σεξε αλλήλες τες σαίδε TOUTE TOIGHT water & is TEAN pari TES EXALWAS OF சீவ்வை हेंद्रवावीवेंग, प्रवा प्रथापर्वेद्रिमा है एक मवार्थिक वर्ष बेर्रेश्वरह पंडा रिंग्बरीया महासंग. भूरिक्सिश्वा है। मण्डह हम टेंप्र्यासंद में कर्नेद के हर्षे हैं बत्रव न वेंग में कर्नेद के की क्रीहरणहार महोंग, रेक्कड़ हैं भें कहनेड़ के कार्रवाहरी मेंग देश बेक्पमंड़ के मा leg. etiam en aneizovo est' Soo Toiner, to un ext \* meover tel व्योगी कसट्ये देया. देशिंहर हैं। देस नहार वर्शन्त्व, में हे गी

अर्थियोव दंगा, वं मोळंड ठीड वंज्यस्य मध्ये कवारी वह वेक्यर् मध्ये में

κέτας περς ημας αυτού διδάσχομο αληθεύειν κ μ

'इदिवस्व प्रदेष, धार्म xx श्रीसण, धार्म स्टिम्स निष् से हैं।

τέτων αγύμναςοι είντε. έκεν, έφη, ω πάτες, εί το χέ

σιμά δαν αμφό τες ' επίσαλζ, ευ τε ποιείν και κακώ

αν Βράποις, και διδάσκεν αμφότερα τουτα έδει \* δ

αν βρώποις. αλλα λέγεται, έφη, ω παι, όπι τη πιιπ

gov acepo vor fired note airing of da only of the mails

rid · óp Ev 50 un Su is mo 32 Perp . en e win · á Cal 60

Ta

X ñ Rya Na' 297 egy di di

dva

Shi:

Day

. Aa To TW Ad

za, 78 704

700 70

1

13

7014

Na Ta:

Xdi

E01

BE

Vay.

יארט סגם אי

20

7701

und

X!

\* d

LETE SOIL

vlu.

, i

iel

च्छ

xxi

OX OF

ũda

84

कुल इ.स.

over of Th

x HI

g pur

is of

गवश्व

ZU TA

प्यांग्य मारार्गेहर, प्रत्रवेट्सर ठ मार्ड कार्य मार्ड का देने स देने । केर्र τες, σραότεροι πολίται χρύοιντο. έπει δε έχριεν τίω ήλιwiar, मिरमार पर प्राप्ता हरूला में जी मारे कलेंड महा महत्रहांडड όμιμα εδόκη ασφαλές ε) διδάσκην. εδέ γας αν έτι Verexuluia Soneite meis to a zeros wonitas guedas, रंग मर्ज वां विंग्नेया वंत्रमात्रकः (ए। महत्र कुर्याम् १००१ विकार १६ में sei 'Appedioien & dianeyouda wees wis a jar vers, iva को करेंद्र रमें निष्टित हमान के का कार है वर्त १४९ में वर कर्डिकβυομβίης, άμετεως αὐτη χεώντο οἱ νέοι. νη Δί', έφη. ος τοίνυν όψιμαθή με όντα τέτων τζύ πλεονεξιών, ώ πάτες, μη φείδε, εί τι έχεις, διδάσκειν όπως πλεο:εκπόσω εγώ την πολεμίων. μηχανώ τοίνυν, εφη, οπόση εί δωίαμις, τεταγμέροις τοίς σαυτέ ατάκτες λαμδά-क्सा मध्ये कार्य कार्याहर में क्ष्मिय क्षिया क्ष्मिय में हेरहा रेड हैंri nadevidoras, no pavegés ou, orras aparis ar autos meivors, n' on graciare an 1203 \* Minothies on series de Mochesωτός ων τωρθέζη, και πώς αν, έτη, τις τοιαύτα, ω νες. τάτες, άυβτάνοντας θυύαιτο αν του πολεμίες λαμ. Caver ; όπ έφη, ω παι, πολλά μθο τετων συαγκη δεί में पंचार में में कारे मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ है। दिना मार्थ में मार्थ है कि व ενάγκη άμφοτέςες, κοιμάδαί τε άμφοτέςες, κ) εωθεν θείν. को नवं बंगबप्रावां कर केंग बंधव \* नवंगन वह वं माठ प्रवृह्म र हा- हु नवंगन वह Du' nai rais odois, oncia av an, rotau rus avayun i og ig χείος. α χεή σε πάντα κατανούντα, εν ω μίν εν υμας ταίς. γνώπης άθενεσάτες γιγνομίνες, ον τετώ μάλισα φυ. Adमीह जिया दे के में के कर कर कर कर महामां कर बोर्जिया \* दे एस - \* Fort. दे एοτάτες γιγουδόες, εν τέτω μάλισα όπιτί θεδα. σότε χειζω] τάgo A', kon à Kugo, en Téreis movos bi meoventeis, Tes Steph. η εν άλλοις ποί; η σολύ γε μάλλον, ές η, ω παί. के महत्त्वाड़ भी के कंड की के किक्रों के किक्रों मर्के मर्के प्रमुखंड क्रिके Las workvru, eideres on deor J. oi d' दिवमवर्गिया कार σολεμίες διώανται η θαισήπαι στοιήπαντες άφυλάκτες λαμβάνειν, κ) διώξαι \* παριδόντες έαυτος, α πάκτες \* Legitur σοιήπαι, κ) ès Suguelar φυγή έστα γαγέντες ένται θα etiam πα-कारां मेरी. रिस र्रे, देंका, के नवी, φιλομαθή σε τέτων πάν- εд. είντες. Tovo ovra, &x ofs av madois, Terois movois zerada, a't. ha rai autor wountlu हैं। मी कलंड कर कर्म हार धानχανημάτων. Είσσες καὶ οἱ μεσικοὶ έχ οἶς αν μάθωσι, τέτοις μόνον χεώνται, άλλά κ) \* άλλα μέλη σειςών- γ ς. άλλα ται ποιείν. και σφόδεα μβο κ) ον τοίς μεσικοίς τα νέα νέα μέλη.

में देंग्जिम् देंग्जिल्साम्स, कार्रा रहे में दे नहीं कार्रामा

i y

na

25.50

In

700 700 N

\$ m

Mai. Añ

74.7 25.1

Ji

e x

34

TOI

714 in

100

Ř٧,

0

mus 3

Malit Steph. n VSYKOIS feribere, ut SEU OFTO,

ze. auth. Q Javery EXKOV TO mwa.

des.

עם אלפי דם אמועם עוו אמו וועם דם בטלסאועם דמודם אם עובו. λον κ ¿ ¿ξαπατάν δωαν) τού σολεμίες. εί ή σύ γε, ‡ on, a mai, under a Mo usterey kois en ar Spanes il mi un zaras, as ny maiv on Tois pineois dueiois sun zari ante me TE- su oles av, देवा, क्लुंक्क कर्यथ देम देवता मांड क्लंड मध्ये कार μίες πλεονεξίας; συ μου ράς όπο τας όργιθας εν τω ίγ क्रमां म् प्रसामिश वेशान्त्रं त्रिण के मार्ग्ड प्रमाण के मार्ग्ड में करार मा in quodam verda ras ogvidas, inenoiluto ooi oni Term al way autais, x to Keningievon zweion Leikaso To anivito हु. दिश्माया वृष्णानेहड हैं \* इम्हमाधानिश्चाणार्ण का, बडि को प्रदेश नवे काम की corta ingereir, ras de ouoquars opridas de amara ou Tos de cunspales were ogar mer ou Tas, un oga az 1 d is augh, eizes of comusher to praver sakor to मेजर्रामस्य हैं जन्मसार कले रेंड क्यू संग. कलेंड में की रहेर रेक्ट्र हैं मा in oxotes veneras, this of nucear amost fedores, xiva έπεφες, αι τη δομή αυτον ανεύεισχον. οπ δε ταχύ εφώ οβυ, हम ε ευρεθείη, αλλας κωίας είχες οπιτετηδομένη % के के जैयं- कल्डेंड के सवस्वकारी का बाहसंग. सं रहे के स्वर्ध स्व विकार कारका प्राप्त νων έλκειν. του σόρες συίπο εκμανθάνων, κή σε οία χωεία τε ρειν αίξενται οί λαγώ, εν τέτοις τα δίκτυα δυσόραπι ένεπετάννυες, ενα έν προσφοδεα φεύρειν αμτός έαμπ סשי סטיני \* בּעַיִּשִׁישׁ בּינּבּלים. דצ שׁ עומל בידבע בו בו בו בינים בין פון, הוו שוצה עם און שונים אם שלה אל אול אול אולים אל אולים אולים אל אולים كالنامة على بن طوسة بديك من وسعد منصمي يا بوري بودورة ση το λαρω βοών, εξεπληπες αυτον, ώσε αφείνως αλ करहती. यह में हात कि कि का कि का कि शिष्ट्रिया देश देश है कि का अप λανθάνειν εποίεις. ώστερ εν σρομπον, ει ποιαυπα έθι गांत्रवाड में ठीने करें वंश्विक्श्वाहड सम्मावं की, हम वीरी है का εί πνα λίποις αν του πολεμίων. ην δε ποτε αρα ανάγη γίνηται και εν τω ισοπέδω οκ τε εμφανές ώπλισμένες κ) αμφοτέρες μάχω Curámer, èr τω ποίετω δί, मवी, को देश का अरेड मबहुर कर बिन्द्रारंग का राष्ट्र है। वा प्रदेश महीक रे νανται ταιίτας ή έγω λέγω έθ, όταν τη πραπωτή ά μίν τα σώματα ήσκημέρα ή, ευ ή αι ψυχαί τεθηγμέ ναι, εν ή αί σολεμικαί τέχναι μεμελετημέναι άσιν. 3 gen 2 रहार संर्थिया, ठम ठमठंगड़ बेंग बेट्राठाँ, का करते Sai, में देशसंग्रा नवंगमा वेहाळंडडां जर करा देवानी दिस्तरण हतेया. पार्मित्र कर वेक्ट्रणांडळड हेर्स, बेरेरे मांड भी गार देव

गठेड कल्बार्णमा मं का कार्यक्षण मं वंदूर्वार्या, देनवारी

ik

ih.

\* 70.

10.

Nº

195

XI.

2 701

70 91

Tai

1 4

TT

ui I

cura

egá.

MENA 20181

75V

69.71

CUTI

, 01.1

CTT

eils

all שדעם

(0) £3

प्रेंडिक मुर्णाम्या. मांड में मेपांडियड ठमकड मर्च संड एएसम्ब सर्वाभाड्य हिल. उत्तकड में दूर्ण स्वंकला लंड μάχω σραπαν, में उत्तकड़ देश्सम मामाह्य में म्यूमरोड, में इस्मेंड में क्रिक्स वंडिंड, में वेहस-क्षेड़ में मारीश्येड, में ठमा इ हक्तामहिश्येटीया, में ठमा कि कर nais vunteervas, n nai nutervas nadistiva, n omus mess πολεμίες προσάρειν, η άπάρειν δπό πολεμίων, η όπως ορφ σόλιν πολεμίαν άγειν, η όπως σείς τείχ Φ άγειν विनवीत्राप, में उत्तराह \* एवं मवह में तारावाहिंद रीविद्यां मा, में १९ एवं ना. τως ιππκον φυλα θεδαι, η όπως ακονηςας η τοξότας. ह्यां लेश के जा प्रा प्रश्व के त्राम, oi मार्थाण किंत्वमहारा. मण्ड द्वा वंश्माप्रवज्ञान्वंशवा भें ले का देनों क्वंभव रे कि वंदेशमा λλοθεν σόθεν οι πελέμιοι φανείεν, ή χτ σεροφωπον, Thus sen dunice given in omes to Al more in an all the μάλισα αίδαννιτο, η όπως τα σα ηκισα οι πολίμιοι εί-सिंहा नवर्णाय में मर्यापय में क्षेत्र हेन्य रहिनामां का ; ठेन्य मह o ego nder, wowani, annivous a was te et no id inei n Terwy onisadas, iderds with nues nuas, is adans γεγρύνσαι. δεί έν το ξός τα ζυμβαίνοντα, οίμαι, τέτοις εποται, οποίοις αν σοι απ συμφέραν τέπων θοκη· μα θε ीं प्रष्ठ के नवीं, भे नवंति, हिंदमा. नवं प्रश्नितः नवहवे प्रे हिंदने. के गाम के विकाद का कि का कि का कि का कि का कि का कि कि का कि ωνδιωεύσης, κατανοών ώς ανθρωποι με αίρθυται πραζεις संसर्वे एगरह, ले विन हर की के विशे वेमले कांकर कर्या वांग्लोंड \* नव भ. नवे थे-Jadov. moins d' av हि वासी मी nonouiver. कomoi mir sa. % अ मंद्री क्लिसड़ हमसक्या, में प्रवर्गिय को विम्हिएमहड़ किक्सम्य- मूड. अ वर्ध τοι ε), σόλεμον α egalaι σεδς τέτες, ύρ' ων οί σκοθέν σολλές. τες όπιθέδαι άπώλον π. σολλεί ή σολλές ηύξης ήδη κ Μώται κὸ σόλεις, ύφ' ὧν αὐξηθέντων τὰ μέριςα κακά שושה שים אוני לב יוני שוצה שוא שוצה ביו של בני שמוva y vi क, भूं देव कर्ववसार, नक्षरवाद अक्षरवाद धर्मार प्रकार प्रकार क्षरा के स्पर्दर, में ZLEVE; Aλοις χεήθαι, જી σώτης τέτων δίκων ελος. σολοίς Sini w κ ηςκισεν σώτοις το μές Φ έχεσι ζην, η δέως, οπιa di υμήσαιτες ή σάντων χυειοι ε), διά ταίτα κ ων είχεν, AN a שינועציי שטאלין של דפע שטאים אינועארטי א אפעסטי אדווסמ- אף אוצדפעי און צוול νοι, δα τετον απώλοντο. ετω; η γε ανδιωπίνη (α-01V. C Μα કર્ક્ષ μα λλον લી જિ το α εισον αίρει છેયા, મેં લ κληρέμε. क्स अ कि है, म रेबंद्धा रहिंग्हें मह जल्बंगीना. भिरतों है, में नवीं, वेंसे βελεν कारες σάντα ίσαπ τα γεχυημένα, κ) τα όντα, κ) δ, π 2 שוו לעל שעיבעם עם אני שוו לא מחום שווים של אני שעו לא מחום שווים לא मसर्वेश कार गाँद वेर रिष्ट्र केंग, कल्लाम्बर्गिष्ठम वे पर असे करासर, में mus 3

MIL!

ώμ

Ku µ è

Ais

Ae eis 701

Pès EA

568 Eisi 221

75

MED

TA

 $i\pi$ 

201 £07

MEG

wλ

mi Phi.

Coi

(BS

¥X.

R |

Wil,

\$ Za

air oi.

Zn i

OVW

MO!

nus.

வீ க் ஆள். வீ நி யா கான் வி வேகைய பெயக்கைய்கும், கில் சிவு. μα 50ν. & χ ανάγκη αὐτοίς όξην ών αν μη Θέλωση όπιμε YHOC.



## ΧΕΝΟΦΩΝΤΟΣ

Κύρε παιδείαι βιελίον 6.

χει τη δείων της Περσίδ · επεί ή αὐ. Οιαυτα ωλό δη άρικοντο διαλεγομίνοι μέ Edulos Jeois, nai newor rois Megoida ylui ερωμένου κατέχεσιν, ίλεως κή δυμβιείς σεμπειν σφάς 8 TW distanov Ta ocia. ETHIN de distinction, megoreuger. το σώθις Θεοίς τοις Μηδίαν γων κατέχεπν, ιλεως κ टण्याप्ति र रिश्रकीया वार्माइ. न्यां न्य ने नाठ मंद्र्य नाइ, वेकारान्य μίζοι αλλήλες, έστες είκος, ο μέν πατής πάλιν είς Πέρ. σας απήθη, Κυρος ή eis Mides megs Kuažaelw em. gevero. επεί ή αφίκετο ο Κυρ Η είς Μύσες προς τον Κυ αξάς ω, τος τον με, ώσες είκος. ήσσάσαντο άλλήλει έπειτα ή ήρετο τον Κυρον ο Κυαξάρης, πόσον τι άρριπ 28. Sopra. spátolna, o d' žon, \* resouveiss popi, oi is mejoder i. Фо! TOV करहेड ए परेंड भारी के किए में से ते के कि की कि कि मार्थ-28. κράλλοι πετε εξελθόντων προσέρχονται τη όμοτιμων. πόσοι τι νές τρη ο Κυαξάρης. Βκ αν ο α ειθιώς σε, τρη ο Κυροι ακεσαντα ευφρανει αλλ εκείνο εννούσον, όπ ολίχοι ον. τες έτοι οὶ ομότιμοι καλεμίνοι πολλών οντων τη άλλων Περσών ραθίως άρχεσιν. άταις, έτη, δίη τι αυτίν ; η ματω εφοδήθης, οί ή πολεμιοι εκ έρχονται; ναι μα Δί, έρη, κή πολλοί γε. πως τετο σαφές; ότι, έφη, πολλοί ήκον τες αυτόθεν, αλλ Φ άλλον τρόπον, πάντες ταυτά λέγεπν. αρωνιστόν αρα ημίν ωρος του ανόνας; ανάγ un jaie, kon. ti kv, kon o Kuer, & nai the Suvapur हैरे हर्दे बंद पाग, से लेकिय, मार्गा मह में कल्लाहिन्य, में मर्वराण नीय

eis วิ ชับ. Tue-

0

Ms.

an.

σd.

Jui

Pas,

500.

15 %

ισα. Τέρ.

è.770-

Ku.

yRI,

ודום

y 8.

πώ-

71

694

ov.

ud-

Δí,

λoi

नद

2.

tuo

ug.

ημετέραν, όπως είδότες αμφοτέρας, τρός ταιστα βελάώμεθα, όπως αν σεισα αρων ζοίμεθα; ακεε δή, έφη ό Κυαξάςης. Κερίσ Ο μεν δ Λυθός άγειν λέγεται μυσέες μέν ίππέας, σελταςας ή κή τοξότας σλείνς η τέρα. Rioqueius. Agrapas 3 + This peganis Oguzias agrevra λέγεσν Ιππέας μέν είς οκτακιθελίες άγειν, λογχεφόρες 5 (w wertassis & meise terganiqueins 'Acicaior de το Καππαθοκών βαπλέα, ίππεας μέν είς εξακιχιλίες, τοξότας ή κή πελτασάς κ μείκς πεισμυείων τον Apallion of Magay son, i mmeas Te eis uveiss, is aquala είς έκατον, κὶ σφενδονητήν σαμπολύ τι χεήμα του μέν-Tot EN luas Tor en Th' Aria cinsuras & N'v To Ca-क्षेंद्र र्राष्ट्र मार्थ, सं हमाराम्याः मार्ज में देलां क्ष्ण्यांवा मांद्र ने मार्थ पृष्ट मार्थं द Ελλήσοντον συμθεμέν φασι + Γαβαίον έχεντα είς + Καύ- Ελλησοντρε σεδίον εξακιολλίες μεν ιππείς, σελτασάς ή είς μυ- Τφ. είκς. Κάξας μέντοι η Κίλικας κ Παφλαγόνας πασχ. Σε Γαδαί. εληθέντας & φασιν επεδαι. ό ή 'Assier o δ Βαζυλώνα δον. τε έχων κό των α κλω 'A συνείαν, έχω μέν ο ίμαι † ίππέας γε. Καύpèr agent t's peror Aqueiwr, aquata d' ev ois & seror. σλου διακοσίων, πεζές 5 οίμαι παμπόλλες † είωθοι γεν fort. δπ όποτε δείρ † έμβαλλει. (μ, έφη ὁ Κδρος, πολεμίκς λέ- Ιππέας μ ρει, ίππεας μεν είς εξακισμυρίες εί). σελτασάς ή κ το- αξει out foras wheor il sixon muera das, a'ye di, nis one duna abfque on. μεως τι σληθ Φ φης εθ; είσιν, έφη, Μήδων ίππεις μέν Steph. πλεικς τω μυρίων, σελτασαί ή κή τοξόται χώοιντ' αν ως γε. εκ θη τ ημετέρας κών έξακισμύριοι. 'Αρμθύων δ', έφη, ελάτζες. The ομορων ημίν παρέσον ) ίππεις μέν τεπ ακιομλιοι, πε- Aut el is Ses (ol j Souveros. Negers (v, son o Koest, in meas per nuiv in simbe, υ μειον η πείτον μέρος το των σολεμίων ίπσικέ, σε- aut εμ-(si de gedor aupi ros nuiver. Ti er, epn o Kvazden, Carremuin odizus vouises segue it us or ons azer; add' tandum in α μεν ανδεών συσδείν ημίν, εφη ὁ Κορ Φ, είτε και εμβάλλοι. μή, αίδις βελοσομεθα πω δε μάχω μοι, εφη, λέξον Steph. ιπάσων, ήτις δξί. 9εδον, έςη ο Κυαξάζης, σάντων ή שנדאו. דסצַסׁדשו שמף פוֹסו אמוֹ מֹאסידוּבמוֹ סוֹ ד' בּאצּוֹישׁי אמוֹ οὶ ἡμέτεροι. ἐκῶν, ἔφη ὁ ΚδρΦ, ἀκροβολίζεδαι ἀνάγτη δά, τοιέτων γε των οπλων όντον άνάς κη 3δ έν, έφη κυαξάςης. ἐκῶν ἀν τέτω μὲ, ἔρη ὁ Κος Φ, τῶν Φλα-र्थिया में प्रांत्रम कार्र प्रवेष्ठ वेष प्रेसे मीवप वा देशीया चेका निय φολλών πης ωσκόμενοι αναλωβείης, η ύσο σων όλίρων οί DOMO!

mothof. ei हैं। इंक्ल हें दूस, हैं का, के Kuge, में कें। के the

Xs av

Hulu.

20. aopa-

ASSEEDV,

Phil.

ayasov

अव्यवहर्भा, and is.

3.

प्रश्निति ए हर्ष हुन्।, में मह्ममसर संड विहुल्यड, में वैस्त में राजि. करसम क्यांस्ट रें ता से मा कसंज्ञानक Mindos, को पिर्वित में Servir महिल, व्याव 🥱 वां मला कर्रला इत्वं किया ; केरे वे नहे. το μβο, έφη ο Κυρος, ου ίωτ, ότι εδ' οι πάντες έλθοις Πέρσαι, πλήθει γε έκ αν ιωρβαλοίμθα του πολεμίες. 29. ei οίπ - Κυρ . · ei π' ei w, \* ώς πίχισα οπλα εποιεμίω πας Ιω έχοιμι. Πέρσως τοις σροσικου, οία περ έρχου βχοντες οί παι vel potius માંચી, οι જી ομοτιμων καλέμθροι. ταῦ τα δ' છેલે, ઉર્લ્લુ οι π'αν. μεν જિલ્લે τα τέρνα, γέρρον δε είς τ α'ειτερούν, κοπις δεί 28. ώς τά- σάγαρις είς τ δεξιάν. κάν ταυτα παρασκουάσης, ημί μ ποιήσεις το όμόσε τοις εναντίοις ίεναι \* ασφαλέςα]οι, δπλα πιι- τοις πολεμίοις δε το φεύρειν η το μθρειν αίρετώτερη Tat Houle St, 40m, nuãs ju autor होने कर बीरं कार बीरं कार μβίτ' αν αὐτβί φεύρωση, τέτες ύμιν κρ τοίς ίππις νέμομβν, ώς μή χολάζωσι μήτε φεύρεν μήτ' ανασρέφεδι Tois evar. Κυρ μιρ επως έλεξε πό ή Κυαξάρη εδοξέ τε ευ λί मांगड है के क. ज्या, में यह भी में मांगड़ पहरवणहं माहतीया हमहार हमहामारा,

मबहुद्दरा के बेर् ही । है कि में व यह व्या क्रिक्श मार्थिय में प्रति के म

Too Tade "Aropes pixos, eja vuas ogar, avros is

ετοιμα ήν, κη τη Περσών οι ομότιμοι παρήσαν, έχοντη το από Περσών σράτωμα. 2. Er Ja di eineir xéze ) o Kue@ Cwxyagar ai. 2.

BEATISOI EOON ).

καθωπλισμένες έτω, κ τους ψυχούς παρεσκαθασμένες ως είς χείρας Cumiξοντας τοίς πολεμίοις του ή έπομένες υμίν Περσας γινώσκων, ότι έτως ώπλισμένοι είσι कंड बरा कल्कामां मा प्रदेशमाड पर्य प्रकार देविसक्य पाने वेर्राज्य υμέτερον. 5αντες, κ έρημοι ζυμμάχων ζυμπίποντες πολεμίος TO Wolf and Joirs Ti. vim sv, ton, ocquara who toover 26. हम हका. यंग्री कि माम्बर ह महमार्थियं विमरे के हें हिन्यू वर्ण नवीं दें विद्या דסוֹג טְעבּ אַנְפָטִינִ דמֹג אָב עונש לעצמֹג מִטְדְצָי שׁ אֹנְבִיים \* אוֹעבּיד. אַנְפַּי σον μόνον Eon to हरिका, जुर्जा कि उर्बर प्रांत क क्ष बत्ता पर पर्मा पर्मा करिया θον εθ, αιλα κή την αςχοιθρων όπημελεί δαι, όπως ώς λατ

3. O Pri हिन्द संग्रह , जं में भी अमितवा हि नवि प्रहर, ११ में है picovres w meiovor agovierds, es 3 avil xais λεξε πιάδε 'Αλλα' θαυμαςα μψ, ξοη, τους δίζε το δάγειν, ε Κύρω ζυμεκλεύσω τι είπειν τως κινών, όπο τὸς οπλα λαμεάνωση οι ήμιν μελλοντες συμμαχείθαι τὸς τα οπλα λαμβάνωση οι ήμιν μέλλοντες στιμαχείδαι

CANE

£72

Edi

Sh.

רעד רוש

E ST

Be6

7

. zeń

000

201

OUV. Ass

**T**n

3.0

**X**H

HE 7

3 8

16

100

Aw

20 7

VOV

XH

vuil

Ti

Tel.

4

TK

da.

π'

38. 1310

485.

Pn 6

मध्द

mag

Seg

Si i

ที่นไก

alon,

TEE3N

oin

77015

5 DX λ(

NT0,

78

V 785

av.

pell

ENRY

€770.

ei oiv

λίγοι

Lions

D TES

LYYE

होते मामार्काण के, दिवा, ठम oi मी ingratatur में टेंग में Lands moier hoper & tois is ud lisa contoy) & Jugais की बेस्डिंग म्ला, में रिक्टिय मेंग रीर्डिकार को कार्डका, मर्देश मालंक πυγχάνη όντα η τά παρά το ομοίων, ομως μείζου [ αυτά πων ται οι λαμδάνοντες. κ νων, έφη, οι Πέρσαι Spann Der Tes wood Kuge mond manov nanovy, n up שול המנפת מא צעלטים. בין דב דבי סעם העם דועצי את בוקמונלטים, אלי אניטעב βεδαιοτέρως σφίσιν ήγήσον η έχειν τέτο, τωο βασιλέως νον, η εξ τε παιδίς κό ύσο σρατήγε \* γιγιομίνου, η εί ύφ' ημήν ύφ' ημών ंड को वां के क्रिक वे 3010 क. वं का रिया श्रीमा हिंदी को मार्थ करता वे वे पक हां बेरे वे जवारों पर्वत की की बेर्डिक्र अंग्रेसर नवंशका के विष्ठ में-פפיחותם, חוווי אל בשני של דם אפווסוננסי, ל, זו ביו צורם ושבודם ב-TIOVES NUMP ).

4. Ουτω δι ο Κυζ Ο καταθείς τα οπλα είς το μεον, κή συγκαλέσας πάντας του Περπών σραπώτας, έλεξε τοιάδε "Ανδρες Πέρτα, ύμεις κο έφυτε ον τη αύτη ημίν χώρα, κή ετράφητε κή τα σώματα γε ημήν Wer xeregova Exerts, Juxas TE & Sev naniovas univ meson-यम मंथी हें दूसर. कार का ते हैं कि दे हैं कि की कि कि कि कि μετείχετε οθ ίσων ήμιν, έκ ύρ' ή ωλ άπελαθέντες, άλλ' va is ra commidera avay klu v uiv El mei (edai vui β όπως μερ ταιοτα έξετε, έμοι μελήσει σιώ τοις Θεοίς. 28. λαβόν-รัยภ ถึ บนเร, ค่ ผิชมองา \* มลดีชีตท อัสมัล อโล้ ซี่ดู ที่แย่ง กลง when is a n xeigues null est, eis i autor nuiv xiv-Amor Engavery xav n on Termy nadov nayadov ziv-माता, नी वंसवांका मिरा वहांहिंजु. नवेग स्थि हेंग कर्डिजेहा द्विं गण र्णाहाँद पर काई राज्य में बेस्रामाड्यो शिष्ट, में में महाँद में में म หูผ่งหง ที่เมื่อ สินาส สอเด็ง ที่ระ, หระง อิลบแลร์งง. ห งอี ที่ง ग्रेमा है भी है जिस्साम काम मार्थ है स्थाप के निर्मेश के मार्थ है วที่ อัสภาเอง หรือง ทุนะเร บันที่ ๑๒ ร้องเป็น. วินอุดุรี เป็น วิธี μοια σει τα σέρνα αρμόζων έκασ φ έσμη, γέρρον ή εν τη άριιέτε झहुबे, ὁ πάντες લો θίσμε δια φος είν μά χαιες. Β΄ η σάγαρις έγα. Τη δεξιά, η δη παίαν του εναντίες δεήσα, εδέν φυις ως λαπομένες μή τι παίταντες ξαμάρτωμο. π εν αν म रहेरा इंस्ट्रिक हेर्राइट्ड मिर्प्यूय नीवक्र्ट्रिश है क्रिया है। , νο. Το εδεν ύμιν σερσήκει ήπονα ήμων παρέχεως, νίκης τε वो है है टेना उपमुख्य, में उसे मुब्रे के नर्स में उसे बेह्न जैसे मी बे उस તિક્ષું મું જારેલ, તાં μάλλον ημίν η υμίν જારુ જાંમલ; મર્લા પક જાર, જેમાં માં માં જેઈ a un xu a TS

THIVOU.

17

S;

ris

in

Da

Li.

Con

10

100 big

200

tag

Moi

ακηκόατε πάντα δράτε τα δπλα πάντα δ μβο χεήζη λυμβάνετο ταυτα, κ) έπορε εφέδω σε τ ταξίαρχη सं के mojan नर्देश गृहार किए की बहमसं देन माञ्चक्रेड हैं। 25. mover- (a i), na tauly to en tois congetinois off hois o pe stell ressoucius ei mer. ans rus res j' ou Перош стория ei тарандувиди βιοτούειν, ώς τα δμοια \* πονέντες τη αυτήν τυγχάνειν. μη θελή πι χάνοιεν σεσι του τα ποιείν, δικαίως αν δια παντός το αίωνος άμι μή εθέλον- χαν έντες βιοτεύειν και έτα δη άπογ εφφονται πάντη 7E5. ανελαδον τε τα όπλα πάντες.

5. 5 Έν ώ ή οι πιλέμιοι ελέγοντο μέν στοσέναι, παρ ησαν ή εδέπω, εν τέτω επαροπο ο Κυε π ασκάν ω Tà क्यं एक मक निर्ध महते देवा में करहेड देया, मी बंक सम है म τακτικά, θήρειν ή τας ψυχάς είς τα πολεμικά. σες τον με λαδον παρά Κυαξάρε το ηρέτας, σρεσέπ ινανώς Bud ξεν έκάςοις τη σραπωτής \* ίνανως ών εδέοντο πάντα π मानामीय करिवर्शिं महार है करिवराय व्यव है हिए वर्गा αλλο ελελοίπει η απείν τα αμφί τ πόλεμον, οκει Sonor naturela Juneral, ou g tol negutsol enasa his νον ) οι αν, αφεμίνοι το πολλοίς προσέχειν τον νον, οπ દેν દ્વાગા το πων). મે વાંત્રી છે તે πολεμικών જિલ્લો κ) τὸ τόξω μελετάν κ) ακοντίω, κατέλιπε τέτο μόνη σώτοις το σω μαχαίζα, η γέρρω, η θώρακι μάχεδα

αξίες τη ζυμμάχες. τέτο ή χαλεπον όμολογήσαι, ι τη χε. μαχεν. τινες αν είδωσιν όπ εδε δι' εν άλλο τε έφον), η όπο και

ώς ε ευθύς αυθύ παρεσκεύασε τας γνώμας, ώς όμω

โรร์อง ผีก อัสกิ ชอโร สองอนโอเร, ที่ อันองอาการ์อง แทสองนี้

முக்கும் வி முக்கும் பால். TU.

6. "En j wees terois envoyous, on wei onown i dois 6. Επ ή σερς τετοις εννοήσας, όπ σει οποσων α γρίων η ανθρώποις φιλονεκίαι, πολύ μαλλον εθέλεσ πων τα απείν αρώνες \* τε αυτοίς σερείπεν απάντων όπος λλ Vel Parti- ερίνωσκεν ασκείδζ αραθόν εθ ύσο εραπωτή. α ή σε αυτοίς τοι επτε, τάθε ήν, ίδιωτη μερ αγαθόν έαυτον παρέχει γε mutan- ευπειθή τοίς άρχεσι, κὶ εθελόπονον, κὶ φιλοκίνθων αλλ αλλ νει μετ ευπεξίας, κὶ επείμονα τη εραπωτικών, κὶ φιλο μίτας; ρο- καλον σει όπλα, κὶ φιλόπμον επί πάπ τοίς τοι ετοί τοι είνι οπίτι πενταθάρχω δί, αυτον όντα οίον περ τ αγαθον ίδιω τοι ετομ. Στορε. τω, κὶ των πενταθα εἰς το θωματόν τοι αυτώ παρέχει σε εναθάρχω δί σων δεκάδα: οι στοί που παρέχει σε εναθάρχω δί σων δεκάδα: οι στοί που παρέχει σε εναθάρχω δί σων δεκάδα: οι στοί που παρέχει σε εναθάρχω δί σων δεκάδα: οι στοί που παρέχει σε εναθάρχω δί σων δεκάδα: οι στοί που παρέχει σε εναθάρχω δί σων δεκάδα: οι στοί που παρέχει σε εναθού συν ποι στοί συν ποι στοί στο στοί συν ποι στοί συν ποι στοί στο στοί συν ποι στοί συν παρέχει συν ποι στοί στο στοί συν ποι στοί στο στοί συν ποι στοί συν ποι στοί συν ποι στοί στο στοί συν ποι στο 6. τον λόχον ως δ' αμτως ταξιάξχω. ως δ' αμτως έ 9.

28. ανεπί- κάςω τη αλλων αξχέντων, \* ανεπίκλητον αὐτον οντο 1205 comus. TANKTOY.

कित्यक्र संदेश में नी चंत्र वार्य वेश्वरंग्या, वत्या देश संग्रा करें

שו בו בפצמה, המניבצורו דם לביידע הנוצידעו.

501

Page

Xá.

TW Mul

E NI i pur

7:5

जवन uh uh

70

र प्र

य का

וֹסד נֹי

W. EIT

zin

, cm

15 261

uovos

ह जेवा δμόπ

Seria

115

क्ष व

Tui

mu.

7. ADAd de openive, To is who rakide your, oi nea-गंड्य में है व्यार नवेंद्र नवेंद्र के देवार वे तथा, अमार्थ १ १०६-Dai The new Lozazar, of nearistics do gaier too horses יחושלוועינים, יוֹבְ שני אוֹנְ מוֹנְ מוֹנִין אוֹנִין אוֹנִין אוֹנִין אוֹנִין אוֹנִין אוֹנִין אוֹנִין אוֹנִין אוֹנין אוּנין אוֹנין אונין אוניין אונין אוניין אונין א Dai Al d' au denadaggar tor neatist, eis tas Al No sayou xweas naras now สม กา สบ ส นอบ กายแลนสลด-How, wound we sie rue Al Senzexun. Al ze ulu isiw-בפים לו אמנו זשתוב דסוב מפצעה, שבמחד של שנפים-मध्ये चंक्र मी बंद्रश्राक्षिण, देनसम्ब में ये बस्तवा मामगा है। कुश्महत्त्व हेर बेड्ठाड़ क्या मार्यहर्ग मण्या. हम्ता हम ह है के प्रार्थ-(अवा के अर्म के वह नहीं द वहां हा है जा था है। नहीं कि निर्माण म gegra a za Sor mei Cov paivoiro. wee eine 3 vinntheia is haus rais migeor, n' shous rois doxous n'y rais dendor ond tos, if tals neutrany, sav pairar) \* comsora? al. cutes कीं देश क्षण हे जय, में क्लिक के मार्थ के क्षण के किन्द्र के किन्द mulia il 3 ravirous ra venthera, cla di eis mindo क्षित्स. त्या त्य हिं औं क्टू मंहात तह, क्षे मंद्रभात रेखां में झव-

8. Σκίωνες છે તેમાર્ગેંદ κατεπεύασε, જોલે છે બીમે ઠેળા: किहांक् का मेर्ने, प्रश्निक की केंद्र ामका केंद्र हों) गाँ नविहेल हम ब-οποι ωι περε τον μέλλοντα αγώνα τέτο, ότι εώρων αλλήλες moine Medolightet, if en capa meidaue meionegiat' mee कि दिने के कार्य में मार्थ पर देन हैं कि हैं कि कि कि कि कि οπόπ αλλήλοις όμοσκιωθυτες. Εν χύ τω χιγιώσκεδζ κὶ τὸ αίχυπου καξ πάσιν εδέκει μάκλον εξρίνεδς οὶ ζ άγνεωμοι έςεξερείν πως μάλλον δοκύσιν, άσσες οἱ ἐν σκότει όντες. रिया किंग्रहा है विकास में सं ह के त्या नाईसड़ वास्टार्टिश प्रदेश के कि φιλί κάιδε δια τικό \* όμοσκικιάν. είχον χό οι κίν ταξίκοχοι χε. συσκηικτοι το έπιτοις τας τάξεις \* κοιμωμένας, ώπες όποτε είς νίαν.
ιδιώ μα πορεύοιτο ή τάξις, οι ή λοχαχοί του λόχες ώπου γε κεκότος είν τος οι δεκάδαρχοι τος δεκάδας, κ) οι πεμπάδαρχοι τος μημένος.

रिसंहण, अवंतिक प्रवासकारियां विकाद पृथ्ये प्रशिक्षण में देविका ลัง Sin Curaque อิบมีลเ, เรา, หลัง อักษอรัง หลาน 6 ะ 6 ภทแร่ง τύχη, ζυναρμόσαι ταῦτα ἐυπετώς, ἢν ἔχη γνωείσμαπ ώς ε ευδηλον ε) έξ όπο las χώρας εκασον αυσήν έξειν. εξ xxv रहे के क्ट्रस्ति वामक क्रिक मुहक्कियोश में करें इ में भेतित De. Tu ouv- येत्रें में त्रिक्ष क्षेत्र केंग्र हे जेह ते साथ डेक्क्र सं मा कि हा के कि के कि के कि τρεφόμενα. όμε τρεφόμενα θεινον έχοντα πόθον, ήν τις άυτά διασιί άπ' άλληλων.

IC. Emushero ju Tode o Kuess, o mus unmore ani-रिक्रा श्री के कि के के विश्व के के मिल के के कि कि कि कि कि के कि के कि em Siege autor Zajov ideata autoi, mageizev, n mu Sa's Total Tay Esu'estrer, al idiata Euchor magezen' al. Tegiza. 2, \* wedizas ei T Stoulu Tizes, & Tus Uznyeito f wee

देहराइ, कंड धर्म दलकाशिवार बेगारीहळां. नक्षर अ में भूमें रा में कहा के गरिका है की सर बेजबरे हैं है, क्लेंड के प्राविश्मा, में क्ले το δύναθαί τι σονείν. κό σε ος το άλλήλοις δε σραστίρι ... εί) αραθόν ήρειτο τεύ πόνες εί), όπι κὸ οἱ ἐπποι συμπε ye. weai- vertes annins, ogaiteer Curesinan weis ye ul τού πολεμίες μεραλοφορνέσεροι ρίγνον), οι αν ξυνειδί 7809V.

OF EQUITOIS EU NORNXOTES. 11. Kug G λε αυτώ ( κω ω μεν κατεσκα άσατο, ώς inavlud Ezer Es naroin om to Semvor chare de as a TONNA THE TAKING YOUR, ES KALEGS AUTE SONO IN ED. EST ! AH อาระ หูว สมี Aoxay ฉับ หูว สมี อัยนส์ g x พบ พบล่ ร, หูว สมี สม मार्थ वंदर्श देश वेस के देश में किए क्रिया करी, हैंडा है कि ότε καὶ τω πεμπάδα όλω, καὶ λόχον όλον, καὶ τάξο 😥 The chanes sii, is etima ote muas isos tossto m woil Ain क्या वड़, है नर्वश्रवड़ दे दिश्वरू का का का में मारे प्रदेश की वरा में μίνα ά εὶ Ἰσα αυτῷ τε, κὸ τοῖς καλεμένοις όπὶ τὸ δ εί πιο δεύ में किन बेमदी के इंट्रेंक मार्थ के जिल्हा के विकार के किन कि किन के क्यंग्राम देनादाल. इरिंग न्येंद्र भेतीका नामवेंग विद्रावण देरिकल वान हों) महा बंधको नवे इत्यमालमाम के जिलाई नवड हम माह्यस्कर, हा कर्दिनिह्ला, में में मारहेद में म्लॉन किए हैं। नहारह, में की किया ναι τη εταπωπκών, κ ζυνετεύ, του σέπ ο σφοδρές τα χείς κ άδκικες κ άταράχες. του ος ο τέτοις, κ δοπι βέλππι νομιζόωνοι έχεσν, εγίνωσεν ο Κυς Θ δών πο τω ης έτας έχειν, η τετο ασκείν ως μηθεν αναίνοιντο ει μώ του, αλλα πάντα νομίζοιεν ως έπειν αυτοίς ωρφωειν, οπ του, αν ο ποχών σουσίπου. वंग व वंश्राण क्लुड्यं में।.

· in

au

LOT

12. 'Αθὶ μβο εν επιμέλετο ὁ ΚῦςΘ, ὁπότε συσκίωοι Τέχε 12. O TOUS

WV a

LETE

0.7a.

है और जिल्ला के मार्थ

i w

avi-اً عِمْدِ

7701

EID,

कर्ष

क्ला

weight

**उह्हे** μπο

ulu

endi

€ 5 T

E 57 6

51 4

Tais

17, 00

O TO

\$πως \* ευχαρισότατοί τε α μα λόγοι εμεληθήσον.), κ al. ευχαρι-Tov Abyor ded ye, ton, & andres, endrested Ti hull शिवं निक्षण क्वांप्रकार हैं। को " हेन्ह्डा, ठम हे महत्त्वां रिहण प्रथा परेंप पूर हेन्छा हुड़ा . μίτον τρόπον ήμιν; η έδεν άρα διοίσεση ήμων έτε ον ימוֹב (עיציםומוב, צדב סדמי מֹשְמִיוֹ (בּאֵל הפיב דמוֹ חוס בעוֹ-का रिंग ; में 6 'Y salours रंकात किया संग्रहण, बेरेते' ठावांगा किया Thes soon) ere neng morehise, sum sours cuitahan on ιδύτοι τῆ (υνασία δύσχολοι ναι μα πεύ Θεες ένιοι αυ-W non caivor). wealth who de, son, Kuagaens sme u-Lev eis τω τάξιν έκάςην ίερεια, κή έγγυέτο έκάς φ ήμών πρία κρέα, η κ) πλείω τὰ ωδειφερόμενα κ) ηςξατο को अ बेम ' हमें 6 majes & मांग किलामा कुला कर बहुका के उस है के विधानक का संदर्भ के कार्या किया है के का कार्य के किया के का ου το τελευταίε άς χεως, κ) ανάπαλιν σειρές ειν. ανα-שבת שי אי דו או או או עבדטע דפע אניאטע אמדם אפועביעטע முகாலரி, மக் வி. சேர, ரியி கி மூயி கில மாம் தேர்ம். எழு ο ημών το ω μετω εδείς εδέποτε αρξεται, η εγώ nisous note the TE, et T meior donoier exer, no ondεσα ουθύς αυτον σε ε με. ο δε μάλα τετο γε ουτάκ-0, 00 อง เอทหมายง. ณัง ปีย์ านิ ซียเจรยด์แม่ผิน ที่หล ซองิ่ง ที่แล้ง, τε, οίμαι, υξάτες λαμβάνοντας, τὰ σμικεςταία λε-Acupeva no, entanda di cher O mavo aviadeis d'in-ी जार्म AG ESPUETO Rai eine mes cautiv, The Tuzhe, To epie κληθέντα \* δεύερ τυχείν. κ) έγω είπον, αλλά μη χ. δεύπε-முமா(s' வ்பாய்க நம் வர் மியம் விடுக்கு), மு ம் முழும் முரும் மூர்மு कार्म मार्म के प्रदेशहरूप. में दे निवर्षिक किराईक्डिड के महानिवर, विमान TIN THE ACTION IN THE WELDOEDS RAKEN & Exale met sue בו און בנידוף של שני א' ס מודש באמלב, אן ציל לבני שנידני עבהες απ τον έσωτε λαβών, καταβάλλει ο έλαβεν, ώς έτερον λη-ι απ τουθο. \* κ) ο μάχεις Θ οι ουδο Θ σωτον εδέν τι δώ- χς. κ) ο ον, ετ τω όμε, ώχετο ωθαρέρων πείν λαβείν αὐτὸν έτερον Αρταμος. υπαίθα δη επω βαρέως ηνεγκε το πάθ Φ, ώςε ανήtai ogsi Cedau Tij Tuxin \* Surtogiculu arenge Lev. 6 g. Jude-יאד עוב ντο τη μο δή λοχαρός ο εξρύταλα ήμων ίδων ζυνεκεόπος τέμθος τη τε τω χείζε; ης τω \* γέλωπ δυφιαίνετο. εγω μυμίτοι, ης. λέρου en, σερτεποιέμω βήπειν έδε χ αὐτος indunaulu κα- nio. είωοι Τέχειν τον γέλωτα. τοιδτον μέν δή στι, δ Κύρε, ενα

की हमाहिका ट्रेमा निमान्त , देवन हम निम की पहेंच के विकास είκος, έγέλαταν. Ελλ Ο Ν΄ πς έλεξε 🕉 ταξιαγχώς cor uer Si son, & Kugs, wis somer, sto Svorono ini. गार्थ हरे हैं, केंद्र कर वीविष्ट्रिय मेमबेंद्र नर्ये नर्यह्म बेना

किन्मिन्दर, में देसहेम्बार की रिवंद्रसम् निक्ष हेकार हेसवडर मां. हा, a கிழ் எத போவ் பெறிய, காம சிர் கவ் த்லம், வகையூ οί άλλοι έπείεν, έλθων εδίδασκον ένα λόχον και σήση τον λοχαρον σεώτον, και τάξας δητα ετ' αυτώ ανόρα veariar, nai का वैत्रह में कृतिक रिसंप, श्रमसम्ब ड्वंड दे σε έμωρο δεν, βλέπων eis τον λόχον, ήνίκα μοι έδί. na najes siva, organiva criniva. nai o avig oui ของเลง อันคัง ๑ ๑๑๑๑๔ภาพา รัช xoxay ซึ่น ๑๑๑๑๔๐, ๑๑๑ TEC कि स्तित्हर्ण हर . अद्ये पूर्ण दिलेंग हो तर, के दा अवकार, में तहा संद ; सबरे वेड देवा, क्लिक्ट्रियाता, कक्किक वर्ण महप्रहात्सड. मवंγω είπον, αλλ' έγω ε σε μονον επέλευον, αλλά πάρ रवड़ क्लाइंग्या. में हैं बेमहरवड़ रहेर मारवड़कालंड क्लेंड को λοχίτας सं πεν, εκ ακέςτ', εφη, συσά θου ο σοίνα mirtas; nai oi ardpes mirtes magen dortes tor roza-2 de, माज्या करेंड़ है थहे. हेम में में o hozaros क्यांक केंड़ χώειζεν, ελοφόρεν τε καὶ έλερον, ποτέρφ χει σείσα Sau; vun 2 6 µsv महत्रहर्णस कल्डार्रिया, o d' सम हत. हेम्रो दिन ος. Δυτίκα μέντοι ενεγκών πώτα τε έως, υξαρχής \* δυ καταχω ... xweisas. elsas, einer undera the omder xiveras, weir ar o wei . એક મંગુમાં તેમ તે વેષ્ઠા μόνον όξαν πάντας τις જ્હાં છા મળત દત્ત દાતા. એς તે' લોડ Πέρτας τις απών મેમ છે જ્હાં કે μέ. καὶ એ દ્ inérevoi pe du omsorlui sevai, lui eyeata omasi im κάγω (ό τὰς Λοχαγός ἤθει ὅπε ἔκειτο ἡ ὅπισολὴ) ἐκί٠ ἰΑ στι αυτώ τω θώ εσκι καὶ τη κοπίδι κὸ ο άλλ Θ ή πάρ λόχ Θ ὶδων ἐκεῖνον ζυνέσεεχε, καὶ ἦκον οἱ ἀνθεες εἰ δὶ λ εντες τἰω ἀπιςτλιώ. ἔτως, ἔφη, ὅχε ἐμος λόχ Θ ἀκει τωίω δοἱ σει πάντα τὰ τὸξὰ σε. οἱ μὲν θὴ ἄλλοι, ὡς εἰκὸι, μτα ρε, ὡς ε π- ἐγέλων ἀπὶ τῆ δορυφορία τῆς ἀπιςτλῆς. ὁ δὲ Κῦρ Θ εἰ ὶ, δὶ νὰς ἀυσερ πεν, ὁ Ζεῦ καὶ πάντε; Θεοὶ, οἴκς ἄρα ἡμεῖς ἔχομψ το ἔχο πεν, ο Ζευ και σάντες Θεοί, οιες άρα κιμές έχομε ανδρας έταίρες, οι γε ουθεράπευτοι μέν ετως είσιν, ω τομι τε εξ) αυθμί κι μικτώ όψω παμπόλλες φίλες ανακτίσα το ων εξεναι το

केंद्रा भे थाxton cotio warvava MTE Sady BIYRE.

τας έχειν. ο μβί δά Κυς Ο άμα γελών, έτως επάνετι τές CONTRO TOLS.

540 ο̈γ,

Ti-

74 74.

8 %

( a

Spa c.

86.

1016

asi. 701

Kd.

70.1. 780

itya

074-

0,14 iou-

7715

13. Ev 3 דו סגלעון בידעץ אמים חו שיע אל דעלנומץ אשיר, אי בדענים. Αγλαϊτάδας δνομα, ανής τον πρόπον Τύ \* συρνοτίςων τέρων. פו דודונה \* מאושה אונשפור דעלדע ; מאאמ דו עוני שואלοψοι, έφη, ο Κύρ Θ-, ψεύθυνται; τί δ' άλλο γε, έρης שו אול אול שות הפורי בשל אסטידיני של צ אבעים דב דת ודע και αλαζονεύον ται ; και ο Κύρ 🔾 , ευφήμες, έφη, μη λέχο hatovas id teter. o who sais a hatov emoise done प्रमुख महा केवा टेको पर्गे कलकार मिर्मा है। इस क्रिकाल पह करा D, n sion nai avereroriegis, nai noinotto a un ivanot on to 1900 whois. Lai rata parselis prompois on To λαβάν π ενεκα, και κεςδαναι ποικον. οι δε μη χανώ-אים או של של הדו הוה ביותו הצישון בוסד הופלים, it of Chuia of ansormer, wit of Brach unde-मेर्व, मर्केड छेळ हे कर बेडलेंग से भे टेप्ट्रबंशनाइ नी प्रवार्वनाइका वेंगव-

milarto mannor, nanalive; jo mir di Koe & tos απελογήσατο σει την τον γελατα παραβόντων. \* αίθης Χ. αίτος & o rozazós o the to róze zaestar d'nynodus & de. हेंगूर्ड हैंगा, में कह बेंग, के 'Αγλαϊτάδα, लें γε κλαίου εποιρώμε ο बर्फ न मालंग, उठ्ठे रिक्ट बेंग मधांग है धार्म एड. (बेळाहर हैंगाठा रहे देन कहां कियाँ प्रयो दे रेक्ट्रिश दोश्तर हुते विशेष राष्ट्र मार्थ हैं। ei देश अगव कलाइक्रण त्या वे पुला ) उत्तर्गह पूर पर्ण प्रवर्श त्यां त्यां निर्दे ह . και ουρεμίτων μέν τι σε βυλόμε οα. βλάπειν δι έδεν, όμως καδι τως ον σολλη ατιμία ήμας έχεις. ναὶ μα Δί', έρη ) देश मियूर्रवा नवं रिवड, सवा री सर्वा कड़ में देन ने सवी वेगाई में सर्वा-ל שוו מו צמשונטיד שנא שואשר, שסאאמצוו בעוסוץ ב לסאבו בαγή λέτου σ άξια διαπράτζεδαι, ο γέλωτα αὐτοίς μεχα-3 mai vier . Eughous Se ou, lu og sas xoyign, Eue d'Anες οί οι λέροντα. ελαύμασι μέν γε και πατέρες ψοίς ζωφεςείκοι τώμο μη χανών ται, καὶ ελεάπαλοι παισίν αλαθά μαθή-είκοι τα καὶ νόμοι γε πολίται ελα το κλαίονται καθίζεν, Θεί ελαιοσύνου περπέπον θ. τες ο γέλωτα μη χανωμέεχοιώ εχοις αν είπειν η σωματα ώφελεντας, η ψυχάς είθην, ο τομητικωτέςας ποιεντας, η πολικωτέςας εκ τέτε δι επίσα είθης είθης

14.

28. में गरे

דצדצ סאושצ שצוצ שבאשד ל החלם שואבי סא. אמו שפר סולי פונישוף אל מוד על בון מודים אל שוו של בו אל מוד אל מוד אל מוד אל מוד אל מודים אל מולים avnhanas autor, soe ulu ginois ze, soe Esvois endi είναι γέλωτα παςεχεις. ώς ε εδεμία σοι σε φασίς όξη ως ε παρεκτέον σοι ήμιν γελωτα. και ό Αγλαϊτάδας हीं तर, \* में कां में कां, के 'Y इसका, पृश्याम कमाव कार्य γεω Τςα- रह देमहैं; κ) ο λοχαροι समद्, να μα Δί ανόητ 🗘 वहा

का, yéha दिनं देत में देश पूर वह माँड वी पादा विवेश के माड 'explicate, ! τα ποείρ. γέλωτα εξαγάγρι. Επί τέτω μεν δι οι τε άλλοι έγί λας, τον πόπον ίδότες αυτέ, κὸ αὐτὸς ὁ Αγλαϊτάδας

επεμειδίασε. κ) ὁ Κύς Ο ίδων αυτον φαιδρωθέντα, αθ κεις, έρη, ω λοχαγέ, όπ ανδρα ημίν τ συκδαίστατι είω Φθείζεις, γελαν αναπείθων, κ) τουτ', έρη, 8 τω πολέμιο

ον τα τω γελωπ.

14. Ταύτα με ενταύθ' εληξεν' εκ δε τέτε Χευσέρ ται ώδε έλεξεν, αλλ' έρωγ', έρη, ω Κυρε, και πάντι οί παρόντες, εννοώ όπ εξεληλύθασι μέν σω ημίν οί κ nai Bentlovo, oi de nai meioro agior no de n sin त्या बाव रेरे, वेद्राकंत्रका नवंशमा क्रिया रिक प्रवाहित प्रवान έρωρε εδέν ανισώτερον νομίζω τη τον ανθρώπεις Εί) \* ή 18 TOV TE. AN LOWV TOV TE RANDY NO TOV a Jadov a E1825. No 6 Ki

mi

ä

i co

ex Nia

145

ovn 6 sa

१० संग्र कलंड रहत, यह हैं। हैंग, कलंड री छिर पर, महंगत भूगांग, वंग्रीहरू, दूरिकासंग की किरा हिस्ती सेंड \* में इस्वता महंत्रहत रिमलं, में मा देस मी महंग्रा रिक के छिट दे दे विशेष Ta ua. Ισομοίρες πάντας ποιείν, η ζασπέντας τα έρρα έκας

पुर- कर्ड़- कर्ड़ नकार के में निम्म है सर्वड़ के कर्ड़ निर्मा है। δεί, έρη ὁ Κουσάντας, εμβαλείν λόρον αθεί τέτε, αλι Siva.

हैं कुल्लमहा, उना इंडल मार्गवसह ; में ह वर्ण में को बेर्ग γς. εφη ε- νας, \* έφη, ως επας κό τα άθλα; άλλα μα Δί, ή TWS क्टुर्स- o Kugo, हिंदू के प्रावाद स्वाप्त देशसंग्राह. वे प्रीप के वेंग इह Tabulpor umown), norva, ciuar, éautis ny noon) क्रारं ६. कोंग के लेटुकांग काई ज़क्कारां के किया है कि हैं का गाँउ कि मा μί(εσιν ε). ως ε διατάποντα εμέ του δπισάτας ελί อโมลเ, ส่งโทยัง งอนเไซตง. ที่ หลา อเต, ร็อท, อ Kguravra Ιμφίσα δαι αν το πληξ Ο Cureλ δον, ως ε μή ίσων εκι seol τυ Σανείν, αλλά που κεατίς ες κή τιμαίς και δω

eois mesventer; Egwy', con o Kugo, olouai, aua υμών ζυνα ρορευόντων, dua s'è καὶ άιρρον ον άντιλ υμων (υναρορευόντων, αμα δε καὶ αίρεον ον αντιλί γεν μη έχὶ τ πλείςα καὶ πονθετα, καὶ ώφελεντα το και κοινον, τότον καὶ μεγίςων αξιέδου. οίμαι δε, έτη, και δα 31,

Dugxa,

6देश idas

THIS

à es

er, i

èyi.

a das

ad.

dia

ÉMIO

Uody.

ditte

i ph

Spin.

Kain

ő Ků.

वं गाना

**इन्दर्गा** 

za Sà

Exass

20 1

1, 10

हित के निवाद पत. हिस्तिमंड ह के के में का कर में मुसं क ही, स שולה של של של בנים או שותו מפוים של של מצושים માં દેવાયમા. મચારને દ દેય વામાં દેવિયલ દેવી પામ દેવિનાના જેટો εέτε ψήφον, εν ῷ κὸ ὁι ὁμόπμοι ακινεν των τέ όχλε ίσοpoletar. 870 Si ouvedones rois en Til onlui encaredan Isis of avile oforto ED.

15. Έπιχελάσας ή την ταξιαγχών τις είπεν, αλλ कें, ह्मा, वर्ष हक में गई र्गायह ठारिय, ठेड़ उपम्हिल केंड्ड un क्रम हम्बद रिक्ता हांका हो. बंग्र कि में बंग्र में इड कर कर कर के na rezon o d'ameneivaro, est en Di aine ovorlus υδς, δς ον παντί μαςτύει πλέον έχειν. άλλ [ δ' αυ imige το αυτον, i x) τω πονων; μα Δί, έρη, ε μου δή. λλά τετό γε Ιωθόμυ Εάλωκα. κ ράς πόνων, κ βάλλων το τοιετων πάνυ σκάως ακ εά τ δελομίνον Seov Exerv all Edw whi ; Eon o Kuegs, a dirfess 212wow the tolkthe andpoints ofor x vim of a heges. et-ερετες ε) οπ τ spanas. δοκεί γας μοι το μου πολύ Τέκς. में ज़बताकारी हों) भी हिम्ली, में बेर गाड़ में भी त्या. बेरहार d, oluan, em regeon of a nonoi, najadol em ra nawind a haya da, or i mornegi com ta morned. i monhaires αίνυν πλείονας διιογνώμονας λαμβάνεσην οι φαυλοι, ε 🗖 ซาะงิณ๊อเ. ที่ วล่ง กางแย่ล งเล้ ที่ป สายสบที่หล ที่งิงขึ้ง , αλι ορφομβή, ταύτας έχει ζυμπειθέσας πελλές αυτή αγί τωριωμονείν. ή δι' άξετη σε δι διβου άγ σα, ε πάνυ Ανή όζιν ον τω παραυτίκα είκη συνεπασά οζ, άλλως τε ν ς ετ το ναλλοι ωσην όπο το σεχνές, κὸ το μαλακόν αντιπα
που η σεν το καλεντες. κὸ το ίνυν Ιωό μορό πινες βλακεια. κὸ \* ἀπο. απονία.

Θεν το τοία μόνον κακοὶ ωση, τέτες ερώ νομίζω, ωσες κηση. Steph. s हैं। का, निव मर्त्रणम् प्रवंशण द्वाधारण महाने स्वाध्याहर . वह में वर्षे क्षे κανται τος, θα ποίνη μόνον ζημιθυ τε δ κοινωνες. οι δ αυ τρυ με σύνται τός τον κακοί ὧσι κοινωνοί, τε δ; το \* πλεονεκ] εν σφο- Ald. Εξ τον εκ. δε διων κακοί ὧσι κοινωνοί, τοι κὶ ήγεμονικοί εἰσι περές τὰ Flor. πλειαί δια πονηρέαν πλεονεκ. 5ον έχειν. αν εποληκιώσι. ὧς ε παντά παπν εξαιρετέοι δι τοιδαίντιλι τι ήμιν εἰσι. καὶ μιθε μβότοι σκοπήτε, ὅπως, ἐκ τρι το πλιτρι ἀντιπληρώσητε τὰς τάξεις, ἀλλ ωπερ ἐππες, το πρι τολιτρι ἀντιπληρώσητε τὰς τάξεις, ἀλλ ωπερ ἔππες, το πρι τολιτρι ἀντιπληρώσητε τὰς τάξεις, ἀλλ ωπερ ἔππες, το πρι τολιτρι ἀν άρισοι ὧσιν, εχ οὶ ἀν πατειώται, τέτες ζητείτε, το πρι το πρι

ye. vijur.

हरक में वा अन्धिमह देम मर्बण्यक, वां बेंग " मुक्कण व्यवसाइव की. κῶσι σωιομεικν τε ύμᾶς κὸ συγκοσμήσειν, τέτες λαμ βάνετε. μέπιςει δέ μοι κό τόδε το είς το άγαθον έπ οδ άγμα δίπε ταχό γρόοιτ' αν βεαδέων ιππων εκόντως ETE N'yavor, adinor oure de publier. Ede pe oix & Swia. TELL OU OINE DELL TOPHESIS OIKE TELLS ZEWIND, a ANA mi ENS soulus cinera hor opense), in was a sinon to हिनी वारी . देंगे कि ise, के बेंग हिंहड, देंका, कांत्रवा, ठेंगा है। TETO HOVER a DEN hours in oi nanoi aparge Dertes, oti nami απέσον ). αλλα κ΄ τω καταμθύντων οσοι μθυ ανεπιμ mando non nanias. \* avanadaesvras manin autis or j avador row nanes idovtes at madertas, mi देण्येण्या रहिला कार बेहरामेंड के अहिलाता. हे प्री हित्या है me rois 3 pixous a man ouvedoge row ra, no sous

di.

SOLE!

TEUE

I

Tua

Jag

Edución

2000nad.

16. 29. Tagr dexwv. αρχον.

24 8V X

ישוסה 16. Έκ ਨੂੰ τέτε πάλιν αυ και σκώμματ 🗗 ਜεχει Κύρω, κατανούσας γάς τινα τη \* λοχαγών σιώθε mon a jouluon, in magantitu memon whow and ea is γε. ταξί- δασιώ τε κὶ ἐστεραιρεον, ἀνακαλέσας τον \* λοχαμί ονομας), લાજાજ હંઈક. હ Σαμεαύλα, έρη, άλλ ή κ ή XT TOV Exalminov regnov, or xaxov be, wera yes the το μειράκιον το παρακατακείωθον σοι; νη τον Δί', ξο γε. ηθιμοί ο Σαμβαύλας, \* ηθυμαι κή συνών τέτω, κή θεώμλυβ autor. anisourtes 3 tauta of of onlines one of 6 x 1/11 हिन्दी συνών ώς ή संвоν το σείσωπον το ανδείς ισβοάλλον αίχ Τε Τέτω. εγελασαν πάντες και πς είπε, σρος το Θεών, α Σαμ δαύλα, ποίω ποτέ σε έρρω avne किंद्र avnen 3; 2) eimer, ega vair, vi tor Dia, a dirfees, epa. omon κετεν, αλλ' αιθί τε έχων ο ποτάκις τε πράξαι τι από τος κετεν, αλλ' αιθί τε έχων ο ποτάκις τε πράξαι τι από τος πεσεν, αλλ αιθ τε εχων οποσάκις το πεσερα τι απο περ περσέταξα, εδέν ανιδεωτί πώποτο είδον αυτόν ποιών ποιών у в. бека. та. жетойние Э пр ты \* быбека а пантая тогятия, λόγω άλλ' έργω αποθεικούς οίκς δεί εί). και τις είπ κάπειτα τοιθτον όντα εφιλεις αυτον, ωωνες 180 οι η η οριστικός εκθυος προς τθετο είπε, μα Δία, εμε είλε είλε οριλοπονός εξειν επελ πρκε αν αυτώ, ελ εμέ ήθελε είλε οριλείν, τέτο αντι πάντων τη γυμκασίων τοιαυτα μέπες εκλί κλι γελοία κλι ωνεδώα κλι ελέγετο κλι επράπετο εν τί επι κλι γελοία κλι ωνεδώα κλι ελέγετο κλι επράπετο εν τί επι κλι γελοία κλι ποιήσαντες. κλι εκλιμίος ποιήσαντες. κλι εκλιμίος ποιήσαντες. κλι εκλιμίος ποιήσαντες. κλι εκλιμίος εκλιμίος ποιήσαντες εκλιμίος εκλιμίος ποιήσαντες εκλιμίος εκλιμίος ποιήσαντες εκλιμίος εκλιμ ξάμθρος τοις Θεοίς τα άραθά, τω σκωθώ είς κοίτω

DELUOV.

8. au.

871

TWI wa.

No.

18 g

axi

mu

The

πελί

15 H

ws i

At i

wider

200

الريم

, देव

MUG

aiola

Zap.

17. Τη δι ύσεραία ὁ Κύρ Ο ζυνέλεξε του σραπώτας σάντας, η έλεξε τοιάδε "Ανδρες φίλοι, ὁ μεν άρων ήμεν ηνίς πουσέρχονται γαρ οι πολέμιοι τα δι δ. θλα τής ที่หทร, พิง แม่ง ที่แครง งเหลียนง, ปีที่งอง อีก อีเ те กองร์เนอะ ον ημετεροι, κ) औ πολεμίων αγαθά πάντα ην ή ήμεις के एएक सिव ( रहरू के बेसे में के क्रिस् में महासंग हैंसे) में इसक चों की गंनि मिंगा के प्रवास मां प्रवास करेंड़ ए। κώσιν લં हों के रे रे क्ट्रंग्रहा ) हम्ल में, दिवा, में में प्रायंड अग्रे केंग्रह केंद्र हम्पर हैं ανθρωποι κοινωνοί πολέμε βυόμβροι, εν έαυτείς \* έχωσιν τε. έκασοι เหลรอง, ณัร ei แก่ autos TIS เอออาบ แกวก์ เรา . ชิงโบ อออนใบอง ภิเลขอลัง วิ. ου δεόντων, ταχύ πολλά τε κ καλά διαπερίπονται 8. किए के वर्षां दे वेहे दे तथा नी कहता में किया कि कारिका. के तर्वाता A Endsos Slavon In, wis and Esqu'o wegaway in o wageωωΘ, καν αυτές μαλακίζη). \* τοίς τοιέτοις, έρη, ου χετέτοις हि, ठिम मर्वाम बेशव मर्वशमा \* महिल मर्व द्वार कर के के प्रवास कर के मार्थ कर के मार्थ कर के मार्थ कर के का मार्थ कर के कि का ο Θεός έπο πως επείησε, τείς μη θέλεση έσητείς क्टुक्रमीस देम मार्थिय नवे नवे ने से मेरड वर्ष मही है कि नव मार्थ हुई Α΄ δωσι. γιῶ ἐν, ἔφη, λεγέτω τις ἐνθαίδε ἀναςὰς πεὶ ἀντέ कराह, क्लुन्ह्लाइ केंग्र नीय बेल्ड्नीय वाहत्त्वय वाज्यस्थित प्रवेशिक อนุ ที่เมีย, ค่ แล้งงอง อ สงค์รฉ มู สองค์ย มู มเขอใบบรบ์ค่ง किर्मका क्रमांडमड मयो कामांड क्यहें किया. में वंग हार्निया है क ε τη την διαφέρει κακόν τη όμοίως γαρ πάντες τη ίσων muzouda.

18. Ένται θα δη αναςας ο Χρυσάντας, ες τη ομοκ) πουν, ανής έτε μεγας, έτε ίσυρος ιδείν, φενήσει ο 
πουν βαφέρων, έλεξεν ωδε 'Αλλ' οίμαι μλο, έρη, ω Κύζε, 
επι τε διανοκμίνου σε, ως δει Ισου τευ κακές τις αγαωπι τις αρα έξαν ανής, οξι εθελήσει επιδείξαι εαυτου, ως 
ποιεί βανοκμίνου κλλου καγαθου ποιών, α αν αλλοι τη 
τες, ετη καταπραξωση, τέτων ίσο μοιρείν. έγω ο, έρη, είεξι μλί έτε ποσί ταχώς, έτε χεςσίν ίσυρος για η εκ αν 
α, ενί ειθείμω έτε ως ώτω, εκτε χεςσίν ίσυρος για η εκ αν 
α, ενί ειθείμω έτε ως ώτω, εκτε χεςσίν ίσυρος για οι κα αν 
α, ενί ειθείμω έτε ως ώτω, εκτε δεύτες ο, οίομαι ο έξε 
κίνος εκ τι ποιά των, αναθέ πυσος μοι μετέςαι μές στον αν 
εκ τι ποιά των, αναθέ πνός μοι μετέςαι μές στον αν 
εκ τι ποιά των, αναθέ πνός μοι μετέςαι μές στον αν 
εκ τι ποιά των, αναθέ πνός μοι μη εκ ποιά τωπν, οι εκ 
ξάμμι στον π΄ ει ει ει ει εν οι μη εκ ποιά τωπν, οι εκ 
αναθοί 
αν 18. Evrav da Sin avasa's o Xeuravras, es Tu ouo-

18.

ye. Swá-ajadol zi \* Swatol advinos Egon, Sesoika, con, u MEYOI.

EZW BEXOUM.

19. 19. Xevouvas per si 870, 37 Ev aves d' en a το Φιραύλας Πίρσης το δημοτο Κύζω πως έπ οίω Der Cumins is a essos avile, is to Cana in a quine This fuzio en a fuer dusti comos, ni exete roids Έρω, έφη, ω Κύρε, κ πάντες οι παρόντες Πέρσα प्रहाम एके मार्थेद अस पर रिष्ठ परि वेद्वार्थित नर्यण्य सहित वंत्रकार्शिक्ष क्ला वंद्रमा . हिल्ले हें हैं हैं हैं। महाक्षें कर्ण है nuas to Coma ansistas, impias & Cursolas warns विद्राष्ट्राष्ट्रः, तये प्रदे वांत्रं स्वरेवं कविना मधार कन्द्रस्टाप्टा

पूर Kuga. रह रह रहा रहाई विश्वप्रका कहाँ उद्याया देश स्टार महा भे के क्या रहर वे महक्वरांड्य कार्य, महरण देख केर् חעווג דעיץ אמיסידם דם, ד' מו שפינ דוש שיאבעוצג מווי μον हो), हे ग्लं цहें कुल्ला κον, ग्लं A' हे, αλλά कवें का

שנו שנו של אונים ועם אמונסט בל. עלט לב, בסח, שנוני עו γρ. δείχνυ- \* δεδεικται μάχη, εν εχω όρω πάντας άνθρωπες φυλ 27.4

ip Ri

70

3:1

Ke

X

MÍ

20

र्फे ग्राच

Ra

\$90

Er.

टमाइयम्भिष्ठः, ळळारेड १ में में अब द्विव हिमाइया वा माद्य म χων έκαςα, εδέ πας' ένδς άλλε μαθόντα n किने 1 cuseus of o Bes niegh maler, o in To onin o " ου τόμαπ, ὁ κάπε Φ οδόνπ, κὶ φυλάπεδαι δέ, ε हिने द्याचा नवर्गित कर्यणाय वेष् केष प्रयोगाद्य हिन, में नवीन

લંદુ કે ક્રિપ્રેંદ્ર ની નિયુ માર્ચ પ્રજ જા જા જ વાર્યા જ્યાર છે. મો દેવા છે मकी हैं है है है है कि कर किया मिल्ली मिल कि में महिल हैं। ώμιω σληγήσεοται, κ ei μπ ακλο κιπδέν έχοιμι, τ

χείε σιροέχων, ενεποδίζον ο, π ήθωμω τον παίοντ κή τετο έποίεν, ε εθασκόμεν Φ, αλλά κή έπ' αυτώ τ τω παιόμεν &, εί σεροβελλοί μων. μάχαιράν γε μων ενώ

जारा रिटिंग कि महिमार दे के कि है कि कि कि कि कि कि μαθών όπως δέοι λαμβάνειν άλλε, η παρά της φυσει

ώς έρω φημι. ξποιδυ γεν και τέτο κωλυόμεν , 8 δυσκόμεν Φ, ώστες καὶ άλλα δείν α είς γόμεν Φ κ रेका मक महें के रेका धानहरं, नेका कहें कर क्रांड कर कहां ने

ήναι γκαζόμίω. και ναί μπ Δία έπαιόν γε τη μαχαβ σεν ο, π δωμαίμω \* λαν θάνειν. ε ράς μόνου φύσει 11

अक्टू के विकर्शिय में क्ट्रिस के क्ट्रिस के में में में कि कार का φυκένω τετο જοιείν, εδόκει μοι είναι. ¿πεί εν, εςη, α ή μάχη καταλειπετου, οι ή στοθυμία, μάλλον ή τ

zuns Egyor bar, was huir ex notens wide wir dueth

Tou.

ye har-20.127.

7,

, ar

Cin

ns.

orall.

21 1

917

2.12

2772

i pen

Öş é Kuş

an

77 1.2

EV 14

ישנים:

or His

9 1

ó Ki

à, E\$

70:1

200

78 01

pu, 7

21017

ור שדע

1205 is

€ 787

000504

-, 8

O 1.5

10 g. T. H

a page

UOH II

The Ti

en, aut

) n 76

¿µori

14

μες αρωνιστον: οπε γε τα ωρ αθλα της αρετής τσα leg. προregnara, \* Basanouevoi d'è en ira eis riv nivolulor senjouevois Toury, and stor mer Evapor Bior, \* or Bier in As G, or leg. Ther. mond. where of symmon her outhon 2, omes ginn da. de ge hisλεπώτατ . μάλιςα δε, ω ανδρες, τετό με ενδύμως είς νΟ περίπίν αιρώνα τον περίς τέσθε παριεμά, όπι Κύρ 🕒 हिंड्या ο διςος βίων κείω, ός ε φθένω κρίνει, άλλά ζύν Θεών έρκω λέρω, ήμείς. I ulw epoi done Kole , ssivas av oga a zadis, çi-रसिंग हेर्नेहर भौतीवर हतारह नहाराह प्रहेर वेहले क्यें तरे वे, त वेर τοι ήθου εθόντα μάλλου, η αὐτου έχντα καίτοι, का, ठांनीय ठेम हेर्गा प्रहाय कुरुक्षमण, ठेम कह त्यां रिएए त्या नी रहे σεός λιμόν, κό σεός δί. Φ, κό σεός ρίρος καρτεράν, Rands ले Sore; on हो प्यापिक श्राम्बंद रेक्के प्रवंती ov & निर्वादμάλε σεπαιδεύμεθα η έτοι. ε γάζ όζι διδείπαλ 🕒 τέ-TOV Esta useit ov The avayune, in huas is hear axeeών ταθτα εδίθαξε. κή πονείν μεν έτοι δώ τα οπλα φέφιτες έμελετων, α όζι σάπν ανθρώποις ένεημένα, ώς ο ευφορώτατα είν' ήμεις δε γε, έφη, εν μεγάλοις φορτίοις κή βαδίζειν κή πέχειν Αναγκαζόμεθα. ώσε νου εμοί δοκ τν τα το οπλων φορίματα περοίς μαλλον εοιείναι, η φορτίοις. ως εν έμε γε κὸ αρωνικμένε, κὸ όποιs πς αν ω, x τω αξίαν πμάδαι αξιώσαντ Θ, ετως, οπ, ω Κύζε, γίρνωσκε κὶ ύμιν δε, ω ανδρες δημότου, मध्याणे देशम्बरीया संद हिंदाण नवामा नाद मब्द्रमाद कर्वेद नक्षे σεπαιδαμένες τέσδε. νου γάρ, έφη, ανδιες είλημμένοι είσλη όν δημοτική άρωνία. Φερούλας μέν δέ ετως E TEV.

20. Ανίσαντο δε κὶ άλλοι πολοί έκατέροις ζυναροestoutes Edoge d' su ut this affar exagor mudidas. Κόρον δε τον κείνοντα ε). ταθτα μεν δή έτω σρούκι-Luginerar. รัพน์ภราร of cm de Tvov o Kolo หล่ อักโดย σοτό τάξιν Cur το ταξιάςχω, iδών αμτίν τού μέν nμίσεις τη ανδρών της τάξεως ανπτάξαντα έκατέρωθεν લંદ έμετλωί, θωρακαι μέν δε άμφοτέρες έχρυτας, & yeppa en rais deistegis els ras degias vas Innas παχείς τοις ημίσεσην έδωκε, τοις δι έτέροις είπεν, όπ βάλλαν δεήσοι αναιρεμένες ταϊς βώλοις. έπα δέ σαεσιδιασμένοι ετως ες πουν, εσημαιτέν αυτοίς μάχεδαι. етавда вп от иди ввемон так выхок, по \* Ели, от е- уг. Ели од.

'ஒருவல் இ இருக்கையில் நிழ்க்கை, விறி இ வாடுக் நி காறுட்-P. O.

K \*

30

NG-

นชิงวา

1453 1511

в Сты 3 оня е мо очто, от жу разыках Езоры: हम्मारण की भी प्रमाहंडड, की है प्रसद्धड, की है प्रमाध्यड, की o consumor our हीने Bans हमाया उसे महत्रामा के में vara. Tex O 5 me la ulios estanov os vaponico com TRESOUTES CUI TONNO DENOTE NO TRUBIES EN MESER N μίω οι ετερρι πάλιν λαβόντες του νάς οπκας, ταύπι τε εποίης του τοι βώλοις βάλλοντας. τοῦ τα δί άχα. इंस्ट्रांग रहा परांड हर्के त्राड़ हर्क रे राम है के स्ट्रांग है के Seis o Kug G. To who Takiaigx the chivosar, The τίω το είδα, όπ άμα μξο έρυμνά ζοντο, άμα ή ουθυ นรีงของ นีนน วี cvinov of ค่านองรังของ ซีที ซึ่ง Пรกล่า ondion trates d'indeis endreve te em l'anvoy autres, में देश की कारियों देशिए ताप का को की किती हिंदी हारियंड, के की कि 25. टिनास्था- मार्थ \* वेशमास्थान्यावर, ग्रंथ है प्रसंहत्र, मेहलाय में मर्बाहितर में 70 או באבסטי, מון שאון אפי דעונ פמאסונ. ס ל שמאני באור דפ ρώτα πότερον έπεὶ όμε έχροντο, ἢ ὅτε ωρόσω ἦσαν. ἡ πη δ' ἐλερον, ὅτε ωρόσω ἦσαν. ἐπεὶ δὲ ὁμε ἐχρόντο, πω. ἐπ δ' έλερον, ότε σρόσω δίσαν. έπει δε όμε ερίοντο, πω ac diav Eparar El nantistu is vapinnopiegs i is d'ai อบโทยหอนนย์ของ หรือ ขน่องกรีเข, ฉ่ายหลุฎอบ อีก ซ ออุโล หู โกะ ου σε αχήλοις, ενιοι δε κ) ον τος πληγος κ) ον χεςοι κ εν σε αχήλοις, ενιοι δε κ) ον τος σώποις. κ) τότε μέκ εδι δι το πεδίου \* ποίντικος και κληλοις τη δε ύσε επίσ τε μη άλλο τι στε δαίστερον τράποιεν, ταύτη τή πω. λείν διά έρρωντο. άλλον δέ ποτε ίδων τα ίμερον άρριπ διά έρεωντο. άλλον δε ποτε ίδων τα ίμεχον άρουπ दी. लंहाइट ए निया नवंहाए केना के नह महत्त्वाह देनों नह संसाह हुए हुए है है ए द है के नह De deute onote Sonoin auto nauge ED, weamentoute tou tist mis εν λόχον Εξήγειν η τον τείτον και τον τεταξτιν κη μέτωπον. έπει δε εν μετώπω δι λοχαγοί εχώοντο τα. Μετε Μοι βηγ δύησεν εί δίο άρειν τὸν λόρον. Εκ τέτε δι παρί DON OF SENCE SE SET HIS TENTEN ONOTE SE OU ESCHE CUTH χον δι δεκάδα εχει είς μετωπον οποτε σε αυ εσοκει του κόχη. 21 καιεός εί), \* σταρήγη είλεν είς τέπαρας α γειν τον λόχη. \* έτω δη οί πεμπάδαςχοι αὐ παζήρον, ως εἰς τέωαςς: Tot o No O. Ented i de com The Duga of onlune export το, Εραγγείλας \* δύο είς είναι τέπων, είσης το λίδε σερωτιν λόχον, η τον δεύτερον τέτε κατ' έρχν έπες ων ἐκέλευε, η τὸν τείτον η τὸν τέταρον ωσαύτως παραβορώς γείλας, ήγεῖτο είπω. έτω δη εἰσαγαγών καταλινεν όπο πο δείπον, ωπερε ' εἰτεπορεύοντο. τέτον ὁ Κὸς ⑤ - ἀχν. Μει कर्वता महिला, में तंत्र विश्वीताहरूप प्रधार मध्य हेर्लेंग हमाली

Beis Tes To wedon To nai The diducation a This on tu,

ACTOV.

28. 1931nwy.

28. मध्य न्य

e91's

26 अब्दर्भ 3 V al. 8 701.

In Step . Edit. leg. Dio eis 872 BOUTON. 28. 61 5570 98U8770

75:

70

TO

291,

74

70.

33

30.

2011

7801

10 is

\$ 7711·

10 01

237-

07

€773. ने ये

usi,

Nich

μελίας, εκάλεσεν αυ κο πωτίω πίω τάξιν δεί το δείπνον (ω) πώ ταξιάρχω. παρών δέ τις όπι το δείπνον κεχλημεί Θάλλ Θ ταξιαρχ Θ, τω δ' εμω, έρη, ω Kuge, ragiv & \* na neis eis the oxludes, x ale oten ye ze ne yeoes. म मवाला होनां परे र हो मारा, प्रधा प्रधा मत्राम्य महाहा सवी है प्रधा है. मवहां !! τέλο ή σεωνή έχη, έξαγει ων ο κραγός το τελά τάς λόχε τον λόχον, υςάτες έχαν τεύ σερ τες είς μάχω τοις, και ο τείτ 🕒, και ο τέταρτ 🕒 ώσα ύτως οπως है उत्तर रिंग बेलर् पूसर केले तर्वा कार हारांकर, हिंस दिला-श्या, इमस्रिये रहे, सवस्य द्वापी संद में रिश्त पार के प्रेस किंदा मध-જ્યાપ, όταν με જાણ દુ દુ το ίνμε, έγα ηγέμα, κό σράτο λόχο σεώτο, καὶ ὁ δεύτεςο ώς δεί, καὶ ὁ τείτ Ο κ) ο τέταρτ ( , και αι δε λοχαρών δεκάδες κ) πμπάδες, έως αν ω εμιγέλλω έγω. όταν δί, έρη, περς εστές ν Ιωμίο, ο κεσιγός τε, η οι τελαταίοι σερώτοι αφηγένται. εμοί μβύτοι όμως σείθονται ύς έρω ίοντι, 112 εθίζων 9, η επεκζ, η \* άφηγείως όμοίως πειθόμβυοι. γε. ύρηγείο κύς Ερη, η κ αὶ τέτο ποιείτε; οποσάκις γε, οτα. τη, κ δειπνοποιείθα νη Δία. καλώ πίνυν, έφη, ύμας, बंधक भी ठेंग नवें इ नवें इसड धर्महनवें मह में क्लुन निंग मह में वंगाus ires, aua se on no huseas no vontos, aua se on ta όπί. πο σώματα πειπατευτες άπιείτε, η τὰς ψυχὰς \* ώφε- 28. ώφελείουπε υμίν δίκαιον καὶ τιιο ευωχίαν πας έχειν. μα Δί, έρη ο ταξίαρχ Θ, μήτοι γε εν μια υμέςα, ει μή καὶ διπλας πες γες γες γες κι τότε με δι καὶ διπλας τος τως γας έρας ημίν παρέξεις. η τότε μω δη έτω το τέτο είς.

Αθ της σχίωης εποιήταιτο τη δ΄ ύς εραία ὁ Κύρω ἐκάτο. Αντε ταύτιω τιω τάξιν, ωωτερ έφη, η τη άλλη, αίδανόπαρή.

Μοι δε ταύτα η οἱ άλλοι, το λοιπον πάντες αύτες έμιευπή
το.

21. Εξέτασην δε ποτε τε Κύρε πάντων ποιεμώνε ἐν
πίς ὅπλοις ἢ ζωταξιν, ηλθε ωθά Κυαξάρες ἀγ [ε-

ταιες τις δαλοις ή ζωνταξιν, πλθε τωθα Κυαξάρες αγίεταιες το λέρων ότη Ίνθων παρείη πρεσβία κελεύει ξη σε
ε το λθεν ως τάχιςα. φέρω δέ σοι, έρη ὁ άγγελω, κ) σοεπεις ω τω καλλίσην πωρ Κυαξάρες βέλετω γάρ σε ώς δυτερί τομότα α κ) λαμ πρότα α προσελθάν, ως ό λημβων ην
εν δή του όπως αν προσίης. ακέσας ταῦτα ὁ Κυςω πααν δή του όπως αν προσίης ακέσας ταῦτα ὁ Κυςω πααν δή του όπως αν προσίης ταξιν, ὸς δεξιά έχοντα
εν δή του δε δίος άγρντα των τάξιν, ὸς δεξιά έχοντα
εν δή του δε δίος άγρντα των τάξιν, ὸς δεξιά έχοντα
εν δή του δε δίος άγρντα των τάξιν, ὸς δεξιά έχοντα
εν δίου δε δίος άγρντα των τάξιν, ὸς δεξιά έχοντα

21.

हतार्ग. में नहीं दी निर्देशक देश की जह नवां नहें नहीं के दिन् yeixas, n' fid may may & no apadid ovas chex dor. δέ σειθομοι ταχύ μερτοι παρήγελλον. ταχύ ή τα π. canentousua emise er oxigo 3 xeovo essuero 70 m μετωπον οπ διακοσίον (τοσέτοι χο ήπων οί ταξίωρχι) To SE Bid & Ep' (κατόν. हमले Se κατές ноαν, इम्ली exendrer as ar aires hyprai nai codis respala में पूर्वित. देन की स्वार्मिश्वात नीक वेप्रावेष नीक करेंड कि निर्माण क्रिक्टी द्रशान महिला हिल्ला, में लंड हिला सह निर्मा सह निर्मा i évai, magay seinas this recition aniosis émada xã pi gar, The Sate ar nat seein Towns anond dein state

3

A

8

K

JA

es

3

1 8

alia led. nal Samuros & rus au ros phi in ser to en avanacious omitt. ai de anna xiniosues nat segu enden tois Eugen έταξε, & Βεν είποντο. έπεμ. Ιε δε και τωπρέπας δύο δπί τόμ nai Steph The ayune, onwe eitie ayvoin, onuaivoier to de ποιών. ως δε αφίκοντο όπι τας Κυαξάρες θύρας, π βηγ Γειλε τω σεώτω ταξιάςχω τίω ταξιν είς δώδει δ उद्योशि हिंदी कि, उठा के कि कि कि श्रेष्ट्रिय दे ए цети πο πο माइयंग्या महा ने दिवांमान में ता रिकार्य मार्थ के λευτε कि विγ [είλαι, καὶ διαπαιτός έτως. οἱ μὸς δὰ τοῦ a)

STOISY' 22. 22. O d' eigher weis tiv Kuažaelw en th Heen & sonn esev n uceropisin. isav se autor o Kvagagns, a ma plu rage nan, The fe pour other The sonne in dean me ลีกะ, ที ซิงาร, ผื Kuje ; ญี กะกะเทนสร ชาง qaveis กิ กา Ινδείς; έγω δί, έρη, έβκλουην σε ώς λαμωρότατ 🗨 φανλώαι. κ) γας έμοι κόσμ 🕒 αν δίν τέντο, εμδις όντα: 😝 δελοδίς είδυ όπως αλοπρεπέςα ου φαίνε Χ. κ) ό Κυζε 🗓 δελφής μον όπμεραλοπρεπέςα Τον φαίνεδι. κ) ό Κυβε σε εκόσμεν, είπες πος φυείδα εν δες και ψέλλια λαδι ο σε «κοσμεν, ειπες περφυεια εν ους και φελλια λαι σε και ςρεπον πουθειαθυθ, ορλή κελεύοντι δοπηκεόν που ποσαμτη, κη τοιαμτη θυμάμει επως ός πόν ως σοι δοπακέω, δια τό σε τιμάν, ίδιωτι κη σοκοή κη μια τος κεκοσμημένθ, κη σε κοσμών, κη του άλλες όποι το νύς σου έπω πειθομβίες; Κύς Φ μβο εν ταμτα είπεν τη χρικάλεσε δε Κυαξάρης νομίσας αμτον ός θώς λέρειν, \* εκέλευπ τλλι που άρειν του 'Ινθές. οί δι 'Ινθεί είσελθόντες έλεξαν ποσε

πέμ με σφάς δ' Ινδών βαπλευς, καὶ κελεύσειεν ερθί 2 Εξότε δ πόλεμ Η Μήθοις τε κ τις 'Αστυρία, επ μενι είς σε εκεστιμίν, εκέλευσεν αν ελθόντας σχος τ' Αστικόντ

47

गय-

المار ف

130

मध्येष

dia

61.

2 v 701

Tak

eli G

Saus 860

15 , TH

w 8 82.6

( X.4

d 6119

Tou

थाए, में हमसंग्र नवे वर्धनवे नवर्धनव मा अहं तेया. नह्म कि ते थाँ έμφοτέροις ύμιν, δτι ο 'Ινδών βασιλεύς, το δίκαιv တွင्∮ส่นใน 🗘 , pain ut ซึ่ง \* ส่งโทธแม้จร รับริสัยเ. ซอร์ง ห. ทั้งโททταῦτα ὁ Κυαξάζης είπεν, εμέ τοίνυν ακέετε όπ έκ αδι- μβόε. \* sedu + 'Acriecov & Sev. \* cheis d' endovtes word de leg. etiam теле о, п херы. тары ве о Кир трето т Kvagaglu, скых ві, 1 x έρω, έφη, επω ο, π γιγνώσιω; κ) à Κυαζάξης εκέ είλειδε. אבעסבע. עושה בול דסונטי, בסח, מ אבען פואמדב דעל 'ועל פוע βαπλει τάδε (εί μή τι άλλο είνει Κυαξάζει) ότι φαwho nues, et nonov up' null as ineida o 'Awvert, वंदूर्धिय वर्णे में मूर्र 'Iv Sav Banka Sixasti. 01 क्षेरे 78 व्यद्धियु-לוו דמטדם מאצישעדיני שישודם. 16 63 B

23. Exertin 3 of Istol JERASov, o Kugo wes Tov Κυαξάς Ιω ής χετο λόγε τοι εδε & Κυαξάς η, ερώ μεντοι λλου εδέν τοι πολιά έχων ίδια χείμω, τα ο ίκο δεν πότα δί ω, τεπων πάνυ όλιρα λοιπά έχω άνηλωκα ή, εφη, संद तक द व माळ त्या भी में हार किए के निका के निका कर के मान Auna हेन्ये, (8 कामके महर्द्वाणि के के बिन, हैंगा, ठमा हिम airo moior in Tier in zaci ouly o, o run Tiva a ja Ja The seation of Sone jag wes ton, mairtas who se av Tis Περπι βέληται αραθές ζυνεργές ποιείως εποιετινοσεν σεργιης, τ μα] Θ, η διον τ) ου τε λέροντα κ) ου ποιέντα παροςμάν ε ωπ, μάλλον, η λυπέντα κ, άναγκα (οντά ες δε οθ είς νείς τι τον πόλεμον έρχων ποιήσαδαί τις βέλοιτο ζυνεργές क्तिया क्लिप्रेम्प्रह. पर्श्व म्यानं म्यानं म्यानं किताने के कार्य के कितानं के όνται εστέου ε) κὸ λόροις κὸ εροις. Φίλκς γὰς, ἐκ ἐχθεὰς, ἐκὶ Κῦςς ε) τοῦ μέκλοντας απεςφασίτες (υμμάχες ἔσεδαι, κὸ μὰκὶ μίτε ότι τοῖς αγαθοίς το αξχού Ο οθονήσοντας, μήτε μάνι μίτε δτί τοι, α΄ μαθείς τε άρχοι Φ οθονήσοντας, μήτε

μα λαξι ει τοις κακοις \* περοδώσωντας. Τομ τ΄ εν ερώ επω \* περογε όρξων ήκεόν η πώπων, χε μάπων δοκό περοσδειδαι. περός μερί εν σε στετας.

Τως δί πίντα όρξιν. δν αιδιάνομαι δαπανώντα πολλά άτοπον

Κή κὶ μοι δοκεί εθ. οκοπείν δ΄ αξιώ κοινή και σε κὶ έμε, γε μνώΕπιδιά τως σε μή ἐπικεί η χρίματα. Τω ράς συ άρθινα

επικεί ίχης, οίδι ότι κὶ εμοί ει λαμβάνειν ὁπότε δεοίνω,
κέλευπ έλως τε κὶ είς το ετόν τι λαμβάνοιμι, ο μέλλει κὶ σοὶ

κεξανή δαπανηθέν βέλτιον εθ.

εν ερή δαπανηθέν βέλτιον εθ.

εν ερή δαπανηθέν καταφερνοίη σε νωϊ, ότι ἀκει τε πολεμίες περσ
τίλος ξα μένος καταφερνοίη σε νωϊ, ότι ἀκει τε πολεμίες περσ
τίλος ξα μένος καταφερνοίη σε νωϊ, ότι ἀκει τε πολεμίες περσ
τίλος ξα μένος καταφερνοίη σε νωϊ, ότι ἀκει τε πολεμίες περσ
τίλος ξα μένος καταφερνοίη σε νωϊ, ότι ἀκει τε πολεμίες περσ
τίλος ξα μένος καταφερνοίη σε νωϊ, ότι ἀκει τε το πολεμίες περσ
τίλος ξα μένος καταφερνοίη σε νωϊ, ότι ἀκει τε το πολεμίες περσ
τίλος ξα μένος καταφερική τειεί για των τας ξενης καταγών,

εν θε α πάρρι πειεί για των τας ξενης καταγών.

εν δια α πάρρι πειεί για των τας ξενης καταγών.

ώσε έρω τε άποςω, πότερον μοι κρείτζον σρατείεδα.

में कल्लुलेया बंग्वेरिक व्याचि क्लू के राग्या, में राज रहरे हैं थे. Steph απώ λοις σες δώμε θα. κ) ο Κύς Θ επός ετο, αι δ' οἰκήσεις το x. il x) TE off mirees in layeris quelois eloin, \* il in everidois; में है हिंग हिंगार है जहर, का पहेंग हो हा का कि मार्थण के रेज़िक्ताह 20. 7870 ol-हिन्न निर्देश के महाम हम हमार्थिक, व्याप महाता हिन्न में के जिय रियाना ga. 0611. αν απελθών, ον τω πωρχεήμα ον ασφαλεί εθ το μή कां मंड म रकार्यां शिक्तिया, एम में ठेंग्य देशमा अं वि रिवार्थ το έσεκκομίσαδαι, εί μή τις πολιοςκοίη σροπαθήμθο ватев о ещо в пати, поте епоинтей он тыть 3 о Кору λέρει τάδε, άλλ' εί θέλεις έμε πεμίω, ίππεα μ क्टूडिसेंड वेक्टंड विसर्वण दिया है, वीमा के पा मा © हां जा मार्ग को ति प्रति हिंदी प्रक महम्म सा के δέναι τον δασμόν σοι. Επ δε ελπίζω κή φίλον αύτεν μάλ λον ημίν έσεδαι, η νωί δεί. κρό Κυαξάζης είπε, κί ρω έλπζω έκείνες έλθειν σεώς σε μαλλον, η σεώς ή μας. ακέω γας κο Courred ras πνας του παίδων αυτέ α βρέσσι, ωξε ίσως αν κζ πάλιν ένθοιεν σείς σε ίστη 2. Wings cov de Moutron nous aith, mart a'v mexx den

ทุนคร ผินกานยอน. ชมชิง ฮอมค์ ออเ, ออก อ หปอย , (บันธุร REDwilla. 28. α τρα. 69ν εθ το λεληθέναι ήμας, ταδτα βκλεύοντας; μάλο y' av &v, son o Kuajagns, x Ex Sol TIS out The es xe อนะบันรถเ. दुय, स्वां है गढ़ हिपाल का देन वा करे, " व नवद्वार वे वहां का ερι αν λαμβάνοιτο, ακκε τοίνων, έφη ὁ ΚυξΟ, ην τ

σοὶ δόξω λέρειν. έρω ποκλάκις δέσιω πίσι τοῖς μετ' έμ Hegous redheana appi ra dela the one sweat, ud This The Aquevier, in immies de non Treas wego als

7

770

MS

नी देग्रीहर्मि हम्बाह्म बेदार्श्वाता. नवे प्रदेश नर्शिया वृत्वाव ना wv, son o Kuasagns, sk av Swordstone et de with ye. his sow melov in Swiams pairotto, \* h. eid dets sow Ingar, is

வ்விவத அ- To ที่வி ப் மாறுவில் வி நிருலார். வில் திரை தி முழி nai क्रमुक्कमण सवरवन daoai, nai ट्रेस विश्व के के के विकास

ye. amser. 2) lui ns èneise elgaysing, as eya sensiplu perd Nhu Ingar woinga, nai inmen, equ, airoilu av a ch to carego. nallis, son, ligers, a Kuazagn. sy

Se σοι έκ έ βελήσω δι δόναι τολω μετείος πνας ως έν 26 20. TOOR - Now O Tegs The Opiera in Jeiv The Tress The 'Actuald. 4 उटार गार्थ विभाग, ह्वा, विश्वतिका है ने प्रिक्ष मध्यम के बहुता वर्षा में Sincustry ιχυζωτατα. οπότε ή συ σερελην υθοίης συν ή έχεις δυνά Cur.

μα, και Ιπεφίης κή δι δύο ήμέρας, πέμλαιμι αν σοι ί. raiss immeas is me (is of mas e poi in sporoprevar, is ou rafair cutis ariois is autos de Exart an lu fui aur รหยุดุเปม แก้ สองอน บันที่ ยั), เงล อัสะ xazeos ein, cmgareilw.

हजेया.

el Ed.

s on

\* 01.

8015:

vegis.

'דעטעו

uni

יום ענט

SUG,

Egg ?

26 /13

W TH

9 50

war. , 1

e95 1

ות שדע

COO XII

Súmos.

maina

5 X8

2507

, 117 7

ET' EUS

१६५ मध

7.0601

100 701

20010

T. V, 78

Kog G

. Eys ws 68.

reid. 4

LL TOL WE

· Suni 11.8

25. Outo di o ulo Kuagaens cudeus mes ra ogs-या में प्रश्रिष्ट मिलांबा पर में मार्डि, में बार्वह्वा के वापड cosπιμπε τω cmi τα φεκεια odov. o de κυρθ- culisος έθυετο επί τη πορεία, κ) άμα πέμπων ήτει τον Κυ. κάρω \* οπ της νεωτέρων ιππέων. ο δε πάνυ πολλών omittit οπ มีผลงแม่งงง รักษอง , ชักอง 25 รังงงมหา ขนาน. พององทาง 36 Steph. O d' non To Kuazáges our sunapes i mezikn kai τπιή τω τρές τα φεκεια όδον, γίγνε) το Κύρω το 100 6 6 Tov 'Applicov i Evas nata, nai Etws Jedges Si ς είς θής αν παςεσκου ασμέν . πος διομβύω β αυτώ ευ-δι εν τω πεώτω χαείω επανίταται λαγώς άετος δ' ππαίμφο αίσο, ως κατείδε τον λαγώ φεύρντα, πρεεβωθο έπουσε τε ούτοι, και ζυταρπάσας εξήςε, απενεγκών επι λόπον πια ε πείσω, έχεντο τη αγεα. TI nderev. idwy sv o Kueos to Chueior, nan te kai σερτικών σε Δία βασιλέα, η έντε περς του παρέντας, μή θής α καλή έςτι, ω ανδρες, ην Θεός θέλη. ως 5 es ris ociois exporto, cudis, water einder, ednea. w wis omisvre, नवं उपलांव रिवारड्युंडण oi de deisor n' कह-शि भें रित म सेंड रिस्डमिट्, में नवे वेगड्यं प्रीय चेक हरि प्रथम में हेίωκου, κὸ ήρεν ποιλές κὸ τὸς κὸ έλάφες κὸ δορκά δας κὸ as a reiss. Mothor of in the tols tous touces ovor if him piyvor). देन में में देशहिका नोड अम्बद्ध, क्लम्पाहिक क्लंड έρια τη 'Αρωθιίων έθειπνοποιήσατο' και τη υπεξαία θις εθήρη, προσελθών προς τα έρη ων ωρέγεπ. επεί αν έληξεν, εθειπνοποιείτο. το ή παρά Κυαξάρης σράβουνή τημα ως ήθετο σερσόν, ύσοπεμιας σερς αὐτού, εἶ-μεγά το ἀπέχοντας ἀιτε θειπνοποιείθαι ως δύο σερασάγ [ας, ἀν ει σερειθών ως ζυμβαλείται σερς το λανθάνειν. ἐπεὶ विस्तर्भाग्या स्था से तह मार्ड संहर्रा मार्गी मार्थिय कर्ड़ था-

26. Μετά το δείπνον δε του ταξιάρχες εκάλει επεί πας κοταν, έλεξεν ωδε. "Ανόρες φίλοι, ο 'Αρμιρίος σε ι κρι κρ ζο μιμαχ 🕒 ἦν, κρ το ήκο Θ Κυαξάζει νωῦ

d', os मेरिका का मार्थाहर टेमार्थमाइ, सबम्बक्ट्रमा, M हर इस्टे स्थाप कर्मम मांगांग, हर रहे प्रेम रिक्मिंग केमार शिक्षा

3

pel

350

ขนา ซึ่ง รัช รอง ริยั อิทอส์ รณ, ทึ่ง ชินมล์แลวิน. ลึง นอง θοκει, έφη, ποιείν' συ μέν, α Χρυσά, τα, επειδάν απ พอเนทษีที่ 5 อังอง นะเลเอง, \* มล์ดิธ ระชิ ที่เมื่อสร กิรอุงฉัง Mel. Na-(wi nair ' कि निक्ष हे कार्या के मार्थ के मार्थ के विष्य के कि के εων, alio-φασίν αυτόν, \* όταν πνα φιξηθή, καταφεύγειν, ής qui ante Movas d'é ou è pai dion. pari uli en in daréa rain i 3 opus ef-τα oen ED, ως έλπὶς υμῶς μη δφθίωαι όμως δι σροπέμποις σε τε spare μα] ο ευζώνες ανδρας, h fet Parti-इव्युंड हे ार्रायाड में पर्व मर्रेज़िक्क में प्यंड इर्गियंड, है एवं वेंग्य cu a x Steph. H more con y zavoier The 'Agulier, Es who ar or hay 28. 8700 71 6 d vov Tes out The nandoien The Zay Serian. 85 85 " δωί αντο λαμβάνειν, άποπβέντες αν έμποδών γίρκο Q06. TO TE UN ogow autor To onov spata ua, an we were in שני ל באבי בשמו. אין זני עלני, בסוו, צדע הסופי בשמי ל בעו का निर्देशक मार्थ निर्देशकार किया मेरी महिला देशका के मकाम कर कार दे में महिंदा, मार्डिंग कार्या की में महिंद दे कि कार्रें कार्रें में Ватана. кай пр родо андіяти, бихого от развод не 29. av. भग्दा भेग ते' \* वंग क्रिक्ट्रिक्ष यह महर्शिष्ठ, र्राम्य क्रिक यह Seiv Senoer niv d' eis नवं ogn peuyn, देशनवां अब Si, हा σον έρρον μιη δένα αφίενου Al megs σε α τικνεωθών. νών ba (ड में लक्ष्म देश मित्र, म्या प्रके मार्थ कि कि (मर्वेशम्य) 28. cm (11. जह देया, जह रहे \* की टेका काड़ बहुमाज. महामाज है के देश moouras. उत्त के उन्ने एस प्र कि तारक हन्यू प्रशंध प्रकार ता ता विषठ करों प्रापस के 28. Tov. 28. Sei रहा निक्षे मिंह वा. में प्रत्या के किया है \* Sei रहा देता रहताइ नहनम् थां ४९, से प्रश्नेष्ठत एमें रेल्ड्ड्ड्डिस नवं क्टूड्ड्ड्सिश्व. σόμωσην. εί μεντοι, :φη, ω Χουσάντα, ε τως ου πείει ώσες επίστε! τω ειλοθηρίαν ποιλάκις ηδολίω τω νίκτα \* ἀυπθ Χ क्टर भ्रावारणं में बेर रे प्रे हर्वन्य हो करे वेर मिया को 28. 278Urecov arono rundlua, as as diverta " vare maxeir. " δέ γέ ου, π εχ εγεμόνας έχων 2 βρώπες, πλανά α 28. 0718 Từ cen, all om an Tư Sueia ượng h Tau, \* Tou Tị Tadeis, unte no vie sto ta Suosara megeve, del

κει δίε σο του ήγεμονας, εάν μη πανυ πολύ ελάστω

δεόμω ηγήση, αλλ' ως αν διώηται σοι ο εροτός επώ गर्छ एडंग्ल गाँड कार्ड में हैं में में किए के में की रिया पर नरं तर प्र में कल्डिनें प्रथम रेकिए र्रिश प्रमार्ड तार वह देश शिव कि सहस्र के कि

omi Tois ush A. mG. かりない. 28. THE TH me uci In-सबद प्रकार- वेर्नेट्ड में, निक हैं के कि में मुल्जिया इन्यान के में हैं बहुत न क्यूंड va, шारा. шार्ड पृह, ठेता उप संतिरात्य मुह्मसण वंषवे नव ठूना, шार

~ , nai

i Swal

101 0

V CUTTO

His

TOUT V: 8

us, h

J& 14

Tas CKIN १४स दे

od. y 075:

70 H ETV. UI

you all 711 H ann

d'artil

Mi 13

877:N

, 178

अथ देम सर्विण है मार्थित है मार्थित के महिलाइ, मार्थित होंद नि कार्यिम, नर्वश्या मार्थ मार्थ कि है कि शिक्ष मार्थ मुहरू कार्य क ιράος. Χρυσάντας μεν δη τούτα ακέσας, κή όπη ουωθείς τη εντολή Κύρε, λαβών που ήγεμόνας, άπελwiv & swiv, is wear seixas a Eder Tois Cwi curo me N. 801 mogeti-เมร, ล่งยกลบ่องo. อกค่ ปร ล่กองอเนท์ วิทธุ์ อ้างง อริจังศา แล้-स्थाण हो), देनाहर्थराठ टेनों नवे देशा Kug € रहे, देन से मार्थहरू γρίετο, αγ ξελον σερεπεμπε σερς τ Αςμρίον, σερειπών שודע אבוצי שלב.

27. Κυς Θ, ω 'Aquilie, κελεύοι ετω ποιείν σε, ο πως ंड नवंश्रास्त्र हिंशू \* बंतांगड में नवेंग रियानावेंग में नवे इनवीत्रध- १६० वार गड़av a λλαμ μα. ην Α΄ έρωτα όπε είμι, λέρε ταληθή, όπι όπι τοίς leins. ที่ง d' इत्कार्क से भे कार्रिक देह्रश्राका, मेह्र मक्रायण-בי של אוש של בים אל שלו בים פולם אל מו של האל הוא בים בים אורון εί και τητα. Cυμπέμπειν πνα κέλευε κζι μαθείν. τον μβή δη βαμα άγξελον επιτείλας ται τα έπεμ. με, νομίζων φιλικώ τερον υτας! Β έπως, η μη περειπόντα πος ευεθζ, αυτός δε Cυνταξά-τεςς ων β άειτον κζι περίς το άνυ ειν τιμι όδον, κζι περίς το ως Α μάχελζ, ε π δέοι, έποςεύετο. περείπε δε τοις τραπώμπι τους απθένα άθικείν, κ) εξ τις 'Αξαλυίων το εντυγχάνοι, η, ξη δαβρείν τε παραίχει εν, κ) αγοράν τον Βελομούον αγειν ν. τόμο όπε εν ώσιν, εί τις σιτία η ποτά τυ ζχάνοι πωλείν βελό-MWG.

是保证到代益别代益别代益别依益别依益别代益别。

## KENOP ONTO E

Κυρε παιδείας βιβλίου γ.

Μέν δη Κυρ το τέτοις ην ο ή Αρμβρίος, ως ήκετε τε αίγελε τὰ παρά τε Κύρε, ε ruxis Ο Επλάγη, ενοήσας ότι άδικοίη και τον δα-σμον λείπων, και το spátevna ε πένπων. भे के अर्थ परे प्रदेशहरण हेक्टिसंग्ठ ठेमा ठेक्ने र्गाण्डिया हैυνοπ μελλε τα βασίλεια οἰκοδομεῖν ἀςχόμθο, ως αν ίκανα प्रकार कारणार्ध प्रकार संग. रावे कर्यणाय रिंगे त्यापाय वेपाकण, वसाव H 2

78. weg-

μέν διέπεμπεν άθερίζων πω αυτέ δύναμιν, αμα ! ETELLTEV eis Ta ogn Tov vew TEEOV you Edbaew nai The juvaînas, this te souts nai this to 48, nai ta: Suja. τέρας καὶ κόσμον δὲ καὶ κατασκά ων των πλείς καξία Cυναπέπεμπε, προπομπές δές αυτοίς αυτός δε αμ με καταπειομίες महामा रो कल्ली οι ΚυζΟ, αμ Se συνέταπε του παραγινομένει το 'Aguluiav. κ) τας मयश्मिन्या बेरेरेश रेड्रिश्माइ ठम मधा री वर्ण मेंद्र देखें रिये हैं प्या जैव हैं । हेर्स इर्मा संह प्रसंद्वड देमे सेंग, बेम केंग χώςα. ώς δε τέτο είδον αυτόν ποιήσωντα οι 'Αγμένια διεδίδρασκον ήδη έκαςος οπί τα έσυτε, βελουθροι π οντα εκποθών ποιείως. ὁ δε Κύς 🕒 ως έωρα διαθεόντη καί ελαυνόντων το πεδίον μεςον, ύσοπεμπων ελεγωί 🖠 εδενὶ πολέμι. Θ είν τη μινόντων εί δε πνα φεύρνη 🖟 λή φοιτο, σερηγέρουσεν, όπ ώς πιλεμίω χρήσοιτο. έπ δη δη οί με πολλοί κατέμευον, ήταν ή οί έσε χώρεν ζωί η Baonhei. enei Se oi (iii) rais junaigi \* megiortes de 13

रिंग मह देशह- महत्वण संद करा देश मार्ज वेद्रसः अद्वामीमां मह देणमें दे माहिए, सा का στε το ν το ις φεύροντες είλισκοντο πολλοί αυτήν. τέλ Φ \* δε και παίς καὶ αί γιωαίκες καὶ αί θυρατέρες έάλωσαν, κ) τ cv. χείματα ότα ζύν αὐτίς αρόμενα ετύγχανον. ὁ δε βα το 26. JE 01

παϊδις στλεύς αὐτβυ ως ήθετο τὰ γιγόμθνα, δπορών ποῖ τὰ μα καὶ αἱ γ. ποιτο, όπὶ λόφον τινὰ καταφεύγει. ὁ δι αὐ Κυρ⊕ τωὶ ἡα τα ἰδών, πειίτεται τὸν λόφον τω παρέντι ερατεύμι π τι, καὶ πρὸς Χρυσάνταν πέμ. Ιας ἐκέλευε φυλακιώ ὰ ὁ, π, καὶ σεὸς Χουσάνταν σεμίας ἐκέκευε φυλακιώ ἡ ἱ, ἐςες καταλιπόντα ἢκεν. τὸ μμὶ δὴ εράτευμα ἢθεὶ πά ζετο πό Κυςω ὁ ἢ σεμίας σεὸς τὸν Αςμένιον κόμ λις και ἤςετο ῶδε. εἰπέ μοι, ἔρη, ῷ Αςμένιε, σότες βέλε τις ἀιπε μένων τις λιμῷ καὶ τῆ δί ἡη μάχεδαι, ἢ εἰς τὸ ἰσὶ ἡ ἔ πεδον καταδὰς ἡμῖν διαμάχεδι; ἀπεκείνατο ὁ Αρμὶ ἡν νι ὅ ὅπ \* ἐδετέροις βέλοιτο μάχεδι; σάλιν ὁ Κῦςο Κε σέμ ἡας ἐρώτα, ἡ ἔν κάθησαι ἀυτόθι, καὶ ἐκαταδαὶ ψι νεις; ὑποςῶν, ἔρη, ὅ, π χρὴ ποιεν. ἀλλὶ ἐδὲν, ἔρη ἡ και νεις; ὑποςῶν, ἔρη, ὅ, π χρὴ ποιεν. ἀλλὶ ἐδὲν, ἔρη ἡ και χρ. πίς Α΄ βαίνειν. \* πίς Α΄, ἔρη, ὁ δικάζων; δηλονόπ ῷ ὁ Θεὰ λλὶ ἔςει, ὁ δικ. ἔθωκε καὶ ἀνευ δίκης σοι χρήσαδις ὅ, π καὶ βέλοιτο ὰ λο ταῦθα δὴ ὁ Αρμένιο μηνώσκων τὰ ἀνάγκλω, καταδαὶ ἡ νει. καὶ ὁ Κῦςο λαδων εἰς τὸ μέσον κὰκεῖνον καὶ πὶ νει. καὶ ὁ Κῦςο λαδων εἰς τὸ μέσον κὰκεῖνον καὶ πὶ νει. καὶ ὁ Κῦςο λαδων εἰς τὸ μέσον κὰκεῖνον καὶ πὶ διαίαμιν,

The Sanauir.

Tals ישנעו

Ela Maria

àus

Tay

· cr

in

EVIOL

01 7 OUTE No 62

2. Έν τέτω δη τω χείνω ο σρεσβύτα] Ο παίς τε Apullis Tryeding It Smothulas mode weggher, of nat Cui Inegs ποτε έγεγοντο τω Κυζώ και ώς ήκεσε τα γεβυημβία, ευθύς ποςεύε) σε τον Κύρον ήπες είχεν. ώς ि मेरि म्या देखा थे unt देखा थे \* वेरिश्व के मी मीट देखा कि पृष्ट वेरिशzwaina aixuanares zestunulus, edantures, amee ei- pas. τός. ὁ δε Κύς Ο ίδων αυτόν, άλλο με εδεν εφιλοφες-שותם משתם, בו אב ל' פח בו ב אמעפיר חצבו, פחשו סט דוו ב Tinns ansons magor The augi To margos. nai cudus our-ων \* παςεκάλει δε κ) εί τις 'Αςμθρίων δρί εντίμων γς. σεςσε-περω, κ) τος γιμαϊκος εν ταϊς οςμαμάξοις παςέσος κάλει. κ οπήλασεν, όλλ' εία ακέειν. όπότε ή καλώς είχεν, όρνη τη πουδελεύω εν τη δίκη τάληθη λέρειν, ΐνα σοι εν γε win im ro comontotatev. To jag feudoules pairest co τω το τομισητοτατη. το ρος ξευδομμη φαιςείζ το κες το ως το ως το ως το καθίτης το χράποις ' γίγνεται. Επειτα δε, έρη, (υίσαπ γς. καθίτης μια με ανθώποις ' γίγνεται. Επειτα δε, έρη, (υίσαπ γς. καθίτης τι χράποις χρόποις ' γίγνεται. Επειτα δε, έρη, (υίσαπ γς. καθίτης το καθίτης το καλα καθίτης το καθίτης το καλα καθίτης το καθίτης καθίτης το καθίτης ב כול או, פח אל שני שות שונים במים שונים שונים של של ביו של ביו של ביותו ביותו

ώθε καθ' εν εκασον, ην αρχων τις τύχη κ, αμάρτη moterov eds decen, il amov nading aut aus ; and nadishu, ton. Ti j. nv zenuara monna eyn. eds de महाण, में महणात्व महालंड; वक्वाइष्ट्राया, देवा, वे वेण हुआ saubor, i noisis; natanaira, ion. ti o di ener. χόειτα όπ ζεύθομαι, αποθανείν μαλλον, η ταληθή λ

שנים ב בעדמו שם לוו ל עלני שמו ב מנדם, מיב וומצד דמות किंदार कार्य क्या कार्य मार्थ मार्थ हुए में महिला अह मार्थ महिलाई बन De. nate- ai j zuwaires avaschrasa \* ¿δρύπουτο, ώς οίχμι र्गा मिरा के मार्थ के मार्थ के के कार मार्थ के किया मार्थ के किया में के कि e कि काल माना महमहण म्यद, मर्थ राष्ट्र सारण सारण सहण, नव मार्थ ह σα δίχου κ ταύτα, ω 'Αιμένιε' ημίν δε τί ζυμδελεύε επ τέτων ποιείν; ὁ μθο δ' λεμένο εσιώπα, απη πότερα (υμβελεύοι το Κύζω κατακάνειρ έσμτίν. च्या वर्णात मिर्निया है। का चारि है का महास . 6 3 मर्था का Tryedins emigero Tou Kugou, eine uot, & Kuge in

Je 18 do-

MINSTAKE

שמו, חתו ט

EKEV.

of ofuni our Banga ED; no 6 KUEG-, nonulio on Curedipe during of 1) paines appression are during outing ni Javua Couluov int to Tippares, no v interium in dikou 6, 71 more segin, is megdians insade ist 8, 7 pudanos. Ego Thus, Epa o Tapeguns, et plus 28. महम हत. अव तथा दे मधारहेड में केट हिंहिर की , में केट महमहा की नवंग का (पार्ट्सिश्व महत्ता प्यास देश मां व มคือ สน่าใน ชื่อมค้า สน่ารณ ก็เปราหน้าขน. อบุนโลง เช่น องเ น่บาง แ puper of surv, con a Kuco, ta d'una moins in av ov a apravovra munimbe. Est, Egn, raura. " σοι συμίου- λαςέον άξ' αν είν, κατάρε τον σου λόρον, τον πας Pa, लेमार के वंशिर्यण्य शिष्याण प्रवेद (सण. महिम्बर 180 00 T8 TO μεμείδαι ήγη, ο κύρε, έμεινον εθ σου τω σω αλαθώ τας: mueias moieids, n our Th on (nuia; emauros as έρη, έτω γ' αν πιωριμου. άλλα συ μβύτοι, έρη Tryparis, uspana y av (nusoso, el 780 orante nas naivois tote onote ou maise agioi elev neuthal. S'av, Eon o Kug . त्रिक स्ट्रांड वहाता ग्रंथाया व οροποι, όποτε αθικέντε: αλισκεινίο; ει τους επισοσορονε: ρίγροινίο. Ιοκεί γας μοι, α Κυςε, ε τους επισοκί δικ

ริบิ. (ก วิธี ลัง, รอก, วยกรณา ลัง Tis เอยอุติ ที่ ลังประเท

00006

देम हो है मध्या है वेमा देशाया है हा है में दिया दिश्व किया है है के

agan

away

इ जोक १९४३

0,01

έλεγ.

on xi

ות נעסד กรุงก

× win

o Ki

uli d

BY: NH

ลับการอุด

700,

में दे विश्वा

8 101

er dun

O 87

ביוסעים

es dun

2 678

Mili

Treat

701 a

1.02 4

वर्ष वर्ष

อย่อยองเ, ที่ เสพหตุ ; ที่ วิ สมชต์อุ ; ที่ วิ ชิเมสรห อง ம்க்க; ) சய் நீ கூடிவையிய நி விக்கு கடிரபடு, நி εράπων πας αγαθός. τετο έν, έφη, λέρεις, ώς κ, δ कंद मकतांद देग मार्जिस मा थार्व मध्यद्व दे वंद्रश्च उक्ष्मि γρέπ. 9. πάνυ ων έν, έφη. πάθημα άρα συ λέχεις Luxis id & Cooperview, ware nume, & madmua. के अ का कामह, सार क्ट्रिंगामा कि मुंधिकीया ने प्रतिभागत σώφερνα έστος, ώραχε ημα εξ άφερν Θ σώρς ων αν πε Τροιπ. τί δ', έφη, ω Κύρε, επω ηθε κ) ένα άνδες. " \* देक्ट्र wins भीने देता प्रस्टूडिंग म्य भट्टा निवार देवारिंड भर्व पूर. देक्ट्र -\* ผิน รัสเปล่ง วี ที่ที่ที่ ที่, อับวิบัร สะสอบแรงอง รที่ร ออร์ อบาโม. τεπν αφερσωίης; πάλιν δ', έφη, επω εώρακας πολιν रणाम्यमीव्यार्थिय कल्लेड मर्वेश हम्हत्यम, मेमाड हमस्रिये मेनी जे मे, िवद्वापात प्रयाम, वंगां पढ µवंद्विता, क्लंग्रेड नेया, मेह्रेस ; roids d', ton o Kugo, no où te males sinas regor, έτως ίγυείζη στοωφεινίος αὐτὸν; ἐν ἡ τὴ Δί καυτώ Cuiosos exeudreias uso comdunidas, sexo d' és βεπώποτε χρομίνο. α ο φήθη χείνου λαθάν, ή ္ οωράται, η επιβιάσαιος, έδεν τέπων ικανός χρομίνο γε. φθάται, Λιαπράξαδια. σε ή οίδεν α μεν εδελήθης εξαπατή- η διοδ. ου αυτόν, ετως εζαπατήσωντα, ώσσες αν τις πυφλές η कार्यंद में तामी व्याह्म दिवाह्म दिवालां द्राहर के पह क्षेत्राह रेक में महीक्षिया, हिंग्क वह वीर्निह रेक में प्रत हैं के देशकμίον έσωτω ίγυρα, χωρία αποκείδαι, ταυτα είζητας कार्य देशव किहा किहा वारा मार्थ वंद्र कर मार्थ है महिला किहा महिला है। pis dure, des \* wegater spanas entros Cui monno Phil. ν ημι τόλω, τείν τέτον των τας έσυτω δωίαμιν άθροίσα-τα. η τ. έπετα δοκεί σοι, έρη ο Κύς , κ ή τοιαύτη ή πα ν ποτ το ερνίζειν ίνανη εί) α θρώπες το γνώναι άλλες έσυτο BEATIONAS ON as; TOAU JE MANON, SON & Tryedons, in 

ye. palu-Mws. daguor. Phil.

नवेड कराड़े मार्थेड Cun मां मुखंड, संविष्टेड वैता मार्थेड हरी वित्र www 'Asuans Cuistero magasaivoply; 'my ss' in & το λέρω ώς το γνώναι μένον πει βελπονας σωφερίζη ? ανά τη δίκω διδέναι του τη βελπόνων, αστες δίκ μος νω πατής δίδωση. 'Μ', έφη ὁ Κυς Θ, έγε οι πατής πέπουθε μόν εδ' όπεν επω κακόν, φοθείτα μόν τοι, ευ οίδ', όπ μη πάντα τα έχατα πάθη. स है। मा, देश o Tiz egins, mannor मुक्त कर के के का को मुख κολάσματι νομιζομέρω στό ήςω παιομένοι, όμως εθέλω χ παλιν μάχεδαι τοις ωντοίς; ες δ' αν σφοδες οι Cn 3ωσην αι 3ρωπει, τέπεις έδε παραμυθεμβροις αντι ελέπειν δωάν"); λέχεις συ, έρη, ώς ο φόε⊕ τε έργη म्यमहत्रिया मार्वे २००४ प्रवस्ति सा करे वं प्रमुखन मह ; में वर्ष १६, देश οί ο τι αληθη λέγω. Επίσα σαι 38 ότι οι μερί φοδί μθοι μη φύγωσι παθείδα, κ) οι μέλλοιτες μάχεδα ระกิจาะรุ นท์ ที่ที่ทริพิตข, \* ล้ริบันพรุ อำลังขด. หู oi mi οντες, μη ναυχγήσωση, κὸ οἱ δελείαν κὸ \* δεσμον οι Εκμίνοι, έτοι μίν έτε σίτε, έδ' υπνε διώανται τη χάνειν δια τον φόδον οί ή κόν μικό φυχάδες, κόπ έ χόμινοι, οι δέ, αποσφαθόμινοι, έτω πάντων τη δε χόμθροι, οἱ δε, ἀποσφαθομθροι, ετω πάντων Αθ θε κονον ὁ φόο ταλιτα καταπλήθει τὰς Φυχάς. τὸν θ รุ่นอง สนาร์อุด, รอก, ขนมี สนีร ฮือหลีร ฮิเฉหลีผิฐ สนับ 🖟 🕰 

ö

AT Si

UL

יוֹן

1811

w 78.

vi (H

0 6 ان ع

ET TH

1. 01.

1 Spai

Ta 74

REAST 9 90

avTh

£879

, Eal,

φο68·

स्थित विक्र

v or

TUY:

In d'

है है नाग नी वंश्वारी नांनकर मवहवरी हैंड नांक वंदूर्या, वंगाwir du tos paveins, dea un aua te Eu minons, nai al. autois. ίμα εφίλον νομίσωσί σε. εί δ' αὐ φυλαπόμβυ το άmydavedau, un omdis aurois Luja 78 un occiran, 8 pg. un okeires au denon or Copegui Cer En wartor in nuas w idenoev. ana vai ma 780 Dess, ion, Toistois uls have रकाष्ट्राचार, हर सर्वसिंध बंग्वेर मा रकाष्ट्रास्या, बा-Tes av mot Sone Bilgar. 85 3 Jishogorein govoilm ots wold i pilia The sun to Sov Cuman Cavoier, The TES av mos d'ona में के Mo Tavov Tas paov क्रिस्म में पकड़े mσύντας ωδύ, έκπλεω ή παίντα ανάγκη διαπονεμβύες. κή Trypains wegs tauta, pillar of, con, wed tiver א חסדב אמלסוג דסס שו דוש, סדלש ססו שמץ' העלל בצבה कार्मा ज्वातेषु एका ; मबहु देमसंग्रहण वीव्यात, हिंद्रमा, किन्द्रों नी यमπώπετε ετω πολεμίων γεγβυημίων, εί εθέλοιμι ου-ध्राह्मसं वंगका, తळाडे हैं का κελεύεις με νων ένεργετείν ข้นสร. ที่ หู ชายา่อเอ ลิง, เราท, ผี หนีคร, ลง าฟ กลอย่งกา รับ-का गांधा ठेर के प्रवर्शनकार ठेर व महि पर् हैं। जिस्ता निकार दें พ่นส, อาท, ทับ พบส อุลิร (ทับ ซึม ธอ แกร้อง ที่สำหาหองของ, गांव का नहर द्वारा गांस वेपक्ष साम्बी ; मं रहे वेप वेप. μάλι ने τέννα κὸ γυναϊκα μη άφαιςη, πις σε τετε ένεκα φι-Ne que และพอง ที่ 6 งอนเรียง ของห่หลง ล่อมหนี ส่อนเลย ที่οι μες τω δ' Αρωφίων βασιλείαν ει μι έξει, οξιδά πνα σχει Ανπέωφον μάλλον, η ήμας ς έκεν ης \* τέτε, έφη, δη- γειδη τέτε ο παγ λονόπ ο μάλισα λυπέμθο εί μη \* Βασιλεύς είπ, εξά δήλον, όπ ο θε το καθών τω αξχωύ, μεγίς ω αν σοι χάειν είδείη. εί ης. βασιτόν εί τόν ο πόν το ποι, έρη, μελεική τε ως πκιςα τεταξαγωθία τά δε κεύσει.

ω ψετακιπείν όταν απίης, σκόπει, έρη, πότερον αν οἰκιή. 

autoy . dutus.

with i weiden moinden. on tete di tin 'Aguipion igu. Ta, wi रे रेने कार्यात करिक प्रकार दिया, त्रेश्व पाठा को, रेन a Aguires mole por spanar County lets, woom y xi ματα (υμβαλή είς του σύλεμον. σερς ταυτα δή λέχη ό 'Aquivi , έδεν, έφη, ω Κόρε, έχω απλέπεσεν κίπκη हेर् री प्रवार्व प्रहरूप, में र सिंद्वा पांग देम हे मव क्या मीप रीपांवमा जीक है जिया, जहे जिहे । निरंप त्व, ठेजिक प्रहें के प जा निर्मा जिला है عو مع م a yer, the de natarities, The xdees quante . \* i. σαύτως δε περί χεημάτων δηλωται μεν εμε δίκαιον η שבידם דם סעדם סב לב דצדים טביאל שיסעדם בידם בת

28. 131 δή, αν βέλη φέρεθαι, καὶ όπόσα αν βέλη καταλιπέν. ASSOV. δ Κύρ Είπεν, \* ίωτ, δειξόν μοι όπόση σοι δωίν. fort. &x &μίς όξι, λέξον δέ και σόσα χεύματα. Ενταί θα δη λέμ μέλληπι, δ' Αρμένι , ίππεῖς μέν τοίνωι το 'Apuli ων είσιν εί ut in quo ontangalise, melci de eis retlagge pueradas zenpo dam Vet. Ta d', हैका, Cui गर्गेड अमरकाहर्गेड, र्गेड के स्वामेश स्वाहित 1. e. xdev σεν, όξιν, είς αρχύειον λομθέντα, τάλαντα σλείω ή MANHOU τειχιλίων. και ο κόρ Θ εκ \* εμέλησεν, αλλ' είπε, ή είπε, nihil μέν τοίνωι τραπάς, έπεί σοι, έφη, οι ομοροι Χαλθάιι שטאבווצים, שאי אוווספוג ווסו (טורשבורשב, און פו אבוווון cunctatus dixit. Step. των αντί μεν της σεντήχουτα ταλάντων, ων έφερες δει

μόν, διπλασίονα Κυαξάρει ἀπόδ , ὅτι ἔλιπες τω poedir euol d', son, anna snarin diversor. Ega de al रेकाशूहिमका, वैम Өट्ठेंद हैंग नी रिक, बेमडे' किंम वेम हेमारो रिक्षाई ठाड़, में वंत्रत्व क्रालंग कि वहाव देण्ड़ अस्तिवस्य, में स्वं भ्रा para à maer Junger, là sui apar là se un sui am a swiat & av cariulu, ciua, asix & s' ex av d. καίως κεινοίμω. κ) ὁ ᾿ΛεμίνιΘ, σεὶς την Θεων, έμ & Kiles, un इंग्ल रहें में हैं प्रेम, ह अवहें हैं पर हैं हैं है ลักกล งอนไร, รอท, ลี ลัง หลาสกโสมุร, นุทธิรับ ที่เวือง ส ED wu au Exau Erins. eler, Epn o Kileos wer de the γιωσικα έπηλαβεν σόσα αν μοι χεήματα δώης; όπω τω av Swaiplu, ह्मा मं डिडे, केंड्ड महें मर्दा डिवा ; में महाता έφη, όπόσα αν θυναίμων έκθν, έφη ό Κός τω τη τα μεν ήθη διπλάσια τω όντων συ δε, έφη, δίτ μα, γεώνη, λέξον μοι όπόσε αν πείσιο, ώς τω γωνίω και τω συναίν και τω πολαβάν δ δε ετύγχανε νεόγαμός τε ών και τών τη πο

A.

104

1

χ. έρωρε λών τω ρωαϊκα. έγω μέν, έτη. ὧ Κόςε, κάν τι ή ταύτω ώς ψυχος σειαίμω ώς μήποτε λαπείσου ταύτω. σύμ μες τοίνωι, έφη, άπάγε τω Clui, έδε ράς είληφολαι ") eix K.

ew.

You,

Xi-La ye

πein

amy

IDITS

\* ú.

וח ע

ה אל

v. 1

Swin.

ASTH

יו פון

enua.

178 AL

w #

18, TH

A d'ain

renul.

s das

हद नीय

Si al

Jana.

a Xi LL WILL

av di

WY, Eth

e egen

1700 d

र दे गांध

21 874

με είχμαλωτον ταύτω νομίζω, εξ με με πώπωτε ου-שידוש העמו או שי לוו, ש 'אפעניוב, ב חמיץ שוני דב ywaina ng ros maisas, undiv \* auth naradeis, iva ei 2: கின் சிர செய்கிய இது ச விருந்துமான. கவ் மிர முட்டு, விரும். בנח, לפושעפידב שמץ חנווי לפושעהסמודני ב משבא מו עבדב ס שצ שנוס שעומני בידש לה אמדבעפונמי לומה לשנידשי לב עד το δείπνον, ἐπίζετο ὁ Κίζο, Επέ μοι, έφη, ω Τιγεάin, we d'i suctivos bar o avig os Cume Singa nuiv. nai ού μοι μάλα εδόκεις θαυμάζειν αύτον, ε γάς, εφη, απίκτουεν αὐτὸν έποδ ὁ έμος πατής; τί λαδών άδιzīvra; Sap Beiger autor ion eus. naitor & Koge, 8το καλός καιραθός δυ εκείν Φ, ώς κ) ότε αποθνήσκαν ίμελε, σοσκαλέσας με είπε, μή τί συ, & Τιγράνη, ίη, όπ ὑποκτενεί με, χαλεπήνης πό πατεί ε γα ε κακοbia मारे महत्त्व महास, बेश्रे बेप्रशंब. हमार्ज्य मेरे बेप्रशंब बेपφωποι θζαμβτάνεσι σάντα άκεσα ταθτ' έρωγε νο-थां(७. ठं मके) रों Kog & ठेकें पंहत्याद हों तर, कहरी गई थेंग-Tegs. of Agustio Exeger stor, & Kope, is oi rais auth zwall raplavertes (wortes a morries avopas. 1 του αιπομέροι αι του κατακτείνεσην ως \* σωρεςνεςε χεριμαθε-क्ष \* मार्थिश प्रवाद प्रवाद प्रथम स्वाद क्षेत्र में भारत क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के कार्य के कार कार्य के केंगा " क्यों क्येंड मीक कर्ड़ेड हकार हैड कार्रावर नीवे केंग्र केंड्र कर है. क्येंड् λεμίοις αὐτοῖς χεώντω. καὶ ἐχώ " ἐκείνο, ἔφη, ἐρθό- χ. αὐτές. ησα, όπ μοι εδόκει τον εμόν μον ποιείν αὐτον μάλλον γς εκείνω. δωμάζειν δι εμέ. καὶ ὁ Κυρ Φ είπε, αλλα ναὶ μα τὸς Θεες, εφη, ω Αρμένιε, ανθρώπινα μοι δοκείς whiter. nai où, & Tiyegin, Cufyivwone nd waγί. τότε μέν δη τοιαύτα διαλεχέντες κ φιλοφερνη-Sirtes, ware elnos, en (wallagus, avalartes om τίς άγμαμάξας ζωί ταϊς γιναιξίν, απήλαυνον ευφεριpulyon.

4. Έπει δ' ήλθον οίκαδε, έλερον το Κύρε ο μέν πς 

Kugw

γ . aπέ-TELLEV.

Κύρφ μθύ κή τη σραπά σάση ξένια έπεμπε σειείπ אצ יום ב בשני אל א לי המושו בפתרפנים אשו, פוב הנדוננו אוובינון παρείναι τα ο χρήματα, δίν είπεν ο Κος Φ, διπλάση \* άπηείθμησεν. ὁ δὲ Κδε ۞ ὅσα ἔπε λαβών, τὰ ἀλ. λα έπεμ (εν. ήρετο δε πότες 🕒 έσαι ο το εράτουμ ά των, ό παίς, η αυτός. επέτω δε άμα, ό μων πατή 8 700, ontreeou du où ne eins o j rais 8 700, ega A รัพ รัสองค์ รายณ์ จะ, ฉั Koge, ซีรี ฉับ อนชื่ออุรัยรา แ Sen oce Cwaroks Fav. nai o Kop om pradous sing หล่ อีกา๋ ซอง ฉับ อิงิร์งอเร, รือท, ชนบ วนบนัหล์ อธิ ลัก σαι οπ (κευοφορείς; αλλ' έλν, έφη, ακέειν δείσε कार्माण. वहळ प्रवंद. वहड हेडूबर हैई डिया कार्म है, म बेर you mean weg av, ion, Condaledas vilven ος.νόμιζε. \* νομίζω, έφη, ζωετ δατμένες παζέτιδαι ο, παν οπ

मांद रेक. नंतर है की हैं हमा के ना हु का इंट्र मिक मधा देशाया है। SHITELY.

5.

5. The of useedia receive Koe@ Ter Tizedilung τω Μήθων ιππέων που κρατίσες, και τω έαυτε είνο οπίσες καιερς εξίκει εί), πειελαίνων πω χώςαν και: प्रहारा, (KO मार्थ प र साम प्रहांग क्षंत्र एक स्त्रों हेन' ते मूला ελθών, έπης ώτα το δαταθέοντες του δε ταθπετε γρώνης εθείκευεν ο δε πάλιν ής ετο, νου δε ταθπετε δει ερημά όξιν; ε μά Δί, ερη, άλλ άκε σο οπεί έν επείνων, οί σημαίνες τοῦς άλοις δ, π ἀν ός ῶπ. τί ε κέν ποιεσιν έπαν α ζωνται βοηθεσιν, ερη, ἐπὶ τ κέν διίητα, ταθτα μέρ δη ὁ Κές Εν έλθων, έπηρώτα του Τιγεμίνω, ποία αν είη τη δρέι είκηκόει. σκοπών δε κατενόει ποιλίω της χώρα τα Apuluious senuov ni dezor soav sia ten monsuov. ni tot μεν απηλου όπι το σεατόπεδου, και δειπιήσαντες οι un In ouv.

6. Th d' usecaia auros re o Tryegions magli ( endasuit G. B. et Lemandriet junes Constitute αυτώ, κὸ τοξόται εἰς τενὰ μυείες, και σελταςτή άλλη γε τοσετοι. ὁ δὲ Κύρ, ἐν ὧ ζωελέρον το, ἐθύετο ἐπ τοσετοι. ὁ δὲ ΚόρΦ, ἐν ῷ ζωελέρον το, ἐθύετο ἐπ οων ήγεμόνας, κζ τες δυ Μήθων. επεί δε όμε ήταν. रेड्ड राविर "Andies Gires Est mir रव देश मार्थात्र, ύτος ίπ ος ώμεν, Χαλδαίων εἰ δὲ ταθτα καταλάβοιμεν, κρίτ axps offorto to nutregov of serov, ou perver avayxis

380

al. TI.

al. Alse-

8.

TOMOI.

ou.

देशकों है नवं बंगकृद संदूष οो बंधकों रहेग Κυρον, καθεώς τε τω Χαλ Αμων τας οίκησεις, κη ματάνοντο φεύρο το autsi en gu envis oinnosav. 6 3 Kugo, as mis TE: 0! 5 हवाराक्षा क्षेष्ठ हे क्रिकार, वेहाइकाराम्य मवहमे क्षित हम हो है महाइमारहत वर, सवस्वध्व प्रकार हर जैव न्या महत्वा है או צמא למי בפטעוסי " דב סיר אן צייט ספרי, בטליב בדוף XICE OCERION nai TON TIYEGININ CHENEUTS TELITA

कीं Ton म्यान्ध्य, में प्रश्तिशाक कियारिएकी इंस्ट्राय की का संहण महंसरागंदर मह को " ताजिक विष्वा. ठेने प्रदेश की में कि μένιον ώχετο άγγελ Φ. ό ή ΚυβΦ τοίς παρασινέπ XICEV.

8. Έν δε τέτω προσάγεσι τω Κύζω του αίχμαι. TES रिर्डिश्मार, कार रहे गाम्या में महत्त्वप्रदेशमा के रहे में Ser, cudus nues mer eneneure 780 dedemers, 785 τεπωμβίες, ίαπες καλέσας, Βεραπιύεν εκέλευσε. 28. वेमार्थ मानाय हे १ हुई पराइ Χαλθαίοις, όπ αν ηκει हुन्ह \* απολίou conducto chaires, Et modelain georgio, any

gh:lu πειίσαι βελόμθο 'Αρμφίοις και Χαλδαίη करांग भीने हैं। हिंदू उसे संस्था, वीर विता हिंदा है हैं। eighuns. The pop jaig the Trea do pa has eize, The The 'Aquilian hyere i everere vi d' oegre d'i com รระ · ey w ซิท ส์อุโทเม บันลัง อโหลง ธ ระง คำหนุนย์เห, เ δίδωμι υμίν σύν τοις άλλοις Χαλδωίοις βκλεύτω St. είπ BENEDE MONSHER HUIV, et TE PINOLED. KON WHO TONE μον σίεηθε, μηκεπ ήκετε δούερ and omev, ei a opoverte ที่ง ว ค่าการ foxที te de dau, ลังส์ อัสกับง ทีมก कंड है मक्रेकड़ हैं इस नवे ए महत्त्व पि कारे का प्रधानिक, हमा μελήσει ακέσαντες δε πώπα οι Χαλδώοι, πολλά μ επαινήσαντες, πολλά δε δεξιωπάμθροι πον Κυρον ώχη oixade.

9. O & 'Aguil of of HABER The TE XXHAN TE KA में नीय जिल्लेंद्रा , रे विक्र कार महारा का में मा रेरे व देना में To Seiv, he weis Tov Kugor ws solvalo Taxisa. 173 δε είδε τον Κύρον, έλεξεν, ώ Κύρε, ώς ολίχα δυνά μίνοι ποροβάν άνθρωποι πεί τε μίλλον Ο, πολλά επ अस्डियी कर्वितीसा. १०० के री के देन के देन हम अद्देश में μη χαιά औ όπηχ ειξήσας, δέλ Ο ως έδεπώ π τε έχουμι έπει δ' έάλωμο, σαρώς Σπολωλέναι νομίσαντες, 10 άναροινόμε θα σεσωσμένοι ώς έδεπώποτε. \* όι χάς εθε Flor. Edit. πώποτε έπαμον ο πολλά κακά ήμας ποικντες, νον οξε

28. Xax-Saios yev, 01 8 de 1-ZZU OVTO TOTOTE 9πολλα

Ewign

20: 74

मयं !

Ten Ast.

Tay a

£71

हार मा

070

7 'Ap.

יורש ע

maria

S. 4.

785 A

1081. 4

ωπολί.

x yy H

A Sainly

इ प्रसम

7यं औ

cy ola

185, 4

z. ein

MONE.

ei Os

א אואוו ע

E, EMI

ha' wi

wxin

& Kin

OWV OF ZL. 678

க்கை தேலாக வகைச ட்றவ் வலக்கிய. ஆ ரீகாக கோக்கு, οπ, ω Κύρε, οπ έρω ως ε άπελάστα Χαλθώες από τέου ην άκρου, πολλαπλάσια αν έδωκα χείματα ων में मार्ड हर्सड कवर है पह. में व कार्राह मार्गावसा वर्षात्र ιμάς, ότ' ελάμδανες τα χεήματα, Δποτετέλεςαι σοι M. ώς ε κ) σερσοφείλοντές σοι άλλας χάριτας άναπhrand, de nuers je, et un nanoi équer, a'que lued' je. Smost-का un \* Smoth Stran. के के Smoth Extes, रिश वहां का की कि महत. ठ οτο σε ενεγχέτω καταλαμδανομίδα ποθπν ποιθν- μθο 'Αρwill. IG.

10. 'O wh 'Agulio Tout' Exeger oi 3 Xax Saios, wy Stopopol T8 Kugs eightle ogion meinow. Kai o ιοθ επήρετο αυτού αλλε τε, έφη, ω Χαλδωοι, η Tre je evena eighving von comdupeire, on vouice re ac-The secon Nivada (in eightne prophine in moderanτι; έπει κ ημείς τουτ ελερομφ. τάλλα έχομφ, έρα-บ oi Xax faioi. หู os, ที่ ซึ่ง, ะอุท, ค่ หู ลักงิล บันโท ada mer fuero dia rlu eignolu; in av, iparas, בואסי בעם במניסונו שם. מואס דו צי, לבח, ש לום דם זוה สท์(คท สำส วิทัง, ขนมี สะทางระ ขอนเ (อา อีว ; อบท่องสร์ 1876. Ti Ev, con, à Kug , Exaud' av Zotelev-The one mee or annot 'Agustion, Lava buir The 'Agueas yns eppaled inosten av Beande; toag of Xan-किंग, सं माइद्यं कार्य को वंतीयां ज्या कर मा वह ज्य हिंगा, Αρμβόιε, βέλοιο αν τω νον αρρόν έσων γων ενεργόν μάζ, ει μελλοιεν τα νομιζομίνα εδε σοι έποτελείν epa (outros; Epn à Aquerio- mans de 7870 meiaυ πολύ γδ αν αυξάνε οπι τω σεφορόν. τί δί ύ-प्रमार, र्का, के Xan Souot, हमले ठुला बावाओं हरूहार, हं प्रेμιτ αν εάν νεμου τούτα του Αρμίνικο. οι υμίν μέλωιεν οἱ νέμοντες τὰ δίκαια άποτελεῖν; έρασαν εἰ Χαλ-Ιῶι. πολλά χραν ώφελεῖδς εδεν πονέντας. ('ὑ δε', n, & Apulisis, edéxois du rais Terwo voudis Zends, a Sung λα όπι μελλοις μικρά ωφελών Χαλθώκς πολύ πλείω ώφεληjav w Tay; z) opodea av, ton, \* ei olojulu acoanas al. sime μαν. εκεν, εφη, ασφαλώς αν νέμοιτε, εί τα άκες οίδμων Nobun ες, το τετε σύμμαχα; έρη ὁ ᾿Αρωψί. Ο · αλλά μὰ Δί', ἀσραλες ὰρείς το το Χαλδωρί, εκ ἀν ήμες ἀσραλες εργαζοίμθα το των, ἀλλ' εδ' ἀν, των ήμετεραν, είδτοι

οπ τω τεπων, αλλ εσι αν, τω παι εκεα σύμμα- Fort. αν

λα είν ; ετως αν έρασαν, ημίν καλώς έχοι. αλλά μέ Di, zon o'Aquili G, sx av nuiv vov xaxos Exon, i BTO TEANNSON ) TO ANE ON AND TE NO TETEING. μίρα. κ) ο Κίρ Η πεν, επωσί τοίνυν έρω πειήσω, έμ 8 θετεροις υων τα ακρα ωραδώσω, αλλα ημείς φυλά. ζουθυ αυτά κάν άδικωση υμήν όποτεροικη, σύη τή વેરીમકાણોગાંદ દેવાં લીચ માલાંદ્ર. હંદુ કી મામકવ્યા મહામ્ય સંપ્રાથ eol, Empresan, no Exegor. 8 Tas av ein movas eighun Belaus में ठीने नहराह है निजया में है रे विद्या मर्प पहड़ नये माइये, में हरे वे γες μ αμφοτέρες απ' αλλήλων εθ συνετίθεντο, δπιμμέ δι εί) και επερχασίας, και δπινομίας, και τυμμαχίας Kolvin, ei ms a dikoin ono Tecko 84.

25. cmounuayar.

II.

11. Ούτω κλό τότε διεπράχθη κ) νον ή έπιπ διαμβόκουν αι τότε γρυδιωθραι ζυνθήκαι Χαλδαίοις, τω τω Αρμινίαν έχενπ. έπει ή αι συνθήκαι εχίση

שני סעסאא-VEVTOV.

12.

ευθύς συνετείχιζον τε αμφότεροι σροθύμως ώς κοινή φεκειον κὸ τὰ ἐπιτήθεια συνεισηρον. ἐπεὶ ἡ ἐπειε क्टरण्म, ज्यानीसंग्रह देरविद्य वेयक्र महिष्ठ क्टर देयारेंग, व φίλες ทอีท. \* συνδειπνέντων ή είπε πις τη Χαλδώς όπ τοις μέν αλλοις σφών πάσην ευκτά τουτα είπ, κά SE TIVES The Xandeiew of AniCoulus Coot, no est a επίςαντο έργαζεως, έδε αν δύναντο, ειθισμένοι απ πολέμε βιοτεύειν. αει 38 ελπίζοντο κλ υμθοφόρεν, λ πολλάκις μεν παρά τω Ινδών βασιλεί (και ράς, φασαν, πολύχευσ Θ ό ανής) πολλάκις ή καί 🛱 Asuazer. no Kug & fon, ti ky & nai vuv way with μιδοφορέσιν; έρω γάρ δώσω όσον τις κι άλλ ۞ πλέπ δήποτε έδωκε. συνέφασαν οί, και πολλές γε έσεδαι λερον του έθελήσοντας. ε πάστα μέν δη έτω συμμε AOYETTO.

12. O j Kue & we nuever ore wege tor Ived mit λάκις οι Χαλθωοι επορεύοντο, αναμνηθείς ότι ήλθον τη कारह सक्तावार कि प्रीका हो अर्थि है तो का मी कि मुन्यू पावत में लें 20 v रें कि कि मार्थ के मार्थ के कि कि का में के किसी κατίθωσι, εδέλετο μα σείν τ' Ινδέν τα αυτώ πεπεμή μένα. ή ξαλο εν λόγε τικοί, δ' Αρμένιε, έρη, χ μεις οι Χαλδαίοι, είπατε μοι, εί τινα ερώ τη ευλί ώπ בב א אסונו שפי ב דעי 'ועלטי, סטעודע מוד' פע עום דו טווי म हुने में गहर के इह अधिकार मिरा कि हुने के 110 ह व हुने हिंडिया 11.01

à us

1, 4

E1710.

3 E2H, Dula.

י דוון

1007

66 a12,

ray.

Jania

yar j

Noorm

ov vous

11.04

αι; έρω οδ χεήματα μέν σοσ γινέος έπ αν βελοίμω μίν, όπως έχω κ μιδον ἀφθόνως διδόναι οίς αν δέη, निम्बंग में रिक्ष्ट्रसंग्रे नी \* हत्याहण मिर्मका मध्ये बहां हर मह मह निष्ट्यτων μέν δη ένεκα βελομαι ως αφθονώτατα χεήματα Τευομίνων. Των θέιδζ δε τετων νομίζων, το μός υμετέρων η εί ωι \* φείδεως (φίλες γας ύμας ήδη \* νομίζω) παρά δε χε απέχε-"Inde noto; av Adboini, et Stoin. o en ay sext, o das πλεύω υμας ηγειώνας δεναι η ζυμπεάκτοεας χρέωτα, γε νομίζω માં માલ જ માંદ્રલ છે ઈક. "Επεμιβέ με Κυς Φ, & 'Irs'è, જ્યા. είς σε φησί ή σεσσδείδι χημάτων, σεσσδεχόμθο anlu segnar o ino der en Hegrar (n) yas mego sixoas, ton) in Ev auto The plus o mood oos weexween, onoir, Θεὸς άραθον τέλ Φ διδ φ αυτώ, πεκεά πεδαι ποίνσαι κό σε τομίζεν καλώς βεθελευθαι χαρισάμλου αυτώ. שונדם שלט ס חשף בעצ אנצמי דסוג לב חשף טעל טעמב nonth d'omstade te 8, n univ Soues Cumptego El. nai no fi κοιτή ω επις κετε ο, το υμίν ο οκα (υμφερον ευ. και πν με έπει κίω κυ, ξοπ, πας αυτά, αφθονωτέρεις χρησόμθα. πν ή τον, ή μιλαβωμίν, εισόμθα ότι εδεμίαν αυτώ χάριν οφάλομίν, κοδώ κλ δέξετα πμιν εκάνα ένεκα προς το πμέτερον συμφερον τη, κλ τα τίθεδι.

13. Ταῦτ είπεν ὁ ΚῦςΘ, νομίζων του ἰόντας 'Αςοι ἀπι κ) Χδηθαίων του μπα λέξαν ποι ἀπτό, οἶα αὐτὸς ἐργ, ἐποθίμα πάντας ἀ βρώπες κ) λέγαν κ) ὰκέαν ποὶ ἀυτέ.

20, μι τότε μίν δ'η, ὁπότε καλῶς είχε, διαλυσώντες τικὸ

ρας, το ποτε μερ δ'η, οποτε καλως ειχε, διαλυσαντες πωσ αὶ ποὶ αντω, ανεπαύοντο. τη δ' ύστεροία δ, τε Κυς Φ έπεμ-αρ' εμί τον άγ Γελον, δηνησείλας εσαπες έφη κ) δ 'Ας μερίς Φ-πλές δοί Χαλδαίοι (υνέπεμπον, ες ίκανωτάτες ενόμιζον εί) πεδαι το συμπράξαι κ) είπειν ωτεί Κυς εν τα ωροσηκοντα. εκ τέτε ὁ Κύε 🗗 \* ἐπιτελέσας τὸ φείειον κὸ φύλαξιν ίκα- γε. Εξ-

13.

TWV.

15.

मार्थों. नरंत कि ते' हैं। देवियान के में प्रथमें के 'Aguluis न्ये Juja Tieges Exesa, xai Tor vico Tregor yor' xai owi it. Aois Swegis x To zeurion enouisev. O westeren en in Jul Aabeiv o Kiel, z o Kuel i far einev, vines ene sm ήσετε μιδέ σειίοντα ευεργετείν, αλλά π', ο γιώα, χεσα ταῦτα τὰ χεήματα α φέρει, απθι, κὸ τις 'Αρμ vie unxiti de auta nateguzar. Enteu for 3 7 or vil पृष्ट बंग वंग- कंड प्रवंभेश्व \* वंग वंग में प्रवी बजार एवंज वजव देनां नीकं segli का अंग्ले हैं की रामका भी के में उद्योग में में के वेशकी में मां Δυ γατράπ κὶ τοῖς ψοῖς, δ, τι κακτημέροι κὶ κεκοσμημή nawlov z notov Tov alova Sagete. eig de The pli Eon, acheito ta ocuata, otar enas & Tensuthon, xan κρύπειν. ο μου ταυτα είπων παρήλαυνεν. ο δε 'Agui νι Ο συμπ εκπεμπε, κ) οἱ άλλοι σάντες άνθρωποι, ἀιτ καλέντες τον ευεργέτω, τον ανδρα τον αραθόν. κ) του हे महांहण हैं कह देन मोड ठूछ हु वह उद्देश हा ने वा. Cuvane seine है वे To o 'Aquerio is spatial meiora, is eiglins ou

> ROHS. 15. Ουτω δή ὁ Κυς Φ απή ει κερεηματισμέν Φ, ή α έλαθε μόνον χεήματα, αλλά πόλυ πλείονα τέτων έπι μασάμευ δια τον πρόπον, ωσε λαμβάνειν όποτε δω To. no tote whi espatonedevourto en tis ue Dociois' i d' ύς εραία το ωρο spateuna i τα χρήματα έπεμμ mess Kuakaelw (o se manoiov nv, ware konoev) aun J σων Τιγεάνη κ Περσών πίς α eisous & θήρα όπε δι τυγχάνοιεν Inciois, η δυφραίνετο. επεί δε αφίκετο κ

al. 7 2811- Mhores, \* Ta zempara Edwas Tois saute Takidezon, MO TOV. σα εδώκα έκας φ inava εD, όπως κο οκάνοι εχειεν τιμά al. male a - es muas \* aganto of vo santes. evolute 20, es exag το μές 🕒 αξιέσταινον πειήσειε, το όλον αυτώ κλιώς έχει 2011TO. थे कार्रें है, से मं कह अने में किर संह मी कुरतारेंग, की

26. Siedo- KTOUNIOS \* Educesto Tois a Electrities, volicev \* 0, The Adv naja dov Egot to spatolua, Tents a many outis us BUL. 28. et TI. Koojin den.

16. Hvina o aimie Se Side av Zhaler, Zheler al माधार संद के प्रहें कर की कहा विश्व होंग में त्र त्र त्र के Trop &s etima. "Av Spes pixos, dones nuiv eupegowin " νων παρείναι, κ) όπ ευποεία πε σερσγερβύη παι, κ) όπ ρομίν αρ' ων πμάν εξομίν ες αν βελώμεθα, κή τιμο मेवा केंद्र केंग्र इसकड के बहु कि के क्या मा दिन के केंग्र का केंग्र का on wurd

18

250

ues

704

i.

in Jene

हे का

au, i

Agu-

שני עם

egli

is Tail

שעינון מנו

رسار ن

Kam.

'Agui

i, ala

Tuit

i à c

S O IXII

 $\Theta$ ,  $\dot{y}$ 

יווד א עשר

TE d'EU1.

015 7

इंज्या

) வ்யா

जा ह हैंगा LETO H

\$2015, 1

P TIHA

+ skage

S EXE

V, 787

0, TI XA

WTOS KS

Esp ad

onwurde

क्षां असे पर महीद देनी व देशव परमा मी बीव किए हिना वोa. อนอสมมุมอง 20 อบอุท์อะาร าอ, าร ล่า อบาทักาล อิสุร รู้สะเ. तं πονίστι, κ το σεύστι, κ το μή εξαι τοίς πολεμί-कि, हिम्बर हैं। प्रहान में के प्रवासकें। बेंगर्जिया बेंग्य हैंह हैं), प्राप्त के κοντας ότι τας μεράλας ηθονάς κή τα άραθά τα μεράλα क्स उर्छ भे में सक्ष पर हां व भे ठां है। यह सवाहर्क मर्छ १० में भी भी स्वीता हा agezov ).

17. Κατανοών ο ο Κυρ ο ως ευ μο αυτώ είχον τα ப்புவாக பி நடிகால் எம்ப கட்டு கு சியம் விகம் நடிகாலால் கட்ட का क्रिसा, हैं। मेरे नवेंड म्यूबंड, क्लूडंड ने प्रवासक्रिश हों। ολεμίων, επιτήμονες δε ήσαν τα σερσήκοντα τη έσυπο थडि के के किन में करहेड के कर्न दिया है कार बहु अठाए Log war as Eu mageon dagueres on Terwy er em Du-τι ον τω μέλλειν πολλάκις τοις άξχεσι κή της καλής विकार में के अरेश हिंगा है गा. देगा में वहुकी विषय कार कार कार कार कार कार ντες εν οίς αντηρωνίζοντο πολλοί, κ) επιφθόνως είχον es annings of seatients, is offe evena exager ai-के, रिष्ठेरण मंद्र मीक महत्रहामां कंद्र नवं त्राह्म, मंद्री हैं है हैं न κοινοί κίνδιωοι φιλοφερνως ποικουν έχειν του συμμάχες es addinas, is exert of throught tois or ordors nouιμώρις φθονέσιν, έτε τοίς δόξης έφιεμβοις, αλλά μαλ-प्रमें क्षाच्याप्रका में बंबार्य (०४) को नवार्षनवा न्या कें विवाह पर שימדם אמאאודם דב אן מפודם, בחרודה ל סטיבאמאבסב ועטέρχες η χιλιάρχες η ταξιάρχες η λοχαγές. έτοι מחסתבתעומטוסו אושמי עם אמדמת בינות כו דסוק דמאדואסון Buois nai onote deos n wanser \* The spathy a, n 28. of spa-विभिन्नित्रेसाम मा, हरी केंद्र हरिए बंग्याप्राण सबारिसाम्हरण, बेरेरे में निष्ण. Ακαθάςχοις κρέξαθάςχοις σάντα τα καταλειπόμθρα

בצוסעונו דם. 18. Ете 3 Сийх доч об \* стнавегог, та ед доч ай-છે, દેમદર્શ લામાર્પદ મદ લેપ જાઈક મતે મના એક દેમાં જાય, મું દેશી લેલ- ગૂર. લેમાં મારκ) πόν εν η εκαςον ίουρον ωδ τη ζυμμαχικών. επεί δε ερι.
σωίν το ικείνες επείνσεν ερωτικώς έχειν το ήδη ποιείν τι, είπεν
κ) όπι νοις νων μερί απέναι όπι τας ταξεις, και διθάσκειν
κου πος έμιος ξανακου δείνος τας ταξεις, και διθάσκειν κ) τιμε αςον τεις έσωτε άπες ἀυτος ἐκείνες, κ) σειράθαι ἀυτες κ) τιμε τουμίαν εμβαλείν σάσι τε ς επτεύεθαι, ὅπως ἐυθυμώ-क कर्णाम्ड रिव्हाणी के किया के कार्स की कां कां Kua-

Ea eus

17.

20. 870

29.15.

Edeus Du pas' Tote use d'i amontes \* stas emoiso 7 मयं गार हम भी पे उत्तवाद व्याव मा म्रिड्व मय विजयम का \* ट्रेमाम्बां हार देन 2. Gring. Ta's Sugas. ow Terois Er & Kug @ eiren Sa'v megs to egicmi Hi. Kuazaglw, negato xòye toisse Olda uli, son, i Κυαξαρη, ότι α μέλλω λόχειν σοί σαλαι δοκεί κδεν ήθη η ήμιν άλλ' Ιστος άιρύνη λέρειν του τα, μη δοκης άγ Doub & ठेरा मुध्दल मार्थेड ट्रेंडिड प्रद्रामित्य. इसमें म อบ อเอสสัง, อาณ ภอรีล วัตร อช ม วัตร ที่เก็บ. ทุนเง วุล Soxei कर्नण, देनसंबद्द म्यद्द्रकारी वंज्यादीय, एमे देनसरीये हैं ए δάλλωπν οἱ πολέμιοι eis τω σω χώςαν, τότε μάχ Day und en The pixia na In white huas two whier, and ievas os raxisa eis rici monspiar. vui por vas or i ση χωρά οντες, πολλά του σων σινόμε θα ακοντες η of eig The margian touch, The exercis mounts μεν ηδομενοι. επειτα νων μέν ου ημάς τρέφεις, πολλί

> La merar li d' inspardailla, Spe-loue da en Tos mas plas. En de el plu meicov Tis nuiv xivoluno Eusans i) ะันดี ที่ อังอิส์ฮ์ะ, โรพร To สิงคุฬธรณ Tov ทั้ง สิ่ง ส์เราะ่ง งหมั ฮ์ธิ โรทเ เป็น อันดีของ รัสทุงาน, รัสง Te " อังอิส์ฮิ ตัว

> ortes autis maximeda, ear te eis exeirle iorth

To an Touch autois iou de mueis ontes maxeue da, inte

lortes the maybe (uvationed). Todo white nues Best

Then nai eppenduesteals it tuzais of seamon's the

σούθα, \* ην ίωυθο επί τεις έχθεες, και μη ακοντες δω

κωμφ δεάν του πελεμίες πολύ ή κάκεινοι μάνων

De. cr. Jase van usia-MU, EXV TE et; This EREIDEN 671 VTEC vorce). 28- 2 100-7950

100 NO 30

bac jungantur

cum le-

Caye 3

μας φοβηθήσουται, όταν ακέσωπν ότι έχ ώς φοβεμίνη Anosphy autor oikor kath phor, and etter aidanount σεσοντας, απαντώμεν τε αυτοίς, ίν ώς τάχισα συμhiganh. n'ex grampomp got an u une tela sola na ROTAL, alla pravovtes non sysuly the exciver you मता प्रा, हैका, से म हेमलंग्डर मी क्रिक्ट्यमें एक मिला मार्गिक leg. etiam ที่ แลร วิ สบาชาร อิสดุดิสมัยพายุธรุง , พอมบิ รัชาง ที่แรง ยาติ พิเษ μάλλον, με νεκτιμα νομίζω, κό τ κίνδιωον ετως ήμιν μεν ελαπο λογίζεμαι, τοίς δε πολεμίοις μείζω, \* πολύ αν μάλλοι. में o म्यानि बास तेहास, में को क्रोंड में oi बैत्रता है जर्याम ο μολογεσιν, ως αι μάζαι \* κρίνον ται μάλλον τ ψιχάς quent. St. η τ της συμάτων βώμαις. δ μεν ετως έπε. Κυαζά γε·ρώννυν- sns ή άπεκρίνατο, αλλ' όπως μέν, ω Κίζε, κ, οι αλλο Педош, εγώ αχθομαι περων υμάς, μηδ τωονοείτε πή

165179\$

SV 7 DI 07 नेंड गोंग

11.EV795

εντοι ίναι εἰς των σολεμίαν ήδη κὶ ἐμοὶ βέλπον ἔθ Ιοκεί σεὸς σάντα. ἐπεὶ τοίνυν, ἔφη ὁ Κῦς, ὁμο-ωμονεμίν, συσκευαζώμε θα, κὶ Ιωὶ τὰ τη Θεῶν ἡμῖν 

αν εμι δυ. συμπαρεκάλει ή κή πρωας γης Μηθίας οἰκήτορας κή μάχε ηθεμόνας.

19. Έπεὶ δι ἀκλιέρησε τε, καὶ ἀθερόν ῆν ἀυτῷ τὸ 19.

19. ἐκτὰ δι ἀκλιέρησε τε, καὶ ἀθερόν ῆν ἀυτῷ τὸ 19.

19. ἀκὶ 19. ἐκτὰ δι ἀκλιέρησε τε, καὶ ἀθερόν ῆν ἀυτῷ τὸ 19.

19. ἀκὶ 19. ἀκάιμα πεθες τοῖς ὁείοις, τότε δὶ οἰωνοῖς χεησάμε
τες ἡ Θ αἰσίοις, ἐνέκδλεν εἰς τὰ πολεμίαν. ἐπεὶ δε τάχισα

πολιὶ νόαις, κὴ ῆρωας ' Λουείας οἰκήτορας ἐυμθρίζετο. του
5 πλει οἰή ποιήσας, αμθης Διὶ πατςώφ ἔθυε, κὴ εἰ τις ἀλλ.Θ
16 και θὶ ποιήσας, αμθης διὶ κατερώς ἔθυε, κὴ εἰ τις ἀλλ.Θ
16 και εκρινούς τεθ μερί πεζές περαγαρύντες ἐπολλιμὶ ὁδὸν

16 εἰν τος τος τος κολιμὶ κὴ παντοίαν λειαν. κὴ τὸ λει
16 και γι τος εκποπεδού κυροι, κὴ ἔχεντες ἀφθονα τὰ ὁπι
16 και ἡ περαποντες διαγοντο ἐκὶτ δεχ ἡμερῶν ἀπέχειν

18 κιὶν ἱκα ή περοπόντες ἐλεροντο ἐκὶτ δεχ ἡμερῶν ἀπέχειν

18 κιὶν τοῦς τὸ κολεμείοις κὴ ἀντιπεροπέναι ἀλλὰ δηλοι ὧμψ ὧ Κυζε, ὧ
16 εκι ἀκοντες μαχέμεθα. ἐπεὶ ή ταμτα συνέδες τὸ εα.

2 ανόμα τὰκ ἀκοντες μαχέμεθα. ἐπεὶ ή ταμτα συνέδες τὸ εα.

3 ανόμα τὰκ ἀκοντες μαχέμεθα. ἐπεὶ ή ταμτα συνέδες τὸ εα.

εκίνη τε κα άκοντες μαχέμεθα. επεί ή ταμτα συνέδοξε το εσ.

Βανόμι τε κα άκοντες μαχέμεθα. επεί ή ταμτα συνέδοξε το εσ.

Βανόμι το ξάρει, ετω δη α εί συντεταγμιροι σερήεσαν τοσετον

Ιςα συν θ' ήμεςαν όπον εδκαει αυτοίς κληδες εχειν, κ) δείπνον

κορα και άει χΤ φως εποιεντο, πυρα ή νύκτως εκ εκαιον, όπως

εν γιμι αποπέδω εμφοροθεν μέντοι τε εραποπέδε εκαιον, όπως

ενώπουν το πυρο εν μέντοι το πολεν το πος, μιλ όρον ο

ενά πει το εξυ σερσόντων πολλάκις ή κ) όποθεν τε εραποπέριο κατά σκοποι ενέπηθον είς τας σερφυλακας αυτίν, δια

παίντες όποθεν τα πυρα εί), επ πόρρω τε εραποπέδε οίόμε
τυχάς το.

Κυαξά 20. Οι μιν εν Αοσύριοι κ) οι σιω αυθοίς, επειδ λ εγ ους

εν κια το εκατεύματα εχίγετο πάφρον σειεδάλλοντο

εν κιν το εκατεύματο εν και εκατείκες εκατοπεί εκονόπαν κιν διε εκατοπον εκατείνου κιν δια εν εκατοπον εκατείνου και εκατοπον εκατοπον

zi Eaglaegv.

इक्र गामही रंथा मार नर्द १०० किराह वंत्र २०४ मार टिंग की ती मा प्रसार के ज्या प्रति है के नियम के प्रमान के प्रमान के प्रमान De-Aroivion Deaxofts ber is \* Sigenson, dans Te nai Bageagen कर्मानी मार्थिक है देशन क्षेत्र मिना क्षेत्र देनी क्यां क्यां क्यां क्यां क्यां में से मह देन विधाल रेंग, देहरूका स्प्रीर गणमारेंड रेपिनस रिनास हैं ९२०० है अबर १४ कें तथा, हैं १२०० में टेलान्य हैं या, है १२०० में टेलानियह. मांज्य की वंश्वर्ध वंश्वर के देश मारा देश मारा की वे पर ज़िया । oi di noi nai cueros नवं देश्यं धवात क्लिकि में माता में वैष वं पार्वाद किसले पर देश दिएहर्व हो) से विष्ठां वा मवद्देश राम केंग्रा है।

Nov. ) un maxion. 21. 21. Total Ta who d'i woter tes en füs al Ander enine

De worswxa. JEV.

क, देवसे हैं क्लाका मह बंबसे हर वेंक्र केल्य केंद्रवर्व निष्ण, तो ही 'Acordetos क्षत्रक इंड्रिया वस्ति हर्ण वर्ग व, के कहा सहा , देन क्षा ταργευμών μων, καταφανεί δε ο ή ΚυρΟ ως εδιώση εν άφανες την, κώμας τε η γεωλόρες επίσος δεν σοιποίο μίν Ο, νομίζων σάντα τα \* πολέμια εξαίρτης ός ώμλη 2. Exact poseconteca tois evantions ED. x, incivile and it volum wwee " ETCE TE, TO PULAK IS TOINT aufoi Exategi inst uning. The of use eate out 'Awiel & i o Kesto Ol οί αλλοι ηγεμόνες ανέπουον τα σρατευματα έν τω ίουρί Kue 5 n Kuazaens ourrazaphos weisuhor, os, σερσίοιεν οι σολέμιοι, μαχεμθοι. ως ή δήλον εγμίτ on sk officer of workenes in the equal o, she may ποιήσοιντο τουτη τη ημέρα, ο μέν Κυαξάξης καλίση पूर में कारे किए Kugar \* में कर्यापार कार देनामवाहांवर, देशहर नाविश αλλες το Δοκ τ μοι, έςη, ω ανδρες, ωσες το γχανομο συντεπή Empueiar uivoi, & me irva megs to The ardpar Eguna, no dans

wel, ye. में ठम अहे राष्ट्रीं एकं मुकेट हिम्स ने हेम कि के प्राचित प्राचित के के του άλλος πεξίωπν επείνοι, οι μεν ημέτεροι μάλλον \* θαρρήσεπ Too omxas av comant of workmor of tox man identes now, wall λον φ 6ηθήσον). Τέτω μέν δη έτως έδοκει ό ή Κύβ eiss. 6drT95 emany. γεκή θαρ δάν τε μηθεν ποιήταν ες απίωμο, πάλιν κα θορών ες ήμη andniv.

ye. eav un ipn, unda was meg Al Osav, a Kvagagn, gra wina vim TE meg tor Tas nuas of workings Jedoor ) 8881 961 क्षिणा, सं किरहा केत देंग वेंग देंग की सं में कि प्राथित मार किए कि

averor izian wohu eppendiest egis rais promas. " of', son, el fores uer on mugeoner, ex ogovres 3 nua a this

ודמטע

Caest

Trous

रे न न स्थ

3365

57271

ין ישדעו

ny aus

Tan Bis.

יוסונוני

ci M

क्टान

Swian

vomod.

gainte

עטאדע,

ge Such

iooy

S igues

ws, #

e Nien

ua yla

Karisty

7 olddi

TE TUY

S Chail

นที่ สมาร อุจัทธรส ปี, แล้ง

j Küg

william

KENEVHA

18' 0 0:68

. V. 648

Jes nul

ทธยภ,

di;. I'm

à nua

64

τό τότο οπίςω, ε καταφερνέστι, άλλα φερντίζεσ τι ποτο τότ έςτ. κ) διαλερόμθροι το πολί κυθί, εγω ο ο ο ο ο το το εεν παύον η. όταν δι εξίωπ, τότε δει σύτοις άμα φατρές τε πμάς γρύεθς κ) ι έναι ευθύς εμόσε, ειληφότας
ενθα πάλαι εξελόμεθα. λέξαν Θ ή ετω Κύρε
ενθόξε κ) ταῦτα Κυαξάρει κ) τοις άλλοις, καὶ τόμε βεπνοποιησάμθοι, κ) φυλακάς κατας ησάμθοι,
πυρά πολλα τορ τε φυλακών καμσαντες, δκοιμήσυν.

22. The of usepaid west Kugo whi esequiantio νε, παρίη κιλε ή κή τοις άλλοις διωτίμοις έσεφανω-ोंगाइ कलोड़ नवे iहलूने नवहसंगवा. इससे औं नहें ति से प्रश्न में ιπα συγκαλέσας αὐτού, έλεξεν Ανδρες, οι μεν Θεοί, οί τε μάντεις φασί, κὸ έμοι συνθοκεί, μάχων τ' έσεu opganenter, i vintu osoaoi i omneiav opguenso,) de rois isegi: iya d' ouiv à acquar onoise केंद्र देश हैं) दे मर्ज राविष्ट केंद्र्यार्थ कि कर मेंद्र निके μίς ταυτα δλίσης έμοι δλιςα μένες, κή τουτα μεμελετη-त्या मा, में वंसाधार्वन्य में वंसर्वणम्ब , ठीले महिष्ड वं महि हुन है , ε κ αλλες είκοτως αν διδάσκοιτε τάδε. εί δε μή τυγνετε κατανενοηκό τες, ακέσατε. Ες ράς νεως συμμάις τε έχομον κ) σειρομθα ημίν αυτοίς ομοίες ποιείν, าะเ อิติ บันลัง รัสอนานท์องคท ออ เร็ง тร อางออก์เป็น ο Κυαξάρες, άτε ήσιβων, έφ' άτε αὐτού ενραμελή-พพ, พระ ส กุนยุของ ส ขาล วพบเรณ ก กุนโบ รอล ๆ ราง วิลเ. มา าง งก สมาชิร รัชาแนท์เอนอาธ, อีก ที่ปือ ที่ ที่แล้วส อีสavagio exasos हिरा. av jae av a sporter ofinais how. ). wher Iaumasov si muse and in its imo-किए कि में के के के के के कि के कि के कि कि कि कि णरा वे परी १६६ वे न्य रेग्ड हो). में स्थापित प्रदेश रा करने ती वर्ष है। a njulion autho Trigge Andrede. o ju jag dunaulo o-क राजि है भी बेरे रह हिस्तांहड काला, संस्कृत के मंदी में ite ouversein reseive ayades avine ou o de the The ι έποιμησιν αυτός μόν Θ έχων, κή τετο αγαπών, εως αν ήμιτελη σώτον νομίζοι. Τέτε δ' ένεκεν έχ w, son, autois x sow, axxa vuas mexeuw xegen, iva ம்சிக்காவு பியில் குகிறை. பியக் நம்த நி கிரைம் டேர்க வட்-ं ध्रवज्ञ गर्ज ध्यानेश्व प्रदेशन हर्रे में लाजिय मेर, देवा, ध्वड Supprivas Trois vinas autes consensus TE, ni Tr. η αλλις πολλές ε λόγφ, αλλ έργφ θαρρείν δι-Ju 2573.

22.

θάξετε. τέλ Φ લેં πεν απόντας α εις αν εξεφανωμίνη κ) απονθάς ποιησαμένες ήκειν είς τας ταξεις αὐτοῖς κ Φάνοις.

23. 'Enei d' हें Tol बेलां रे प्रेंग की मार करें हिंदा रहें करात 23. ρε. τέτοις κάλεσε, κ) \* τέτοις αν τοιάθε έλεξεν " Aνδρες Πέρου τοιάδε ον υμείς κο του διμοτίμων γερόνατε, και δητλελεγμένη हेड्हें की निमलियह या एहें। ये मेरेय पक्ष मान्यपाइकाड केंग्रकाल ही ETENNETO, The of nairia no pegvillateggi. no tolvuv zweav Ex Avdo. ชีริยง \* หีที่อง ยังทุนอง ที่มี ๑๒๑๑ฉานี. บนคร วล่ง อักอิยง อัง วย- ทั่วกิดข δμών τορ. Τές τ' αγαθές αν εφορώντες η όπικελευον ες αυτίκ % में होता है म अपूर्व नीयड माठा सं पट मह माद माद माद माद कार्य है जान όρῶντες κα αν επιτεκποιτε αυτώ. συμφές ει δι ύμιν, ή puch. महु मर्छ में बेररेक, में गामबंग, में ठीबे में मेरामांवा में नीबे न Bales र उठ्याड. के प र वें बुद्ध प्रावेड के वा दिम्बा किया RANGETES ETENT TREES, [UNOTY, STARKETE OUTOIS. 2] OTHE

Ald. & Fl. und દેષ τέτφ αυβύ ή πηνήσε એ ανππαρακελοδούνη Edit. ήγες αυτοίς Απήσον \* ήγες όλη του πολεμίες. και απήν Δε. fed me-τες, έφη, ανεικόσαντες κ) ύμες, ηκετε σων τοίς ανα lius ήγες διεφανωμόροι είς τας τάξεις. οἱ μβύ δη αμφὶ Κυνονο

Steph. T's Tois nour.

24. Οἱ Α΄ Αωνίσιοι καὶ δὴ ἢοιςηκότες ἐξήεσἀν το Βρασέως, καὶ παρεταίποντο ἐξόρωμλώως. παρέταπε ἐ αὐτοῦ ὁ βασιλευς, ἐρ' ἄρμαθ Θ΄ παρελαύνων, κὴ ποιάξε παρεκελούετο "Ανδρες 'Αωνίσιοι, νωῦ δεὶ ἀνδρας ἀμοθοῦς ἔβ. νωῦ ρὸ ποιὰ ἡυχῶν την ὑμετέρων ὁ ἀρῶν, κὴ πὸ ρῶς ἐν ἢ ἔφυτε, κὴ περὶ οἰκων ἐν οῖς ἐτραφητε, κὴ πὸ ρς. πέπαθε ρωμακῶν τε κὴ τέκνων, κὴ περὶ πάντων ὧν \* κέκπὰ

αλαθών. νικήσαντες μξι) χο άπαντων τέτων ύμες, ων Vel οιγευει πες ωρόθεν, κύριοι έσεθε ε ε δ' ήπηθήσεθε, εὐ τε δι απέντα τοῖς πολεμίοις. \* οῖ τε δι διερί. νίκης ερώντες, μξύοντες μάχεθε. μωρόν λας, τὸ κράβι βελομβίες, τὰ τυφλά τε σώμα Θ κὸ αοπλα κὸ άχες τοῦτα εναντία τώπεν τοῖς πολεμίοις φεύροντας. μωρ

οί μων νικώντες σωίον), οί δε φεύροντες ἐποθηρώς το μαπων οπ πρωτος σωίον), οί δε φεύροντες ἐποθηρώς μαπων οπ ενιμών, ππαν προσε). τις ραρ ἐκ οῖδεν ὅπ οἱ μῶν πων ἐποθηρώς τὰ τε ἐσωπων σωίος και τὰ τὰ ππαμενων σων καμβάνεσιν. οἱ δι ἡπαμωνοι αμα ἐσωτές τε κὰ τὰ ἐπομορώς τὰ ἐπομορώς τὰ τὰ ἐπομορώς τὰ κὰ τὰ ππαμβάνεσιν. οἱ δι ἡπαμβωνοι αμα ἐσωτές τε κὰ τὰ ἐπομορώς τ

25.

नीर्ध नवं प्रत्य डेना दिसे रेश है

25. O whi Si 'Anveit & Trois lub. & & Kuazaens πίμπων σε τ Κυρον έλεγω οπ ηδη καιρός είη ά χειν όπ של שמאבעונונ. מי אמף עושה, בנחח, בח שאוניםו מושי בנו בבש הש ιεύμα Ο, εν ω αν σεοπωμίν, πελοί εσενται. μή έν εναμθρίωμος εως αν πλείες πωρο γρώνται, άλλ' ίωμο कि हम गिर्मा कि देश देश मार्थि का मी प्रवास किए. व र दें Tue of ameneivato, a Kuazagn, ei un iso nuou autil เลงาย อง ที่ที่ทริย์ง ระง , ยั เอา อก ทุนลัง แล้ง ยุงอา อะดิชομίσεσην ηθηθος. \* άλλ, άλλης σοι μάχης δεήσεεν, 25. άλλης מי בעניסט וספי באצי סעודה ה זישו בפלצא בעים, בל ב- צי סעונותם שנידוב במשושם חנוני דמנוובטובטל. מש' סדוסיםוב פני בצאמי אמו לבח-कि वंगमी μάχεος. όι με δη αγγελοι του τα ακέσαν- σενεν.

Mayer

16 310

क्ला

legow, 2 piens

101 2),

v žxi

v ovig

auTois, 9 nith

Liv, it

ठीवे न

ev dis भे व्या

वे जांग

25. 0

ης ώχουτο. 26. Έν τέτω δ' ἦλθε Χευσάντας τε ὁ Πέρσης κὰ ἄλ-& ouris κι πιές τη ομοτιμων αυτιμόλες άρουτες. κ) ο Κύρος, ώς เม่ง, ที่เด้าน ารเร่ ฉับางแย่งธร าน ถ้น ที่ย์ พองอนโดย. อ์เ ปิ άλω λερον όπ εξίοιεν τε ήδη σων ποις όπλοις, η εξαπάποι Ευργά ευπος ο βασιλευς έξω ών, η παρακελεύοιτο μέν δη ποις εκ έξω επ πολλά τε η ίγυρα, ως έφασαν λέγειν πος 

नी गाज्ये.

d' Ev rois all agadois Evry O z end Seu O o Rio me Egondadioera, rois 3 nanois ranewos re ni anyende i αδίωτ Ο ό αίον επανακείσεται; έπειτα διδασκάλες, ο mas' रिलं भू वें exertas टेमां मध्याः श्रीधर्दिया, वीमाण्डा रिलेट्स TE ठेड़ जिळंड को नी विदेह हम क्या है जिंग हम निकार के किए, है छ। है। है अर्थ म्या वर्ध कार कार कार की व्याप के के हैं के के के कि के के कि कार कार के कि कार के कि कार कार के कि कार कार के कि कार के कि कार कार के कि कार कार के कि कार कार के कि कार sates to out vous (er, toi 3 nanes no Nonhees, as λιωπάτες πάντων ήγειδαι. కπω ράς διαπεθίωαι \* χί שול עובא אסידמה עצ מחום אל חסא בעונטי סופש דעני עום אחו xpeifora nacésedas. et de vos iouvour eis maxim (" சிரும் மாகில் நிரி காகவாக முகியும் முகியும் οι τέτω δινήσεται τις Δπορραφωνίσαι παια χε ημα αι. δρας πολεμικές ποιήσαι, πάντων αν ράσον είπ κ μαθεί में Solita निर्ध प्रश्निम की के के के कि का कि के के कि हैं निक्र , हिंगा, की के पर कार ठीने इस्पार देखा के पार्ट है जिस्तीया में

Vel de ut in Steph. Edit.

νου έχουτες πας ημίν αυτές ήσκεμου, εί μη κ ύμα 28. कर्या वा हं केंद्र के \* नवहां परवा, तो में किर्विति प्रथा वा राहि है उन में बी 28. முகரையித் ஆர் ED, ம் கோடுவ்கைய பெயர்களிக் பிய சு கிருகவு செல்லாக ά σμα μα-क्षेड्र में बेम्पार्वश्चिम् म्यान्वम्यम् वेष्ट्रमें नेवाप्रविश्व λακαλώς. έφη, ω Χρυσάντα, εί π ωλέον αν ώφελήσειε λόρος κλώ 35. x 11801ondeis eis avopagadiar, n Tes and futes \* usan nov agua

Kookws.

aqua nonvis a dev es prontes. 27.

27. Οι μέν ποιούτα διελέροντο ο ή Κυαξαίον σάλο πεμπων έλε θο όπ ξαυβτάνοι διατρίδων, κ έκ άμ ώς τάχισα όπι τές πολεμίες κό Κορ απεκείναπ δ τότε τοις ά (γέλοις, άλλ' ευ μέν ίτω, έφη, όπ έπω κά έξω όσες έθει κή ταθτα απαβέλετε ωπώ εν απαπ ours j' imel cheive dones, a go non. Tatta e mar, me seuzalul Tois Osois, egnys To spatalua us महुद्रवराठ वेश्वाप देश जिंदरिंग, o uev मंत्रवराठ, oi d' वित्राम ευτάκτως μέν, δια το θήςα δαί τε κ μεμελετικίναι raker wogevedar ipiwuivas de, da to pinoveixas ig करेंड योग्रामिष्ड, में नी के कि तो दिर्धायनय देमला कार्यान री के कं कर्माया वे दूर्णाया पहें कल्का दर्वाया है। मेरिका वे לום דם ספשיונוט באבוי. הדובמידם של, צי כו שם אליום έμεμαθήκεσαν ασφαλές ατον έβ, κ) έα σον το όμοσε ίνα τοίς πολεμίοις, άλλως τε κ τοξότας κ άκονης ώς κ गार्जनाए.

28. "Eus of En Ready Ego noav, main Jua o Klescon 28. Δημα, Ζευς σύμμαχ & η ήγρων, επεί ή πάλιν ins

G mi H South

85, or

Pergun

(W; a)

ייוסחוד s, air

\* 1

ION S. DA

w Cui

हांड्या)

(τώθημα ανταποδιδίμενον, έξίςχεν \* αν διοπέρρις χ. αν δ σω Σνα τον νοιιζόμενον. οι ή θεοσεδώς σπάντες Cusemi. Κορ. אוסעי עובומאא דון סייניו. כי דעל דסוצדט שביף לוו בו לפוח-לעונטונג אדוסי דצה מישששות סספינידעו. באפי א' ל מכומי γμέτο, άμα τος ενόμενοι όι όμοπμοι φαιδροί, και τεπαιθυμίνοι, σειοςώντες αλλάλες, δνομάζοντες σρασάτας, δπιτάτας λεροντές πολύ το, άγιτε άνθρες φίλοι, ίχετ' ανόξες αγαθοί, συρεκάλεν αλλήλες έπεδαι. δι δ' πολεν αυθύ ακέσαντες ανηπαφεκελεύοντο τοίς σρώτοις ρείδαι ερέωμενως, ην δε μετον το πάταμα πο Κύρφ συβυμίας, φιλοπμίας, jouns, Sagous, παρεκελοσμές, pose σίνης, πειθές όπες οίμαι δεινότατον τοίς \* έπεναν al. craviila ar. fors. The s' 'Acrueiur or per son The equitar area off. masin μαχκντες, ώς έγους ήδη σερσεμίγους το Περσικόν σλήθος, हे जासती ενέδαινον δλί τα άρματα, η άνεχώρεν πείς το έσινήν Dal 18 कर्राहिन है। है पर्देश में वंस्त्रमहत्वां में वर्ष्यित्रमा ता वार्मी y Duas ορίεσαν τα βέλη \* ποιλώ πειν έξικη Εδαι. ώς δι οπόν- 29. πολύ HIO TOS ZVWVTS τες όι Πέρται επέθησαν την άφιεμένων βελών, εφθέχ- τεν. faro \* 3 o Kog G. "Avdres aerson, non Sarlov ne iav ge. non. o 12 at, οπιθεικνύτου έσωτον κὸ σταρεγ ζυάτω. δι μεν δ'ή σταρεδίδοos ning שו שני ישס שפישט אונמג אל מפוע שני שבי לפוע סינוpsaxii μίζαι, δρόμε πνές ήςξαντο συνετείπετο δε κ) σάσα ή γάλαγξ δόμω. κ) αὐτὸς ή ὁ Κύς Θ ἐπιλαθόμεν Θ τε ic wake ladbu, δρόμω ήγειτο κ άμα ές θέγ σετο, τίς \* έφέπε- χ εξεβ. ex aye ૧૦૦૦ માં દ્ર ત્યાં ૧૯૪૬, ૧૦ દેરાં લા મીને મે વેમભાવીલા લેદ વસે છે. આપલે ૧૦૫૫ વડ દેવર દેવરાં ૧૪, દેવે દેવીમાં વાજા, ની વે ૧૯ વસે નીસ-Secon LIP MES 1 Cu 10

να ορφικατα, κή δια τον φόδον. τάχα δε κή καταμαθών De. Stans-TES की П: एक्कंग मामबा \* SIANENOGOTAS करेंड मर्बंड संगंधिय RUDOTAS. τε έξυμα] Ο, ετράποντο κ, από τη κεφαλών έφανω is sou is ai junaînes of Acoueiur is of Cumizan cuylin, non ni en to segutated w, avento por ni "the έκπεπληγμέρα, αι μέρ κ) τα τέχνα έχεται, αι ή κα νεώτεραι καταρρηγηθωθραι του σεπικε, κή δρυπομομομ wavrame x i se Teus rae \* wavras or o entry zavoier, un ceujan lines cum अवस्त As सर्वणमवड वर्णमें इ, बेस्से बंगाणिया में नहामणाड में हैं हरा ETW conve- ruis is coins autois. Er Sa Si x autoi oi Bankeis ( nivet Step. कांद्र काइकार्यकाड ड्यंग्याइ होने नयेड संग्रंड स्र के वेशवर्धिका οπὶ τὰς κεφαλάς, κὰ ἀυτοὶ ἐμάχοντο, κὰ τοῖς ἄλλοις ρε τὰ με παρεκελεύοντο. ὡς δὲ ἔχνω ὁ Κῦς Φ \* τὸ χιχνόμθρις σφαλείεν π. παρηγίνησεν όπι σόδα ανάγειν έξω βελίη में कर्स है और हैं प्रेंच की हैं अब माड़ वैप मध्ये विस्ताधिक में महत्ता ઈ દેવામાં કર છેક હેલં. ત્યારે માટે મેં લેવા દેવ લે 30 κτο, ταχί ye, menu is Tois annois magin fennov as of Ega Benav exevert ye. Enason Esnoan XTI Zwean \* TOANO HANNON ZOER, angibas elding ம்பரி №. อีสะ รัปย \* ธันฉรอบ ชูบร์ฟัฐ.

**මත්මත්වත්වත්වත්වත්වත්වත්වත්වත්වත්ව** 

## ΧΕΝΟΦΩΝΤΟΣ

Κύρε παγδείας βιελίον δ'.

ઝુદુ. હંદ ઈો જુદુનેડ

MU

τας πο άμθο, καὶ σιοπες σεσπέμφας, κὰς εἰς τὸ μέ σον ( υνεκάλεσε τκὸ έωιτε κατιώτας, κὶ ελεξε τοιάθε Αγθρες Πέρπα, σεσότον μθ τκὸ Θεες ερώ τε επαινώ εξου δύναμω, κὶ ύμες σαντες, οίμαι νίκης τε γὰς τενικαμά

γκαμου κὸ σωτηρίας. τέτων μου εν χει χαρισίρια, εν αν εχριών, τοις Θεοίς Σποτελείν, ερώ δε σύμ- χε. Ε ων παντας μελί υμας που έπουνω (το 28 γεγρημερίου έρρον αν. ομπαπι υμίν καλον δποτετέλεςαι) ων δι έκαςος αξιθ, क्रिसिंग नवह किंग कर्निमास ना प्रेम्या, निष्ट में वहां वा itas κ κόγω κ έργω παροσομαι Δποδιθέναι. τον Α' έμε είρυτατα ταξίαρχον Χευσάνταν εδέν σαρ' άλλων Nouse TUV Jaive DZ, aix autos cida of Fiv. Ta who के बंभेय, ठेंग्य मह र्शिया में र्गासंड मर्यश्रम्ड, इसर्गास हमसं Α' έρω παρηγ [ύποα επανάρειν, καλέσας ονομας] αυτόν, Δατεταμέρος ετως τω μάχαιεαν, ως ταίσων πολεμιον, τό μεσέ \* τέ με δυθύς, κ άφεις ο ξαελλε ποιείν, το κ. τε έμως μλοβομίνον επερίπεν. αυτός τε γάς έπανή μαγε, κ τοίς Αλοις μάλα δπασες χώς παρηγία. ως έφθασεν έξω פוצות לבאשי, דעם דעלני הסוחסמב, שפור דמל הסאבעונג אמדמיסה-THE TO TE OT! αναχωρεμίν, η τίξα εντείναδαι ή τα παλ-के क्षेत्रक संग्रा. केंद्र कार्रा रहे वेदिन विभिन्न है। यह केंद्र ταχή πεπαραναί. ως ε αυτος τε αυτος της αυτος της ορίος. Ελάθης. ενόντη ενόνες άβλαβες διά το σεέθεως σαρέχε. αλλες δι', βλάβης. είδος της ενώμες, σεεί ων έρω σε τάμλε ο το όπίω χονω επεωθης, τότε των γνώμω σεεί αυτος το κ' ώς moansua. Χευσάνταν ή \* n εςγάτιω της πολεμικών, γς n ως के क्लिंग ( nov में बें हु दूर केंद्र inquie में बेंहर हार, स्तावक सेंद्र शिव हें हु हो निक में οι πρω. όταν ή κ άνλο π αραθόν ο Θεός δώ, ετε έν πολέμω τότε όπιλησομαι αυτέ. η πάντας ή ύμας εκλομαι, έφη, ταυ-ப்சியுக்கிய மள்ளாக எவ்ளைக்க, வே எஷ் ப்யில் வம். is αίει κείνητε πότερον ή αξετή μαλλον η ή φυγή σώ-Η τας ψυχάς, η πότεων οι μαχώς θέλοντες ράον म्याभवित्रकार में देश है अर्थ राष्ट्र है अर्थ मार्थ गामक्र कवार्र स. नकारत प्रवेष प्रणा वैश्व महांग्या वेष, मिल्लंग पर वा नी हें देश पर, में बहुता पृथ्यिम प्रिंग पर करते. υπε (το ΑΘ. κ) ταιν τα μερό, έρη, αλεί διανού μενου βεντίες αν ετοιμί τε νιω 3, ως κ) σεοριλείς κ) αλαθοί κ) σωρερνες ετοιμί εξες δειπνοποιείδε, κ) απονδάς πες Θεοίς πιείδε, ς εδή: οξες δεπνοποιείσε, η απονσας σεργγελλουθίον περ-ες έχει παιάνα εξάρχεθε, η άμα το Φεργγελλουθίον περ-ες έχει το που παίστα, αναβάς επί τ ιππον ηλασε, η το και τε. επών παύτα, αναβας επί τιππον ηλασε, κο το με εκ Κυαξάς μυ έλθων, κὸ συνηθείς ελείνω κοινή, ώς τοιάλι ος, κὸ ἰδών πάκει, κὸ ερόμβυθ είπ δεοιτο, απήλαυτοικό εκ το έαμτε εράταμα. κὸ οί μεν δη άμφὶ Κύρον εποινώ ποποινσάμθοι, η φυλακας καταςνοάμθοι, ως દેઈલ, આμήθης. 2. Ο દ वं हे गहरा

דעינין

ustin. 18600

Dd 2011.

12/201

१३६३

o nal

יובחלוון

Deviser

es écu-

is Cui

Garts

à may a whor,

77027.01

MERCH

2. Oi 3 'Awie101, a 78 n 76 3vnx67@ 78 a 82017 6. אין פנשלט סטי שמדה אל בא באדו בשני, חשיעשר עלה שלידונן कार्य प्रां है में बंक्तिरिश्वारिश वर्षि में एएमचंड देस में इस गण्यारं रेड . ठेडूबेंगम्डड ही स्टार्टिंग है, यह Kegio कि भी ठां बेंगा σύμμαχοι αὐτής πάντες ήθύμεν. πάντα μξύ γάς ήν χε λεπά' αθυμίαν ή πασ πλείς ων παρεί χεν οπ το ηγεμβη อุบังอง รี ธุนกนีร \* ปรอบินัยบิน รังกร รี วงย์นูเลเร. เก

De. 1/20majuas.

Da e το τας δι εκλείπεπ το spa το πεθου, κι απέρχονται νυκτός. ώς ! ที่แล้ง E Musto, มี senuor ard ear soarn To The Totaling spa τοπεθου, ουθύς διαδιδάζει ο Κύρος τές Πέρσας σε τει κατελέλαπο ή των ηθ πολεμίων πολλά μβ στ δατα, πολλοί ή βόες, πολλαί δε αμαξαι πολλών αμ. Dow west i. in de 7878 die Couror non zi oi appi Kut gagle Minde สลังระร, น่า ก็อเรอสอเชิงรอ องรฉบี วิล. เสต่ neisne, ouveraberen o Kuege red soute ragialexes, έλεξε πιαύτε. Οξά μοι δοκεμέν κό όσα αγαθά, ανδρες, αφείναι, Θεών ημίν ταιτα διδέντων; νω μ οπ μορο οι πολέμιοι φοθέμθροι ήμας έποθε δρομασιν, αίπ opare, other de en equian opter enlimonter toto on γεπ, πως τετες οίε) αν πς μεναι i δυτας ημάς οίλ कित्यार्टिक ; of nees में बेलसहुत मंगी overs है रेक है एसाम πώς νων γ' αν σσομείνοιεν, επεί ήπην ), κη πολλα κακ υο η το πεπον βασιν, ών δε οι βελπεοι Δπολώλασι, π 20. mornes- 01 \* paux repor encivar maxent av suiv edexorev; a

татог. кай П5 er те, т ву, в Sienouly is та уза, катабили ) φαμλότα - επω τη άρα θαν ο των ; κ) ος έστον, όπ ιπ πων αθ 701.

al. νέον 9. καιοθε ην η λαβείν η δποκτείναι, έτοι έφ' ιπ πων έπη

gen ex ingrol. Ti er sparar, ex ex dir Kuagager Ta नव रेर्ना ; भे हे संगर, ज्याहमहीर महागण माठा मर्था महा, वह on on मदा ए एकि प्राण्य किस्स. देस प्रश्व संभागि क TES थे रिश्वण श्रीय टेमा मंदिशय हे मिश्र हों) रेक्के केंग हि रिश्मा 3. Kai o Kva gagns बेद्धा धरेंग, ठेरा देश सेंग 01 \* 1920 al. Iggov. To roys, waves tweedover. and de imes naras elle दूरमा वामक पाने मर्वभाग सामर्गणाइएमा, (से उर्वाट कामार mei cuduplar etiszerer ar, no of annon Mider in कार हर के का का उद्गार का हिम्मा है से के विश्व की & Κύζε, όπ μεν μάλισα ανθρώπων μελετάτε ύμει मिह्हु ज्व करांड धार्म ह्यांवा भेरी गोर्ध वे को निष्ठ री वस से विद्या

Seoue Sa. oi il zag apoinsor of marian, es mans

Be nate remar who ow Deois inguoi, dranover de

00

3

A

10

Ćop

ous

λεμία

kue-STH ]

X85, 1

Da, vim y

ודעם, עד

ντο, των η απέων οίθα. εμοί δε θοκεί τ μελικς ήδονης αντις τολύ μακλον συμφέρειν εγπεστή εί). μείζω δε ήδονιώ γε μάλιςα i austre an Sparmois com has, in vin huir aragersin?); ακα ν μεν τοίνυν, επεὶ ευτυχεμίν, σωφεόνως διαφυλά πωμίν διν χε ωπω, Ισως διωαίμεθ' αν ακινδύνως ευδαιμονέντες γη κιών εν εί δι απλήςως χεωμβροι ταύτη, αλλίω η άλλιω είνων εν διάκειν, δράτε μη πάθωμβρ άπες πολλές κιών λέγεσιν εν θαλάθη πεπονθένου, δια τό ευτυχείν κλίων εθέλοντας παμέθαι \* πλέρντας ένει είν λπίλοντας παμέθαι \* πλέρντας ένει είν λπίλοντας και κλίων παρέθαι \* πλέρντας και κλίων παρέθα έθέλοντας παύεθαι \* πλέοντας έως αν δπίλωνται 28. πλέονκου ολές δε νίκης τυχύντας, ετέρας εφιεμένες και τιμ τας άπο-κι ου ούδεν εποβαλείν. η η είν οι πολεμιοι ήπες όν-λεθαι. ν αμ. κ. ήμην εφάρον, Ισως αν κ) διώνειν του ήπες άστα-αι. υμήν. ος είχο νω 3 κατανόνουν πόσφ αυτής μέζει πάντες υν μη αναγκάσοιμε μάχελ, άγνοβντες κ ημας κ υπού δι αμαθίαν κὸ μαλαχίαν απίαπν· εἰ ή γνώσον.)

πὸ ἀπό ντες ἐδὲν ἦπον κινδιωεύεσιν ἢ μξύ ντες, ὅπως
ἀναγκάσωμεν σώτες, κὸ εἰ μὰ βέλοντω, ἀγοθὲς της, ωὶ ἀναγκάσωμβρ αὐτκὸς, κὸ εἰ μὰ βέλονται, ἀρεθὲς Κη τὰ ἐἐδαι. ἰδη ρὰρ ὅπ ἐ πὸ μᾶλλον τὰς ἐκείνων μυκαϊξες ἐνη κὰ παϊδας ἐπηθυμεῖς λαβεῖν, ἢ ἐκείνοι σῶσαι. ἐνηἐμεναι Η Α΄ ὅπ κὸ αἱ σύες ἐπειδὰν ὀςθῶπ, φεύγκη, κὸ πολλὰ και ὰ ἔπαι σωὶ τοῖς τέννοις ἐπειδὰν δὲ τις ἀυτβί ποςᾶ
ἐσι, πὶ ἔβι τέννων, ἐκὲπ φεύγει, ἐδὶ ἢν μία τύχη ἔπα, ἀλλ
ἰεν; μ ) ἐπὶ τ λαμβάνειν πειρώμβρου. κὸ νωῦ, μβὸ ἐπικακίλων κλείσαιτες ἐσισκὸ εἰς ἔρυμα, παρερον ἡμῖν ταμιεύεμον σει μ ὅςε ὁπόσοις ἐβκλωμβα ἀυτβί μάχεως εἰ δ΄ ἐν
κριμάκη ενχωρία περόπικου ἀυτοῖς, κὸ μαθήσον ) χωρίς βρό βς μαχήκριμό βοι, οἱ μβὸ ΧΤ περόπωπιν ἡμῖν, ἀσατερ νῦν ἐναντιξωτι, σον ) χωρι
τες βὶ δ΄ ἐκ πλαρίκ, κὸ ἄλλοι ἐκ τε ἐτέςκ πλαρίκ, οὶ δὲ κὸ χε, οἱ μὰ ΧΤ
ἀρειτα ῶτν, ὅρα μὰ πολλῶν ἐκας κὸ ἡμῆν κὸ ὁρθαλιθίν καὶ περόπωπον
ες, ἀςὶ κῶν δεήσοι. περὲς δ΄ ἔπ, ἔρη, κὸ ἐκκοίμθι ἀν ἔρωγε ἡμῖν ῶσσερ
τὸ τεπὶ νόρῶν Μήδες ἐυθυμκιβόκς, ἔξανας ήσας ἀναγκάζει κὸ νῦν ανκριτη ἐννεύσοντας ἰέναι καὶ ὁ Κῦς Θ- ἐσολαβων εἶπει, ποις εξ
τὰρί κὰ μπείνα σύ γε ἀναγκάσης, ἀλλὰ τκὸ ἐθελοντάς ἐναντίκ, ὁι
κῶς ἐδὶ ἱ ἔπεως δές κὸ ἴσως ἀν σοι κὸ τῆν σῶν φίλων τε εἰ ἐκ πλ.
αὐτίς νεκάς κο ῆκοιμθρι ἀροντες ἐφ οῖς πάντες ἐυθυμήσεως.
ες ἀλὶ τος τὰς πλῆθ Θ- ἡμεῖς γε τῆν πολεμίων \* ἐ εἰωξοῦθα.
ες ἀλὶ πος ρὰν κὸ καταλαβοικθυ; ) ἢν δὲ τι ἢ ἀπεροσδε ἀλι τος γαρ αν κη καταλαβοιων; ) ην δέ τι η απερισ-ύμες τον τε στατεύμα Ο λάβωμν, η τι τωολειπόμνον, εξώτη, ων ωςς σε άγοντες. Εννόει Α', έςη, ότι κη ήμες,

इत्रसरी मे

29. मदर

aure.

inashi or ides, in Douby, ooi xaeigouevoi, maxini Sov. x) où ev nuiv Sixas de avnzaeilesta, iva 14 έχοντές τι σίκαθε άφικώμεθα, κή μπ εις τον σου Эποακ εν कर्माइ देवल्या. देशनार्जिय अमें ध्रेड्डिंग ὁ Κυαξέρη αλλ' είχε μέντοι έθέλων τις έποιτο, κὸ χάριν έρωχέ α בו לבילש עי. סי עודינו לי דו דווים עם דו על בוסדו בשי זה कार मार्थ, हैं देहरा वे वेर को हमाइस्रेम्ड. रेवरियंर मी दि בנים, בעדוים בשבאה דצדשי. בישם של בדעץ אמובי ל פו ous more Cur Sune durs ED, zi pinnes " wayin in Эй, हेंग 6 Kog के दिन्द्रण, बेह्राई, ह्का, ह्याम हत्ततं. य द्धिर मांग्या दिया, को इम् कि, में मही को, हरा में अद्भवत ievas ut Kuge. Etw di racov + avdra denes in di Egnader, endus o Kogo leine, vor di où dud ous es annon exerts, or sons not dai us decuire ye x ger. in &v amon found of, fon & Mid G, et Toto 1 Ense nai yer. nai o Kog & simer, ener nai adois westin αλλει, ειπ, λέζεις; κάκειν τουσσας, νη τον Δί, εφη, εως δ कार में पाक प्र का निष्य में वह महिला है में में बे बे में में में में में εξάξεις; φθεις ύπο το Κυαξάρος, τά τε άλλα περθύμως άπη Exomoras 74 8 Tois Mindois, xai wesortides on autos 74 exam Ev en ive her forto andods deise nai namise, nai, to mensor, i νη τ Δί, Θεων γερονότ ..

Epn, 858 now.

d' crein

no 57.

4. तिल्लाचिक है नवर्गिय के Kues, जिल्ला, मार्के, विकासी 2' av wor- Some Tenavior ay sexon of de Tenavior opoes who 'A arugiav e' oiv, Edv & d' & moni. d' o na imixon n Acouples have Epiaros de is rote edone ED, in En denson. Sid nai è genvro aurois ci 'A ovien amil of Aakedayievior tels Existras, 85 80 perdoneror and हर देश का पटाइ, हर देश अविधिष्ठाइ. भी विशे भी रहार हे जाती φυλακείν αὐτὸς ἐκέκουν ώς χελίες οντικ ἐππέως π ย้า ก อสเอียง อียงอง ย้าก, อนค์งวเ สอง ย้อม เล็ง เห็บ oi j' Tendrin, बार महोम्लाइ एडबारा कालुहार्डिया, मुंग वं तिर्देश र केंद्र है ता सके र में र देह जो सह तह ए ड्या रह हो तर है TEUOVIEW 30 Si oi x7 The 'Agian Experts of Toxol His ών τερ κ οίκεσι κ τότε δη έςρατευονίο οί Υγκάνιοι επ inon Jenses Se old te wagen v wat two 'A roughour, if ye. o' 60- volv redrain wev à ag zou au rous, n'Thuestor d' elev, 19 בשו בים אין ביו לא דוש בדמד בי עם ח, סו דב בי עום ביום

דשע של משעונה באס בע אן מחס אפו חסובי דמנודם בישעונגע

vois Esoger autois vuy xaxor ED Stoshvan, et Jenoist

rear in va xa SHOOM agaign wy on WV 7/1 Pi is o of و فن و oi. 12 PENONA 161. 273 SAY ! a usig. 70 1/ المسرادة ع £ 00 0 CHATW s daily BX an 1501, 6 SO ININI who it מד וכסא ), x 10 & auto ודעם זס ह ंग्राधे म देवा, म L, EXOR 1, 14 75 CV. 90 אסו עניי V101 874 اللا والما 1ev, + 0 रकः श्वा MANUE.

SADISY !

au

μοί Κύρον συνεπιθέως. κ) σέμπεσιν ας Γέλες σρός Κύον. Επό ράς της μάχης το Τέτε ονομα μέριςτν πύξετο. ή πιμοθέντες λέγεσ Κύζω όπ μισοίεν πει 'Αστυείες nairs, vui रह \* सं विध्रेशाया दिएका देन' कांस्के, में उद्देश हैं है दे-रंक्षाव्यका रक्वंद्रहें सवा में मंत्र्रां क्या एक. व्याव में कल्डे पर में में में में οις διηγέντο τα τη πολεμίων ώς έχοι, οξα δη έπαί- επ αυ κ ην βελόμθροι ώς μάλισα ς επτεύεδζ αὐτίν. και ὁ Κύρ Ο σε είς σύμ. πίρετο αύτου, και δοκείτε αν, έρη, ήμας έπ κατα- ύσαρχοιεν किस वंग करें करां दे कार है हिंग प्रवार है। हे मिलाई की है है में में ท, แล้งส ชานุของสิ่ง ซึ่งซา ทั่ว ยแล้ส เป้ อีก ยังล. อิง ที - ชองง ก. ας αποδράντες. τουτα ή έλεγε βελόμθυ ο αυτεύ ώς भारता क्लामा का कर्माण. का है संमास्त्रां का कि में सर्ον, έωθεν οι εύζωνοι περεύουτο, καταλή φοιντο τωσο το όχλο κὸ τζε άμαξων χολή πος ενέδαι άυτές. καὶ ua, Eparar, are the megregalds vinta ay gutilious. ε, νω μικεύν πορά θέντες ές ρατοπεδεύκασι. κ) δ Κυ-के राजा, रेश्टर ४४ क्षेप्र मेर्डिय माइकिए मा मामबंद \* की विकार कार वी. की विकandevere; impes y', Epaq, Edenoulo Exacourtes oxer. πια της νυκτός άραγείν. μύνον κό ου κμίν Θεών τε τα ποίησον κη δεξιάν δος, ίνα φέρωμην κη τοίς αλλοις जित्र बेलाइ केंग कंगलों त्रवंदिकारी सवहने उहें. देश महत्रह नवे τα δίθωπν αυτοίς. η μεω, έαν εμπεδώσην α λέγε-, ώς φίλοις ης περίς \* χεήτεδαι αυτοίς, ώς μήτε αί. χεήσαερσών μήτε Μήθων μείον έχειν πας' αυτώ. καὶ νω δ' δια. l'éir bar Tenaviss x mseusuliss n' algais Exov-ร, waves หู Пะจุขลัง หู Mทร์พง oi ฉัง อ่อนติอาง ฉัรเอเ เป้. 5. 'E म सर्जी है' हे दिसं मागा ज्या, उद्देश्य के इत्यं में प्रा To out O, i Tow Tenaviss werehusen ener down, iva a lover or whi In Hegrou warter, waveg eixog, audig ung, if Tryedons sour to sours seathan The de How Exhita as is pli, Sia to mout Kugo orn mailes Tes cinos fuent, os j, den to en Infais Cuy sevoνοι αραθιώσει αυτέ τον τεόπον, δι ή, δια το χάειν έναι ότι μέγαν άυτοις φόδον άπεληλακέναι έδοκει, όι By Extidus Egovtes, dia to andea pairent aja- 10.01, jon कि धार्ष्यक्र के Medois, \* सं तारा वे विशेष (एर्सक्ट्र- ३९. संगा 'ι άνπχαείζειος εδέλοντο (πολλοίς ή πολλά διά φι- άραθόν πο किम्मांता कराले वह कर्षकार बोवीन विश्विष्टकार्य ) उपारंत्रहरू. Moi N' it is tois 'Tenavise is dor, n' rózo; \* Siestó- ze. Siña der

Эн ಮ , пунотито ст полла азо उस, इट्रमंड का थे वह ha Ceiv TI EVERA. ETW Si x Mindol Segon awantes EENAS. שאלעט פיסו סעט אים אבשלפו בדי אפי סגלעיצידבי אדסו ב אמדי Meivar, i of TETOV STINCOL. OF A' ALLOI THEYTES OUT Sews no megdinas ¿ cogunto, are en avayan, and ε Эελέστοι κ) χάριτ ۞ ενεκα εξίοντες επειδ ή ή έξω ή κ) επούξατο, μάλισα μέρ Θεές αυτοίς ίλεως όντας ήγή. Sau xì दर्शना, हमसात है में बंग के रिका निर्धाय द्वार बंग के Tauths मांड कल प्रिमां का डेमार्ज हेंगता. महंत्र की हैंग संमहण हैंग ηγήποιντο με άυτοις οι σεζοί, εκείνες ή επελζ [] Tois im mois chead re. no one du n avanavor) n onique

אף. בישדאי דווק דוסף פומן, ' באצאל שני מעדסון שפים בשודטי דובף באמנווון λα]0. मार्थेड, रिष्य संर्वित के बेसे प्रयांशिक.

6. En TETE ingendy chendre Too Texavies. no it 28. Ti de; gorwy, \* ti j ex avappers, Epasar, too ounges fusin 8 20 ava-ລ່ງລ່ງພູພູບ, "va n' où " ່ວູພາ ໝ msa mag" ກໍພູໃນ ກາເອດທ່າ; i reliess, Eτον Steneivad λέγε), εννοώ κ, φαναι, ότι εχριών σάν क्यों, उद्ये तर्द त्ये जाड़ये के में मध्यम्बवाद प्र्यांद को में मध्यमंब्याद क्ष ou. oiv. इस्थ रे रिम्प्रिक्षि मव्हरणटणंत्रत्येया कर हतेए यथि बरेमानिका 28. x 8x TE, inavoi ही buas हैं। माराल ए हें बेर हैं दिस मद नवे TE, हैंग avanties, voni Couly Exer is un nuas ep univ fort, and unit wis emy- nov, ear or Ozoi Benor J, uas ep buir funo ag. i il ZENANTO TOI, EON, & Tenavioi, ETEINITES PATE USATES THE हिंदी किने पं महत्रहें हर हे उस नियं में है नि मह बंग करें , जायबा मही है में 780 012. 2. ETENT. OTI of Sueregi einv, iva persaus da auth. axioan Tau Ta of Texavior, The west ofor ny 8, To was all

Ye. x) 8 TE rene. This & popular The Juxie & Davha Cor, \* xair Tro 'Acreiss, sor Too Audis, sor Too Cumaxes in 780. τω έτι εριθευτο, αλλά μι παντά πασιν ο Κυρ Ο μικο Tiva रंकामी ठाँठार विकाशि हैं) में \* म्यार्वण में जी No. 263.

OC: TWY. Twv. 70

7. Πορευομβών δε, επεί νύξ έγβυετο, λέγεται 00 TO KUGO & TO SERTEULATI देश में हिलाह कर्क्वा के 20 के कर करेंग teix whi कहेंद के में सं किए हिंद्र शिक्ष Stier of mee's Tois moderies as i su Carol To is χω επορεύον ο, εικότως πολλίω τε οδον διίωος, κ) αμ nispau whosion didacator is in Likanian ebaten TO. as d' Eyrorar or ay sexor, regress The Kugo हेन को लंका के कि कि निर्मा हुन की उन्हें के कि निर्माण के निर्माण के कि निर्माण के क 8200

8 ya.

108.61

naTi-

& Oar-

, all

ZUTOS,

וויאוי

&UTOK

TEV OT

37 (m)

6 migun

λαύιμ

ig oil

s ews at

cun;

W war

di12 76.

AN JEUN

TE, 870

de punt

15. 23 104

ड मद्रुट

ve] = 114

KEOUTH

use sui

Kai by

XRI EUN

y mines

के जा

VETUS QU aves you

y imed

र भे म

S POTEVILL

Kugw o אויטוניוני

8200

91 बर्न, में गर्व को में अस की मार्किंग. देम नहित्र महिम्मस में हिन्ह्हिंग मंगी क्लंड क्यांकरं, क्लंड्डबंहक र्राष्ट्रसम्, सं क्रिश संनंभ, कंड માં મુક્ય रंक वार दें। नवेड A દ્રાવેક वेश्वर संश्वास्य . συμπέμπει & may no The own courted, no repen exchange rois Texarious त केंद्र केंग ठेव्याण कांस्टर कल्डा रहत्व मीगंडद, हता में कांत्रों minowork. 8 To Sh o white of ay yexar mage. Kugo, ye. Toini megreraurer \* weis tou Tenaviss. 8. 'Ev of d' emones Tes Tenavies o Koe & o, 7 mes Steph. remy, ETESHTE TO SPATERILA' NA TRAPELAUVEN WEGS au- Ve. Wegs ivoi Al Mindow regestiones is o Try eguns, is equito- Tes Te-तं रिसं मारासण. o रि र्राष्ट्रस वेपारीड, प्राप्त के मार्गिक सवाधा करा Τεκανίων σεάπευμα, κὸ οίχε) έπες ο το άγγελων πειήσεπν होंद्र बंगकरें, भे भी में माम्बर्द्धका मार्डेद (को व्यास्क हेद्रहार हर, ठेमाइस रेटा, φίλοι είσιν, ύσαντον τας δεξιάς ανατεί αντας σάν-τως πατεύις. εάν μθυ έν \* επως ίωσι, διξιέδε άυπου καθ' όν άν μαπ παςε. פומבסב, אן מעם במף שובדבי במי ל בחלם מוצמידעו, וו אמניצח ל धोसण कित्राञ्चाहळेल पश्चामण, हेंद्रा, कार्याच्या \* टेपप्रेणंड कसाहत-कार्डंड वेपारंज E undera heimer. o whi relauta magny senser of 5 'Teίνιοι ακέσαντες την αξγέλων, πολισάν τε, κ) αναπηδή- γε. ετω धामा दाते ना मा । का मा हा मा हा ने हिंद । के का हा हा ना कित. , कल्लासंग्रामहड़ oi ने Mindol को oi पिंद्रन्य वंगार्ड है। हा कर कर देण के यणका में इ मिन्निए एक. देश नहार में प्रहास के स्पृत्त के स्पृत्त में महास्त्र न us who sin, a T'endreot, non viniv msevoule, no vinas du. क्षां कलेंड मार्थेड इंग्लंड हें क्षां. रहेग ही, हिंगा, मिर्टिंग कि छे-। संस्थार, वेस्तारण बस्ति देश देश रें हे प्रेय वा वेश्यां संग πολεμίων, κ) το άθροον αυτή, οι ή απεκείναντο ότι live misor in aparay stu. erranda din xizes o Kū-, άγετε δη, έφη, ω ανδρες Πέρσου κ) Μήθοι, κ ύis & Texavior (non 20 x) wes vuas es Cumaxes

κοινωνες διαλέχριαι) ευ χεή eideral vui όπ εν τέτω μέν ενθα μαλακισάμθοι μθυ σάντων άν τη χαλεπωτων πίχοιμω ( ίσασι οδ οί πολειποι εφ α πκομέν) ο κου το καρτερον εμεδηθαίνοι ίω αν ρώμη και θυμώ του πολεμίες, αυτίκα μάλα όξεδε άστες δέλαν οθιδεασχόντων κ) ευρημένων, τες μεν ίκετεύοντας αυ-, τες ή φεύρρντας, τες δι εδε ταυτα φρονείν διωα-

καθελημμένοι έσονται. εί εν ήθεως βελοίμεθα κζ θει γς. κζ εί-βημ κζ νυκτερεύσαι κ λί βιοτεύειν τραπιτέδε, μη δώ-λημμένας.

M 2

γς. πεςσ. πλάσαντες.

γε. ίππε ων εάν τι δεσμαι, ας γεσμαι

who wire goale unte Berevoudt unte of gravevarad under aja Der Eauris, unde prova waumar on argo-महा हत्याहर वेत्रते प्रहिन में मान विद्य में क्या विद्या के क्या कि का माना में manja's new vous ovour x vues u, ton, & Texavis ए एक का करें किन्त्रमह नवं ज्यानह मधीर क्रिन् कर् हिंद है। δεν, όπως τω ύμετεςων όπλων όρωμείων λαν θάνωμε in क्रोसंड्र प्रहेंगरण हमस्रीकंग में देयले कहा का इहवार्णधारा Ruburas To more lov, mas euoi mir na Tarette ext 501 τάξιν ' ίππέων, ώς έαν π δέμ, χεώμαι μθύων πα το sea τόπεδον. υων ή οι μ αρχοντες κ) οι σρεσβύτεμι टेर न्याइस देरेका रहत्त वर्ष हुंगा, से व्या महत्त । एक धार्मा αθεόφ πνι ενπιχέντες απεδιαδήτε του ή νεωτέρες έρις τε διώκειν, έτοι ή καινόντων. τέτο χο άσφαλέςαπι μώ as Exazists of morelien remen. In 3 ( to methols !! (UMGEGNEDS RECTEON) This Tuzlus anaticlas signim φυλάξαδι δεί το ερ' άςπαγων τραπέδι ώς ο τέτο ποιο Buin dung Fan, dida onevopogo, n gest To Eshoule ที่อีก วะที่อี้ าะาผ ผึ้ง ผึ้งอี้ยุดการ์ ผู้. อันดีขอ วิ วะที่ วางเล on रेजेर ठेंद्र सार्वित्रका प्रश्वित का एक प्राप्त के के प्रत्य के Tavra Curignane, i This arofeas, is Ta's junaina, i नवे द्वांमवनव, में कवें ज्वा बम्ब नीये द्वाहिया करेंड नवां नव नी μόνον δράτε όπως τω νίκω διασώσωμεν. Εν χο τωπ κ) αὐτὸς ὁ ἀςπάζων έχε.). κὸ τότο ἀμα διώκοντες μίμ νη Δε, ήχειν σάλιν ώς έμε έτι φωτός όν ] . ώς σιότη γροριβίε ελένα έτι σροσδεξορίθα. ταῦτα είπων ἀπίπμ σεν είς τας τάξεις έκας ες κι οκελευσεν αμα περευομίπ Tis aut exagor Senada exces Tauta onuairer. er um TO Doi Send Support 17, were anser, Tes of Stradit X 85 TH Senail Enasor Redever apayyene", on all שפחץ צערם על סו רבאשונו, מודצה ה דם עבסטי באמין (ש τοίς Πέρσαις επορεύετο, τὸς δε ίππεας εκατεραθί बळहर संप्रहे, क्याईन्दर्द.

9.
28 हेम हो
द कें, हे ज़िले.
28. मधे
क्यें के छिले.
28. मधे
क्यें के स्थित

9. Τῶν ἢ πολεμίων \* ἐπὰ σαφὲς ἐχρύετο, οἱ μι ἐθαύμαζον \* τὰ ὁςωμλυα, οἱ Α΄ ἐρίνωσκον ἤδη, ὁι δἱ ἡ γεκλον, οἱ Α΄ ἐβόων, ὁι Α΄ ἔχυον ἔππες, οἱ δὲ συνεπευ ζοντο, ὁι Α΄ ἐβρἱπθεν τὰ ὅπλα ἀπὸ τῷ ὑποζυρίων, οἱ δι πλίζοντο, ὁι Α΄ ἀνεπήθων ἀπὶ τὰς ἔππες, ὁι Α΄ ἐχι λίιεν, ἱι ἢ τὰς γωμαῖκας ἀνεδίδαζον ὅπὶ τὰ ὁχίμαπ ὁι ἢ τὰ πλείς ε ἀξια ἐλάμδανον, ὡς διασωσύμλος, δὲ κατοςύπον τὰ τοιαῦτα ἡλίσκοντος οι δὲ πὰιδ

a oad av Spu-वाग्य में Ravios, Eurg 110 alm EUMATI TE Exa-के मार्थ BUTTE! DLN 7075 85 60H-TOP VI Nois di 2. VII TOL וצוסוד סד shouling 21014 The am ina, y וצו שד וזענד כ es min

S OXOTES

व मार्मा

EUOMEN

CV LETT

k nadag-

ON THE

201 (4

Tiga Hi

, oi mi

प्रहण्य इपव

w, oi d

d' 674 MILLATE

julion!

क्रोसप्र

मंद्र क्यारिक कहारकर. गृहिन हैं ज्या में वंश्रे व मार्थ में मार्थ न क्रियम मार्सिंग वेगम्हड. क्रीय डेमर्ट १० हे मंड, वेरेरे वेमवομπ άπώλοντο. Κερίσ Ο ή ο Λυθών βασιλεύς, ώς θέρος is, this Te yuvainas es tais a quand gous to ega Tre Tre 1 Laπ τ νυκτός ώς αν ρά ον πορεύοιντο χΤ το ψύχ Θ, κ αυτις έρων τεύ ίππέας έπικολέθει κή τ \* Φρύρα ταυτά 28. Φρύρα ασ πιίσου, में में कαρ Ελλησυνντον αρχοντα Φρυγίας. ώς τα αυτά σαρή δοντο τ φαρόντων κη καταλαμβανόντων έσω πος, ταυ τα. πυθομένοι το μηνόμένον, έξευρον δη κ) αὐτοὶ \* κτι κού β. ἀνὰ τις, \* τ΄ β τ΄ Καππαθοκών ξασιλέα κ) τ΄ τ΄ Αροβίων έπ κράτ Θ γγύς ονταις κ) ὑποςανταις ἀθωρακίσεις \* ἀποκτείνεσην ὁι Fort. τον Tenavio. To 3 maisov iv The amo Saviv Tov 'Acoueion x Tov Steph. Acabian. in 30 τη έσωτο όντες χώρα, \* Currovárara γρ. καζα-हां ने मार्सिया में २०१. Raivenv. 10. Oi who Missos no Tenávios, ofa sin eines neg- Fort. έντας, τοιαύτα έποίεν διώκοντες. ὁ ή Κύρ Ο που σαν ἀσυθονώ.

ωπω ίσπεας καταλειρθέντας σειελαύνειν εκέλευσε το τα α, quod entomedor, i et meas our omois Ziortas idoier, \* a cum godasυκτείνειν τοίς δι τωτομβίκοιν εκή ευξεν, οπόσοι τ πολε οταία ίων spano of nouv i कमसंड, n कहर το 50, n τοξό ), Sm (quod eeen ra oma (undedeulia, red j imas em j onn-tiam leg. ils nataliter osis de un tauta moinon, autina mis convenit. ραλης σερηθήσεως. τὰς ή κοπίδας προχέρες έχουτες, Steph. ταξει πειίσασαν. δι με δη τὰ δπλα έχουτες, ἐρρίπων γς καλαπορεροντες είς εν χαρίον όποι εκέλευσε. κή ταυτα με οξς καίνειν. TE TOLES VERSION.

II. O 3 Kue de enevonder on in der als Ete Cita क मारा देशियाहर के पहार है नहार है यह है है निर्माह किया किया τον, ετε άλλο εδέν ποιείν. ζκοπών ή ώς αν παύτα भुत्व में मर्थमभाद्य प्रिवारक, देश प्रधान है कि वेश वेप्रथा कर्य ที่ร รองโยบอนนี้ย่อเร อีริเท ร์ปี พทนี อีริเต หู อนในที่ร แรมท์อยา imus tà com the deta was en sua que va Tois spatia tais ei-रिन र हत्या, में नर्रापण हिमक देना नहन हर संस्टेड प्रवंशास्त्र कर्नण-प टेंग पर क्रुवन कर कि एक स्वन हो में की वा के पर की के पर usi (vonevaciar Exer. enneuns sin waperras warras द दिलान्द्रेण मह से में कम धारे से म दिला कि निर्मा कि निर्मा कि कि कि कि कि पार अति जरिएमें . मार्च है बेमारे हें एका क्यें एक क्यें देश कर के संज्ञहर के हैं के हुक राहड़ में नहेंद्र कि हक त्या का निवाह रहा है। επείθοντο. έπει ή σαρεγρίοντο, σερετον μεν εκέλευσε किंदिय वार्ती गाँड केंद्र कोईका में रिप्ता प्रधान दे नमें ज्या-

णा नवे टेनामां रिसव. देन में ने नहीं पड़ में रिए, वर्ड मेंद देशहों वेना ois ulud: nv. en se твто gedor Comartes enadion का हम हो न वर्षा का हमकी है। संगर्भ के वह का का है, बहुन τοίνυν, έρη, ω ανθρες, είπνες υωρύ τα ωλύ κακά μ. σείτε, α) बरेड Se πυ कि παρ' ήμων εέλε &' αν τυ [χάνιι] कितापर्भा जिल्ला के कार्य कार्य के कार्य के प्राचित्र के र्धमंद्रम् नामंब में मनम्बे क्याप्रकारी बन्धराय में नार दिक्त नाम रुगेंद्र गंभर्याद, में वे καθ' गंμέραν έποιείτε. κὸ τάλλα πάντα όποσα καλίω δώτα παρέξει, έτοιμα ποιέπ ώς αυτίκα μάλα ταφέσον?) \* όποτερει άν κρατώπ, αξιώσεον έκπλεω έχειν πάντα τα δπιτήθεια. ίτε έν ή Cumples av umir amentas sexest का कारी कारी का δή του τα ακεσαντες, πολλή ισεδή τα συρήγ [ελμήμ र कर्मनिष.

12. 'O א' من (עץ אול סמן דאט דעצום פאנ צא בצו או

21- 97078 åv.

12. אומים שנים

year iguno.

aptior. Steph.

de "Avores pixos, + provocando on vui Egesto um είν Steph. τος τεςοίς τη απόντων ζυμμάχων αείς ε τυχείν, ι rois mana famesaquerois Cinois is morois zena in है पाठा रिव्रसे पेंडर केंग के बैराज्य क्रेड्ग के इस्त्रे महार y. is av to The Counaxor Smusheis pariva, \* is av anni vui दे टेंग्य- टेंग्य- टेंग्य रेंग्य के निर्मा कि का किए के कि மையும் இத விடிக்க காவிக்க விடிக்க விக்க விடிக்க விக்க விடிக்க விடிக்க விடிக்க விடிக்க விடிக்க விடிக்க விடிக் εστέρες το των κή κατακμιόντων του ήμετέρες σολεμίες, κήμε σετον ποι χοιβών ει πι εναντίεται, τέτων δόξωιθυ έτως αμε र्भण कर में करांग संर्थिण्या के, म कर्वनिष्ठाण, महाद्रमार्थन oaiveat, o मा कं वांपूर्वो, मी क्वार्योव, बेर्जेरमा ! έσομε θα, συμμάχων έπος έντες. το ή τον πον κντων κων Sydorawy comuenno bivai Tiva, o mus ei or ov Tes Ta com ศิลส รัฐธภา สมาน สิ่ง ทุนสั่ง ที่ วิจโทท สาลอ อับอุอสเผรง, ลัง เท onus, in to weavenua the rasi racional. envonoured ton, as et und cheires agunteor hu, es as nuir ag Partic. To onker &TE Tanquorns \* note, & Te Medne, & July To dam Die mulio σε εκται ημίν α βελόμε θα, αλλ' αυτά πάντα νωνα μα (ει όπιμελείας δεομένα. έχομέν χο εν το σραππο σολεμίες σολλαπλασίες ημών αμην, κ) τέτες λελυμ १४५, ४५ में क्यरे वीनियु रिका देश क्लामान, में क्यरे बीन o तक इ के ज भे of का of मार्ग कि मार्ग है सर है। जित्रसंड nuiv बेत्रसर्गे, कुल्लगार्वि क्याप्रदेशगढ्ड वित्र सर्गे, म รั้งอิพทา, ค่ ชื่อสุนให้สิทา. พีระ, พี ผ้าประเ, ขบา และ สิน

कार्याप नाम कल्डिक क्रिक्ट्र रिलेंग मुखंड हो प्रार्थिक बना

2761

ותשה 31(or

a yen ध्ये पा-

रवंगमा, ox wi

त्या में

Maj TOINT!

2001, 13

· 01 2

Expulse

€देश मा•

ושוט עד

HV, La

n pas i

ו מדעם ula mi

Slavor

x ma ws aus

elshyoth

evers d

אנג א ענד

**रवः** ट्याम

V, cus 87

oats!

עווי מפי

no diam

vimadi

pannel

S YEYUM

**CULATION** 

2. En j

संगं, ४ cos don

מוסשי עשי

976

Torosov TIS o's Dunassa Cumo cov in meis to unte 28. onosov मा मार के कि कि का मार के कि मार प्रमान प्रमान के में प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण Αα όπ πολα έν τω ςρατοπέδω δείν, \* ων κα σχυρώ όπ φορώτα πιν שמדלי ועווי, מסונישי שניקל סידשי דפוג סט לאמדנות חססת, בוח שפים ב σοίσαδη ιπόσα αν βελαμίθα. αλλ' έ μοι θοκά το λα- χε. ων ατο κερθαλεώτερον εί) το δικαίες φαινομβύες εκείνοις, κέω ότι. ίτω πείαδι επ μάκλον αυτων ἢ νῦν ἀσσάζεδι ἡμας κὰ δε μοι, ερη, κὸ τὸ νείμαι τὰ χεἡματα, επειδὰν ιδωπ, Μήδοις κὸ Υρκανίοις κὸ Τιγράνη ἐπιτείδαν το πρείου ἡμῖν δέσων), κέςδ ⑤ ἡγήσαδι. διὰ κὸ หรัฐสิท ที่สโอง ที่นูเรีย ซอนูเมียริธเ. To เมื่อ วุฒิฐ เบีย สิงธอκπισαι ολιγοχεόνιον αν ημίν τ πλετον παεαρρίτο "3" ग्रंत σε εριβρες έκεινα κλήσαδζ όθεν ο πλέτ υ φύε). δ', ως έρω δοκω. α ενναότερον ημίν δυμαιτ' αν τον हित्रण में मर्देश करीड़ मांध्र क्रिश्च म्य दूर्ध म्हार दी प्रथा है, हैं दूर म गिर्फा मध्यें प्रधार देण्डमा वेज्यस्य में नवड होड़ स्ट्रांनी वह ही exaicor recor ir, emore Seoi, Avaiue da autois प्रकृतिक अर्गे के कर के वर के प्रस्टिका की रहेर अवरहेर अ. ब्रिक में ν မ်ကြ မြန်ဆုံ με θα των που θ καν, εγώ μεν εχ ές ω. αν မ κ τος είπε. συν είπε δ' αυτώ Υ ςα αυτος, μείζοσι. ης Πέρσης τη ομοτίμων, ώδε Δεινόν γάς τ' αν είπ, Kupe et in Suica poli mon hans a sitoi napters poly, ως θηείον π έσοχείειον, σοιησώμθα κὸ μάλα μικές νε αξιον όλβον ή όλον σειρωμίνοι διιζάν, ει έμποδών come of he ga frient whire a fil whi nakov and post mor सा, नगाँड d' बंद्रबन्गाँड कर्सन् ), अस बंद कर्दनगाम मे-ง รื่องอย่านใบ ซอเล่ง. อ นใบ โรส์สสาร อีก ธาล อบงล. ν' οι δ' άλλοι πάντες ταυτα συνή εν. δ ή Κυρ πεν, αγετε δή έρη επειδή ομονοκών ταυτα, πεμ τα ε λόχε πέντε ανδρας έκας Ο την σο κθαιοτά των, έτοι

कंद्र रेहळाठं नथा. 14. 0ชีกง เมื่อ รีก ายบาน ยัสอโซง ชีนี รีย์ Mกรีลง ก-मिन का मार्थ कं एक देवड़ कल्डल पाम मार्थ वड़ सकाव रेक! दिश्वर महड़ ά οἱ δὲ κὰ ἀξμαμάξας γινιαικῶν τῆν Βελτίσων, τῆν Εννισίων, τῆν δὲ κὰ το αλλακίδων διὰ τὸ κάλλΟ μαθιαρομένων, η τούτας είληφότες σεςσηρον. πάν-No ETI Kai vuv oi x 7 7 A oiav segrado whos Exov-

क्यांगमा है है। भी वेंग दिलंगा कार्वणंग्रामव नव किया मिला

μικντων ες δ' αμελεντας, κολαζόντων αφειδέσερον

मह त्ये को सं ४ वेंद्रात्र ज्वारां विषय, त्रेर्पणमा विषय मा μάχειτ αν ει τα φίλταλα σαρείν. τέτοις κάς ταπ avay nlw ही) कल् रेर्ण माळड वेम हिला गिळड माळे हेर ह तक है अ

रिका है में मार्डिकार वर्धिया नहीं मंत्रीका प्रवहार् कार्यात.

ev malit abelle Steph.

15.

16.

15. 'O j Kugo, ogar ra al Midar Egya ng 'Y νανίων, ώσωερει κατεμέμετο αυτόν κή τού σων ομπί, οπ οι αλλοι άν τέτον τ χεόνον ακμάζειν τε μάλιη ร์สมชั้ม ร์ชิ่มหม มิ สองชนโร๊ฮิลโ ก, สมาชิโ ถ้ อัง ส่ง อากู้เล χώς α कि οκατο μένειν. κή γαρ δη οί απά γοντες απολε κνωίτες Κύρω α ήρον, πάλιν απήλουνον μεταδιώκοντι कार बंभड़. मार्गिय निष् हेक्य कि क्रांत कर्डिम में ही वा मामा τω ο τη άρχεντων. δακνοκίο σ δη ο κύρσ οπ τέπη

Tauta whi ouws x a TEXWELS.

16. Zurenane de manin ros ragialexus, 2 sais in EUENEV av Kansedt Ta rejoulva, et me Tade "Or usi, w arses pixos, e xaragosul ra vui wegant μίνα, μεχάλα με αν απασι Περσαις αγαθα χροιτο, μ गड़व में बेंग संप्रांत्रकड़ मिर्गि में किंग क्वानुकार ), नवंशतरह, बीव Thouse our of an angly where & most shooting un autagnes ovtes uthoadas auta, et un Esta il κείον ίππικον Πέρταις, τέτο κκέπ έγω όρω. Εινοξή zag din, kon, exolow nues of Megow onda, of forthe मार्थिक में रिमार्थिक, में पार्ट्विप्यत, में महर्रिय द्वेद, में व्येशामान ανα ιππων όντες δυναίωθα αν φεύροντας η λαβάν, \* वेज्ञा हिंग्या ; नाइड के वेंग क्टिगिंग्या मध्येड क्ट्रांगा \* प्रवास्त्रपूर्ण में उर्देशचा, में वंश्वामह्यां, में निमलंड, डाँ क्षी TES OTI BSeis aulcis xivotu & vo num xaxov TI To

26. K274-Raivery ; ze. Kansv.

θείν μαλλον η του τη σεφυκότων δενδρων; Hl דענידע צדעי בצפו, צא בעלחאסר, בסח, פדו פנ עונו חעפודה ze. voui-भूषा किकार दि पार्था है का नका निकार के बार के प्रमा कि प्रमान के कार में कि मार्थ ไซก สน่งาน แบล ธน ที่ที่อง ยอมที่มี " ก็ ทันย์ของส เกษร อีท งที่ ปลา त्रवे च्या . Mannor. IL WIN EN ETO TOUTA EXE HAT avayed xeie. सं 🥱 म्यासंद क्याप्रदेश समाज्यां धीय एमें प्रसंदूष प्रशाका, %. द मर्याण म्याप्यं मर्याण मिश्रीए स्वाचक्रवाहेड विष नि नहेड में वेष माठ्य हार्यां है muiv. vai illa ava नहरका महालें। दमहरू हो एक ( w नहराह, नहरा में वंत्रार्थिया त्रार्थ के \* में कवादिश्या में वंत्रद्धा वा धिर्राण्य , भेती वर्षा ye. me hou, mir mehou, et autoi and tetar agrosulo muir autol મું મે તેમને નંદમ. ταν τα μον δη, οίμου, ε નિક તેν αντιγνω μονήσει !!

ua > Doy e can EUS E H' ינא 'רף. Mana 8 207 L anoth. W KOYTE A WOIH! TETH sas in A. "01 sesoni. 170, H TES, OLUM weiner हुद्धा हो। CIVOSITE Sozzav इंड कर मार्थ ופת ומא ב aleiv, regorder 1 gu eide OV TITE và Hd मय हुड़ी म وره بران và Diay avayel 5 Toy, \* emiss du

155 7878

१४१७वा ;

निवर वर ह

וע מעדטו

OVNOTE H 8%

η το σαν διαφέρου το Περσών χυέως οίκοον immehr. (A) chero เอนร covoe 78, กนัร ลัง รัชก ฟูม่อเก. สัร ซึ่ง κεφώμεθα, εί βκλοίμεθα καθεςάναι ίστηκον, τί ήμεν कवंद्र्स, में गंग कि देन देंसे संस्थित किया। मीर है का मामा दें ο σρατιπέδω κατειλημμένοι, κ χαλινοί οίς σείθον), πίλα όσα δεί \* Ισπυς έχυσι χείας. αλλά μιω κ κ. Ισποις. i pe dei dudea immia zenaz izoulu, Duegnas ii, iguiαπα την σωμάπων, παντά ο, οίς κ μεθιέντες κ έχον-בו אפשנושם מע. דו לא דם אסודום ; לאאסיסדו מילףשט לפי μલેંડ ήμιν αυτοίς. જેમ કેલ્લ માદ રાજ્યક હતા કેમ જેમાન્યાંથીય. પાતે !' की भी जी टेमांड्य प्रियेका प्रणा कहार प्रवासिंग हे नह में में eto. all et moi av ns on vaides o vies e mai durev. x ित्रहरू है। मर्वा रिड सम क्रियामक त्रहरू।, केन्द्र प्रवर्धिय नवे ea Coulia no desuro whia, is or andres; wo rees o, san बंजिकार, रित्याक प्रदेश प्रशेष कर प्राचित्र है। स्वारिष्ट मे ardres; and whi gon ye neur war daver oon ETE שמי, צד ב אלונו ביש פלחי. בדב שם דיבנים וועוי ממשוor o कार नहीं अवावां, किल्डियारियात्र के नहीं हिंदि कार कार्म कि हे शहक की में हैं है जिस के उद्देश के प्राप्त के कार में प्राप्त λοις ανδράσι τοῖς με γρως γίαι αχολίαν σαρέχεσι, τοῖς महिश्राचा, नवांद्र है बेश्रेय वास्सय मार्था है इत्यार्थंश्री है एवंyear, and is arayun. and ulu sy ware and ιλά την πολεμικών χαλεπά μ, χεήσιμα δέ. ίππκή 3 or oda a ndiw n autro tolv modolv morevent; er कार्री है, हैर हिंदी नार्य में कार्य करिय किया है है है है। ना मार्थ है, re and ea, et te di ea deoi diaxonta natanaber, inei-9 82 स्थानहरू उठ, ठ, म रेंग रहेम ठ मरे ए कहा सार, पर एक मार το συμφέρειν; έχεν ταὐτό γ' εξίν έχειν τε κέ \* συμ- 28. Φερειν. ger. o ze ulu waris ar ns posnoein, un ei senoei โซสะ มหรีบมะบ่อง เอย่ายอง ที่เมลั่ร ซอเง ล่นอเรียง าอ ον τότο, κάπειτα μήτε σεζοί έτι ωμώ, μήθ' ίσis inavoi. and soe teto aunzavov. one yae av Be-الله مع فروجها المان عدر ورود ورود المعربي عدد على على m ( incov smona thoopla i was ver ma 30 ves. 17. Kuege who store eine Xeurartas 3 (uvapossum

ושי שול ב בא בצבי מאא בצם מלט, בסח, צדעו כשו שעונם וש-र्धिंग प्रविस्तर, केंड राज्यांद्रिक, देसर किलारिंड श्रीक्रिया, संरच्छ- १९ संत्र्य मार्ज of Alude Fords. vie who ras frage arangitu dios in. िसेंग क्ष्मा रेसेंड येंग अन्धेत्रक, шоंग्रा प्रमाय में क्षा करेंगे कि कार्यों कर करेंगे कर कर कर कर कर कर कर कर

28. 20xe-

av Te Indov apation ishir sunta flaterous of the

26. 70ppw.

micona.

29. Tal 8 2.

ज्या, कड़ बेंस्वमांज्या में महिंची ज्या करोम कर्मण \* कर्मण याने Suras. no 3 imπeis Suana, Sunnopan who and ea & Leas wines na Jasen, Swinoopa 3, Ineia Swinov, a μ οκ χειρός σαίεν καταλαμβάνων, τά ή άκοντίζων ώς. περ ές πχοτα. κ) χο έαν αμφότερα τα χέα ή, όμως ή το σίον γίγνη) αλληλων, ώσσες τα έςηκότα έςαμ. εγα δή μέ λιτα δοκώ, έρη, ζώων εζηλωκέναι ισποκενταύ ζες, Η έχ νοντι ω उर कलि 8 κεύελς μ αν Эρώπ 8 φρονήσει, में j year ने अंश मवम्यमवं की किया है नवं द कि दें दें मा में दिला में दें किया है वि το με φεύρον αίζειν, το ή τωσμέρον αναπέπειν επή σάντα κάιρω ταυτα ίσσπευς χρομίνο \* συγ κομίζομα வி. வலும்- எஞ்ச உயவார்ம். எஞ்சலவே மிழ் நடி சீத்வ எவ்சாவ சிற விசிரவார் அம்புய, ச ந அதன்ப க்கைக்கைக்கை, கிவத்தைய நீ ரக் கோடி, of evantion avarge Jouan Th To lane poun. and say TEQUENS SES HOOMAI, WODER II ITTOKEV TOWERI. EXEN TEN Τε κε είπον η συμπερυκέναι. του μ χο ιπποκενταύρες of μαι έγωγε πολλοίς με Σπορείν τη ανθρώποις έυρημήση वं न्य निर्ण वे त्रकड़ में इस्में जूर, त्रा में ने ने कि कि का कि में TEZUNOTOV, TO'S வ்சி இர் வால்வப் மும் நீ, நீர i கார் en புக்கில, சாவரம் ளே 78 ஆப்வடிய, ரம் 78 i காலகமாவி δήπε διαπράξομαι όταν ή καταδώ, δειπνήσω, κι άμφη σομαι, κ κασευθήσω, ωσσες όι αλλοι ανθρωποι ώς τ άλλο η διαιρετός ισποκένταυρος κη σάλιν (ωίθετθ ρίρνομαι; έπ δ', έρη, κ) \* τόδε πλεονεκτήσω τε ίππ κενταύρε ο μ ρο δυοίν οφθαλμοίν προεωράτο, κ) δυοί αντοιν ηκκεν· ερω ή τεπαροπ μι οφ Sa λμοίς τεκμαρευαι म्तिक्न ने लंगे कर्या में किया. πολλά γάς φασιν αι τι πεις κή ιππον τοις όρθαλμοίς περορώντα δηλέν, πολί o Tois woi जिल्ला का अवि λε. τωρεπ- Τ ίωπεύειν " όπιθυμεντων. νη Δί', εφασι οι άλλοι σει JULIST TOV. TES, 2) huas De. CR TETE Si, son o Kuegs, Ti 80, it έπει σρόδεα ημίν τουτα θοκεί, εί κη νόμον ημίν αίπι mommalue Sa, aige de El sis av immes egu meiou, ann φαιή πεζη ηωή πορευομει Φ, έαν τε πολλίω, έαν τ

18. 28. ounin-129.

18. O whi 8 7005 emigero. 01 3 warres \* Culti veg. wse en ni vui de cheive era par h liegou. so eis av of nakav najadav enav op dein Heggav son

onizhu odov den den den सार, राज में ज्यानवं ज्यान रेज निरमहा की

ess olav) nuas ol av Framol E);

od melds idv. is it di de Temes mis xogois no. nvina το αὐτ Α΄ την έξω μέσε πμέρας, σερσήλαμνον δι Μποδι ίσπεις το Α΄ ξω εμ τι δι Υρκάνιοι, ίσπες τε άροντες αίχ μαλώτες κὶ άν θρας. μέσε πμέ-των, π τοι γὰς τὰ ὅπλα παρεδίδος, ἐκ ἀπέκλει οι. ἐπεὶ ζ σερ- εμ ἐγδίετο. πάντες είεν αυτώ επεί ή τετ έφας, όκ τετε ής ώτα δ, Trag, ออริกง นี้ อน่าที่ อักบง วิล่งอาจ o Kuege ค่ อน้อง กองรา wy ws. 小なで ที่ยอยนั้งสา. อำ วิ ภิทา ซึ่งรอ ฉักายุ ยกอโทย์, นู้ ณัง ฉังปรุยาณร โมสรน ยันยาลภทาย์เขง. อำ วิ ภิทิมชย ซาสงาน ที่ปรัชร อีกน ยั 6 di pui e : 1/4 कार रेड्रिस्ट. हमसाय है से हमांगर जर वा माने हमलाई, वे रि वे से PAR C Thoi, ton, est wis andres anadol explede & 20 peices ບມີ, ຜູ້ຊ र्राष्ट्रिक में मन्मांषड में २०१२ में उत्हार में कर्ड जिस्प निसंप के में एक म b. gXil πυνθάνετο ήθη αμτήν η πόσω όθεν θιήλας, η ει οίκοι. ή χώρα, όι θι έλερον όπης πολλω \* θιελάσειαν, η αί. διένα. rei Copul nimage θερώπη τη χώρα. δι ελερον ότι κο πολλίω το ελεσσε αν, κο σει εν. σπο, το πάσα οικοίτο ή χώρα, κο ως κ είνι κο δίων κο αλούν κο βοών σει εν. διαπων, κο σίτε, κο σάντων αλαθών. δυοίν αν, έρνη, τον τος τη των τέον ήμιν είν, όπως τε κι είπες εσόμεθα τη εχόν-τίεν τος τη αυτά, κὸ όπως αυτοί κλιδον. οἰκεκλίη με γοίς χώς α வும் கூல் கீழ்ம் கார்முக, சேர்யா வி க்கிறவாலை இதை, சேர்யா ந ५ गर्भ विश्वतिका प्राप्ता का मी हा का व्यापान मिल्ड वार्टिक, έν, έτι , λεγέτω. ὁι δὲ ἀκέσαντες συνήνεν ταῦτα πονεῖν. ὅτω ἄλλα τις Γν αὐπὶ δὸ Κῦς Θ κλήετας τες ἀχμαλώτες λέρει τάδε: "Αν. ὁς ᾶ ἀμείσω, ἀνπ ες, ἔφη, νωῦ τε ὅτι \* ἐπείθεθε, τὰς ψυχὰς πειεποι-νονα.

, ἐἀν τ αδε, τε τε λοιπε, ἢν ετω ποιῆτε. ἐδ' ὁτιεν κακὸν ληο. δίερ, πικενθω τι ὑμῖν, ἀλλ' ἢ έχ ὁ αὐτὸς ἀςξει ὑμῖν ἀπες κὸ πεό ὅπιθεθε των εσε καχείδε, εξε άλλω εδενί. \* αν ζ κ) άλλο ύμας απόμας.

Των εσε καχείδε, εξε άλλω εδενί. \* αν ζ κ) άλλο ύμας απόμας.

Το κον εσε καχείδε, εξε άλλω εδενί. \* αν ζ κ) άλλο ύμας απόμας.

לוגאי, שנושו לשול עם צינושם לחשו שושל באם לוגאין undeis vini searever, नवं ठक्के क करोड़ में मार्वेड xouisan. Tois in nouis con Escap eighon, if a negowh adones oron Je. Snogé- d' d' प्र क oremina un \* Snori Der Tou onda, on Tern म्प्रसंद को में इत्वास्थान धीव. देवें में माद एक्टी, को कि के 6801. ที่แล้ง ขับเอเมียง, หู ของเทียง ก มู่ ชางน้อมแบ จนเทา), กู้ 28. U WW 28. Unes Tov huers of cuegyette & pixor, by of Sexor, weith εκεινων, μη ωψ. ταῦτ' ἐν, ἔφη, ἀυτοί τε ίσε, κὸ τοῖς άλλοις διαγών שנות של אבדב. בד או מפש, בסוו, \* העושי בצאסעבינטי דמטדם עוו שוי Эш रवा गण्ड, टेमो रहर इ में प्रदे बेशूरा , ठैम छ \* में पहाँ दे थे CKEIVWV a mas. ιων, μη επείνοι ημών αρχωσιν. ο με ταυτα έπεν οίξ γς. σεοσε - \* σεοσεκωί ησάν τε κὶ ταῦτα έφασαν σοιήσ εν.

KU 181 78 Kg 19. Ene j cheroi oporto, o Kuel emer, apall เอาเอเราโอ ลั Mindor หู 'Aguspior, อิเเลายัง ซลักง ที่นโง. สนอุยกรย่อง 3 υμίν τα επιτίδεια ώς ήμεις βέλπσα εδυμάμεθα. άλι TOUTA

mingery. ίτε, κ, ημίν πέμπετε το σεποιημών σίτε το ημισι. ίμ νδς ή αμφοτέροις σεποίη). όψον ή μη σεμπετε, μ 19.

δε πεν. ίκανα δ έχουδο πας ήμιν αυτοίς παρεσκάση diagers. udia. ni viusis d' kon, & renducce, \* Seagégete dumi Steph. ठीने नयंड onluids, नकां में व expertes ठीने नवंड महांडबड़ (भार्म Ne. nhiv. जरहरह हैं ) कि भी बेश्रिक्ष कर बेर किसमें सर्वश्राह्य है दूसा भें बेर owas usi का है विस्तानिक व्यव भूषातिक \* श्रीतिक में विदेश कार्रिकार એ હ્યાર મેં જાતિઓ. \* મહારજાદાં તકવા છે મેં દેશને તે હૈ હૈ વ્યક્ત મેં મહારા જો δε ise αμφότεροι ότι τα μ' έξω ύμιν ήμεις νυκπουλι axée. 15. 8504

nhould, Ta d' in Tais on wais autoi ocate, ni Ta one \* cristate de la par en rous onlucis some pinos nuiv. il Si Mistor zi or appi Tryegilu Exerto (no pae ragento ασμέρα) κ) ιμάπα μεταλαβόντες εδείπνεν, κ) οι ισπ

वां की में द्रण को जिल्ला है। कार पिक्का ह में कि का मार्ग में बहुम्ल हेमबेड्टाइ को निर्धावसङ ठें के हैं है ब्रह्मका है हैं। νον, οἰόμθροι కχειν τει άμφι Κύρον, όπ έφη άφθη

ταυτα έχειν. ο ή Κυρ Ταυτα έλεγο, ο τον μ τ λιμί meir d' and 18 மி அர்ந்வாடு காவும்.

20. O who En Kugo Serminous now Magous, \* in δή συνεσκότασε, χη σεμπάδας η χη δεκάδας σολλ อมาใบ อาสายแสด. หวู จนสุรถกอด หถุ่มข้อ 28 25 22 20 26 26 κότας सं कि जी esv, νομίζων αια μέν φυλακίω έσεδη εάν πε εξω முரூர்ற, கயக கி, க்க்ச 755 கீத்ய ஆள்யகாக ஒத்தவர வாகிக்க σκη, άλωσεως αὐτόν. κ) εχύετο έτω. σολλοί μιν γ anest Sparker, worde Se ed havar o de Kugo mi

25 HARTS

20. ¥8. €πειdi ouvesh-XI.

Upir.

એક એક.

yg. cuti-

είματα του λαβόντας એ τε έχων, του ή ανθρώπες ενέ-Ασεν αποσφάξαι. ώς ε τε λοιπέ έδε βελόμβυ – αν Ερες ραδίως το νύνθως πος διαβον.

21. Oi pu d'i Перови в ты бійдор. Oi j Mindoi ni \* im

a July

0275. i

ותמאס

787K

lav is

n), i

weigh.

rayin.

pui vi

EIS CHH.

Eh. 013

wead

σχεύας

ta. all

יותו ועני

678, W

eondar.

न्ड वं पत्रा

es (Jezen

av nav

recaror q

TO15. 987

κποφυλε

Ta ond

LIV. OLH

TEL PEOLEN

oi lan

ושתנו א

N ROE OF

a a osm

T AIM

, \* inn

इ कार्रा

ट्रिंड क्रुड़ इ.चे.ह. क्रुड़

whi yo

O THE

פי אן בעשאצידם אן אוטאצידם, אן חמסחו בעשעומו ביובאון - אף. ביחוסטים λαντο πολλά γάς κή τοιαυτα έκλα, ώσε μη άπορειν κή ήδουτο, eye rev eyespectas. o o Kuakages o The Mister Baon x πύσης. eis & phi vunta en i Jana Der o Kugo, autos Te eueίσετο μεθ' ών σαρεσχήνε, ως επ' ευτυχία, κή του αλλες Mind's were waterval en to spateto with oxigar. Kiew Dogubov Toxui. of jag of ne Tes The Mindow, at TE The किकारी बेम्बर्भर एने किए, बेरस्य किया है सार वर में हे निवृत्ति है । ALOS TE KI ON TE 'Acoucis spateu mal O xi olvov xi alla ολλά τοιαύτα είληφοτες. धमा ο πικρα εγίνετο, κι οπί ย่อสร ชิงิค่ร ที่หล สมใบ อไพรดู, มู่ ชบงรงิค่ พงชง, มู่ ชอ รอสาอ-เชื่อง หลงอง ที่หพอง เป็ สืบ Mindow, หู สืบ โสสองง, องอล THE STADEN, ETWS EXPITA CHAMBA Sheleins TO TE Κύρφ κ) τοίς Μήδοις, τω καταλιπόντας αυτόν έρημον γεθαι κή δυθύς, ώσσες λέγε) ώμος εί κή άγνώμων, λεύει मी παρόντων πια λαβόντα του σαρ έπιτω may moreved, we raxisa, were to audi Kuego seabua, x Afren rade, oulus in Ejuge sol' av oe, a Kuge, we a megvon two wer sus Especient es 3 Kuel 8 to γρώσκοι, κα αν υμας γε, ω Μήδοι, έθελήσαι ε τως έρηον εμε καταλιπείν. η νων εαν μθο Κύρ βέλη.). εί with upers ye the rayis be raigest. Tau Ta entire ther. ο ταωτικύ στορεύεδζ, έφη, κ πως, ω δέσσοτα, ο ευρήσω εκείνες ; πως ή Κυρος, έρη, κόι στν αυέρ' ες επορεύοντο; όπ νη Δί', έτη, ακέω άφεςηπα την πολεμίων Υργανίκς πράς, κ ελθόντας δεύες, hos nyembes auth. axxous \* rauta o Kuagagns, λύ μάλλον έπ τω Κύρω ωρχίζε ο μηθ' είπειν αυτώ τω μηδ μίτα κ πολλή απεθή μάλλον έπεμπεν cm που Mn είπειν in

κ, ως Τιλώσων αυτίν. κ) ίουες τερον έπ η τορόθεν quodam ης Μήθοις απεκλών έπεκαλει, κ) τω πεμπομύω ή η Vet.

κλησεν, εἰ μη ἰουρώς ταυτα απαγρείλοι. ὁ κιμ δη γε. ὅτι κ
μπόμμω ἐπορεύετο, ἔχων τὰς ἑαμτά ἰππέας ως ἑκα- καὶ ἀυτὸς

κ, ἀνιώμω τό το τὸ τὰ ἀυτὸς ἐκ ἐπορεύθη ως τὰ Κύ- τό τε ἐπορ.

εὐ ή τῆ ὁδῶ ποραύμωνοι \* διαριζομένων ὁδων τεί- γε. διαρι
υ πνὶ ἐπλανώντο. κ) ἐ περόθεν ἀφίκοντο εἰς τὸ τὰ δὲ τες,

Kugs reiba.

Κύζε εράταμα, πείν εντυχέντες αποχωρεοί ποι 🤻 " A ฉบอเลง ที่งล่า หลองเร อมารถง ทำ ผลง \* ม 8 งาง ปท ล่าง चकड़ बंदामा. मार्डण में मा हुने सवमार्शिण महड़, किया प्रकार प्रमायह. हम ही εγγύοντο ωρός πο σρατοπέδω, οι φύλακες, ωστες είρημέ Tov ที่ง วัสธ Kues, ช่น ค่อนอุที่หลุม สมาชิง สอง ที่แล้ยสูร ลิสส์ ο πμέρα ισεραίνετο, περίτον μιν του μάγες καλέπη τα τοίς Θεοίς νομιζουίνα όπι τοίς τοις τοις αγαθοίς έξ. व्यासी देश हैं ते हैं। यो वेपको स्वाप्त संरूप है है συγκαλέσας του δαιτίμες, είπεν, "Ανδρες, δ κού Θείς क्टिक्वंपस माठ मेर वे वे नव ने में मासंड है के निंद्र क्या, दे मार्थ का १९. सं मह ही किया केर्रा देवा देवारेंग केंद्र देश स्वामहोंड हों) बंधनेंगी. \* संमान ं मार्थ से प οπα αν κατερροζώμεδα μη συλάξομο του τα, πάλη mpgospa. के प्रेश्व हर्ता, स्ट्रह प्रवास में निर्णित प्राप्त मात्री का की சம்பிவ. Aanas an rois ep nuiv propoposso autina esteplar ! २०४ मह देशक वेशवक्वाहणीय. रिमसं हेए एठ। केंद्र प्रदेश हैंगा मार्थ पं धारी सं तिहु जवड़, सवा नी निवं जरसा वे महर हु के रहे भेर का 28. 0711κελεύεν ώς τάγισα πεμπειν σράτευμα, ειπες επον. प्रिंग Π दिल्ला नीय वेह्नीय रे \* 'A σίας κή τω κάς πωπν χωίς अश्रम ला. ye. 'Aoids हेक' हेका माहि. में अप हैंग, हैंगा, को वे क्वाइ मिन के हैं। θών τουτα λέχε, κ) όπ ες αν πεμπασι spanώτας έπι-מני דנונ אן में मर्बर्गाय- रिये देन रिका मदा देखहे, देखही यह में महा कि में महाक्षेत्र करी σιν γωέως. α δι έχομον ήμεις, έρας μον αυτά, κρύπε ή τετων με 20. 620 εν ο, π ή τετων \* εγω καλως κ νομιμως πεμπωνει П दिए का मारार्थिक केंग मां की मारे मारे कि कर के मारे मारे TELLTWY είς Περσας έρωτα, τά ή τους το κοινόν, τας άρχας. πεμ αντωνή Rahws x में वित्ती हिंदर किए कहनेत्री व्याप, में कहन हिंदर किए हर कार्या routuws x) ou whi. for, ovordass, x) + xozev + communi whyiosom તે પૂર. દેમ જક્ર ક છે છે જો Mind's દેમનો મા, મું તેમા !! 28.000-रें Kuagaess बंगारा कि कावां त्याचा, में दे मर्वेत मार्थ म 701. कर्ड़ में Kuego ogglus में म्बंड कर्ड़ क्लं Mind's बेनम-28. 0 Des das aus Exege. nai Tent, einer on améras Me TE Kuag. Sus nexcues, et is o Kugo- whom Baxe ?. of use di 28. 7005 Μήθοι ακεσαντες το αγέλε έσιγης, αποςε τες μή % वेम स- मळंड द्रशो सद्योष्ट्रण के वेम सी सं v, क्रिक्टिश्रोश र • कर्ण વે મ લા મારા માં જ વાર્ષ જલવા, વે મા છા તર મે લે કે જે જ માં હેયા 68111 το ακεσαι. τητα αυτέ. ο ή Κυρ Θ είπεν, αλλ' έγω, ω άγ ελε κα

Μήθοι. εθεν, ερη, θαυμάζω εἰ Κυαξάρης πολλές μὶ πολεμίες τότ ἰθών, ἡμᾶς ἢ ἐκ εἰθώς ὅ, τι πρείπου μόν, ὁκνεῖ τὰ ἡ τὰν κὴ τὰν ἐαυτὰ. ἐπειθάν ἡ τὰ ἐπειθαν ἡ τὰν πολεμίων ὑπολωλότως, πώντως ὑπολεμίων ὑπολωλότως, πώντως ὑπολωλότως,

四石:

πεληλαιώνες, σεστιν μέν παύσε ο φοβέωωο, έπ ει-γιώσε οδη νω έςημο ε γίγνεται, ήνίκα οι φίλοι गण हैं। na a'zı του του επείνε έχθεις έπολλύκουν.. αλλα μιω μεμιξεώς हमसे हैं। ι πῶς ἐσμεν ἄξιοι, ἐὖ τε ποιἕντες ἐκθίνον κὰ ἐθὲ ταῦ-ἀντιματίσαντες ; ἀλλ' ἐγὰ μὲν ἐκθίνον \* ἔπαπα ἐᾶ- χ. ποίσας eignus. S' ETH ί με λαβόντα ύμας εξελθείν. ύμεις ή έχ ώς όπου. εασαί με ar eros, 30 31 02. कारहा में दिंगी ह में मुख्यां विया है। विद्राला में मार्थ के विष्तु रे यहि एं-, 0 3, นาร, ล่งง เชา " เมลาย พรงรบอร์งาร อีรีเรียน อาฉ บันโฟ และ อีรียง-बेश 30 mir के में हिंदु में हैं। वह का उबकेड़ ठोंडे में उसर, नवंडि W Och τό τε την α γαθών πεπανθήσε ), κό συ τω φόδω λήροντι ποιώ υ-The Tape τηπ. νω μεν έν, έφη, συ ω άγ Γελε ανάπαυσα, επεί μεῖς δε πόνηκας ύμεις τε, ω Πέρσα, έπει κ) σεοσθεχομθα λεμίες ήτοι μαχεμέ ες γε η σεσομένες σαρέσεις. संग्रह गर्वभा 120 06. χθωμο ως καλλισα. Επω οδ όγωμε ες είκος πλέον miar & cavifler wo ren Could ou s', Epn, & All Terarior ट्रेट १६१४ าง งัสอันสงอง สอเรน่ฐสุ กกิร พางแต่ก สีที่ อลัง สุสกล-1876,4 C711311 । दिवारे | सिंग कार्यंड. इससे हैं तक तक तक तिवार के पिरार्थ-O mesonade, néges o Kûg O, éga d', ézn, a Ygrav sold ٠ ١٠ ١١٠ त्तरह दशासis autil יון יושד Ad Tior อัสเอร ซึมี นี้ vun สนอยู่งของ แลงสิ่ง อักเธรนาลอย LTOVE ϊν συμμάχων, άλλες δέ, αν διυνώμεδα, σοσλη 16-गाय गर्दे व да. 18 9 Mid's hustas атоналя ит Ф той і ттеа с οίζει η απειπ' και διαλέγε ή αυτώ όποσα έλπης δέοντα έδζ αγαθα παση τιϊς φίλοις, εν τα δέοντα εθ γένη πάντα. ε-ι ποιήσας μέντοι ταύτα ήκε πάλιν πας έμε. ό μέν γω δ' αθ vas Mius di Tes Hill πιπσας μέντοι ταυτά ππε παλή πως εμπον. ¿ σειρ.
Υρκάνι Θ άχετο τὸν Μηθον δπὶ σκηνίω άχων. ¿ σειρ.
εἰς Πέρσας ἰων σαρίω συνεσκου ασμέν Θ. ὁ δὲ Κῦ- Χε. ην τάαυτῶ ἐπέσειλε σερὶς μὲν Πέρσας λέγειν α κὴ σερών δε ἐῦ γέν. The our JENE KIL τώ λόγω δεδήλω), Κυαξάρει δι δποδενοι τα γράμ-AABS HA λα, αναρνώνου δέ στι, έφη, \* χ) α ζπελλω βέλομαι, χε. χ) τα क हवंतीन είδως αὐτά όμολογης έάν τις σε σε ος του τα έςωτά. Επιελλό iv jai πώντως ω κ τη όπισολή των, κύς Ο Κυαξάζει χαίζειν. εδύ. 675

Hyers

X

λA

άg

10.

25

ıυ

70

70

10

T

NET.

. 7

NED.

JUE

y e

170

DE?

lav.

i

078

23

कि

711

92

re

25 T

Spes

77 77 Y

W;

"Ημείς σε έτε έρημον κατελίπομο (έδεις οδ ότας το ές μων κατελίπομο (έδεις οδ ότας το ές μων οκατελίπομο (έδεις οδ ότας το ές μων κατελίπομο (έδεις οδ ότας το ές μων κατελίπομο το αποχωρεντές γε επό σε οἰομος το κινθυνώ σε κατεί επον κατεί γε ναι άλλ όσφ πλέον σε άπείχομο, ποθετφ πλείον α ε οἰομος τα τα το είναι ποιείν νομίζομο. Ε οδ οὶ εξηύτα α το είναι παίναι.

Τάναι. άλλ οι τεις έχθρες μήμισον άπελαύνοντες, μάλλος πλείναι αλλί οι τεις έχθρες μήμισον άπελαύνοντες, μάλλος πλείναι σε οίθ άν πει έμε έπειτά μοι μέμου. έχω μός λέπ

lo. &s hµās.

γς. ον πνα βέλει. λων εχοπως αν εξελωσίν, αλλ οπως αν συ εξελη χι δαι αὐτοις. συμβελεύω δέ σοι, καίπες νεώτες ο ει μιὰ ἀφαις είδαι α αν δως, ινα μία σοι έχθεαι αντί χαι πων ὀφείλωνται μια " όταν πινα βέλη περς σὶ πιχ ἐλθεν, ἀπελεντα μεταπεμπεδαι μια διδείσκης αὐπι σε μιὰ φερντίζειν. ἡμες δὲ πειεασόμεδα παρείναι, ἐπι πάχς τα διαπερξώμθα α σοί τ' αν νομίζωμψι κὶ ἡμὶ περχ βέντα κοις α χρίεδι άλα βά. ἔρρωσο. ταὐπι αὐπι ἐπόδο, κὸ δ, πάν σε τέπων ἐςωτά, ἡπες γέγ εαπαι, σύμ φαδι, κὸ δὸ ἐρὰ ἐπις έλλω σοι πεὶ τη Πεςσῶν ἢπες γὶ γεππα. τέτω μιὰ ἔν επως εἰπων, κὸ δὲς πίω ὁπρι λιω, ἀπεπεμ ξε, περσεντειλάμψο επω απεύδειν ἀπι οίδεν ὅπι συμφές ει ταχὸ παρείναι.

22. γς. πνες πλησόχωρι. 22. Έκ τέτε δη έωξα μβ Σωπλισμένες ήδη σώπο κ) τες Υκανίες κ) τες άμφι Τιγ εάνω. κ) δι Πέρο Τ εγωπλισμένες ήδη σάπο Τ εγωπλισμένες κ) τες άμφι Τ πνες την σεροχώςων κ) ίσ πες άπημαρον, καὶ όπλα έφερον ὁ δὲ τὰ μθη παλτίδη εκπες κ) τὲς σρέδεν, καταβάλλειν ἐκέλδοτε, κ) καία καίων, οῖς τῶτο ἔρρον μιὸ, ὁπόσων μιὸ αὐτοὶ δέουπ τὰς δὲ ἴωπες ἐκίλευσε φυλάπων μβροντας τὰς ἀραβί

êx-

ului

75.94

à ni

LAG

KRUN

700

ा तहे। पुरं का

5 170

L OF

76. W

Hoza

י או

s èui

wil

25

Zati.

2 E F#

au 783

, อาน ทุนไ

86 24

ंगाज़

800

Ta176

Tien

2 10

TELATE

xala

SOLVI

20201

74

ני, צשו מי ח \* סוועמי שבוח מש דהוני דמי ח' מפצטידעו בנ. סוועמיים Γίππεων κη Υρυσνίων καλέσας, ποιάδε έλεξεν. Ανες φίλοι η σύμμαχοι, μη θαυμάζητε, έφη, όπ πολίκις ύμας συγκαλώ. καινά χο όντα ήμων τα παρέντα मार्व वंग्नी वंत्रामा त्वाराव हिना वं भी वंग वंत्रामा सम्ब में, έγκη ταύτα α εί τε είγματα παρέχειν, έως αν χώραν ίτη κό νων όξι ωξύ ημίν πολλά τά αίχμαλωτα χεήτα, η ανδρες έπ' αυτοίς Δια ή το μήθ' ήμας είδει αι in Terwy endse Bir null, white Teres eiderau ons is auth Seavins, महत्वांगाया श्री मां में Seouta ह יים בין הביל בי בי בינים בינים בינים ולות שנים של שנים בינים ווים בינים ב τί η ότις μλη έναθε σχηνικό έχαναν ίνανα η στα πί η ότις μλη έναθε σχηνικό έχαναν ίνανα η στα कारवं, क्षुं कारे काष्ट्रमां गण्यदः, क्षुं इस्क्रिक क्षे हे में त्यः, τάλλ' οίς οἰκείται σχηνή καλώς εραπωτική, ένταυ-क्षि हे मेर ये प्रेश विस् कहुन ही हिंदीया में में प्रवितंशनय सर्वहां वा τέτων, ώς οἰκείων, ἐπιμελείος δέοι οςτς ή εις \* cv- Scr. ενδέοέμβμά του κατεσκήνα σε, τότες ύμεις σες ζάμβμοι, το μόμα τυ πε Анто \* ситине фотте. толла 3 и क्यानि के वी रिव का द- fit тв pro · πλέω γαις απαντα η χΤ το ημέτερον πληθος ειχον οι πνός Steph. אנשונו. אוגשים של שפיל עוב אל אפוועמדים דמעום, כל דב דצ אב. בות האוןweiwr Bankens x andw dunaswv, of Energy on 280- oute. प सा किने ज्वांगर ठिलांगा पार , विक्राहर मारवर त्रेश्र महत्व में रिव हैं। सार्धनिहरू नवंशनव वनाठक्रिका कर्नुड ए एवं , वन्तर वंश महीमार्ग्ड के ए प्रमान के मान महान प्रमाण के किन रिकार Ιου. ύμεις ή λαβόντει διαθίδοτε, ίππει μεν το διπλέν, ניים לו משאצע ועם באודה, \* חני חושע שפיסל בוושחדב, אף. חני חוים ב हैं पर को भी महतीह. मीको थीं वे 300 वें मीको है ज्या देश मही ज़व मार्स - का कुछ में भी की ungugate who non, con, un adiner undera, muxer ni. कि रवनामिष्ठ में इमान्द्रिह के, न हिल्ल इसके कि कार्द्रमार्थ TWITE dase whise and a deer, onwe oinfre huld ze. new. πετόπεδον. η ταμτα μικό δυθύς δική ευθου. δι 3 Milos โดนส์ของ ผีสอง, พีร์ะ, มู่ สพัร ผ้ง, เอลร์, ที่นผีร ผังสั कु नी σων star actely ταιτα; \* o d' sy Kue - 25. o d' au פו זערט ד אספט שלב שפי שבי בעלווי וו של צדעיב, בסוו, של θες, γιγνώσκετε, ώς δ, π αν δεήση weardliver, δπί न नरीयम्बर मार्थेद र्राज्य कव्यव्याप्य, में हम हम्ले वंद्रमहिन्छ ए कल्लांनीका कल्ले एं जीरी ठ, म दोर रहिंग, अस एएसंड कल्ले हैं में मर्केड केंग के रे रे रे रे में संक की कहते र प्रकीय है रहा कि ம रिंड रिश्च एवरी श्रिक्त के हित्य ; बेरेरे ठेट्यें Te,

12.5

Ϊç

eu Hs

us in

4

23

Si ve G

บร

271

121

38

y i

787

3

ind ins

301

5 2

7th 24.

THS

क व

20

ne e

, %

714

έφη ήμεις μβο β διεφυλάξαμβο ύμιν τάδε, κό ύμε ήμιν δηςεύσατε, καλώς διαπεφυλάχθαι. ύμεις δία Saveruate, no nuels more of out out nands dans venue 28. में बेर- Keval. \* में देंग बेररा, में दूर वर्ण बेररा मा में महिन வு நிமுள் இது மா கோல் வெரி விரி குழ்ப் குழ்ப் குழ்ப் விரும் விர υι l potius τες έν εί μου είσουου αναμβάτες, ώρελήσεσι μου έλ κું દેગ τετω ήμας, જિલ્લો γ μα] α ή જ αφέξεπν όπι αλείως · ην d' in ம் बंभ भ०- मांध्य हमें कांम्कां भयत्वद्रांग्याप्रे, बंधव काट्यु मार्वामा म π, &c. ut απαλλαγησόμεδα η ίγω ήμιν αύτεις σεροποσμέλ. εντετω sit ei ως εν αλλες έχετε οίς τισίν αν είντε αυτού, με prointerea av ar x xivSungioite ii Slov (ei Ti Seoi) in ued' nuit. उमलंग्ठाइ शिकितः सं भीशंता मध्येड विश्वरे के विद्यांत्यः मार् Steph. λικα έχειν, ήμιν αυτοίς δότε. κ) γάς νω ότε ανά ημών προσελάσαντες έκινδυνούσατε, πολύν με φίδη

εποιήσατε ότι ε σαρπικου όπε πες υμες. ην ή εδωμη γε. ε τελείν τως ιππες, ε το με θα υμιν κάν με δοκωμον \* ωτελεί πλέεν ω πλείονα όπι τη ιππων συναγωνιζομοι, ε τω σεοθν ανωνίζ. και ειωτές ως αν σαρείναι, το καταδήναι εν μετω, η αι. αινα ευθύς πεζοι υμιν σαρεσομθα τως δι ιππες \* μιναι αι. αινα ευθύς πεζοι υμιν σαρεσομθα τως δι ιππες \* μιναι απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν, ω Κυρε, ε τε άνδιας έμε απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν, ω Κυρε, ε τε άνδιας έμε απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν, ω Κυρε, ε τε άνδιας έμε απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν, ω Κυρε, ε τε άνδιας έμε απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν, ω Κυρε, ε τε άνδιας έμε απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν, ω Κυρε, ε τε άνδιας έμε απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν, ω Κυρε, ε τε άνδιας έμε απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν, ω κυρε ε το καταδή και απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν, ω κυρε ε το καταδή και απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν, ω κυρε ε το καταδή και απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν, ω κυρε ε το καταδή και απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν, ω κυρε ε το καταδή και απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν, ω κυρε ε το καταδή και απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν καν απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν , ω κυρε ε το καταδή και απεκείναντο, άλλ ήμεις μεν , ω κυρε ε το καταδή και απεκείναντο, έποι το καταδή και απεκείναντο, ε το καταδή και απεκείναντο καταδή και απεκείναν

ந்பில் குவிக்கை சாய் பாக்கும் மக்குக இவ்விக்கு நியி

μου ες αναδιδάσωμου αν όπο του εππες τέτες, έπι ε έχοιμου, σε ταῦτα βελομένε εκ αν αλλο αντί τέπο ρε. λαδών αιροίμοα. κ) νωῦ έφας, \* λαδών του εππες, ποίει επος τέτες, αρισον δοκεί σοι εθ. αλλα θέχομαι τε, έρη, κ) ακτί

ποία. τύχη ήμας τε ίππεις χυρίμθα, χὶ ύμας διέλοιτε πε κοινά. το προώπον μεν έν, έρη, τοις Θεοις εξαιρείτε ο, τι χε. ἢ χὶ ἀν οὶ μάροι εξηγών ), ἐπατα ἡ κυαξάρα εξέλετε Κυαξάρα ὁπεια ἀν οἰηθε ἀυτώ μάλιςα χαρίζεως. χὶ οὶ γελάων ελλ ξαθε τες εἰπον ετι γιωαϊκας ἀν καλὰς εξαιρετέον εἰπ. γι χι. ἐπατων ναϊκώς τε τρίιυν εξαιρείτε, ἔφη, χὶ ο τι ἀλλο ἀν δοῦ μινές Μιν υμίν. ἐπαταλ ἢ ἐκκίνω ἐξέλητε, ὡ ἡ γελάνιοι, τοῦ ἰνθίκς Μιν υμίν. ἐπαταλ ἢ ἐκκίνω ἐξέλητε, ὡ ἡ γελάνιοι, τοῦ ἰνθίκς παν- εῖτε κὶς δωίαμιν. ὑμεῖς δὶ αῦ, ὡ Μῆδοι, τοῦ πρώτα πως ποι. συμμάχες χωρμένες τέτες τιμάτε, ὅπως εὖ βεθελευλ γς. χὶ, ἐς- ἡγήτωνται ἡμῖν φίλοι χρομίνοι. τκίματε ἢ πάντα επομείες τὸ μες Θ χὶ τω Φρά Κυαξάρες ῆκοντι ἀγέλο, ἀν επομείς τὸ μες Θ χὶ τω Φρά Κυαξάρες ῆκοντι ἀγέλο, ἀν

ULH

d' au

VE LUN-

seam!

, vui

188 C

1' 17

SOV TE

u.S.

us?

nuij.

क प्रार्थ वेषक

0:6:N

nuis

Gord

292मा १९३५

nco wy

w, y

12014

017

15 87

75, 8

7874

o mus

a jast

75 TE

ŏ, 74

ÉAST

वं ज्या-

1. 70

S'ON

803 1

5 TOP

96/78

ASUN

, du

Ττ κ) τοῖς μετ' ἀυτε, κ) (υνδιαμβεν ή Φρακαλείτε, κ) εμοὶ \* τετο συνθυκεν, ενα κ) Κυαξάρει μάλλον εὶ γε τετε ες εξεί έκάς κ ἀπαγρείλη τὰ ὁ τα. Πέρσαις δ', ερη, συνθυκεντις μετ' εμε, όσα αν εξείτη χυή!), ύ ωλ καλως κατε τ Θ. ευασμένων, ταῦτα ἐρκίσει κ) κ), ερη, μάλα πως ή- ες αν ὑ ωλ \* κατυγελώητε, εἰ π σιμνον εμεν εξείν εταταίν. ἀς ει τικώς. ἀς ε με το τικώς κατε γς κατατικός κατε γς κατατε είν ων δίδι το πων καθήμωροι, οίμαι ή, ερη, κ) όπὶ τ εξείν απακτες. Σς καταπίποντες.

23. Έκ τετε οἱ μ΄ ήεσαν ὁπὶ τιω διαίρεσην, μάλα δπὶ 23.

โดสหรัฐเลดเราะร ่ง วิราชา รณฐเน่ง พร แลมย์รณุ, อันย์we करे रिकार λαμβάνειν, κ) τα मी रिकार कर रंग, κ) ο ισποκόμες, κη ά ειθμήσαντας λαβείν κλη ζωσαμβίος ιπέζιν ίσες έκαςτις. αυτός ο Κύρ Ο ανειπείν εκέ-UTY, H TIS HIN EN THE 'Acordian in Sugar in 'Agglian artiuan avile SexO, n Michov, n Deerw, n Baxιανών, η Καρών, η Κιλίκων, η Έλλωων, η άλλοθέν Ser febraquer O, inpaire of. oi d'anégartes of \* nn- y g. nigu γματΦ, άσμενοι πολλοί πεσσεφίνης. ό ή, επλεξά κΦ, ασut ลับที่มี พรร าณี คราม หลงงโระรุ, ลังลาใน อท ลงลบอลิธุยร ส. กาลุระ-किन देश कर के किन के अपने के किन्द्र के के प्रकार के किन के के महिला के किन के किन के किन के किन के किन के किन ό εππίθεια όπως αν έχωση έρη αυτώ μελήσειν. κ γς. Εελπί-कांद्र बंत्रका कराने प्रतिविष्ठित्रहर, कार्यहार्वाण वंगकारे, में इष्टर. λλώσε τὰ γέρβα κὸ τὰς ψιλας μαχαίρας τέτοις διδίναι, ws Exerns ow nis im nois Emer.). no ra omnidera πις αστερ κό τοις μεθ' έσωσε Πέρσως λαμβάνειν. ου-ं है कि ने ने निक्सिया में त्ये हैं एडये हैं देश त्या वेसे टेनों नी कि " ० रसे भी वंगारे हम्ल माला प्रवाहि रहा द्या है पहले माs of outiner and ' éaute enaser na Arsava anor deτα τη ιμοτιμων. οί μεν δη άμφι του τα είχον. 24. Twifting of en TETW water o 'Awrier , meso-

λεξεν ωδε. Ω δέσσοτα, έχω είμι το μέν γεύ Θ Ο 2 'Αυσ

γς. 'Αστό "'Αστίει " Έχω ή το το ίχυρον, το χώςας ἐπά ειος, ἔχων χω πολλης, τὸ ἴωπον εἰς χλίαν το το το Αστείων βαπ δ.κ. τ. ίχ. λει ωαρειχίμω, τὸ φίλο δο ἐκείνω ως μάλισα. ἐπεὶ Ι n. χ. ὑπάρ- ἐκεῖν Φ με τίθνηκεν ὑρ' ὑ ωρο, ἀνης ἀραθός ἀν, ὁ ἡ π gov T. R. cheve 7 agxlui & et, Ex 31505 av euol fina weis on ίπ. έχω είς ίχετης σεροσίπω, κ δίδωμί σοι εμουτον δελον κ πίμο X. Terano Xov, or 3 musego aitsuai nor friez? is maida e mi σίαν, το τω. δυνατόν σε ποιδμαι. άποις δε είμι αρρένων παιδων. ες ου μοι μό. [ καλός, δ δέσσοτα, κ) ά γαθός, κ) έμε μ

λών η πιερί άσσες αν ευδαίμονα πατέρα παίς πμώτη Dein, Tomo & tui Bankeus Est, nahnoart O is in במסות בנונ, חשוב של בין יוצ ועון, מין לעיסטדם ל שנות דובם Euro moudi. Ega a amementalulu, mega pegvav on dis T Baonkens Sugareds ofoichen T'emor you jamerin ;

5

26

us 16

46.5

sw Sg:

56

(01

Di

+ X

٨٤٦

EGA

William

re

चं दे हैं। जबर

त्रस

יעשו Kna Kna

King

3014

vui Bannevs cmi Sigar autor Banantoas, ni dis ος αυτον. \* αυτώ θης αν ανα κράτ Φ, ως πελύ κρείστων αυτέ in Treve in sulu @ ED. o il de cina (uve Siege quesons! άξητε, διώκοντες αμφότεροι, ο μ νω αξχων του ακοπ σας ημόρτεν (ώς μήποτ' ώρελεν) ο δι έμος παίς βαλά हेर्डिए र्रेड्फ, मक्तविवेश स मीय बेट्रमार. में ग्रंग्ड में बेशकोर αξα κατέχεν έτως ύπο σπότε τ φθένου ώς ή σάλιπλ कार करियाण प्रदेशका के मि को मार्थित पर ( हिर्देश, वीमका, ने काम

Ante aldis sov nadav) od' aŭ euos nais " aŭ dis tu zav na leigian legiour & τ λέοντα, κ) είπεν, αρα βέβληκα μια δίς έφεξης, κ) μ नविहित्राम् अमृद्यु हम् नहिल्ला है, दे नहिन् है हमहा मुक्तां भू 20503003 avior of rov o Sovov, and aix plus na ed. no of implies Steph. र्थं कुत्र अंत सद, तस किंद से द से इंदिशक, में मार्गर मारा में कारण मार्थ 29. Figa. α φείλετο του ψυχών. κα γω μ ο ταλας αντί νυμφίκ εμμ

outeles, x दें जैब रे मारामक्षा के बहुता श्री अवसर्वार का प्रवेश इक्र म व्येडीय मोष के प्रवास मंश. 6 ही सक्त मत्या के ए, के व्याहर है है है Δπολέσας, έτε μεταμελόμινος πώποτε φανερος έχωεπ, ετ avn To Kake Eggs muns nvos nglave Tov XT yns. o je m πατής αυτέ κ) συνώκπσε με, κ) δήλ Ο ην συναχθίμε µ8 रम् राम्काइबे. हेन्छे में हैंग, में में हैं। टेमसंग्रह, है वंग का na dov wess os en the curius nanco. Tolka do chu हमता प्रिण कि देससार में कार्षमाय देससार दे में हैं से मार्ग

हमाड मधारीं इक्का के इसे वर्ध मा किया मा किया महत्त्व में महत्त्व के महत्त्व के महत्त्व อินมณ่นใน เบ้าะร ฟูบะลิร, หูปะ เร็ส นะ เบ้ อโป อีก ตุโภอง ลัง 🖽

25. pard; is. hy how To. oide 20 as eya oees au Tiv Exa zi as acidev pa of as Biotevar, vuil dianequal Egnuos av, x dia Treposti

end

Ban

78

**ं** ज्या

5 0%,

T MILL

Tag i

V. 05 1

हमा व

MEN T

18 767

्ट्य ग र वीज

w' is

ये देश

בו צדט

TONS &

CL KOVA

Bakin

Plade

AII N

ששעם ל

ומישני

1 14

17894

गरः । । raid

R EKOLL

TOV all ex計

270, 87

ge pul Some

iv mi CIVIA עומו ל W TET

वंग कार

v + od

23/4

भारत Stagar. से कि हैं। देश देश को अद्भा, में देश मंदित मा ले मर्थ-Come To oixo mandi nuwelas de Tros et 08 Tuyer, x t avabrow wanty dona wor, x, &T av (av En algenointe, Fort. avnέτ' δποθνήσκων, ανιωμώνος αν τελάταν δοκά. δ με έτως Επισα αν άτε. Κύρος δι' απεκρίναπο, αλλ' ήνπερ, ω Γωδρύα, κ' 29. 8 τε ζών क्रिका क्यांगा, विक्र महि रहेर्स करेंड मायंड, रहेर्यायां में देश हे म्याτω σε, η πρωρήσειν τ φονέα σων Θεοίς ύσιχιδιαι. λέξον χωρί ιω. N 401, देशा, देवें ool प्रच प्र प्राच मारा के प्री में पर प्राचित हैं प्र प्राचित हैं पर प्राचित हैं ने कि प्राचित हैं क्षा वह, में में प्रश्रिका, में नवे व के ब, में में की व्याया में नह कर किए वसा वता में दूर, वर्ण में मार मं बेरते महत्त्वर रेका मुहत्त्वत हु , वे हैं कह, नवे मह माधारीह ων τέχη, όταν θέλης, οίκον σοι συρέξω δασμόν τε τ χώ σων θεοίς εω, ονπερ έφερον οκειω, σοι Δπίσω η " όπε αν δείσοι ετα- γε. όταν השופוי, סטקסב דניס סוגם ו ססו, ל בע ל צשפמן לשים עווי בצפיי בה באל ווג કિં μοι, દ્વા, મેં ઉપગુર્લ માલ સવલ ઉર્લા છે લે ગુલ સામાં, ગુલ મુક મેનીય લે કુલાંવ, ગૂફ. ઉત્સરા હૈય ர் தெல் எழுதிய முழ்ப்பாகிய கவைகவிலாற நமுக்கக அகரையு. במין, יש לב עב משודה דב ה שעובות המאם שם שולים ומבידיטים עוו לצעם מש שלנו דנף דצ ב לצא סצ בסיפו, בץ מידב מים מני דעו איץ-שותם. ישו לב ססו לו לשומ לצא בני סם אל אן שבי דענידון צדום, σεραν κή έγω βελεύων πεί σε φαίνωμα. \* ετω ή δ κο- Inuno Vet. कार सं महा, हिंती नह महाद, देवा, हेन के बेरा देश कि किए की किया नह कार के ति है figulo zi naubaro + onv A Eidv. Occi j nuiv paleres E. Ezn. zi o हार्युं. हम में प्राणम्य कमहत्र्यू प्रम, यं माक्ष्य पर देशकारी जह में Tw- Kuess सं-हिए वा है 20 पत्व नवे के तो ब, में हे जाते हुद्दा जारिया नाद के विदे के द को नरे प होता, जाइ . of new . o d' Exesto, no averor in comesi Th Etega, av duxi- 28. 8 To di (οιο παρ' ημίν. ο μ Si Γαβρύας α χετο ηγεμόνα καιταλιπών. ο μέρο ω-25. Oi j Mudos παςης, α μψ \* οι μάροι έρασαν πίς χεπ. Devis Jeaker, Smodbites tois una pois. Kugo of Jenenkotes Ve. kg, Con หลงการหม อนทายเม่า หรู รี โรอกอิล วูบของเหล, ที่ หลงการที่ อีก เมื่อ. lige ) The in The Acid persunds, if usose pie; of die rais Pro of weiεσπίσας. δεύτερον Β, Κυαξάρει τα δεύτερα. ποιαύτα δι' poi in Vet. tha we ediouto camingwourtes courtis, we underde deb. leg. orgin. βροι φατεύοιντο, σάντα β ην παλλά. σερσέλαβον ή κ) οί Steph. Υξαάνιοι ών εδέοντι. Ισόμοιρον δι' \* εποιήσαντο κ) τ κυα γε εποίης ίδεες αγελον. τὰς ή σειατὰς σελωάς, ὅναι ἦσαν, Κύρω τὸν παρο.
τως θος, ὡς τοῖς Πέρσως χώοιντι. τὸ ἡ νόμισμα ταρό, Κυαξ.
παθὰν ἀπων συναχόῦ, διθώσκαν η διεθωκαν. Τοὶ με δη În mult. मार्गिय देखिल देखें। यह भी देशहर्या o o Kueos देशहर या हि vet. libr. Luzagus SanaCorras quadren, us notes oinesoratus boc est απώ όντας, η ότα δε έμοι δίδοτε, ηδέως, έφη, δεχομαι quinti li-But King) d' aurois vier o manica Seomo . Oinouso & brimitium

Se τις τη Μήθων είπε, κ μω έρα, & Κυρε, τη μισερ. γων ακέσας έσσεςας, ών συ νω έχεις, πκεσά τε πθέες, κ' ην μοι δως αυτή μίαν, τα τεύελζ αν μοι δοκο ήδιο n οίκοι ωψεν. ὁ δε Κυς Θ είπει, ἀλλ' ἔχογε, ἔφη, χ אלשנו, אין אמפני סוסעם ו ססו האבוש בצבור סדו עב אדווסמן, συ έμοι ότι λαμβανας. έτως έγω ύμιν διλω χαείζελ. Tauthu who so Exaler o aithous.

## ΧΕΝΟΦΩΝΤΟΣ

Κύρυ παιδείας βιελίου ε.

Axéras se o Küg & A egastu Mister (Es in αυτώ έν παιδός έτα ίρθ, ε κ τίω σολω K Caroùs Edwie F Mndirliù, ote naco. 'Asia पुष्ड सं गिर्हे वा वेस्मास) रहेर्ग देशके के वि Ell

ien,

315

1500 s

m,

7 P

T

d

6

350

27

३६. राजा ग्रह Algada-78 78 E8ois 675.

φυλοξαι αυτώ τ τε γυναίκα κ) τ σελυλί. ην ή αμτι ή \* γυνή Αδραθάτα το Σεσων βαπλέως οπ in hister to The Acouelow spatitedow, o diving with in इस्प द्रम के त्रा महत्रकार कि केंग, स्रोते कर्लेड में Ba मत्याका βασιλέα τρεσβεύου ο χετε. έπεμ. τε ή αυτον ο 'Αωτίειθ wei Coupazias. Eévo Dav erignave To the Banger. שמי במסו אפו. דעו דעו צד בצבאל סבר ל מנפס לומבטא אולופו it 'Aggiorlu, Ewe av autis Aaby. KENdoulus jo 'Aggs. πης επήρετο, εώρακας δ', έφη, ω Κύρε, πω γυνάκα, η με κελεύεις φυλατίεν; μα Δί, έφη, ώ Κυρ Θ εκ έγωγε αλλ' έρω, έφη, ήνίκα εξηρεμίω σοι αυτίω. κ) δήτα όπ में संगंत रे प्रांत के का हमा का मार कि का का में है है। של שעדוני. אמעמו דב אל בוצ באודם, אן מו שבפל חטונים של ou wei autho. xai reliver ouclar rais o's hous es on the है जैमें रच. हम से देहें प्रावेशवा विषये किया मार्थ विमा में रिक्मणार्थ σάσαι ωξιεβλέ Ιαμίν, ταχύ ω έιυ καὶ πασών έςούνεπ διαφέρεσα τ άλλων, καί περ καθημώνη, κεκαλυμμίνη τι n eis ylu ogara. as de avas nvas authu, exexeurant उपरायम्बर्भागता भीमें वेपरमें कर्ताता वा वेपाने वेपर्नाणे किमान्त्रम 80.

65,

Pior !

מיני מיני

2.

0 4 N onlin

Sua-

dia-

luti.

075 5 8%

eavin

es

7512.

र्म सर

160.5.

2, 17

2076

rd 0.78

16312.

I ag.

ल चीप

2001/4

OT SATO

2111 76

κ ένταῦ θα, πρώτον μέν τω μεγέθει, έπειτα ή τη ρώμη मा बहुद्दमा भी नमें ट्रायुम्मावण्यां में, मर्वामहरू देन स्वमसाई व्राम्वस σκία. δήλα δι' ήν αυτή κ) τα δάκρυα καταςάζουτα τα र की महाम्रेका, नवें हैं में की महाने महिन्दर कंड में मंग्रीम है εεμίτερος είπε, Θάρρει, ω γιώαι καλδυ μεμί οδ κ άρα-εν ἀκέομε κ τ σου ἀνδεα εθ, νως μερτι εξαις εμερ ἀν-ित, दें। देंजी वित्त हम के मंडि देंसमाह अंतिकार, हम नीय Jeanter, & Le Men & miamis, ayy, or where de noting o- de Jaming W, ei πς κράλλ Φ ανής, κρό Κος Φ αξιίς όξι θαυμά. επε δύνα-ित्र, है वर्ण का के देतरे वहती. के हैं। वहता में प्रकरण में व्याने, पाए में तीक εικατερρήξα ή τε τ ανωθεν πε πλον, κ) ανωθύρατο συν- έχοντι pelong 3 outh is ai Suwai. en Terw d' equin whi and. पंतां के को संदूर प्रदेश कि कहा कि कहा की में में हैं है। ये का र्माहृह रे देंगे दिया, हिंगा, दें Kope, ws हेमार्ग पर है किहें में पर्गेंड Alois wan rois iden junto puna, unde so de \* 20- 28. Juni μία από Συνηθύ τοι αύτω εν τη Ασία. άλλα τα άντως, από Σν. in, i ou + Starn aurlui. i o Kugo ton, vai ma Dia Totaum. πλύ γε ήπον εἰ τειαμτη δζίν οΐαν συ λέγεις. τί δαί; γε. θέχσας Ιμη ὁ νεανίσο. Θ. ότι \* έρη, καὶ νωῦ συ ἀκέσας ότι γε. έρη εἰ ain Er, ei werdiroual ender dearoule, è ware veri ou au. wi gonns, sestina un mai Saflov eneivn us au. on n. 651, οις αναπείση κ) σάλιν ελθείν θεασάμθρον οκ ή τέτε σει. me avauernous av us der wegitter, radolulu cheilu εώμθο. και ο νεανίσε Φ αναγε άσας ειπεν οίει γα ε, in, & Kuge, inavov ED nihr. O avspins avayna(en ν μη βελομθον σεράπειν παρά το βέλπου; εί μθοπι 170, Epn, 8705 ETEQUES, wartas ar nragua Cer occi-. \* δρα έρη, τὸ πῦρ, ώς πάντας ὁμοίως καίει πέρυκε γ β. οξάς. τοιέτον. Τη ή καλών τ μιν έρωσι, Τη δί ε, κ άλλος Esan duina de en ega ade Apòs ade Apris, and Taiths' wife matie Sugargos, and O 3 raiths. Kai ε ούδ Ο κ΄ ιόν Ο ίκανδς έρωτα κωλύων. Η δέ γ΄, w, vou O redein un actoures un merviv, il un mivor-น แก้ อำโกง, แทง ควารง ซึ่ง สุดเม็ก 🕒, แทง วิล่มสร-य में अंश्वद, धेर संद येंग प्रमा नियम हिंद वर्ष वर्ष किंगहर प्रकार कला ने हिन्दा कर कर्ण प्रवा निर्देश किंग महाकर बर्सिनेया. रहे में हिर्देश हेनेहत्र हेन्छ हेनाए हमकड 🗗 रूडिए ιαθ' αυτόν εξό. Εσωτε ιματίων κου τωσδημάou who . मार्ड हैं।, दिला, 6 Kug G, सं हेरे हर्र हार्ज हिला परे ' हेरू व- पृष्ट हिल्ली अध vey xs Sural, A.

ũx

3

6

3.

25 2π 2π 2π 2π 2π 2π

mile eile mi

ei d on d

ei ika j 7

H96

lei i

resp Wide

Tu

्र १८५१ १८५१

υο ίψ , , , , ,

HT

10,

VEQ.

είνου, ε και παύσα θαι όζην όπαν της βεληται; αλλ' έρω, έρη, εώρακα και κλαίοντας ύπο λύπης δί ερωπ. ng danevorte je tois equalions, ne ud ha nanov vouisor Tas weir हर देविंग को रिश्तर्थिम, में रीमिंग Tas हर मारे से, है। 8 BEY MON an well Zebergan, of envolvines waned ray with athne roos a manhaglisas, noi e sunaulies ulimia. παλλάπελ, άλλά δεδεμβύες ίσυροτερα τινί ανάγει में ले निर्माहक देशिया. ज्यक्ष्रमा प्रथम देवारा नहीं देव हिम्लाड मले ते में संमा रकाश्हरहिण्य के में क्षिण कर के. οιδράσκειν επιχειρεσι, πιαυτα κακά έχρυτες, αλλά ή φυλάπικοι του ερωμίνες, μη τοι αποδρώσι καί ό 16-वर्गान्य कि सं मह करें द नका नव महाहन ही, हैं का, नका नव सं ने हों דינו בו דסוצדסו; בחו, עום צלו פין לו לוסחוף, סונומו, אל בעוצון pi aci as a 3x101 ortes ano Sureiv, queiwr of sour un. χανών α παλλαγ ης τη βίε, εκ α παλλά πον ). δι αίτοι !! पृष्ट करा में प्रश्रे मी सार दिया प्रसाद है ला में है है में में प्रश्नी में बेर में कर में कि άλλ, επειδών π άξπασωση η κλειωση, όξος, έρη, οποί क्टूबर कि, केंद्र क्षेत्र वेशविष्यां का रे रेश की लाग, वामवे में रेश की काम ny agraforra, il & our swooners, anna nond essiste with Tol ton, พ่ อีเ หลดาโ ชน ฉับฉานส์ เชาง อยูลัง อัฒาที่ง เชื้อ อยู่เลี้ ανθρώπες ών μη δεί, άλλα τα μοχθηρά ανθρώπια πο क्या, वीधवा, दक्त रेग धार्य व सहस्राम हैन, सर्म साम देशकाय योग πων αραθών κη ρεωσικών καλών, όμως άπαντων τέπ pasios Niav) वे मह प्रक्रिया, के इस धारी विमिश्चिया वा मी मान Tò Sinator. "รางา" ซึ่ง, "รุก, Taithu เพศสหตัง, หู เช่ง pice nating digaons siver, onws maper on the nails महर्णि मद्रों नव ने ने वि क्षा कि कि मार्ग मत कार नह ने के प्यों में Δί', εφη ο Κυς Φ, ισως γας Δείπον απηλ θες η ον οτη χείνω ο έρως πέρυκε συσκολα(εδζ ανθρωπον. κ) πνει प्रवंद पार दिन में प्रिम्प मा देशमेंद्र सर्वाहर्में , सत्ये पर हैंपेरे हैं। eudus aranaumes. Ours de zoure sos megs énar ! बलीवम्य, हेन्ह उस्पे स्वारेंड हेन्ववृत्ते, हेर्न पृष्ट नवा (प्यार्टी λεύω, έρη, δ 'Αράσσα, έν τοῖς καλοῖς ἐᾶν τίω τή endlateigen. os to his and the automiss nais of καλοί η परा वे ποθεν θεωμένες ύφά में 801ν, बेंडर वॉ असी म ברשדו. שמיף ביח, ב אניף , של הוצ חור מוחל בחבדה חשום மவ टिट के कि एते प्रमुख्य के के उन्हें का का का का का χεί ποιείν. Κάλλισα, έφη, λέγεις. τυλάθε τοίνυν, έφη · usi कं जाहर जह महत्रहर्मक, मर्को निम्पहर्ते का मांड. रेज्कड हुने हु वेर मर्व Tall!

XX'

, בדו

30%-

ar.

WG-

1 à.

Eta-

in.

àż

16.

my.

Cix

LUI!

16 10

167

יוס מו

בדיום

Whi-

1:25

7.d.

CUTT

ir.

874

7101.00

जर्मा ।

ig-

ù jus

920

क्रा हुन

2 84

1 1

14.68.

والم

汉四

50 20.

v mi

Equi

y xai

Tall

મંગ મામાં તે મુવાર્લે જા ગુપંગાન વર્ષ જા મે ગુપામાં. તેન્દ્ર પશ્ચી કો મો મામ સંમાળ માર કોરમાં ઉપાર્લ.

2. Ο ή νεανίσε Θ, αμα μερί ός ων \* εφρελη η τω γυ
Σικα, αμα ή αιδανόμε Θ τ καλοκά γαθίαν αυτής, αμα γς. καλιώ.

Θεραπεύων αυ τω, κ) ο ι όμε Θ χαείζε Θζ αυ τη, αμα

αιδανόμε Θ κα αχάει σον εσαν, αλλ' αντεπιμελεμείω

α τη αυτής ο ικετε ως κ) ει σι όντι εί η αυτώ τα δέοντα,

επατε αιδενήσειεν, ως μη δενός αν δεοιτο ο κπάντων

έτων ηλίσκετο εςωπ, κ) ισως εδεν θαυμας ον επαθε. κ)

υπα μερί ή επως επράπετο.

3. Βελόμβρ - δε ὁ Κυρος ἐθελον αι μι εν μεθ' ἐσωτε 3.

κι τε Μήθες κὶ τεθ συνμάχες, συνεκάλεσε πάν αι τεθ ἐπικαι ἐπικαι ἐκ τε Μήθες κὶ τεθ συν πλθον, ἔλεξε τοι άδε "Ανδ ες χ. ἐπικαι ἐπικαι είκ τε και ἐβ συν πλθον, ἔλεξε τοι άδε παρώς ὅπ εκς.

πρεμμάτων δε όμθροι πὶν ἐμοὶ ἐξ πλθετε, ἔτε Κυαξάξει μίζοντες τεπο τω πρετεῖν ἀλλ ἐμοὶ βελόμβροι τεπο είζει κὴ ἐμε πιων τες, κὴ νυκποπος είν κὴ κιν διωνεύ ειν ω ἐμοὶ πθελήσατε. κὴ χάριν τέπων ἐρω ὑ μῖν ἔχειν είγε μὴ κὶ ἀδικῶ, ἀποδιθέναι ἢ ἔπω ἀξίαν διωί αμιν ἔχειν είγε μὴ κὶ ἀδικῶ, ἀποδιθέναι ἢ ἔπω ἀξίαν διωί αμιν ἔχειν είγε μὴ κὶ ἀδικῶ, ἀποδιθέναι ἢ ἔπω ἀξίαν διωί αμιν ἔχειν είγε μὴ κὶ διαι κοι κὴ τεπο αὶ χιωοίμίω ἐπε παξ ἐμοὶ, ἀποδώσω, ἐῦ ἴτε ὅπ τεπο αὶ χιωοίμίω είπε παξ ἐμοὶ, ἀποδώσω, ἐῦ ἴτε ὅπ τεπο αὶ χιωοίμίω τὰ είπειν (νομίζοιμι μὰ ἐμαινον ἐοικέναι λέρονπ ταῦ τα είπειν (νομίζοιμι μὰ ἐμαινον ἐοικέναι λέρονπ ταῦ τα είπειν τὰ δε λέγω μὰ κλον παξ ἐμοὶ κατα μθρειν) ἀνθίτεν πάδε λέγω μὰ κλον παξ ἐμοὶ κατα μθρειν) ἀνθίτεν πάδε λέγω μὰ κλον παξ ἐμοὶ κατα μθρειν) ἀνθίτεν πάδε κέγω μὰ κλον παξ ἐμοὶ κατα μθρειν) ἀνθίτεν πάδε κέγω μὰ κλον παξ ἐμοὶ κατα μθρειν) ἀνθίτεν πάδε κέγω μὰ κλον παξ ἐμοὶ κατα μθρειν) ἀνθίτεν πάδε κέγω μὰ κλον παξ ἐμοὶ κατα μθρειν) ἀνθίτεν πάδε κέγω μὰ κλον παξ ἐμοὶ κατα μθρειν) ἀνθίτεν πάδε κέγω μὰ κλον παξ ἐμοὶ κατα μθρειν ανθίτεν καξάξει κιδιωθοι, ὅμως ἤν τι ἀγαθον παξάω, πειξάπομα ἔπω

असंग केंड्ड भे पं एवंड हे एहं हे त्राया प्रसंग. हे उद्देश हों। व्यो पढ़ पृक्ष

क्समा केरे के प्रे पर्मकांडर, और मारे विश्वह में मारे रिट्रांकेड

bua, देममानीकंक्स, में हे माणा नहारह कार्नी हैं है के रे कार्याया.

το μεν νω ταυτα διθόνπ ημίν Γωβούα κη τείχη κ

εαν κ) δυναμιν, σεκεάστιμαι ποιείν μώποτε μεταμεπα τ΄ σεες εμε όδε. κ) το μέρισον δη, ετω σειρανώς
Θεων διθόντων αραθα, κ) φοδοίμλω αν αμτεύ κ) αιωίμλω δπολιπών ταμτα είκη απελθείν ερώ με εν,
ετω ποιήσω ύμεις β όπως τινώσκητε, ετω κ) κ) μνώσκεετε. κ) εμοί είπα]ε ό, τι αν ύμιν δοκή, ό με ετως τε Steph.

π σερτ Θ δε ό φήσαι ποτε συγ σενής τε Κύξε
εξον, αλλ' εγώ μεν, ερη, ω βα- γς. εθ εξ-

κων βασιλεύς μεν ηδ έμοιρε δοκείς συ φύσει πεφυκέ πεν, αλλ' 1, εδεν ήπον η ό εν τας σμήνει φυόωθυ Η της μελιπιών Εκίνων τε είνου το ρας ωικί ω μελιπιων εκέσων πείνου Το

P one

ठेम के के प्रमान, में हिन्दांव देगार प्रेम वेमहिन्सी. में N. שו בצוח, בלבעום בעדה מחסתבו חים צדם לפויסג חוג מני त्यां इंद्रेक्ट वह बंद्रूरकी कें देशहां है हैं। अह त्या. में कहां म र्रे पाग र कार्रेश किया के क्या मार्थ के कार्य क सम्बोधाः में निर्देश किंद्र निर्देश कर कर्म मिल्ले वेत्रम्बद्धः मह Mindow in ve o in ye gov जह के स्टिश्नि मा पर प्रांत करा के ge. eis ote Astein \* Ews ote 'A sudyns wuas ditespe Lev ; हेन्स ही ge. à mi- ca negow Bondos nuiv asquindus, gedov ai oga plo mi TELLEN; CIAES OR THOTAS ESEASOIRS OUVETO LOUS. OTE of au no δεύρο σρατείας έπεθυμησας, παίντες σοι Μήθοι έκόντη ந்கைக்கோரை. அயர் கி' வீ காகை உடியில், வீத சயர் சா நி ye. ouolos \* ouws is in the morenia ortes Sappeule, and 3 a κ) οίκαθε απέναι φοθέμεθα. δι μθύ εν άλλοι δπις ποιήσεσιν, αυτιὶ ἐρῶσιν' ἐγω β, ω Κύζε, κ) ὧν ἐγὸ

σης αν έγω σιγω. ή ης εμε ψυχη, εφη, οχ σεσα παρεσικόαςαι, άλλ ως ποιήσεσα ο, π αν ωξαγάλ.

λης. ο β Υρκάνι Απεν, άλλ έγω μω, ω Μηδοι, ή μης ο βπος τω άπελθοιτε, δαίμον αν φαίμυ πιω βελησιν ... γρ. δπος τὸ μὴ ἐαπα ὑμᾶς μέγα ἐνδαίμονας γρέδαι ἀνθρωπη σο το μή έαται ύμας μέρα ενδαίμονας γρεδού ανθρωπη σο δη γνώμη τις αν η φαιρόντων πολεμίων δποτεέποιτο, ι δηλα ωθαιθόντων, εκ αν λαμδάνοι, η έαυτευ ωθ ηθόντων κ) τα έαυτη εκ αν δέχοιτο; άλλως τε κ) η ηγεμόν θημίν όντ θη τοιέτε, ος έμοι δεκεί (ως όμινω έντ ηρεμον Η ημιν οντ Η τοι ετε, ος εμοι σοκει (ως ομονου το μεν πάντας τευ Θεες) ου ποιών ήμας μαλλον ήδεω νπο η έσω τον πλετίζων. Επὶ τέτω πάντες δι Μήθοι τιων απο

महत्र नक, में अधिहास की वं तहा, में दिल गर्नेड कर बेम्हिं प्रस्ते, κ) καρτες ήσομον ప్రం σε ενεργετεμένοι. επὶ τεπις i Τιγράνης έλεξεν ώδε τύ, έφη, ω Κύρε, μήπ θαυμέ

σης αν έχω σχω. ή χδ έμε λυχή, έφη, έχ ως βελεί.

να έλερον σι, ω Κύζε, Ε΄ παντες οι Μπο οι τοι τοι γρο γε. καιρός όταν απέναι \* καιρός σοι δοκή έ΄D, σύν σοι παλε απέντι Γοκή σω) γαγε. ὁ ζ΄ Κύζω ταυτα ακέσας, επεύξατο, αλλ. ο τοπ 

में गये कल्लेड मार्ग्स्या देश मार्ग मा

4. Touris

र्धाव

18 TO 17

di-

en.

Sia.

, 719 axo-

લે હી

780 וֹת ע

OVTE

1 più ी हैं। विस्तार

870

ueda, Tels i

avui-RYEN-

ρωπίη

O LUSUM

il d : 23

4. Townto wer 8 To The surger Singa you were of γαςάντες εποζεύοντο ως ες τον Γωβρύαν, Κύρ Θ μεν εφ ππφ, x) of Περσών ίππις, γεγγυημένοι αμφί του δίομίκς όι ή τα τετων γέρρα κή τας κοπίδας έχουτες όπι ชางเร ผีพองของ โดย อิงชะร ซอิง ฉ่อเป็นเย่ง. หู ห์ ฉักกท ศีทิ เลกส์ รัพองุรย์ราช ซะชนโนเร่งที่ รัพสรอง ปริธันย์กลี ซะ ซะโร หละ-ीं हं व्यामी अहत्वात्रकार संत्रसंग, उत्त हाड़ वेर वर्णमी में में वेता-बंगव हैंद्र मी देश नवह स रिएम्प्र वे शेंग्या नवा स्ट्रेस केंग्रेस में हैं। dreggior se aupi Seixlu zizrov.) wees To Tabeus εείω, κὰ ὁςῶσιν τῶριοχυεόν τε τὸ ἔςυμα, κὰ ἐπὶ τῆς τει-ὅν πάν]α σεαμεσκολασμένα, ώς ᾶν κεοίτισα ἀπομάχοιντο. ਓς ἢ πολλές κὰ πάμπολλα σε εδατα τῶὸ τὰ τενί- ρς. ἔςυμνα ala σεσσης μένα εωρων. πέμ. μας δε ο Γωβρύας εκελάσε ον Κυρον જ્લાદ λάσον α εδείν η η σεόσοδ Φ ευπετες απη, το ή πεμιαι σεός εαυτόν τη πεών τινας, οίτινες αυν τα ένδον ιδύντες απαγ ξελέσιν. Επω δη ό Κυρ Φ τός μεν τω όντι βελόμφω ίδειν εί πη είν αίζεπμον Τρίλ: Α τάχο, ἢ Δοθης \* φαίνοιτο ὁ Γωθεύαι σετιπλαμνε χε. χύοιτο.
Τοι, Η Αντίλεν, ἐώρα τε ἰχυρότερα πάντα \* ἢ σερσελθάν ες χε. ἢ σερΙν ε΄, Γεπιμές σερς Γωθεύαν, ἀπήγγελλον το Κύρο ὅτι είπεν. σούτα είη ένδον αναθά όσα έπ' ανθρώπων ' γρυεάς, χε. γρυεάν. ς σφίπ δοκείν, μη αν δπικέπειν τευ ένδον όντας ό ν δη Κυς Θ εν φεονήδι ην δ, τι ποτέ είν ταυτα. δ Γωθεύας αυτός τε εξήκε στες αυτόν, κ τες ένδοθεν εντας εξήγε, φεροντας οίνον, αλθες: αλλες ή ελαύποιώ ντας, \* βες κ) ὖς, ὅιας, αιγας κ) εἰ τι βρωτον, πάντα ρε βες αιτιών αια σρεσήρον, ως θειπήσει καλως απασαν τίω σων ρας, ὅις, ὅικαθι ἡρω τρατιάν. ὁι μθυ δη δη τετω τα χθέντες \* δηι- σῦς, κ) ὁ, κ ἀπὶ ντό τε ταῦτα κ) ἐδειπνοποιεντι. ὁ ἢ Γωθρύας, ἐπὰ τι βρωτ.

Αλ, ο ἰντες ὁι ἀνδρες ἀιπῷ ἔξω ηθ, ἐστέναι ἀκέκδισε τὰ Κῦρον ρς. διακομενίν τως νομίζει ἀσφακές ατα. σρεμασέμ λας εν ὁ Κῦρο νεντο.

αυλά εσκόπες κ) διωαμιν, κ) αὐτὸς ετως ἐσήει. ἐπὰ ἢ
Πέρτα πλθεν ἀναπεπαμένας εχων τὰς πύλας, σαρεκάλει ἰντας τελ φίλες κ) ἀρχοντας τβ μεθ ἐαυτε. ἐπὰ ἢ
κατι τελ φίλες κ) ἀρχοντας τβ μεθ ἐαυτε. ἐπὰ ἢ
κατι τελ φίλες κ) ἀρχοντας τβ μεθ ἐαυτε. ἐπὰ ἢ
κατι τελ φίλες κ) ἀρχοντας τβ μεθ ἐαυτε. ἐπὰ ἢ
κατι τελ φίλες κ) κόσμον παντοῖον, κ) δαρεκές ἀ- ρε. δεινόν
κ τι τες πινὰς, κ) κάσμον παντοῖον, κ) δαρεκές ὰ- ρε. δεινόν
κ τι τες πινὰς, κ) πάντα καλὰ, κ) τέλο τιω θυρατέ- τι κάλλο
κ τι τες πινὰς, κ) πάντα καλὰ, κ) τέλο τιω θυρατέ- τι κάλλο
κ τι τες πινὰς, κ) πάντα καλλο καὶ μέρεθο, πεν θικῶς ἢ γε. Εξάκτιν τε άδελος τεθνικότο) ' εξαραγών, τάδε εί- γων ωδε το πεν: επεν, गावड़, \* हिंडड भे हैंड, ठांबड़, कोंग्रवड़ भे हो म डिट्डकार्ग, मर्वणाव है. हिंड का-1 อม วัน THEY! 64 THEY?

ye. xai TULT a.

Awvi, ei

लास को.

πεν' δ Κύρε, έγω σοι τα μβο χρήματα ταυτα δίδωμ τω δε θυρατέρα τουτίω επιβέπω διαθέδη όπως αν ή B'SA 11. ine Tedo who 3, हेर के क्षेत्र के कर्डिट पर पेंड पंडि, क्षामा vu रह बेर्न ६ २० मायळ हुं ए प्रिक्टियां एक. ठ रहे Kugo क्ल ταυτα είπεν αλλ' έγω σοι μού \* κό τότε τως χίμιω, έ Lassing or Timosysten eis Smiamis, im Je gu u άλη θεύοντα όξω ήθη, όφείλω των ζωόχεσιν κ) πώτη ்ன அத்பவ கம் விகம் கவாக கடை இவித் குவர்களு. ஆக mb senuala, to, eya raura sexqua, sidam d'in τὰ τῆ πουδί ταύτη, κὶ ἐκείνω ος ἀν γημη ἀυτίω. જ્ઞાર Θω ૯૦૦ ἀπειμι έχων παρὰ σε, ἀνθ' ε έγω ἐδ' ἀν πίν γο. Βαθυ- Βαθυλώνι, εν ή πλείςα όξην, εδε τα πανταχέ, άπ

oix

24. Se

UZ.

A

以前

τέτε ε π΄ μοι δεδώρησαι, ηδιον αν έχων απέλδημ κ) ὁ Γωβ εὐας, θαυμάσας τί ποτε τέτο εἴη, κ) ὑσοπείας μιὶ τω θυματέρα λέροι, ἔτως ἤετο, κ) τί τέτ της έρη, α Κύζε; κ ο Κύζ Φ απεκείνατο ότι, έρη, ο Γι δεύα, πολλές μων οί μαι εί) α βρώπες, οι έτε απέτ ลิ้ง อิธิภอเอง, ซัสธ สำคัญ ซัสธ สิ้ง ปุ๋ยบ์ชิเหสอ ธันอ์งสะเป็ री के रहे के धार्म हैं एक वे पक्त है जिस्ताम है एक कहाई के वा धार है

35. μεράλα ματα πολλά, μήτε πυραννίδα, μήτε τειχή ερυμά MITE TENNA agiseasa, anodríonen mestepor mair din अंग्रेंकेट व्हार हैं? हिला है का मा में उसका है कि मान TOV TOWATO PORTO, HI SWORM TWO oli H JUJO TER ather 2'S πητον έγχειείσας, πεποίπκας με δηλον χινέος πάπη άν τε Αρώποις, ότι ετ' αν ασεθείν σει ξένες εθέλοιμι ετ' αν αδικείν χεημάτων ένεκεν, επε συνθήκας Ιωδοίμω ά το έκων εί) τετ' εν έγω σοι, ευ Ιδι, εως ανής δίκωθ ά n' d'one id tois To stave mai à d' postou, s'an 100 100 100 100 επιλήσομαι αλλά σειροσομαί σε αν Ιτιμήσου πάσ πι सवर्गाड. में वेर्गिट्डेंड जी, ह्ला, नमें प्रिश्वन्दों प्रमे क्रिंड केंड्रे ς ήσεις αξίε ταύτης. πολλοί χο κή άχα θοι φίλοι είπι εμι किं ठेज़ड़ त्रवाम वं चर्माक, से पर्दणका द्वां प्रवास केंद्र स करवान μέν είσι κοξεν η ποτε κλ ξαπικος ομηθεξαι ως με το επο Θεοίς γρίες ποτε κλ ξαπικος ομηθεξαι ως με το σων ελένος ποτε κλ ξαπικος ομηθεξαι ως με το σων ελένος ποτε κλ ξαπικος ομηθεξαι ως με το σων ελένος ποτε κλ ξαπικος ομηθεξαι ως με το σων ελένος ποτε κλ ξαπικος ομηθεξαι ως με το σων ελένος ποτε κλ ξαπικος ομηθεξαι ως με το σων ελένος ελένος ποτε κλ ξαπικος ομηθεξαι ως με το σων ελένος με το σων ελένος τ ειέν είσιν έδεν η Πον έμε τοίς φίλοις, τοίς δε σολείν αν τοις \* έδεπο] αν ύφειντο ζώντες. εί μη Θεός βλάπι αν τοις \* εδεπο] αν ύφειντο ζώντες. εί μη Θεός βλάπι αν τοις \* είνου τοις \* είν

Ve. ws 8-कार क्षेप वेण्डारे भी वेहहमाँड अव्ये मेर्ट्साड वेज्य जेमेंड हुन। हुनी व्येण पत्रे हिंगी Juju.

arn

ני אדנו

m, e

TE OF

τωίτη

में त

87 14

niis din

Solm. Reise

, 15th

à le och

त्रह ही.

75 %ir

eumi,

τείς τοις σοις κή Ασυείων σάντα σερέλουντο. τιέτες γοβας ευ ί એ εν ται θα καθημιζίες. κ) ὁ Γωβρύας όπιχελάas, क्लेंड Өटळेंग, दिवा, & Kuge, Seigor por कह है ता संतर, ha जा महत्तकर तर वं वांतां ज्याता त्रवां दें पार प्रश्ने के वं प्रदेश से, lon, ชีวิ อุนซี ฮร อิรท์อย ภาย วิสยรอง, ล่าง ที่ย ฮเม ทุนเย รัสท, હોં તેંદ્ર જ દેશના મેં તેં એ છ દેશમાં તા તાં તેં દેમ જ દેશ.

5. Τοταντα δ' είπων δεξιάν τ' ξλαθε το Γαθεύα, κ) vasais રિર્ફાલ, મે \* જ્યાં જા જે જા લે પાર્થી જાલે પાયક રિર્ફાગ્લ માટે કે લેવા-าเมล์ ร้องแม่ง ซึ่ง โพธิยุบัล รับปอง ประเภาคั้ง, ชั่น ที่ประมาของ ικ' οι τω εραποπέδω εδέπνει, κ τον Γωθεύαν (υν- Τε εξήγεν Annor σαρέλαζεν. οπі πεάδ Φ δε κατακλιθείς ης ετο όπν ώδε, είπε μοι, έφη, ω Γωθεύα, πόπερον οίε εί al ou maio n nuav endew spaluara; no os elmen, ulin πόν Δί' εὐ οίδ' τη σρώματα πλείω όξι καὶ κλίναι, κ inia je motho usilov i buetepa The euns of je olnia की अभिने पूर्व पर भी हिल्ला है, द्वारत ही रिप्टी सेना रे किंदर for av cuval em yns' spor mara de vouicere ex onoοι πείδατα φύει έρια, άλλ οπόσα ορύγανα όρη το κ Mia avinor. Tôte whi Si wew to Tobevas Cursent-שור ביניתונים, יפשי דונו במטאסדוודם אל שפחשב שלישי בנשי ετ is επαγή, ετε νόφ. μη εχί σερνοείν άπες αν κ) μη εν στφ Μω is ον άλλ ω ασες οί ίσπικοί, δια το μη ταράνειος όπο ωθ i ν ίσπων, δίναντου αμα ίσπεύοντες κ) ός αν κ) ακέκιν έπη βλέγειν το δέον, έτω κὶ ἐκεθινοι ἐν τος σίτον σο σίνται δείν
απη κίνιμοι κὶ μέτειοι φαίνεδαι το δε κεκινηδις των της
άς της το σόσεως, σάιν άντις \* κυνικόν κὶ Flor. Edit.

ας τη φιατων κή της πόσεως, παίν αυπίς τηνικόν κή Flor. Edit.
πίνεμε τειωδες δικά είναι. ενενόησε δε αυτήθ κή ώς επηςώτων πόδης.
σαύτε λλήλκς τοιαυτα οία εςωτηθήναι ήδιον ην η μη, κή ώς ρε συίκον.
εχοιμε κωπον οία (κωφθιμαι ήδιον ην η μη, ατε επαίζον
οί εί κολύ μξυ υζεως απην, πολύ δε τε αίγχον τι ποιεκό την, πολύ δε τε χαλεπαίνεδαι ωρός αλλήλκς μέμσον ρε σρατηξεύχοι είναι, τὸ τ εν σρατιάς όντας τη είς τη quodam
είς πη θε αυτόν κίνδυνον εμβαινόντων μηδενός οίεδαι δεν Vet.
πολεμε κω το δρατίθεδαι, αλλά τετο νομίζεν τη μερίσην ευω χε ωρακάπε αν εθ, τος συμμάχεδαι μέλλοντας, ότιδελτίς κα πα- σκά άζεδς
Σύζε κπαδιάζεν.

Σύζε κπαδιάζεν.

6. Hrixz

M

a

jα

3

al

W

6. 'Hνίκα '') ὁ Γωβρύας εἰς οἶκον ἀπῶν ἀνίςα το, εἰπῖη λέγε), ἐκεπ θαυμάζω, τό Κερε εἰ ἐκπώματα με χὶ μώπα κὰ χρυσιον ἡμεῖς ὑυἢν πλείονα κεκτήμεθα, αὐτὶ κὰ ἐκὰπον ταῦτα ὡς πλειςα ἔταμ, ὑμεῖς δὲ μοι θοκεῖτε επωκος. βέλπ λεῖος ὅπως αὐτιὶ ὡς \* κραπιςοι ἔσεδε. ὁ μὲ ταῦτα ἐπως. ὑ κῶς ὅπως αὐτιὶ ὡς \* κραπιςοι ἔσεδε. ὁ μὲ ταῦτα ἐπως. ὁ κῦρθ, ἀγ, ἔρη, ὡ Γωβρία, ὅπως ωροῖ παμέτη ἔχων τος ἱππέας ἔχωπλιο μίνος, ἱνα κὰ τὶω δωάμνος ἔδωμλυ, κὰ ἀμα διὰ τὸ τῆς χωρας ἀγης ἡμας, ὡς ἀνὶδομλυ, κὰ ἀμα διὰ τὸ τῆς χωρας ἀγης ἡμας, ὡς ἀνὶδομλυ ἀτε δεὶ ρίλια κὰ πολέμια ἡμᾶς νομίζει». τὸτε μὰ

δη ταῦ τα εἰπόντες ἀπηλθον ἐκάτες Φ ἀπὶ τὰ ωροίκοντα. ἐπεὶ ἢ ἡμέρα ἐγρίετε, σαρίω ὁ Γαβρύας ἔχρη τος ἰσπέας, κὶ ἡγειτε. ὁ ἢ Κῦς Φ, κάσες ωροσικει ἐφὸς ἄρχονπ, ε μόνον τος πορεύελζ τικὶ ὁθὸν ωροσείχε τὸν νης

χ. τος στον άλλ. άμα τος είων επεσκοπείτο εί π δυνατόν είη πολεμίες άδενες έξες πο είν. αὐτες ή ίγυς ερτές ες πο κίν. αὐτες ή ίγυς ερτές ες πο κίν. αὐτες ή ίγυς ερτές ες πο μίζε μάλιςα είδεναι ων αὐτος μέτο δείδς μαθείν) ερί τοι, έρη, ἀνδρες φίλοι, οἰομαι σωὶ ὑμῖν ως πετίς εκλευδιμθ τοὶ τε πελέμε τεδε εκ αν ὑξαμβτάνειν. ὑρὸ χο ὑμῖν ἔπ μαλλον ἢ εμοὶ σκεπέον ον δπως ο λοποθ ἡμων μὴ ὑπιν επιακλον ἢ εμοὶ σκεπέον ον δπως ο λοποφελέντιος κίν ὁς κατός κικος κὶ ἀλλη ἀπες ερφή ὑμῖν ή, εἰ κῶι ὑπικε κὶ ἀλλη ἀπες ερφή ὑμῖν ή, εὶ κῶι ὑπικε κὶ ἀντα ἀλλότεια μηνόμψα κὶ ἐκαιοὶ μὸς πολέμιος ὅπιν εκ ἐμὲ μισών, ἀλλ οἰομθθ εκάτυμ κικος κὶ ἀπολέμιος ὅπιν εκκὶ ἐμὲ μισών, ἀλλ οἰομθθ

έμοι μόρ πολέμιος όζην έκ έμε μισών, άκλ οἰομφθ \* ἀσύμφορον εθ απώ ήμας μεγάλες εθ κό \* ςραπώ Το Απούμφορος εθ απώς ήμας μεγάλες εθ κό \* καὶ αδικείδι περίξει ύρ ὑμως. περίς ταυτα απεκείναντο ἀμφόπεις \* καὶ τὰ αὐτὰ περίνειν \* ὅτι μέλοι ώς ταῦτα εθα σφίσι, κὸ μέλοι αὐτοῖς ἰομφῶς ὅπι τὰ νωῦ παρόντα ἀποδίσοιτο.

a margay

**χ. ἀσύμ φορον ἐσυ**τώ ἡμᾶς. **τευσε** Β΄

γς. χ<sup>τ1</sup> ταῦτα al. ő, π μέλλοι.

Da.

EL TELY

à i mi

Tol di

οπως

िना पर-

6 70

च वर्द्ध ॥

per so

2 V H-

TE WH

ଉଥରୀ-

1/47

2.101

OF 187.

1M 765

5. 1.d.

S in-

1) 570

15 Se

17. 099

rieig

20002

à cm.

e. x, x

Pipul

a TEVE

25 100

OTE 814

eidin

व्य वेताः

vuas

m δωαντο συμμίξαι. τί δ' εν μέσφ, έρη, όξι το συμa; 'Awieror, Epag, to auto Edy O d' Eme vun noин. епе 3 ташта инвоте в Ков , т ро, коп, с Гыja, & où Te rearious Tets, of run eig this Bankeiar Figure, Topingariar modilio Tiva To TEOTE nath 2018 5 αύτα το είμαι, έφη, ο Γωθεύας, έπαθον ώσι αυτέ πόea dira, ton o Kugo, eis or movor expreso roisto, i es \* ans mude; vn di, ern o losquas, x eis ans 28. annov Miss. बंभे के 780 में बेर्जेहण्डिए पढ़ गाँउ गिर्टाईस में रेस रह- मार्थ ह ν; ένος δι ανδρός πολύ διωατωτέρε ѝ έρω μόν, κ मांह हे त्या हुए वें पत्त के काइह ने हम्रेंग, का मार्ना एवं पता है काπιλαδών εξετεμέν, ώς μέν πνες έφας, όπ η παλκή αυτέ επηνεσεν συτόν ώς καλ δς είη, κ) εμακάρισε रत्म हुन तर्म कार नीयों क मा कर्म करार्थित. ये एक किए ट्राइ ट्राइ हिन, निक ने बहुर्राक हेर्स, हम न के मबम ह व्याप्त हम्हर्रिक मा-. ४१४, ६०१, ठांस के में नहींका मध्य है कि में मेरिकड से ठौο αυτώ βουθές αν χυέως. Ου με εν οίδα, έφη ο Γωνας αλλ ιδείν τοι συτόν χαλεπόν όξιν, ω Κυ ε. πως; à Kup . ेम हो प्रकारिता माइ देस होएक क्राया दिहार, कवा काό τω Βαζυλώνα δεί παριέναι. τί έν, έφη, τέτο χαλε-; οπ ιη Δί', έφη ο Γωθεύας, οίδα έξελθες δωία-री स्थाप्त में मी ov जा पार्क में के कि कि का Acresos में माड़. \* कामार देश हैं निर्देश में द्या है का का का का का का का कि के कि के कि कि o monus win ensame. ). Jones de moi, equ, sennor es 28. ounal-בעאמון בשושונים שבינים בודים אנים ביות 8. Kai o Kug Grans नह प्रिटिशंड कार्योग्य, कार्य कि कार्याय. ες αυτον έλεξε καλώς μοι δοκεις, ώ Γωβρύα, λέ-ण, प्रधार्थण कंद वंद्रवसेश्चा त्या त्याद त्याद्वा त्या निया. by su momen a Suranae envoymen areans sear assυμας γ ον σκοπων ε συναμει εννοησαι ασφαλειερμ εσεεμπη, ω ποςείαν ημίν της σχος αυτιώ βαζυλώνα ποςείας
α Δί, αι, ε ελεί της πολεμίων όζι το κράπεον. πολλοί
καθε λάς είσην, ως συ φής. εί η χη θαρρήσεση, χη \* θει- χε. δήλοιω, ε. ημίν, ως εγώ φημι, έσονται. μη ός ωντες μη εν ήαπείν ς, αλλ οίδωμοι άφανες εί θια το φοδείδη εκίνες,
μαθα είδη, έση, όπι τε μη φόδε απαλλαζον η ος αυτοίς εγ όπι έτο, θαςσ ο δε εμφύσε η αντί τετε πο ετω μείζον
εκ γ, ω αν πλείονα χρόνον ήμας μη ός ωσην ω η η η η η η Iwww

εωμθυ έπ' αυτού πολλές μθυ αυπθ έυς ήσο μθυ έπ κλώ.
οντας του αποθανόντας υφ' ή μθυ, πολλές ει έπ τς αύμε.
τα επιθεθεμβύες α τωό πθυ ήμετές ων έλα εον, σάντας μ'
έπ μεμνημθυες της τέθε μθυ τε τε στούμα ! Τόλμης

ος. ιωτ, της δι αυτή φυγης τε κ συμφοράς. ετ δι \* ιωτή ξου, ω Γω Γωθεύα, εθ κ) τε το ήθη, ως οι πολλοι ανθρωποι δτα βενία, ενα μιθ θαβρήσωσιν, ανυπόσατον το φρότημα παρέχον θι δτα καὶ τετο β θείσωσιν, δοφ αν πλείες ωση, τοσέτω μείζω κ είπιειδης, ως πληγμόρον μαλλον τον φόθον κέκτω. θ. εκ πολλων μ β

al. ava-Spédou. Τε χὶ εξετικότων σερσώπων ἡ θροιςαι. ως το το ης μεγεθες κ ρόθιον αυτόν όξιν ετε λόρρις κατασβέσαι, ετε σεσάροντα πολεμίοις με Θ εμβαλείν, ετ' απάροντα ' άπε σε σάροντα πολεμίοις με Θ εμβαλείν, ετ' απάροντα ' άπε σε σάροντα πολεμίοις με Θ εμβαλείν, ετ' απάροντα ' άπε σε φείνημα ' άλλ' δο φ άν μαλλον αυτοϊς βαρεί εξει το πολεμικοϊς βαρεί εξει πολεμικοϊς εξει με εξει πολεμικοϊς επι τε τε με τοι απερεί πολον απαρεί πολον αν σο αλεί πολον με με τοι απερεί πολον περί το δει πολεί πολον με το πολον με το πολον με το πολον περί συν θεοϊς συν ή με το πολεί πολον με ελάπονες είσι νυν ἡ πρείν ἡπηθήνου υφ' ἡυκό, πολοί ελάπονες, ἡ ότε απερί περίν ἡπηθήνου υφ' ἡυκό, πολοί ελάπονες, ἡ ότε απερί εξει ή ήμας. ἡμες εξε χὶ \* μείζι ελάπονες, ἡ ότε απερί εξει ή ήμας. ἡμες εξε χὶ \* μείζι ελάπονες, ἡ ότε απερί εξει ή ήμας. ἡμες εξε χὶ \* μείζι ελάπονες, ἡ ότε απερί επερί πολονες πολεί και ελάπονες, ἡ ότε απερί επερί πολεί και εξει χὶ \* μείζι ελάπονες, ἡ ότε απερί επερί πολεί πολεί και ελάπονες, ἡ ότε απερί επερί πολεί και εξει χὶ \* μείζι ελάπονες, ἡ ότε απερί επερί και πολεί και επι το πολεί και ελάπονες, ἡ ότε απερί επερί πολεί και εξει χὶ \* μείζι ελάπονες, ἡ ότε απερί επερί πολεί και επι το πολεί και πολε

20

1

i

da

cu.

ai Le

μέ

Ö E TO

vei z

77 .

all

υμείς ήμ. 9. Οθτω μεν δ') πος δομίνοι, τετας ταΐοι δη τοίς δ 9. είοις της Γωθεύε χώς ας έχθο το, ώς δ' εν τη πολεμί ην, κατές πος λαθών εν ταξειμεθ' έαυτε τές τε πίζε καὶ ηθ ὶ ππέων όσες εδόκει αυτώ καλῶς έχειν. το δ אמני

avua.

vous d'

ONLING

i 21, 8

שדם נס ) · ő 714

cum-

v il y

τολλού

2 VILLY

& MEYE

ण वध-\* d14-

जिस श्रमा

CKHI

du pag

Ep 2015 es nal

15 50

c pierry

ZAHIN

645 700° P Sap

עט ענו

B UKS μείζο

U USIS

121,0

h av Su

فاج الا mi Ba

70150

Asula m (8 803 d and

भार विकास के किया सक्ता असी है। अर्थ है से इसे की तह उसने आहें। विकास क कामा , प्रवास स्वांग्ला, मा जी वी वेश्वाह में कलंदियाय, उठव वेंग् रिकार, बेर्सर कार्ड़ का रहेर. हमहर्रिक हैं में कर निहित्यह γιαταθείν κ) ή κον πολλοί ωξύ ούτβο κατακικυλισμένοι ο τη ιππων, πολλοί δε κο λείαν πλείς ω άροντες. of warling in Acia, ou Transoras Tes Te The Mindow a e-Mas x) T' Tenavior, no Too out inss, "xeter of te" Aves cinois Teriore nuas a murtas monhois agadois o ωβεύας. εί εν, έρη, τοῖς Θεοῖς Εελόντες τὰ νομιζομένα τη άλλη σραπά τα ίκανα, δοίημος τω άλλω τέτω καν, α'ς αν, έφη, καλον ποιήσαιμον το τους φανεροί χε. τως. ित में करें हुए कार्राक्षण करा करा किया माम के ए कार्राक्षण करें ι δί τετ ημες, παντές με επήνεν, πάντες δ' ενέχωαζον είς δε κ έλεξεν ώδε, πάνυ, έρη, ω Κύρε, πέτο imould. if is Eurize Sone, Eon, o Tweetas Awx es muas huler nuas, on & Superior pesti nicouly, & s' ex yeu-ए क्रिकंप ठेमें voule. ei है रहरा महामंद्रवाही, poin av, दिका, म स्मिन्द्रांषड ही में वंगरी भूड्रणांष्ठ दिए. रिष्ट में , हिमा, नवे न थ्या केना कि पहड़ नहींड धर्य हाड़, में ठें उस नमें इन्या में प्रथम के दिनίντες, τὰ άλλα καλέσαντες τ Γωβρύαν δύτε αυτώ, επο η λαβον/ες ένεμοι όσα έδει, τα άλλα έδος τω Γωβρύα. 10. Ex TETE Si nes mess autim Babulava, meataίωθο ώστες ότε ή μάχη ήν. ώς δι καντεξήεσαν όι Ασύριοι, εκέλευσεν ο Κύρ 🗗 Τωβρύαν προσελάσαν-લેમલેંν, હતા લે βέληται દિાών ο βασιλεύς જો Της φους μάχεδς, κάν αυτός σων έκεινω μάχριτο εί δέ विष्यांस मा र्थाइक, उमा के बेर्युमा महीद महन्महन कर्स डिαι ό μεν δη Γωβείας προσελάσεις ένθα ασφαλές ην. ο ομ αυτα είπεν ο θε αυτώ εξεπεμιξεν αποκεινομένον τοι-Α. δεωνότης ὁ σὸς λέγει, ὧ Γωβρία, έχ ὅτι ἀπέκτει-मं तह महेंग पुरेश पहरव पहंत्रता पाठा वं रूते हैं ता है के कहिन्छπολε τον τον μεταμέλει μοι άλλ οπ ε κ) σε σεσα-πολε τη είναι μάχεις Α΄ αν βέλησε, ήκητε είς τ τειακος ήν , είν μεταν. νων Α΄ ημίν έπω ορλή. Επ λο συραπιδαζό με θα: ο Γωθεύας είπεν, αλλα μήποτε σοί. λήξειεν αυτή η κταμέλεια. Ιήλον οδό δη ανιώ σε έχω, εξ ε αυτή σε η μπαμέλεια έχει. ὁ μθο δη Γωθεύας απήγγειλε τα τε 'Ασνείε. ὁ ή Κύρω ακέσας παῦτα, απήραρε τὸ εράτο μα, καλέσας τ Γωβρύαν, εἰπέ μοι, ἔρη, εκ ἔλερες μβώτει τὸ π τὸν ἀκταμθέντα ἀπό τε Απυείε οἰει αν σων ήμιν χρέτας; ἐῦ μβύτει, ἔρη, δοκῶ εἰδεναι πολλα χο ήδη ἔρωγε χὸ

100

28. autos 187 H. E-THOU'V.

ča fir G sappnona od peda wejs a thinks o o o te & v this சை சிலக் தேகு, குற்கிக் குற் வேரம், ஆ அல்ரம் மில்ர mies omas av \* autoi o, nav lezu eidnie enedat συ Γρώπ αυτώ, εκν μέν γνώς αυτον φίλον πωρ βελόωνη ED, TET' non zen unzara De omos na In pino av hun ETE D av plass Tis moinotien a was mus meisa ajay εν πολέμω, η πολέμι Ο δοκών ε), ετ' αν έχθρες πλο TIS BRALES ARROS TOUS I PING SONOV ED. x uli έφη ο Γωθεύας, οίδ' όπ καν πείαιτο Γαθάτας το μη Τι ποινται κακόν τον νω βασιλέα 'Ασυρίων' αλλ' ί,π αν δωίαιτο, τέτο ε πμας δε σποπείν. λέγε δή μοι Epn & Kuel, eis To to ogsecor to me i goeds, & od TE 'Y exerious TE में Sangus की महत्त्वार्थ के प्राचित मार्थ में हुत, क्लंडिवर्रक ही यह क्लाइमाह. यह ये वाहा, हुना, रेक है בשושל עלים שדעם לאם עסק פעטם עסד משמשל בקשם או אפשפסף σαρώς γε, žon ὁ Γωθεύα, είπε ανύποπο ων, ώπο νον όξιν, ασίκοι το σρος αυτόν. εκεν, εφη, ανυποπότα] ( केंग मंग मं क्लु कि वे रे रे रे कि के कि के रे Ceiv βελόμθω, ἀπομάχοιτο δ' ἐκείν Το ἀνὰ κράτο. κ) λάβοιμι κθο αυτέ π έγω. ἀνπλάβοι ή κακείθ में में वे ने ने के ने के के के के के कि का माम मार्थ है के देशों megs TETES ES pate Toxenies The 'Acordin ib' si μιν ληφθέντες λέχριεν οπ οπ ς σώτ διμα απέρχον). 20. water xy manas \* we to obseron a sontes, o 3 cons x @ gired

70 00. €. EOVTES.

कल्क्कार्मा ज्यान कल्का प्रसेश्या दिश्रेश्यो कि न्या न्य क्यासाय, κ) ο Γωθεύας είπεν, έπω μλι γιγιομλών σαφώς οίθε ίπ मल्द्रा केंग्र कार्रण, में रिशाम दें केंग्र कार्र मिलंदा हैंड कर हैं। anendys. ener av, eon o Kugo, eige anag eige du Swar av huir two xeleson Tomora To xelov. eixos you έφη ο Γωθεύας, τα μου ένδον εκείνε συμπαροσκοίοι. 79, नवे हैं इक्षित्र कह निक्षित कहाने हैं। र्का, हो कलाव कार्य में किंदिया हो कि कार्य है के प्राप्त कर के कि कार्य कार्य के कार्य क जाइये हैं वामक अस कर महार् क है यह दामागड़ केंग, है यह उद्देश की משדסק סט דעץ אמנים שמש חשול בואחסטיב.

II.

11. Έκ τέτε φχετο μεν ο Γωθ ευας ασμέν 🕒 ή idis αυτόν ο συνέχο, συιωμολόγει τε πάντα κή συνέθεπ ά Eses. En et 3 amiy sener o Tubevas on navra doxoil λουρως τω ευνέχω έχειν τα όπισαλέντα, εκ τέτε τι istegia mesoibane wi o Kugo, amud zero o o la Saras, The 3 as years is ETTELLEN & Kuess, mesermina

2 0582.

Toper 7018V

, a

MEA

6 C. no

asúz. THI AS

WG-

NTO, 0 SASE O

zupe,

mis O

36

xweio:

SKHAS

M' di

al, iv

Win e

12.

unues

mey,

7019

. ia

mg ë

48789

was)

3000

a KOI

8000

ô Kũ

MUTAY:

w; & a

TETE

MOTE

ivior.

λτας

50 SE

mix 150

Tas

τρεύσειντο, τευ με είασεν ο Γαθάτας διαφεύρειν, όπως pier ta seateu mata, no tas xxi manas xomi (oier &s έλαδε, \* βασανίζων εναντίου πολλών. ώς δι' πκεσεν χε. εβασά-' a koag nogevedy, cudius ouvered aquivo is of verey. MENOV, THE VUNTOS ET OGEVETO. TENG 3 ms & Deis as 20. 5000 1-Into se este xe.) eis to perenor if tens who \* out mage- as a who σεύαζεν δ, π εδύνοιπο πό φεκεάεχη επεί ή ο Κυε ο γε συμπατίλθε, καταλαμβάνει το χωρίον, συνεργές ποιησά ρεσκευάζε-₩ अं रहा कि के Kuge αιχμαλώτες. इस ो रहत है रहत है रू- το ठ, τι το, δυθύς Γαθάτας ο ευνέχος τα ένδον καταςήσας εξ. δύναιτο Αθε σε τον Κυεον, κ τω νόμφ σεσπυνήσαι, ε πε, τω φεντίρε, ο Κύρε. αλλά ποιώ τουτ', έφη συ γάρμε σύν εάρχω. nis Oeois & xerevers movor, ara ni avaz na (es zaiger. ο ίδη, έφη, όπ έγω μέγα ποιεμαι φίλον τέτο τὸ queior rois cudade ouppagois \* xaraxireir of d' son, ze. xara-Tadata, o' Acriel Traidas whi, as forks, to " Toleival Trav' ou εκίλετο, ε μβύτοι τόρε φίλες κτάλζ δύναλζ άπες έζη τεν. δέ, έρη. Μ' ευ ίου ότι ήμας τω έργω τέτω φίλες πεποίησω, οί χε. τοιείni, iv idunduda, we egowuda un xeies, Bondo i nacasi- du. μη εί παιδας η έκρονες εκέκτησο. ο με τοιαυτα έλεξεν. 12. Έν ή τέτφ ο Υεκάνι , α ετι η Απμέν Φ \* τε γε- 12. το κερωτεί τω Κύρω, κ λαβών των δεξιαν αυτέ, γρ. το γε-πεν, ω μέρα αραθόν συ τοις φίλοις κύρε, ως πολλω χρημένον. τοίς Θεοίς τοιείς χάριν ορείλειν, ότι σί με συνήγαη. Ιωτ νον τοίτυν, έτη ὁ Κυς Θ, η λαβών το χωείον μετέρφοίλο πλείσε άξιον η κ τοίς είλοις συμμάχοις, μίλισα δ', έφη, Γαδάτα τέτω, δς ήμιν λαδών σύτδ φαδίδωσι- τί έν, έφη ο Υγκάνιος, έπειδαν Καδέσιοι ίθωσης Σάκαι, ης οί εμοί πολίτου, καλέσωμθη ή τέτον, εώτατα χεώμθα τώ φενείω; ταυτα με έτω συ ήνεσε τειχισμέ-אל אניפון. באה ל סטוות שסי סוון בעבת שבו לש ספצבוצ, בלצ- עסף בוח דצυύσαντο κοινή φυλάπειν οίς πες αραθόν ήν φίλιον ον, ο- των γίνο-TOS EQUITOIS MEN TOS GON TONEUR, TOIS d' A ATUEL SIS MENON TO πτετειχομένον. έπει δέ τέτο εχύετο, πολύ δη \* σορ-λύ. MITTEGOV NJ Kadismos ouvespatevovto nj Edngs nj 19- ye. weg Duένιοι κό συνελέρη εντεύθεν εράτο μα Καθεσίων μιν μότερον κό Ατασαί લંદ διομυείες, κ) ίππείς લંદ τεβακιχλίες. Σα- πλείες Κα-

े कि निर्देशका मंद्र मित्रांहर, में नियम गर्द्वामा मंद्र में अंतर हिम्माल

Tu.

11,

871

19.

87,

di.

21

60

1

oin

Ti

a.

10 åt

TO!

205

 $\chi \theta$ 

Tao

Ev.

380

Tad

ivòs

I

gue

MIY

Man

mgc win

JE,

gasp EV X

nis c

Z Xd

TOV P

An 75

TwiTa

D OF

78 8€

STO (

yeus

iova.

mason

म्बरीरी

SV 7

Mas o

à 'Ag

185, C

787 Tes, ex करं जा

18. 87 1 787

κ) Υρκάνιοι ή πεζές τε δσες εδιώαντο ως σεξέπεμ. a 26. हिंह को गा- में कि महिता \* कल्ल कर को महिल है है। देश महिल कहिली है। महिल कि कि कि कि कि कि कि Take Hupevor no av meiss oixos auth i waters, on oi Ke gwoar. δέστοι κ) οι Σάκαι τω 'Ασυείων πολέμιοι ήσαν.

13. 13. Όπον ή χρόνον εκαθέζετο ο Κύρ Θ άμφὶ τίο 🗟 το φεκειον οικονομίαν, τω 'A οπιείων τω χτ ταίτα π Xweia monhoi il amigor lans, monhoi j' amegeesy onte polewyor indu martes too mogwess. on 3 TETE TESTE χε ) τω Κύρω · Γαδάτας, κ) λέρει όπι ηκεπν αυτώ αγελα 98. हमां 3€ - as o 'Aories &, इस से \* मणं 30100 मां कहां में क्रिशंह, आह πως τε ένεγκοι κ) \* συσκευάζοιτο ώς εμβαλών είς τάπ पूर. किन्द- र्र्काइका में हें वंक्राड़ यह, के Kupe, नवे नसंत्रा के कसहन केंग மாகமன் (விர வக்களைய. ஆற்ற வல்லை மன்ல வருடு. ஆம் Kup , பிரு ที่บ ซับ เกุร บนที่, พองาร รัสทุ อโนอเว่ หู อ โดยชื่องสมุร ผีพยุ ผู้ τείτω δειπνίσω εν τη καετέςα η κ τ 'A ασύειον, in อไผ, อนผี ที่ปีก หมานมท์ปุรปัฐ : 20 นี้ ซึ่ง เลก, อโปน ซฟ 20. 30 Ews on " 30 000 n' mejow donn's isvan saw 3, son o Kill En wegow mesaj & av our to spate unan chere a pinoiplu; of θοκείς απ- τέτο δι Γαδάτας λέχει, πελύ κου, & δέσσοτα, im कं इ हुन स्थायन, भे हम के रिश्या प्रसंदर्भ के दे हैं है हिनीब गी esvau.

encesser were the enter ounor. or a roller, in Kug G amdı we ra x15 a egw j ws av Sunarov i, med

σομαι. ὁ με δι Γαδάτας ώχετο.

14. O j Kue G ourena dese क्यार यह राज बहु 2014 συμμάχων. κ ηδη πολλοί τε εδοκευ και καλοί και zadoi wapervar er ois j o Kiel nezer Torate "Ar Stes n'unager, Tasaras diementen a esone marri MIN TOAN'S agra El), Rai Tauta weir Rai oner diadi ນໍດ ກໍພາກ παθείν. νον 3 6 'A လပ်er မis the χώς ar an έμβάλλειν ά [γέλλε], δηλονότι α μα μλύ τιμως είδζ αυπ βελόμη Θ, ότι δοκεί μέρα βεβλάφθαι ύπ' αυτέ αικ A' ious n' ineivo avoei), as et oi plu mes nuas at saubot under was cheire nandr misory, of 3 our γείνω όντες υφ' ήμων Δπολέν), ότι ώς τάχιςα εδίκ γε βελή- εκος ζυν αυτώ \* βέλεως εί). νον έν, ω ανδρες, πο

λόν τι αν μοι \* δοκώ ποιήσω, εί το ερθύμως Γαδάτα βα oedz. Soughly in Shoaply, and i coeggeth, no apa Sincua monthly at quod. Vet. χάειν δποδιδόντες. άλλα μίω κλο σύμφος ν αν οι βετές γς. σύμ- εχώ δεκώ, περήποιμου υμίν αυτοίς. εἰ τὰς πάπ τανοί εκρυτ σορά μεθα του μο κακώς ποιάντας νικών πειρώμου κακώ πευασ THE PERSON

कार्राम्द्र म्हा ती ट्राइट्राइम्म्य व न्यानां रेक्ट्रिनिम्ह्राधिना, सं-केंद्र के मी माध्या कार है में मिरा मार्गे केंद्र हिंद्र के मंद्री मार्गिक เมื่อง ว นทร์ยาล อีกริบนะโบ ซีปี ค่ ว สนะภัทธน ปอรีสมุขึ้ง Tadata, कहेंड नी मिट्टिंग मार्गाइ ते ठेकाड़ वे रेस्ड करां निवासी in saciledai TI nuiv; mos d' av Toxuaul nuas ou-का देमवारसंग ; मार्केड में वर वरमार्ट मेंड्री वर माड में थीं। में आंवर माड Tadara, सं भेतिकांसिक कामर की माराहण्य कि, माराहर के एमहड़, vos avdess, no TETE ETW Stanes poses;

la in la

10 · 61

のできる。

A . . . . . . . . . . . .

Ay-

984

12

ig!

616

101

15. O whi so stageiner of de aravtes ouver hour क्षिप्रकार मद्या मा माठाला . व प्रश्नाह महाराष्ट्र, हका, हम लामहरू भी ध-עווי סטילטתפו דענידם. באו נולנו דפוב לשינעטונוג אל \* באור אי אבאונםun naturel many exasti tes of Tetor contescione Tas of ngebedt. Loggias 3 nuiv actu anth, nai nyeidw winis' nj jag osav žumes (), nj raka inavos. nueis मि, दिना, (wi रक्त माड़ नाइ रिया करकार माड़ में वेपरे हुन माठιδύμεθα, τα επιτίδεια τειών ημερών λαβόντες. όσφ δι is apported Conda Comesa no coresisted, mosto mis omisous nuigas notor av acistorulu re ni deminoculu katentioonto. von d', ten, medanesa aste opaπν με άγε σύ, Χρυσάντα του Δωρακοφόρες (επεί όμα-में मह में क्रियम से व में ठेरिंड ठिंत ) महाचे नवहां वेह एहड हे त्रका दे महτώπφ જલેντας ή δε τάξις εκάς το ενός ίτω. άθεθοι ο όντες, κ, τάχισα κ, άσφαλέσατα αν πος δοίμεθα. τέ-TE de Evena, Epin. 780 Impanopoges nedeve nyeing, on किए हिक्का किए हिंदा कि प्रतिकार के एक कि किक्का का कि iγυμβι ανάγ κη ραδίως επεδαι \* σάντα τα δάτθον γε. σάντα לפידמי פידמו לצ דס דמ צוגטע ווץ און בא בע עונדה, צלציי פקו שמושי דמ באמדμετίν κ) διασσάδη τὰ ερατεύματα. \* τὸ χο προταχθίν σονα. ὅταν πολδράσκα. ὁπὶ ἢ τέτοις, ἔρη, Αςτάδαζ۞ του Πες- γς. τὰ χο

ο 'Αρμθείων πεζικόν, όπο δε τέτοις 'Αςτέχας Υςκα-Νες, όπο ή τέτοις Θαμβράδας το Σακών πεζικέν, όπο Τέτοις \* Δαμάτας Καθεσίες. άρουπου ή η έτοι σάν- γε. Δατάμο πε, εν μετώπω μω του ταξιάρχει έχοντες, δεξιές δε μας.

το του πελτασάς, άρισερες δε του τοξότας το έαμπω πλαι
αι το του γάρ ποραδωμοι, εξ ευχησότεροι γίγιου β. επί

ά τότοις, έφη, οἱ σκαδοφόροι ατάντων έπεδωταν οἱ δε εχυτες αυτή δπιμελείθωσαν σάντων, όπως άν ζυνε-αινασμίδει τε ώσι σάντα σείν καθεύθειν, η φραί σω

का मार्तिया हुते हैं में किहें जिस से प्रहें का कि का कि

Tas. 20.671 78

70 'Isg. coulatas 0 M.

apixouro.

Tois oxcusor magains eis the TETAY while zagar, x 3. חשו אניסטונו בושעים. כיוו כ דיון סאבטיסספינו, בניו, אני χ. Δαμά Πέρτας ιππίας \* Μα θάτας ο Πέρσης αγέτω, εχων κ α TREXO The TREET a yETW HE EVA, WATER OF THE CAPPEL \* 67 3 78701; Paulana, o Mil & wowows 783 com ίππέας. Επί ή τέτοις σύ, δ Τιγεάνη, το σάμπε ίππων κ) οἱ ἀλλοι Α΄ Ἰππαρχοι, μεθ' ὧν \* ἔκας ۞ ἀφίκετο τος; ἡμας, ὁπὶ τέτοις Σάκαι άγετε, ἔχετοι Α΄ ὧατερ ἦλῆς y .. Endson Kaskonon d'zo' v Tov segiteuna. où j' à a zor autor dini-88. 20 hm ही कर्माल मी उपायहर, में mulera हव तथि। मी ज्लेष कियार क्षेत्र क्षेत्र किया के किया में महिला हिं हैं जो तह वें दूर्व कर में कर्य गाइड को क्य क्षि पर माइड की वें में में w row in The vunti avayun mannov in sia The oppanion हमयत्व में वांत्रवं पर में क हवंत्रीहरी में तर महिवर निर्णाय में व vunti mon u mei (or bei weg. y ma il en Th huega, x) Ana-नय द्वा नक मह १९४० है है। दे स्था मह जबना वेज्या महेव, में में महिष् διαφυλακτέα. τα ή ιυκτερινάς, έφη, φυλακώς, όπο MENANTE PURTOS TEAVASHITIAS, aiei gen a's leagurate xi os meisas mienos, os undeva n en Th quanti ayer Triz TOANI 800 AULUIND ON TH TELE & nvina d'al wea in me coeds, onuairen To kegan uneis j'exertis ye. Enason Sei \* Enasov, waleese eis the om Babulair offini

Se ogua My D, dei To Kat 80 giv \* क्या कि प्रथम हम-בא נידע-पण हमार केल केता.

16. En 7878 Si a 20170 cm rais on luais, nai aus Flor Edit. a mortes delegorto wegs addinkes as un uorikos o hir 16. eos omo sois ouverate, mas o o pud ( ov everex her a. 5 ho हिंड क्रिक्सिस्य महा कि हार हिं। माराण पूर्व व्याप प्रवास विद्याप वर्षे हिं। Res ED, et oi who Balantes lough this Eauth Texens Ens. s की हिट्टाबर हां का का का का का का का कि में की ogzaro, n' La cabranor, ole seuma agran ta orona. म्ब o j spathoos हारा ग्रेशिंग के हर 1100 के रह हम समा ση υρ αυτον ηγεμόνων τα ονόματα, οίς ανάγκη δάν पूर. स्वाय- वाम् हेर्वा ois र्लिट्, हे वास \* कर्मिया में विशेष मा रिक्री नका में वित्तक क्षेत्र के देखा, में वित्तक अविवृद्दीक्षा का, में वित्तक क्षितिका καί όταν πιικου δε ποτε πνά βελοιτο, τρέπου απή

Acceiv.

א לאים אינו ediner in overesi wegon poscier. esoner de auto ci p TO TO THE BY THE STORE TO THE REPORT OF MAIN THE MANON THE 112161, मा १९७१ के हुई नेक स्वर्ध हुई पर्वा के के के के के के us eis

TOURS

DINI

WITE 2099

ns eq

ms at

PRIVE

र्गे गंद

TOANO

Ma ( 21

17.

3 5 80

Mulot.

an S'

Anwin

के प्र

Tag.

185 30

18 7

Me m

17 P

WTO

Youra

0a175

0 TOV 6

IL I

dis of

was . र जिल्ह

18.

D. A. &

entas ם מדעם

में किरव

s chó

cyai

πικίν μάλλον σερθυμείδη ἀπέχεδη. ἡλίθιον θε κὶ ήδιο μίπι εθέκε εί) το, όπότε εκλοιτο τι σερχθωία, κτω ερεκάπεν δισσες εν οἴκω ένιοι σερςκάπει θεστέτει, ἴτω τις ερ θίως, ξύλα τις χιτάτω. Επω χθ σερςκάπουλέων, κις ἀλλήλες τε όρξιν ἄπαντες ἐθέκεν αὐτω, κὶ κεθείς περίγεν τὸ σερςκα χθεν κὶ σάντες εν αὐτά εί), κὶ κεθείς τι διπά ετε αἰχωίεδη, ετε φοθείδη ὁμοίως, διὰ τὸ (ωὐτολλοίς αὐτίαν έχειν. διὰ ταῦτα δὶ αὐτὸς σάντας ωὐτὸ.

मार्डण के में के कार्ड कार्ड के निवा.

15

U

4

1

.

4 ...

K.

18

d.

司司音音音言

71

71

8.9

17. Kai o Kus & คี อีก ซาพ ซีย่ รัชาพา รัวเวทพานะท oi 17. ระยากับ Tore il des minourres, 2 ou hanas narasioa-Who, x อบอนผลอล์เมือง ซล่งรล ณ เปล, อักอเนท์ริทฐ. ที่เ-น 8 ทั้ง อง แล้ง งบทรีม , เอทีแลเงร To หลังสท. Kug G สง भारत मार्थ Хепталь от ट्रा मा \* वर्ष द्वा दिन का कि वर्ष कर कि कि का नह दिल्यार्थियर 🕒 , उद्देश मार्थ केंग्र ται. βεαχεί ή χεόνω ύσερον παρίω Χρυσάντας άρων τές θωρακοφόρες. τέτω με έν έκυς 🗗 δές ήγεμόνας της 18 mgovied ineader inizas eas dy sea & tadoi (8 मह मा देश के विक कर शरहा में ? ) au n's है हतामा है ' देश माने वरं पह देश मा में में कलुकारण्य किन्तां मात्रकार देश नर्देस, हमें हैं में एंड्स्ट्रो- हेरी हैं. (अरव है सन्धार प्रमेखा . हे स लो है सर्व पर दे के की की महा कार है है Mosartar immeas Empuder, egertas oti en ofa non aires are sin Er Ja evor- autis de warehauren Top οποι είς το συρών, ησυχ Ο καταθεάτο τας τάξεις. εξ μα ίδοι δυτακτως εξ στωπη ίδντας, συρσελαύνων ' αυ γς. αυθοίς με όδι δυτακτως εξ στωπη ίδντας, συρσελαύνων ' αυ γς. αυθοίς μες ότισες είεν ηρώτα, εξ έπει πύθοιτο, έπηνει εί δε τινες το σας θορυζομένος αίδοιτο, το αυτιον τότο σποπών κατ είεν ήρετο. किन्द्रिश्माणं वर निर्ध क्ष्यूयू विश्व देन सहस्तार.

18. Εν μόνον \* συφελέλειπο πος εν νυκπό επιμελείας 18.

πε, ότι σε παντός τε ερατοπέδε πεζές ευζώνες έγε. Εξεκλές σε έπεμπεν εφις εμέρες ύσο Χευτάντα, κ) έφο-λειπε).

πτας άυτὸν, ώς ωτακες έντες, κ) εξ πως άλλως δύ γε. σρατεύων π αὐδάνεδαί τι, σημαίνοιεν τω Χευτάντα, ό, τι και-ματίσ.

βιδιοίη εί). άς χων η κ) \* επιπά πων εξε μέ, ος κ) τε γε. δπὶ τεκ ενόσμε, κ) η τὸ άξιον μι λόγε εσήμωνε, τὸ δε μή, τοις πν
ενώχλει λέγων. τω μι δι νύκτα ετως εποςεύοντο. γε. κ) όπὶ
εξί η ήμεςα εγώτος, τε: μερ τη Καδεσών ίσπε ας, ότι τέτω.

πεν, ως μήδ' εγατοι εποςεύοντο πουρ τετοις καλιπεν, ως μήδ' ετοι ψιλοί ὶσπεων Ιοιεν. τες δί άλκ ες τὸ σε όδιν σωφελαύνειν εκέλευσεν, ότι κ) οί πο-

2.3/4108

, KR

vei

Siw

185

785 2

& L

ع ليه

A VA VA VA COOK

Rolf

ila j

ທີ່ ກູ້ ໄດ້ໝ

Ta.

250

2020

όλιν

MAS

20.

H

Ta d

V Ta

aun

e. ist

niz

5, Va

707

الم وا

MOI

15 76

ξά :

ulist

ڻ Θε

ulu

ei èu

ουεία

98. सं मा कह रहामा का नहीं कहां जेहा में हैं के मा कह देश वामां or aut CHANTIOTTO ισταντώη, υφ' άυτω έχων ον τάζει πω ίχω μάχιπ ή. யாழ், க்-ΤΕ ΤΙ ΤΟ Β ΦΕυρον οφθεία, όπως εξ ετοιμο τάτε διώκοι. in new | win &-उ नियम कों महत्त्वपूर्णा, सं Seos Sayus 85 मह निर्धास 200 7 1-Seo1, 2) 85 कवा है का मार्थ प्रिमेश मां ज्या है मीया माहिए रे מוש בי דע - שו שם ב לב חסדב בו מ. Kog O של של ב דשו היף דם בפל דלועון ह क्षिणा कार्नेड पूर पार्व प्रधाद हरूमाए, बेम वंभिना बंभिका EH, KU שנובא מנויטו ב סבמורם דב אל ב דונבא בו דם בי שוצ לב בווידם. כו ול Mayorto. 38. Xn34. δη άμοι Κυρον επως επορούοντο. 19. En ว าัธ โลริย์าน เฉพหรี กับ \* รับบลรับ กรุ i. vau.

19. 28. Jun a-5w V. 28. Tu azandi.

2. Eusus

egeuvnoo-

relies.

un rus.

zai.

δρών, έπει έώρα αὐτίν άφες ηκότα ἀπό τε 'Αωτιείε, ἐκί मा जरण से म देखें मर्दि ने , क्यां के प्रेय कि के मह A eis मर्यण्य \* म्ये Γαθείτα हिम्ल 🖰 महिम्म स मार्थ में हिंदा रेड माइकं र कलेंड में Acrietor, में सहमताल में 100 मत, से स्वामारेड Cos non en Th Tada Ta zaga To 'Awvieron seg. To ua, it yer To 'Acoueia, on ei BEXOITO ENESTEDTO, Addorar To רמלמ דמו אין דמש סונו מעדוף. לוואצו ל באצדבאאבדם ססלנו ק είχε δυώσμιν ο Γαδάτας, κ) οπ Κυς Ο ε συνέπετο άντι κ) τ οδον η μέλλει σερπέναι εδήλωσε. σερσεπέςτιλε ) This outs olke true, we misevolto malkor, if to the cit τί [χανεν αυτος έχων ον τη Γαλάτα χώςα, Εξαδένατ 'Αουείω, κ τα ενόντα. ήξειν ή κ αύτος έξη, ε μ δωίαπ work Trivas Tadatar, ei jun as ow To 'Awvelop To la πον εσόμει . επεί ο όδει του τα το χθείς ελούνον κ Swater lu taxsa a sinver ) we's t' Actierov, & Edita σεν έρ' α ήκοι ακέσας ενείν Φ, τό τε χωείον ευθύς με παρέλαδε, ταλαμδάνει κή πολλον Ισπον έχων κή αρματα ενήθρη EN NO LOUS a Jegous. O 5 Tasaras as in sus lin TETWIN 18. acg51nouth, we was twee to wees of whom whise, o j' Anviel ώς έγνω σερσίουτας του \* διερωνή σαντας, φούρειν κιλοι वेश्यात र वारवार्य पत्त रिंग में महाव में किताहर वेराप्रहा व δι φοδη Эεντας κό ολίγες οντας. οι δε διεξευνητώ à 28. g.1888nείδον τού τα αυτί τε έδιωκον, κ τω Γαδάτα κατέσει में के देव मक मारे संद की केंग्रस बंग्बे प्रकृत कि . oi के 'Aarten ws edones ancionuo id o Tadatas, cudios arisalli This everseus. By oi why diver Indatar idontes, and cinos, "¿ad por oi d' au, acoes ciros edianor. xais

τετφ ο οπιδελούων τω Γαδάτα παίει αυτίν, κ μαθί

שלף האחץיו בעול דמינו, דו הוא ש מש דסי בי דבי שינוין

71 3 wores. 70140045 3 \* 1870, Jeavisa 70, ws Cwi Tolica

28. 7870, izisa) &es oui.

'μεση γρόσιτο επεί ή εγνώ επι ος lui, όμε \* δη σιω 'Ασ- χε. κ τέτο νείοις περοθύμως εκτείνων τον ίππον, σω πο βασιλεί σω τοίς Maxer. crraci Ja Si ที่มีเอง ον το μ Sna ον όπ οί βραθυτά. διώκεσιν דען ושחשו באסעדבו ישום דוו " דם אַבשיר. וֹסמי ב׳ ועם אם דמי ב׳ אָניבּוֹס. בּ-मह नार (क्रिक्री) ही ते के समास महत्र हुए ही व्य केंग्रे में महासंबंद, है। मसे. कि बिर्वित्य कित्रसंह. स्वीवहर्ति न ने परिष्टु क्टूनार्शिव पार्थे ह. रिते है The seater han doneir se zen doutevas no notas, worse 'Acries G ος λιμθύν οπ χειμών Φ, σεςσφέρειος αυτές. ο ή κύς Φ σροθ. τό μ΄ σεώτον εθαύμασεν, ώς δι έγιω το \* σεάγμα, ες γε. ταχί-THE TRAVTES AVTION HAMVOV, AVTIO & WITOS HOW OF SOV HISH'S שוצמ ל קמדומי. שנ ים שיטידבי סו חבת בעוסו דם פיי, בדבמי שנ. שפתים ong eis quylus, entau Sa Si o Kug G entador diwner ma, ws को महेंड महार पहत्त्व प्राधिष्ठ, कार्येड हैं संमहत्त σύν ποις αλ- क्र कंग्रहड़ λοιι ος ώς το συμφέρειν. έτθα διί κὸ άγματα πλίσκετο, εναντίοι τια μ κρόκπιπθόντων οθι ηνιόχων, τ μ ον τη ανασρού, ηλαμνον में है में बामकर देगाव है में कलामहामार्गमिक रेक्ट्र में किमारिक देनवामां इ में λίσιεπ. η αποκτείνεσην α λλες τε πολλές η τ παίσαντα Γαδάταν. Τη μήτοι πεζών 'Αποιείων, οι επιχον το αδάτα χωείον πολιος κέντες, οί με είς το τείχ Ο καουρον το δπο Γαδάτα δποςτίν, οί ή, \* φινάσαντες είς ης. εφθαohiv mua To 'A arcel's uezahlu, Evda & autis owi Tois Tare quan is rois immers nar Est of o Awder . 20. Kup whi sin stane z zaww Tau ta Emura zw-201 मंड मीर विश्वतिय प्रश्री मार्थ मार्थ कि हिंदी है। वीपτα αιχμάλωτα έχειν, ουθύς έπος ουετο ώς οπισκελαιτο ν Γαδάταν όπως έχει όκ τε πεαύματ . ποςευομέρο auto non o Tasatas em le se usi O To Tou ua attu-2. 18w रहे 6 Kug कि वार्ता में री म में से महर, हुक कलाई गांव ठिमामा रे प्रिक्ष कि मार्थ है ह्रास के कि , से महम के िवर बं-6, vai ma ros Oeks or emera Jear oule o nia omios more pain ider, o rotatitu Juzui Exav, osis er ி த்தம் க, 77 லா முக செல்வில்டு, காக முட்டு போலைவில்க் μοι τουτα σερέξειν, έτε μιω ευ πεπονθώς ύσ εμέ is ye to idion) ही' हमारण, देरते' हम महा कार्राहर कार of n ovinou. 8 mus emoi weedinos egonduous, as vui

של בה' בענו פוצפעם, דם א' בחו ספו סברשסעם. צ עם

पे छिट्छेड, के Kupe, स मेंग को कि दिव्या व्यवस्थाड, में दलवा विकार

άμω, έχοιθα εὶ ἐκπισάμων παϊδά ποτ' αν τοιδτον

धे हैं में हम से कारे अह पर ठीनिय मधीनी था, में प्रकार परेंग गणेंग

ουείων βαπλέα, πολύ πλείω ήδη τον αυτέ πατέρα

B. 135. 4.

171

101

10

7.2

:Vi

17

erG

heis

n's

0H01

iera

90

ें ज

ai à

201

101,

is di diss

Oa

pa

 $L\pi$ E i

ein

m3

Mis

**T** 14

AH

Za

10

7809

RUP

J. 0

my,

inus

ני עסי

owny

wi a

lau of

(n, d

■ 278 A

MG,

pir, 1

osu-j

Teas

23.

y na

01, č

Ion, n

טפאסת

n %

BITHE

Mira.

TES TO

W70;

ανιάσαντα ѝ σε νων δωίαται ανιάν. και ὁ Κῦς 🕒 🕬 τεύτα είπεν ώδε, ώ Γαδάτα, η πολύ μείζον παρεί Javua, ¿uè vui Javua (es. nai ri d'i Tet '671 ; ¿tal 28. Esvi-Γαδάτας. όπ τοσέτοι μὸ Περσά, έφη, έσσεδας το ow why xi σε, τοσέτοι ή Μήδων, τοσέτοι ή Υρκανίω · જαίντες ή d αλλως, δέ- παρόντες 'Αρωθύων κ Σακών κ Καδεσίων. κ) ο Γαδάτα επύξατο, άλλ' ω Ζευ, έρη, κ) τέτοις πολλά άρα οι θίη YE Tabe Eévia. οί Θεοί, κ) को संदय गर्ज बांगां गर है नहारह τοι కार है। vel xis omos phitoi es ementeis, Tates, a Kuge, no Estimul ξενίσωμβ, καλώς, δέχε τα ξένια οία έρω διωσμαι. άμα ή περήμ x anss. σάμπολλα ώς ε κ δύειν τον βελομίνου, κ ξενίζεδι το γε. મે દુર- το ς ε έτευμα άξιως τ καλώς πεπονημέρων κ καλώς αμ vionua. Gartwy.

> 21. O j Kasan क्रिका किमा अवविषय से में 8 यह महत्र में। Singene Exyonist & in an is yantes names a moinou, in ανακοινωσαμβύθ, έτε είπων έδεν τω Κύρω, κατέδη? mess Babunara xugar. Sisamagulion de rois immi dury a may i naver of in the saute worsen, & sin un. τέρυχε, συντυχχάνει μάλα δ' πυτελαγμένον έχων ย้อมาชิ รคลั ายบนล. พร ค่า อากา \* บอกรร อีป าชาริ Kad ชาแก ठिमारां तेर ), में रोग तर बंद्र अगत नी Kades ian अन्ति सिंस, हे

Se mores orlas 780

21.

No. 3 mas ans monses, of 1 muse \* & wongs vangares of 18. δεσίων, κ) ην άροντες λείαν ετύρ χανον άφαιζετω κ o who Acries of States axers & doquales de to El), in. reamero of 3 Kadenos con Couro weis to segronda αμοί δείλω οἱ જεῶπι. Κῦς૭ 🥱 ώς κοθετο τὶ γεγιίς επιστα τε τοίς Καθεσίοις κ) δυπνα ίδοι τεπραμθή.

γε. επεμ- αναλαμδάνων, τότον με ως Γαδάπων \* ἀπέπεμπεν όπος חבר מין שב שב שב שבינינודס, דמו ל מוצו סטן אמדבהולנוצ, א פחם דו gamerion. Eministra Expier ouverentation of anaul draw off in-TIMOV MEROWY OUVERNARASTRIS ( er see Tois TO 8704 il 70. पृष्ट. अद्व- के अविशे जणप्रतामाणमा हे अदेशका) में देशकारीए कि किया कार्य TENOON as. 19000 Sind in as is The LANDY CETTENTON. WILL non wea no, Kiel in ow Tils Congetule & Tile 18 vel xi Este, 88 fra exav an usanfor wuferiner, dir il outial -425 20 33CVέφεώρα, η, ει μη αυτός θζανύτοι, σεμπων φανεξέ μ Jus. कार के किल्लामा कारी बड़ में मां मह स्थित है महाद देश दार में भी में 22.

22. Apra de Ti n e a unque as ouvievas of plo alhov too appoiles, too j Kadeoies warles. Enter The ade Avores ou unagos, a v promisor who to go house मी 9 क. To & aus Tuver av Sportes ov Tas, हे Siv, ofuce, Danuastr agioi je uditoi equer të jejunulis tëte tedisμα θ απολαύσαι π α μα θον, το μαθείν μήποτε διασσάν imi าชี อีลช รับขลุมเข ฉีอิยงธระยูลม ร T พอละเมือง รับบล์และร. है हेते गहर, हैका, रहाक, कंड है है सं कार में हेर विकरण हैं मा 40-थंळ दिंश्या विनास कें म रहेंग, में शाम वे Kafen के क्रूट्र कें करें थे ทร \* xoเทรนใน ( อังเนล์ ) าเมื่อเลม เมื่อเกริกัสน, เรา นี้ ลัสน. 28. xเทธ. मारेकिय, देंडा है गढ़ी देळा प्रिश्चिम, देव मव गांजवाग महाने महत्र ह- प्रिक् עוֹצּי, בֿאַ אָסָפּ דִּפְּנֹּן מַנ מַחִל הְיָט בוֹצָפּאַחְאַ טַלְי דִּשְׁי בּּקּ בוֹ מַנְאַמָּ σμέροντα πεάγματα τίς πολεμίοις, τίς φίλοις ασφά-भाग कवार सार. में हरण मीर हरें के प्रकार कर बेस हत्या, बेरो Εφτήση της ιχύ . ό ή άπελθών, μη άνακοινωσίμε-மு நோக வீல நி, கிச்ல சு சின்றவது குன்றது நி வ முற்று ச்சதுτενεπ' αλλ' αντί μων τέτε, έρη, ην Θεδς θέλη, αμυνέμεθα του πολεμίες έκ είς μακράν. άλλ' έπειδών मां अल्य वं सार्गितारह, वेंह्र के प्रवेड हेन् हैं रेजिय परे कार्नि प्रथव भिंदा, में वैपव मीं उर्व किमी को महारे महत्वी मांज्यामाड, वेपक le deigoph rois modepioss, Enda negrison vopils-का, देशावा जिल वंत्र तें रह वा वर्षी प्रदर्शनी ४६, में प छ दे हे उद्देश, प्रवा ίπως γε μπδε το χωείον ήδεως όξωση ένθα κατέκαιτον πωθύ τους ζυμμάχες. Πν δε μπ άντεπεξίωπ, κούmuly with ra's napas, is sparowell the zwear, ira ui a nuas Emoinour ogartes cuopairon Tau, anna Tu ισιοβί κακά θεωμίροι ανιωνται. οι μίρ εν αλλοι, εon, deusare lovres vineis de, a Kadenoi, முல் மா மில் #மு, நிரு மியல் காழுக்கள்ளைய சயி மிழ் இவித் ஆ சயி h-मा, थि म कल्जिर्न हमारे हे महार्थिय में है राम के से बेहार मंजा मह Tragay.

7

14

7

641

10 CE

1

77:-

Su

105 Ver,

Tal;

72

2200

4:1

174

17.2

( 10.

718

مِنْ اللَّهُ اللَّهُ

al.

701

doct

23. O & Kugo, दमला में उद्देशकार के हल्ला के एक, है मक्रमहामण्डम कोड़ नवंद्राम नरेम महामार्थिक रेक्ट मी Kadesiοι, εκέλευσε ωλησίον αυτέ άγειν των τάξιν, όπως, 🕬, δυ δωρώμεδα, αναθαρρωώνωθυ του ανδρας. ετω δ ή Ιποςεύοντο η έλθόντες ξυαπίον μβό που Καθκοίκς, έδήε δε τω χώς αν. πειήσαντες δε ταυτα, απηλθον τα Entholera on This workering Exertes warre eis The Tadan. Erronous d'on oi mess aurèr agestinotes, orτις πλησίου Βαθυλώι Ο, κακώς πείσουται, αν μί with; ale wash, situs odes te in workeriou açin. nal

γέτες εκέλωσε λέρειν πώ 'Ασυείω, κη αυτός κήρυκα ;.

xca Th

THE TE SE S SE TON A EYOUTH TOW TO, OT ETOIL OF HIN Eds Tois sona Compies of y liv, x un adreiv, et x cheng βέλοιτο εάν εξράζελζ του την περς αυτον αφεςκόπου εξράτα. καίτι, εφη, το μί, ην κι διωή καλύειν, όλίγη τινας κωλύσεις (ολίγη ράς όξι γη η το σε εμέ αις. SHROTON) Ego j won his av ou y his solu evergov El. He ο τ το καρπο κομιδίω, ιω μ σόλεμο ή, \* ό κρατή 28. 0 0711μ, οίμαι, κομίσε) ην ή eiglun χώη), δηλονόπ σύ, ξω μεν, οίμαι, ην μεντοι τις η τη εμών \* οπλα ανταίζηται σοι, η τη κυρπώτε.) σων εμοί, τέτες, έρη, ώς αν θυνώμθα, εκάτεροι αμυνεμίθα. ταῦ τα ἐπές ειλας τω κής υκι ἀπέπεμ. πεν. οί ή Αν. ovelot, इन से मेरहाया \* न्यां न्य, करंग्नय इन्लाहा कर जिल्ला ος. ταυτα τ βαπλέα συγκωρηται ταυτα κ οπομικρό ταπι το πιwalta, ε λεμε λιπεν. κ) ο 'Acorder φειτι, είτε των τη ο ωρύ-TETISOUTO DON THE BEIS, ETTE X) OUTOS ETTO BEANDEIS, OU HUESE TOU. σε τ βασ. τα. κ έγβοντο συνθήκαι, τοίς μεν έρχα ζεμένοις είς πίθυ हिंगी, नगड़ नी केन्ने वर के वर के वर का अर था। निर्मा में किया में elda in presentanto o Kilo. Lis hentes notige in the var zer usv saute pines chendre na ta Dedy, ei Behom. का देश मां इक्ट नी देशकारियोशंव, में हैं नी कारहार्था मांचा 26. a zerv. " में प्रथ क्य के जेर रिया वाप कर के स्था में इस्वीस व में निवास में συμμάχοις. οί μέν 30 κινδυνοι οί αυπί, κ άνα το καμ िवास्तर स्व कीतार विस्ता में हैं जा मी का कर सावर एक संस्कृताल

24.

नार्थ मध्द.

थु १९७.

σαρίω ο Γαδάτας άλλα τε δώς ε πολλεί κή παντιία \$4. 20. 100 785

र ज़बीसंबर डिंग्स क्यार्स्स.

çων η άρων, ως αν εξ οίκε μεράλε, κ \* ίσπες γε τολ· 5 The wor. Ass acentule of The cours immew. of immsines did the Emesalin as d' emnotacev, eneger ale, a Kige, 1111 28. रिकिश्य पर्देश कर हेरे ले के विश्व स्वयंत्व, रिक देश नहीं सबहुंशन क्रिक के Tauta है। गांड बेंग मा र्ड का. 10 मार्ड मी', है का, स्वी स्वेत्रेय जनाम में हथा वर्ष ही). अप प्रवेष ठिदार, हर हड्का कारहे, ठेरक हर्विया ्रांड दार्था स्थम मुख में इस्टिंग ठीराम, बेरेरे वेंग्वेर्था, की σιώ εμεί τελέ πονη παν Sποβίωαι το nuereer η θ κ) ονομα. η ταυτα, έρη, ω Κύρε, (δωυμί σει του Θε 85, 01 x 0000 m avra x anssor) 1875 a TROV, 875 a 1861 έδεν ετ είπων ετε ποιήσας έπαθου. κ) άμα ταυτα λέ தமை கவாசிக்குமாக சீ வர்க் ஸ்றிய, வூ க்கக்ற க்கியாறா கின் \$1 7 68 Ve

24. Enei o mayendalero o Kuel non oce amas

25. Kai

29

ror,

0 7E

zer,

ra' d

ir u

N' 3

09.5

Tai T

1 igw n'Sta

An e

€0X5 ini

OXXE

nui e nek.

Juan.

2017

Kũ Kũ

iroa)

देश रहर

mis,

יות ני

U705 en ve

Kup

LHIV ( έλπο

we,

26.

eia )

Z H H

ui n

on it

7.

is

g.

lu

Y)

7.

(In

da

ni;

2/2-

100

26. 28.

01-

7100 1100 di\*

र गर्भ

aT!

On,

201

Kaj

25. Kai o Kue G बंगहर वाड़ मह मीं क्यें कह लग महादृहर काτον, έλεξε δε ώδε, αλλά του μέρ Ισπες δεχομαι, έφη. र्लं मह भी लेक्ड्र भी जिल्ला, टेएम्डर ई एडाइ डिडेड क्यों म्डाडे \* में एक्टी करा से- leg. में दी ων, ως τοικεν έρωτε (ε δη πάλου \* έπεθύμεν) το Περ- νον, fed wir immed Saffor \* changaow eis mis pueles immens pro oi meτά δε άλλα χεήματα ου άπαραρου φυλαπε, έφη, ès lius oi. iv us id us है 200 म्य केंड्ड वह धार्म मंत्रिकीर वेग्निक्षिक्षिण, अ 29. टेना उप-A Hew wor d'es amors, in rangaver mag eur, ma mis me. De's en old oxes av Sunaplu pin alguledar. முடுத் 28. வேண்ற-कांच के िवर्वित्वा संगारण, बेरेरे त्यांच्य पूर्ण महरण्य करा कर. (ορο γαρ σε τον πρόπον) ουλ πεν μέντοι " ορο, ει cm- γρωρα, ειidas sim. Ews in & pixor huly To Acrueia, nanish नि हिर्निस क्षेत्र) में यह क्षेत्र मत्य महते असमाना (मांड प्रेर पहले कर σίλεως Βαθυλών Φ έρ sús έσα, σου μι ώφει είδαι όπι τως περάλης πολεως, ταυτα απολομορών οσα δε ον-While oixade deves amoves retwo canoliv hale) υ δε देश है देश है अрой देल तथि। δίλου όπ देश तथि। को वस-Adms x duni omberdo ouda nai o cing ono, nai, ημαι, λυπηρώς βιωτομίθα, όλως του έχθρες η πλησίον क्षामा में महसंती हा मंद्री वंप मी हिल्ल महा. मंद्र है। में हों- है। स मार कार के में में में में मक्यमिक देण्डार्वका करार देंग देंग. Kupe, n dugi us, sa ro ပ်င်၏ သော ည စ်ကျန်သော 8 ro σοαλέςυτου σκοπέσα δίη χοι, αλλ' αξεί τέστο κύεσα, α. मं कार दें इच्यू अंतर राज्य केंद्र रहे में अ से स्ट्रिक है र अन्वेप में बेर अन्येπις, ος διατελεί μισων έκ ην τις τι αυτόν αδική, αλλ' υ πνα ύσετηθεύση βελτίονα έαυτε εί). πιχαρεν, οίμαι, υτός πο πρός ών, σε το πονηρετέροις έαυτε (υαμάχοις र्शाम् हैं गाँउ में माद बेंहब में हिस्से मिल वेशम क्याम क्यामें, अर्थिहेंस, दिया, κύρε, εδέν σε δεήσει πο άραθω ά δρί μαχών, άλλ' εκνθ άρχεσει τέτο μη χανώμων , ώς 'άνελη τ άμπε κ. άποελπονα. τότο μέντοι έμε ανιάν κό σων τοίς πονηθοίς ρά- λέσει. कि, श्रीया, प्रसंत्रिक हुन्यु.

26. 'Ακέσωντι τω Κύρω ταυτα έδοξεν άξια όπιμείας λέγειν, καὶ ἐυθύς εἶπε, τί ἔν, ἔρη, ὧ Γαδάτα,

ἐ τὰ μὲν τείχη φυλακῆ ἰρυρὰ ἐπειήσας, ὅπως ἄν

μεὶ ἀσφαλῶς χεῆδχ ὁπόταν εἰς ἀυτὰ ἰης ἀυτὸς δὲ

μὶ μῶν ερατεύη, ἔνα ἢν με οἱ Θεοὶ Ճσσερ τιῶ συν
μὶν ὧσιν, ὅπτ σε φοδῆται, ἀλλὰ μὴ σὺ τῶτον; ὅ, τι

ἐἰδύ σοι ὁρᾶν τῶ σῶν ἢ ὅτω ζυνων χαίροις ἔχων,

ἐν ἐμοὶ πορεύς. καὶ σὐ τ' ἄν ἐμοὶ, ῶς γε μοι δοκῶ,

πάνυ

26-

nd vu schou @ eine, esa re ou as ear Nounal an

minia

HUOL

है। १९७७

reib

lai d

y Tus Int X

juda

so w 870

iar

के की हर

สี่งอบ

Lual

7:26

29.

igals Gen !

Acou

nav

9,0

TUS .

1009

78

70,

WYO

. 110

u 56

7 00

jo. "(

Aoor

the

บล สุข

य हिंदी य हिंदी

000

0 Ni T

08.

ράσιμου. Εκετος ταυτα ο Γαθάτας ανεπνευσε τε κά. Trev, a e su. fon, surainte av ovorevacaulo os. σαι, του σε θείεναι; βελομαι ράς τοι, έση, κ) τω untegg ager uet evants. vai ma di, ton, chism μέντοι. ερω ρο σπιγήσω ες αν καλώς συ φης έχειν. επ δη ό Γα- άτας απελθού, εφύλαξε μέν τα τείχη τω Κύζω α ώχυ ώπατο, συνεσκευάσατο δε πάντα όποι arong meras na as oinoiro. nyero 3 n of saun की मह काइकेंप की मिरिका में किए मर्काइस कारेरेड, के एक रिस्तुव कार यह रे वे पर्देश में पूरा माया के मार के हैं में दे वे कि के दे 20. 2 SEXώς Αθεμέ ες τετοις κατέχρι συτές. κή τ με Γαθάπι ¿ Kũe⊕ टेर नर्गड़ की यं परेर ह्रूकर मेस, भे वर्टिंग क्ट्रांस में परिक्राण में प्राप्त में जारह, केंद्र केंसे देश नवाँद के निश्यान

7015 5 PATCO 0170 27. Елей бе подечория Ф кадейся т ор Вавилий ४९. 6 मार्ड सं- av मर्गराए, में हे रिट्डए व्याच्या में ठेरीहेड, मेंए में स मवह वेपार में ξης οπ το τείχο. φεραν., καλέσας τον Γωβρύαν η τον Γαβαπη Spate एवं महिं त्य से बेराम के के सा, के इस प्रमा नवाए जरेम निय के σε ndu π. τιχας. η ο Γεβρύας είπεν, είσι μεν, ο δεσσότα, η πι vel, ny om- noi soi, ain' Egor, con, course ny Benedy a or in Seigns au- on en jurara a new र मार्ग्या के हा देश के निर्मा το όπ το το εράτευμα, όπ σοι ήδη πολύ τε δεί κ καλόν. επο में वे उस है रे वर्ग वर हो पूर्व , कला कार मेंड कर कलेड बेपर वे को मांगून De gento n' e genna n'inte a me vyet onnat, non ge n'e matian ४९. क्टुल - a out v कि नह दिये , d'areg " क्टुंड कड समार केम मब हुकार !! σειτο ως μα κυίν O, o da on i fern auto du ob 7781. १९ वं े रिर्धायाण, मधिराण वं मया द्वाराटा उत्य विश्व देवा सम्मा 28. Kai o Kue 🕒 कलेड न्या म्य होत्तः, Soneis धार ox 2050-

नवीय नवे Γιβίνα, Βαυμά ει όπ εν ώ μεν χερνώ πελύ μενη Eauts. Exaverande hadov, weis durd to teix of wegate एएं \* रहे मोहांक श्रिक्षा हुएका हम दे अने के के वेणमें म २९ 5 हम से महाकूम बेहला. बेत्रव के माने जेन में कि है है का. 8 की नवें का क्रेसंक रें। दिन कल्ड मंत्रसम् यह के किन्ने प्रसम् कल्ड प्रमा परिष् ναμιν έχω παντε, επω τοξάμβοι " ώς αν οίον ) άρισα μαχίν 28. केंद्र वे प्य- के त्रिश्चन महिल्ला है। का क्ष्मिक में वे प्रवेत्वार हिया वा की eist der av ruxisa aren Soien. macienas de avayan Birent enaxent ig Tantions per This a magais, a : es que sois de in Tols at

άπαγεσι λοις σκευοιδερις έπιπολύ. ταύτα δε δεί παν α το Ε δι σώρ. κεκαλύφθαι τοίς επλος 6291ς. Χ) ακδαμή τοίς πολεμό

υμια δπλων τα σκευοφόρα φαίνεδς. ανάγκη εν ετω ποουομίων, όπι λεπίον κ) άθενες το μάχιμον τετάχθαι. है। दिश्वाग्र देस यह महापूष्ट के जेन्वा या कल्डकार संग, ठमा σοσμίζαιεν, πολλώ αν ερρωμείετε ευν συμμιγούσιεν το neibrow. n' rois whi oni maneor mogenoulusis manegel को टेनारिका मिलाया, पढ़ांड औं देश मेंड पहां प्रथड हिल्ला करांड \* महेड पूर पढ़ेंड कि (णेंड में कलार किया में मर्वतार वेस्ति में के के में महार πίχντες παρίωμου η έρ' όσον κο νων έκτετα μολίοι πορευ-σμορου σπλων πάς όχλ & deivos φαίε ). no d' aca χ. αν εν έπως ίοντων επιξίωσι στι, δια πολλέ σερορώντες αὐτού τος έντι άν ἀπαράσχευοι λαμβανοίμεθα. μάλλον δι, έφη, ο ἐπιξίωσί महिमार्थिया. में प्राप्त प्रमें हम्मेल रिकार विकार यह मका महि प्रकारी हर είτε ός δώς τείς παρκοι λέγειν, η ο Γωθρίας ώστερ לא שוני ווֹץ פּוֹ דוני שוצים בשונים בשונים שו שוני שוני שוני שונים ווים שונים שונים ווים שונים Cualo, est to two nerso whow ignestress messays of mayore. 29. 'காப் ந காழைய்கும்டு இரமாக வா சவீத அழும்புக்

μερις αθινιθίται σερς τα μετοεια τη ' οπυείων χη γε. Σύρων μερις αθινιθίται σερς τα μετοεια τη ' οπυείων χη γε. Σύρων Μων δης τησερ ωρμάτο, ενται σα δη τεία όντα τη γε. Σύρων Ασυείων φεκεια, εν ωλό αμτήν το ποτεύτατην το σεροτ. δ, πείσων η Γαθάτας επεισε σαραθέναι του φυλάτ- Μεί. τω ή πως έπει η ταντα διεπεσέρατε, πέμπει σερός κυα- δύο φεκείω μως κρέπες τλεν ήκειν αμτόν επι το ερατευμα, όπως με τη quo ετε την φρεείων ων είληφες κελεύσαντι ό, τι χεή dam Vet. υπο, κρόπως σεασάμθηση το ερατευμα, κροτί την μων σύμβελος χίγνοιτο ό, τι αν δοκείν έκ τετε σερότ π. ην δε κελεύν, επε, έφη, όπι εχω αν ως εκείνου με ερατπεθευσόμδοσ. ο μθο δη αγελο άχετο

τ απαζχέλλων.

115

10 ' 10

200

B

8

m.

111-

73

20,00

ch.

101

76

25

199

Op Na

1, 6

ione

d Th

9 4

(:3

3%

217

e A

ο. Ο ή Κύς Θ ἐκέλευσεν ἐκ τέτφ τὸν Γαδάπεν το Ασυρίκ σεπνείε, ἢν Κυεξάρει ὁι Μηδοι ἐξεῆλον, ἡω κατασευάσω ὡς κάλεισε τῆ τε ἄλλη κατασή ἢν είχε, κὴ τω γωναίκε εἰσαγαγεῖν εἰς τὸν γωναιναίν σεπνης, κὴ σωὶ αὐτας τὰς μετεργὸς αἰπερ εξερμαίς τὰς Κυαξάρει ὁι μὰ δὴ ταῦτ Ἐπρατον, ὁ ἡ πεωφοπούς τὰ Κυαξάρεω, ἐπεὶ ἔλεξε τὰ ἐντεταλμεία, ἀκέσε

30.

TOR

ine

ion, 104

MEYO

an S

3

9H7

And

2012

71

MA

Nos.

e u

to 7

Aoy

**E** µa

ua

σολλ

jely,

yo

m you

7 007

· SEA

20

Pixes

Poxe n' a

0100

मांगी

w Ka

aire)

μολο

M, E

, 2 lw,

raro

WT

S Si

1,77 )

σας ὁ Κυαξάρης ἀυτε, έρνω βέλπον 🗓 το εράπυμα με very de rois me Joeiois. x) x or Перти, в с истетили ο Κῦς Φ, ἦκον. ἦς ή μυειάδες τέπωρες πξοτώ κή πι. τας ῶν. ὁς ῶν τὸ τέτες πολλά συνομύες τ Μηθιώ Τέπον αξ έθεκε ηθον άπαλλαγωρα μαλλον η άλλη οχλον είσ δίξα ος. ο μ Si ex Περσών α γων τον φατά, ego μφ Ο τον Κυαξ έρων, χτ τω Κυρε \* Θηςολω, Η η Seotto के 5 हव रहां प्रवीकि, हेम से हेम हिमा र मिरी, वा निमादहा, έπει ήκεσε παρόντα Κύρον, ώχετο προς αυτόν αγωνή Seg.Tivua.

28. CN TO-Alui.

31. O 3 Kuasagns Th usegaid empeuero our mis 31. παραμείναπ Μήθων ίππουσην. ώς δί ηθετο ο κύρθ χε. τές τε σερσίοντα αυτόν, λαβών \* τές Πέρσας ίππέας, πολ ές ild T Tegowo ovras, no row Mindes mairras no row 'Aquivies no row To प्यांध्द में नी वं अरका काम्याव रका महाने में हेगान माठावी महत्त मा ात्राह्य. אף. בעות - בעסה סדמדונו, מחוידם א כחולבו עוטח דול העמצונו לא ποτάτες, ναμιν. ο ή Κυαξάρης, έπει είδε σω μ τω Κυρω, πιλές τε κὶ καλές κάραθές συνεπιμένες, σύν έαυτα ή όλι amny Ta, δλιδεικνύς. γωι τε κ) όλιγε άξιαν Βεράπειαν, άπμόν π εθέξεν από ε), κ άχο αυτον έλαθεν, έπει ή καταθάς ο Κύρθ משום של וחדו שפיסחא שבי שנ סואוסשע שב דבי אלן נישונין Κυαξάξης κατέδη με Σπό το Ιππε, απετράφη δε κίτ Anor whi. & faxtiwy 3 parees no.

32. ye. avasavras.

2 ९. ही महर

29. d. 75-

neivaro,

ye. yns

ndiov sp.

wel.

85.

32. Ex 7878 SE & KUGO TOS polo annes a Trutte \* έποςάντας εκέλουτεν άναπαύσαδις αύτος ή λαβουν v This Segias To Kuagagus, no a rajayav autor in όθε του του φοίνικας πιας, την τε Μηθικών τίλα του βάλλειν εκέλουτεν αυτώ, κὸ καθίσας αὐτιν κὸ πας: na अन्तं प्रेष्ण \* महत्र के रह, संग्रह पाठा, ह्मा, कर्ड़ मी कि wv, a Jese, म या ठे, प्रार्थ है में द्वार मारे हैं में द्वार मारे γαλεπώς τέςεις; ενταύδα δη ο Κυαξάρης \* άπεκείτε τοιάδε, οπ, έφη, ω Κυζε, δοκών γε δή, έφ' οπν ών கோ, வீ Ku. அவ்ளவா யாள்யா ச்ராவுக்), வு கூலி எவ்வவ கூரும் மல வு கூ τεδε βασιλέως περυκένοι, κή αυτός βασιλούς νομίζε μίνο εί), εμαυτόν μιν όςου έπω ταπεινώς κ) αναξια ελαύνοντα, σε ή τη εμή θεραπεία κή τη άλλη θωμαμά μέραν τε κ μεραλοτορεπί παρόντα. κ ταύτα χαλεπί υλι οίμαι κο των πολεμίων παθείν, πολυ ή, ά ζώ καταθυναι χαλεπώτερον ύφ ών ήκιτα έχειο ταθτα πεπιθυνα έγω μέν χο δοκώ δεκάκις αν XT της \* γης ηδιον δ. ils

9

S- 1-50-5

1/10

אלי מוש

0

, 1

şi.

ous.

7115

1201

00

879

valo

di-

711.

uzi.

र्ड्। इं।

157701

Zei

म्हाबा

1 85-

104

ται ή δοθθώαι έτω ταπεινός, κ) ίδων τε δ έμες έμε είνει είνελήσωντας κ) έπερ ελωντας έμοί. έ χο άγνοω τετ', ερη, όπε σύ με μόνον μείζων εί, άλλα κ) οὶ έμοὶ δε-λοι ίου είνε \* ΄σανπάζετ μοι, κ) κατεσκάασ- γς άπαν-μένοι είσὶν ώς ε δύναως ποιήσαι μαλλον έμε κακώς ή τωσί μοι. πυθών όσὸ έμε.

33. Και α μα ταυτα λέρων, πολύ έπ μάλλον διερα-क्सा के की रिकार्पका के के में Kuegy इसकार कार Απολίνου δακρύων τα ομματα. όπιζων ή μικρόν ελέξε τιάδε ο Κύς Θ, αλλά ταυτα μέν, έρη, ω Κυαξάξη, TE λέρεις \* cinn રેજ ક, જ TE છે કરે જે ગામ છે જાતાક, ને દોલ Th 75. ann રેમ. μι παρεσία Μήδες κατεπιδάδζ ώσε ίνουες είνου σε κα-कं कालंग, के प्रथमा वह प्रमाश्ची में कार्टिस के जियापार्य के η μέντοι γε δικαίως η άδικως αυτοίς χαλεπαίνεις, παρή-का महत्त (olda 20 on Eagens av 989015 answy हम है जिलाλογεμένε रेंक्स व्यानी) τον μέντοι ανδεα αξχοντα παση έμα χαλεπαίνειν τι ις αρχομένοις, τότο έμοι δοκεί μέζα inagthua ED avayun po, \* Sa to manes wer pober, 29. de il ολλές έχθρες ποιείθς. διά & το άμα πασι χαλεπαί τέτο πολμιν, πάσιν αυτοίς ομονοιαν εμβάλλειν. ων ένεκα, ου ίδη, λές έχθεξε γο εχι επεπεμπον and emants τετες, σοθευξυ Ο μή I forto da the oles igyles o, TI TRIVITAS nuas humines. Town il 80 our rois O.ois que maggilor aspanos दिस का को प्रध्यका कर प्रवादिस के दिए बेरीयसे की, किये हु देशस. γω χαλεπώς πάνυ σέρω, ει άπων όπον διωαμαι πο मिष्ड कड़ को सड़क के व्याजन का रसंग, हमसाव क्येंग्यानं व प्रधार िस्ट हेर्नि हिन्द . बेमेरे रें, हिना, मां ह तर होस्त्र भिस्त है, वर्ध- पूर ω αιπώμεθα, αλλ', οι διωατίν, σαφέρατα κατιδωμέν έστοπθέmoior be to mas sue adinnua. Ry this er pinois dingu- val πίπω ἐσόθεσην \* ἐγω ἀσοτίθεμων ἢν ράς π ἐγω φα- ἢν ράς τί องสหอง สะพอเทนผิร, อันององุลี ส่อใหล่ง ทั้ง และของ แทร์รัง σε อุสหลัง αίνωμαι κακον πεπιουκώς, ανιδέ βεληθείς, ε κό σύ αυ γε. άγα θά шью у по सद्देश के देश वे राम के देश के राम के के के के के के के के के कि का जा महत्त हुनη, έση. ἢν ή δη η \* αγαθόν πεωθεχώς σοι δηλΟ χώς δ. , η ωθοθυμέμθο \* ωράξαι όποσα πλάςα ήθυνά-γς. ωρά-שוש, בא בע באמו ב ססו מצום פוש עמאאסט זו עובע בבשו ב באם Иломо убу, коп. аза тойчич, кот в Кив , опо ты - таный п-मि नवं ६,000 महक्तरम् प्रारंग्य मवंग्रय सवने हेंग हमवड्ग. हें तक राक्ष. हम वेश में में एक्से अंदर की से कर हेड़का है, ता रह बर्जिय वेश वेश केंद्र में में हता की म , म मबस्रोंग. बेड्रूट्लंसिक हो, हिमा, हेल माडिट माड बेड्रूट्ड. से बेड्रूट.

प्रवां ज्वा किमले बेश्महण्या है दूसर. ज्ये 38 क्षेत्रह के म से मेरेड माने.

: 7

8 7

8 7

76

N,

X2

3/4

78

gnx

pue)

901

du

Ku

uev

3Ei

20.3

ma)

Tiw

Asy

uev.

704

601

Ev'

7€ €

יות

ized

ion,

egs

127

127

Shin

אל אים אבעוצה ווש פפוסעניצה או דצדצה כחו סב אן יונני סלוו Zwegy weunsties, cutis étreums meis re to Megris nervor, ound x 85 air sulo, nai mess que idia, A. όωψο क्सहबेडिय σύτον με ελθείν ηγεωψον, ε τιις Перого толер. ४ महिए हेन्से हेन्स दे था नह नकान पंतर उन वह, है 20. cus ilv குவுக்கும்படும், வச்சிக்க வீழுவு படி வீத த்சியவுடிய கி. SULLATON sus te x deisus. na dec yap un, Egn. en tuto Tolivo un 28. as1-मुळ का संसहे, देवा, कंत्रहरूण \* वंदी ारांवण हो महे कर्ष वह riar Tipa τέροως, δι μάλλον ευεργεσίαν; δήλου, έρη ὁ Κυαξάρης, 18. उत्ता देश पूर महत्त्वण रेण्ड्ट्रार्ट्या. मा प्रे, देशा, रेमलीबेंग oi म. 29. XX78-אבעוסו את שסף, אין אום שטיול בשל צלבו שפים משודה לי דעדים ของเอล่ง พัธ " naterono de และ ก็ พอ่าย พาอิง รัพธรณ์ เพล ก็ หมายิบมัย อุษาล. με η σόνε μίνον; ε μα τ Δί, έρη, ε μ δή. τί χο, επεί νίκης γων ένπος άνθα, μλύης σων τοίς Δεοίς ήμετε σας, κ) αναχωρησάντων ή i TIVOS πολεμίων, παρεκάλεν σε έρω όπως κοινή με αμπού δώ. หมา อิเมช. மையில், மாற் நிருமுகு ப்படிக்கு மாற்ற \* எர ம்றுவ இல் மி மக 28. Ηπκα- κόν συμβαίνοι, τέτο κυρπίωθα· εν τέτοις έχεις πνά πιο· λον κοι με νεξίαν εμέ κατηρερήται; ὁ με δη Κυαξάρης wegs \* του-Boy oup. τα εσίρα. 6 ή Κυρος πάλιν έλερξο ώδε, \* άλλ' επεί σεί ४९. गठाण. नहार जलम वंग में मी केंग करा में वामा अस्थाय की, निर्देश, सामी ער שני דער בון דם לוביתבוי, כב עו ל מני דטי ער מסחות דצדע עצ מושלשוני ο επκα τ. μετέχειν, ίππεας ή τ σων πέμιρα εδεόμου σε; ει γίε i TE TO away no insu, a in as TE ni acoma ge muis inami TE 2117-שניש, וח. סו סטעעם אניי, דצד טו חשפש סצ, בפח, כחולבומיו שם בחול A' αν κή መሮ κ ταυτα εσίρα ο Κυαζάρης, αλλ Η di 7. 0. unde रहर', देवा हिंद्रस विज्ञातार्थिय केया, वर्ष महात महामार्थिना 20012 peor e de 6 - xêze, ein au indiner on or anoxerva phis euci a ex a βέλοιο, ευθυμεμβρες όξων Μήδες \* τέτες, παύσας ών W.V. क्षे वंपवप्रवि क्षेप्र सापरीमाट्यं क ए तहा है। वा का का का कि 26. 22.10 परंत्र म्हण- गरेगा प्रवास्त्र माठा माठा माना, उस वेशहर में उद्गेर्हिके वा वा σας Steph. ठीने TETOIS TELLIV HTEV \* σε & ndew हर उठा แसंवा व 20. 00 %; Serus 101 8 80, 870 palor Mindois com rax Alia sole. ที่วูที่อีก ราง วูล่ง ผิงก่อนรางที่, รีกักร รักรสิน ทักเรล่ จะ รังงล์ และ का वेपस्ता हरें पर मह मा द्वार की वे वह \* हिंद में गण्या से प्रो महाम स्टि हें बेंग रे विशेष हमार्थिताता, जम देमा मुह्मियम . से हैं नहिंग्हें पूर्वा-De Boev mas a Ener vouice, &s' o, n av Sistes de forme, NX อิน อัส จะ ส่งสเราย์ท อิลา. จันซีท ปัฐพฤษท์ของเห็ง ซานร์ 111. 878 έπει δι' εξήλθουν, πίμιν πε το εχυνώον ε φανερόν δειν:
επο εποτοπεδον ελώκει εμί πολεμίων; επεθνάπ ποινοί
εμίων σε ελθόντων; αλλά μω εθί γε ζώντων εχθρών
εποιλοί μι δπλων εξέρω ), πολοί β εποπων; χε εματά
γε μω τα τ φερόντων κὰ αρόντων τὰ σὰ το ετερον νω
εξάς τας σὰς φίλες κὰ εχντως κὰ αροντως, τὰ μὰ σοι, τὰ
δι' σὐπις ἐπὸ τίω σω αξχωί. τὸ β παντων μέμειν κὰ
κάλιςτν, τίω μεν σω χώ αν σύξανομένω ος άς, τὶω β
εξίνωνα, τὰ β σὰ, τὰ πρότερον εἰς τίω Σύςων δεπεράτεμι συγκαταστα θέντα, νω τὰ αντία σοι προσερχωεπιδια τέπω β επι κακόν σοι θ επι αραθον, μαθείν χε επι μὰ
ερικότα τέπω β επι κακόν σοι θ επι αραθον, μαθείν χε επι μὰ
ερικότα τέπω β επι κακόν σοι θ επι αραθον, μαθείν χε επι μὰ
ερικότα τέπω β επι κακόν σοι θ το ποιμι ακεσω μεν- αγ.
επιδια το εποροκες εκοινοι αλλα λέγε δ, πι γιγνώσκεις εποί
αυθί.

(ð

1.

ú.

4.

0.

i.

क्ष

Ass !

me

/ap

UTOV.

H

116

k ar

an-

JOKE

out,

89.81.

ush

1878

78785

N/24-

हेत्रधः हेत्रध

34. Ο με δη Κυρ ετως είπων επαύπατι δ δε Ku Edens Engle mege raura rate, all a Kuge, ag पूर्ण म्यां म्य व वर्ण महम्तामस्य सदस्य हिन्छ, इस वीरिय व मारूड द्रां र्रहास हर प्र प्रदेशमा, हिमा, विमा, वरा प्रवर्णित पर वं-क्रिये कारण नवं हिना कं व \* केंग्र क्रांस क्यांश्वास, क्रांस कर केंग्र केंग्र μάλιον εμέ βαρύνει. τω τε γίρ χώραν, έφη, έγα αν μάλλον שני שלש בל שאסעונט דו בעוו לעוו לעוו עווב עווב ש הסופים, עמא יוו פום: מ how if the enter vand or ofar stors an Ear weeter. or i pairs?, प्रमें पूर्व त्या त्य. त्राहरत म्बर्स है, हैं हैं। कि पूर हैंदें। त्या त्या पूर कह. τα ἀπμίαν φέροντα. καὶ χρήματά γε, \* έφη, έρω άν χρ. έφη, τοι θοκώ ή θιον ह τω θως εί δαι ή το ε φ σε λαμβάνειν, ών ε τως άν εύ νω έμοι δίδως. τέποις γάς πεπζουλο ύπο σε μοι δοκώ ι \* μάλα πίθαίνομαι οίς πενέςτερος γίγνομαι. καλ τές ή δίον σοι મ દેશકેડ જ્વામેગ્રહ કે કેએν μામિલું પૂર લે જીમમાં માર્થક જેવાં જે મેં જ તે છે જે πι αν δοκώ λυπεί θαι, η νων ός ών όπι μεγάλα άγα- έπω λαμ. के महत्तरंश नेवला रेक्के वह. से र्रह का त्यां त्या, हिंगा, रिस्ट छंड़ उरे. έγομονως ενθυμείθα, μι εν έμοι τουτα, αλλ' έν σοί χε. μάλπί μας τα άντα, κα τα θέασαι, οία σοι φαίνεται. τί χδ αν, λον. on, et Tis Kuvas, a ou reépeis quannis evena Caure τε καὶ την σών, ταύτας Βεραπούων έσυτο γιωριωτέes n ou moinous, de du coppairor de Trop Tel Se-ख्यारंभवता ; से रहे रहे तं ठा ठिलसे ध्याप्तुंग सेंगवा, मलेमसंगठ ιπανόνσον, εί τις τές σε Βεραπεύονται, ές σύ ή φειді каї \* Эгентенц вуска пентоп, тать; в то бы у де मांग एंड' देमलेश्ड म्ब्रिंग्रेश मंब्रिंग्रेश जिंदिया संग्या, सेट्ट' देग्रा नर्सा गर

101

Ko

3

Sas

Al X

30

200

Luga

DVT

Lis

FOLE

e) 5

5 X

dor

TR28

26 6

Ku 7

i xj a

37. lis Ki

aç.

ad gen

75 0

1000

n, c mé

Sa

a al

भूशो धरध

L'Hy

38.

3 K

Tautus The cuepesias raeu auto eideins; Ti de (6 μάλισα ανθρωποι αασάζονταί τε καί θεραπούκουν οί. κειότατα) εί τις γωναϊκα τω σιώ ετω θεξαπεύσημη कें इह वंग्राक कार्रसिंग प्रवेत राक्ष मार्गिनसहण हवाग्रकण में कह, वह वा σε τη ευεργετία ταύτη ευφεάνοι; πολλά γ' αν, έρη, είμα, και δεοι άλλ' ευ οίδ' ότι πάντων αν μάλις वंशिरांत जह रहेरठ मार्गाजवड़. रिष्ट में हा मार में पर प्रवंशाह्य में है एक कर जेन है एक इहेड, में नाइ केंड़ कर में मुक्क हिंदुक कें म Desarciones des auto no son Emal n ous, de av cino αυτίν νομίζοις; οίμαι ων ε. αλλά πολεμιώτερον αν ei TONE; augu natanavol. Ti j; ei Tis The our pine. Ve. HOOV- OINODEGVES ON \* HOOVT &, Nambave The sull orion it 10 λαμ- λεις, εί τησο ακέσας οίχριτο λαθών σάντα όποσα δυώα. To, में वंगरेंड में प्लाइ कांड पूर क्रिश्तांत, कर है must hergien

Galery omoon els-AH, AT' au 105 78

Exces pendur ag av Swiano Tov Toistov ausumo o oixon vouicer; vu photos eya, Kupe, et un Tauta, and τοιαύτα ύπό σε δεκώ πεπουθέναι. σύ ρο αληθή λέρες ειπόντ Θ έμε του έθελοντας αγειν, λαβών ώχε τάπο us the Sunaper, que de Egnuor natiners nai vui à Exactes The sun dundues, ayers on por, if the suld ஒரி நிழ்யு. ஒழ்வே வந்தை சயி சரி தியர் \* சியவும். தில் சி சிலம், हिए जारवांता के केर की बात्र विषय कार है। wee jury co neisir nai rois te allois ar Jowners, nai Tois o Tois Emois Conxoois. Ou who ad aving quinn, exi Se su aξι αρχής. τα υτα sv σοι θο κει ευεργετήμα. TR ED, & Kuge; eu id' ori. eite eus anids, 8.

20. Sec. 70 286 9518A

Bu.

28. cm

20.30 à.

குமார். பி நம் வேல் கில்லார் மில் நிய கிகாம் மகிய, வ क्यों कर नहें महें वह वेत्रायां देश का है पूर्व का है पूर्व Mister में दूरण की क प्रदूर्भिका कर्या का वा की ही, वेत्रवे एवर्रा के वी में र्भाग्येड रका- मवा कारले पहारह बहारिए मार्थेड कार्नी कर्यपत हिन्त्रांशह er val.

र्रहारेड केंग्र हत्या एड कत्रकहर्सण हर्णमें सेंड केंड केंद्राक प्रकार में

35.

35. Kai & Kug & בדו אל בסיד של משום ישים אמנמי הי मह, क्ट्रेंड क्रि छहळेंग, हिंगा, के जैसेंड, होंग प्रवेशके का क्रें उड्टूग हे द्राराज्याण, में ठा गण है था। द्रे दराज्य केंग केंग ठा तथा δά. παύσαι, έφη, τὸ νωί εξ) μεμφόμθος μοι έπαθάν de weight nume rabus onws excuse wees or, in all मार् वर्ष वे- वर्ष क्यांभाता मा देक हमड महक्त्र मार्थिक देनां मार्थ के वर्ष τω σώ πεποιημεία, ασταζομεία τε έμε σε ανταστίζε கும் வெட்க முக, ப்பது இசிய சக மெய்கே வி. வி வி வி வி கள் கெருத்து, சம்வ

36.

ωι μέμφε αλλ' έσως τοι, έρη ὁ Κυαξέρης, καλώς λέγεις κάρω ποιήσω ταιο τα. τί δυ, έφη ὁ Κύο, ή τὸ φιλήσω χε. κά γω हां में को विश्वता, हिका- में हम कामक दर्श पहा कि का कि से हम हम मार्ग-รักฐย์ ใจแลง, รีอท. หู จร รองโภทฮะง สมาจัง. พร ว คีองง อโ Mที- ฮพ. ที่ biz of Hegow & a Mos Tomoi, ( wan & sue her o, non

क्षाण हें का में हें के अप के के किया है के किया है के किया है। 36. Kai o Kvagagne Si z o Kuet avalartes em κό ίσπες ηγέντο, κὸ όπο μορ τος Κυαξάρει οι Μίνδι कार (Kug के प्रवेह कार्राह हमा के मार्थ करा ) देता के मार्थ प्रिंश को गिंदुन्य, ठेमां औं नक्षणाड़ को बेशका के से बेहाουτο επί το ερατόπεθεν, κή κατές ης τον Κυαξάς ων είς di κατεσκού ασ μερίω σκηνιω, οίς μερο έπετέτακτο, παοπεύαζον τα όπιτή θεια τω Κυαξάρει οι δε Μήθοι 8or zerov gonto mes Seinus ingo o Kuagaens, neone क्षेत्र कां ग्लें , को भी भी \* कां मारे के के कामी, को में मो लेंडर है. कां महे Aς κεκέλουσο των Κύρε, δωρα άροντες, δ ωψ πις οίνο- καθ εσυ-का प्रवारों, हे कि के कार्या के व्याप्त के कि देश कार्या के कि किए, हो है

1.

14

07

1

157

T)

8 الدا

w, 4-

lai

74

Ad-

R.

Ny 111-

ola 70

1905

H.

موا.

Jen-21

124

230

ये ह TOTE

dess.

कारश्रुकेंग, o de on मार्थायम्य, o de edita nogli. करेंद्र de मोसंड्ठा Be ώς δηποπολύ εν γε π ών είλησει εδα ερίτο αυτώ. ώσε ναο κύρε Kuazaelu Meranvooren os ete Kue da apish aires en nend-ส ่อเกรี, ซัก oi Min Soi หักอง ก อเกอ อยู ฮ ย่างบ ของ 501, ชื่อ ยูง. म् कल्लीड्रा.

37. Έπειδη ή δείπνε ώξα ην, καλέτας ο Κυαξάζης Lis & Kuego, Sia Hours is vas autor (undertreir o κυρο सं मा, μη δη σο κέλδε, δ κυαξάρη. η εχ विद हैन हैन्द्रा हो मक्टर्य पहड़ एके मंद्री कर्य पहड़ देन महादिहा है. हेन्द्राहर्αρεισν; έκεν κληώς αν σερίποιμι εί τέτων αμελών τ μίνοι. mm ngorlin Februsan goneilm, ansvergar 2 gensa. τι οί εραπώται, οί με άγαθοί πελύ αν άθυμότεροι MOINTO, oi de mornegi mond obeisoteegi. anna ou who, M. and te not iden handin unan geimen ugu, nat πές σε πμώσην ανταστάζε και ενώκει αυτεύ, ίνα σε δαρρήσωσην. εγώ δε άπων εφ' άπες \* έλερον τρέψο- 25. λέρω. ய வய்வல வீ, ச்டிய, இதன் சில் முத கிர் எம்த கம் தம் முத கானது. ον) πάντες οἱ ἐπικάμοι, ὅπως βελασώμθα στώ σοι क्षों माला पर देश पर कि कि को भी भी में में हिमडि मा हिंग कि μετε πότερον επ δικεί ςρατιύεως, η καιρός ηθη δία-Μεν τίω ςραπάν.

38. Έκ τέτε ὁ κλί Κυαξάςης άμφὶ δείπνον είχεν. 38. Kugo, ounitas 783 \* inavoriges of ginov nai yg. inavo-DEGVENTATES.

au Si

πŧν,

тно

ivas

नं वर

п, ба ũт',

Sein 10

gia

Ku

Ta

77 LU

Auns

र्भ , ह

edža iv; jav

心浴

37

186 Se Co

695 E No 17:05

1 7 pivas

dres

s an धीव

riss iv in

TWITE

žv A

eis

त्रुं व वर्षे

De. OTAN

Фергат и опитейная लंग Sion, देशह कार्ती, "Arthu φίλοι, α μ δή σρώτα ευξάμθα, Cui Θεοίς σάρεση ή. μίν. όποι οδ αν ποςδώμθα, κρατεμόν τ χώρας κ μ ή און דאל מס בעושה בשנוש שלעושה של שונוש בא שנו אל שני לאו לאו היים או אים לאו או אים לאון או או או אים או או אים או או אים או או אים אים או או אים או דב אל ופטפס דבפעה אואים ביו ביו און הוא להו שב אוסבומי כו ושו σροσβυόμφοι π' μια χοι σξαμείναι, κή πολλώ αν μαλλι वेर्णाला रीपार्वाधिक में संग हार्वाचार प्रवाहेंड, में संग जसंग S'eor. OTWS EV TO Whitev ws mitisous our foxin The number אַניין עברים על יפראה בעוטה בניסה עם אל הוה בנים חואל vady. a'M' के करि में ठ तका मार्थ प्रती रहेंग, ठ को संइ ४६ प्रस्वाती шी के वे अध्याम के कि के दिन हैं है के हैं के अप के के त्या कर की क्लां ज्या र्रहे में दिस्ताह, के मोलंड ४६ केंग्राज्य मार्था मार्था मार्था मार्था कर देखें रे मार्था av त्रमाप्रकारकार्वा पर में किट्मिश्रामां कि महारात के ही है। μη μβέπι ώς λόρον ήμιν επιθεξόμβροι ο δ αν είπιπ कर Exasor auth, रहे का महर्राय मह, क्रेरे केंद्र महाने मान सह मिलाइ की exast, Sixts emplies ois av mod Twow & Tw mogande. ( દિએક મું પે મલેક મે, દ્વા, 78 મા દેવામાં મામ દેવાને કે છે છે છે જે જાયા છે है 20 गाड़ नवें लामां रीसव ठेनव वें र देय के रिष्णं क्षाया of spalla !! के क्वार्धिकी हिर्देशका ), नहिर कलाई क्या की महर्में हैं.



## T E ΝΟΦΩΝ

Kups may Seias Biblion 5.

25. 805 84.

Av The whi o'n the hurgar & To Sagagoras सर्थे Sसमार्भाग्या पड़, वेश्वमवर्ण १ एते हैं गई. हवांव कालकों में १०० टेनां नवेड सण्यह्य है अन्य wartes of ormunator \* on & so & Kuata. gns εκοσμείτο, ακκων ότι πολύς οχλο

on tais Jugges ein, in Teto of pixor To Kugo at γε-ο δέπς ση γον οι μεν Καθεσίες δεομένες αυτέ μέταν, οι δέ Τε Ednar, & naviss, " & Se Tis Tolguar, oi Se Tis Exnav 'Youans Se Tadatu Ter curazor megonize, Seousion To Kills SE TIS X μά ων. ενου δη ο Κυρ Ο γιγωσκων ότι ο Γαδατας σέ Tweevar. 3.24 P. - 62 . 52 . 52 . 54

å .

.

1

Σ

75%

บ์ระ. tupas

252.

ag.

Te-

α કેπλάλει το φόδο μη λυθείν ή σεαπά, επιγελάσαι γε. Υσά-मा, में Tadara, Sin G, दिशा, में एंका T salunes रहिर कार जानπησμερίος ται τα μηνώσκειν α λέρεις. κ) ο Γαθά τας ανα- θείς τα υ-נות דם ב אבו פשו שפים דלי ב בשולד, מ חש מוספר ח עוני עו דם אומים-में रहे ' " दिवंका हर नका नव नाम संग्रेड वे अनुमर्व जरा के के वीर्व , जरसम. 11. 8π ω ύμεις ἀπέλθητε, έρρει τὰ εμά παντελώς. διά γρ. τέτω थेंग', हिमा, में ' रहम के पूर्व को मेंड कल्ड में में रिए, हिद्यारी से को मेंड हैं।-אווו י היום שימונוש צצמה שבו ל בומאט סבשה דצ הבשדני באבשטעושי, 10. η δ Κος Θ είπεν, \* άδίκως η έγω, ως ξοικεν, έςωτ. τράπω απώμαι η δ Υσάπης είπε, ναὶ μα Δία, ξφη, γε. π εν Kupe, adinas it die emendi Egage ni avteregor Ta-v Exers रित केंद्र हैं रू ठाँके नह जा मिला, रहिन्तर केंग के कर महि जह मह- रेडिंग मह मिम्मान, क्षे 6 Kug , मं त्र ह्रास्त ने हैं है है । के महिन क्षे के कि कि है कि कि Auntas Jeverner, ett' ere itenoulus, ette un; ma' Tev ua tos , देशा. ठेट्ट प्रबंद जर फिल्स्मा प्रेमिश्य देश Пहदूरकाड़ करां- महासंग. अ क्लिंग क्लाइर मिंग, में नहीं क्यानां ठिमार्टिंह करें में इंस बड़व शह . o K. εόζω. δ ή Κῦς Φ ἔρη, συ ή ἐκ δπουμείς οἰκαδε ἀπελ-γε-άδικως ἷε, μὰ Δί', ἔρη, δ Υσάστης, εδὲ ἀπεμί γε, ἀλλὰ ἄςα ἐγῶ ίων τραπιγήσω ες' αν ποιήσω Γαθάταν τεπνί δεασό. Υτάσσε wir 'Aarveis. 785 x x 2-2. Οι μέν δη τοιαντα ξπαιζον απεδή σες άλληλες. ται ιαμαι ο πατω ο Kuaξagns σεμνώς κεκοσμημέν Ο Επλ 9ε, νη Δία, έth Spove Mndre chateleto. We de martes Cuma-on Tedwestele. Ko owni egisto, Kuazagns einer ade, "Av ans, à Kuις ζύμμαχοι, ίσως έπειδή παρών πυγχάνω, κή σρεσβύ. βε. εγώ ρό νές είμι Κύρε, είκός με άρχειν λόγε. νων έρ μοι δο- έλεγον πώ ι καιρός, έφη, είναι က်εί τέτε \* διαλέγεδος ορώπι, Γαδάτα तिहुक प्रवाहर्ण प्रवाहरेड रिजा हैं हैं ता, में रीविवर्णन एक में Toη των σατιά". λεγέτω έν τις, έρη, του άντε τέτε σέτφ μόwowan. du 7878 mport uiv einer o Tenavio, vor os ex Mes Cumazon, κα οίδα μεν έχωρε ε τι δε λόχων οθ τε क्ष कांच्ये च्ये हेड्रेप के निस्मार्थन के महत्ताहरण. कर्णाहर के ठीन-भीव हैंगा है। है। प्रहेंगर महा को हांक सवसवे कारियोंग उसने का- एर. प्रहेंपूरμίες, η σάχριων ότε δε χωείς ημέρ άλληλων, εκάνοι છે. NG. wiggorto as encivors his no ison, huis ye ubi as zaπώταπν. επὶ τέτω ὁ Καδέσι Η Απες, ημεῖς δε αν λέγοιμο, έφη, πεεί το στασε άπελθόντες έκας ει γς. όπότη είς ε), τόπο γε εθέ εραταθημένοις, ως έσικε, χωεί εδέ. Lowell Z sombece ; ines 280 & worm Scoon of ya 18 1- 80%. Kups at-Tipe This ses spardodulpas, Sintu Esoulo, is ni v-1,04

Aor i

a Y

9198

w T

Acia 1007

TAR

do

ij¢ 10791

217

ง ร์ สหัส

wine.

.9€.

TS 00

KP78

ysus 1687

3.

phase

z I

Ni nis ou

ह कर

יניטי

sa \*

mo

ist. mod L

when

N 7

X210

toi n

4. K

धेंग्य, हैंग्री

μεις επίςα Δε. όλι τέτω 'Αρτάδαζ ( , ό συγ Γενής εί) π τε φήσας Κύρω, είπε τάδε, έγω ο, έφη, ω Κυαξάρη, דום בינו לומקב בינומו דוו שבים שבי אבץ שהוע. צדו וב אים אני שנים לביני בשמוע ל פרו לפו עניטטידמן קימדניבמץ, ביצם בי אבוש פרונה סנוסו חושנים, בקדם דבט בעושי בא אל בל ביושא משאמון אין μετέςων αρρμένων, κή του την σφετέςων φριείων, ώς όπ εκλα ομένων, πολλάκις τροί γ ματα είχεν, φεθεμβός η में क्ष्ष्रहरूप, में नवर्गित है क्ष्य नीवर नवे वामसंव निव मयार्थर एको न

S cheines. every. Si Ta Enervov म् भागक नव W ж.

25. pesera, Exa ji ta cheivar \* ossera, ni s possuar cheirs, co ε σος ξιαι αχείαι ή τα έκεινων; πίνω ή τα τη πολεμίων. ος ίτ ή επείνες τὰ μ οίκοι στατείαν έται, δ' έος πλώ, έμοι μ ε δοκή έφη, διαλύειν των έ πανήγυειν. δπί τέτω ο Γαθρία et me", Egai d' à "Andres Cumazon, mexer post rede TOUR TO THE KUGS SEEIN' SSEN Jag Leude Tou de vote 26 To. ei S' बेमलाप देम मांड प्रशंद्यड, रीम तेर के मेर 'Ass. et d αναπαύσε), & πίνων ποινας ών τε ύμας όπιχείρη वेडी प्रस्ते थे, किए देखरे देलां शाहर देश के हैं है पर पह कि किया cueiro do ow d'alu on o mi o pia @ E Suopeles. on Tens wan Kugo cimer, "Q "Avspes, so" eus har Soven onia διαλύωμον το εξάτ δια, τα μ ήμετεξα άδενεςεξε γν volto av, ta j The modelier waker authos?). ooily வ்ரி எக்க க்ஷியிற, கல் க்லக காள்மைற் வோ கிட क्षड बलाइन्द्रीय), नवार्थ कवंता वंत्र ४५ मनावर्षाया वंता है สมี อัสอริสมอัง ของ อ สอออก หลู อากอักออก หลู อสารุยท์ของ ว. อส हिने जैकापकर्ण में देश क्ये प्रमा क्ये प्राण मार्ग कर्त्र प्राथ कर् χαν διωήτου). τί δετα έγω Κυαξάρα λύρον εκελάα ह्मिर्टिकोस्य किंदो सवस्कार्ट्य साई इस्वस्कर है दे हैं, है। on pockulu of to menhor. of a yag nair artitalus acom ortas, ois nueis, et als statopula, & dumonina मिलं अन्तिया. कल्व रहिर अस्या मिर्गे अर्थ मात्र असमार्थेण, रहेत्य वी ei ny nuiv ounis eini, alla ua Dia ex iomis, il Secanson, ราะ าน อาเกต เก็บ เราสาเลสัง เล้า ล้ายง ที่ uers en av dunaine da spatent dun. नवं de contridus อสะ แล้ง ทุนคร อาทาง ริสนใง, บอ ทันใง สมสังผาย, เม

De avare o en apiquida, sià to viuas ocheids avanenous pul nomo neva. eioiv eis हिर्णाय त्या वह वर्ण करे की है दूरा, मृत्येंड में Ta più fui a र त्या किंग्सा. गांड हैं हे रिक्ट के न्वरिंड, में में STWS igness, os xipa x pizer Swiar ar paxime STATEUEDZ; et uli en e to spateusoussa, eya mis of μι χείνου έκός τας ήμας καταλύσα τικό φατιάν μάλ

Lov il anovrus im aun zarias ¿Zenadlina. ei j Benous-म रंग इतुत्र राष्ट्रे कर के के देव कामा रंग श्रुधिय महासंग, कल-क्रि कंड नवं अड़व में में देससंश्वा ठेशाइका मार्थेड़ कंड़ को में इब कव-बाह्मण, म्हाँ में वार्का के कार्का के के के के के के के υπα χώη,), τα μ стінена πλείονα έξεπν όπο τεροι αν λάω δωίων? λαμβάνοντες αποτίθεδζ, πολιογκήσου?) ή कित्रहा केंग में गिळाडर केंग, एवंग में डिरिंग मिक्ट्रहिंगिय मेंगे देंग हर स्ट्रांनीयड कार्यम्स को हर्ण क्या में के देश मार्ग को है हर में वेसे, के हैं जह-Ασμένον έδεν οίκει τερου το άπλους καταλείπεσον ή οι κεια ήμιν χνητω, τωτα δή τίς μ πολεμίοις αλ-राम्यार्थनम निर्धा प्रकारकण, मिर्धाण है जिल देशकी बार्बे एक में द्वार ทาน. 6 ว เอเร นับ การะ บันโม จอดีก วิธีเลย, ค่ อังก์ออง กอ๋ค-THITTE พัง อไทอ อิลย อักอร์ทนุษัณนุ) อุดูหลูท์ ระเบ ย์นับ ลังลริยμίμεθα τὰ ἐγ ζύτατα χωεία την πολεμίων ύμεῖς ή τὰ Είπεα ύμιν αυτοίς της 'Ασυείας ἐκείνα κτάθε κ) ἐρχά-เมื่อ. กุ้ง วล่อ กุ้นตั้ง รณ่ " สมากก่อง สมาร์ง สินาลุ่นะ วิน ออุธอริง- วร. สมิเล. का को श्री, दें महार्रा प्राप्त संदर्भण, तो नवे कहांक को मी κυπες, \* βιοτεύσετε ' & γαις, οίμαι, δυμήσονται δώ γς. έσε θε. γίνς έσυ ήν όντων κακών αμελέντες τοις σρόσω υμίρ Bessever.

15

5 00 E

910

73

on.

1.

HE

074

Ali mi

71

ANIA ANIA

3. Ως η πώτα έρρηθη, οι τε άλιοι σώντες άνιςάμθοι 3.

μπορθυμήστως πώτ έτασαν, κὶ Κυαξάςης. Γαθάτας

κὶ Γωρρύας κὶ τείχος αι την έκασαν, εν επιτείωστη

πύμμαχοι, τειχειως έφασαν, εν τε κὶ παῦτα φίλια

εν περθυμες όντας περάσειν όσα έλεξε, τέλ Ε΄ ένη, εἰ

ενν περίνειν βελόμεθα όπα φαμβί, χρη ποιείν ως ταί

πλεμίων τείχη, τέκπνας η εἰς τὸ καθαρείν τὰ αἰ. malè ἀ

εν πότε κατε κατεχετο μβι κυαξάςης μηχανίμι αὐτός διερh.

πολεμίων τείχη, τέκπνας η εἰς τὸ ἡμῖν οχυρὰ πυς- ἀν δεοι

εχ. ἐκ τέτε κατέχετο μβι κυαξάςης μηχανίμι αὐτός διερh.

πολεμίων Τιγράιης \* άλλιμι η παίτος ο Κυς Ε΄ έφατο πει- κι αὐτός

κι ποιήσαδι, ἐπεί δε ταῦτ είσες εκ, ἐπορίζοντο μβι η Κυς Ε΄

γανοποικς, παρεσκαδάζοντο δι εκαςοι εἰς τὰς μηχανάς εκη δίο

εξει άνδρας δι ἐπείνης οἱ εξίκεν ἐπιτηθειότατοι ε΄ σειράδι,

κρὶ ταῦτ εχείν.

4. Κύς Φ Α΄, επελ έρνο ότι διατειδή έςαι άμφὶ ώτα, εκάθισε μθὸ τὸ ς εάτευμα ένθα ώτο ύριενόταεθ ερουσεοσολώτατον έσα έδει σεροπομίζεθς δοα

SPJ

Ti, άλ

Sal

Kug

Mas

i) x

gus

6

l'as

Par 7

dw

14.

Leiv

m ws)

AR ST

Bucin

ALTIN

и,

रिया

ह्यां नी

ov or

jμ

n x

ين يو

d.7.69

काड, १०६

300

un d

228

9001

au 70

1 227

म देश्यमार्गमण किन्द्रमा है का के का के देन वेद के में o'ei whover eier, ei note if we ow the igui snospatomely. क्याए क कहार है नहीं कराइ, है कारी हैंड के इस एक्से राज्य हो में हैं। 200 हुत्रण, विश्व विश्व केंद्र को लंडिय के क्रिकेश के ह हुत्र प्रथम , हिं। No aci es mestouas, ana il o mus on mesa hancarin इत्यात चे किमारिश्य. वे पत ही व मक प्रवेश के प्रवंश कार में देश osev Siamor sulvos à megias, à ma d'ômos èv à a japais Tais नर्य हैं हाड़ रेक्ट मा मार्ग जरा कार के में 5 Kug G दें नह ताड़ है। 5. Έκ ή Βαθυλών Ο οι αυτόμελοι κ οι αλιποιών TRUT' ENEZOV, OTT & 'ASTICLE OIZOITO CAT AUSTas, Til.

26. EV8380 ws. al. avti-TOLLOW Eau Tundit.

5.

x. 8821, 8 de av 0 mov didin x 300, 88° el TIS 100 -7701.

quodam 2060

λά τάλαντα άξηυείε η χευσίε άρων, η άλλα κτίμετ או אים שנו של על על על על על על אל הפתונה עסונים או הפתונה ंक हरे या कि कार केंद्र के का का का मार्थ के का का मार्थ के कि שלים ביו ביו ועם משמש ביעון לים אל ס בי בינות सा रियायार के रेगां स्वर् ।, हे त्यारें। वेशास्त्र देशास्त्र के वे दिन है forthios, is right in Singor if igentura ulti สูง Перты เฉพาหอง, าธง และ อน สูง ล่า แลง ผ่าน, พ่ שני דווים או חשפת דו סואשר אמעולמישי ושחשו. חוים γαρ παρα σάντων έδεχετο, κ) άπωθώτο , έδεν, επ ettis ontor esiste nation, ete immer, nateonda (en) η άρματα έκ τε τη αίχμαλώτων άρματων κ) άλλολη owoder Swigero. noi rlui all Teainlui Sigerar again Eras, ga rha Kughadav Eri von Eras aquarnasia κατέλυσε. τον ρας σείδεν χεόνον κό οι εν τη Mudias Sueia x 'Apabia x martes oi er Th 'Aoia rois at μασιν έτως έρε ττο ώστες νων οι κυρωναίοι. Εθεξε έ ลบาน, o หองการอง ผหว่า ใน หม การ ชนบล่นเลง, เกา की हिस्ताहरण की पठाड़ बंदायन, वंश्वा के बेस्ट्रिकीहरण में 29. soer in ger ED, no eis to neatein \* soe usaa use Coulan महत्रें, वंश्वास्व पूर्वे म्हायमक्तव म्हां प्रीमे प्रवाहिष्ठ म (ix.) recancolus la mois d' Eroi geavres dianostini

> My loss into an autois ein who, as eines, ois man इय माइटर्विमा को हिस्ताहता, लंद तथायर कांस्ट हेरता में संभाव

> ES otien too moderies Branste. Taitle usi en the Suggetar nateduter and 3 TETE Todemenera natement

> बन्हर बंदुप्रवाच प्रश्नुहाँद पर रिश्नुहाँद, छंद प्रा हैवडींक (म

पराद्या करें विश्व में प्रथम हैं। में में हिए प्रवेश के प्रवाहिकात हैं।

Ta Ta का रेश में कि Sizeov Tois ทับเอ้ออเร देसारीमाएं, बे

מין דעי ופטופטי צעאמי. בעל של אצ דצידעי באון אונץ

के वेर्मकालम, केंड रेपांतमात्रा केंगार्ट्स केंगा के विकास

20. 500 Steph.

W δίρρων. που δι ήνιόχες εθωράμισε πάντα πλίω मांभूख कराड़ कराड़े बहुवाबा हें किए भी हैं एकिए की महापूर्ण, भी बी. ह माड़ !αλλα κάτω τόσο τω άξουι είς γων ελέπουτα, ως έμ - τι κή τίζε CANSVIEW संद कार देशवार्गांडद क्वांद वेद्रावन के के कि कि किए वेद्रावन κύρθ ταύτα κατεσκεύασεν, \* έτω κρέτι ιων τοίς άρ- χεών) οί புகள் ஆல்சாவ ஆ வி வ சர் தகள்க்கை இன்க. நினை நினாக வ. Eximpos wooded maggi TE The girar Curery which is 28. 8 TO inyuaharos mara Cumsposophias x Taura phi \* 8- 0018778-EQLUATO. प्या क्षाक्ष्याम्बर्गः

6. Benoulu Si Tive nationomov winder on Aul'a, i uader o, n agaves à 'Acodero, Eliger auris किरामिक के 'App. कार देर किए हमें रहर, है एपर वंत्रिका w ranto poraina. Corecelina of To Appara Toi-Me Anodeis Econ Tis Juvarnos, Evagnadin mocatien-किए 16 yes करें में किटो \* Curedias. में ने बे महिला जह करें, में 25. ज्याह-मा महा गई बंग्री , स्वामह बेमारण (ह्ट्रांत्र के वांग्रेण हिए डेसवा. as) & Motor nateroente de Aegians ares to Kiest, ος) ε μέσοι κατερέρησε σε Αράσσε σερς του Κθερυ, ηθοπα ζυμεδηθον φίλες ανθρας επελ θε ο 'Αράσσας διών ' Εσηρετήσειν πό πυχθίν α ηθέλεπο, ηπείλησε τη χε Εσηρεγνακί, δη εί μη βέλοιτο έκεσα, ακεσα ποιήσοι πωτείν άπετείν άπετείν άπετείν άπετείν άπετείν άπετείν άπεν ή μυνη, ως έδεισε τω βίαν, εκέπ κρύτυ γκανεν
τη αλλά σέμπει τ΄ ευιέχεν σερς τ΄ Κύερν, κ) κιλεύει α εξελ.
τέπονι τε έξωτ Θ φάσκονη είναι, σέμπει 'Αρπίδατείπονι τε έξωτ Θ φάσκονη είναι, σέμπει 'Αρπίδα-

40.

70 703

714 878 n ĵ o Ber Si sia ia y 4

a di 174 V (1.8

Can

71

:15 %

WE'N! מונים

ע דע \$7X50

Cur

way

ey, a

ping + in

ον σων τω δυνέχω, κὸ κελούει ἀυτθ είπειν βιάζεδαι ψ μη τοιαύτω γωνώκα, τείθειν δε, εἰ δωίαιπ, εκ η κων θειν. ἐλθών β ο Αςτάδαζ Φ τους τον Αςή-นง ยังอเชื้อเทธยง ชมาถึง, ออสหลานวิทันโม าะ อิงอนส์ อง ώ γιωτικά, ασέβειαν τε αυτό λέγων, αδικίαν τε καλ ακεσιτείαν ώσε τον Αρφασιαν πολλά μου δακρύειν τους γρ. ακεα.

τως, καταθύεδαι δι' των τώς αίγωίης, δωλωλέναι ή σίαν. ιδών ταῦ τα, εκάλεσε τε αυτόν, κὶ μόι ۞ μόι φ ελεξεν, ε σε, εφη, ε 'Αξάσσα, φιθεμθύν τε εμέ, κὶ εν αὶύη δεινώς έχεντα, παίται έν τέτων έχω γάς Θεές

वेष्ठळ देवळा कि. \* मंळमे किया, वंग्रिक्य मह विविध में थर्थ- ३९. में मिंब दि. Фергина бонбита हो) of a महमरंग्री वाग. कि देशका . αὐτὸς ή ἐμαμτές κατέρνων μπ ἀν καρτεςνίται ώς ε συ-

reanois " duention au H. nai ou o Tors to wedlun- pe due nois

20

4

"A

a

70

69

78

λs

αλ

åv

70

48

CON

TP

nv

en

व्यक्ष

'AG

CH

000

dat.

ein

SON

别 (

2 0

Sev &

Nai (

01

Kile

our!

Oc. 17

8

τω αμάχω πεάγμαπ. και ο 'Λεάσσας ισολαβήν ή. कार, देश्रे को भीं, के Kofe, मन्ने स्वाप्त हैं 1019 ही हैं। πες κ τάλλα, σεράος τε κ συγ ζυώμων τη άνθεωπου वं धीरमामवं त्या हमडे में हिना, भे ां वं भे ा। वं भे जिल्ला स्था. Sien नहीं वें पूछा कंड प्रवंत के अवह की मात्र के माद देवान का pagaig وز سل در وود ا دُون الله على و در ور وا من الله المواد و وود والله و و و در والله و و و و و و و و و و و و و و و Cελεύεπν εκπεδών έχειν έμαυτον, μή π κ πάθω ίσό ομ ம் ह मेरी समर्थित के हमड़ सार्याय के हैं Kog के स्तार है जा vw idt, & 'Aggava, on rauth the doch oice T'el suoin ίους ως χαείσαδαι, κή τού συμμάχει μεγάλα ώφελίπι ei jaig phoito, egn o 'Apparas, o, Ti è pas doi en nume வ் நியியம் வி அள்ளயடு. எ கியம், க்டிர அறையாள் MOG que osujen edérois eis 780 mor suins en den al μαι αν σε πεευθίωσι τωο το πολεμίων. έρωγε να μι Δί, φη δ 'Αρρασα, κ పωο το φίλων οίδα οπ ώς π π+ od jas dojov av magizeimi. Ed Jois av rolvun, ign, עווי, שמידת פולטי דמ דיני שסא בעומי כונות לב או אוישיו हिस्ते के प्रत्ये प्रकार सर्वा करें के जा महारहिए के कि पर महर्शना है se und en se revuseran on Beronega el Sevan ois me Prisonal 80, 40n, hon viet x 30 tero, \* 121 sv m थूळा दें इच्यू, तरे रिमार्डिंग माड रेक्के उठ माडिम में मि कारेंडी charged y luia. ii no downon, ton, san in the will Mardear; No jag, son & Kogs, σαρώς έχω ψχά परिषय कडकारे कडकार काम के प्रति कड़ के विश्वास कडकार कड़िका कि ह नवेंद्र की प्रांव न्ह हर्ज्य विप्रव वेन्य में मह हिन भी मध्या है। वस्त मस्त्रिंग मह में वां बुड्रिंग हिन्न हें वे, में म्बर्गिय स्वा है। रमामा पर में ह हिल्मा तार करता निरंप. क्रिके जिम्रेडपर्वा किली र्प्यूक, में हैं त्या प्रिमें में बोज्य में महत्वरमें, त्ये मक्रे कहनीश्रा ठिक्या है में कालामहर्वे, नवे बांबुद्धे टेक्क अमहास नथा. मही है, के σύμμαχν έλαβε, κρατεί ιί αλαθή κὸ σάνυ σελύ. reiven na oot den wogevedat, son o Kilet, alt & ποιείν, ίνα κάκείνοις πις ότερος ης ¿ξάρ [είλε τε αντί त्वं मवह गंभी, इंग्ल पह टेड्वे प्राइश्रेड लंड वेंग वां प्लांड पर σε λεγοωνα έμποδών μάλις αν ศัท อ๊ง ( έλον) อย่า Telv. (sin d'avenacotive i muze quine mueamdule εμβαλείν πε της εκείνων χώρας ) το δτα 38 α'ns ντες 18 τον αν παντί औं на αθερίζοιν π, έκασός τις φ. ઉέμει છ weel Tolnos. z wive, zon, mag on eivose on maiste zo 

25. 1σως. 25. μελλήσαντά. huiv naueis संбर्धा रहत्या. कामिर्देश de में को नजींड में देम-नवं नी हिंडीया ठ तम केंग रिव्रम मह्त्रे गड़का ही. ठ त्या प्रवेह को केन कि-3115 लेड रिश्या δοκών τ τάξιν αὐτη άναγκαῖον έτω τε τάχ-क्षा कोर्राहर महत्त्व म्यं अहत्वा १ है है मार्ग वह में में जा बे कि में मह-שות לושים. בל ישים אינ דע פול בעים " אפן ששם בעול לו בדשו दिहरी अकंप, कार्य किये मार माइकी के एक अहर में एतं मार में हो मार्क மை' பாவு விவ மீசா மையுக்குகா என் முக்றும்கா ந்தி.

100

71.

32 H B 64.00 FT

Heli

de

70

80

ं देव \$ 714

os a

v. 9

1 75

IL TO

224

क्षित्र 300

34 117 91

360

2118

7. "Η δι Πάνθεια, ώς ήθετο είχειθμον τον 'Αράσσαν क्याम्माज्य कारोड तो Koego से ता. माते अपत्रहें, के Koee, क्रम 'Accomas oixe mu eis mi masuiss. Ear jag sue éxons क्रम्य कर्द्र रांग द्यारेंग वैग्री व, देन्त त्रा वंगवर देन्त्रा में देना mai 'Aegawa msoreegy out ginor, if Swiaker of oil' on נילים על שני אנו וו דמו בצמי המפניבמן ספו. אן שמו ז על המוון יוצי שלע במח אבני שיד ש פוא ש הוא שותם. ל של שלע במכנλεύων κὸ έπεχείς πος ποτε έμε κὸ τ άνδρα διασσά του άπο αλλήλων. ບໍ່ 6 ຂເຮົາ ν δεν νομίζων σώπον ວີ 5" ετι ασμβόνς वंग क्लंड वंग्रीव ्ि को सं वंस्वान का वंशहरा वंशहराइ न्याτα ο Κύρ Ο κελεύει σέμπει περί τ ανδρα ή δι έπεμ-Jev' we of Egyon à 'Aceador me ta wear f zumannos oun-Cola n' τάλλα ή ήθετο ώς είχεν, ατμεν 🔾 πορεύεται क्टूडि Koes, रिक्का हिन्दा विभिन्ने नहेंद्र \* बीक्राहर. केंद्र ही है. अर्राहर. ην σρός τοίς το Περτών σκοποίς, σέμπει σρός τον Κ. एम, लंग्लाम हैं भीन है पड़े स्विष्टि देवतिये देवताम सहप्रहाल का गरंभ mis the junaina. ws of itertu annins in juni no o Αδεμθάτης, πασάσαιτο άλληλες ώς είκος έκ δυσελ πίσε. देश रहिम में प्रहास में मिल्मिसिस में Kuge में केनकमार के मिल σορεστίνω, κὸ των σεδς αὐτων κατοίκπον. ὁ ὁ ᾿Αβεσ- χε. πειρώdans ansoas दीπε, τί αν εν έρω σοιών, ω Πά θεια, χά- μεν ⑤ Ε) en Kugo im Te or i encure smotholiplu; Ti o alko, weel ones-รัยท ที่ Пส่งอิสล, ที่ \* สหรูผ่นอง อีนอเซี สรย์ อันสีของ ของ ผู้วง สำ ही गुंग्ड कड़ में अमलण्ड कड़रां जा;

8 'Ex TETE Sil Egyerau regos Tov Koego o 'AGog Sorus. ν ώς είδεν αύτιν, λαβομεν Ο τις δεξιάς αυτε είπεν ανδ' ων συ ευ σε ποί ηκας ήμας, ω Κδρε εκ έχω π μείζου είπω, η όπ φίλον σοι εμαυτόν δίδων και θερόπον] α καὶ σύμμαχου, καὶ όσα αν όρω σε σοκθάζοντα, συνεργός का कल्लुंक्प्या मंत्राहरी वा कंड वेंग रीपांच्या मल्लंगड कि में है κόρ ਉ संπεν, έρω 3 δέχομαι κουν μέν σε αφίνω, έφη, किंग की प्राथकार कि कारिए, कों जा है है मने कर है है एको कि निज्ञ कड़

MINNS OUN TOES GOIS TE NOI EMOIS PINOIS.

enervo.

9. Ex

9.

9. 'En Tere ien o 'Alegadarus medalorra To KA. ९०० कहते त्ये हैं ह तका दिवस विश्व के सु कहते का विकास मान mives किया : पह में किया है वह, देम सर्व पर ouvrer है y देवा के Ta Exativ बहुमबन्द देश रहे कि नामह रहे देवा के विमान विमान vo auris de de nyroquero airfu con ve aquaro क्युडल रेबेर्डिक. का निर्देश देवक रहे के हवा के बहुत वहार नहारते gunde TE nai 25 im mor on To. in de Ila's Dera i zwig auts du sto éautils sentiation revoge de auto Degra Emotion of your so near to, would tous d'à xì re Gay. र्णात नहें भी किताहर में बहुमका कि त्रका प्रश्न पह न באינוססו מבדבה מל בסמדם. 'אלף מלמיחו עוני דמודם :megile. Kie & A idav to retegevuor aute a ua, vale. vonter de ofor Te ein zi outagunov mointa dan, ase out ( ביואסו הסשט מצמי של עות משושט דם ממדמד מדני סוֹצוועשי मेंग रहे रहर त्राठ्ट प्रथम मळेगाड्य वाम मांद प्रमेंद (एम रहाई τοχοίς τοι δτοι δε πύργοι ζών τάξει ακολεθέντε edente auto uspain ner omnessa glusdas in sant φάλας Γι. μερά η δε βλάβη τη την σολειίον τάξει ε. कार्वाबह रहे की की वास्ताध्येक्य स्था की महिष्मा स्था हती. Eus arelibale de om The mis you exasor ardous is. monv.

TO. 10 'E मले र के कवंगम ट्रिक्स कार्य कार में महा मही मही मही 2. To a ja- yes we gav Exausave To a jayine. nj wond fan 1. yin. प्रा मसे वेस मार्थ (हर्ण भा मर्प मार्थ प्रथा महेंद्र हेना व्याम के Spas if to ond op einor Bae & exasor to (6/204. ord. किए मीं के हिंदि के मार्ग नवे ने मार में कर्माड नवे रे का मा 30. no Ca-Center is de miene, wavel mannie armi, in to. Jis de Acov " नवं 20: हे दूर्व नकार में हॉ मठनार वंग्रिकार में ठेनोका, नवाम אנקטת, έχθιστο έλαπον η πεντεκαί εκα ται αντα εκάς ο (εύ) α 28. मार्च १४६ कं लेन्छित्राम कंड ती हिन्स र्मे क्लिक हैं के दे कि कि कि פעדנטי. वी दिए के द साम वेंड्र मा पहेर मार्ट्य हैं ( UV मार्ट क्या द मार्थ मार्थ भन pilo F is moning whenvestian, and our meian To D &

οικαι σύνων κ) ευδα μο ίαν.

11. 11. Ήλθον δε εν τέτω τω χεόνω κ) παρά τε 'lvis κ κις ε, δη κείματα εροντες, και απήγελον αυτώ ότι ό 'lvis απήγελας όπις έλει τοιάδε 'ερώ, ω ' Κόρε, ηδομαι όπι μοι επήγελας ων εδικο, κ) βέλομαί σε ξεν Θ Ε΄). κ) σεμπω σι χείματα κεν αλλων δεη, μεταπέμπε επίσαλτα δί τοις σαρ' εμε σοιείν δ, τι αν συ κελευής ακέσαι δε, δι κόρ Θ είπε, κελεύω τίνω ύμας, τές μ αν ες μίννης

inene

8

0

7

CH

St

X.

71

20

26

770

1/1/

11 A

770

TO E

an

701

2017

50

20%

K:18

787

Aus,

ינום ד

1207

2887

13

1765

Si

ת מ

EXTA

00

add

Thex

Aug of

301

ένθα κατεπιωώκατε, φυλάτθην τὰ χέρματα, κὶ ζον रहें क्लार्श्य, कं म्बट्दे गेंडे 'रिश्रे कहते कास्मावर्शिक, में नके ખેલ μαθόντες. 8, π εν λέρωπ τε κό ποιώπν, ώς τάγλσα άπαγβάλατε έμος τε κό τω 'Ινδώ κών ταδιά μοι หลาพีร เอทธุราท์จกระ, เก ผลิหาง บุณีท วุลสม รักราเลม ระ-TEN ON MINUTA TAGESE D'POVTES. X) 20 01 M d'Exces ennotes naturate ser allo Swar si orse anaf sa-राम में विका मर्वणमहड़ रेज्यलण. वर्ग नवाहिनवा विश्व महत् प्रमुद्ध तेष्ठ हर πι άκις κ) τὰ \* βελευματα καταμαι Sa : επν. οἱ με δι 29 βελά-

ीमी, वंगहात्वारहः गर्ने के प्रथम हिंगा के भारतः प्रथम का मा हुई है । के प्रथम εμ, συπιδασάμθροι τη υσεραία έποιεύντο, έστοχομενοι Splin narajadortes ova av Suim ) Theisa in I

πιεμίων, ηξειν \* ως δυματόν τα χιςα.

5

8 .

.

1

11-1-

l.

U.

215

19,

4-

yg-

N

18

Sis

117

1001

il u

8, 0

। राध

:36

12. O 3 Koles नवं नह संभव कहा में तांग्या कव्हार के प्रिंग ). αζείο μεραλοποεπώς, ως ή ανής εδέν μικον \* υπογοών περίτ εν επεμελείτο 3 ε μόνον ων εδοξε τοις συμμάχει; νοων ut in and nieu childens weis annunes vois pinos omes auτοὶ έκωςοι φανέν) κὰ ενοπλόταζοι κὰ ἱππκώταζοι κὰ α΄ ςτοι. κυπηκώτα οι κή τοξικώτα οι κή φιλοπουώτα οι. τα ίτα 5 Lagraleto Sti Te Tas Digas ozagav, x null Tes matiens enaenth, n' in ant gebenine D n' e ea cuiting रभाष्ठ है रात्रावण्य नह कवा के देण ह है दूव हाई कार कि वा रवाद है, न भिष्युर्ग. से 3 ποτε Βυσίαν πειοίτο κ ερεπίω άροι και εν τωιτη οσα πελεμε ένεκα μελετωση οι αγθρωπι, σαν-का रहमा वे व्यायह स्माशंक, मयो के ने य गणा रामला महत्वर ०πρεπως εδίδε, και ην στολλη ουθυμία ον τις ερατευμαπ. 13. Τω δε Κύρω χεδον τι ηδω αποτε ελεσμίνα ήν וחיסהם בלצאפדם בצבטי קים בניבשעו, שאנט אין עוו צמושי, ע Poi Migrau immers enmaco non no es res queles mai τι αρματα τά δρεπανηφ ρα ατε ουτός κατεπευασεν, innea non no eis ra énare, a re 'Abradams à Sénot empelence nalamadaser opora Tois Kups, af Tauta entrea fir e's a' Ma enative & ta Mnfina d'è a mala TETEINH Koege Kuazaglus et Tov autor Tromor pelaaddra in ms Tevinis if Astunis Siperias nai en-भेहर में प्रवर्गित हीं। संद बैंश्रेय हम्ब्राएं प्रवर्ग की पर्वेद मुद्रार्थ-Ms d'à cutelaquevoi निर्द लेंग्डीहर No हेक हेम्बेडमण नठहें ना के महेर करलेंड कि इनकाड़ है उच्छ है रिट निर्ध अर्थापीय केंड मे-

20. 25 ay

dv.

28. OUVE.

Asga.

IN παν τεκώς κεκε επικώς, κો έδεν οντα τα της πελε.

ير رفع رفع

TU!

101

1 70

Mil

20%

T2

2.Th

27,0

1 pus

100

au'r

ni

19/00

Yes in

We is

wild.

2 87

ziun

SH7 6

्रेषड १५०३

Sou.

6 7th,

DON'S

के पर जीवज्ञ

Penger

17.80

KA 10

12701

otan.

85 6

Tieg.

1001

Xil

μιων.

14. 14. Έπεὶ ἢ ἔτω διακειμένων ἦλ ἢον οἱ Ἰνδοὶ ἐν ἢς γε. κατα-πολεμίων, ἐς ἐπεπόμτει Κῦς Θ ἐπὶ \* κατασκοπῆ, χ΄ ἔνε. σκοπὴν. ρον ὅπ Κερῖσ Θ μ΄, κρεμών κὰ πατηρὸς πάντων ἡςημές Θ εἰν τῆν πόλεμίων, δεδορ μένον δί εἰν πᾶσι τοῖς συμμάχεις βασιλεὅπ πάση διωάμει ἔκας ον πας εἶναι, χε ήματα δί εἰσ φές ειν πάμπολλα, πιῶτα ἢ τελεῖν κὰ μιθεμένες ες δίναντο, κὰ δως εμένες οῖς δέοι ἡδη ἢ κὰ μεμιθωμένες ἣ πολὸς μὸς Θεακῶν μαχαιερφός ες, Λίρυ πὰ ἰες ἢ περοπὶ εἰν κὰ εἰν ἐλερον εἰς δωδεκα μυειάδας σὺν ἀσείσ τὸς

ποδή εση, κὶ δέρασι μεράλοις (οἶά πες κὶ νωῖ εχεπ) κὶ ρε. προτέπ κοπότι \* προσωλείν ἢ κὶ Κυπρίων εράτο μα ἔπ, παμείνα δὲ κὶ Κυπ. ἢ ήδη κὶ Κίλικας πάντας κὶ Φεύρας αμφοτές ες, κὶ Λυερατομα, κάονας κὶ Παφλαρόνας κὶ Καππαδόκας κὶ Αραδί ες κὶ Φοίσας.

νικας, κὶ σῦν το Βαδυλών Φάρχυνη τοῦ 'Ασυρίες, κὶ

Ίωνας ή κ) Αἰολέας, κ) χεθον πάντας των Ελλίνας των εν τη 'Ασία έποικε τας σύν Κρείσω ήναγκάδις έπων πεπιμεέναι ή Κρείσον κ) εἰς Λακεθεύμονα πελ συμμαχία, συλλέγεδι δὲ τὸ ερώτευμα άμφὶ τὸν Πακτωλὸν πυπιμούν, πρείται δὲ μέλλειν ἀυτεν εἰς 'Θύδαρρα, (ἐνθακ)

νε. Θυμ- κον, σε τεναι θε μελλεν αυτεύ ει; Θυζαρρα, (ενθα εν βαρρα νωϊ ο σύλλορος της των βασιλέα βαρβάζων της κάτω Συγε κὸ, είας) κὸ άρρεὰν πᾶσι παρηγέλθαι ενταυθα κομίζειν της Θυμβεάϊα θεν θε τέτοις ταυτα έλερον κὸ οἱ αὶ χιαλωτοι. (ἐπ. μελείτο ρὸ ο Κῦς Θ ο πως άλ ιποιντο σως ὧν εμελλε Θυμβερ- πεύσεδαι τι έπεμπε θε κὸ δέλοις ἐοικότας καταπόπει

- πεύσεδαί τι έπεμπε δε η δέλοις εσικότας κατασιόπει ως αυτομόλες) ως εν ήκεσε ταυτα ο ερατίς το Κύζη εν Φροντίδι τε έκασος ερίγνετο, ωσωες εἰκὸς, ήσυχαιτεί

γε. κ), ον φεριτιση τε εκασος εχινετο, ώστες εκος, ησυχατες:
Θυμβεσ- τε η ώς ειώθασι διεφοίτων, φαιδεςί τε δι πολλοί επίν
ίδα. εφαίνοντο έλυπεντό τε, κ) μεσά ην πάντα άλληλες
εκυκλέντο εξωτώντων σεν τέτων κ) διαλερομέτων.

in Steph. 15. Ως δε ήθετο ο Κυρφ φόδον διαθέριτα όν τη Εdit. εραπά, συγκαλεί τές τε άρχοντας τη εραπευμάτων 15. η πάντας όπότων άθυμέντων βλάδη εθόκα τὶς ηγ. γρ. ωροσί-νεθ, η ωροθυμκμεν ν ωρέλα. ωρομπε δε τοίς ιωθές τους, η αλλφ άτις εκλοιτο τη πλοφόρων τορίπος.

ακεσόμος το λόρων, μη κωλύτη. επτ δε συβλονη ελεξε τοιάδε, "Ανδρες σύμμαχοι, έρώ τοι δμάς \* συξ κάλεσα ιδών πυμυμού, έπτ αι άγγελίαι βλου εκ το πελεμίων, πάιυ εοικότας πεφοδημένοις ανθρώποις δυ

-

2

3

21

231

2.

in

V-

%

773-

1/3

1881

1985

1:35

210

12.85

79

2 TOY

77.

द्वारी

אלסטא, בעטפר

K 7/

Xei

יאל עמן עסו שמשעמלט בו פוחו ב על לחו ל מול המאצעוםו אל המאצי พงผมรัฐน์ปิล ของ ที่ อี Te อิงเหติ เมื่อ อันค่งชรุ สองบ วิ สันค. วอง วิ สิลา. 101 am \* Θεώ कर्ताहर्य वृष्टिय कार्य मुख्य कि किल्लीहर स्थापन १६. Θ:015. है हिल्पार ह रिक्ट्रिस रह. के कलेंड Өट्लिंग, हिंगा, मं कीर वेंग επιήσατε οι νων δεδοικότες, εί ηγ Γελλόν πνες τα σαρ η-प्रा । wi ov Ta म्यां में बेंग्ना मिया मार्था कर्ड निरम है में कर के-ชานผิทหระชาง, รัฐท, อีกา อัง สอร์สรง ขามกานงารร ที่เนลร ซากา שמאוי ברעם של, בצטעדבה בי ל לינצמוה ווע הסדב עוצעו ב-มท่านาง "हम समय de, oi тоте cuno dantes ที่มี महिल्ली को iwnsav ras \* anesconious, vui grot egger), n' amoire anegμοιοι τέτοις πολλαπλάσιοι έπειτα δε ώστες έτοι όπλι. πολεις. क्यंग्रेश उद्देश महिंद निवाह देशांस्त्रण, एका क्षत्र में वर किसहाँ कारी कवारता वर्णाहरा कहार मारे किया कि वर्ष कि कर् τι μήν τόξα κή απόντα έποθεδουμακασι, παλτόν δέ έν The trees enasos habor, weg Thauren Saveron), wis ch साहार मीक पार्व प्रीक मामक कि कि हम है वह ताव पत हिर मान, ylui, dix' of TE I would eigh nature Inganopievos of ev tils द्याता, वी तह में निश्चित दें। तर्पहुत्वाह हेन्येन हैं प्रशिवाह, त्ये पं-मा देरियम व अन्या पत का १६८६ रेज की हा ता है। में महिंगह का के कार्य मह निर्मालय करें। नहीं वेह जिल कर्निमाहिस इस्पेन के इसे कि मह है हैता रेंग्जिंड संड त्यंड त्यंड्सड़ नी रेंग्ज्यातिका. कल्डंड में हैत ไล่แหลงใ ผีงาง สมาธิโร อิว ล็ง ลอง ราลังาง, ลัง แลง อหล่-ที่ง ยุงสางา ใช่ พอง ลุ่ง สุก ลุ่งสุดเทาง เชื่อง กระ รัก วิ สุดรู-किर हेर्याहर किर्वाद्या, वेवें केंग माहि भीने व्यामी वेद्राहरमा, was de Bandortes Kondoson en To itoreso mayebut el d'il ravita ny serxe tis chiev en tels moneulois οπι, οί νου φοθεμεροί π αν εποιήσωτε; όποτε απαγίελ-Median on Keelo & who hen? This moderais stampes, επούτω Σύρων κακίων έχδυετο όσω Σύροι μός μάχη ที่แปะบาน รัฐบาดง, Керโร 🖰 วี โล้ยง ทำที่แน่งเร, ฉังที่ ซึ่ง είηταν τοίς συμμάχοις, φούρων ώχετο έπατα δε δι-Trine?) Si'ms or auroi phi oi more piot ex inauci n-रावण त्य कात्रय रिवार से रिका हैं हैं, त्ये हैं मार्थ तहत्व क्यारेस, तहres egui pulu gelinas, à avoses, apervas eis 780 comτίας πολύ γαίς όμες όντες πλείω αν ήμας ώφελοίεν ή πόντες.

16. E78

20

TO

10

Su

89

Sil

711

UT

40

aug

271

mi,

Mah

Sal.

Tad

2545

mole a

7010

xzu

em a

Ted

exico

equi

p.9.30

Cups

mol. 1

24 70

udo To

29 The

un a

के मार्थ

eja.g EREIT (

qu'n ξύλα

1215

16. Επεί ταυ τα είπεν ο ΚυρΟ, ανέςη Χρυσάντας 16. Περους, κ ελεξεν ώδε, "Ω Κύρε, μη θαύμαζε ή της επυθρώπας ακέσαντες τη αγ ξελλομείων. ε γας φοξη. DENTES 8TW SIETE 349, and axtedentes, acres je ton i TIVEN EBROULIEN TE 2) OLOUDIN BON a CLISHOEN, EZayler. Dein the egov o avay un ein wei To aciso degyanad. i-Seis d' av, olua, notin Toto ansous. Etw Tolvur nu

einosmov.

אף. בא מב- אנות בל הולא סוֹמשׁשׁסו מאצדאושרי, בחרו ווצושתושלי בדו י פל τι λοιπον έρχον ο δει εξεργάσαδζ, συνεσκυθρωπάσαμή, & colsulpor, axxx remoinder av non x Toto Guxouper αλλά ρο επεί ε ωξεί Συρίας μόνον αρωνικώθα, όπε ότο πολύς κή πείδατα όξη, κή φοίνικες οι καρποφοερι, άλλα κ bei Austas, Evida monus ju olvo, menna j ovna, min 3 έλαιον, Απίλαπα ο σερπλύ(ει, καθ' ην πλείω έρχ. του η ότα τις εωξακεν αραθά του τα, εφη, εννοκωθοί, κετι αχ θομία, αλλα θαρριμών ως μάλιτα, iva bit. Τον κ τέπον το Λυδίων άραθών δπολαύσωμον. ο μο κ πως είπεν οί ή συμμαχει σάντες ηθησάν τε τω λόγω ETTHIE9.

17.

17. Kai who sin, son, o Kigo, a avopes, Sone un में हिंगवा हम वर्ण करें केंद्र स्वाप्तक हिंग कि कि वर्ण कर प्रिंग वर्ण के αυτοίς ζυλλέγεται έπειτα δέ δοφ αν Δάτζον ίμων, τοσετώ μείω μεν τα παρέντα αυτοίς ευρήσομος, πικο 20. αλλη δε τα απόντα. ερω μεν δη έτω λέρω εί δε τις \* αλ. I we mus produces in doquatere est il in paor nuiv, dr

78.

18.

δασκέτω.

18. Έπει δε συηρόβου μέν σολλοί ώς χεων είπ 71 नवं राज्य का वृह्ध हिन्य देनां नका का का का हिमां हुई Se soleis, on TETE on o Kug T nexero Love Toleds' "Aνδρες Cιμμαχοι, α μεν τυχαί κή τα σωματακί THE OT & OIL SENGE SENGTH, EN TOXXX HILLY TOV OSO THE क्टिक्टर वद्युं । पेंग रहे तय टेक्न मंत्रिस रहे हो हो त्रां वर्ति हा. जर्में के का कार के का मार्थ में के के कार के का का महत्त्व के का कि का कि עו ענוסע מענסט איניקפי בצם צב אסצונסעום בעפי on w meiver il me renaidena imegar esquertu der, cri के रिंग रंग में जिल्ला में दिन कि सिंग के सिंग के के किए के किए के किए के किए ம் o' में मांग नवं में रेजर नी कार्यामा ठेंड व हिर्णिया . एए ordal at ku sen o tou me inavou. (and 30 1878 87 प्रविश्व हे हे कार है कि कि कार्या है के कि कि के प्रविश्व की in

H-

şy.

2

2

ψ,

9

2,50

4.

01,

7.

W

3

101

80

404

W,

HA

λ.

1

in

198

15

1.1

14-

5V.

da

ej.

2 11

ust of

7

ะังยง ะังสรอง อัร G ixavòs ะัรสม อัง เวณ กับลัง อมาราง บ่ง eo नगरसंग. कात्रेशों प्रवंद केंद्र कांड वंडिड देवार कि, संड में केंडि πάνυ πολύν οίνον ζυσκασώμθα, διαρκέσει. ώς έν μπ ઉદ્યમાં માદ & οινοι βρομινοι νοσημα ι σειπιπωμίν, ων ε χεί σοιαν' όπι μεν τω σίτω νον ευθύς αρχώμεθα πίναν ύ-שני על אולוו שסוצידבה ב שסאט עבדמלמאצוני. אן אל έςς άλφιτοστεί, υθατι μεμιγμένω ακ τω μάζαν ε-अंस हो है इन बहुक्तानस, परिक्रम रिडिक प्रोहेट में र बहुक्त. प्रवा मां देर अवं है कवंश्रम धर्म ए रिया कि मह मोसंदर देव्यहणं बद्धा में हैं में निक्य से वीपवर टेनानीरवारि, डेडिंग प्रसंवर दूरवा में पार्श वेश्वमवर्ण महत्त्वा. हम सत्तव है में मह मह महे के मिनाराण वेक αιρήν χελ, εως αν \* μάθωμεν υδεςπότοι γενομείοι. ή mel. λάθου-है हो सामहों में सहरवं ते कहाड़ करिया महाहा दर्गता रेक्क वृह्स सी. πίς μεταδολάς. διδάσχει δε κὸ ο Θεός ἀπάρων ήμας χε. 🖘 ΤΑχη μικείν έκ τε τε χειμίν Φ eis το ανεχεδαι ίουες δάλ- λαξις. मा, मुं देश में असे रेमा हु संद तरें निक्ष हुंग द्वापाय के कर में पा-मार्थिय है, संद के रिस इस्रेमिय क्लिस्ट्रिस क्रिया वर्षाया केरिया हो-क्षा. में के की इक्ष्य मंद्रा के हिंदु के संद कि को कि का कि कर मार्थ कि का कि का कि का कि का कि का कि का कि क क्रिक्रियार्थं क्या. क्ये प्रीठ पूर्व हे लेक्षा मिलव क्यानी राज्य के से वे- विक्रायार्थं कर Sensa Esay stonagrow 3 caren Jentes my Seionte of ex เห็นร หลาง ที่กับราช H ว นที่, เน่ะ ลเกลอะ. เอกร แน้งπιότω δείν αφθονοιτέρη παρέσα, ποιλά κζυμαίνουπ κλ κέμνονη όπικες ε. ό↓α ή χει συνεσκιυά ος οσα εξί όξεα committeeson no Sequera no as que eg. मध्य मध प्रवेह com कि निक πάγει και έππλείσον άξχει. όταν δι' οκδαίνωμου είς iniogia, one nuas einos non Cirov Aquedvesv, zer-एमार्थिक रहा। कार्यान्तिक क्रिक्टिंग्यान्यान्य कार वार्यान्याम् μεδα. τέτο γάς κερότατον τη σιτοπιϊκών ός χάνων. Construct of an de Sen nai on ad ingut & deor me di Spor-TOI. TE TOV Dag o who oyno winegrato, no de Tim roidde Nonras, manisa denoce. Exer de zen nai iμάντας. τα γάς σλεισα κ άνθρώποις η ισποις ιμάσιν ightwai wo nata rest que wor no na rapping vention and y-मा बेल्प्रसंग, मेंग प्रमाड ह्रिम किंग्रिय के उन के मह कारिय माड υπαλτον ξύσα છαι, αραθόν κοι ξυίλιις μιι οπιλαθέσαι, εμεθον δε και ρίνων φέρεωση. ο γάρ καγχων ακονών, देवसा के में में र्पार्थ ना कर्वमहार . हमाता नुबेर नाड वोγων, λόγχω ακονώντα κακόν εί). έχειν δέ χει καί τύλα σείτλεα και άριασι και άμάξαις. Εν ράρ πελ-मेंड कहुं हैंहन मामि वं मंद्री प्रमा में नये वे नय प्रश्रुवर्णक नय हैंही. हैंद्रक म

Se de भे म्ये वंशव रिवार्गियीय ठेड्रायण्य देनां मक्यां म्य क्यां वि. इ

611

781

50

2.6

3

7:

Sa

· pre

17.00

78

0

E pos

de

78

2.8

677

No

e's

Siz

g:0

20

ins

60.

20

210 ET:

2011

75 7

8170

. 2 i d

Luga

1000

pag 3

707

TEVIL

3/11;

rui

PRESID

वर्षां उठण वेर्रा वृत्र में एड हिंदू शिक्षा में त्रवा निया है दूर्वण है दे वे plu z openibu xt a pagar exastr, z xt to verocien 3 αξίνω κ δρεπάνον. ταυτα χ κ ιδία χρησια έκλης, में रेकी रह मागर कामियाड किर्माय राष्ट्री. रहे हैं है। Εορωί δέοντα οι ήγεμόνες ην όπλοφόρων εξετά (ετε πό) ຂໍອ ບໍ່ມີເທ ຫມ່າວໄຊ. ຮ່າວ de macieva ots av Tis de 7 78 अन्य प्रस्तेटर्ण के प्रसार रामसंद को नी कर के कर के कर के प्राप्त हैं। मार्टिश्ह, में में मार्ग हें द्रणम्य मकायामि के दिन के प्रवास मार्थित ग्रासंद ही वर्ण है। नी वेरिकाराक्षेप वेरूश्याहर, हेश्वाह में जाए अ हवामार्थंड म्या हेमडे कर के कार कि कामाय प्रिवंड में कर है। नी बंगाम क्या , में उक्षे देश में काई नी, में कर देश नी दश्च हु रहत्या रेजमानी. रहरह हम हुना रहते में बेलचे नी बेसजमाइके यह. ASKUV EDOUTUS \* EUNOMOTOV avayna (AV STATEVER), TO A and Al regori, outvilu, หม่ A and Al costa. वंस्वामान्त्रेष भागी, वंस्तिम नहर ही है द्वाराव करने मी देखाः Ewn nat' inas moscos du, omus no Ti den ed milas cust's enegol hite is esa, hu TI Seauci, omos els o कार्जिश मिल भविष्ठिण प्रथा प्रशाह प्रशासिका वहिल है कि का THE SPATIOTICA HAIRIGE EWI TILS OFTAVOIS ZALEER TE ES प्रसारका के व्यापार विषय के विषय के विषय के विशे में TOISTEN TEXION ON THE SPORTED, LUNGEN SINITA! . ETIL !! οπλοφόρε με πάξεως Σπελελύσου), α δί δή αμπο το Bunglished might conference, on the tetal mene entitle गिए के मद भी इंप्रकारिक हिर्मामा इम्प्लिया मह प्रसार में इस्तर pluG, off wer mostin weren nuegon to contribue . Xen. In to 11 the more anion anion with the still των επειδάν δι αύτω παρελθωσιν αι κμέραι, πωληθι Errois du Chante. Osis di' du All Eunocen meser s. २०१वेर क्वार १०० द्वारमच्या, देवते सवा करेवे वीर्व वर्णायाम् मयो क्या हम कि कि मा मामा उत्तर पर देश तथा को कि मह मार्थमा कर्नि में के किया प्रमाद में प्रांत कर कर्म कर कर कर है। क्लिवमाय निक्त में हर्राणायां है मिला क्लिक करी वार्म या दर τια, λαμβανέτω ών ήμεις έχομου. εχω μέν δη τω: या कल्ला नुवहुट रेक से वह माड़ में से से ते विकार देशवहती क्या εμε σημαινέτω. η ύμοις μεν απέντες συπευα( को न पूर्व ह दे अर्जन था दिन को का देश में विश्व में कि अर्थ में कि रेक्टर देश, कामका देशिए. कवा वहार का है असी में त्रावा का वहार

de 700 V. d. 50 2011 75 A. 25. EUNO-TOMOV.

29. 0 770 5 61 77 Sin

7.

37

615

83

8. Ú-

.

75,

14.

ČZ.

19

79.

780

00. 112.

114, 100

c/

201

2.01

8

A The

7704 877-

2 i.

1125

MISH 11. 2

27/28 X1.

E MAR . C1. Tou. 091

y Light

emplie हें 200 माड संड मीक महत्त्व मु plites 20 हवा कहाड़ माडे में าะแบบสุ ขอมสัง บ่นคร ว่, ผี ทำงะนอบอร, สไม ขอมสัง ซัหล-50 मार्ट्राण टेपमुक्ता मां भी कि कहांड हमाडे कर्या महड़ \* जामित नह मान λάτε, ίνα τὰς ἐσωτίν ἐκαςτι χώρας \* κατελάζητε. ζάλλετε. 19. ARETATES 3 rewite of who oursonded Couto, o d' ge Rata-ેમાંકતા. કેમલે કે મહામેલે ત્યાં ised મેંગ, હોલ્યાલે ત્ર વર્ષ પછ કહ્યું થાલે છે။ TE. ระบุนสท น รับ เรา เลอง รห ที่เลอง ประกุณ เกาะ S อยานาง พร 19. Swater en sural a, omas ei ns ti contennous of ein, ge esti-प्रस्ते प्रेश, में से मह मण्डेड देश रिवारिय कि प्रावात, वह मा एक मा. กละสุดเปล่อสเก. Kua gaens ณ ลัง จรุ๊บ Minday Eyav กล้ पर्धारण महिल्ड, सवस्थिति कंड मार्ग्ड पर गार्थ है हिलाह हैंग. ι ή κύρω επορεύετο ως εθωίατο ταχεα, του ιππέας क्षें कर्नियह हेर्रा , में करने महत्त्वण रीहदुर्वणा त्यंद्र में व मानत्यंद्र बंग बेरविविद्या किं तथे क्लुकेश टेंपवरवत्त्वत्व वर्षे के τέτες της τα σεδορός α, όπε μξο \* πεδινόν είν, πολ- ρε πεδίον. res oquades moioule of off \* anagar if of ondopogue ge. ana-อาเมียง วี ที่ อุสมนา นี้ อนอาการเก็ก \* คำ การเบาร์เกลง นักร. พ่า หรือ ישיאות אודים, בו שפיבים אמוים עובי ביו מוצע מוצע ביונים is un nuxuosuto mogenied. OTS 5 SEVOTEGE ein notes, wooker-नीय प्रदेश महाईप्रीपार नवे करहणहर्कहृत देंग रे ए हैं विष्ण हे मह- महानक, हो วการ์แม้งอง อนั้ สัม ร ธุรภาพสัม ธรายแล้งอยาง. อากอุดเองาง วี วรู หู้ ถ้า เผ णंड कां मामित थां कार्द्रसड़ काप् देवाका दि रिश्वकर कां महिला किया. εσ. έπετετακτο 25 σάσι τοις σκευοφόρεις κτ των έσυ-τη πέξιν έκατον ίεναι, ελ μή τι άναχκαιον διποκωκόοι. के जामहों है दिस्सा के वह कार्रायं रूप के दाराव के के के के के के Yester wis the sauth Takens was allegor smostion to bidexs รารแลงสียาซ์ 75 ใชยอุตัร อันแระร ชั้น อิตมาซิ ตัร นุท รัสธภัศ- ธนอบ. שווים. אן אדם שנום שוו, אדב לאדמי בובו בואוחאצי, מעם म मार्ड्णमा वंत्रायम्य में ज्यालमार्ड में। में जियं अच्छ नये र्राड्णमा संभूष है। इक्ट्राके च्या-

20. Ως ή οἱ σερίοντες σκοποὶ Εδεξαν εν τω σεδίω ἐἀι ἀιβρώπες λαμδάνοντες κὴ χιλὸν κὴ ξύλα κὴ ἐσοζύμα δε εως ων ετερα τοι αυτά α γριτά τε κη νεμό-ωνα. η τὰ πρόσω αυ \* εφος ώντες εθόκεν κατα- γρ. ἀσό-μας δάνειν μετεωρίζομθον η καπιδο η κονιος τος εκ τέ ερωτες. πον άπάντων εγίγιωσα ον ότι είν που πλικοίον το εραοι, ε τευμα της πελεμίων. Ευθύς εν πεμπει ο σκοπαίς-ν εν τι πια αγελεντα ταιτα της Κυρφ. ο δε, ακέτας πώτα, εκείνες μβο εμέλευσε μβοιντας επί ται πας ταις

0% 07 CLIS

Angg.

7

iH nig

i ni

The

7 × XX

iv d

7172

2

ha

215

τάλ η Κ

A TES

тауп

3%8 46 77

i öra

iwa

non

is so

aini

1770

v jū

178

Aspai

eiu a)

22.

HUL

i, a The

i do

Kup tipo!

72 7

σκοπαίς δ, π αν ακ καινον ός ωσην εξαξρέλλειν τίξη

ते हम्मार्का निमाल्का संद का कार्विस, में हमहम के नास्त Stewar συλλαβείν πνας την ανα το πεδίον ανθρώπος όπως σαφέρερον μάθοιεν το έν. δι μο δι τοχθίντι प्रकार किर्मार का गंड है के बंधे र हिंत महा कार प्रवा. अधेहार्देश, विमाल माम ह्या जार ए ये जार में हिंग कर्ता वहा मर्थण विश्व हो). में कल्क्र मार्थ बहाइ वंग मब्दूश प्रिणावह , है THITA I phio Tas in Tais Taken To Tagay Sen Now !! megores. Ener j neisng, ouverakere ni in new name. ได้ง มู ส่อนด์ ของ ของ ที่วอนองสร, มู่ ซึ่ง แตวลงอง วีผู้ την σκευοφός ων των άςχοντας κό την άςμαμαξών. κότη में गणाहरें का ने सवस्विधिकारमा संह में महर्शिक, उपर De. out Laboutes ai Spotas nagov. of de \* Ang Sevtes avegu-मार्थिशा रेकारे पे Kuge, देश का का में पे ह ह्या मार्थि \* मे. γε. είεν εν, σεξεληλύθοιεν δε όπι χιλον, ει δι όπι ξύλα πιβελ. Эύτες δλί ασάνια जर्दणाय हो). κ) ὁ Κύς 🔾 ταῦτα ἀκεσας πίοι, १९. हैरेट्रा मी', देवा, बे महता देश रेंश में ह हुतं महाप्राय ; or मी', हैरेट्रा के on om duo dio ma egray sag. on rares neero o Kue, nun di Egn, Loy Gr TIS no was outels; vai un' Di Eparat, i माठत एंड न्ह, केंद्र बंदिन में ती में मह किंद्र कार पर है। है है। Kugo, il is Exales ansortes; (1870 d' empero il παρούντων ενεκα) ε μα Δία, είπον εκκίιοι, ε μ δί ye Exalegr, a AAz ij ma Aa irlarto. vi d', fon i Kir go, मं मार्डना ; 'समयं में गर्), हक्यम्य, में द्रिहेंद में एक पहार्थि मिल्ड व्या पर वारि रहे पर कि वारिक. 6 कि प्राचीन,

Epit à Kuel, Tis Bery; àt d' Eparar, autos Te Keil

of is our auto Exalu n's avne is and of the Mit

Sor cont mentol exerto oujas ei) mas unin. no su.

go einer, ain, a Zeu uense, nacer une out a per

20 0's ega Baropa. 21. Επ τέτε του μέν αιχμαλώτες ἀπάρειν ἐκέλευ. 21. σεν, είς δε του παρέντας ώς λέξων π ανήγετο. οι τι το δε παρίο άλλ Ο οῦ παρά το σκοπάς χε, λέγον οπ क्रिक्ट नर्थ है। इस्त्रेश है। नर्थ कर्रिक कर्विकार । है है μείς με, έτη, εἰπάζομβο ἐλαύνειν αὐτου ξελομίο

भूदः का भूगते । विशेष प्रकृष पते दहतं मध्यायां से अबंद कहां में माईदाबद प्रवास γε. μεστι άλλοι ως τειάκοντα ίππείς \* συχιώς περελαίνεπ ή τεπ, ή " μεστοι κατ' αύτες ήμας, Ισως βαλόμεροι λ. βείν, ή รับบ่าง:), พันธ์ รหอสบอ์. ทุนธ์เร ริยัธภูมย์ง และ รัยเล่รถี่ยัง an arti. A 72171

πυντη τη σκοπή. κ) ο κύο οπέλο τε τη σει αυτίν χε. ταύτης נו פידשי ושחיבשי באמסעידעה ישם דעני סגידעני, מלאאנה ל סגידון. πίς πλεμίοις απεμίαν έχειν. όπων δί, έρη, ή δεκάς inueriea λείπη τ σκοπίω, ξαναςάντες δλίθι De τοίς ivataiveor cmi The σκοπ lui. ws of บันฉัง แก่ λυπώσν δι am f μεγάλης τάξεως, αι τέξελ θε συ, έρη, ω Υςάστα, τω γιλιοςύν την ισπέων λαδών, κό δπιράνη οπ άντίος χε. εναν. न की मात्रहार्थका नर्देस. रीक्ट्स ने धमर्वियां है वेट्याहे, में . λλ' όπως οι σκοπαί σε διαμένασην δπιμεληθείς σιδειθι. έν δί άρα άνατείνουτες τὰς δεξιάς προσελαίνωσην ύμιν गाम्ह, रेड्सिस्टिंड कार्राकड कर वेंग्जिन्दर.

11

1.

133

10

1.

4

H.

λ.

178

709,

3000

Ků-

z.di

ar,

ecl.

Mã-

Ku-

Val-

Asu.

78.

yön

3 1

11. 1785 di THE

n' 19

ं की

2071

11. O pi Sh' Y sai का a, a may wat i ( हा o' o' ) रिका मह राया haurov cudu's as enendosv. a murta d'autis n' d'i ev-TIS THE TROTTEN Appear as our Tois Departent o TRUE Deis τάλαι κατάσκεπ 🕒 ὁ φύλαξ τ Σκοίδ 🗗 γιναι κός. ὁ μ΄ Kugo, is \* eiser, avamosious in teseges imblita ge. heurer. म व्याप्त में हिन्हिंग का भी वं Moi, के करि हां से के, धामरिंग हो-तिह, देशमा को मा प्राप्तिक में कि कि हुने पूर्वित है कहा है Kie m, "Ardges pinos, nues nuiv avng deists. vui 38 non प्रांचा वेश्वीमधा की लं अर्थिया नवे नहत्त हैं हुन्त हिंदे हैं नह क्ष भंगीमें से इ से देश के द ले प्रहार, हिंद है पड़े कि विते हैं, वेगरे कि ம் ஈடிர செட்டு, மால நட்ட முக்கிய சம் சிரி கூலகமில் சுக்கி เอาน เรื่องโยเง ซึ่ง ซึ่ง อาณ์ ชอง เลาอออก์นโม, ลี 'A-்டை, முட்டியாயுகர் ரா ஆ' கொலில்லை ஏயர் சக்ரமா என்ன. வீட wor 3 mg umas amarras. w "Ardess, Terr nuar de 28. under कि के के के हिन हों हो तर में कि के कि के के के के के के के कि के कि के के के कि वंतिक कि हिन्दू में दिक्का हर देश रहर है में कि कर पर है में किया के से मिर्टर कित में 'Aggardy हो हेर्ड हारे एक. हां तर्रा कि ने Kugs है का नई धार्मी धहार म में बैशाद सात, के हैं सवाहोद निर्मा के विश्वा, उत्था उता, देश, उता उत्थी भूष के 'Acama, no \* under pels में बंगा के मार की कि कि कि

ίω ακέσαντας τμείζονα ένείσκεν. 23. Kai ului, Ern o 'Apauras \* வித கைசிரையாய் 2' விய 28. வித விய Him इम्रांक. απεξεια μου και απότη, φιτε. ας αρτίδεαhaga. ion à Kuel, & to this so winov oide, and ta el feiles τω τάξιν αμόχνε εγώ αξύ να μα Δί. έρη ο 'Αράσσας, όπο τον το ε θανούνται τω μαχω πιείθαι. άλλ δαως, έρη εράτευμά κύρθ, το πληθ ήμεν αφώτου είπε ου κεραλαίφ. όξιν επέ-क्षणा मारिएए दिवस, कर्षणम्ह महत्त्वपु श्रीवा हो में हेलां महार्थ- ४४.

remine, residor o nei Cora oin zerras heiora is ein, y 12600

nu to bas o nai nisol ni immeis, while of Aigu- 15. ai ris.

77 1000

M

1.8

87

20

C/A

70

770

70 70

ig

M \$ 7T

70

Sai (et

005

70 Ta

*dal* 

\* K

€70

CHE

B

25.68

Ap:

but

da'T

OU X

800

NRS7

FREU

. .

Mah

ray

16000

मी wv. हमा बेमह प्रमण बेमको नवे मनी बहुत प्रमण द्वारीत. हवाप

วิต ६ แดง देवा, देशहरेमान्य केंद्र सर्विषया वैक्क निर स्वत्र हुन हुन

eloy. of A Algumine, ton o Kugo, em mus ein Temf

phot or elmas, ashin all Algoritor. TETES of of mon-वंदुर्ग हरवरीन सह हैसवरिंग मार्गिवर्श में मणहाइकेंग हैसवंदान है. 2. 35 2. Tov 20 opio x) cinos vouov \* spar ED of rateon 25 Keelo O white what a new ouve go en sev antile sto tit. TEST. EGENETO DO OTITALISON VERPORNAS Y NOW TO OF SEE 780 μω ( . wegs n dn, Epn & Kuegs, 7870 cm 30 μμ ; is ναί μα Δί', έςη, τω των το καλωσόμου Φ, κ) ο κύζο είπεν, αλλ' έτοι αν είδειν εί οι κυκλέμοι κυκλεθία. all a le maca as naves ha ser annivanto, nhas 2 xil के बंगर्र १३६, हरक कालंग. १ का हा हम सर्वेश टेम रेमर्ग है विमान जिल्हा िमार भी बेरेड के पर की रिक्त का के पर प्राप्ति वारी कार ( mornaines 20 muches costeia ni avie ni immos ni agua i-Regor live tar.) aneror 3 weer, sos ar ela granama. 26. रिक्स 85° निष्ण में अहार बिहाइमिनका में बैंगर्ज हवड में \* रिक्स 85, उसका 8, महा 0, m d' av कल्लीसार माथालेड बंस में, यम महमह म्हार टेमर्डम हमसीय है के हेंक्स, के Aggiora, को कि हैं होंग प्रहेट्सड़ हुट के कारह में हैं दूसा, में वेसे प्रवाहित में विभेश मण्डांक्या मात्रह मार्ग हें दूरा दे पर के तह में वह

@ cay seixare 3 rois raging yous if hoxagois em cahas

2 O na Fisad, eis dio Exertas Enasor Tor Logo. il Nox O iv Enas O einom Enages. nai ns ein The ur

eraczow, no donaply our, ton, & Kugs, inavas ton He

705878; 7570 y whoo wegs 8 To Bad sian qahay a; 40

7702.

क्रव्यास्य

Kue elmen, al de Badoregas paray [24 il we ight 29- मं का, महातीया नगाँड विमार लाई दीर्म देशवामांका, \* मं का विमाला, देश हैका, रिवर ना जिल्ला महिला है है अर्थ मी सा कि उपा मार्थ प्रम के कहा है। कार ही) रहा किये के देशा, रहा लंड हम अर्थ रहेर ह के कार रख लंड किए कार में हिस्तिविधिक विक्रिया प्रति प्रति प्रति विक्र हम्म निविधित । seine Sa. of down white Eya This paray fa Batura order extra cieczón no sopres xon methoen en in emite बंभगराह्य ह तीर देना रागड़ जिल्ला कर्म हुन महिल, हमें में राम ब nov र १५वर्ष द पर देश तहार प्रकृत कार्क प्रवास मार्थ में र पा ration, or a airol ouchor sor und epide pagle ar in piena in xues. applied Anginor de 1803 Justinia plordige no de pièr, anorticorres, de 3. Togenolis is नी कार् केर कर्षणाण, मण्याहर है को क्रम्माहर है, मार् क सवस्वहुर में राड रहते देशवार्रांबड, रीमरेश्वरा त्रवारा रहत् रहते वह M2/88 .

.

2.

7

16

1

751

a.

4.

g.

27

n'ı

S. C.

ia.

14

m.

2) 0

:17.

Etily

873

5 48

112.

ומועל,

เมรทู รถเร

1 715

UNI.

2028

100

d. 27

a kg

μάχες κεοίζει. τελά ταίες μέντοι ς ήσω τες όπι σασι κα-Asperss. ware of oixias & TE and Alboroginual & oxuge, इस बंग्री मी दहरीय महाहमराक्रम हिंदे ठक्टर कि , ह महद हि कर-אמץ נס, צדב ביום או שרשידעי, צדב ביום או דבאבט דעושי, \* Hu un aja Jol wor, open & sev. and busis Te, Equ, w. ye. et un किविर्श्निक नवंत्रीहतीह, में र्यासंड है। मी महत्र नवडकर वेह्रशामहद् वे विकित हैόπι τέτοις τές λόχες ώσαύτως καθίσαλε, κρύμεις οι τ σον 3. गर्द्वमारी, देनां प्रवाद मार्रायड्यंद कं क्यां मक्द को है हैने שמחוי מנץ אנ, דבאבטדטוצג באשוי דצג מיל פמג חם פיין באאב Tois touts toota TE traso Tes nat toutor, no Tois it TO SEOV TOWN OTHER SECHY, TOIS I NAMU PO MEYOIS & THE HIV iquews no st me spean), wegolidova Jenan, Javata (n ساقا، قورمه عطع في مونة بدو موجه المحمد على المعرف المعر περώνες, πλείω φοδον συμέχειν τοις κακοίς το Σπο το γε.Εύφεάmachion. में प्राचेंद्र में प्रयोग्य कालार. को ठे, के 'Alega-रियात, केंद्र वेह्र द्रार की किने में धान द्रायांड, हरा कार्स है तर दार (थंगूम र तथं तका का का क्षित्वह में तका त्रांश्युष्ठ व्हें हुए तथं दें के हैं है है है ώς εγίντα πε φάλαγ [ ου δί, ο Λαεχε, ος αρ- αρνία ε... χας Αυ \* σκευοφόςων ας μαμαξών, επί τοις πύρχοις αγε γε. σκευο-क्रवंश्य में कांध्रेक्ष इन्दर्भ. है। ही जिलाई क्या \* वह रिपट्रिंड प्रवλαζόντων του σερίοντας το καιρε η λειπομίνες. συ Α', & σορων όπι καρθέχε, ος αρχεις το αρμαμαζών αι αγεπ τας γιναικας, κατάςμουν αυτάς τελευταίας όπι τίς σκευορόροις. κας, καταςμούν αυτα κουτα κο πλήθες δόξαν παρεξει, κο σα τα.
επόνεμα ρό ταυτα σάντα κο πλήθες δόξαν παρεξει, κο γε σε τ છા કર્નુદર્શના પ્રાાંષ રિષ્ઠાંત કેડ્યા, મેં ત્રાંક મદ્ર કર્યા છા મામ્રેક છેડ βενων), μείζω τ જ્લિ ολίω αναγκάσει ποιείος οσφ d' αν μείζον χωρίον ωριβάλλων 3, ποσέτω αυτού άθενε- 1948ως. दिश्य वेष्वेप्रमा भंभावी. में र्गमलंड में अतक त्रालंगः वर्ष के पृष्ट. Kap. Αρπίδαζε, κ) Αρπαγέροα, τ χιλιος δυ έκα τες Ο τροίν σενα. மம் की नहार द्वार महिंग. में करे, के के dong Xe में Asia- Ve. कासtara, & Timmeon XIXIOTIV, he end Trees out agan, un son J. ο [κα] ατάπετε είς το φάλαγ σα, είλλο ποθεν το άξμανος ξων ίζοπλίδητε καθ' ύμας αὐτές. επειτα σεθς ήμας IRETE OUV TOIS EXXOIS nyeulouv. 8 Tos 3 Sei unas augs - 29.20 กายสาย พัง कर्ल ७६, ปรที่ของ บันสัง สาดง ไรสี. หู้ อบ งา o बहुत्रका नी दिनों में सब्धांत्रवाड़ वं कि हुका, विनार की वा-मामवर्षा देश देश मां में हैं कार्शन थे, वे भ वार वार कि विश्विष्ठ भी पह. ราวุธุธรร. บุนคร คื อง สรี ส่ดูแล่งพง ทำอนองธร อำลาภทlandulpos, o wir hazor inthe and The ginay So, To

Nead

Jas

ga Ox

No

New

ua7

100

Tar !

ωπά

a!

liga

ατο

Nay.

a. 7

27 C

1000

120

0

us 6

H II

130

eui,

3 6

28

giv n

27.

ये ज्या रेड ये ते

299

LIV O

with.

μεθ' έπυτε έκατον έχον άξματα κατασηπάτω αὶ εῖ ἔτεςαι έκατοςύες της άρματων, ἡ ωψ χτι τὸ δεξιόν πλά.

γς κέςω, ο εὸν τῆς σρατιάς σοιχέσα, ἐπέδω τῆ φάλαγ [ι ὁτὰ \* κέρα,
ἡ β χτι τὸ ἐυώνυμον.

24. K & O who sta Sitaster. 'Aceadaths Sind Es. 24. σων βασιλεύς επεν, έρώ σοι, δ Κίτε, έθελκοι ύρίου. עוש דעני און שפפסשונטי דווג מידומג סע אמץ וש דמביני באות લં μή τί σοι άλλο δικεί. κή ὁ Κος Ο άγαδείς οὐτίν έ Λεξιωσάμιο , επήρετο τού όπι τοις αλλοις α εμασι Πίρ. σα, ει κί υμείς, έρη, ταθτα συγραφέτε; επεί ή έμε. एक वेत्रहथ (vavro ठेता है सवा के। होता नवर्गत पंदेशका, महार्था. ρωσεν αυτού, κ) εκαχεν 'Αδεαδάτης ήπες υφίσατο, κ): NOSTO XT TES AIDUMIES. TOTE UN S'il amoutes, a om. MEAN JENTE; WV GEGETTER, & SEITNOTTOIN TO, X, CUNARAS NA. านรหานั้นในวง อัพอเนท์วิทย์. พัท อ บรรยนใน เออา แล้น อ Ko. e of iduent, o of and states acishous is worder minσαμεν Ο εξωπλίζετο ποιλοίς μέν κ μένοις χιτώπ, πλrois 3 & notois Juste no negivenv waricov 3 n is. मायड क्लुप्रमामार्गिता में कल्ड्ड्पार्गिता, में मरेड प्रदेग प्रणांत. मा माया प्राथम पार कि नहें की के कार विश्व का कि के कि 21. -000. राठीं । इं केंड्र मेड्रवर्मी । एके प्रथम क्रिक्स में कार्याम क्रिक्स

й *spana*. 25. 25. К

25. Κωὶ τωὶ 'Αξραθαίτη ή το τετράρυμον άρμα κὶ ίπον οκτώ παξκάλω: ἐκεκόσμητο. ἐπεὶ δι' ἔμελε τὰ λινοι θείρακα, δι ἐπιχωει θ ἢν αὐτοῖι, ἐνθιεθαι, περιτείες ἀμτῷ ἡ Πάνθεια χευσεν κεάνοι, κὶ πειθραχόνια, κὶ ἱκιλα πλατέα πεεὶ τὰ καρπὰς τῆ χειςῶν, κὶ χιτῶνα πι φυρεν ποθημισολιθωτὸι τὰ κάτω, κὶ λόφον ὑακινθινοθαςὶ. ταῦ τὰ ἡ ἐποιήσαὶο λάθρα τὰ ανθεὶς ἐκμετενοαμένη τὰ ἐκείνε ὅπλα. ὁ ἡ ἰδῶν ἐθαύμασε τε, κὶ ἐπόρετο τῶ Πάνθειαν, σὰ δά πε ῶ γωίαι, συγκό ἰασα τὸ σῶπι κόπων τὰ ἐπλα μοι ἐποιίσω; μὰ Δὶ', ἔφη ἡ \* Πάνθεια,

Πάνδειαν, σε δή πε ω ρωω, συρκό μασα τ σωπε γε. Πάν- κό προν τὰ ἐπλα μει ἐπειίσω; μὰ Δί', ἔφη ἡ \* Πάνθεια, δει ε ἔκεν τέν γε πλαίς κ άξειν. σε ρό ἔμοιγ', ἢν κὶ τοῖς ἄκοῖς φε το ρε. τῆ οἱΘ ἐμοὶ δεκῶς ἔξ), μέρισος κόπμος ἔση των τὰ ἡ λίτ γεσα ἐνὲ θεί τε τὰ ὅ - λα, κὶ λανθάνειν μὲν ἔπειξετει

28 वर्षा में रिलंडिया है \* वर्षाहर को वर्ष क्षत रूप की कवालिए.

26. Έπει η ή περόθεν ών αξιοθεκί Θ ο Αξεαθάτης ώπλιωπ τοῖς όπλοις τέποις, εφίνη μεν κάλλις Θ ή τ κάθεειώπο Θ, άτε ε ή φύσιως επαγχέσης λαβάν δι περι το ύρωτόχε τὰς ένίας παρεπαλάζελο ως αναθη-

σόμθρος ήθη 3π το άξμα. οι ή τέτω ή Πάνθεια, ώσοχω-किया प्रश्रहण्याय परे जय दर्भणा ज्या विद, हे महिहर बेभे वित में, है 'ACpadara, लंगार में बेश म मकंगिं पूर्णा में का मांद बेंग में क นะใชง ร์ ยอมพัธ ปบาลีร ยังนุมกระง, อโนสม ฮะ วุงวงต์รมผง อีก אַ נְיָט ְעִוֹמ דּצִּדְשׁׁי פּוֹעְוֹ. דוֹ צִּי עָבּ לֹבִּוֹ צִמּל בַּע בּּאמַנְסִי אַבּיָבּיִי ; πί ηδέργα οίμαι σοι πιθανώτερα παρεχήθαι τ νόν λεχθίντων λόρων. όμως δ' έτως έχεσα πρές σε, ώσερ συ ભારત, επομεύω σοι τ εμίω κ, σίω φιλίαν, π μίω ερώ βέ-Medal ar he as andros asade Auditers Kolve sto \* come se. commeγαθαι μάλλον, η ζην μετ σίσωνομένε σίσωνομένη. ετως σαθαι. in nai of the new stown of evantion in land. If Kulow de δικό μεγάλω πνα ήμας χάειν οφείλειν, όπ με αίχμά-Larry restonnente & Jagester & courts, ETE ME as d'é-Alw neiwor neumodai, ste ws end degar or anjug oriuan dequade de out ware a dixon junaixa xaluiv. τος ή, κρότε ο Αραπας απές κα αυτέ ο έμε φυλέτζου. ισιγόμω αυτώ, εί με εάσεις πρός σε πέμλου, ήξειν υπό σε πολύ \* 'Αρό,σου ε πεότερον η αμείνονα. ή μέν ος 'Αρά-विश्व समरण के हैं 'Acquaditus बाव केलंड गर्वाद में कार है में कि Your outhe The REODING, dracket as es it seavou exes. Mettiegu. ατο άλλ', ά Ζεδ μέρισε, δός μοι φανήναι άξιω μέν lardeias ar foi, agio o Kues piro to nuce munoulos. कारक संमारंग, भूमा मर्बेड अपहला मह बहुमका हांड डीक्ट्र वंग दियाεν όπι το άρμα. έπει ή άναξάν [Ο άυτε κατέκλεισε τον ισερν ο υφωιοχο, εκ έχκοα η Πορθεια πως αν ξη nos davirar to mitor, na epianos tor diper. no to σερία ήδη το άξμα, ή ή λαθέσα αύτον συνερείπετο, મ ठेंनाज़ क्रम हे हा थे दिलेंग का नीयें ठे 'Αξεαθάτης દોન દ, ઉત્દે-Havdera, nj zaspe, nj amdi non. on Tere sin oi cu-का में वा महत्वं मध्यम्या मय दिश्वा का नीय विमान्त्रण हो इनीय εμάμαζαν, κή κατακλίναντες κατεκάλυ ζαν τή σπίω ή. Dav Franci, xals on G Te Jeana G Te Afgada Te पर विश्वाकि , हे कर्टिंग्रेस्थ हिंगाव्यार नेहरंडवरीया कार्राण givin Maydera a winddev. 69.701

6.

1-

1.

2.

7.

d.

àn

10.

1881

spes !

έy.

Tif.

doi.

41914

the

14 745

Stia,

5 Qu-

3 28-

80.7114

27 8

evalu-

004673

27. 'De d' inexamissina pèr à Kolege, n de staα τοφετέτακτο αυτώ ώσους συρής ζειλε, κατέχαν σχο. sand wed and, overdrere rus nyepovas, nai Eres age. 1 sabet divoi is Contrator sa tres is 60 μη οί Θεοί φαίνεπν οξέ τες ότε τω τις όδεν νίκω ξar ingi d'iza Esnopa avantisan at pos soneits W817180

3. Mer'.

μεμινημοίοι πελύ αν ευθυμότεροι είς τον αράνα ίξναι. סבו וצד עלם אל דם בוב ל של הבעוסף הסאני עם אל של הוא בינים בינים וואים בינים וואים בינים וואים בינים וואים בינים וואים בינים μίων, συντέτεαφθε ή κ συντέταχθε εν τω αυτώ πλυ THE WISH DEGVOV i OI TOXELLOI, X OUVEVINHETE HET with, or de audynter exateper, or mer the modernian रंग्या के म कल में ना कर के के कर मार देश हैं। μεθ' null ise on ut Denovior wis συμμαχοις αξήγειν μαχρίος. είκος δε του μεν πετύοντας \* ακλήλοις όμοvous ma real meror as, ros 3 amser as ava suavor lester. Edu, mus av Enasor ragisa innodur guorro. Toule di, ם מיש פני, כחו שש שבאבעוצי, מקעמדע עבי בצפי דבי שואות. עובים שפינ מסחאם דם אל חסמבעומי, שנ אל מו דענ מיום. मार्थि में किया है किया है कि मार्थ किया है कि किया है कि रिम रिम हों μάχεδαι. πείοις δε τοις μεν αλλοις \* οίοις κή τρείδα μαχείωε. Αίχυπιοι ή όμοίως μέν ωπλισμένοι είσιν, όιοίως ή τεταγμένοι τας τε ρο απίδας μείζες έχεση में कर महाला रा में हिंदी, प्रमान महत्वा है संह हमजाहे र भूम οπ κωλύσεση αλλήλες μάχεδαι, πλω σάνυ ολίχων Η 9 विमेह्राम्ड ट्रिबंवसा महर्पवर्षण, किन्वाड व्याम्ड क्वाण δεήσει αντέχειν, η σδήςω ύφ' Ισπων \* ίχυειζομείνη. ที่ย ชัย ทร อย่าง หู รัฐานยท, หนึ่ง ล้นล ชิบมท์ขยาน โฉลμαχείν τε κή φαλαγ Γομαχείν κήπυρρουαχείν; κή κεροί รัส สม สบอาดา ที่ยา แรง รสบทรัสมา รสร วิ สองรุ่มเร कवां ० पर दे वे पात्र वासि वे पत्ते पर प्रवेश का निष्य में है माणि हम देगीसे अर अरसे का कार है। हमारे प्रदेशकार (um) हो Qeois થઈ થા છે. જે ના માર્ય માટે છે છે. માટે માટે કાં માર્ય મારે કાં માર प्रदूष्ट्रिक्स से हैं पाने, इंग्रेडिंग्स्ड करेंड़ नये हिंदुरें, में कराना ξέμθοι οίς έθυσαμον Θεοίς, ίτε δλί τὰς τάξεις και τ หลร 🕒 บันโป รัฐานุมุมทองร์ราช ราช นับ รัสมาชิ ล้ากลุ รางป हावड़, भे देतातिहासारं का नाइ कांड वेश्वर प्रदेश गड़ देवामिंग व नाम दे भाइ, वैक:60v रिसामणेंद्र में अम्बद्ध में कर्ट्ड ज्यार में में भें भू ४६०

Seriques-

20. 03:



The state of the s

oly

wis

101

ind;

wij o

8 07

24 9

भे पृष्ट इम्मे

inne

su.

μακή δ Πέροκι μις τε 2. μιση · ιση · ι

Mis,

אפ-ואט'

מד' ומי

) és p

110-111,

1000

कें।

, 6.

KSIV

Nov

. ei

101.

9770-

Line of

المراج المراجع

לפט-

0

## ΧΕΝΟΦΩΝΤΟΣ

Κύρυ παιδείας βιβλίον ζ'.

Τος Τρέμ δι ευξάμθροι πῖς Θεοῖς ἀπήες τος ε Τὰς τάξεις τος ἢ Κυζφ κὰ τοῖς ἀμφ αὐ-Τὸν πεςσήνεγκαν δι Βεράποντες ἐμφα-κῖν κὰ ἐμπεῖν, ἔπ ἔσιν ἀμφὶ τὰ ἱερά. ζάμν ή είσα, κὶ με τε είδε ακὶ τω μαλισα δεομερώ. किरांग्य ह भे टेप्ट्रबंधिय कि देला है, भे हैं। बेंभ्रेश हैं हैं। किंदों वर्ष-त्रे इत्रा हे ता हिए. एए हैं नका नव वां मानवं प्रीप कि Aia त्वा नहीं ν ημούνα εθ η π΄ μμαχον, ανέβαινεν όπι τ΄ ίππον, ή πο άμο αὐτον επέλδουν. ωπλισμένοι δε σάντες αν όι τεὶ τ Κυερν τοῖς ἀυτοῖς Κυρφ ὅπλοις, χετώπ οινικοῖς, Ιώραξι χαλκοῖς, κράνεπ χαλκοῖς, λόφοις λώμίς, μαχαίεαις, παλτώ κρονείω ένι έκας 🗗 οι 🥱 ίπ-मा क्लामहम्प्रमाठीं गड़ में क्लाइहर्गारीं गड़ में क्लिमोहण्यारीं गड़ ναλχοίς τα δι αυτά ταυτα η παραμμείδια δη τω υδρί. ποθτο 3 μόνον διέφερον τα Κύρε δπλα, όπ τα ω άλλα οπέχεισε τι χουποκδεί χεώμαπ. τα 5 Κύνόπλα διασες κα τοπίεον Εξέλαμπεν. έπει 3 ανέδη κ Τη Σποβλέπων ήπες έμελλε ποςούεδζ, βερντή δεξια έφ-Αγξαπο ο δι εξ πεν, ελούθα σοι, ω Ζου μέρισε. κ ερμάτο μερί εν δεξιά έχων Χρυσάνταν τ ίππαρχον κὶ τὰς ἱππίας, εν ἀεισερά δὲ ΄ Αρασάμβαν κὶ του πεζός. γς. ἀεί-περηγύησε ή παροράν πους το σημείον, κὶ εν ἴσω επε- σβαν. ναιτέ ανατεταμβύ Φ. κ) νω δε έπ τετο το σημείον τω είσμαν. Tienin Banza Saulia. weir j ogar word \* moneules, y. meneul. τεις ανέποισε το εξό. Τευμα. 85, 4, 7815 2. Ene ว ออออมทุกกุ อยายา พร ค เอก รณร์เลง ที่อาการ है। को मी माठ्यहार्था र हुने महायाद वेश माळहुन को कवा कर्या हुने !ος δι το καταφανεί σάντες άλληλοις εχίνοντο, κ γνως δι πολέμιοι πολύ έκατέςωθεν ισφοαλαίρει-Tis, stragges du éauth para ja (8 jag og varas

KUKALOW ]

Car !

Esv i

1 ं गत

ada

YYR

gavo

ov d

For 18

Pes.

HV X

8%

WT

3980

111:5

iãs.

ja.9

4.

'A6

361

7य

7

'A

1000

as

AAZ

eiy'

יוני הידי הידי

72

2. κύκλω κυκλέως) απεκαμπον eis \* κύκλωσην, όπως ωσες γάμ. σιν, ώσες μα έκατερωθεν τω έαυ ου τάξιν ποιήσαι τες, σάντοξεν γάμμα εκ. άμα μάχουντο. Κύεθ ή όξων ταύτα εδέν τι μάλλω άριςτο, άλλ' ώταύτως ήγειτο. καταιοών δε ώς τρέο ₹ €. Ta €. τον καμπίρεα έκατέςωθεν εποιήσαντο, του ον κάμπο. moinster -785, ws Tes aversivon र से सहित्रात, देगावलंड, देवा, के Xहणवंशात, देनी war to Jev The omnaumin moisin); waive ge, ton o x gurderus, i θαυμάζω το. πολύ ράς μοι δοκέσιν αποσπάν τα κέροπ, οπό τ εσυτβ φάλαγ [ · ναὶ μα Δί, εςη ὁ Κυς Φ, κ रेक पूर माँड मध्यम्बद्धाः मं और में कि ति , आत्रवर्णम, देवा, द्राहिः whoo win in ex jus nam son Ta niegara, The oddaly हैं म कर्ड़क्क + टेमा कर्ड़क्क कराड़, ठिमा रिक्सिय वार्गाड़. हम सम्ब, हिंगा 6 Xeu.

oditas, मार्ड रिक्शांतिका ) लेक्ट्रस्थि है। हेम्ह्टा कारे हेम्ह्टा, हैना Steph. πολύ απέχεντες αλλήλων; αλλά δήλου, έφη ο Κύρθ. उम मर्गाम कर प्रींग ) नवे सहस्वत्व \* बेरबि बोर्ग्य सवन वेगाye. ava. ανππεραν ώς είς φάλαγ σα άμα σάντοθεν ήμιν σροσίαπν, ώς αμε 28. παρεί- πάντοθεν μαχέμθοι. έκεν, έφη ο Χευσάντας, εί πι Ev. ws es source Bureo Bureo of; we's ye a opan mees de je a in

φάλαγ α, δεωσιν, επ κάκιον η είχτι κίζας σερσήες. αλλά συ μλ. ana wav- gen, & 'Acodna, no 8 To me ( o ne tua, waver entiges το θεν κμίν κόσυ, δ΄ Χρυσάντα, εν ίσω τέτω το ίππκον έχων ωμ. max sue.

¥01-

20. ETH. 3400 €.

नवहुंदन है . हेनूबे रहे बंजल हा देश लंग्ड उन्हर हो। वह असी गाँउ मर्बा के विषय की मार की मार की मार की किना की की कार की ที่เด็ง ที่น้ำง " เมล. ยั สผงนิ่ง งิย์ อักคั หูบ่อนุนา, อักลง ทั้งก อุ่นธิ σερπόντες αλλήλοις γιγνώμθα, Παιάνα εξάςξω, έμεις ε \* เอ๋ะสองร. ที่ที่หล สำลับที่ผลัง อัง หลอดันใบ ซถึง สองอน่า 015, वांक्रिं म्हार धीर (हे ही विम्न करांत्र के अर्थ हार कि हिम्मिन ) कि त्रीकामका त्व 'Abçada'ताड मेरीन क्या कार बहुता on eis मारे देशवामांबड. इसका की वामक संदर्भ कर ). ए एवंड में क्षी รัพบีรี รายแรงธรรภาแล้งเรน ซึ่ง ส์รูแล่งพง. ซาพ วับ แล้งเรน τοίς πολεμίοις τεταραγμβότις έπιπετεμίθα. παρήσομα र्ड मर्ट हेन्छ में केंग रियांक्सका नर्द प्रहत्व रीर्वास्का नक्षे वेश्नीका nu or Oeol edenwon.

3. Ταύτα είπων κζ συύθημα παρεγ ζυήσας, Ζώς 2) . W Sweakopogan Aumogevoulut, omore were Chiles माध्यह मीं देश नवाँद नवींद्रमा, मान्य मिन्य वीर, वे वीर्माहर, ம்। गिर्भ पंथा पर्य क्लंक्य मिस्तंत्र में पर ती को अ दे की Acis du Eneger, dea envoerte, avojes, उत्त o pui apar

y

3

1.

7.5

8.CE. 18 CE.

25

U- |

70

7,

71-

755

U.S.

al I

έχ,

d.5"

14.

3

172

ens

13

14

sul)

ua.

Xi

1154

1204

1041

Zave

TWY

J: 35 , αλ-

agav eav कि है प्रवेशक की में मांपाइक शामाइ, बेरेर के हो में कहा-En in enixioate, no wei waons cosaucevias; en annois क्लाकंग, ले महण, के वेंगिहरू, को अंगो के कि है कि मिण माठक छ छेड़ inateov ਵੱਸ ਵਿक्या. किवर्ड हरी अवन की मधार मार्गि में पर में वेαθά κτήσαδζ. άλλα, ω ανδίζες, άραθοί χριώμιθα. κατ Ans d' au roidse, wardges, eis tiva not av nemiova Igavov anninkes weakan éraules il eis tivde; vui zo égeυ άρα 30 ίς ανδεάσι γρομβρίοις πολλά κάρα 3α άλλ ήλοις कार्शिस्म सव न वैत्रिष्ठ मी काँ, ट्यांड्य केड में, टीमवा, कें वंग-אפינ, סח ועם מלאמ שפיתנים), דפונ עומסו עו, לומיתני אתנו- עף. לביתנים मा सवस्वायुर्धा एका वाया के हे दूसार, सामुद्र वास कार, हरती के हुला, हो), में सवस्वέρμι τοίς ή κακοίς διλοιόπ τάναν πα τέπων. όσις έν καίνειν. ωπίν φιλεί. μετ' εμέ μα χέδω. ερώ ραφ εδέν κακόν, εδ' अर्थ र्मके हैं। कहा मां उपाय के मार्ग की वर्ष भी कार मिया गार् नी कर्निर का पान प्रविधान होत्रहर केंग करने हैं हैं कें ते हैं में रहेर्सण, के कार्रिहड़ ; हर्माड़क में पूर्व है वाका पह की jadol ev i mazaus nuegav az soi, no olav ol nanol. 4. Ως ή \* amav xt 'AGeadathu e fuero, esn' n Abeading कर्वि है, नहीं प्रिकार्श्य मांड गांधा कर्ल - है, म्यहाद ? செய்யால், வரூசை செயலை நிற்ப வலவ கூறி கிறவ் παγωθών κ) πεζών κ) άρμαπηλατήν. ὁ δί αὐ Κύρος nis Deage fun mévois Exege midse o who Oeds, Acquedita, wareg ou ngis, ourngiave or in this m का कल्लास्य पक्ष हों) दी Contra xor, 20, 2 1840 hisυπ, όταν δέη σε ήδη άρωνίζεδς, ότι Πέρσαι οί τε assulvos viuas Evor. 9, no os Elówwos viuir, no ex ea-The egipuse unas aguilledt. x, o'Alegdums einer, ha ta uli nad' nuas 'éuoize dones, a Kuge, nahas का बेरे के के के के के के राम हा है है है कि कि μίων κέρατα ίγυρο όρο ανατεινόμενα κή άρμασι κή मार्जियमा दिक्याये. मेमह्महित थी, इपुरंग व्याप्त कार्या दे न ππικ) η άρματα. ας έρων, έση, εί μη έλαχον ώλε των τάξιν. ή χωρομίω αν ενθά δε ών. ετω πολύ ι હ્રમώ εν ασφορεσάτω ε). η ο Κύς G είπεν, αλλ' π ορά σοι καλώς έχει, βαρρει των εκινων. ερώ χς. έμβαλβ πισύν Θεοίς έξημα την πολεμίων τὰ πλάρια ταῦ λε πίς άποβ είξω. ε) συ μη πείτερον \* έμε ακλε τοις πο- Αίγυθίοις μίοις, διαμβρτύρομαι, πείν αν φούροντας τέτες ες ώς εναυτίτος, βεάση (ποιαυτα δ' εμερακηρές ει μελλέσης της οις, εξ τώ-

Me tilnent, anno of a mana medanisted in Comar.

28. 271.

όταν ωθέτοι τέτες ίδης φούροντας, έμέ τε ήδη συή. ναι νόμιζε, κ) δεμα είς του ανδίας. κ) σύ χο τότε τίξ μθο εναντίοις κακίσοις αν χεήσαιο, τοις ή ως σαιπε άξι. στις άλλ' εως \* δεί σοι χολή, α 'Αβ ξαθέτα, πέντις क्य त्रिक वेज का मक्षेत्र के जिलाई वेड्राक्ष्य, क्रिक्स के का மை வீ ரிய வுடிக்கிய், ரமி மில் மூரும் என்ற விற கேர்ம்யின், चर्छ ह में इम्लंकर ट्रेना स्कृद्धिर. ठेना हु महल्मा द्वामी मी कीं नर्गांद वंश्यात, दार्श्यमां वर्ष वर्षांद द्यिवसेट. में प्रेंद्र, वं है और, मेंग नरं कि शुर्ण में, क्वंग महद देव्हें न न्या मार्ग कार्य है। περθαλεώπερον άρετης. ὁ μξο δη 'Αδραθώτης άναδάς क्यां में वार के प्रमाण कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य

O

570 2

uic egg

en To 1

II o En

Agu! ζ

027 \$ %

BTO

30

is

198

व्येव S. m

170

1. 2

rul

8. 1

2601 8 #

19:50

eu-jo

1 70

5. 'O A' வம் Kug ச கூடிம்ச, ம்த க்கிம்காக எழுத் குழ்பு. wyo'um, इंग्रेस 'Y डर्स का कर में मां अंग्रिस है देश में में मिश्री मिल्या कि महाकर, हे एट एक उस्त कर महे ए से महर के 'Y इस करत, प्रचेप हो है! שבי שוני כחוב דע אנובר אינו של, אני ס שמיסש על דצי מות בעונים मळाच मात्रा गाउड, हर कोड महत्वर कार केर केर में o'T प्यं का वह देता. Jehasas et They, a had well it of Jevantas neuv ushion דצי ל כא האמשונ סט באאסור שפים דעלסי, פאשר עוול יווו ορλαζωπ. η ο Κυί 🕒 είπεν, άλλ' όπι γε τέτες έγο αυτός απέρχομαι αλλ, ο Υςίασα, τόθε μέμνησο, τη פני העושי ל שבסק דיוונש לו לש, חי דו מצ מלשוח הכאבעוסי, כיו το μαχομίνον απ πμιθ «λλουίν. του τα είπον σε πη हेम हो है पर में के के दिलें कल्डा के हार्य हरा राहत, में री में बहुराम συ τουτη αξμάτων, τος ς τετον έλεξεν, εγω ή έρχων บุนโบ อาการยุท์ของ. ผ่าง อัสอาณา ณ อิทอิธ ทุนสิร อาการยุ ของ nat angov, тоте и vueis कलावु के बंधव da न πελεμίων ελαύνειν. πολύ χο εν ασφαλεσέρω έσελε ξε าใบอุเมียวง ที่ รับชิบ รัสองสมเดินของเมือง . อัสดี ชิ สบี สนาสหรั γείτο όπολεν τ΄ άρωσωαξών, 'Αρταγέρσαν μ κ) Φαρδή. γε. Περσών ελέλο σεν Έχρι Τας των τε τω \* πεζών χελιος νε τπ रित्र देवा प्रदेश वार्य देत्र सर्वेश है. देवा, वोतियामारेड देवह देव

26. 00 MEG 28. 4 7188

6.

ndepiens wis all to deside negas, tore ni unas mi भयने गिर्देश क्षित्र हिंदित कि प्रतिहास कि प्रतिहास के \* waveg adeverteov spardua signe!), oáray [a d'ent TE:. \* wares 1900 पहरा का साम स्था संग हिंगे, केंद्र केंद्री की मार्गिका स्मान है। हर्याता कर्माक में महाना की कारा में मी महामार्रका माहिए, हो की दिन की में שמציאל אבינוצה דוש החאבעוצה שבמסמשב.

6. 'O who s'i Kue का नवां नव शिवत्र हवादियों कि की Sezion wagnes. & de Kesio O, vonious non espons 1.

205

w

2019 7/1

1

3

25

·13-

769

80.

MIN cTi-

ilotte.

871

870 274 000

eile EVTO

Stra Jul:

1373

A A

21.00 1 800

0 4.75

70 787

ε πολεμίων τω φάλαγ σων η αυτος επιζεύεπ, al. η τα \* έπανατεινόμθω τα κέρατα, ήρε τοίς κέρασι σημείον έπα. μικίπ ἀνω πορεύεδζ, \* ἀλλ' ἐν Τη χωρα σραφίνω. ώς χρ. ἀλλ' τε 11 Esno, wartes wees to to Kuge seget dua ogartes, en th x. क्लुडमंड रहांड क्येर कर हिड़ ठीने के Kuge seg. त रे एवं मां के मांव करेंड of mejoramov, rai of duo, in while xt to degion, in of xt to K. το ενώνυμον. \* ώςε πολύν φόδον σαρείναι σάση τη Κυρε ρε. ώςε τομαπά. ώστες 30 μικεον πλινθίον εν μεράλφ τεθέν, ετω λοιπον φόοπό κύρε πάτωμα σάντοθεν σεικίχετο ύσο του πολε- 6ον. עושי אין וים אבטסו אין סמאו דעוג אין אבא דסס ספפונ אין דינצם דעוג אין εμαπ, πλιο εξόπιδεν. διως β χ ο ΚῦςΦ επεί πας [-]स्रोश दे इन्ये कार्ने, क्या गरह ये पा कल्डिका मार्ग मारे मारे हिंदी है। 7. Hrina j Edoge To Kupo nguegs non en, Jangge Пบลังล, อบงอสหัวพระ ว่า สลัง อัรอุญสอัง. ยุร ว่า ซึ่งกา สม Ευαλίω τε α μα επιλάλαξαν, κ ζανίσα ) δ Κυρω, ដែលថ្ងៃ ជ័ យុទ្ធ កុំស្លី កែងក្រែល \* សុឧទ្ធិល ជាសង្ស័យ កាច ១៩. សុឧទ្ធិល εμίες, όμότε σώτοῖς των ταχίς ων συνεμίρνυεν, όι ή τζοὶ ωπῶ συντεταζωθύοι ταχὸ εξείποντο, κὰ σθωεπθύσ-εντο ένθεν κὰ ένθεν, ώς επολύ \* ἐπλεονέκθεν. Φάλαγζι χι ἐπλεοτο κέρας προσέβλης» ώσε ταχύ λουρά φυγή έγε νέκλα. το τος πολεμίοις. ώς δι ήδετο ο 'Αςταγέςσης \* έρ φ.γ. κ.κ. γο οντα τ Κυρον, όππηθε) κὸ αὐτος κτι τὰ ἐνώνυ τρεσέβδη-ε, σερείς τὰς καμήλες, ἀπτες Κυς Φ ἐκέλδοςν. ὁι λεν. ίπποι αμτάς εν πάνυ πολλέ έν έθεροντο, ελλ' δι μβύ ρε εν έτω ερευνες γιρνόμβυοι έρευρον, δι δι εξήλλοντο, δι δι ενέ- δυτα. πον αλλήλοις. τοι αυτα γο πάχεσην δι Ιπποι των καήλων. δ ή 'Αρταγέςσης συντεταγμβίες έχαν τευ μεθ'
ωτές ταρμπομβίοις επέκειτο τεταγμβίος κη τὰ ας.
τα ή τά τε χτ τὸ δεξιὸν κη τὸ δυώνυμον αμα ἐκέδαλ-हैं देख ι η πολλοί με τα άξματα φεύροντες Επό ηθ΄ και κέρας πυθύων απέθνησκου, πολλοί η πέπες φεύροντες, Επό βαξμάτων ήλίσκοντο. is to 8. Kai d'AGeadains de skin eusther, alla igueus 8. abohous, "Av Spes pinos, Enede wor, chien & Sev persous- ye. and ड वर्ष θ τ τωπον, \* άλλα εξαιματή β καταπολύ της κάντη φ. τομιώς Μξώς μης ή κ) οι άκλοι άς ματηλάτας κ) τα με ας ματα εξαιματήν में जार OTA'S कि का मारे देव में हैं में के के के के मारे के मारे के के मारे के मारे

η τά δε κ απολιπόντα, δ 5 'AG ο βάτης αντικού δι' αιμάπαν.

αυ το είς τ ? Αίγυπίων φάλαγ σα έμδάλλει. συνεσίζα. λον ή αυτώ κ, δι έξρύτα α τεταγμόσι. πολλαχό η μ 81 ki annos Sinov is sk Est iguestee panay in oruin φίλων συμμά χων ι βρισωνή ή, κ ον τετω δε εδήλαση. है। किये के इन वा है। यह वामह में के किए हैं यह (01 किए सर हिन्द्र) סו של מאאסו אינס אסו, שי ביו שלטע לשום עולטסי דענ אדם אאם הוכנו אל Αἰγυπίος, ἐξέκλιναν κτι τὰ τεύρον α άξμαζα, κὶ τέτοκ किएलं माठणीठ. ठा और विधादों 'AG हुल विस्तिष्ठ, में में टेमर्टि अपूरण, बेहरों Sunaphier Stax werran of Aizumiar (Sia to phier to πων σαίουτες ανετρέπουλο, του δε πίπλουλας κατιλίος κ) αύτου κ) όπλα κ) εππες κ) τεοχές. ότε δε cmhatalla τε δρέπεια, πάντα βία διεκόπετο, κό οπλα κό σωμωία

> εν ή τω άθηγήτω τέτω ταράχω έων την παιτοθαπών στορ υμό των εξειλομένων τη τροχών υπππε ο Alegald

> THIS, NI LANOI de To ouvero Canov Tov. NI stol il circult

7

185

Sx.

Hy

7

uia

Ted Loy-

d

fa.

TRI

5,7

Tui

ino

ko'z

Jego.

i d

ija.

KEIS dz.

Si TES

20.0008-Edle.

auspes ana soi Musulyon, natenomous ni are sous ud ge. ouvers. Heeru suvemanousvoi, n pi o Algadatus evelanent πεσόντες. σωι αυτώ, ταύτη \* επειασεσόντες τεταξα μείες ερίιεμο 9. H de a madeis espicifo it Aiguntion (monhoi d'in 9.

nar) egwest evannot rois Mégraus. Euda Si denning मिंग में किल्लाम्बर में द्वारक में प्रवासकर . देन महत्र की का माना है। Algumator के मर्राचित के नहींड हमराहर नर्य पर की विद्याद विश्व तह में प्रत्यमहत (के हैं त में प्रणा है प्रथम) वी यह बेकर्न देह नगरे

עף. בבות בעת אסט קינו שמו בשומנו על לאו שבו בסט אל בבוצה דם היועון. में कहार के के कि के जार जणपहरूव (ov), कटा र नहीं के खार है ता वण्यात्रेशं ज्यानक देश नहेंद्र वे कार्ड वह दे दूर्वह्म में वे ने हर. है। में ou देश हेरीयां वर्गा के तरहे दूसर, बंदह देर वं पद्याद में प्रहुत को भी

pa agerres, लेम वेमा मार्जिय वेश्वत्यं (०४७० क्यां०४ मह में मा कार्यात है का कि में सम्मायां के मुण्यात के किया के मार्थ मार्थ के Tol Sa TASER, देशकार वर्षेत्र, of Algoritos केना की मांश्रुका भी है। देनी महीन और है हम लीका दश्मी नाम हम नहें। मन हैं के रखा, हम ह पराचे लेश विषय महत्वेह, बेरेरे लेश ब महत्त्व महिला में दे मह द्वांश्य रेंग्ये मर्या पर के पर्देशमा में वेश्वानिमा. में वेहे का

रेणेड की बंग्री बंग्री कंग किए कि , कार्रियेड हैं सम्में मि है जनका में दे NEW MOUT: Same, TONNI SE Bon, All post dianatem en An se du de consacrons en de de Ois imals คริยาง อง ริง รางาอ หมือ รางาอง รางา แลง " ออกาก m

gazine). Les de elde rois Mégous on à Roleus évolutions में रे प्राय के पत के कि के के के कि के कि 7.5/415

(80%-

d.

87

OH.

7.7.

lop"

700

7015

72 8

780 17

Says Coile

2/2

7100

200

W. W 1 6

2

SUGP

18.83

11.0.7

LITT 69.74

TOAU

หลใน เหลใน

11/4

ाय १६० K TH

7.5/214

म्ह्यांध्र मांड संड के कर्डिकेश कर्डिकेश कर्डिश से मां संड्रीत के करेड़ क्लार कंत्रसहर कार्या कडिके हिंग हा प्रमा हिंग कार महार महते. हका-हि, क्टाम्रेक्स एक संद को विमालीका प्रवां संक्रा किए का मह मर्वा हता विकृ ερώντας, η πολλές κατακούνεση. οι δε Αιγύπλιοι ώς ησυνο, εδόων τε όπ όπιθεν οί πελέμιοι, η εςρέφοντο όν τοις πληγαίς. και ενταύθα δή φύρθων εμάχοντο κ) πε-(o) में किसार . सम्मी अपलंड रेंद्र माड रेकि नहीं Kuga रिकाल मध्ये कार्यार्थि , म्यांस संड मीर मार्ड स्व में मार्थाद्व में कि का थाउँ. ठं रेहे रिक्त कि क्रोग्रामंड, उठवर्डवे (का अल्ड संह ) क्रे Kuego. देंग जैस की देंगाक केंग नाइ उँगड वेहांग संग में दामहा देंग हिन्नागत रंकारे \* मी बंदुर प्रदीयां कर के संपर्दिश कर कर कि किटो மக்சாக், நி சையைக்கும் சாக் கியக்கும் கையில் கியிக்கிக்கிக்கும். क्रिकार, हमर्यावप्रक सवस्थानार निवाह रहे मह देनते वह रिकाह की देवते हैं। हि Kues रका प्रश्नि, \* avaldiles autor om Tor soute कि है. येग्यτην. ώς ή ἀνέδη ὁ Κῦρος, κατ είθε στάντοθεν ήθη παιομέ- λαμδάνει. मा करें Aigumiss. में रें 'You कर में जिल मार्शिंग जा मांड Περούν Ισπεύπ, κ Χρυσαντας. αλλά τετες εμβαλείν μ שולח הם פוב ד סמאמץ לם של און און אונים ושני בנששבוי ל תוצפטיw i accoriser inexder. is j'expiero \* werexairer yg. wasπαρά τὰς μη χανας, εθεξεν αιπώ ἀναβήναι \* ἐπὶ πύρχον λομίνου. गाम स्वायाम र्विटी से या में बेरे रें मा महारा की मार्थ रें में μίων, και μάχριτο. έπει δε ανέδη, κατείδε μεσον το πύρρων ππόδιν Ισπων, ανθρώπων, αξμάτων φαθόντων, διω να. Εύντων κεατέντων, κεατεμένων τη μερ πολεμίων, γοι τινά. τωρίντων, τω δι' έαυτε, κρατέντων κρατεμένων δ' καί. ίπι ή έπειδη επορέντο, κύκλφ πάντοθεν ποιποάμθροι επ δεβίδζ τὰ δπλα, ὑπὸ ταίς ἀσσίση ἐκάθωτο καὶ πίνη μβι ἐδεν ἔτι, ἔπαγον ή πολλά η δεινά. ἀγαθείς πιων με εδεν ετι, επαρον η πολλα η θεινα. αραθείς

πο δι κύρες αμπειό, η οικτείρων ότι αραθοι ανδεες όντες

πο δι κύρες αμπειό, η οικτείρων ότι αραθοι ανδεες όντες

πο δι μπλοιντο, ανεχώρισε τε σάντας ποι σειμαχριένες, η

κίχος κόξια έτι εία. σέμπει η σείς αμποι κήςυκα,

λε μπ το κόρες βελοντιμ άπολεθς σάντες \* το δερ σερ Μει.

δι πι λοκόπων αμποιό, η σωθηναι άνδιες αραθοί δοκέντες εθ.

η δι πι δι άπεκρίναντο. πως δι άν ημείς σωθειημέν, ανδρες

κίπι τροί δοκέντες εθ); ο η Κύρ σε σάλιν έλε μι, ότι η
πιαλε μες ύμας δρώμεν μόνως η μένοντας η μαχριζ θέλον- γρ. δ., τε

πιαλε το άλλα τέντε θεν, έρα θοι Αιρυπίοι, \* πι κ) κα- γρ. συμ
σμένε λόν αν πικντες σωθείνων; η ο Κύρ σε αδ σερς τέτο μαχρις.

πικν. εὶ δερ τε \* συμμάχων μηθένα περ δοντες σωθεί- γων.

Το πο το που το πο

xa en

THE THE

MEI

ul.

1 x

0 277

șei Ion

ng Si, un

16

Sug

il t

Sus

7W9

NO IV F87

97 \$ 170

12

K

Ke

ion,

w;

Work.

ητε τά τε όπλα ήμαν Φραθόντες, φίλοι τε χυόμενοι τος αί ςκμένοις ύμας σώσαι, Τζον Δπολέσαι. ακέσαν ες ταίτα בשונים לם, אני ל אנושונים של ססו סואסו, דו הנווי בצניוסמו בל-Dui; dimeneivalo à Kilege, co moier n'en miger. im go nov nake of Aigonflos, tiva cus poier; wes 1810 Enev ok See, was vien solle madiova i vortage εάνετε, δσον αν χένον σόλεμος η eiglwins ή χριομένης. To francis while heren mas shot xwear Te dian if moders no juvainas no oinéras. anecavres radra of Ai. γύ मी 101, το μέν όπι Κροίσον συςραπεύειν άφελείν σοιπι בלצוו שוקל (דצדם של עולונים סים לונים של בל מו בשמן דע ל פני Ad συνωμολογήσων ες, ερος πίσνης εναβον. η οί Aly. જીલાં τε οί καταμείναντες τότε, έπ κ νου βαπι લે જાલો रीव्याद्यप्रका K हिंद रह क्लेम्स क्यार्गेंड हेरीक्स, रवेद प्रश्निक. ed En z von whee Alguman xxx 809 Adelous reg Kunnilu and Kulu annoise Sandwis, as En il vor of an energy exem. Talta flameataper o Kolo. ii su σκοτιώς, αναραρών επραθοπε se σατο ès \* Quel agui.

31. QUU. Gegeous. IO.

10 'Γν ή τη μάχη τη μέν πολεμίων Αιρύπι μ voi entriung, The 3 our Kiew to Hegral immyor net महन् विरिद्ध ही. बंदर में पर्यं शिक्षांग्रह में किस मान หมือ ของ เพลายอง หลายพยบลาเท อบปอนเนทธยา เกษ (के में Ta Sinmanosea बहुए वरत केंद्र में पंडाठ हैं। में एक निक μένει το στολεμιτήρεον πο αξί βαπλεύονη, α μίποι ndustos epicus movos no lates, è mestos eceterado ge of to will impress, all entrol ge and new in immian, egeie og immo justage, non definher og हेर्नियल हैंगे. जुरु में प्रकृतिक महिला महिला हिन्दी हिन्दी प्रकृति να τα θος καμπλον ως εποχεί δαι, ετε μελετάν ως ποι: स्थितिक हुए प्रमाण हम्म दूर का क्यार प्रमुख्य कर प्रमाण के The office on rolls ox doppedes Strigues. is of new april K dear Sumorumaineson ni ounands nar asnochence war celes enounding.

II. Kerir & merror dudis dai Zagsan Endye ein τω στατείματιο τὰ δι άνια φύλα όποι εδιώστο πον टकरवंग्र देश गाँग गणमारे गाँड देल विश्वण वे विश्व देश देश वे देश अलंब्स केळवरीमें हैं मार्थक हे शिंदर दे रिपेट हिंसे दिन ती Au & Kig . we d' Enlero weis To reiges not de sat den, Ta, 18 un paras avist de aprobance ou n 22120, no unimanas sagenda gero. Taura de ma

700

-

7/1-

570

64-

ils.

3

Ai-

1711

àh-

75.

isen 10,

S NOV

9.

215. u:

y c4.

7018

199:

dis-

1701

41123

100

1189

cahog

107.6

ian.

05 70

37.60

π, द क्रिक्टमा νυκτίς αναδιδάζει Χαλδαίκι τε κ Πέρ- diav v eou inviouto d' autois aiving Перопя, SEA O perfonce gual . 10 की देश रम बेमहा मार्ग ता कार्य का कार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के कार्य के कार कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य χώς κατάδασην είς + πολαμον κη ανάδασην + αυτίω. ώς ή शिंडिक विश्व और AOV 811 से 20 क में विस्तृत, नवंशरहड़ है देव की 20 मां अस्तृत. οί Λυθοί Δπό την τειχών έπη εθυνίατο \* έκαςος. Κύρος δ' χε. έκαςος. γία τη ημέρα είσητε είς πω πόλιν, κό παρήγ σελεν έν τ πέλευς τις τάξεως μηδένα κινεί δαι. δ 5 Κροίο 🖰 κατακλασά Κ. wy 9 or rois Bankeiois, K for acoa. 6 3 Kog of 78 ω Κερίσε φύλακας κατέλιπεν, εύτος ή άπαραρών προς ε έχουένου απραν, ως είθε του μέν Πέρσας φυλάωτυτας τω ακραν ωποερ εδει, τα ή τη Χαλδοίων οπλα έρημα (มารถสิธิสุรณน์ทรง วูชี ส่งสองครุงอย รณ่ อัน สมี อำนาจัง) દામાં, જાળદમને મેક્ડર તા જેઈ મેક્ડ લેક્સ્પમાલ, મે હિંજાદમ લા માંદિ मांग्या देश में कुळा का प्रायत कि नवं अत्य. ह 30 वंग, हिंगा. वंगयμίμου πλεονεκτέντας όξων τες ώτακτέντας, κή έδ μέν. ιου έπίσαδε 8π σας εσκα αζόμιω έρω ύμας τές έμοι ουραταομένες πάσι Χληθαίοις μαχαρισές ποίησαι νου V, ion, un Jauna (ete, no ne no ameno univ speliflor υτύχη, ακκσαντε, τα τα οί Χληθώοι εθεισάν τε κ) ίκε-भित्रम इवयावा, ò 5 दी महा ठी के अहा वर्ण में विद्यार के को τιμε, έρη, βέλεθε παύταθαι άχθόμενον, Επόδοτε πάντα οπ ελάβετε τοίς διαφυλάζαπ τω άκραν, κι χώς αίof anot seans the ott theovertent a cotaktor γιόμενοι, πάντά μοι καλώς έξα. οί μέν δη Χαλδώοι τως εποίησαν ώς εκίλουσεν ο Κύρ , κ έλαβον οί πατημενοι πολλά κη παντοία χεήματα. ο ή Κορ πατα-FUTOTE SEVICES TO SOUTH OTH ES ONE TO COM THE GEOTATON θ τις πόλεως μένειν όπι τοίς οπλοις, παρήγ ζειλεν α'ει-क्षणाह कृष्णानि जेवा.

12. Ταθτα διαποραχαμενο αμενο Κδεν, χαίτε, τὸν Κδεν, χαίτε, τὸν Κερίσον. ὁ δὲ Κροίσο οἰς εἶδε τὸν Κδεν, χαίτε, διαπτα, ἔτη. τῶτο χὰς ἡ τὸχη κὸ ἔχειν τὸ ἀπὸ τῶτο ἀτε ἐδίδωσί σοι, κὸ ἔμοὶ περσαγρεμένεν. κὸ σύ χε, ἔτη, κερίσε, ἐπείπερ ἀνθρωποί ἐσμεν ἀμφέτε ει. ἀ τὰς, κοι ἡ ἐξελήταις ζυμβκλεύ. 12. Ταθτα διαπεσξάμεν Ο άγαγείν εκελουτιν αιπώ της της κερίσε, δε αν τί μοι εθελήσαις ζυμθελεύ. τως η βελοίμων γ' αν, έφη, ω Κύρε αγαθον τι σοι पहुना रहेर ने ने हैं के प्रतिस्था संत्य रेग मर्ते पार्श मिल्या. के

KROON

20. spa]. non funt in Steph. Ed.

38.700V1169-TUTOI.

vel zuvai xi. Parti cip. deelle videtur. egvTO. 28. रिड्ड्य. त्या त्य में देश वे म्या त्य हत्य का मा मा हाड मा है Kug कि

13.

RETOV TOLVE EON, & Kegire igw of ogwer see standing πολ ά πεπονηκότας κή πολ ά κεκινδυνδικότας κή μων η. pis ( ov) as मां AIV हे हरा निर्धा में हमाय नां निर्ध के निर्ध के निर्ध के Βαζυλώνα, αξιώ ώφεληθίωαι \* του σραπώται. μώ. Hac verba one &, ton, on et un nea nue no xu for ) The motor, கியற்கைய வர்கும் குல்லை குவை மிழ்க்க த்லக்கா. டிக் Ta rai pi su ante is eceivar this Toxiv & Bexchai this T οδ πολιν νουίζω αμα διαφθαρίωσι έν το τη άρπη ιδ old on of \* nornes i me oventhored av. and ous raine i Keolo G Exeter, a'n'ieue, ton, tacor. nega wei isi in Audur Dena, on diane wery was nago, or win min-वया वं हमया के मार्थ हे हे वा वा वं क्या मिया मार्थ वा में मुप्रां nas weschin ge as and team in men was express Auda'v Eradau mav o n nandy najadev bar en Ziele. Post neur. on . no po redtu ankonov, old ori " neur av 6, 7 bar en Sala nandr ninga ardei ni \* zuvani, ni owies εις νέωτα πολλών κη καλών σάλιν σοι πλήρης η πόλι हें क्या के हैं वीक्षा संदर्भ, में का महिश्रका हा, के कामार्थंड क्या ทีย์ หลาด: เป้. ประจุบันถูกเม่าน "ธางหาน. \* " เรียก ปล่างเเ Steph. & δίνπ παιτα, ελθόνη έπ κή σει πις αίς παγής εκλείσεις. Fort. i pe moner j, ep, om rès eurs Insauge meum, i of Aaubaverwood of ool punanes rapp of sub cuhina.

Execes à Kegio . 13. Tade de 401, 22n, wdv rus, & Kesise, hegor, rus amolelune to on the or Denpois gensueis. Tol to di his प्रतिक कर्याण महिल्लामा के वे A मार्ग कर, सर्वा जह कर्यामा वेसा-एक कलार्वामेरक कल्लीला. देवस्रविधा में बेर, देश, व Κύζε, επος εχειν νων ή πάντα πίναιτα δυθές όξων 2014 สอส์ที่ผม สองปมต์ thu กลี 'Aก่องเผย. กลัง วี : ไม่ o Kuto, didame. water yag nagadeta kiges. in τρώπον μου, έφη, αμελήσας ερωτών τον Θεον είπ εδέν plus a memergantes auré el dissaro a note en monte में प्रति ठेरा ठ छ छ दे हैं है से से से से के कि के सम्मार सम्मेश सम्मेश 901, देमलर्विष प्रवेतम वेनाई ध्योपा, हे कार्रेश पहेंद्र वेनाइस ж. гриши. таз. еней ифти \* грош ку маха апна еня тий. τ 🖰 , κή σείσω Δελφων απέχοντ 😉 , έπω δή πέμπ क्टो मधीरीका. o d'à por to ple कड़कार के वेमारशिका έπει ή έρω, πελλά κώς πένπων άναθήκατα ρευσά, πλ

yes. அவ் சி விருமாத், கூட்டிகால்வ நீ நிழ்யு, பித்துவரவுப்பாள் வ

718

20

501

G

: 8

178

55 FA 32

ua;

Ma.

ful.

1097

48,

€ 0 0 € 0

617

11.2%

125

K

10

1.74

TUS

12-

W.

14-

, 1

4-

7:

1 00

ra i

say

ui-

va.

704

est.

0, 7

0105

ολι;

çan

01 1-त्र ते. जोतः

1757. "ante

7725

λί.

OKH.

1, 6

Sew. 10a 671

E 1. T3

127

TOA.

ימש פין 71%

กับ, ณัง รัชบันธบ, ชอง รัง แอง Snoneive) รัฐฉารีมิก ที่ อัง แอง कार्यन्या मार्थे कि प्रिंगाएक. वं में सामा विषा हे तर । प्राप्त में हे मूर्ट-10000 à ( sac ) sa to to executato) phoaluos à isig inous. o il so, xwoos av Satener, o o, deises svous-ம, देंग केम के हिंड के मार्थ है। किस (क्रिक्रिक ने में किये करें πώδας συμφοραίς, το άλιν το εμπω, κή επερωτώ τ Θεόν ή αν ποιών τον λοιπον βίον ου δαιμονές απα διατελέσαιμι. i N us i ameneivalo

Σαύτον γινώσκων, ευδαίμων, Κρίσε, περάσεις.

उसे हैं मारहत्व में एकामसंबर, में कीका देरें का कि है केdy not autor कर्द्दियात. में ट्रेजिय noviar office. के 185 i & praioner Too is ofor T' iD, Too & & courter 5 875 कि चर्यात राव देशकार्ण के में किए का किए का के में एर निकm di zeovor, sws a eizer novyar, eder erenansu at # के मधारीहें उन्यंग्यी वर में मां द्राहर हम कार्रों ने बंदह महारी हा कि is 'Awveis eq' i mas sparevedt, ers warra nirduner inο επίσετω με τοι εδέν κακόν λαδών κα αιτιώμαι δέ λ τάλε + Θεόν. επει χο εγων εμαυτόν μη ικανόν υμίν μάχος, ἀσραλώς σων τω Θεώ ο πλοον, κη αυτός κη οί Two equi. vuy d' au क्योग कि मह क्रेडम के क्य एडंग्न कि ीब किंग्यी हिंगी कि में मुंद्र के किंग कि किंग कि किंग कि क्या, में रेक्क नी रिकड्का के प्रदर्श निम्म प्रवा, में रेक दा निम्मwi, of he nonanciortes enego", ws et egw Edenoins ag-भा, \* करंगरह केंग हमारों कल रेगारिन के महिमाडिं के सिंधा दूर महाय र

ιρύπων. ζως τοικτων δη λόγων αναφυσώμιο, ώς εί- αν. λυτό με σάντες οι κύχλω βασιλείς σχερείτω το πολέus, ites e & a ulu rici spariziar, a's inaves ar mines of मिनी बेशनक बेहन इप्रवास्ति, न्या का वेशसास्ति प्रदेश रेसनκομων εί), σες τον μεν όκ Θεών γερονότι, έπειτα ή λα βασιλέων περυκότι, έπειτα εί όκ παιθός άςετων άσ-ώντι τ δ' εμέν σες γόνων άκδω τ σκώτον βασιλούσαντα είς τα τε βαπλέα εξ ελεύ θερον βρέδου. ταυτ' εν άρκος-πει τα διαμως, έρη, έχω των δίκων άλλα του δ'ή, έχη, έχη. Κύζε, γινώσκω μέδ έμομτον συ δ' έτι δικείς άληθευ-πίν. Η τ' Απόλιω, ως ευδαίμων έσομαι γινώσκων έμομτου 3 πίνι. Εδ έζα τω διά της το όπ, άρις άν μοι δοκείς ελκάσαι τίτο कार मा विश्व मार के को विश्व कार महात्राया के के मार के मार के मार कि 1. Parlui por dos res 7678, à Keoros, epà sais ou èsin this weiden Englanderian, ointelem te or il simoli-

किए में में निका न्यावास ने यह इस्ला में में ही सहड़, में त्यांड जेपन्यत्रे नह इस्लाइ,

Ma ist

17

in

X07

1 3

Tw.

C. C.

10 and

ÓCH

स्ति स्तु के स्तु

70

WA!

Ans

eas (answ Jue ou elva) no too plass, no tes Sies. De. i (a Te. mortus, n) redim (av où oid me ' i (ite' maxas di σοι κή πολέμες άφαιρω. μά Δία απθέν τοίνωι, έτη δ Kegio G, où quoi et i Beneve Stoneiva of wei mis euns ευδαμονίας, έγω οδ ήδη σοι λέρω, ην του τά μοι σοίησης α συλέρεις, ότι ην άλλοι τε μακαριωτάτα ενομίζου ή Βιοτίω, κ έγω συνερίνωσκον αυτοίς, ταυτίω κ έγω τον

τις δ' πν δ έχων διαξω. κ) δ Κυς Θ είπε, \* τι δη δ έχων τωίτω in quodam τω μακαείαν βιοτωί; η έμη χυνή, είπεν, ὧ Κυςε. chein who rais all aradov no the maxanav no cooper. Vet. σωών πασων έμοι το ίπον μετείχε φερντίθων ή όπω; eneign 20 प्रकारत हैंड्य, में अव्यक्ति में विश्वास है विश्वास वर्ग है कि श्री whi azan' où Soneis eue naraonda (en acore eya in estha Day ibid. μάλις άνθρωπων. ώςε τω Απόλλονι άλλα μοι δοχώ

zaeisieia opeininger, anstas de o Kugo Tes hoges αυτέ, εδαυματε μβί τω ευθυμίαν \* ήγετο ή πλοιτός 25. 172. όπει κ) αυτός πεςουοιτο, είτ άξα κ) χείσιμον τι νομίζων cutov ED, Elte na acountestes v & tos ny sulvo. na tot My ETES CHOILING .

14.

14. Th of useguia καλέτας ο Κυρ τες φίλες κα महें में मार्थिया में हिन्दार्थ प्रायी के महें प्राये वर्ष में महिं महें Απσωιεές πραλαμεάνειν, τές δ' έκελδοεν όποσα παendoin Kegio of Ripula, wenter it tils Osois of रेसा केताव ये का मार्था दिन्न करें, किसी व नवं बेरे व देश μα α ε ε σ ε χεμένες, εν ζυγάς εσις σήσαντες έφ άμεξον οπισκοιάται, κ) διαλαχόντας τας άμάξας κομί(εν όπι meg av wird mogenwe?. Iva o nor naves sin sanauli.

3. मेहिर्थ. voiev Enasor नहें \* बेहित्य. of कि मि निक्र ने हेमर्राष्ट्र.

15. O j Kugo narevas mias of maggiran ioneτη, είπατε μοι, έρη εωερκέ τις ύμων 'Αβερδατίω; Januala 30, son, ori mejden Saullav so nuas, im ชิสินแชิ อุณีขะ ). ทีย ซึ่ง รัฐกฤษารู้มี Tis ฉักษมอย่าลาง อาเ, ต δεποτα, εζη, αλλ ου τη μάχη απέθανεν, εμβαλών π कर्मक होड़ महेड Aigumiss' है। ही क्षेत्रहा क्रमिक दीन हमाहिन ल्यार रहिंद्रशासम, लंड क्याम, हम में को निक् कि की कि में ती में שנישל לפעי או שניים לפין אבים, אבעם שניד וו עטיו, מוצאים שניים rençon, no cu de men eis rim a quanagar er n meg autil when to, wegone nousnevay au Tor co Jade In wege tou Manτολον πυταμόν. και τές μεν ζυνέχες και τές θεξ तारण नवड व्याह देशपेनी सह क्यांं कीने त्रंक्ष मार्थेड अमिरिया मार्थ में रेक्षां देश है

אלחוסמין, דעני בי אששמותם אבץ צפוע פין אמשת בא אודים אבועם! หมดอนุเทพนุ น อุโร ค่ द्रह ของ ผังชิ ยูล, ชนา หมดองใน ผาร รัฐมอด कि कों प्रथमता. प्रधानि बसहाता के Kug कि हम्मां न्यान में हत्. πον μπερν, κο ουθύς αναπηδήσας όπο τον ιππον, λαδών Miles iwates na auver on to wates. Tadaren ju Twερύαν επέλαστι ο, τι δωίαιντο λαβόντας καλόν κόσμημα ανδρί φίλω κο άραθω τετελοπικότι μεταθώκεν. κ द्वा सं दूर नवंद कार्मार्थिय के पूर्व में हिंद में कित मह निर्देश कर के έλλα σε βατα πολλά ελαυνειν όποι αν αυπόν πυν છે.- 28. αμαδ

in ) ovra, as omo payein To 'Aceada Th.

100.

on 6

LINS

ก์ธหร

1 (1)

tûy

Tim

uge.

200

TOI;

0 61

VSKI

020

2385

1707

Zav

7075

Rai

785 गय-:50

251-

2509

र्वे च्या u.62.

Tiles-

Tiw;

;w

1, 0

V 70

21 600

Al-

uin

LUTI

lax-

:d-

100 1

16. Erei Si ei de riw yuvaina zauai na In wille ni τὸι νεκρον κείμθου, εδάκρυσε τε σπί πο πάθει, καὶ ίπ, φου ω αροθέ η πεή Αυχή, οίχη δή Δπολιπών inas; ni and edecisto autor, ni n xeig to venge emiκιλέθησεν. αποκεκοπο γας κοπίδι હστ τω Αίγυπίων. בים ולשיר, חומט בח עמאאסט ווא אחשב אמו וו שיטוו לב מwhighto, if segaulin si ofa to Kuge epianoe Te The γεις, η σάλιν ώς οξοντ' ην σεοτήςμοσε η είπε, και πίλλα τι, ω Κύρε, έπως έχει. αλλά τί δεί σε όραν; ມູ່ າໝັກ , ຮ້ອກ, ວໍເລີ ອີກ ວີ ເ ່ ເພຣີ ຮັχ ກິເເຣດ ຮັກລຽຍ, ເວລະ ວັນ ວີ ດີ ເຮ. ພັ Kuge, ຮຽຍ ກິກີວາ. ຮ່ວວ ກະ ງລຸຄຸ ກໍ ແພຍຊີ mila dener Loulus outo 8 to their, other out oir o दिनि में में हे कि व्यासी कार्य के यह दी में विस् के प्रति है कि देशहर ion o, n noinouto, adda ti av ou moinous vaciouto. Tel minein

है हैं हैंग, हैंगा, का केंद्र मीर्थ वेसहमारीयड़ पहरहर्भ मारहर, हेंग्रे में quodam i Paner Louis ( woa wear an Lan a. n) o Kugo ze ovor Vet. ού πνα σωπή κατεδάκευσεν, έπειτα ή ερθέρξατο, άλλ' οπ ωρ δίι, ω γιωαι, έχει το καλλιστι τέι. Ο νικών PP TETERSUTHUS. OU de Racero Tois j' commoques quitor τις σορ' εμι (σορίο ή Γωβρύας και ο Γαθά τας σοwind hand noomen ceegutes) exerte of, esh, in on ी में बेरेरे बेंगा कि हत्या, बेरेरे में में एग्नेयव मार्रेटों worm agins hull, is consonying. ) with son eixos मिनि बेंग्र ने के. प्रयों कर है, हिका, है है हैशाय है है का, बेर्र γώ σε η σωρεοσύνης ένεκα η σάσης άξετής η τάλλος गर्भाण्य, भे ज्युड्मां क्या विडाइ केंग्रामा जड विष्या केंग्र के कि אוני עטיטי, בסח, לוואשסטי שפינ פיחים צבו לפנה ונושום בou. By il Havsera einer, anna Sapper, son, a Kufe, & μίσε κού μω करुड़े δυτινα βέλομαι αρικώς. δ με δ ή του-

m eimir anne, nares leigar this to guraina eis ave

15.

2000

9:1

In .

1950

7. 0

Tiep

2 2

è T

MA TO

i w

des.

अ तार्थ ?

igal: A e

0075

yous .

mot ?

مراس جان

thins of me

Nev ?

ner o

19.

मध्या अभे व

'ns

Exx!

के जाता के जाता

Segs σες ίτο, κ) τ ανθες, σίαν γυναίνα καταλιπών έπες όψοιτο.

17.

0x4U20a-

rievn.

17. "H ב שניו דוש של בעו בעור באו בא למפני מידיקויםן, τως αν, έρη, τόν θε έγω όδυ ζωμαι ώς βέλομοι. τη ή το. oğ सँ मह कें वृष्टीर्धसण, श्रे देमहं माईहण को न में, देम सर्विण के का שבות אולי בו מו שני שני דב אן ד מישלפש ביו ביו ועמדים. וון ב. Фоे़ माठ्ये में श्रेड महर्ण हत्य धारे महालेंग में एक, हेम की बेर्डिंग कार्य हैं। χαλεπαίι ες εω εας εκάθητε κλαίετα. ή Β, ακινάκην π. रवा " क्या विकास विकास मा, करवेती हा दिया मीयो, में देता नेसे हिंदी त्ये द्रहृश्य वह बंगीहरेड, में ह्यामंड महक्रियां बेमह रेगामहा. हेरी िक्ठेड येग्ठर क्रक्रा ह्यार्च पड में किटाइम केर पत्ति ए वेया देखा के Πάνθεια επέςελλεν. ο ή ΚυρΦ, ώς hotela το έρρη τις Junalkos, cuthageis, is tou si to Suratto Condition of o cousing identes to ye for whor, reis outes, and due-एका भने महाएका नका वे साम्बेसवा, ज्ञानक वेत्रीकर ) है ता है दिला है। को-TEN ESHKOTES. IN vui To univa uexel To tui To chem મક્ત્રાહેલું તેક્ષ્ક ? મું લેમાં મિ તમે તેમલ કાંત્રમ, તર તેમની હો મોના γυναικός όπης γεάρθαι φασί τα όνοματα, Σύρια γείνματα κάτω ή εί) मुझंद λεγεσα 5/1 λας, κή ζπηργερούμ \* ΣΚΗΠΤΟΥ'XΩΝ & ή Κυς , ως έπλησίασε τω σά-Ser, ajadeis Te The Juvaina & nathoguegalo daise में TE TOU IL in this some we And in we To go tev क av Tul की א אמי, אן דם עווועם ימון עין אל בא באנים או, מין ספסוי.

36. garg -

18.

18. En j TETE gana (ovtes of Kages nat Teligrents TESS ANNIVES, ATE TAS OINHOUSE EXOUTES ON EXUESTS AT eines, Ératten Etteral Suto Ton huegu. & de Kiel वर्ण के प्रशिक्ष देश दिवह मिल या द्रवाये दे का का में महादे , के में μή σει το μημων ερεί των το τείχη. Καδ έστον δε απόρα Hispolus, no randa un a regua us Stinguer, no tain di ευχαειν, σεμπει όπι των Kaciar, εράπυμα θει και Κίλικες ή κύπειοι σάιυ σερθύμως αυτώ απερ TEUTAN. ON EVERZ & S' EMELINE MONTOTE HEET IN CATES. The ste Kir hav ste Kuteier, and near cute and empieres Bankovovtes' Soquor phitos exalectes, and secretus, omore d'ectro, emi y sexxeu au rois. o de Kade. o. O - वे ३० ४ के इल्लेस्थ्याव लेले की प्रे Kaciar में रेड, हो वेर बंग्रद्वाहरूण मी रिक्का म्यानिका कर्ड़ वर्ण म्हेंग, इन्नामा भारत में अर्था संद तथ तस्त्रा ट्रंग प्रवाल की वंगान्यनविश्वाण. 6 5 Kaskon कि कलेंद्र वेपरवर्षहर न्यांन्य देनदील, निवां महत्ये मह, देवा, रेड्रेस महम्ह केंग्रामहत्वाड डायर्रह्मात रेड Sill .

ig

.

1

SE 2 180

oi l

i-

4

165

u-

THE .

1.

की स

735

3-

भूते हिस भूते हिस

14.

69. H (1

123

18-

27

1755

701.

3.2

L's TE EIN SEID TES ENCUTIES, CINES OQUES MOUNTES, es ों हित्स प्रति के टेक्स महत्त्वं र दे तत ह्यू महर्ण । की दे दे दे मां। इ. मुद्रों में हैं हि अधिकेंद्र. के नहीं अधि Kagas outses adonas म अधिकी मंद्र नवे परांत्रा पट्यंद में देन बीव में पर सर्वा Περσών, αντίς ή ομόσαι θέλειν ο δόλως ίξεαι είς τὰ τεί-म हें स्त वेशवरेल की रिश्वारिका नवाम ह मार्गिका, वेपक्-महाद रे में व देशव देशवाद्देश । एसाच कार्य में में का मां को मीं के שידו מידו מוסוא מסדו בין דע דו או או שמף אשלפ דע ביני कार वाक्राई का v. dua de Th husea na Se (out) कि हाड़ LUETON OUD THE SECTION, ENCINEURS SHATE ON 780 6 THE KOLdes. of de idontes aninkes, in Sedny, vouicovtes Uz-कारा जि वंग्रा महता. व महिला में बर्ड हरा कि देशह द नावरि, pavair, à "Ars per, à mora asonas eis seux eis ra rei-મુ थे हेर वंत्रवर्क की अध्याधिक. होत्रह है के वेत्रवर्क वंत्रव πες υων, νομίζω όπι κακώ είπληλυθίναι Καρών ην A ผ่าที่เกิบ บันโท พอเท็จพอ หล่า อัสอสภายลง อัดาล (ออีน อัน-อาระอาร ชนอ วูโบรี, ขอนเป็น บันเรา ะส ล้าลอิล สมเดียละ 1 w 3 26 में हुन के मार्ट के में महिलार हुन मार्गित कर व्याप्त - 36. 1 m है। Mis OININGS, हे दूर्व (कियां पर तथा पूर्ण वर्ड केंद्र. टीर विषया हुने. η τέκνα κὸ λαμθάνειν τους αλλήλων. Νν δε παςς του-πάθικεν τις επιχειεμές τέτοις Κύξες τε κὸ ήμεςς πολέ-मार्थेंग प्रद्यों है को ठेकी महत्विव्यव्यक्षण कर्म केर्रामिष्ड, यहaj j oi socot sesa consnor. socras de notivi jour sipuins วี มู อบรออธานาร ซล่งาน ซาลิน ที่ย. อง ปิธิ ชล์ขอ ที่ของ में माहन संयुक्त, हेहकारी पहड़ है। मा इह्यार्थेड़ के कार्य में कितार में प्रकार कर ωχαινιμάτων. ό δε Καδέσι Ε άπεκει αξο ότι καὶ τη δέτζα το ωκεινιέχει άλλαχότε χερωζ εξαπό η άμα ταῦτα λέ μεχ. Αν άπηρε το εράτευμα, φεκεκε εν ταῖς άκραις καταλι-ών οἱ η Κάζες ἰκέτευον μένειν αὐτόν ἐπεὶ δί κα ήθε-Mr \* Emendas mess & Kuest, Sebuspos mejudas Kadá- 35. meste-ณา รอุโท ธอารูล์ สโม. 19. 0 5 Kue के रहर वेसाइयोग सल " इंग्रेलांका, इर्थ- 19. πυμα άροντα όπι Φευρίαν των " ωθεί Ελλήσσοντου. ε- 3ε. επί. Η δί πλεν ο Καδέπ & , μετά χειν αυτον επέλωσεν ή πες शिल्यंकार कल्लां प्रहीर, ठॅमकड एवं तेराण कर्स रेगाणि नहीं भिल्यंη, ακέσαντες άλλο ετάτευμα σεσπόν. οι μέν έν induces of om BandAn oingures, mende d'extre de equ

धन्दुर्व द्वार o ळड्ड संड प्रदेश नवे उद्दिश हिक्टि वेड्ड μι शिंड्र केर. द्वारोग है दे क्वार क्रिड्स , में इस्कार पंसार है जा Kig कि स्तार र

36 NO10

μ

ξ

B

20

00

34

St. TO

200

No

Me s

ça

No 870

17/7

Ms, Pr,

EXC

ci 7

SEV,

43

end

July

e jude

चित्र रेजस

700 G

4 150

17/17

70 a

Pelus

γέλλοι. δ ή τη Φρυρών βασιλεύς σαρεσκολάζετο μ कर मन मेर्ड कर नवे देश धारवे में ह कला की थिए कि, में क वर्षण प्रशास इंत्रका हम हो है विद्यागि वाहि को चम्राक्रा, में देशामि हैं। DETO, TEX de The eis xeleas in Sov Tracoma con Ti Kule Sixy. भे हे पड़्यं का वह सव त्या मार्थ में त्यांड बेंस हुवाड़ दिल्ला है History ogregis, annes a jur (wi rois saute ni o sujin TOUNES it Treas x, TEATASTAS. O 3 KUP & TESTENE Kade जंक, रायमाहियात करेंड़ "Tsa' कारिय करें भीर के Ac phis किए 2 कें नवे उठहेरहत (w मांड ठमोठाड़ केंन्स, मारे में ठमें मा. μεσαντας πελεμείν, τε των άφελομβύες του Ισπες κα प्य ठामेक, जव्हार्र देश है द्रशमां कर्माया सहस्रहा हमार्थेक sne u d'i mur 'emoise.

20. xlii.

20. Kuess de we mato en Ede sewr, ogregir wie \* 70 ος. Πεςσι- ζωο καταλιπών ποιλιώ εν Σάς δεσι, Κερίσον δε έχοι, बंद्रका ने महामें बंद वं दार्वहें वह महिमा भी महा महीव महा अ mator ine de no Kegio & reveaunte a Exavanción Soa en Enden fir the duagn, no did'es to Kugo the year ματα, είπε, παυτα, έφη, έχων, ω Κύρε, είση πο π हे कि के कार मिर्टिश प्राप्त के बेंगुला, में गरेंग क्षार्थ. में ठे Kup कि है है। ξεν, αλλά ου αξύ καλώς ποιείς, ω Κροίσε, προγούν देलागृह मीरा का बहुरा नये अनुनिवकत्व वर्ष तहत में देशका का तो बहुती होता. केंद्र में मा में स्प्रेड प्रेंगा, नवे हिला की स्प्रेड प्राणी. में वेषक गयणम्य त्रेष्ट्रावण देनीवार नये पृत्वामायम्य नवीड द्रातवाड प्रवा नीड खेरू ४ काए, व माध्य बार्ट संह मार्थ किया एक मार्थ के यह कार के मार्थ ट्यारी विशेषण, \* संयह हिं। में हिं में Aud केंग्र हैंड हिंग हैं हैं मत्रेरे रेजना (व्राह्मण्ड में विनर्गाड में किनावाड में व दुरायम, में कर्मा Vet. 1110- कलार्थाएड प्रवासिंग 0, म क्रमण थानक प्रवासिंग, महत्त्वा ( wi reis ontois, ge ge soon a racisos entherass with LIEV INTES auth wufedune Megaus Tois mpairois ous es-TEUTauevois, Ta j oma katekause. spendonas j ka าธายง ทั้งส่วนสอยง อังถุงาณร อากาสน. ม เพล่งในรู วี หาง ส่ ontes of workelow footheror operdovar ivaguale un אפדמי, עסעולשע דפדם דם פהאסע \* לצאומש דפפטע בו). מש usy 20 anny Sunauer mana bir svoa igugus a gener विष्यानिक म्या मार्थित हैं वा ए विषय है वा मार्थ हिन वा व कवारा उक्राविशामा प्रसासिक कवार केरियड केरिक किरी சயி சிகிவத விழ ஆயக்குவது.

32. Janiun tutov.

टर वह रेश

anodam

Dique.

21. Hejwy 3 tw em Baburare, untegelat μέν Φεύρας του όπι τη μεγάλη Φευρία, κατεπέψετ Si Kaw rasonus, imozeneiss si imomoan 'Acolina

Ey.

í-

68

75

ây

18.

(0.

·ve

XOL

नेगर-

77.

47,

111

606 ju-

79

έλς.

oùv' Stol

Tua.

2016

nis

weg

ZYTU

ELSO.

7क्षात्रे 500

K.

3 4

e us own

SYRU

2.9 0

date

128 Cist

• Zwalos 3 200 warmer Terwe Hegow it immed & 18. 35 6μπον η τετρακισμυείες, πολλές ή ίσπες ην αίχμαλώ- πλησε. πον κο σάσι τοις συμμάχοις διέδωκε κο σε ος Βαθυλώνα άρίκετο \* παμπολλες με ίπετε α χων, παμπόλλες ή το- χε. μάλαξότας η ακοντικάς, σφενθυνήτας ή αναείθμες. έπει ή σεες πολλές Babun ลังเทง 6 Kugos. ซึ่ยเรรพระ นั ซลัง To รอสารบนล ซึ่งเ ל שטאוי, צדמותם שותי שבוחא ששיב ל שטאוי סעו דסוֹג סנλοις τε κ) όπικαιείοις του συμμάχων έπει ή κατεθεά-व्यान त्ये त्रांत्रक, बंगवंत्रकार कव्यक्तारी वंत्वीन में इत्यावर वेगले 3 θα μελλοιεν αυτώ οπότε απάροι το spareuna. κατα-Staplevois 28, Eon, autois são to teixes adenis es óxes છી મં વર્ષત્રવર્ષ્ટ્ર. મું કર્કેષ ડેન્ના માત્રક માં ક જ્યાર કેસ્લા. જેલો જુલે ફ πλυ τείχος χυχλεμένες ανάγκη δίν επ' όλίχον το βάθος γωρς \* τ φάλαγ [a. ἀκέσας εν ὁ Κυρος ταυτα, κάς χτι χ. τ φάμίπν τ αυτέ ςραπάς σύν τοις ωθεί αυτόν, σαρήγ [Ελεν λαγ ] . in the angu exategoder too ontitue avantioned as the canay a amerou mapo, to esnuos to spateu malo, eus Spoils Exatego Der to a negr nad' Eautor x x7 to usor. ininovo, on Sind door to Bados proposior of t'amovπε, ώσαύτως θαρραλεώτεροι. ευθύς το οι μθύοντες αύτη, τους τοίς πελεμίοις ερίγνον οι έπει ή περδομένοι ยนสาร์เพาะง อบที่เปลง าน สัมอุด, รัสทอ เลยอร์ ารอยา หลางานรงงา 11 TE a TE ANAUS OTES, Sa Too Epage SEV, OI T' Epage Dev, Sla Tis omder wesogessouneres. availuy desons ते अत्य माड क्येंत्रवर् ि, वेंग्वर् मा नहेड क्विन्ड वेंशेड्ड ही ή τὸς τελουταίες, ον μότω δε τὸς κακίς ες τετάχθαι ή Α ετως έχεσα τάξις ης περς το μάχεις εδοκειου παρ-म्मिलेवीर, में कलेंड के पम क्रिंग्सर. मवा है। किनासह है मना है। γυμινήται δι పπό την κεράτων αἰεί έγ σύτεσην ερίγκοι ο τέ ερχνίο τοσέτω όσω ή φάλας ξ \* βαθυτέρα ερίγνείο χ. βραθε-εναθιπλυμένη. επεί δε έτω ζυνεστειξάθησαν, απήεσαν τέρα κο कि μεν उद्दारण्ला का विश्वा अले कि मल्रुड़, टेलो किंग्रिस हिल्ली हिल्ली ίπει ή έξω βελών εγγύοντο, εραφέντες. η το μέν ωρώο ο τον ολίτα βώματα ποροιόν θες μετεβάλλοντο όλι άσείδα, ή ισωτο σερς το τείχ Ο βλέπον ες. όσω δέ σερσωτέςω ίγίγονδο; τοσώδε μανώτερον μετεθάλλοντο. έπεὶ ή ἐν का वेजक्वर्रों हे र्रिश्यम हो, हुए संस्था बेमार्गिड़ हैंड एड टेमा क्यांड mluais e prior 70.

22. Emil

iun.

357.

23.

20. 50077

author cy

Cu

101

ou;

200

200

ús.

Ku

a yo

185

757

70 8

cué:

TOLL M

The.

TOL?

725

r wil Dis

20 w 78

loi .

יונא

110

α,

tr,

25 0

700

532

27.7

717

SE d

42

25

602.48

22. Έπεὶ ή κατεςρατοπεδεύσαντο, ζυνεκάλεσεν ὁ Κΰ. 22. go Tou banaueiss, n' Exeger, "Arspes or unage, Te Sτάμθα μόρι κύκλω τ σόλιν έρω δε όπως μέν αν πε שנואו צ דשו ושעופט אי ט וואם ספס עם ציטעוט באסו ביצ ενος αν μοι δοκώ ότω ή πλείονες ενθρωποι έν τη σόλα

ειοίν, επέπες & μάχοντω εξίοντες, ποσετώ αν Saffor λιμφαίτου ηγεμαι αλώναι ει μή πνα εν άλλον πόπη हें द्रहार रेहे द्रासा, पर्वप् कार्राव्या महिंद कामा है। को बेंग्वीया.

रे o Xeuravius स मार, o j माठाय mos, हिमा, देश ह डीवे गर्ड-जार मांड कि hew: pei, क्रिये कि है हुए के संवर में कि ली

Sa; vai μα Δί, έρη, ὁ Γωβρύας; κ, βάθος γε ώς εδ

केंग र्रिंव केंगरी हर वे हेम्हि टेमों में हेम्हि हरामक र में परिवास किंह्रशहर लेस पर मान्या है मा शिक्ति हिंदा हिंदा में कर्णा

i rois reizen. no Kug Taw ru who, son w Kensarm,

Ewith goa steil o gi & y neces at gmanere grane tener. μένες ο χεν ως τά χεα το μέρ + έκας ε υ ωλ δουθει

26. Exastr नवं क्रिश कंड मो बाग नवं नीय है हिंदी गर्य नीय, नाकड़ तार्व मून. SON NEW AN CONGRON SEOI. 8 LO 21 KIND GIAMERIN.

σας πεί το τείχω, δπολιπών όσον πύρσεπ μεγάλοις

केमारे पर मारायाह, विश्व विषय है। अहम भी है। अहम पर परि १ है। भी esv Sopresedn, if the she die decasor mees course, if

कट गर प्री मा देर है हमां नहीं मह महान के प्रवर्त वेता है।

उद्मारमार्क्क हे महारा में क्रमा रे हार्का के में महाराज्य है।

में किर्देश के प्राप्त कि कर्मित्र में उन्हें की करियोग में

Polvines 200 Biens ave nugravous, waves of ovol of nav-

SHALOL) TETES A' COTETIDE TETE EVERO OTTOS OTHERIST

colkot modiograficer a garada Contin, wis ei ni diagni-

2010 " मार्ग्यालेड होड़ मीक मर्वि हुए मार्ग के ए हे रे रहे मार्ग्डिं!

μος επχυ- ανίση ή η άλλυς πελλύς πύργυς δπί τ άμβολά! Ο γίς,

असे संद में किया काम संदय क्राये समाहाय सा. को प्रों की मार्ग दर्मा-

sv oi j en to teizer natezenov the modification of &.

38. μάλλον 200 τες τα επιτήθεια πλέον η είκοσιν έξευ. ακέσας θέ

τέπων κα. του τα ο Κύρ 🕒 ,το εράτευμα κατένειμε είς δώδεια μίζη

ώς μίωτα το ενισυτό έκας το μές Ο ευλάξον. οίδ'

χ. Λυθοί. αν βαθυλώνιοι, ακέσαντις του τα, πολύ έπ · μάλλον

κατεγέλων, εννοκωθύοι εἰ σοᾶς Φρύρες κὸ \* Λυκίει καὶ

Aegelioi ng Kawadonas quadgoier, & colon eventer

क वंग नवड टेंग क्रीम इन्हें हुए हैं हैं में मिहु जबहर में के क्री में क्रिक्ट में में

วที่ Babu. อุระคบานผู้อเลือน. 23. O 3 Kug , દેમલાઈ મેં દેવલાના જાયાં જાયાં માટા માટા AQVS NY.

.

-

15

1,

2-

47 j. n.

are |

13-

3335

1994

i oi tdV-1154 acu-

17.078

Curave ที่หรารท รับ, อง ที่ หล่งของ Baburavios อักโลย ช่อง γύκτα πίνεπ κὸ καιμάζεσιν, εν τούτη έπειδή τάχισα συνεσχότασε λαδών πολιές αι βρύπες, ανεςόμασε τας मांदृष्ड मांद्र कल्ड मेंग मानामार्थण. कंद्र है मेंड क हेर्रिंड मान करें है कि हु भूगे नवेड नवे कुछ इंड इंड हुस देश नमें राममां. में हैं की वे मह πίλεως τη ποταμη όδες πορευπμ Φ ανθρώποις εχιγνεπ. ם לי דע של מש מסדענוצ צדשה במכנסטובדם, משמחוקטיח שבי ב κύρ Πέρσαις χλιάρχοις κό πεζών κό ιππέων, είς δίο के कारण प्राप्त कि कार्य कि कारण कि कारण कर की के में אני שון עם אני אבד צפטי דצדשי בדר של או דובף שנים שבי माया मार्थिहर है। मिर्ने की कार्मिट हैं है अ स्वावि दिवाद संद मा देमवर्ग में मान स्वाप कि रेजा मही से महिंद में मि महिंद, देश्रिकेण कर्मिकार में महिल्यम् स्था में देशका नह महन्त माप्र हम ने हैं बेमार् निर्मा का मार्टिंग ति है। देश मार्टिंग δή συγκαλέσας τεύ ήγεμοιας την πεζών κή την ίππεων, τως τοιάδε. "Ανδρες φίλοι, ὁ μβο ποπαμός ήμεν γς. τάδε παρακεχώς ημε της είς των πόλιν όδε ήμες δε Βαρράν-मह संग्रंथार संच्या, देगर्वश्मीरा वित्त हता हेके हैं एक महिली-ที่เมือ, อนคังอย์ ค่อง ซีร ที่นคร น้ำ อบนุนส์ 285 ซอร์ร ยลม-गाँड इंश्रायड, के देश हा १० वं त्या विश्व के गांप वा त्या है, में κωπισμένες κή συν τεταγμώνες ενικο μέν. των δί επ' ωπού \* Ιωμίν εν ω πολλοί μέν αὐτίν κα θεύθεσι, πολ-γε. εκμίν ાં ને લાંગુન પાસ્ત્રાંકન, મર્લમાદ, ઈદે લેંદળાં મ્લમમાં લંગા. ઉત્તરમ ν αλων ) ή μας ένθον έντας, πολύ αν έπ μαλλον ή μα άχεθοι έσον), έωδ τε διαπεπληχθω. εἰ δέ τις τετο υσεπω δ δη λέγε) φοβερέν εθ τοίς εἰς πόλιν εἰσιο, μη δεί τοι τέχη αναβάντες βάλωσιν ένθεν κένγες. Τι, τέπο μαίλισα Δαρρείτε. ἢν ηδ αναδασίν εντεν ης εντες. Τι, τέπο μαίλισα Δαρρείτε. ἢν ηδ αναδασίν πνες όπλ γες. τι οἰκίας, εχρικο σύμιαχον Θεδν "Ηραισον" εὐφλεκτα επί τι περότος αυτήρ, φοίνικο μελι αι πύραι πεποιημερίαι. Εξί τι περότος αυτήρος, ἢ ταχὸ πολύ πύρ τέξε), πολλιω μέτι πίπαν κὸ συππείον, ἢ ταχὸ πολύ πύρ τέξε), πολλιω μέτι πίπαν κὸ συππείον, ἢ ταχὸ πολύ πύρ τέξε), πολλιω μέτι πίπαν κὸ συππείον, ἢ ταχὸ πολο πολο τοῦς δικαδιο πολλιω ολόγα τοῦς καὶ ανάγκιω εἰ) ἢ φούγειν ταχὸ τεκό κπό την ποικοί καὶ καὶ δὲ ἐρὰ σωὶ τοῦς Θεοῖς. ὑμεῖς δ' ἔφη, ὧ Γαθά
ει καὶ μαι δὲ ἐρὰ σωὶ τοῦς Θεοῖς. ὑμεῖς δ' ἔφη, ὧ Γαθά
ει καὶ μαι δὲ ἐρὰ σωὶ τοῦς Θεοῖς. ὑμεῖς δ' ἔφη, ὧ Γαθάbuilor 'à l'acqua, Seinvote ras odes ise paje. oran se τις γρώ ώθα. των ταχίς ων άγετε όπι τα βαπλεια. κ. Fort. είω u, koaf or appi vor Tospiar, skir av ein Jav- as er nu-Er Bay कि में में बर्मासता के तर्भिता के कि किवनमां के देर मुक्

KEUW

To go di

50 12

ud Co

w.

ace

No.

in

SAM

in X

120

£ 70

175

W 0

wi w

ر نو

WTO

200

ROLL 27.

(elete

KNW !

w.

144.

κώμω & δοκει ή πόλις τάσα ε) τηθε τη νυκή. ουλακή μίντοι τος τω πυλών εντευξομίθα. ές πό αι εί πταγωίνη. sk av auereiv Seos, Egn o Kugo, ant ievas, iva am. ρασιούες ώς μάλισα λάβωμθυ του άνδρας. έπει ή πώπ ερρήθη, επορεύοντο. Τ΄ ή άπαν τον των οι με άπεθνησκον παιémbros, of d' Epot por waker eion. of d' Ecour. of d' auci τ Γωθρύαν συνεδόων αυτοις, ώς κωμασαί όντες κ' αυπί. x lovres in educarro rayea on rois Bankeiois explora. κό οι με σων τω Γωβρύα κ Γαθάτα τεταγιδόοι κικλις. μένας ευρίσκεσι τας σύλας το βασιλείε οι δι δη το φυλακας ταχ और τες επ κατίπεσν αυτίς πνεσι σες οξ πολύ, χ ευθύς ώς πολέμιοι έχεωντο αύτοις. ώς ή κου κελούσω ] 🔾 उर βασιλέως σκέλα δαί π ет το πράγμα, on Jeson Tives avoicantes Tas This Aug.

24. जी ४ण. wwor.

24. Οι δι' άμφὶ τον Γαδάταν ώς είδον πές πίλας χε दं म Hami- γαλώσας, \* Haminason, κ) τοίς σάλιν φούγεσην είτω έρε· πορωροι κη παίοντες αφικνών) πείς τον βασιλέα, κη ide 29. avaoa- Esnecta autor ni \* eavaqueror or elzer anivantu evelansσι κ τέτον μεθ όι σιώ Γαθάτα κ Γαθεύα πολοί ι วุสคุธยาว. น ดีเ (เม่ อมาล์ วิ ลาร์ วิททอนอง, ด เมื่อ, สอุร์ สมัง μβρός π, δ ή, φεύρων, δ δέ γε, κ) αμυνομέρ ότο ελύvato. o हे Kug of demente ra's की किमरिक्ष माईसा है उत्ते दे वह में किल्लामा है किल है कि प्रवादि मंगार में प्रवाद में प्रस्म, उस्ते वी' देम स्वांद o'iniais समर्थ मीसम सक्ते Euers जीना whise know which is is no is a nodein, on July outo. is it d' त्यांत्र हतांहर.

25.

25. Tadatus j n Twegias nnov n Oers whi asi TOV TO COTERUTE OT TETT MEN เป็นโดย ที่ รียง บับ เป็นการ हें जनाय है Kugs सवन्दर्श में प्रसंहत में कर्निया, चामे रिवाह्म १० पर दे बाब मबहुबे में टेम्प्टूबार क्रिक्श हें मार्थ है εχώετο, η η δοντο όι τας ακρας έχοντες έπλωκιμάν τ τω πόλιν κή τ βαπλέα τεθνηκότα, ωραδοβαπή π angas. o de Kugo ras phi angas eudis majeraja Cave, में क्षिड्यंश्रवड नह में क्षिहेंड कंड नवर्गवड वेर्धम्मम วรู. สเทียง ซุลร์ วิ ระวิขทนอาณร วิสาโลย \* ออุทินธ ซอเร ของสมบท. ชา Se κήςυκας κηρύπειν επέλουσεν αποφέρειν πάντας τ όπλα Βαθυλωνίες όπε θε λειοθήσοιτο όπλα εν οικίς क्रिकार्यहर्क्या केंद्र कर्या पड़ है। देंग केंग ने विषय केंग्र केंग्र केंग्र केंग्र केंग्र केंग्र केंग्र केंग्र रेंग बंग देवह egy' के में Kug कि नाएं ना महिल संद ना द वंश हुत है 2331

## ΚΥΡΟΥ ΠΑΙΔ. βιέλ. ζ.

मं अक्षा, कंड होंग है न नाय होंग महाहे र्रह्म है के कि म्यांने देनाई कर्म भी . कर्क निष् में करें प्रायं मु इह भी देन कड़ केंद्र कीqualite of moleus sons, ango Sivia Tois Ocois is Teulin inéradorer des reir on tete de no oinias destide no ale-אָב דערסון צמשבן אסוישיבה ביסעונ בילו אמדמדה שפוץ עוב-TOV. इस रीहरसार्य देवाहर हे रहित उपर नवे महन्त्राह्य नवाइ वेही-5015. से र्रेड गाड ठाँगी एसंग्र देखा, रीविंग्रस्य क्लुगांगित windor. weren di, Babunaries in the plu eggal ed, ें को विक्रायेंड अंक्ट्रेड्सिंग, में अहत्वार्यसम् महमाइ वीर इस्वड्टा कांगी हे किना व . पहिल्वा ने में उठा मा माम महाम थड़, में मी का प्रμάχον έσει μιρίου κρ νο σας αυτώ, ώς δεασότας ών έλα-Cor meenzopeve diaxered.

20

1

ú.

15.

84

200

an.

68,

ua,

has

è08.

MPR

1078

si i-

αλό-

¿ 60'

15 XJ S. X. ZI

जिनाइयः

1270

OF W

2017/2 TON.

ทุนร์อ

4017

1 14 74

क्ष्रयंत

675 UT

BN. 761

प्राथ र

y ciniq

16. Ex 8 7878 cm วิบนที่ 6 Kug ⊕ ที่ง เ หลานอน daαθου κὸ αὐτὸς ώς βασιλεί ήγειτο σρέπειν, έδοξεν αὐ-ที่ ซึ่งขอ บาท ซึ่ง บุเลอง วงต์บุทุ พอเทิงน, ผั้ง อักห์นาa dremosovos oravios te no oravos cavein. Es ev индарато тото dua Th huesd ट्यंड ठमा हिंदा ट्याπίδιου έθ, σερτεδέχετο του βελόμθρου λέχειν π, και άmenighed intremer. it d'ar pource, is Egrarde न क्लुन र्रेड्यान, निर्ण बंधन्या को क्रमां के स्था के τερβών πεεί το σεστελθάν, μηχανή τε πελλή και שביאו איי. בין של ישווק בדמו שני אולטו מידם לו מצפוע מדבי, \* שפים שפיסינים בי τίεται. όπότε δέ τις κή της φίνων διασαμέρι τον ο Steph. χλον σευρανείη, σεο τείνων ὁ Κῦς Φ τω χείες σεο ή-επ αίτου, και έτως έλεγω, "Ανδρες φίλοι, περιμέετε εως τον έχλον διωσωμεθα, έπειτα δε κεθ' επιχίο πη Γενησόμε θα. όι μορό διὶ σίλοι πεειέμονος, ό δι

γλΟ σλείων και σλείων επέρρει, \* έως σαρέοθασεν 28. ώς ξ. wica stoophin welv rois pinois autiv gonatra is our - 4 Sa Fiv. μέδαι. Έτω ή ὁ Κῦς Φ λέχει. ἄρα, ἔρη, ἄ "Ανδιες, μέδαι ετω ή ὁ Κῦς Φ λέχει. ἄρα, ἔρη, ἄ "Ανδιες, α γας έγω βέλομαι ύμιν π διαλεχθίωσι. ακέσαντες ωπα δι φίλοι, άσμενοι άχεντο Σποθέοντες. δίκω δενιότες \* ύσο σάντων τη άναγκοίων. η πίτε μβο ετως al. Sad י פור וועונה

27. Th of vistegia o por Kug कि का कि में को के (veisv. αν βρώπων δε πελύ σελείον σε ηθ Ο περικείκει ιλωμβρίων σερστέναι, κ) πολύ σείτερον ή όι σίλοι σαρήan o so Kugo meeisnod who Al Eustobear Megravo אוי עצומי, פודה แหระงด สนอเยงน ที่ ชอง จุโลย Te หา

લે દૂરા τας τη Περσών τε κ τη συμμίχου, επά ή συνή. Dop autoi, Exeger & Kogo autois Toidse "Arties oi. λοι κό ζύμμαχοι, τοῖς μέν Θεοῖς ἐδὲν ἀν ἔχοιμεν ψέμ--Jada, το μή εχὶ μέχει τε δε πάντα οσα δυχόμε θα καία. πετες χέναι ει μβύτοι τοι έτον έται το μεράλα κεάντι, The pinar evogen Huia, Ezw per zaiper Touthe the esλαιμονίαν κελεύω ανειούσαίε τάς, έφη, & χθες δήπε อีก देखनिय वेह देवियोग्टर वेमरेला की कल्लार्गाका, देम देमहिवाकि weg JEV EATERS. No NON OFG. TE TETES No and NES WHOOM Τυ χέει παρόντων, ώς τράγματα ημίν σαρέζονται. ε έν πς τέτοις υφέξει έαυτον, λογίζομαι μικρον μεν πύμπ heed the heresoneson, mucon de n enoi only thanks ulivor oaços old' on is' enty mor meregay. En d', Eφη, κ άλλο όςω γελοΐον τος Σγμα. έχω γας δίστε ύμι พระ อุธาร คุมกุร อุราสุทยากา. 12 200 3 เมื่อ เราหามกุม गाम्य में डेर्डिंग्य \* ार्डिंग, में हेन्ता कर्यण्यहः हत्ता क्यान्यती बन्धाः voi eide ws, no vixwou vinas oids महा, क्ट्राह्ड् व दिन AOVTEL UMN कवा देश शिक्ष किया दिल्ला का के महीका पह न Tus, et ms m ins d'éciro, De egmetes tipas mi épissol. אצי, איטעבר שפים משטיון. ושנה מי צו בו דוו דו דו ीं त्य क्षेत्र करणा के दे वंदुर्भेंद क्या कर्म साथ वर्णा मारा , व भेवे क्या मारा έν τω μέσω έμαυτόν. όπ τὰ το πολέμε τοι αυτα έχί. χνωσκον όντα ώς μη ύπεείζειν δ'έν τον άξχεντα μήτε το संर्विशया के रिल, µमर के करवें मिसा में में प्रवाहित में कि 3 avantes is en sparing & TONNA crom (or on Se met. Alua macieva vov d' intish o piromovara & mois μ Ο αναπέπαυ ). δεκεί μοι κ ή έμη ψυχη αναπαύποι गणि वहाडिए मानुत्रवंषस्य कंद हैं। हमारे वेमानुहरेणी कि है, म वेप में द्वापा मागळा कर मकरेक है दिया नवं यह मार्थि हित में मार्थ ander we hade des compeneidas, ouplandere Tis 0, T όρα συμφορώτα] ον.

1

2

2

a

71

20

3

ME

70

M4

001

20

58

έχε

tim

èmì

λά

Tiv Man

iven.

nis init

28. 20 de

38-21210-

OL W.

28. 28. KJ

.

1.-

Z. .

17,

U-

78,

wh

Vat

8 mir

800

, 8-

uis

vn

- פעק

E8.

78-

ç pi-

S TI

e year

eyi.

75 70

780

w64.

2018

J'sta's

יעדטי-

ni M

8, 7

auto

ñ xa-

; gais

\$\$ 1.05

SV OU முகிர்.

Ex 171 905 TE

601

οι εσιμίω, η εξεσοιτό μοι δαλέμεται σοι όποσον αν χώνον βελοίμω, κ εκείνα μεν δη επερίχθη ως σε ลีของคัง. นุ ปริ ชัชาง โดนส์งเอเ แล้ง ซตลังอเ, จำลอเท็นเง ίγωντο η μάλα πεινώσι ζυμμάχων, ώσε μόνον έκ εκ τοις αγκάλοις πειεφέρομεν ουτές αγαπώντες. μξ δε τότο, દેπει έαλω το πον έμιον ερατόπεδον, κα οίμαι χολίω ου εξ) άμφ' εμε έχειν και έχω σοι συνεχίγνωπον. Εκ 3 τέτε Τωβρύας ημίν φίλ Φ έγγύετο, κ έγω έχαιρον καί α भार Γαδάτας και \* δη έρρον σε ην μεταλαβείν. έπει 28. η Μο γ μέντοι κ Σάκου κ Καδέστοι σύμμαχοι έγεγούντο, θε-दिमहर्गता संगठितका देवीस महत्रहा है प्रवेह हमा जह देवेहदूरं म dov. εμά εν δο νωρό, νεμηθημού νεθνέ νικέτ νε αμφ ίσπες έχοντα, άμφ' άξιματα, άμφὶ μηχανάς, ηγεμίω, देतले अंति नहाम पुरुष्याचार, त्रांड जह में बेमके हमहे हर्द्रा १९ιωί. ως γε μεντοι πλθεν ή δεινή αγξελία, το σάντας ανθρώπες εφ ημάς συλεμθαι, εχιχνωσκον οπ ταστα μέuga sin ei j radra nanws guoiro, su non idonen eideva on workin Ecotto ap Jovia The Eune ig i one ouverias. κίνον δη νενικηκαμέν τε τω μεγάλω μάχω, κ Σάςdus ni Kegioov wooxelewov Exousv, ni Bacunava nginaμει, ή \* σάντας καθες εμιμεδα. κ) μα + Μίθεων έρω χ. πάντα. Tol Exes, et un workois de mintaloa, en av on Estudμω σεσελθεν επεί γε μένοι \* Τζιδωσω με κο παρά αλ. εδεξιώou saindous never in the se Exertos in, on po or doilos ou. Barolos Sinuegolov. vov Ev, et usv Escy mi omos et anesse azioi jegunuevoi wasisov os nego pedegonev, 20 %. ooi. हरस. स र् हे μι) कर्वभाग वर्षे हेन्से हेरे हेर के मचहत वह उद्वित्रहेरिका बंगांग्या नवंग्रवा वंगार्व वह करिया निर्मी क्या रह बहुआड कार्रथा επ τέτφ έγέλασε μέν ὁ Κύρ Φ, κος άλλοι σολλοί.

29- Χρυσάντας ή άνες ο Πέρσης, κ ελεξεν ω δε, άλλά το μέν πείδεν, α Κδες, Επότως εν τω φανερώ σούπι παράχει δι ά τε αυτός είπει, κή όπ εχ παάς σοι μάλισα ην θεραπαστέον. ημείς μεν γαις κή ημήν αυτήν vena कक्षिप्रण के रहे क्रमी के वेश्वम क्रिया हरीन देश स्था-ที่ร กรุงสะวุ อัสพร อักท์ปีเรณ อบุนสองคัง หู อบงหมงชิบมะบ่อง मार रिट्र राहर पर्य में हेमला है है हिन्स मुर्वेगड प्रवेगड है-केलाद, ले महिएक से स्वाह कि बांगद हेडरियद, है हैरड ठेम खेरडट्रिय है से प्रेरिय Red in andeinois, are noton, Ere cincipreed bar, mic.

μίν, καί σε δοκοίνων πλεονεκτείν; έπει ή Χρυσάνης ταιτα έλεξε, συνηρόρευον αυτώ χτι ται τα πολοί

30. 'Εκ τάτε δη εἰσερχε) εἰς τὰ βασίλεια, τὰ τὰ κ Σάςδιων χείματα ἀνταθος οἱ ἀγοντες ἀπίθουν. ἐπεὶ 3 εἰσηλθεν ὁ Κόρος, προώτον μὶν Εςία ἔθυσεν, ἔπεπα

ος. ε πυα Δίι βαπλεί, κ \* ε πνι ανω Θεω οι μάροι δξηγώνη.
αλλου Θε- πο ήσαι ή ται τα τα ανα είδη ής χετο διοικείν. εγιών

Se में वेटार कर्न् प्राय, उत्त किन स्मार्ट्श पांप वेट्रसा मानि कंग कि के मार , कि काम के देश के कि के कि का कि एड. אוצא שלי סמניווישטי, מגדא ל צדשו באסו מנודש שנ מני חואים μικοτάτη βύοιτο ανεί σόλις. ταντα δη λοριζόμε . φυλακή: πεεί το σωμα κη ή πατο δείδαι. 30%; d' on sta. क्षेत्र वंश्वेतक हैं। वेश्वेतक हैं के विश्व के दे के मार्थ क्षे केश्वरक के प्रशं मा के जिलक, है के किस मांग्या के देन महिला meel கவயம் காது என் Tec க்லவ. வாம்யாக நீ யுள் விய இயக்கிய கூ TE माइकेम विम्डिक करण, विदाद विशेषण एक मेर वर टारेस वह मार देश-रेक्सांड किवारिय. को प्रदेश है। हेर्यामा म्योर्विड में नुप्राचारक ourapuolisous, il mordina Egra ocos Cultura nacial שני שני של אובע סואפיני. דאט ל בעוצ אבנ פרשע שבינידשו דוני नका दहरवार्षका में भेजबार प्रश्नाहर केंग्र कहार को संदर कार्निका टी गाइद रिर्णायर) क अमेर्स ए येशाच्य क्या मेद, में दिना ने में म वंशिष्ठां एक. में मामा कि किया की मार्ग के निष्ठ है है है है १६७४ मा के रिकेट के रे लिए को मांग के मिल में में कि मां की की का कि की SE TETT, वंबीट्ठा ठॅएरटर को टेप्एमेट्टा मवल्ये र्गाड बंधिता क्षेत्रक्षात्वाइ. यो शिव क्षेत्र में कार्वर हेनायस्थ काल्वर किए हैं रिलंड नुद्रोह केंग मिंग ठेजार रेस केंग के निकार राजा देश है एक का देश है पूसा देश मता गो, सं प्रांग वंश ते प्रवासी वा वंस लंडु हु।. रिकार्गा है काइते पात्र के किए प्रथमें किल्लाइस्थम में किए देसमें Α΄ αν μάλ σά τις εἰκθείν αιαν κιδας τὰς ἐυνάχει. γίγ· νεδα·, κι τοτο ἐφαίνετο ἀυπώ. ἐτεκμαίς ετο ζ κ ἐκ τὸ מאאמי לטישי. פח סו דב טלפוקמן ושדסו באדצינויון פיםו ה usu do xvoer z o ceiler am masor), worsuxoi 5 ili אין ובן על שנים ול אוב שנים ביו ביו ביו ביו ביו ביו ביו על אינו עלים क्रिंग्स में बेजलरें। उर्वाहारी, नहें जी निर्वाह में हर्श्वाहिलेंगा בבפו המסע דעב. אל סן אוויפן של שם של דעם דע עבר אתומי πειν τές Λαπότας άποπαύον) έκτεμνόμεναι. φυλάτθαν 3 में लें. जिल्ला के हिए सबसंहर जी उपन पा. में भी कुर बेम जे किया केंग्यां कड़ इंड्रियं इंड्रियं हुई हो हो रे रे रे रे इंड्रियं केंग्रियं केंड्रियं केंग्रियं केंड्रियं केंड्रियं C711 3V 11. 4

ri

uv

1.2

jaa

167

55 0

1707

le B

ess.

च्यः विश्व

ion

ते. इ.स.

(27)

हां हा कि के \*

-

us

NC.

B

74

77. 29

ãy

us.

A 5-

G,

10.0

RIS

TILL

77.-

QU-

u zas

(Sal

78-1,जिला

ना स

देन प्रेंग्यांवड, हे सीमंत्रा वेमहर्भेड्डहां दूर की कल्डड्य aroulfar, ાંની મેંજાંગ માં મળા લો, કે કે મેં જારંગ મ લેમભ્યમદામાં, કે કે મેં જો જો פואס חעסו. אמדמל אואסו ל פוציים אל בי דונה \* הסאבעונוני בפי שסאבי κ) εν τ 3/ εσις οπ έσωζον το φιλονικον εν τ ψυχαίς. τε μοις.

η πει εθ, εν τη εθεςά τη δεαστης μάλιτα βάσανον शिकिन्. केर्रिश्दर के मार्गिष्ट्र है हुक देमहर्गिश्याम देश नवाँद रिट-क्लामार उपायक हमांड की देण हरा. से ी म वहन मांड के σύματ Φ ἰχύ Φ μενέως θοκέπν, ὁ σίθης Φ \* ἄν ἰσοῖ χε. ἀνισοί. τοῦ ἀδενείς ἐν τω σολέμω τοῖς ἰομερῖς. ταῦτα ή γιγ-वित्रका, बेहर्देशिकि केमारे मी उपहुक्ति मार्थम का मारे किंदा ה ונשודה שנום שופשתבטדוופשה, באוואשת דם בנוצצו. האוcault of Ex izentia it) the curante Tauthe weis to #39 Φ τη δυσμενώς εχόντων, επόπει πνας τη άλλων αν προτάτες ωνεί το βασίλειον φύλακας λάβοι. cifics रिंग निंद्र वह कारे वासवा, सन्सादिकार वेन हा किये कर वह निर्दे कर-गंबा, ठीमा गर्था वीव रहे (क्या वड़ ठीवे गोर्क माड अवहमड़ महन-भूगात, में नी वे के वर्ण करिए हैं हो), महमह देशवार प्रविशाह विष ijaπαν τίω σαρ έσυπο δίσιταν. λαμδάνει εν τέτων μυείκς δορυφόρες, οἱ κύκλω μέλ νυκτὸς καὶ ἡμέρας ἐφύλαθου όπι τα βασίλεια, ' όπό τε ξοω ραίσειεν' όπότε θε χε. όπό τε είοι πε, ένθεν κο ένθεν πεταγμένοι επορεύοντο. όπο χώρας 31. Νομίσας δε κο Βαζυλών Φ όλης φύλακας δάν εθ και όποτε τι ε κανές, ετ δησιμινό αὐτος τυ χαιοι, ετ ε χ ἀποδιμίν. 31.

ἐνες μπέςπος κ ἐν Βαζυλώνι φεκεκς ικανές. μιδον δε καὶ
πες τέπις Βαζυλωνίκς ἔταξε παρέχειν, εκλομίν Θ αὐτεκς

κλοις ες ἀμηχανωτάτες εθ, ο πως ὁπταπεινόταποι κ εὐκαθεες ἐν τιπταποι εἰεν. αὐπι μιν δη περὶ αὐτον τε φυλακή καὶ εἰ
εχειν ἱι Βαζυλώνι τότε καταςαθείσα, κ νιῶ ἔπ ετως ἔχεσα

τη δὶ ἱαμένει. σχωπών δ' ο πως ἀν καὶ εί παισα ἀρχεί κατέχοιχεν. εί καὶ ἀλλη ἔπ περετρίγνοιτο, ηγήσα το τρω μιδο έρες

κιν ἐν τος τρις Ελτίν ας τη ὑποκιων ἔθ οσον ἐλότἐν τὶ τος τρις δλαθες ἀνθρας ἐρίγνωσκε συνεκτέον είναι

τοι τε ἱπερ σιω τρίς Θεοίς το κρατείν πιφέρον, κ ὁπως λε μιλ κ. αὐτεὶ
είνει δπως μιωύσωσι τίω τες ἀρετείν πιφέρον, κ ὁπως λε μιλ κ. αὐτεὶ
είνει δπως μιωύσωσι τίω τες ἀρετείν πιφέρον, κ ὁπως δε μιλ κ. αὐτεὶ
είναι ἐπαθειν αὐτεὶς δοκοίη, ἀλλὰ γιόντες κ π αὐτεὶ ταῦ ταῦτα πείναι ἱα ἀρειςεὶ είναι, ετως ἐμμένοιἐν τε καὶ ὁπιμελοῖντο τες ειςα.

Επικό τικος συνέλεξε τες τε ὁμοτίμες κ πάντας ὁπόσει ἐπος εί, αὐκαίραν μεροι ῆσας, κ) π αξιοχρεωτατοι αυτῶ ἐδοκεν κοινωνοι τὰ.

Επικό δρας κ ἀραθείνοι επεὶ δε συνελοτον, ελεξε τοιάδε χε, ὰ εις. וומוציר, הד באים וועוף מנידים דעין צמוסו, הדב צ' מודים לוועוי. θεωτα θε σύνων κὸ άραθών. επεί δε συνᾶλθον, ελεξε τοιάδε ρε. ά 10-της της Ανητες φίλοι καὶ σύμμαχοι; τοῖς μέν Θεοῖς μερίτα χά- λορώτα]οι Dum 4

ยร, อีก รูปอร์ ที่นโบ บางยีง อัง องอุณ์ (อุณาง สัธเอเรี). เพื่ થીએ એ ડો દેરુભીએ મેં મુખિ πολλίω મેં તે a dui, મેં of mes Taw The Egga Coule of Spe LEON inas Exoule Se is oixias, κ) εν ταύταις κατασκευάς. και μηδείς γε ύμη, έχων ταῦτα νομισάτω ἀλλότεια έχειν. νόμος χό εν πάσιν ἀιζράποις αίθιος όξιν, όταν πολεμέντων πόλις αλώ ήν έλος. TWO में) में त्ये ज्यं ध्वास की देश में किंत्र में त्यं द्वां स्वत्य २६. हमही हम • हमहा वंदी ामांव पूर हिंद्द है, ता वेंग ह्रिशाह, वेमोर्च हामवान्त्र. πία έκ αφωρήσε ο πν π αν έατε έχειν αντές το μύπι on 788 & ros ega non on on ei uld 7984 out a on

ραδικερίαν και των του κακών ανθρώπων ηθυπάθημα (ή νομίζεσι το μεν πονείν άθλιωτατον, το ή απόνως βιστώen nouna Jean) τα χο ημας φημι όλιγε αξίες ημίν αυτίς சேசுவ. கவ் கல் கல்சமர கி வுககில் சாழ்க்கிய. இந் का के वेप्रवर्धि वे प्रविधा प्रीय केवा, क्षक वेहम के कर में ने वान-A AV OVT as a yades, no un TIS aute dia TEN O GALLENIT

7(

g Sig

ua on

8 2

αλε

a7=

4730

di

). ,

). š

th ;

ZZ j

1 73

di .

Sai

74

adix.

ται άλλα ώσες κ) αι άλλαι τέχιαι άμεληθείσα μεί-פעם מצומו שושים או דם סמי ממדם ער מנידם בט בציות, on oran me au ra av म om fallegian, movegas कर्माण हैं, क हे रा हो में व्यक्टिवाम हो में है में हिंद हिंद है में बर्ग मा, हम विषय TIS au The din The downors on TETE es the worneld

σάλιν τρέπετου. έκεν δει μέλλειν, έδ' όπι το αυτίκα שנים ב שנים של is megieva autis. μέγα μού τος, οίμαι, έρρον κ, \* π xa TUTTE 9. αιχων καπαπεάξαι, πολύ δι ξη μείζον το λαβονπ

לומסמי של . דם עלני זעיף אמל היי, הסאל מאוק דו דו אנום עם νον ωρασομείω έγβυετο το δε λαδόντα κατέχειν εκίτ रहे का वेगरी क्लि हुन wins, हिं वेगरी हे महत्र महात, है वेगरी माठारे के किम्पूर्व संवद प्रांत्रण्ड नियं के प्रशं प्रात्रण करणाह, मा πολύ μάλλον ἀσκείν τίω ἀρετίω η πείν τάθε πίγαλ सत्तां ज्य की, देंग बांडी के नवार के निवा का में हिंद्य पाड दें शुन, कि म से σοι ης φθονκοι ης δηρεκλούκοι ης πολέμιοι γίρνονται, άλ

λως τε κάν σαρ' ακόντων τα τε κτήματα κ' τίω ઉ महावम, ळळहरू मिलाँड. ह्रिम उठा की हैं। छहरेड वहिलेस ह ow huiv Esedas. & ya's combenciourtes adinos mui έχριων, αλλ' οπιθελάθέντες έτιμως ησάμεδα. το μήτ NO TETO REGITIS OF HUIV autois Degondas sor ten

δα, το βελπονας όντας τη αρχομέτων, αρχείν άξιο Sanas किये हा के निरं का में का कि का का मानी, में किय או ט אים בעם אוו או דבוב לצאסוב עבדם לולטיםו עבדם לולי

उथा हुर प्रश्ना कलानुक्रिया है से एक महाराह कर्व गर हिश्मांग aug

25

4,

wy.

05-

07-

Td.

pa-

inti FS

(0)

Teú-

Tile

zág

1275

chil-

1187

oyra,

£. X4.

त ०७व

meia

itina

j\*π 60νπ

מון מו

8 X ST

avd

es, vui

iyas

गढ़ जो.स

il, an

J 3885

र म्या १९

i pelon 1870 d

à\$18

ig word

108/18 BEATION

कारी क्यांग्रे क्यांग्रे कर माम माड में ट्याडमंत्राह में पर्महामड ज्या मंश्या में विकारक्षेत्र हिस्स्कार वेस " सम्मेज्य की, बेसे" वर्ण अर स्वीवड्रा-לה דצדטוב דפוב מסתווממנו מחלבסעבתדהי, צושישהטידמה סמשל. in ind Decias rativa oppava ni cudatuovias oi Ocoi mis ingrimois बेमहेरीसहिता में बेक्टर पर देशसंगड़ नवें विमेव बेक्ग-र्गापड़ीय, हरकड मियंड कारिंड रेस एमे नी ठिक्रका महर देशनuss मंत्राहळी, ट्रंग कंतिंग्यड ठम मांड बंके क्यू प्रमां म्ल केंग्रेका हैं।, उर्धारा है विस्ति प्राप्त के दिए के कि प्रथमा से कि मा पावणाय देगावस त्या, मं रिमाय मधाए किस्त कि सवस्यम व्यूट्ट वर हिम्मिर्प्राधि, से हैंग रिश्तां सक्ष्माहाम में क्रमार्कामक मर्थे אלידמן אי באון באס וויצו אין מסעצעדמן; באפונס לפ אמדםμιβάν, ότι ποσετώ τα μα λα μαλλον ευφερίνα, εσω αν प्रोप्तेश क्लुक्माण में पाड़ देन था त्ये वे मांगा के न्ये ह कि हा नूर है। μον τοις άρα 3οις. άνα δε το δερωμον τυγχάνειν τιis, isi sow monuteras spandadein av ad' isto மி. ப் சீல் மிழ் முக் பிரக க் அமாம் காசு முக்கா, க் கிகர்-พาทุนโบ ขณาน อบุนพลอุธอนรบลหรบ, พัง คิ ลับ ที่อิเรน ขณ้τα φαίνοι ο, αυτός τις αυτώ ταυτα τρασκουάσει, ο τοι-10 dving roosto masoventhous of endesse we lis, 6-क कसर्गावस नी मेरी द्वार मंत्रकर महादेश तया, में नी ने जब देश Miswo mort amoraios?), n' Sendeis avanaireus, ndiυ αναπαύσεται. ων ένεκα φημι Χήναι κων δηνταθήναι was eis and eaga Hav, onws The aga dan n aleson ήθιςον Σπολαμσωμίζει, κὸ όπως το πάντων χαλεπωτάκαπειοι χριώμθα, ε χό το μη λαξείν τα α χαθά επο αλεπον, ώστες το λαβονία σεςηθήναι λυπης ον. Εννοήale sin xaneivo, riva mejoariv Exples av \* megen soulla X. mejon uniones in megater, sheat. morecor or account; and ita. ित्र किंग कें क्रियो क मी केंद्र श्रीमंक्ष मारणा है महिए कहन महिन oil, 21 constituent gons of min in westers . ET ET a Th cuda world onot TIS The naxiar of 1798. Ην; ότι έπεὶ κεκτήμθα δ'έλες, τέτες κολάσομθο ἢν ποel doi. no n'acconnes autiv or a nounce v mouncias &-IZ I Braxeias arres Kora Cers; concerte d' Eti no TEη τέρειν με συρεσκου όσμε θα πολλές κές την ημετέρων των, φύλακας κὸ જોઈ σωμάτων αίγεον 5 πως εκ αν είν οι άλλας με δορυφόρας της σωτηρίας οι πσόμθα χείναι χάνειν, αὐτοὶ ή ἡμῖν αὐτοῖς ἐ δοςυφος ήσομλυ; χ μίω Hold elderal of i sk Esty andn quant Tolauth, ola aur

29. 00 OULTAGE -WATH.

व्या गरें मांप्य स्थित रे स्वाय प्रेंग रेजविश्वार महत्त्व के कि लाय. XHV हिर क्लाम्स. मं हैं कामा श्रीका मासं, में नह नह वेश्वार्थ येज्यसंग, में कह नीय प्रविश्वार्थ मासिन् ; हिंग मा. vov, & "Audies, egw. and wareg en l'égrous en ris αρχείοις οἱ ὁμότιμοι διάγεσιν, έπω κρο ὑμας φήμι χή एवा देश जिस कि विषय तह कि विभवना एकड़ कर से एया के कि है में देश में देता. मार्रिंसण, में प्रावेड २९ हमाडे व्हेंबेंग्या सवस्वावसंग मवल्ंग्याह सं omushould av de dago eya Te unas narassav ge 29. 2. 900. बंग्नाया, में हैं के प + निक्य प्या मार्थिय में बंद्रव उसे ट्रियामिरिएंग. דמן דצד אנ דונויסט אל דצי דמולמו ל, סו בע העווין אין νων.), ενθάδε παιδεύωμο. αὐτοί οδ βελτίονες ετόμεδα, βελόμφοι τοίς ποισίν ώσβελτικα δεαδείγματα ήμας कां कर कर्णहरसा, जा दर अदावहर हुने, कुत से हिश्पणात हैय-Stas worneel Buotito, aiggor who under un re ogartis mire ansorles, er j nanois na antis em modebuan fimusecoorles.

dededededededededededededededededede

## ΧΕΝΟΦΩΝΤΩΣ

Κύρε παιδείαι βιέλίον ή.

ī.

TOO WE BY Brows elean, wiezu ?, is, αυτώ χρυσάντας, και είπεν ώδε 'Ανιά K TON Nakis who din, a Avoges, no anno 75 λές κατενόησα ότι άρχων άγαθός έδεν δι-वर्ध हा मवर होड़ बेज्य में हैं। तह ज़बेह मधारहि

0.6

63

195

8.

क्ट्रा करत दी मदारिक्ष के मध्द मां कराह वर्गा से संविध है matites, Kuess Te was dones vui Cumbracier muir as ลัง แล่งเร่ ลัง อับริณแองซึ่งโรร ปรสโรงอโนโม. อ ปร แอเปร प्रश् देश दिश्हद्वण में कंड देश्रीके जीमेलिया. यह पठ देश में सहादीय भ्या मध्ये भागे संडि ठेर वह वीडीयं हैवा. टेंग्यान वर को देंगे, मेंड वर मा Als Toxquia wo un Tendoutrav axoin; nis d' av th λία ύσο μη πειδομιμών διαφυλαχθείη; ποίον οδ αν απο 38178

Tu'

di-

cis

%i+ €.771.

US H

·36.

Voy-

riy.

e Sa,

uas

pd.

1715

य शे.

17

AAAd 17.0.75

à d1.

य ७ ६१६६

1 .50. 8°

ill d?

usi dos 81,20,70

0.1 70

av 21

V 0.76

SEVENDE SPATEUMA VINNS TO 201; \* TWIS A' av MANOV EN 25. TWIS A' μάχαις ήπωντο αν βρωποι ή έπαθών αςξων η έδια έκα άκλως 505 कीं में auts ज्यामाधां के हिर्द्या की, में मी बेंग बेंगि बेंग के में का कार कार कार के किंग महर्मिन के के मा माने कला कि प्रश्निक मांद्र प्रसंति का दे मार्थ प्रति हुन น ว ซอง ยรุ งอนานอรุ ฉัง " อาหา์อยลง ; กิ สอโอเ อโหอเ ออ วิลี- ลิสิฒิง สา 12; mus d'av vnes once des acticerte; hueis d'a vui x. o unέγαθά έχομο, διά τι άλλο μάλλον κατεπράξαμον η διά θείενο न दर्स अर भेषा मार्थ वं दूरिए मा; बीवें कि का रहे में माम हा में मार्थ हुन ह त्याप्र क्षेत्र है तार ही का क्षा क्षा का का मार्थ के निर्देश के तार के कि ιποιθροι, ανυπόσαποι διωθυ, τη δι όπιταχθέντων ελέν क्स अबहुर संग क्यांगर ) संद कं सवस्य म हवं मीला का प्रव अवं, दें हैं है रंत कारे के किए में बाद को Staoo (अप के रिस प्रदेशहरण के ya मेर En nai meider which in Toxol inch igxor, idevos di neyould run de na reonevade som wavtes de magivres, ass ביצוד בין עלט האפוסיטי בין בין עפוייםיי. שו שבין דבועטו שודול देशांदरम् वेश्वर मी रंदे दिया, हम्म हो वर्गो कलाउर्वायर जेव είς αν ήμιν καθήκοι. πσέπο δε διαρέ ενν ήμας δει τρο terent imas de, eines a Eight exceptes El, exortus िस क्तांसंग ठ, रा को बंड ४ वहांग क्यों है) है। हेण श्रीत हर है, μη, κή ένθα Σνευ μοναρχίας \* πόλις οίκεί ται, τίω μά τε. πόλοις भाव मांड येंदूर्यका हे मेंदेर वर्ष करां में का मार्थ में माडक में दास है. 9. miliar avayna Consclus wanter war with TE is. a. THE KUY O KENEUM, OT TOSE TO appeior, aona ulo TE l' de mansa sumoche da na Texer à dei wage y quie मा मार्थंड को मारे अद्भित्य रिएड्ल के, मा के में में महे महाक हो दें เดียลเ วะที, อัรเชียที่ อับที่ทรลเ Ku 🕒 ขับวุตัย อั, รเ ลย์ ระดี เติโล ล่วลวิตี วุรูก์ธอวิ, ทีนโย วิชี อัสรโสเล รณ์ วุธ ฉบาล ιμίν συμφέρει, και τι αυτοί εἰσην κίμεν πολέμιοι. ἐπεὶ Επιυτα είπε Χρυσάντας, ἔπω δη κὶ άλλοι ἀνίςαι το กมนั้ง ที่ การออก มั่ มี อาการรับ อาการอังเราะ เลา 2 การมา किंद्र करें देशनिएषड़ वेंसे कव्यवस्था देनी प्रेरं हुइड़, हो क्याईश्रस रेका का मान िकारे प्रशिक्ष है, का विश्वेषात्ता है कर देंग देशां स्पर्क के के बंदर देतिहुँहर, है तक के एका देंगा मार्रहलाए है। ही निक 'Adian कि हिंवना हो निरुद्ध अस्तुत्रार्थिय नवंड मी वेड्रूर्वराच्या अर्-19.5.

2. 'Ως δ' εν τω λόγω δεδήλωται Κύρος καταςποά-Wo es το διαςυλαθειν έσυτων τε και Πέρους τω देशक क्षेत्र, प्रवंश्व स्वरे है। धूडर देमहाँ एटए विकार होड़ एक्सिस्य हम

Bb

moh.

dexe

700

TOAA

2n/a

004

EMEC

80 €

ANTE

Mizs

5100

xara

idu Te

5.

OFWITE

08रीया

mi ( av

Rized

Da To

יו למולים

edirio

cestle

The ma

mi por

70 Mus

SE Kug

waxe

1570 7

Si Cery

10 Az (

n aura

KAPAB

KNJEN 7

The av

loulu G iv cu 7

19 X

Micus :

edran injus s

हैं एक रीक्षा महारहित महारहिए पहर, हमक में हूर स अर्थ म्यांना है?. The Ri Ta Na. OTHER WIND & Etisat The BEATION Son ), na. रेच एकं महिला में प्रशासिक किंदिमी हमा. व्याप में प्रस्ति ए रका. λότερον. ετοίτων μβί εν επί τας ούρας Κύρε οί ένπως owi wie tomes x rais aix pais, ouvergar man roisi. eisous Al ou y na raspe Ja pliev The agx les. Kues d' & मीं नवंशिव सव में इस बैशे ४६ ठीन प्रदेश मार्च ६, में में जवा वार्ष में करा. ठि रिष्ण कार रि मार्ग १६६, में रिक त्रकाम एक रक में ठिता १६६, में देशका हैता. 50 ), n' n' n' n' nua ton qu' nanes, n' The eis this Soutar on. דו לבומי לחועב א חדם ו. אן וש חשש ל אן אני עשי בחועב אחדם בעם. Disn, 85 टार्गार्ट में Tanta नवे Booxinuata Benns' arm. Exx en auto rend.

3UTW 8-8 X & 77. 28. 61 77.

3. Ous j ou pou nanas The endancovias of 65 To relia 35. Εσοιντο, έχειν, τέτες όπως ώς βέλπεοι \* έσον.) έχεπ τέτε τω हिनापहरस्या बेरेराड कलुक्तामार, बेरेरे का रह देर्गा है हिन जर्म ता, में हें दुर्ग ही. मेरीन रें जिंदा \* से पूर थर्म मार मिना है। है महिला राष्ट्र वार्मा में किन्द्रकं त्यह में ट्यार्ड्यं त्यह भागी दें ए साम कार्य गीड-THE OF MEDICOL KINDWOI. X LAZINGXX8 Q X ME (ON X) IT. लाहेका हिंदानक लाहण देश रहताक प्रकार हा उर्वा है। से विश्व कि प्रका בסמדון שני שוצ מוים מעדצי, הלבו סדו בא דצדשי חבות אנוין xì monean 3 xì onev estav quinagi xì oa ma amois idei oti न क्षेत्रका नाम प्रहार कार में कार्य में हिंदी है के न क्षेत्रका नाम है मा वैवस्ति है के स्टाड प्रद्वार वाड में में में में में में से से से से मार्-द्वासा क्षेप र डिलापा. यम विश्वाप प्रदेश हैं। वाका रेस ती बंप को μέριςαι κ) में संद्र्य कर्लु हैं सद દેμελλον हो), κακώς Νγάππ वर्ग मह हर्सण से नी क्षमा सह प गाहर है है।, क्यां मत के देशां कि 

Be exopi. €10.

WEXELDV.

4. Esous ( के मांक का मिक स्था व्याप्त के म्याला हो) गाँउ वेह्ट निंड . हे नवेह क्टिंग किए यह दीरदा था दांगी मारव काम ली de raura devonta, in nouto gaxus of wan dun !! மக்கல் பெயர்சுவே ஆர் கிகப்கைக் முக்குவ் முக்க E. acgordan auskan en olonge enousous sina, acquar हैन। मार्गित्र में नहते होंग वेंग्यें प्रभा है न्हार होड़ प्रक्षिय है! γωί. το δ' ού ποιλών κτημάτων όντων, άμει των Ta aci aunt Exem, inter ore agoniar marte Tis नी रेश जलामार्थिक हिम्माइम्स्ट्रिया. इस्ट वर्षे जरवस्ति। ત્યાં માં τε οἰκονομικά καλῶς έχοι καὶ ή ορλή γίατ. RATE Ons's TWS The SERTIWTINED OUTTASIV. OS YAS TO 777 7.4

iau ति में प्रांत किया वर्ण करें. 5. "He seto d' की उत्तरकारहोंग के लीया किसे ही का का मार्थिया φώτον μεν όπο τοι όντες ίκανοί άλλων έργαζομένων τρέ-क्षिय un क्यामिक ट्रेंग चार प्रतिवर, नक्षा है हमा (तेन्द्रा 10μίζου του μέν παρόντας έκ αν έθελειν έτε κακόν έτε बांद्र्शेंग क्षेत्रिंग केंग कल्लानिसम, भे ती के नव नव नव बहुर वाहर का की, भे Aà ते सं रिश्या ठम \* ठेट्टिंग), ठे, म कल्ली गाडिंग, रेक्ट में हिट्ट पट ठेट्टिंगमें, मंत्रका को है भागे कवाल हम, पश्चार में प्रसार में वेस नुवील कारों, में बेर के, पा. idria, na usheia a melva. Tero ev rezarov ny nodulos, cootwayna ( = This ToleTes waseiver. The yele mae 'sau-The manisa pinar \* cuind TEV av TIVA av Inaber Ta 78 36. Wind-שוו ספודנידסנ, סמיסמסידם אמעולמימי דם במעדצ בחמו מי לצר סבר מי דום To gioffo, nov ar cutus of seconfor as indianucion and rateir. le Kugo Tohu wer zeover en exonale Tois Tois Tois Tois क्ष्याह्मा हमा है बंगहेन्सहर वांनी, म्हामा हुई। वर बंगहिंबर-भारत मीयो रीवरी अव लंबा. मार्गिय रहे महाक्ष्म में रहार कहा गड़-हैं(सा क्योंका अह दवाराधंसा, भीनीवा के दूर्वहरंद, में से वयं रहे हुई दे अहार what we indy nate water var. He in Sida on a hias Testes ें थानके दिने मेंड कवादारिया. के शि औं, में मा है मेंड क सरो सार्वित्र १६ क्षेत्रक प्राप्त कार्य कार कार्य का मार्थिंग मार पठाड केमक्र प्रधासार. हे रहे की प्रदेश कि पर्वेगा रहे रहे रहे रहे Tis avayuns in, et TIS TETOV underde Coances, azz-कियों के वह नह निर्ण के हैं हु।, क्रिक ही दि है। के निर्ण के कि is in the geort waters ar, nay gine edilise to ante of-10 द्वांनम् के विश्व वेश्वांडिश (देनार्शिन्स रहे में o sui हिंद. Theois it Tis बेन्सी off क्वक्रांग्या स्वीतंत्रका) प्रांड में की मारे εφέση έτω σεοσετέρετο, τος δε απέχοιτας έσπική क्षेत्राड थर्षराड केर ठीने उसे सकर में उसे के नि है। जय हरहा के B b 2

ar

2.

Ñ,

as

70,

山山

έρρα, επείπερ άρχων εν αυτος, ει αυτος εαυτόν επέμε κνύειν σειρώτο τοις άρχομμότις σάντων μάλισα κεκοσμη.

Meror Th desth.

6. Aidaired who sag idones no da को प्रवादित rouse Bernes Moulies ar Prones. Lin D asa Bon aconσα, βλέπουτα νόμου ανθρώποις \* ενόμισεν, δη κή τέτ. Evouitev. Ter inavos हिन, में ठे दिए परेंग बेप्तमप्रशास्त्र में स्ट्रेबं (सा. ४७%) Sieph. Si अनुवर्धनावण, कर्मिक मही त्ये त्या मारो निरंद मार्वाल ETTES EXEVEN EQUITON CHITCHENTE ON TETO TES DEGIG. ETA Se cusacuorérego no, nai rite organou natesaldus si μάροι ύμνεν τε ακ αμα τη ιμέρα του · Θεες, κ. మ. 29. 0:85 सर वर देम वेडमर मिर्द्रवर गाँउ में धर्म किया कि है में स्टाइए. रेंग व मारा मार्ड ? યું છે. ीं। उसे पर्वार सवायह्य मेंशाय हैंग में एक वीव प्रदेशंस करें में \* वंस विभाग हिळारे ही. त्यां त्य ४४ कहळ त्र ६ माम् ४४ व व्यां 25. 461 κ) οι σίλλοι Πέρται, νομίζοντες κ) αὐτοὶ ἐυδακωνέςτερι Bronneu-हर्रा में रेस्ट्राम्पंकण करें मिर्ड, क्रक्टर हे ट्रेप्टिय प्राहित्र-01770 र्गंड़ रह किए में बंदुर्थण. भवों Kugo of बेंग में द्विण राजाता सा.

> οὶ κοιν ἄνες Ξεοσεβείς εἶεν, ἦτλον ἄν αὐτεις ἐθέλεν πεί το ἐλλήλες ἀνόπου τι ποιείν κὸ πεεὶ σὐτον, ἐυερρέπενομίζαν ἐθ κθικονώνων. τ. Ἐμφανίζων θὲ κὸ τῶτο, ὅτι τῶεὶ ποιλε ἐπιείτ απδένω αὐτε οἰλον ἀθικεῖν μήτε τι μμαχον, ἀλλὰ τὸ δί

Rate lougos agar, punhor nei ros anse wer orth

who algemy needly anegade, da 78 dinais d'edenai

रिएएड बंद्रियसए. हे में Kig जि नी मार्ज वर्ष वर्ष देशहर.

Ceran is हकारल केन्व प्रेंग देश्वारिं, त्रार्शिक्षिक विकाद में

กล้อง ณีอุลเมียง เรื่าม เบระ Cav แล้งกอง ที่ แก้ สมี ที่สะให-

RE OR TO SERVICE V. TOPS SE TETOIS EXONICETO, HI TOUTE

week at.

7.

2.

8. है से सो मेरे की क्षेप्र मेर्सिक एक्सेरें कर्या के स्थान के स्

9. Το Α' αξ πείθεδη ένω μάλις αν ώρτο έμμεσος θ)
σείς τω αξιτόν, ει της εποροφασίς ως σειθο μόνες φαιθέ
εἰυ μάλλον τιμβί Τ τὰς μερίςτες αξετάς κὴ επιπονωπίτες
εἰυ κένζων σειρίχιδων μηνάσκον ελ' ετω ε ποιών δετάθ.

do) Sin 185.

ei a

ei .

150

36 4 600 Chy. Chy.

12.

मित्रीय से दि के ते वरिमा क्रिकार

માં જુંદા માં જુંદા માં જુંદા માં જુંદા માં જુંદા

TREWA TREV TO GA TREY A

धेतांड का भूपार्थ हरू की जेतंह भूपांड ही

10. Καὶ σωφροσύνω δ' ἀυτε όλι θειχνύς, μάλλον εποί-H x Tow The way Tax a oxer " "Tax yag ogwor & manis" έξιση υδείζαν, τέτον σωφεονέντα, έτω μάλλον οί γε adevereggi edenum uden übelsikon moikutes caneggi ED. Singer i aide no owo por will The is Too wie aid suis-एका नमें देश नाई क्वारहक वांवुहुवन क्टर्य न्वार वड़, नकार है कर्म क्षार का Ky Ta ev Ta a paver.

11. Kai देश महत्राधाय में हरल मर्वमाड वेंग लेंदी वेजासं की, सं वर्णें ट्रेनिस्मार्पेश ह्वा पर्ण था रेक्ट नी किन्यामाय मेंटिνον έλκομθον Σπο το σο αραθών, αλλά περπονείν έθελοντα σεώτον σων τι καλώ τη ευφερουνών, τοιγαρών rois of an emoinder of ruis dieges mante and of regiver colatiar imention rois apeiron, mention? aidu x cuxoquiar weis annings. Etterios d' àv chei Estra ete oguloulou nauyn, ete zalegula ibeignas SHOTE AXX IS OU DE AUTOS ny now TO OUT ES XXXX OF (NV. TOIQUITA MED on MOINVIES HAI EQUITES CAT DUEGIS dingov.

12. The modering of evena admineras om Ingar UZέχω έστες ασκείν ταυτα ώελο χείναι, ταυτίω ήγειε-10 n ολως αείς ην ασκησιν πολεμικών εί), και ίσπικής d'andesation nai 25 enoxes en marlodamis xueiois ลงัก แล้งเรณ ลักอง ค่ามบก, งเล้ ชอ อากอเอเร จุอบ์ รูเลอง "เพลินเ หู ลักอ จรีง ใช กลบ องอุจริง ลบัก แลงเร่ ล่ วย. อิ.อิกล-Topa(4), Sia this is rangaiss peronular in combu- a 24. mas x The Ex nog Telar de x Tooks x tim x Jana Whilis is ditos durado péren, entaboa pakisa mesowills too notravas. Hour d' Ett Banheus noi annot में क्ला विकार्य प्रधानिय महारूप है। तिन्द्र स्वाप. देना भीने हेंग IN GETO GOODINGIV & SE'L a gais osis un Bention ein The "Kention, if tois western whois wan Suyon, if otisted τιών τές του έαυτον, πολύ μάλισα αὐτος εξεπόνει κ γκράτειαν η τὰς πολεμικάς τέχιας η τὰς μελέτας. Νό δτί θτίραν του με άλλος εξήγο, οπότε μις μείτειν κ. μείτειν hayan Tis ein' autis du & onote avayun ein, oixos chace a. िशिल्य पर्य देश पठाँड किन्द्रित संग्रहाड जिल्लांब महत्व्वीधिय प्रयो से प्रहा प्रयोग भागः थेगांड मानक क्यांथ विभिन्न तथा विशासका मेहाँ मान, हेन्द्र विकार वि μη επίτοις στην ενέβ επε. συμπαζεκάλει θε κ) είς ταυτίση Επίτοις στου σει αυτόν σκηπίεχες. τοιγαρέν πολύ μέν ψης διέφεςεν εν φάσι τοις καλοίς ές χρις, πολύ ή οι πελ OKESTON.

(1)

45

ai-

in-4

145

200

72.5

¥3.

टेमलेंग्रंग, रीवे नांधां वेले प्रश्रेत्रीय. मक्ट्रेडिस प्रथव प्रीमें डीने का

ő

75

e'y

250

ad.

别,

E704

में दे

THE

28 3

CVS DO

**भा**ठ सं

المعادر

7:9 G

00000

रांड है।

ख्यार ने

16.

Poxel n

काड का

वशाय पंजाद,

שני בי משונים ב

nain,

Ennuy]

padein

195:0

By B

305 0

όνδε έσυτον παρείχετο.

13. Περς ο τέτω, κ τω αλλων ες πνας μάλιτα δρώη TRI KING SIGNOVIUS, TETES E Sweets E agrais & Espans κή σάσως πικώς εγέραιεν. ώς ε πολλίω σάσι φιλιπιώαν ενέβλης ο σπως, έκασος άρισος φανήσοιτο Κύρφ. καταμα-Deiv 3 To Kuge done why, wis & TETO wove evouse sen-एका कां बहुद्वा कि वहुद्वारिका की बहुद्वार का हिस्साला का नी ही, बेरेरे में सवस्व रूगा म्हांसा लंडर मुलाया का नहा. त-AND TE YEV EXACTO T MIND INLIN OU TOS TE GOPETO, X 780 XOF שמוש דעו דאו בדו מפני ביושנים לי מנו אם מודש שו אניולווי हैर्निस्स से मंड म देश मार्ज वर्षाया देश रहेड़ है हुन, में मलेशुंड इह मू मार्भेडिह द्याविस्माणावा महते के विहासमा के के के मह त्याविमामा नगवां नव हे प्रथम देन वीड मार्थ प्रथम प्रवास हैन में पंत्रका निमान एडड़ रा, केंड्ड रिमलिंग मिलंदिड हो म संग. में रेक्ट्रिशंकी की πος οφθαλμές σερσίετο. ως ευοφθαλμό τεροι φαίνοιντο संग, में देशनहार्दिक्त, केंद्र देणप्रहाकं महता वेद्रकार में मार्का प्रकार Errey Ethat 3 x or mule and on Let mule zuon ny ortholow. म्ह्टों सेंहर, धार्म धरम्बद्भाद्य हिंदी केंद्र प्रार्थित केंद्र है र्रिंग जिल्ला (कारहा कर्मात है तक्षात्र कृति क्रिसा मा सह के θυσκαταφερνητιτές ες φαίνειζ τοις αρχωρίοις. ές μεν δή वहत्रमा वृही असावा, री हवारे हत्य सवस्टार रोवा में रहमा में मले वहामांदे कलाहर्वारवा कार्मी.

14. Ούς δ' αὐ κατεσκεύαζεν εἰς τὸ δελούεν, τέτες ετε μελετῶν τῶν ἐλὰ πείων πόνων εδένα παρώςμα, επε όπλα κεκτῆδζ ἐπέτζεπεν ἐπεμελεῖτο δ' ὅπως μήπος ἀποτο μάτων. κὰ γὰρ ὁπόταν ἐλαύνοιεν τὰ πεία τοῖς ἱππυ. συν εἰς τὰ πεδία, φέρεδζ πτον εἰς προκ τέτεις ἐπέτς. πε τῶν β ἐλαθέρων εδενί κὰ πότε ποςεία εἰκ, ῆγω αὐτεὰ προές τὰ ἐδατα καπερ τὰ ὑποζύρια. κὰ ὁπότε δὲ ἀνεὰ κα εἰκ ἀνεμουν αὐτεὰ εἰς τὰ ἀν φαροέν τι, ως μὴ βελιμιῶεν. ως εκ κὰ ἔτοι αὐτεὰ εἰς τὰ ἀν φαροέν τι, ως μὴ βελιμιῶεν. ως εκ κὰ ἔτοι αὐτεὰ εἰς τὰ ἀν φαροέν τι, ως ἐκάλεν, ὅτι ἐπεμέλερο αὐτεὰ ὅπως ἀναμφιλόρως αἐὶ ἀνελεάποδα διατελοῖεν. τῆ μὰὶ δὴ ὅλη Περτῶν ἀρχη ετα

τω ἀσφάλειαν κατεσκεύαζεν.

15. Έσωτώ δε, ὅτι μδὸ ἐχ τῶο τῷν κατατραφενῶν κίνθω Θ εἰν παθεῖν τι, ἰομοςῶς ἐθάρρει (κ) κὰς ἀνάλω. Τας κρεῖτο ἔθ αὐτος, κὰ ἀνυντάκθες ὅντας ἑώρα, κὰ ποίς τέτοις ἔδε ἐπλησίαζε τέτων ἐδεὶς ἀντῷ ἔτε νυκτίς

35.

\$4.

रेक् म्प्रें हिन है है है महत्रांड है महा में में में हैं के कि कि कि के हे जिलेंड के विद्र है के हिन भी महाने कि वर्ष में मेरी मेरी के महिला में महार कर ंगिया, करे हैं, मार्दिंग मार्गिड़ हैं वर्ण मी में क्ट्रणां प्रवास इं १००० τας ήθανείο ώς ίκανες όν ας άγχειν. κ τοίς φύλαξι δ απε έτοι μάλιτα επλησίαζου, κό αυτώ ή κύρω τέτων mothol mothaxis ouveriging (avay un po no, ori \* x al uspende King suenev autois) voo tetar er z zivous in au-מש עם אובם המשפור דו אלן הפאל הבל הבל הוו המו צו בי בי שונה के वामक में नवे देन न हमका के मां प्रिया के प्रिया के प्रिया के विश्व प्रश्निक के λέδζ αυτήν τα οπλα κή Σπολέμες ποιίσται απεθοκί μασε, κή δαι-מלווסי הש בעשום , אל אמדמ אניסי ל מפצחו לצדם ויסעול פיני में भी वर्ण थाने कल्लांकीर वर्ण मारे, में पर वेमाड है। या द्वाह हो। છી, તરૂપાડ મેમાંગ્લી જામેર્લાક. દેમ તી લેમાં જર્સમીઅમ જ જમા िक में महत्राहरण ही कहार में वार्म वेद्वेश हाया में मवेश भारता का Η διωσίο ποίήσαι τες κεσπεκς έσυπο μάλλον φίλκς ที่สหาทุนย. พร ชัง อาที่ ชอ อุเมลาสาร สถนล ที่เกา อุมาลาย παρασομίθα διηγήσαδς. πρώτου μέ χο διά παντός α εί 18 26018 PINAV Spormar & Jugas as Eswaro udhisa ενεράνιζεν, ηγεμίνο, ω στε ε ράθίον ες φιλείν που mon donalog, as' concein tois nancyonis, a to ni tois गण्यीरंगीय केंद्र कार कार्रका भी ट्यारहरार हम कर रियां की पार में के เชื้อใบ อุเหลือง ทางผมผลง. ของ น ของ วุยทุนลทอง ส่งใบเลาเล่-אין בעורטיעות על שלים של שלים של שלים און דול דב מפשעטפיני שלו שני שני און דול ocentien, i To ovendenst of it om tols aga dois pare-פוֹנוֹן, פועמצ שלפושים כ באו דווֹנ אמאנוני, דצדון באו egro + ciriar Ingeverv.

16. 'ETHIN के दे श्रेशंका वामक के इस प्रश्नाय का देपहर्श्वार, மையியிய அம்லவ, கைவேரவு மிழி, வித வேகிறுக்காயும் விறிக்-माड क्लंड बेर्रोगिष्ड हिर्म हिन्म देति में द्यामांड विकास माड हिना-प्रथमण महत्वर में नंतरका के महत्त्री धहनवं रे वनाइ. वहना भी हमा 10-मेंका, किला एकी देनों तीयों व्यक्ति पर्देन दिवा का प्रश्निक हैं। मार गीर कार्में जारवीय निराह, यहरणाड केंग्रांच देले केंद्र-किनि 'auti ixava' मक्तमार्कि रेगाड के त्रिवंसाड के वित्व है किन्द्र-मिर्मान, प्रवासिक कर्यप्रक, क्रिया गाँड वर्ध में श्रे में (पर्ण दिन्त्रपट । kinusto, diedide of dei Béroito The piras wing lus ปลับบอิน, ที่ จะงองรูชายใน. ปลางแกะ วี หู รัชรอเร ซิร hadein में देर क्रिक्स व्याद में देर अहत्वार विष्ठ, में देर \* व्हाराहर वी. वेम में व्याद विदेशार देशमाध्यार्थियो। विश्व विश्व है ते वर्षिया द्वारी निर्देश के अवर्थिया द्वारी निर्देश मि हिस्से कि हो है में हु की वास की के के कि कि נונ ב הים דר הוא ב המשינ בינו. אמו ל שמידת כ סודם אני

N.

.

85

78

u. TH.

v.

36. av-

a-

04

183 27-

670

VW YM.

weis!

JA TIS

278

אן דסוֹג אַטסיֹי בּעַדִּסוּפּיִי חיים אן דארס צַּטיִיסומי. פּוֹ לֹנֵ אֹן טַבּי εσπεύεδαι τυα βέλοιτο τη φίλων των πολλάν, ή τέ Tois हमहममहा बेमले प्रवाह माडि में भी में हम गाड़ कि वह σεμπόμενα Σπο της βασιλέως παπίζης, τέτες πάντες μάλλον θεραπεύνοι, νομίζοντες αύτου στημες εί), ή !-प्रवाहेड रीयमहर्ति निरं में म रिक्मिम्य. हम है में ह रहमा मा. νον ενεκα τη είρημένων δυφραίνει τα πεμπόμενα ωρά Bankens, and The out in hour mone diagree The Sin गाँड दिवल्रेस्कः मुक्तार्ताः स्वां महत्त्व प्रधाना हत्ताः ह्रांगः δέν π θαυμας ον. ω στες ρας κ) αλλαι τέχεαι διας εξίτ τως ον τως μεράλως σόλεπν εξειγρασμένω είπ, χη σύπον τρέπον κή τα παρά βαπλει σίτα τολύ διαρερίν. TWE CHARACTON TO. ON HEN JAS & MIXPOUS WONENVOI OUT! महारेश xxivlu, अंदिय, वंदुर्धिंग, न्दूरंत्रहर्थं (कार्रावंत्रहरी o aurès हिंदी भी गांभविष्यां, में वंत्रवादी की में हरा किया αύτον πέρρεν εγροδότας λαμβάνη αδικατον έν σολλά TEX VULLEUCV av Beamy wavra nanas worde ) en de mis μεράλαις σόλεπ, διώ το σολικς εκάς ε δείδαι, άξκα κ Mia Exaso Texin eis to Tespedui. wonding Si sel in રૂ જેમ્લિલ μία, αλλ' જેજાદીમાં ματα જાદાલ ὁ μεν \* ανδρεία, ὁ ή των ... κκα. ές 3 ένθα κὸ τωοδήματα ο μεν νοθερραςων μίton refered, o de silan. o de signat monon antiquant 8 र्ड 74, TETWY डिर्टिंग कार्थिंग, ब्रेश्व क्यानिसंद नवान्य. व वीun Ev Tov er Egazututo, Statelberta Egyo, Tetov un वं हाइय निष्णा मूमर्य मेया महाठ काला. यह वर्ष में वह वह वह माना DE में या बंधकों गोंधा Siarray. की एटिए नुबंह के व्यां मेंद्र क्षेत्रिया इक्स्प्रिंग, म्लून द्वा प्रमास, म्योस, के क ब्रेमिट बारे குவுள், வ்பக்றுள், விழுவ, ரக்ரமு மித விப கோவதல் குறையுள், க या हिर्मा विषय पर श्रियमिय हिर्मा है है हिर्म महिर्म महिर्म inav, and of ighin E fav, and onde, and agree कालंग, सवा धार्म हे रहरहर नवाराजीय नहें, बेर्स वे दूसन वे ही का क्षांत्रक कार जीव कड़ा कार रहिला रूविया देश पड़ा. में मही

29. maga- eld o colenius " maggyn, avazun, oiman, Tadtaka 941 %. २९. क्षे मध- रिमे क्षे राज्य प्रदेशकाले प्रशास का का का का कार का कि λετο σάντας. 8=211.

17. 'Ως र्रेड के प्रांद बैंगालाइ करेंग उद्देश प्राणे हैं xediter, Tato vov Singrisopper. waku jag diere) xu αν 3 εύπων τω σκείτας σερσόδες λαμβάναν στο επ ชาร์อง ซ์.ที่บรา นะ าน์ ซากลรน นับปัฐพ์ ทนง ซิพ ะเอินเ กล! 1,50

oa.

62

A C

E 76

1187

याय:

Bal

987

021

popul

70

COL

èmi

2017

CHOL

GIE TO

ETEL.

2015

2505

Jax.

8× 1

0 2101

22 11.

201 0

बळाड

व्याद्व

HATE

Sahu

705

785 C SELT 3

Teir.

18.

3 780

COMUS

निहेंद मी हैं। रहेर ह रिएंटि, रीवम्पिंस रहे हम है । एक नहींड βαπλούσιν η πολυδωεία. τίνι μέρ γαις φίλοι πλεπώτεροι रंगार व्यारहा में पिरहर्किंग विकार ; गंड के सक्तार्केंग सर्व र राज्य caire) strais this wei at tor in Bankers; tivo de dees nyváne ) dareg évia Al Bankéus. Lénia nai se-निशे में विकार प्रधानिक्षेत्राण्या, हे निये हैं हिंदराण देश से क्यों कर Exer in av mil Bankous do ris d' and & hege ) da (ov प्रश्निस मालंग वाहसंक्षेत्रय वां मरेंग के वेगर वे मिक्कंग के वेगरा क्वारंश्चिष में वंगों कवां विषण ; मंड वी वंगम न हेरीयार्व केन हमीर हेड επίχου ας πολλών \* μίωουν όδον πιωρείδα ω ώς Περσών χε πμεζών βαπλούς; τίς δε άλλ Ο, κατα τρε Ιπμίνο αςχίνι, ίπο of desculsion manie nanewood and surer, if Kiel ; THO TEVOLA STINOV OT CUEFTETTOS GA MANNOV I aconsults. \* nate ud Jo ply of as in This Earth Eus Rake- 20 Kate-Miss co Saluse, in The Baothers with sk allos intion. Ma Juto रा में में मिर्विया में में मामद्रेश कर निये वस्त्र विभिन्न वह iou noies auto ein memods, meranos cuestesto, montes क्लांगण्ड वेप जिल्ला हु भी लाय सहरहां प्रे सव पानि हां सा में वेप वेपγελαντες ώρελησειαν βασιλέα. Εκ τέτε δη και πολλοί किएमां केन विकार के कि कि कि मार्थ में महर्ति के ति के मह cieru eva aigerov El) op Saxuer Baontei, en ogses oi-हाता. Oxina vap es av ifte no es ans es, no T is ax-Aus ware auszer av angy sex outour sin, ei si orto αεισεταγμέρον είπ τος τό, κό οντινα μγνωσκοιεν όφο βαλμόν όντα, τέτον αν ειθείν όπ τυναπείζ κει λλλ EX ETEL EXEL, ann To prono 10 desout To il ideiv वर्षण देना देना मार्थिक क्रिया है के मार्थ है है महा के महरू Ad who Bankens wra, monked j' obakuol vegito rus" का कारिका मिया मार है है हिला पर एमें प्रकार है बनार हो, மாழை வாக க்லச்சிடு கவ் கவாழ் க மர் (முறு முரு மு-कार् वेकार मध्रे गिर्ण हमा है जिल्हा समार्थिय के माद नार्थwith theis tra wei Kues phanesy The and wis en ob. क्रियांड करेंग में लेंगे दिवस्त्रेश्चड़ क्यांड़ वसे म्यहराए, ह-Tos exasos diexes 70. To de 870 dianei 2 zu 780 as 3pis-माड करने को महें। हुन कि के हिर है कि है, मा कि माड को मर्थ हुन के हीσατο μάλλον ή όπ μεγάλα ήθελεν αντί μικεών ευεξγε μαι όπε 7817.

9

NA.

50

18. Καὶ τος μερ δὰ μερέθει δώςων ἐποδαλείν, 18.
πλεπώτατον όντα, ἐ θαυμαςόν τῆ δὲ θεραπεία ἢ τὰ ἐπημελεία, τῶ φίλων ξασιλούοντα περιχυέθαι, τῶτο C c. εξια-

ฉ่รังกางสายอง. อันคัง Ф ายางบท กร์วุย ๆ หลาสสาล ป รถเล underi de stor algundeis in inde de o iner de camia צ' אליססו ל מנהצ צידם עוד ענים עופט מים אליסו של בשתאוחם צף. ρα εί) νομέως αραθε κι βασιλέως αραθε. τον τε γάρνο. μιά χείναι έρη ευδαίμονα τα κτίων σοικντα χεκοζ αντοίς η δη τος βάτων ενδαιμονία) τον τε βασιλία ώσαν. कार देंग रियां था। यह कांग्रेस में वेंग्जिल मह कार्रिक्त कर्मिं का Tols. & Sev &v Januasov simes muther sixe the grann, το φιλονείκως έχειν σάντων αι Βρώπων Αεραπεία σειχίν. vedt.

19. Καλον δε δπίδε,γμα κ τοτο λεγεται Κυεθ όπ.

25

€,

क्षेत्रक

Sw

61 1

Nã

Tu

760

Jug

Son (fla

cige

ida

र सं य

of Six

THY .

m.),

देश को

Ciper)

20007

Keelo

PA CUC 705

σύλεο

11754

Lahu,

W.Td.

हुवानी व

20.

ys Tw

(00)

En Tip

yearing!

127

Stages

19.

22.50 71811. 28. aes 5den ropau.

Jov.

Sigas Kegiow, ore enederes outer we sia to worke ปีเปิดเลน สะเทร รัสอเสอ, ปีริสิท ลมาณี วิทธสมอุธิร วุธบัสช สาล. sus svi je a del en To olko nata Sedz. no tiv Kuga र्रिश्वाचा दृष्टिया, में किठवा वर में जी लोस पार प्रमायता ही. מו סנ עיצאפיסט אצעסים יו, מסשבף סט אבאבטימי, בוצ פידו בין बंदु में संया दे के में Keeloov सामार, कार्राण मार्थ वेहारीयांग. και τον Κυρον προς ταιστα, αγε δη, φάναι, α Κρίπ, \* ( jumpu for ard ea owi 'Y saama 7870, 670 ou mei-सड प्रवंताइया वर्ष के के " दिवकार, हैका, किराहत दिवंत करेंद करें pines, nêze autois ote \* d'équas zevois mess messis गाय (१) हे गढ़ लगा कल्लिक हिल्ला) में प्रति के वर्ण करें निक oa av Exas & dunairo mocione moi Rumara vertar Tas Se na natarninvalules deva The omsorling The Κροίσε Βεράπουπ φέρειν. ταυτα δε όσα έλεγε κ γρώ-Las in onjunication, eside rus Traiona celen acis Tou pixes. ever eate de meis wartas xi Tsaimar as कांत्रण कार्य रिक्ट्र दिया. इसको रहे किटामित प्र प्रवा मान्यू प्रवा Κερίσε 3 ερίπων τας δπιτολας, ο δη Υςάσπας είπη ล้ หบังะ ยลภารบัง หณ่ รณบ ทำโท วุธที่ พร สายชาตุ วุธที่วั क्यंग्य ०४४ में में है रहा क्यं स्था श्रिक्त श्रे प्रां वर में वर्ग में वर्ग में वर्ग में वर्ग में वर्ग में वर्ग में mata nai o Kugo sitter, es plu tolvur i car sids Insamede nuiv, a Kegise 780 de a Ales Karadea, 4 λόγιται σότα βζίν ετοιμα χήματα, ήν τι δεώμα zendu. reze ) si rozicoulut o Kegiot monhamana supely il spn Kugo av ED de rois Insavegis non, et avs אב אָשׁי. פּת פו בר דור במעצפטי באַשׁברס, פותפני אבּינים) ב מעצפטי égas, ozvar. & l'egire, as ein n' emoi Inoavegi, anna Φόροις τέ. συ με κελεύεις με παρ' εμοί αύτες συλλέρουτα φθοικιθά मा थीं को करे में मामां की, में कां में असवा को मांड हे शहदोगन " !!!

ze. mar-7450

೨००० विष्ठ महत्त्वाह काइस्पेस् . हेन्यं में इस्टे क्रियह क्रें वर्ण का οι, τέτες μαι νομίζω θησαυς ες κό φύλακας αμα έμε τε में की मिल्टाइकिंग वेजवीं माइकार्डिश हैं। में सं क्रूबहर धार्थकούρες έπες ποτάμω. κ) άλλο δέ σοι έρω έρω κ, ω κες ї-त, वे भीने वे छ छवे किए महड सेंड नर्यंड ने प्रेयंड नर्यंड वे किए के नराड επίπταν όμοίως το ένητας το άντας, τέτε με έδε αίτος δωίαμαι περιγυέως, αλλ' είμι άπλης Ο κάρω, ωσερ il άλλοι, χεημάτων τη δέ γε μβοτι διαφέρειν μοι δο-प्रक में के संहित्या, देता है। धीर देत सर्विय मेर बंद्र प्रकार महारπι κτήσων), τα υν σείτε κατος ύπεσι, τα δε κατασή-मान, नवं ने वंद्यमिष्ठणमा में महत्रहरण में हिंदी मह मार्थ केंद्रλύχρυτες κ) φυλαπουτες τοράγματα έχκοι κ) όμως έν-की हेर्याच्ड को त्यं, हिन्द हेरीहरा क्रात्वंक में र्रिया तथा क्र्रिस (Aappayeier za e av) Er augisever ) wheie il devante द्रांद्रमा (ἀποπιγείεν γαις είν) αλλά τὰ જિલ્લી և λενίματα σεογματα έχεση. ερώ δε τσηςετώ μιν τοις Θεοίς, में हे कि कार करा का सार्वा कर हम सर्वा रहे मांत्र प्रवा, वे वें तिक क्यानी के ठिए तक निष्ट है हमाठी वेह सर्वप्रत्यण, नहारा: नवड़ न देश-रिसंस की कांत्रका \* रिक्मिस्साम, में क्लाइमंद्रिका में टेप्ट्रिक्स के दिवस्त्रस्था είθρωτες ευνοιαν εξ αυτήν κτωμαι κή φιλίαν κή έκ τέ- Bud. του καρτέμαι ασφάλειαν και έυχλειαν α έτε κατασήπ), ετε τρπλη ερτα λυμαίνεται, αλλά η έυχλεια όσω का जीसका में, मार्डिक्य में प्रसिद्धिंग में मत्रामिश्चिम में महरू वर्षाहरू हिन्स प्राप्ता मार्थित मार्थित है है है कि कि कि कि कि कि कि मार्थ के वर्ण मार्थ के व मावारहिषड़ क्या दूर नाम है मार्थ है से स्वां क्या सं मित्र है है है है . दें दिशाम, हेन्ले हे नक्षे मोलंडिय हेन्ट्रामया में क्यो बर्सा निवान म टार्जिया μον द्वार हु में भूष्टी ( οι ) उसे उसे अला φυλά ਜੀον τες, मार के ट्रेजियमा । हसारका स्थारक करात्र प्रेंग प्रवाद ช่องอก ยบมส์ที่เชอเบ) ส่มมั่ง อัง ล้บ มาสเอิสโ าย ซมเปรส ปั-THE TWO THE SINGLE, RESTAL TE TARISOIS (UP TO ιαλώ, τετον έρω δυθαιμονεςατον νομίζω και τα χείματα. καὶ ταῦ τα μλύ δὲ φανεξός δίν ώστες καὶ έλεγε हिल्ली का

9

7,

ŧ,

n'

17

19.

76

04.

egs

ús!

2 5

757,

35

2110

ida

1 2

11.24

and

vé-

855 iAa

े यां Ul-(dis

20. Пед Ле твтог, катагонда тей техры од ауφύπων, όπ δυ μλμ ύρια ίνοντες διατελώσι, πρασκά-(00) उत्तकः हिंद्रजा नवं टेकानांतिस्तव, स्वां स्वनवनंतिस्था नवं κίσιμα είς των το ύγιανόντων διαιπων όπως δη, ην Επιήσωσι, τὰ ζύμφος παρέςαι, τέτε έ πάνυ έπιμε. κούκς εωέρα. Εδοξεν δυ κ) ταυτα οππονήσαι αυτώ, τές ης. πο τε-ιατρές του αρίς κς συνεκομίσατο τους αυτύν, \* τω τε λείν έθ. Ccz

29.

NEGCIA.

22

92

e'd

710

CK !

FOH

val

MM

in

Mai

Qi)

MO7

ei/e

SON :

£70

262

787 MEXIC

77 EP State

Alon

the as

וא אני דעיע ס

Ph a

11570 nice.

8 Mg1

Pirw. 4:170

481 X

Pi ou

Forey

2.41

2

2Y.

28. au H. A szerv & Béner, z o mooa n ogzara son ne av \* aun zen-क मार अधिके का, में क्षित्यायस्य, में जात्य, में तकत्वे, वर्डिंग नहत्त्वा ठ, म देश की कृत d'isas i Shoavelle कवा? वामक. सर्व नं TE d'e ne adephoese of Deparededa: omnacion, हमहार्थ-मा में मा क्वा में मार्थ के मार्थ के मार्थ में ειν ή θει οπότε τις ιάταιτο πνα τη σαρ' εκείνε λαμβάνων Tal Ta plu Si रे का का मा कार के हिम्म द्वा के क किए के किए

म्हण्य कवा ींद्र हे हिंद रहा हवा में कार के कार

21. Ων δε σεριγρεδέ τε αρώναι κ άθλα σεξετίδη. ο λονεικίας εμποιείν βελόμενο πεί το καλάν κι άχρ-Απου είρων, ταθτα τω αξο Κύρω επαινον σαρείχει, επ επεμέλετο όπως ασχοίτο η άξετη. τοίς μέρτοι άξιπις ां वे न्या एड ४७०। क्वेड वेरे रामिष्ड में इंटार्विड में कारे कार कार वार ίδαλλον τρές δε τέτρις, έστερ νόμον κατες ήσωτο δ Kiel, son elaupiosus d'écito, eite d'un eite agovic. mati, wi drougenes dansioses ourgenen wis nertais δηλον έν ότι έςτραζοντο μλο οι ανταρωνιζουνοί πάμ. on seo! The rearistor if the maxist pixor neith ill एम एमिक्र नहीं, प्रदेश रामकन्य देक रेकेमल, नरेड रेडे प्रम देवाली nelicertas epister o d'où vina, no sinaio mesteros. लं र० गामबेंग, बान्ह ज्वंदाम हर्नहामें में तुन्तर ठेक्स रहाम. मर्बा वा क्य TELEN SE BENEWHOL O NIA TO ER KUEW, water anno in क्विर्ध्याप, भे हे का ठिक्क प्रेरंग्यड क्टंड देम्र में में पह हो दूर. देने of wheover entrolov EGENOVTO o ETECO TOV ETECT 4νε છે વા μάνον η συνέπειξαν αν τι ανληλοις αροδίν. nai ruita uir Sesindas) as sun xava to 785 negrisss σύτον μάλλον πάντα; οιλεν η άλληλες.

22. Nov de non dinynoqueda as to apartor Espare Kop o en The Bonkerov. nai jag outhe The contations n σεμνότης ήμιν δικά μία το τεχνών είναι το μεμπ-Zarnuerwr thi de zhi un cona rapeounter eiva. Tenyou pèr ku med The Egennows e onankous mede mini 28. annas Tes ras a exas Exputas Heron v Te nai \* of an an, de συμμάχων έθωκεν αὐτοίς τὰς Μηθικάς σολώς (και τίτε Πέρπα σςωτον Μη Aklus son lui evedoous) frad 8, τε, αμα τάθε हैरेड्री वर्धेन्तांड, हम हेर्रबंत्या हिंडरेटान लंद नवे नह्मान नव Tois Oscis Enguera, zi Suo as per' excivar. magess हैं। \* हिंगा, टेनों नवड अर्थन्द्र स्वन्या प्रधान के द्रार्थित नवी-बांस प टेलां व्याद. कास में में ति के प्रवास्थित में में अप अनुवारि केंद्र के प्रदेश Фεραύλας ο Πέρσης Έχαγ [είλη πας' έμε. καὶ ίπειδα

333

22.

20. 829 725.

ten, ega nyauat, Emade de The pubeion gaga. no de aga mvi doni ບໍ່ເມ່ນ ຂ້າລຸກ κຂ່າລ ເວນ ເມື່ ກີ ຜູ້ ຂັນ ທົບ ຮັກ ພໍ່νημεν, έπαθάν πάλιν έλθωμεν, διδωπέτω με. όπη ράς άν κάλλισον κό αεισον υμίν δοκή εί, ταύτη έκασα δεί ιαπις κου δαι. देना हो है रहा देश कार्यां इहाइ डीई डीш κε τα ς καιλίsas sonas, descept sin nai anas Musinas sonas (nauπόλλας ράς παρεπαδάσατο, εδέν φειδόμεν Ε έτε πορου-פילשי בדב סי סיונישי, בדב סטועומולשי, בדב משטעמונישי ונותgior) veluas de Thrav to use & snaso the new over. entadoer au Tes 78 TOIS KO TLEET TES 20 TH GIABS, wavee, ξοι, έγα ύμας κοσμώ. και τις των σαρέντων έπ ήρετο αὐ-ที่ย. ชบ de, w K ge, ยอท, พอกาย นออนท์อท; o di ฉกายหย่valo, ช วอ volv, เอท, อิงเติ บุนโง ฉบั To. หอ รม ผลิสเ บ นลัง หอส. שוו : מעצאפו, בסוו, חי לעושעום טעומה זצו סוגצו כט חסופיי, imiar av Exer sor le Tuzzara, or Taury Rands oursμαι έπω δή οι μέν, άπελθόντες μεταπεμπόμενοι τές pines chonest & sonais.

.

1.

3 y.

1-

0.

60 3

4-.v.

85

2.75

ew; 111-

9. 77

di-

2001

2 08 70

82:5

w-Rill

1220 :43

23. O d's Kop , rouilar Degashar tor in tar Suμοτών κ, συνετον εί) κ, φιλοκαλον κ, εύ τακτον, κ, τε χα-हिंडिया थामणे देश बेमहारहाँ ए, वळाठी ह भी महहा मह मामबे जीया है सब-था भी में बहावा कामले यह, वहराका शु भवप्रविष्ट कामहिश्पहा-कार आप मार्क तर के प्र पर्दार महेंग हर्ण गरा प्रतार किया मिला मारानी के έξιλαση, τοίς δε Νυσμενίσι φοθερώτα α. έπει δε σκοακυπιν αι τοίν τα αι τα εδοξει, έκελ δε τ Φεραύλαν όπι-MANSTER OF TWO & ON & TO \* Sue ) averor in of any wo- 28 3/100 repidose nandis ezero. sienna di, ion, eza navras mei-अनेकां का महिं माद के नमें ट्रेड्रिक्ट नके हिंदा, नमा है के How παρηγελλουτίς σε ακέσωπ, φέρε λαζών, έφη, χιthat who to soit the doguetogow hisemon: \* xxx =- 28. Ka oat. ική τες έφισπείες, τοις των ισπεων ηρεμόπ εδς, και ή τεσθε τον άξιμάτων τοῖς ἡμμόσιν ἄλλες τέσθε χιτώνας. ὁ μ. Τές. il épèpe ration oi de ingelieure en il do en auton, λερυ, μέγας δε σύ γε, ώ Φεραύλα όπότε γε κ ήμιν πίκις α αν θέοι ποιείν. κ μα Δί', εφη ο Φεραύλας, ι μένον γι ως έρικεν, άλλα κζ συσκοδος ορήσω. νου χεν των των δύω κάσα, τιν μεν σοι, τιν δε άλλω συ μέντοι τέτων λάβε όπότες ν βέλει όκ τέτα δη δ μει λαμβάνων τον κάσαν το μεν φθόνο έπελέληςο, ειθύς βε συνεθελεύελο αυτώ όπότερον λαμβάνοι. ό δε ζυμευευσας αν όπότες 🕒 βελτίαν είη, και είπων, ην με XdTHJO-

XI

2

10

dx

au

End

7015

uls:

7019

Tall

TU;

1101,

33

1600

MUS

las wπω

8 A

180171

KHIR

utis

as G

10:3

id,

is 87

יי, ס

TE CO

is. o

viron.

custo

24.

2507

6

अगर में

30

800

mightos

Rath pognons on algerir out d'edwaa, eira Ing otal Ala.

κουώ. ετέςω χεήση μοι διακόνω ο μέν δη Φεζαύλας

GEV -

Exadir omes of ranisa exasa eger huixa de h isteala अ डांद्रस में मह, मल जेव एवं एके में मर्वा व कहा में पहल , \* डांद्रश में सड़ी-महर्न हम नेहम में हम नेहर में वेडिक के पड़िए में पड़िए में में हिला है है के Bagineus wenn knauver, wy cortis & fevi bar eis eval to בות דבחתו עוצים עם בוןם בספו של אמשלב של, כו בדשטי בו TIS CHOXXOIN. EST. TOW 3 TO TOV LIEV TOV SOCUPTED ES प्रदार्वमानुसर्भाष्ट्र, हमाचलुकीर रहे गरंग मार्थिंग लंड मर्गिवत्या है। σίλιοι δε έκατε ωθεν των πυλών. κ) οἱ ἱ τοπεῖς ή πάθει magnow kata GeGniotes and The landw, is dinguotes this %. रीबांद्र- प्रसद्य री वे नी समार्गिका, के कारद सको परीप हैं में से रीबांद्र ता örar ied Easereis. Erasar de Megrau ner in Atigi, οί d' αλλοι σύμμαχοι रह dessepas The of 8, 212 Ta ap. ματα ώσούτως σα ημίσεα έκατες ωθεν. έπει δε άνεπε. Δίι ταίροι πάγκλησι είς τεαταρας, κή οίς των άλλαν Θεγε. πολύ. ων οἱ μάρο: Εμγεντο. \* πολλοὶ οδοίονται Πέρται χε एवा नहीं तरहों का छिन्ने मूर्वे मेरण नह्मां त्या में की עד של דצדעה לצחורדב מפוום אלואסי, שבטסטלטוסי, בדינוי whor, Dios ice v. ut de rode, nois agua ndice, nai उह 10 हर्ट तिमह्मक लेकार के कि कि कहा कि पह कि प्राप्त वर्षण वर्षण τον άρμα Εήγετο, φοιν κίσι καταπεπαμένοι οι ίστη, में मार्ड वमार्ज हम वेराह हम हे हुवह बड़ महत्रवं मह वेराजी है हा माराव Progree. cm de tetois, non auto, en tou munon met φαίνετο ο Κορθ εφ αρματθ, δι Δω εχων πω παρα, או או אים ב אים ב שאלים אפסים שאסא (מאאש ב בצפק שנוף 38. Bran- Adnor Exert) nai mel Tois oneherst avakveldas " virte rocapas, is nevius oxoxosqueov. size i ny dradius पाइहां गा मार्था मार्थ मार्थ में कर कि का मह मह को के महत्त्व μείον είχοι, κ) νόν το αυτό τέτο έχεσι. τὰς δέ χειεις

عَدْف سَهُ كِوافَاس وَأَرِو. هَمِن كِوَاتِه وَ كُون سَهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ

उत्तर प्रदेष, प्रसंख्य में देमलेग्ड, द्वार हो मार्ड वरण, द्वार हो कारहा

μείζων ή ετανη πολύ Κός . ιδύντες ή σάντε, σεσπιλ

णानी, लाउ में बेहुट्या मार्थे महमहत्र के ज्यारेगा, लाउ में देम मोदी

रहः नते मयद्वमा के में मार्ज रिट्ट्रेंबा प्रहेंप्या रह हुं अब एंप क्योगि

T Kulear. weeder 3 Herowy wolers Kulear weg rexure. The

के क्लान में कि Ko's बहुम्ब, क्लान रेशन महें। वो पहला

whates:

χιχίλιοι δοςυφόροι, σαρείποντο δε οί διχίλιοι έκατέρω-अप के बहुपावन कि, देवसं मारण कि वह मारों कारों जामारी है पूर्व נס ושחשי אבאסקנו שלים (שול דסוג חבא דסוג בעם) זצי דפו-משסוצי. כו א' מו דעל אניפט שפפסטשטטו וים אונו אתפווןסייτο χευποχάλινοι, \* ράβδω τοίς ι ματίοις καλαπεπαμείοι, 28 ράβδοiusi Ti: Sanories om de Terus diginion Europoper Tois Steph. בוה לב דצדסוב, ושחוב סו שף שדסו אנים שלים, עולפנסו, ביב ένατον πανταχή τεταγωρόοι ήγειτο δε αυξί Χρυτάν-गाः हमां में महम्बाद प्रचेशवा वें तेत्रवा विश्वकार कामहोद महमन् pholos ຜົດ ແບ້ງພຣ, ກ່າງຂົາງ ຄໍ ແບ້ງໃນ "Y sai mas" cm de Téτοις άλλοι, \* μύειοι ώσαύτως, έχειτο δ' συ \$ Δα- χε μύειος πίμας όπι δε τέτοις άλλοι, ήγειτο δι αυτώ Γαδο Ιιερσων गाः देनां है पर्या Midos रिकासाद, देना है पर्या Aque रिकासी पर-101, υξ δε τέτες Τρκάνου, υξ δε τέτες Καδέστοι, ταγμέρος मिं ने नहें नहीं इसे हैं ने महत के मार के दावी के की नारी के कि נו דו בן משמם הקצון ס מש של הפדם בדוב וופפסוב. חם-πιείων, δεόμενοι Κυρκ άλλ ( άλλης πράξεως. πέμ-कि हैं। कहें वां कि नी जलामी हर्या मार्ग की मवहसंस्कार कार्क मुसंद देशकाद्दिक प्रदेश पर बेश्यका कि व्याप्त, प्रदेश देश्यक B day ferren, energies entreis outels et tis TI dute ियान, रीर्विक्स मी किंदिर्द्र मार्च ै, मां मह विधेरवार, Menus de EDI, mess autor ecert. of who d'in am vies שלי און דאל ושחב מן בחסף ניסידם, או בפשא בניסטדם דונו בas & megoios. 6 de Kiel &s 66 8x 870 maxigu 3862-मण्डिया मी क्रिक्ष रक्के ने बा क्रिक्स नहारह, मध्यमकर rd, megs autor endres \* nad enasov, n ereste an og. nad. เเรียนรุงทับ การ บันลัร อาศิสตรทุ กา รับระยบ ครับ กาย จุลกานย์ อียล อันลรถม w, os who ar under denin univ reger, un megote vere านี้ บุง กรุง. อูร ยุ, ลุก กุมพาตก ยุย วุสา สุรหมั่ง ยาสนาโรงere mejs eue, iva xoun sendoulpor dames foull auи. от Му би аххог, Еты хахеоней, ана ком. О Е-AUTONTES GENNESON, CUNAUZONTES The agxlus The Kuga, 143 लिसियाण्यिका वत्र ठ०वेडी हुन कर्स निवागत. LORN, 24. \* Daipaeuns d'é 715 mu, σολοικό τες G αι Βρωπ 9 24. TEXN πόπω, ος ώεπ, \* ei μη τηχο ισσακόοι, ε Δοιρώ- ης. Δατίνε a) w G av quivedas. aidoule O Er o Kug G TETE, Telv & ei Taxe المسالا υπλθείν αὐτον κ) διαλεχθιώνι αὐτο, ίσοπεμ τας π σο ακου, . 71 ฟี อมทาสิธาลง, คำการง อนามปอง อาวอง ฉบางง อก ชองง ฉบางง ว. 18754 विद्वार प्रथा पर्भा राम्भा हम देस देश कर की व पडिल्डिंग 2 Alls XX Williams

8

9-

(1)

μ.

n n

rei-

7019

yTO

64.

921, 670-

071-

Trua

0 011

elens

d

12 01

We av

OF.

070

BE

ai

13

is TOA

is

Edu

i yev with

ñ7

ON

TE'

z;

200

1 70

W E

in will

V 60

11, 0

phy

, vai

70 7

וד ונדפע

870

s mo 211/10

inau.

κληθείς αυτέ σείτες 🕒 αυτώ ισήκεσε, σεοσήλασεν ; Kue G, x im nov auri Edwae The mage no uliwe, 2 saind.

σε το σκηπίε χων πνα συναπαραγείν αυτώ οπε κελεύσης. שווה של ולציחו ביחוני ח של שו בל בל בני בם, א חבת של אוסוני όκ τέτε αὐτον εθεράπευον ανθρόπων. επεί ή αρίωνη σεςς τα τεμβώη, έθυς τω Δίὶ, κὶ ώλοκαύτως κὸ τού. ६४९ द्वासाय पर्य भगाल प्रयो क्षेत्रवर्गाकाया प्रा । व्याहत Exerta yn ooi Earts, as Enynouro or mayor ini. ng. έπειτα ή, ηρωσι τοίς Συρίαν έχεσι υξή τούτα, και AS ON O TE xwels, Estage Tequa is of The TENTE saller Xweis, ni eine xt ounds ava neget & entanda attivu 783 Tanes. ow a su rois Megrous outos nhave, a di-Ra. 70 NU Max 150 > EURUENINE OUTO I TO THENS. Minder Agrabams evina (Kuegs of auto + immov ededoun) Sugar 3, 6 megsa off. 'Agulpiar 3, Tiyearis' Yeariwy 3, o uos 78 'I wadex & Zanov 3, i flores avie, and א. ושחפיל אומפע שב בש ושחש דבי מואצן \* ושחצו בין נין דע וועוי or to droun. Ev Da di nege ) o Kuege egedt i vearing सं रिहेकार के पितवार संवा करा के किया में हैं का मार्था की. on Baoixelav ji su av Segaplu, zaer javeli ajast na Ta Feat A Eaiplu av. no Kuegs eine, no plus egal des ξαί σοι θέλω ένθα κάν μύων βάλης, κα αν αμάρτις avspòs ana de. warmes reivur, o Sanas Egn, deizer un ws Baka ye Touth TH Baka averouse G. x & Migo Seizvoor dura one four merce of ciaco. of name μύων ιμοι τη βώλω, κ παρελαύροντ Θ Φεραύλα πη Zares. ETUZE Jaig o DEFQUARS TRAY TENAMY TI TETAJUE νου παρά το Κύρο. Εληθείς ή εθε μετεςτάρη, αλλ ο Deto ep' oneg eraxon. avachedas de o Sanas equi Tivo En zev. & ma Tov Al', Eon, Edevis of met TWV. and & who tois fon g vearing, off je a mound vai ma Di, ton o Kue G, su y' eneive to mage I αρματα ταχύ ελαύιοντ Θ- τον Ισπον. καὶ πώς, ίθ & μετασέςε); και ο Κύρ 🗗 έςπ, μουνόμου γάς τ Bir, ws forner. ansous de o rearion of a ze to one John गंड होत, में हेंपरांत्रस गरेंग किन्वर्ण रेका पूर्णेंड कर स्वारं चेंडका Misson ny a mar & eppoin yar autos en the first in SEVIL देत्र में कल्डिंगोर प्रेस्टर के क्रियान ο δε άπεκείνατο, ώς έξος. δίδωμε τοίνυν σοι, 1 Terov n'y lamev. à d' infigero, avn 78; èn rette di 47 47

į.

3

H)

i-

ul-

7.09

30

TU

wet

274

ונינד

y, 0

PWT

mes!

र्भ गता

od T

de n

COV T

& EN

Andel

i, is Ered nyin διηγείτο ὁ Σάκας το περχμα, κὶ τέλ Ο είπε, κὶ οίμαι γε ἐκ ἡμιρτικέναι ανδρὸς ἀραθε. κὶ ὁ Φεραύλας είπεν ἐκλα πλεσωτέςω μιμὶ ἀν, εἰ ἐσωτρένεις, ἢ ἐμιὶ ἐδίβες, νῶ ἢ καὶ γω δ έξομαι ἐπευχομαι δὲ, ἔτη, τοῖς Θεοῖς, οίπερ μὴ ἐποίης βληθιῶαι ὑπό σε, δεναί μοι πιῶσαι μη μεταμέλειν σοι τ ἐμῆς δωρεᾶς. καὶ νωῦ μιλὶ ἔφη, \* ἀπέλα λς. ἀπέλω ἐναδὰς ἐπὶ τ ἐμιὸν ἴππον αδθις ἢ ἐγω παρέπιμαι πρές σον οι οἱ μιλὶ δ ἢ ἔτω διηλλάζαντο.

26. Kassoiw se evina \* Padovinus, apie j z ra 26. aquana nad' enasov, rois de vincon wanvedide 885 Te, 26. Pagi-Bir shale is autos to vinn theron, To on Touchton to αύτε μές Ο Φερουλα εδωκεν, οπ καλώς έδεξεν αυτώ The on To Bankers Examp \* Saraga. हाक की में महार है. कि वि in Kujes natasa Jeiou Exaons, 8 tos En no vim Saulies per tans i βαπλέως έλασις σλίω τα ίερα απετιν όταν ων θύη. ές δε ταυτα τέλο είχεν, ά τινενται σάλιν ες τίω พ่งเท, หู รับนโมโลย์ อโร เมิม รัปอิทธนา อำนัก, หลา อำนัก δίς δε μπ, cr τάξει. καλέσας δε κ ο Φεραύλας τον Educar Tou Sou Ta Tou To To TOU, E Euile ig Tand Te mag-मिन्न देशमारेहक, प्रवा देम से देरिनीसमार्श प्रदायम, नवे देम मक्त प्रवास थाएं व हेरविंड मा हते रिर्देश के देशमाध्यार के कहें मार्ड में हरीय- रेड है। माहिन εμμ, και ο Σακας όξων ποιλιού της και κανίου εξωμιίο, πλας. τινω ή καλω κατασιαω, κ) οίκετας δε πολλές, πε μοι, έρη, ω Φεραυλα, η κ) οίκοι τω πλασίων ηλε; και δ Φερφύλας είπε, ποίαν πλεσίων; την μολί έν αρώς ἀποχειερδιώτων. εμέ γάρ τοι ὁ πατήρ τια μβό Η παίθων πυιδείαν γλίγεως αὐτος εργαζομέν Φ κος-พ อักลโปอบอง อัก ดัง น้องอยู่หนอง \* อังเวขอนใน, ห ปัง- วอ. อังอาอิเจีย ίων τη τη τρέρειν αίρου, είς αγείν απαραγώς, επέλαν έγγάζεδαι. Ένδα δή έγω άντέτζεφον εκείνον έως (1, auris orandor, nai aversor mana mutor Indior, μύτοι πονηρόν γε, αλλά τσάντων δικαιότατον 8. yag av halos wigua, nahos no Sinains amedise के यह भी प्रमुख के हैं। या \* यह प्राण मुन्त है के वह के प्रमु में कि के immes no Sindana amidwkey av Ader. othos posi ετως έραγε έζων. νωί δε πάντα σάντα α όξας Κυs was Edwis. no o Sanas sime, a wanders où ra άλλα, καὶ αὐτό τέτο ότι όκ τιθυντος πλέσι το γε-ίνου, πολύ γας οἰομαί σε καὶ διὰ τῶτο κοιν πλεκ

no

0

N in

73

ua · Dass

zei

Tio

vá hijo

देश निष्

71

ERN

71 7

K:Y&

الأيا و 28.

वा हु

wireis

girov,

45 5

gun a 10 001

महीं ठॅग न लागीन के प्रशास का का को देशाम का के के कहता में είπεν, ή χώς έπως, δ Σάκα, ύπολαμβάνεις ώς έγω τω माσध्रक में ठीον (ο οσω को લંભ κέκτημαι; εκ લો છેવ, દ્વા, र्ने रह है रह सहिणाड़ मेंग ; है से रिकारिय स्टामे हैं है, रहाई रहा κιεβαίνω, πλείω με ουλάπειν δε, πλοίω δε άλλοις δια. 28. 20 810 νέμειν, \* πλείονα δε επικλείωνον πεάγματα ξεν. νω ρος δη έμε πολιοί μεν οίκεται σίτον αίτεπ, πολιοί Ne meir, mortol de inana oi de larewr Seon). Huet De. NEXU. δε τις η της σερδάπον + λελυκωμίνα φέρων, η τη βράν μασμήσα. κατακειτημεισμέρα, η ιόσον φάσκων εμπεπωτένου τίζ nthiveour. were wor fonco, ton o deegunas, im da'n कारेरे दे रसार क्रेसंक रामां देया में कहां देश नी में देश हैं. yer. nal à Sanas, and val ma Dia, son, oras ric η πολλά όςων πολλαπλάπα έμε ευφερίνη. χρί ό τεραύλας είπεν, & τοι, ω Σάκα, επως ήθυ दिन το देखा senuara wis a rugor to anotaker grain of on exact Andi Asow. The pole yar marevrov so eis avayra(1) 20. वर्ष है एक मंडिक्स के प्रशास के प्रशास में हैं के के के कि के कि के कि के कि के के कि के के कि के के कि के Séva Sus. iSois Sunduspor na Deviser voo roms. pa Di, ion i Σάκας, έδε γε τη λαμβανόντων τι νυςάζοντα έδενα άν 20. क्रेमिन दिवाड एक मिकिएमाँड. \* क्रिमिना, देवन, र्रह्माड. में पूर्वह नवा में Soues אנ- "צוש בדמו " מוסשבר דם אמעול מו אול ווע, דם אני מונים per cudacuoria of mesonos The merin Two ni dray un de tal ZEIV. al. ώς ε, τοί δείν, έφη, ω Σάκα, τον πολλώ έχοντα, πολλά ή όκπ-रवेंग भे लंड छिड़ेंद भे लंड कांत्र भे लंड देंश्यड, वैज़ड़ के का कि 66 76 किंद प्रश्नायकाण मेरिक्या, देंगे दिन क्षेत्रका को दीव मधाकाणमा, दिन ye. yas ανιέδαι. μα Δί', έφη ο Σάκας, άλλ' εκ έρω τέτω εμί, άλλα χ ευθαιμονίαν τέτο νομίζω, το πολλά έχεντο महिम के के विकास के! का किए, दिला, कहार मी Θ. ών, à का किए equinas, soi ou pe avina mana endrinar esses, x em ευθαίμονα εποίησυς; λαβών γάς, έρη, τουτα πάντ עף. בשבר. אבאדויסס, או אפש ל פחשה בצאבו מטדסוֹב, בעני כ שוולבו בא אף. מֹפְבּאנו אס ווֹ מֹשִיבּף בְּבּייִסִי דְרָבּהָבּ, אַ בֹּח בֹטִדְבּאבּׁיִבּפָסִי ווֹ בְּבִּיְסִי. \* מֹיְ עפ. דצדצי אצידנו צבל עוסו, ל, דו מי אינו סט צצאה ל דצדמי עבדיצו muilers, con o Sanas. nai o De equinus cuoras elme HETO, μίω συκού λέγειν κι άλλά γέ σοι, δ Σάκα, σεροδια WITE E πεαξομαι किने Κύρε, μήτε θύρμε τὰς Κύρε औ MA 70 महर्ग मार्गिक इत्यार्गहरीया. बेरेरेब वर्ग मोर्ग मार्गि । I' ña पूर एक हो का का किए है पूर्ण के प्रतामित मार्गिक प्रता में कि वह प्रवादि १९. श्वणक " देवह स्वो द्वंश म बोवजेलेश क्ट्रिक्रव्यादिश्य केले मां हैं।

vav.

27.

१४ अहब्राविय, में हो उंकर हर्यार्थिय माठेड, ठाँउक कर्ट्ड वह में ब έπ πλειόνων άξχης. μόνον, έφη, εμέ άπο λυσεν ταιτης मांद्र विमाधार संबद्ध में प्रवेह देव के क्रिका विवा विमार्थ प्रशिक्ष έμοι τέ σε ο ίομαι πολλά κο Κύρω χείσιμου έσελ, τέ-พ. หล่ อ เม่ง ทั่ง คั่ง อ เบอล์แลง รูกรุงกัลขา อังเ สาง ภลัง ที่ยว วยานล้ายง อ คื ลบี องอุนเรีย แลนสอเช่าลา 🕒 🖏 อีก ट्रेनिट्निका रहेल १०० थि र मार्ट्रिश्य क ट्रेनिस है, म वर व्याचि है. मार्ट्ड-EOUTA. novein.

7

15

7

B. 0.4

16-

417 2-

ay

11 6

i ar

त्राच-

190

yu ça STA

316

in Ku

27. Hy j Te Deeguna o Teja O pineruejs Te, x अत्वातरांसा के के शिष्ट में की विकास के कि के कि के कि कि Allow is av Spines. if ya's BEATISTV Tav Tov of Ciay ήγηπ ανθρωπον εί) κ) ευχαρισόταπον, ότι έωρα τές म रंगवाप्रधार्थिक चेंकि गा कि वेग्राम्मवाप्रधामा महा कर कर कीwas, wis te xuer ouevois messousses avrixuer codu E 85 YVOIET CUVOINGE EXOUTAS, TETOIS duteunosutas' 2 हैं मर्निहर कार्रहरम्बद वर्ग करें, महमहद्भावमा है रियान यह १६६ tal portas de modu maddor avtistegamento warton off ( ow estenoutas is ( outas is tend thoust as. To d' dinna τάντα (ῶα κ) άχαεις ότεξα κ) άγνωμονές εξα αι θρώπων γήνωσκεν ε). έτω δη δ, τε Φεραύλας τω ήθετο, ότι εξεπιπο αὐτω, ἀπειλαχύτι τῶς τζυ ἀλλων κτημάτων Απωλείας, ἀμφὶ τεις ἀλλες φίλες έχειν ο, τε Σάκας, Τι εμελλε πολλα έχων ποιλοίς χρήσεως, εφίλει ή ο μέχο ωξα-Σάκως τ Φεξαύλαν, ότι σερσέρερε τι δεί ό ή, τ Σάκαν, λαμβάιου ा \* केर्द्रायमिवंग्सर कर्यर व हेरेरा ह, में वस क्रेस्कार एका पह का गेरे.

μλέμθη Θ, έδεν μαλλου αυτῷ ἀγρλείαν παςείχε. ης ετοι ης δη πλει-28. Θύσας δε κὰ ὁ Κυρος, κὰ νικητηρίω του Εκλομβίοι του Τικάδ του μετε την φίλων οὶ μάλις αὐτὸν αὕξειν τε εκλομβίοι του Τικάκὰ μετε την φίλων οὶ μάλις αὐτὸν αὕξειν τε εκλομβίοι του Τικάκὰ μετερί ποταν κὰ πυζύτες ἐυνοϊκώτατα. Ουνεκώλετε δὲ νω τ Μηπάντα ἀντῶς κὰ ᾿Αςτάδαζον τὸν Μηδον, κὰ Τιγράνων τ᾽ Ας δον κὰ Τιπάντα ἀντῶς κὰ ᾿Αςτάδαζον τὸν Μηδον, κὰ Τιγράνων τ᾽ Ας δον κὰ Τιπάντα ἀντῶς κὰ ᾿Αςτάδαζον τὸν Μηδον, κὰ Γωδος ἐνὰν. Γαθά γράνων τὸ
καν του του του Κοπταρχον, κὰ Γωδος ἐνὰν. Γαθά γράνων τὸ την ωπος χ Αςταδαζον τον Μποον, χ Την εφνων τ Ας δον χ Τιεν άλ ώμον, χ τ Υςκάνιον \* Ισσταρχν, χ Γωδςυαν. Γαθά γ εφνων τ

πιβ τη σκηπέχων δίςχεν αυτώ, χ όπο εκείν τ Ας ω.
πιχει έσμητεν, ή σάσα ξυθον δίαυτα καθεισήκει χ όποτε χ. Επαςείπην μό πυθειπνοίεν πυες, εδ' εκάθιζε Γαθάται, αλλ' έπεμε χον.
πισθια μπο, όποτε β μη αυτί είεν, χ συνεθείπνει. δίδετο χό χε. μεγαμτώ ξυιών. αντή δε τέτων πολλοίς και \* μεράλοις επ- γοις δώκαι το το κύρε, δια ή Κυρον και ύπ' άλλων. ώς ροις επιτίση και το διαπνον, έχ όπε έπυχον αιοπο.

D d 2

έκας ον εκά औζεν, άλλ ον μεν μάλισα ετίμα, παρά τω खंहाड्ड वर्षे प्रवृद्ध, केंद्र देण्डलिंड में किंद्र प्रकार में केंद्र

र्वहर्रावंड के में रेट रिट्न महत्र मार रेट हिलेंग, के रहे रही. क्र क्यें मार्थ मार्थ में विद्यार हुते, निष् में महत्त्वम् वर्ष में Sekide. zi ne wheoves wore, wowirws. Capluitedui o o s exasor enica, าะ то ะ б'окы อเกต สาล วิยา ยโงสะ อาเ बित्र हारे का का के के कि कि का महिला का महिला का का का माला. Horar, white adna Antedy, Sunoi eion entada & שואסונואש שביו ל אוואצג באסעדיבי סאצ ש עמאונע אנ. राहरा हैं। हे पहलं पाइ कि क्वां की, देश मार्थ जेस कर के पार्व के विश्व कर कर के पार्व के कि के कि के कि का कि reegi einv azweilowwoi wartes. z o Kug & 3 8705 έσαφάνιζε μέν του κρατισεύοντας πας έαυτα, ένθή वंदूर्व त्या कि रहे हिंदा में किन्व हव जरकर है पर्मा वे जेवंश्वरण τω ταχθείσαν εδραν κατες ήσατο, αλλά νόμιμον έπι-भेठ कर 0 में बेरब ने हां हैं (2015 का हु कि का कोड़ मिर्फ \* मामार्क महता है रिवर, में \* से गाड़ विक्रीहरू 2014, वेगव दूध विजय में ती हैं बंदा मार्गहर्वा. परंप ने कालका राज्य दे \* हर्जी व विश्वाद्य मा १९. १८ हिसाइ, क्रा में इव में वे नव ने देशान कवा वे वे के क्वार में मान 5 दिने Kuge Mobulpa, ह रकड़ हरा भी एक राज्याहर कर वहार-

77

76

de

ess

7014

ales

1100

E35.

2772

7078

Aero

45

31

ETHOR

Sie in o

וטעוסה

OKUE

785 2

\$ 500

St. MILLEautico. R. C. 71

29.

al. 7870V. 28. 70 V de-SULVOY TE KOIV.

No. Dal. TONa.

26. 280

Ď Θε85 our. n ulu dorei. 29.cmdeimunai y

THE. 30.

voula. 29. ETH D'ESHITIEN, ESONE TO TOGETA TO HE TAKE שני של ל אנופסי, צדש עבץמאם שפמדוסיום בו דו וולט אנו λαβείν, μηθέν \* τετων μόνον καταθαπανάν, αλλά έργη Exer \* Secrepor TETE KOIVEVET TES TREGOTAS, TOANAUS 3 में नहीं बेमारं प्रकार कार कार किया की के हैं के हुक म है। मार पर प्रकार वर्ण की को के में इसे मां पूरा केंडर देन है विविद्यान मां महिन के ना वर्ष τα \* πολλά οντα διαπεπομφει ο Κυρ Ο Δπο πις πεαπε (ns, eim deg à l'abguas, and ega, à Kupe, model who is the rest of whereou diageger an Spiriter The קים דו אונט דע דט צון י אינו ל פציר לעוטענו וו עונו בנשו Soner where or Stageger pixar Frama i spatific in Al, हरा है सिंह कि सब किए हैं। में के क्षितिसमाण का यह है है के मान ndlov giravapemas il spampias. Trus d'i; ten o l'useras. on ह्मा, न्यं एसे म्याकड़ मराहरम्य वेरिक्यमह विस्तान रिसंप्राथित मां है हैं।

30. The TETE of दिला रिका कारण के महिला के प्रतिकार Top Kulest, ag' av, ton, a Kuge, ax Dedeins por et egospelus o Estonal os moder; atta vai na mo one έρη, τεναυτίον τέτε, άχθοίμου άν σοι εί αιδοίμου α

πώντα α αν βελοιο ερεθω. λέρε δη μοι, έφη, ήδη πώποτε καλεσαντός σε εκ ηλ θον; δυφήμει, έρη ὁ Κύ-P. ล่าง เอลหรอบ จองมี เอาเหราน; รปะ รัชาง. สองร-त्वर्र हैं। हैं ता मेरीन ठा। हेर हेक्टबर्ट्य; हेर बात्रव्याया, हैंदा. १९. व है \* ο δε πεάποιμι, έςτι, ο, τι πώποτε ε περουίμως ή έχ περσα τηθρωμών σράποντά με κατέρνως; τέτο δι σάντων η- τοίμίω, κιτα, έφη ὁ Κῦς . τίν Φ μω ενεκα, έφη, τος ες έςτν. Θεων, ω Κύρε, \* Χρυσάντας σε έπρε Δεν ως είς πων τι- γρ. Χρυ-μωτέρον εμε \* εδραν ίδιυθωμας η λέρω; έρη ὁ Κῦ- Τάνπαν Ε-10. πάντως, έφη ο Υςάσσας. καὶ σὶ οῦ ἐκ ἀχθεθή- γεα +26 का पार बेसर्थ पर रेमा जिले हैं। कि प्राप्त के कि कि कि कि कि ετι εκ άδικεμαι. Χρυσάντας τοίνυν, έφη, εποί ωρώτον γε. χώ 348 เพียง หมักภาย ล่งอเมียง, ล่มมล่า เอย่า หลมคัง ภาลงใน ที่มี ที่μετέρων ένεκα έπειτα ή ε το κελδομθύον μόνον, άλλα 2,0, TI wites woin a LENON ED TE WELL MENON HEIV, TETO हैक्ट्यमिश. ठमठाह में लगहाँ। मा महा लंड कार्ड (एयम्ब्र्यप्रहड़, α μέν έμε φετο σρέπειν λέχειν, έμωὶ συνεθέλδεν α ή εμε αι ποιτο βελομίνον μεν είδεναι τού συμμά χες, αυπι δέ με αίσωνομίνον περί έμαυτε λέγειν, ταυτα έπως λέρων ως έσυσε γνώμεω άπεραίνετο, ως έν γε τέτοις में राजरे पेस लगे प्रें के प्रें के प्रें के प्रें के प्रें के के प्रें के वेसं कृतन कर्याय नयं नय हुं पाय वं क्षति , हेम हो है वेसे क्याहes ες σκοπών τι εν σερτηθισμέρον \* ονήσειεν. επί τε γς. ησειεν. πίς έμοις \* καλοίς μάλλον έμδ άγάλλεται κ΄ ίίδεται. γε καλοίε Tes Taira o Tedanas elite, in this Hear, a Kuge, monu palaέδομαί γε ταυτά σε έρωτήσας. τὶ μάλισα; έρη ὁ Κῦ- λογ. हार कि अवंत्रके जसहयुक्ताया क्यांचा क्यांसा. हम मार्गिक, हैंगा, ajrow, mus av elu dun O zeigav om Tois ous a ja Sois विवाहित्य महत्वाहाँ में में के प्रसेट्ड, में पूर्विय, में में कालिंग. में वे Agraba ( कि संगर, हे दूरी के विसे पर पिड्राफिंग टेमा पर पराइ Hi jehus Eglieto.

15

ty

1-

di w'

un

72

1.

3/10

71

EHE

9208

21.15

DTE T 27-

273.

05011

थ नार्व हाटारे

121,

77.12 w. (v.

H OTH

2 00.00

770777

31. Region To Se 78 Coursois, & Kie & & Tweetas Υπήρετο, είπε μοι, έφη, δ Γαβρύα, νω αν δοκοίης ήθου हैं। है को में डिएइब महिब के हिंग्या है उन्ह को कहळ का है है। γρε; έκεν, έςη ὁ Γωβρύας, καιρώ ταληθή λέγω; νη Δί, ιοι ο κύρο, ως Ασύδες γε εδεμία ερώπισε δείναι. ευ שועטי, באח, ושל פית שנות בע שמאט וושופים. וו על בצפוג בעי, באח, εί το κύς Θ, είπεῖν δίοπ; έρωγε λέγε δη. όπ τοτε με εωρών Θεί που πόνες κὸ του κινθιμίες ευθύμως αμίτου φέροντας, νιμό रे कुल वर्राम्ल मां बंद्रव रेले व्यक्ष्ट्रं । एड क्ष्ट्र एम्बर र विस्ता र्वेष्ट्र प्रवा IN एक

ο Κύρε, χαλεπώτερον εί) έυρειν ανδρα τάρα θα καλώς φέροντα η τά κακά. τά μθο ράρ ίδριν τοις πολλοίς, τά

Mel. Sa.

3 ज्यक्तृत्व प्रांथ प्रवाद कर जा द्रामाला . स्यो वे Kug कि द्रीता. inustas, a Tsalara, Twe gus to phua; vai ma di, son κ έαν πελλά πιαυτά γε λέγη, πολύ μαλλόν με της ου. jargos winshea xinte), n'éav en mo uara mot la moi onθεκνύη. ή μω, έρη ο Γωθεύας, πολλά γε μοι όξι τοιω-דם סניץ לבץ בשעונים, מי בץ שי ספו צ ס שסעווסש, אני דונו שי. γατέρα με γιωαίκα λαμβάνης. τα ή έκπωματα, έξη, देसला के से ανέχε Sai μοι φαίνη, εκ οίδ' ei χρυσαντα TETO \* dos, हम हो में मीए हर्गिका वह एक्षेष्ठ मक्टर. में भी की ton o Kuel, & Trawa, x oi anno joi machyres, in έμοι λέγητε όταν τις υμβύ γαμείν όπηχειξήση, γιώτελε όποϊός τις κάγω συνεργός ύμιν έσομαι. κ) ὁ Γωβρίας ά. Trey, hu d'é Tis ch d'évas Béan? Suja réez, we's n'va d'il λέρειν; σε εμέ, έρη ο Κύρ , κ τοτο. σάνυ χ, έρη, Servis ein ravitu the Textus. That; ton o xeurayτας. το γιώναι όπι Ο αν γάμο έκας φ συταμύστιε. ή o Keudartas kon, deze In wees of Dear, wold ned noi zwaina ole ovaquosesv nahlisa. megotov il, ion, πακόσι, πικός ο κ συμος ε μι 3 πελαγη λαπιακά ην ποτε βέλη σύτω ός θω φιλήσαι, σερσάλλεθαί σε Senote des नवं xuvalera. एक ए प्रों रेंग, देंगा, वेह जेवेंड कुट्रावसंड. אין אם צל' סחשבוצי באחוס ב פונו. בחבום ל', בנוו, דועו av σοι ίουρως συμφέροι. σρός τι δή αμ τέτο; ότι, έξη, को पूर्णमें इसे कलेंड हैं। मीर न्या न्या वर्ष वे वि देन में भूष-निकार, विधाय कल्वाप्याधितसङ, र्राम्स करे, र्राम कर में परित्र रिरीस मणाया विकार थे देश के पणा, व विस्तार के वेर कार क्षार्थ (a) vai μα Δί, εφη ο Κυς Φ. Το μ γας μεςών γευπι ι zasne zizve), of 3 aseinvav, opin. x, o Xeurarras ton प्रमुख्य में बेंग, कलेंड की अहला, दिवनाम से हिल्हाड वेंग सम्मार ποία τις συνοίσει; ενταύδα μ δ ή δ, τε Κύρος δζεγέλαση છું οો તેમ માં દેવા દેવા છે. જામ જ જો તેમાર છે જો જો જો જો TONG JE, Egn, wanisa TETE DE, & Kuge, (na a ev Tilla σιλεία. πίνο; έρη ὁ Κῦρο. ὅτι δίνασω κὶ ψιχείς ἀι १६ रेकार क्या देश हैं के रिवेश कि से तर में किस मार के रे के कि

αιό γε παμπόλλε ώς ε σοι ταυτα είς κοι κὶ ἀπαγελολική στος κριτα κ

क्षेत्र हार की इस्त वे ती हार.

al. देत्र को

2. Min

20

K

2)

ara di

wh

200

ist.

585,

2015

KAT

duy

3

in T

ginu

100 c

1250

ग्रह

Kingus The H

Any

5 dy 7

22. Μετά δε ταυτα Τιγράνη μέν εξήνεγκε γυναικώον κόσμον, κὶ ἐκέλ ἀσε τη χυναικὶ δεναι, ὅτι ἀνδρεί-ως συνετρατούετο τω ἀνδεί. ᾿Αςταβάζω δὲ χευσεν έκπομα τω ή Υεκανίω Ισπον κ άλλα πολλά κ καλά έ-Sughoute ooi 3, ton, & Tweeva, Swow ander in Suyarei. insv eue, eon o Tsacoa, Sweets, iva nai ra συγγράμματα λάδω η κή έςι σοι, έφη ο Κύζω, έσία έξια την της παιδές; τη Δί, ξφη, πολλαπλασίων με έν χημάτων. κή του, έφη ὁ Κῦς 🕒, έςι σοι αυτή ή ἐσία; cirauda, ξοη, οπεπες κή συ κάθησαι φίλ Φ ων εμοί. άρκά μοι, έφη ὁ Γωβρύας κὴ ἐυθύς ἐκτείνας τω δεξιαν, Alde, ton, & Kuge Sexpuas jag. nai o Kugo Aabair This Tracore Segiar, Edwie To Tobqua o j'estegam. in j 7878 मात्राय में प्रवाद में दिला कि कि एवं पार्थ पड़ां कर का onus The moude me unese X guo avrav 3 equanos mesoapapiele. 2) o 'Agrabas & காக, மல் வி', சேர, வி Κύρε, εκ όμοίε γε χουσε έμοί τε το έκπωμα δέδωκας χ Χρυσάντα το δωρον. αλλα και σοι, εφη, δώσω. επifero chero, note; eis relaxosov, on, et . ws drawlier o, ton, i ex ano save whis, en of goodals. nai rore whi o'n Erws Exnger in orluin. ¿Zavisawhom of airs \* Tavern xai o Kur . xai ounnes- ye. ourek-ETENETIES OUMENES SUMPLES attentioner ofrade exa-184, min oros auth oixeir 268 20070 was autw. 78-THE 3 Zwear x cines Edwar, x vi ETI EXECTO of The καταμεινάντων τετων τοτε δπόρρνοι. πλειτοι είσι Μήfay n' Yenaviwy.

,

7

1

.

H

M.

y-

Ny.

Wa

211,

144,

07:

ets. run

eon,

Nin-Te cu

o (ai

त्रभे मे

£ 211,

6477E18

A dots

1 का वा in Bar

ण वारा

Min

33. Tois d' बेलहन र् क्षान में किए कर्रित में बेपड्या निड़ नागान र्यापिए कि. में वंश्रूषण माड में ज्ञूया विभाग से मार्चित कर थ रहरह री र्रो र्रिक्स में मांड किं क्यां मार्ग प्रवाधिता. रवे पूर जवा χήματα όσα εκ Σάρδεων έλαβε, κ) τοις μεν μυσιάς- εσωτώ. μις κὸ τοῖς σθεὶ αὐτον ἀσηρέταις Εξαίρετα ἐδίδε σρος Μὸ ἀξίαν ἐκόςω, τὰ δι ἀλλα διένειμε κὸ τὸ μέρος γρ. ἐκάςκ ess de lasso ses The moera gxon, entergenten autis d'avenen τες αυτίς επείνοις διένειμο. έδιδος 5 τα μου άλλα τος αυτός εμενοίς διενεμικός εδίδος ή τα μερ αλλα βίμα κίματα, ας χων άς χοντας τεκό ύφ' έαυτο βοκιμάζων το πό τελο τοια οί εξάβαρχοι, τεκό ύφ' έαυτοις ιδιώτας γς διεδία विभाग्द संत्राविक्त कर के विभाग्याण महिलाइ. हमस्त्री में सं- गृह-मिलामा

Ali PEGAL

λήφεσαν τα τότε δοθέντα, οι μέν πνες έλερον περί के Kugs नार्यी, में कड क्यों के मार्थिय है हैं। उस है καὶ ἡμήν ἐκάς ων τοσαθτα δ΄ εθωκεν. οἱ δ΄ πνες αὐτήν έλερον, ποία πολλά έχει; έχ ο Κύρε πόπ Ο τοικτο όλως χεηματίζεδαι, άλλα διδές μάλλον η κτώμλιο n de ).

0

7

7

70

500

734

do

7a

# 6

iA.

xa]

cixi

ni;

775A:

120

He ?

1 14 P

MACIN

UE &

1057

000

a T

3

ιάχου ועטטו

46

34. Aidavouly & 3 6 Kog TETES 780 2678; 24 34. रबंड र्विट्या मांड कहारे व्याह कार्यक मेंड कार्या मांड कार्या मह comnaieis, a martas, n' Exeter & de Ardres pinoi, és-हिम्म प्रदेश मंत्री वंश उप्रधंत्र हड़, वह दिश्व राया कि सहार को संख्र हड़-ममें देवा में ह्रिक्रण, देन के उद्देश केंग व्हिन्द्रण करण व्योद्ध. δαι εμοί δε δοκέσιν, εφη, ετοι τεμπαλιν έ βέλοντα 3. το γας εφέλκεδαι. \* τον 38 πολα δικύντα έχου, μη κατ' αξίαν της κοίας φαίνεδαι ώφελεντα τές φίλες, άνελάθες.

av हिम्लापूर जिल्ला जाडरा के ती था, हिमा, of As-φίλοις έμοιγε δοκέσιν είναι. διά χο το μη eid έναι τά ον. τα, πολλακις δεόμενοι εκ επαζγέν επν οι φίλοι τοίς επί. ерія, ахх алатыты. апхидать бе иог, гон, бохн ED to the Suramiv parsed v noindanta en taiths agaviledas meet nonajadias. naja ev, eon, Benouas iμίν, οσα μέν οξόν τ' όξιν ίδαν τ έμοι όντων δαξαι, ότα δέ μη οξόν τε ίδαν, διηγήσαδαι. τα ότα κίπων τάμεν εδείκυυε πολλά τε κ΄ καλά κτηματά, τά ή κείμενα ώς μη ράδια ε) ίδων, διηγωτο τέλ Ο δε લπεν ώδε, τωίτα, έφη, α Ανδρες, απαντα δει ύμας εδεν μαλλον εμά ηγείολαι η κρυμέτερα, έγω γάρ, έφη, ταθτα άβροίζω εδ' οπως ουτος καταθαπανήσω, εθ' οπως αντίς κατατείψ (έ λο άν δυναίμω) άλλ' όπως έχω τω τε αθίνων να-Non in worken distorat, if o mas in me tull hill in Seidul voulon, wegs eut Ex Day Aden & ar ordens wy.

35. Kai ταθτα μέν έτως έλίχθη. ήνίης δε ήδη αύτω έδοκει καλώς έχειν τέ ον Βαζυλώνι ώς καί έποδημεν, συνεσε δάζετο τίω eis Πέρσας πορείαν κ) τοις बेरोगा क्वामित्र विश्व के के दे कि कि कि कि कि कि कि Eto generatari, & son gu aned Ceranne. gud naghera ge &

γε σολύ- ταδια, ώς τουλύς σόλ Θ ών, ευτάκτως μέν κατεπάάζετο κο πάλιν άνεπαθάζετο, κατεχωρίζετο ή τεχ באצ שנינונים. באו שמני של בא בא בא בו או אות של בא בינה מוני 10.5

DAG.

35.

zavn ev.

.

1.

É

4-

ú-

50

NEW

wis-

ud

, 68

:40

NG-

CI.

יעעד

di-

710-

TOIS

. a.

nd-

Tax!

105

मां प्रदेश की हिंशणीहर कर्यणीहर की वेपको दिवतार्रहें कर की हर्क गता મું કેલ્લક મું સ્થામી છે. દેવમાંક જ જાર દે જેમાં દું Kileos, જાલેક โม ดิงล์สะจุ โรนอิน เ ที่เม่ อนโมโม่. รัสตาน รานรู้ เ เตุพาง μέν σόσον δει Σπολιπόντας σχωών τες δοςυφός ες της βααλικής σελωής επεία σίοποιοίς μέν χώραν απέθειξε मां अद्वांतेण, के कि मांगा के निर्ध वंशाहर हुतेण, कि मां के निर्ध Atian, imo upious & rois annous the deisted v. x Tanna se sereranto, we enderas exaste the saute goinge थे थां मुख्य थे, गर्वम क विषय क्षेत्र वेष वाम के वेष वाम के विषय मार , क्या मां जिलहा ui inas @ oxeun ofaveg retan) zenodu, avanten) di के बेंभा की की नवे रेका (प्राय. किये वेंसव मडेंग कर्या मह देहता mu i oxdazazei oti ra Telazueva azev, ana 3 mav 755 ' बेंग्बा रेड्बन में किया के देखार है हिस्बा कि . हिस्स की है तथं - रेड़ देखार कि मां प्रशंकि वेद्रमा थाव रह जर्माणा में कर्वत्याद वेगाद् नेवा. छ - ने यम . कार्या अपका हर हा में महरों मबी बन्म दी में, में महरों पेंड महत्राίδαι ή τα δπιτήδεια παίν α εν καιρώ ωσαύ τως διατίταν-मा हेर्युड्ठाड़ पर्वे म्हाममहर्य सम्बे री वं प्रत्य के व्योग्डेड प्रहेंप कि देशा देशों पर प्रदेश में करेंग महत्ता हिया। के कर है के का महरे τά οππίθεια θεράποι ει χώραν είχον πίω σερτήκεταν \* Exasti kto x oi ow hopogoi duth on the spatome fei- 213. Exastis ला प्रकेश्वर पह संप्रवा निर्धा पर विक्रो विस इंग्लंडम विकास विस्ता, मे בארשו דעילוש בידום איני, אל פינ מימעבוס אודאדני דעידב unexwellorto. nanov usv jag in eito o Kole Gran ev פוצים בון ביום בינים לונים בינים ל בעלה עוס בינים ( בינים בעם בינים בינים לונים בינים ביני ή: τε δέηται δηλόν όξιν όπε δεί ελδοίζα λαβείν.) μοσύνως mai de en randior erquice the The stationian ou as at nio λών ευθημοσύνω εί), έσω τε όζιτεροι οι καιροί τώ Αι τά πολεμικά χεή σεων, κ μείω τα σφάλματα από יו שינונים ביו מנידוני בידום לב דע כי אמונים דעיםγιομένων σλείς ε άξια πιότα τα κτήμαλα έφεα χινόμια οι τοίς σολεμικοίς. δια τα τα δυ και επεμέλετο किस्मि ह्यारिंग देन मार्ग्य मबीका जेहीन वह इत्यालाहरीह, केंद्र पृष्ट का कार किया माड प्रश्ने हिम्मिन क्षेत्र हिम्मिन के प्राप्त के कि प्राप्त के कि प्राप्त के कि प्राप्त के कि थे करुपर्य ४६, जैकार संगीता, महारे हेक्सपरेंग हो हुई, पर्वप्र τον κύκλω εχομώνες εππέας τ' είχε κ) άγματηλάτας. Εβ τέτης εχυράς ενόμιζε χώρας δείδαι, όπ σύν οίς विश्वामा उत्तराह दे किए कर्न् द्रम् १ द्रम् λύου), άλλα πολλέ χεό ε δέονται είς τίω εξόπλισιν, Hinner zensium; \* Egoisen in Segia de ni in der ye. Egen

उद्भु कार मह में भी । क्यांका महत्र महियां प्रकृति हैं। कहिं हैं। Si क्यें प्रकेट में कहां प्रेम में प्रति के कारी पर में की कि πέων, οπλίτας δε ε του τα μεγάλα γέρξα εχντας κύκλω πάνταν είχεν, ώπες τείχ , δπως κ εί δέοι π राम्य के वे ( इमेचा न केंद्र कि महेबद्द, है। मार्गामक नव है। कर्ड मेर हैरीहरू क्या देशाहर वर्ध पर्ती वंतक्यों प्रियों \* प्रवर्शन मार्ग हम्बेरे केरिए

हैं दार्ग देश नर्द हम बंदाहर को किसे रिया, हैं एक हैं हो जह नयह हैं।

9

6

20

3

70

70

T: 613

01

OM

П

neg

54

Пе

Sypi

mi

aja

100

8007

วิท่า

ca.

Aoi

agis

E CO

28. 256-Trini. 28. 8000 ox dal at कारे । कार as, ware J 8. 1850. woor,

थे का कार्तिका, विमाण ह थे देश की एएम की, ले \* रहिला मा, विकान में को निर्माण कामहामते वामार्थणा लेने मधीरण महण लेड मिन्द्र में किएमा, क्षेत्रक में की महिक्या में की वेसकण हत्ये, ले मान्द्रक्या-नं का रहे हे का शह बंदरण में दिए के नहिं के की किया. मी. हो हर रहे में जामले कार्य महा के। वह XITES देन में जा-एकांत के। वह रिकार्शिया, बेक्सि है दे तथाड़ तर् हराए दे। व्यं केंद्र एड़ रिज्या मी में की का संस्कृष नवेड़ वीमाजसड़, मर्दराज्य ने की टेमामवार कर इसक है मेरा दे महोंद दे वीटम देवाद मर्थ मह प्रवृद्ध नवंद में में में मार्थिका में में इक्की व वेर सिर्वेष रिकामहर्षाया, में नवे जा 25. Exaro. Meta erizvanov & \* Endsois in ase 678 \* Secto Kiet. 29. Storr- in Eliter, and the Culous to the Enason Esten. में री में रहे लेश एपाण देशवाचा, शिका तक क्रिक तत्रहों एकी श 70, Kdesu मेंग किरे व में देति हैं कि देश का देश कर है। कि में कि कर में कर के लिए के Seito munis à nuesas, ware av eis confav eis n'en गर्वमानिए गर्ड टेमान नेह्यिकड हैयाने मी तथा. भे पर प्रथमार्थ कि हैं & TETO MOTO NYATO EIS TIS CHTENOU O LACY TE compas Suialon la Diva, n'an negat G eis paras fa na asiou, में देश में हार्जेड, में बंहाइन हुकेंड, में ठेमा नेस टेमा क्यारंश मार मार्थालक, देव मेळ देव दिन दिन वेस वे से नी वर्ण वें में के महिन τακπκον ήρετο, κή το πθέναι ρε το μές Φ εκαςτν: «« μάλισα εν એટ્ક્સલંલ αν લોમ. घो το ταχύ: ev j ठेमा कर्या. उत्था रिका निमाय प्रवास्य में त्यां प्राम्य प्रमाम वेगी हैं। देश्वेषाद्विम हों), में इसइप्रदेशकी कि नर्पत्रका नवारका वृद्धा है दें। भीने नमें इ तर्वाता करें इ ने (प्रामानी वर्ष में में मार्ग कर

35. 28. 671-24017.

To.

संशा) या विश्वखंश (इप. 36. 'E דפו לב הפפל בינים " אונים או דונו Madali, महत्त्वा के Kile कि कहा Kuatague. रेना रहे में वामा मार्टि άλλήλες. πρώτον με δη ο Κορ ο κίπε τις Κυαζάςει, οπ อโนอง "พานี อัสทุกมนีย์ ซาก 🔅 Bacu ฉีงเ ห่ ฉัดหลา ठ तक हरू में, के वेरवा देश विम हैं। चेन, केंद्र संद वास विस्वाहित थिया, देमसाय रहे में बंगमय रिवेड्य हरीय प्रश्म काम में मु

êπος ε' ετο टेम d' है नो इन्बी : मही हैं जिस ws नवे कार वे केया है

χαλά. ὁ δε Κυαξ έρης ται τα μεν εδεξαίο- προσεπεμιξε δέ αυτώ τιι θυρατέρα σειανόν τε χυσεν κ ψένια σέesour, is specifier, is sould Muliniv as sunativ xing sur. gi ji di muis esepave vor K esv. ò de Kuatagn, el. TE. Side us S' oos, a Koge, x di the Touthe ywaixa. פונוי צושו שנוש שוום שוום של מש מש שוום של בשום לעוש של בעוצ חשת פנ שעום בל היה מנו באנים. מנו של בליוי, או מני morans mus wir, ore way nuiv nota, indunia in ortoτεπιέρωτών αυτήν τίνι ραμοίτο, έλερο επ Κύρω. όπι-Mobin i anth sow is osculu Mndian The wag se je'e Bun diflu meis min . o uev siag elnev o de Κό Θ ἀπεκρίνα ο ἀλλ', ά Κυαξάξη, τό, τε γήνος έποιvo n' The musta, n' shigh Genoual de, con, Cur Th מש חמדפס זישור אל דון זאל בנות סל דענד מ ספו ( wast'son समह एके हम्बा के Kole C. oune है के मा मचारी का अरब εδρεμοπίο, όπισα ώξιο κη τω Κυαξάρει χαειείδαι ταθτα १ कार्मानका, संद मिंहानका क्रिक्ट्राही.

37. End de cmi Hegor v oglois en evelo mogdines . Ti usv anno seateupa aute nathitter, outs de Cur τοις φίλοις είς την πίλιν επορεύελο, ίερεια μέν αραν, ώς ann Regons inava Svew Te ni en i dai dai da ga di nofu, हींव मुदेश हम इस कर मार्थ में में में द्राम को में निर्देश में निर्देश में में कारेगाइ, भी के वित्र हमाह नगाइ के त्रवाइ में प्रदेश महिला महिला में नगाइ έμοτίμοις πάσην. έδωκε δέ κὸ πάσι Πέρσαι κὸ Πε σίον, immes i vov en d'iswon o nu mes aginn) Ganneus eis

Tieroaj.

Π

15

ev.

4

79

25

9-

λ1.

115

60.

70

625

On.

9,

FOV.

10 (

24 78

भी-

5720 1

1009

asit-

70

Sian,

:48

230.

1505

र थे रोका

iar g

ali,

001/0

4, 01

7,42,

14.74-

1 4

K. OLIVA

38. En de 7878 Curens & Kaubione 785 peparte 85 मिक्तिण, में नवेंद्र येद्रवेंद्र के महित की महित्रांडिक महिला होता. aderanere de nai Kolesv, nai ene e Totade Andres Περσαι, κό σύ, ω Κέρε, έρω αμφοτέροις ύμεν είκοτως ย์ของ คุนไ. บันที่ นะบ วลัง ธิลธเลียบ อ. อบ ชิล ลี หปีเล mis inis el. Sina O su ein, ora prominer sono αρα θα αμφοτερος, ταυτα εις το μετον λέγειν. Τά μεν का क्यार्मिश्वाम प्रसंद परंग Kolego in fisare, segireuna fortes, & agrevia tete autor narashtavtes. hd. & Thysus O Tets Con Osolis cixxes per upas, a Dig-्या देश कर्वतार वेराजा धामठाइ हेमठा गाउड , देशां एड: वी' देर गाँ Asia wasn. The se or spardsapiewe auto Tes per gerata. diss \* i wentente, Tois 3 TONNOIS med du nai mean &-Theneianer. immror d'à natus nous Negoner, netting mas. Le 2 Higgars

ċ

2

8)

in

28

CH

20

1971

TOU !

n K

71 7

£ 27

al h

aco.

מבדו

In cu

2000

J 70 yin?

WITE.

PH who 02897

ar us

De Uz y'Ia

9 171 ida,

THE

garci

pégen

40. 5

σιλέως

61 3h

in Onst.

oc. apisa-

धिया गाः

Перошя में जारींका द्राया परमा की ता. में प्राप्त हैं। में के स्वास्त्र έτω μγνώσκητε, πολλών κ άγαθών αίτιοι άλλήλοις έσε-De' ei de n où, & Kupe, हम क्रिये हों के क्र क्षित्याद मां प्रवाद हिना दूसहर्भाव सद क्षेत्र में हिन्दू के कि को को को को को को के कार है। के कार की άλλων, η ύμεις, ω πολίτω, φθονήσωντες τέτω έ δωά. सहया सवाबर्धांमा कामार्वाता के प्रति के विश्वाद की रिंह है है । ποδών άλληλοις πολλών κ άραθών δοεθε, ώς έν μη πώ-पत अंत्रण), बेरेरे व स्वेत्रव रे , ह्या री रिम ह्रा, रे ज्यास है. முக்க கவார், நி அக்க கோமிரமாகவிழிக்க மாவுக்கு, ல் மில், ο Κύρε, ην τις \* Επιτρατεύηται η χώρα Περσίδι, η Περ. ow vous, Stamen क्साइन, Bondhouv नवारां में। μας ο, ω Πέρται, ην πς η αρχής Κυρον οπιχαιή κατα-मक्यां सार, में वंद्रांडव देवां मड मी रंक्क्यूसराका, हिना जीवसा में ύμιν αὐπίς η Κύςφ καθ' δ, τι αν έπαγ ζέλλη. κίως pho av ega (a, eun sigun) n en Mégorus Baondeia trus δι ερώ τελάτήσω, δήλον ότι Κυρω, εαν ζή. καί όπω μέν ౘ άρίκη) είς Πέρσας, όσίως αν υμίν έχρι τέπο र्राश्म प्रमें हिंदु रेक्कि एत्मी, बाला मार्क देश रेप का मार्श दिन देम मिए के, सबसे के के की प्रवास प्राण देश से दे हैं। Noss os av dong vuiv ders & ED, con ra Al Dear αποτελοίη. Ταυτα είπονο Ο Καμβύσε, συνέδοξε Κύζω τε κή τοις Περσών τέλεσι. και συνθεμένοι του τα τίτη κ Θεες όπως πυράμωνοι, έτω κ νων έτι διαμένεσι ποιέν. τες σε s αλλήλε: Πέρσαι τε η βασιλεύς. Τέτων ή σες. θεντων, απήκι ο Κυρος.

39.

39. 'De d' amen e forero en Mudous, Curdozar To πατεί η τῷ μπτεί, ραμεί τίω Κυαξάς» Δυγατιες, is ETI is vui xoy O- as may na's Mousins. End ? אין אוזף הנושע אבץ צמע שנ דעש דוו ב עות בל ב מלצא בחוי בין ווי किंग वंत्रमें पृथ्वांद बेंग में ज्यान्यं त्रवाण मेंग में न्यांद प्राwas 3 dudis Exav ave Cooper. Enei d' de Balunan शेष, हे र्राथस विकास (विश्वत्व अर्थ मही मही मही का कि मो स्वतः क्रुवक्ष्मध्य हें जान कार्र मिल्या देश स्वाद व सहवाद क्ष X 85, x) Tow X ( ) id ( X 85 of XT The xweet quantity ४x बे रोर में हवागड हिंद रहार बे सहसार. त्यापत है कहारवाहिंग. टेमण्डिंग ठेमा इ, सं माइ नी का महामार्थे रेखे के में हैं है है है Sus का अवश्याता रिएडिशंडलाइ, में ट्याप्रसार्गायसह प्रमे जसीमिन 2. αντίπα ευθύς \* ανππάλες έχει έν τη χώςα. ταυτ' εν βελί-२०० हें के मिल्डिक कहते हैं वा, हें उपकार प्रत्ये के क्षेत्र का दे लाग करें दे लाग करें Bi, Rat wegenneis omes eid fier ep' of inou of thems' eriui(e

JOJE95.

ibul's jae stus \* padrop peger av aites emei j na- je. paor. माइयांग माद संदूर्वण, में व्यं मेरंग्ठामा म्याम्य, न्य रहमां द में इनीner auto piger, voui (ortes, Si' Eauth amsiar touta المائي. وس عن مديد مديد مديد من الله مديد "Avδες φίλοι, είση ήμιν ον ταις κατεπαμμέναις πόλεσε ορκερί η οςκεαςχοι, ές τότε κατελίπομών, κ τέτοις ένδι σερσάξας άπιλθον άλλο μβο εδέν πολυσεαγμο: είν, חו ל דבו או לומסט (מי. דצדעה עולם צע ע חשטסט דוה מפγίς, έπει καλώς διαπεφυλάκασι τα σεοςαχθέντα άλ-Aus ने ज्या कृत्या कर्मा का मार्थ का किसमें, विषय के देहा की ένοικύντων, κὸ τον θασμόν λαμβάνοντες \* τοίς τε φεν- ρε. τοίς τε ειις δώσεσι μιθόν, κ άλλο τελέσκου δ, π αν δεμ. δο- σεώτοις मों हैं पार में की \* देर जैसे हैं हैं की हैं के हैं के कहते प्राप्त कि हैं हैं। τα \* παρέχω, πέμπων, πράξοντάς τι οπί ταυτα τα γρ. ενθάδε ίπη, χάξας γε νέμεδις κὶ σίκες όκει, όπως δασμοφοςη- μθύντων m wirds deveg. Tar Te worr energe, els oinela Exa. v wh. η κατάρεδου. ταυτα είπε, κ) έδωκε πολλοίς τω φίλων γε. το αρέ-Todoas ras nataspapeidas woners cines, ni connoss you wen-נו עשו פוסו דסוב מחד של ייטוב אל דל דב אמל סעדשע מו אם- חש. αι καταμβύεσαι, αλλαι έν αλλη γη, αύτοι δε οίκεσι मालुं विकारसं. रेस है, हिंदा, कारे रिश्च वह क्या मुद्र तथा है को वारक त्येड अध्या, त्राहर ह ए एवंड करका संग, वात्र हर, तर ν οι τη γη έκας η καλον η άραθον ή, μεμιήσου ) και τος. Σποπέμπαν, ώς μητέχωμε κ) οἱ ἐνθάδε ὄντες मि म्यानवर्षे अरूप्रविधिष्य के नव रिक्षेत्र सवा रे मेर म नह रिक्षिते प्र יוון), וועוו בכשן בעודי פיר דמעד בידור די די די די בילי ב-שודה ל אססטי באודם ל צו בנין צישטעב דע סואשי לחו דפון किया हिला कि मेर्पां हेर्स हैर तह है हैर पहें का मेर्प कार्य के कार्य किया है वार्षणाया की मामिरिस्तार पार ही), हमाधाम व्याप्त मा कि 'Aeg.αν μλή Μεγάζυδον' είς Καππαδοκίαν 3, 'Αςταδάταν' Φευγίαν ή τω μεγάλω, 'Αρτακάμαν' eis \* Λυκίαν γρ. Λυδίαν y lariar, Xguodran. eis Kapiar Se, Kaderov, " ao- yp. ormeg ε έτεν είς Φρυγίαν δε τίω συρ Ελλήσσουπν η Αί- Ετεντο. ίδα, Φαρνέχον. Κιλικίας δε η Κύπες η Παφλαρόνων κατούεις όπι Βαζυλώνα. δα συκς μέντοι συνέταξεν क्रिस्स हो नहरह.

.

S

21

2

11-

nant

78-

900

9.70**,** 

m.

eng,

870-

wei

uis'

40. Ως δε τότε Κύς Φ κατες ήσατο, ετως επ κ) νωί πλέως εἰσὶν αἰ ἐν ταῖς ἀκραις φυλακαὶ, κὶ οὶ χιλί-Ει τη φυλακαν ἐκ βασιλίως εἰσὶ καθες κότες, καὶ

40.

15

ee.

05

201

BH.

63.5

205

Tal.

26A

ml

alway

bul

n'd

43

18709

निं १०

of no

5470

atica

0 of

But

NET 2

ביני שלא

00 25

www

DU TEIP.

\$9 700

X155 8

44. 1

Babu

TOV U

(0) 5

dásar

( ) na

HXIO

Aigun

भग्नेवा.

म्बर्वे हिंबन्रेस रेमान्श्र्रम्थार्थाः कल्लामा रहे वर्षेन माँह देश. πεμπεμβροις σατράποις, όπα δυματόν εώρων πιδιτα αμ-कं, करापय मामसे देवा. कहळ का मार्थ कि देवा सम्वी ह्यांस्वा επ το Cureπομβών Περσών η Cuma χων, η αγματη. λάτας όπόσοι δι αν γην κ αξχεία λάδωσιν, αιάγ κάζειν τέτες όπι θύρας ίεναι, και ζωφεστώνης όπιμε. אשעפישני, שעינצפון נמשושש דנש סעד פניתו אפינשמו, איי ח S'en.). म्यार्ट ट्रांस रहे में मध्ये अपूर्ण महामहा म्यार्ट वह देनां हैं।. हवड़, ळळाडूह कवा थारले रिवर्स में दें देंगों नेपा अंग्रह्म τον σατράπω του έπο θυρών, κ ασκείν αυτόν τε καί करे ( w देवा की का मारे का का हाम रें . 05 वी वं र देवा, देवा, रहा रेंग्रेंग मांड रियाबंधहळाड़ को संड्य धहा बहुम्बर्व, को संडं ४६ रहे रखे aleisus immias Smodenziun, τέτον ερώ, ώς αραθον (υμ. μαχον κή ώς άραθον συμφύλακα 11 έρσας το κή έμοι πε agxis, Thiste.

41. 28. Espas का कारह मत्यू emoi wer-TETTU ME val.

41. "E 500 மை நி கஷ் ம்யில் ஆ " சிரவ, வேசை கஷ் பார் 01 बंशारा करुत्रमामाधारणा. सवा मर्वामाई व, विकार में देशी, रहिंदिकत्व महेर कहळारा मध्ये वासर्यक, रंजसम्ब है, में के द्रारेग עבד מלולנים, ואמששה אבאנסטוו עביוו אן שנ דכי אמאיי ח דוו-अग्रय प्रवर्त ग्रमहिया हमाप्रह्माहिसा. प्रायण्ड १६ में कित्विभ σες, ε Incia τρέρετε και μήτε αυτοί ποτε ένευ σόν σίτον σαρά ઉεωε, απίτε ισποις αγυμιά πις χός πν εμδάλ A & To. & jag ar Sunaiulus ezw ers av av gramin a eti T σάντων υμίν άγαθά διασώ (ειν, άλλα δα έμε μ άγα Dov ovra om avadois rois wap eus suiv oficeses il vuas j o polas au 7803, a yades ovras o un ajadeis mi med view suoi or pud xx ED. Expose to d' av vua μ) τετο κατ ανοήσαι, δη τέπαν ών νω ύμιν σε ακελευ onal, & Ser rois d'exois messa fla. a d' vinas quin X थया मासिए, नकां नव भे वां नेड कस हिम्मा कर्यान कर्यान ώ σες δ' έρω ύμας κελείω εμέ μιμείδι, έπω χυμε 2. de seia. मा प्रे प्रे प्रिका \* desas ex प्राया प्राम्हा की प्रवाह की किंदिन ταύτα δε Κύρε έτω τότε τάξαντ 🛈 , έπ κὶ μοῦ το ἀιτ मुह्मक कर्व ज्या भी का रेकिंह हिस्तारेस दूधरेस हैं कि है

रेवं में राया. कर्वेज्या है के मी के र्राया में हुए। वेपांका ने

हिमार्थिक ), कर्या महड कि को कारका से प्रस्तिका से प्राप्ति

pulles olker tal. कर्यणम्ड रहे of deiser में नवहारका भी 28. संद वेशे - किनु महात्याण तथा, नवित्या कि या नव्हां या त्राम्हाय मार्थिया पुष्ठ केनाइयं- गरें का गरें प मुक्तार संतो, करता रहे का प्रश्चिम वाहर में कह्येंद्रेसड केर्रा 2015 ट्रेलाड्य तथाइत तथा तथा है सं तथा में दे TUS.

miny érasses, x) funaun éraso mondels, Esmume, x) क्लम्म वंस्वत कर्वार्य वेद्वार वेद्वार वेद्वार केंद्र मंद्र पंचार द्वार संवद inuling, if \* Smoteizews and ewn is ontwo is in now if H. emfiέρμάτων. κατενοήσαμον ο κό τετο, όπ Κύζε κατάςξαν ] 🔾 , ξεως.

केंद्र व्या, में गण्य देता शिव्हारंग्स.

74

10

当。

Ma

LEU X: त्रिस

U.E

297

w

5 4

16 3

631

esta

21 X

TAN

15 %

7119

42. 'Epodevier 28 aing nat' eviautor aei, इवंत्रिण्या है-אין ים, או מול דוג דעל סמדבמדוני באות בלות לבות לה לאואפים gi'n de ns obeign, reperion no de ns n da ouw poes due Ay, il \* T croixar quants, il omas il zaga cree- ye. The γί ή, ή άλλο π τη τεταγωρίνων εξαλίτη, ταυτα οίκω. नवारव सवरहण रहह नांद्र हैं। गिर है था रिया है, दिवन रहा वे सव रू-TEANH. 6 3 answer Beneve ) wei Te atanter O-, 2 01 πλλάκις λερόμφοι. όπ βασιλέως μός καταβαίνα, βασι-Alus astrods, Bankens op Saruos, nj eviore en enga-יולים של באו של באל באים באים ביותים באים באל באל באל באלים וואלים באל באל באל באל באלים באלים באל באלים ב ιπότιν αν βασιλεύς κελεύη.

43. Катерия дошь 3 वाम में बर्ग प्र माम्यामाय करेंड के κρεδος της άρχης, έξ & ταχέως ηθάρετο κή τα πάμπολυ πίχντα όπως έχοι. σε ξάμθυθ νό πόσω αν όθον έπης κατανύτοι τ ήμες ας έλαυνομίνος, ώσε δαρκείν, έποισατο ίτο πώνας το σε το Ααλείπου τας, κή ίτο τες εν σύτεις ατέκησε, κ) του όπιμελεμβίες τέπου κ) ανδρα έφ' έκά-क भी गंत्रका देव देव में जी मां जी का कि वर्ड में विकास में कि क लिएमवरव, में किनुवरीरिएया, में किनुवर्षिति सार पठा वेतासμέτας Ισπες, ε άλλες πέμπειν νεαλείς. Ές ι δί ότε έ βε Ενύντας φασίν Ιςαδζ τωτίω τ πος είαν, άλλα πώ ήμε-ιώνων, φασί πνες θαπον της γεσίων τούτιο τ΄ ποςειαν ητειν. εί η τένο φούδον η, άλλ' οπ γε της άνθρυπίνων, போருவ்லா விரா கூறுக்கா என்ற உயிகிலா. ம்,வூல் நீ வீத गुड़व हमबड्ठा वां के वर्ष कार्य थेंग, कंड नवं श्रुट्य टेना प्रहा से की. 44. ETH 3 weins Dev o civiounis, (บาการเอะ ราสการง

Baburaira, nai rége J'aurie Autor u eis da dena it των μυειάδας είς διχίλια ή άγματα δεεπανησόρα, (क) है मंद्र मण्डार्वरिवा इंड्रॅनंस्टार्य देशमें है नकार्य (एण्डλάσατο ἀυτώ, εξμα δη ται τω τω στα τείαν, εν π is) nala spélady saila ru i drn, osa Evelar ei ofsairοίκει μέχρις έξυβρες θαλάσσης. με δε ταυτα, π Αίγυπον στατεία λέγεται γρέως, και κατασεί Ταως puffer. nai en tere the dexto deller auto mess

43.

εω μβό, ή έξυθρα θάλαθα. જાલોક άξατον δέ, ὁ Εύζα. ν Θ Πόντ Θ · meis έσσε egu δε, Κύπεσε κ Αίγιη Θ. कार महत्वाम हिंदा है, Ai निक्तं व. नहाका में त्र महत्वाच, त्र क्रीं री के रिवं रे मि कर हैं ही है की प्रें किए, नवे हैं री के रिवं परिवर नवे 3 d' avudeiar Docinna. autos d' en meso Tetan thi δίαιταν ποιησάμθο, τον ωθο άμφι τον χειωνία χώ. vor Single er Babuxavi End a uluas. (auth ) ansern ή χώρα) τον ή άμφι το έαρ, τρείς μήνας ον Σέσεις, τω Se axului 78 Jeges, Suo uluias en Excarávois. Em לב אסוציד משודט אבץ צמו בי במפוים שמאתה א שניצו לו. azer aci.

6

oi

CA.

j

ũ

217

No.

1611

Er a

vije

21796 מית

wies No all

1274

du.

υχόρ

go; w

leas p

175h

F 3 95

ines c

outio,

Hay H

0205 2 aug

यें कर

WITTE wis 7

iéyay c

45.

45. Outo de diexento megs autor of an Sporte, is war who Edro Metoventelv Edones, et un Kugo Teudes δ, τι καλον αὐτοῖς ἐν τη χώςα ἢ φύοιτο, ἢ τρέφοιτο, ἢ मध्याक्त व्यव ने मार्गा क्वा मार्गा किया मार्थ विश्व मार्थ. σι Ο αν ώετο χυεθαι, ει π Κύρω χαρίσαιπ. καί μέδ Kuess haubavar map' enasor, av apportar e zor of de Sov TES, av TESide &v कार (CovTas au Tor al davoin. राष ο τε αίον Θ σωνιχο επκότ Θ, μάλα ο σρεσβύτης ών δ Kug @ apinin ) eis Negras to eldouor om f aut af ्रमें द में हैं में जकता में में मार्गमाह करिया है में के कारह संप्रहेड, देख 2. iegera. Tend mineg aura. ò 3 Kug & Du se ra vou Coudia \* is-हुने, में ग्रें २०१४ में भूभेज्यार निहल्लाड़ सवाचे नये जवास्व, में न du en man diedwier ware ein des woundeis d' in The Eas yein, grab offe totorge, Egoger ante abouty xteifle ne il xT av pomov, eineiv, ounda(s, à Kup

20 ev ei-Seval.

ndn 20 eig Ozig ane. Ten j idan ro onas Ingegin ni gefor esones \* eisevou on is bis tendi water Eudus &v Aabav iegera, Edue Dit Te margow ny naiv τοις αλλοις Θεοίς, όπι την ακρων, ώς Περσαι Susm ώ δε έπευχομίο , Ζεῦ παπερε κὶ κικε, κὶ σάντες Θεο में प्रवहाडमंदाव, ठेता रंजम्मांष्यमं पादा में देश रेहिड़ाई में देश हैं νίοις σημείοις κું છે લો હા οίωνοίς κું છે φήμαις α τε έχεμ ποιείν κું α έκ έχειω. ποκλή δι υμίν χάεις, όπκας εχίγωσκον τίω ύνετέραν όπιμέλειαν, κ) έδε πώπιτε δ ச் போழுவடி விறி விசிறவாலா த் விராவ. விருவவ விழ் S हे एका में एक निया कि, में भूगियाओं, में क्रिश्त, में निया है Ensugeovias Euci 3, of meg aiwva des wina Te, miant MY TEND The SEVOL.

46. 'Ο μ δη τούτα ποιήσας, κ) ο ικαθε έλθων, έδοξεν אונים בי שחשו שנים, או אמדינאו לאו. באפי ל שפת איי, כו דב-שתעושים, שפשה סי דבה אצרמאל מנידטי כמצאלטי. ל או צאב-भी, हैंग मंदिश्वद केंग्ब मक्यें वानक. वां ती क्यें महत्त्व प्रीप्रवा, हेम से कहन iv, रिस्तार कर क्वा कर में हु के पार्ट हैं में प्राप्त के तिए के कि कि कि कि कि Aliv d' edoute, n' Emver ideus. ws 3 x, Th usepaid our-Carer aute त्यां त्या त्या, में तम प्रशंतम, हमर्थभहत्व तका नवां के का οί δι' έτυχον συνηκολεθηκό τες αυτώ, κή όντες ον Πέρσαις. εκάλεσε ή κή του φίλες κή τας Περσών αρχάς, παρέντων

วิ ซล่งของ, ที่ยุละชอ ชอเชิร์ มอ๋วุ ธ.

6, 5

0

1.

.

Ey ñ

8-

8 6

1-

74

y 6

àp-75

it-

TU

انعاد

· uge

ME9

peit

101

831 0:0

Sear

869

284 nay

TE 61 vus

270 المتناللة

46, 4

47. Παίδες έμοι, η πάντες οι παρόντες φίλοι, έμοι นี้ สิธิโช ชอ ชะวิ ที่ สิท कर्यह्ड ए (อัน สอง) ลัง ชิชาอ ธนอุลัร ηρώπω) ύμας ή χείι, όταν τελ διτίσω, " ώστες εν δάι- χε. ώς πεί µा कि है में में महोसा में महासार करें पत. हे के में मर्थांद्र पह केंग πό παισί νομιζομένα καλά δοκώ κεκαρπώδι έπεί τε igura, Ta en veavionois' Texes Te avine suo usu of , Ta હા તેમ ફ્લુંન. જો માર્ક જૂર્ભમાં મદ જારુ દેશમાં તેલે જ મલા દ્વારા માર્કો હા मिनामार्वित्रसार हेर्नुग्रहा में में हिंगीण रिया क्या . क्रूट में महिंग्हेर पानुका के कि मार्थिय है है जिया है है कि इस कार के कि के कि कि γγόμθρον, κ) ετ' όπιχειξήσας ετ' όπιθυμήσας οίθα ότε in moa. x) ros il pines emeisor di eus custiqueras suowis, 780 3 70 xemiss var ens sunderlas no & Karei-A meider idlateus ? in Th 'Aria, vui meg Temunulilus เงานุงค์ พพ. ซึ่ง ช ่อนานาณ์แบบ ช่งโรง เรือน อี, พ ช่ ประเพศ ulm. x) में के कावाहर अटिंगमा 250000 हक्ट अति ए हम्बद, के काहर מועס מול מי לו על לאופש שות שונים שול של שול מי השל בילים ביל בילים ביל בילים ביל בילים ביל בילים ביל בילים हुंग्ल में निग्म में बेसडे जवामा में नवे प्रेग्स द्वार स्वर्थ से संव रह- १६ निर्वाह ιως μέρα φερνείν, έδ' ευφερίνεδης εκπεπλαμθύως. νου δί, με φε. ιτελοτήσω, καταλέπω με υμάς, ω ποιδες, ζωνίας, "8σ- 28. ες ποτη έτοσαν μοι δι Θεοί γειέως καταλείπω ή πατείτα κή getoσάν मिष्ड देंग्जियामार्ग्डिंगी वह केंद्र मार्च इस वंग हें नुके जीसवांकड स्वसवहा- सहा. bulles tae reover whung to Taireles; dei 3 % t Banικαν με ήδη σαφινίσαντα καταλιπείν, ώς αν μή \* αμφί- 30 . άμφί-ή σενηγείδαι εφ' δ, π αν καιεός δοκή εθ, τύτο συς- φιλώ.
Επο το σερτέρο γρομορο, κ) σλειόνων κτη το εκός χ. κ) το भामांदू . राष्ट्र टिरिश्य की में कारहे हैं तक रेक में की कर में की मान मां रह में ύμετέρες πατείδ , τοίς ωρεσβυτέροις & ένη άδελφοίς, άλλα ή πολίταις, η όδων η θάκων κ

λόρων का einen. κ) ύμας δε, ω παιδες, 8πως εξ αρχής

M

11

Me

75

ad

68

άλ

71

çã

i

xa:

3 2

ai .

200

M47

ŧπ

And And

767

gñ,

dr. OF

σλL

हेल्द्र. जांग्य

गर्ग गर

767

m 8

TUNE

माम र्

i du

ding

10000

und as

M. ETai-8 000 WSE PEWT.

\* रामां रिका, को एक अल्यामंदुष्ट कल्लाम्बं", मी रि गाव. TECOV कल्यामाध्येया. कंड हेंग मवतवारे में मंत्राज्यहण्य में हैंगू-Τ.μ.γερ. το μα λέχρι Τ έμδ έτως δποδέχεδε. κό σύ μεν, & Καμ. שוש ל אנו בניסא, דעני במחת הומו צעב, פושט דב לול סעדשע צי בעצ, פחי εν έμοί. σοί δε, & Ταναοξάρη, σατράπω ε) δίδωμι Μήδων τε, κ΄ Αρωθίων, κ΄ τείτων Καδ εσίων. πώτα ! ou did'es, vouica apoli mèr meica n' Tevoua The Banreias Tes este Tego xatarineir, cudasportar de on àλυποτέραν. όποίας μέν γας αν τρωπίνης δυφερσιώης όπ. Seins हरा, हे ठेटल, बेरेरे के कर्णाय का नवे रिव्रहें एक वा का मा दं दं प्रकृतिंगसार, कवा दे इता के कि किंग्रियम किंद्य मार्ग्हिक है हिंग. में के कामि के प्रश्रिक प्रशास कर, में का un dui and now har देशा, πεντειζομθην చేత της σε τα μα έξρα φιλονεικίας, ή π επιδελούεν κη το επιδελούεδαι, ταυτα τω βασιλούρη מעם אווו סצ עם אלפי סונו דם פפונו דבוני, מ, סמס ולה, דול ניי Καμβύση, όπ ε τόθε το χευσεν σκηπεον το τω ξεσημ. αν διασώζου όξην, άλλ' οι πεοί φίλοι σκηπεον βασλείστο αληθέσαπο κ ασφαλέσαπον. πεκς ο μη νόμιζε ούση दर्धित वेर अनुभंत्र ४६ (कर्वन रूठे वेर वां कार्ता महत्वे क्वांग्वारण, वेद-मार में त्ये भेव तये मार्पपरंत्र क बेंग तये धार्त्य क्यां पर की बेंगे कार माइ है में जा की विश् राय द्वार है का में मान का मार्ग है। sounds our The Bia, aska maskov our The cuestiona. H ών κ) αλλες πνας περάση συμφύλακας τ βαπλέας mi-சி. சி. மாவேயம் செல இரையாக முறு மி வாம் எத முட்டும் அ νομιρι. χι πολίται τοι ανθρωποι αλλοδαπών οίκειστες!, 2 ( UNITE amortinay. of de and TE aute ansqualt QUIVTE: , x STO THE OUTHE UNTEGE TEQUENTES X CHTH कां मां oixid का है। पेर पहड़, में रंकि की का की करिया वार שניים אים אין ל משולעו עוד בפס אין ל משודטי אמדבבם דייום ρογεύοντες, πώς ε σάντων ετοι οίκιστατοι; μή εν α οι Θεοί υρήγω ) αίχα છે είς οίκειότητα άδελφοϊς, μά त्या वे महार महाग्रह मान करा के से किं न्या नव देश हैं है है है है and olying for tan 8 tas an avon see yull \* andois देवता में एंपान महिला कार्रात. देवामी का समित का क कर्माती αθελοίς. μιι λρ αγγώ αθενός πελαί ων ει καγοιος מלבי סִני זוֹב מו מאא די דונה של או מולפש עונום לושום phor 8 Tos, as adexpos; Tiva 3 polinos Tou Tis aduar מל באקם נופומל אם בעדוב, בדשו שו ל מל באקטין נוחדו בע שבולסי

28. 121 mossas agenias கவிடுப்பா. De MONAOi

Se. anni-ADIS.

.

4

1-

ţ.

tV,

25

777

di-

, 4

4-

ci-

UOH)

is.

110

691

. H

701-

74.

2001,

10

y 77

274-

oodd.

87 4

ui.

LHTE

ANOIS

· suous

iv as

िरसंग संगीता

and me

μιδείς σε \* τέτω ισακείτω, μήτε σουθυμότερον σωίε- χε. τέτε. का रेरियों ने वे वे वेंसमर्गिष्ट में प्रमुख के मह के नि के ने के मह वीमा के कां. देमर्वस अहे के नवं के ह, तांगा त्रवहार वंगी कि हेर नांववाइ वंग μηζόνων τυχει", à τέτω; τίνι δ' αν βοηθήσας ίουείπεον σύμμα χον ανπλάδοις; πίνα δ' αίχιον μιὶ φιλείν אוני מל באספט ; דועם ב מדמעד שע אמאאוסט שפין ועמע ה ד if show; more ros, a Kaperion, \* monto or! O afex- 25. men-क्ष मार्थ बंडिश क्रि, के कि करें कर के कर का मार्थ की बंश के स्थाप के कार में तथा. Tev ov ! . άλλα τρές Θεων πατρώων, παιδες, τιμά τε άλλήλες, ο गामे के हमाठा द्वार हिर्देश महत्रम प्रमां में के वी भाम करें के विन द्वा किसमित संविध्या, केंद्र केंद्रिंग \* हेन्यामा हे दूर्व हेना हे ज्ञानिक में हे. में मेंदे בוששייש בנוצ דבאל דווסם. בלב על מעוע דפו דונו ץ' בעונו לים-भूषि किट्टेंग्स, बें अ' ois ठीडम ट्यं में इत्त, नह त्वाइ को नीयों केंद्र हेन्या μπερωράτε τας ή τ αθικα παθόντων ψυχάς επω κατεwinats, oles wi poses wis mangovers insanten, oles ή παλαμισίες τοις ανοσίοις Επιπεμπεσι τοις ή φπιλύοις मांद्र मामवेद रीकार्यांसर दें मा केर \* रिकास मह, सं धार्मिश्वेद कंपनी है. रिकारीai لِي عِنْ عِنْ وَاعِد اللَّهِ عَنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ عَلَيْهُ عَلَيْ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَّمُ عَلَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَّ عَلْمُ عَلَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلّمُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْ -שם לודחיל עם על על לעון בשם ווצעל וו בש , נעול בודו שי שודווים мат й, Сй. бти 3 тктк атамауй, тединие ода зар נח או דם שיוו של סטונת דם ססט מע כיו מעדנוג הפטעט או ה Luxin, (wirta क्यां क्रांत्र हिंग के क्या के क्या के किया में रेप-शां देत सम्में पर बंक्ट्रिप कि का धारी कि र्राप्त श्रीं गरा कि नहीं का Tituqua. and otar aneal o ni nadaeis o ves inner-לא, דוֹדב או ספסיונושׁ דם סי בואס בעדטי בון. לומאטסעניצ ב είθρώσε, δηλά όξιν εκασα απόντα τρές τι όμεφυλον. कारि मांड प्रशांड विगम है मार्ग महत्त्व क्षा विमाहत व πιω Βανάτω εδεν όζιν ύπου. ι δε το αν Βράπο ψυχί कार र्राज्य असारताम सकायद्वा स्टाय, में निष्ट मा नी प्रस्तिकें TUY क्लुव्हूं. गंग विह, केंद्र देवासक, मर्क्रास्य हेरे के नहिंही. हो μ εν ετως έχει ται τα, ώσσες έγω ο ίομαι, κ) ή ψυχή καπλήπει το σώμα, και των εμων ψυχων καταιδεμένοι πικτε α έγω δερμαι εί δε μη επος, αλλα μόμετα η ψιχή οι τω σώματι συναποθνήσει, αλλά Θεές γε του ακι οντας, σάντ' εφορώντας, κ) σάντα διυαμίες, ci रीम्प्रान्त्य, नहामड क्विधिश्वा mire बक्दिंड muder, mude a - 36. वंसहन कि שלים שלידה שנוויסאדב, עוודה בשאבטיסאדב, על מלידכו שב-Ff2

४६, में वे मिल्लिका के करिए में कि के देशे की मान्या की Sei de 8 % दे कार्वपक्ष प्राचेंद्र को Deol वेमान पर्ण मी कर ), बार हिम्द्रमा कर्वण बंग्बं प्रभा वं हो (भेग नवे प्रमहत्व हिन्त. व no whi na Jago n' Ew of as inwo pairn), Sware, i. μας ον πασιν ανθρώποις αναδάξα ά ή ες αλλήλες άδι. κόν τι φερνήσετε, όκ πάντων άνθρώπων το άξιόπησι 🗓 देग्लिक्स संकार के अंश के के का काइस्टेंड का र्रियान के प्रियान के प्रारंग, हैं।" 2. Travo H Tavo me Do moito, idav ad insulov " Tov manion of.

olas den wege ayyuyas ED. et 2 mi n' word in wealth.

λία προσήκοντα. εί μεν έν ένω υμάς ίκανως διδάπω QIA.

gas.

In which par Save TE duth yas deish Sidaonaxia. of whi 28. evav- var mondoi Stagesfulu 9 pinos ju zoveis mousi, pinos de

a der oois non de mies tetan is tenantia appinhois e-28. विकार - कर्डिया ' विकार हिंदा है। की किया मार्थ कर्डिया συνενεγκόντα, παυτα δ'η αίρεμθοι δεβώς αν βει αίσιδι צו דבדשע עלעי וסיטב חלח פואוב דם א' בעוסע סיטעם, ש חשו. δες, όπων τελευτήσω. μήτε εν χουσώ θήτε, μήτε εν άρ. ουρφ, μηθε ον άλλω μηθειί, άλλα τη γη ως τάμα Emodore. Ti jag TETE MARACIOTEGOV, TE YN MIXHWAY, I जवंशनव प्रीमें नवं सबसेबं, जवंशनव में नवंत्रव में क्षेत्र के प्राप्त मह में नहφα; έγω κ, άλλως φιλάνθρωπο έγγυδιείω, και τω ndes av mo donce notivation de cueppetent o dispo-TES. anna yae non, son, chaineir mot paire) i duyi, उत्थायहर, कंड दिशास. करेंगा वह दूर ) अंग्रेशय हैंगा से गाइ हैं। with it segias Beas This eans a Lady, it ouns Touch (किंग्न कि इना कल्ला हिंग हे अहम , कल्लां तक ठाता है। हे के देश radiformi, aitsmai umas, à mudes, undas it avπρώπων τεμόν σώμα ίδετω, μηδ' αυτοί υμες. Πέρσας, μού τοι πάντας κ) του ζυμμάχες οπ το μεθμα τομόν BERRARITE, CUVILINOTO MORS ELOI, OTI EN TE dosahi non Escual, de under av ET nanov Tadeiv, unte in et 78 Jeis Niauai, unte lui under Eti a. onosoid बंग हैरे जिल्ला, नहन्द्र देल मार्गानकान्द्र, केन केन बन्दी दें। δαίμονε νομίζε), δποπέμπετε καὶ τέτο, έφη, μέμνηδέ भूट. हेंगे मारा- एड पहरे की प्यां रण, मारे कार्या के देगहर के देश में हैं भी कार के देश में हैं के कि

277350

Suntrade nona (GIV x) goige Te. a pinos muides, x Ti μητεί ἀπαγελλετε ώς σαρ εμε κ πίντες ή οι παcortes & of a montes civot raigete. muit einav. x mir चयह रिस्ट्रिक्ट ब्रियो छ , जाएस स्वर्ग ने ब्राल, में स्ट्राइ स्टिश्मी 00%

48. "011

Ku

Edi

30

27

12

Ten nea

N,

πως

ejei

de a

2007

1271

107 7

HEV,

Spile

45 2158

ાં લ Vie

TEO क्षेत्रता

13 1

49. 100 T

x57025

101 76

Sox 1

. PR. 3 6.5

48. "OTI IL Si " nassish is majish The cu Th' Aoid i AKies Bandeia e Niero, with cour i Worugei. welch it ve deich seis to Th Equopa Sanath meis agutov o, To Eukeiro no nanicu \* πόντω τρος έσσε εσυ ή, Κύπεω κ, Αιγύπω τρός με- 28. πον τω. muleiar 3, Ai วิเวาเล. าอง เมาหา 3 ชุบอนชิท, นเฉิ วงตนท าธิ หา ลอง าอง-Kies chubegya to, ni cheivos te tor io eduted waveg tid i nin-रंकार क्यों देश हरां एक पर में हे प्रस्तुतार एडए, वा पर बंद- भाकार पर है, γίωνοι Κύρον ώς πατέρα εσέδοντο έποι μβύτοι Κύρ Ε τροβς έτονέ-हेरहर्शियान्य, टेंग्जिंड में कांग्जों का नवीं दिह हेड्यनंब (०४, टेंग- ६५४. अंड ने मार्ग्स के हिंगा विवाहितारत. मर्वामक में टेमों में अहिंहर पूर वेतरहें iremelo as of annon negarageo una ordaionav en ofi Sein. olde 30 on we repor in Bankeus, no oi is auti, निष्ठां त्य देवयात महत्तामार्थकार, सं Τε δεκες διώσαιεν, ήμπέ-कि, सं तह रिष्ट्रांबेड रिगेंड ए, दे 6 दियां हर. से हैं प्राप्त कार्ड तहा मेंपू , श्रे मार्थामांक महिता सं २०४, हरी' वेंग संद वा गाँद ठिमांदर एर, विकार मि गणा जारहर्ण म के हिं हैं है है ता, देज हो देशकद्य में वेजरिसव वाली THIS ESE TOTE SHISEUP av oi 7 own Kuga avacavron spami vim j di the meider angli degi mericanter, ene. είεις έσυπου, κ) αναχθέντες πρές βασιλέα, απεζμή-ης πὸς κεφθράς. πολλοί ο κ) τη συσραπωσάντων Βαράξων άλλοι άλλαις πίσε σην έξαπατηθέν ] ες άπώλου το. γε.πολλοί क्रिये हैं में नवंदि अहिल्यहर एका सर्जा. कर्ट केर में ही से नार में हैं में नवंदि Ιαπινδιωεύσεις του βασιλέως, η πολιν η έθνος τσο χεί- γε. νον 3 τον ποιήσειεν, η άλλο τι καλον ή άγαθον αυτώ διαπρά- αν Τις, ωσ-Her, & Tet ho of The whole this is no Te, waves Aso- The Meτην, τ γινακα, κ) τα τέκια, κ) του τη φίλον παϊ- Βριδάτης य ounges मचल्ले गर्छ Aigumio हेरू सदाय रामांग, में महा में माय महत्व ग्रंडड है एसड़ के देवियेंड, विकार में में हैं। में में प्रकृत्वण मांगाना में संगर है। में पश्चिम् मायवाँ दृष्ट्यार्ट्यार्थिका. मार्के मा है। है- (वंशीक भी के देश नमें 'Acid मर्खा हैं, दें में में बेजरिंद में में बेरिया किए कि महाप्रामीका संनंग. वंस्वीर्ध मण्डह ही वंग वे कल्कर्य में वेन, हे वेकार επιχ, δι τω αυτου \* όπιτοπολύ γίγνον ? α θεμιςότε- Λεου. ישו לו עשיה, ה מפל שבע, דעודה אם אנינעים? 49. Eis γε μιω χεήματα, τηδε άδικώτεροι & γάρ το πελύ. 100 पटने महरूर के मार्थ प्रमाण प्रकार के रेस मार्थ के प्रमाण प्रकार के प्रमाण गर्म के प्रमाण गर्म के प्रमाण गर्म ώπις συλλαμβάνοντες, αναγχάζεση σε εξεν δί-ा दुर्ग प्रवास वेसार गंगसा. केंद्र यह अर्थ भीती वर्ष है। स्वित्र वे हैं-ชื่อหลุง เลือง เลือง หลาง เลือง เลือ किंग हैं है है है है है अहम उर्गेंड प्रसंतित्वार देशवा, है है है वे लेलिंग κείς βασιλικών σερτείαν θαβρέσι. τοιγαρόν δεις

---

16

1,3 1.

9-T.

11

4-UU

0-

Cy,

udy

17-

47. Tus,

HOY

ZAH e nv

il by

ès.

Ha s

3006

ý T3

720 miy-

ev Til-

"074

Aeistbup. 28.05 00 वंग माठ्य हाम वांचार है, नवं तार है है हार देर नमें प्रबंद वांनी बंदspepeat and mayer, omes an Benan, fia this consiνων क्लां μο Θεκς ασίδεταν, क्लो ή ανθρώπες αδικίαν. מו של ל שונה דעניד או דעל חמודו אונציג עניץ, או דם שמי

A

μ

9

ul. rist

TO SEE

19:

10

Sa

A X

מונים מידים

LOTH

FXXO

uai,

Spor o

1870

MELLY

αυπ 56.

रेंग्रे

THE WAR 35

rus co

נסוד ש

रेक्ट्रिश

er, cî

Acudy, auty.

50. 'Ως நீ కర్ ஆம் மைய்யை குயில்லற வகைய கட்கும், שטע שני דצדם לוחץ הדסנומו. עם שוועם אל לה הע שנידסונ, עודב मी धंसर, मांगर केलाय वंत्रिकीर (विष्य १० हैं करा मार्थ मा है वह देन मार्थ σώμα]ι ύγες φειδομίνοι ενόμις, αλλά βελόμινοι διά πονων κι ίδρωτος τα σωματα στρεκος) νυν ή το μι μή मीर्रासण, und'à व्यम्पर्धानीकी हैना रिव्याहरूस, में हैं \* मार्सर And sind sie it is a segate in an antil se se sand דפי שיטעונעסי, סודשו פאן דא יועופת אפטיוס, אן או דון कर्यह्म में मंद्र के श्रिक्त में मान्य के मान्य דפי בדו לומשלים, מפציםשלים: ב ל דצ סודצ חיות הף בו क्टकांवां नवात वं हार्के गरहड़ महत्रहा रक्षेत्र हे के ांगरहड़, में तांगणीहड़

διάγεσιν έτε περ όι ό μαίτατα κοιμώμου. 51. Hy 3 aurois vousuov, unde megaidas errosses. ωσι είς τα συμπόσια, δηλονότι νομίζοντες το μη ώρπίναν ιίπον αν κή σωματα κή γνωμας σφάλ ειν νου ήπ भी मा संदर्भ हिंदा की किया मान कर कि मानकार ώσε αντί το είσφερειν αυτοί εκφέρον), επειδών μηκίτι Surar 3 collustes & Cravas.

52. AAAA unv naneivo nv autois com paletov, to usta Eù moedoueves unte idien, unte minen, unte mide TAUTA avagnalwe und'èv moigntas parsess El vir d'a के महेर नर्धमा वेत्रहे असे हैंना शिवमहाल, त्येड महेरात क्राइनेव हे एक हिल् अंबद मागहर है, कंद पार्श के में रा जिल्ला में बन Hay All zvay nalov.

53. AAA a min हो टेमों ने महत्र करा के परि नव कार्या र्टिम्बर्, छेड्ड बेल्सम् बर्गिर्ग द में कि मागड़ \* प्राप्तवाद म gumiora. Ineges' ene 3 Aprageggns o Barineus, no or our aut ที่ที่ยร ชื่อเทช ยังนั่วเกือ ชนยาเ อันอโพร ชาย สบังวาว ปั่งหยุ , หา कारे बेरेरह देशिका देनां क्येड निष्ट्यड बेरिय में वीनाम्बड कार πονοι βυόμβυοι κὸ σύν τοῖς τοὶ αὐτοῦ ἐππεῦσιν ἀμ Δηρῷεν, Φθονβντες αὐτοῖς δηλοι ῆσαν, κὸ ὡς βελτιοι वर्णें द्रिशंवहर. वेत्रेय प्रा के क्यों विद्र के में मार्गिटिश् हिनां में अर्थ हुताइ, हिमा की व्याहिम्स में प्रहेग्मा मा कि मार्थ उन्पेदार में प्रहर्मिय वेमस्त्रितार, दी में में में देशवा विम Supperiouhor engonimoish. 54. Kal

29. CH 110very .

50.

51.

52.

53. 2 P. Eis

29. 20.

À

. 1

1-

Č.

eç

96-

£3-

70 517

171.

LATEL 810

l'at

Diago

276

Tax

द्र गर्व

וי מעד g, 8T s pine

w du

ha ha

4. Kz

54. Kai ठेरा २६ ठे। स्वारिश्त बेमर्थण महद देमले क्ट्रिक महे fixas Sixaiws Sixa Condias, Edónsy par Sairen Sixaró-भाम, है रहे का ज्यारार्व म्यार वंग्रह्म्यत ). ज्यक्ष , प्रवंद हे हिंदी गार्कें ग्लाड वें में हु। कें र को संवर्ग की वर्कें कार. बेरो के मेर दूर को संव evenshim en mis yns rais dunapers or mailes meider pe didaoi. βλαβερών απέχριντο νιω δι ερίκασι ταυτα διδυσκοwing, omus on meisa κακοποιώσιν. εδαμέ γεν πλείες, है देश हर वाना जिम्माज्यहराम, हर की बक्र में हुक्म रखा देखारे देवन maxwy.

55. 'AND whi is Sputhing trees tone vim, if off Ki-कु संगं. गर्ग्य प्रीहे देश देश देश देश मिह्टकिंग म्यार्ड संव के दे?κεπία έχεωντο, τη ή Μήδων σολή κ αξεότητι νιω A The why on Theore x aptreiar weroguory amorgeryuwilm, the of the Mistor manaxiar Statistor). ourninu j Benomai no the spiter airli. Encivous of megoπι μ πίς τυνας ε μόνον αξκεί μαλακώς ποτερώννυ χε. μέν ξ-था, बेरो मेरीम में निर्ध प्रदेशकी रहते नार्त वह देनों \* नवन रिक्ष प्रधंता नवेड़ ηθίαση, όπως μή άνθερείδη το δάπεδον, άλλ' έστεικω- ευν. m ai \* नवं मार्रे ६६. में प्राण नवे महत्तिं प्रथम देना नह्यं महत्ता है. वेद माτα τε προβεν ευρηπ, εδέν αυτή άφηρηται. αλλά τε δων. וֹשְׁמִשׁים בּשׁתְעוֹ אַמִישִׁים . אמוֹ בֹּלְתְ עָבְ בִּיִּסְמִישִׁים אמוֹ אַפֹּרְ אָבָּ בּעִּים בּיִים בּעִים בּעים בּעִים בּעִים בּעִים בּעִים בּעִים בּעִים בּעִים בּעִים בּעים בּ ιανοποιητάς άμφοτέρων τέπων κέκτως), άλλα μην κή έν δες. ή γεωθί ε μόνον πεφαλίω, κό σώμα, κό ποδας αξκέ मंगीं रंग्सानवें कर, बंभवे में कहा वंभवाद में अर्ल आर्रिक ασίας, κή δακτυλήθρας έχεσον έν γε μίω το θέροι εκ क्षिण वण गांद के में वं नी र्रिंग्जिंग, के वं नी महत्वं प נומו, מאל בין דמני דמוב בדבפמה סגומו מי שףשתו עוו אמושי שפ. סגום-માળા αυτοίς τραφες απο. κ) μιο επτώματα το κ ώς πλει- δας. έχωπ, τέτω καλωπίζου ? ήν δι ξάδίκε φανερώς μεμηχανημεία, έδεν σετο αίσμος). πολύ το δίνξη) αὐπὶς ἡ ἀδικία τε κὸ αἰοχεοκίς δεια.

56. ἀλλα κὸ σεί θεν μιν διν όδι χρίειον αὐτοίς, μή τος ποροδομβύοις, έκ άλλο πιος ένεκα, η το ώς

υ του τάτες γίγνεως νωι δε σρώματα πλείω έχεσιν Ατιοι τη τη Ιωπων, η όπη που ευνών. ε γάς της Ιωπείας γε. Ιωπ-δεύε της ώστες το μαλακώς καθηως, επημέλου η. τά γε κής. के कार्राधार मार्केड हेर संसर्व मार्क मार्क मार्क मार्क महारूड, में οπο de des elois; els en mes τω σαρελθόντι χεόνω επιχώn, cluar, variexe not use the gle exerte. and

שודע מד

Tias.

ταύτης ίπιπότας παρέχεδζ, οί δη κή έξρατεύοντι τού ή Фенентия, सं अर्था प्रवासारित्र, कार में प्रशंहका धार्कावृश्या தி. vui நீ ரக்க ரா பேடிவடுக்க, ஆ ரல் வாலாமாக, ஆ ரல் வி. गाठा हेड, में ठो १०० र्रह इड, में तथा १०० रहेडड, में किया निर्मायड, में बेश्या-28. κομμω- εξυτας , κ' κατακοιμίζοντας, κ' ανισάν ας, κ' του κοσμη. नवंद्र, की र्वाट्यहांक्षण मह में देशमहांदिकार वर्धमार में नवं वें अब ρυθμίζεσι τέτες σάν ας ίσπεας οι διωάςαι πεποιήκαση, όπως μιδοφος ώσιν αὐτοίς. πλήδος μέ έν κι όμ τέτων φά. νε), ε μβότοι όρελός γε έδεν αι το σίς πόλεμον. δηλοί ή

38. हैं ले रिक् में को में में मार्गिक के अपनित के के के का में के के का की के हैं के के πολεμιοι, η δι φίλοι ανασφέφον ). κ κο δη ο κυς Φ το Z વે મા ફુઈ અમે દિલ્લી જે જાજા જાયાં જ થયું, ડેજ્ય ફુલા જાય છે મું કે જાજા માં κί εν παλτον έχαις ω δες είς χείρα, ομό σεν τω μάχω इमरासंगठ एक है हम बेमलिए कार्रिक में में से प्रमिखंड

ouriortes maxor).

मारे मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ हैं।

57. Kai de me ( ) Ex 801 plp peppa, no nonidas, non Jages, waves om Kuge, & maxim momoration eis xugas j'iéval & 6' Ette e Densor. & de je tois de manncoegis age χ. εφ' ών μασιν έπ χεων. ). \* ερ' ώ Κυς Θ αυτα εποιήσατο. ὁ μ ρ, πμαίς αυξήσας τευ ήνιόχες, κ άραθές ποιήσας, είχε τού संद नये ठाम व देमिय महिया है। वह. वह में प्राप्त के महि मानवं ज्या महिन oni mis aguanv, olov ) opinv ouoles roi avanintes mis ગું σκηκόσιν έσειος, όι ή, όρμωσι μ, σείν ή ον τοίς πλεμίeis ED, or a snoutes cum intent, or of Jeanou D' as' and είνιο χων γιγνομενα τα ζεύ Γη πολλάκις πλείω κακά του οί-रेक्ट में रहारे सक्रेड्सिंड स्टाल. इसले स्ट्रिंग्डा में वर्ण की अनुमध्यामा οία σοίσι τὰ πολεμιτήρια ύσάρκα, υφίεν) κ) కο લંદુ દત 2. ETE av and Al Eminoveis moneuou na Sisa J. " TE ome an λήλοις πελεμώσιν, έτε όταν όι Ελλίωες αυτοίς ανπησατεύων ), αλλά κ σε τέτες έγνωκασι μίδ Ελλήνω

Tà

Te

Πολ

TEX

Tois

EVTO

Aja.

34

601

egy Aja S

**a**3:

907

AjaSi

Alam

ring

Ayvoi

280

Aiguri

Aiyuri 7 G

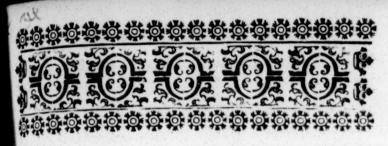
MOTE.

57.

58. 26. a 2166. za ou og onjui. 29. avo-Ma7 8885.

58. 'Eya uli d'i o juai ame voe Séilu " anneyad μοι, σημί χο Πέρσας, κ του σύν αυτίς, κ αστιδεςτρο क्टो छ हेर, में बंग्राबन्द्र क्टो राष्ट्र में बंग्रिकम्हर किं कि वेरे वेरेरह, में वेरवारी अपहेल्ड के लंड में कारे हिला । मा हैं। क्लुंजेर, अंकर्टि में रूपिया. सं मेर माड म्यंग्यामं व देखारे भागांकाल Ta हिन्द वर्णी कितामा कार्ण, हेप्ट्रांग्टर करंग्ये प्रीमा प्रशास मार् Emois hozois.

TEAO Z.



Ελεγχες τω τοις το Εενοφώντος ή βιελίοις περί Κυρε παιδείας κατεχμένων.

000 Beαβά 3 Συ-A TO en To T As-\$500 × πέδω 110 The yourses and Handeras wees an. 149 Tov ava (desis To Kugo was All every 11ματων eis αυτον χάριν 149 वाराजी विकास Toy om rais un xavais a ?ди кадыянието 153 Morentros ans xoomos 155 TENdraid UT THE JUVELINGS מודא יעוא ומ Tois Aigumious Eucannes, 162 MY STON AUGE Erraciaquos aute Aja Ja win haber 8% 8 TW paremor, women Tou ha-- भारत रहिमान मिल्ला रेपाम-183 Apadoi auexeid Sonsvies, adupoi, mouneoi jubeieyas Crowly 1608105 माय के प्रमा का मान है । विकास मार्थित विकास कित्याम्बर्धे का म्य हात्र , ०६, वcev vu זווף ד דפסחסע בטסעסג 45 NEGLE Αγνοία οπόσα ανθρωποι THE TOP ंद्रवारी स्वाप्ताः, क्रवंश्यतं व-RESTA LOMICON? 67 Aigundier on iouos 156 hippiwo Survientor ned-79. 170

15

1.

ds

9.

χõ,

w)

रिश्व

7015

ELM -

zvá

01-

18017

15 87

a and

TISPA λήνω

इंड्इ

WTESS

Aiguation on (ov) Aigumier miss क्टंड Tor Kegioov 172 'And Coves Tires 'Avaiqueti z uspich shi way. त्व त्यं वावद्यं म्भायक्र And og a ja Jou Musik &k airei, and ajados av dia TEXEIV 100 Avdea म्याय अये माम्बंद क्रे-हुवान्य, में स्वम्बे द्वार नार्थ-TERRY EULEIV X Sian 214 "And owner wing so ax-रेशह व हामाड रिंग ठेटाए ठे-DEN G 62,63 'AI Spans ETTOLY O " או שףשתנו המא אמ דישועניνον, ε δυατον παντα κα-AWS TROIGIN AvSparrol er & Serus uoix-אסי סטעוֹבעו ), או ביחו דוני देना रसहस्र वड वर्णिय वह रसर

Manhor of avaid in Tou ais & plus ais 3 196 ETERIOROUSUOI CONJULIAS ADEMS IGENS HEEKSZEPOL Crows C Αυγω αρχειν εχ αδυματίν हेरह व्योश्मार्ण वेसह बंग माड 78 TO 6 माइय प्रमुख क व्य मा म 2 Amounted ' A ज व जी पं सप Agg. mas o Mis C on maiday starges To Kugs 110

DUACE,

Gg

# E AETXOZ

TURAS THE YUVALLOS EUGI-IIC Keमें निष्ण के दिली कि 147 Exerxe? निवं कं मंक्रमें के क हिश्या कि, में अन्तर्भामा निया कि ASLIGN BEACULATE 147 AUTE STO T TORELION TOE'S τ Κυρου επανοθος 151 As equias o Mnswv spath-205, 0575 axxws TE Ay-वे हव मवंद रेश्रम्यः 125 "Agethis under regoanew Te-168 Agibasos Kammadonov Baorneus ovunazo To Annew Aquator yéros n ano feg. 146 Q S TOU Αριωία δρεπανηφόρασια 150 Aquerio meider de Kuazages of unaxo, nai wanto O 57 Ми в што катарезун, विषया वेस्रह्म माठ्या । १६६ व्या वर्ण पर वर्गाड्य मेखा भे गाँच ड alumoraias) · A ह र व दिव दिव कि कि स्थान में पूर्व है । 125 144 Kugs our Sevis Agrabatas जबीट्यंत्रमड मध्मme ) eig Kan nadonian 221 Αςτανάμαν (οςτς άλλως τε Αρτάμας λέγεται) μεγάans fluzias alxav, Asougles of upax & Apriluas oa egins milume) eis seganlu Pruziar 221 Agragegens o xanders mesas Ban Neus HAWY TE OIVE Agais Kut 6091 Αρχουτα τη αρχαμών ε रेस mune महत्व हो 191 Agrowbois zane mairde me-Ja a MagThua 137

"Αρχων αγαθός ελέπως vous dispositois 137 Ou रिंग रीक्ष्ड्र मा मकार् के बंद्र 28 192 'A חמח אש ויס אל אס מחשות אלי. AS MOU 96 "A oxnois we to repaire क्टरें में क्राये हैं। 42 "Acriesos & Mindos persoer AUTH BaTILEUS Swiews nai Eskin as moreum क्ट्रंड महाने 11 हर्ज कर में Min 885 21 TETE SPATHYHUA Avial o Kuess Tela squea EL NE TO 135 Basinews and Tonepuni Swapers 152 Oix नया हिंतों Audia में की 145 KTHLICTON CUTS ASSIOI TIVES 140 'A sud ses oivo xoos Ednas & Avansumes Tov Kuest Ge न्त्र नत्त्र हिन्द वामह AUTS Savalo Azaersia Ette Tal a valque Tia

B

Δ£

7

AIX

Avia

AET

05.

72

81

arg

75

80

Β Αδυλών λαμδάνε] 20
Τεται 18
Βαδυλωνίων χώες αλειπ
224
Βασιλέως αλαθε κ) νομέω
αλαθε Φραπλήσια έγμ 201
Βίον ἄτιμον διατελέπ
Βερντή δεξιά 15

İ

ΤΑλάτας 12
'Αφίσηπ περίς τον ΚΩ

ευν 12

Καλοί

ws

37

)d-92

76.

96

V 7% 42

ie-

16

eus, Min

mini 152 支部

145

140 प्रयद्ध प्र

19

argun

1992

5002

d ASH 224

1014.90

20 201

TSAM

12

12

Kakos

TOV KO

184

TH 20 5

Tiv Kegirov

T avay Kus

०१७०४व गांधव

مروران عد بافيود

LIGIT E SEX 80704

Δυακλοι έν απασι

An' Acqueis Smorthystal

despired zenshelov wees

Aldaman & Seis Restaur

Aixasowins Sidaoxaxesov

E

िष्ट्यांड वेंडे १८९९ हें कि

heudreias no Eudactionias

न्यापि में कि कि के में विन-

नाजां माड हिस्तां का, सब जिल्ला-

महाभारते प्रवासम्बद्धानि ? ?!

KHYOV QUUNOTEROV 194

Lenus में odby महण्यह xaide-

kan el koory Auegav di ny

(axes durie à Kûg	O 500-	8 Kuess द्वार मार है से
INNEL THE	122	* Sucial appireto 154
CONTRE dIT 'AN	wels eis	Ερως πεθγμα αμαγον 147
ourlui	128	Egol ovois III
γείπται απ' 'Αου φυγία Το Κύρφ δώες πολ	તે હેંગ્લ	Ερώθ παύσελζ όταν πε
y never	177	βέλεται αδιώατον 112
κ) τέρει τόμε ωραία τόμη 46,	109	Ερώτησις έδεμία Δεύδες
100 mg 46.	47. 104	SATOL 213
racevas 'A avier	avine	δείται Ένδαμωνέτα] Φ τίς 203
वाश्विधामा विवाहम		Eurszwe en The Au dearents
Tir Kuegu		क्रीन्ड्रवे मांडाइ 188
Autis vai Ta Sa rus		Εφήθων ήλικία μάλισα φυ-
भवपित्रं प्रथण क्टा है		रेवसमेंड रिसेन्य है
Άνυείων πολλά		,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
indian no TO		н
This Sugarage and	-W	н
Nidwo Ted 'Y sa' a		H 00 5 φιλήσαι σαρά. Πέρσαις κ) Μήσδις 28
0 10001 100 3 50000	000 21,	H Harvey Minare 28
Δ		Tresoms & Minous -0
A Ardune Kali	חוונ כדמי	Θ
Arduas Kadis	126	<u> </u>

125

130

174

51

6, 7

191

190

43

( Eòs แก่ อิร์ง ชาย รัสมาธิโร कलुड्यंत्रीस देमता वर्षेष त्वे व रे के प्रताद व मे मह कार Tantheas Sidwor Tes बेलाइ हे ए चार है कार्रेस 174 Ders मंद्राती के दिली के 147 भाहना रेताक हमारो Oneg ane Sesath wereth कलाड में मार्ग्रह्मा Outappa narw Zueias 152

#### I

INSav Basinsus wess Kuesu zenuara mu-77.08 ·I where in Hegomes Lane. कार र वि मेरा का मेर दूर दिए 8 ocivles sour 188 I want en remoules Meta The rapinhar & noiva-172 1801 98 I wanter ranges "100 Gg 2

ાં જ્ય મત્રમેર લંજારવેંં, મે જે જાળ છે, તેં જો એડ્ર 113

K

7 Adesioi Κεδεσίων αςχων α-TORTH'VET CL Kas snav nandsa e zwv 131 Kadeois मध्यष्ट्रांव क्टूड़ म्हर्ड saciatorius Kagas 178 Kanish maggivens Awvels कार्ड़ महारे दिया क्षेत्र कार्ड़ Grup non Mayareor nv 80 कल्डेड मध्ये मार्ग्स्याधड Kariov stas maxed wise un ers or xelan xell and an हिंदा केंग्र हेंग्र होते हेंग्र हैंगे, में क्लंड moioir End Freiar nata-NITTELY Kapfax O aquanazar 70valkas i sowvaeywv 153 Kaubions Hegowir Baot-Acus, Kuis manie 1 8 % O सं दूर केत की Пहर-OEIDW D The Tiv you auts Kuego de-Ecuro K Musuons yos To Kugs 226 Kaw To Sokov Carinea x 7 ApaGiav oi Tendrioi SHOR TELLEN 93 Kaciar Sci 170 Ecentler meilora oin Dévias Meiora if eiv n Meio dx8ourrus, on per coa ever-Kegions & Audav Bankeis T' Awveior n'unago 21 A: 78 TOXEWEN SUNAMI 152 ligence of state of warter TE Kues mureulan nen-DES

דַשְׁ קִמִדְנִי נְעִמְח דֹּצּ הֹעִינְצִי בְּעָר GaNH 160 Emi Sard'ewr Fodge 172 'A कार्याम हें कार कार करेंड का Kugov o ras non ei Anupis. vo iiv 173 TE KUES OULLERAGE 173 Па s द्राधवत्ति से के द्रा-SHEIR SEXDINE Turn auto diati mangen-Kuagaens yos To 'Aquayes, Kues untos os jadenois 7 7 Minday, i To mayis auts agxiv, wasitalin 'Αυτε μεταξύ κή βασιλίως?

П

П

E

"H

 $\Pi_{i}$ 

Ta

0

Pau.

Die

A

¢

Πέμ 'I

a

Eu:

A7

ξ.

HJ

1

Au

125. E. W

70

60

lac.

3

1

' Α ουρίων σόλεμος 16 ' Ωμος 99 Κυαξάςης Ιδών το Κύρο οιροπειαν τ έαυτής φαιλότητα έθυ μησε 136 Κιώες όπτεμιδιαβίοι 188 Κύρος σόσον διαιεγκενάλλων καθ' αυτίν βαπλέιν

Πά Τας αι θρώπες εθελήπωτας αυτώ πεπονθώ με 1
Πόσων εθνών ης ξαιτο 2
Τοσ αύτιω όπιθο μιαν εμίαλείν εθναιτο, άσε πάν
τας έαυ το χαριζεθς 2
Πατής άυτε Καμδύσης Περοπόν βασιλούς 3
Μητής Μανδάνη 3
Τὸ εἰδες κάλλισες, τίω ψυχων ειλανθρωπότατ στο φιλομαθ έςα στο χοιλουμαθ τα το λοπμαύτω στο βυπονικόν στο δυσεροπόν νόμοις επωδύση

31 7 Πεάξεων διστέ δεχή 7 Σκά πης τ πάπ που Αςιάχων μάλα ξυρες δες δειπνέντη 8 Περίπ

Прыт ลบาร อานทางอย่า 22 Thei dixns muds neions II 12 Ποιυλορώ τερ & Tis it w Jings aut & Strout-עום אן דוש ב מנו דוני לובדו פס. EULTO אומא בעוד דעו עשס דצ प्राथित किंदिर मांग मान्द्र 19 ENEW RELIEVING OUTS EN SWegrocia 19 Etilia aure 21 Heres ard egor neigusus-My THIS TOU MING'ES STAnas spa nzos aigertau 21 This Tow yover waren 22 Ta or u a Ta The pid tauts ETH TESS IQUE, X TES airly Luxas Juxes ess ra BOYENTH" tauxorns wei + To owna-TOS OUTS ROOMOV 54 Didwor Tois xax daiois Exλευσαν, я πολεμείν, я CINES CUTTO ES) 70 Пінян α γέλες πους τον Inday Banken, direiv autor senuata 73 Eusie Ha auts 21,73 Amarraes reis moderios 77 दियास इत्यायं ए क्ट्रेंड विका hea off 'Acreiwy 74 Hon my sixe eis & Babulavide 134 Auts Eysanua x To Kua-52985 132 insuma aure no Kua Eagus H.C. 21-क्यं रेपलक्ष मा इक्ट्रम्प्य TOC 143 יעולנטי φεωπίν Ασυείω άντίπα-3, 7 ov magaskevales 146 las to color in Toplus quaylor मी क्राक्ती वारह एड्व-VEVTA 8 रस्त्र सह 152 Medil

3

4

85,

105

Coy

21

57

16

99

3.

uno-

136

188

al-

7.537

ภูกน

1 10

u.Ca-

adi-

η 2 11ες-

27 G.

3

Κατασκευάζει τίω σραπάν auts es coor egulu merτεκαίδεκα η είκοσιν ήμεewv 154 'Autis भे ां क्लां क्यां मार मार्डेड wees Tov worthou water ousvos nouv Hagginanois wegs the spa-חופר מג מעדצי, סדמו אולא ספים το ομμάτων την πολεμί-עם לואושטע Kai or wis stis suconi To Spanwill auts x Kesion 168 कार्या मेक्स कार मार हार महाने वारμαλώτες 158 Επεί βήμαπ καθέζων δι-185 x200039170 שטאמאו של סשינום של auts oia Ent 780 किर्ण्य में Kawmadonas, n' Aeglise 5mozereiss emoinos, we is-Wegs Spatias es Two Ba-GUNGVA apixeTO TS xalaπολεμήται αυτίο 179 Olkeropia auts 194 Oregina augi 783 Oris 196 Και σφών ευσέξειαν έαυπώ a jadov crouice Befaias x announs penias conservua no Keoiso καλου απεθείξε 20E Olois lategis exchours 203 Semvoths of me a dong streta εν τη Εξελάσει 204 Μετά η άρχυντων αυπε OULT COLON ON O TONNE NO moinida Enden x Enden wexy uarevorras En Balunavo aggs Ton huagaçun eravodos 218 Rua Eden; o Dei O aure Thu

하고 있는 것이 어떻게 가장이 많아 되나?
WITE DUYATERA PROTOS-
อีกที่ อิบาลาร์อล ตอง จร์- รูต อักที่ ค่า กับ วบของหล
219
"Aveu วงผมแหร ซึ่ง สนารุจร หรู
and the state of t
שא עושון בל מנדה אונוש או
ริงิร์มทระ 219 หมลธัสธุรร ซึ่ง อิร์เช สมาชิ วิบ-
मण्यद्रवर्षः यह ज्ञाह व्याह जण-
วลระจล ะัวทุนท 219
ETAVOS & EN BAGULAVO
कल्ड रहेर मय रहेर 219
Emsennes unte al Spartois
στον σαραπθέναι, μήτε
comois aven work xog Tov
EUG & A A HV 222
εμεάλλειν 222 Επιμέλεια ένεκα τε σώζεως
าธุษ บัสทห์อยุ สมาชิ 223
Air8 spanas กมที่วิจร 223
Μέλα πρεσβύτης είς τας
Πέςσας αφήκετο, 224
Ev els av Tomes aupì करे
Leantent Hours 28 chian-
78 di 1120170 224
το διάρειτο 224 Κατ' όνω χεημαπιθές σει
TENSUTHS auts 224
Euxi aure Teneura aces
Ευχή ωπέ τελευπία περε τον Δία 224
Noy or aut Tapanverinds
मध्ये रे १५०६ देश महरू हण में कि छे द
Tes मर्यार्थ का में कांग्रह कार्य
224, 225
224, 22)

Μάςα γδος 'Αραζίων άς χαν 'Αφυρίων σύμμα χος 37 Μελιθών φύσις 113 Μήδων νόμιμα 7,8 Μήδων με αξύ κή 'Αφυρίων πόλεμος 21 Μηχανού πολεμικαί παφασπευάζονται 145

N

Νομεύσι τὰς ἀγέλας μέλ.
Νομεύσι τὰς ἀγέλας μέλ.
λον, ἢ τὰς ἀνθρώπες πὸς
ἄς χεσιν αὐθην πάθεδη
ὁς μόλν
Νόμ Φ ἀἰδι Φ πεὸς πολε.
μέντας
190

B

III

Ilô

П6

7

No.

1

PA

ENLE

au.

0

П

 Μ
 Μ
 ΜΑδώτης ὁ Πέρσης ερατηρὸς 126
 Μανδώνη 'Αςυάγκς Μήθων βασιλέως θυράτης, Κύζε

MITTE

Λ

Y Sia क्रिक्ट्रंड हैं। ज्या-

ΠΑνθείας της 'Αδεμδάτε
γυναικός δυσάθεια 147
Τῷ Κύρω ἀπισμεί ) τὰν ἀνδρα αὐτης οἱλον πιςότεερν τε 'Αράσσα με απένμεως 149
Πῶς τὰν ἀνδρα αὐτης κουμήση 154
Αὐτης ἀξιόλορον παράθειγμα ἐυνοίας πρὸς τὰν ἀνδεα αὐτης Πακ-

# "ΕΛΕΓΧΟΣ.

	Πακτωλός ποταμός 152	∑र्वहिन अठ्राव्ह्यहर्ग्य भे थं-
	Пक्षे मी अहवें नवें के उठ रेक	Prital 172
	रसं भागवंद वा महाकेंद्र 25	∑ัยภาชิอง ชาง ซึ่ง Abgadats
	Hegoeidas and Hegotas	γυναικός άλλως τε έπι-
	χληίζονται 3	- कर्णे कारि रक्षेत्र है। इसर केम्बर्स
'	Nerow vouse rives 3	Se1a 147
4		Tou juyantay en Th' Aria,
	मानी हमहा प्रहास से कहते. कहाड	Tar yordinar es in Adia,
5	7, , , , , ,	nengish नहीं Kuga ट्रियां-
	Melitered eis मह्मकिय पर-	_ ge Tax 195
	११, कार्या कारी मधार्थ	<b>Στς α τεύσιμα έτη</b> 3
	mus margenortal 3	Erganas is Kugs mis &
y -	ANT TOLITED S	223
1	Avil oi mudes Echandov	Zooggowin Tas pixos 251-
λ-	ท่า หมือง ท่องสฉภิย์ม อง	नाया में अद्यंत्रका वेश्वारिंड
is	Μήθοις μεμαθηκότα 21	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
	Bundens auth wees Tivas	T
द्ध	sei ouppassas Tépoles,	
1		TARRELAND IN STRAIGH
yē.	cess 780 liegon's hig Min-	T Avaogagns y'ds 38 Kugs
90	रिंड महम्प्रेसंड 21	1/4
-3	Πλέτε μόχο 🗨 210	Texta of negation on fai 174
	Потед остови อมาอร อัง,	Tisagins' Agulian Baoix -
	नवंगाना मान्या मान्या हुन हुन का	चा निर्माद का इन्हिण स्थी ०६ हा
84.	1800 h mass s senos ) 133	Tewinh Sippeix 146
ave	ांध र्भाषा के में हैं व नी हु-	
125	7 in 40 y G 190	Υ
182	Horses is undwiss Ever in stand	
7:00		V Перие́зе रेन्ड हैं। उर प्रथम
37	10	1 2005 25 2500 25
San	F7 . \ 0.74	'Texturor ein Th' Acousien
		อีนอยูง หู เอาหออง 88
97	· Yobes wereno?	
		Πέμφεσι αγγέλες πέξε
	P	Kuesa wed antimaxian
		784 Acreiss 89
80.7	MINOW SPEIN	Y इयं काय र नार्द्राय २०६ ४५
14	126	Έμε άλλα κές του Φευγας
v a	· The state of the	179
507		
2778	Σ	Φ
14	o la	
5 20	- A nas Asvayes oivo-	₩ Agus २०६ ज्योड्बं माड मह्म-
1	4 L. 206	πεται είς τω Λυκίαν
ું નેલ	12 F21/21	221
יעסו	He TOUR GETTOC SELITING. TOT	Φεραύλας ο Πέρσης το Κύ-
1	εςς αμβαμίλας τα ξίαρχος 48	ςω Σπο κόσμε 205
По	3.1%. 40	Airs
***		11048

Aบัรช ราชมของ, มู่ รีมี พากุมลτων αυτώ τω Σάκα με-Tel 80015 209, 210 Фов Ф ху vou Ф та а vinxisa χωλύεσι III Poivines nupropoest & Th Evela posoi 154 Υπο βάρες πεζομίνοι ανω प्रश्रिणीया किळाडड वेगवा प्रया-182 Shalor שטאמצה דסומנידה צצ בנייסוֹם σύτον καλον κάγαθου ंड वं ९ रस

Χεήματα ωτη δάδεν, ε μη άξος τοῦς ανθεώποις πεά Γματα παρέχεση 203 Χευσάντας ταξίαρχες 46 Αυτε έπολογία 49 Φιλοθήει Θ 68 Ο Κῦς Θ αυτον χλιαρμε πιμά 85 Σατεάπης πέμπε) ες φευγίαν συρ Ένλησοντος, ε Αἰολίδα 211

Y

D

X

ΧΑλδώων πνές ληϊζόμένοι ζώσι, είθισμένοι ζώσι, είθισεν 11, 72
Εἰσὶ μεθόειοι τ΄ Αςμψίων

पिटिशंग देण्याजभागतंत्रवाल 29, 61 पिए भी बेश्वाली भी जल्माहरे 147 पिए भी पिटशाली में के ते वेत-क्रिंडियाल जल्मा से में के क्रिंडियाल जिल्लामा क्रिंग क्रिंडियाल जिल्लामा क्रिंग क्रिंडियाल क्रिंगितिह क्रिंग्सि क्रिंडियाल जिल्लामा क्रिंगित क्रिंग्सि

# ΤΕΛΟΣ.



# XENOPHONTIS PHILOSOPHI

ET

# Imperatoris Clarissimi

DE

# HISTORIARUM

CYRI MAJORIS Institutione

LIBRI Octo.

Ex Latina Interpretatione

# oannis Leunclavii Amelburni,

Qui & vitam ipsius Xenophontis concinnavit.

Additus est Index rerum memorabilium.

LONDINI:

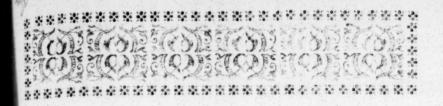
Ex Officina P. REDMAYNE

Ostant apud J. Knapton, R. Wilkins, B. Tooke, D. Midwinter, J. Osborn & R. Robinson,

MDCCXX.

N

for many ref have co doing many many ref many many ref ma



# Narratio de Vitâ XENOPHONTIS, ex diversis Scriptoribus collecta per Joannem Leunclavium.

Enophantis patria fuit urbs Gracia princeps Athena:
ad cujus tribum Archiensem pertinebat. Patrem
kabuit Gryllum. Vultu pervenusto ac miti, casarie promissa, quemadmodum Chio Philosophus prodidit: ipso in vultu singularis inerat verecundia.

Narrant illum Socrati aliquando quodam in angitorio factum effe obviam, & Socratem cum baculo protenfo, quo mmus prateriret impedisse: deinde quasivisse, quo loco vende entwo mnin, que in urbem afferrentur. Ad que cum Xenophon uspondisset, rursum interiogasse Socratem, ubinam ad virtutem homines confuesierent: illo havente, justiffe ut se sequeretur. Ex to tempore Socratis auditor erat. Primus etiam commentariis dannam Socraticam complexus est; qui nunc quoque titulo Memorabilium exstant. Idem & Philosophorum historiam primus scripsit. Deinde hujusmodi quadam occasione quemadmodum ipse tertio de Cyri junioris expedicione libro narrat, in amicitiam Cyri Darii F. qui fratrem babebat Artaxerxen regem, favenit. Erat Sardibus apud Cyrum Proxenus Baotus. qui, ungua mercede data, discipulus aliquando Gorgia Leontini oramissuerat. Cum eo Xenophonii jus hospitii erat. Quare liwas Sardibus dat ad Xenophontem, etimque pellicit, ut ad se mint: velle se pollicetur ipsi amicitiam Cyri conciliare, quent lipse patria sua preferret. Xenophon, lestis literis, de hoc inere Socratem confulit. Is, veritus ne Xonophonti amicitia m apud Athenienses fraudi effet, quod Cyrus adversis Atheunses summis viribus Lacedamonios juverat; boc ei dat con-iu, ut, Deiphos profectus, Apollinem consuleret. Itaque, cum o renisset Xonophon, rogat Apollinem, cui Deo sacrificandum le, quemve orandum, ut iter quod secum ipse statuisset ingreprospere cederet. Respondet Apollo, Dis illis sacrificaret, who boe deberetur. Cum hoc oraculo reversus Achenas, Soalem adit, oraculum narrat. Reprehendit is, qued non potius

#### Xenophontis Vita.

7

e

di

24

22

00

10

pu pl.

Ca

est F

pt L

au

Ca:

feri

ind

Pol

des

cret Nari

Dio

Com

mi.

t'era

Impe Paul

Iden

piali

Gil

tolloc facra

buiff &

apite

E in

lacay ii

auda.

tiam xifti;

interrogaffet, iterne boc suscipiendum effet, an non. Quiata. men ita quasivit, faciundum effe, quod Apollo imperaffet ; ita tum Xenophon navim ascendit, Sardes navigat, ad Proxenum ac Cyrum venit, qui jamjam in Asiam profeduri erant. Aique bic eum Cyro commendat Proxenus: qui rogabat ut secum mi. litatum ivet, verbo quidem adversits Pisidas, at reverà adventi Artaxerxen regem. Ità tum militie nomen dedit in gratiam Cy. ri, cui non minus charus erat, quam ipfe Proxenus. Posted Cyro quidem in pralio, ducibus verò Gracis fraude Tissaphemi trucidatis, cum quid agendum effet, Graci prorfus ignorarent, primus hoc consilii dedit, ut alii duces occiforum loco legerentu. Quod cum omnibus placuisset, inter alios ipse quoque dux atatur, qui Gracos cum cateris domum reduceret. Varia fuerunt tota il a profestione Xenophontis consilia & stratagemata, quibus long's reliquos duces excellebat. Atque bis rebus fadum, ut Cherisophus Lacedamonius dux eum mirifice diligeret : qua quiaem inter non nisi semel toto itinere dissidium incidit: Multa he tempore militum injurias pertulit, ac nihilominus cos egiegie in efficio continuit : etiam aliquando Arcadibus, quanquan ab eis desertus fuerat, suppetias tulit, sunditus perituru, ni Juccumfet. Posteaguam Byzantium venissent, quò minismo bem milites ab Anaxibio classis prafecto irritati diriperent, nuctoritate fud impediit. Inde ad Seuthen Thracum regen mile tes ducit, eumque paterno regno exutum feliciter restituit, immanibus Thracia nationibus domitis. Veriem deinde Seuther de confilio Maronensis Heraclida malam Gracis Es Xenophontigratiam refert. Quare copias Lacedemoniis se traditurum folicetur, qui bellum adversies Perfas in Afia, duce Thimbrone, nonebantur. Antequam buic exercitum in Afiam trajestum traderet, Asidate Persa cum uxore, liberis, familia, magnisopibus capto, nonnihit ditatus fuit. Totum iter, quo copias duxit fu infest ssimas nationes, stadiorum fuit triginta & quatuor mil tium. Post aliquod deinde temporis intervallum, commilito sui Agefilai regis in Afia: qui quidem ever surus Persicum imperun fuisse putabatur, nisi revocatus à suis ad compescendum Theba nos auro Persico corruptos, in medio victori cursu fuisset. A pud eundem maximo fuit in pretio, quemadmodum Plutarchi narrat. Absens ab Atheniensibus exilio multatus est, quod Cy rum juvisset, bostem Atheniensium, & Lacedamoniorum ant cum. Etiam Agesilao in pugna adversiis Thebanos ad Coro neam commissa adfuit. Quod autem nonnulli tradunt eu ab Agesilao rege Spartam accitum fuisse ad erudiendos quelo ut ex ipfo parendi atque imperandi artem discerent; equi dem nec verum esse puto, nec auctoritate scriptorum veterus comprobari. Nam quod boc de Agesilao Plutarchi, probarco mantur, ex verhone interpretis proficifeitur, viri & mibiamais

Xenophontis Vita.

.

i.

111,

101

46

16-

am

712

111-

au-

nli

im-

grarolli-

mo-

oibus

t per mil-

fuil

ium

heba.

archu

d Cy a ami

Coro

it eun

equi

eterus

nicist

mi, & cateroqui cum paucis omnino qui hoc feculo veterum monumenta Latinum in sermonem convertunt, conferendi. Scripsit enim Plutarchusid, quod facile intelligent qui Graca ipfius verba diligenter intuebuntur, Xenophonti Agefilaum auctorem fuiffe, ut filios suos Lacedamonem accitos ibidem educaret; quod futunum ei pollicetur, ut artem ibi discerent, qua nulla praclarior, parendi nimirum & imperandi. Hac verborum Plutarchi fenientia est: cui Diogenes etiam in vità Xenophontis nostri adstipulatur. Tradit enim is ex Dioclis auctoritate, filios Xeno. phonis apud Spartam Lacedamoniorum disciplina imbutos fuisse. Caterium deinde Xenophon hoffes Lacedamoniorum publicus factus eft, atque ex eo tempore Scilluntem una cum Gryllo Es Diodoro FF. commigravit. Isthic votum Ephesia Diana fanum exstruait, seque quotidie venationibus, invitationibus amicorum, scriptione historiarum oblectabat. Tradit Paufantas Scilluntem Eleis Lacedamonios ademisse, donóque Xenophonti dedisse: Dinarchus autem, pradium una cum domo datum fuiffe ab Lacedamoniis. Caterum postea quam orto inter Eleos & Lacadamonios bello, Eilluntem Elei adoriventur, ac tardius Lacedemonii suppetias ferent, Xenophon ejusque filit Lepraum suga sese receperunt : mde Corinthum pervenêre falvi: qua in urbe deinceps babitavit. Potea, cum Athenienses Lacedamonius, quos Argivi & Arca. des cum Thebanis conjuncti tantiem non oppresserant, publico deneto facto (de quo iffe libro Gracarum historiarum extremo amat) ferendam esse opem staturssent: Xenophon Gryllum & Diodorum F F. Athenas mittit, ut buic expeditions interessent. Commissum inde pralium est ad Mantineam : ex quo Diodorus millare memorabili gesta incolumis evasit: Gryllus autem adremis Thebanos equites collocatus, Epaminondam clarissimum imperatorem vu neratum occidit. Sie enim feripfit in Arcadicis Pausanias: qui quidem testes citat Athemenses ac Thebanos. dem in pictura quadam Athenis se reperisse commemorat, qua palium ad Mantine im representatum fuerat. Addit etiam listle apud Mantineam fuisse columnam cum equestri statua ollocatam. Forte Xenophon post banc pugnam Corinthi rem scram serto redimitus faciebat, cum ad eum veniunt, qui occumise shium issus in pralio dicerent. Ea re audita, dempto de tapue serto, quo pado mortuus esset, quarit. Illis respondenti-bus, sirenue pugnantem ac multis hostibus interemptis, tandens Ensum ceciaisse; corollam in caput reponit, ac ne quidem iladymans in sacreficio pergit, bec (ut quidam aiunt) verba proboutus: Sciebani me genuisse mortalem. Gryllus bic à morte audatus est muttorum Epitaybiis versibus, qui quidem pari tiam gratificari cuperent, ut Anssoteles scripsit : de quo vicet shinare, magna ipfum in existimatione fuisse. Floruisse 1 dalme

# Xenophontis Vita.

maxime Xenophon perhibetur, Anno xciv Olympiadis quarto. Mortuus est anno primo cv Olympiadis apud Corinthum, cion nonagesimum vita annum excessisset, auttore Luciano. Vir fortis fuit, equorum, venationis, aciei struenda, pietatis, faci. fictorum studiosus. Magnas adversis Aristippum impurum Philo-Sophum simultates exercuit: ideoque in libro Memorabilium II. Socratem adversus bunc de voluptate disserentem fecit : cujus iei Laertius quoque memini. Fuit & boc dignissimum laude, quot cum latentes alicubi Thucydidis historiarum libros surripere poslet, ejusque labores supprimere; potius eos in lucem proferendos fumma cum indicatione insignis ingenuitatis putaverit. Datum ei nomen est Attica Musa, propter summam orationis suzvitatem: que quidem caussa fuisse fertur, quamobrem quedam inter ipfum & Platonem existeret amulatio, de qua multalicet apud Athenaum legas. Idem liberum quoddam ejus ad Dionyhum tyrannum differium narrat. Nam cum pocillator eum ad bibendum cogeret, nominatim compellato tyranno: Quid hoc, inquit, rei est, Dionysi? tamen obsoniorum artifex ille in. fignis ac varius comedere nos invitos non cogit sed cum filentio mensam nobis modeste apponit. Suidas autentradit, non Articam Musam, sed Apem fuisse appellation; quod & Chiestodorus suis in versibus innuere videtur. M. Tulius orationem ejus ait melle dulciorem esse, quasi ad Homerica verba de Nestore alludens. Idem ait, perbiberi, Xenophontis voce Musas quasi loquutas esse. Caterum de toto distionis apfins genere praclare commentatus est non Hermogenes (ut quidan putat) sed Aristides Adrianensis in libellis duobus, quorum alter de simplici, alter de civili oratione inscribitur. bac ferè sunt, qua de Xenophonte sparsim tradita colligue quasi unum in locum libuit.



vi

12

eft.

(

Gra

Cap test:

Affy

cape reda

dem

Hy onun pis A dir. I Cy

btim

ibra

Leunclavii Chronologia brevis, strictim ea complectens, que in octo libris historiarum de Cyri Institutione continentur.

Yrus Cambyle, Perfarum rege, natus fuit.
Affyriorum regem Cyrus
in Affyrià bis prælio superavir Lib. de inftit. Cyri 3. & 4.
Cum eodem, Cræso copias
adversas ducente, tertium
prelio congressus ad Thymbraium sive Thymbrium juxta Ciliciam, victorià potitus
est. Lib. de inftit. Cyri 7.

Ciæsum & Sardes cepit,

unà cum Lydia.

12

1

.

1

m

1-

od

715

ica

tis

7175

111-

12112

9116

4.2 [

.cim

Cariam, & Phrygiam, & Græcos Asiam incolentes, & Cappadocas, & Arabes in potestatem redegit.

Babylonem obleffam cepit Affyriorum rege, dum urbs caperetur, in potestatem redacto, & interfecto. Eo-

dem Lib. 7.

Hystaspi Cyrus, expeditionum socio, Gobryæ principis Asfyrii filiam uxorem dedit. Lib. de instit. Cyri 8.

Cyrus Perfarum rex fuit

nnis xxix.

Solus Asiæ totius imperi-Im, post captam Babylonem,

bunuit annis viii.

Cambyfem & Tanaoxatm, vel Tanaoxarcem, feandum Crefiam; filios relitur. De institutione Cyri Libro 8. 'Ιωάννε τε Λεύνχλαζίε Χρονολοχία ξωντομοτάτη είς τα τε Ξενοφῶν/ Το Βιβλία Κύζε παιδείας ίςοειῶν

Υρος Καμβύσε, Περσών βασιλέως, ήδε εγνίελο. Ασυρίων βασιλέα μάχη Κῦς Θεν τη Ασυρίδι δι ενίκησε Κύζε πουδιέν τω γ΄κ).

Τῷ ἀντῶ Κερίσε σρατηγέντ۞ τὸ τείτον μαχόμθν۞ τὸ το Θυμβερίον ἢ Θύμβειον,
τὸ Θυμβερίον ἢ Θύμβειον,
τὸ Κύζε παιδείας ἐν τιδ

Kesioov, z Zagsas ans,

ut & Audias.

Καείαν, η Φρυγίαν, η τεντ εν τη 'Ασια Εχλίνιας, η Καππαδόκας, η 'Αεμείες κατεπεία].

Τω Βαζυλώνα πελιοχκήσας ελε, τε βασιλέως 'Ασυείων εν τη άλώσει τ πόλεως χειεοβέν] Ο κὸ σφαγέν] Ο . πε

αυτώ ζ' βιελίω.

Υςαίσωη το ξυςραβωνα μένω Κυς Φ τ Γος ενές, τε 'Ασυείε δυμάς ες δυγατές α εννης ενίταβο Κυς εν που δείας το η'.

Kugo ¿Gaoindos Перобр

באושושה אלי.

The Acids andone, ut the & Basunavo dans and another

valeznow ETA n'.

Kaμεύσην κ Ταναοξάς lw, η Ταναοξάς κlw, χΤ τ Κποίαν, ψές κατέλιπε. Κύς ε πουδείας πω η ...

なななない

puoti delico de la compania del compania de la compania de la compania del compania de la compania del compania de la compania del co



## KENOPHONTIS

Historiarum de Institutione CYRI Liber Primus.

Ccidit aliquando nobis ad animum, quot popu- Difficillares administrationes ab iis, qui aliter potius, limum quam in populari Reipublicæ statu degere vel- hominilent, eversæ; quot item vel singulorum, vel bus impaucorum, principatus, à plebeis sublatisint : perare.

notquot regnum invadere conati, partim perquam ceenter imperio fint dejecti, partim ut viri sapientes & elices, in admiratione fint; quantocunque tandem spaio temporis principatum retinuissent. Quin & pleoque videbamur animadvertisse, qui domi suæ famiiam, alii majorem, alii lanè modicam alerent; quum tanen iidem domini etiam perpaucos illos, magnopere fibi blequentes habere non possent. Præterea veniebat in mentem nobis, ut bubulcis in boves, sic equatiis in equos, deoque omnibus, quos pastores dicimus, illæc in animala, quibus præsunt, non abs re videri imperium esse. At reio videre videbamur, greges hos omnes lubentius pastoibus suis parere, quam homines magistratibus. Pergunt nin greges quocunq; pastores dirigunt; atque ut in locis astum quærunt, in quæ illi loca eos immittunt: sic ab iis bifinent, a quibus arcentur. Quinetiam fructibus, qui xeis proveniunt, uti pastores pro libitu sinunt: nec unwam accepimus ullum gregem adversus pastores coïvisse, vo vel minus eis pareret, vel eos uti fructu non permittett. Imò quibus vis aliis intestiores sunt greges, quam iis, Ad.p.z. wi & imperium in eos habent, & emolumenta ex eis capunt: quum homines in nullos majori coëant impetu, quàm was in se regnum adfectare sentiunt. Hæc quum apud nimum expenderemus, ita de his arbitramur; ut homini ato facilius existimaremus esse, quibulvis animantibus ais, quam hominibus imperare. Sed ubi cogitavimus, fuisse Cyrus frum Persam, qui complures homines, complures civitates, impeumplures etiam nationes fibi parentes habuerit: tum deinde randi

relictà peritus,

tus

dan

tur.

che pito

bor

effe

cun

cep

xin

qua rze fun

prot dein

dul

detre

toru vero nè p

acin

atio

cant, lunt

clan

nè h

qui ( litun

is e

etati

ge fi

matu

com

ffe.

Zili nê qu nechi

decin

bus fi

Diori

dis it

qui h

1.7110.

relictà sententià priori, sic statuere coacti sumus; ut hominibus imperare, neque illarum in rerum numero, que res fieri nequeunt, ponendum; neque factu este difficile censeremus, modo scite quis hoc agat. Quippe Cyrospon. te fuà paruisse novimus homines, qui partim ab eo complurium dierum, partim mensium intervallo abessent, partim nunquam ipfum vidiffent, partim certo scientes, se non visuros, nihilo tamen ei minus obedire vellent. Etenin cæteris ille regibus tantum præstitit, cum iis, qui accepissent paternos, tum qui sibi principatus ipsi acquisivissent ut quum Scytha, quamvis amplissimæ Scytharum copia fint, nullam regno suo nationem aliam adjicere possit, la tisque sibi ducat, si suæ gentis imperium retineat; & Thrax fi Thracum; Illyricus Illyricorum; itidémque de cateri eadem nationibus audiamus: (nam in Europa quidem e tiam nunc sui juris, & à se invicem distinctæ gentes eff perhibentur:) Cyrus unus, qui nationes Asiæ similiter su Ampli- utentes legibus, liberalque reperisset, exiguâ cum Perla rum manu domo profectus, Medis quidem Hyrcanisqu Imperit non invitis imperavit : Syros vero, Affyrios, Arabes, Cap padoces, Phrygas utrosque, Lydos, Cares, Phænices, Ba bylonios subegerit: atque etiam Bactrios, Indos, Cilices Al. Bu-Sacas autem, Paphlagonas, Megadinos, gentes alias com plures, quarum nè nomina quidem referre quis possit, in di Es Ma-tione habuerit. Idem Græcos incolentes Afiam, & Cyprio gadidas & Ægyptios, ad mare quum descendisset, suam in potesta Ad p. 3. tem redegit. Harum igitur gentium imperio potitus el Guber- quibus neque cum ipso, neque inter se lingua communisera nandi Nihilominus ità metu sui tantum terrarum obire potuit, omnibus formidine percuffis, adversus ipsum nemo qui quam moliri auderet. Idem tantum in hominum anim excitare potuit desiderium præstandi ea, quæ essent ip grata, ut omnes ipfius arbitrio regi perpetuo cuperent. Id

nationes ut ex iplo penderent, effecit; quot etiam enum rando percurrere fuerit operolum, quacunque scilicet e parte à regia quis ordiatur; sive ad ortum seu occasum tive ad septemeriones, seu meridiem. Nos quidem cer de hoc viro, velut admiratione digno, quo genere natu quali præditus indole, quali excultus disciplina, tantu gubernandis hominibus excelluerit, alios confuluimu & ideirco narrare conabimur, quæcunque de ipso vel pe cunctando rescivimus, vel intellexisse videmur.

Yrum Cambyle patre, Persarum rege, natum fuil fertur. Cambyles iple Persidarum è gente suit o 20116:0

tus qui auctore Perseo celebrantur. Matrem ei fuisse Man-

danam conftat, Aftyagis Medorum regis filiam.

ax

e flui

qu

ap Ba

ces

om n di

Tio.

efta

s ef

eral

quie

t ip

To

um

et e

lum

cer

natu antu imus

el pe

fuil

uit o

2. Fuisse autem Cyrus ità comparatus à natura perhibeur, atq; etiam nunc decantatur à Barbaris, ut & torma pul-Indeles. cherrimus, & animo præditus humanissimo, & discendi, adipicendiq; honoris a vidissimus esset; adeóq; nullum non la-

brem perterret, nullum non laudis gratia periculum adiret. 3. Tali quum à natura indole animi, formaque Cyrus 3. esset, quemadmodum sanè hactenus memoratur: etiam se. Educa. cundum leges Perlarum est institutus. Earum vero prin. tio. ceps esse cura videtur, id essicere, quod bono publico ma- Legum xime conducat. Non enim inde faciunt initium, unde Persicaquamplurimis in civitatibus leges exordiuntur. Nam ple-rum requecivitates cuivis educandi liberos suos, quâ ipsi vi-laus. sum ratione suerit, potestatem faciunt, atque ipsis etiam. provectioribus vivere sui ex animi sententia permittunt: teinde edicunt, nè quis clepat, nè rapiat, nè per vim donum in aliquam irrumpat, nè quem per injuriam pullet, dulterium nè committat, magistracus imperio parere nè terectet, atque his itidem alia confimilia. Quod si quis borum aliquid transgrediatur, pænæ propositæ sunt. At vero Perfice leges hoc antevertentes, primum procurant, lè prortus ejulmodi cives fint, qui pravi alicujus, fœdive acinoris libidine ducantur. Arque hoc hujulmodi quadam atione procurant. Est apud eos forum, quod Liberum vo- Forum ant, in quo cum regia, tum curiæ magistratuum cæteræ apud unt exstructæ. Hinc & res venales & nundinatores, & Persas clamores horum ac insolentiæ alium in locum rejectæ sunt: cognonè horum turbulenta confusio cum decoro illorum ordine, mento quisum instituendi, permisceatur. Forum hoc ad curias Libe-num, quatuor in partes est divisum. Earum prima pue rum. isest attributa, puberibus altera, tertia plenam adeptis Forimatem viris, quarta militares annos egressis. Et ex le-distrie singuli suis in locis adsunt, pueri quidem, & ætatis butio. naturæ viri, primo diluculo: seniores vero ubi cuique

commodum est, extra statos dies, quibus oportet eos adesse. Puberes etiam propter curias cum armis gymnicis silibúlve dormiunt, maritis exceptis, quorum præsentia de quidem requiritur, nist denunciatum fuerit, ut adsint : sechonestum, hos abesse sæpius. Harum partium cuiq; duodecim sunt præsides, quòd Persarum natio totidem in tribusses, dialest allest audam ex sechoneste.

bus sit distincta. Præsunt autem pueris delecti quidam ex sesioribus, qui eos effecturi quam optimos videantur. Epheis item, de virorum ætatis integræ numero lecti quidam, pi hos reddituri optimos existimentur. Viris etiam ma-

B 2

1

turæ jam ætatis præsiciuntur, qui tales reddituri putentur, ut potissimum sibi præscripta, & à magistratu summo imperata præstent. Nè senioribus quidem sui præsecti desunt, quippe quòd his etiam qui præsint, deligantur, ut & ipsi officium faciant. Ac nos etiam illa commemorabi, mus, quæ cuilibet ætati præstanda legum ex præscripto sunt, ut qua cura studióque efficiant, quo cives optimi sint, magis etiam pateat.

4. 4. Pueri ergò magist orum domos frequentando in dis. Puerilis cendà justitià, versantur; & aiunt, ad hoc se non aliter itaetatis re, atque soleant apud nos, qui literis operam daturi sunt
exerci Horum autem præsides maximam diei partem jure dicundo
tia. conterunt. Nam & inter hos pueros nihilo sequius, ac in
Adp. 5. ter viros, mutuæ criminum accusationes existunt, surti, sa

folent. In illos autem, quos intelligunt talis alicujus in Allio in juriæ reos, animadvertunt. Eos etiam plectunt, quos pe homininjuriam accusare comperiunt, judicium verò dant de illo nem in quoq; crimine, propter quod inter homines odia mutua po gratum. tissimùm existunt, quum postulationes in judiciis de eo

10

0

11

Q

pi

ta

10

næ

tur

uni

cen

præ

ven

hil

ciòc

nem

Du

elui

dom

didi

quib

brot

minime fiant, nimirum de ingratitudine. Itaque fiquen intellexerint gratiam non referre, quum possir: in eum tiam valde animadvertunt. Namingratos homines imprim nullà Deorum curà, nullà parentum, patriæ, amicorum, ad nci arbitrantur. Quin & impudentia potissimum ingrati tudinem comitari creditur, quod hæc una omnium efle ma xima dux ad turpissima quæque videatur. Piæterea pu ros ad temperantiam condocefaciunt. Plurimum vero a hanc discendam confert, quod ipsos etiam seniores tot die temperanter ac moderate vitam agere vident. A dunt præcepta de præstanda magistratibus obedienta quam ad rem multum confert, quod & seniores enixe v dent magistratibus obtemperare. Docent eos & ventris potûs abstinentiam, nec parûm ad hoc adfert adjument zum quod seniores quoque non priùs ventris caussa dilo dere vident, quam suis à præsidibus dimittantur; tum tiam, quod apud matrem pueri non pascuntur, sed apu magistrum, postquam id præsides eis significant. Adsend autem domo panes quidem ad cibum, nasturtium veio obsonium, itémque ampullam, ut si quis sitiat, è præte fluente hauriat. Ad hæc arcum tendere, sagittis & jac lis ferire discunt. Exercent autem in his se pueri ulq ad fextum, septimúmve ac decimum ætatis annum, à q yam tempore ad ephebos abeunt; qui hoc russum mo Vivunt. 5. D

ur.

m-

de-

ut

bi-

pto

imi

lif-

ita-

unt

ndo

in

, Ta

ı Cari

s in

s per

ille

pa

e e

uen

im e

rim

1, 30

grati

: ma

pue

10 2

tot

Ad

ntia

se v

TIS

ment

dilo

um

all

feral

eio

ræte

jac

ulg

à q

mo

5. Decem annis, postquam è pueris excesserunt, ad curias fomnum capiunt, ut dictum eft, cum civitatis cufto- Pubediendæ, tum exercendæ temperantiæ gratia. Nam hæc rum expotissimum ætas requirere curam videiur. Iidem inter-ercitia. diu quoque magistratibus utendos se præbent, si qua in re insorum opera publice desideratur. Ac siquidem usus ità postulet, universi ad curias manent. Rex verò, quum ve- Ad p.6. natum exit, (& exit per mentem fæpius) dimidiam custodia partem educit. Quotquot autem exeunt, arcus habere juxta pharetram oportet, ac copidem in vagina, vel fecu- Komises im. Præterea cratem, & hastas binas, ut harum alteram appellaemittant; altera, si sit opus, cominus utantur. Cur veio bantur publice venationi operam dent, in qua rex ducis officio gladii perinde ac belli tempore fungitur, quum & iple venetur, &, minores prvenentur alii, curam adhibeat, hæc caussa est, quod bel leviter licarum rerum isthæc exercitatio verissima videatur este, curvati, Consuetacit enim ad surgendum mane, & ad frigora calo-falcibus illy; perferendos, atque etiam ad itinera & curlus exercet. similes Proterea l'agittis jaculilq; feram petere necesse est, ubicun- auctore que inciderit. Sæpe etiam acui animum in venatione opor- Curtio, tet, objiciente se robustà & feroci aliqua bestia. Nam quæ Linas offerunt lefe bestiæ, feriendæ funt: ab iis autem cavendum, uz zakque in venantem irruunt. Adeoque non facile quis repe- eas nat, quidnam eorum, quæ bellum habet, à venatione ablit. dixit, Quum autem venatum exeunt, prandium lecum ferunt, co- id eft, piolius illud quidem, ceu par est, quam puerorum: alioqui infra tamen simile. Ac dum venantur, haudquaquam prandent. lib. 4. Sin autem vel feræ caussa præstolari oporteat, vel cæte- Gladios soqui diutius immorari venationi libeat: illo prandio cœ- exiles. na tempore sumpto, postridie rursus ad cœnam usq; venantu. Itaq; biduum hoc unum diem putant propterea quod mus diei cibum ablumant. Faciunt autem hoc confuelcendi caussa, ut si quid tale in bello etiam ulus postulet, prestari ab eis possit. Quicquid verò qui hac ætate lunt, venando ceperint, id eis in obsonium cedit: si captum nihil sit, nasturtio vescuntur. Quod si quis eos vel ingrato cho vesci putar, quum nasturtium solum adhibent ad palem, vel uti potu ingrato, quum aquam bibunt: is ad anifun revocet quam suavis cibus sit offa & panis, si edat duiens; quam suavis aqua, si bibat sitiens. Quæ autem ômi manent tribus, eæ cum aliorum exercitiis, quæ pueri didicerunt, occupantur; tum sagittando ac jaculando, in quibus sané perpetuæ inter eos contentiones existunt. Etiam Publica quædam horum certamina funt, & in eis præmia Proposita. In quacunque verò tribu quam plurimi peritià,

fortitudine, obedientia præftiterint; ejus non modo præses à civibus laudatur & honore adficitur; sed etiam is, Ad p. 7. qui eos, dum adhuc pueri effent, instituir. Atque horum domi manentium epheborum opera magistratus utuntur, si quo præsidio custodiave sit opus, aut si vestigandi sint malefici, vel intercipiendi latrones, vel ad aliud quidpiam eorum, quæcung; virium aut celeritatis opera funt. Hæc igitur agunte ephebi, ac postquam annos illos decem exegerunt, ad viros ætatis plenæ transeunt.

6. alas.

8.

6. A quo autem tempore ex ephebis excesserunt, viginti Virilis & quinq; annis hujusmodi vitam agunt. Primum perinde ac ephebi se magistratibus exhibent, si qua in parte ipsorum opera publice fit opus ad ea, quæ curant jam intelli. gentia præditi & viribus adhuc integri. Quod fi eundum fit in militiam, non jam hoc modo instituti vel arcus in expeditione gestant, vel tragulas; led arma, quibus apud Græcos inde nomen est, quod eis cominus pugnetur; circum pectora thoracem, ciatemque talem manu finifra, cum quali Persæ pinguntur: dextra verò sicam, vel copidem. Omnes autem magistratus ex his constituuntur, exceptis puerorum magistris.

h

C

n

gı

a

ex

ft

18

Ve

fi

ne

ga

ni tre

20

121

Q

Tu

(h:

&

ma

tia

du

int

bal

7. 7. Hos annos quinque ac viginti postquam exegerunt, jam quinquagelimum ætatis annum, ab ortu leilicet, excesserint. Itaque runc eorum in numerum abeunt, qui & Benum sunt & appellantur seniores. Hi vero non amplius extra munus, solum patrium militatum eunt, sed domi manent, omniag;

tàm publica judicia, quam privata exercent. Etiam capitis supplicia decernunt, ac magistratus omnes legunt, Si qui autem vel inter ephebos, vel eos qui plenæ funt vinlis ætatis, in eorum aliquo deliquerint, quæ legibus constituta sunt: eorum unumqueinque tribuum præsides deterunt, & aliorum quilpiam, qui velit. Seniores vero ie cognità eum loco movent. Motus autem ordine, per om-

nem deinde vitam infamis manet.

8. Ut veio planius universa Persarum Reipublicæ ratio declaretur, ad superiora paullum revertor. Nam propter illa quæ antehac à nobis dicta sunt, quam paucissimis nunc declarari poterit. Persarum ad centum & viginti millia feruntur esse. Horum nemo lege ab honoribus & magistratibus arcetur, sed cuivis Pertæ liberos suos ad Icholas justitiæ publicas mittere licet. Mittunt verò, qui alere liberos suos in otio possunt: qui non possunt, non

Ad p. 8. mittunt. Apud magistros autem publicos institutis licet inter ephebos adolescere, quod illis haud fas est, qui hujus institutionis cursum non tenuerunt. Jam quotquot in-

## De Cyri Institutione LIB. I.

ter ephebos ea, quæ præscripta legibus sunt, plene præfliterunt; iis permissum est, illorum contubernio, qui viilem ætatem plenam adlecuti funt, adgregari; ac magifratum honorumque participes sieri. Qui veio vel inter pueros, vel ephebos tempus fuum non exegerunt; nec in virorum ætatis integræ classem admittuntur. Inter viros autem constantis ætatis, qui perpetuo fine culpa vixere, seniorum in ordinem cooptantur. Atque ità inter hos seniores alleguntur ii, qui omnis iter honesti confecerunt. Hæc constitutæ rei apud Persas publicæ ratio est: quam si lequantur, longè se arbitrantur esse optimos.

g Extat autem hoc quoque tempore testimonium tam moderationis eoium in victu, quam laboris in victu digerendo. Quippe nunc etiam apud Persas non solum exspuere palain, & emungi, & flatu refertos videri turpe ducitur: sed etiam vel excernendi lotii, vel alterius ejulmodi rei gratia lecedentem aliquò conspici: Non pottent autem hæc facere, nisi & victu modico uterentur, & humorem ità labore degerendo consumerent, ut is alia vià

quapiam excerneretur.

10. Et hæc quidem habemus, quæ Persas ad omnes spectantia proferamus. Nunc autem actiones Cyri reteremus, exorsi à pueritia: quando ejus caussa hæc à nobis est in-

stituta narratio.

i

5

).

1-

m

in

id-11.

a,

1-

%.

nt,

ex-

8

tia

laq;

api-

Si

in.

on-

ete-

0 18

om-

ratio

retgo

limis

ginti

US &

os ad

, qui

non

licet ii hu-

of in-

ter

II. Cyrus enim, ad annos usq; duodecim paullove pluresætatis, hâc institutus disciplina palam æqualibus universis præstabat, cum discendi, quæ oporteret, celeritate, tum fingula rectè ac viriliter exsequendo. Ab eo tempore iliam ad le luam Aftyages, ejúlque filium accertivit. Tenebatur enim illius videndi defiderio, quem audiebat eleganti præditum indole. Abit igitur ad patrem Mandana, Cyrum filium lecum adducens. Cúmque celeriter adveullet, atque intellexisset Cyrus Astyagen matris suæ patrem esse, statim, ut puer à natura proclivis in amorem ac benevolentiam, complexus eum salutat, at si familiarem jamdudum & amicum veterem suum aliquis salutaret. Ad p.9. Quimque videret eum Medorum more pigmentis oculonum, coloribus illitis, alienis crinibus adpolitis ornatum, luc enim omnia Medica lunt, itémque tunicæ purpureæ & candyes, & monilia circum collum, & armillæ circum manus ambas: quuin apud Persas domi degentes hac etiam tempestate, multo tum vestitus sit vilior, tum vidus tenuior) avi ergò quum videret ornatum hunc Cyrus, intuens in eum, Quam pulchrum, inquit, mea mater, avum babeo! Illa verò interrogante, Uter ipfi pulciior videretur;

10.

II.

hiccine, an pater? respondens Cyrus : Perfarum quidem, ait. O mater, longe pulcherrimus est pater meus: Medorum veid quotquot equidem vidi, cum in viam, tum ad portas, avus hic meus multo pulcherrimus est. Astyages autem contra complexus & ipfe Cyrum pulchra ftola induit, ac torquibus & armillis honoris caussa donatum ornavir. Quod si etjam aliquo prodiret, cum in equo cui frænum effet aureum circumducebat; quemadmodum & ipse proficisci consueverat. Cyrus autem, qui puer effet elegantis & liberalis ingenii, hac stola delectabatur, & equitationis exercitio nimium quantum gaudebat. Nam apud Persas, quod equi difficulter illic alerentur, & usus ecrum in regione montana difficilis effet, etiam equum conspici perquam rarum erat. Quum autem cœnaret Aftyages, adhibità filià & Cyro, quod puero cœnam illam gratifimam esse vellet, ut domestica minus desideraret: tum patinas ei, tum condimenta cibosque varios admovit.

za:

ftr

7u

uo dar

t i

co

er

um

lum

8 al

on e

ater

nant

unt,

Qu.II,

on a

atere

icos e

till

im po rimian

unes

n int

umvi

lime

a fuu

m abe

negu

illi

imadi

his fie

Ibi Cytum dixisse ferunt: Quantum tibi, mi ave, negotiorum est in cænā, siquidem ad omnes istas patellas mams extendere necesse est. Es cibos hosce tam varios degustare? Tum Astyages: Quid? inquit, an don hec tibi cæna multò videtur melior esse Persica? Ad quæ Cyrus: Nequaquam, ave, respondit. Nam via multò simplicior apud nos Es rectior est ad stietatem, quàm apud vos. Etenim ad eam panis Es caro not deducunt, quum vos eodem, quo nos, tendentes, multasque per ambages sur sum deor sum vagantes; vix cò tandem perveniatis, anò dudum delati nos evames.

Ad p.10 quò dudum delati nos eramus. Verum, mi fili, ait Astyages, molesta nobis obvingationes ista non funt. Quod si bac tu quoq; gustes, quam suavia sint, licet cognoscas. At verò, inquit Cyns, video te ipfum, ave, cibos hos averfari. Quumq; interregaret Astyages: Unde, fili, conjecturam ducens hoc ais? Que te, inquit, si panem adtigeris millam ad rem manum extergue video. Sin borum aliquid adtrefaris, statim mappis purgas manum, quasi perquam moleste feras, plenam ils suisse. Et Astyages, Si quidem ita, fili, cenfes, ait, faltem carnibus vefcere, que juvenis domum redeas. Hæc dum diceret, multas ei tam ferinas, quam mansuetorum animalium carnes adferri justific perhibetur. Cyrus autem, quum eam carnium copiam videret: Dafne mibi, ave, carnes has universas, ait, ut eis ut pro arbitrio meo possim? Equidem, inquit ille, profecto has tib do, fili. Ibi Cyrum aiunt de carnibus acceptis pleralq; miniftris familiaribus, qui circa avum, distribuisse, quum verb quædam fingulis adjiceret : Hoc tibi, qui sedulo me doces quivare. Tibi boc, qui tragula me donaris. Id enim que dem, nunc habeo. Tibi verò, quod avo diligenter infervis. Tibi quos

ć

C

S

n

n

is

0

-9

ne

2-

ià

et,

n.

100

X-

m

lur

on-

tie-

2105

per

atis,

ges,

nog;

rus,

Quòa

maftya-, quo n fenififie n vi-

is ut

ns tibi miniverba

que Tibi

9400

quod matrem meam honorifice colis. Hujusmodi faciebat, ut fenur, donec carnes omnes, quas acceperat, distribuisset. Et Aftyages, Nibilne Saca das, inquit, pincerna, qui apud me in honore maximo est? Sacas autem hic & pulcher erat, & honoprio munere fungebatur adducendi eos ad Astyagem, quibusillo convento effet opus; & alios arcendi, quos minus opportunum putaret adduci. Tum Cyrus, ut expers adhuc verecundiæ puer, procacius interrogat: Quamobrem, ave, untum buic honorem babes? Aftyages per jocum, An non sides, ait, quam belle, quam decenti geftu pocillatoris munus obeat? Horum enim regum pincernæ pocula scité mini-Arant, & delicaté infundunt, ac tribus digitis pateram quali vehendo sic tradunt & offerunt, ut hausturo poculum commodissimè capiendum porrigant. Cyrus autem, Juheto, inquit, mi ave, Sacam mihi quoque poculum tradere, no belle infuso tibi potu te mihi conciliem, si possim. Itaque lari poculum Cyro quum justisset, acceptum ille pari elut industria, quâ Sacam uti viderat. Atque hoc modo ultu ad feriam quandam & honestam speciem composito, coblatam avo pateram porrexit, ut largum matris paria & Astyagis rilum concitaret. Iplum etiam Cyrum um risu ad avum exiliisse proditum est, & inter osculanum dixisse: Periisti, Saca; honore te isto desiciam. Nam faliis rebus magis industrius te pocillator ero, & vinum iffe mebibam. Quippe qui regibus à poculis sunt, quum ateram porrigunt cyatho, haustum ex ea vinum & in moum finistram infusam absorbent; ut, si venena infununt, nihil hoc eis prosit. Post illa per jocum Astyages: Pumobrem, inquit, aliis in rebus scitè Sacam imitans, vinum on absorbuisti? Quia prosectò metuebam, ait, nè mista in mune venena essent. Nam, quum tu cana die natali tuo aicos exciperes, plane deprehendi, venena hunc vobis infudiffe. nille: quonam hoc pacto, fili, animadvertisti? Quod videimprosecto, inquit, Es animis vos Es corporibus titubare.
imim enim, qua nos pueros facere non sinitis, ipsi faciebatis.
Innes enim simul vociferabamini, quum vosmet mutuo prorsus
initelligeretis. Quin Es ridicule admodum canebatis, ac
umvis canente quopiam non auscultaretis, jurabatis tamen ime hominem canere. Praterea quum quisque vestrum ro-nsum pradicaret, ut primum saltaturi adsurgebatis, tanmaberat, ut saltare possetis ad numerum, ut etiam erecti sta-maberat, ut saltare possetis ad numerum, ut etiam erecti sta-mauiretis; penitus autem obliti eratis, Es tu te regem esse, silli te suum esse principem. Ac eo tempore primum equidem madverti aqualem dicendi potestatem id esse, quod tunc à feret. Quippe nunquam tacebatis. An verd tuus pater,

Adp.IZ

fili, subject Astyages, quum bibit, non inebriatur? Non profedto, inquit Cyrus. Quomodo igitur se gerit ? Sitive definit, nec ei quidquam praterea mali accidit. Non enim, ut equidem arbitror, mi ave, Sacas ei à poculis est. Ibi mater, Quamobrem, mi fili, ait, tantopere Sacam oppugnas ? Quia profedo.

Adf. 12 inquit, odi eum : nam me sapiùs ad avum accurrere cupientem. impurissimus iste probibet. Sed obsecrote, mi ave, fac ut ineun mibi triduo sit imperium. Et Aftyages, Quodnam, inquit, futurum effet hoc tuum in eum imperium? Stans equidem adfo. res ut iste, respondet Cyrus, ubi deinde ad prandium velle ingredi, nondum ei dicerem prandii copiam posse sieri. Res enin avo cum quibusdam serie funt. Post ubi ad conam vennet dicerem eum lavare. Sin admodum cupidus effet manducandi apud mulieres eum effe dicerem, donec istun ità differrem, u

ipfe me differt, adire te probibens.

12. Hoc modo Cyrus inter conandum eos exhilarabat. In 12. terdiu verò difficile cæteris erat, ipsum in efficiundis iisan Chius tevertere, quæcurq; vel avum vel avunculum requirere fen eiga Juos of- fisset. Nam mirifice gaudebat Cyrus, fi qua in re possetip ficiofifi-lis gratificari. Mandanam vero, quum ad maritum abitur itineri le pararet, orabat Astyages, ut Cyrum apud se relin 711745. queret. Ea respondit, Cupere se quidem in omnibus gratissicar patri, sed existimare tamen per molestum sibi fore filium invitu relinguere. Ibi tum Aftyages Cyrum compellans, Si mecun fili, manebis, inquit, primum in adeundo me Sacas nibil to quod imperet habebit, sed arbitrii tui erit ad me, quandocune volueris, accedere. Quinetiam tibi eo majorem habebo gratian quo me fapius accesseris. Deinde meis equis, Er aliis, quoteune volueris, uteris: quimg; abibis aliquo, tecum quos infevoluer babebis. Praterea in canando ad id, quod ipfe moderatum ef statues, qua volueris via incedes. Ad bac cum eas tibi do sea qua nunc in hortis sunt: tum alias omnis generis colliga quas ubi primiem equitare didiceris, perseguêris; & sagitt jaculisq; grandium virorum more sternes. Addam & puerat

ten

ten

avi apu

ac

ein ne g eni gl o

bren ride.

e bo

ė m upia

dun 13 pilot

orui

om um

bi, qui tecum ludant, & alia quacunque mihi velle te dixer nunquam non impetrabis. Hæc qu'um Aftyages dixisset, it Adp. 13 terrogabat Cyrum mater, manerene vellet an difcedere? A ille nihil cunctatus, Manere se velle celeriter respondit. Ru um ani sus autem interrogatus à matre, Quamobrem? dixiste per mi vere hibetur: Quia domi quidem, mea mater, inter aquales & pregin. gittis & missibus ejaculandis ut sum, ità videor esse pressa

tissimus. Hic autem fatis intelligo me ab aqualibus equitan Superari; quod quidem, mea mater, scito mihi permolestumes Quod si me hic retiqueris Es equitare didicero: quum anud le fus ero, facile me prastantes illos pedites superaturum arbitio

m

u

fo-lle

nin

ret

ndi 10

. In

san

fen

tip tur

relin ificar

vitu

recum hil til

ocunq

atian

oteune

voluen um ef o fera

olligan Sagut

rieros !

dixert

atubi buc ad Medos revertar, inter equites bonos eques ipfe prefantissimus, avo auxilia ferre conabor. Justitiam verò, subjecit mater, quo pacto, mi fili, disces bic, quiem illic magistri tui fut? Ibi Cyrus respondisse fertur, Equidem accurate, mea nater, hanc teneo. Qui tenes ? inquit Mandana. Quoniam me magister, ait, ut exquisite justitia peritum alis etiam judicem de. it. Atque adeo quadam aliquando in lite plagas accepi, quod iefte sententiam non tulissem. Erat autem bujusmodi caussa, Puer grandis, cui tunica parva erat, puerum quendam a- Cyri 'lium parvum, qui magnam habebat tunicam, ex- puer? vit: ac fuam quidem illi injecit, illius autem iple vestem judici-'induit. Judex his ego datus, ambobus este melius judicavi, um. ut nunicam uterq; fibi congruentem haberet. At hic me rerberibus magister adsecit, quod diceret ità faciendum effe, si quando de eo, quo congrueret, judex constitutus effem. Ubi veto judicandum fuerit, utrius fit tunica; um spectandum esse, quæ possessio justa sir; eumne qui riquid abstulit, an qui elaboravit, aut emit, æquum fit possidere. Deinde subjiciebat id esse justum quod legitimum estet: quod autem legibus adversaretur, pro vi habendum. Quare judicem fecundum legem ferre fenten Juditiam jubebat. Sic igitur ego, mea mater, accurate jura omnia candum theo: quod si quid praterea mili est opus, avus bic meus do- effe seundo adjiciet. At enim, mi fili, aiebar illa, non eadem apud cundum coun, & apud Persas esse jura constat. Nam bic omnium teges. apud Medos se dominum constituit: apud Persas autem aquaun justa ducitur. Ac tuus adeo pater, primus ex prascripto un, que facit civitati, & ex prescripto accipit : ac modus Adp.14 um animi libido, sed ipsa lex est. Quapropter [tibi eavendum] al. Non u quum domum veneris, flagris casus, pereas: si pro regio im-fortuna eno tyrannicum edoctus ab hoc revertaris; cui quidem hac in flopinio plus oportere unum quam alios omnes habere. Immo Ingebrendum, ut minus habere quis, quam plus, malit. An non responides, eum Medos omnes docuisse minus babere quam se? Qua- sum. thono animo esto, quando pater tuus, ut alium neminem ità iffet, it ere! A ime quidem sic edoctum ab se dimittet, ut plus cateris habere dit. Run upiam. Hujusmodi multa Cyrus garriebat. Ad extre-sisse pet sum mater abiit, & Cyrus istic remanens educabatur. des Este 13. Is vero celeriter æqualibus ità sese consuescendo ad. Cyri in prostat discuir, ut jam familiariter eis uteretur. Quinetiam ip\_omnes equitan onum patres cùm adeundo, tùm declarando se filios eorum buma-omplecti, adeò sibi conciliarat, ut si à rege quid impetran-nitas, and se um esset, silios à Cyro petere juberent, quò negotium eis arbitio officeret. Cyrus verò, quæ illius humanitas, & liberalis ambitio 13. Is vero celeriter æqualibus ità fese consuescendo ad. Cyri in ambitio quædam erat, nihil prius, neque potius ducebat, quam uti quod à pueris rogatus effet, effectum daret. Aftyages autem quidquid ab eo Cyrus peteret, nihil denegare

poterat, quò minus ei gratificaretur.

14. In avuni pretas.

14. Nam & Cyrus, quo tempore in morbum avus incide. rat, ab eo nunquam discedebat, neque plorare definebat: quum nemini non pateret eum in maximo esse metu, na avum morte amitteret. Quin & noctu fi quid Aftyages re. quireret, primus id sentiebat Cyrus, & omnium impigeriimus exfiliebat ei ministraturus in iis, quæ grata fore putaret : adeoque jam Aftyagem totum suum fecerat.

cior fuerit.

15. Et erat fortasse Cyrus loquacior tum propter infti-Cur ali- turionem quod à magistro & factorum suorum rationem quantò readere cogeretur, & ab aliis poscere, quoties jus diceret; tùm quòd discendi ftudiosus, multa semper ex præsentibus, quo pacto se haberent, ipse quæreret; & sciscitantibusaliis. ob ingenii sagacitatem expedite responderet. Ideog; fiebat Adp.15 ut ex omnibus his loquacitas ei colligeretur. Verum utin corporibus eorum, qui grandiusculi facti sunt in adolescentia, nihilominus juvenile quiddam fimul apparet, quod annorum paucitatem arguit; fic è Cyri loquacitate non audacia pellucebat, sed simplicitas & propensio quædam ad benevolentiam potius, ut ex eo quis etiam audire plura cuperet, quam tacenti adesse. Postquam vero tempus cum statura corporis ad ætatem pubertati proximam produxerat tum verò & verbis paucioribus & sedatiori voce utebatur Cyri a- & adeò verecundiæ plenus erat, ut ad seniorum congressu rum procaciter in quosvis irrueret. Itaque fiebat, u quietior ille quidem esset in congressibus, tamen omning gratus atq; jucundus. Nam quæcunq; inter æquales effe ple rung; certamina solent, in his non ad ea familiares luo provocabat, quibus se superiorem esse nôrat : sed quibu cerio sciret se superari corum autor erat, & se melius illi ea facturum aiebat. Jamq; adeò primus in equos infiliebat ut vel ex equis jacula vibraret, vel fagittas emitteret, non

dum ad incidendum fatis adfuefactus, quumq; vinceretul

iple prælertim sele deridebat. Et quoniam propterea, quo

Superaretur, haudquaquam defugeret illa denuo facete

quibus inferior fuerat, sed versaretur iterum atque iterus in experiundo, rursus ut idem rectius faceret: cito eo per

venit, ut equitando par æqualibus effet; citò consequatu eft, ut propter rei studium eosdem à tergo relinqueret; cit

deniq; feras quæ in septis hortorum erant, ità persequendo

feriendo, jugulando confecit, ut Aftyages, unde feras an

1

P

10

E

qu

lat

ill

der

quo

9116

ens

vel

adv

COL avi

Cer

da

dolefcentis mores. Es stuat,

ya-

are

ide-

at:

nè

s re-

erri-

pu-

nfti-

nem

:Tet;

bus,

aliis,

iebat

ut in

cen-

an-

nida-

d be-

a cu-

cum serat.

patur

reffus

tulo

t, u

nning e ple

s luo uibu

is illi

iebat , non

eretui

quo

facere

rerun

o per

quutu

; cit

uendo as am

pliu

plius ei colligeret, non haberet. Ibi tum Cyrus, qui senniet Aftyagem, ut maxime vellet, non posse tamen vivas fibi feras exhibere, fæpius eum compellabat: Quid opus ef, mi ave, tibi molestiam feris conquirendis creari? Si me cum avunculo venatum dimiferis, quascung; feras videro, easte mibi Cyri alere existimabo. Quanquam verò vehementer exire venatum vere cuperet, non tamen amplius instare verbis ità poterat, ut cundia. in pueritià: sed cunctanti us ad avum accedebat, quum iple jam fibi Sacas in ils fieret, ob quæ de Saca quæstus anteà fuerat, quod le ad avum non admitteret. Non enim adi- Adp. 16 bat, nisi prævidisset an tempestivum estet; & Sacam utig; rogabat, ut fibi fignificaret, quando accedendi tempus elset, quando non esset. Itaque Sacas perinde jani, atque omnes alii, mirifice Cyrum diligebat.

16. Astyages autem, quum intellexisset vehementer extrahortorum lepta Cyrum venari cupere, cum avunculo num dimittit, & custodes adjungit equites ætate provectio res, qui caverent à locis impeditis, & siqua bestia serocior nandi occurriffet. Itaq; fedulo Cyrus comites interrogabat, quas ad feras propius accedendum non effet, qualve liceret audacter inlequi. Respondebant illi plerosque propius congressos cum ursis fuisse interemptos; itémque à leonibus, & apris & pardis: cervos autem & capreas, & oves sylveties, & alinos lylvestres non esse noxios. Addebant, impedita loca nihilo, quam bestias, minus esse cavenda; quod pleriq; cum ipsis equis per præcipitia delapsi perissient.

17. Hæc Cyrus omnia sedulò sciscitabatur. Quum vero Temericervum profilientem videret, oblitus omnium quæ audierat, tas juinlequebatur: nec aliud spectabat, quam ille quo sugeret. Equus autem ipfius in saltu forte concidit in genua, panume; abfuit, quin Cyrus excussus fuerit. Sed tamen & equo ille, licet ægre, inhæsit; & equus exturrexit. Hinc delatus in planitiem cervum jaculo vibrato sternit, pulcrum illum quidem ac magnum. Quo facto quum mirifice gauderet, custodes equis advecti non fine convitiis indicabant, quod periculum adiisset, avoque se delaturos aiebant. Itaque Cyrus qui ex equo descendisset, adstabat, & hæc audims moleste ferebat. Verum ubi clamorem inaucisset, denuo veluti mente captus in equum insiliit. Quumq; aprum ex adverso irruentem cerneret, obvius in eum fertur; jaculoq; contorto frontem feliciter ferit, & aprum capit. Ibi tum avunculus quoque convitiis in eum, propter audaciam quain cernebat, in vehitur. At Cyrus inter hæc avunculi convitia tamen orabat, ut quæcung; cepisset ad avum adferre, ac ei dare le permitteret. Ad ea respondisse avunculum fertur; avum,

qI

(u

fa

Tr.

P

6

9

U

9

6

C d

fe

2

ti I

b

1

u

9

XENOPHONTIS 14 avum, fi has feras illum infecutum fentiat, non illi folim, fed Adp.17 fibi quoque convitia fadurum, qui permififfet. Etiam flagris cadat, inquit ille, fiquidem ità volet, postquam bac ei obtuiero. Quin tu quoque, mi avuncule, supplicium de me si libet, & quodeung; libet, sumito: modo in hoc mihi gratificeris. Itaque Juveni- Cyaxares ad extremum, Ut voles, ait, facito. Quippe tu jam quidem rex noster esse videris. Sic igitur Cyrus illatis feris lis anicum avo eas offerebat, tum le has ipfi venatum effe dicebat, bitio. Jacula verò non ille quidem oftendebat, cruenta tamen en Libera- posuerat loco, quo avum ea visurum existimabat. Astyalis inges autem, lubens equidem, ait, abs te, fili, accipio quacunque mihi offers: sed borum tamen mullius sic egeo, tibi pericugenn prima lum ut adeundum sit. Et Cyrus: si ergo his, ait, tibi non est indicia. opus : obsecro te, mi ave, da mibi, ut inter aquales ea difinbuam. Sume verò, fili, respondit Aftyages, cum hac, tuma. lia, quacunque volueris : & inter quos visum fuerit, difii. bue. Itaque Cyrus ea sumta simul & pueris dabat, &, 0 pueri, dicebat, ut nugas agebamus, quum feras illas in sepiu bortorum venaremur! Nam ea venatio mihi similis illi videtur, qua feras ligatas aliquis insequitur. Primim exiguo spatio concludebantur; deinde tenues erant, & scabiosa; parting; claude, partim mutila. Montana verò, campestres q: fera, quam pulcra, quam magna, quam nitida vifa! Cervi quidem, quafi fi volucres effent, ad cælum ufg; exfiliebant : apri vero, quemadmodum de vivis fortibus dicitur, comminus irruebant; & tanta quidem erant latitudine, ut istus aberrare non poffet. Mibi fine

natum ire sinerent? Imo facile, aiunt illi, si Astyages jubeat. Et Cyrus: Quis igitur apud Aftyagem vestri mentionem fecerit? Ing cnuis in Quis, inquiunt illi, magis ad perfuadendum te fuerit idoneu? At equidem, ait, qui homo factus sim, profecto nescio. Neg; enim Cyro pusor. vel profari aliquid, vel avum perinde adspicere possum, acpini. Si quidem ita perrexero, vereor ne totus fatuus ac stolidus reddar.

pulchriores be bestie videntur etiam mortue, quam ille vera, que septis incluse sunt. At vestri patres an vos etiam ve-

At verò quo tempore puellus eram, plurimim garriendo valere Ad p.18 videbar. Ibi tum pueri, Milè comparatam rem narras, inquiunt, fi nibil nostra caussa, ubi quid opus fuerit, agere poteris: sed, quod te quidem advinet, alius quispiam nobis orandus st. Quæ verba quum Cyrum morderent, discedit ab iis tacitus; feq; ipse ad audendum hortatus, ad avum, re secum prius deliberata, pergit ; quonam modo eum, quam minima cum molestia compellaret, fibiq; ac pueris, que peterent, conficeret. Sic igitur orfus est. Die mibi, mi ave. fi fervorum quis aufugiat, tuque bunc nanciscare, quid de co facturus sis! Quid aliud, ait, quam ut vindum opus facere cogam : A.A Inge-[ponts

2210/e

1

2-

Je.

111

13

at.

09

a-

177-

est

11.-

na.

,0

Diu |

ur,

ida,

cra,

olu-

dum

9111-

line

ve-

beat.

erit?

ieus?

enim

print.

eddar. valers

nquiteris:

113 Jit.

itus;

prius

acum

conii-

15 15 5

A. A

[ponts

fronte redierit, quid facies ? Quid? extra quam ut verberibus quod caso pristinas rursus ad operas utar. Quin tu igitur paras, in- cuperet quit Cyrus, quo me verberes; qui fuga constium inierim, ad-exponit sumtis ad venandum aqualibus meis. Et Astyages, rede verò fadum abs te, ait, qui pradixeris. Equidem ne binc te moveas, veto. Nam bella res fuerit, si caruncula gratia filia mea filium engari jubeam. Hæc Cyrus quum audisset, parebat ille quidem, ac remanebat: led mæstus tamen, ac tristi vultu, perpetuo filebat. Astyages autem, quum gravem ejus mœnotem animadverteret, gratam ei rem facere volens, venatum proficilcitur; & multis peditibus, equitibus que, ac puesisetiam coactis, ipsilque feris ad loca equitibus idonea compultis, magnam venationem instituit. Quin & iplemet ngio cumapparatu prælens interdixit, ne quisferiret prius, quam Cyrus feriendo latiatus effet. At Cyrus haud ferens eum vetare, Si vis, inquit, mi ave, jucundam mihi hanc effe unationem; fine meos aquales universos insequi, & unumquenq; pro virili cum feris acerrime congredi. Tum veio Aftyages venandi copiam eis faciebar, & adstans, spectator erat corum, qui certamen adversus feras suscipiebant, & inter se contendebant, & intequebantur, & jacula vibrabant. Dele- Genetabatur autem Cyro, qui præ voluptate filere non posset, roja aled initar generofi catuli vocem emitteret, ubi propius lacritas ad feram accesserat, & unumquemq; nominatim exhortaretur. Præterea gaudebat, quumalium quidem ab eo deridenvidebar, alium verò citra ullam invidiam laudari sentiebat. Tandem Aftyages, quum multas haberet feras, discessit. Adp. 19 Caterum tantam ex illa venatione voluptatem cepit, ut lemper, quoties quidem liceret, cum Cyro exiret: tum aliis pluribus, tum Cyri caussa pueris etiam adsumtis. Et hoc Actiosanè modo maximam temporis partem Cyrus illic vixit, num voluptatis quidem ac boni alicujus auctor universis: mali intem nemini. Quum verò ætatis annum plus minus quin- Cyri um sexiúm ve ac decimum agerer, regis Assyriorum filius, praclauxorem ducturus, ipsemet id temporis venari cupivit. Itaq; riorum quod ad suos & Medorum sines magnam audiret esse fera. initia. iumcopiam, velut ubi propter bellum nemo venaretur: il luc ei proficifci collibuit. Ut autem tuto venaretur, & equilts & cetratos multos adfumfit, qui è filvofis locis in loca cuta planaq; feras depellerent. Quum autem eo venisser, & castella & custodiæ ipsius erant: ibi cænam parari pullit, ut qui postridie manè venaturus esset. Quúmq; jam advenissent vespera, ab urbe aderant qui custodiæ priori succederent, tam pedites, quam equites. Quapropter ipsi nu-Metofus adesse visus est exercitus, quod essent conjunctae

custodiæ duæ, & multos ipse secum equites, peditésque ad. Venatio duxisset. Itaq; re deliberata, statuit optimum esse, Medoprelii rum ex agro prædas agere, quòd ità tum venationis opus occasio. illustrius visum iri, tum copiam victimarum majorem futuram existimaret. Igitur loco motas summo mane copias educit, ac peditum quidem agmen numerolum relinquitin

limitibus; iple vero cum equeftribus copiis ad castella Me. dorum provectus, præstantissimis quibusq; ac plurimisse. cum retentis subsistit, ne Medorum præsidiarii milites in suos prædæ caussa palantes excurrerent: idoneos autem quosdam dimittit, ut tributim alii aliam in partem discurrendo vagarentur. Atq; hos corripere jussit, quidquid habuiffet quifq; obvium, & ad se abigere. Ac illi quidem imperata faciebant. Quum autem Astyagi nuntiatum esset, hostes jam agrum ipfius ingressos: partim ipfe cum illis, quos plerumq; secum habebat, opis ferendæ causså excurritad limites; partim filius idem facit cum eo, qui ad manum

erat, equitatu; partim aliis universis, ut auxilio venirent, Adf.20 imperat. Medi, quum magnas Assyriorum copias instructas,

& equites è statione sua non discedentes cernerent, ipfiquo.

re fu

de

61

ad M

gu

Tell effi

inte fife

ole:

luo

inse

ced

ies, iàm

quo All'

effei

uis

em

Vert

que substiterunt. Cyrus verò, qui cæteros auxilio suis ad-Cyrus currere videret, idem & ipse faciebat, tunc primum induarma anduit, tus armis, nondum fore putans, ut iis, pro defiderio suo, indueretur. Erant autem perpulcra, & ipfi recte congruentia; quod antehac quæ avus corpori ejus accommodari curaverat. Itaque fic er per- armatus equo advehitur. Id ubi vidiffet Aftyages, miratus

missum ille quidem est, cujus jussu veniret; sed apud le tamen ut non fu- maneret, edixit. Et Cyrus multos equites ex adverso intuitus; Hic funt, inquit, hoftes, mi ave, qui equis insidentes se

non movent? Hostes sane sunt, ait Astyages. An & illi, all procurrunt? Etiam illi, ait. Profecto, inquit, mi ave, nullius il pretii homines effe videntur, & nullius pretii equaleis veluntur; ac res tamen nostras diripiunt. Itag; aliquos è nobisha necesse est invadere. Tu vero non vides, fili, respondit ille, quantus equitum globus acie consistat instrud â, qui subeundo russun

nos cadent, si nos adversum il los moveamus? nondum autem 10bur aliquod nobis adest. Verum, ait Cyrus, si tu bic maneas, & copias auxiliares adsumas: terrebuntur hi neque se commovebunt. Illi verò, qui res nostras diripiunt, pradam mox dimittent Expe-

ubi quosdam impetum in se facere viderint. Hæc quum protulisset, visus Aftyagi est aliquid dicere. Quapropter & prudentiam & vigilantiam Cyri admiratus, filium fuum

adsumta equitum manu, ducere in eos jubet qui præ dam agerent. Equidem hos, inquit, si contra te commove

Cyri confili-24 m.

ditum

rint, aggrediar : ideoque animum nobis adtendere cogentur Traque .

S

n

-

e- |

in

m

11-

2-

m.

ho-

105

ad

um

ent,

tas,

10-

ad-

idu-

, in-

ntia;

e lic

ratus

en ut

ntui-

ites [6]

1, 0111

lius he

velun-

bis hos

,911.17

rur un

1 8111 10eas,&

nimove

mittent.

m pro

Ing; Cyaxares & equis & viris quibulg; robustissimis lecum Genefumis, in hostem ferrur. Cyrus autem hos progredi videns, refa infaim & ipfe cum aliis fe proripit, adeoq; jani primusante dole alios celeriter ibat, Cyaxare subsequente: neque cæteris à Cyri. nego remanentibus. Quos ubi adpropinquantes videre, qui pradas agebant; mox relictis rebus, in fugam vertuntur. At Cyro qui aderant, hos subeundo intercipiebant, & si quos adfequerentur, statim feriebant, imprimilque Cyrus ile: quotquot autem declinato cursu evalerant, hos à teigo persequebantur; nec intermittebant, donec quoidam epissent. Ut autem canis generosus quidem ille, sed inex- Ad 1.23 ecitatus, temere in aprum fertur: fic & Cyrus ferebatur, folum hoc videns ut interfeptum feriret, ac præterea nihil popiciens. Hoftes vero, quum suos laborantes cernerent, promoverunt agmen luum, velut effecturi, ut à perfequenodelisteretur, postquam ipsi adventare vili essent. Cyrus Juveautem nihil ideirco remittere, sed præ gaudio & avuncu-ni istelum inclamare & perfequi, & impetus habitu vehementis meritas in effulam hostes fugam dare. Cyaxares quidem sequebaur, patris fortasse causa pudore correptus; itidémos caten lequebantur, quum alacriores in perlequendo fint, eo rerum statu etiam illi, qui nonadmodum in hostes animosi funt. Astyages verò quum suos inconsiderate persequi videret; at hostes confertos ordinibus instructis occurrere; filio Cyroque metuens, nè in paratos fine ordine irruentibus adverfi quid accideret, rectà in hostem ducit. Illi russum Medos loco motos conspicati partim contentis in eostragulis, partim lagittis, constiturunt; quod futurum puraun, ut & illi subfisterent; ubi intra jactum teli perventum effet, quemadmodum facere consueverant. Nam illud ad mervallum, ubi vel quam proxime ad alteros alteriaccelblent, contra se mutuo provehebantur, & eminus inter te Perumq; ad vesperam usq; pugnabant. Jam vero quim & los fugam ad le facere cernerent, & Cyri manum fimul hos Mequi,&Aftyagem cum equitatu intra teli jactum adeile; redentes & ipfi, fugiunt. At Medi copiis univertis intequenles, multos illo impetu capiunt, & quolcung; corriperent àmequos quàm viros, feriunt; interemptis omnibus, quotlust caderent. Neque priùs constitere, quam ad peditatum Affyriorum pervenissent. Hie vero, ne majores aliquæ subtlent infidiæ, veriti, represserunt impetum. Et Astyages pter & luis deinde reductis, equestri victoria magnopere læta batur, n luum requid de Cyro diceret, habebat; quod eo quidem auctore ui præ em gestam scirer, sed eundem præ audacia furere animad- Cyri ommove Vetteret. Nam & eo iplo tempore cæteris domum abeunti- audacia ogentur Traque bus, Ang. 22 bus, solus ille nihil aliud, quam eos, qui cecidiffent, obequitando spectabat, adeóque vix abstiactum ad Astyagem deducebant, quibus hoc erat datum negotii, quum hos ipsos, qui se adducerent, de industria præire juberet, quod avi vultum ad conspectum sui sæviorem factum cerneret.

18. Atque hæc quidem aqud Medos contigerunt, & Cy. rus cum aliis omnibus in ore, sermonibus, & cantilenis erat; tum Astyagi, apud quem hactenus erat in honore, jam Cyrus à admiratione sui stuporem quoque injecerat. Hæc verò quum Cyri pater Cambyles accepisset, gaudebat ille quidem; revoca- sed quod eum jam inaudisset obire viri munia, revocavit ut instituta gentilitia Persarum absolveret. Itaque tune Cyrum dixiste perhibent, abire se velle, nè quid patrimo. lestiæ crearetur, neve de se quereretur civitas. Censuit igitur & Astyages eum oportere dimitti, atque adeo donatum equis, quos ipfi collibuisset sumere, cum omnis gene ris rerum aliarum adparatu abire fivit, quod & amareteum & magnam spem concepisset, evalurum talem virum, qui

& amicis esse adjumento, & hostes adfligere posset. 19. A beuntem vero Cyrum universi & pueri, & æquales & viri, & senes, & Aftyages iple, equis insidentes deduce bant: ac neminem ficcis oculis reverlum perhibent. Cy rum ipfum quoque multis cum lacrymis difcessisse accepi mu. Præterea proditum est, multa eum inter æquales mu nera distribuisse, quibus ab Astyage donatus fuerat. Deniq exuta, quam habebat, veste Medica, cuidam hanc dedi hunc iplum declarans maxime fibi charum effe. Veruma Libera- cepta illi à Cyro munera detulisse ad Astyagemferuntur, at ab hoc itidem recepta Cyro fuisse transmissa. Cyrumauter ture in rurfus in Mediam ea cum his verbis remissse; Si me vi ave, reverti ad te libenter, ac nullo prapeditum pudore, sine qua Jo per te habeat, si quid alicui largitus sum. Atq; his audit Astyagem feciste quemad modum Cyrus nunciari justera

&

Cy

bi vii

en

2

Syr Ara

os at f ous iff er ad

20. Quod fieriam narrationis amatoriæ facienda est me tio, proditum est, abeunte Cyro, quum à se invicem dile derent, cognatos ore Cyrum, qui Persis mos est, osculatos le dimilisse; quod quidem iplum hodiég; Persæ facere co lueverunt. Ibi tum Medum quendam, virum elegantisa modumingenii, longo tempore captum admiratione pulchi tudinis Cyri, quum cognatos cæteros eum ofculari videt Substitute; digressis autem illis, ad Cyrum cum his ve bis accelliste: Me folum ex cognatis, Cyse, non agnoses? 2 ais ? rel pondiffe Cyrum : etiamne tu mibi cognatus es? Mis me inquit. Et Cyrus; Nimirum oculos ideireo in me conficient Videor autem bue jam abs te fieri faniis animadvertere.

patre tur.

18.

19. Homi-2222712 ONLILIS atalis E1 9.1 CVILLIIL fludia. lis na-

dicia.

Ad p.23 Mas Perpetus vicu tindi cogna-6000

e-

em

ip.

bo

et.

Cy.

nis

am

um

em; vit,

molui

ona-

ene.

eum , qu

ales

duce

. Cy

cepi

s mu

)enio

dedi

ım ac

ur, ato

auten

me vi

ne qua

auditi

ustera

ft met

1 dilce

latos3

ere col

ntisa

pulchr

vider

his ve

5? 21

Max

njiciebe re. C

alt

alter ille; profedo, ait, quum nunquam non ad te vellem accelee, pudor obstitit. At obstare non debuit, inquit Cyrus, guum egnatus effes. Simul accedens, eum osculatus est. Accepto autem ofculo Medus hic interrogasse fertur, etiamne Pefis effet in more ofculari cognatos? Et Cyrus, maxime vero. inquit; ubi vel ex aliquo intervallo temporis alter alterum vilet, vel à se invicem aliquo discedunt. Quin tu igitur, inquit Medus, iterum me ofcularis. Jam enim, uti vides, abeo. Sic cum denuo Cyrus eum osculatus effet, ab se dimisit, atque etiam ipse discessir. Ubi verò non multum ab eis con-fedum itineris esset, Medus equo sudante ad Cyrum reciiffe fertur. Quo vilo Cyrus; Numquid oblitus es, ait, quid dicere mibi volebas? Non profedo, inquit, sed temporis existervallo ad te revertor. Brevi fane, mi cognate, relpondi Cyrus. At Medus ille; quo pado brevi? ait. At igmas, Cyre, per mihi longum videre tempus esse, quô vel con-tivo, quòd te talem intereà non adspiciam? 161 tum & fiffe Cyrum post priores lacrimas, & 'illum abire, ac ono esse animo justisse. Brevi enim se ipsis aduturum. Itaque si voles, ait, licebit osulis me non conniventiwadspicias.

alluc inter pueros egisse perhibetur. Ac primum sanè Cyri ad distis puerorum incessebatur, quasi domum rediret adsue-suos neus apud Medos vitam agere voluptuariam. Sed cum eum ditus. & vistu & potu secum eodem suaviter uti viderent, ac si Adp.24 quod feriis epulum daretur, potius aliis eum de portione sualargiri, quam quid amplius requirere animadverterent, aque adeò præter hæc, in cæteris etiam rebus omnibus Cyrum longè ipsis præstare: tum verò vice versa æquales sum reverebantur. At postquam hoc institutionis cursu absoluto, ad ephebos transsit: inter hos etiam præstare visus est, & exercendo ac tolerando, quæ oporteret; &

miores reverendo, & magistratibus parendo.

22. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

12. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

12. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

12. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

12. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

12. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

12. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

12. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

13. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

14. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

15. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly 22.

16. Procedente verò tempore movitur apud Medos Afly

Initia ad Indos etiam Cilicésque mittit, & Medos ac Persas apud belliad hos per calumniam criminatur, quum magnas effe dicerer versits hasce gentes, & viribus firmas & conjunctas, & adfinitati-Affyries bus mutuis devinctas: easdémque sic inter se conspiralle, ut

periculum esset, nisi quis eas antevertendo debilitaret, ne nationes alias adorti fingulas, fibi subjicerent. At illi, quum partim verbis hisce sidem haberent, partim muneribusac pecuniis, quibus is abundabat, persuaderentur: societatem cum eo coëunt. Cyaxares vero Astyagis filius, quum & infidias, & adparatum adversus se fieri animadverteret: ft. tim & ipfe, quæcunque poterat, parabat; & nunciossuos tum ad Peisas publice, tum ad Cambysem, cui nupta soio

Adp.25 ipfius effet, quique regnum apud Perfas obtineret, legalat Ad Cyrum etiam mittens, petebat, daret operam, ut quos Perfæ milites miffuri effent, eos iple imperator addu cerer. Jam enim Cyrus exactis decem inter ephebos annis

Exerci- Vitorum in consubernio degebat. Itaque recipiente Cyto 70170 iradi-6241 .

anum

de be-

21620-

ichlis.

The Cyro leniores confilii principes hunc imperatorem ad expedition eiem im nem Medicam deligunt. Eidem fecere potestatem, aquale inter se ducentos allegendi. Horum verò ducentorum uni cuique concessum suit ut viros sibi similes quaternos adscil ceret. Ità hi mille fiunt, quorum unicuique permissum, u è plebe Perlaium fibi denos cetratos, denos funditores, de nos lagittarios allegeret. Hoc modo fagittariorum decen millia, cetratorum decem millia, funditorum decemmil lia, confecta funt, extra illos æquales mille. Tantus Cy

to datus est exercitus. 23. 23. At iple quum primum imperator lectus esset, à Di primordia capiens, facta ritè re facra, tum demum ducento illos adfcivit : qui quum & ipfi quaternos finguli legisten concionem horum advocavit Cyrus &, hæc primum ado verba tunc fecit: 'Cooptavi vos equidem amici, nonquo Cyri nune primum vos probaverim, sed quod viderim vos ind oratio. ' usque à pueris ea, quæ civiras nostra honesta censet, su Exor-

diosè facere: protinusque ab ils abstinere, que illa ell turpia ducit. Quibus vero de caussis & ipse munus lo captannon invitus acceperim, & vos advocaverim, declarare vo bis equidem volo. Majores ego nostros nihilo nobisdet riores tuisse, animadverti; quippe qui se nunquam non i

iis, qua virtutis studia ducuntur, exercuerint. At cuit boni, quum tales essent, vel Persarum civitati publice, privatim fibi auctores exftiterint, perspicere nequeo. A

F111enim, mea sanè sententia, nullam homines virtutem exe 21 72112 carrais ' cent, ut postquam in viros bonos evaserunt, nulla resi inertible Euga

cerer

itati-

le, ut

t, nè

uum

us ac

atem

& in-

: Ita.

s fues

foret

gabat

ut f

addu

annis.

Cyro

ditio

quales

n uni-

um, u

es, de decen

n mil

is Cy

à Di

cento

isien

adea

n quo

et, ftu

lla eff us ho

are vo

isdet

non i

t cuju

ice, ve

n exe

re fit ertibu inertibus superiores. Qui à voluptatibus oblatis in presen- este tià abstinent, non hoc agunt, nullam ut unquam volupta- quaven. tem percipiant: led ut in posterum propter hanc contidum. nentiam multiplici gaudio fruituri; ità sele comparent. Ab ex-Oui excellere dicendi vi ftudent, non hoe confequi fuisil- emplis. lis exercitiis volunt, ne unquam bene dicendi finem faci- Adp.26 ant : sed fore sperant, ut benè dicendo multis hominibus fuam in sententiam adductis, multorum magnorumque commodorum auctores existant. Qui res item bellicas tradant, non in his laborant proptereà, nè unquam pugnale definant : sed hi quoque se peritiam rei militaris adeptos, multas opes, multam felicitatem, & magnos etiam hono- A conthe cum fibi, tum patriæ conciliaturos existimabant. trario. Ouod fi qui studiole in his verlati, sua deinde negligentia riribus in lenecta destituti fuere prius, quam fructum ex eis aliquem perciperent: illis ejulmodi quidpiam accidiffe mihi quidem videtur, ac fi quis agricola peritus effe studeat, & semina recte spargat, stirpes recte conserat: 'ubi verò fructus ex his capiundus est, eundem non colle-'stum rusus in terram decidere patiatur. Aut si quis pugil tantum jam laboris haulerit, ut justam victoriæ spem 'adeptus fit; ac deinde nullum unquam certamen lubeat. 'Quippe nec is mihi quidem jure liberandus dementiæ culpà 'videtur. At nobis, ô viri! nequaquam hoc ulu veniat: A vir-'led quum ipsimer nobis conscii simus, inde usque à puerili tute su-'atate nos & honestarum & laudabilium actionum studiis orum. 'exercitos; eamus in hostem, quem ego vilum à me antehac, certò scio pugnandi adversum nos rudem esse. Non Ab haenim idonei sunt præliatores, qui vel fatigandi, vel ja- lium culandi, vel equitandi funt illi quidem periti; sed ubi imperilabores perferendi funt, deficiunt. Quippe quod labores attiner, rudes hi funt. Neque item, qui vigilare, quum opus est, nequeunt: quippe qui rudes adhuc fint, som-'num quod adtinet. Neque item illi, qui licet ad hac præstanda sint idonei: quo tamen pacto vel erga locios, vel hostes gerere le debeant, non didicerunt. Nam & hos maxime disciplinæ rudes esse constat : vos autem nocte perinde, arque alii die, nostis uti: labores ad jucunde vivendum duces existimatis: famem pro oblonio habetis: aquæ potum faciliùs quam ipsi leones fertis: denique rem omnium pulcherrimam, maximeque bellato- I.audanbus convenientem animis vestris acquisivistis eam, te virquod laude magis, quam aliis rebus omnibus delectamini. tus cie-Laudis autem amatores necesse est ejus [adipiscendæ] scit. gratia laborem omnem, omnéque periculum quam luben-

· tuffime

Adp.27 ' tissime subire. Atque hæc si de vobis ità prædico, ut aliud tamen fentiam, me ipsum fallo. Nam quidquid hu. iulmodi à vobis non evenier, ejus deficientiæ in me culpa recidet. Verum & experientia mea, & benevolenia erga me vestra, & hostium vecordia faciunt, ut considam bonam hanc ipem me non frustraturam. Tantum fidentibus animis proficiscamur, quando longissime à nobis abest, utali-Aboni. ena per injuriam adpetere videamur. Hostes enim jam adventant, ac primi nos injuriis lacessunt: amici vero nos tale ad opem ferendam arcessiunt. Quid ergo vel justius est, caulla. quam vim propultare? vel honestius, quam subvenireami-Ab im- cis? Quin ea vos etiam de caussa non paullo sidentiores perato- e esse arbitror, quod expeditionem hanc minime neglecta re rispie- divina paro. Nam me, quocum plerumq; versamini, non taie. · modo res magnas, sed etiam parvas adgredientem, initium a cultu divino facere novistis. Tandem, air, quid pluribus verbis opus eft? Vos lectis adfumptifq; viris, paratifq; rebus cæteris, ad Medos pergite. Ego vero ad patrem reversus inde progrediar, quo de rebus hostium quam ce-· lerrime, quales ex fint edoctus, quidquid potero, vobis parem ; ut quam præclariffime, Deo juvante, in certamen hoc descendamus. Itaq; illi efficiundis his occupabantur. + aliter Cyrus autem domum reversus, precatusque Vestam patriam, Quod & Jovem patrium, & Deos cæteros, in militiam domo promibil a- fectus eft, quum quidem & pater eum una profequeretur. liudma- Ac postquam domo egressi essent, fulgura, tonitruaque dextra ei oblata fuisse perhibentur. Quæ quum adparuit-Dei sig- sent, alio præterea nullo captato augurio perrexere; quod na cla. † maximi Dei signa nemini obscura esse possent. 24. Cyrum vero progredientem pater hujusmodi verbis 24. adloqui cœpit: ' Deos ie, fili, propitios ac benignos dedu-Camby- ' cere, cum è sacrificiis, tum fignis cœlestibus clare perspisis cum ' citur, atque etiam ipse animadvertis. Nam hæc te dedita Cyro fi- ' opera equidem edocui, partim ne per alios interpretes Deliocollo- orum confilia perciperes, sed ipse cognosceres ea, cum quium. ' adspiciendo, tum audiendo, quæ oculis & auribus perci-Adp.23 ' piuntur, & ab hariolis non penderes, qui te, si vellent, · decipere possent, indicatis aliis, quam quæ divinius significarentur: partim nè, fi quando careres hariolo, quid co fignis divinis statuendum esset, ambigeres; sed animadvertendo per divinationem, quæ divinitus tibi consule e rentur, eisdem obtemperares. Et Cyrus; Equidem, mi pater, inquit, ut Dii propitii consulere nobis velint, pro virili meà id, quod mones, procurare non definam. Et enim audire aliquando ex te memini, ron abs te illum & a Dus ut

u-

pa

ga

m

ni-

i.

ad-

nos

est,

mi-

res

a re

non

ium

ibus

ulq

rem

1 08-

obis

men

ntur.

iam,

P10-

etur.

laque

aruil-

quod

rervis

dedu-

eripi-

iedită esDe-

cum

perci-

ellent,

uid de

nimad-

onfule

m, mi

or, pro

n. Et.

à Diis

Diis & ab hominibus aliquid facili ùs impetrare, qui non angustis in rebus aduletur, sed fortuna maxime profperà, maxime Deorum meminerit. Aiebas & amicorum Rebus curam eodem modo habendam. Ergo jam, inquit, liben- secuntius Deos accedis imploraturus, fili, propter studia in eis colendis tua: & futurum etiam Iperas, ut magis ea quæ ximè petieris, impetres: quando fic tibi conscius esse videris, Deus ut qui nunquam in eorum cultu negligens fueris. Omni- implono, mi pater, respondit Cyrus, sic adfectus sum, ut me Diis randus. charum effe sperem. Quid autem? mi fili, subjecit Cam. hses, eorumne meministi, de quibus inter nos aliquando convenit? nimitum ea, quæ Dii largiti sunt rectius ab 'hominibus geri, qui didicerint, quam ab imperitis: & aldem laborando plus effecturos, quam fi otioli fint : & scuram adhibeant, securius acturos; quam si negligenterle gerant. Adeoque nobis videbatur, ita peti a Diis oportere bona, il tales nos exhibeamus, quales effe convenit. Memini profecto, inquit Cyrus, hæc ex te audire, atque illi termoni tuo adfentiri me necesse erat. Etiam hoc addere te memini, nè fas quidam esse à Diis petere, ut equestri prælio victoriam adipilcantur, qui rem equefrem non didicerint:nec ut lagittandi rudes, ejuldem artis peritos lagittando luperent: nec ut gubernandi rudes optent, naves à le gubernando lervari : nec quilemina lpargere neglexerint, optent bonum fibi frumentum nalci: nec ut falutem petant, qui fibimet in bello non caveant. Hæc enimomnia contra leges divinas esse. Qui autem optarent Ad. 2.29 e, quæ non fas fit, illos aiebas merito fic apud Deos nihil impetrare, ut qui petunt iniqua, repulsam apud homines leunt. An vero & eorum, mi fili, ait, oblitus es, quæ aliquando inter nos argumentando concludebamus? Sat magnum hoc scilicet, ac præclarum hominis opus esse, si perficere studio suo possit, ut & cum laude vir bonus evaoat & ut tam ipfi, quam familiæ rerumcopia necessarianum luppetat. Jam vero quum hoc tanti fieri mereatur, Quanetiam scire hominibus aliis præesse, ut res necessarias om- ta ves nes affatim habeant, & universit tales sint quales esse con- sit rede venit; id nobis lane quiddam admiratione quoque dignum cumimelle videbatur. Protectò memini, mi pater, ait, hoc quo-perio que te dicere. Itaque mihi tunc idem, quod tibi, videba- effe. lur: ingens & arduum opus esse, recte imperare. Ac nunc etiam eadem in lentenria perlisto, quum iplum imperandi munus apud animum confidero. Quum vero ad alios respiciens, quomodo illi se in imperio gerant, & quales eos adverlarios habiturifimus, cogito; per mihiturpe videtur, hujul-

hujulmodi quoldam formidare, ac non ad pugnandum ad. versus eos progredi: quos equidem animadverto, vel ab amicis hisce nostris initio facto, hac esse in sententia, ut qui principemoporterestatuant à sibi subject is in eo differre, ut sumptuosius conet, domi plus auti habear, diutius dormiat, omnino minore cum molestia laboieque Falla degat, quam subditi. Ego autem sic arbitror, non defide prin- s dis vitæ ratione præstare subditis debere principem: sed cipis ac : alacri studio rebus eorum prospiciendo, ac laboribusto-Subdierandis. Verum, mi fili, ait Cambyfes, funt quædam, in torum quibus non adversus homines certamen est, sed cum ipfis diferirebus quas idonee superare perest difficile. Ne longe mine abeamus, scis brevi finem habiturum imperium tuum, fi opinio. commeatu exercitus careat. Atqui hæc, ait Cyrus, exhi-Impe biturum se nostris, pater, hinc proficiscentibus Cyaxares ratoris dicet, quotquot illi fuerint. Siccine igitur, inquit, ite cura in 6 ingrederis, fili, Cyaxaris opibus hilce fretus? Vero, reprocuspondit Cyrus. Quid aurem? subject ille, nostine quanta randis opes ejus fint ? Minimè profecto, inquit Cyrus. Et his taexercimen ignotis & incertis fretus es ? quod autem tibi mul tui netis erit opus, atque etiam modo magnos sumptus alios fa cellariis 6 ciendos esfe, non intelligis? Intelligo, inquit Cyrus. Quò Ad p.30 6 fiergo vel fumptos eum destituat, vel etiam sciensfallat quomodo comparatætibi resexercitus erunt? nimirun non benè. Tu verò, mi pater, subject Cyrus; si quam pa randæ copiæ rationem perspicis, quæ à me sit expectan da, eam mihi, dum adhuc în regione pacată lumus, ex ponito. Quæris, fili, ex me, ait, ecqua possit abs te pro De raficilci copiæ parandæ ratio. At quem probabilius eft en tione parandæ modum invenire posse, quàmillum, cui vires lun confici-Tu vero cum iis pedestribus copiis hinc discedis, cut unda quibus, sat scio, longè majores alias non commutare pro ex. Equitatus autem Medici, qui præftantissimus est, auxili tecum habebis. Quam ergo nationem fiuitimam puta

ercitu pecu-21100

metu: Quæ quidem tibi communiter una cum Cyaxa confideranda veniunt, nè unquam vos aliquid rerum nece · sariarum deficiat. Quinetiam usus & consuetudinis cau sa redituum excogitari copia debet. Hoc verò max · mè omnium mihi memineris, non expectandum esle,

haud oblecuturam vobis, & gratificandi studio, & dam

rerum necessariarum copiam tunc pares, quum ipla necessitas urgebit : sed quum maxime rebus omnibusabu dabis, tunc ante inopiam accessionis rationem aliquam

peries. Nam & faciliùs consequêris ab illis à quibus p tes, quum nequaquam egere videberis; & tui milites

d.

ab

ià,

if-

iu-

ue

efi-

fed

10-

, in pfis

nge

n, fi

xhi

Kares

iter

o, rea

s ta-

mul

os fa

Quò

fallat

nirun

m pa ectan

us, ex

re pro

est eju

estun

is, cut

utare

auxili

n put

dami

yaxal

n nece

is cau

o max

esie,

1 ipla

busabu

quam

iibus [

illites

quo te culpent, non habebunt. Quæ res efficiet, ut & aliis Fortaffe magis te reverituri fint, & obsequentiores in rerum necessaniarum copia milites fishabiturus, fiquando exercitus ope-' sa vel juvare aliquos vel lædere volueris: atque adeò scire debes magis ad persuadendum idonea te usurum oratione, quum maxime demonstrare poteris, tibi & ad juvandum, & ad lædendum, latis virium effe. Et Cyrus: Quum aliis de caussis, inquit, præclare mihi hæc omnia, mi pater, differere videris: tum etiam, quodquæ modo milites acce-'purifunt, eorum nomine mihi nemogratiam fit habiturus: quippe qui nôrint, quibus conditionibus Cyaxares eos ad belli societatem arcessat. Quidquid autem præter illa pro-'milla quis accipiet, id verò & nonoris loco funt ducturi; 'Aconsentaneum est, eos maximam id largienti gratiam habituros. Jam fi copias quis habeat, quarum opera vel beneficia in amicos conferens, vicissim ab eisipse commo- Adp. 31 dum aliquod capere possit; vel conari queat, ut hostibus, sur se si quos haber, ereptum aliquid sui juris essiciat; hunc de inde negligentem esse in adquirendo, an minus turpe pu. exercitum, 50 tas, atque fi is cui & fundi fint, & ad eos colendos fervi, nihilominus folum incultum nulli esse usui sinat? Itaque necessafic de me sentias velim, ait, nunquam me in rebus militi riacomnecessariis communisolertia quærendis & conficiendis, nec parare insociorum regione, nec in hostium negligentem futurum. Quid verò, mi fili, subjecit pater, an & quorundam alio-posse. nm, quæ necessario nobis aliquando videbantur, negligenda non esse, meministi? Memini quidem certe, ait, quando ad te argenti petendi caussa veniebam, quod ei priolverem, qui se disciplină imperatoria me instituisse profitebatur. Tu vero fimul id mihinumerans hoc quodam modo me interrogabas. Num vir hic, fili, cui mercedem adlers, inter imperatoriæ rei præcepta etiam administrauonis domesticæ mentionem fecit? Nihilo certe minus militi rebus ad victum necessariis, quam familiæ domestica opus est. Ibi quum ego fassus id, quod res erat, ne- Congegallem ab illo quidquam me de hoc admonitum esse; rur-ries lumquærebas, ecquid de bona valetudine corporily; ro- pracepdore disseruisset, uti de quibus imperatorem, non secus ac torum deimperatorio munere suo, sollicitum esse oporteat. Hoc rei imtiam quum negassem, rursum rogabas, ecquam me ratio- peratonem procurandi docuisset, ut socii qualibet in parte rei ria. militaris quam præstantissimi evadant. Id quoque me negante, denuo quærebas, ecquid doctrinæ mihi tradidiffet, quo pacto in militum animis prompta quædam Alacritas excitari possit; quum diceres prorsus interala-· critatein

critatem animi, & abjectionem, rebus in omnibus, difcrimen esse maximum. Ubi hoc etiam abnuissem, explo-· rabas tu rurlum, ecquid docuisset, quo effici maxime polfit, ut exercitus dicto fit audiens. De quo quum prorfus ab illo nihil effe dictum pateret, denique me interrogabas, quid tandem docendo, disciplinam Imperatoriamse mihi tradidiffe diceret? Atque ibi quum ego relponderem, exercitus instruendi rationes ab eo mihi commonstratas: · fubrifisti tu quidem, ac mihi singula ista proponendo, percurrebas. Quid instruendi exercitus ratio ad artem impe. ratoriam profuerit, absque rebus ad victum necessariis? quid absque firmà valetudine? quid absqueillarum artium scientia, quæ ad belli usum inventæ sunt? quid absque obedientia? Quúmque adeo perspicuum mihi fecisses, ratione aciei struendæ exiguam numeris imperatorii partem esse, atque ego te rogassem, ecquid horum abs te mihi tra-Adf.32 di posset: mandabas, ut irem, ac illis cum viris disser-' rem, qui imperatoriæ rei periti haberentur, déque ipsis percontarer, quo pacto hæc fingula fierent. Ex eo tempore illorum ego consuetudine sum ulus, quos cognitione harum rerum imprimis excellere audiebam. Ac de victuquidem, persuasum mihi est, satis id futurum, quod Cyaxa. res nobis sit præbiturus : de bona vero valetudine, quod audirem & viderem, tum civitates eas quæ hujus indigent, medicos, adicilcere; tum imperatores ad ulum militum medicos fecum sumere; itidem mihi postquammu nus hoc mandatum fuit, statim hæc animo cura insedit & existimo equidem, mi pater, ait, viros me artis medica admodum gnaros mecum habere. Ad qua pater: Hi veio medici de quibus tu, fili, loqueris, inquit, quemadmodum funt vestium laceratarum sarcinatores quidam, ità & ipli hominibus medentur, postquam in morbos inciderunt. A tua valetudinis bonæ cura præclarior erit, qui operam da bis, nè prorsus in morbos exercitus incidat. Et quanan ' via, mi pater, incedens, inquit, hoc præstare potero Nimirum si diutius eodem loco sis mansurus, primun negligendum tibi non erit, ut castra in regione salubr · loces: quod quidem facile assequêris, si curæ tibi fuerit ' Quippe nunquam homines loqui definunt tam de morbi · feris, quam salubribus locis. Utrisque testes adsunt evi dentes, nimirum ipla corpora, & ipsi colores. Deind regiones considerari non satis est, sed in memoriam tib ' revocare debes, quo pacto studeas ipse tuimet, curam ge rere qu's rectè valeas. Et Cyrus: Primum operam do, n

' quit, nè unquam nimiùm me repleam, quum id gravar

. ,

6 U

. 8

1

6 j

f e

12

in

ea

tu

qu

tu

hu

ver

COL

fed

rer

pe Pr

fic

m

· loleat

11

18

1-

m

a.

e-

fis

re

12-

ui-

xa.

ton

di-

mi-

mu.

dit

icæ

velo

dum

ipl

t. At

n da

nam

cro

mun

lubr

uerit

norbi

t evi

)eind

111 til

am ge

do, 17

ravan

foleat

foleat. Deinde qua ingesta sunt, laborando digero: qua re fieri equidem existimo, ut & valetudine bona diutius utar, & robur aliquod etiam mihi accedar. Eadem ergo cura, respondit pater, & aliis erit adhibenda. Num veio, · Subjecit Cyrus, otium militibus Suppetet, mi pater, ad exercenda corpora? Imò, inquit, non otium erit modo, led etiam necessitas id postulabit. Nam exercitus qui officium facturus fit, nunquam definat necesse est vel hostibus detrimenta, vel fibi commoda quædam adferre. Difficile eft enim, Fili, vel unum hominem otiofum alere; mulio etiam difficilius, familiam totam; omnium verò difficillimum, exerdium alere otiofum. Plurima funt enim in exercitu, quæ Ad p.23 pascuntur, & à minimis initium faciundo, quæ nacta fuferint, largissime prodigunt. Ideiro nunquam exercitum Dicis tu, mi pater, inquit, ut 'convenit esse otiolum. 'mihi quidem videtur, perinde ac iners agricola nulli 'ului fit, ità & imperatorem otiofum ac defidem nulli ului. At imperatorem industrium polliceor equidem, ait, niti quis Deus obstet, id perfecturum, ut rebus necessariis 'milites abundent, & eorum corpora quam optime adfecta fint. Enimvero quod exercitia quæque, mi pater, rerum bellicarum adtinet, equidem arbitror, si quis certamina quædam fingulis indicat, & præmia proponat, eum maxime conlecuturum, ut quavis in harum parte, fi quando ulus polcat, & exercitatos & præparatos habeat. Redissime dicis, fili, ait. Nam hoc fi feceris, plane futurum scias, ut ordines militares tanquam choros Mulicos in iis occupatos spectes, quæ officii ratio postulat. Ad efficiundos autem milites promptos & alacres, inquit Cynu, nihil mihi magis idoneam videtur este, quam bonas in animis hominum spes excitare posse. Verum, subject ille, hoc ejusmodi est, fili, arque si quis inter venandum eadem v oce canes inclamet, qua, quim feram videt, uti. tur. Nam primum, fat scio alacriter obediunt: fin trequenter fallantur, tandem ne tum quidem oblequuntur, udi quis verè visa bellua clamat. Sic etiam de spe statues, si læpius quis injecta bonorum expectatione tallat, hunc ad extremum fidem non meriturum, etiam quun veram spem pollicebitur. Nimirum quæ certo quis, nii, comperta non habuerit, ea ne dicat iptemet, caveri debet : led conficere, quod volet, poterit, si nonnunquam alii rem proferant. Suam verò incitationem imperator ad pericula maxima reservare fidei majoris caussa deber. Profecto, inquit Cyrus, rectè mihi dicere videris, ac mihi he magis arridet. Verum quo pacto sit efficiendum, ut milites pareant, ignorare, mi pater, nor a souam me ar-· b: un r.

Adp.34' bitror. Nam ad hoc statim à puero tu me condocefaciebas, cum tibi me obtemperare cogeres: deinde magistris me tradidifti, qui & ipfi idem hoc agebant. Quum veio jam inter ephebos verlabar, præfectus nofter in hoc iplum curam acrem impendebat. Denique leges plerasque hac " duo maximè docere arbitror, nimitum imperare, & sub ' imperio esse. Quapropter equidem de his cogitans, animadvertere videor, in omnibus illam exhortationem ad efficiundum, ut pareatur, plurimum valere, si is, qui di-· cto audiens eft, laudeturac honore adficiatur: contumax autem & ignominia notetur, & puniatur. Hæc via, mi fili, ait pater, eò pertinet, ut coactus quis pareat. Verum ad id, quod hoc longè potius est, ut homines ultro pareant, alia quædam est via magis compendiaria. Homines enim ei, quem arbitrantur de commodis suis prudentius seipsis dispicere, perquam lubenter parent. Atque hoc ità se habere, cum in multis aliis, tum in ægrotantibus animadvertere licet, qui perquam cupide arcessiunt id pia. cepturos, quod fieri oporteat: itidémque in mari, ubivectores perquam cupide gubernatoribus obsequuntur. Etiam plerique ab iis, quibus existimant, itinera notiora, quam fibi, nè discedant, totis viribus enituntur. Quum autem futuram putant, utì ex obedientià detrimenti aliquid capiant: tum verò nec suppliciis admodum cedere, neces citari largitionibus volunt. Neque enim munera suo cum damno quisquam admittit. Dicis tu, mi pater, ait, nihil ad hoc, ut suo subjectos imperio quis obsequentes habeat efficacius esse, quam ut eis prudentior existimetur. Dice id quidem, inquit. At quo pacto, mi pater, possit als quis opinionem ejulmodi de se quamprimum exhibere! Nulla est, fili, via magis compendiaria quam ut quibu in rebus prudens videri volueris, in iis reaple pruden fis. Quod fi hae fingulatim confideres, vera me dicen intelliges. Nam fi vel bonus agricola videri velis, ve eques, vel medicus, vel tibicen bonus, vel aliud quid piam, quum non fis : quam multa tibi struenda fint, u talis videare, cogita. Et si maximè persuadendo plerol que impuleris ad te laudandum, ut hanc de te opiniones excites, jamque præclaros adparatus ad horum qualibe habeas: tamen & tunc eris impostor, & paullo post re dargueris, ubi periculum faciendum fuerit, & prete ' reà vanus videberis. At qua ratione possit aliquiseju quod in posterum è re futurum sit, prudentiam fevi Adp.35 ' rà consequi? Nimirum ea, fili, si quæcunque discend cognosci possint, didicerit; que mad modum tu aciei struet de rationes didicifti. Quacunque verò sub disciplina

6 e

6 8

s fa

R A

et

qua

den

ma

Yin

dan

dit

fti

OCC

ren

Cyr par jul

S

0

n

C

b

1-

id

1-

X

ni

m

2-

117-

∫eſe

n1-

2-

ve-

am

am

tem

ca-

cex-

cum

nihil

beat.

Dice

ali

ere :

libus

iden.

licer

, ve

quid

nt, u

ionen

ælibe

oft 19

præte

sejul reve

Icend

ftruet plinar

4 110

non cadunt, neque providentia humana profpici possunt : de his si per divinationem Deos consulveris, prudentior reliquis eris: prælertim fi quod factu melius esse cognoveris, id operam des, ut hat. Nam quod ex ulu fit procurare prudentioris est viri, quam negligere. am ut aliquis à fibi sudditis diligatur, quod ego maximum arbitror, ad hoc planum est eadem perveniri via, qua utendum est illi, qui abamicis diligi cupiat. Dandam enim operam puto, ut illustris fit beneficentia. Sed hoc difficile est, fli, semper eos quos velis adficere beneficiis posse. autem secundis eorum rebus una gaudere videaris, & ad-' yerlis unà dolere, & cupiditatem sublevandi eorum inopiam præ te ferre, & follicitudinem metus, ne qua in re aber-' rent,& studium providendi ne detrimentum accipiant; in hisscilicet adnitendum magis est, ut eis adsis. Jam vero in rebus agendis, si per æstatem gerendæ sint, solem impentor in omnium oculis perpeti supra cæteros debet : per hyemen, frigus: quum laborandum est, labores. Nam hæc omnia nonnihil adferunt momenti ad subjectorum amorem conciliandum. Ais tu, mi pater, inquit, etiam imperatorem oportere ad omnia fibi subjectis laborum tolerantiorem esse? Equidem aio, respondit. Tutamen bono Locus à fis animo, fili. Scito enim, labores eoldem fimilibus cor- Ciceroporibus imperatoris ac gregarii militis, æquè graves non ne veresse, quod ipse honos labores leviores faciat imperatori; sus in & quod intelligat in oculis hominum effe, quidquid iple difpufaciat. Ubi verò, mi pater, jam necessariis à rebus in-tatione tructi milites erunt, ubi rectè valebunt, ubi labores per- Tuscu-Erre poterunt, ubi bellicis artibus exercitati erunt, ubi lana 2. etiam ambitiose viri fortes videri cupient, ubi denique facere imperata, quam detrectare, jucundius ipsis erit : Ad p.36 nonne tum, pater, sapere quis tibi videretur, sic cum hoste quamprimum confligere vellet? Quidni, inquit? si quidemiple meliori conditione fit futurus. Sin autem, quanto equidem & meiplum, & meos præstare centerem, tamo majori cautione uterer: quemadmodum & alia, quæ maximi pretii ducimus, ut quam maxime in tuto fint, operam damus. Verum, mi pater, esse meliori, quam hostes, conditione quo pacto quis possit ? Profecto, fili, non de re viineque simplici rogas. Nam scire debes eum, qui præfliturus hoc sit: & insidiatorem esse oportere, & mentis

occultatorem suæ, & fraudulentum, & veteratorem, & tu-

sem, & raptorem, & quavis in re hoste superiorem. Et Grus ad ea videns, Deus bone, ait, qualem esse me virum,

pater, oportere dicis? Qualis, inquit, si fueris, fili, &

pulishimus sis, & legum observantissimus. At qui fit, ait,

1 1

C

s fa

pe

II .

de

20

h

di

b

C

11

de

21

CO

771

de

ho

cec

De

tic

lit

10

10

fili

bei

ter

cal

tat

8æ

te,

dur

que

mo

qua

dell

f ut nos, quum pueri & ephebi essemus, his contraria docu. eritis? Imo, inquit, etiam nunc profecto; nimirum erga amicos & cives. Verum an non meministi, plerasque vos didicisse nequitias, ut hostes lædere possitis? Non equi. dem, mi pater, inquit. Cur ergo, subject ille, sagittis serire discebatis? cur vibrare jacula? cur sues agreftes & reti. bus & foveis capere? cur cervos pedicis & plagis? cur & cum leonibus, & ursis, & pardis, non æquo marte con-· grediebamini; led ita lemper adverlus halce feras certare · conabamini, ut conditione vos meliori effetis? An non animadvertis, hæc omnia nihil aliud, quam nequitias, · deceptiones, fraudes melioris conditionis captationesesses · Sunt profecto, inquit Cyrus, fed adversus feras. Hominem verò quemquam si duntaxat velle decipere viderer, ad. modum vapulare memini. Nimirum, ait pater, neque vos · l'agittis hominem, ut arbitror, neque jaculo ferire finebamus: led petere docebamus scopum, non id quidem, ut ' in præsens noceretis amicis: sed ut tempore belli, etiam in homines ichum dirigere possetis. Itidem fallaciis Adp.37 ' utendi, & meliori aliqua conditione potiundi rationem vobis tradidimus, non in hominibus, led feris: nechis quidem ut amicos læderitis, led ne tempore belli rude · horum & inexercitati effetis. At enim, mi pater, inquit · fi utraque fcitu funt utilia, tam bene, quam male honis ' nibus facere: etiam utraque in hominibus erant docenda Sane fertur, ait pater, majorum nostrorum memoria, fili quendam puerorum magistrum fuisse, qui & injustitian pueros doceret, quemadmodum tu quoque jubes, & justi tiam : non mentiri, & mentiri; non tallere, & fallere non calumniari, & calumniari; non præripere commo dum aliquod aliis, & præripere. Distinguebat etian quænam horum in amicos, quæ in hostes patrari opol teret. Atque adeo progressus ulterius, justum esse de cebat, amicos fallere cum bono iplorum, & furto res am corum subtrahere cum bono ipsorum. Hæc qui doceb etiam pueros ad ea inter se faciunda, exercuerit neces

eft; Itidem ut in lucta circumveniendi rationem tr

dere Græcos aiunt, atque etiam exercete pueros, ut 1

' ter se hoc facere possint. Itaque quum nonnulli à natul

' essent ingeniosi ad scite decipiendum, & scite prætip endum aliquid aliis, ac fortaffis ad lucrandi quoque ft

dium inepti non essent : nec ab amicis quidem abitinebat

quò minus eis aliquid præripere conarentur. Quapropt

edictum inde factum est, quo nunc etiam utimur, fimpl

citer esse docendos pueros, quemadmodum servos doc ' mus erga nos, veraces esse, non fallaciis uti, nec furan

De magiltro qui bona Es mala docebat. 2

3

re

j.

ur

n-

ire on

as, le?

em

ad-

Vos

b2-

ut

am

115

em

his

ides

wit

mi

nda

fili

ian

usti

ere

nmd

iam

opol

e do

ami

ceba

ecel

tra

ut it

atur

erip

e fti

eball

opti

mpl

doc

urar

6 no

nec aliquid præripere. Si quid adversus hæc facerent, ut castigarentur: quo nimirum cives, hoc more condocefacti, manluetiores existerent. At postquamadeam ætatem pervenissent, que jam tua est, tunc eis, & belli jura tuto tradi poste putabant. Non enim ampliùs exorbitaturi videmini, ut in cives feros evadatis, qui ficeducatiestis unà, ut mutuo vos revereamini. Ità de venereis etiam rebus ad valde juvenes verba non facimus ne accedente ad vehementem in eis libidinem levitate immodice huic libi- Adp.38 dini suæ indulgeant. Sic est, profecto respondit Cyrus. Quapropter me, ceu tardius accedentem ad discendum rationes illaspræripiendi qualdamcommoditates, docere figuid habes,nè reculato; quo meliorem meam, quam hostium sir, conditionem efficiam. Igitur enitere. Jub ecit pater, quan- Stratatum potes; ut cum tuis instructis, hostes non instructos gemadeprehendas: cum armatis, inermes; cum vigilantibus, tumvadormientes; conspectos abs te, quum ipsi te non viderint; ria raaque etiam ut locorum difficultatibus impeditos iple tiones, constitutus in loco munito excipias. At quifieri poterint, inquit, mi pater, ut aliquis hostes in hujusmodi erroribus deprehendat? Quia enim, fili, multa talia cum vobis, tum hostibus accidere necesseest. Nam utrisque victus expedienda ratio est, lomnus utrilque capiendus, & tempore matutino ad naturæ necessaria prope simul universis est seedendum & itineribus, qualia fuerint, talibus utendumest necessario. Quæ omnia consideranda tibi sunt, ut ubi maxime vos imbecilles animadverteris, ibi fumma cautione uratis: ubi verò posse l'enteris hostes opprimi facilline, ibi potissimum eos adgrediare. Verum an duntaxat in his, inquit Cyrus, meliori effeconditione licet, an etiam inquibuldam aliis? Imò [in aliis] multò magis, inquit, fili. Nam in his prope univerti cautiones accuratas adhibent, uti quibus esse sibi opus intelligant. Qui autem fallunt hostes, possunt eos vel injectà fiducià incautos opprimere: vel concessa insequendi se faculme, perturbare ipforum ordines; vel simulatione fuge adductos ad difficilia loca, invadere. Oportet vero le, fili, qui hæc omnia discendo cognoscere cupis non its untaxit uti quæ ab aliis didiceris: led etiam de inge-No tuo qualdam adversus hoftem molitiones excogitare; quemadmodum & Musici non iis tantum quos didicere, modisutuntur; sed alios etiam novos facere student Ac que nova funt, & iplo quasi in flore vehementer illa quidem in Musicis quoque probantur: Verum multo magis in rebus bellicis novæ machinationes laudem merentur: darble.

Adr.39' quippe quæ hostem decipere facilius possint. Quod si tu. fili, nihil aliud in homines transferas, quam eas ipfas mo-· litiones, quas adversus minutas admodum bestias excogitare solebas; non te plurimum in rationibus, quibus hofte Superior evadas, inveniendis profecturum exiftimas? Tu hyeme sævissima noctu surgens, aucupatum ibas: & priulquam aves le commoverent, jam eis erant abs te parata retia, jam area versa non versæ similis erat. Præte. rea quædam aves abs te fic erant edoctæ, ut tuis quidem illæ commodis servirent; sui verò generis aves in fraudem pellicerent. Ipfe in infidiis ita te abdebas ut illas tu cer-' neres ab illis cerni non posses. Etiam studiose dabas o. peram ut avesprius trahendo anteverteres, quam fugerent. Rurlum adversus leporem, quod is in caligine pastum quærat, interdiu verò fuga fibi confulat, canes alebas, qui odoratu eum vestigarent. Et quia repertus celeriter in fugain le conjiceret, ideirco canes alios habebas ad hocinftitutos, ut è vestigiis eum insequendo caperent. Quod si horum quoque canum vim lepores evafissent, indagabas eorum vias, & ad quæ loca potissimum fugerent, in illis retia visum sugientia tendebas; ut illapsus in ea lepusip · semet in illa fuga concitatiore le indueret. Atque utine hinc quidem autugerer, speculatores ejus, quod accideret ' constituebas; quide propinquo celeriter adcurrerently ' se à tergo clamorem ad leporem usque partingentem tol lens, territabas eum, ut im provide procurrens caperetur quia autemab anteriori parte in infidiis erant, facile tu opera latebant, quod abs te filere jussi fuissent. Quam obrem, ut aiebam anteà, si hujusmodi quædam adversu homines etiam moliri volueris, equidem haud lcio, a ullum ex hoftibus superstitem relicturus fis. Quod ii ali Depra- c quando necessitas obveniat, ut in planitie campestri, mare lis que c aperto, armatis utrifque prælium fit conferendum : tu aperto verò adjumenta, fili, quibus superiores evadamus, mult Marte . antè comparata plurimum valent. Sunt autem hæc, commitcorpora militum probè fuerint exercita, si probè qua Zuniur. c exacuendoredditiacresanimisit probè rei militaris att meditatæ. Præterea necesse est hoc etiam scias, quoscu ' que censes æquum esse tibi parere, eos omnes existimat Ad 1.40 ' ros æquum esse, ut tu ipsis consulendo prospicias. Ita

9

8

ql

qt

ti

qu

lit

tes

Cij

per

lig

pie

Ver

hoo

eve

Mu

& a

amj

vità

cont

tent,

nım,

prop

i qu

tales.

ingui lenti

nunquam tibi deponendæ funt curæ, sed providendu noclu quid subjectos imperio tuo facere velis, ubi diesa venerit: interdiu, quo pacto se res nocturnæ quam opt ' mè fint habituræ. Quà verò ratione fit instruendus · pugnam exercitus, qua pacto vel interdiu, vel noctu,

2

m

m

1-

0-

nt.

101

ui

tu

in 1 fi

bas

llis

sip

ìne

eret

t.Ip

tol

Turs

è tui

uam

ersu

10, 2

fi ali

mart

: tur

mult

æc,

e qua

is art

iolcu

imat

. Ita

dendu

diesa

m opt

ndus

ctu, 1

per angustas, vel latas, vel montuosas vel campestres vias ducendus: quo pacto metanda castra, nocturnæ diurnave excubiæ conftituendæ, ducendus in hostem vel reducendus miles: quo pacto propter urbem hostilem faciundum iter, exercitus ad murum vel adducendus, vel abducendus: quo pacto vel faltus, vel fluvii transeundi: quà ratione vel à copiis equestribus, vel à jaculatoribus, vel à sagittariis cavendum: tum fi tibi explicatum in cornua exercitum ducenti hostes se obvii ostentant, quo pacto sit acies eis opponenda: fin cum phalangis in morem instrudum ducenti, ex alia quavis parte hostes adpareant, non autem à fronte, quo pacto ducendus fit tunc in eos miles: qui ratione possit essici, ut quid hostes rerum agant, lenins; tu quid instituas, prorsus ab ipsis ignoretur: hæc igitur omnia quid ego tibi commemorem? Nam quæcunque comperta mihi erant, audisti sæpius: & cæteroquin fi qui harum rerum, periti videbantur, eorum neminem neglexisti, nec rudis & imperitus evalisti. Quapropter ad Nihil quelibet eventa, ut arbitror, his utendum erit, que tibi non iequovis tempore potissimum ex ulu fore videbuntur. E-ligosè tiam hæc ex me, fili, maximi sanè momenti discito. Nun-tentanquam neque pro te folo, neque cum exercitu, facris non dum. linatis, & contra auspicia periculum adieris. Nam cogites velim, homines non nisi de conjecturis res gerendas suscipere; quum planè nesciant, unde boni sit aliquid ipsisex. pedandum. Licet hoc de iis, quæ accidere solent, intelligas. Nam fuêre complures i ique hominum opinione lapientissimi, qui multis autores exstiterunt, ut bellum adversus eos moverent, à quibus illi deinde, qui perfuaderi hoe sibi passi fuerant, sunt eversi. Multi præterea multos, & privatos homines, & respublicas evexerunt; à quibus evectis operâ suâ, maximis sunt deinde malis adfecti. Multi eos, quibus amicis uti poterant, collatis in iplos, L'acceptis vicissim beneficiis, quum servos esse suos, quam micos mallent, ab iisdem multati pænas dedêre. Multi vità jucundà, conjunctà cum possessione partis alicujus non untenti, quum omnia suam in potestatem redigere cupetnt, illis etiam, quæ possidebant, exciderunt. Multi auum, quod tantopere votis omnium expetitur, confecuti; hopter hoc ipsum interierunt. Itaque humana sapientia, Philo certius, quod optimum est, deligere novit; quam quis hoc agat, quod fors obtulerit. Verum Dii immortales, fili, omnia norunt, Es praterita, Es prasentia, Es qui ngulorum futurus sit exitus. Iidem hominibus se consuentibus, quibus quidem propitii sunt, quæ suscipienda

Adp.36' vel non suscipienda fint, ante fignificant. Neque verd " mirandum, non omnibus iplos velle consulere : quando il-

' lorum curam gerere, quos complecti studio suo nolint,

nulla necessitate coguntur.

## XENOPHONTIS

Historiarum de Institutione CYRI Liber Secundus.

TUjulmodi quum inter se differendo, ad agii Persici limites pervenissent, & aquila dextra conspecta pracederet: Deos & heroas præfides terræ Perfidis precati, ut se propitii benignique deducerent, fines transierunt. lis autem transitis, quum rursus Deos præsides Medorum regionis precati essent, uti se propitii benignique exciperent, mutuo se complexi, ut par erat, ad Persas pater revertebatur, Cyrus in Mediam ad Cyaxarem pergebat. Ad quen ubi pervenisset Medorum in regione, primum se, pro more mutuo complexi salurarunt. Deinde Cyrum Cyaxares in terrogat, quantum exercitum duceret. Cui Cyrus, Triginal millia quidem, inquit, corum duco, qui Es antehac finendia vii venire ad vos consueverunt. Prater bos ex Aqualium of dine, qui nunquam egressi sunt domo, alii quidam adveniun Quam multi? ait Cyaxares. Et Cyrus, Numerus fane te, it quit, quum eum audieris, non admodum delest abit : veriem be existimes velim, paucos bosce qui Aquales adgellantur, in Pe tare pa. fas ceteros, quantumois multi funt numero, facile imperiumo tinere. Verion Ane tibi bis opus, an metus bic tuus manis fui hostibus non venientibus? Imò veniunt illi profetto, inquit, multi quidem. Unde hoc conftat? Etenim quum multi, ait, in veniant, alius alio modo: tamen omnes eadem referunt. Ilaq depugnandum nobis erit adversus ipfos? Nimirum ità poscit n cessitas, ait Cyaxares. Cur ergo, subject Cyrus, nonetis quanta fint copia, dixifti, fiquidem tibi de les constat, tam qu ab illis adveniunt, quam nostra: ut cognitis ambabus, quo p do quam redissime bellum geramus, inter nos deliberetur? de quanta verd, inquis Cyaxares, Lydus quidem ille Crafus ducere perh betur equites decies mille, cetratos & fagittarios plures quad ginta millibus. Artamas autem, magne Phrygie princeps, eq suus octo millia, baftatos cum cetratis non pauciores quadragia

Qui

guns reà r

Tugn

SZI

funt,

fint 2

postu inqui enim

plure.

reței spera Mei

mus?

tudin

Quid

TUS, /

bus es

Junt e

ca cir

curis. congr

quan

Cyrus ad Cyaxarem venit. Homotimi apud Perfas, hoc eft. digni. Yes.

Hodi.

25712

60012

explo-

ci

æ-ut

iu l

0nt Da-

em

ore

into dia or

iun

, in ho Per

m of

t, 8 t, ind

cit n

etia

mau uo pu

e perb guade s, equ

nilibus ducere fertur. Aribaus Cappadocum rex equitum ad fex milia, sagittarios Es cetratos triginta millibus baud pauciores. Miragdus Arabs equites ad decies mille currus centum, fundionim ingentem quandam copiam. De Gracis, qui Afiam incount, nec dum certo constat sintne sequuturi. Gabaus cum iis, al. Cami è Phrygia sunt, propter Hellespontum sità, se conjunturus taus. hitur: cut quidem in Caystri planitie sex equitum sint milia: unati decies mille. Cares tamen, & Cilices, & Paphlagones, hiet arcessiti sint, fequuturi neganiur. Assyrius autem iffe cum & Babylon eft, & Affgria reliqua, dudurus eft, ut equidem arbitror, equites vicies mille, non pauciores : currus, fat fan, non plures ducentis: peditatum autem, meo judicio, masimum; sic enim consuevit, quum fines nostros invadit. Dicis m, inquit Cyrus, hostium equites esse ad sexagies mille, cetramum fagittarionumque plures ducentis millibus. Age verò, quen tui exercitus ais esse numerum? Medorum, inquit, sunt unites flures quam decies mille: cetrati & figittarii forte mhâ in ditione sexagies mille suerint. Ab Armeniis, qui no-inspitimi sunt, equitum millia quatuor aderunt, peditum vi-emi millia. Dicis tu, inquit Cyrus, bostium equitatum nohum etiam parte tertia minorem esse, peditatum fere dimid a. Quid igitur? ait Cyaxares, paucosne Persas arbitraris esse, que ducere te dicis? Et Cyrus, Nobis verò, inquit, an pratenamilite sit opus, necne, mox deliberabimus. Tu mibi, que tugus ratio sit singulorum, expenito. Prope ominum, ait Cy- Desum-unes, eadem. Nam & illorum, & nostri milites sagittavii mabeili m, ac jaculatores. Quum ergo, lubjecit Cyrus, bujusmodi geren-Imarma, res eminus necessario gevenda erit. Ita quidem usus di con-philat, respondit Cyaxares. Et Cyrus, Erit igitur hac, sultatio inquit, illorum victoria, qui numero plures suevint. Multo cum citius à pluribus pauci vulneribus confecti perierint, quam plues à paucis. Si ergò ait, mi Cyre, sic comparata res, est, quid Ad7.38 Metere quis rectius posit, quam ad Perfas uti mittamus eademq; yea doceamus, calamitatem ad Persas ipsos penetraturam, Medis adversi quid accidat, & majorem exercitum postulemui! At ego te prorsus hoc scire velim, air Cyrus, nos mulit. ndine hostes non esse superaturos, etiamsi l'ersa universi veniant. Quid ergo tu melius quam boc sit vides? Equidem; inquit Cyhus ejusmodi fabricanda curarem arma, qualibus instructi adsunt e nostris, qui Aquales appellantur. Ea verd funt, loria circum pedus, in manu lava mates, in dexira copis vel seanis. Que si paraverrs, efficies, ut nobis cominus cum hoste ragini milibi congredi tutius liceat. & upis futurum sit confultius fugere, quam subsissere. Ac nos quidem Perfas adversis illos hofis

collocamus, qui subsissent: quot quot autem sugerint, eos vobis Es equitibus adtribuimus, ut eis nec sugere vacet, nec conventi. Hoc modo quum Cyrus disseruisset, visus est Cyaxari rectè dicere. Quare nullam de arcessendis pluribus mentionem saciebat ampliùs, sed arma, de quibus modo dicum, parabat. Ea propè jam persecta quum essent, aderant £ quales Persarum cum illo, qui à Persis mittebatur, exercitu.

p

61

26

fu fe

6:

I

A

a

cui

gui ab vob

ohr

ones

con

20121

ribu

nit;

cond

Ten:

quu

tea

res,

omn

s. Idnu

& ac

omui

quam milit

ingul Ludio

cuam

uffis,

Mica

2. Ibi tum Cyrus ad eos convocatos, hæc fecisse verba Cyri ad perhibetur. Ego vos quidem, amici, cum sic & armatos, & homoti- animis paratos viderem, ut qui manus cum hoste conserturi es mos o- setis; Persas verò, qui nos sequuntur, ejusmodi armis instrutio. Etos animadverterem, ut in hostem pugnare, nisi ab eo quan longissimè collocati, non possent: veritus sum, nè si pauci consessentis, Es soli absque pralii sociis magnam in hostium mulntudinem incideretis, adversi quid vohis eveniret. Jam vero & corpora vivorum haud contemnenda vohiscum adducentes adessis E illis arma vestris similia sutura sunt. Ut autem eorum animi exacuanur, ea scilicet nostra partes erunt. Est enimejus qui cum imperio est, ut non modò vir ipse sortis six sed etiam studiosè essiciat, ut illi, quibus præest, longè optimi evadant.

3. Hæc quum Cyrus dixisset, gavisisunt omnes; quoc Cujus- se plures habituros in pugna socios arbitrarentur. Unus dam ex autem ex eis in hunc modum loquutus est. Equidem for homoti- tasse mira quadam proferre videbor, qui Cyro consilium dan misora-velim, ut pro nobis verba tum faciat, quum arma sunt acce tio. pturi, qui nobiscum in hostem pugnaturi sunt. Verum animal Adp 39 vertere videor, eorum orationes, quibus & ad benesicium prassendum, & ad ladendum facultas est maxima, plurimien in

standum, Es ad ladendum facultas est maxima, plurimim a animos audientium penetrare. Iidem si munera largiantur, licè viliora sunt iis, qua paris homines conditionis osserunt; tames ab accipientibus illa pluris assimantur. Itidem si modò Persa Cyrus cohortatus suerit, multò gratius eis hoc suturum est, quai si à nobis prastetur. Et aqualium in ordinem illi cooptati, he nessicium hoc duduri sunt longè solidius, si Es à silio regis, Es ab imperatore, proseciscatur; quam si eodem opera nostra veniant. Quanquam ne illa quidem abesse debent, qua nostra rum sunt partium; sed omnino quovis modo nobis illorum mi sunt exacuendi. Quidquid enim illorum virtuti accesserit id ère nostra suerit.

4. Itaq; Cyrusarmis in medium propositis, atq; omnibus Cyri ad Persarum militibus convocatis, hujus modi orationem habuit milites Vos quidem, Persa, ut orti estis altique nobis cum eodem in socratio, lo, Es ut corpora nobis nihilò deteriora nostris sunt i itapar est etimi,

10-

m.

er-

iba Effin

uàn onfi

du E flis

ani

us

led

pti

uod

nus

fordar

acce

mad

pra

Ht 22

lice

amer ersa

quàn 1, be

1, 8

per oftr.1

ani Jerit

nibu

buit

 $n \int 0$ 

tiam, vestros animos nostris baudquaquam ignaviores esse. Atq; bujusmodi quum sitis, in patria tamen pari nobiscum conditione non eratis: non quod à nobis inde repulsi sitis, sed quia vobis onus parandi vidûs incumberet. Nunc & mibi, Diis bene juvantibus, nit cura, ut ille ne defit : Es facultas vobis conceditur, fi quident ità libuerit, ut tametsi nobis aliqua in reforte inferiores sitis: sumptistamen ejusmodi armis qualia nostra sunt, idem nobiscum tericulum adeatis: ac fi quid rede practare que successerit, pramia noftris paria confequamini. Hactenus quidem vos quoque fagittis & jaculis usi estres, sicut & nos : ac si forte in his minus quant nos, industrii fuistis, mirum id vider i non debet. Neque enim vobisea fingulari cum cura tradandi, perinde ac nobis, otium erat. In loc verò armorum genere nulla re volts potiores nos erimus. Namiorica singulis evit apta cujusque pediori, lavaque in manus nates quam omnes gest are consuevimus; in dextra gladius vel sewis, qua hoft is cadendus erit, neque quidquam utendum, nih ne quem idus frustretur. Quid est igitur in bis, quo nostriim aliquis walto superetur, extra audaciam, quam non minorem par est à cois, quam à nobis ipsis prestari? Quid enim causs a fuerit, quamthem vos non eque, ac nos, victoriam (qua bons practit aque ounia parantur & conservantur) expetere par sit? Qui fuerit imsentaneum, magis nostra quam vestra interesse ut rerum potiamur; quod quidem unum facultates devictorum universas victorbus largitur? Tandem dixit: Audistis omnia, & arma ipsacer- Adr. 40 mis: quibus si quis indiget, licet ea capiat, nomenque prosessus qui cohortis prafectum, nobiscum eadem sit loco. Qui autem enditione mercenaris militis contentus est, arma ministro contenentia retineat. Hæc Cyri verba fuerunt, quæ Perlæ quin audissent, jure se arbitrabantur omnem deinde ætaka in rerum inopià & egestate acturos, si ad pares laboles, eadémque præmia invitati, non pasuitient. Itaque omnes nomina fua professi, arina accipiunt.

Interea verò, dum hostes advantare quidem illi dicesenur, nec dum tamen adessent; Cyrus & corpora suorum Cyrus
ad robur exercere nitebatur, & ordinum rationem ostendere, ad smale
ad res bellicas animos acuere. Ac primum ac paritoribus nembela
cyaxare acceptis, mandabat, ut abundè militibus singulis liratroumia, quibus esset opus, parata suppeditarent. Quod nem
quam ità curasset, nihil jam militi reliquum erat, nisi rei suos
militaris exercitatio. Videbatur enim animadvertisse sibicondosingulis illos in rebus essici præstantissimos, qui animum à cefacit.
sudio rerum plurium revocantes, uni se totos darent. Quinciam militibus ab arcûs & jaculorum exercitiis abstimere
sus militibus abarcûs & jaculorum exercitiis abstimere
sus mica, pugnarent. Itaque statim sic eorum præparavit ani-

mos

ali

jut

ba

pro mu ini

St (

ho

cn

b

ci

lig ria

2/11 ha

ca

ici tur

qu. ier

ĈX:

6.1 198

DO It:

U bit

Ra

600

du 181

Die

tua

401

Glie Aci

lio

E.

8.

mos, ut vel cominus cum hoste congrediendum statuerent; vel fatendum, se nullius in bello momenti socios esse. Id vero fateri grave est illis, qui aliam nullam ob caussam annonas accipere se norunt, quam uti pro illis pugnent,

qui eas præbent.

6. Præterea quum in mente ei veniret, homines ad illa exercitia multo alacriores esie, quæ cum quibusdam contentionibus suscipiuntur: certamina militibus indixit earum rerum omnium, in quibus exerceri milites utile judicaret. Erant autem hæc quæ indicebat: Militi gregario, prafedis se obedientem exhiberet, ad labores impigrum, ad subeunda peri. cula promptum, sed ordinis tamen observantem, peritum rerum militarium, in armis elegantis fludiofum, & in bujus modirelus omnibus landis avidum : Quinario, & ut ipfi boni militis gregarit more fe gereret, & quinionem, pro virili, talem exhiberet: cecurioni, ut decuriam: manipulatio, manipulum: it démque præfecto cohortis, & aliorum præfectorum unicuique, tim ut ipfe culpà Es reprebensione vacaret, tum daret operam, ut Al 1.41 constitutos suo sub imperio duces vicissim sibi subjectos in oficio continerent.

7. Præmia vero proponebat, cohortium quidem præfectis. 7. ut qui cohortes longe optimas reddidisse viderentur, tribuni fierent : manipularibus autem, ut qui manipulos effecisse optimos viderentur, eorum in locum succederent, qui fuiltentpræfecti cohortium: itidem optimi decuriones in manipulariotum, quinarii in decurionum, gregariorum militum præstantissimi quinariorum in loca substituerentur. Atque omnes hi præfecti primum hoc habebant, quod à subjectis fibi colerentur: deinde honores etiam alii, quos cuique par erat tribui, sequebantur. Quin & majores ipes laude dignis oftentabat, tiqua fequuturo tempore fortuna lautior adfullisset. Totis etiam cohortibus, totis manipulis, decutiis, quinionibus, præmia victoriæ promisit, si præfectiste luis obedientissimos declararent, & exercitationes demon stratas summà cum alacritate obirent. Piæmia quidem eian

quæ & iple indicebat, & in quibus le miles exercebat. 8. Tabernacula, quod numerum attinet, tot eis instruxit quot erant præfecti cohortium; magnitudine vero tanta fingulis ut cohortibus sufficerent. Quælibet autem cohorsni litibus centum constabat. Atque hoc modo centuriatim 1 tabernaculis degebant. Existimabat autem eos ad luturun cerramen ex tali contubernio consequuturos hoc commodi quod pari ratione fibi annonas præberi cernerent: iraque ne mo remissius agere, vel gerere se adversus hostem, ignavid

ejulmodi, qualia multitudini conveniunt. Atque hae funt

d

n

١,

12

71-

m

et.

iis.

11.

711

us

16.

et:

7200

12712

rit

(10

lis,

bu-

isie uis-

mi-

tum

que ectis

par dig-

ecu-

15.16

mon

eran

funt

UXIC

2013 IS HE

rin 1

urun

mod

ue IIo

e prætextu poterat, quasi minus ipsi suppeditaretur. Etiam aliquid utilitatis ipfi videbantur ex contubernio ad cogpolcendum lese mutuo capere. Nam ex eo, quod se nossent juter se, majorem in omnibus verecundiam excitari arbitrabatur: quum ignoti qui funt, illorum hominum more, qui in tenebris verlantur, magis esse proclives ad actiones improbas videri possint. Itidem hujusmodi contubernium ei multum momenti adferre videbatur ad accuratani ordinum instructionem. Quippe cohortium præfecti, perinde sub sedispositas cohortes habebant, atque si procederent in cohorte singuli; itidémque manipularii, manipulos; decuriones, decurias; quinarii, quiniones.

9. Instrui autem ordines accurate, utilissimum ei videbauresse, cum ad id, ne perturbarentur, tum ur perturbati Adp.42 cinus redintegrari possent: quemadmodum & lapides & ligna, quæ coagmentanda funt, tametsi temete disjecta fuerint, facile tamen coaptari possunt, si notas qualdem habeant, de quibus adnosci, quem ad locum fingula pertineant, hand difficulter possit. De hoc denique convictu mutuo apturos hoc etiam commodi putabat, ut minus lele deleme vellent; quod videret etiam bestias, quæ una pascunun, miro sui desiderio teneri, si quis easa le divellat.

10. Prætereà Cyrus hoc quoque studiosè curabat, ne unquam nili prius fudaffent, ad prandium conamve accedelent. Nam vel in venationem productos ad sudorem usque exacebat, vel ejulmodi ludos excogitabat, qui sudorem elicient; vel si quid etiam ipsi torte agendum esset, ità leducem ad eam rem agendam præbebat, ut ablque sudore no redirent. Hoc enim & ad perceptionem cibi gratiom, & ad bonam valetudinem, & ad laborum tolerantiam, uile putabat. Quin ad hoc etiam conducere labores ar-Durabatur, ut inter se mansuetiores essent, idque proptera, quod etiam equi labores eoldem luttinentes, placidius todem loco stare consueverint. In hostes quidem certeredduntur animofiores, qui mutuo fibi confeii funt, quant igregiè se simul exercuerint.

11. Sibi autem Cyrus tabernaculum fieri cura verat, quod coum capax effer, quos ad conam invitaffer. Et invitabat Perumque præfectos cohortium, quos ipfi vitum effet opporwaum. Nonnunquam & manipularios, & decuriones, & quinarios, & milites quoldam; imo etiam interdum quinitotum, totam decuriam, totum manipulum, totam snique cohortem invitabat. Atque hac invitatione ac delatione honoris utebatur, quoties cerneret aliquos ejulmodi

II.

quiddam facere, quod ab omnibus fieri vellet. Semper veto eadem tam Cyro, quam invitatis ad cœnam adponeban. Eriam adparitoribus in exercitu partes æquas lemper ciftibuendas curabat, quod caftrenfes illos adpainures non minus honore dignos existimaret, quam caduceatores ac Nam fideles hos esse debere statuebat, rerumque castrensium peritos, intelligentes, gnavos, celeres, impigios, formidinis expertes. Præterea cenfebat Cyrus, in his apparitoribu effe illa debere, quæ aptimis quibulque adfint: & lic eos confuetaciendos, nè opus ullum reculent, fed convenire sit i putent, omnia facere, quæ princeps jusserit.

Ad 1.43 Culufmoar cilo-Quil Cill cum fu-25 fre-2.716.

12. Ac quoties quidem Cyrus cum suis eodem eiat in contubernio, semper operam dabat, ut sacetissimi quidem sermones inficerentur, & qui ad egregium aliquid incitarent. Itaque hunc etiam aliquando in fermonem incidir. Videntúme vobis, inquit, homines cæteri proptereà nobis aliquanto inferiores, quod non ea, qua nos, discipli-' na funt instruti? an nullum inter nos & illos discrimen erit live mutuis in congressibus, sive quum erit in hoftem dimicandum? Et Hystaspes excipiens, Equidem quo ' pacto, ait, adversus hostem nostri le gesturi fint, necdum · scire possum: in familiari quidem congressu nonnulli pofecto jam quoque morosi videntur. Mittebat nuper cohortibus fingulis victimas Cyaxares, & pertinebantad unumquemque nostrûm portiones de carnibus quacircumferebantur, tres aut plures. Et coquus à me quien exorfus, primo eas ambitu circumferebat, quum autem fecundo accederet, ut circumferret; justi eum ordinal ultimo, & vice versa circumferie. Ibi tum quidam ' militum in media corona discumbentium exclamans, \*Ledio ' Nulla profecto, ait, hæc æqualitas est, si à nobis qui lu-

d . 1

90

9

tı

V

fe

e

C

(e

Ię

veius

margi- ' mus in medio, nemo unquam incipiet. Quod ego quum nis sen 'audissem, moleste tuli, videri medios esse loco detententiam ' ori, ac militem ad me statim arcessivi. Paruit in hoc bujuf- ' ille mihi perquam modestè. Quùmque ad nos pervenis-· sent ea, quæ ci cumferebantur, minimæque partes relimodi. Labet: ' chæ nobis essent, quippe quibus ultimo loco sumendum erat, hæc ille non dissimulato dolore secum, infortunajambuc ' tum me, ait, † qui jam huc sim arcessitus. Et ego, Ne arcessi- ' sollicitus sis, inquam, modò enim à nobis incipier, ac tu tus de ' primus quod maximum erit, capies. Interim [coquus] teriora, ' rertium circumferebat, quod solum ut circumferretur, requam ' stabat: & sumebat ille post me secundo loco. Quum aualii,ca- ' tem & tertius sumsisset, visus eft huic majorem sua portiopiam. ' nem accepisse; quapropter id, quod sumserat, abjicit;

.

II IC

je

1.

is It:

ed

it.

in

em ta-

dit.

no-

oli-

nen

10-

uo

um

ulli

uper

t ad

cir-

dem

nem

iiab

idam

nans,

ii lu-

quum

eteri-

1 hoc

venil.

reli-

ndum

rtuna-

o, Ne

ac tu

quus

ur, re-

im au-

01110

Dicit;

Veiut

velut aliud fumturus. At coquus, qui hominem obsonio non egere putaret, discedens; priùs circumferebat, quam aliud ille sumfisset. Ibi tum usque adeo graviter hunc casum tulit, ut quum absumptum effet obtonium, quod acceperat, etiam reliquum ad ulum intinctus, ex perturbatione quadam & commotione animi fortunæ iralcentis, everteret. Id quum proximus nobis manipularius videret, al. pormanibus complofis ridens gaudebat. Ego verò tussire me tando simulabam, qui ne ipse quidem risum continere possem. transi-Ejusmodi, Cyre, quendam è sociis tibi nostris indico. bat. Hæc quum omnes, ut par erat, rifissent; alius quidam Ad p.44 ex cohortium præfectis, Hic quidem, inquit, in hominem morofum, Cyre, quemadmodum videtur, incidit. Ego veio, quum tu nos rationes ordinum edoctos dimififies, ac justiffes, uti quisque suam cohortem ea doceret, quæ nos abs te didicissemus: & iple discedens abs te, quemadmodum facere videbam cæteros, manipulum unum erudiebam. Quúmque loco primo statuissem præfectum Disc?manipularium, ac post hunc juvenem quendam collocassem, plina itidémque cæteros, quo quemque loco putabam disponen- militadum: stabam deinde ab anteriore parte, versusque mani- ris expulum respiciens, quum opportunum mihi visum esset, emplum progredi justi. Ibi tum juvenis ille progressus ante manipularium, prior incedebat. Quod ego videns, Heus tu quidagis? inquam. Et ille, progredior, ait, uti jubes. Ego veto non te, inquam, solum jubebam progredi; sed omnes. Id ille quum audiisset, ad socios manipulares conversus, An non auditis, ait, jubere hunc, ut procedamus omnes ? Tum illi omnes manipularium prætergrefti ad me accedebant. Quum autem manipularius eos prioem in locum reduceret, stomachabantur; & utri parendum erat? quærebant. Jam enim hic progredi juber, ille vetat. Hæc ego ferens æquo animo, déque integro quemque suo loco disponens, ne quis se posteriorum prius commoveret edicebam, quam anterior præcederet: adeoque unum hoc spectarent omnes, ut anteriorem lequerentur. Quidam verò profecturus in Persiam, quum ad me veniret, epistolamque posceret, quam ad meos perscripleram: jubeo manipularium (is enim quo effet loco sua epistola nôrat) currere adlatum eas literas. Ibi tum hoc currente, juvenis ille cum lorica copidéque manipularium lequitur, idque videns ille manipulus universus, unà curlebat: atque hoc pacto epistolam omnes adserunt. Sic adeo meus, inquit, manipulus omnia tenet accurate, quæ abste nobis imperata sunt. Hic alii quidem, ut par erat,

propter hoc satellitium epistolæ ridebant. Cyrus autem, Proh Supiter, vosque Dii omnes! ait, cujusmodi nobis so. ' cii sunt, quos tam facile demeteri liceat, ut multorum ex ' ipsis amicitia etiam exiguo conciliari obsonio queat: & ' qui adeò sunt obedientes ut, priùs quam nôrint quid impe. ' retur, obtemperent. Equidem qui potius optandi fint, quam hujulmodi milites nelcio. Atque hoc modo Cyrus

fimul ridens, milites holce collaudabat.

13. Aderat autem fortè tum in tabernaculo quidam ex præfectis cohortium cui nomen Aglaitadas; homo, quod mores attinerer, ex numero afperiorum. Is in hunc modum orfus, 'Tune, inquit, hos vera narrare putas, Cyre? Quider. go, subjecit Cyrus, mentiendo quærunt? Quid aliud, inquit, nisi quod risum movere volunt? Cujus rei causa & narrant Verbum' hæc & oftentant sese. Tum Cyrus, Bona verba queso, ait, analo-' nè hos oftentatores adpellaveris. Quippe nomen hoco-

tadas non reete usurpat.

vevent. ftentatoris imponi inini quice... vel fortiores, quique polliceantur ea se præstituros, quibus ipsi præstandis non sufficiant: atque id tum demum, il pareat ipsos hacac " cipiendi aliquid, & quæstus caulsa facere. Qui veroni fum aliis fecum verfantibus neque lucri fui, nequedetrimen 'ti audientium neque ullius adeò damni caussa movent quo pacto non urbani ac faceti justiùs, quam ostentatore adpellantur? Atque hunc in modum sanè Cyrus eos, qu risum moverant, defendebat. Manipularius autem iple facetæ illius de manipulo narrationis auctor: 'Nimirun Aglaitada, inquit, fi ad fletum commovere te conatiefle mus quemadmodum nonnulli tam carminibus, quam ora tionibus commenti miserabilia quædam lacrymas ciere m tuntur, admodum nos reprehendisses: quando nunc quidet quos iple non ignoras, exhilarare te, non lædere velle tam contumeliole nos habes. Jure quidem id profecto Nam mea sententia quiddam longe mi ait Aglaitadas. onoris æstimandum efficit, qui risum amicis excitat, quat ' qui eos inducit, ut sedentes plorent. Quod quidem à m verè dici, tu quoque reperies, si rectè rem existimabi ' Nam fletu parentes indere modestiam liberorum suorum · magistri puerorum animis disciplinas honestas studen Leges etiam, dum eo cives adigunt, ut sedentes ploren ' ad justitiæ cultum eos impellunt. Illos verò, qui rilu excitant, an dicere possis vel corporibus aliquid adfer

6 2

9 0

211

Dur

6 [

· V

f fa

1 13

le

Cer

fec

qua

ut : in e

mi

Pu

DUE

ter

fic

del

& aftimat

commodi; vel animos ad rei privatæ publicæve admin ftrationem magis idoneos efficere? Hac verò Hyltaspes, tu Aglaitada, inquit, si me audias : in hostes illud tal

X

k

e.

1,

us

x9

od

ım

er-

uit.

ant

ait.

0-

mu-

que

non

ac

ori

nen

ent

ore

qui

irun

elle

013

re ni

nider

velle

fecto

gè mi

qual

nàm

mabi

orun

tuden

oren

i rilu

adter

idmin

spes, 4

id tan

stima

aftimandum fidenti animo expendes, & efficere consberis, ut ledentes plorent : nobis autem, amicis hisce tuis, aliquid risus, vilis illius rei largieris. Nam hujus apud te mag- Adf.46 nam repolitam esse copiam scio, Neque enim vel ipse risum expendisti, quum eo utaris, vel amicis & hospitibus, tua quidem iponte quod fiat, aliquid ejus præbes, Itaque nihil prætexere potes, quo minus rilum nobis impertias. Et Aglaitadas, Tune etiam Hyftaspa, inquit, ex me risum elicere conaris? Ibi tum is, quem diximus, manipularius: Demens fuerit profecto, ait; Nam ex te quidem, ut arbitror, facilius quis ignem excusserit, quam rifum elicuerit. Hic & alii, qui genium ipfius nofsent, riserunt : & leniter subrisit etiam Aglaitadas ipse. Quem Cyrus exhilaratum videns, Injurius es, inquit, manipularie; quod dum huic, ut rideat, perluades; hominem maxime serium nobis corrumpis, prælertim qui adea frilui fit infestus,

14. Et hæc quidem hic finem habuerunt. Chrylantas Mihi qui Chryverò deinceps hujulmodi quiddam protulit. dem, ait, Cyre, volque omnes qui adeftis, ad animum fanta accidit, nobilcum nonnullos pluris, minoris alios facien- admodos domo profectos esse. Jam si fortuna prospera fuerit, nitio omnes hi partes æquales consequi volent. At ego nibil de fiemiebus bumanis inaqualius effe duco, quam fortem Er igna- miis. oum equalibus pramiis ornari. ' Fuerit igitur, ait Cyrus, optimum profecto, referri ad exercitum, ut consulet; utrum 'videatur, si quid de laboribus boni Deus dederit, æquales facere partes omnium: an confideratis cujusque factis ad mionem horum elle cuique constituenda præmia. quid opus est, inquit Chryfantas, ad exercitum de hoc leferre potius, quam edicere, ità te facturum? An non & certamina tu indixisti & constituisti pramia? Sed profecto, subject Cyrus, hac illis non lunt similia. quæcunque hac in expeditione adquirent, ea putabant, warbitror, futura fibi communia: imperium veio hac in expeditione summum fortallis etiam domestico jure mihi deberi existimant. Quamobrem si præsectos ego constituo, nihil me præter fas opinor, & æquum ageie putant. Tu vero futurum arbitraris, inquit Chryfantas, uvulgus omne collectum iciicat, non æqualia ingulis triovenda; led præstantissimos quolque magis etiam præ cæteris cum honoribus, tum donis augendos esse? Equidem licarbitror, ait Cyrus, tum quia vos una mecum hæc luadebitis, tum quad turpe sit contradicere, quin is, qui & plurimum laboris sustiner, & plurimum Reipublica uri-· litatis

· litatis adfert, etiam maxima quæque consequatur. Imo vel Ad p. 47 ignavissimis conducere videbitur, ut arbitror, viros fortes esse conditione potiori. Et Cyrus quidem iplorum etiam Æqualium caussa decretum hoc fieri volebat. Nam & hos magis strenuos futuros arbitrabatur, si viderent, se quoque pro factorum suorum æstimatione præmia digna confequuturos. Quapropter ei maximè opportunum videbatur, hoc tempore de hâc re decreri faciundi caussa referri, dum A. quales etiam ipfi hanc vulgi æqualitatem reformidabant, Itaque placuit pariter iis, qui tunc aderant in tabemaculo Cyri, de hoc esse referendum, ac debere unumquemque sua. dendis his operam navare, qui virum se perhiberi vellet. 15. Hic è præfectis cohortium quidam subridens: 'Equi-15.

dem novi quendam, inquit, etiam media de plebe, qui nobiscum æqualitatem non ità temerè servandam esse suadebit. Quemnam hunc dicis? quarebat alius. Est mihi profecto, ait, contubernalis quidam, qui plus aliis in omnibus habere quærit. Tum alius, Etiamne plus labo. rum ? interrogat. Minime vero, ait: nam hic quidem in mendacio deprehensus sum. Semper enim æquo admodum fert animo, in laboribus, & cæteris hujulmodi, plus alium habere, qui quidem velir. Et Cyrus, Ego vero statuo, inquit, homines tales, qualem nobis hic etiam modo narrat, si quidem gnavum & dicto audientem habere exercitum velimus, eximendos ac removendos efle. Nam militum plerique mihi fic comparati effe videntur, ut fepræclaras & honestas; ad improbas, improbi.

21

que ho

m

6 1

1

6 0

1

m

ti

fa

V

of

pr pe eff

tùn po f

CIVIDU

Allrideve vide. cur ad Hehodi ver fus.

quantur, quacunque quis duxerit. Ducere verò, mei quidem fententia, viri fortes ac præclari conantur ad res adeo frequenter accidit, ut homines nibili fuam in fententian pluies pertrabant, quam virtute praditi. Nam improbita per voluptates in præsentia se offerentes procedendo, mul tis harum opera persuadet, uti secum sentiant. Vinu autem in ardua directo ducens non admodum efficax eft i hominibus illico, temereque fibi adjungendis: maxime ' fint alii, qui è diverso ad declivem molémque viam co hortentur. Idcirco, si qui ex ignavià laborumque detre Ctatione solum improbi fint, eos equidem arbitror qua fucos sumptu modo socios defraudare. Qui vero & ma funt in laboribus focii, & ad captandum commoda fu ftrenui funt atque impudentes, hi etiam ad res improba fe duces præbent: quippe qui efficere sæpenumero pol fint, ut improbitati præcipua commoda cedant. Qu

propter omnino sunt homines ejusmodi nobis eximend Neque vero circumspiciendum vobis est, qua rationed el

29

m

IOS

ue

u-

oc

Æ-

nt.

ulo

ua-

let.

ui-

no-

ide-

nihi

s in

bo-

n in

mo-

plus

vero

tiam

bere

Vam

e-91 r

mea

d res

tque

ntian

bita

mul

irtu

est il

mè i m co

detre

e mai da fu

proba

o pol

Qua

mend

one d

civibus ordines expleatis: fed quemadmodum equos optimos quæritis, non vestra in patria natos; sic homines ex omnibus sumere, quoscunque vobis & roboris & ornamenti plurimum allaturos existimabitis. Mihi quidem hoc quo- Ad p.48 que testimonio est, recte nobis id cessurum : quiz nequit effe currus celer, ad quem juncti funt equi fegnes : nec exercitus justus, in quo cum aliis juncti funt injusti: neque domus rectè administratur, quæ famulis improbis utitur. Imoetiam minus detrimenti accipit, filervis egeat; quam fiab injustis perturbetur. Hoc quidem certe,amici, lcire vos volo, remotionem militum malorum non eam modo nobis utilitatem allaturam, quod mali aberunt: sed illi etiam, qui nobiscum manebunt quotquot sanè pleni jam improbitatis esse ceperunt, rursum ab ea repurgabuntur: & boni malos ignominia notatos quum viderint, multo alacrius virtutem colent. Hæc Cyri fuit oratio, quæ quum ab amicis omnibus esset comprobata, sic ab iis res instituta fuit.

16. Atque hic rurlum Cyrus jocari cepit. Nam quum animadvertisset unum de manipulariis ad cœnam secum Cyrus quendam ducere, juxtaque se inter discumbendum retinere tierum hominem & hirfutum & deformem admodum, nomination ferits manipulario compellato: 'Num & tu, inquit, more Græ-Jocos cis familiari, Sambaula, hunc accumbentem tibi adoles. miscet. centulum quia formolus fit, tecum circumducis? Et Sambaulas, Ità me Jupiter amet, ait, ut hujus & consuetudine & aspectu delector. Quæ ubi contubernales audissent, respexerunt, & faciem bominis nimiopere deformem intuiti, nserunt omnes. Quidam autem: Quælo, inquit, mi Sambaula, quo tandem facto vir hic tuam fibi benevolentiam conciliavit? Et Sambaulas, Dicam profecto vobis, aut. Quoties eum vel noctu, vel interdiu vocavi; nunquam mihi neque occupationem suam pretexuit, neque pedetenum, led curlim perpetuò paruit. Quoties item ut aliquid faceret, imperavi: nihil eum vidi unquam fine sudore Quin & reliquos mihi duodecim tales efficit, non verbis, sed re demonstrando, quales esse oporteat. Hic quidam subjiciens, Tu verò quum talis fit, inquit, non eum olcularis, ut cognatos soles? Et deformis ille ad hoc, Non profecto, ait. Nam minime laborum est tolerans : quippe ii me vellet osculari, omnium hoc ei certaminum loco ellet. Hujusmodi quædam partim ridicula, partim seria tum dicebantur in tabernaculo, tum gerebantur. Tandem lost tertiam libationem à Diis fausta feliciaque precati, Adp.49 bluto contubernio cubitum iverunt.

17. Po-

## XENOPHONTIS

17. Cyri oratio.

17. Postridie Cyrus militibus universis convocatis, hujusmodi orationem habuit. ' Propè, amici, à certamine ab. fumus, quum hostes adveniant. Victoriæ verò constat hæc futura piæmia, fi nos quidem vicerimus, ut hostes nostri, & omnia hostium bona nostra sint. Sin ipsi vincamur (nam & hoc indicari semper oportet) itidem nostra superatorum bona omnia victoribus, ut præmia, proposita erunt. Sie ergo vobis est existimandum, homines belli societate jun-· Aos, si apud se singuli statuant, res agendas minime succesfuras, nifi quisque suo loco sit alacer; brevi & multa, & præclara gesturos, idque propterca, quod ab his nihileo. rum, quæ peragenda lunt, per socordiam negligatur, Quum autem quilque cogitat, alium fore, qui rem gerat, ac pugnet, licet iple legniter agat: tum verò scire vos vo-Jo, hujulmodi hominibus universis omnia simul adversa ' imminere. Atque hoc ipfius quodam modo Dei opuseft, Is enim illis, qui fibi ad elaborandum res bonas & egre. gias imperare labores nolunt, alios dat, qui imperent. Quapropter aliquis hic jam prodeat, déque hoc iplo verba faciat, utro modo futurum existimet, ut magis virturi colendæ nosmet demus: an si is, qui plurimum laboris& periculorum adire velit, plurimum etiam honoris confequatur; an vero fi nihil referre sciamus, quod aliquisig-" navus fir, quum omnes pariter æqualibus præmiis potituri fimus.

18. Chrylante matio.

18. Hic unus ex Æqualium numero Chrysantas surgens, vir neque statura magnus, neque specie robustus, sed excellente prudentia, in hunc modum loquutus eft. ' Ego verò te, Cyre, arbitror, ait, de hoc ad nos retulisse, non quod apud animum existimares, æqualia fortibus & ignavis de beri: sed uti periculum faceres, an quisquam sit, qui declarare velit hoc esse se animo, ut tametsi nihil ipse præ ' clarè faciat, parem tamen ex iis fructum capiat, quæ aliorum virtute parta fuerint. At ego neque pedum celeritate, neque manuum robore valeo: & futuium intelligo ut propter illa, quæ meo corpore geram, neque primum neque lecundum, neque milletimum, ut arbitror, imo no · quidem inter alios decies mille, judicio de me facto, lo cum sim habiturus. Sed nihilominus hoc quoque certe futurum scio, ut si præstantes viribus alii rem fortite gesterint, etiam iple boni alicujus in partem veniam quantum quidem jure merebor. Sin & desides nihil face Adp.50 ent, & fortes ac robusti minus animis alacres erunt: ve reor, inquit, nè potius alterius alicujus rei, quam bon cujul.

6

P

t

P

C

V

91

g

lu

le

in

do

Æ

Pa

ta

cujulpiam futurus fim particeps, & quidem majorem ejus

portionem conlequuturus quam iple velim.

u-

b.

æc

ri,

am

um

Sic

un-

el-, &

eo-

tur.

rat,

VO-

erla

eft.

greent.

Ver-

tuti

18 &c

nse-

sig-

IIU-

ens.

scel-

verò

quod

s de-

i de-

præ

e ali

eler1

ligo

num

no ne

0, 10

certe

rtite

niam

tach

: ve

bon

cujul

19. Hunc in modum Chryfantas quum loquutus effet, Pheraulas Perla post eum lurrexit, homo plebeius, Cyro quodammodo de confuerudine domeftica familiaris & acceptus, corporis habitu non ineleganti, nec degeneris animi viro fimilis: atque is orationem hanc habuit. 'Equidem, Cyre, ac Oratio vos Perlæ, quotquot adeftis, existimo nos omnes jam æqua- Pherauli studio virtutis ad certamen contendere. Quippe consi- la. mili nos univerlos victu curare corpora, & univerlos pariterad congressus familiares admissos esse; & eadem nobis omnibus esse proposita virtutis & honesti decora video. Nam iis parendum esse qui cum imperio sunt, communiter omnibus est proposition, & quilquis hoc sine recusatione in oculis omnium præstat, hunc ornari à Cyro animadverto. Itidem fortiter & animosè adversus hoftem le gerere, non huic convenit, illi non convenit: sed est jam ante judicatum, cuivis hoc honestissimum esse. At nunc, ait, etiam pugna nobis indicatur. Hanc homines equidem univerlos à natura nôsse video, quemadmodum & aliorum animalium quælibet aliquam pugnam norunt, quam non aliunde, atque ab ipsa natura didicerunt. Verbi gratia, bos cornu ferire novit, equus ungulà, canis ore, dente aper. Atque etiam omnia bac animalia caveri sibi ab iis notunt, à quibus est cavendum maxime, tametsi nullius unquam magistri ludum frequentarint. Ego etiam statim à puero noram aliquid ei objicere, à quo percussum iri me putabam: ac si nihil aliud habebam percutientem objectis manibus, quantum poteram, impediebam: atque hoc faciebam non modo docente nemine, led etiam vapulans ea parte, quam objectifiem. Gladium quidem puer adhuc staum, ubi vidissem, arripiebam; edoctus à nemine, quo pacto prehendendus effet, extraquam à natura, ut equidem cenleo. Nimirum hoc quoque faciebam, quum facere vetaret, non doceret: que mad modum & alia quædam lunt, qua patre matreque vetantibus, facere tamen à natura cogebar. Ad gladio profecto cædebam, quidquid clancu- Adp.51 um poteram. Non enim in hoc naturæ ductum modo \* al. lequebar, ficut in incessu cursuque, sed præterquam quod Haudingenitum erat, etiam volupe mihi factu videbatur. Quan- quado igitur hæc nobis dimicatio restet, in qua plus alacritas quam animorum, quam ars effectura est: cur hoc adversus istos paria Aquales certamen cum voluptate non suscipiamus, quum pericliparia fortitudinis præmia fint utrisque proposita, & à nobis tantitamen \* haudquaquam paria sciamus in discrimen poni, bus in

nimi- diferi-

fer

bar

vel

exi

qu.

cta

qu

ob

Dis

QU:

de

ell

fu

no

pla

nu

qui

cie

nu

nu

cuj

àt

ceb

fi;

jub ina

que

qui

no.

pro Pos

figr

pul ne

bat

Cy 1

vit:

den

cen

tren

20.

men po- ' nimirum ab illis, vitam honoratam, quæ una eft omnium mi : ni- ' jucundissima : à nobis verò laboriosam quidem illam, sed mirum ' honorum expertem, quam equidem moleftissimam duco. illis vi- 'Maxime autem, commilitones, hoc me ad suscipiendum tam. &c ' alacriter adversus hosce certamen excitat, quod Cyrum ha. ' bituri judicem sumus, ab omni alienum invidia, quem ego juratus aio, verè mihi videri, quoscunque fortiter gerere se animadvertat, nihilo minus, quam se ipsum diligere. Nam equidem eum video, quidquid habet jucundius his ipsis dare, quam sibi retinere. At enim æquales istos, onon ignoro elatis esse animis, quod instituti fint ad famem, ' fitim, frigus tolerandum : quum ipfis parum compertum fit, nos eadem à magistro etiam potiori, quam iplos didiciffe. Nullus enim magister in his potior est necessitate, quæ nos hæc ut accurate admodum disceremus, docuit. Hi · se ad labores consuefaciebant ferundis armis, quæ omnes · homines ejulmodi excogitarunt, ut gestatu quam commo-

' dissima fint : nos sub magnis oneribus & incedere cogeba-" mur, & currere: ut jam mihi quidem armorum gestami-' na fimiliora videantur alis, quam oneribus. Quamobrem,

'Cyre, me scito & in certamen hoc descenturum, & (qua-' lis qualis tandem fum) ut ex dignitate præmiis orner, po-

fulaturum. Vos quoque, populares, hortor ad pugnam hanc adversus bene institutos holce magna contention fuscipiendum. Nimirum nunc hi homines in hoc popu lari certamine capti funt. Hæc Pheraulæ fuit oratio.

20. Surrexerunt autem & complures alii, qui amboiun sententiam oratione sua comprobabant. Itaque decretun fuit, ornandum quemque ex dignitate, judiciúmque Cyr permittendum esse. Atque hæc sane in hunc modum cel ferunt. Cyrus autem aliquando totam quoque cohortem unà cum ejus præfecto vocavit ad cænam, quum videre eum divilam duas in partes cohortem utrinque ex adverl ad conflictum instruere, gestantibus utrisque loricas & cra tes in manibus finistris: in dextras verò parti dimidi ferulas crassas dederat, alteram glebas sublatas ejaculas jusserat. Hoc modo instructi quum starent, prælio sig num dabat. Ibi pars altera glebas ejaculabatur, ac tul

Ad p.52 loricas cratésque feriebat, tum femur & tibias. Ubi ver ad manus ventum effet, tum illi, quibus erant ferulæ, ad versis plerisque semora, manus aliis, & aliis item suras ac si qui ad glebas se deorsum inclinassent, tam cervice quàm dorsum cædebant. Tandem ifti feruligeri actos in su gam adversarios persequebantur, multóque cum risu & hil nitate feriebant. Verùm & alteri vicissim sumptis ipsi quoqu

n

1

m

e-

us

os,

m,

um

di-

ite.

Hi

nes

no-

ba-

mi

em.

lua-

po

nam

10116

opu

0.

nun

etun

Cyr

n cel

rtem

idere

verl

& cra

midia

cular

io fig

c tur

oi ver

æ, 20

furas

ferulis, eadem in illos, qui glebas jaculabantur, perpetrabant. Cyrus autem & præfecti cohortis illius solers inventum, & obedientiam militum admiratus, quod fimul & exercerentur, & leiplos exhilararent, atque etiam quodilli, qui arma Perfica imitati effent, vincerent : his ergo deledatus, ad cœnam eos invitat. Quúmque in tabernaculo quoldam iplorum videret, quorum alii tibia, manus alii obligata effet : quid iphs accidisset, rogabat. Illi le glebis ictos aiebant. Et Cyro iterum quærente, utrum postquam congressi fuissent, an quum abessent procul : relpondebant feruligeri, tum id se perpessos, quum procul abessent. Ac quum ventum fuisset ad manus, tum vero ludum fuisse pulcherrimum. Hie contrà, qui conciti terulis erant, non ludum fibi videri clamabant, cominus feriri: fimulque plagas in manibus & cervicibus atque etiam in facie nonnulli oftendebant, quas à teruligeris accepissent. Actum quidem, ut fieri consuevit, lele mutuo ridebant. Poitriciè verò totus ille campus hominibus hos imitantibus plenus erat : atque adeò nisi quid rei magis seriæ tractarent, nunquam non hoc ludo utebantur. Etiam alium cohortis coyuldam prætectum aliquando vidit, qui cohortem luam à fluvio fingulis fingulos lublequentibus ad prancium ducebar, & uvi tempestivum ei videbatur, posteriorem mamulum, præterito tertio, & quarto, in frontem procedere judebar. Qu'umque jam in fronte manipularij duces essent, mandabat in binos explicatum manipulum ducerent. Itaque deinde decuriones in frontem perveniebant. Kurlus quim opportunum ipfi visum effer, imperabat in quatermexplicatum manipulum ducerent. Atque ità quinarit procedebant, un in quaternos explicatus manipulus iret. Postquam vero perventum esset ad fores rabernaculi, tum igno dato jubens, ut rursus singulatim incederent, mani-Julum primum introducebat, & alterum jubebat hune pole subsequi, itidémque tertio & quarto præcipiene, duce-Mt intro: & hunc in modum introductos in cœna dilcumbie volebat, ficuti videlicet ingressi estent. Hunc eigo Grus admiratus ob mansuetudinem, & institutionem hanc, diligentiam unà cum præfecto cohortem ad conam invitat. Ibi quum & alius quidam cohortis prætectus, ad denam vocarus adesset, Meam verò, inquit, cobortem ad tuum be tabernaculum, Cyre, non invitas? Illa tamen quoties ad ervice tenam venit, bac omnia facit; Es ubi contubernii finis est, exs in fu hemus ultimi manipuli dudor suum manipulum educit, qui qui-& hill lem postremos babet primo ad pugnam loco dispositos; deinde quoqu hos, qui alterum manipulum cogit : similique ratione tertins feru

tu

eff

eff ftr

au

fti

OTT

Pe

Cy

VI

m

Eg ip/

MJ

adl

fem

1.17

tate

tibi

vif

duc

aie

dos

aud

enia

ind

ne

2X3

athe

aute

dica

quit

tere

iplui

abie

23

Uti

mult

babe

mm

pende

lises

à tergo

tos.

Ef quartus: nimirum ut, quum ab hostibus reducendi sunt, quo pacto fit abeundum, norint. Postquam vero jam constitumis in curriculo, ubi deambulamus, si quidem versus ortum progredimur, ego praire soleo, Es primus manipulus locum primum ba-bet, atter itidem suum, Es tertius, Es quartus, ac manipulorum etiam tum decuria, tum quiniones, donec fignum à me de. tur. Quum verò versus occidentem recedimus, tum qui ultimum agmen cogit, Es cum eo postremi primo loco duces in abitu funt : ac nibilominus mibi, qui fum ultimus, parent, ut & fequi & pracedere pari cum obedientia consuescant. Et Cyius, Hoccine semper, ait, facitis? Profello, respondit ille, quoties canam infliuimus. Vos igitur, inquit, ad canam invito partim quod & in accedendo & in abeundo studiose servatis ordines, partim quod illud & interdiu & nochu facitis, partim quod Es corpora deambulando exercetis Es animos docendo me-

Insignis liores redditis. Et verò quum omnia duplicia faciatis, aquum Cyri fo- est vobis etiam duplex epulum praberi. Minime profedo, ait leitiain cohortis illius piæfectus, uno quidem die: nisi nobis duplices etiam ventres dabis. Ac tum quidem hoc pacto finis contandis tubernio huic impositus fuir. Cyrus verò illum ordinem, militum quemadmodum dixerat, & postridie, & sequenti etiam animis. hunc die vocavit. Quæ quum & cæteri animadverterent,

universi deinceps hos imitabantur.

21. Quum autem Cyrus aliquando militem universumia 21. armis lustraret & instrueret, venit ab Cyaxare nuncius, qui diceret ab Indis legatos adesse: jubere Cyaxarem quam pri-Quin & vestem, inquit ille nuncius Cyrrus mum ad se venirer. ob Inde- pulc berrimam ab Cyaxare tibi fero. Cupit enim te quam ornatif. rum le- sime fflendidissiméque venire, quippe quem accedentem, Indism spectaturi. Quæ quum Cyrus audisset, imperat præsecto cogatos arcessi- horris loco primo in acie constituto, ut in fronte consisterer, cohorte singulatim ducta, latus iple dextrum tenens Z111. Ad p.54 & jussit hunc idem secundo imperare, ut ità imperatum per

universos traderetur. Illidicto audientes, & imperant had celeriter, & celeriter imperata faciunt: brevique tempore Redius frons ad ducentos, (tor enim præfecti cohortium erant) den trecen- fitas agminis ad centum habuit. Quúmque jam hoc ordi ne constitissent, sequi eos ità jussit, ut ipse præcederet & mox citato gradu præcedebat. Quia verò viam, qua tendebat ad regiam, arctiorem animadvertit esse, quam ut omnes in fronte progredi possent, jussit primos in ordine millenos milites ità se sequi, ut collocati fuerant; & millenos alteros à tergo sequi hos primos, idémque per totum Igitur præibat iple fine reagmen ità servari præcepit. missione, militésque milleni semper totidem præcedentibus a tergo succedebant. Ministros etiam duos ad ipsius aditum viæ misit, qui significarent ignorantibus, quid sacto esset opus. Quum autem Cyaxaris ad portam perventum esset, præsecto primæ cohortis imperat, sic cohortem instrueret, ut ejus densitas duodenos contineret: præsectos autem duodenûm militum propter regiam in frontem constitueret. Eadem secundo jubet imperari, & sic deinceps

omnibus. Atque hæc illi taciebant.

110

172

di-

ba-

10-

de-

lti-

ilu

Se-

us,

ties

day-

01-

tim

me-

uunt

ait

ices

on-

em.

iam

ent.

nia

qui

pri-

ius

atif.

i sint

CO

ifte-

iens.

per

hæ

pore

den

rdi

ret

qua

m ut

dine

mil

tum

e re-

ibus

ergo

22. Cyrus autem iple quum ad Cyaxarem, veste indutus Perfica, minime ornatualieno contaminara, ingressus effet: Cyaxares eo conspecto, celeritate quidem delectabatur, at vilitate vestis offenlus, Quid hoc, inquit, eft, Cyre? cujufmodirem facis, qui habitu tali in conspectum Indorum venis? Egovero te quam fplendidifimum conspici volebam. Nam hoc issum ornamento mihi fuisset, si tu, mea sororis filius, mulio magnificentissimus visus esses. Et Cyrus ad hæc: Utro te modo, inquit, magis ornassem, mi Cyaxares, si purpura induius, adhibitis armillis, torquatus etiam, tibi mandanti lente paruiflem: an nunc potius, quum tali tan oque stipatus exercitu, um velociter, honoris tui caufsa, tibi pareo, & sudore celeritateque cum ipfe ornatus adfum, tum te orno, & cateros etiam tibi tantopere obsequentes exhibeo? Hæc Cyrus ubi dixisser, vilus est Cyaxari rectè loquutus; itaque jussit, ut Indi adoucerentur. Illi verò ingressi, se missos ab rege Indorum Indoaiebant, ac justos interrogare, quâ de re bellum inter Me rum redos & Affyrium susceptum esset. Ac te quidem postquam gis lemillemus, ut ad Assyrium quoque profecti, de his iphs gatiaueinm ex illo quæreremus, justit. Tandem utrique vest um diunindicaremus, regem Indorum dicere, se juris & æqui ratio-tur. nehabita statuium ab illo cui fieret injuria. Ad hæc Cy- Adp.55 axares, Me igitur auditis, inquit, nulla nos Assyrium injuria omere. Quid ipfe dicai, profecti ad eum exquirite. Cyrus autem, qui aderat, Cyaxarem interrogans, Num & iffe beam, air, quod sentio? Quimque is juffiffer: Indorum, input, regi bac nunciate, nisi quid aliud Cyaxari videtur: dime nos, si quam à nobis sibi factam injuriam dicat Assyrius, fum nos Indorum regem arbitrum accipere. His illi auditis abierunt.

23. Quum autem egressi essent, Cyrus ad Cyaxarem hoc Cyri mi sermone cœpit: Equidem ad te, Cyaxares, ità veni, ut cum Cymhlas mecum pecunias meas domo non adferrem: quas autem axare habebam, de iis per pusillum aliquid mibi reliquum est, quòd eas de conmittem expenderim. Ac tu sortasse miraris, quo pasto ex-siciunda senderim, quum tu militem alas. Verum scire te volo, non pecunia diter expensas, quàm tribuendis pramiis, Es largiendo quoties collo-

H 2 aliquem quium.

aliquem militum suspicerem. Nam hac mea fententia eft, quofcunque sibi quis ex animo adjungere quocunque in negotio conficiundo velit, cos suavius esfe, bene tim dicendo tum faciundo potius excitari, quam offendendo & cogendo. Ad res quidem bellicas si quispiam conciliare sibi socios alacres studeat, cos omnino Es dictis bonis Es factis captandos arbitror. 'Anicos enim non hostes, oportet esse, qui nobiscum sine accusa-' tione fint pugnaturi, nec in secundis Imperatoris rebus al De- invidi, nec in adversis futuri fint formidolosi. Hæcigitur ego quum animadvertam, pecuniis mihi pluribusopus

. [

· n

· P

1 2

· P

1

· n

II

A

2

t

n

di

18

2

tes

63

ten

ad (

Verd

con

via,

cipi que

jam

lans

& ir

mun ula.

ove

amic.

facs dicur

eras

leitores futura 11721.

effe puto. Ut autem in omnibus unum ad te respiciam, quem fumtus graves facere fatis intelligo, mili quidem ablurdum videtur. Itaque communi confilio providendum utrique arbitror, nè pecunia te deficiat. Nam fi ejus tibi fit copia, scio mihi quoque facultatem accipien-' di non defuturam, quum opus erit: præsertim si eam in ejulmodi quendam ulum accepero, in quem expensa tibi

24. Ad p. 56 Conful-1.1110 Cyri Ez' Cyraca-125 de dime. 2220 -221 ordinem redi. gendo.

quoque majus commodum adferat. 24. Nuper igitur audire de te memini, Armenium te modo contemnere, qui hostes adversum nos adventaleaudiat; ac neque copias mittere, neque tributum debitum adferre. Nimirum, inquit, facit hæc ille, mi Cyre: ut equidem dubius fim animi, an expediat hominem bello augredi, & ad cogendum vim adhibere; an magis protuerit, in hoc quidem tempore missum eum facere, ne hunc etiam cæteris hostibus nostris adjungamus. Tum Cyrus iterum interrogabat, Num vero domicilia munitis in locis habent, an iis, quæ adiri facile possint? Habent domici ia, respondit Cyaxares, non admodum municis in · locis. Nam illam ego rem non neglexi. Sunt tamen montes, in quos fi le recipiat, fic esse tutus possit, ut nec leiplum statim hosti dedere, nec quæcunque in illos lub. vexerit, necesse habeat : nisi quis eum diutius ibidem hærendo oblidear, quemadmodum pater meus olim fecir. ' Tum Cyrus, Si mittere me voles, inquit, tanta equitum manu mihi adjuncta, quanta tibi luffectura videbitur: ' arbitror me, Diis bene juvantibus, effecturum, ut & co-' pias mitrar, & tributum pendat. In.o præter hæc spero confore, ut, multo nobis, quam nunc est, fit amicior. Et Cyaxares: Ego quoque spero, inquit, ad te subentius il-· los accessuros, quam ad nos. Nam quosdam ex ipsius libe is tecum olim venari solitos audio, qui fortassis ad te rudus accesserint. Eorum verò si quos in potestatem redegeris, omnia confici ex animi nostri sententia poterunt.

Ligoue tibi conducere videtur, inquit Cyrus, ut hæc nostra co iliiz

1:-

do

lit.

111-

CS

2-

us

31-

us

m,

em

en-

ifi

en-

in

101

te

au-

um

ut

ello 10-

nè

14111

1112

ent

SIN

men

nec

Sub-

dem

ecir. tum

m:

CO-

pero

. Et

s ilis li-

ad to.

m re-

unt. oftra

fili2

confilia celentur? Nimirum hoc pacto, ait Cyanares, & facilius iplorum aliquis in potestatem nostram venerit: & si quis eos invadat, minus paratos deprehenderit. Audi igitur, inquit Cyrus, an aliquid dicere tibi videbor. Frequenter ego cum omnibus, qui mecum funt, Perlis, tain ad tuæ quam Armeniorum regionis fines venatus lum, atque etiam aliquando quibuldam equitibus hine à numero lociorum noftrorum mecum fumtis, illuc accessi. Ergo minime sulpedus fueris, ait Cyaxares, si his consimilia nunc facias. Sin multo majores copiæ confpiciantur, quam quibus uti ad venandum confuevisti: tum vero res in fulpicionem veniet. Sed enim licet, inquit Cyrus, caussam quandam non ineptam ad perluadendum & hic prætexere, & ilthic, fiquis indicium faciat, velle me magnam venationem instituere, etfi palam equites ego abs te petam. Perbellè narras, inquit Cyaxares: atque ego tibi non volam præter modicos quoldam concedere, quafi qui ad caftella regioni Affyriorum finitima fim profecturus. Nam reverà decrevi ad ea proficifci, ur quam munitissuna reddam. Tu vero tuis cum copiis ubi progressus fueris, ac jam biduum ve- Adp.57. nando confumberis; mittam ego tibi & equitum, & peditum apud me collectorum, quantum latis fuerit; quibus tecum sumtis, statim pergas. Ego verò reliquis cum copiis, ne procul à vobis abiim, enitar: ut contpiciendum, ubi opportunum fuerit, me præbeam.

15. Hoc igitur modo Cyaxares statim & equites & pedites ad castella cogebat, atque etiam currus cum commeatu avia, quæ ad castella duceret, præmittebat. Cyrus autem, protectionis caulsa, rem divinam faciebat, ac fimul ad Cyaxarem mittens, equites juniores ab eo petebat. Ille vero, licet admodum multi sequi vellent, paucos solum concessit. Et Cyaxare jam cum copiis equitum peditumque via, quæ ad castella ducebar, progresso: Cyrolacia de sulapiendà in Armenium expeditione aulpicata fuerunt. Ita- Cyrus que luos educit, quasi ad venandum se parasset. Quimque per sium iter facerer, mox primo in agro lepus lurgit, & advo- mulatilans aquila dextra, quum leporem fugientem despexisset, onem kiruit, & percussit eum, raptumque sustulit, ac proxi- venaum in collem quum deportasset, pro libidine præda est tionis la. Cyrus autem hoc augurio delectatus, adoratoque Armeove rege, ad eos qui aderant, dixit: Venatio nobis bac, nium anici, volente Deo, prospera futura est. Quum autem ad invadit.

Ines perventum esset, statim more suo venabatur. Ac pe- al. Prodium quidem equitumque vulgus in hoc proruebat, ut cedebat das adventu suo excitatet: præstantissimi vero quique ante iptam /um.

250

tàm peditum quam equitum hinc indè constituerunt; excitatalque feras & exceperunt, & insecuti funt. Itaque multos & apros, & cervos, & capreas, & afinos fylveftres cepe. Singu- runt. Sunt enim hac etiam tempestate illis in locis asinifyllaris in vestres permulti. Deinde intermissa venatione, propiusad fallendo Armeniorum fines delatus, cænam instrui juslit: ac postridie rurfum venari cæpit, eos ad montes progressus, quos adpetebat. Hic rurlum facto venandi fine, conavit. Quum Itria. autem persentisceret exercitum Cyaxaris adventare : clam missis ad eos suis, ut ab se ad duarum ferè parasangarum in. tervallum conafent, edixit. Providebat enim futurum ut hoc ipfum ad fallendum aliquid conduceret. Postquam vero conaffent, ut iplorum prætectus ad se veniret, justit.

26. 26. A cœna præfecti cohortium advocati quum advenis. fent, in hunc moduin loquutus est: ' Antehac, amici, Ar-Oratio ' menius Cyaxari & societate junctus suit, & imperio subà ratio- : jectus. Nunc postquam hostes inaudiit adventare, spreto Cyaxare, neque copias nobis mittit, neque tributum pergerenda folvit. Itaque jam nobis hic venandus eft, il quidempo-Adp.58 terimus: ac mihi sanè in hunc modum gerenda videntur.

Tu Chrysanta, postquam somnum modicum ceperis, dimidiam Persarum, qui nobiscum sunt, partem sumito: viam montanam ingreditor: montes occupato, ad quos eum confugere aiunt, quum † aliquem metuit. Duces

ce

25

in

pi

mo

b

9

re

que mai

Tæ

Aliquid' ipse tibi dabo. Atque hos sanè montes etiam saluesos & spissos esse perhibent, ut spes sit minime vos conspe-' clum iri. Si tamen ante exercitum expeditos homines, qui & numero & vestimentis fint latronibus similes, præmileris, nimirum hi Armeniis occurrentes, partim comprehenlos impedire poterunt, ne quod indicium faciant; partim quos comprehendere nequiverint absterritos procul

arcendo, ne totum exercitum videant obstabunt: ideoque ' de vobis haud aliter arque latrunculis confilium capient. Ac tu quidem ita facito. Ego verò cum primà luce pe-

ditum alterà cum parte dimidià, & universis cum equiti-Tum bus, itinere campestri ad regiam rectà proficiscar. si quidem se nobis opposuerit, planum est necessario pug-' nam conferendam effe: fin campo cedat, cursu nobis per-

' sequendum esse pater: ad montes si denique sugiat, his feilicet, inquit, tui muneris fuerit, neminem eorum, ad te qui pervenient, dimittere. Perinde scilicet existima bis, atque in venatione, nos quidem eos tore, qui inda

gabunt: te autem illum, qui sit ad plagas. Quamobrem memineris, obstruenda priùs esse itinera, quam fera se loco moveat. Quin & occulti fint necesse est, quicunque

Cyri

+ al.

Ledio " nis.

x-

) :-

yl-

ad

11-

ad-

um

am

in-

ut

cro

nif-

Ar-

lub-

reto

per-

po-

itur.

di-

ito:

uos

uces

olos

ipe-

ines,

præ-

com-

ant;

rocul

oque

pient.

e pe-

quiti-

Tum

pug

s per-

, hic

n, ad

ftima-

indaobrem iera le

unque

ad ea collocati fuerint, si quidem ad se procurrentes feras nolint avertere. Tu tamen, mi Chryfanta, inquit, ità jam nè feceris, quemadmodum nonnunquam venandi studio facere consuevisti. Nam infomnis totam læpe noctem in ' hoc negotio exigis. At nunc militi modice capiundi Ledio somni facultasest concedenda, nè somni sint expertes. Ne- ista que vero, quia tu montes pererras, etiamfi neminem ho-margiminum ducem itineris habeas, curlu sequi solitus quacun- nis. que feræ processerint, ideireo nune etiam per loca pene- al. Nè tratu difficilia sic iter feceris: led impera ducibus, ut ni- cum fialiqua longe brevissima via fuerit, per facillima ducant. somno Nam exercitui via facillima celerrima est. Neve item quia pugtu montes cursu pervagari es adluefactus, jam quoque nandum curriculo præiveris: sed festinatione mediocri præcedito, eis sit. quò sequi te possit exercitus. Etiam bonum fuerit, quosdam ex robustissimis, & imprimis alacribus interdum cohortandi caulsa subsistere: quumque cornu processerit, Adp.59 incitandis ad festinandum aliis multum momenti afferret, li gradatim incedentibus his, omnes illi currere videantur. Hæc quum Chrylantas audisset, ad elationem incenso Cyri mandatis animo duces itineris accipit; atque abiens, quum iis, qui profecturi cum iplo erant, faciunda imperasset, quieti se dedit. Quumque tantum somni cepissent, quantum ad mediocritatem satis esse videbatur, ad montes perrexit. Cyrus autem, quum illuxisset, nuncium ad Armenium præmisit, cui priùs indicarat, ut in hunc modum hominem adloqueretur.

27. 'Cyrus, Armenie, sic agas imperat, ut quamprimum 27. 'adipsum cum tributo exercituque venias. Quòd si te in-al. Ut tenoget, ubi sim; vera dicito, esse me nimirum in sini-quambus. Sin roget, an & ipse veniam: hic quoque vera lo-primum quitor, te nescire. Sin quàm multi numero simus quæ- & tritet; jube tecum aliquem mittat, ac rem cognoscat. Ita-butum que nuntium Cyrus cum his mandatis misit, quòd existi- & exmatet, hoc modo se humaniùs facturum, quàm si nihil ercitum madicens pergerer. Ipse verò quàm optimè cum ad per-adseras. Sciendum iter, tum etiam ad pugnandum, si foret opus, instructis suis progrediebatur: edicens militi nè injurià quenquam adsicerent; ac si quis obvium aliquem Armenium laberet, eum ut bono esse animo juberet; atque ut ad ea oca, quibus ipsi essent, res venales, qui vellent, advehe-

m; live qui esculenta, sive potulenta vendere cuperet.

## XENOPHONTIS

Historiarum de Institutione CYRI Liber Tertius.

ipi

fil

nis

fia Ul

VO mi

111

cci Quid ud

exfl

tum tir re tie, t d quo adata bi di

Atque inte

T Cyrus quidem hæc agebat. Quum autem Armenius de nuncii sermone mandata Cyri accepisset, petterritus est: cum animo suo cogitaret, injuste le facere, qui neque tributum penderet, neque exercitum mitteret. Maxime vero metum augebat, quod futurum erat, ut manifestum fieret, fecisse initium fruendæ regiæ, quo ad propulsandos hostes Adp.60 illa lufficerer. Atque omnes has ob caussas trepidans, simul hine inde dimissis nonnullis, copias suas cogebat, & in monnius ad tes minorem natu filium Sabarim, & fuam arque filii uxorem & filias & cum his mundum apparatumque maximi consilia pretii mittebat, additis etiam, qui deducerent. Prætered confert, mittebat, qui specularentur, quidnam rerum Cyrus ageret, qua Cy. & Armenios, qui aderant, inftruebat : quum mox adessent rus ani- alii, qui Cyrum iplummet adventare una dicerent. Tun mo tra- vero conferere manum non amplius aulus, se subducebat ceperat. Id quum hominem Armenii facere viderent, quisque sua ad ædes diffugiunt, ut qui res suas submovere songius vel Et Cyrus campum videns, palantibus & abigentibu plenum, submittit qui dicerent, nemini se hostem tuturum qui remaneret: sin fugientem aliquem caperet, eum se pre hofte habiturum prædixit. Itaque complures remanebant quum nonnulli effent qui cum rege se subducerent. A vero qui cum mulieribus antecesserant, in eos quum inci diffent, qui erant in monte, ftatim sublato clamore arres tâque fugă, complures capiuntur. Tandem & filius, uxores, & filiæ captæ sunt iis cum opibus, quascunqu Rex ubi quæ acciderent persentisceret secum vehebant. quò le verteret ambigens, in collem quendam fuga se re Quæ Cyrus item videns cum iis, quas secum ha

mius fu- cipit. as captis bebat, copiis collem circundat; & mittit ad Chrysantan inquen- jubens, ut montis custodia relicta veniret. dam se reà dum copias Cyrus cogeret, misso ad Armenium cadu collem ceatore, sic eum interrogabat. Dic mihi, ait, Armeni recipit. utrum ist bic manens cum fame ac siti jugnare mavis, an in can

pum apertum descendere, ac nobiscum pralio decernere? Cu neutris pugnare se velle, respondit Armenius. Cyrus iteru mili

milit qui quærerent, Cur igitur ist bic desides, ac non descendis? Quia quid agendum fit, inquit, ambigo. Sed enim, ait Cyrus, minime debes ambigere. Nam licet ad agendam cauffam tibi defcendere. Et quis, inquit, judex erit? Nimirum is. cui Deus poustatem fecit ex arbitrio suo tecum agendi, etiam indict à caussa. Hic Armenius necessitate considerate, descendit. Cyrus & iplo, & cæteris omnibus in medium receptis, eos castris circundedit; quum copias jam secum omnes haberer.

US

t us

jue

ve-

ret, ftes

nul

011-XO-

imi

ereà

eret.

Tent

Tun

ebat

**fua** 

vel

ibu rum

e pre bant

A

incl arrep

us, d

inqu

ceret le re

m ha

ntam inte

cadu menn

n can

Cul

iteru

1. Hoc iplo tempore Tigranes natu maximus Armenii flius, peregrè adveniebar, quem Cyrus aliquando venatio- Adp.61 nis socium habuerat. Is quum ea quæ acciderant, audisset: Tigrafaim ad Cyrum ità contendit, uti tum comparatus erat, nes Ar-Ubivero patrem, matrem, fratres, uxorémque suam capti-menti rosomnes vidit, ut par erat, illacrimavit. Et Cyrus ho-filius. minem intuitus, comitate in ipsum alia nulla est usus, quam puod dicerer. Opportune ades, coram futurus auditor in judicio stris. Statimque duces Persarum & Medorum convocat, Armecitis etiam Armeniis, fi qui dignitate præstantes aderant. nius juwin & fæminas, quæ in carpentis aderant, non repulit : led dicio idiendi facultatem eis concessit. Qu'unque opportunum sistitur. dum effet, dicendi principium fecit. Primum, ait, Armeu, consulo tibi, ut in hac caussa cognitione vera dicas, quò nun illud saltem absit à te, quod odium maximum meretur. Nam missinete volo, esse hominibus impedimento ad consequenmyeniam maximo, fi in mendacio deprehendantur. Pramaliberi tui, & ha mulieres, & Armenii qui adfunt, om-imahs te actorum tihi funt conscii: qui si te senserint alia din quam facta fint, arbitrabuntur te tuamet ipfius sententia Minis extremis addici, si veritatem ego rescivero. Tu verò, n, quodeunque voles, inquit, interrogato vera dicturum: nitru tandem ea de caufsa mibi evenerit. Dic igitur, inquit, ih: bellumne gessisti aliquando cum matris mea parente Asty-Medisque cateris ? Gesti verò, inquit. Vidus autem ab nonne conditiones has accepifti, tributum te allaturum, & acum ipso militaturum, ubicunque denunciasset. Es muniu babiturum nullas? Ità est. Jam ergò quamobrem neque utum attulifti, neque misisti exercitum, & munitiones capi-Cyrus tafruere? Libertatis, inquit, cupiditate tenebar: Nam pra-Armeum mihi vifum est, & me liberum esse, & libertatem liberis nium urdinquere. Certe præclarum est, inquit Cyrus, ità pug- Socrate, ne quis unquam servus fiat. At si quis vel bello vidus, tice de. quodam alio modo redactus in servitutem, id moliri depre ducit datur, ut dominorum se potestate eximat : buic primus ifse eo ut dicito, utrum ceu viro bono, & recte se gerenti honorem seit sum a; an eo potitus, ut injuste agentem pleftas? Pledo, damnet. milts inquit,

inquit, non enim concedis mibi, ut mentiar. Responde mibili-Adp.(2 quidò, ait Cyrus, & singulatim in hunc modum : Si quis cum imperio fit, ac delinguat, utrum effe illum cum potestate pateris, an ejus loco constituis alium? Alium, ait, constituo. Quid vero, si magnas opes habeat, divitémne permittis esse, an ad paupertatem redigis? Eripio, inquit, homini, qua posidet. Si ad hostes etiam ipsum desicere animadvertas, quid facis? Occido, inquit. Cur enim potius mendacii convidus moriar quam veritatem fassus? Hic Armenii filius auditis hisce, avulsa tiara, vestes etiam discerpsit. Fæminæ veio sublato ejulatu ora lua dilaniabant, quasi & pater jam perisset, & actumde omnibus ipfis effet. Quibus Cyrus indicto filentio rusu inquit: Esto sanè, bec jura tua sint, Armenie. Nobis autem quid secundum bac faciendum consulis? Tacebat Armenius dubius secum, an sui necandi confilium Cyro daiet, an il Tigracontraria doceret, quæ se facturum fuisse dixerat. At filiu nes pa- ejus Tigranes interrogans, Quando pater ambigere videlur

agit.

inquit, die mibi, Cyre, an consilium de ipso dare debeam, tib caussam quod ex usu maxime futurum arbitrer? Cyrus qui animad verterat, id temporis, quo venari cum iplo Tigranes sole bat, quendam hominem ei doctum familiarem, & admira tioni magnæ fuisse, quid tandem dicturus esset, audir percupiebat. Itaque jubebat alacriter, quod sentiret, pro terret. Ego igitur, inquit Tigranes, si tu quacunque pat vel deliber ando instituit, vel patravit, probas : sic auctor tibi fur ut qui maxime, quo ipsum imiteris. Sin eum deliquisse omni Statuis, hoc tibi consilii do, ne eum imiteris. Ergo minime d linquentem imitabor, ait Cyrus, fi quod justum est egero. I est, inquit ille. Evit igitur animadvertendum, de tuâ quide ratione, in patrem tuum : siquidem justum est, in homine injuste agentem animadvertere. Utrum igitur, mi Cyre, m lius esse ducis, tuo cum commodo pænæs te sumere, an tuoci detrimento? Nimirum boc pacto, subjecit ille, supplicio m apfum adfecero. At tu plurimum ipfe tibi damni attuleris, Tigranes, fi tum occidas tuos, quim tibi quantivis petif rint, si tua sint in potestate. Verum qui possint esse homines. quit Cyrus, id temporis maximi pretii, quo deprebenf fuer Ad 1.63 in facinoribus improbis? Si tum, ut equidem arbitror, fi

4

ci

m ita

Se

ta

na

tra lun

tul

non

ria

nun

com

pepe fing at se

teni peffu

que

veher

dere nis go

Utile . fant. Nam mibi, Cyre, sic effe ies comparata videtur, sine bonam nitate mentis ne quidem vintutis cujusvis alterius usum ull admen- effe. Quis enim fuerit usus hominis robusti, vel forus, vel tem re- questris rei periti, si sanus mente non sit ? quis divitis? quis dire qui minis in civitate potentis? At si mente sit fanus & amicus delique. nis utilisest & omnis servus bonus. Hoc igitur, inquit, die ctiam patrem tuum hoc ipfo die de insano frugi hominem fad

li-

um

115,

26-

auiad

ido,

ve-

ti-

latu

m de

ırfu

utem

nius.

n ii

filiu

detur

, tib

mad

Sole

mira udin

, pro

pat

i fur

mni

me d . I

quide

mine

ie, 11 1110 CE

1010 11 eris,

et 11 /

ines.

fuer 17, 111

, fine

m ulli

5, 26 quis

icus q

it, die

m fact

effe. Omnino, ait, Ergo tu sanitatem hanc effe dicis adfedionem animi, sicut est agritudo, non quiddam disciplina parabile. Veriem si prudentem esse necesse est eum qui mente sanus sit homo futurus: neguaquam subito quis ex insano frugi evaferit. Quid autem, mi Cyre, inquit, nunquam adhuc animadvertisti hominem etiam unum ex insania mentis conantem pugnare cum alio se potiori, quum victus esset mox dementia adversus hunc sue finem fecisse? Non item, ait, civitatem unam adversus aliam se opponentem vidisti, qua victa confestim alieri parere, quam repugnare mallet? Quam verò, subjecit Cyrus, ctiam tu patris victi cladem narras, qua mentis eum ad fanitatem revocari adfirmes? Quod sibi profecto conscius est, se libertatem appetendo ad eam servitutem redactum, in qua nunquam antehac fuent: atque etiam nibil eorum perficere potuisse, qua babenda dam, vel furtim agenda, vel conficiunda per vim existimarat. Te verò scit in iis, in quibus if sum fallere volueris, sic fefellisse, at siquis cacos, aut surdos, & nullius etiam mentis homines fallat. Que autem occultanda putâris, ea sic te clâm habuisse seit; ut que loca sibi parata esse tutissima existimabat hac eitu septa prius effeceris, qu'am ipse persentisceret. Celeritate verò tantum eum superasti, ut è locis procul dissitis magno cum exeralu profectus ipsum anteverteris, prius quam copias sibi proximas cogeret. At vero tibine videtur, inquit Cyrus, hominis nà vidi clades sufficere ad efficiundum, ut frugi sit, at que alsos se potiores agnoscat? Multo sane magis, air Tigranes, quan quum in pugna quis inferior discedit. Quippe non nemo robore inferior, rursus exercito corpore, se pugnam instauraturum pulat: & capta civitates, adjeitis belli socius, denuo posse pugnanexistimant. Verum quos aliqui seipsis prastantiores arbihantur, iu nonnunquam nulla etiam adacti necessitate parere volunt. Videris tu, subjecit Cyrus, non existimare, hominibus petulantibus alios se continentiores esse notos: nec furibus illos, qui non furantur: nec mendacibus eos, qui vera dicunt: nec injunamm auctoribus eos, qui juste agunt. An ignoras, inquit, nunc etiam patrem tuum nos fefellisse, neque patis inter nos Adp.64 unventis stetisse, quamvis sciret nos nibil eorum, qua Astyages pegit, violasse? Equidem nec ipse dico, solum hoc homines pugi reddere, quod se meliores norint; si non hoc etiam accedat, use potioribus pænas dent, quemadnodum patri meo nunc usu tinit. At enim, ait Cyrus, tuus pater nibil adbuc mali per-Mus est omnino, metuit quidem, sat scio, ne gravisima quepepatiatur. Ergo tu quicquam existimas, inquit Tigranes, vehimente metu magis homines servilem in modum demissos redme? Num ignoras eos, qui ferro caduntur, quod animadversiougenus gravissimum existimatur, tamen adversus eosdem pugnawelle? At quos admodum metuunt bomines, eos ne quidem benigne

Metus omni vi/himuum Supplicium.

alloquentes audent intueri. Hoccine dies, inquit, metum baminibus majoriesse supplicio, quamsi re ab se affligantur? Tu quoq; umgra-verum me dicere, ait, nofti. Scis enim eos, qui metuunt, ne in exilium è patria pellantur, & qui pugnaturi metuunt, nè succum. bant, in mærore degere. Itidem qui inter navigandum metuunt, ne naufragium faciant, & qui fer vitutem ac vincula timent, ne cibo quidem ac somno pra metu frui possint. At qui jam sunt exules. quique jam vistifunt, ac servitutem qui serviunt, nonnunquam possunt etiam magis, quam fortunati homines, cibo, potu, somno uti. Praterea manifestim est etiam in bis quale onus sit metw. Quippe nonnulli dum metuunt, ne capti morte multentur : pra metu mortem prius oppetunt, vel in pracipitium acti, vel firangulati, vel fibi ipfis manus afferentes. Usque adeò metus inter omnes res terribiles maximo impetu animos percellit. Ac patri quidem meo, ait, quid effe nunc animi putas, qui non solum sua, sed etiam mea, & uxoris, & omnium liberûm caussa servitutem metuit? Et Cyrus, Credo equidem, inguit, haud difficulter, fic modo hunc affectum animo effe Verum arbitror ejulmodi hominis esse prosperis rebusinlo-· lenter agere, adversis lubitò confternari, & libertatem nadum rurlus efferri animo, deque integro negotium facel-· fere. Est ità profecto, inquit, Cyre: delicta nostra lugge runt illas quidem caussas, ne fides nobis habeatur. Sedenin tua est in potestate præsidia castellis imponere, locag; mu ' nita tenere, atque aliud quodcunq; voles, fidei pignus ca pere. Nos quidem ii erga te erimus, qui rebus his magno pere non offendantur: Nam recordaturi sumus, horum no auctores existere. Quod si ex iis alicui tradito imperio qui nihil in te deliquerint fidem iple non habere videb ris, cave, nè fimul & beneficium præstes, & amicus ille haud esse puteris. Rursus si dum cavebis, ne odio gr veris, juga ipsis non impolueris quò minus insolenter

Ad p.65 :

gerent : vide, nè illi magis etiam quam nos modo, til fint ad mentem lanam revocandi. At ego me profecto, quit Cyrus, ejulmodi ministris, quos sciam adductos nece sitate luas piæstare mihi operas, illubenter usurum arb ' tror. Quos autemanimad vertere viderer ex benevolent & mei amore, quod facto sit opus mecum aggredi: h ego delinquentes etiam laturum me facilius existim quam eos; qui, tametii me oderint, abunde tamen on nia coacti lacere studeant. Ad qua Tigranes: A qu bus autem, inquit, amorem tantum unquam consequen quantum modò tibi licet à nobis adipisci? Ab iis a bitror, ait Cyrus, qui nunquam hostili fuerint in me al mo : si hos afficere beneficio velim quemadmodu

10+

9;

ım-

,ne

160

les,

am

onm

tu.

pra

ran-

nter

· Ac

qui libe-

dem, effe.

info-

n na-

acel

ugge

emin

g; mu us ca

agno

m no

perie

ideb

is illi

o gra

nter

o, til eto, 1

s nece

m arb

olenti di: h

iftim

ien on A qu

equer

115 2

me at

lmodu

tujam, ut in vos beneficium conferam, hortaris: Num, mi Cyre, possis, inquit, quenquam hoc tempore reperire, cui tanta largiri queas, quanta patri meo? Primum si aliquem vivere finas, qui nunquam in te fuerit injurius, quam illum existimas tibi gratiam habiturum? Quid item, si liberos ipfi, & uxorem non adimas? quis eo te nomine magis diliget, quam qui arbitratur, jure fibi suos eripi? An ullum notti, qui gravius laturus fic, in Armenios se regnum non obtinere, quam nos? Quapropter etiam de hoc, ait, perspicuum eft; eum, qui moleftissime fert le regem non 'effe, maximam tibi gratiam habiturum, fi abs te imperium impetraverit. Quod fi etiam curæ tibi eft, inquit, ut res hic quam minime turbatas, ubi dilcesseris, relinquas: con-'fidera, num tranquilliora futura fint omnia, novato imperio, an ulitato remanente. Itidem li curæ tibi est ut exercitum amplifimum educas; quem exiftimas hujus dele-' dum rectiùs habiturum, quam qui eo sæpius est usus? Si pecunia quoque tibi fit opus, quem rectius illo confecturum hancputas, qui & novit, & habet, quicquid ejus hic eft? Mi Cyre, vir optime, cave, ne nobis amissis, majori te detrimento efficias, quam quo afficere te pater hic meus potuisset. Hujusmodi quædam Tigranes proferebat.

3. Cyrus autem hæc audiens, mirificè delectabatur, quod abitraretur omnia, sibi confecta jam esse, quæ Cyaxari ta- Adp 66 durum le receperat. Nam dixisse meminerat, existimare Cyrus le tuturum, ut majori Armenius amicitia ipsis adjungere- apud tur opera lua, quam inter eos antea fuisset. Itaque dein- Armeceps Armenium iplum compellat. 'Si vobis, inquit, in his nium morem gessero, die mihi, Armenie, quantum missurus es qua Cyexercitum mecum, quantumque pecuniæ ad bellum hoc axari conferes? Ad qua Armenius : Nihil tibi,mi Cyre,ait, nec pollici-'implicius necæquius dicere possum, quam ut copiasuni tuserat verlas quas quidem habeo, commonstrem : eas ubi tu vi- efficit. deris, quantum tibi vilum fuerit, exercitum abducito; 'illo relicto, qui agro nostro præsidio sit. Itidem de pe-'cuniis, æquum est, ut, quas habeam, tibi fignisicem: tu deinde statuas, quantum ex his auferre velis, & quantum relinquere. Cyrus autem, Age igitur, inquit, oftendito mihi quantæ tibi fint copiæ, quantumque pecuniæ habeas, dicito. Hie Armenius, Equites quidem, ait, Armeniorum fere funt octies mille, quadragies mille pedites. Pecuniæ vero summa, cum thesauris quos pater reliquit, ad argentum redacta, tribus talentorum millibus major ett. Et Cyrus nibil cunstatus : De exercitu sane, inquit, Partem dimidiam adjungito mihi, quandoquidem Chal-

dæi

## XENOPHONTIS

' dæi finitimi bellum tibi faciunt : de pecunia verò, pro

' talentis quinquaginta, quæ tributi nomine pendebas, du-· plum Cyaxari solvito proptereà, quod solutionem neglex. eris. Item mutuo mihi centum altera dato, pro quibus ego mutuo datis tibi polliceor, vel alia me, Deo bene ' juvante, beneficia majora in te collaturum, vel ipsam pecu-' niam denumeraturum, si quidem potero. Sin autem vi-· deri quidem, ut arbitror, potero destitutus à facultate reddendi, sed injustus tamen merito meo non censebor. Et Armenius: 'Oblecto te profecto, mi Cyre, inquit, noli hoc · pacto loqui: cæteroqui minus bono in te animo ero. Exifimabis scilicet, quascunque pecunias nobis reliqueris, ' nihilo minus tuas effe; aique illæ fint, quas hinc tecum au-· fers. Esto, subjecit Cyrus. Verum ut uxorem recipias, quantum mihi pecuniæ dederis? Quantum mea in facultate fuerir, inquit. Quid ut liberos? etiam pro his, ait, · quantum mea in facultate fuerit? Ergo jam bis subjecit · Cyrus, duplò ampliores fuerint iis, quas tu possides. Et tu · Tigranes, ait, die mihi, quanti redimeres, ut uxorem tibi recipere liceret? Is verò novus tunc forte maritus erat, · & summo hanc amore complectabatur. Equidem, inquit, · vel animæ pretio meæ redimerem, nè unquam hæc lervi-Adp.67 tutem serviat. Tu igitur, inquit, tuam abducito. Nam Cyrus ' equidem eam in captivitatem venisse nequaquam arbittos, eaptivose quando tu nunquam nos deseruisti. Tu quoque, Armenie, fine pre- 'tam uxorem quam liberos abducito, nullo pro iis pretto tio red- foluto: ut se liberos ad te venire sciant. Ac modo quidem apud nos, cœnate, sumpta verò cœna, quò libitum Homi- erit animo vestro, discedite. Itaque quum mansissent, atnis in- que à cona in tabernaculo versaientur, interrogans Cyrus, nocentu . Die mihi, Tigranes, inquit, ubi tandem est vir ille, qui quum ' nobiscum venari solebat, tu quidem mihi videbaris homioccide- e nem plurimum admiraii. An non, ait, pater hic meus retur, 'eum occidit? In quo deprehensum facinore malo? Dicebat, me ab ipso corrumpi. At vero, mi Cyre, adeo præpracla- . clarus & honestus vir erat, ut tum etiam, quum moritu-' rus effet, arcessico mihi diceret : Nè tu patri, Tigranes, ra. Hocest, quicquam succensueris, quod me morte multabit. ' enim hoc ex malevolentia, sed ignorantia, facit. Quaciviles cunque verò per ignorantiam peccant homines, ea prater ani-& po 'mi fententiam committi, equidem arbitror. Ad que verba Cyrus ait: 'Hem qualem virum! Armenius autem hoc modo intas, Scholi- · loquutus est: Nec ille, mi Cyre, qui viros alios cum uxoon mar- cribus fuis familiariùs versantes deprehendunt, ob hanc cul. ginis. ' pam eos interficiunt, quod magis intelligentes reddant

e

.

eg

qu

pl

de

CU

ft.

ote

du-

ex-

ous

ene

cu-

vi-

ed-

Et

hoc

Xi-

TIS,

au-

las,

cul-

ait.

ecit

t tu

tibi

erat,

quit.

TVI-

Vam

trof,

nie,

etio qui-

tum

, at-

yrus, qui

omi-

meus

)ice-

ritu-

Non

Que-

ani-

verba

UXO-

c cul-

dant

Kores

uxores suas, sed quòd existimant amorem eos sibi debitum præripere, idcircò pro hostibus illos habent. Itidem & ipse illi homini invidi, quòd facere mihi videbatur, ut sislius meus ipsum magis, quàm me admiraretur. Et Cysu: Profectò, inquit, mi Armenie, humanitùs quid deliquisse videris: túque adeò, mi Tigranes, ignoscito patri. Hujusmodi quum in hoc tempore inter se disseruissent, &
amantèr, ut par erat, se complexi essent à reconciliatione,
carpentis unà cum uxoribus conscensis, avecti sunt.

4. Quum autem domum venissent, Cyri alius sapientiam commemorabat, fortitudinem alius, alius mansuetudinem, atque etiam non nemo pulchritudinem ac proceritatem. Atque hic fanè Tigranes uxorem interrogabat: 'Num & tibi, mea Armenia, pulcher esse visus est Cyrus? Profecto, ait 'illa, non aspectabam hunc equidem. Quem igitur? inquit Tigranes. Eum profecto, qui aiebat animæ suæ pretio se Pudiredempturum, ne servitutem ego servirem. Ac tum qui- ca mudem, ut par erat, rebus hujufmodi tranfactis quieti utring; lieris le dederunt. Postridie vero Armenius Cyro, & exercitui vox & univerlo munera tanquam hospitibus misit; ac suis edixit vinum quibus in militiam eundum erat, ut tertium ad diem adef-amantis sent: & pecuniam de qua Cyrus egerat, duplicatam denu- Adp.68 meravit. Cyrus acceptà lumma, quam popolcerat, reliquam temilit, fimul interrogans, uter exercitum ducturus effet, filius an iple. At quæ respondit uterque, ac p ter quidem: 'Quemcunque tu jusseris: filius verb: 'Equidem abste, mi Cyre, non abero; non si etiam comitari te calonis instarlarcinarii debeam. Et Cyrus ad hoc risu sub-'lato: 'Quanti abs te redimerem, inquit, ut uxor tua farcinaste gestare audiret? At non opus erit ut audiat, inquit, adducam enim illam, ut videre liceat, quicquid egero. Verum jam, ait, tempus suerit, ut collectis tarcinis ad iter vos comparetis. Existimes velim, inquit Tigranes, nos convasatis iis, quæcunque pater dederit, affuturos. 'Ac tum quidem hospitum more milites excepti, quieti le dederunt.

5. Postridie Cyrus sumpto secum Tigrane, ac Medorum sequitum præstantissimis, déque suis etiamamicis, quoscunque commodume i visum esset regionem obequitans contemplabatur; ut quo loco castellum muniendum esset, consimerate. Quúmque ad jugum quoddam venisset, Tigranem interinterrogat, quinam illi montes essent, unde Chaldæi de-Chalcurrentes prædas agerent? Quos Tigranes quum ei mon-daos stasser, rursum interrogat: an ii montes tunc deserti essent? Arme-

6.

· Minimè verò, inquit : semper enim speculatores suos habent, qui cæteris fignificant, quicquid viderint. At quid ' faciunt, ait, quum aliquid senserint? Ad vertices, inquit, defensionis caussa pro suis quisque viribus, accurrunt: Hæc Cyrus ubi audiffet, luftrando paffim animadvertebat, magnam regionis partem Armeniis, propter bellum defertam & incultam effe. Ac tum quidem reversi ad exerci-

p

11

il

di

di

ti

n C

0

di

tu

ft:

da

on

ce

1U

in

ne

OS 6 1

, I

· p

i n

9

· d

( C)

aud

am

aud

tab

ten

no

tum, quum conaffent, quieti se dederunt.

6. Postridie Tigranes ipse paratis rebus suis aderat, atque interim equitum ei quatuor millia cogebantur, cum Cyri de decies mille sagittariis, totidémque cetratis. Cyrus dum eæ copiæ cogerentur, mactatis hoftiis, quum facra perlidaorum tata cerneret, Perficorum ducum Medorumque concilioad. monti- vocato, prælentibus universis hæc verba fecit. 'Hi monbus oc- 'tes, amici, quos aspicimus, Chaldworum sunt: eos fioccupan- ' cupaverimus, & castellum in vertice nostrum fuerit : nedis con- ' ceffe est utrique tam Armenii, quam Chaldai, erga nos ' in officio maneant. Et sacris quidem pulchre litatum: Adp.69' humanam verò contentionem ad hæc perficienda nihil ' adeo juvare poterit, atque celeritas. Nam si montes pri. ùs quam hoftes le colligant alcenderimus : vel omnino " verticem fine ullo prælio capiemus, vel cum paucis & ' imbellibus adversariis res nobis erit. Itaque nullus fa-' cilior, magisque periculi expers fuerit labor, quam fi jam ' in accelerando tolerantes erimus. Ite igitur ad arma, & vos quidem Medi ad siniftrum latus incedite: vos autem ' Armenii parte dimidia dextrum tenete cum dimidia reli-" qua duces nobisitineris estote: vos Equites a tergo lequimini, ut nos cohortemini, sursumque protrudatis; neg; permittite, ut aliquis remissius le gerat. Hæc quum Cyrus dixisset, in manipulos sive series rectas instructumexercitum anteibat. Chaldæi postquam sursum tendi cum impetu animadverterunr, mox suis signa dant, & mutuis clamoribus se convocando, colliguntur. Cytus autem luos excitans: 'Hiquidem, ait, fignum dant nobis, O Perfæ, ut properemus. Nam fi in adscendendo hos anteverterimus, nihil hostium conatus efficere poterunt.

7. Gestabant autem Chaldæi crates, & tragulas binas, ac bellicolissimi feruntur esse inter ejus regionis incolas. Etiam daorum flipendia faciunt, quum ipsorum opera quis eget, quod & periti rei militaris fint & pauperes. Quippe folum incolunt montuolum, & cujus exigua pars opulentia est. Quum autem Cyrimilites jam propiùs à jugis montium abessent, Tigranes in itinere Cyro proximus, ait : 'An nôsti, Cyre, mox pugnandum nobis ipfis effe? Nam Armenii quidem

Chalnatio bellico-

Ja.

certè vim hostium non excipient. Cyrus id se non ignopare respondens, statim edixit Persis, ut se pararent. Nam mox insequendum este, posteaquam Armenii fuga inita propiùs ad nos holtem adduxerint. Sic ergo precedebant Armenii. De Chaldæis vero qui aderant, ubi propius Armenii accessissent, celesiter lublato, more suo, clamore, cursu in eos feruntur. Armenii more itidem suo illos non excipiunt. Verum ubi Chaldai, qui hos persequebantur, vi Cyrus derunt homines gladiis instructos adversus le sursum ten Chal dere, partim congressi propius, statim interfecti sunt, par- deos de tim fuga dilabuntur nonnulli hostium in potestatem ve- jugis munt. Simul juga montium celeriter occupantur. Ea quum monti-Cyri milites tenerent, & Chaldworum ad domicilia despi- um decerent, animadvertunt eos proximis domiciliis aufugere. turbat. Cyrus, quum milites omnes convenissent, ut pranderent, e- Adf.70 dixit. Pransi quum essent, animadverso locum esse munitum, & aquis irriguum, ubi speculæ Chaldæorum erant: flatim ibi castellum exstruere cœpit. Simul Tigrani mandat, ad patrem mitteret, eumque statim adesse juberet, & omnes faoros ac lapicidas, quotquot haberet, lecum adducere. Dum hic nuntius ad Armenium pergit, interea Cyrus cum iis, qui aderant, structuræ intentus erat.

m

m

j-

d-

n-

C-

1e-

IOS

m:

hil

ni.

ino

&

fa-

am

& em

eli-

qui-

neq; Cy-

ex•

cum ituis

ilu-Per-

ante-

IS, ac

tiam od &

olunt

n au-

110

Cyre,

iidem certe

8. Ibitum captivi ad eum vincti deducuntur, nonnullis mer eos vulneratis. Hos ut vidit, mox vinctos folvi, vul- Cyri erneratos arcessitis medicis curari præcipit. Deinde Chaldæ- ga visalloquitur, 'non se venisse quod cuperet eos perditos, dos bu-necidem bello sibi esse opus: sed interArmenios Chaldæ. maniolque pacem velle facere. Priùs autem, quam a nobis hæc tas. piga tenerentur, icio vos pacem non expetivisse. veftræ in tuto positæ res erant, & Armeniorum facultates agere & ferre l'olebatis. Nunc quo sitis loco, perspicitis. ltaque vos ego, qui capti estis, domum dimitto; vobisq; Potestatem facio cæteris cum Chaldæis deliberandi bellum- Cyrus ne gerere nobiscum velitis, an amicitiam colere. Belium benigquidem si præferetis, inermes huc nè revertinini, si qui-nitate dem lapitis, fin pacis egere vos putabitis, mermes acce- sua Quod fi nobilcum amicitiam interitis, equidem Chalcurabo, ut bene res vestræ se habeant. Ea Chaldæi quum daos siaudissent, multis verbis collaudato Cyro, ejulque dextram bi con-

amplexi, domum discesserunt. 9. Armenius, ut à Cyro le arcessi qualque res ille gereret, audisset: adlumptis fabris, rebusque cæteri, quascunq. putabat usui futuras, quam poterat celerrime ad Cyrum conlendit. Eum ubi vidit, 'Mi Cyre, ait, quam multa res nos homines aggredimur, quum tamen eventus futurorum

ciliat.

Adp.71
ArmeniusCyro gratias a.
git.

to.

paucissimos prospicere possimus? Nam & ego nunc in co. natu parandæ libertatis, majorem in servitutem, quam an-\* tehac unquam, incidi, postquam vero capti sumus, jamque certo nos perisse putavimus, majorem nos quam hactenus unquam, incolumitatem adeptos videmus. qui nunquam multis nos detrimentis afficere definebant, hos ego jam illo in statu esse video, quo hactenus opta-Tuque scias velim, mi Cyre, multo me majorem daturum fuisse pecuniam, ut jugis hisce Chaldæi depellerentur, quam tu nunc à me acceperis. Adeoque jam præstitisti, quæ nobis præstiturum beneficia pollicebare, quum pecuniam illam acciperes. Itaque præterea debere nosalias etiam tibi gratias manifestum est, quas sanè nos, si homines improbi effe nolimus, turpe fuerit tibi non referie: cui licet referamus, tamen ne fic quidem ex dignitate ge-10. Hæc Armenii verba fuerunt. Chaldæi verò ad Cyrum

rere nos erga virum preclaré de nobis merente reperiemur. venientes, ut pacem foi conficeret, orabant. Eosilleinterrogabat: ' Ecqua de caulsa, Chaldæi, alia nunc cupitis, nifi quod existimatis, securius vos in pace, quam bello victuros? quando nos etiam pacis hanc ipsam caussam auferimus, qui tamen hæc juga nunc tenemus. Affensi funt Chaldai. Et ille, quid igitur, inquit, si alia vobis commoda ex pace præterea proveniant? Majori etiam, aiunt illi gaudio afficiemur. Verum quid est aliud, cur esse vos jam pauperes arbitremini, nisi quod fertilis soli vobis copia non est? In hoc etiam quum affensi effent. Quid ergo subjecit Cyrus, velletisne vobis pendentibus ea quæ cæteri Armenii pendunt, liceret tantum agri Armenii colere, quantum vobis ipsis liberet? Si sidem habeamus, aiebant Chaldai, nullam nobis injuriam illatum iri. Tu vero, Armenie, inquit, an velles solum id, quod modo incultum eft, cultum reddi, fi cultores id, quod apud te consuetum est, penderent? Magno se hoc redempturum, ait Armenius quòd ea ratione reditus longè fibi futurus effet auctior. El quid, inquit, vos Chaldæi, quum montes fertiles habeatis an etiam velletis Armeniis permittere, ut pascua in his ha berent, si vobis illi quod æquum esset, penderent? assentie banturChaldei, quòd magnas se capturos utilitates sine ullo labo re dicerent. At tu, Armenie, vellesne pascuis horumuti, si pro parvoChaldæorum commodo multo majores ipie utilitates caperes ? Et valde quidem, ait, si pascuis tuto frui liceret Nimirum, ait, tuto his fruemini, fi vobis in his jugis auxili prætto fint ? Affentiebatur Armenius. At nos profecto, inquiunt Chaldai, nequaquam tuto non modo istorum sed ne no-· ftruit

pro

qui

pec

Itac

C

ad cui

tat

0+

n.

m-

te-

im

int,

ta-

em

lle-

Tæ-

lum

ali-

no-

: 911

ge-

mur.

rum

nter-

s,nifi

ictu-

iferi-

Chal-

moda

t illi

e vos

IS CO-

ergo

cæteri

olere.

iebant

vero

ultum

uctum

nonnis

or. E

beatis

his ha

Tentie.

lo labo

i,fi pro

ilitates

liceret

auxilia

o,inqui-

nè no-

ftrum quidem agrum culturi simus, si juga montium isti teneant. Quid verò, si vobis, inquit, auxilio sint ista juga? Adp.72
Nimirum ità, respondebant illi, bene nobiscum ageretur. Sed
profectò, ait Armenius, non bene nobiscum ageretur, si juga montium hi reciperent præsertim castello munita. Et Cyrus
Gyrus, Ego verò sic faciam, inquit, neutris vest ûm hæc pacem
juga tradam, sed nos ea custodiemus, ac si alteruri verinter
strüm auctores injuriæ suerint, à læsis stabimus. Hæc quum Armeutrique audissent, collaudarunt; solaque hac ratione pacem nios Es
firmam fore dixerunt. Atque his adeò conditionibus sides Chaldarultro citròque data est ab universis quum convenisset, ut os facit,
per utrosque libertas utrisque sua constaret; ut connubia, Pacis
cultus agrorum, pastiones utrisque communes essent; ut conditi-

communibus copiis lele juvarent, fi quis alterutros laderet. ones. ir. Ad hunc modum illa tunç gesta funt, & hac lanè pacta, inter Chaldæos & eum, qui Armeniam tenet. id temporis inita, hodiéque durant. Postquam ità convenisset, flatim utrique castellum, quasi quod effet commune, conjunctis alaciiter operis exstruunt, & una res in id necessarias important. Appetente autem velpera Cyrus utiolque velut amicos jam inter le, convivas in cœna luos esse voluit, inter conandum autem, quidam ex Chaldwis inquit 'cæreris quòd suæ gentis omnibus hæc optabilia accidere: verum 'quoldam Chaldæos effe, qui rapto viverent, ac terram neque scirent colere, neque possent; quippe qui victum armis quærere consuescunt. Semper enim latrocinari solitos 'tipendiaque crebro meruisse, partim apud Indorum regem, quem illi auro abundare dicebant, partim apud Aftyagem. Licyrus: Cur igitur non etiam modo apud me stipendia faciunt? Nam ego tantum eis dabo, quantum aliquis unquam dedit. Adstipulati sunt ei, multosque fore dixerunt, qui hoc facere vellent. Et de his quidem ita convenit.

proficifci, recordatus venisse ad Medos ad Indum sæpe 12.
proficisci, recordatus venisse ad Medos ab hoc quosdam, Cyrusde qui, quid rerum apud ipsos gereretur, explorarent; eosdém. mittenque deinde ad hostes etiam abiisse, ut illorum quoque res do ad pecularentur; scire volebat Indum quæ ab se gesta suissent. Indum laque sic orsus est: Dicite mihi, tu Armenie, vósque legato. Chaldæi, si quem ego meorum ad Indum mitterem, ve-consili-strúmne aliquos adjungeretis, qui & itineris duces ipsi, & um ca-adjumento essent, ad impetrandum ab Indo ea, quæ ipse pit. cupio? Nam equidem accedere nobis adhuc aliquid pecu-Ad p.73.

niæ velim, ut & iis stipendia numerare, quibus opus est, abundè possim; & alios militiæ socios pro meritis & digni-Lestio late largiendo cohonestare. His ego de caussis quàm maxi-margi-

main nis.

K 2

e mam pecuniæ mihi copiam esse volo. Quamvis autem fatuam, mihi opus eis esse; libenter tamen vestiis parco ' (nam vos ego nunc amicorum in numero pono)non illiben-' ter ab Indo has accepturus, si daret. Itaque nuncius, cuiduces ut detis, aque adjumento sitis, hortor, quum eo venerit, in hunc modum loquetur. Cyrus ad te me mifit, ' inde pecunia sibi opus est dictitans, quòd à Persis alium etiam domo exercitum exspectet; omnino enim exspecto, inquit. Quapropter si tantum pecuniæ, quantum tibi con-· ceditui, miseris, ait se, si felicem reium exitum Deus dederit, effecturum studio suo, ut existimes, bene de rebus ' tuis consuluisse, qui sis ipsi g ausicatus. Hæc qui à me mittitur nuncius dicet : quos autem vos allegabitis, eis ' ipli, quod ex usu fore puratis, imperate. Pecuniam quidem, inquit, ab eo si acceperimus, major nobis illius co. pia fuerit: sin aurem, scimus nullam à nobis ipsi gratiam deberi; adeoque nobis integrum erit, quod ipsun attinet, omnia nostro ex ulu administrare.

n

qu

eff

Op1

tat

cun

que

Tum fect.

tur

nare

que laud

egre

quoc

dign

quid orna

16.

qui er ii, lat

nobis

quibu.

dignu.

reperi labora

teinse

1 3. Cyrus laudis pidus.

13. Hæc Cyrus aiebat, quum quidem existimaret, Armeniorum Chaldæorumque nuncios ejusmodi de se dicturos, qualia de se universos homines & dicere cupiebat, & audi-Eglo re. Ac tum quidem, ubi visum fuisset opportunum, conturie cu bernio soluto, quieti se dederunt. Postridie Cyrus hune nuncium allegabat, quum in mandatis ipfe dediffet ea quæ dixerat: & Armenius ac Chaldæi cum hoc suos mittebant homines quos ad agendum hoc negotium maxime idoneos arbitrabantur, & ad prædicandum ea de Cyro quæ conve-Secundum hæc Cyrus, quum & præsidiariismilitibus impositis, quot satis essent & rebus necessariis omnibus, castellum absolvisser, ac Medum eis præfecisset, quem si præficeret, maximè Cyaxari gratam se rem facturum existimabat, discessit, sumto secum exercitu, quem adduxerat, & eo, quem ab Armeniis acceperat; utique illisetiam qui à Chaldwis accesserant, hominum ad quatuor millia. qui sanè reliquorum omnium se præstantissimos arbitrabantur.

14. Ubi autem in regionis loca culta descendisset. Arme niorum nemo se domi continuit, nec vir, nec fæmina: led nti Cy- obviam processerunt omnes ex pace voluptatem capientes; a rum re. secum quicquid alicujus pretiiquilibet haberet, ferebant, a gebant. Atq; his Armenius minime offendebatur, quod Cy tem ex- rum magis noc modo delectatum iri delato ab omnibus ho cipiunt, nore putaret. Tandem & uxor Armenii occurrit, filias ac mi Adp.74 norem natu filium fecum ducens: ac præter alia munera, il lud aurum quoqsafferebat, quod Cyrus accipere pridemnolue

n

00

11-

U-

6-

it,

m

0,

n-

le-

us

me

eis

ui-

000

ti-

at-

11.

05,

di-

tu-

unc

uæ

ant

eos

VCili.

nni-

uem

rum

dux

13m

illia

1112

Ime

: lec

es; ac

130

nat, Hoc Cyrus ubi vidiffet: vos effecturi non eftis, inquit, ut mercedis caulsa hinc inde proficilcar, ac bene merear. Retine tu, mulier, hanc pecuniam tibi, quam affers, neque posthac Armenio dederis eam defodiendam: led filium tuum potius his exornatum quam pulcherrime in militiam mittito. De reliquis & tibi, & mavito, & lexus utriusque liberis id parato; quod confequuti, & quo ornati, elegantius atque jucundiu vitam agatis. Ubi vero quilque vità defunctus erit, latis efto corpora lub terra condi. His di-His Cyrus prætervectus eft, deducentibus fimul & Armenio, & reliquis hominibus universis, qui quidem eum & benefattorem appellabant, & vieum illum bonum: idque contipuò faciebant, donec extra regionem luam deduxillent. Armenius verò etiam majorem exercitum ei adjunxit, quia domi pacem haberet.

15. Sic ergo Cyrus abiit, non solum ea pecunia ditatus, quam acceperat: led etiam ad multo majorem, quam hæc est, aditu morum elegantia parato, ut eas, quoties esset opus, sumere posset. Ac tum quidem in finibus castra metati sunt. Postridie copias & pecuniæ partem, Cyaxari milit; (& aberat is propè, quemadmodum dixerat:) iple um Tigrane, ac Perlarum optimatibus venabatur, ubicunque in feras incidisset, atque ità se oblectabat. In Medo-Cyri linum vero regionem quum pervenisset, suis cohortium præ- heraliktis pecunias dedit, quantum cuique saris esse arbitraba-tas in ur: ut illis etiam non deesset unde honoris ergô suos or- milites. Mient, il quos magni facerent. Existimabat enim, si quilque partem exercitus fibi mandatam efficeret talem, ut ludari mereretur: etiam futurum, ut totus exercitus gregie comparatus esset. Quin & iple, si quid videret, quod exercitui posset esse ornamento, id ubi acquisivisset, agnissimis quibusque donabat. Nam arbitrabatur, quicque in exercitu pulchrum effet ac præclarum, id omne tibi omamento cedere.

16. Quando autem accepta distribuebat, hujus modi verbis inter cohortium piæfectos, & manipularios, & omnes illos, qui erant apud ipsum in honore, utebatur. Frui quadam, amialatitia in boc tempore videmur, tum quod opum copia quadam mbis accesserit, tum quod nobis sit, unde honorem habere liceat iis at, a subus visum fuerit; co existent nobis est ad animum, as a de cy lignus. Omnino autem revocandum nobis est ad animum, as a de commoda perererint. Nam si rem considerabitis, is ho didudia nobis hac commoda perererint. Nam si rem considerabitis, is ho didudia nobis hac consequutos, Es vigilando, quum opus erat, Es un consequutos, Es vigilando, quum opus erat, Es un consequutos. subus visum suerit; Es existimare, quibus quisque pramiis sit ignus. Omnino autem revocandum nobis est ad animum, cujusmo- Ad p.75 colue kinceps quoque viri fortes sitis necesse est, atque etiam statuatis

16.

17.

Cirus

in bo

gilat.

18.

voluptates magnas, & ingentia bona non nisi ab obedientia & tolerantia, & ferendis, ubi poscit occasio, labori-

al

qu

du

pa

tu

m

m

er

a

ne

21

di

hi

re

m

&

bis

au

do

at

du

lo

fio

Po

m

&

fer

arpo

pon

pic

agi

eff

fun

COL

ue em j

ddit

itui

tian

12 |

bus periculilque proficilci.

fectos aprè instruebantur.

17. Quia verò animadverteret Cyrus, & corpora militum recte ad labores militares perferendos esse comparata,& animos iridem ad contemnendum hostem: præterea peritos eorum esse, quæ usus armorum in unoquoque requireret; ac omnes etiam ad parendum prafectis fuis paratos effe videret : de caussis hisce jam aliquid eo um gerere cupiebat quæ adversus hostem suscipi solent. Intelligebat enim, in cunctationibus plerumque ducibus copiarum etiam praclare parata labefieri & mutari. Videbat item plerolque mi. lites ambitione cuctos, in iis, de quibus erant inter iplos certamina, fibi mutuo invidere. Quare hac quoque de caulsa quamprimum eos in hostem educere vol. bat. Nam stem du-pericula communia benevolentiam inter commilitones mutuan cere co. excitant; ad quæ ubi perventum est, nemo aliis, quibus ornatissima sunt arma, nemo gloriæ cupidis invidet : sed potius, & collaudant, & complectuntur hujusmodi fibi fimiles, quod eos fecum in juvanda publica re conjunctos existimant. Primum igitur armatum exercitum, quan poterat pulcherrin è, & optimè, instruxit : deinde ouces decem and ium, & tribunos, & cohortium prætectus, & manipularios ductores convocavit. Nam hi liberi erant, ut in militarium ordinum numeris non recenserentur. Quimque vel imperatori parendum erat, vel denunciandum aliquid, non ideireo pars ulla rectoris expers relinquebatur ted reliquæ copiæ per duodenum & senum militum præ-

> 18. Posteaquam vero jam ad ipsum convenissent, quorum prælentiam res ipla postulabat, deducebat eo per aciem Cyrus; & ubi recte instructa effet, oftendebat, & qua parte fir ma esse auxilia singula, docebar. Quámque in his etian desiderium & amorem gerendi aliquid excitasset, tunc qui dem jussit, suos ad ordines irent, & quemlibet suorum edo-

Cyaxa- cerent quæ ab iplo didicissent, & hujus militiæ cupiditatem ri Cyrus in omnibus accendere conarentur, ut alacri maxime anima dat con- iter omnes ingrederentur, ac manè Cyaxaris ad portam piasto essent. Illi tunc abeuntes, quod jussi erant, secerunt Postridie quum illuxisset, aderant ei de suis ad portam, quos de duoportebat. Itaque cum eis ingressus ad Cyaxarein Cyrus, hucenais in ho- jusmodiorationem orsus est: 'Scio quidem ea, mi Cyanares fem co- quæ dicturus fum, jampridem tibi non minus, quam nobis ' videri: sed fortassis proferre te pudet, nè si mentionemes, Ad p.76 'ercicus educendi facias, graviter ferre videaris, annonas, 6 205 Ti-

ili

,&

tos

t i vi-

oat.

, in

mi.

plos

de

am

uan

ibus

fed

i fi

ctos

iam

uces

, &

ant

in-

ali-

TUI

31

rum

Cy

e fir-

tiam

qui

edo-

atem

nimo

præ.

runt.

quos

is, hu

Maies.

nobis

mex

nonas 0 209

abs te nobis dari. Quando tu igitur taces, ego tam tuo, quam nostro nomine rem exponam. Quippe nobis omnibus videtur, quum parati fimus, non tunc demum pugnandum effe, quum tuos fines hostes invaserit, nec in regione pacata residentibus illum expectandum esse: sed in agrum hostilem quamprimum eundum esse. Quum enim modo tua in regione fimus, multa tuorum per nos etiam invitos detrimentum capiunt. Ac si hostium in regionem discedamus agros eorum cum voluptate populabimur. Præterea magno sumptu tuo nunc alimur. Sin tuos extra fines exercitum educamus, ex iplorum ditione victum habebimus. lam vero fi majus nobis ifthic periculum, quam hic, immineiet: fortallis id, quod tutissimum, esset eligendum. Nunc Ledio autem & illi futuri funt iidem, five adeo hic eos exspe-margidemus, seu in ipsorum ditionem progressi obviam eis ea- nis. mus: & nos iidem futuri fumus, sive ipfos advenientes hic excipimus, leu prodeuntes adversus eos manum contetemus. Verum longe nos militum animos alacriores & firmiores experturi fumus, fi adversus hostem contendemus, & in adversariorum conspectum non inviti venire videbimur. Itidem illi multo nos magis metuunt, quum nos audient, non ut formidolosos, iplosum metu percelli, ac domi desidere, sed animadverso eorum adventu occurrere, at quam celerrime pedem conferamus: non item operiri, dum regio nostra detrimento afficiatur, sed præcepto ip. lonum conatu, terram eorum populari. Atqui formidolowes iplos reddi, nos audentiores, in lucro nobis infigni ponendum existimo. Nam equidem statuo, minus hoc modo nobis, hostibus plurimum periculi futurum. Quin & pater meus, & tu dicere soletis, cateris omnibus adlentientibus, de pralies judicium fieri potius ex animis, quam uporum viribus. Hæc Cyri oratio fuit, cui Cyaxares repondit: 'Mihi quidem, mi Cyre, ac vos Perlæ, nelulpicemini esse graves vos alere. Sed in hostilem tamen Ad 2.77 agrum ut progrediamur, eriam mihi jam ad omnia melius elle videtur. Quando igitur, ait Cyrus, eadem in lententia lumus, colligamus vala; & si res divina votis nostris confestim annuerit, quam primum egrediamur. Quummiliti secundum hæc edixisset, ut vasa colligerent, msacram Jovi primum Regi, deinde Diis cateris fecit, this precibus, ut & propitii benignique essent, & exerimi se duces, bonosque commilitones & socios, arque tiam reium utilium consultores præbere vellent. P.ærea Heroas Medorum terræ incolas & curatores imploravit.

19. Cyrus ercitt Allyrivadit.

19. Quum autem rite litaffet, & totus exercitus ad fines fine mora pervenisset: bonis avibus hostile solum invasit. eum ex- Ut veio p imum fines transierat, Tellurem libationibus propitiam fibi reddidit, & Deos atque Heroas regionem Affyriorum incolentes sacrificiis placavit. Quibus peractis um in ruilum Jovi patrio rem divinam fecit, nec fi quis alius fe Deorum efferret, ullum neglexit. His ità ritè curatis, flatim pecitibus itinere non magno promotis, castra metati funt : equitatu vero ad excursionem usi, prædam ingentem ac variam obcinuerunt. Deinde motis castris, à commeau abunde instructi, regionem omnem depopulabantur, & hostem exspectabant. Qui quum advenire jam, & abesse non amplius decem dierum itinere diceretur, tum veio Cyru ait : Jam tempus est, mi Cyaxares, ut occurramus : neque com mittendum, ut vel hostibus, vel nostris metu prapediri videamur quò minus adversus ipsos progrediamur: sed palam declaremus non iliubenter nos pralium inituros. Quæ cum Cyaxari quo que placerent, semper deinceps instructi tantum quotidi procedebant, quantum iffis commodum videretur. Etca nam quidem nunquam non sumebant, dum adhuc luceret noct u verò ignes in castris nullos accendebant. Antecastri tamen excitabantur, ut ignis adjumento cernerent, fi qui no ctu accederent, atque iffi ab iis contià non cernerentu Sæpenumero ettam post castra fallendis hostibus ignes ac Itaque nonnunquam exploratores in excubia cendebant. ipforum primas incidetant, quod se procul adhuc acasti abesse arbitrarentur, quia post castra ignes excitatiessent

e

n

0

70

en

des

fib: per fi m

Bui Speci ipsis

urf ont Nun

ion /

itqui mod imu udu; res,

is ex

22,

bat, inæ

anc c

dum

fore

taten

mon

volu

ac m

tata . udi

20. Et Assyrii quidem cum iis, quos secum habeban 20. Affyrii quum jam exercitus propius ad se invicem accessissent, sols fossa se le cingebant : quod barbari reges hodiéque faciunt. Na cingere castra quum metantur, facillime se fossa, ob ingente hominum multitudinem circundant. Norunt enim, copi foliti. Ad p.78 equeftres noctu esse tumultuosas, & usum habere difficiles præsertim si de barbaris coactæ sint. Etenim hi equos h bent ad præsepia compeditos. Itaque si quis eos invadi operolum est noctu equos solvere, frænare operolum, op rolum insternere, operolum induere loricas: atque ubi ja equos conscenderint, fieri prorsus nequit, ut equites p caftra vehantui. His omnibus de caussis cum alii barbas tum illi munitionibus se circundant. Simul etiam exil mant, si locis sint munitis, habere se potestatem piali quum volunt, non committendi.

21. Dum hæc agerent, appropinquare sibi ceperunt. Quúm jam accedendo alteri ab alteris ad parasange intervallu abessent, Assyrii hoc, quem indicavimus, modo metebant cafte ies fir

ous

ein

tis

s fe

fta-

tati

tem

atu

ho-

non

yru

mur mus

yuo

tidi

t co

eret

aftr

i no

ntu

s acubia

ftri

ent

ban

fols

Na

enter

copi

os h

vadi

, op

ibi ja

tes.p

arban

exilt

piæli

uúm

vallu

ebant

videa-

caftra, loco quidem fossà munito, sed oculis exposito; Cy- Cyri fosusautem sic lua locabat, quantum sanè poterat ut minime lertiain conspicerentur, etiam à fronte vicis & tumulis objecti . locandis Nam existimabat in bellis omnia, si subito conspiciantur, ad-castris. persariis esse mirabiliora. Et illa quidem nocte, quemadmodum par erat, utrique constitutis excubiis, quieti le dederunt. Postridie Assyrius, & Cræsus, ducesque cæteri co. pias intra munitiones quielcere jusserunt Cyrus & Cyaxares, instructis luis, tanquam pugnaturi, si homines accederent, exspectabant. Quum autem jam pateret hostes extra munitiones illo quidem die non prodituros, neque conterturos manum, Cyaxares arcessito Cyro & omnibus, quos adesse oporteret, in hanc sententiam locutus est: Equidem, viri, nobii existimo sic, uti nunc instructi sumus, ad horum munitiom accedendum esse ac declarandum nos pugnandi cupidos. Etenim hoc modo illis contra non prodeuntibus, nostri eos longe audentius invasuri sunt, & hostes audaciá nostrá perspectá, magus shi metuent. Hæc illius sententia fuit. Verum Cyrus: Ne Cyrus per Deum immortalem, mi Cyaxares, ità faciamus, inquit. Nam Cyaxamodo, de tui confilii sententia, prodierinsus in hostium conspe-re prudum, nimirum, nec in hoc tempore nos accedentes ullo cum meru dentior. sectabunt adversarii, qui esse in tuto se sciant, ut accidere quid puadversi nequeat: Es deinde quum nuila re gest a recedemus, usum inspectis copiis nostris, easdem, ut suis impares numero, ontemnent crastinoque die multo firmioribus animis prodibunt. hunc quum adesse nos sciant, neque tamen videant: crede mibi, Adp.79 un contemptui habent sed quid hoc sibi velit, sollicitè cogitant; lou etiam, sat scio, colloqui de nobis non definunt. Sed ubi minint ipsi, tum verò Es conspiciendos eis non exhibere debeimu, & manum cum eis conserere, deprehensis illic ubi jamudum cupiebamus. Hæc quum Cyrus dixisset, tain Cyaxles, quam alii assensi sunt. Itaque tunc cœnati constituis excubiis, & ignibus ante has excitatis, quieti se dederunt. 22. Postridie diluculo Cyrus coronatus iem sacrani facibat, jussis eriam cæteris Persarum æqualibus adesse rei diine coronatis. Peracto autem facrificio, convocatis illis bomotianc orationem habuit: 'Dii quidem, milites quemadmo- mos exdum & arulpices aiunt, & mini quoque videtur, prælium bortaore denunciant, & victoriam largiuntur, & incolumitem per exta pollicentur. Me vero pudeat vos commonefacere, velle quo pacto in hujusmodi negotio gerere volmet debeatis. Nam hujulmodi æquè vos tenere novi, e meiplum; eadémque non aliter ac mihi ipsi & medi-212 & audita vobis esse, atque etiam adhuc perpetuo vos udire; ut non abs re doctores aliorum in his esse posse

## XENOPHONTIS

videamini. Si tamen hæc necdum animi confideratione complexi estis, me audite. Nostris scilicet hisce sociis quos recens adscivimus, & nobis ipsi similes efficere conamur, redigendum in memoriam erit, quem ad finem Cyaxares nos aluerir, quæ exercitationes nostræ fuerint, ad que illos ità cohortati fimus, & libenter etiam se contendere nobiscum velle dixerint. Hoc quoque in memoriam eis revocare, hodiernum diem declaraturum esse, quibus quisque præmiis dignus fit. Nam quas res sero mortales discunt, in its mirum videri non debet, quosdam monitoris opera egere. Nimirum æqui boni faciendum est, si etiam aliorum instinctu vivi fortes esse possint. Atque hæc dum agetis, simul de vobis etiam periculum facietis. Nam qui alios tali tempore novit reddere fortiores, is sibi quoque proculdubio conscius fuerit, ad perfectionem virtu-' tis se pervenisse. Qui vero hæc sibi soli suggerere potest, ' atque hoc adeò satis esse sibi ducit : is meritò le perse-' ctum exsemisse duntaxat arbitretur. Atque hæc equidem ' ipfis non expono, fed eam ob rem vobis exponenda man-' do, ut se vobis quoque probare studeant. Vos enim estis eis proximi, suæ nimirum parti quilibet. Hoc etiam ' scire vos volo, cum his, tum multis aliis, vos non ver-

bis, sed reapse suturos siduciæ magistros, quamdiu vos Adj.80 met siduciæ plenos eis ostenderitis. Tandem subjecto irent pransum coronati, peractisque libationibus, cum ip sis servis ad ordines venirent. do

ei.

te

ai

21

pro

ME

21

20

Cy

Ver

infl

cop

pro

lent

mili

an n

mole

adm

nim

non

tore

1:60

23. His abeuntibus, arcessitos illos, qui ultimis incohor tium partibus curabant, in hunc modum compellavit: Vo aqualium in ordinem cooptati, viri Perfa, atque etiam deled guidem estis, qui ut rebus cateris, vel prastantissimis paresestis sic per atatem etiam frudentia excellitis. Qua caussa est,ut la non minus, quam antistites, bonesto sitis. Nam quum extre in agmine curetis, facile viros fortes intuendo, & cohortand fortiores etiam efficitis; & si quisremissior fuerit, eum itidem o servando ignavum esse non sinitis. Quod si cuiquam alii, vobise pedit certe, superiores ut sitis; tum ob atatem, tum ob armatu pondus. Itaq; si anteriores forte vos inclamaverint, Es adseque dum hortati fuerint: velim ipsis obtemperetis atq; uti hacinga non sitis eis inferiores, vicisim & ipsos cobortamini, quo vo praeundo celeriter in hostem ducant. Nunc quidem abite, quit, & pransi quum eritis, ad ordines unà cum aliis coroni accedite. Dum his rebus Cyri milites occuparentur.

24. Assyrii jam antè pransi, audacter à castris prodibat & in aciem præsentibus animis se componebant. Instruct autem eos rex ipse curru vectus, & verbis hujusmodi que hortabatu

hortabatur : Nunc vos, Affyrii, viros effe fortes oportet. Jam enim Affyrii Et de vita certamen propositum vobis est, Et de solo, in quo estis regis ad orti; de domiciliis, in quibus educati; de uxoribus, liberis, bonis suos exque possidetis universis. Nam si victoria potiemini, borum om bortanium, ut antea, domini futuri estis : sin victi fueritis, certo vos tio. scire volo, hostibus ifthec omnia vos effe prodituros. Itaq; standum vobis & pugnandum erit, quotquot apiscenda victoria sudio flagratis. Quippe stultum est eos, qui superiores esse velint, cæcas corporis partes, & armis ac manibus destitutas, per fugam hostibus obvertere. Stultus item, quicung; vitæ cupidus, fugæ le committit, quum leiat victores la lutem confervare, ac fugientes citius interire, quam relitentes. El er is ftultus, qui opum cupiditate accensus vinci le patitur. Nam quis ignorat, & suas res salvas esse victoribus & essem praterea fortunis illorum, quos vicerint, potiri, quum vidi & leiplos, & omnia sua simul amittant?

quodam, tempus esse dicebat in hostem ducendi. Licèt enim Adp. 81 pauci jam, ait, extra munitiones progressi sunt, tamen interea, dumnos ad sos accedemus, permulti erunt. Itaq; non expessemus, donec ipsi plures nobis sint; sed eamus dum adbuc facilè superiores vis non futuros arbitramur, Ad ea respondebat Cyrus: Certò te scire velim, mi Cyaxares, nise eorum plures parte dimidià vissifuerint, disturos esse nos multitudinis metu paucos è suis invasse. Idcirco se minimè vistos existimabunt, sed aliud tibi pralium subeundum erit, in quo melius fortasse sibiconsuluerint, quam boc tempore, quo seissos nobis offerunt velut è penu promudos, ut eum quanto velimus eorum numero pugnemus. His

auditis nuntii discedebant.

e

18

ad

en-

am

ous

ries

pe-

ali-

um

am

10-

irtu-

teft,

erfe-

dem

man-

eftis

tiam

ver

vol

jecio

n ip

ohor

: Vo

delea

seftis

at lo

xtren

rtand

demo

obis 6

matu

feque

in par

120 00

bite, 1

coron

odibat

Aruet

nodi q

tabatu

26. 26. Interea Chryfantas Persa venit, & alii nonnulli ex aqualium ordine, secumque transugas adducebant. Eos Cyrus, ut par erat, de rebus hostium interrogabat. verò narrabant, armatos jam è castris prodire, atque à rege instrui, qui & ipse progressus extra castra, cohortatione opiosà & vehementi ad eos uteretur, quotquot continuo prodirent, uti quidem affirmaretur ab illis qui eum audislent. Hic Chrysantas: Quid verd, inquit, fi & tu, Cyre, Quid militem convoces, dum adduc exhortandi facultas conceditur? exhoran non Es ipse redderes eos animosiores? Cui Cyrus: Ne tibi tationimolesta sint, ait, exhortationes ista Assyrii, mi Chrysanta. Nam bus miadmonitio nulla tam præclara futura est, quæ homines mi- litarinime fortes, eodem quo auditur die fortes sit effectura: bus sit non sagittarios, nist eam artem prius exercuerint: non jacula- inbulores, nec equites; imò ne id guidem efficiet, ut corporibus in endum. libore perferendo valeant, nist se priùs exercuerint : Et Chrylantas:

Santas: Satis eft, mi Cyre, inquit, animos eorum cohortando meliores reddi. Num queat, ait Cyrus, una oratio pronunciata

eodem die, non pudore duntaxat audientium animos implere, vel à turpitudine revocare ; sed etiam excitare, ut laudis gratia laborem omnem, omneque periculum subeundum statuant, ac mentibus suis infixum habeant, optabilius esse pugnando mori, quam fugiendo falutem adipisci? Nonne si hujusmodi cogitationes bominum animis inferi debeant, & durabiles effe, pri-Adp. 82 mum leges fint tales oportet, ut earum beneficio viris fortibus bonesta Es liberalis vita paretur ; ignavis abjecta, plena dolori, acerba viau vita incumbat? deinde praceptores, ut equidem ar. bitror. Es magistros necesse est accedere, qui eis praficiantur,& tam exemplo, quam doctrina eos ad actiones illas adfuefaciant; donec infirum hoc ipfis fuerit, ut viros fortes & laudatos reaple ducant felicissimos; ignavos & infames omnium milerrimos existiment. Sic enim animati esse debent, apud quos potior futura fit discliplina, quam metus hostilis. Quod fiqui militibus armatis ad pugnam prodeuntibus, quo tempore multi etiam disciplina prioris obliviscuntur, oratione subito concinnata possit homines extemplo bellicosos efficere: nimirum facillima res omnium fuerit, eam virtutem tum discere tum docere, qua in hominum vità longè maxima est. Nam equidem ne ho quidem ipsos, qui nobis adsunt exercitati studio nostro, firmo futuros esse, polliceri mibi ausim: nisi vos bic prasentes intuerer qui & exemplo instruere, quales effe oporteat, & suggener po teritis, si quid exciderit. Apud eos verò, qui ad vinuten prortus instituti non funt, mirum mibi fanè videatur, o Chry fanta, præclare habitam orationem plus ad virtutem & for titudinem afferre momenti; quam apud musicæ imperito bene cantatum carmen ad musicam percipiendam conferat 27. Dum hujusmodi sermones inter se haberent, mitti

Cyrus felti-

denuo Cyaxares, Cyrum non recte facere fignificans, qu tempus tereret & non quam primum in hostem ducere Tum vero Cyrus nunciis respondit; Sciat plane Cyaxana inquit, nondum hostes eo numero castris egressos esse, quo opor nantem teat, atque boc cunctis audientibus ei renuntiate. Quando ta ad ine-men ei sic videtur, jam copias dudurus sum. Hæc loquutu undum ac Diis adoratis, exercitum produxit. Quumque celeriu pralium etiam ducere cepisset, præibat iple, milites sequebantu Cyaxa- lervatis illi quidem ordinibus, quod usu diuturno exercita rem im. ti, ordines in progrediendo servare scirent; & præsentibu animis, quod æmulationes inter eos existerent, corporaqu roborata laboribus haberent, & antistites in ordinum prin cipiis extra lolos præfectos nulli effent; & libenter denie quia prudentia valerent. Sciebant enim, jamdudum edocti

tuti/hmus

1

to

fia er

A

na

co

78

mi

ced

qui den

AGI

ato

res Ipla fim

ecqui prof ità v

Hoc

Is ve

muni ditt

nulti

Nam

Quæ

nvec

eq

tutisimum effe facillimumque cominus hostes invadere,prælertim

qui sagittarii fint, & jaculatores, & equites.

lo

10

el

4-

71-

ri,

gi-

71-

bus ru,

ar.

nt;

refer-

quos

quu

nata

a res

qua bos

rmo

erer

e po

nen

Chry

tor

rito

ferat

nitti s, qu

ceret

xares

o opor

ndo ta

leriu

bantu

ercita

entibu oráqu

m prin

edocti tissimum

28. Quumque adhuc extra ictum telorum essent, Cyrus 28. hanc tesseram militarem eis significari jussit: Jupiter auxiliaris & dux. Ea cum reddita vicissim ad Cyrum rediisset, Adp.83. ibi tum Pæana Caftoribus pro more primus exorlus eft, & milites universi religiosè magnà voce simul insonuerunt. Nam tali rerum momento, qui religiosi sunt erga deum, minus lomines metuunt. Pæane abloluto, æquales illi Perfici una pergebant, hilari vultu, periti ex inftitutione, mutuò conversis in se oculis, adftites substitésque nomination compellantes, atque hæc iterantes verba: Heus vivi chari! Heus Laus vin fortes! ad lequendum lemet exhortabantur. Quæ quum militum audiffent, qui ponè lequebantur, vicissim primos, ut præ-Cyri. sentibus animis præirent, clara voce incitabant; adeoque totus Cyri exercitus alacritatis, cupiditatis, gloria, roboris, filmia, cobortationis, intelligentia prudentis, obedientia plenus ent: quod equidem maxime adversariis formidabile arbittor. Apud Assyrios autem qui de curribus ante aciem primi pugmire solebant, postquam propiùs accessit agmen Persicum, conscensis curribus ad copias suas recesserunt. Sagittarii verò, & jaculatores, & funditores tela sua multo prius emisêre, quam ad hostem pervenire possent. Ubi Perlæaccedentes emissa jam tela conculcarent, tum Cyrus ità loquutus est: Jam viri fortissimi! celerius aliquis vestrum proceun sui specimen edat, & aliis hac eadem significet. Quæ illi Ardor wiba dum aliis rurlum traderent, quidam præ alacritate militum aque impetu animi præque studio conserendi manum, cur. Cyri in meeperunt, eofque tota fimul phalanx curriculo fecuta est. confirpleaded Cyrus gradatim incedere oblitus, cursu præibat, dis. simul hæc proferens: Ecquis sequitur? ecquis vir fortis? kquis primus dirum prosternet? Quibus illi auditis, idem Proterebant, adeoque per universos ut iple cohortabatur, ia vox hæc dedita fuit: Ecquis sequeretur? ecquis fortis? loc igitur modo Persæ cum impetu in hostem ferebantur. Cyri vivero non amplius suftinere poterat, sed terga dans ad etoria. unitiones se fuga recipiebat. Persæ ad iplos castrorum dirus eos insecuti, dum illi se protrudendo premerent, ultos occiderunt. Si qui in fossas delaberentur, in eos filientes, unà cum hominibus equos etiam interfecerunt. Nam currus quidem in fuga coacti sunt in fossas decidere. Ruz quum Medorum equites cernerent, in hoftium equitatu westi funt: qui quum eorum impetum declinaret, tum vero equorum & hominum fugientium persecutio, & cædes

virorumque fieri. Qui Affyriorum intra munitionem supra caput editave loca fossæ constiterant, de sagittis & jaculis in eos emittendis, qui suos occidebant, ne cogitabant quidem; uti nec facere poterant, cum ob ifta terri-Ad p.84 bilia spectacula, tum quia metu perculsi essent. Quúmque moxetiam animadvertiffent, quoldam Perlas ad munitionis aditus vi perrupisse, terga vertebant & à partibus folfarum editioribus diffugiebant. Ubi vero & Affyriorum & sociorum uxores viderunt, etiam in castris jam sugam fieri, clamore sublato discurre bant hinc indè territæ, partim liberûm matres, partim juvenculæ: vestibusque discerptis, etiam unguibus ora dilaniabant: obsecrantes eos, quibus. Cyrus à cunque occurrerent, nè se fugiendo deserrent; sed liberos, uxores, seipsos tuerentur. Atq; hic demum reges ipsi cum rum of fidissimis ad portas castrorum constiterunt, & conscensis pugna- eminentioribus locis, partim ipfi pugnabant, partim excitione tabant alios cohortando. Cyrus, ubi quid ageretur, ani. fuos re- madvertit, veritus, nè si etiam intro vi perrumperent, pauci vocat. tamen à multis detrimenti aliquid caperent : extra telorum ictus pedem referrent, & dicto audientes essent, edici justit. Ibi tum adnovisset aliquis æquales Persicos etiam ità insti-Nam & ipfi celeriter obediebant, & tutos, ut oporteret. aliis idem celeriter denunciabant. Quumque jam extra telorum ictus essent, suo quisque loco constiterunt apuis quam quilquam musicorum chorus; quòd accurate locu

unicuique suis notus esset.

## XENOPHONTIS

Historiarum de Institutione CYRI Liber Quartus.

Yrus quum paulisper istic exercitum continuisset, such such paratos esse declarasset ad pugnandum, si que egredi castris vellet: exeunte nemine, tanto suos intervalle quantum ex re fore putabat, abduxit: castraque metata locatis excubiis, atque præmissis etiam exploratoribu ipse in medio consistens, ad militem convocatum hujusmo

dixi

erat.

ac n

1-

a-

1-

ue

0-

01-

um

am

im

tis,

ul-

ros,

um

nfis

XCI-

anı.

auci

rum

ussit.

insti

nt, &

extra

ptiùs

locu

iffet, , fi qu

rervall

orationem habuit: ' Primum equidem, Perfa, Deos laudibus prolequor, atque idem vos facere arbitror: quod victoriam salvi & incolumes adepti simus. Et ob hæc quidem Adp.85 Diis gratias quibulcunque rebus possumus, persolvere nos Cyrus oportet. Vos autem non possum non equidem omnes collau- erga dare. Nam quod gestum est rei, cum magno vestrum Deos omnium decore patratum est. Verum ubi ab iis, à quibus & hoparest, scilcitatus fuero, quænam quisque promeritus sit: mines tunc ex dignitate cujulque conabor & verbis & ipla re gratum pramia vobis tribuere. De Chrylanta quidem, cohortis sedeclapræfecto mihi proximo, sciscitari alios non necesse habeo; rat. quum iple norim, qualem le gesterit. Nam & alia quæcunque vos etiam fecisse arbitror, præstitit: & quum ego pedem referre jussi, compellato nominatim iplo, tametsi gladium lustulerar, ut percussurus hostem: statim tamen mihi paruit, eoque omisso quod facturus erat; id fecit, quod imperabatur. Nam & iple suos abduxir, & aliis idem faciundum magna diligentia fignificavit. Adeoque prius extra tela cohortem abduxit, quam hoftes animadverterent nos pedem referre, quamque arcus tenderent, & magulas in nos ejacularentur. Unde fit, ut & seipsum & milites suos per obedientiam incolumes servet. Equidem ilios quoldam vulneratos video, de quibus, ubi confideravero, quo tempore vulnera acceperint, tum deinde lententiam meam aperiam. Hunc verò Chrylantam, ut bellicis in rebus strenuum & prudentem, & ad parendum & imperandum idoneum, in prælentia quidem honore tribunatûs afficio; & quum Deus aliquid aliud boni largietur, ne une quidem ejus obliviscar. Quin vos etiam universos, m, admonitos volo. Nam quæ modo in hac pugna vidiffis, ea vobis apud animos vestros nunquam non cogiandalunt; ut vobilcum iplistatuatis, utrum virtute vita confervetur, an fuga? utrum cum iis, qui pugnare volunt, melius agatur, an cum illis, qui pugnare nolunt? cujutmodi voluptatem afferat victoria. Nam de his optime jam statuetis, quum & periculum feceritis, & res ipla recens getta fit. Atque hæc il cogitabitis, nimirum meliores evaluri estis. Nunc ut accepti Deo, & fortes, & moderati viri cœnam instruite, Diis libate, Pæana præcinite, simul ut fiat id, quod imperatum est providere. Hæc cum dixiffet, equo conscenso avectus est & ad Cyaxarem venir. Cum hoc ubi communem ex gratulatione mutua, ceu par tat, voluptatem cepisset; quæque gerentur ibi, vidisset; toribu enum aliqua ipsi re opus esset rogasset, suum ad exerciijulmo um revectus est. Milites ejus posteaquam cœnati essent.

P

he

fa

111

hit

Et

fug non

not not all said for turn

te

&

ni

pe

re

qu

til

(p)

& excubias locaffent, uti conveniebat, quieti fe dederunt.

2. A syrii verò quorum & princeps, &cum hoc ferè fortissi-Adp. 86 mus quisque occubuerat, univerfi magno erant in mœrore; Regem multi etiam fuga noctu è castris dilabebantur. Quæquum Cicelus, & reliqui focii viderent, animis angebantur, nam intelli- erant omnia dira. Præfertim verò maximum mœrorem uni. git, ut versis afferebat, quod ea natio, cujus in exercitu principa. infià, tus effet, nec animis nec confiliis amplius fibi conftare vi-Affyrii deretur. Itaque nocturna tuga castra deserunt. Quum veio Esipso- illuxisset, & solitudo in caftris hostium cerneretur: mox rum fo- Cyrus Persas primos eò traduxit. Reliquerant autem hostes cii fugi permultas oves & boves multos & multa multis bonis reunt no. ferta plaustra. Deinde Medi etiam, qui erat cum Cyaxare omnes transierunt, & hostium in castris prandium paraetu. runt. Quo peracto, Cyrus convocatis suis cohortium præfectis in hunc modum locutus eft: Qualia, milites, quanta. que bona, divinitus nobis oblata, dimittere videmur? Nam videtis ipfi, metu nostra perculsos hostes suga sibi consuluisse. Qui autem munitionibus, in quibus erant defertis aufugiunt; hos quonam modo possit existimare quisquam substituros, ubi nos in planitie viderint? Qui onos item minime fuftinuerunt, quum necdum expertino effent quo pacto nunc suftinebunt quum & victi sunt, & multis à nobis incommodis affecti? Quorum fortissimiqui que ceciderunt, quomodo vilissimi pugnare nobilcum ve ' lint? Hie quidem: Cur igitur non quam celerrime, in " quit, eos persequimur, quum tanta nobis bona manisest offerantur? Et Cyrus: Equis ad hoc nobis opus effet, ail " Hostium verò qui præstantissimi sunt, & quos esset jan opportunum maximè vel capere, vel occidere, domun equites redeunt. Eos deorum ope nos in fugam quiden Cyri de vertere potuimus, at idonei non fumus ad capiendumeo

' persequendo. Cur igitur, inquiunt, non Cyaxarem accedis quendis 'atque hæc ipfi exponis? Vos vero, ait omnes una me lequi hostibus ' mini, ut omnibus nobis hæc placere videat. Itaque uni consili- versi tum Cyrum sequebantur, & quæ viderentur ad rem quam postulabant, accomodata, dicebant. \$1312.

3. Cyaxares partim quod ipfi primi de hoc retulissent Cyaxa- quasi subinvidebat: partim, quod recte se fortasse sacturum res ne- existimaret, si rursum periculo se non exponeret, (nam & gat per\_ iple hilaritati tunc indulgebat, & complures Medos iden Jequen- facere videbat) in hunc modum respondit : Inter homines ca teros, Cyre, vos Persas maxime hoc operam dare ut immodio nuili voluptati addicti sitis, equidem & oculis & auribus cog

-

Ti-

e:

ini

m

ni.

pa-

vi-

erò

nox

ftes

Te-

axa-

arâ-

præ-

nta-

ur ?

fib

ant

mare

Qui

ino

, &

qui

n ve

, in

ifeft

t, ail

t jan

omun

uiden

ım eo

cedis

Lequi

ie uni

d rem

Aurun

mesca

novi, Mihi verò multo magis expedire videtur, ut in maxima Adp.87 poluptate continentiam aliquis suam declaret. Quid vero volupratem hominibus majorem conciliaverit quam fortuna profpera? qua quidem hoc tempore nobis obtigit. Si ergò quum res nobis secunda sint, prudenter hanc conservemus, fortassis in vita beata fine periculis senescere possimus. Sin ejus nulla nos capiet satietas, sed aliam ex alia persegui conabimur, videte, ne idem nobis accidat, quod accidisse multis in mari dicitur, ut elatiforuna prospera finem navigandi facere nollent, donec interirent: hidemque multis, qui victoriam adepti, dum alteram expeterent, priorem quoque amiserunt. Nam si hostes, qui sunt in fuga, pauciores nobis essent, fortasse tutum esset pauciores persegui. Nune verò consideres velim cum quantula ipsorum parte nos ommu pralio congressi, vicerimus. Cateri pugna abstinuerunt, quos sad pugnandum non cogemus, & nostrûm & sui if sorum ignari, propter imperitiam & animi mollitiem, discedent. Sin animadcotent, nihilò se minus in periculo fore, si abeant, quam si refant: vide, ne cogamus eos, ut prater animi sententiam fortiter se gerant. Nam scire debes, non tam illorum uxores ac beros capiundi te cupidum esse, quam illi servandi sint cupidi. Etiam sues cogita, posteaquam conspecta sunt, cum sobole sua ugere, tametsi multa numero sint. Ac si quis sobolem venetur, nonjam amplius, ne si una quidem sit, fugit: sed eum, qui cathe conatur, invadit. Nunc quidem intra munitionem occlust pufatem nobis fecere velut è penu quodam promendi, Es pughandi cum tanto ipsorum numero, quanto nobis visum esset. Aplata in planitie cum ipsis congrediemur, divisisque copiis funt partim nobis à fronte, quemadmodum modo accidit obsilm; partim à latere uno, partim ab altero, partim denique à ngo: vide nè cuique nofirum multis & oculis & manibus fubrum sit opus. Praterea nolim, inquir, Medos equidem, quos une hilaritati indulgere video, surgere jussos ad periculosum iter gere. Cujus sermonem Cyrus excipiens: 'Neminem vero coegeris, ait: fed illos mihi tantum concedito, qui lubentes sequentur. Fortassis er iam ità redibimus, ut & tibi, Cali-& amicis hisce tuis singulis afferamus ea quæ grata om- dum (ynibus futura fint. Nos enim totas hostium copias non vi conperlequemur: nam quo pacto possimus eas assequi? verum silium liffent liquid vel avultum ab exercitu nacti erimus, vel a tergo fallendo relictum, id ad te redeuntes adducemus. Enimvero tu Cyaxanam & quoque cogita, nos rogatu tuo venisse longo itinere, ut ri. s iden tibi rem gratam faceremus. Itaque te vicislim nobis Adp.88 gratificari æquum est, ur & ipsi aliquo cum emolumento nmodic domum redeamus. & omnes ad thelaurum tuum non rebus cog spiciamus. Hic Cyaxares: Si quis, inquit, sponte sua te 71001. lequatur,

fequatur, equidem tibi gratiam quoque babiturus fim. Mitte igitur mecum quendam de tuis bifce fide dignis, ut que tu juffe.

Caris

Medi

ofera,

libio

primo

iu, exponat. Age verd, inquit, quemeunque borum volueris, accife. Forte Medus ille aderat, qui aliquando cognatum se Cyri dixerat, & osculum ab eo tulerat. Itaque mox Cysus: Sufficit, ait, bie mibi. Licet ergo, inquit, te fequatur. Tuque adeò dicito, ait, ut eat cum Cyro, qui volet. Ita recepto Cyrus ad fe homine, quum exisser, statim dixit; Jan Sane declarabis, verum ne locutus sis, quum te diceres voluttatem ex aspectu mei capere. Equidem te non deseram, inquit Medus, si quidem boc dicis. Et Cyrus : Ergone cateris de quo itidem, ait, hec studiose expones? Ille Joven teffatus: Profedo, inquit donec efficiam, ut etiam tu me libenter afpicias. Missus igitur à Cyaxare, quum alia Medis animo prompto 11:2111r. denunciavit: tum etiam addidit, se à viro præstantissimo & pulcherrimo, atque etiam, quod maximum esset, à Diis

gatio.

oriundo, abelle nolle. 4. Dum hæc à Cyro geruntur, divinitus quodammodo Hyrca- accidit, ut ab Hyrcaniis nuncii venirent. Sunt autem Affymorum riis Hyrcanii finitimi, natio non illa quidem magna, qua ad Cy- etiam de caulsa imperio Affyriorum subjecti erant; sedequerum le ftris tamen & tunc fuit habita, & adhuc habetur. Ideire utebantur opera ipsorum Assyrii, quemadmodum Lacedæmonii Sciritarum: nec in laboribus, nec in periculis ei parcebant. Atque hoc iplo tempore jusserant, utagmen ipfi extremum tuerentur, qui erant equites circiter millenu mero: ut si quod à tergo periculum imminerer, id ante se subirent. Et Hyrcanii, quod ultimo loco iter factui erant, etiam currus suos, & domesticos, ultimos habebant. Nam pleræque nationes Afiaticæ in expeditionibus eos, quot habent in familia, secum ducunt; quem morem Hyrcani hac etiam in expeditione servabant. Quúmque ad animo eis accidisset, cujusmodi quædam ab Assyriis perpeterentur, & horum principem è vivis excessisse, victos iplosesse magno exercitum metu teneri, socios dejectis esse animis ac deficere: hæc quum secum ipsi cogitarent, visum est op portune hoc tempore defectionem fieri posse, si secum Cyn

d

tı

91

Ve

Ca

ej

H

pr

ba

Pro

for

rio

mi

110

eft

Ad 1.89 exercitus hostes adoriri vellet. Itaque nuncios ad Cyrun mittunt, cujus nomini à prælio maxima celebritas accesserat. Qui missi erant, exponunt Cyro, jure se Assyrios o. disse: ac si quidem eos hoc tempore aggredi vellet se quoque socios ac duces irineris futuros: simúlque commemorabant, quo loco res hostium essent, quod eum excitari maxime ad expeditionem hanc suscipiendam cuperent. Et Cyruseos interiogans: 'An existimatis, inquit, nos adhue

itte

Te-

1713.

uin

Cy-

itur.

re-Fam

ijta-

quit

tenis

Pro-

clas.

mpto limo

Diis

nodo

Affy.

qua

eque.

circo

cedæ-

is eis

men

e nu

elub-

crant

Nam

quos

rcani

nimo

eteren.

oselle

nimis

eft op

m Cyr

Cyrun

ccesse-

110S 0

e quo-

memo

xcitar

nt. Et

sadhue

eos

cos affequuturus prius quam intra munitiones se recipiant? Nam hoc ipfum nos magnæ cladis loco ducimus, quod clam nobis aufugerint. Ea verò dicebat, quod illos fiducia fut maxime confirmari vellet. At illi responderunt, etiam postridie fieri posse, si statim à diluculo expediti pergerent, ut eos affequerentur. Nam præ turba, & plaustriseostarde iter facere; ac præterea quod nocte superiore vigilaffent, ideirco jampaulum progressos castra fecisse. Ergone fidei pignus aliquod habetis, quo planum nobis fiat, vos in eis, quæ dicitis, veraces esse? Obsides, Hyrca-'inquiunt, actutum hine profecti, hae nocte vobis adducere volumus. Tu modo Diis testibus fidem nobis dato, 'dextramque jungito, ut quæ abs te acceperimus, ad alios 'etiam afferamus. Secundum hæc fidem eis dedit, fi præftent ea quæ polliceantur, ità le illos omnino & amicorum & fidorum hominum loco habiturum ut deteriori apud le conditione non essent, quam vel Persæ vel Medi. Atque hacetiam tempestate videre est, & sidem Hyrcaniis haben, & eoldem nihilo tequius ad magistratus gerendos admitti, quam qui de natione Perlarum & Medorum iildem digni videntur effe.

5. Cyrus Posteaquam conati essent, copias eduxit, quum adhuc luceret, justitque Hyrcanios operiri, ut una profi- Medociscerentur. Ac Persæ quidem universi, ceu par erat, sta- rum dium caftris egrediebantur, itidémque Tigranes luis cum versis de opiis. Medorum autem alii prodière, quod pueri cum causis Gro puero amicitiam contraxerant; alii, quod ejus con- erga lutudine in venationibus uli mores ipfius admirati fuiffent: Cyrum alli quod gratiam ipfi haberent, qui metum eis ingentem studia. depulisse videretur: alii spe concepta, quod Cyrum virme præstare pateret, etiam valde felicem & magnum aliquando futurum: alii, quod vicissim gratam ei rem facere vellent pro collatis in le beneficiis, dum apud Medos educaretur. Et multis sanè multa commoda quæ humanitas ejus erat, apud avum confecerat. Multi etiam, quum & Hyrcanios cernerent, & rumor effe deditus hos ad optimam prædam eis duces futuros, illa ipla de caulsa proficilce- Adr.90 Dantur ut aliquid consequerentur. Ità factum, ut & Medi propè universi prodirent, extra eos, quicunque Cyaxaris forte in contubernio erant. Nam hi, cum subjectis impeno luo, manebant. Cæteri omnes lætis & alactibus animis illine movere, veluti qui non coacti, sed sponte sua gratificandique studio, prodirent. Quum vero jam egrelhessent, primum Medos adit, ilique collaudaris precatus est; maxime quidem, ut Dii propitti, & ipsis & sibi duces ellent

22115 fe-

6.

Mag-

ratio.

7.

8.

essent : deinde, ut & ipse gratiam eis pro hoc fludio referre posset. Tandem pedites præituros dixit, utriq; cum equisipsi fequerentur, justit. Ac sic ubi vel requielcerent, vel in itinere lubsisterent, mandavit, ad le quidam equis advehe. rent, ut quid pro tempore fieri oporteret, cognoscerent.

6. Secundum hæc justit ut duces itineris Hyrcanii przirent. Illi verò interrogantes: Cur non exspectas, inquiunt, donec obsides adducamus, ut & tu fide priùs a nobis accenanıma . Cyri o- " pta progrediaris? Respondisse tum Cyrus fertur: Equidem cogito, habere nos omnes fidei pignus in animis & manibus nostris. Sic enim instructi nobis videmur, ut abunde nobis suppetat facultas afficiendi vos beneficiis si veraces 'inveniamini: fin uti fraude velitis, ità nos comparatos ex-' istimamus, ut minimè nos in potestate vestra, sed vos potiùs in nostra, Diis volentibus, futuri sitis. Et vero Hyr-" canii, quia postremo loco vestros proficisci dicitis; ubi eos videritis, fignificare nobis, illos esse vestros uteis parcamus. His auditis Hyrcanii, & præibant ut duces itineris, quemadmodum Cyrus mandarat, & animi robut admirabantur; neque jam Affyrios, neque Lydos, neque focios horum amplius metuebant: sed unum hoc, ne Cyrus ullo modo parum in ipfis esse momenti situm existima-

> 7. Quum autem progrederentur & mox appetiisset, proditum eft Cyro & exercitui lucem chariffimam cœlitusoblatam fuiffe: quo factum ut in animis omnium quidam horror erga numen divinum, & in hostes confidentia exitte ret. Li quia expediti celeritérque pergerent, par est credi magnum ab ipfis iter confectum effe, adeoque cum iplocte pulculo propè ab Hyrcaniorum copiis aberant. Id quum nuncii animadvertissent, referunt Cyro, hosesse suos. Nam

ret, five fecum eos haberet, five non haberet.

Adp. 91 hoc & inde se intelligere, quod essent ultimi, & de ignium copia. Tum ille, misso ad ipsos altero, jubet, eis dicat: fi quidem effent amici, statim elatis in sublime destris occurrerent. Quoldam etiam suorum adjungit, qui bus mandat, Hyrcaniis dicerent; futurum, ut in iplosita le sui gererent, quemadmodum eos in le ferri viderent. Ità nuncius alter apud Cyrum remanet, alter ad Hyrcanios provehitur.

1

2

bi

Pe

id

ci

m ru

la

8. Interea vero, dum quid Hyrcanii facturi effent, confiderabat Cyrus, exercitum subsistere justit. Tum advectia eum principes Medorum, ac Tigranes, quid faciendum el fet, interrogabant. Quibus ille: 'Agmen hoc proximum, ' inquit, Hyrcaniorum est, ad quos nunciorum alter abiit, cumque hoc de nostris aliqui fignificaturi eis, ut fi quiden amici

erre

ipfi

111-

ehe-

rent.

-ixI

unt,

cce-

dem

ibus

è no-

races

sex-

s po-Hyr-

ubi

ut eis

duces

robut

neque

è Cy-

tima-

, proobla-

horxifte

credi, lo cre-

quum

Nam igni-

is di-

e dexr, qui

los 112

derent. canios

conli

ecti ad

amici

amici fint, elatis in altum dextris omnes occurrant. Quapropter fi hoc pacto accesserint, dextris eos suo quisque loco excipite, fimulque animum ipfis addite : fin arma expedirent, aut fugæ confilium ceperint : date operam, ne quis ex hostium primis hilce supersit. Hujusmodi Cyrus præcipiebar. Interea nunciis auditis, Hyrcanii gaudio efferti: Hyrcaequisque celeriter conscensis, adesse; dextras uti denuncia- nu ad tum fuerat, protendere Medi, ac Perlæ vicissim porrectis castra dextris eos excipere, atque etiam animos eorum confirmare. Cyri Deinde Cyrus: 'Nos quidem, inquit, vobis jam fidem habe- transemus, Hyrcanii, ac vos itidem erga nos affici convenit. Sed unt. hoc primum nobis dicite, quantum diftet hine is locus ubi hostium magistratus, & totæ copiæsunt: Responderunt illi paulo majus intervallum effe paralanga. Hic Cyrus: Agite ergo, inquit, vos Perlæ, Medi, Hyrcanii, (nam vos etiam modo tanquam auxiliares& locios appello)planèlciendum nobis est, eo res nostras este loco, ut si molliter & remise agamus, gravissima quæque mala nobis eventura sint: Non enim ignorant hoftes quarum rerum causa huc advenerimus. Sin totis viribus irruentes, fortiter animoléque hostem aggrediemur, illico videbitis eos, servorum fugitivorum more, qui reperiuntur, alios ritu supplicum uti, alios aufugere, alios ne ad hæc quidem posse animos intendere. Namvicti nos afpicient, ac nihilminus exittimabunt, quam nosadventare: non in ordines disposition ad pugnam parati deprehendentur. Quamobrem si suaviter & cœnare, & Adp.92 nottem hanc exigere & vivere deinceps volumus, nec [patium eis confultandi concesserimus, nec parandi, quod ip-Lexulu lit, adeoque nè animadvertendi quidem, quod homines fimus: sed non nisi crates, & copidas, & secures, & utus ac vulnera venisse putent. Et vos quidem Hyrcanii, ant, volmet nobis prætendendo anteriore loco pergite, quo vettris armis conspectis quam longissimo tempore hostes fallere possimus. Verumubi ad hostium ego copias pervenero, cohortem equitum apud me finguli relinquite, quibus ple apud exercitum manens utar ficubi opus fuerit. Vos autem, qui principes eftis, & ætate provectiores, ordinibus servatis catervatim procedite, fi sapitis; ne in confertas hostium copias dilari, per vim repellamini: junioribus perlequendi potestatem facite, qui hostes obtruncent. Nam id tutissimum hoc tempore fuerit, ut ex hostibusquam pauum elcilimos superstites relinquamus. Quod si accidar id quod imum multisulu venit, qui rerum potiuntur, ut evertamus iplorum fortunam, cavendum erit, ne ad prædam nos conteabilt quidem iamus. Nam qui hoc facit non miles & vir est, led farcina-

Craft

juga.

IC.

' rius calo: quem uti mancipium tractare cuivis licet. Illud
' autem sciamus oportet, vidoria nibil esse questuossus. Nam
' qui victor est is simul omnia corripit, viros, mulieres, opes,

regionem universam. Ad hæc unicum illud videndum, ut victoriam conservemus: quippè quà etiam raptor ipse

continetur. Denique memineritis inter persequendum, ut ad me, dum adhuc lucebir, redeatis. Postquam enim, te-

nebræ accesserint, neminem admissuri sumus. Hæc locutus, unumquemque suos ad ordines dimissit, simúlque jussit, ut quum ad suos venissent, quilibet decurionibus suis hæs significaret. Nam quia in fronte decuriones erant, audir poterant. Decurionum verò quemque juberent eadem decuriæ suæ denunciare. Secundum hæc antecedebant Hyrcanii, & Cyrus cum Persis medium agmen tenens iter saciebas. Equites ex utroque latere, ceu par erat, disposuit.

9. Quum autem illuxisset, hostium alii ad ea, quæ cernebantur, obstupescebant: alii jam quid ageretur, animad vidoria vertebant: alii nunciabant: vociferabantur alii: aliisolve Cyriso-bant equos: alii vasa colligebant: alii de jumentis arma dejiciebant: alii ea induebant: alii in equos insiliebanti parta. alii træna eis insiciebant: alii vehiculis uxores imponebant: alii res maximi pretii sumebant, tanquam eas con-

fervaturi: deprehendebantur alii, qui hujulmodi desodie bant: maxima verò pars fugam inibat. Etiam alia multi Ad p.93 variaque secisse tunc eos existimare licet, extra illudunum quòd nemo pugnabat, sed sine prælio peribant. Ciasu et Q in

H

ies

e

lo :

no:

bfu

ur

os, i m 7

eos efift

Lydorum rex mulieres, quòd æstas esset, noctu carpenti præmiserat, ut in frigore faciliùs iter facerent: ipse cui equitatu subsequebatur. Eadem fecisse perhibent etian Phrygem illum, qui sitæ ad Hellespontum Phrygiæ imperabat, Verum ubi sugere quosdam, & ad se jam pervenis senserunt; comperto quid sieret, etiam ipsi summa viriu contentione sugerunt. Cappadocum regem, & Arabum

qui propè adhuc erant, & absque lovicis resistebant, Hycanii trucidant. Itidem qui interficiebantur, maxima e parte Assyrii & Arabes erant. Nam quòd suam in regio nem venissent, perquam lentè progrediebantur.

10. Dum Medi & Hyrcanii patrarent hujusmodiquæda inter persequendum, qualia consentaneum est victores sac re, Cyrus equitibus apud se relictis mandat, ut circum a stra obequitarent, ac si quos armatos exire viderent, ec occiderent: remanentibus per præconem edicebat, ut qui cunque milites hostium vel equites essent vel cetrati, vi sagittarii, arma colligata adserrent, equis ad tabernacul relictione. relictis. Hæc quicunque non faceret, mox capite plecteretur ... & cum copidibus flictis in ordine circumstabant. ltaque ii quibus, erant arma, unum in locum illa delata absiciebant, ubi Cyrus justerat: quæ deinde concremabant

illi, quibus hoc negotii dederat.

liud

iam

opes,

um.

iple

n, ut

i, te-

ocu-

uffit.

hæ

udire

decu-

camii.

iebar.

c cer-

imad.

Sylo

arm

bant pone

s con-

fooie

penti

e cut impe rvenit viriut

11. Quum vero in mentem Cyro venisset, neque se ab esculentis neque à potulentis instructos accessisse, sine quibus Cyrus neculla suscipi expedito, nec fieri quicquam aliud queat; de proconfideraret autem quo pacto & celerrime copiam horum, & curatiorectissimè parare posset; animadvertit, omnibus militanti- ne combus opus esse quodam, qui & tabernaculum, & rerum ne-meatus æsfariarum, ut eæ paratæ militi adventanti essent, curam confiligeret. Itaque intelligens, esse vero consentaneum, ma-um casinè tunc illos in caftris deprensos ac repertos esse, colli- Pit. gendis videlicet vafis intentos: per præcones edixit, ut procuratores Castrenles omnes adessent, & sicubi procurator nullus effet, maximus natu è tabernaculo veniret : graviflima quæque interminatus iis, qui non paruissent. Illi quum etiam dominos obtemperare cernerent, statim paruerunt. Quum adessent primum sedere jussit illos, quibus esset plus in tabernaculo commeatus, quam pro duobus mensibus. Adp.94 Hos quum aspexisset, rursus imperar, ut sederunt, quibus estet unius mensis commeatus. Ibi tum ferè omnes assedemult unt. Quuinque hæc comperisset, his eos verbis allocutus unum est. Agite verò, inquit, O viri, quicunque vestrûm mala excessiva siestis, & boni quippiam à nobis consequi cupitis, promptis apenti minis procurate ut à quelibet in telemostre qui cupitis, promptis mmis procurate, ut à quolibet in tabernaculo cibi ac potûs plus topo paratum sit & dominis & famulis, quam quotidie parare topoevistis. Quin & alia parata sint omnia facite, quacuntudapes affectura sunt bonas. Quippe mox aderunt utricuntuvicerint, aquúmque putabunt esse, ut res necessarias omusassatim babeant. Itaque scire vos volo è re vestrá suturum,

rabum ien sine querela exceperitis. Hæc illi cùm audissent, magt, Hyt to studio imperata faciebant.
ima e 12. Cyrus autem convocatis cohortium præsectis, hujust regio modi quædam ad eos protulit: Non ignoramus, amici, licere Cyrus
imvobis, ut priores prandeatis ante commilitones illosnostros, qui ad temminobis, ut priores prandeatis ante commutiones mos nontros, qui ad temquædat blunt, adeóque paratis exquisitè cibis acpotu fruamini. Verum aiperantices face inverquidem, plus ex hoc prandio nos utilitatis minimè perceptuam concum ci si, quam si pateat, de sociis nos esse follicitos: neque tantum viritinentiint, ec mobis additurum esse hoc convivium, quantum si persicere possi amque
ut qui mis, ut horum commilitonum nostrorum studia nobis constent. Quòd suos
cati, vi toi, qui jam persequuntur. Es intersiciunt hostes nostros, Es cum hortaes nacu issentibus pralio decertant, usque adeò negligere videbimur, ut tur
telict im prius, quàm cognoverimus quid rerum agant, prandeamus;

vereor, ne turpitudinis manifesta macula nosmet aspergamus, & in penuriá sociorum vires nostra debilitentur. At verò curam corum gerere, qui & labores perferunt, & periculis semet exponunt, ut adventantes scilicet res babeant necessarias : boc verò epulum multo nos magis exhilaraverit, de mea quidem sententia, quam fi statim ea, que gula grata funt, faciamus. Etiam boc cogitetis velim, ut ipfos maxime revereri non debeamus; nibilo tamen minus alienam à nobis & fatietatem nimiam, & temulentiam esse debere. Necdum enim confecimus ea, que volumus; sed constituta nunc in acie discriminis omnia studium diligentia requirent. Nam in castris hostes habemus numero longe plures nobis ipsis, ecfque solutos; à quibus adhuc cavere nos convenit. es eosdem custodire, ut sint, qui nobis res necessarias parent. Abfunt praterea nobis equites, qui quidem follicitudinem nobis offerunt, ubinam fint; ac si redeant, mansuri ne sint nobiscum Quapropter, mea quidem sententia, cibus ejusmodi boc tempore

u

93

in

Xi

G.

tie

àn

pet non Per

pot rùn

tes.

uar

ac n

Ad 1.95 potusque nobis est sumendus, cujusmodi quis existimet ad hos idoneum maxime, ut nec somno nec dementia, repleamur. Scioitidem magnam in bifce castris pecunia copiam esse, de qua non ignorofieri posse ut nos avertamus, quantam voluerimus; ututilla nobis sit cum ils, qui nobiscum eam cepere, communis. Vein non tam nobis futurum ego fruduofum arbitror, si has ipsi sums mus, quam fi justos illis nos declaremus; at que hoc iffo id compa remus, ut nos majori, quam modo, benevolenti à compledantut Etiam ipfarum pecuniarum divisionem Medis, & Hyrcaniis, & Tigrani postquam advenerint, permittendam arbitror : ac fim mis quoque nobis tribuerint, id ipfum in lucro ponendum eff Nam ob bac lucra lubentius nobiscum manebunt. Nos quide hoc tempore commodi proprii rationem habere, parum duratud opes nobis conciliarit. Verum bis neglectis illa parare, unde d vitia nascuntur: hoc nimirum meo judicio nobis ac nostris omn bus opes suppeditare magis perennes possit. Arbitror autempropi rea domi quoque nos adfuefactos ad franandum libidinem gulapa riter, & intempestivi quastis : ut utroque, quum ità resexigi commode possimus uti. Quibus autem invebus potioribus qua prafentibus, edere queamus, disciplinas pecimen, equidem non vide

13. Hæc Cyri fuit oratio, quam Hyftaspas Persa, unuse æqualium numero, hujusmodi verbis comprobavit. Absudum nempe suerit, Cyre, nos in venatione quidem sapenume ciborum ab usu toleranter abstinere, quadam ut sera potiamu eaque non admodum magni pretii: at in conatu venandi solidat felicitatem & opulentiam, si nobis ea patiamur esse impediment qua pravis illa quidem hominibus imperiose dominantur, sedbe nis ac sortibus cedunt, non existimari debere, sieri quiddam nobis, quod minime deceat. Hoc modo Cyri sententia Hystaspa

14.

Hystalpas approbavit, omnibus etiam aliis affentientibus. Et Cyrus: Agitè verò, inquit, quando de his eadem est omnium nostrûm sententia; mittite de suo quisque manipulo viros quinque imprimis serios, qui per castra circumeuntes collaudent es, quo scunque res necessarias parare viderint: in negligentes autem nibilo parcius, quam si essent ipsorum domini, animadvertant.

6.

am

ex-

verò

tia,

boc

bilo

len-

115;

ntia

ures

enit.

. Ab-

is af-

cum.

npore

d hoc 10 111

on ig

ut ille Verun

fum.a

ompa

antur

ns, O

; fi mi n eff

quider

ratura

nde di

somn

propte

gulapa

sexigi

is qual on vide

unuse

· Avju enumer

otianu

i solida diment

r, sed be uiddam ntentia lystalp

14. Et hæc quidem illi faciebant: Medorum verò quidam, quum partim plaustra rebus exercitui necessatiis refenta, quæ dudum è castris hostium excesserant, assequendo reverti coëgiffent, advehebantur. Partim intercepta carpenta cum præstantissimis mulieribus, quas vel conjuges legitimas, vel concubinas suas, formæ caussa viri secum sumpserant, ad castra adducebant. Nam Asiatici, quum expeditiones instituunt, sic eas hodiéque suscipiunt, ut res maximi pretii secum sumant. Aiunt epim, se pugnandi Adr.96 avidiores effe quum ex res adfunt, quas fibi chariffunas habent : quafi has animosè defendendi necessitas eis impomur. Ac fortassis ità se res habet, aut etiam fortassis hæc, ur voluptati indulgeant, faciunt.

15. Cyrus, quum Medorum & Hyrcaniorum facinora cerneret; ipse fibi ac suis quasi succentebat; quod alli videsentur iplos hoc tempore vigore quodam tuperare, atque mam aliquid acquirere, dum ipfi loco ab exercenda industiå remotiori hærerent. Nam qui prædam adducebant, commonstratis Cyro rebus iis, quas afferebant, rursum perecuturi cæteros hostes avehebantur. Id enim uti facerent, mperatum fibi suis ab præfectis aiebant. Que res tametsi mordere Cyrum, suis tamen ille locis singula reponere.

16. Convocatis autem denuò cohortium præfectis, quum monstitisset, ut audiri, quæ dicerentur, possent; hæc Cyri de notulit, 'Arbitror ego vos omnes animadvertere, amici, inflitu-Persas universos bonis ingentibus collocupletatum iri, ma-endo ximisque adeò nos, ceu par est, quorum acquiruntur opera, Perli quidem illis, quæ jam antè nobis in conspectutunt, po- farum tiemur. Verum quo pacto nos his potiri queamus, quum equitainobis, ad ea comparanda, non satis virium nobis sup- tu conpetat, nisi proprium equitatum Persæ habeant, equidem silium. on video. Nam velim vobis in mentem veniat, ait, nos Perfas instructos iis armis esse, quibus hostes cominus obilcum congressos videmur in sugam vertere posse. Vetum ubi jam eos in fugam verterimus, quosnam vel equiles vel sagittarios, vel cetratos, vel jaculatores, sugientes aut capere possimus, aut interficere, quum ab equis destinamur? Quinam itidem contra nos tendere formident, comaleficiis nos infestare, sive sagittarii, sive jaculatores,

five equites: quum certo sciant, nihil effe periculi, ne plus à nobis detrimenti accipiant, quam à consitis arboribus? Quæ quum ità fint, annon perspicuum eft illos equites qui modo nobiscum sunt, existimare universa hac quæ capta funt, non minus esse sua quam nostra? Imo profecto magis etiam fortasse. Sic ergo res jam necessa-rio comparatæ sunt. At verò, si nos equitatum paremus, nihilo deteriorem horum equitatu, an non clarissime patet omnibus, futurum, ut adversus hostem ea sine his geramus, quæ cum his modo gerimus, & ut hos ipsos erga nos modestiores experiamur? Minus enim cura nobis erit, velintne illi adesse, vel abesse; si nobis ipsis, etiam absque his, suffecturi nosmet simus. Verum mittamus Ad p.97 hac, meo certe judicio nemo sententia huic adversabitur, quin omnino præftet, Persas proprium equitatum sibi parare. Sed vos fortasse, quo pacto confieri hoc possit, cogitatis. Consideremus ergo si quidem equitatum instituere volumus, quid nobis adfit, & à quo destituamur. Sunt igitur hi nobis equi multi numero, capti in cattris; funt fræna, quibus ad parendum adfuefiunt; funt alia, quibus opus est ad ulum equorum. Quin & illa nobis suppetunt quibus uti eques debet, nimirum loricz, muniendis corporibus, & tragulæ, quibus & ejaculandis, & retentis, uti possumus. Quid ergo reliquum? Palan est, viris esse nobis opus quod quidem potissimum habe mus. Nibil enim adeo nostrum est atque nosmet nobis sumu. At enim, dixerit fortaffe quidam, nos imperitos effe. Ne quidem illorum quisquam profecto, qui jam periti sunt, prius quam disceret, peritus erat. Forte quis objecerit, eos dum pueri essent, didicisse. An ergo pueri plus mettis habent ad discendum ea, quæ dictantur, & monstrantur, quam viri? Utris, postquam didicerint, ad exerced dum ea magis idonea corpora funt, pueris, an viris Quin etiam tantum nobis est ad discendum opportunitat & otii, quantum nec pueris, nec aliis virilis ætatis. No enim sagirtandi nobis est ars discenda, sicut pueris, quu hanc jam antè teneamus: neque jaculandi, quòd illa Nec item nobis accidit, quo quoque, non ignoremus, hominibus cæteris; quibus negotium partim agrorum cultura, partim artificia, partim aliæ domesticæ res hibent. Nobis ad tractandum rem militarem non otium duntaxat eft, sed etiam necessitas imponitur. Prætere o non hic eft, quod in aliis multis rebus, ad bellum ne ceffariis: quæ sunt illæ quidem utiles, sed difficultate habent. An non equitatio jucundior est, in itinere, qua

1 U

1 ar

1 6

E

" in

31

pedes

le

0-

US

ec

no la-

us,

tet ra-

rga

obis

iam

mus

abi-

tum

hoc tum

itua-

ti in

funt

a no-

ricæ,

andis.

Palam

habe

sumu.

e. Ne

i funt,

ecerit,

is men-

nftran

xercen.

VITIS

unital

s. No

s, quu

od illa

t, quo

agroru

e res e

on of the

Prætere

llum n

cultates

re, qua

pedes incedere? An non in festinando jucundum est celeriter, fi fit opus, amicum convenire: celeritérque vel hominem, vel feram, il polcat ulus, perlequendo intercipere? An non est commodum ac leve quodcunque armorum genus ferendum fit, id una gestari ab equo Nimirum idem est, & habere illa, & gestare. Quod autem maximè quis vereri possit, ne si necesse sit in equo priùs nos periculum prælii lubire, quam equitandi rationem accuratè teneamus, tum deinde neque pedites amplius simus, neque satis idonei equites: hoc ipsum adeo non omnino eft explicatu difficile. Nam ubicunque voluerimus, mox nobis licebit, ut pedites dimicemus. Quippe disciplinam equestrem edocti, nihil eoium, quæ pedites sciunt, 'dediscemus.

17. Hæc Cyri fuit oratio: quam Chryfantas approbans, inhunc modum locutuseft : ' Equidem, inquit, usque adeo Chryequitandi artem discere cupio, ut existimem, me hominem santas volatilem fore, il eques factus fuero. Nam modo fatis mi- idem, hi fuerit fi cum aliquo currere pariter aggressus solo ca- quod pite antevertam: & si feram prætercurrentem videam, ita Cyrus, contento curlu prævertere possim, ut prius eam vel jaculo, suadet. vel sagitta feriam, quam procul admodum evalerit. At Adp. 98 eques fi factus ero, virum interficere tanto ex intervallo potero, quanto conspectus à me fuerit: & feras persequens, partim eas potero cominus interceptas, partim quali stantes jaculando ferire. Nam si velocia duo sint, propius ad se delata, quodam modo stare videbuntur. Quo autem nomine, inquit, maxime cunctis ex animalibus hippocenhuros, si qui fuerunt, admirari soleo, quod & humana prudentia confilium caperent priùs, & quod opus effet manibus efficerent, & equi celeritatem ac robur haberent ad capiendum id, quod fugeret, & prosternendum, quod sub-'listeret: hæc universa & ipse factus eques, in me conferam. Mente humana providere cuncta potero, manibus arma geram, perlequar equo & ejuldem robore adverlarium prosternam. Neque tamen ut hippocentauri concretus equo alligabor; quod quidem melius est, quam à natura equo adhærescere. Nam hippocentauros equidem ignorasse arbitror, quo pacto plerisque commoditatibus ab hominibus inventis utendum esset; quoque pacto multis rebus jucundis, quas equis natura concessit, frui conveniret. Ego vero si equitare didicero, quum in equo confedero, quæ hippocentauri funt, faciam: quum descendero, hominum reliquorum more & cænabo, & veftiar, & dormi-'am. Quare quid aliud futurus sim, quam hippocentaurus, · pedes N &

### XENOPHONTIS

qui & dividi, & rursum componi poterit? Ero præterea hac etiam in parte meliori conditione, quam hippocentaurus. Nam oculis ille duobus prospiciebat, & auribus duabus audiebat. Ego verò quatuor oculis in explorando, & auribus quatuor præsentiam. Aiunt enim equum oculis multa prospicientem homini significare, & indicare itidem multa qua auribus ipse prius percipiat. Itaque me illorum in numerum refer, qui equitare cupiunt. Et nos quoque prosedò, inquiunt reliqui omnes. Tum Cyrus: Quid igitur, ait, quando nobis hac mirisicè probantur, legémne nobis ipsis serimus, ut turpe sit quemquam eoium, quibus equos ego suppeditavero, peditem in prosectione conspici, sive adeo magnum sive parvum iter faciendum sit; ut omnino nos hippocentauros esse homines arbitrentur?

18. Hæc illo rogante, simul adsensi sunt omnes. Quo fit, ut hoc ipsum indè usque ab eo tempore Persis nunc eti-

am in more sit, neque quisquam è Persis elegantioribus us-Adp.99 quam pedes incedere, sua quidem iponte, conspiciatur. His igitur-illi tum sermonibus intenti erant. Posteaquam vero jam meridies præteriisset, adventabant equites Medi & Hyrcanii, lecumque tum equos tum homines adducebant. Non enim occiderant quemquam eorum, qui arma tradiderant. Quum advenissent, primum eos interrogabat Cyrus, an omnes fibi falvi adessent. Quum annuissent, ità deinde quid rerum gessissent, quærebat. Illi quæ perpetrassent, narrabant; & quam fortiter fingula, magnifice prædicabant. Et Cyrus, quum omnia, quæ dicere volebant lubenter audiflet; hunc eos in modum etiam collaudavit. Satis apparet, inquit, quod fortiter vofmet gefferitis. Nam & grandior, & pulcrior, & acrior est species vestra, quam prius. ' Inde quantum itineris contecissent, interrogabat; & an incolas regio haberet? Respondebant illi, se per majorem ejus par-

Ledio margigio haberet? Respondebant illi, se per majorem ejus partem provectos, totámque regionem habere incolas & esse retertam ovibus, capris, bobus, equis, frumento, & commodis omnibus. Duo nobis, inquit, curanda sunt, tum ut superiores simus iis, qui hac possident; tum ut illi maneant. Nam quæ incolas haber regio, magni pretii possessio est; eadémque si ab hominibus deserta sit, etiam commodis ipsiscaret. Scio trucidatos à vobis eos, qui se desendebant; ac rectè quidem à vobis factum. Nam hoc victoriam imprimis conser-

eff

quide

ma

con

mu

qui

que

ea c ipfi

Cyri de vat. Qui autemarma tradiderunt, eos captivos fecistis: quos captivis fi quidem dimittimus, facturi hoc, ut equidem aio, nostro fenten. cum commodo sunus. Primuin neque cavere ab his, negitia. custodire nos eos necesse fuerit, neque cibos eis parare. Non fenim

2

11-

a-

&

11-

ua.

ım

ui-

ndo

us,

di-

um

en-

Quo

eti-

sul-

His

veto

Hyr-

Non

rant.

om-

quid

2112-

t. Et

iffet;

1, 10g pul-

quan-

as re-

is par-

& effe

mmo-

211 11-

. Nam

eadem-

scaret. Aèqui-

conter-

enim certe fame eos necabimus. Deinde his dimissis pluribus etiam captivis utemur. Nam fi regione potiti fuerimus, omnes ejus incolas captivos habebimus. Magisque adeo 'cæteri, quum hos vivos dimissosque videbunt, mansuri 'sunt; & parere potius volent, quam prælio decernere. Hæc mea sententia est. Si quid alius quisquam melius vider, proferat. Illi hæcaudita faciunda consentiebant. Itaque Cy- Cyrus rus advocatos captivos his verbis alloquitur: 'Animas ve-certas firas conservâttis, viri, eo iplo quod paruistis; ac fi de-captivis inceps vos ita gesseritis, nihil mali vobis accider, extra conditiquam quod idem, qui antehac, vobis non imperabit. In- ones 'coletis autem domos easdem, & idem solum excoletis, & propoerundem mulierum consuerudine domestica utemini, & mt. 'hidem, uti modo, in liberos vestros vobis erit imperium. Neque tamen adversus nos, vel quenquam alium pugnabitis. Ac si quis alius injuriam vobis intulerit, nos ipsi pro vobis pugnabimus. Nè quis verò militiam vobis impe- Ad p. ret, ad nos arma deferte. Ea qui detulerint, tum pacem, 100. 'tum cætera, quæ dicimus, fine fraude habebunt : quotquot autem arma bellica non depoluerint, adversus eos etiam expeditionem sulcepturi sumus. Quod si quis vestrum animobene volo ad nos accesserir, & agere quid iplum nostrà caulsa, nosque docere paruerit, eum nos, ut bene de nobis promerentem, atque amicum, non ut servum tractabimus. hæc vos & scire volo, & cæteris denunciare. Quod fi quidam, voluntati nostræ refragando, parere noluerint, idversus eos nos ducite, quo nobis in illos non illis in nos fit imperium. Hæc quum dixisset, illi eo adorato, epæstituros hæc dixerunt. TQ.

19. Quumque disceffissent : 'Tempus jam fuerit, inquit Grus, O Medi & Armenii, ut omnes prandeamus. Res quidem necessarias vobis studio, quo poruimus, maximo paravimus. Ite ergo, nobilque partem parati panis dimidiam mittite, quandoquidem fatis pro utrilque paratum ett, oblonii verò, ac potûs nihil mittite. Hæc enim ipli, Quantum fatis est, parata habemus. Vos autem Hyrcanii deducite ipsos ad tabernacula, & principes quidem ad maxima, quæ nota vobis sunt; cæteros, ut visum suerit commodissimum. Quin & ipsi prandete, ubi jucundissiquibus itidem parata funt omnia, ficut & istis. Illud utri-nostro quescitote, nocturnas excubias nos obituros vobis esse, quod is, neq; aquæ fortis sunt attinet; vos es cum in tal vobis esse, quod mum vobis fuerit. Nam tabernacula vobis integra funt, in ta quæ fortis sunt, attinet: vos ea quæ in tabernaculis fiunt, ire. Non iph curate; atque arma eis inferte. Necdum enim amici s enim, whis funt, quos in tabernaculis habemus. Itaque Medi Ti-

Cyri

Es po-

2C.

granisque milites lavabant, quod parata essent omnia, mutatisque vestibus, conabant. Etiam ipsorum equi necessaria habebant, mittebantque Persis de panibus dimidios singulis, nullo nec obsonio, nec vino addito; quod Cyri milites obsonia hæc habere putarent, quia Cyrus effe ipfis hæc affatim dixerat. Is vero famem dixerat oblonium, & potum eum.

2215. qui de præterfluente omne hauriretur.

20. Itaque Cyrus præbita Perfis cæna, quum tenebræ jam effent; complures corum, quinos ac denos, hinc inde mifit, utque le circum caftra occultarent, justit. Existimabat enim fimul hanc custodiam fore, fi quis extrinfecus accederet; fimul futurum, ut fi quis pecunias auferens, extra caftra fugeret, caperetur: quod quidem ità accidit. Nam & aufugiebant multi, & multi fuere capti. Cyrus autem pecunias quidem iis, qui hos cepissent, relinquebat, sed homines iplos mactari justit. Quò factum est, ut deinceps ne fi

cuperes quidem, quemquam noctu obverlantem reperisses. 21. Et Persæquidem hoc modo degebant. Medi vero & potabant, & epulabantur, & tibiarum cantusemet oblectabant,&omni hilaritate ad satietatem fruebantur. Namejulmodi multa capta fuerant, ut vigilantibus, quod agerent,

minime deeffet. Medorum vero rex Cyaxares ea nocte, qua Cyrus abierat, & ipfe cum contubernalibus ebrius erat, veluti re bene gestà; & Medos cæteros in castris, exceptis

paucis, adesse purabat, quod ingentem strepitum audiet Nam Medorum familia, quia domini disceffissent, & perpotabant, & perftrepebant : præsertim quod ab Affyriorun exercitu vinum, & alia multa hujufmodi accepissent. Quut

autem illuxisset, atque ad portam nemo veniret præter eo qui cum iplo conati fuerant, audirétque castra Medis \* equitibus esse vacua, & egressus ipsi rem ità se habes

cerneret: tum vero cum fremitu & contra Cyrum & conti Medos excanduit, quod se relicto solo discessissent : station que juffit, uti lane crudelis & amens fuiffe perhibetur, unu ex iis qui aderant, equitibus suis secum sumptis, quamo

6

of fring action

fim

eju

tan

RO.

lerrime ad copias Cyrum fecutas proficifci, atque hæc dicere Ne te quidem, Cyre, arbitrabar adeò imprudens confilium de capturum fuisse. Si tamen effet ea Cyri fententia, saltem v Medi, minime putaram voluisse sic me solum relinquere.

adeo Cyrus quidem veniat, si volet; vos autem quam celeri adelte. Hac eis mandabat. Is autem, cui profectio bacim, rabatur : Ego verò, ait, mi domine, quonam modo cos in niam? Quonam, inquit Cyaxares, modo Cyrus cum iftis q

eum secuti funt, illos invenit, adversus quos profectus est? 2 miam profedo, ait, quosdam Hyrcanios ab hostibus defecife

Ad p.

IOI.

21.

Cyaxaris temulen-\$14.

Equis. Cyaxa-¥15 172humamitas.

dio, quimque buc venissent, abiisse ità, ut Cyri copiarum duces essent. Quibus auditis, Cyro Cyaxares multò magis succen- Ejuflere, qui hæc ei non indicaffet; majorique studio ad Medos dem immittere, quo Cyri vires attenuaret. Quin etiam graviori- portubus cum minis, quam antea, Medos avocare, additis ad nitas. eum quoque minis, qui ablegabatur, si non hæc acri cum vehementia nuntiaffet. Proficiscebatur ille cum suis plus minus centum equitibus, gravitérque ferebat, quod non & iple cum Cyro discessisset. Quimque in itinere pergerent, acviæ dividerentur; quandam in semitam delati oberrarunt, neque prius ad Cyri exercitum pervenêre, quam in Affyrios Ad p. quoldam à castris digressos incidissent, atque illos, ut sibi 102. duces essent, vi coëgissent. Hoc modo conspectis ignibus. pervenerent eo circa noctem mediam. Quum verò ad castra accessissent, excubitores eos, quemadmodum mandatum à Cyro fuerat, ante lucem non intromiserunt. Die vero jam illucescente, Cyrus primum arcessitis Magis jubet, ut Diis nit, quæ fas esset ob res adeò prosperas, eximerent. Qui dum in hoc erant occupati, convocatis æqualibus Perficis dixit: 'Multa bona, commilitones, Deus nobis oftendit. At nos, ô Perlæ! pauciores hoc tempore lumus, quam ut illa tenere in potestate possimus. Nam five ea, quæcunque laboribus nostris adipiscimur, non conservabimus, rurlus aliena erunt : five quosdam ex nostris custodes acquisitorum relinquamus; statim nullas nobis esse vires, patebit. Quamobrem mihi videtur, cuidam è vobis quam- Cyra primum in Persiam eundum esse, qui doceat ea quæ à me confilidicuntur, & ut quam celerrime mittatur exercitus, ju- um de leat; fi quidem Perlæ & imperium & fructum Asiæ, iu- arcelim in potestatem venire cupiant. Ito ergo tu qui natu sendis maximus es, inquit, ac postquam eo veneris, hæc expo- alus e nito. Adde, mihi curæ futurum, ut milites, quos mile- Perfia tint, ubi ad me pervenerint, annonas habeant. Vides militiiple, quæ habeamus, eorumque nihil celaveris: ex qui- bus. bus sane quidnam potissimum in Persiam mittendo, recte atque ordine fecero, Deos quod attinet, patrem meum quod Rempublicam, magistratus interroga. Etiam inpectores eorum, quæ gerimus, & confultores in iis, quæ Interrogaturi sumus, huc mittant. Ac tu quidem, ait, ad iter te para, manipulumque tuum, qui te deducat, tecum sumito. Secundum næc Medos arcessit, quum Imul Cyaxaris nuncius adesset, & coram omnibus iram ijus adversus Cyrum, & minas adversus Medos indicaret, landemque diceret, mandare Cyaxarem, ut Medi discede-Rat, etiamfi manere Cyrus vellet, Quæ nunciiverba quum Me-

ria utes di-

m,

u.

jam isit, nim ; si-

a fuauecuomi-

nè fi Nes. erò &

lectaejus-

erent, e, quà at, ve•

ceptis

perporiorun

Quun ter eos

ledis & haber

fating, unu

quàm co c dicere

um de i

e. Ind celerrit becimi

eos int n istis q est? Q

efeciffe

di audissent, silebant; ut inopes consilii quo pacto arcessen.

Cyri

Ad p.

103

ti non parerent, atque etiam præ metu nescientes, quo pacto minanti obtemperarent, præsertim quod iphus crudelitatem noffent. Cyrus autem: 'Minime miror equidem, prudens, ait, tu nuncie, ac vos Medi, Cyaxarem & de nobis, & ad Cy- c de seipso sollicite trepidare; quum multos id temporis hoaxaris . ftes viderit, & quid nos agamus, ignoret. Verum ubi fennunci- i serit, multos ex hostium copiis periisse fugatos univerum re- fos: primum metuere definet, deinde agnoscet, minime sponso. · se jam desertum esse, quum amici hoftes, ipsius interi-· munt. Et quonam modo queri de nobis jure possit, cum · bene de iplo promereamur, & quidem nihil ex arbitrio onostro temere faciamus? Nam ego ei suasi permitteret mihi, ut vobis adlumtis digrederet : vos non ut cupidi profectionis, an exeundum effet, interrogaftis, atque ila a jam huc perveniftis: fed justi estis ab ipto prodire, fi cui · vestrum grave non effet. Quapropter hæc ira, sat scio, · secundis hisce rebus mitigabitur, & una cum metu defi-' nente abibir. Ac iu quidem modo, nuncie, quia laboribus confectus es, quietem capito: nos autem Perfæ, quia fic hostes affuturos exspectamus, ut vel pugnent, vel · imperium accipiant, ordines elegantissime instructos habeamus. Nam ità si conspiciamur, fortasse citius ea ' lumus effecturi, quæ desideramus. Tu vero princeps Hyrcaniorum hic operire, militumque tuorum ducibus impera, ut luos arma capere jubeant. Quibus effectis, quum Hyrcanius accessisset, inquit Cyrus: Perjucundum mihi est, Hyrcanie, quod animadverto, te non solum ita nobis adesse, ut factis amicitiam declares; sed etiam ' indicia milii præbere acris, quo præditus es, ingenii. Ac nunc quidem nobis eadem conducere, perspicuum est. Nam & milii funt hoftes Affyrii, & tibi jam infestiores · sunt quam mihi. Quare sic utrique consultandum est, ut eorum sociorum, qui jam nobis adsunt, nemo deficiat, · & alios quoque si possimus, adjungamus. Audisti veio, Medum hunc equites avocare; qui si discedant, quo pacto nos pedites soli manebimus? Itaque hoc agendumest ' & tibi & mihi, ut hic iple, qui suos avocat, nobiscum manere velit. Tu igitur repertum aliquod ei tabernaculum tradito, ubi commodissime degat, & omnia, quibus opus suerit, habeat. Ego verò daturus sum operam, ut homini laboris aliquid imperem, quem lubentiùs suscepturus sit, quam hinc abiturus. Præterea ' cum ipso de bonis iis disserito, quæ spes sit eventura onostris omnibus, si rectè gerantur ea, quæ sieri oporteat. Hæc

Medu beat i Perfis axari 1 tare, fi qu Cyrus quum hofte ceffin quo n curita cos pi qui ho extra gate e modo bi, no ima p tot co nunc n dire ve bitrab: gis, ut gratiar umilis in Per Venturi ad nos mo, le quanqu

inimici

tabundi

Vis: ne

nè doce

operam

fecta ti

le. Ha

Interrog

leriptur

admodu

ocutus, &

tà left in

arum co

Hæc 1

Hac ubi feceris ad me redito. Iraque abiit Hyrcanius ut Medum ad tabernaculum deduceret, & qui proficifci deheat in Persiam, paratus aderat. Et Cyrus mandavit, ut Persis diceret, quæ oratione superiori sunt indicata : Cyvari verò literas redderet. 'Volo autem, ait, tibi reci- Epistotare, quæcunque præscribo: quò & scias ea, & profitearis, la Cyri fi quis de te his interrogat. Hæc autem literis inerant : ad Cy-Crus Cyaxari falutem. Nos neque te folum reliquimus, axarem quum nemo tune ab amicis solus relinquatur quum Ad p. hostes per eos vincit; neque propterea quod abs te dil- 104. cessimus, in periculo te nos constituisse arbitramur: sed quo majori abs te intervallo absumus, tanto tibi plus lecuritatis à nobis parariexistimamus. Nam qui apud amicos proxime defident, non eos maxime tutos efficient: led qui hostes quam longissime repellunt; ii potius amicos extra periculum collocant. Confidera veio, quem me ergate expertus, iple vicissim quem erga me te geras, dummodo de me quereris. Equidem auxilia lociorum adduxi tibi, non quibus tu persuasisses, ut venirent; sed quam maxima potui. Tu mihi, dum adhuc pacato in solo essem, tot concessisti, quot persuadendo adducere possem: & nunc me in hostium regione constituto, non eos, qui redire velint, sed universos avocas. Itaque tunc quidem arbitrabar, me vobisutrisq; gratiam debere; nunc tu me cogis, ut tui obliviscar, & illis, qui me secuti sunt, omnem gratiam referre studeam. Verum facere non possum, ut tibi imilis fiam; sed hoc ipso tempore copiarum caulsa misso in Perham nuncio, mandatum dedi, ut quotquot ad me venturifunt, si quidem eorum opera tibi sit opus antequam alnos veniant, eis tibi potestas sit, non ex ipso um arbitio, sed uri tu voles, utendi. Consilium autem tibi do, quanquam iple junior, nè, quæ concesseris, auferas; ut inimicitiæ tibi gratiarum loco non debeantur; nec miniabundus arcessas, quum aliquem ad te celeriter venire vis: nec simul te solum esse dixeris, & multis miniteris, ne doceas eos, nihili te facere. Nos autem ut adfimus, operam dabimus, ubi primum ea confecerimus, quæ contetta tibi ac nobis ex æquo fore frustuola censemus. Vale. Hanc epistolam ei reddito, & de quocunque horum merrogârit, id ità le habere dicito, ut in epistola perlenptum est. Nam & de Persis midemtibi mando, quemadmodum est perscriptum. Atque hunc quidem, ista ocutus, & tradită epistolă, dimisit; addito mandato, ut a lestinarer, quemadmoduni ipie redirum celerem haud aum commodi allaturum non ignoraiet. 22. Secun-

## XENOPHONTIS

22. Secundum hæc armatos jam omnes, tam Hyrcanios quam Tigranis milites spectabat. Aderant & Perlæ armis instructi. Tunc etiam finitimi quidam equos adducebant & afferebant arma. Hos ille tragulas eum in locum, ubi & cæteros antea, justit abjicere, utque concremarent eas Ad p. quibus id negotii dederat, si quibus ipsi non egerent. Equo 105. autem ut illi remanentes in castris custodirent, qui eo Cyrus adduxerant, edixit; donec aliquid eis fignificatum effet de pra- Convocatis autem præfectis equitum & Hyrcaniorum hu da di- jusmodi orationem habuit: 'Nè mirum vobis sit, amic videnda i & focii, quod fæpius vos convenire jubeo. Nam quun agit. e res præsentes novæ sint pleræque adhuc ordine carent Quæ vero necdum in ordinem revocata, & adhuc conful funt, ea semper negotia facessere necesse eft, donec suun quæque locum acceperint. Multa jam bona, multi à vo bis homines capti funt: sed quoniam & ignoramus ips quænam horum cujulque noftrum fint, neque his ipliscon star, quem quisque dominum habeat; ideirco non admo dum multos ex eis videre est officium facere, fereque am bigere omnes, quid abs se fieri oporteat. Quapropter its ne comparata fint, vos ista discernite: quumque adeot bernaculum aliquis adeptus est, quod satis & ab esculent est instructum, & à potulentis, & famulitio, & stragul & alia veste, rebusque cæteris, quæ requiruntur utinta bernaculo militaricommode degi possit : huic sane nul opus est accessione alia, nisi ut is, cui obtigit, sciat horu curam fibi tanquam suorum, gerendam esse. Qui vero ea divertit tabernacula quibus pleraque desunt : his ve inspectis, quod deeft, supplete. Scio equidem, multa etia Superatura esse. Nam hostibus omnia fuere copiosion quam pro multitudine nostra. Venerunt etiam ad n Affyriorum regis, aliorumque præpotentium quæftore & penès se aurum fignatum esse dixerunt, ac tributoru quorundam mentionem fecerunt. Itaque per præconem in perate, ut isthæc ad vos omnia deferant, ubicunque conl deritis: & terrorem incutite, si quis id, quod imperatu

eft, non fecerit. Quumque acceperitis ea, duplum qu dem equiti, pediti simplum tribuite; ut habeatis, siqu

bus indigueritis; atque etiam ut aliquid emere possit

Forum vero castrense, inquit, ab ullo violari statim præ prohibeat, jubeatque; caupones ac mercatores vende

merces suas venales, iisque distractis alias advehere, castra nostra frequentiam hominum habeant. Hæc illist

inquiunt, absque te ac tuis bac distribuerimus? Quæ ipsoru

mulieres, Postea ver leftis, ut wod quer konoribus txistimeni nibus part led is que tim proclamabant. Medi verò & Hyrcanii, Quo pado minquiunt, ablaus te ac tuis baccio. nobiscum ellexerit

verb

verba

quid t

neque

postule

plus he

obsecto

effered

mus vo

dam, q

nobu p

mu ut

curam 1

mw, ca

rium ac

detis, d

nobiscun

babere 1

nobis a a

incushist:

nos affei

accipie

cum in e

bil ad al

тигорро aded vob

excogita Nos, Cyr

neque fi foremus.

putabis,

felix Es

funt divi Magi è d seligendo

cum rifu

verba Cyrus ità excepit: Eane vestra sententia est, ut quicmid tandem agatur, rebus omnibus nos omnes intereffe oporteat? nique satis ego facturus sim vobis, agens pro vobis, quod usus poftulet: neque vos pro nobis? Quanam alia ratione, fi non bac, pus habituri negotii simus, & minuseffeduri? Enimvero videte Ad p. blecro, ait, nos hac vobis cuftodivimus, & vos creditis, à nobis 106. efferede cuftodita. Vos igitur itidem distribuite, nofque credemus vobis recte distributa esse: ac vicissim nos alius in rebus quiddam, quod fit ex usu publico, peragemus. Primum videte, quot nobis partim adfint equi, partim adducantur. Eos ità si relinque- Cyrus mu ut insideat nemo, neque quicquam nobis proderunt, & ob suadet, anam ipforum molefti etiam nobis erunt. Sin equites, eis impone- ut Pernu, eadem opera tum negotiorum molestia liberabimur, tum vi- sis equi rum accessione nos confirmabimus. Jam si sunt alii, quibus eos ab howis, & quibufcum, fifit opus, pericula libentius adeatis, quam stibus whileum; nimirum his eos tradite. Sin nos in primis adstites capti labere vultis, nobis eos date. Nam modò, quum provedi absque tradannobis ad hostes, pralii discrimen adiretis, magnum nobis metum tur. imushitis, ne quid vobis accideret: at que etiam magno pudore m affecistis, quod isthic non essenus, ubi vos eratis. Verum accipiemus equos, secuturi vos sumus: ac si quidem una vobisum in equis dimicantes, majores afferre utilitates videbimur, niblad alacritatem fummam relingui faciemus: sin pedites putabisuropportunius vobis adesse, proclive fuerit descendere, statinque tho vobis pedites affuturi sumus, & quibus equos tradamus, mogitabimus. Hæc Cyrus dixit, ad quæ illi responderunt : Nu, Cyre, neque vivos babemus. quos, equis bifce imponamus; nque fi haberemus, quum tu hoc velis, aliud sententia tua praformus. Itaque nune equos ipsos accipe, & quodoptimum factus ptabis, facito. Ego verò accipio, inquit, adeóque nos quod sunt dividite. Ac primum quidem, ait, Diis eximite quodeunq; Mogi è disciplina sua indicarint. Deinde Cyaxari seligite, qua Cyri de seligendo maximé rem gratam vos ipsi facturos arbitramini. Illi cyri de um risu mulieres formosas diligendas huic aiebant. Ergo partienmilieres, inquit, diligite, Er quicquid aliud vifum vobis fuerit. da reli-Mea verò, quam buic selegeritis, Hyrcanii facite quantum po- qua Mis, ut omnes bi Medi, qui me ultro fecuti funt, nibil babeant Prada wod querantur. Et vos item Medi primos hofce focios nostros consilimoribus & pramiis ornate, quò rectè se consuluisse suis rebus nistiment, quum nostra se amicitia adjungerent. Etiam de omnibus partem nuncio tribuite, qui à Cyaxare venit; nec ipsi solum la is quoque quos fecum habet: atque etiam hnnc obsecrate ut Ad mbsscum maneat idque mihi probari dicite, ut quum redius in- 107.
Mexerit singula, vera renunciare Cyaxari possit. Persis autem,

qui mecum funt quacunque vobis praclare instrud is superarint. sufficient. Quippe nos in deliciis non admodum educati sumus, sed populari vatione quadam. Itaque fortafis etiam rifui vobis effemus, fi quid fplendidius nobis attribueretur : ficuti futurum scio, ut equis insidentes admodum nosmet vobis ridendos prabeamus; ac fortaffis, ut arbitror, etiam in terram decidentes.

1 e

· t

· q

TE

ji

(a

al

· h ( V

· lo

ef · at

f pr

'ac · fac

re

ter

di

me

" uti

ftr

col

ade abi

tan

tim hof

qua

nor fuit

am

ego ftite

ei m

rer u

quan

ami

mea

in h Qua

dæ mihi

dolo

dit C

equi

23.

23. Secundum hæc illi ad prædæ divisionem accessere, quum ob equitatûs hujus mentionem valde riderent. Cyrus arcessitis cohortium præsectis, justit ut equos reciperent, & instrumenta equestria, cum equorum curatoribus; & qui dem ad numerum acciperent, pares videlicet militum fingulorum numero, sorte quamlibet in cohortem ducta. Proclamari etiam per præconem justit, ut si quod in Aflyricrum ingenu- aut Syrorum aut Arabum exercita mancipium effet, vel os ho. Media vel Perfia five Bactriana, five Caria, five Cilicia, five Græcia, five aliunde vi abductum le conspiciendum exhibe ret. Quo quidem audito præconio, multi se lubenter exhibuerunt. Cyrus ex eorum numero selectis, qui forma præ stabant, ut liberis hominibus arma esse gestanda dixit, abse data: fibi autem curæ futurum ut res necessarias haberent Simul eos ad præfectos cohortium mox deducens, iilden commendat; & jubet, ut crates ac gladios exiles eis darent quibus instructi sequerentur equitatum; atque ut pro eil dem commeatum perinde, ac pro Persis suis, acciperent Ipfi vero cohortium præfecti loricati & hastati semperequi veherentur, quod quidem primus orfus est facere; ac lingu tuo loco peditibus æqualium præfectum ex æqualibus all um constituerent. His illi rebus intenti tum erant.

mines in libertateni vindicant.

Cyrus

24. Interea Gobryas Assyrius, senex, cum equestri famu-Gobry- latu eques & iple aderat. Gestabant autem omnes arma as Af-questria. Quibus verò datum hoc erat negotii ut arma rec yrius perent, jubebant hastas tradi; ut eas perinde, atque arma ca ad Cy te a, comburerent. Gobryas, velle se primum videre rum, ait. Itaque ministri cæteris ipsius equitibus relict rum venit. ad Cyrum Gobiyam deducunt. Is ubi Cyrum conspexit, h Ad p. verbis ulus est: ' Equidem, Domine, natione sum Assyriu 108. & castellum munitum habeo, & amplæ regioni cum imp

rio prælum, & equos circiter mille regi Affyriorum exm bere solebam, cui quidem charus eram, ut qui maxim Sed quando cæsus ille à vobis diem obiit, vir sanè fortis bonus, illius; filius rerum modo potitur, inimicissimo ' mihi, ad te venio, méque luplex ad pedes tuos profterno

Trado autem me tibi lervum, & belli focium; ac te 108 ut injurias meas ulciscaris; téque pro eo ac possum, filiu mihi adopto. Nam orbus sum liberis sexus virilis. Que

enim Domine, solum habebam, forma & virtute præstantem, & amantem mei, & eum honorem mihi deferentem, quo filius patrem persequendo maxime beare possit: hunc Assyrio. rex ille nunc meus, arcessitum ab illius temporis rege, hu- rum rejus patre, ut qui vellet filio meo filiam luam uxorem dare : gis filius (atque equidem eum fic à me dimittebam, ut elato effem Gobry& animo qui filium meum regis filiæ maritum vifurus essem) ficium hunc, inquam, rex iste nunc imperans ad venationem in- interfevitavit, & potestatem ei fecit venandi totis viribus, quod cerit. 'longèle illo meliorem equitem duceret. Itaque venatus est cum eo, tanquam amico quumque prodiisset in conspe-Aum urla, & uterque hanc persequeretur, noster ifte modò princeps emisso jaculo aberrat, quod utinam ne unquam accidisset: at meus ille filius, telo conjecto, quod minime factum oportuit, ursam sternit. Et tune quidem ille dolore affectus, invidiam occultè repressit. Quum autem intervenisset leo, atque hic rurlus aberrasset, quod ei accidisse mirum opinione mea videri non debuit, filius verò meus ictu + denuo non aberrante leonem consiciens, feram in falia utramque se icu gemino diceret, uno alterum secuto, infelici-'stravisse; tum vero sceleratus ille non amplius invidiam ter fecohibuit, sed ereptam uni comitum cuspidem in pectus lici. adegit, atque ità meo illi unico charoque filio animam abstulit. Ego vero miser mortuum pro sponso retuli, ac tam grandis barbescentem tunc prima lanugine filium optimum & dilectiffimum sepelii. At interfector ille, quafi hostem aliquem peremisset, neque pænitere visus est unquam, neque pro atroci hoc facinore terrà conditum honore ullo dignatus est. Pater quidem ejus misertus mei suit, ac palam declaravit, sibi quoque calamitatem meam molestam accidisse. Itaque si ille viverer, nunquam ego ad te cum ipfius damno venissem. Nam & multa exstiterunt ejus in me officia plena amoris, & ipse vicissim ei mea præstiti. Quia verò ad interfectorem fili mei rerum summa pervenit, non equidem animo in illum unquam esse benevolo possim, nec ipse me unquam, sat scio, amicum duxerit. Non enim ignorat, quæ mens in eum Ad p. mea fit, arque uti antehac hilariter vivere solitus, nunc 109. in hac orbitate affectus fim fenectam in luctu exigens, Gobry-Quapropter si tu me receperis, & aliqua mihi vindican- as Cydæ per te mortis chari filii spes siat: etiam repubescere sum omini videbor, neque me cum dedecore vivere, neque cum rat, ut dolore mori putabo. Sic Gobryas quum locutus effet, respon- Mii dit Cyrus: Si constet, ea te sentire, mi Gobrya quæ dicis; mortem equidem te supplicem recipio, & de interfectore me pœ- ulcifcanas tur.

HIO.

nas sumturum, Diis juvantibus, polliceor. Verum dic mihi, ait, si hæc à nobis tibi contingant, & castella retinere te finamus, & regionem, & arma, & potestatem, cum qua fuisti hactenus, quidnam pro his oblequiinobis præstabis? Munitionem, inquit, ubi voles, tradam tibi, ut domus tua fit, & tributum, quod illi ex agro meo pen. debam, ad te deferam: & ubi necesse fuerit expeditionem · suscipere, signa tua sequar, adductis mez regionis viribus, · Præterea mihi filia eft, eaque virgo, quam unicè diligo, ætate jam nubili. Eam me antehac regi nunc rerum potienti putabam conjugem futuram educare. Verum modo me ipla filia multis cum lacrymis suppliciter orat, ne le fratris interfectori tradam: quæ quidem mea quoque lententia est. De hac etiam tibi nunc permitto ut ità consulas, quemadmodum me re ipla de te consulere manifestum est. Itaque Cyrus, His conditionibus, ait, ego verè & ex animo dextram tibi meam do, & tuam accipio. Dii testes nobis funt. Quibus actis, Gobryam arma retinentem abire justir; sciscitatus, quantum itineris ad ipsum esset, quod eo venire vellet. Si cras mane, inquit, proficifearis: postridie nobiscum degere poteris. Itaque Gobryas, itineris duce relicto, discessit.

25. Jam & Medi aderant quæque Magi Diis eximiaser. vanda dixerant, ea Magis tradiderunt. Cyro pulcherrimum selegerant tabernaculum, & mulierem Susianam, quæ omnium in Asia suisse formosissima perhibetur, & insigniter peritas musicæ duas. Secundo autem loco Cyaxari secundana. Simul aliis talibus ipsimet sibi supplebant ea quibus desciebantur; ut rei nullius indigi militarent. Nam magna omnium erat copia. Itidem & Hyrcanii acceperunt ea, quibus ipsis opus erat. Etiam Cyaxaris nuncium ad æquales cum cæteris partes admiserunt. Tabernacula vero, quæ superabant, Cyro tradiderunt, ut ea Persæ haberent. Nummos tum se distributuros aiebant, ubi collegissent universos, idque deinde præstitum. Hæc ab eis & acta tunc, & dicta. Cyrus autem Cyaxari, selecta ut illi acrive-ciperent atque custodirent, jussit; quos ei maximè samiliarer esse pârar. Ac mihi quidem sum daris ait lubens

Mic universos, idque deinde præstitum. Hæc ab eis & acta multi tunc, & dicta. Cyrus autem Cyaxari, selecta ut illi aclibrive-ciperent atque custodirent, justit; quos ei maximè samiteres liares esse nôrat. 'Ac mihi quidem quæ datis, ait, lubens Quin- 'accipio. Utetur autem his vestrûm quilibet, qui eis potum li- 'tissimum indigebit. Et Medus quidam, musica studiosus, Ego brum 'veiò, inquit, mi Cyre, quum audirem vesperè musicas muordiun- 'lieres istas, quas tu nunc habes, voluptatem audiendo pertur. 'cepi: ac si quidem harum unam tu mihi dederis, existi-Ad p. 'mabo jucundius esse, vessariin castris, quàm domi mane-

mabo jucundius esse, versari in castris, quam domi manere. Ego vero, subject Cyrus, dono hanc tibi, & majorem

tibi videor habere grațiam, qui petieris, quam tu mihi,qui

X

ita

in Per rem il Suforti bantu ad Ba tatis i rege e donec

fecto fecto eam gred fedet vefte noice

id face

mox lata mus, præft geftu

nos d virun modo

'illi ce 'quifq 'mirati 'eam accipis. Usque adeò vobis gratificari sitio. Atque ita mulierem accepit is qui petierat.

# **XENOPHONTIS**

Historiarum de Institutione CYRI Liber quintus.

Yrum autem arcessito Araspe Medo, qui erat ei sodalis à puero, & cui vestem quoq; Medicam exuens, quum in Persiam discederer ab Aftyage dederat; ut sibi & mulieremillam & tabernaculum affervaret. Erat autem mulier ea al. Mu-Susorum regis Abradatæ uxor. Quo verò tempore capie- lier ea bantur Assyriorum castra, fortè maritus ejus non adfuit, led conjux ad Bactrianorum regem legatus abiverat, ab Assyrio socie- Abratatis ineundæ gratia missus, quod huic cum Bactrianorum data rege ejus esser hospitii. Hanc igitur ut asservaret Araspes, Sufani. donec eam ad se reciperet, Cyrus justit. Et Araspes, quum id facere juberetur, Cyrum interrogans, 'Vidiftine, inquit, mulierem hanc, Cyre, quam affervare me jubes? Non profecto, ait Cyrus. Ego vero, inquit Araspes, hanc vidi, quum 'eam tibi seligerem. Ac sanè quum tabernaculum ejus ingrederemur, primum eam non agnovimus. Nam & humi 'sedebat, & circum eam sedebant ancillæ omnes, habebatq; vestem illarum vestibus similem. Quum autem studio cognoscendi, quænam effet hera, circumspectaremus universas; mox alias omnes excellere visa eft, tamersi sederer, ac ve- Panlata terram intueretur. Postquam verò surgere, eam justi- thea mus, consurrexere cum ea cunctæ quæ aderant. Tum vero excelpræstabat hæc primum proceritate, deinde robore, virtute, lens forgestuum elegantia, licet habitu vili vestita constitulet. ma. Etiam lacrymas videre erat distillantes partim in vestem, Ad p. partim ad ipsos usque pedes. Quúmque natu maximus inter 111. nos diceret: Bono animo fis, mulier: nam tametti præftare virum tuum corporis & animi bonis audiamus, tamen ei te modo feligimus, quem scire debes neque formæ elegantia illi cedere, neque ingenio, neque potestate. Nimirum si quilquam alius, Cyrus certe nostra sententia dignus est admiratione, cujus tu deinceps eris. Id ubi mulier audivit,

104

Panthea virtus.

dilacerată superiori veste cepit ejulari, ancillis unà vocise. rantibus. Atque hie jam maxima ex parte facies ejus appa. ruit & collum & manus apparuerunt. Adeoque scito, mi Cyre, tam mihi quam aliis eam intuentibus vilum effe, nunquam mulierem in Asia vel effe natam, vel exstitisse ' talem ex mortalibus. Sed enim, inquit, omnino tu eam · spectabis. Et Cyrus, Imo verò multo minus, ait, fi talis est, qualem tu prædicas. Quid ità? inquit adolescens ille. Quia

amor.

Possitne ' si nunc, ait, postquam de te audivi, eam esse formosam, cogere ' persuaderi, mihi patiar, ut ad spectandum illam abeam non admodum otiolus, vereor, ne multo citius illa mihi rur-' sum persuadear, ut spectatum redeam, ac deinde neglectis invitos ' fortasse iebus iis, quæ mihi gerendæ sunt, oculis in hanc fixis defideam. Et adolescens ille cum rifu inquit: Existimalne, mi Cyre, formam humanam tantum habere virium ut nolentem cogat facere, quod factu non fit optimum? · Nam si hoc ità comparatum esset à natura, omnes eodem modo cogeret. Ignem, inquit, aspice, ut omnes itidem urat. Nam talis à natura est. At exformosis alii amantur, alii non, · & alius alios amores habet. Est enim bac res in voluntate pofua, & unufquifque quos vult amat. Jam neque frater lororis amore tenetur, sed alius; neque pater filiam, sed alius amat. Etenim metus & lex ad coercendum amorem virium fatis habent. At vero fi lex promulgaretur, ut qui non comedunt, non eluriant; & qui non bibunt, non sitiant; utque nec hyeme algeant, nec æstate caleant: in hisut homines parerent, lex nulla posset efficere. Sunt enim à natura fic comparati, ut his fint inferiores : Amare vero, in vo-· luntate positum est. Unusquisque sanè amat, quæ sibi conveniunt, ut vestes & caligas. Qui fit igitur, inquit Cyrus, "ii voluntai ium quiddam est amor, quod sieri nequit ut aliquis definat, quum vult? Vidi ego, qui piæ dolore, quem ex amore percipiebant, flerent, & iis, qui amabant, lervi-' rent ; tametsi priùs, quam amarent, servitutem rem malam essearbitrarentur : quique multa largirentur, quibus carere fuo fine incommodo non poterant. Tum qui optarent, ut amore non fecus arque moibo quodam alio liberarentur, neque tamen liberari possent; sed validiore necessitate

> ejulmodi habeant mala : sed potius amores suos iph, ne aufugiat, oblervant. Et adolescens ille ad bec, Faciunt

> vero, quæ dicis, ait. Et sunt profecto, hujusmodi homines socordes & sutiles. Quo fit, mea quidem lententia,

Ad p. 112.

> tet ei gra vicissim vincti essent, quam si ferro suissent constricti. Iraque cellaria i etiam de suis amoribus exhibent amantes ad oblequia effet : hi mirum a ' multa fine fructu, ac nè quidem aufugere conantur, quum

femp

nes

lide

nent

vide

pien

nequ

form

quæ

nes 1

in an

tame

petar

abftil

quide

nufta

mei f

fortai

chini

etiam flamn

tange

lulo,n

Nam

etiam

te flag

rum, i

defina

Rectif

quema

taffe n

dictis ad

mimady

2. Ad am mul

3. Qu lecum m let oppos Equide

· semper

modo ge

semper ut optent mori, tanquam miseri: quumque rationes infinitæ fint è vità excedendi, non tamen excedunt. lidem furari quoque conantur & ab alienis haud abstinent. Verum ubi quid vel rapuere vel furto subtraxere, vides iple, inquit, te primum increpare furantem, & rapientem, quum nulla necessitas eos ad furtum adigat; neque veniam dari, sed pænas sumere. Sic ergo neque formofi ad amandum se cogunt, nec ad appetendum ea, quæ appetenda non funt: fed nullius momenti homunciones in omnibus cupiditatibus funt impotentes, ac deinde in amorem culpam conferunt. At honesti probique viri, umetfi & aurum, & equos bonos, & mulieres formosas expetant: nihilo tamen minus ab hisomnibus facile femet abstinere possunt, ut per injuriam ea non attingant. Ego quidem certè, tametsi hanc conspexerim, pérque mihi venusta vila sit; tibi tamen adsum, & equito, & cætera, quæ mei sunt officii, præsto. Profecto, inquit Cyrus, discessisti fortaffe citius, & ante id tempus, quo solet à natura machinis suis amor homines occupare. Nam fieri potest, ut etiam ignem quis tangens, non statim uratur: & è lignis flamma non statim emicat. Ego tamen nec ignem uttrò ungere, nec formolos alpicere foleo. Ne tibi quidem consulo, mi Aralpa, ut oculis formosis diutius immorarisinas. Nam ignis quidem non nisi tangentes urit, at formosi etiam eos, qui è longinquo spectant, sic accendunt, ur amoreflagrent. Bono animo fis, ait, mi Cyre, non enim futurum, ut ità capiat, nè quidem si nunquam hanc spectare besinam ut aliquid præter decori rationem admittam. Rectissime, inquit, ais, atque adeò hanc mihi asservato, quemadmodum jubeo, ejulque curam gerito. Nam for- Ad p. tasse mulier hæc opportune nobis usui magno fuerit. His 113. dittis ad le invicem tunc discesserunt.

2. Adolescens autem ille, tum quòd supra modum formolam mulierem videret, tum quòd ejus honestam bonitatem Araspes
mimadverteret, tum etiam, quòd coleret eam, séque puta-erga
net eigratiscari, & illam non ingratam esse sentiret, quæ Pantbevicissim per famulos suos curam adhiberet ut venienti ne-am anessaria suppeterent, ac si quando ægrotaret, nihil ut ei de-more
esse: his igitur omnibus factum, ut amore caperetur; nec captus.
mirum aliquid ei fortassis accidit. Atque hæc quidem hoc

modo gerebantur.

3. Quum autem Cyrus & Medos & cæteros socios ultro lecum manere vellet, convocavit omnes, quos adesse duceletopportunum & ubi convenissent, hujusmodi protulit : Equidem Medi, vosque omnes, qui adestis, certo scio, non

Ad p.

I 1 4.

Apum

dia.

9174m

374m

#### XENOPHONTIS

ob penuriam pecuniæ vos mecum profectos effe, nec quod existimaretis in hoc voluntati Cyaxaris inserviri, sed quia mihi gratificari, meque honore prolequi velletis, libitum vobis est mecum & nocturnum iter ingredi, & salutem in discrimen conjicere. Quas ob res equidem vobis gratiam habere debeo, ni esse injustus velim; nec dum tamen ex dignitate referendi facultatem habere mihi vide or, quod quidem me minimè pudet dicere. Sed quò minus dicam, fi mecum manseritis, me relaturum; pudore præpedior. Nam existimarem videri posse, me dicere hoc eam ob caussam, ut libentiùs apud me remanere velletis Itaque pro eo hæc dico: Ego apud vos, etiamfi nunc Cyaxari morem gerendo discesseritis, id efficere conabor, si quid prosperè gessero, ut vos ipsi me laudetis. Non enim jam discedo, sed Hyrcaniis, quibus & jusjurandum, & dextram dedi, fidem servabo; neque unquam committam, ut nos deseruisse convincat. Atque etiam facere conabor, nè Gobryam, qui modo, & munitiones, & regionem & copias nobis tradidit, unquam itineris ad me suscepti pæniteat. Quod denique maximum eft, quum Dii tam manifesto bona nobis largiantur, & metus eorum, & pudor retinere me debet, quò minus relictis his temerè discedam "Hoc equidem, ait, facturus fum. Vos quod ex animi vestri sententia visum vobis fuerit, agite; & mihi que veftra sententia sit, indicate. Hæc ejus verba fuerunt: At is, qui Cyri se cognatum esse dixerat aliquando primusad hæc, Ego verosic aio, mi rex, inquit. Nam regem natura nihilo te minus ortum arbitror; quam ille rex est, qui dux apun in alveo nascitur. Illi enim semper apes ultrò parent, ac quocunerga re- que loco manserit, ab eo nulla earum discedit. Quod si aliquo prodigem fu- erit, nulla ipfum deferit; tam mirificus eis amor erga principem um ftu- bunc fuum innascitur. Isidem erga te mibi quodam modo videntar hi homines affecti effe. Nam quo tempore à nobis in Persiam pro-Homi- ficiscebare, quisnam Medorum vel juvenis vel senex abfuit, qua minus te sequeretur, donec Astyages nos retrogredi justit? PostergaCy- quam verò domo nobis è Perside opitulator advenisti, videbamut iterum amicos tuos prope omnes sponte sua te segui. Quum iurstudia. Jus expeditionem in hac loca suscipere cupivisti, omnes te Medi lubentes secuti sunt. Et nunc aded sic affecti sumus, ut te prasente etiam in hostico simus animosi. Es absque te domum reverti formidemus. Itaque cateri, quid facturi sint, ipsi exponent : ego vero, mi Cyre, atque illi, qui mea in potestate sunt, manebimus apud te: te intuendo, quavis substinebimus: te beneficiis nos afficiente, tolerantes erimus. Posthæc Tigranes ità locurus est: Nolim

Nolim non ad perave cederet tos vos attines dente n Praferi quod 11 capere. deinde domum his au fac ut e eo jussi Perfæ v tibus c hoc m bernac forum Perfis res bell 4. H lurrexi in equi excreve babeba mau luisno minis p vel ab hendere cum Go mam v locus p

taspecu

autem 1

cumveE

ttiam fi

nunciar

dere vo.

mendax

Dia mur

10, qua

Nolim mireris, ait, mi Cyre; quod taceam. Animus enim meus non ad confultandum paratus est, sed ad faciendum, quicquid imperaveris. Hyrcanius autem, Dicerem ego, inquit, sijam difederetis Medi numinis id alicujus voluntate fieri, quod valdebeatos vos fieri non sineret. Humana quidem mentis judicium quod attinet, quis vel hofte fugiente se patiatur adverti, vel arma tradente non ea capiat, vel secum suis rebus dedente non recipiat? Prasertim quum ejusmodi ducem babeamus, qui mibi videtur, quod juratus equidem deos omnes testor, majorem ex eo voluptatem capere. si benè de vobis mereatur, quam si seipsum locuplet et. Tum deinde Medi omnes hæc dixerunt: Tu nos eduxisti, Cyre. Tu domum nos, ubi tibi vifum erit commodum, tecum abducito. Cyrus his auditis, hoc votum abjecit: Te vero maxime Jupiter oro facut eos, qui honore me profequentur, beneficiis superem. Ex ojustit, ut cæteri quidem locatis excubiis, corpora curarent. Perlævero tabernacula distribuerent, in equites ea, quæ equitibus convenirent: in pedites, quæ his sufficerent. Ut item hoc modo res constituerent, quo universi qui essent in tabemaculis, necessaria conficerent, ac Persis ad ordines ipforum afferrent, & equos etiam curatos eis exhiberent: Perfis autem nihil aliud negotii relinqueretur, quam uti res bellicas elaborarent.

4. Hoc modo diem hunc exegerunt. Manè autem quum surrexissent, iter ad Gobryam ingressi sunt. Cyrus quidem Ad P. in equo, cum Persarum equitibus, qui jam ad duo millia 115. creverant. Hos sequebantur, qui crates & copides eorum Cyrus ubebant, numero eis pares. Itidem exercitus reliquus in- ad Gometus iter faciebat. Et jussit Cyrus, uti quisque famulis bryam hisnovitiis futurum diceret, ut quisquis eorum vel post ag- iter faminis postremi custodes conspiceretur, vel ante frontem, cit. vel ab utroque latere extra eos, qui essent in ordine, deprehenderetur, pænas daret. Poftridie circa vesperam ad lotum Gobryæ perveniunt, & munitionem supra modum firmam vident, & in mœnibus parata omnia quibus egregiè locus propugnaretur. Quinetiam multos boves, & permultaspecudes fubter munitiones adductas cernebant. Gobryas autem misso ad Cyrum quodam, dici jussir, ut Cyrus cirumvectus dispiceret, ubinam accessus esset facillimus, atque tiam fidos quosdam homines intro ad se mitteret, qui renunciarent ei, quæ intus vidissent, Itaque Cyrus re ipså videre volens, num alicubi castellum capi posset, an Gobryas mendax esse deprehenderetur, undique obequitabat, & omna munitiora vibebat esse, quam ut accedi posset. Illi ven, quos Cyrus ad Gobryam miserat, renunciant Cyro, tan-

it:

Senten- tam intus bonorum effe copiam, quanta in hominum ætatem, tia est de suo quidem judicio, suffectura iis, qui essent in castello, videretur. Cogitabat secum Cyrus, quænam illæ res effent; vidit omnia quum Gobryas iple ad eum egreditur, & omnes quotquot intus erant, educit ; alios quidem ferentes vinum & farinas, munitiora alios vero agentes boves, & fues, oves, capras: & quicquid effe, esculenti requireretur, id omne afferebant; ut totus Cyri quàm exercitus egregia cœnâ exciperetur. Quapropter ii, quibus Gobry- id erat datum negotii, diftribuebant hæc, & cœnam appara. as præ bant. Gobryas vero, quum suos omnes eduxissent, Cyrum indixerat gredi justit eo modo, quem arbitraretur iple tutissimum. Muni-Itaque Cyrus præmissis speculatoribus & agmine suorum, tiora tandem & iple ingreditur. Quum esset ingressus, portas tequame nens apertas, amicos omnes & præfectos militum advocalongin-bat. Postquam hi jam intus erant, Gobryas depromtis paquo. teris aureis, & gutturniis, & urnulis, & omnis generis or-Gobry- namentis, & immensa vi Daricorum, & universis rebus pulas Cy- cris, ad extremum etiam filia (quæ quidem erat admiranda rum formâ & proceritate, lugubri habitu, propter mortem fraeum ex- tris) producta, dixit: Pecunias hasce tibi trado, mi Cyre, ac filiam banc tibi committo, ut de ea, sicut ipse voles, statuas. Obexcipit. secramus verò te supplices, ego quidem etiam antea ut filii; hac Ad p. verò nune, ut fratris ipsius ultor sis. Ad quæ Cyrus inquit: 45 116. ego tibi tunc quoque pollicitus sum, me ultorem tibi futurum pro viribus, si minime nos mendacio falleres. Nunc quia te veracent video, reus sum promissi. Quin & buic polliceor eadem me, Dis juvantibus, facturum. Ac pecunias quidem istas accipio, & huic puella atque illi, cum quo nuptura est, dono. Munustamen unum abs te accipiens, discedam; pro quo mibi donato ne quidem ea, que Babylone sunt, tametsi plurima nec que sunt uspiam, lubentius babiturus sim, ac discessurus. Et Gobryas miratus, quid tandem illud effet, ac suspicatus, an filiam diceret interrogavit : Quid iftud eft, mi Cyre? Tum relpondens Cyrus: Multos arbitror effe homines, ait, mi Gobiya, qui nec impii, nec injusti esse velint, ac sponte suâ ne quidem men tiantur aut fallant. Sed quia nemo potestati eorum permitter voluerit nec pecunia vim magnam, nec regnum, nec castelle munita, nec amabiles liberos; eò fit, ut priùs moriantur quam quales fint, cognosci posit. Tu verò, quum mibi jan mænia munita, Es omnis generis opes, Es copias tuas, Es filian dignam sanè, quam sibi quis acquirat, in manus tradideris : secist sane, ut apud omnes homines constet, eum me esse, qui nes in holpites impius effe velim, nec pecunia caufsa injustus, nec in pra standis pactis, quod me guidem volente sit, fallax. Igitur huju ego tibi, sat scio, donec vir justus ero, Es ob existimationem ejus

nibus perent bác di num 9 babitu equide inter e dem m Er om mis, 91 vita fi Rimati na tura lediffe. les, inq petam, fedo, poteris :

modi

Gobrya mavid bens aud 'mihi, 'torali 'plura 'vestra 'domû 'fupra 'pro ft

campi

apud eo:

tatem ce

eorum i

wilum n

tutum ge

citate,

on adei

equis no audire, 8

prudenti

lent, ac

potu con

modi sese

5. H

abiit, f

modi laudem mortalium promerebor, nunquam obliviscar: sed omnibus te rebus honestis ac bonis vicissim ornare conabor. Neque verendum est tibi, filiam quod attinet, nè viro sis cariturus, qui hac dignus fit. Nam multos ego, & egregios amicos babeo, quoum quisquis tandem banc duxerit, an eas quidem pecunias sit babiturus, quanta abs te dantur, veletiam alias mulio iis plures. equidem dicere nequeo. Te quidem certo scire volo, esse quosdam inter eos, qui ob pecuniam, quam tu largires, ne tantillo quidem magiste fint admiraturi. Me autem hoc tempore suspiciunt, & omnes Deos precantur, ut declarare possit, se quoque nibilo mimis, quam me, fideles amicis effe, hostibus nunquam cedere, dum vitt fit eis superftes, nisi numen obstet. Virtuti verò, & exifinationi bona, ne Syrorum quidem, & Affyriorum omnia bo- Ad p. na tuis addita pratulerint. Tales viros certo scias hic jam con- 117. sediffe. Ad ea Gobryas quum arrifisser, Per deos immortales, inquit, indica mibi, mi Cyre, ubinam illi fint, ut abs te petam, liceat mihi horum aliquem adoptave filium. Nihil prosedò, ait, opus est ex me sciscitari, sed si nobiscum sequaris, poteris ipsemet etiam alii quemlibet borum ostendere.

5. Hæc locutus, prehendit Gobryæ dextram, & furgens biit, suis omnibus secum eductis. Quúmque multum à Gobryà rogaretur, ut intus cœnaret, noluit: led in castris mavit, & Gobryam in cœnà convivam adhibuit. Accumbens autem stramineo in toro, sic eum interrogavit: 'Dic 'mihi, mi Gobrya, inquit, utrum existimas plura tibi esse toralia, quam cuique nostrum? Profecto, inquit, vobis plura funt, sat scio, tum stragula, tum lecti: & domus vestra longè amplior est, quam mea quibus terra & cœlum bomûs usum præbent. Etiam tot vobis lecti sunt, quot supra terram cubilia. Præterea lanas ovium non habetis pro stragulis, sed quæcunque sarmenta tum montes, tum campi suppeditant. At Gobryas quidem tunc primum Perfapud eos cœnans, quum ciborum, qui apponerentur, vili-rum htem cerneret, multo illos liberalius fuis degere judicavit, tempeforum in vescendo moderatione consideratà. Etenim ad rantia, mlum neque cibum neque porum Persam disciplina instimum gentilitia sic commoveri vel oculis apparet, vel rapachate, vel animo, minus ut providus fit, quam si cibus on adesset: sed ut homines equestres propterea, quod in quis non perturbantur, inter equitandum & cernere, & ludire, & dicere, quæ sit necesse, possunt: ità & illi prudentiam ac moderationem in velcendo exhibendam cenlent, ac prorsus caninum belluinúmque ducunt, à cibis & Potu commoveri. Animadvertit etiam eos de rebus ejulmodi sese interrogare, de quibus jucundius esset interrogari,

quam non interrogari: & false quædam dicere quibus perftringi jucundius effet, quam non perftringi: & ità jocari ut omnes contumelia longè abeffet, longè turpis actio, longe animorum ex indignatione contra le invicem commotio. Maximum vero ei visum est, quod quum essent in expeditione, nemini eorum, qui periculum idem adibant, plura putarent apponenda: sed epulum id lautisi. mum ducerent, fi eos, quos belli focios habituri effent, quam fortissimos & optimos efficerent.

6. Ad p. 118.

6. Quum autem Gobryas domum iturus surgeret, dixisse perhibetur, 'Equidem, mi Cyre, non amplius miror nos copiam majorem poculorum, vestium, auri poslidere, quam vos: sed vobis tamen multo esse minoris æstimandos. Quippe nobis est curæ, ut copia illorum attluamus: ' vos id eniti studiosè mihi videmini, ut longè præstan-\* tiffimi fitis. Hac Gobryasquum dixiffet, subjecit Cyrus, Vide, \* mi Gobrya, cras manè cum equitibus armatis adlis, ut co-· pias etiam tuas inspiciamus: simulque per agrum tuum onos ducas, ut sciamus, quæ pro amicorum quæ pro hoflium rebus nobis habenda fint. At tunc quidem his dictis, uterque ad sua discessit. Quum autem illuxisset, aderat cum equitibus Gobryas, & præibat. At Cyrus, velut eum facere par est, qui cum imperio fit, non solum itinera faciundo intentus erat, sed inter progrediendum consideraimpera- bat, fierine posset, ut hostes imbecilliores redderentur, iph firmiores. Itaque arcessito Hyrcanio & Gobrya quos, im-

munus primis ea scire putabat, quibus sibi cognitis opus esset: on per- 'Arbitror, inquit, amici, me nequaquam in confiliis de fonaCy- hoc bello meis aberraturum, si vos, homines sidos, eis ri de- adhibeam. Vobis enim magis etiam cogitandum esse viclaratur deo, quam mihi, ne superior nobis Assyrius evadat. Nam me quod attinet, si frustratus in his fuero, fortassis aliud est quo me vertam: à nobis, si superior hic evaserit, om-

' nia quæ possidetis, alienatum iri video. Etenim meus hoftis est, non quod me oderit: sed quod sibi non expedire arbitratur, nos magnos effe; eaque una caussa eff

cur bellum nobis faciat. At vos & odit, & affectum le confili- 'à vobis injuria ducit. Ad que respondit uterque, cure fibi um ca- effe, res istas ut ità peragerent, quod ipfi hæc non ignosit de ' rarent: ac præterea fibi vehementer effe curæ, qui nego.

locars: tiorum prælentium futurus fit exitus.

7. Ibi tum ipse fic or sus eft dicere: 'Velim mihi fignifice. bus ad- 'tis, ait, an vos solos Assyrius existimarit erga le hostilites jungen- affectos, an & alium quendam infestum ei novistis? Imo inquit Hyrcanius, maximi profecto ejus hoftes funt Caducit

pop

Sac

& i

ifti

ros

con

min

per

enin

qui

indo

eum

lum

cto,

conti

Etia

àjus

le co

mod

dave

quan

ait,

jam i

Ergo

contp

vero

mi C

nus. C

teffe (

hoc,

Gobry

habes

iplain

equos

elle vi

rumor

tror ef

8. Hu

ondir;

osinsti

fiderar Bibylo

maxiir

adentil

dem ar

populosa gens & robusta: itidémque finitimi nobis sunt Sacæ, quos Astyrius iste multis maleficiis infestavit. Nam & illos æque ac nos, conatus est sibi subjicere. Ergo existimatis, ait, jam libenter hos utrosque nobiscum invasuros Affyrium? Imo etiam acriter, inquiunt, si quo modo conjungere se nobiscum possent. At quid obstat, ait, quo Ad p. minus conjungantur : Nimirum Assyrii, dixere, gens ea, 119. per quam nunc pergis. Quum hac audisset Cyrus, Quid enim, mi Gobrya, inquit, an non tu adolescentem hunc, qui modo regno potitur, ità acculas, ut qui moribus & indole supra modum superba sit? Nimirum talem, ait, eum expertus fum. Utrum vero, subjecit Cyrus, in te 10lum le talem gessit, an etiam erga quosdam alios? Profedo, inquit Gobryas, erga multosetiam alios. Et quibus sanè contumeliis imbecilliores afficiat, quid attinet dicere? Etiam viri cujuldam longè me potentiores filium, sodalem a juventute luum, licut & meus erat, compotantem apud le comprehendit & castravit : idque propterea, quemadmodum nonnulli narrant, quod concubina regis eum laudaverat à formæ præstantia, selicemque futuram dixerat, quam ille conjugem habiturus effet: ut autem ille nunc ait, quod ejus concubinæ pudicitiam tentaffet. Itaque jam ille castratus est & patre mortuo imperium obtinet. Ergo, subject Cyrus, existimas hunc quoque nos lubenter conspecturum, it nos arbitraretur opem sibi laturos? Id verò sat equidem scio, ait Gobiyas. Verum difficile est, mi Cyre, in conspectum ejus venire. Quid ità? inquitCyns. Quia si quis cum eo conjungere le velit, eum neaffe eft præter iplam Babylonem transire. Quid autem in hoc, ait Cyrus, difficultatis est? Quia profecto, inquit Cobryas, scio copias ex ea multo majores his quas tu huc habes prodiisse: arque adeò plane tibi constare volo, hanc plam ob caussam minus Assyrios nunc atterre arma, & quos adducere quam antea, quod exercitus tuus exiguus elle visus sit iis, qui eum conspexerunt, quodque passim numor hic jam sparlus sit. Quamobrem consultius arbivor este, ut cauté proficilcamur. C 8. Hujusmodi guum ex Gobrya Cyrus audisset, ità resbi

n d

1

e-

10-

ce4

ter

no.

mdit; Rectè, mi Gobrya, dicere videris, qui profectionem winstituere turissimam jubes. Mihi vero negotium hoc con-Cyri Ideranti nullum tutius iter ad animum accidit, quam fi ad confili-Bibylonem ipsam tendamus; fi quidem ibi robur hostium um de maximum est. Nam multos iftic esse fateris ipse: qui si adeunidentibus animis fint, etiam terrori nobis erunt, ut equi- da Badem arbitror. Sam verò fi nusquam nos conspiciant, sed bylone.

Ad p.

120.

112

delitescere nos in obscuro existiment, quasi eos metuamus, certo futurum scias, inquit, ut metu liberentur, quem con. ceperunt; proque hoc tanto major in eis fiducia existat. quanto nos diutius non conspexerint. Sin jam in eos pergemus, multos inveniemus, plorantes adhuc illos, qui à nobis interfecti funt: multos quibus erunt obligata vulne. ra, quæ à nostrisacceperunt; omnes denique recenti habebunt in memoria nostri hujus exercitus audaciam, & fugam calamitatémque suam. Scire autem planè debes, mi Gobrya, fic comparatum esse, ut plerique mortales, quim fiduciæ pleni sunt, ea sint animorum elatione, quæ sustineri nequeat. Verum ubi sibi metuunt, tanto majori stupidiorique formidine tenentur, quanto plures numero fuerint. Nam de multis & adversis rumoribus is terror eis adauctus adeft, déque multis & triftibus rebus ac multis etiam consternatis exanimatisque vultibus collectus. Adeoque ob magnitudinem terroris hujus facile fieri nequit, ut vel ille verbis extinguatur, vel in hoftem ducendo robur animis addatur, vel abeisdem abducendo militum spiritus excitentur: sed quo magis hortere, præsentibus utanimis fint, tanto se gravioribus in periculis esse putant. Quin & illud quo pacto le habeat accurate confideremus. Nam fi deinceps in rebus bellicis apud eos futuræ funt victoriæ qui majorem hominum turbam annumerabunt; rettett nobis metuis, & nos reaple in periculo verlamur. Sinu antea, sic etiam adhuc, ex virture dimicantium de præ-' liis decernitur, rectè feceris, si bono sis animo. Nam · Diis juvantibus multo plures apud nos invenies, qui pug " nare velint, quam apud illos. Atque uti plus etiam fidu ciæ sumas, hoc quoque tecum cogita: Sunt hostes jam " multò minores, quam priùs, postquam à nobis victi lunt & multo nunc item minores, quam quum aufugerunt Nos autem & majores nunc sumus quam priùs quum vi ' cerimus: & firmiores quum foituna usi prospera simus & plures, quum vestrum accessione simus aucti. Nol enim deinceps ne de tuorum quidem honore detrahere quando jam nobiscum sunt. Nam cum victoribus cent Babylo. ' scire debes, mi Gobrya, etiam eos, qui sequuntur exerciniorum ' tum, fidentibus animis pergere. Nè id quidem te lateat fines in. ' inquit, posse hostes hoc etiam tempore nos videre: le ' magis illis strenui nequaquam apparebimus, quam si adversus iplos progrediamur. Quum igitur hæc mea len ' tentia fit, Babylonem nos rectà ducito. 9. Itaque sic pergentes, die quarto ad sines agri Gobiya

pervenerunt. Quumque jam esset in hostico secum instructo

confift

cere V

fecit,

quos C

Juffit !

multi :

pliffim

dorum

fic eos

pitio

mia 1

' fatis

factur

prom

auditur

ab omu

Maxi

quide

effe an

aureis

agnov

Ito ig

tis, &

bryæ :

omnibu:

10. S

Cyrus, i

næ temp

tent, Go

lum cun

micare v

lano vid fectus, 1

dam ad e

tet. F

quod f etiam

ab hoc

appara

tuo te 'illo ter

Deinde 1

ille audi

mihi,

ille caf

Letio marginu.

Cyrus vadit.

confistere justit tum pedites, tum equites, quot ipfi fufficere viderentur. Reliquis equitibus excurrendi potestarem Ad p. fecit, hoc etiam præcipiens, ut armatos occiderent : reli- 121. quos cum pecudibus, quascunque cepissent, ad se deducerent. fussit & Perlas cum cæteris populatum excurrere, quorum multi redierunt ab equis delapfi, multi etiam prædam amplissimam adduxerant. Ea quum ad sse: convocatis Medorum Hyrcaniorumque principibus, & æqualibus Perficis, fic eos alloquutus eft : 'Gobiyas, amici, nos universos holpitio exceptos liberaliter l'abuit. Itaque fi rite Diis eximia pro more selegerimus, & reliquo exercitui quantum fatis erit, ac deinde pradam aliam huic dabimus; rectè facturi sumus ut statim constet, conari nos bene de vobis promerentes vicissim bene facienco vincere. Quod ubi auditum effet, & comprobatun & celebratum fuit id quidem abomnibus: sed unus tamen hujusmodi quiddam protulit: 'Maxime, mi Cyre, faciendum hoc nobis eft. Nam mea Libera-'quidem sententia. Gobryas hie nos mendicos quoldam lis cu-'esse arbitratus est, quia Daricis onusti non venimus, nec justem 'aureis è pateris bibimus. At si hoc fecerimus, fortassis hominis 'agnoverit, posse homines eriam absque auro liberales esse. vox. 'Ito igitur, inquit, atque ubi Diis debita magis tradideritis, &, quæ exercitui suffecerint, selegeritis; cætera Gobryz arcessito donate. Quamobrem acceptis illi rebus

omnibus, quibus opus erat, cætera Gobryæ dederunt. 10. Secundum hæc ad ipfam Babylonem progressus est Cyrus, instructo exercitu eo dem modo, quo instructus pugne tempore fuerat. Quum vero Assyrii contrà non prodiunt, Gobryam Cyrus adequitantem dicere justit, vel seiplum cum rege dimicaturum, si rex egressus pro regione dimicare vellet. Sin regionem suam non defenderer, necel- Cyrus ano victoribus parendum sciret. Itaque Gobryas eo pro- Affyrio settus, ubi dicere tutum erat, hæc dixit. Is vero quen-duellum dam ad eum prodire jussit: qui verbis hujusmodi responde- offert. tet. 'Hæc ait dominus tuus, Gobrya, Non me pænitet, quod filium tuum interfeci: fed quod præter iplum, non etiam te occiderim. Quod si pugnare vultis, ad diem ab hoc trigefimum adeste. Nunc enim nobis haud vacat Cyrus apparatu belli occupatis. Gobryas autem, Utinam perpe- confilituo te horum pæniteat, inquit, Satis enim apparet te ab um caillo tempore, quo eorum pænirere cæpit, à me cruciari. pit de Deinde renunciat Cyro responsum Assyrii Gobiyas: quoinennille audito, copias abduxit, & arcessito Gobrya, ' Dic da nomihi, ait, an non perhibebas existimare te futurum, ut va sociille castratus ab Assyrio nobiscum se conjungeret? Equi-etate.

#### XENOPHONTIS

Ad p. 122. Lectio margi-2115.

dem hoc, ait, certo mihi persuasum habeo. Nam multa jam pridem nos inter nos liberè colloquuti sumus. Quando igitur commodum tibi videtur, hominem accedito. ac primum quidem sic facito quemadmodum ipse tibi ' fignificabit. Ubi vero cum eo congressus fueris, fi quidem animadvertes, eum nobis amicum effe velle, prorfus hoc struendum erit, ut clam sit eum à nobis amicum esse, Nec enim aliquis in bello amicos ulla ratione alia pluribus beneficiis affecerit, quam si hoftis esse puterur: nec 'inimicos ulla ratione alia quis affecerit detrimentis pluribus, quam si amicus esse videatur. Novi equidem, ait " Gobryas; id emturum quoque Gadatam, ut magno aliquo " malo regem hunc Affyriorum afficere posset. Sed nobis confiderandum eft, quid possit. Die igitur, ait Cyrus, an in castellum hoc, quod est ante regionem hanc, & quod ' ipfi dicitis adversus Hyrcanios & Sacas ad eum ulum, u belli propugnaculum huic regioni fit, exftructum effe in hoc, inquam, castellum existimas admissum iri à præfidii magistro castratum illum, n cum copiis accedat Prorsus, inquit Gobryas, si quidem haud suspectus, un nunc est, ad eum veniar. Ergo, ait, quam minime lulpe ctus fuerit, si ego castella ipsius adoriar, tanquam ea capere velim, & ille totis viribus defendat: & capiam ego quiddam, quod ipfius sit; ille contra vel quosdam alio \* nostrum capiat, vel etiam nuncios eos, qui mittentura me ad illos, quos regi Affyriorum infestos dicitis. Es his qui capti fuerint, ad exercitum le proficilci dicant ut scalas illud castellum deportent. At iste castratus his auditis, adesse te simulet, velut hæc indicaturum. Et Gobryas, Si res ità geratur, ait, certo scio recepturum atque etiam eum rogaturum, ut fecum maneat, donec ti recedas. Ergo, ait Cyrus, fi femel castellum ingrediatur an noftram illud in potestatem redigere possit? Ità vide tur, inquit Gobryas, fi quidem intus ille apparando juvet ac tu foris impetu vehementiori exercitum admoveas hæc edoceas & re confecta nobis præsto sis. Fidem ve

Stratagema Cyri.

TI.

Ito igitur, inquit Cyrus, & enitere, caftratum ut iftum ro neque dederis, neque oftenderis ei majorem illa, quan à nobis iple accepisti.

11. Secundum hæc discessit Gobryas, cujus conspectus quum gratus illi castrato suisser; ità cum eo convenit pactus est, ut oportuit. Quamque renunciasset Cyro Go bryas, videri tibi apud eunuchum certa jam & sirma esse omnia, quæ mandasset; tum deinde copias postero die Cy rus admovit, Gadata ex adverso sua propugnante. Castel

copi quæi audi appa Tanc ftellu cafte fteaq ulus confe ad Cy dere, tu cun plane, boc pa creand randi f boc fac mmus, plios, 1 12. teret, c iplius ( tam ut junxeri fatem t tes ejus & relig tradit. venerint

lum

pug

eis,

tum mi tariorun peditun

ns perti

litate no

conveni

ceperun

diret ill

eller, ac

ellet, m

cietatem

ex Cadu

lum à Cyro captum, id erat, quod Gadatas jusserat oppugnari. Nuncios autem, quos Cyrus miserat, prædicens eis, quo proficisci deberent, alios Gadatas elabi fivit, ut copias adducerent, & scalas afferant: quos vero cepit, quæftionibus in multorum præsentia subjecit. Quumque Ad p. audisset, ad quæ proficisci se dicerent : statim rebus ad iter 123. apparatis, tanquam hæc enunciaturus, noctu profectus est. Tandem quum ei fides habita esset, velut opem laturus caftellum ingreditur: ac primum quidem una cum eo, qui castello præfectus erat, omnia pro viribus apparabat, Pofleaquain vero Cyrus accessit, castellum Gadatas occupat, ulus ad hoc etiam captivorum de Cyri copiis operà. Quo confecto, statim Gadatas eunuchus rebus in eo constitutis ad Cyrum egreditur: quem ubi pro more adorasset, Gaudere, inquit, te Cyre jubeo. Gaudeo vero, subject ille. Nam Salutatu cum Diu non solum me jubes, sed etiam cogis gaudere. Nam tis Graplane scias, magni me facere, quod sociis hic nostris castellum ca sic boc pacatum relinguo. Tibi vero, Gadata, liberûm quidem pro- & Hoceandorum, uti videtur, facultatem Affyrius ademit, amicos pa- rat. celrandi facultatem non abstulit. Sed velim tibi persuadeas, te nos so gauboc facto tibimet amicos adjunxisse, qui tibi conabimur, si pote-dere. nmus, baudquaquam deteriores opitulatores esse, quam si vel flios, vel nepotes haberes. Hujusmodi verba Cyri fuerunt.

12. Atque hic Hyrcanius, qui jam primum animadverteret, quid effet gestum, accurrit ad Cyrum, prehensaque iplius dextra, inquit: O ingens tu bonum amicis! Cyre, quantam ut Dis gratiam modo debeam, effecisti; quod tibi me conjunxerunt. Tu verò abito, inquit Cyrus, & recepto in potesatem tuam castello, cujus caussa me tantopere complecteris, ita ni ejus componito, ut & tibi amico nostro, quantivis pretii sit: Ut & Ereliquis sociis, inque primis buic Gadata, qui captum nobis nationi tradit. Quid igitur? inquit Hyrcanius, an ubi Cadufii Sacag; vestra. venerint, & cives mei, hunc etiam vocabimus; ut omnes, ad quos ni pertinet, in commune consulamus, quo pasto maxima cum utilitate nostrà castello fruamur? Placuit hoc Cyro, quimque convenissent, ad quos castelli cura pertinebat, hoc confilii ceperunt, ut communiter ab iis custodiretur, quibus expe- Cyrus diret illud habere pacatum, quo ipfis belli propugnaculum exercieller, ac adversus Assyrios munimentum. Id ubi factum tum auellet, multò alacriùs Cadusii, Sacæ, Hyrcanii militiæ so-get incietatem amplectebantur. Coactusque hinc est exercitus, dustria c Cadusiis, ad vicies mille cetrati, quatuor circiter equi-singulatum millia: de Sacis, decies mille sagittarii, & duo sagit-ri. atiorum equitum millia: & Hyrcanii quantum poterant, Ad p. Peditum fuorum numerum auxerunt, & equitum numerum 124.

exple-

expleverunt ad duo millia. Nam domi antehac ab eis ma. jor equitum pars relicta erat, quod Cadufii & Sacæ hostes Affyriorum effent.

13. At toto illo tempore, quo Cyrus hærebat hic, ut ca. 13. stelli res constitueret, multi Assyriorum, qui his locis erant vicini, equos adducebant, multi deferebant arma, quòd Allyrius jam finitimos omnes metuerent. Postea venit ad Cyrum Gadata Gadatas, & nuncios ad le venisse dicit, qui narrarent Asagrum frium, posteaquam de castello inaudivisset graviter moinvadit. lestéque tulisse, séque ad incursionem in Gadatæ agrum pa. rare. Quamobrem fi me, Cyre, demiferis, ait, filtem tuen munitiones enitar, quipre res cateras minoris facio. Et Cyrus: Si ergo jam d'scesseris, inquir, quando futurus es domi? Nimirum de tertio med in ditione canabo, inquit Gadatas. An & Affyrium iffic, air Cyrus, offensurum te jam arbitraris? Sat scio, inquit Gadatas. Tanto magis enim festinabit, quanto tu abrisse longius videris. Verum ego, subject Cyrus, quoto die cum copiis eò pervenire possim? Et Gadatas ad hæc: Magna jam tibi, mi domine, copia funt : vixque poteris fex septémve diebus meum ad domicilium pervenire. Tu sane, ait

Discessit ergo Gadatas. 14. Cyrus autem coactis omnibus fociorum principibus, 14. Cyrus qui jam multi, ac præclari fortésque viri videbantur adesse, ad dehujusmodi orationem in eorum cœtu habuit: Perfecit nobis fenden- Gadatas, focii, quæ nos omnes magni æftimanda duximus, dum atq; etiam prius, quam ullo à nobis beneficio effet affectus. Gada-At nunc A ffyi us nines ejus invadere nunciatur, qui nimitam se- rum eadem vult opera supplicium de illo sumere, à quo

Cyrus, quam celerrime te eo confer : ego pro viribus iter fa-

parat. ' se magnum accepisse detrimentum putat: & fortassisetiam cogitat, si nihil ab iplo accidat illis mali, qui ad nos deficiunt, & ipfius socii ad internecionem à nobisdeleantur, paresse creditu, brevissimo tempore neminem ab ipio futurum. Præclarum ergo quiddam facere videbimur, fi alacribus animis opem Gadatætulerimus, homini bene de nobis promerenti; & juste fecerimus, si gratiam referamus:

atque etiam, mea fententia, rebus nostris recte conluluerimus. Nam si videbimur in oculis omnium eniti, ut eos qui nos lædunt, lædendo vincamus, & bene merentes benefciis, superemus; consentaneum est, multos amicitiz le noftræ libenter adjuncturos, & neminem futurum qui nos fibi hostes esse cupiat. Sin Gadatam negligere vide amur quo ore per Deos immortales aliis perlualerimus, ut nobis gratificentur? qui nosmet audeamus laudare

qui possit aliquis nostrum Gadatam inqueri, si tot ipsi numero,

numer

doreb

15. F

effe fac

eijam

hicula

idonei

enim 1

tem cu

rum ci

vius &

diebus

mituri

Primu

lata V

funto.

fucced iter te

exerci

præea

lunt.

non ef

in aci

qui ce

Medu.

niorui

eos, †

matas

tium p

lævan

dant,

hos,in

quoru

omnia

tis loc

pedim

nones

centur

tum ei

equite

itres (

eos, c

Sacæ

lia eti

ctor e

Ad P.

125.

numero, beneficiis ab uno superemur, & quidem hoc mo-

do rebus ipfius comparatis?

15. Hæc Cyrus dixit, eaque consenserunt omnes acriter effe faciunda. 'Agite igitur, inqui, quando vobis hæc eiam placent, relinquamus finguli eos apud jumenta & vehicula, qui quam maxime fint ad iter cum his faciundum idonei: & Gobryas his præfectus fit, qui eos præcedat. Est enim peritus itinerum, & ad quævis alia idoneus. Nos au- Cyrus tem cum equis & viris quibulque valentissimis, trium die- exercinm commeatu instructi, pergamus. Quanto quidem le- tum vius & vilius nos onera verimus, tanto sequentibus hisce quibus diebus proximis jucundiùs & pransuri, & coenaturi, & dor- modis mituri sumus. Nunc verò iter hoc modo inflituamus, expedi-Primum tu, Chrysanta, loricatos ducito, quando plana & tifilata via eft; cohortiumque præfectiomnes in fronte tibi mum funto, & cohors quælibet ità procedito, ut finguli fingulis reddidesuccedant. Quippe catervatim & celerrime & tutiffime nt. iter fecerimus. Loricatos ea de caulsa præire jubeo, quod exercitus ea pars maximè gravis fit. Gravissima verò si præeant, facilius omnia sequantur necesse est, quæ leviora lunt. Quod si pars expeditissima noctu præeat, mirum non est, divelli copias. Tunc enim id, quod prima est in acie, celerius aufugit. Post hos \* Artabazus Persas, \* al. Arqui cetrati lunt, & lagittarii, ducat : post eos Andramias tabatas Medus peditatum Medicum: post eos peditatum Arme. † Emniorum + Embas: post eos, Attuchas Hyrcanios: post batas. eos, † Thanbradas peditatum è Sacis: post eos, † Da- † Sammatas Cadusios. Arque omnes hi sic ducant, ut cohor bacas. tum præfectos in fronte habeant, cetratos ad dextram, ad fal.Da. avam agminis sui sagittarios. Nam si hoc modo ince-tamas. dant, etiam paratiores quemliber ad ulum fuerint. Post hos, inquit, calones cum impedimentis omnium sequantur, quorum præfecti dent operam, ut omnes convalent prius omnia quam tomnum capiant, ac manè cum impedimen- Ad p. us loco constituto adfint, & ordine sequantur. Post im- 126. pedimenta Perlas equites Madatas Perla ducat, & centunones equitum itidem in fronte habeat. Quilibet autem centurio cohortem ducat figillatim, perindè atque peditum etiam præfecti faciunt. Post hos Rambacas Medus equites itidem suos, & post eos tu Tigranes tuas equefires copias. Reliqui deinde magistri equitum ducant eos, cum quibus ad nos quilque venir. Secundum hos Sacze ducunto, Cadusii quemadmodum ultimi venerunt, lià etiam postremo sint in agmine: túque, Alceuna, dutor eorum fludiosè curam gerito in hoc quidem tempore

omnium qui ultimo sunt in agmine : neque permittito ut quisquam equites tuos sequatur. Date verò etiam operam vos, præfecti, & omnes qui fapitis, ut cum filentiq progrediamini. Quippe noctu magis auribus, quam ocu · lis singula tum percipi, tum agi oportet. Quin & majori res est negotii, sedatuque difficilior, si perturbatio nochu insidat quam interdiu. Quapropter & filentium teneri diligenter al. Sem- ' & ordines servari necesse est. Nocturna vero excubia, qua perulti- ' ties noctu castra movenda vobis erunt, semper quam bevissim ' constituenda funt, & frequentes; ne cui vigilia in excubiu ante fe, ' diuturniores fint, in itinere noceant. Quum autem proficil proxi- ' cendi tempus erit, cornu fignum eft dandum. Deniqui mum fi- ' finguli à necessariis rebus instructi ad viam Babylones bi, fe- versus ineundum adeste. Quisquis verò progredi ceperit quitor. ' semper à tergo iter facientem ad sequendum hortetur. 16. Secundum hæc ibant ad tabernacula, & inter eundum colloquebantur inter se, quantum memorià valeret Cyrus, quid cum aliquibus effet constituendum, quo modo nomi Cyri natim appellatis suis præciperet. At Cyrus hoc studios memo- taciebat, cui perquam mirum videbatur, eos, qui opifici lordida profiterentur, tenere fingulas instrumentorum opi Cur im- ficii lui appellationes, sicut medicus & instrumentorum perator medicamentorum omnium, quibus utitur, nomina novit momina imperatorem verò tam stolidum esse, ut ducum sub le no fuorum mina ignoraret, quibus ei tanquam instrumentis necessari tenere esset utendum sive quid occupare, sive custodire, sive all debeat. quibus animos addere, sive terrere cuperet. Quinetiam quem honore afficere aliquando vellet, decori rationem po stulare putabat, ut nominatim hunc compellaret. Prætete existimabateos, qui principi se notos esse ai bitrarentur, mag boc expetere ut praclarum aliquid gerentes conspicerentur, & facinore turpi majore studio abstinerent. Hoc quoque stolidu Ad p. effe statuebat, imperatorem, quum aliquid geri vellet, ità pi 127. cipere quem idmodum domini quidam domi fue imperant: El aliquis ad aquam, ligna quis findat. Nam si hoc modo jub ant, mutuo se recipere putabat omnes, neminémque imp rata facere, & omnes eadem culpa teneri, neque tame quenquam vel pudore ob culpam affici, vel sibi metuer quod ea quum multis ipfi communis effet. Has ob cauff quoties aliquid imperaret, omnes appellabat nominatim. 17. Atque hæc Cyri erat de his fententia. Milites ve

17. Atque hæc Cyri erat de his fententia. Milites ve tum cænati, locatis excubiis, & necessariis rebus omnib convasatis quieti se dederunt. Nocte mediâ cornu signu est datum. Quúmque Cyrus Chrysantæ dixisset, illum itinere mansurum ante exercitum, apparitoribus suissecu sumpti

detenim loco, cuncta effent vià japrogre tacitu cum fi

[umpl

ricato

quolda motum 18. I nocturi peditos a Chry tando, fent, Ch

effent,

bat, & nificaba nocte quilluxiffe tonum partiem parti

deretur.

usiquid acurren eut, ut eum sem deberent tersos o Cyrus exe

iquo esti iquo esti ig. Qu um dese uiaccidi

ettaturu Myrium Myrioru Myrioru Gadata

tendere

sumptis, egrediebatur. Paulò pòst aderat Chrysantas, & lonicatos ducebat. Itaque Cyrus datis ei ducibus itineris, pedetentim ut pergeret, justir, donec nuncius adesset: necdum
enim viam omnes ingressi erant. Ipse consistens eodem in
loco, quemlibet advenientem ordine progredi jubebat;
cunctantem verò, missis nunciis, arcessebat. Quum omnes
essent in itinere, misit equites ad Chrysantam, qui omnes in
vià jam esse nunciarent; útque propterea celerius ducendo
progrederetur. Ipse profectus equo ad partem anteriorem,
racitus ordines inspectabat: & quos quidem compositè &
cum silentio videbat incedere, ad eos adequitans, quinam
essent, interrogabat; eóque cognito, illos collaudabat: sin
quosdam tumultuari animad verteret, compertà rei caussa,
motum sedare nitebatur.

18. Restat indicanda ejus adhuc una cura diligentiaque nocturna, quod ante copias universas pedites quosdam ex- Cyrinopeditos, eosque non multos præmisir, qui & conspicerentur durno Chrylanta & Chrylantam conspicerent : ut auribus cap- in itiando, & alio quodam modo, si persentiscere aliquid pos- nevesinlent, Chrysantæ fignificarent, quicquid offerre occasio vi-gularis deretur. Erat autem quidem qui his præfectus impera- indubit, & eos instruebat. Ac fi quid effet operæ pretium, fig- stria. nificabat: fin autem, indicando minimè molestus erat. Lt note quidem hac iter hoc modo fecerunt. Quum vero illuxisset, quosdam Cadusiorum equites, proptereà quod wum pedites ultimi pergerent, apud eoldem reliquit, ne bequitibus hi nudi progrederentur: reliquos in anterioempartem prætervehi justit, versus quam & hostes erant; Ad p. ufiquid uspiam ei se opponerer, cum instructo robore 128. warrens dimicaret: fin alicubi conspecti essent qui fugeent, ut quam expeditissime persequeretur. Et erant apud In perum lemper instructi, si persequendum esset, qui persequi sequenaberent; & quibus effet apud eum manendum. Nam uni- do difreso ordines dissolvi nunquam pariebatur. Hoc modo pergi Ins exercitum ducebat. Neque tamen iple uno tantum non paoutebatur, sed alias alibi circumvectus inspectabat, ac tiebatur quo effer opus, id curabat. Sic ergo Cyri agmen pergebat. 19. Quidam vero in equitatu Gadatæ vir potens, quod Quidun detecisse ab Assyrio videbar, arbitrabatur se, si quid nam ex liaccidisser, omnia quæ possideret Gadatas, ab Assyrio im- Gada'a enaturum. Itaque de suis hominem quendam fidum ad subditis Mynum mittit, & eunti mandat, ut si jam in agro Gadatæ herum Myriorum copias offenderet, diceret Assyrio, posse ab eo prodere Gadatam, & qui essent cum illo, capi, si quidem insidias conatur.

Gad

tunc

nitio

tim:

lyrii

ribus

cedit

tivor

& qu

genti

rus u

'Ego

ven

præ

mei

ullo

dun

affei

quo

mi (

beró

affec

novi

dolo

are p

ori

quid

tibi

quot

jecto

largi

fint.

holpi

dari :

rem f

citus

quæ 1

21. (

quendi thre quo

ad eum

lit. D

luâ, qu copiis o

20

tendere vellet. Præterea significare jubet, quem copiarum

numerum Gadatas duceret, quódque Cyrus cum eo non veniret; iudicata etiam via, qua effet accessurus. Dedit & tamiliæ suæ mandata, quò plus ei sidei haberetur, ut caftellum, quod in agro Gadatæ possidebat, Assyrio cum universis in eo rebus traderent. Se quidem venturum aiebat occilo Gadata, si posset : sin autem, velle se tamen deinceps apud Affyrium effe. Is vero, cui datum hoc erat ne. gotii, quum equitando quam fieri poterat celerrime ad Af. tyrium pervenisser, & cujus rei caulsa venirer, exposuisser: audità re, mox castellum Assyrius occupat, & numeroso cum equitatu, muttifque curribus, in vicis illic frequentibus infidias locat. Gadatas, quum propè ab his vicis tas de- abesset exploratum quosdam præmittit. Assyrio animadlatus in Verso exploratores advenire currus quosdam productos cainsidias ftris, duos tresve, cum paucis equitibus, sugere jubet; quasi pene op. qui & territi, & numero pauci effent. Ea quum exploratores viderent, non ipfi solum persequebantur, sed etiam Gadatæ innuehant. Is deceptus totis viribus infequitur Assyrii quum Gadatam capi jam posse putarent, statiment infidiis surgunt. His Gadaiæ milites conspectis, ut pat erat, fugiunt: illi contrà, quemadmodum fieri solet, infequebantur. Atque hic Gadatam is teriens, qui has el struxerat infidias, aberrat ille quidem à vulnere lethalis led icto tamen humero, vulnus homini inflixit. La repa trata discedit, ut persequentibus se conjungeret. Agnitul autem quis esset, alacriter una cum Assyriis equo concitato regem in perlequendo juvat. Atque hic jam illi lei licet, quibus erant equi tardissimi, ab iis capiebantur, qu velocissimos habebant. Quúmque jam equites Gadatæ om nes valde premerentur, quod itinere confecti essent, Cyrun cum exercitu advenientem conspiciunt. Tum verò cred par est eos tanquam in portum ex tempestate libenter & cun voluptate apulisse. Cyro primum res admirationi ess Verum ubi, quid ageretur animadvertit: quum quiden diuilli adversi contra se ferebantur, & ipse copias instructa in eos ducebat. Quum autem hostes, eo quod erat, cog nito in fugam versi lunt, ibi tum Cyrus illos, quibus ho negotii dederat, persequi jussit, & ipse cum cæteris suble

quebatur, prout expedire putabat. Itaque tunc & curru aliqui capti funt, de quorum nonnullis aurigæ delabeban

tur partim dum converterentur, partim aliis modis; al

qui etiam in potestatem ab equitibus intercepti venerun

Interficiunt etiam cùm alios multos, tùm illum iplum, qu

primitur.

Ad p. 129.

Gadatam vulnerarat. Pedites autem Assyrii, qui sorte Gadata tunc Gadatæ castellum oppugnabant, partim in illam mu-proditor nitionem se suga recipiunt, quæ à Gadata desecerat, par intersitim adventu hostium anteverso, in magnam quandam Assertur. syrii regis urbem se conserunt, in quam & ipse cum curnibus & equis ausugerat.

200 20. His rebus confectis, Cyrus in regionem Gadatæ recedit; datisque mandatis ad eos, quorum intererat, ut captivorum curam gererent, rectà pergit, ut Gadatam viseret, & quo pacto se is ex vulnere haberet, cognosceret. Illi pergenti Gadatas obligato jam vulnere occurrit. Quem Cy rus ut vidit, lætus ait: 'Ad te ibam visurus, qui valeres. Gada-'Ego vero, inquit Gadatas, iterum te prosecto spectatum tas Cya veni, ut videam, quæ vultus tui species sit, tali animo ro gra-'præditi viri; qui sanè, quum ipse nesciam, qua nunc in re tias a-'mei indigeas, nec facturum hæc te receperis, nec affectus git. 'ullo à me, vel tantillo sis benesseio privatim, sed ideo duntaxat, quod tibi visus sum aliquid amicis utilitatis 'afferre, usque adeo alacriter opem :ulifti, ut jam. me quod attinet, perierim; quod te salvus sim. Deos testor, 'mi Cyre, etiamsi talis essem, qualis initio natus sum, liberosque procreassem, haud scio, an filium sic erga me affectum habiturus fuerim. Nam & alios aliorum filios novi, & hunc ipsum Assyriorum modo regem, multo plus doloris & mol-stiæ patri suo creasse, quam tibi jam cre- Ad p. are possit. Ad qua Cyrus respondit, Mi Gadata, multo ma- 130. sori certè miraculo prætermisso, jam me admiraris. Et quidnam illud eft? ait Gadatas. Quod, inquit, tot Perlæ tibi navârunt operam; tot Medi, tot Hyrcanii, atq; adeò quotquot adlunt Armenii, Sacæ, Cadufii. Et Gadatas adjedo voto, Verum his, ait, O Jupiter! multa Dii bona largiantur, & illi plurima, qui auctor est, ut & hi tales sint. Ut tamen eos, quos tu prædicas, Cyre, egregiè hospitio excipiamus, accipe hæc munera, qualia quidem dari à me possunt. Simulque permulta adduxit, ut & tem facram facere, qui vellet, posset: & universus exercitus hospitio exciperetur pro reium illarum dignitate, quæ res & præclare geftæ erant, & præclare luccesserant. 21. Cadufius autem, extremi custos agminis, quia perle-

21. Cadusius autem, extremi custos agminis, quia perse- 21. quendi non suerat particeps, ac vellet etiam ipse facinusillu-Cadusite quoddam edere: neq; communicată re cum Cyro, neq; us exedeum delară, in regionem versus Babylonem sitam excur-currens sit. Dispersis verò ipsius equitibus, rex Assyrius ab urbe temere suâ, quò confugerat, superveniens, cum instructis egregiè occidi-sopiis occurrit. Quumq; solos esse hos Cadusios percepisset, tur.

R imperum

impetum in eosfacit, & tum Cadufiorum principem interfi.

cit, tum multos alios. Quin & complures Caduficrum equos capit, quamque forte prædam illi tunc agebant, aufert. Atg: hoc modo Affyrius Cadufioseo ulq; perlecutus, quo tutum esse putabat, revertit. Cadusii vero primi ad castra circa velperam salvi pervenerunt. Cyrus ubi rem sic, uti gesta fuerat, cognovit; & obviam Cadufiis prodiit, & quem vul-Cyri er- neratum videret, eum recipiens, ad Gadatam mittebat, ut go Ca- curaretur: Cæteros in eadem tabernacula diffribuebat, studioleg; cum aliis & iple dabat operam, ut eis necessaria suppecommi- terent, adfumptis in partem curationis hujus nonnullis de Per. feratio. farum æqualibus. Nam in hujufmodi rebus viri boni libenter operas suas conjungunt. Adeo vero molestum hoc sibi accidisse declarabat, ut quum jam conarentalii, nimirum opportuno cœnæ tempore. Cyrus cum apparitoribus ac medicis neminem suà quidem sponte neglectum relinqueret : sed vel ipsemet inspectores munere fungeretur, vel ipse, si hoc perficere non posser, palam mitteret, qui curam eorum ge-

rerent. Ac tum quidem ità se quieti dederunt.

22. Ad p. .131. Cyrus Cadufi.

22 Ubi primum autem illuxisset, significari præconum opera justit, ut reliquorum quidem principes, Cadusii vero universi convenirent, & hujulmodiquædam in medium attulit. Humanum est, quod nobis accidit, socii. Nam eos, qui homines fint, errare, mirum videri, mea quidem sententia, os con non debet. Merito autem ex eo, quod contingit, boni alicujus folatur. frudus ad nos redit : nimirum ut discamus, imbeciliores copias, quam bostium copia sint, ab exercitu toto nunquam avellendas effe. Neg; boc à me dicitur, ait, non debere aliquem etiam minori cum agmine illuc, proficifci, quo sit opus, quam illud fuerit cum quo Cadufius modo exiit: sed si quis re cum illo communi. cata egrediatur, qui fatis virium ad opem ferendam habeat, fieri quidem poffe,ut decipiatur; at illud etiam poffe fieri ut pereos,qui manent, bofles deceptos avertat ab iis, qui funt egressi. Quin Es alia negotia quis hosti facessere potest, ecque modo amicos in tuto collocare. Atque ità fiet, ut ne quidem is qui discessent, absit; sed ab exercitus robore pendeat. Qui verò discedit, neque communicat prius, quo iturus sit : illi nibil admodum diversiaccidit ab eo si folus aliquisexpedicionem sufcipere velit. Sed enim bujus facinoris caufsa, volente Deo, non longo tandem ex intervallo in hostem vindicabimus : sed ubi primim pransi fueritis, co vos equidem aucam, ubi res est gesta similque mortuos sepeliemus, fimul hostibus, si Deus volet, ostendemus, illic alios longe ighs esse potiores ubi se superiores evasisse censent : at que etiam efficie. mus, ui ne locum quidem illum lubenter intueantur, quo loco sovios nostros interemerunt. Sin adversi non prodierint, incendemus colum

que i rem / Cadu/ cum 71 rat, u ritis, 23. dufii pter fi mos : profed bant, comm rever f turum temoti adeffei Affyri

corum

ad me a tibi dit. funt, fi tentra e quist ne, in manda audisse admitt

le para

figuid

miffur

f probi

nus ve vellet, cum ag agricol inditio lari uno Nam ta

ticula p videbai 24. C erat Ga

bat & a permula

corum vicos, agrumg; populabimur, ne latitiam de confpedu corum, que in nos pair arunt, capiant, sed intuendo mala propria. dolorem sentiant. Itaque vos, inquit, alii pransum ite: vos autem Cadufii primum bine digressi, more restro aliquem diligite, qui cum imperio vobis prasit, & cum Diis ac nobis curam vestri ge-tat, ubicunque opus fuerit. Hunc ubi delegeritis, ac pransi fue-

ritis, delectum ad me mittite. Atque hæc illi fecerunt.

23. 23. Cyrus autem eductis copiis, postquam illi, quem Cadusii legerant, suum in acie locum tribuisset, justit, ut propter le suorum aciem duceret, quò Cadusiorum, inquit, animos iterum excitemus, si quidem poterimus. Hoc modo profecti, quum ad locum pervenissent, & Cadulios sepeliebant, & agrum populabantur. Quod ubi factum ab eis effet, Cyius commeatum ex hostico secum ferentes, in regionem Gadatæ Cadusireversi sunt. Quum autem ad animum Cyro accidisset, fu-orum turum, ut qui ad se desecerant, quòd à Babylone non procul cadem temoti effent, milere affligerentur, nifi præsens iple semper ulcifeiadeflet: non folum eos, quotquot ex hostibus dimittebat, tur. Affyrio dicere justit, sed misso etiam caduceatore denunciavit Ad P. separatum, ut agricolis parceret, nullag, hos afficeret injuria, 132. fiquidem & iple illorum, qui ad le defecissent, agricolis per- Cyius missurus esset, suas ut operas facerent. Ac tu quidem, ait, etiam - agricosprobibere possis, non nist paucos probibebis; quod eorum, qui lis paradme defecerunt, exiguus sit ager : ego vero fermitterem amplam cendum tibi ditionem cultam esse. Fim eo tempore, quo fructus colligendi censet. sunt, si quidem bellum fuerit, is qui potentior est, hos mea sententia colliget: sin pacem iniverimus, tu scilicet id facies. Quod Iquis velmeorum adversus te arma sumpserit, vel tuorum adversus me, in hos, inquit, pro vivili uter que vindicabimus. Cum his mandatis caduceatorem allegavit. A siyrii vero, quum hæc adissent, omnia movebant ad persuadendum regem ut hæc admitteret, ac quam minimum belli reliquum faceret. Affynus verò, sive genti suæ obsequutus, sive quòd idem & ipse vellet, hæc comprobavit. Itaque pactis initis convenit, ut um agricolis pax effet, cum armatis bellum. Hæc igitur de ignicolis Cyrus perfecit, jumentorum palcua fuos fi vellent inditione sua collocare justit: hostium verò ditionem populariundecunque possent, ut militia sociis jucundior esser. Nam tametsi commeatus nullus pararetur, tamen eadem peneula proposita erant: at ipsam militiam leviorem essicere

videbatur, quod ex hostium regione annonas haberent. 24. Quum autem Cyrus le jam ad discessum pararet, adtat Gadatas, & cum alia dona multa variaque lecum afterebat & adducebat, velut ex ampla copio âque domo; tum Permultos equos, suis equitibus adempto, quibus jam R 2

proptes

propter illas infidias fidem non habebat. Ubi propiùs accessisset, ità locutus est: Hac ego jam adduco tibi, mi Cyre, quibus in hoc tempore velim utaris, si quidem horum aliquo tibi sit opus. Existimare verò debes, etiam alia, qua mea sunt, esse tua. Quippe nemo est, nec unquam erit, cui ex me nato domum meam sim relicturus: sed necesse est, inquit, me morientem, mecum & genus nostrum, & nomen extingui. Atque hac perpessus sum, mi Cyre, (Deos juratus testor, qui & vident & audiunt omnia) quum tamen nibil injustum, nibil turpe neque dixerim, neque fecerim. Simúlque hac dicens, fortunam suam cum lacrimis deploravit, neque loqui plura potuit.

Ad p.
133.
Cyrus
equitatum
Perficum
mivificè
auget.

25. Quibus auditis, Cyrus commiseratus hominis calamitatem, dixit: 'Equidem equos accipio. Nam utile tibi hocerit, quod eos daturus fum hominibus majori te studio prosequentibus, quam quorum modò erant, utì quidem apparet: & Perficum equitatum, cujus desiderio jamdudum incentus fum, celeriter explebo ad decem equitum ' millia. Reliquas illas pecunias & opes tecum avectas fervato, donec tantum habere me videris, ut remunerando te non tim inferior. Quod si ità abeas, ut plura mihi des, quam à me acceperis: nescio profecto, quo pacto facere possim, ut pudore non afficiar. Ad ea Gadatas, Equidem hæc tibi credo, ait, nam ingenium tuum video. Verum confideres, an satis ad hæc conservanda sim idoneus. Etenim quam diu inter nos&Affyrium amicitia constabat, patema ditio pulcherrima videbatur esse. Quippe quum ab urbe maxima Babylone propè adfit, quicung; fructus ex urbe ampla capi potest, eum nos capiebamus: quicquid autemmolestum esse poterar, ab eo nos domum profecti longe aberamus. Nunc, quum hostes simus, planum est, ubi tu dilcesseris, futurum, ut & nobis, & toti domui nostræ insidiæ ftruantur: adeoque, mea fententia, Triftis eris, Es miferavita nostra, qui es omnino vicinos habituri simus hostes, & eosden nobis etiam potentiores conspecturi. Fortaffe dixeris, curifta non cogitârim priùs, quam deficerem? Quia, mi Cyre, animus meus p. opter acceptam injuriam & propter iram non quod effet tutissimum considerabat, sed hujusmodi quiddam perpetuò parturiebat: Ecquando licebit ulcisci hunc & Diis & hominious invilum, qui non definit odiffe, non il quis eum lædat; sed si quem se præstantiorem suspicetur! Itaque quum ignavus iple fit, omnes etiam mea fententia le deteriores socios habebit. Quod si quis inter hos eo præstantior esse visus suerit, certus esto, mi Cyre, nequaquam tibi adversus ejusmodi virum egregium dimicandum effe; fed ipfius Affyrii machinationes lufficient,

' mol
' ciis
26.
ration
' nonr
' quun
' expe
' hic t
' & qu
' conf

ut :

diffee inquite modifiellis, & omn collegitum fi

mih

cona

quorup

via eff tent. ] 'quide 'jam a 'citum 'quum

ipla mo

parate ab fe confp

quod ipla u clus d

enim.

ut illum præstantiorem se perimet. Verum ut mihi moleftus fit, in eo, quamvis ignavis & improbis hisce sociis utatur, facile superior est, ut opinor, futurus.

26. 26. Hæc quum Cyrus audisset, visus est ei digna consideratione dicere. Itaque statim, 'Quid ais, inquit, mi Gadata, nonne castella præsidiis munisti, quibus esse tutus possis, quum ea fueris ingressus? iple vero nonne nobilcum es in expeditione, ut si Dii perinde nobilcum fuerint, ac modo, 'hic te metuat, non tu ipf um? Quin tu mecum proficifcitor, & quicquid tuorum aspectu tibi jucundum est, aut cujus ' consuetudine delectaris, id tecum habeto. Nimirum & tu 'mihi, ut arbitror, admodum ului fueris, & esle tibi ego Ad p. conabor, ut potero. Qua Gadatas quum audiffet, respiravit 134-'ac dixit: Nam possim res meas citius colligere, quam tu 'discedas? Num & matrem mecum abducere volo. Possis, 'inquit, profectò citiùs. Etenim subsistam, donec tibi commodum esse dixeris. Itaque digressus inde Gadatas castellis, quæ communierat, unà cum Cyro præsidia imposuit, & omnia, quibus ampla domus instrui commodè posset, collegit. Prætereà suorum plerosque secum abducebat, tum fidos, quibus delectabatur, tum quibus diffidebat; quorum alios cogebat fecum uxores ducere, alios forores, uthis quasi vinculis eos constrictos teneret. Itaque Cyrus Cyrus cum Gadata, & quos ille secum haberet, abibat; qui & Babyloindex ei viarum effet, & aquarum, & pabuli, & frumenti; nem adquo castra semper uberrimis in locis haberet.

27. Quum verò pergens in itinere Babyloniorum urbem rum. spicerer, atque ei via, qua incedebat, ducere prope urbis plamænia videretur: arcessito Gobrya Gadataque, aliane via esset, interrogabat; tu tam propè ad mœnia non accedetent. Et Gobryas, 'Sunt, inquit, mi domine, permultæ quidem viæ: sed existimabam equidem, te quam proxime pam ad urbem ducere velle, quo iplis commonstrares, exercitum tibi nunc & numerosum esse, & præclarum. Nam quum is etiam minor esset, ad murum ipsum accessisti, & nos illi haud multos numero spectabant. Nunc tametsi paratus sit Assyrius, quemadmodum aiebat, apparatum ab le fieri ad pugnam: scio futurum, ut si copias tuas conspexerit, imparata ipfi sua videantur.

28. Ad hæc Cyrus ait: 'Videris mihi, mi Gobrya, mirari, rus ad quod id temporis, quo multo cum minori exercitu veni, ad mænia ipla ulque mænia duxerim: nunc majoribus copiis instru-propius ctus ducere sub muros nolim. Verum id tibi mirum ne sir Jam ait. Non enim idem est adducere, & præterducere. Omne nollet enim fic instructas copias adducunt, uti se quam optime accedere

S

Cur Cy.

Ad p.

135.

pugnaturos arbitrantur: at qui sapiunt, sic abducunt, ut

quam tutissime, non quam celerrime abscedant. In præte-

reundo autem, exporrigi plaustra necesse est, & impedimenta quoq; cætera multum laxari: atq; hæc omnia tegi armatis, nec ulpiam impedimenta hostibus ab armis nuda con-· spici. Sic vero procedentibus copiis, necesse est aptos pugnæ milites juxtà debiles & imbecillos collocari. Si ergo velint ex munitione conferti hostes in aliquos prætereun-' tes impetum facere, ubicunque, tandem manus conferent, multo validiores erunt in conflictu, quam qui prætereunt. · Prætereà quum longum agmen trahitur, etiam subsidia ferri non nisi longo ex intervallo possunt : qui verò extra · munitionem erumpunt, brevi spatio ad illos, qui propè abfunt, & excurrere possunt, & rursus abscedere. Quod fi non minori ex intervallo præteribimus, quam ex quo nos conspecturi sunt, & uti nunc extensis ordinibus procedimus: multitudinem illi nostram conspicient, & omnis multitudo propter armatos attextos formidabilis apparet. Quod fi · nobis hoc modo incedentibus, tacitè nos invadent, qua · multo eos antè prospicimus, imperati minimè deprehen-· demur. Quin potius nè quidem nos aggredientur, quum

· ipsis procul à muro erit recedendum: nisi se cum universis

copiis suis futuros toto exercitu nostro superiores existi-

· maverint. Nam receptus, res quadam est piena formidmi.

· Quæ quum dixisset, visus est iis qui aderant, recte dicere,

" & Gobryas ità, utì jusserat, ducebat. Quumque præte-

riret urbem exercitus, sic abscedebatur, ut lemper Cytus

postremum agmen firmius efficeret.

29. Hoc modo pergens, diebus insequentibus ad Assyriorum Medorum que limites pervenit, unde initium expeditionis secerat. Ibi quum essent Assyriorum castella unum quod
erat infirmissimum, ut adortus cepit: reliqua duo, Cyro
metum incutiente, suadente Gadata, persectum est, ut præsidiarii dederent. Quibus rebus consectis, ad Cyaxarem
misit, atque uti ad exercitum adesset per epistolam petiit:
quo & de castellis captis quid esset agendum deliberarent;
& exercitum ipse contemplatus de cæteris etiam rebus con-

Eyaxa- fuleret, quid deinceps agendum arbitraretur. Quòd si justem C3- serit, ait, dicito me ad ipsum venturum, & istic castra lorus ad caturum. Itaque nuncius, qui hæc exponeret, abibat.

exerci- 30. Cyrus intereà Gadatæ mandat, ut tabernaculum Assyrum ar- rii, quod Cyaxari Medi selegerant, cum apparatu reliquo, quem habebat, instrueret elegantissimè: tum utramque mulierem in conclave tabernaculi muliebre deduceret, & cum his etiam musicas illas, quæ Cyaxari exemtæ suerant. Hæc

ad qua videre ferre ; ut alia Perfia modun atque i bat ex 31. equiti nire le multi ( & qui erant, Cyaxa comita aftima vit, a equo ja deret : olculat 32. ] quielce qualda terni j uc inte quamob

illi ex

manda

potiu:

quos (

mnum i pocreat viliter in terifque fentential er! granditror

adeo fer

lpondit

me consp enim nej meos ma que ità

bant lac

ili exsequebantur. Qui verò missus erat ad Cyaxarem, quum mandata expoluisset, eaque Cyaxares audisset: visumest ei Ad p. potius, ut iffic in finibus exercitus maneret. Nam & Perfæ 136. quos Cyrus arcessiverat, aderant: qui quidam erant numero ad quadragies mille sagittarii & cetrati. Quamobrem quum videret, hos etiam magnum Medorum agro derrimentum afferre; libentius his quoque liberari velle videbatur, quam ut aliam turbam intuper, admitteret. Quumque is, qui è Perfià copias hasce ducebat, Cyaxarem interrogaret quemadmodum Cyrus præceperat, an opus ipti hoc exercitu effet, aque is opus esse sibi negaret : eodem die ad Cyrum pergebat exercitum ductitans, quo illum adesse audierat.

31. Cyaxates postridiè cum iis, qui lecum manserant, quitibus Medis, iter est ingressus: quem ubs Cysus advenite sensit, sumptis secum & Perficis equitibus, qui jam multi erant, & Medis omnibus, & Armeniis, & Hyrcaniis, & qui reliquorum lociorum equis & armis inffructifiimi erant, obviam prodit, & copias er spectandas exhibuit. Cyaxares, ubi multos & egregios forteique viros in Cyri omitatu conspexit, lecum veio & exiguam, & non magni affimandam famulorum manum, id fibi dedecori esse putavit, adeoque dolorem ex eo cepit. Quimque Cyrus ab Cyaxa-

equo jam descendisset, ac de more osculaturus ipsum acce- ris in-

dret: descendit ille quidem ex equo, sed avertit sele: nec vidia. oculatus est eum, sed laciymas palam profudit.

32. Tum veio Cyrus alios quidem omnes lecedere justit & quiescere: ipse dexura Cyax risprenensa, de via sub palmas qualdam eum abduxit, & thragula quædam ei Medica lubterni justit, in quæ quum eum collocasset, & assedisset ipse, kinterrogavit: Die mibi per deos immortales, mi avuncule, gumobrem irafceris mihi? quid rei molesta vides, quod ufque de fers graviter? Hic Cyaxares hujulmodi quædam repondit: Quia quum, Cyre, existimer inde usque ab omni houmum memoria tum majoribus jam olim regibus, tum patre rege pocreatus esse, at que etiam ipse rex habeat, me quidem adeo whiter indigneque ad vehi conspicio, te verò famulitio meo cawisque copiis magnum & magnificum adesse. Atque bac, med Intentia, vel ab hostibus pati grave est, sed multo, prob Jupiin! gravius ab illis, à quibus perpeti minime decebat. Equidem abitror effe fatius, decies sub terram condi, quam adeo vilem Ad p. ne conspici, meorumque neglectionem & irrisionem cernere. Non 137. tum nescius sum, non te solum me majorem esse, sed etiam servos mens majoribus cum copiis, quam mea fint, mibi occurrere, atque ità paratos esse, ut facilius me ladere possint, quam à meladi.

33. Quæ dum proterret, multo etiam magis eum tuperaant lacrymæ: adeoque Cyrum iplumeo pertraxit, ut oculi

n

32.

eius lacrymis implerentur. Quum autem paullum se cohi.

' Cyas

verc

erat, trect

dem

ftélg

bus e

dica

aun

cular

pidu:

ià loca

quàn

tratt

perle

non f

teres

rim,

iffen

itide

dere:

tu m

dare '

cum j

aliqu

hæc

mihi

Roga

quun

**fuade** 

atque

exifti

abs to

At po

omni

non p

Quin

lunt :

anteh

0s &

qui 1

omni

tuam

cafte!

tem r

Cyaxa

Cyriex- buiffet, ità Cyrus locurus est: 'Tu vero, mi Cyaxares, nec sufatio. vera dicis, nec rectè judicas, quum Medos existimas, pro-' prereà quod adfuerint mihi, fic instructos esse, ut ad te la. dendum satis virium habeant. Te quidem & irasci, & in metu esse, non miror. Utrum autem jure, an injurià eis fuccenseas, equidem omittam. Quippe scio te graviter Sed enim · laturum, si me agere caussam horum audias. hominem, qui cum imperio fir, subjectis fibi pariter omnibus succensere, magnum equidem errorem arbitror. Est enim necesse, multos infestos fieri, quum quis terrorem multisincutit: o omnibus ineunda concordia occisiones suggeri, quun quis omnibus succenset. His de caussis me scire debes hos ad te fine me non remifisse, quod metuerem, ne quid ob iracundiam tuam accideret, quod nobis univerfis doloremaf-· ferret. Itaque Deûm ope nullum hæc tibi me præsente pe riculum creabunt. Quod verò existimas, injurià te affe-Cyrus ctum à me effe graviter admodum fero, si dum in eo pro Cyaxavirili laboro, ut in amicos plurima beneficia conferam rent vecontrarium huic facere videar. Verum enimvero nè nol julat. met, ait, adeò temerè criminemur & infimulemus : fed ' si fieri potest, planissimè videamus, qualis illa sit à me illata injuria. Atque quidem æquissimam inter amico conditionem fero. Nam si me pateat quicquam malife · cisse, injustum me fatebor: sin me nihil admissise pateat ac ne cogitasse quidem, an non & iple fatebere, nullate affectum à me injuria: Id vero necesse suerit, ait. Quods autem pateat, etiam boni me auctorem exftitisse tibi, fu dioséque in id incubuisse, ut quam plurima beneficia pol fem, in te conferrem, an non potius laude tibi dignus ha Cyri er- bear, quam reprehensione? Æquum scilicer, ait. Age igi ga Cy- tur, inquit Cyrus, consideremus sigillatim omnia, quæ à me axarem' gesta sunt. Sic enim maxime patebit, quid in iis boni sit quid mali. Atque ordiamur sanè ab hoc principio, meritoquidem tibi sufficere videtur. Tu enim, quum animad 321m verteres, multos hostes coïvisse, & quidem adversus t comme moratio ' tuamque ditionem domo progressos esse, illico tumad Per-

· las, publice misisti, qui subsidiarias copias poscerent, tun

ad me privatim; rogans, ut operam darem, quo venirent

iple, copiarumque Perficarum, si quæ ad te irent, ducto

effem. An igitur in his non abs te persuasus sum, non af

fui, non militem adduxi numero quam potui maximo, &

eundem præstantissimum? Venisti verò, inquit. Ergo

· ait, mihi primum dicito, utrum in hoc injuriam adversum

te meam deprehenderis, an beneficium? Planum est, inqui

Ad. p. 138.

Craxares, ex his beneficium me tuum cognovisse. Quid verò, ubi venerunt hoftes, & dimicandum adversus ecs erat, an tum animadvertifti, me vel laborem ullum detrectaffe, vel pepercisse periculo? Non profecto, non equidem. Quid? ubi Deûm ope victoria penes nos stetit, hoflesque jam cederent, atque ego te rogarem, ut communibus eos copiis insequeremur, communi operà in eos vindicaremus, communem denique sive boni, sive mali frudum caperemus, quicquid tandem accidiffet; in his an accusare me possis, quasi proprii emolumenti plus æquo cupidus fuerim? Ad hac Cyaxares subticuit. Et Cyrus rursum in locutus est: Quando tibi ad hoc tacere potius lubet, quam respondere: id mihi dicito, affectumne te sis arbitratus injuria, quod, quum tibi turum non esse videretur perlequi, te quidem iplum periculi hujus participem fieri non sum passus, sed ut equites mihi quosdam de tuis mitteres, rogavi? Num enim id abs te petens, injustè fecerim, prælertim qui jam antè me tibi socium belli præbuissem, abste, inquit, demonstretur. Ad qua Cyaxares quum itidem taceret? Quod si ne ad hoc quidem, inquit, relpondere vis; deinceps dicito, an injurius fuerim, quod quum tu mihi relponderes, nolle te, qui Medos hilaritati operam dare videres ab hac revocatos cogere tunc ad profectionem am periculo conjunctam: an, inquam, videar moleftum aliquid tibi fecifie, quòd irasci tibi noluerim; sed post hæc rurlum abs te id petiverim, quo lciebam nihil à te mihi tribui posse levius, neque Medis imperari facilius? Rogabam enim, ut eos mihi dares, qui sequi vellent. Quod quum abs te impetrassem, perfeci nihil, extra quam persuadendo. Itaque eos accessi, persuasi, persuasos accepi atque abii, tuo permissu. Quod si hoc merito culpandum existimas, nè quidem culpà vacat, uti videtur, aliquid abs te accipere, quod dederis. Sic igitur profecti sumus. At postquam discessimus, quid gestum à nobis est, quod Ad p. omnibus notum non fit? an non hoftium caftra capta funt? 139. non plures eorum interfecti funt, qui contra te venerant? Quin & vivis adhuc hostibus an non plerisque ademta lunt arma plerisque equi? Fortunas quidem corum, qui antehac ferebant, agebant res tuas, jam vides amicos tu-05 & possidere, & secum afterre partim tibi, partim sibi, qui tuo tamen imperio continentur. Quod verò longè omnium maximum est & præclarissimum vides dirionem tuam amp'iorem fieri, hostium imminui: vides iliorum castella te seri, ac tua, quæ avulla Syri suam in potestalem redegerant, nunc è contrario tibi cessisse. An horum aliquid

of af-

## XENOPHONTIS

aliquid vel bonum, vel malum fit, cognoscere velle, e. quidem quid fibi velit, dicere nequeo : quo minus tamen audiam, nihil impedit. Die igitur, quæ tua de his fententia fit.

nari

ceffi lolu

cepi

aug

tæm

ab a

jecti

judi

ficia

tang

spol

cedi

per

doru

univ

omn

35.

fius es

ego til

tificare

acito.

imus:

gesta e

le pron

ait Cy

gitur.

Neque

Cyrus

n vid

rum e

Cyaxa

Perfis

tum e

& ei,

Medi

accede

n, qu

bellun

mulic

tem.

eoiun

tiam

neque

36.

34. 185 171- 6 vid am 6 anınıı fui pro- "

34. Hæc quum dixiffet Cyrus, finem fecit. Cyaxares verò Cyaxa- ad hæc respondit: 'Nescio qui dici possit, Cyre, ea que fecisti, mala esse. Verum scire te volo, hæc bona ejusmodi esse, ut quanto plurimum speciem habent, tanto ma. gis mihi fint oneri. Nam malim equidem ditionem wam copiis meis ampliorem facere, quam videre tali modo abs te augeri meam. Quippe tibi hæc gerenti honefta & laudabilia funt, mihi quodammodo ignominiæ notam inurunt. Etiam opes, ait, tibi me donare malim, quam abs te accipere quæ tu nunc mihi tribuis. Nam iis abs te locupletari me plane fentio, quibus ipse pauperior fio. Quod fi sub jectos mihi viderem modica quadam abs te affectos injuria, minus dolerem, mea sententia, quam nunc, ubi magnis abs te affecti sunt beneficiis. At si quidem hæc parum humaniter & ablque judicio tibi cogitare videor, non es in me, sed in te conversa, qualia tibi videantur, confi dera. Quid enim, si quis canes, quos tu aleres, custodia tuæ tuorúmque caussa, tales commode curando reddat, u illum magis quam te norint; an hoc curationis generet delectaturus fit? Quod fi exiguum hoc tibi videtur, ide tiam confidera; fi quis tuos è familia ministros, quos custodiæ & præsidii caulsa, & ut te colant, tecuminabe ejulmodi efficiat ut ipsius esse malint, quam tui; an pro eo beneficio gratiam illi sis habiturus? Quid verò, quò unum amore maximo complectuntur homines, & cura i primis ut fibi proprium habent, fiquis uxorem tuam h oblequiis demereretur, ut tandem efficeret eam lui magi amantem, quam tui; num hoc beneficio te delectaret? Ni hil, mea quidem lententia, minus. Imo injuriam tibi ho facto maximam inferret. Ut autem, quod dolori me simillimum est, dicam; si quis Perlas eos, quos tu ad no duxisti, sie demereretur, ut ipsum lubentius, quam te le querentur, an hunc tibi amicum duceres? Equidem hau arbitror, led infestiorem putare, quam si multos tuorus occideret. Quid si amicus quispiam tuus, te amanter di cente, Accipe de rebus meis quantum voles: posteaquan id audisset, irer, atque omnia, quæ posset, acciperet; tu

isq:adeo rebus ditaretur, quum tu nè modicum quidem ea

rum fructum perciperes: an posses expertem culpæ amicus

hunc existimare? Nunc autem abs te, mi Cyre, si no

hæc, tamen his fimilia perpessum me arbitror. Nam ver

Ad p. 14C.

narras, quum ego dixissem posse volentes abduci, discessisse te ità, ut omnes meas copias acciperes, & me solum relinqueres. Jam autem, quæ opera mei exercitus cepisti, affers lane mihi, ac meis viribus ditionem hanc auges: atque equidem nullius boni tecum auctor inftar sæminæ me offerre videor, & exhibere, ut beneficia tum ab aliis hominibus, tum etiam ab his imperio meo subjectis accipiam. Tu viri speciem habes, ego indignus judicor imperio. Hæccine tibi, Cyre, videntur esle beneficia? Ignorare profecto non debebas, fi te ulla mei cura ' tangeret, in primis tibi cavendum, ut nullà re minus me spoliares, quam auctoritate ac dignitate. Nam quid accedit ex eo mihi, si maximè regio mea dilatetur, iple per ignominiam contemtui sim? Nec enim idcirco Medorum ego potitus lum imperio, quod unus præstantior 'universis essem; sed potius, quia ducerent illi, nos in omnibus le meliores esse.

35. Tum Cyrus, adhuc loquente Cyaxare, sermonem ip
go tius excipiens, ait: Per Deos immortales, mi avuncule, si quid Cyrus
ego tibi antehac feci quod gratum esset, etiam tu in his mihi gra- quereissicare, qua petam. Finem scilicet de me querendi hoc tempore las Cyfacito. Ubi verò periculum de nobis feceris, quo pasto assesti erga te axaris
smus: si quidem patuerit ea, qua sunt à me gesta, tui boni caussa abrumgesta esse, me amplestentem te vicissim amplestere, benéque de pit.

te promeritum existima: sin aliter, de me queritor. Fortassis, Ad p.
ait Cyaxaies, restè dicis; atque equidem hoc faciam. Quid 141.
igitur, ait Cyrus, an etiam te osculabor? Si voles, inquit. CyaxaNeque me aversaberis ut modo? Non aversabor, ait. Itaque res cum
Cyrus eum est osculatus; Quod cum Medi, Persa, & cæte- Cyroseii viderent, (erant enim omnes solliciti, quid de his sutu- dit in
num esset) statim affecti lætitia, & exhilarati sunt.

36. Cyaxares & Cyrus confcensis equis præibant. Medis 36. Cyaxarem sequentibus, sic enim nutu Cyrus eis significarat.)
Persis Cyrum: post alii sequebantur. Ubi ad Castra perventumesser, Cyaxarem in tabernaculum paratum collocarunt; & ei, quibus hoc datum erat negotii, necessaria parabant: Medi cæteri, quamdiu ante cænam otiosus Cyaxares erat, Medi accedebant eum, partimq; sponte sua, partim mandato Cy-Cyaxani, quorum erat maximus numerus, munera ferebant; alius ri dant bellum pocillatorem, alius bonum coquum, alius pistorem, munera musicæ artiscem alius, alius pocula, vestem alius elegantem. Maxima quidem ex parte quilibet unum quiddam eonum, quæ ceperat, ei donabat; ut Cyaxares adeò tententiam deinde mutaret, ac neque Cyrum eos ab se avertisse, neque minùs, quàm antè, à Medis se observari duceret.

37. Quum

37. Quum autem cœnæ tempus appetiisset, arcessit Cyrum Cyaxares, ac rogat; ut, quando jam longo temporis ex indelica- tervallo eum videret, secum conaret. Cui Cyrus, Ne zam cæ-jusseris boc, inquit, mi Cyaxares. An non vides, bos omnes nam re- qui adsunt, à nobis impulsos adesse? Quamobrem non redèse. cero, si hos negligens, voluptati mea indulgere videar. Nimi-

rum ubi se negligi putant milites, tum & fortes qui sunt, mul-to animis dejectiores evadunt, & improbi petulantiores. Verum tu, qui prafertim longo itinere confecto advenisti, canato jam: & si qui te colunt, illos vicisim completere, canaque excipito, ut per eos animo bono sis. Ego vero ad ea me convertam, qua dixi. Cras autem mane bic ad portam tuam omnes, quos convenit, aderunt; ut tecum deliberemus, quidnam deinceps agendum sit. Tu verò prasens de hoc referto, videaturne amplius bellum effe gerendum, an opportunum sit jam dimittere exercitum.

38. Ad p. 142. Cyrus vult contimuari.

38. Post hæc Cyaxares cœnabat. Cyrus verò convocatis amicis, qui maxime & ad intelligendum, & ad navandum operam si quid usus postularet, idonei erant, hujusmodi eos oratione compellavit: Qua primum optavimus, amici, ca expedi. Deum benignitate nobis adfunt. Nam quocunque tandem pertionem gimus, hostium agro potimur: atque etiam hostes imminui videmus, quum nos & numero & robore augeamur. Quodf manere nobiscum socii velint, qui ad nos jam accesserunt: multo magis pleraque perficere poterimus, sive quid opportuna vi agendum, sive persuadendo sit obtinendum. Quapropter non tam mei, quam vestri muneris fuerit moliri, ut maxima socio. rum parti nobiscum manere placeat. Quemadmodum verò quum pugnandum eft, is, qui plurimos capit, fortissimus existimatui: Ità qui plurimos nostram in sententiam adducit, quum constitum ineundum est, is, jure tam dicendi, quam agendi peritissimus haberi debet. Neque tamen in boc vos exercueritis, ut orationem nobis oftentetis, qua usuri ad quemque sitis sed ità eos parate, ut se persuasos à quolibet vestrum, factis declarent. Ac vobis quidem bac cura sint. Ego pro mea virili curare conabor, ut milites à commeatu instructi, de expeditione deliberent.

XENO-

conver

magna bant a

manere

datam

manere

nôsset

Manife

ine, qu

lanctè d

lentire

prorfus

mierros

Cyrus

tgo con

dem Ga

quod ar

quit. E

inquit.

Perfia c

Attu. dem, in mio mi

2. H Uaxa confed: dat, & locutus mtaffis

tempus pia, be quis fer sem ne/

# XENOPHONTIS

Historiarum de Institutione CYRI Liber Sextus.

Jum hoe modo diem hunc exegissent, conati quieverunt. Postridie manè ad Cyaxaris portam socii omnes conveniunt. Itaque dum Cyaxares ornaretur, qui audiet magnam multitudinem ad portam adesse; intereà adducebant amici ad Cyrum, alii quidem Cadufios, rogantes uti maneret, alii Hyrcanios, Gobryam hic, ille Sacam: Gaduam caftiatum adducebat Hystalpes, orantem Cyrum, uti manerer. Ibi Cyrus, qui Gadatam jam dudum interiisse soffet præ metu, ne exercitus dimitteretur, cum rifu ait : Ad p. Manifesto patet, Gadata, te ab hoc Hystaspe persuasum en sen- 143. ine, qua dicu. Ibi sublatis ad cœlum manibus Gadatas Cyri jolanctè degeravit, ab Hystaspe sibi hæc persuasa non esse, quæ cus. lentiret: sed scio futurum, inquit, ut si vos discedatis, mea res porsus perierint. Proptereà, inquit, hunc egomet conveni, ut mterrogarem, qua tua de copiis dimittendis effet sententia. Et Cyrus: Ergo injuste in Hystaspem, uti quidem apparet, culpam 130 confero. Profecto, Cyre, ait Hystalpes, injuste. Nam equium Gadata etiam contradicebam fieri non posse, ut maneas; quod arcessi te à patre dicerem. Tum Cyrus. Quid ais ? inquit. Et tu boc efferre ausus es, sive ego vellem, sive non? Verò, inquit. Nam te supra modum affectare video, ut illustris in lassa circumeas, ac patri demonstres, quo pasto singula peregeris. Attu, subjecit Cyrus, non domum redeundi cupidus es? Equitem, inquit Hystaspes, non discedam; sed bic manens, imperamin munere fung ar, donec hunc Gadatam Affyrii dominum fecero. 2. Hujulmodi quædam illi dum lerio jocarentur, intereà Gaxares augusto cultu ornatus prodiit, inque Medico lolio Delibeconsedit. Quumque jam convenissent omnes, quos oporte- ratio de lat, & filentium factum effet, Cyaxares in hanc fententiam bello, locutus est: Quia presens, socii, & Cyro major natu sum, par siene fimtaffis est me dicendi principium facere. Videtur autem mibi nunc nis buie lempus esse, ut de eo primum disseramus, utrum adhuc sit è re no- impoha, bellum geri an copias dimitti. De boc ipfo, ait, dicat ali-nendus quis sententiam suam. Hinc primus Hyrcanius dixit: Equi necne.

dem nescio, socii, num verbis sit opus, ubi res ipsa, quod opti-

mum eft, demonstrant. Omnes etiam intelligimus, plus hostibus

tus :

· fum

nes i

erip:

robusti

possit?

culta

· feve

prin

ac n

tusi

reco

nore

tes d

per,

prop

non

regio

quill

ne p

mè v

dom

hoft

dete

tuer

pace

Neg

infid

3. F

operas

axares

leex

C11, 1

ret 11

ait :

eft:

nimi

bros,

tes mai

eft, ali

rus ipi

lent, m

li, qua

operi,

134

Ad p.

144.

detrimenti nos afferre, si maneamus una, quam ipsi accipiamus. Quo verò tempore sejuncti eramus inter nos, agebant illi nobifcum prout ipsis jucundissimum, nobis fane gravissimum erat. Post hunc Cadusius, Nos autem quid dicamus, ait, de eo, ut domum profecti separatim singuli vivamus, quum ne modo qui. dem militantibus adbuc, ut apparet, conducat distractio? Nimirum nos Cadusii, quum non magno temporis spatio seorsum à co. piis vniversis sejuncti militaremus, panas dedimus, quemadmodum & vobis constat. Post hunc Artabazus, qui le cognatum Cyri aliquando dixerat, hæc protulit: 'Ego verò hactenus, mi Cyaxares, ab his, qui ante me dixere, dissentio. Aiunt hi, oportere nos hic manentes in expeditione versari: ego autem dico me, quum essem domi, in expeditione verlatum esse. Nam persæpe succurrendo ferebam opem, quum res nostræ ferrentur & agerentur, atque etiam pro castellis onostris, uti quibus insidiæ struerentur, læpe mihi negotium eft exhibitum, quum&met uerem, & in præfidio eflem, atque 'id ipsum meo sumptu facerem. Nunc & castella eorum teneo, & iplos non metuo, & de iis, quæ hostium funt, tum epulor, tum bibo. Itaque non aliter, ac si vita domestica ' militia fit: hæc verò militaria, feriæ; conventum hund equidem frequentissimum minime dimittendum arbitror Post hunc Gobryas ait: 'Ego vero, socii, hactenus Cyridex tram laudo. Nihil enim eorum, quæ promitit, mentitur " At fi ex hac regione discesserit, planum est, Asiyrium qui etem habiturum, nec pænas earum injuriarum quas vobis inferre conatus est, nec illorum quæ in me patravit, luiturum. Ego autem vicissim ei pænas iterum dabo, quod amicitiæ vestræ me adjunxerim. Post omnes hos Cyrus me quit: 'Nec ego sum nescius, commilitones, si copias dimittamus, noftras quidem imbecilliores futuras, hostium nes sen-, vero res rursus habituras incrementum. Nam quibuscunque iplorum arma funt ademta, ii celeriter alia facturi funt: quicunque spoliari sunt equis, celeriter alios sibi de ' integro comparabunt: pro interfectis alii pubelcent, & in anascendo succedent: ut mirum adeo videri non debeat,

celeriter nobis rurlum facessere negotia poterunt. Cu

ego Cyaxari, ut de dimissione copiarum ad vos referret

auctor fui ? Nempe quia quod futurum eft, metuo. Video

enim tendere adversum nos eos adversarios, cum quibu

hyems appetit, ac tameth tecta nos habeamus, non tame

equis ea, non ministris, non militum vulgo supperunt : able

que quibus fit, bellum hosti facere non poterimus. Commes

" nos, in ista tali militia dimicare non poterimus.

Corr post omdentia. tus autem iis in locis, in quæ nos venimus, à nobismet abfumtus est: quo non accessimus, nostri metu in munitio nes est convectus. Itaque hostes hunc habent, neque his eripi à nobis potest. Quis ergo tam fortis est, quis tam robultus, ut adversis famem & frigus pugnando bellum gerere posit? Quapropter si hoc modo militaturi sumus, aio nos ultro dimittere potius exercitum, quam invitos à diffi- Ad p. cultate rerum profligari debere. Sin hac in militia per- 145. ' severare volumus, centeo sic nobis agendum esse, ut quamprimum loca munita complura hostibus adimere conemur, ac nobilmet complura munire. Nam fi id fiat, commeatus majorem habituri funt copiam ii, qui ereptam alteris recondent: & obsidebuntur, qui fuerint ex alterutris infenores. Jam quidem nihil inter nos, & in mari navigantes discriminis eft. Quippe navigant illi quidem semper, sed nihilo magis id, quod navigando confecerunt, sibi proprium relinquunt, quam quod confectum navigando non est. Ac si castella nobis accesserint, ab hostibus ea regionem alienabunt, & nobis omnia magis erunt in tranquillo. Quod verò nonnulli vestrum fortasse metuerint, nè procul à solo patrio collocentur in præsidiis, id minimè vobis formidandum est. Nos enim, qui sic quoque domo peregrinantes ablumus, custodienda recipiemus loca hostibus proxima; vos Assyriæ loca vobis finitima postidete & colite. Nam fi nos ea, quæ ab ipfis propè ablunt. 'tueri custodiendo præsidiis nostris poterimus, alia vos in pace, qui loca possidetis procul ab ipsis dissita, victuri estis: ' Neque enim, ut arbitror, neglectis malis fibi proximis, infidiari vobis procul remotis poterunt.

3. Hæc ubi dicta fuerunt, cum alii furgentes, ad ea suas operas & studia promtis animis obtulere, tum etiam Cyaxares: Gadatas vero & Gobryas, munitionem uterque le extructuros aiebant, fi porestatemejus fibi facerent locii, ut etiam illæ à sociis essent. Cyrus ergò, quum videret impigre facturos omnes quæcunque dixisset, tandem ait: Quod si igitur perficere, quæcunque dicimus, animus eft: quamprimum confici, quæ ulus polcit, necesse est: nimirum machinas ad muros hostium demoliendos, & tabros, qui munitiones nobis excitent. Tum verò Cyaxales machinam le fabricaturum & suppeditaturum pollicitus eft, aliam Gadatas & Gobryas, aliam Tigranes, aliam Cyrus iple curaturum se, uti ferer, dixit. Quæ ubi decreta ellent, machinarum opifices conquirebant, & apparabant finguli, quæ ad machinas requirentur, præfectis etiam nonnullis operi, qui ad hæc curanda maxime viderentur esse idonei.

4. Cyrus

### XENOPHONTIS

4. Cyrus veroquod animad verteret, hæc fine morâ perfe-Cyrifo- ctum non iri, eo loco castra metatus est, quem putabat& saluberrimum esse & propter illa, quæ advehi oporteret, aclertia fingula- ceffufacillimum: & quæcunque munitionis egebant, fic per. ficiebat, ut quovis tempore qui remanerent in castris, in tuto 775. essent, quamvis exercitus robur aliquando longius à castris Ad p. abduceretur. Prætereà interrogans eos, quibus regionem 146. maxime notam arbitrabatur, è quibus locis plurimum emolumenti exercitus capere posset: semper ad quærendum commeatum educebat, tum ut res exercitui necessarias maxima copia pararet, tum ut rectius valerent, & robusti essent, ex itinerum laboribus; tum etiam ut inter ducendum ordinis servandi recordarentur. His rebus Cyri occupata erat opera,

5. Cæterum è Babylone transfugæ & captivi narrabant, Affyrius Affyrium in Lydiam multis cum talentis argenti & auri, in Ly- opibulque aliis, & omnis generis ornamentis profectumesse. Quamobrem militum vulgus suspicabatur, adductum metu proficis- jam pecunias alibi deponendas exportasse. Cyrus verò, qui hominem intelligeret ea de caussa discessisse, ut si quos pollet, adverlarios eis excitaret, etiam iple prælenti animo le Cyrus parabat ad id prælium, quod adhuc pugnandum effet. Exolus Affyrii plebat quoque Persarum equitatum, partim à captivis, parconfili- tim ab amicis acceptis equis. Nam hæc ab omnibus adum in- mittebat, neque rejiciebat eorum quidquam; sive quis artelligit. ma ipfi elegantia daret, seu equum. Prætereà currus para-Cyrus Dat cum de iis, quos ceperat, tum undecunque poterat. Ac Superiorum quidem temporum agitationem curruum Tiou/umveterem janam, & quâ hodiéque Cyrenaici utuntur, quadrigis incurru- vehendi rationem sustulit & abrogavit. Nam superionbus feculis Medi, & Syri & Arabes, & omnes Asiatici cur-24772 zollit. ribus sic utebantur, ut nunc Cyrenaici. Existimavit autem Cyrus, partem in exercitu eam, quam esse præstantissimam fit verifimile, quain fortiffimi quique fint in curribus, ità velitum vicem explere, neque magnum ad victoriam momentum adferre. Nam trecenti curius pugnantes quidem Suppeditant trecentos, equos autem mille ducentos requirunt; ac præter hos aurigas habent, ut par eft, quibus illi optimi in exercitu maxime fidunt, ad trecentos. At hi funt ii, qui nihil hostibus detrimenti afferunt. Hanc igi-Cyrus tur curruum agendorum rationem sustulit, proque ea bello novos aptos currus instruit, rotis firmis, nè facile comminuerencurrus excogi- tur, & axibus longis, quòd minus evertantur omnia quæ lata sunt. Sellam verò aurigis struxit, veluti turrrim, ex tat. lignis firmis. Atq; harum seliarum altitudo pertinebat ad aurigæ cubitos, ut equisupra sellas habenis regi possent: Au-

rigas

rigas

rea. f

rotar

**spice** 

factu

etian

ditio

tum :

rant,

tere 7

sus ei

us to

bujul

captu

Ac ne

metfi

ralpar

verita

allatu

minat

vero 1

Cyrun

Cyrus

invict

dici A

bere ;

Et Ar

infecta

& ipfu

W Ara

pudore

quid i

novisse

inquit,

ob bis a

mille; bus, qu

mam 7

ut li for

hujus e

conclus

us cost

b, 80

tere obs

6.

rigas ipsos totos, exceptis oculis, loricis armavit. Præte-Ad p. rea salces serreas duûm sere cubitorum ad axes ab utraque 147. rotarum parte apposuit, & alias infra axem, quæ terram respicerent: tanquam his in adversos cum curribus impetum sacturis. Atque ut Cyrus id temporis hæc instituit, sic etiam hâc tempestate curribus hisce utuntur ii, qui regis in ditione degunt. Habebat Cyrus etiam permultas camelos tum ab amicis collectas, tum omnes illas, quæ captæ suerant, congregatas. Et hæc quidem ità peragebantur.

6. Quum autem in Lydiam exploratorem quendam mittere vellet, ac quid rerum Affyrius ageret, cognoscere; vi- Arafsus ei fuit idoneus, qui hanc profectionem susciperet, illi- pas de us formolæ fæminæ custos Araspas. Nam huic Araspæ more hujulmodi quiddam evenerat. Quum mulieris ejus amote incenaptus effet, coactus est eam appellare de consuetudine. ditur Ac negabat quidemilla, viróque suo fidem servabar, ta-erga methabesset, quod vehementer eam amaret: non tamen A. Pannspam apud Cyrum accusabat, amicos inter se committere theam. verita. Sed ubi Aralpas existimans momentum aliquod se allaturum ad hoc, ut ea consequeretur, quæ vellet, mulieri minatus est, ni lubens faceret, invitam esse facturam: tum vero mulier vim verita, rem non amplius occultat, led ad Cyrum eunuchum mittit, eig; mandat, ut exponat omnia. Cyrus ubi rem audivit, edito rifu, quod ab amore le nuper invictum ille dixerat, Artabazum cum eunucho mittit, & dici Araspæ jubet, vim quidem tali sæminæ afferri non dehere; quo minus autem perluadeat, si possir, non se vetare. lt Artabazus, quum ad Araspam venisser, conviciis eum Mectatus est, quod mulierem illam esse depositam diceret, kiplum impium, injurium, intemperantem: adeo quidem, MAraspas præ dolore multum lacrymarum profunderet, pudore opprimeretur, atque etiam metu exanimaretur, nè quid ipsi gravius à Cyro accideret. Quæ ubi Cyrus cog-Cyrus wiffet, arcessit eum, & solus cum solo loquitur. Video te, Arafinquit, Araspa, metuere me, Es maximo pudore affici. Verum Pam bis desifte. Nam audio equidem Deos etiam ab amore victos confolahise; Es non ignoro, cujusmodi ab amore iis etiam homini-tur. bus, qui prudentia singulari prediti viderentur, acciderint. Atq; tham ipse de me ipso animadverti, ità me continentem non esse, u si formosis adsim, ab eis abstinere neg igendo queam. Quin Ad p. lujus ego tibi rei sum auctor, qui te cum illa re inexpugnabili 148. concluserim. Et Araspas sermonem ipsius excipiens: Enimtero tu, Cyre in his etiam sic te geris, ut in aliis; qui Ed clemens 4, Et delictis humanisignoscas. Me verò cateri homines mame obruunt. Nam ex quorumor de calamitate mea deditus est, mimics

r-

m

m

tà

om

ii-

lli

hi

gi• Ilo

11-

uæ

ex

ad

111-

boste

tum

atqui

copilis

ei am

aliqu

quum

lem,

dat, 1

veio

anima

ad Cy

est. A

tit ac

deduc diffen

inde I

tioner

Quid

tuo, t

quàm

le erg

fpexit

Gregi

guod a

angui

im ex

accipio

nes: de

naculo

9. S

catoru

torum

piis fu

ac feij

unxit

& equ

cultat

tegum

mcuri

Abrad

temon

etiam i

fina ft terra

8.

Cyri confilizim folers.

Ad p.

149.

inimici de me voluptatem capiunt, amici me convenientes ut à medio me subducam, consulunt, ne quid à te mibi accidat, qui gravi sis à me affectus injuria. Et Cyrus, Certo scias, inquir. Araspa, posse te fer hanc hominum de te opinionem vehementer gratam mibi rem facere & fociis utilitates maximas afferre. Uti. nam verò fiat, inquit Araspas, ut aliquid ego tibi rursus oppor. tune commodem. Quod si ergo volueris, ait, simulare quasi me fugias, atque ad hostes transire; arbitror fore, ut ab hostibusti. bi fides babeatur. Profecto, inquit Araspas, scio futurum equi. dem, ut etiam per amicos rumor excitetur, quafi te fugerim. Itag; nobu redires, ait, rebus omnibus bostium cognitis. Quinetiam arbitror ità tibifidem babituros, ut & rationum, & consiliorum suorum te participem facturi sint : nibil ut adeò latere te post corum omnium, que scire nos cupimus. Proficiscar igitur nunc. inquit Araspas. Nam scire debes, etiam unum hoc fidei argu. mentum fore, quòd effugisse videbor, nè quid abs te mili acci-deret. An Es formosam illam Pantheam relinauere toteric? Due mihi, Cyre, inquit, aliquando funt anime. Hanc Philofophiam didici modo upud improbum illum magiftrum, amorem. Nam una si effet anima, non & bona simul effet, & mala; neque ves pariter honestas & turpes amaret, neque simul eadem & vellet & nollet facere: sed est manifestum, duas esse animas, Es ubi fane penes animam bonam imperium est, honesta res sufcipiuntur: ubi vero penes malam res illa turpes aggreditur. Nune quia te socium Es adjutorem nacta est anima bona, potior has viribus, & longe quidem superior eft. Quod si ergo, inquit Cyrus, tibi quoque bociter instituendum videtur, sic erit agendum, ut apud illos et iam majorem fidem invenias. Nimmum enunciato ipfis, que à nobis gerantur, & quidem sic enunciato, ut que abs te dicentur, maximo fint ipsis impedimento ad en que facere voluerint. Fuerit autem impedimento, si nos apparatum facere dixeris, ut alicubi agrum ipforum invadamus. Nam I bac audient, minus vires universas in unum locum colligent, metuente quolibet etiam domesticis rebus. Praterea maneto, inquit, apud ipfos diutissime. Nam maxime nobis opportunum fuerit, ea rescire, que facient, ubi proxime à nobis aberunt. Da item confilium, ut quocunque modo fuerit optimum, acien instruant. Etenim posteaguam tu discesseris, qui nosse insorum

Araspas aciei structuram videbere, necesse erit, ut eandem ordinum ratiotransit nem retineant. Nam verebuntur aciem mutare, ac si quo allo ad ho- modo eam funt immutaturi subitò, perturbabuntur. Hoc mo-Jies per do digressus Araipas, sumtis secum fidissimis famulis, & fimula- ad quoldam prolatis iis, qualia maxime profutura nego-

tionem. tio purabat, discessit.

7. Quum autem Panthea discessisse Araspam sensisset mittit ad Cyrum, qui diceret : Ne tibi molestum sit, Cyre, quod Araspas at

hostes transferit. Nam si potestatem mibifeceris mittendi ad maritum meum recipio tibi, ventus um amicum longe Araspá fidelios em: atque etiam scio futurum, ut tibi cum quantis maximis poterit copiis adsit. Nam bujus quidem regis, qui modo imperat, pater ei amicus erat; at is, qui jam rerum potitur, etiam conatus est aliquando me ac maritum meum divellere. Quamobiem sat scio, ouum ipfum infolenter injurium effe ducat, lubens ad virum talem, qualis tu es, discesserit. Hæc ubi Cyrus audisset, mandat, ut ad maritum mittat: quod quidem ipfa fecit. Quum Abia. veio ab uxore figna cognovisset Abradatas, atque etiam datasad animadverteret, qui cæterarum rerum status esset, lubens Cyrum ad Cyrum cum duobus circiter equorum millibus profectus transit. eft. Ad Perfarum vero speculatores ubi pervenisser, mittit ad Cyrum, & quisnam esset, significat. Cyrus statim deduci hominem ad uxorem jubet. Illi quum mutuo vidiffent, le complexi lunt, uni par erat, ex insperato. Deinde Panthea Cyri pietatem, temperantiam, commiterationem erga se recenser. Quibus Abradatas auditis, ait: Quid igitur faciam, mea Panthea, quo gratias Cyro tum tuo, tum meo nomine referam? Quid aliud, inquit Pant bea, quam ut perinde erga iplum te gerere coneris, atque le iple erga te gessit?

8. Post hæcad Cyrum Abradatas venit; quem ubi conspexit, prehensa ipsius dextra, Pro iis beneficiis, ait, mi Grequibus, nos affecifti, non babeo quod dicam majus, quam guod amicum me tibi, & ministrum, & socium trado. Cujufunque rei studio teneri te video, in ea conabor operam tibi mem exhibere quam potero praclarissimam. Et Cyrus, Ego vero ucipio, inquit, ac nunc te quidem dimitto, ut cum uxore cæus: deinceps autem tibi meo, cum tuis ac meis amicis, taber-

naculo utendum erit.

ilio

9. Secundum hæc quum Cyrum Abradatas videret falatorum curruum, ac tum equorum, tum equitum lorica- Ad P. bum studio teneri: operam dabat, ut ex equestribus co- 150. pus luis currus centum conficeret, fimiles ipfius curribus: a seipsum etiam parabat, ut in curru dux eorum effet, junxit autem currum suum ità, ut è temonibus quatuor, Requis octo constaret. Uxor verò ipsius Panthea de facultatibus suis ei loricam auream, & auream galeam, & legumenta brachiorum confecit. Equos, quibus utebatur mourru, totos æreis tegumentis instruxit. His sanè rebus Abradatas occupabatur. Cyrus autem currum ipilus cum Cyrus temonibus quatuor intuitus animad vertit fieri posse currum octo jutiam octo temonum, ut octo boum jugis machinarum in- gescurima structura veheretur. Et aberat hic currus cum rotis rus faterra tribus ulnis. Hujusmodi turres, si cum ordinibus cit.

TZ

Indo-

7 71 m2

191.

12.

fequerentur, videbantur ei fimul phalangi fuæ magno adjumento, & hostium aciei magno damno futuræ. Etiam Aructuris in hisce tum circuitus fecit, tum propugnacula;

& in turrim quamlibet viginti viros impoluit.

10. Postea vero quam omnia, quæ ad currus pertinebant. confecta effent : periculum vecturæ fecit, & multo facilius octo illa juga turrim cum impositis ei militibus trahebant, quam jugale vehiculum unum id onus terret, quod ei ex impedimentis imponebatur. Nam jugo impedimentorum onus quod ferè talenta quinque ac viginti æquabat, imponi solebat. At quum in turri materia tragicæ scenæ crassi. tudinem haberet, & viri effent viginti, & arma: fiebat,

† b. e. ut hae in unumquodque jugum † oneris minus quam 12-Ponde- lenta quindecim, conficerent. Postquam animadvertit, is quod nullo negotio currus hos agitari posse; parabat sele, ut plaustro turres unà cum exercitu in hostem duceret. Nam in bello vehitur captationem conditionis potioris existimabat & salutarem,

& justam, & plenam prosperitatis esse.

It. Id temporis etiam illi venere, qui pecuniam ab Indo afferebant; ac renunciarunt, Indum ei talia quædam mandare: Gratum mibi est, Cyre, te mibi significasse, quibus tibi RexCy rebus opus effet. Equidem mibi tecum bofpitti jus effe volo & ro pe- pecunias tibi mitto. Quod si etiam aliis tibi sit opus, mitte cumas qui ad te ferant. Praterea mandatum est iis, qui à me ad te mittit. veniunt, ut quicquid tu jufferis faciant. Quæ quum audil-Ad p. let Cyrus: Jubeo igitur, ait, ut alii vestrum its in tabentaculis his remaneant, in que vos recepistis; atque barum pecumarum custodes sint, Es jucundissimam sibi vitam agant : net autem vestrum ad hostes profecti, quasi adsint ab Indo societatis ineunda gratia, cognitis iffic rebus omnibus, quid dicant, quidve faciant, quamprimum & mibi & Indo renuncient. Atque in his si mihi egregiam operam navabitis, majores etiam vobis gratias babebo, quam quod pecunias attuleritis. Nam exploratores fervis fimiles nihil aliud, quod fciant renunciare possunt, quam quæ nota sunt universis. At ejusmodi homines, quales vos estrs, sepenumero etiam consilia cognoscunt. Quæ quum Indi lubenter audiffent, & hospitio tunc a Cyro liberaliter accepti fuissent: paratis rebus suis, postridie proficiscebantur, sancte pollicitisse, ubi de hostibus, quantum maxime liceret, didiciffent, quam fieri pofte colerrime, redituros.

12. Et Cyrus quum alia parabat ad pugnam magnifice, ut erat sanè vir talis, qui nihil exiguum gerere cogitaret, tum non solum ea curabat, quæ socii censuissent, sed etiam contentionem inter amicos excitabat, ut armati singuli pul-

cherrime,

ch

tiff

eff

ub

que

op:

till

qua

om

tan

bat

bus

Per

crev

tun

fius

axa

mod

qui

Pix

lagin

quaf

tus 1

14

fent,

lum .

decre

versi

impe

poffe

tereà

gesta

mero

pertin

& coj

jumq

onas,

ces, ¿

prope

coacte

etiam

dolur barra, regisi

1

cherrime, & equitandi, jacula vibrandi, sagittis feriendi peritissimi, laborúmque patientissimi conspicerentur. Atque hæc effecit, tum ad venationes eos educendo, tum præstantissimos ubique pamiis & honoribus ornando. Quin & prætectos, quos videret studiose operam dare, ut milites ipsorum quam optimi essent, partim collaudando excitabat, partim eis gratincando, quacunque in re posset. Quod si rem sacram aliquando taceret, festúmve diem ageret: tum quoque de iis omnibus, quæ homines belli caulsa exercent, ludos & certamina instituebant, & præmia victoribus magnificè largiebatur: ut multa jam in exercitu effet hilaritas.

13. Erant autem Cyro perfecta propemodum omnia, quibus ad expeditionem erat ulurus, extra machinas. Nam Perlicorum equitum numerus ad decem millia plene jam excreverat, & falcati currus, quos iple paraverat, propè cennum erant contecti; & totidem alii, quos Abradatas ille Sufius Cyri curribus fimiles parandos susceperat. Etiam Cyaxari Cyrus auctor fuerat, ut currus Medicos ad eundem modum ex Trojana Libycaque curruum forma immutaret; qui & ipfi numerum ad centum alios plenum habebant. Pixtereà delecti erant pro camelis milites, in fingulos duo lagittarii. Maxima vero pars exercitus hoc erat animo, quafi qui omnino jam vicissent, & quati hostium appara- Ad p.

tus nutlius effent momenti.

0

0 -

ie . 0

1-1

14-

68

1-

nt,

71t.

21112

am

un-

odi

int.

ic à

tri-

ous,

ice,

ret,

13111 oul-

me,

14. Quum autem illis fic affectis, Indi ab hoftibus rediillent, quos speculandi caussa Cyrus milerat, ac dicerent, Crœlum lectum effe ducem & imperatorem omnium hoftium; & decretum, ut omnes reges locii, suis quisque cum copiis uni- Hostiliverlis, adessent: ut maximam pecuniæ summam conferrent, um coimpendendam partim ad conducendos milites, quofcunque piarum possent; partim ad danda munera, quibus oporteret: præ- multitereà conductos jam permultos esse Thracas, qui machæras tudo. gestarent: Ægyptios navigiis advehi, quosaiebant esse nu- || al. mero ad centum viginti millia, cum scutis ad pedes usque Thympertingentibus, hastisque magnis, quales nunc etiam habent, barra, & copidibus; Cypriorum quoque copias navigiis advehi, & jamque adesse Cilicas omnes, & Phrygas utrosque, & Lyca- Thymonas, & Paphlagonas, & Cappadoces, & Arabes, & Phoeni- braian ces, & cum Babylonio rege Assyrios, & Iones, & Æolenses, & propéque Græcos omnes Asiam incolentes, Cræsum sequi Thymcoactos esse; & eundem locieratis ineundæ caussa legatos braidem tiam Lacedæmonem milisse: exercitum ipsum propter Pa- & tolum amnem cogi, ac progressuros deinde | versus Thy- Thymbarra, ubi nunc quoque barbari † Syriæ inferioris incolæ, qui brium legisimperio continentur, cogi solent: omnibusque denun- infra. ciatum † Ana.

13.

Trilli-

tra in

exerci

ciatum effe, ut rerum venalium forum eo conferrent: quum. que propè his gemina captivi etiam dicerent : (dabat enim operam Cyrus, ut caperentur aliqui, de quibus nonnihil exquirere posset: atque etiam mittebar exploratores, servorum specie, quasi transfugæ essent.) Hæc igitur quum Cyri ex. ercitus audiffet sollicitus esse quisque cepit, uti consentaneum erat; & incedebant majori cum filentio, quam confue. tu Cyri. viffent; magnaque pars eorum non admodum hilaris cerne. batur. Prætereà in circulis congregabantur, & omnia plena erant interrogantium de his rebus, & colloquentium.

' P

· 1a

· qu

fi

· fe

· ho

cu cu

' ill

· fe

· fut

'eff

· fin

furg

qu

· Qu

" fed

pra

ali

fol

nos

pof

foly

per

run

quæ

piar

olei

ra,

gita

mè

Lyd

unive

17.

adv

do a

coll

CIOI

den

qui

18

nece [

demo

16

q · qi

15. Cyrus ubi metum pervagari exercitum animad vertit, tum copiarum prafectos convocat, tum eos omnes, qui fi dejectis essent animis, damnum; si alacribus, utilitatem Cyrus allaturi viderentur. Piædixit etiam apparitoribus, ut fiquis Juister- alius quoque gravis armaturæ militum adftare vellet, hanc rorem orationem auditurus, ne prohiberent. Ubi convenissent, in eximit. hanc sententiam locutus est: Convocavi ego vos, locii, quia

onnullos vestrum video, posteaquam ab hostibus venere Ad p. 'nuncii, fimillimos esse hominibus perterritis. Equidem 153. ' miror, quemquam vesti um formidine corripi, quia dicantur ' hostes colligi: ac non potius vos animis esse fidentibus, quum videatis & multo majore numero nos jam collectos,

quam id temporis, quum eos vinceremus; & multo nunc Dei ope, quam antea, melius instructos. Dii immortales, ait, quid facturi tandem fuissetis, qui jam metu eftis perculfi, fi qui nuncium attulissent, adventare copias adversarias, ab iis rebus inftructas, quæ apud nos funt : fi primum audiretis, eos, qui prius nos vicissent, rursum venire, ac

' victoriam in animis habere, quam aliquando adepti effent: deinde eos, qui tum & sagittariorum, & jaculatorum velie tationes fregissent, nunc advenire cum aliis sibi similibus e multo pluribus. Præterea quemadmodum hi tunc armati e vicissent pedites, sie nunc equites ipsorum instructos, ad

equites accedere : rejectifque arcubus & jaculis, & accepta quemque tragulà una, eaque firmiore, apud animum statu-'iss' tadequitare, ut cominus pugnam ineant. Venire item

currus, qui nonità conftituendi fint aversi velut ad sugam, ficur prius: sed tum equos in curribus cataphractos esse, tum aurigas in turribus ligneis stare, quorum partes corpo-

' ris eminentes omnes loricis ac galeis tectæ fint, & talces ferrea ad axes aptatas effe, quo & illi ftatim in adversario-

' rum ordines impetum faciant. Præter hæc habere iplos camelos, quibus advehantur, quorum unum vel centum equi videre non suftineant. Adventare item eos cum curri-

bus, de quibus sint opem laturi suis, & vos ejaculando impedipedituri, quò minus in planitie dimicetis. Hæc igitur fi quis vobis, qui jam in metu estis, nunciaret hostibus adesse, quid facturi essetis: quando (jam adeò perturbamini) al-· latis nunciis, quòd Cræsum hostes imperatorem legerint, qui tanto Syris imbellior fuit, ut quum Syri prælio victi ' fugerent, iple victos effe videns, quibus opem, ut lociis, ferre debebat, fugă le lubduceret. Deinde nunciatur sanè hostes ipsos se non idoneos ac pares arbitrari, qui nobiscum pugnent, sed alios conducere, quali pro eis melius 'illi præliaturi fint, quam ipfimet. Hæc igitur quum ità le habeant, si quibus terribilia videntur esse, nostra verò futilia: hos equidem aio, milites, ad hoftes ablegandos effe. Nam multo magis nobis profuerint, si cum illis fint, quam si nobis adsint.

16. Posteaquam hæc Cyrus protulit, Chrysantas ille Persa lurgens, hoc modo locutus est: ' Nè tibi mirum sit, mi Cyre, Ad P. quoldam auditis hilce, quæ nunciantur, triftes vilos effe, 154. Quippe non eo sit affecti fuere, quasi metu percelerentur; fed propter indignationem: perindeac fi aliquibus jam & prandere cupientibus; & existimantibus id futurum, opus aliquod denuncietur, quod necesse sir, ante prandium ab-'solvi: neminem, opinor, hoc audito delectatum iri. Sic nos etiam, qui fore putabimus, ut opes consequeremur, pofteaquam inaudivimus, reftare quoddam opus, quod absolvendum sit vultus nostros contraximus; non qui metu percelleremur, led illud etiam vellemus effectum effe. Verum enimvero quia non de Syria solum dimicabimus, quæ & frumenti, & pecudum & palmarum feracium copiam habet; sed etiam de Lydia, in qua vini, sicorum, olei magna est copia, & quam mare aluit, quo bona plun, quam quisquam viderit, advehuntur: hæc igitur co. gitantes, non jani amplius indignamur, fed quam maximè confirmatis animis lumus, ut quamprimum etiam iftis Lydiæ bonis fruamur. Hæc illius verba fuerunt, quibus miversi socii delectati, eadem comprobarunt.

1.

m

ac |

t:

i-

us

ti

ad I

ta

u-

em

m,

Te,

00-

ces

10-

los

III-

imedi-

17. E: Cyrus: ' Equidem, ait, arbitror, quam celerrime adversus eos pergencum este ; ut primum iptos eo veniendoantevertamus, fi quidem poterimus, ubi commeatum colligunt. Deinde quantò celerius iverimus, tan.o pauciora in promptu habebunt, ac plura defiderabunt. Equidem ita centeo. Quod fi quis vel tutius, vel facilius aliquid alia ratione facturos nos fentit, sane id doceat.

18. Quum autem multi lententiis & ipfi dictis oftenderent Mecellatium esse, ut quamprimum in hostem pergerent, ac emo contradiceret; tum verò Cyrus hujulmodi orationem eft

17.

### XENOPHONTIS

tur

att

qui

uti

' leci

rea

qua

Eti

ver

940

ftru

adli

lum

luar

ului

bus

Vis 2

præt

VIS

Qua

toru

dum

tibu

coge

milit

mati aggr

cessa

verò

tign:

re hi

Atqu

erunt

perit

etian

illon

habei

ous I

pacto

maxi

locii

quis

est orsus: 'Jamdudum, socii, tum amini, tum corpora tum arma, quibus utendum erit, ope Dei nobis parata funt, Nunc veio commeatus ad iter comportandus est, tam nostra, quam jumentorum, quæcunque habemus, opera: ifque non minor, quam viginti dierum. Etenim ratiocinando reperio, nos plurimum, quam quindecim dierum, viam habitu os, in qua nihil commeatus inveniemus. Nam avectus est partim à nobis, partim ab hostibus, quantum quidem illi potuerunt Quamobrem convalari necesse est. quantum satis sit cibi; (nam absque hoc sit, nec præliari, nec vivere possimus,)& vinitantum habere quemvis oportet, quantum fatis fuerit ad confuefaciendum nos, ut aquam bibamus. Nam pleraque viæ pars vino caret, in quam fi vel plurimum vini comportemus, non tamen illud tuffecerit. Quare nè, si subito vinum nos deficiat, in morbos incidamus, sie faciundum erit ad cibum jam statim aquam bibere incipiamus. Nam id si modo fecerimus, mutattonem non magnam sentiemus. Etenim quicunque polentà vescitur, is semper offam aqua miftan; qui pane, aqua fubactum panem comedit. Quin & elixa omnia multa cum aqua parantur. Post cibum vero si vini potus accedat, nihilo fequius animus acquiescer. Deinde vinum etiam illud ' imminui debebit, quod à cœna sumitur, donec, consuetaciendo aquam bibere possimus. Nam quæ mutatio paullatim declinando fit, ea facit, ut quælibet natura mutationes lerat. Quod quidem Deus iple nos docet, qui paullatimab hyeme nos ad perferendum vehementer calores abducit, & ab aftu ad acrem hyemem: quem imitando perveniread ' id, quo necesse est jam antè condocesacti debemus. Quin . & stragulorum pondus in commeatum insumite. Nam ta-" metsi commeatus vobis superet, non tamen erit inutilis ac ' stragula vobis defint, metuendum non erit quin suaviter dormituri fitis. Sin autem, in me culpam conferte. Enimveiò cui vestis est copia, is sciat hanc permultum & recte " valenti, & ægroranti prodesse. Obsonia convasanda lunt, quæcunque plurimum acida & acria, & falfa tuerint. Nam hæc ad cibum invitant, & quam diutissime sufficiunt ad durant. Posteaquam verò ad intacta loca pervenerimus,ubi consentaneum est frumentum nos habituros, manuariæ mo · læ parandæ deinceps erunt, quibus panem conficiamus Nam id ex illis instrumentis, quibus fit panis, levissimum eft. Prætereà convalari necesse eft etiam illa, quibus home nes infirmæ valetudinis indigent. Nam horum moles pe eft exigua, & fi quid tale usu veniat, maximè requiruntur Oportet etiam habere lora. Nam plurima tum hominibus

Ad p.

n

.

n

fi |

2.

1.

m î.

ià

m

1id

m e-

ad in

12-

ac

rer

mdè

nt.

am

ad ubi

no.

lus

um

mi

per

tur

bus tun tum equis à loris dependent, & connectuntur: itaque si atterantur & rumpantur, cessari necesse eft, nisi vincula quis habeat. Quod si quis tragulam polire didicit, huic utile fuerit, asciæ non oblivisci. Profuerit etiam limam secum ferre: Nam qui hastam acuit, is animum quoque praterea nonnihil exacuit. Prohibet enim pudor & verecundia quædam, quò minùs is qui hastam acuit sit ignavus. Etiam lignorum habere copiam&curribus,&plaustris convenit. Nam multis in negotiis Er operibus, necesse est multa quoque deficere. Simul ad hæc omnia habere oportet in Ad p. frumenta maxime necessaria. Non enim ubique opifices 156. adfunt. Quod autem toto die suffecturum sit, ad id ethciundum pauci quidam non sufficiunt. Convenit & larculum & ligonem in curru quovis habere, & in jumento dolsuario dolabram & falcem. Nam hæc & cuique privatim ului lunt, & publice frequenter utilitatem afferunt. Quibus quidem ad cibos orus est, de iis vos duces militum gravis armaturæ illos interrogate, qui vobis parent. Non enim prætermittendum est quidquam horum, quo indigere quivis poterit. Nam alioquin eorum penuria nos iplos tanget. Quæcunque verò habere jumenta jubeo, vos impedimentorum præfecti inquirite, & qui non habet, hunc ad parandum ea cogite. Vos autem, quia vias exercitui sternentibus præestis, habetis à me descriptos eos, qui ex jaculatoribus, & fagittariis, & funditoribus loco moti lunt. Itaq; ogetis rejectos ex jaculatoribus ut, fumta lecuri lignaria militent: qui ex sagittariis, ligone: qui ex funditoribus larculo. Arque hos iplos iis instructos, ante plaustra turmatim incedere cogetis, ut it munienda via fit, statim opus aggrediamini: & iple Iciam, fi mihi aliquorum opera necellaria fir, unde ad ulum meum mihilumendi fint. Ducam verò nobilcum & fabros ærarios militaris ætatis,& tabros tignarios, & sutores, cum instrumentis suis: ut si qua in ne his etiam artificibus opus fir in exercitu, nihil deficiat. Atque hi sanè ab armatorum militum ordinibus soluti erunt, & luo constituti loco mercenarias operas quarum periti sunt, iis facient, qui eas requirent. Quod si quis etiam mercator sequi castra voluerir, ut aliquid vendat, is illorum dierum, quos ante fignificabimus, commeatum habere debet: fin aliquid vendere deprehendatur, omnidus spoliabitur. Posteaquam verò dies il præterierint, quo pacto volet, vendet; & quisquis è mercatoribus quam maximè rerum venalium forum augere videbitur, is & à lociis, & à me muneribus & honore afficietur. Quod fi quis existimat, pecuniam sibi ad coëmtionem rerum opus · elle :

Ad p.

157.

effe: is illos, quibus est notus, & fide justores, quibus re-· de caveat, le cum exercitu profecturum, adducat; & quam nos habemus accipiat. Et hæc à me prædicta funto. Si quis verò aliud quippiam quod facto fit opus, perspi-

cit mihi fignificet. Ac vos quidem hinc digreffi vala colligite, ego profectionis caussa rem sacram faciam

arque ubi perlitatum erit, signum dabimus. Debent au tem adesse omnes cum iis, quæ prædicta lunt, loco con ' stituto, apud duces suos. Vos vero duces, ubi suum quis que ordinem instruxeritis, ad me omnes convenietis, u

' luus cuique locus attribuatur.

19. Quibus illi auditis, ad iter se comparabant, Cyri facris operam dante. His ubi ritè litatum effet, motisca stris, cum exercitu progredi cæpit. Ac primo quidem di metatus est castra loco, quam potuit, proximo; ut siqui alicujus rei oblitus, eam inquireret: & fi quis este sibir aliqua opus animadverteret, eam adhuc fibi comparare Et Cyaxares quidem cum tertia parte Medorum remansi

ut domi solitudo non esset. Cyrus, quam celerrime poten adver- faciebat iter, primo equitibus loco tributo; ante quos fus ho-exploratores & speculatores semper ulteriora in loca, qui stem

ad speculandum essent commodissima, præmittebat. He pergit. impedimenta sequebantur, & in planitie quidem mult plaustrorum & impedimentorum globos faciebant. Hos tergo sequebatur phalanx, ut si quid impedimentorum tergo relinqueretur, præfecti supervenientes curarent, in progressu non impedirentur. Sicubi vero angustior en via milites armati receptis in medium impedimentis, him & illine incedebant: ac is quod his obstaculum alicubio giceretur, milites alii ad ea loca delati sua his operand deerant. Plerumque verò sic cohortes iter faciebant, impedimenta sua apud se haberent. Nam clitellariisomn bus erat imperatum, ut quisque propter cohortem sua progrederetur, nisi quid rei necessariæ impediret. Atqu etiam clitellarius quisque præibat, ac fignum centurion lui habebat, quod militibus ejusdem cohortis notum esse Itaque catervatim faciebant iter, & vehementer in ho intentus erat quilibet, nè qui suorum à tergo relinquere

quibus effet opus, citius milites habebant. 20. Cæterum speculatores antegressi, quum viderentur planitie videre quosdam, qui pabulum & ligna sumerent, aspicerent itidem jumenta, quæ hujusmodi alia portaren atq; interim pascerentur: & remotiora loca intuendo, an

tur. Quod quum facerent, necesse non erat, ut mutuo

quærerent; & omnia præfto, magisque salva erant; &

madverter

mady

lime

alicu

fatir

hæc a quico

terea

dat.

quo c

hoc i

reliqu

opus Primi

dinib

guum

machi

VOCAT

currer

Cyr

Hium

partin popter auditi

abest?

hi era

quiun

propè d

mgau

deran

id adn

rum ag

beri, ti

fruit?

quidan

0 max

21.

aderar

iliusà

agmen

Ju pica

ante h

& qui

velint,

decem

per cui

n

ıu

n. il

ca

vi rei fit

12 10 10

S

m v ericin

nd

nn

12

qu

on

ffe

ho

re

iò

2

ur i

it,

ren

rte

madvertere fibi viderentur vel fumum, vel pulverem in fublime ferri: de his omnibus intelligebant, hoftium copias alicubi esse in propinquo. Itaque speculatorum præsectus fatim quendam mittit, qui Cyro ifta nunciaret. Is ubi hec audiffet, justit ut illis ipsis in speculis manerent, ac quicquid semper novi conspicerent, sibi renunciarent. Præ- Ad p. terea equitum cohorte ulterius missa, darent operam man-158. dat, ut quoldam illorum in ea planitie comprehenderent, quo certius id, quod esset, cognosci posset. Ac faciebant hocilli, quibus id erat negotii datum. Cyrus ipse copias Cyrus eliquas ibidem subfistere jussir, ut præpararent ea, quibus ad pugopus esse arbitrabantur, antequam omnino congrederentur. nam se Primum vero edixit, uti pranderent; deinde ut suis in or-compadinibus manerent, ac providerent : quid imperaretur. Pranti rat. quum essent, equitum, peditum, curruum duces, atque etiam machinarum, impedimentorum, plaustrorum præsectos conmavit. Hi dum convenirent, interea qui in planitiem excorrerant, homines comprehensos adducebant. Quúmque Cyro interrogarentur ii qui capti erant; aiebant le hofium ex caftris effe, ac processisse, partim pabulatum, partim lignatum, prætergressos primas excubias. Etenim popter exercitus multitudinem omnium esse penuriam. Quibus juditis Cyrus: Et quanto, inquit, intervallo hinc exercitus heft? Parasangas duas, aiunt illi. Hinc Cyrus: An de nowerat, inquit, apud ipsos aliquis rumor? Erat profecto, inquiunt, & quidem magnus: nimirum ità vos advenire, ut jam pope abessetis. Quid witur? ait Cyrus, quum id audirent, mgaudebant? Quod quidem eorum caulsa quærebat, qui derant. Non profesto, respondent illi, non sane gaudebant, id admodum etiam anxii erant. Jam verd, ait Cyrus, quid reum agunt? delectus eorum habetur, inquiunt, atque in boc tum bin, tum nudiustertius etiam occupati fuerunt. Et quis eos inmit? Crafus ipfe, inquiunt, & cum eo Gracus quidam, & alius juidam Medus qui à vobis venisse tranfuga dicebatur. Verum, O maxime Jupiter? ait Cyrus, utinam eum capiam, uti desidero. 21. Secundum hæc abduci captivos justit, & ad eos, qui Merant, quasi aliquid dicturus, se convertit. Interea quidem aliusa speculatorum præfecto aderat, qui magnum equitum igmen in planitie dicebat conspici. Ac nos quidem, inquit, Mpicamur eos provehi studio contemplandi hunc exercitum. Nam ante hanc turmam alii equites ferè triginta celeriter advehuntur, I quidem versus nos ipsos; fortasse quod hanc speculam occupare velint, si quidem possint. Nos autem in istà specula tantummodo Ad p. duem sumus. Et Cyrus nonnullos equites ex iis, quos sem- 159. Per circum se habebat, provehi sub ipsam usque speculam jubet,

21.

### XENOPHONTIS

jubet, atque ità quiescere, ut ab hostibus non conspicerentur, Ubi verò ait, decuria nostra speculam deseruerit, tum vos erumpentes ex infidits, eos invadite, qui speculam conscenderint. Atque ut voi magnum illud agmen nonladat, egrederetu, inquit, adversus hos Hy stafpa, cum mille bis equitibus. Es in confpectum hostilis agminisad. verso agmine pergito. Nequaquam verò persequariseos usq; ad loca tibi non perspecta: sed ubi curaveris, ut specula serventur, abscedito. Quod siquisubiat is dextris ad nos advehantur, eos amantur excipite

lon

Eá

cur

vol

era

Pol

in]

equ

cra

ut e

Dei

obti

711171

juni

ciat

phai

ifti

den

quia

fedt

armi

ferre

ordin dispo

milit

tror,

prom

culai

fatea

brice

dem i

locate bofter

60,91

ine la

ullam

abfqu restro

ai po

praje

es ult

pito,

ulteri

Quod

euim L

22. Hyftaspes itaque discedens arma sumebat, & appari-22. tores Cyri statim, quemadmodum imperarat, avehebantur Arafpas ab quibus Aralpas cum famulis cis ipfas speculas occurrit, is qui hostibus ducum explorator missus fuerar, Susamulieris custos. Eum reverti- Cyrus ut vidit, exfiliens de fella progressus est ei obviam & dextra hominem excepit. Cæteris, qui nihil horumscirent, stupori res erar, un par est credi, donec Cyrus air: Vir optimus nobisadvenit, amici. Nam teire jam universi homines, quid fecerit, debent. Hic neque ulla turpitudine victus, neque formidine mei permotus, dilcessit : led à me fuit ablegatus, ut hostium rebus liquido cognitis, vera nobis referret, Tibi quidem, mi Arafpa, qua pollicitus sum memini, & eatibi, cum bis omnibus, prastabo: vos autem aquum est, militer bunc, ut virum fortem, bonore profequi. Nam commodinostr caussa tum periculo se exposuit, tum criminis quo gravabatur eulpam sustinuit. Hic vero Araspam universi falutantes am plectebantur, & dextris excipiebant. Quum autem dix isset Cyrus, satis jam istorum esse: que scire nos refert, in quit, narra nobis Araspa, neque res hostium prater veritaten extenua. Nam melius fuerit, nos arbitratos majora, deinde

23. Enimvero, inquit Araspas, operam dedi, ut rem quam certishme cognoscerem. Nam prasens ipse cum aliis delectum enum habui. Tu igitur, inquit Cyrus, non eorum modo numerum, fed etiam aciei rationem tenes? Teneo profecto, inquit Aralpas, atq etiam, quo pacto pralium inire cogitent. Tu tamen, ait Cyrus primum nobis eorum multitudinem fummatim exponito. Sunt, inquit,omnes & pedites, & equites, sic instructi; ut aciei densitas quanta tricenoscontineat, exceptis Egyptiis. Occupant autem ferespatium fuerint quadraginta studiorum. Etenim admodum mihi cura fuit, ut quantum loci occuparent, scirem. Ægyptii vero, subjecit Cyrus quo pacto instructi fint, dicito. Aiebas enim, exceptis Egytin Nimirum bos denum millium prafecti sic instruebant, ut qualibet denum millium acies in centenos effet disposita. Nam domi quoque sibi hanc ordinum legem esse dicebant, Crasus sans perquam in vitus eis concessie, ut hoc modo instruerentur. Quippe phalangem fuam fic extendere volebat, ut tuum ultra exercitum

minora videre, quam auditis minoribus, majora reperire.

23.

Holling 14176 copia Ad p.

E 60.

y de ca

ir Ui

m

m

i u di

ne

ne dis es es

ur

m

X

in

en nde

er

um

Sec

tq us.

in.

itas

ium

u

rus.

1115

ali

Vant

fang

ippe

1000

longissime porrigeretur. At quamobrem, ait Cyrus, id cupiebat? Ea profecto de caufsa, ut exsuperante copias tuas multitudine circumdaret. Et Cyrus, At ifti viderint, ait, ne dum circumdare volunt, ipsimet circumdentur. Sed enim qua de te audiri ex re erat audivimus. Vobis autem, commilitones, ità faciendum erit. Posteaquam bine jam abieritis, tum equorum arma, tum vestra inspicite. Nam sæpenumero exigua re deficiente, & vir, & equus, & currus inutilis redditur. Cras autem mane, dum facram ego rem peragam, primim Er viris & equis vescendum erit: ut quicquid tandem fieri opportunum fuerit, in eo ne deficiamus. Deinde tu, inquit, \* Araspa, cornu dextrum obtineto, uti nunc \* Quo obtines; itidémque cateri denum millium prafedi servate, quem patto nunc locum obtinetis. Nam ubi pralio congrediendum est, non Cyrus jundi jam equi ullo in curru commode mutari possunt. Denun- copias ciate verò cobortium ductoribus & prafectis manipulariis, ut in fuas inphalange confistant, singulis manipulis densis ad duos. Erant autem fruivo. isti manipuli singuli militum viginti quatuor. Et quidam è denum millium præfectis, inquit : An videmur tibi, Cyre, fi quidem in tot ordinati simus, adversits tam densam phalangem suffeduri? Tum Cyrus: Si densiores fint phalanges, ait, quam ut armis ad bostes possint pertingere, quid tibi videntur hostibus adferre damni, quid sociis commodi? Equidem, ait, hos in centenos ordinatos gravis armatura milites mallem in decies millenos effe. dispositos. Nam boc modo cum paucissimis dimicaremus. At quo militum numero phalangis mea densitas constabit futurum arhitior, ut tota strenua reddatur, & ad opem mutud serendam pomta. Jaculatores, quidem post loricatos disponam & post jaculatores, fagittarios. Quis enim eos in principiis constituat, qui steantur ipsi, nullam se cominus pugnam sustinere posse? At si bricatos ante se hostibus oppositos habeant subsistent: Es illi quitem tela vibrando, bi fagittas emittendo fuper omnes ante se colbeatos, hosti damnum inferent. Quocunque verò malesicio quis bostem infestat, eo nimirum ipso socios sublevat. Postremos colloca- Ad p. bo, qui omnium ultimi vocantur. Nam quemadmodum domus nec 161. melapidum compositione firm a nec absque iis, qui tectum faciant, ullam ad rem utilis est: sic neque phalangis vel absque primis vel absque ultimis, si strenui non fuerint, ullus est usus. Enimvero restros ordines, uti pracipio, instruite: ac vos cetratorum prafedipost ordines borum, vestros itidem manipulos disponite: vosq; pafedi sagittariorum, itidem post cetratos. At tu, qui prafedus tiultimis omnium, extrema esto in acie cum tuis, eisque pracipio, ut quisque respiciendo suos observet, & officium facientes Merius cohortetur, ignaviores minitabundus acriter increpet. Ruod si quis tergum vertat, deserendi consilio, morte multetur. Est tum boc principe conftitutorum loco munus, ut sequentes verbis

& factis animosos efficiant. Vos autem, qui post omnes estis collocati, etiam metum hostili majorem ignavu incutere debetu. \*al. Eu- Ac vos quidem bac facite. Tu verò \* Abradata qui prafettu es phrata, machinis, fac ut vehicula jugalia, que apparitores ac turres vehunt, quam proxime phalangem sequantur. Tu Dauche, qui prafectus es plaustris impedimenta vehentibus, post turres copias ejusmodi omnes ducito, & apparitores tui vehementer in eosanimadvertant, qui vel intempestive pracesserint, vel à tergo man-Jerint. Tu Carduche, qui carpentis mulieres vehentibus es prafedtus postremo en loco post impedimenta constitue. Nam si hac omnia sequantur, & multitudinis opinionem prabebunt, & insidias struendi facultatem nobis suppeditabunt, Es cogent hostes, si quidem circundare nos velint, ut majorem ambitum faciant. Quanto autem majus spatium circumdando completentur, tanto necesse est imbeciliores fiant. Ac vos quidem ita facite. Tu verò Artabaze, & tu Artagerfa, mille pedites quibus fingulis uterque praestis, post hos ducite. Tuque Pharnuche, ac tu Asiadata, equites illos mille, quibus praestis uterque, ne intra phalangem disponite: fed armis instructi pone plaustra seor sum consistite, ac deinde cum ducibus cateris ad nos accedite. Sic autem paratos vos effe necesse est, ac si primi pralium sitis inituri. Tu quoque camelis impositorum præfede, ponè plaustra locum tuum obtineto: & quicquid Artagerfas imperarit, facito. Vos autem curruum duces sortimini, & cuicunque sors obvenerit, is ante phalangem

Ad p. ces sortimini, & cuicunque sors obvenerit, is ante phalangem 162. suos centum currus constituat. De cateris curruum centumis altera quidem ad latus deatrum exercitus procedens phalangem ad cornu sequatur, ad lavum altera.

24. Sic adeo Cyrus omnes disponebat. Abradatas autem

24. Susorum rex: Equidem, ait, ultro in me recipio, mi Cyre, ut Abrahunc è regione phalangis adversa locum obtineam, nisi quid aliud data magna- tibi videtur. Et Cyrus hominem admiratus dextra prehendit nimitas ac Persas, qui cæteris erant in curribus, interrogat: An & vos hac conceditis? Illis respondentibus, honestum non esse, hæc permittere: forte ducta rem inter ipfos componit, & Abradatæ sors id concessit, quod ipse in se receparat, & Ægyptiis oppositus suit. Ac tum quidem discedentes cura tis its, quæ prædicta funt, conabant : & conftitutis excubil quieti le dabant. Postridie mane Cyrus rem divinam facie At omnes exercitus, quum pransus effet ac libaffet armabat & instruebat se; multas induens elegantes tunica multas & elegantes loricas, & galeas: itidémque armaban equos frontium pectorumque tegumentis, & celeres quiden equos illis armis, quæ femora; curribus vero junctos armi aliis, quæ latera tegerent. Itaque totus exercitus ære ful gebat, & florido vestium punicearum colore nitebat.

25. Erat

2

ofte

pat

& t

mai

pall

crif

bric

Pan

conc

mur

lem

mus

arm

lacr

arm

bera

Qui

bat,

juffi

lie

an;

· Q

fac

'de:

'tia

nô:

' fto

qu

equ

juc

gra

de

ut

fte:

div

def

ten

fide

verb

tang

piter

Cyro

2

25.

25. Erat & A bradatæ currus temonum quatuor& equorum ofto, pereleganter exornatus. Quúmque jam thoracem more patrio lineum induere vellet, affert ei Panthea galeam auream, & tegumenta brachiorum, & armillas latas circum internodia manuum: & purpuream ad pedes usque demissam tunicam, pallæ plicas habenti fimilem inferius,& coloris hyacinthini criftam. Hæc illa clam viro, ad armorum ejus menfuram fabricanda cura verat. Quibus ille conspectis cum admiratione Pantheam interrogavit: Tunc verò, mea mulier, mundo tuo conciso hac mihi arma confecisti? Non profedò, ait Panthea, mundo illo, qui mihi maximi pretii est. Nam tu, si quidem talem aliis etiam te declaraveris qualis esse mibi videris, maxi- Panthea

mus mihi mundus & ornamentum futurus es. Hæc dicens, mariarmis eum induebat; & quanquam id occultare conaretur, tum or-

lacrymæ tamen ei per genas distillabant.

i

8

1-

.

C

1.

5,

t.

10

10

ue

es

e:

m

16-

lis

3

11-

em

115

em

ms

ut

iud

lit.

ffe,

, &

ura

bii:

cie

ffet

ica

Dani

dem

rmi

ful

Eral

26. Abradatas jam antè spectatu dignus, posteaquam his ad forarmis erat ornatus, pulcherrimus apparebat, & maxime li-titudiberali forma præditus: quippe qui talis effet etiam à natura. nem Quúmque ab auriga inferiore habenas accepisser, jam le para-hortabat, ut in currum alcenderet. Ibi tum Panthea lecedere tur. juffis omnibus, qui aderant, dixit: 'Mi Abradata, fiqua mulier unquam maritum suum pluris, quam suam æstimavit Ad p. animam: agnoscere te arbitror etiam me harum unam este. 103. Quid ergo necesse est omnia sigillatim commemorare? Nam factis ea me tibi præftitisse existimo, quæ plus apud te fi-'dei mereantur, quam verba ista meo nunc ex ore prodeun-'tia: Sed enim, tametsi hoc sim erga te animo, quem iple 'nôsti: jurata tamen & meum, & tuum amorem lancte teftor, Malle me tecum, strenuè te gerente, simul terrà obrui, quam cum infami, & ipla infamis vivere. Ulque adeo equidem & te & meipiam honestissimis quibusque dignos judico. Quinetiam Cyro, mea tententia magnas qualdam gratias debemus, quod redactam me ad captivæ fortunam, & fibi selectam, nec ut servitis fæmina conditionis, nec 'ut liberà sub ignominiolo nomine voluerit uti: led poteaquam me accipir, tibi tanquam fratris uxorem cuttodiverit. Præterea quum Araspas, custos ille meus, ab iplo Imago deficeret: pollicita sum ei, si mihi racultatem ad te mit- amorts

tendi concederet, venturum te ad ipsum longe Araspa tum inter fideliorem, tum meliorem. Hæc illa est prolocuta, cujus conjuverbis cum admiratione delectarus Abradaras, & caput ejus ges. tangens, & in colum suspiciens precarus est: Tu vero, Jupuer Maxime, fac ut dignum me Panthea maritum, & amicum Gro dignum declarem, qui nobis honorem habuit. La locutus

## XENOPHONTIS

" fp

'pi

( m

au

qu

Re

' de

qu.

flo 1

TLI

C

attu!

conft

maxi

nem

unt.

& loc

cere

mis il

areis.

que t

lateru

equiti

differ

At C

confe

rus e f

mur te

equiti

cum p

Pit et

lentur

per ostium sellæ currulis in currum ascendit. Et quum insenior auriga, post ipsius ascensum, sellam istam occlusisset; Panthea, quæ alia ratione non posset amplius ipsum amplesti, sellam est osculata. Itaque jam currus Abradatæprocedebat, & illa clam viro subsequebatur; donec conversus Abradatas, ea conspecta dixit: Bono sis animo, mea Panthea, Est salve, Est abi jam. Tum deinde eunuchi atque ancillæ receptam ad carpentum deduxerunt, & in lecto compositam tentorio rexerunt. Tametsi verò & Abradatas, & currus ejus sanè pulchrum spectaculum exhiberent; priù stamen homines eum contemplari non potuere, quam Panthea discessisset.

Ad p.

164.

27.

27. Quum autem Cyrus ritè rem divinam fecisset, & jam instructus esset exercitus, uti mandarat, & speculas alias ante alias teneret: ducibus convocatis, hujulmodi verba fecit: Dii nobis, amici ac socii, mactatarum in hostiarum extis ea demonstrant, quæ pridem, cum victoriam nobis illam ' priorem largiti funt. Ego vero commonefacere vos eorum ' volo, quæ si memoria teneatis, longè mea quidem sententia sitis ad prælium alacrius accessui. Nam bellicis in · rebus multò, quam hostes, magis estis exerciti; & tum educati simul vivendo, tum instructi estis longe diutius, quam hostes, & victoria potiti simul estis. At ex hosti-· bus multi cum suis victi sunt. Qui autem ex utraque parte prælio nondum interfuerunt, eorum quotquot in ho-· flium exercitu sunt se norunt adftites habere delertores: vos verò, qui à nobis estis, cum ils aleam prælii vos lubituros nostris, qui sociis, opem ferre cupiant. Est autem · consentaneum, concordibus animis in pugna substituros cos, · quimutuo sibi fidunt: qui vero diffidunt, hos consultare necesse · est quo pacto singuli quamprimum subducere se possint. Lamus · igitur in hostem, commilitones, cum armatis curribus, adversus hostium currus inermes: itidémque cum equitibus & equis armatis, adversos inermes cominus pugnaturi. Pedites quidem adversarios habituri estis eos, quos antehac: & Egyptii quo armati sunt modo, eodem & in acie dispositi sunt. Nam majores eis clypeisunt, quam " ut aliquid vel efficere, vel prospicere possint : & in centeonos ordinati seipsos haud dubie in prælio sunt impedituri, paucis admodum exceptis. Quod fi nos impellendo protrusuros se crediderint, primum equi sustinendi eis erunt, & ferrum, cui robur ab equis accedit. Jam fi quis ' illorum etiam non cedendo sublister, quo pacto simul & adversus equitatum, & phalangem, & turres pugnare poterit? Nam in turribus collocati nostri nobis auxilio tu-' turi sunt; & hoftes feriendo, potius ut de suis rebus de-· Ipernety

'sperent, quam prælientur, efficient. Quod si re quapiam vobis adhuc opus esse putatis, ad me referte.
Nam Diis adjuvantibus, nullius inopia laboraturi sumus. Si quis etiam dicere aliquid volet, dicat: sin
autem, ad rem divinam discedite, ac Deos comprecati,
quibus rem sacram fecimus, ad ordines vosmet conferte.
Redigat autem ea quisque vestium in memoriam suis,
de quibus à me admoniti estis: adeóque subjectis sibi
quilibet intrepidum & gestu & vultu & oratione semet
oftendendo, imperio se dignum declaret.

# XENOPHONTIS

Historiarum de Institutione CYRI Liber Septimus.

n

n m

s, 1-

0-

8:

U.

m

os,

Je.

ius

us,

111

na-

105

8

àm

-911

edi-

ndo

eis

luis

1 &

po-

fu-

de-

rneh

Illi ergo precati Deos, ad ordines abierunt. Et ministri Ad p. Cyro, atque iis, qui cum iplo erant, cibum ac potum 165. attulêre, quuin adhuc rem facram facerent. Cyrusità, uit constiterat, delibatis cibis prandebat; & semper ei, qui maxime indigeret, impertiebatur : quumque post libatiosem precatus effet, tum iple bibit, tum cæteri, qui ade-Secundum hæc implorato love patrio, in & dux klocius effet, equum alcendit, idemque fibi proximos fa- † al. Acere justit. Erant autem omnes illi cum Cyro iildem ar- rifea, mis instructi, quibus ipse Cyrus: tunicis puniceis, loricis & Areis, æreis galeis, cristis albis, gladiis, & una coinca quif-rifuz. que tragulà. Equi tegumentis frontium. & pectorum, & & Ar. laterum æreis muniti erant. Ejusdem generis tegumenta sama. equitis cujusque femora muniebant. Tantum Cyri arma Aguilse differebant in hoc, quod reliqua colore aureo illita erant aurea At Cyri arma instar speculi resplendebant. Posteaquam fignum sonscendit equum, ac substitit, ut respiceret, que periectu Persici sueffet, tonitru dextrum insonuit. Itaque dixit, Seque-Impemurte, Maxime Jupiter. Tum progredi coepit, Chrylantarii, ficut quirum præfecto, cum equitibus, dextrum : † Aralamba & decum pedestribus copiis latus lævum obtinentibus. Piaci-inceps pit etiam, ut ad fignum respicerent, & æquali gradu seque. Byz 13lentur. Erat autem ei signum, aquila aurea in hasta lub-tini.

2.

limi extensa. Et hodiéque fignum hoc à rege Persarum adhuc retinetur. Prius verò, quam in hostium conspectum

venirent, ter exercitum quielcendo refecit. 2. Ubi jam ad stadia viginti accessissent, hostium copias adventantes contra le cernere cœperunt. Quum autem utrique jam se mutuo in conspectu haberent, & hostes decrevissent ab utroque latere phalangem adversam circumvenire, fliterunt phalangem suam, quod aliter circumdare non liceat, & inflexerunt ad intercipiendum in medio hostem, ut instructo agmine suo utrinque instar literægamma, undique simul dimicarent. Quæ Cyrus tametsi videret, nihilo tamen magis restitit; sed eodem modo præibat. Quum autem animadverteret, procul ab ipfis utrinque flexum fieri, quo cornua flectendo extendebant: 'Animadvertis, inquit, Chrysanta, ubi hostes flectionem instituant? Pror-' fus, ait Chryfantas, atque adeò res mihi mira videtur, ' Nam cornua, mea quidem sententia, longè à sua phalange abstrahunt. Sic est profecto, ait Cyrus, ac longe etiam à nostra. Cur id? Nimirum, ait, methunt, nè si cornua ' nobis propiora fint, phalange procul adhuc remota, nos 'iplos invadamus. At qui poterunt deinde, inquit Chryfantas, aliis alii adjumento esse, quum tam procul ab se invicem absint? Manifestum est, ait Cyrus, quod ubi cor nua à regione laterum exercitus nostri alcendendo consti-

' terint: quafi in phalangem conversi pariter ex omnipant ' nos aggredientur, fimul undiq; advers um nos pugnaturi, Et gone tibi, ait Chryfantas, rectè hoc consilii capere viden

tur? Vero, ad ea quæ prospiciunt, inquit: quod autemat ' tinet ea quæ non prospiciunt; etiam pejus fibi consulunt quam si adversis cornibus nos invaderent. Sed tu, Asla

ma, inquit, peditatui modice præito, ficuti me præire vi ' des: actu, Chrysanta, pari gradu cum hoc copias eque stres ducens sequitor. Ego verò illuc abeo, unde mini tem

' pestivum videtur ordiri prælium: & simul in transitu sin gula confiderabo, quo pacto nobis ista se habeant. Illu

ubi venero, & congressuri jam inter nos erimus: Pæanen exordiar, ac vos tublequimini. Quando autem manu cum hoste nos conserturi simus, facile vos sentietis, quun non exiguus tumultus futurus fit: ac deinde cum cum

bus A bradatas in adversos imperum faciet. Sic enim ip 6 fignificabitur. Vos autem sequi oportebit quam maxim

contiguos curribus. Nam hoc modo in hostes plurimum perturbatos incidemus. Adero etiam iple, & quam ce

' lerrime potero, Diis volentibus, eos perlequar.

3. Hæ0

Ju

1U

pi

't t ti

· h fft

· de

' m

' no

ra

ne

ha ha

ef

CO fit

tu

lib

cet

eat

'len præl

lite

vir

4.

Mitit

um,

Rie (

Hi qu

Det

dig

Tu

eos

com

Bit.

Ver

Dua .

omn

quàn

nic 1

or ef

habe

equi Do.

Ad p. 166.

i-m

e-n-

re

0-

a,

ıi-

m

ie-

in-

or-

ur.

an.

am

lua.

105

ny-o se

or

fti

arte

Er.

len

at

unt

ıfa

vi

que

tem-

i fin

Illuc

anus

uum

n ipf

xim

mun

m ce

Hæ

3.

3. Hæc locutus, quum tesseram militarem hanc dedisset, Jupiter servator & dux, progressus est. Quumq; inter currus & loricatos pergeret, quoties aliquos in ordinibus afpiceret, aiebat modo: 'Quam jucundum est, milites, vultus vestros intueri? modo apud alios dicebat; An intelligitis, milites, certamen jam propositum esse non solum de Ad p. hodierna victoria; sed etiam de ea quam prius obtinuiflis, adeoque de felicitate universa? Hinc ad alios aecedens, deinceps aiebat, Nunquam Dii nobis acculandi erunt, commilitones. Nam facultatem concessere multa & egregia nobis acquirendi, saltèm nos, milites, fortiter nosmet geramus. Russus ad alios hujusmodi; Qualnam ad communes epulas lautiores nolmet invitare possemus, quam ad has iplas? Nam modo facultas vobis est, si viri fortes esse volueritis, multa & egregia commoda mutuo vobis conferendi. Rursus ad alios; Nôstis, opinor, milites, proposita jam esse præmia; vincentibus quidem, ut persequantur, feriant, occidant, bona possideant, præclare audiant, liberi fint, imperent; ignavis autem, his contraria scilicet. Quilquis ergò se ipsum diligit, mecum prælium ineat. Nam nihil equidem ignaviæ, nihil turpitudinis volens admittam. Rurfus, ubi ad quoldam accessisset, qui prælio superiori interfuissent, aiebat; 'Ad vos verò, milites, quid verbis opus est? Nostis enim, cujusmodi diem viri fortes in praliis agant, & qualem ignavi.

4. Deinde discedens, ad Abradatam quum accessisset, remit: & Abradatas habenis inferiori aurigæ traditis adiit um, fimul accurrentibus etiam aliis, qui propè ab ipso in rie collocati erant, tum pedites tum curruum agitatores. Hiquum ad Cyrum venissent, in hanc sententiam inquit: Deus, Abradata, quemadmodum tu petebas, & te & tuos dignos centuit, qui sociorum essetis in acie principes. Tu verò memineris, ubi jam tibi præliandum erit, Perlas tos futuros, qui vos & spectabunt, & sequentur: neque committent, ut soli desertique dimicetis. Et Abradatas sit, Equidem res nostras, Cyre, habere le recte existimo. Verum latera me sollicitum habent. Nam hostium corma video porrigi firma tum propter currus, tum propter omnis generis copias. His nihil nos oppoluimus aliud, quam currus. Quapropter me quidem, nisi sorte locus hic mihi obtigisset, ejus sanè puderet. Adeo mihi videor esse in tuto. Cyrus autem ad hac: Si res apud te recte habent, inquit, bono sis animo, quod illos attinet. Nam equidem Deûm ope tibi palàm hæc hostium latera nuda-00. Teque obtestor, ne prius in hostes istos imperum

168.

5.

### XENOPHONTIS

' facias, quam hos ipsos, quos modo metuis, fugere cernas. Et hujulmodi verba Cyrus magnifice jactabat, instante ' pugna, quum cæteroqui non admodum jactabundus effet. 'Ubi verò fugientes hos conspexeris, tum & me jam ad-' esse putato, & impetum in hostes facito. Quippe tune adversarios ignavissimos, & tuos fortissimos experieris, Enimverò dum tibi vacat, Abradata, currus tuos utique ' prætervectus, cohortare tuos ad invadendum, ac partim eis vultu animos addito, partim spe sublevato. Atque ' uti longe præstantissimi omnium, qui lunt in curribus, 'videamini; æmulationem inter iplos excitato. certo scias dicturos omnes deinceps, si hoc siat, virtue nibil effe fruduosius. Itaque conscenso curu prætervehe.

batur Abradatas, & hæc faciebat.

5. Cyrus progressus, ubi ad lævam pervenit, quo loco Hystalpas erat, cum equitatus Perfici parte dimidia, nominatim eum compellans, ait: 'Vides jam, Hystaspa dignum opus celeritate in conficiundis rebus tua. Nam ' si modo antevertemus hostes interficiendo, nemo nostrum ' peribit. Et Hystaspas cum rifu ait : Enimvero de advertis curæ nobis erit. Tu autem de illis, qui funt à latere ' aliis mandata dederis, nè otiofi fint. Equidem ad hos ait Cyrus, iple pergo. Tu tamen memineris, Hyttalpa cuicunque nost ûm tandem victoriam Deus concessent, ! quid alicubi reliquum ex hostibus manlerit, semper cun 11s, qui pugnabunt, manus conferendas esse. His didis procedebat. Quumque progrediendo ad latus venisset, à ad præfectum curribus, qui istic erant, sic eum appellan ait: ' Equidem vobis opem laturus venio. Vos ubi fenfe ritis, nos ad partes extremas hostem invadere; tum & ipi per medios hostes invehendo perrumpere conamini. Nam tutiores tuturi estis, si pervadendo soras eruperitis, quan ' si ab eis in medio intercipiamini. Postquam autem pen gendo, pone plaustra venit : jussit, ut Artagerlas & Phat Al. ' nuchus cum mille † pediribus, ac totidem equitibus, ibi dem manerent. Ubi veio, inquit, me animadverteritt eos, qui ad latus dextrum sunt, adoriri; tunc & ipsi vobis oppositos invadite. Pugnabitis enim adversus cornu quo loco imtecilior est exercitus: & phalangem habebitis ut firmiores fitis. Sunt etiam, uil videtis, equites ho fium ultimi, adversus quos omnino camelorum ordine Nam certo scitote, prius vos hostes ridicu los este conspecturos, quam manus conseratis.

6. His Cyrus peractis, ad latus dextrum se contulit. Cicsu autem ratus jam phalangem, cum qua iple procedebat,

bus 6 hofti

ti

fu

91

eı ad

qu

Cy

ca

qu

or file

ex

M cui

eis

cel fun

effe

ctu

ger

fini

dur non

effe

equ

din:

curr

Mu

rect

rent

8.1

Sequ

eis 1 guir

tato

tim rectà

cum colle

esse i

hostibus abesse propiùs, quàm illa cornua, quæ protendeban- Ad ptur: signum extulit, quo cornua monerentur, nè longiùs 169. sursum progrederentur, sed eo loco se converterent. Quumque subsisterent omnes, & Cyri copias intuerentur, signum eis dedit, ut in hostem pergerent. Hoc modo tres phalanges adversus exercitum Cyri tendebant, una ex adverso, ex reliquis duabus ad dextrum altera latus, ad lævum altera: ità quidem, ut totus exercitus Cyri magno in metu versaretur. Nam instar exigui laterculi, qui collocatus est in magno, Cyri copiæ cingebantur undique ab hostium equitibus & cataphractis, & cetratis, & sagittariis, & curribus, extraquam à tergo. Sed ubi tamen Cyrus imperavit, omnes ore adverso in hostem se converterunt. Et erat altum ubique

filentium, præ futuri eventûs formidine.

ite

et.

id-

inc

is

ue

im

que

us,

ain

uic

he

oco

110-

pa.

am

ûm

rfi

ere

nos (pa t, fi

un

ctis,

8,1

lans

nleipfi

Vam

uàu

per

har

ibi

ritis i vo-

ornu,

s holine

dicu

celu

offi

7. Quum autem Cyro jam tempus esse videretur, Pæanem exorfus eft, & exercitus universus simul insonuit. Deinde Cyriad-Martem alta voce conclamabant, & Cyrus erupit, statimque versus cum equitibus hostes aggressus ex obliquo, quamprimum cum maxieismanum conseruit. Pedites autem servatis ordinibus suis mas hoceleriter subsequebantur, & hostibus hinc atque indécircum- stium fundebantur, ut multo jam potiori conditione, quam illi, copias Nam cum phalange ad cornu inferebantur; quo fa- pralium dum est, ut celeriter vehemens hostium fuga fierer. Artagerses ut Cyrum jam rem aggressum animadvertit,& iple ad finistrum latus immissis camelis hostes invadit, quemad modum Cyrus justerat. Hos equi magno admodum exintervallo Equi non expectabant, sed alii consternati fugiebant, alii saltu camelos efferebantur, alii super se invicem irruebant. Nam solent sugiunt equis hujulmodi à camelis accidere. Arragerles luos ordinatos retinens perturbatos urgebat integris ordinibus: & currus, qui ad dextram & lævam erant, fimul immittebat. Multi autem, quum currus fugerent, ab iis, qui cornu dinecto sequebantur, sunt interemti: multi, quum hos fugetent, à curribus intercipiebantur.

8. Et Abradatas haud ampliùs cunctatus, sed altum clamans, sequimini me, amici; equos immirtebat in hostes, quumquidem eis minime parceret, sed ità stimulo soderet, ut multo sanguine respergerentur. Cum hoc etiam cæteri curruum agitatores eruperunt. Hos oppositi currus statim sugere, partim receptis qui ex eis pugnarent, partim relictis. Abradatas rectà per eos in Ægyptiorum phalangem impetum sacit, illis Ad pecum eo simul irruentibus, qui proxime apud ipsum in acie 170 collocati erant. Quum aliunde verò perspicuum est, non esse sirmiorem phalangem, quàm quæ ex amicis commilitonibus est collecta: tum illud hæc phalanx hoc tempore decla-

ravit.

ipf

pro

Cy

Tit.

Tu

pem

toll

riu

ex e

rus

Na

Chi

plit

con

chi

quo

**fubf** 

tum

que

fugi

cere

Ægy

arm

peas

muli

raru

ferre

amp.

teat

à qui

quòd

possin

& C

[ubfi]

ш,

poter

60724m

ceat i

am f

Benef

Et A

ea C

meret

cuicus

oppid

ravit. Nam & sodales ipfius, & mensæ participes ejusdem. hostes una cum iplo funt aggressi. Et alii quidem auriga quum viderent Ægyptios agmine denlo impetum luftinere; versus fugientes currus deflexerunt, & illos infecuti funt. At vero qui erant cum Abradata, quia nulquam illic, ubi proruerant in hoftem, divisi Ægyptii cedere poterant, omnibus utrinque suo loco manentibus; equorum impetu stantes impellendo everterunt, cadentes obtrivere, nec iplos tantum. modo, sed etiam ipsorum arma, & equos, & rotas. quid autem falces corripuissent, id totum violento concide. batur impetu; five arma effent, five corpora. Atque in hoc tumultu, qui exponi dicendo nequit, rotis propter multiplices acervos lublultantibus accidit, ut curru Abradatas excideret, atque illorum alii, qui cum ipfo in hoftes impetum fecerant. Et hi quidem hic, officio functi virorum fortium, concisi vulneribus interierunt. At hos una secuti Perlæ, quum eo loco, quo Abradatas hostem cum suis invalerat, irruissent, perturbatos occidebant.

Perfa-

9. Ægyptii qua parte cladis expertes manserant (& erant hi multi numero) rectà tendebant adversus Persas. Ibi tum rum & atrox pugna lanceis, jaculis, gladiis, committebatur: & Ægyp- Ægyptii sanè tam numero, quam armis superiores erant. troium Etenim hastæ ipsis erant firmæ ac longæ, quas nunc etiam pugna, gestant, & scura multo, quam vel loricæ vel crates, magis corpora tegunt, & ad propellendum aliquid adjumentiafferunt, humeris affixa. Quamobrem clypeis confertis piocedebant ac propellebant. Perlæ vero luftinere iplos haud poterant, veluti qui manibus extremis crates five parmas tenezent. Itaque pedetentim cedebant, quum & ferirent alios ipfi & ferirentur, donec sub machinas se receperunt. Lo quum venissent, vicissim Ægyptii de turribus feriebantur. Et ultimi omnium neque fagittariis, neque jaculatoribus fugiendi potestatem faciebant; sed ftrictis gladiis eos & fagittas & tela emittere cogebant. Erat autem ingens hominum cædes, ingens armorum telorumque omnis generis strepitus, ingens vociferatio, aliis mutuo fibi acclamantibus, aliis cohortantibus, aliis Deos implorantibus. Intereà Cyrus hoftes oppositos sibi persequens, advenit; quumque Persas loco pulsos videret, indoluit: & animadvergema. tens, nullà ratione citius hostes revocari posse, quo minus progrederentur ulterius, quam fi ad eorum terga circumveheretur, imperat iis, quos secum habebat, uri se sequerentur, & ad iplorum terga circumvehitur. Hic irruentes averlos cædunt, ac multos perimunt. Quod quum Ægyptii sentirent, hoftes à tergo esse clamabant, & inter iplos

Cyrz Ad T. 171.

n

S

.

-

i

1.

it

m

it.

m

is

e-

-9:

0-

16-

OS

Eo

ur.

elle

8

10-

eris

nti-

nte-

ım-

rer-

mi.

cir-

lum

nter plos

ipsos ictus se vertebant. Tum vero & equites & pedites promiscue præliabantur. Et quidam, cum subter equum Cyri cecidisset, & conculcaretur, gladio ventrem equi fe-Equus autem saucius quum nutaret, Cyrum excutit. Tum verò perspicere potuisses, quanti sit astimandum principem à subjectis sibi diligi. Nam statim universi clamorem tollunt, & impetu facto pugnant: pellunt, pelluntur: feriunt, feriuntur. Unus autem ex apparitoribus Cyri quum ex equo defiliiffet, Cyrum in equum luum luftulit. At Cyrus ubi conscendisset, undique jam Ægyptios cædi vidit. Nam Hystaspas cum equitatu Persico jam aderat, itémque Chrysantas. Verum hos in Ægyptiorum phalangem amplius irruere non fivit, sed, ut extrinsecus sagittas ac tela conjicerent, justit. Posteaquam autem circumvectus ad machinas pervenit, vilum est ei quandam in turrim alcendere, quò circumípiceret, an alicubi alia quoque hostium copiæ subsisterent, ac præliarentur. Ut ascendit, campum refernum vidit equis, hominibus, curribus: fugientibus, perfequentibus: vincentibus, luccumbentibus: hostibus quidem fugientibus, luis autem vincentibus. Ex iis verò qui vincerentur, nulquam alios amplius conspicere poterat, præter Egyptios. Hi quum ad inopiam confilii redacti effent, fic armis undique circundati, ut ea conspicerentur, subter clypeos consederunt, & faciebant illi quidem nihil amplius, multa verò graviaque perpetiebantur. Quos Cyrus admiratus, & dolens viros fortes interire, suos omnes pedem referre jussit, qui dimicabant adversus eos undique; nec ulli amplius, ut in eos pugnaret, concessit. Misso etiam caduceatore, interiogavit, utrum omnes interire mallent propter cos, à quibus proditi fuissent: an bona cum existimatione conservait, quod effent viri fortes? Ad hæc illi relponderunt: Quo pacto sossimus esse salvi cum existimatione bona, quod viri fortes simus? & Cyrus iterum, Quia nos, ait, vos solos conspicimus, qui & subsistant, & dimicare velint. Quid verd deinceps, aiunt Ægyptii, recte agendo servari possimus? Ad hoc Cyrus, Salvi esse poteritis, inquit, nemini sociorum prodito, traditis armis, & Ad p. wum amplexi amicitiam, qui vos conservare malunt, quum li-173. unt interimere. His illi auditis, ruslum interrogant : Si tuam fuerimus amplexi amicitiam, quas ad res uti nobis voles? Beneficia, respondit Cyrus, conferam, & vicissim accipiam. Et Ægyptii rursum, Qua beneficia narras? inquiunt. Ad ea Cyrus, Stipendium vobis, ait, illo majus dedero, quò nunc e femeretis; quam quidem din bellum geretur. Pace verò facta, rrucuicunque vestrûm mecum manere lubuerit, eum Es agro, Es oppidis & uxoribus, & servitiis donabo. Quibus auditis ora-

Egyptii fe Cyro adjungunt.

† Al.

TO.

verunt Ægyptii, hoc unum exciperetur, ne adversus Cræfum fub fignis eorum militarent, quod illi foli fe ignoscere dicerent. In cæteris & conventum, & data fides acceptaque fuit. Et qui tunc manserunt Ægyptii, nunc quoque regis in fide permanent; deditque Cyrus eis urbes in regione superiori, quæ hac etiam tempestate urbes Ægyptiorum appellantur, & Larissam & Cyllenam propter Cumam, haud proculà mari; quas etiam nunc illorum posteri possident. His re-Thyma- bus confectis Cyrus jam sub iplas noctis tenebras reversus, † Thyribaris caftra locavit.

braris.

tc. In hoc autem prælio foli ex hostibus Ægyptii gloriam confecuti funt, & ex iis, qui Cyro militabant, equestres Persarum copiæ visæ sunt esse præstantissimæ : adeo quidem ut illi nunc etiam armatura duret, qua tunc equites à Cyro instructi fuere. Prætereà currus illi falcari lau. dem adeò infignem adepti funt, ut hoc etiam tempore bellicum illud curruum genus is rex, qui rerum potitur, retineat, Cameli duntaxat equis terrori fuerunt. Nam ut illis infidentes neminem ex equitibus interemerunt, ità nec ipfiab equitibus occisi sunt; quod nullus ad eos equus propius accessit. Idque tum quidem visum est esse utile, sed nemo tamen virorum fortium & egregiorum vel alere camelum vult, ut eo vehatur; vel ad pugnandum ex his, semper exercere. Itaque receptà formà cultuque suo pristino interimpedimenta jam degunt. Et Cyri quidem milites, ubi cœnalfent, & excubias constituissent, uti par erat, quietise dederunt.

Sardes fugit.

Ad p. 173.

Sardes à Cyro capiuntur.

11. Crælus autem rectà Sardes cum exercitu profugit. Crafus Cæteræ nationes, quam remotissime quilque poterat, domum ea nocte discedebant. Quum autem illuxisset, recta Sardes Cyrus duxit: atque ubi ad Sardium mænia pervenit, & machinas erexit, quafi facturus in muros impetum, & lcalas paravit. Intereà dum id faceret, ut in munitiones Sardianorum, quà parte maximè præcipites videbantur, lequenti nocte Chaldæi ac Persæ ascenderent, effecit. His ductor erat Persa quidam, qui cujusdam in arce custodis præfidiarii servus fuerat, ac descensum ad flumen, & alcensum itidem didicerat. Quum cognitum esset, arcem esse occupatam, Lydi omnes à muris disfugiunt, quo quisque poterat. Cyrus cum prima diei luce oppidum ingresfus, nè quis ordines deserret, edixit. Cræsus autem, se muliei ipso intra regiam occluso, Cyrum inclamabat. Cui Cyrus ais re custodibus relictis, ad arcem occupatam contendit: ubi aiam quum Persas arcem, ut oportebat, custodire videret, Chal-dæorum verò arma sola conspiceret, quòd illi decurrissent, déque ut ex ædibus prædam facerent: mox, præsectos eorum convocavit,

VOC

enin

quà

jam

cere

vobi

poti

culf

opes

xit :

nia,

cater

da cu

fic,

geffe

fecui

tatu

batu

12

ubi (

incep

quoq

ium,

inqu

etiani

milita

his, n

lenti/

tenia

ium f

habit

anima

dirept

probi.

ait, g

neve p tur:

## De Cyri Institutione LIB. VII.

1.

t

e i,

r, à

2-

0-

e-

0 1-

1.

1.

it.

1-

10

15

no

m

1-13

m-

al-

nt.

it.

m

des

8

ca-

ar-

fe-

His

dis

vit,

vocavit, &ab exercitu quamprimumutdiscederent, justit. Non enim, ait, tolerare possim, ut qui ordines deserunt, majoribus, quam alii, commodis potiantur. Adeoque vos certo scire volo, jam in boc me fuisse, ut vos, qui signa mea sequimini, tales efficerem, quos universi Chaldei felices predicarent. Verum jam vobis mirum non videatur, si quis vos binc discedentes viribus potior adoriatur. Quæ Chaldæi quum audiissent, metu perculsi orabant, ut irasci desineret: aiebantque se pecunias & Cyrus opes omnes velle restituere. Cyrus his sibi non opus esse dizit : sed si me vultis, ait, ab indignatione desistere date illis om- os prania, que cepistis, qui arcis in custodià mansere. Nam si milites de cuuteri animadvertent eos, qui ordines servarunt, majora commo-pidos da consegui, praclare se mea res babebunt. Itaque Chaldæi multat. sic, uti Cyrus edixerat, secerunt: & qui obedienter lele gesserant, magnam rerum opumque variarum copiam consecuti sunt. Cyrus autem, quum castra pro milite suo memus esset eo urbis loco, qui maxime opportunus ei videlatur, luos in armis manere, ac prandere justit.

12. Quibus perfectis, adduci Cræfum ad fe præcepit. Is ubi Cyrum vidit : Salve, inquit, domine. Nam id nomen de- Cyrus inceps fortuna tibi tribuit, quo ego te compellem. Salve tu Crafum quoque, ait, Cræse, quandoquidem homines ambo sumus. Ve-ad je ium, mi Cræfe, velisne mibi consilium dare? Etiam mi Cyre, deducz inquit, aliquid boni tibi reperire velim. Nam idem arbitrarer jubet tham mibi fructuofum fore. Audi ergo, Cræfe: Quia video 14 p. milites multis laboribus exhaustos, multisque versatos in pericu-174. is, nunc etiam putare, se urbe totius Asia, post Babylonem opuentissimà potitos, aquum judico, ut aliquid utilitatis ad eos peruniat. Nam futurum intelligo, ut nifi quem laborum suoum fructum percipiant, dicto eos audientes diu non fim habiturus. Sed urbem tamen eis diripiendam concedere, non est mimus. Nam & urbs, med sententid prorsus interiret; & in direptione plurimum utilitatis caperent, qui maxime funt impobi. Quæ ubi Ciœlus audiffet: Me verò dicere finito Lydu, sit, quibus ego voluero, impetrasse me abs te, ne direptio fiat, alneve permittatur, ut liberi & conjuges ex oculis eorum abstrahancem tur: proque hoc tibi pollicitum esse, suturum omnino, us Lydi uilhbentes offerant tibi, quicquid Sardibus pulcrum & praclarum sit.
gesNam si hac audierint, allaturos scio, quicquid pulcra rei vir aut
semulier hic habuerit. Itidémque alterum in annum multis ac pulyrus mis rebus iterum urbs tibi referta erit. Quod si com diripueris, Artes ubi tiam artificia tibi, quabonorum fontes esse perbibent, perierint, bono-hal- Pratereà licet tibi, post quam hac intuitus sis, etiam ità pergere, rum sent, déque direptione adhuc consultare. Primim autem, inquit, adjontes con-meos the sauros mittito, atque hos à custodibus meis tui custodes sunt. accipiant.

Ad p.

175.

datum.

accipiant. Atque hæc omnia sic sieri censuit oportere Cy.

, [

n b

· e

6 8

' ri

t te

· fa

· C

6 e

6 h

ti.

· h

· de

· fi

· fil

tu cc

no

' pa

qu

qu

A

gr

vert

tatu unà

effe

qui

cati

aliis

Crœ

men

forte

Cere

præsidem buer

13. At ista mihi, Crase, inquit, utique memorato, quonam evaserint, qua Delphico tibi sunt oraculo prodita. Nam sertur is Apollo admodum abs te cultus, atque te omnia sic agere, utilli obtemperes. Vellem, inquit, mi Cyre, sic comparata res essent. Ego verò Apollinem offendi, dum omnia contraria statim ah initio facerem. Quomodo vero? ait Cyrus, edoce. Nam valde qui-Crasus dem mira refers. Primum, inquit, posthabità curà interrogandi

Apolli- Deum de iis, quibus mihi esset opus, periculum seci an vera renem spondere posset. At verò non Deus, sed homines etiam honesti tentat. ac boni, quum sidem non adhibere sibi animad vertunt, haud

amant diffidentes. Quum autem animadverterem, me perabfurde agere, ac procul Delphis abessem, mitto de liberis interiogatum. Ille mihi primum ne respondit quidem. Ubi verò missis compluribus donariis, partim aureis, partim argenteis, permultisque casis hostiis, tandem eum aliquando placavi, uti quidem inse arbitrabar: tum mihi quarenti, quid faciundum esset ut

ipse arbitrabar: tum mibi quarenti, quid faciundum esset, ut liberi mibi nascezentur? respondit, habiturum me liberos. Ac nati quidem mibi sunt (quippe nec in hoc mentitus est) sed nati nulli usui suere. Nam alter eorum mutus mansit, alter prastantissimus in ipso atatis siore periit. Quum his tiberûm calamitatibus premeret, iterum mitto, Deúmque interrogo: quid à me

Oracu- fieri oporteret, ut id, quod esset vita reliquum, exigere quan lum telicissime rossem; Respondit ille mihi:

lum felicissime possem; Respondit ille mihi: Craso Transibis, modo si noscas te, Crase, beatus.

' Hoc oraculo audito, gavisus sum. Arbitrabar enim, Deum felicitatem mihi tribuere, qui rem facillimam im. perarer. Nam alios partim cognolci posse, partim non posse: quis verò sit ipsemet, quemlibet hominem scine ' putabam. Omnique adeo deinceps tempore, quamdiu quietem colui, nihil erat, post mortem filii, quamobrem ca-' sus fortuitos culparem. Verum posteaquam ab Assyrio fum persuasus, ut expeditionem adversus vos susciperem, omnis generis adii pericula, nec ullo tamen accepto malo conservatus sum. Ac nè de his quidem Apollinem inculo. Nam ubi me ad pugnandum adversus vos idoneum non effe animadverti, tuto, Dei ope, tum ipse tum mei mecum, evafimus. Sed rursum nunc deliciis opulentiæ prælentis diffluens; & ob eorum preces, qui me rogabant, ut eis præeffem; & ob illa munera, quæ mihi donabant; & illorum ' hominum opera, qui mihi affentando futurum dicebant, " ut omnes mihi parerent, & omnium ego mortalium maximus evaderem, modò imperium accipere vellem: his, in-

quam, verbis inflatus, ubi reges omnes undique belli me

y.

1772

217

lli

nt.

tio

111-

ndi

re-

fti

lud

ab-

170.

lis

nul-

ent

ut

Ac

ati

an-

ita-

me

iàm

im,

in-

non

cire

qui-

ca-

VIIO'

em,

nalo ulo.

non

um,

ntis

præsidem legerunt, accepi munus imperatorium, quasi elfem is, qui maximus evadere possem; meipsum certe ignorans, qui bello adversus te gerendo, parem me tibi arbitrarer, primum à Diis orto, deinde à regibus genito, atq; etiamà puero ad virtuiem exercitato. At ex majoribus meis eum, qui primus regno potitus est, audio simul & regnum, & libertatem esse consecutum. Hæc ergo quum ignoraverim, merito pænam fero. Nunc autem, mi Cyre, quum me- Cræsus iplum norim, an adhuc veracem Apollinem existimas, qui adverbeatum me fore dixit, si meipsum nossem? Ac te quideni prop- sus oratereà interrogo, quod optime conjecturam mihi de hoc culum facturus in præsentia videris. Potes enim id facere. Tum disputat. Cyrus ait: Da vero tu mihi de hoc confilium, Cræse. Nam equidem apud animum repetens felicitatem tuam pristinam misericordià tangor erga te, conjugémque tibi tuam habere permitto, quam habes; & filias (audio enim esse Ad p. 'tibi quasdam) & amicos & famulos, & mensam, quali 176. hactenus eftis ufi. Pugnas autem & bella tibi adimo. Ergo, 'ait Crafus, nihil tu profecto amplius deliberes, quid mihi de mea felicitate relpondeas. Etenim iple jam tibi dico, 'si hæc quæ nunc ais, feceris, fore, ut quam alii vitam beatifsimam dicunt, etiam me affentiente, hanc modo confecutus agam. Tum Cyrus subjecit: Et quis beatæ istius vitæ Qua composeft? Uxor mea, mi Cyre, ait. Nam ea mecum bo- putari norum omnium, & vitæ mollis ac delicatæ, & gaudiorum feliciparticeps fuit: curarum verò, quo pacto hæc contingerent, tas vita & belli, & pugnæ nihil mecum ei commune fuit. Ac tu debeat. quoque me talem efficere velle videris, qualem ego illam, quam omnium hominum maxime diligebam, Quo fit, ut Apollini etiam alia munera debere mihi videar quibus grati erga iplum animi fignificationem edam. His Cræfi verbis auditis, Cyrus in eo tranquillitatem animi est admintus. Ac deinceps ille, quocunque Cyrus proficiscebatur, unà ducebatur: sive adeo proptereà quod eum fibi utilem esse crederet, seu quod ita tutius arbitraretur. Ac tum quidem hoc modo quieti le dederunt.

14. Postridiè Cyrus amicis & ducibus copiarum convo- 14. atis, alios quidem constituit, qui thesauros acciperent; præ- dis hoc negotii dedit, ut de iis pecuniis, quascunque rum Crasus traderet, primum Diis seligerent, quas Magi supant, mendas declararent: deinde reliquas pecunias acceptas in axi- arcis locarent ac plaustris imponerent, iisdémque plaustris ine forte distributis, secum eas portarent, quocunque proficis-ime cerentur; ut opportuno tempore, sua pro meritis cuique tri-

dem buerentur. Et hi quidem ista exsequebantur.

15. Cyrus

# XENOPHONTIS

· bu

· qu

tu

co co

tù

· the

· ad

tum

viri

inqu

xit,

111/11

fup;

ret,

mul ipla

Nu

thea

exte qui

ftric

tes 1

que

TIOI

feru

effet

Cyr

idin ceffi

nia

beni

bell

cis

dem

ut e

bur

Tel V cum

diti Qua

gibi quu

I

L

15. Cyrus autem quibuldam ex apparitorum numero, qui 15. aderant, arcessitis, Dicite mibi, ait, an aliquis vestium Abradatam vidit Miror enim, quod antehac frequenter nos accedere Cyrusde folitus, modo, nufquam appareat. Ei quidam apparitorum re-Spondit: Is vero domine, non vivit, sed in pugna mortuus est, Abraquum in Ægyptios currum suum immissset. Cateri, sodalibus data ejus exceptis, deflexerunt, uti quidem perhibetur, posteaquam morte primum Ægyptiorum agmen conspexissent. Et uxor ipsius jam mortuum cognof. Juli ulife dicitur, atque impositum in carpentum, quo ipfa vehi solita est, attulisse buc aliquo ad Paciolum fluvium. Aiunt & eunuchoso famulos ipfius quodam in tumulo fodere locum mortuo quo condatur, & uxorem bumi sedere, qua maritum rebus iis ornarit, Ad P. quafcunque babuerit, ejufque caput impositum genibus teneat. 177. Mæc ubi Cyrus audivit, femur fanè suum percussit, statimg; in equum infiliens, fumtis fecum equitibus mille, ad illum triftem casum advehitur. Gadatæ vero Gobryæq; mandat, ut secum sumerent quicquid ornamenti mortuo viro soni & amico conveniret, statimque subsequerentur. Prætereafi quis greges, & boves, & equos secum duceret, mandabat, ut alias etiam pecudes eò multas ageret, ubicunque se re-

T6. Cyrus Abradala deployat.

sciret este, quo mactari apud Abradatam possent. 16. Ut humi fedentem mulierem vidit, & jacentem mortuum, lacrymas ob casum tristem, profudit, ac dixit : Heu fortem ac fidam animam! Itane nobis relictis abiisti? fimul dextram mortui prehendir, atque ea subsecuta est; quòd ab mortem Ægyptio quodam copide fuisset amputata. Id cernens Cyrus multo majori dolore affectus est: mulier ipla sublato ejulatu, acceptam à Cyro manum osculabatur, & russus eam, utì quidem poterat, adaptabat, quum dicerer: ' Etiam cætera, Cyre, perinde læsa sunt. Verum quid attinet ea te aspicere? Atque hæc, ait, scio propter me maxime ' ipsi accidisse, ac fortassis propter te, Cyre, nihilo mi-' nus. Etenim stulta ego multis eum cohortata sum essicere, ut amicum in aliquo numero habendum tibi se declarafet : & ipfe fat fcio, non quid fibi accideret, cogitabat; fed quibus facinoribus editis, tibi gratificaretur. Quamobiem ' iple quidem extremum vitæ diem expers omnis de se quere-1 læ clausit, ego verò cohortatrix ei viva hic assideò. Cynus ubi aliquandiu cum filentio lacrimas fudiffer; Hic verò finem, ' inquit, piæclarissimum soititus est, ô mulier. Nam-victor diem obist. Tu verò hæc à me accipito, quibus eum ornes: (& Gobryas Gadat ásque jam aderant, allato copioso · & elegante ornatu) deinde scita, inquit, ne quidem alios honores ei defuturos: sed & monumentum illi complures ex dignitate vestrà tumulo agesto conficient, & mactae puntur

ui

a-

312

-9 ft,

215

m

Lm

0-

24-

240

it,

at.

19;

ım

at,

tti

ifi

at,

Ga

-10

leu l

ex-

ab

Cy.

OIL

[us]

am

ea

me

nı-

ere,

11111

buntur ei, quæcunque viro forti æquum est mactari. Tu quoq; delerta non eris, sed ego te propter pudicitiam, virtutelque tuas cæteras, cum aliis rebus colam, tum alicui commendabo, qui te quocunque voles, deportabit. Tantum, ait, indicato, ad quem deportari te cupias. Et Panthea, Securo fis animo, inquit, Cyre, non enim te celabo, 'ad quem pervenire velim. Cyrus hæc locutus dilcessit, um mulieris misertus, quæ virum talem amisisset; tum Adp. viri, qui relictam uxorem talem non amplius aspiceret.

17. Mulier aurem, eunuchis secedere jussis, donec istum ego, inquit, ex animi sententi à lamentando deflevero: nutrici dixit, ut secum maneret eidemque pracepit, ut se mortuam, & vinum una veste velatos obtegeret. Nutrix multis eam precata Suppliciter, nè facinus id perpetraret, quum nihil profice- Pannet, iplamque videret indignari, lacrymans affedit. Tum thea fibi mulier, quæ acinacem dudum ad hoc paratum haberet, se- manus plam jugular: & capite in mariti pectus imposito moritur, affert. Nutrix cum ejulatu ambos obtegit, quemadmodum Panthea justerat. Cyrus autem, ubi mulieris facinus relcivit, exterritus accessit, si quid auxilii ferre posset. Eunuchi, qui tres erant, quum quid factum effet, viderent, & ipfi firictis acinacibus, quo loco stare justi ab ea fuerant, stantes se jugularunt. Et nunc quoque monumentum istorum usque ad eunuchos agesto tumulo porrigi dicitur. Ac supeviore quidem in pila, hujus viri, & mulieris hujus nomina Monuferuntur inscripta literis Syriacis: inferius autem pilas mentum essettes aiunt, & eis inscriptum SCEPTRIGERORUM, Abra-Cyrus ubi propius ad illum tristem casum accessisset, & date, umiratus istam mulierem, & lamentis prosecutus, dil- Pantessit: fuitque ceu par erat, ei curæ, præclara ut illis om- thea, & na contingerent. Ingens etiam monumentum, ut perhi- Eunu-Dent, aggesto tumulo factum fuit.

18. Secundum hæc quum, seditionibus inter Cares ortis, 18. lellum invicem sibi facerent, qui domicilia munitis in locis haberent, utrique Cyrum implorabant. Is Sardibus quiin Cadem ipse manebat, machinasque fabricabatur, & arietes, riam ut eorum, qui parere nollent, mænia solo æquaret: Adumitit fum verò Persam, hominem cæteroqui nec imprudentem, copias, em, wire militaris rudem, ac valdè etiam elegantis ingenii, um exercitu in Cariam mittit; persu benter hac in expeditione tum Cilicibus, tum Cypriis, ejus signa sequentibus. Que causa suit, cur nullum Satrapam Persicum Cilicibus & Cypriis unquam miserit, contentus indigenis eorum regibus. Tributum tamen ab istis exigebat, & militiam, quim erat opus, eis imperabat. Adusius autem, qui ducebat 18. Secundum hæc quum, seditionibus inter Cares ortis,

chorum.

cebat

Adulius cebat exercitum, posteaquam in Cariam pervenit; aderant

in Cari ab utraque Carum parte quidam, parati eum suas intramuam mif- nitiones, ad contrariæ factionis detrimentum, recipere, Ad p. 179.

717t.

Adusius ergà utrosque faciebat eadem, quum diceret illos, quibulcum loquebatur, æquiora proponere, & occultandam esse rem, quo minus adversarii amicitiam cum ipsis initam resciscerent, quali hoc pacto magis imparatos adversarios aggressurus esset. Pretereà sidem utrinque dari petebat, & Cares quidem sacramentum præstare, quod absque fraude & Cyri Persarumque bono, intrà munitiones Persas essent admissuri: le verò jurare velle, quod absque dolo malo, & quidem admittentium commodo, munitiones ingressurusesset. Hæc ubi confecisset, utrisque noctem clam alteris eandem pactus est, qua castella cum equitatu est ingressus, & munitiones amborum accepit. Quum illuxisset, in medio cum exercitu consedit, & ab utrisque rebus componendis op ortunos adesse justit. Illise muruo intuiti, graviter rem tulere, qui partem utramque dolo circumventam existima-Adufius rent. Adufius autem in hanc sententiam verba fecit: Jus-Carum jurandum vohis ego, Cares, praftiti; ingressurum vestra mecacontro. Stella sine dolo maio, & corum commodo, qui me admitterent, versiam Quamobrem si alterutros vestrum evertere velim, iffe me damo Carum hac castella ingressum esse statuam. Sin pacem intervos compoconciliavero; & utrifque confecero, ut agrum tuto colere posttis, vestra cum utilitate vobis adesse me arbitrabor. Oportet igitur ex hoc die vos amice inter vos una versari Es agros colere sine metu, & inter liberos binc inde matrimonia contrabi. Quòd si contra bac injuriam facere conatus aliquis fuerit, iis & Cyrus & nos hostes erimus. Hinc jam & portæ castellorum erant apertæ, & itinera plena congredientium interse, & agri pleni cultoribus. Utraque ex parte festos agebant dies, & pacis ac lætitiæ cunca erant plena. Intereà quidam à Cyro veniunt, qui Adusium interrogarent, ecquo exercitu alio vel machinis egeret Quibus Adusius respondit, se prafenti exercitu etiam alibi uti posse. Ac simul cum hisce ver-bis copias abducit, relictis ad arces militibus præsidiariis. Cares autem supplices orabant, ut maneret; quod quum

19. Graci tributariz

libi latrapam mitteret.

Cyri funt.

19. Cyrus autem Hystaspam interim ablegarat, qui exercitum in Phrygiam, Hellesponto finitimam duceret. Postea. quam igitur Adulius venir, sequi Cyrus eum cum exercicu subes jussit, quâ Hyst il pes præcesserat. & Hyst aspæ mag is pare-irent, ubi audiissent, alias etiam copias accedere. Græci ma-ris accolæ, multis muneribus datis, id consecuti sunt, utin-

facere nollet, missis ad Cyrum suis rogabant, ut Adusium aliis

tra m

tribu

juffiff

tueri,

tiaba

đi, a

Hyft

relict

cum

trato

poste

qui p

vero

adim

Hæc

20

ditun

mult

Acce

quæc

Cyro

nam 1

Cyru

Sed v

poside

trabe:

itos

les Ci

Duce

gant

cere t

Dant

quad:

resqu wum

mai

corf

mis,

De Cyri Institutione LIB. VII.

167

tra mænia barbaros admittere necesse non haberent, sed Adp. triburum tamen penderent, & militatum irent, quo Cyrus 180. juffisset. Phrygiæ vero rex se parabat, quafi loca munita Phryqueri, nec imperata facere vellet, itaque le facturum denuntiabat. Sed postquam constituti sub ipsius imperio præsedi, ab eo defecerunt, & solus est relictus, tandem in manus Hystaspæ venit, causa Cyri judicio permissa, Hystaspas elictis in arcibus firmis Perlarum præsidiis discessit, ac secum præter luos, Phryges complures tum equites, tum cetratos duxit. Cyrus autem Adusio mandara dederat, ut posteaquam se cum Hystaspa conjunxisset, Phryges eos, qui parces suas amplexi fuissent, armatos adduceret : qui verò bellum gerere contra Cyrum studuissent, illis & equos adimerent, & arma, omnésque cum fundis segui juberent.

Hæc illi tunc exsequebantur.

OS, m

am

ios

&

&

id-

&

ef-

n-

. &

lio

dis

em

113

20. Cyrus autem Sardibus movit, & numeroso istic † pedisum præsidio relicto, Cræsum quoque secum retinens, †al. Permulta multis & variis opibus onusta plaustra secum avexit. sico træaccessit autem Cræsus ad Cyrum ferens accurate descripturas succurque singulis in plaustris essent, essent euscurque singulis in plaustris essent, essent euscurque singulis in plaustris essent, essent euscurque singulis in plaustris essent, sico trædecessit autem Cræsus ad Cyrum ferens accurate descripturas succurque singulis in plaustris essent cyrus, facts the singulis in plaustris essent, essent essent cyrus succeeded in the sent su ditum præsidio relicto, Cræsum quoque secum retinens, †al.Permulta multis & variis opibus onusta plaustra secum avexit-sico tra-

fa fa

n

H

'do

ta

fi

E

vi

qu

ag

bi

tia c

jet i

und

quid

quar

hac

verò

gibb

tella

quan

bem

lam

tas a

pluri

geba

ideb

anno

duod

mens

etian

Phry

contr

gale

quide

23.

quenc

potar

cessiss

offia

noct u

homi

mode

· fame

Cyrus multas regioperio Tuo Subjecit. nem rurfus adit. Cyri Itratagema.

multos verò captivorum equos in focios universos diffribuit. Babylonem permagno cum equitatu, perquammultis cum fagittariis, & jaculatoribus venit, cum funditoribus au. nes im- tem innumeris. Quumq; jam apud Babylonem essent, exercitum omnem circum urbem conftituit: indè cum amicis & iis, qui è sociis opportune aderant, urbem ipse circum vectusest. Postquam muros contemplatus esset ab urbe copias abdu. cere parabat : quum tranfuga quidam ex urbe egreffus, ait Babylo- Babylonios ipfum adoriri velle, quando copias abducturus effet. Nam de muro phalangem hanc despectantibus, inquit, visa est imbecilla esse. Quod quidem ità se habuisse, mirum non erat: Quia enim murum amplum circundarent, necesse erat phalangem ad exiguam densitatem redigi. Quæ Cyrus quum audiisser, stans in medio exercitus sui cum iis, quos circum le habebat, præcepit ut gravis armaturæ milites ab utraque extremitate phalangem explicantes abirent propter eam partem exercitus, quæ sublisteret : donec utraque extremitas ad le, atque ad medium perveniret. Id quum facerent, tum iis, qui subsistebant, fiducia quædam accedebat, quòd duplicata jam esset aciei densitas: tum illis quoque considentia fimiliter augebatur, qui ablcedebant. Mox enim illi, qui subsistebant, propè ab hostibus aberant. Quum autem progrediendo extremitates utring; conjunxissent, constitue jam facti firmiores, tum qui abscesserant, propter anteriores: tum anteriores, propter eos, qui à tergo accesserant. Hoc modo explicatà phalange, necesse est primos & ultimos, fortissimos esse; ignavissimos in medio collocari; quæ quidem acie, & ad dimicandum, & ad prohibendam fugam instructa commodè videbatur. Præterea equites, & armatura levis, à cornibus semper eo propius ad imperatorem accedebant, quo phalanx duplicata denhor efficiebatur. Hoc modo per cohortes conglobati, pedetentim indè recedebant, quo tela de muro pertingebant. Quum extra telorum ictus essent, converterunt sese: ac primum quidem obsiden modicos passus progressi, statum mutabant clypeum verde Ba- sus, atque ità consistebant, ut murum intuerentur. Quanbylonis to autem longius abscederent, tanto rarius fiebat mutatio. Posteaquam in tuto sibi esse videbantur, conserti recedenew o- bant, donec ad tabernacula pervenirent. quos oporteret, 22. Ubi jam in castris essent Cyrus iis convocatis, dixit: 'Urbem, socii, undique contemplatisumus: atque equidem, quo pacto quis adeo firmos & excel-

Ad P. 182.

22.

Itendit.

' sos muros oppugnando capere possit, videre mihi non vi-' deor. Quanto autem plures homines in urbe funt, quando qua re- ad pugnandum non exeunt, tantò citius fieri arbitror, ut

picitur.

Chry.

lanta

## De Cyri Institutione LIB. VII.

ri-

tis

111-

um

iis,

eft.

lu-

ait

Tet.

est

at:

12-

um

um

que

ar-

tas

um

u-

en-

lli,

em

êie

io-

nt.

ti-

uæ

fu-

8

to-

ur.

ce-

te-

em

er-

an-

tio.

de-

ret,

ſu-

cel-

ame

fame in potestatem redigantur. Nisi igitur aliquem alium modum habetis, quem nobis oftendatis, hoc iplo nobis istos expugnandos esse aio. Et Chrysantas inquit: Hiccine fluvius per urbem mediam labitur, cujus latitudo stadia duo superat: Ità profecto, ait Gobiyas, ac tanta quoque profunditas ejus est, ut nè duo quidem viri, alter alteri insistentes, supra aquam extare possint. Quò fit, ut fluvio fit urbs etiam munitior, quam monibus. Et Cyrus, Missa faciamus hæc, ait, mi Chrysanta, quæ viribus nostris potiora funt. Adhibità verò mensura quamprimum fossa latissima profundissimaque vobis erit agenda, pro parte cuique sua; quò paucissimis custodibus vobis fit opus. Sic igitur undique circa murum spajia dimensus, relicto à flumine intervallo, quantum lufficenet magnis propugnaculis, ingentem fossam circum murum undique egit, terra versus seipsos aggesta. Ac primum quidem turres propter flumen extruebar, palmis fundatas, quarum non minor erat, quam † jugeris, longitudo. Nam † Hoc hac majorem etiam in longitudinem excrescunt. Palmæ est cenverò quum aliquo pondere premuntur, fursum velut in tum pegibbum quendam incurvantur; quemadmodum & afini cli- dum. tellarii. Has autem palmas operi propterea subjiciebat, ut quam maxime videretur id facere, quod folent, qui ad urdem obsidendam sele comparant, ut tametsi flumen in folam dilaberetur, iplas turres non everteret. Etiam mulas alias turres supra terram egestam excitabat, ut quam plurima essent excubiarum loca. Et has quidem illi res a. gebant. Qui autem in muro stabant obsidionem have itidebant; quod eis commeatus Effet copiolior, quam in annos viginti. Quæ Cyrus quum audiisset, in partes duodecim exercitum divisit, ut pars quælibet unum anni mensem in excubiis esset. Quibus iterum auditis, multo tiam Babylonii magis irridebant, qui cogitarent lecum, Phryges ac ‡ Lycios, & Arabes, & Cappadoces futuros ‡ al. contra se in excubiis; quos omnes arbitrabantur animis er- Lydos gale magis esse benevolis, quam erga Perlas. Ac fosse quidem jam actæ erant.

23. Cyrus verò quum audiisset, celebrari Babylone festum quendam ejulmodi diem, quo Babylonii omnes nocte tota Ad p. potarent & comessarentur, quamprimum eo die tenebræac- 183. effissent, magna mortalium multitudine adhibita, fossarum offia versus amnem aperuit. Hoc quum sactum esset, aqua noctuin fossas manabat, & alveus fluvii per urbem tendens, hominibus permeabilis esse cœpit. Id ubi de flumine hoc modo ei successisset, Persicis Cyrus & peditum & equitum

tribunis

ret

125

ille

ce

ne

res

ali

re

vi

vei

pe

int

m

pri

fiff

pra

titi

li,

oca

&

mi

cit

ma

dei

illi

lui

ubi

cap

fan

pur

fue

du

Qu

uti

agr

qui

&

ten

fibi

adr

len

diâ

tribunis imperat, apud se adessent, & mille suos in binos explicatos finguli ducerent: reliqui socii hos à tergo sub. sequerentur, instructi quemadmodum priús. Et hi quidem aderant, quum Cyrus in fluminis partem ficcam suis appa. ritoribus, tam peditibus, quam equitibus immissis, explorare jussit, an vadum fluminis permeari posset. Posteaquam illi posse permeari renuntiarunt, tum vero peditum equitúmque ducibus convocatis hujulmodi verbis ad eos est ufus: Flumen boc nobis, amici, viam in urbem concessit. Itaque prasentibus animis ingrediamur in urbem, nibil que metuamus : sed cogitemus hos, quos aggressuri nunc sumus, eosdem esse quos & à sociis instructos, Er omnes vigilantes, Er sobrios, Er armatos, & in acie dispositos vicimus. Jam verò adversus eos tendimus, quo tempore multi corum dormiunt, multi funt ebrii, universi nullos in ordines dispositi. Posteaquam autem senserint, etiam nos intus effe, multo magis, quam nunc, ufui nulli futuri funt, quia exanimati erunt. At fi hoc in mentem alicui venit, quod fertur effe formidabile urbem intrantibus, nè tellis illi conscensis bine inde tela in nos conficiant; id ipsum maxime vobis animos addat. Nam si qui conscendent ades, opitulator nobis est Deus Vulcanus. Et sunt eorum vestibula crematu facilia. Nam janua, palmarum è materia fabricata funt, & bitumine funt injuncte, quod ignem facile concipit. Nobis autem & faces plunma sunt, qua ingens incendium cito parient, & copia picisac flupa que citò magnam flammam eliciunt. Quo fiet, ut vel celeriter necesse sit hos ab adibus aufugere, vel celeriter exuri. Verum agite, arma capite; Diis equidem juvantibus praibo. Vos autem, Gadata, & Gobrya, demonstrate nobis itinera, quum vobis ea cognita fint : & ubi jam intus erimus, quamprimum ad regiam ducite. Atqui, aiebant illi, qui erant cum Gobry a, non mirum fuerit, si quidem ne porta ipsius regia clausa sint. Urbs enim total videtur hac noche comessationi esse intenta. Sed in excubias tamen

Ad p. 184.

ante regia portas incidemus, quod ea semper istic collocentur. Non Babylo- negligenda res est, air Cyrus, sed eundum, ut quam maxime imnem Cy- paratos offendamus: Quæ quum essent dicta, pergebant. Si in qui eis obviam venirent, partim cæsi peribant, partim retro vicissim fugiebant, partim clamorem edebant. Cum satione his & Gobryani clamores edebant eoldem, velut ipli quoque comessationem locii. Simul pergentes, quâ celerrrime capit, progredi poterant, ad regiam perveniunt. Et hi quidem guad Gobryæ Gadaræque adjuncti, portas regiæ claulas invecum Danie- niunt: qui vero adversus regiæ custodes ire justi fuerant, his bi- irrunt in eos, ignem luculentum potantes, statimque hostill cum eis more agunt. Orto autem clamore ac strepitu, Storia conve- quum ii, qui erant intus, tumultum fentirent, & infpici 2221.

rex juberet, quid illud effet rei: apertis aliqui portis, to-

ras procurrunt.

03 b.

m

a.

0-

m

11u-

118

1:

ffe Es

203

11,

nt,

lu-

ve-

illi

00-

613

anz

171-

177-

ac

Ce-

Ve-

Vos

obia

16-

21772

tota

men

Non

1m.

. Si

luo-

rant,

ho-

pitu,

pici

rex

24. Eas quum patefactas Gadatæi conspicerent; irruunt: & illos rurlus fugientes intrò fecuti, ac ferientes, ad regem accedunt : eumq; jam erectum cum acinace, quem ftrictum tenebat, inveniunt. Hunc Gadatæi & Gobryani numero plures opprimunt, interfect is etiam iis, qui regiaderant, acpartim aliquid objiciebant, partim fugiebant, partim le quacunque re poterant, tuebantur. Cyrus autem cohortes equitum per vias passim dimittebat, edicens, ut si quos extra domos invenirent, occiderent: ac illis, qui adhuc in edibus essent, per Syriacæ linguæ peritos denunciari præconio justit, ut intus manerent. Quod fi quis foris deprehenderetur, eum morte multandum. Et hi quidem hæc exsequebantur,

25. Gadatas autem & Gobryas quum accessissent, Deos primum venerati funt, quòd de impio rege pænas fuiniffent : deinde manus & pedes Cyri deolculabantur, quum præ gaudio fimul & lacrimas copiosè profunderent, & læmix figna darent. Posteaquam illuxisser, ac tensisient illi, qui arces tenebant, tum urbem esse captain, tum regem occilum, arces etiam tradunt; Cyrus eas statim occupat, & prælidiorum magistros cum prælidiariis in illas immittit. Mortuos sepeliendi potestatem propinquis tacit, & præcones proclamare juber, ut omnes Babylonii arma deferrent. In quacunque verò domo arma deprehenderentur, in ea denunciabant omnibus esse moriendum. Et illi quidem arma deportabant, quæ Cyrus in arces impo- Ad p. luit, ut in promitu essent, si quando eis esset utendum. Quæ 185. ubi peracta fuerunt, primum arcessitis magis, quia bello capta urbs essent, jussit, ut Diis primitiæ manubiarum, & fana seligerentur. Postea tum alias domos, tum principum ædificia dividebat in eos, quos illorum, quæ gesta fuerant, focios existimabant. Atque hoc modo tribuit, uti dudum fuerat decretum, optima quæque præitantislimis. Quod fi putaret aliquis sibi minus obtigisse, mandabat, reuti accedens ad ipsum doceret. Edixit etiam Babyloniis Cum agros esse colendos, & tributum pendendum, & iis oblequia præstanda, quibus singuli traditi essent. Persas verò rime & Persarum participes, & quotquot ex sociis apud eum Cyrus dem semanere vellent, justit tanquam dominos cum iis, quos majenve-

hbi traditos accepissent, loqui. 26 Secundum hæcita jam se parare cupiebat Cyrus, quem- regianz admodum decere regem existimaret: idque de amicorum quo pasententia faciundum statuit, ut quam minima cum invi- do sit dia & rarius conspiceretur, & augustiori specie. Qua-confepropter cutus.

24.

f t

4 T

. 1

·p

7

9

· b

, c

1

P

ZUS

· a

i ti

C

fe

2

12

G

0

P

fa fa

91

6

re

fo

DI

112

ta

ne

propter id in hunc modum machinatus est. Prima luce stabat in loco, quo putabat esse commodum, & admittebat quemlibet aliquid dicere volentem; ac posteaquam respondiffer, dimittebat. Quum autem intellexissent homines,aditum fibi ad Cyrum patere, nimia quanta multitudo ad eum confluxit. Jamq; adeò conveniendi ejus caussa, semet impellentium molitiones & rixæ multiplices erant. Apparitores quidem ipfius adhibitodiscrimine, prout poterant, accedendi potestatem faciebant. Quod si aliquando quispiam ex amicis impellendo, disjectà hominum turbá, præ aliis conspectus esset; tum verò manum protendebat Cyrus, & istos attrahebat , atq; his verbis utebatur: Extedate, amici, donec turbam hanc dimoveamus, ac deinde per otium congrediemur. Quamo. brem opperiebantur amici, & turba major affluebat, donec opprimeret eum vespera priùs, quam per otium congredicum amicis & colloqui posset. Itaque dicebat Cyrus, Modo quidem, amici, tempus est discedendi. Cras mane adeste. Nam est, quod vobiscum colloquar. His auditis, libenter amici discedebant etiam cursitantes, rerum omnium necessariarum negle. ctione multati. Ac tum quidem ità quieti se dedere,

27.
Ad p.

136.

27. Prostridiè Cyrus eodem aderat loco, quem jam multo major hominum adire volentium turba circumstabat, qui multò priùs etiam, quam illi amici, advenerant. Cyrusigitur Persis hastas gestantibus ambitu magno circum se collocatis, neminem admitti jussit, præter amicos & Persarum sociorumque principes. Illi vero quum convenissent, hanc Cyrus orationem habuit: Nihil est amici ac socii, quod de Diis queramur, quafi non perfecerimus hactenus omnia quæcung; liceret optare. Sed enim si hujusmodi quiddam est, res magnas gerere, ut neque possis ipsi tibi vacare, neque cum amicis hilariter vivere: beatam sanè vitam hanc equidem valere jubeo. Nam & heri animadvertistis, à primâ nos aurora cœpisse audire accedentes, neque desisse ante vesperam : & nunc videris hos, atque alios multo plures ' iis, qui heri aderant, præsto esse, ut nobis negotia facel-' fant: Iraque si quis iftis se summittere velit, futurum equidem cogito, ut exigua parte vos mei copiam habeatis, & ego vestri. Mei quidem ipsius mihi, sat scio,ne tantilla quidem erit copia, Prætereà rem, inquit, aliam quoq; ridiculam animadverto. Nam equidem ità sum erga vos afiee etus, ut par est : at eorum qui hic circumstant, vel unum aliquem, vel neminem novi : & hi tamen omnes ità parati sunt, ut si vos impellendo vincant, priores etiam vobis à me quæ voluerint, impetraturi sint. Ego verò æquum arbitrarer hos, si quis à me petere aliquid vellet, amicos

ta-

bat

ondi-

uin

el-

res

ndi

tus

he-

no-

nec

um

217-

est, de-

gle-

lto

qui

igi-

ol-

um

anc

lod

nia

am

ne-

anc

11-

an-

res

cel-

ne-

atis,

1112

idi-

affe-

num

ara-

obis

uum

1COS

neos

meos vos demereri, atque orare, ut eos adduceretis. Fortasse dixerit quispiam, cur ità non ab initio me comparaverim, sed omnibus in medio me potius exhibuerim?
Nimirum intelligebam, res bellicas ejusmodi esse, ut imperatorem non oporteat esse postremum, vel intelligendisiis qua
necesse est; vel gerendis, qua usus postulat. Et imperatores
si rarò conspicerentur, existimabam prætermittere multa,
quæ sieri debuerant. Nunc posteaquam bello maximi laboris confecto quiescimus etiam meus animus æquum
censet, ut quiete aliqua potiatur. Quare quum ipse ambigam, quid faciundum mihi sit, ut & tes nostræ, & aliorum, quos curæ nobis esse oportet, rectè se habeant: consulat aliquis in medium, quid maximè conducturum
perspiciat.

28. Hæc Cyri verba fuerunt. Post eum surgens Artabazus, qui se aliquando cognatum Cyri dixerat: 'Profecto, ait, rectè factum abs te, Cyre, qui hac de re dicere cœperis. Nam equidem, te admodum juvene cœpi amicitiam tuam expetere: sed quum te mei non egere viderem, adiie te sum veritus. Postquam verò me fortè rogasses, ut quæ Cyaxares mandarat, studiose Medis exponerem, mecum iple cogitabam, fi promto te juvissem in illis animo, futurum me tibi familiarem, & habiturum copiam colloquendi tecum, quamdiu vellem. Et sunt illa certè sic effecta, ut etiam tu me prædicares. Deinde primi amplexi int amicitiam nostram Hyrcanii, quum magna sociorum apud nos esset penuria. Itaq; tantum non eos in premio præ charitate gestabimus. Posteà quum hostium castra capta essent, otium tibi non esse putabam, ut mihi operam dares, atque iple tibi agnolcebam. Hinc Gobryas nobis amicus accessit, quod mini voluptati erat, itidémque Gadatas: unde factum, ut esset difficile, tui habere copiam. Quum autem Sacæ & Cadusii societatem nobiscum coivissent, nimirum par erat hos colere, qui & iph te colerent. Posteaquam eò reversi sumus, undè profectionis initium factum erat, quia te videbam occupatum instruendis equis, curribus, machinis: existimabam te, ubi hâc curâ liberatus effes, otium habiturum,ut mihi quoq; operam dares. Sed ubi nuncius ille terribilis venit, homines univerlos contra nos colligi; maxima effe illa intelligebam, quæ fi prolperè cederent, certò me jam scire putabam, fore magnam internos ambos confuetudinis mutuæ copiam. Nunc tandem & ingenti prælio victoriam adepti sumus, & Sardes cum iplo Crælo nobis subjectas tenemus, & Babylonem cepimus, & omnia nostram in potestatem redegimus:

28.

Ad p. 187.

lant.

Ad p.

188.

† Hoc nomine . Solem Perfa appel-

nec heri tamen, ità me † Mithres amet, accedere te potuiffem, nifi cum multis luctatus fuiffem. Verum ubi tu me prehendisti dextra, & apud te manere justisti, tum scilicet in oculis omnium eram qui fine cibo ac potu totum apud te diem consumere cogerer. Nunc igitur, fi quo

fieri modo potest, ut qui plurimum tibi commodaverimus, plurimum etiam te fruamur, bene est : fin autem, rursus ego nuntiabo verbis tuis ut omnes à te discedant,

exceptis nobis, qui amici ab initio tui fuim us. Ibi tum & Cyrue, & complures alii rifere,

29. 29. Chryfantas autem Perfa surgens, hoc modo locutus est: Antebac, Cyre, confentanea quadam ratione te in oculis omnium exhibebas, cum illis de caustis quas exposuisti; tum quod nos it non eramus, quos tu colere maxime deberes. Quippe nos etiam nostrá caufsá tunc aderamus. At erat necesse tibi, quovis ut pado multitudinem tibi conciliares; ut quam lubentifime nobiscum eosdem suscipere labores, & eadem adire pericula vel et. Nunc quum non modò talis sis, sed etiam conciliare possis alios, quos opportunum fuerit: aquum est ut tibi quoque jam domus contingat. Quippe quem alioquin ex imperio frudum perciperes, si careres solus soco domestico, quo nullus neque

lanctior fundus est inter homines, neq; gratior, neq; magis noster & peculiaris. Praterea non affici nos etiam pudore pula, si te videamus foris toleranter vivere: nos in adibus degere, ac videri conditione, quam tua fit effe potiori? Hæc ubi Chryfantas protulisset, eadem ab aliis approbantibus suere dicta.

30. Tum deinde Cyrus regiam ingreditur, & qui pecunias 3 C. Sardibus advexerant, hic eas tradebant. Quum ingressus effet, primum Vestæ rem sacram fecit, deinde Jovi regi,& fi cui alteri Deo Magi sacrificandum suis è ritibus indicarent. Quibus peractis, jam alia quoque cepit administra-Quumque in mentem ei veniret, quid in se negotii

fuscepisset, qui multis mortalibus imperare niteretur, & habere domicilium in urbe inter illustres amplissimà institueret, quæ sic affecta in eum esset, ut urbs alicui maximà insessat quum hæc, inquam, expenderet, corporis sibi custoris primi sacilius non posse, quàm inter vescendum, bibendum, lacusto vandum, in cubili & somno, circumspiciebat, quosnam in des achis sibi maximà sidos habere posset. Arbitrabatur autimità amaret alium, quàm illum, qui ejus custodià indigeret. Quamobrem alios, quibus essent liberi, vel conjuges genio congruentes, vel amores alii, naturæ quadam coactione judicabat ad eos maximà diligendos impelli. At eunuchos judicabat ad eos maximè diligendos impelli. At eunuchos

omnibus

01

à

in

aŭ

nei

2124

cal

ner fte

eft,

cun

cho

hic

TUIT

qui

bell

TOC. viri

do o

runi

teri

pidi

funt

equi

glor

fefte

ftud:

noru

pect

calaj

de v

men

u

n

0.

10

i-

m,

it,

m

us

lis

lod

nos

บน

mè

ula

his

am

um

que

igis

105,

, ac

San-

ta.

nias

ffus

nnibus

omnibus his carere cernens, maximi facturos putabat illos, à quibus locupletari plurimum possent, & opem habere, si Cur euinjuriis afficerentur, atque etiam honoribus ornari. A quo nuchos autem beneficiis in hos conferendis iple superari posset, ad boc neminem fore censebat. Præterea quum ignobiles & pretii munus nullius fint apud homines cæteros eunuchi, hanc iplam ob delegecaussain domino indigent, qui suppetias eis ferat. Quippe rit. nemo non potior esse velit in omnibus eunucho, si non obstet aliquid, cui vires sint majores. Jam qui domino sidelis eft, eum nibil impedit, quò minus locum principem teneat, licet nunuchus sit. Quod autem maxime quis existimet, eunuchos imbelles effici: nè id quidem Cyro videbatur. Et hic ei argumento erant animalia quoque cætera. Nimirum feroces & insolentes equi si castrentur, definunt illi quidem mordere, ac insolentes esse, sed nihilominus ad res bellicas idonei sunt : & tauri si castrentur, nonnihil de senocia & contumacia remittunt; sed robore suo tamen, & viribus ad laborandum haud destituuntur; eodémque modo canes castrati non amplius dominos illi quidem delerunt, led ad custodiam & venationem nihilo redduntur deperiores. Sic & homines magis ledati fiunt, ubi hæc cupiditas eis est adempta, neque tamen vel negligentiores Ad p. funt in exlequendis iis, quæ imperantur, vel minus ad 189. equitandum, vel jaculandum idonei, vel minus honoris & gloriæ cupidi. Imo tum in bellis, tum in venando manifeste declarant, in animis ipsorum quoddam contentionis fudium superesse. Documenta verò fidelitatis in dominorum interitu maxima dedêre. Nulli enim alii magis dica. calamitatibus, quam eunuchi. Quod si maxime nonnihila de viribus corporis existimetur in eis dacadame nonnihila de viribus corporis existimetur in eis decedere, ferrum tamen in bello valentibus imbelles exæquat. Hæc igitur quum animadverterer, racto ab janitoribus initio, illos anfii omnes, quibus corporis sui curam committebat, ex eunuchis delegit. Quòd etiam existimarer, non sufficere cusime one delegit. Quod etiam existimaret, non sufficere cuis cufodiam hanc adversus eorum multitudinem, qui hostiliter
is seropin des regiæ custodes sumeret. Quod ergò sciret Persas domi
Cyrus
m, laios regiæ custodes sumeret. Quod ergò sciret Persas domi
Persas
mi in telictos, pessimè propter inopiam victurare, laborésque totà
persas
magis
tem, tum quod opus ipsi faciant: hos potissimum istam
tellites
geret. Tivendi apud se rationem amplexuros, arbitratus est.
legit.
genio
taque decies mille satellites hastatos ex his sibi legit, qui
ctione to noctu & interdiu in excubiis undique circum regiam
uchos

essente. uchos

## XENOPHONTIS

essent, quandocunque intus ipse quiesceret : sin aliquò prodiret, hinc & illine instructi circum iplum incederent.

31. Quia verò existimabat etiam totam Babylonem præsidiarios requirere, qui custodiendæ sufficerent, sive adeo ad urbem effet ipse, seu abesset peregre; idoneum Babyloni quoque præfidium impoluit, cui stipendium à Babyloniis numerari jussit; quòd eos quam maxime inopes esse vellet, ut abjectiffimi fierent, ac in officio contineri facil-Cyrus lime possent. Arque hæc quæ tunc & circum ipsum, & Babylone collocata fuit custodia, nunc etiam in eodem Per fas statu manet. Prætereà quum confideraret, quo pacto unietiam reliquos vertum imperium confervari, atque etiam aliqua principatus alterius accessione augeri posset; existimabat hosce Tecum retinere stipendiarios non tam meliores esse reliquis subditis, quam numero inferiores: ideoque viros fortes lecum retinendos cupit. judicabat, qui Diis juvantibus, fibi potentiam istam con-\* Reciliaffent, & curandum, ut virtutis exercitationem \* perdines

Ad p. 190.

ficerent. Nè verò videretur hoc eis imperare, led ut ipli non in- censerent hæc esse optima, & in eis perseverarent, ac virtermit. tutem studiosè colerent; tum Persicos aquales convocaterent. vit, tum cæteros omnes, quos opportunum esset, quique viderentur in primis idonei, ut tam in laborum quam commodorum societatem admitterentur. Ubi convenissent, orationem hujulmodi habuit. 'Maximam Diis gratiam habemus, amici & focii, quod ea nobis adipilci concesserint, quibus arbitrabamur nos effe dignos. Est enim jam nostra in potestate solum amplum ac fertile; nec delunt, qui hoc colendo nos alent. Sunt etiam nobis ædes, & ex quidem instructæ. Nec est cur quisquam vestrum hæc possidens, aliena se possidere existimet. Est enim aterna · lex inter omnes homines, capta eorum urbe, qui bellum ains faciunt, tam corpora illorum, qui sunt in urbe, quam fortunas eis vindicari, qui urbem capiunt. Quamobrem injuste non possidebitis, quæ tenetis: sed si quid hostes retinere pe miseritis, id ablatum non esse, clementiæ vestræ acceptum referri debet. Quod attinet illa, quæ agenda deinceps erunt, hæc mea sententia est. Si deflectamus ad inertiæ desidiam, & ad vitam ignavorum hominum voluptariam, qui laborem pro re miserrima, vitam laboris expertem pro voluptaria ducunt: citò nos equidem nobis ipfis aio parum utiles futuros, adroque bona hæc universa cito amilfuros. Non enim viros fortes fuisse sufficit ad boc, ut fortes permaneant, nisi quis perpetuo diligentiam, ut talis sit, adbibeat; led ut artes etiam aliæ per neglectionem minoris aftimantur, & ut ipfa corpora bene affecta, per desidia remissionem mala

n

(

fe

a n e r

)-

e-

Ó

y-

y-

ffe

il-

&

m

n1-

)a-

ice

àm

dos

on-

er-

iph

vir-

C2-

que

om-

ent,

iam

rint,

no-

,qui

z ex

hæc

erna

0.718

ortu-

uftè

nere

æ ac-

dein-

d in-

olup-

ertem

o pa-

amil-

fortes

, ad-

safti-

honem

male

male fe rurfum habere incipiunt : fic & temperantia, & continentia, & fortitudo, cum quis exercitationem boium remittit, exinde rurlus ad improbitatem deflectunt. Non igitur per inertiam ceffandum nobis, nec in id, quod in prælentia suave est, proruendum. Quippe magnum equidem aliquid effe arbrittor, imperium parare : fed multo majus id quod fis adeptus, conservare. Nam adipisci sapius etiam illi contigit, qui audaciam duntaxat adhiberet : fed retinere, quod ideptus sis, id vero non jam sine temperantia, nec sine continentia, nec sine multo sludio fieri folet. Quæ quum intelligamus, multo jam magis virtutem exercere debemus, quam antea, bonis hisce necdum partis: atque etiam scire nos oporter, tum plurimos & invidere, & insidiari, & hostes fieri, cum plurima quis possidet : prasertim si ab invitis & opes, & obsequium, quod nobis usu venit, habeat. Deos quidem certe nobilcum futuros existimandum est. Non enim intidiis uli, hæc injuste poslidemus; led insidiis petiti pænas fumfimus. Quod verò secundum hoc optimum est, à nobis iptis parari debet. Eft autem illud, ut lubditis ipfi meliores, imperio nos dignos æstimemus, Caloris sanè, & frigoris, & ciborum, à potûs, & laborum, & somni partim lervis etiam concedi necesse est; sed ita tamen hæc cum iptis communia nobis effe debent, ut declarare nos in his primum præstantiores eis conemur. Militaris vero sci- Ad p. entia atque exercitationis omnino nibil cum its cummunican- 191. dum est, quos acquirere volumus, ut nobis & laboribus ope-'rilque fuis interviant, & tributum pendant: led his exercitiis nos superiores istis esse debemus, atque adeo leire, Deos iplos omnibus hæc inftrumenta libertatis & telicitatis exhibuisse. Et quemadmodum arma iftis ademimus, ità nos iplos nunquam ab armis destirui oportet; idque pro certo habere persuasum, illisomnia, quæcunque velint, maximè lua & propria esse qui quam proxime ab armis ablint. Quod si quis hujusmodi quædam cogicat; Quid ergo conducit nobis, quod ea, quæ cupiebamus, pertecerimus, fi quidem adhuc necesse erit famem, stim, curas, labores tolerare? Nimirum hoc cognosci oportet, tanto plus afferre latitia bona, quanto majori labore pracedente ad ea perveniatur. Labores enim fortibus viris obsonii loco sunt. At ablque eo, ut aliquis indigeat ejus, quod conlequitur, nihil tam' sumpruosè parari possir, ut suave sit. Quod si ea, quæ maxime homines expetunt, divinitus nobis parata lunt, ut autem illa quam luavissima videantur, ipse hoi quilque parat: sanè vir talis in hac meliori erit conditione, quam alii victus indigentes, quod esuriens suavillimis

vissimis cibis vescetur, & sitiens fruetur suavissimo potu & requiei egens suavissimè quiescet. Quapropter equidem, censeo, debere jam nos contentis viribus bonorum virorum officio fungi; ut bonis quam optime suavissimeque fruamur, & quod omnium est gravissimum, non experiamur. Nec enim adeò grave ac molestum est, bona non adi-· pifci; quam acerbum, qua sis adeptus amittere. Quin hoc etiam consideretis, quam prætexere caussam velimus, cur onon potius vitam ignaviorem sectemur, quam antehac. An propterea, quod cum imperio fumus? At verò non convenit eum, qui cum potestate sit, subjectis sibi pejorem esfe. · An quod esse jam feliciores videamur, quam prius; idcircone fortunæ prosperæ dicet aliquis indulgendam esse ignaviam? An quia servos adepti nunc habemus, in eos animadvertemus, si fuerint improbi? At quo pacto convenit eum, qui sit ipsemet improbus, alios improbitatis aut dissolutionis caus à plectere? Prætereà cogitetis velim, instituisse nos multos alere, tam ædium nostrarum, quam corporum custodes. At quomodò turpe non fuerit nos alios falutis nostræ satellites parandos nobis existimare, iplos autem nos minime nobis latellites esse? Atqui certo sciendum est non esse ullum aliud tale prasidium vel custodiam, qualis est ista, si virtute quis prastet. Hoc enim una comitari necesse est. Ei vero, qui virtute destituitur, nec aliud ' quidquam recte succedere convenit. Quid igitur esse faciundum, aio? & ubi virtutem exercendam? ubi ftudium & operam achibendam? Nihil novi proferam: led ficut illi · æquales dignitate in Persia degunt ac versantur ad curias: fic aio vobis æqualibus universis, quotquot hic adestis, ' iildem studiis operam dandam, quibus illic occupati fui-· mus: ac vos quidem me prælentes intueri debetis & ani-· madvertere, num in iis curandis assiduus sim, quæ curari ' à me necesse est: ego vicissim animum advertens vos contemplabor, & quos quidem videro præclaris & honestis rebus operam dare, honoribus & præmiis ornabo. Quinetiam liberos, qui nobis nascentur, liberaliter hic infti-' tuamus. Nam & ipsi meliores erimus, si liberis nostris nos ip-· sos tanguam exempla longe optima exhibere volemus: E libert ' nostri, etiamsi velint, non facile improbi evadent; quando ' nihil, quod turpe sit, vel conspecturi, vel audituri sunt, fed in virtutis & honesti studio dies totos consument.

Ad p.

# XENOPHONTIS

otu

m, roque

riaadi-

hoc cur ac.

202

elle. id-

esse

eos

on-

atis lim,

am

nos

are,

certo

iam,

mi-

liud

iun-

n &

illi

rias:

ftis,

fui-

ani-

mari

CO11-

eftis

uin-

nfti-

15 27-

iberi

ando

lunt,

0-

11.

Historiarum de Institutione CYRI Liber Octavus.

Ujulmodi Cyrus oratione tunc ulus fuit: post quem Chryfantas adfurgens hoc modo locutus est: ' Etiam aliis in rebus, commilitones, animadverti fæpius nibil inter principem bonum, & patrem bonum interesse. Nam & patres liberis prospiciunt, ne unquam eos bona deficiant: & Cyrus jam mihi videtur ea nobis consulere, dequibus felicitatem perpetuam maximè consecuturi fimus. Quod autem minus mihi, quam oporteret, declarasse videtur, id equidem ignaros edocere conabor. Cogitate enim, quænam urbs hoftium abiis capi possit, qui nolint imperio parere? quæ amicorum urbs confervari possitab iis, qui nolint imperio parere? qui militum contumacium exer- Ad p. citus, victoria potiri possit ? quonam modo facilius possint 193. in pralies homines vinci, quam ubi caperint seor sum singuli salucis propria consilia capere? Quid aliud rei præclaræ perfici possit ab iis, qui se potioribus haud parent; quæ urbes legitime administrentur? quæ domus servari queant? quo pacto na ves eò perveniant, quò tendunt? Nos ipfi ea commoda, quæ modo nobis adlunt, quanam alia re magis comparavimus, quam principi parendo? Nam ità factum est, ut celeriter & noctu & interdiu, quo erat necesse, pervenerimus: & dum repente totis copiis principem lequeremur, nemo vim & impetum nostrum sustinere potuerit, eorum denique nihil semiperfectum reliquerimus, quæ nobis erant imperata. Ergo si parere imperio, maximum esse bonum manifesto paret ad comparandum bona catera: certo sciendum vobis est etiam idem hoc bonum esse maximum ad conservandum ea, quæ conservari necesse sit. Eteanteà quidem multi nobis imperabant, cum nullis nos imperaremus: nunc res omnium, quotquot adestis, sic comparatæ sunt, ut imperetis alii pluribus, alii paucioribus. Quemadmodum igitur æquumexistimatisesse, vospotestati vestræsubjectis imperare: tic & ipfi pareamus eis, quibus officii ratioparere nos jubet. Tantum autem internos & servos interesse oportet, quod illi quidem inviti suas heris operas exhibent: Aaz

## XENOPHONTIS

fi

ip

ex

nu

m

ba

ta

XI

pr

of

te

Ne

0/6

tar eff

mi

dic

ret

ma

OCC

ma

res mi

Cui

pra

fit,

nui

uti

Qu

fric

pau

que

don

con

hoc

5

li i

illa

fiad

effei

tim

omi

verd

nos verò, fiquidem liberi esse volumus, sponte nostra facere convenit, quod maxime dignum laude videatur. ' Invenietis autem, inquit, etiam civitatem, qua unius imperio ' non administratur, si magistratibus omni studio parere ve-· lit, minime per vim eò posse adigi, ut hostium imperium accipiat. ' Quamobrem ad hanc, utì Cyrus præcipit, curiam præsto fimus, nolque in ils exerceamus, quibus retinere potiffimum queamus ea, quæ conservari necesse est; & operam Cyro nostram exhibeamus utea, quamcunque ad rem opus ' hac fuerit ipfi, utatur. Nam id quoque scire debemus, onon posse Cyrum quicquam reperire, cujus usus ad sua ' tantum, non etiam noftra commoda pertineat. Etenim eadem nobis conducunt, & iidem nobis hoftes lunt. Quæ Chrylantas ubi dixisset, alii tum Persæ, tum socii complures affurgebant, qui hæc oratione fua quoque comprobarent. Estque decretum, ut honorati semper ad portas præsto essent, & Cyro suam operam offerrent, quamcunque ad rem illi visum esset, donec eos dimitteret.

2. Quod quidem irà ut tunc decretum fuit, etiam hodiég; faciunt ii, qui regis imperio in Asia parent : dum portas Cyrus principum officiosè frequentant. Atque ut hoc toto libro declaratum est, Cyrum sicconstituisse imperium, ut illud & imperi- sibi & Persis conservaret : ità reges eum secuti nunc quoque um con- constanter institutis iildem inhærent. Accidit autem in stituere his, quod etiam in aliis. Quum is, qui praest rerum summa, voluit. vir aliquanto melior est, etiam sincerius puriusque legitima instituta majorum observantur: quum deterior aliquis, segnius. Ad p. Frequentabant igitur illi honorati cum equis & haft is Cy-\$94. ri portas, quando ità decretum effet à præstantissimis auctoritate viris, qui una cum iplo imperium illud everterunt. Cæterum aliis aliarum rerum curam Cyrus mandabat,quum quidem & eos haberet, qui vectigalia reciperent, & qui sumptuum expensas facerent, & presides operum, & facul.

usum accommodatissima.

3. Ut autem illi, quos secum habere vellet, insocietatem conservandæ selicitatis admittendos, longè optimi evaderent: meditandum sibi sumebat, nec aliis eam curam mandabat, sed esse munus hoc suum arbitrabatur. Nõrat enim, si pugnandum aliquando esset, ex illorum numero sibi & adstitus & substitutes sumendos esse, qui maximis in periculis exercitisuissent: itidémque presectos cohortium tam pedestrium, quam equestrium, ex iisdem constituendos esse intelligebat. Quod

tatum custodes, & rerum ad victum necessariatum procura-

tores. Etiam nonnullis equorum & canum curam commit-

rebat, quos existimabat effecturos hæc animalia suum ad

10

3-

t.

Ò

1-

m

15

S,

12

m

æ

n-

0-

as

ue

q;

as

ro

8

ue

in

na.

in-

us. Cy-

to-

int.

um

qui

cul-

ura.

nit-

a ad

tem

ade-

nannim,

tites

i fu-

uam

uòd

sicopiarum prætoribus aliis, præter se, opus esset; ex his ipsis mittendos esse sciebat. Quinetiam nôrat, quorundam ex his operâ utendum esse, ut & urbium & totarum nationum tum custodes essent, tum satrapæ, legatique nonnulli mitterentur: quod quidem inter res maximi momenti ponebat, ut absque bello impetraret id, quod cuperet. Quòd si Legatales ii non essent, quales esse conveniret, quorum operà matorum xima plurimaque negotia essent conficiunda, malè rebus suis officium prospectum fore arbitrabatur. Sin illi tales essent, quales maxime oporteret, præclarè secum actum iri ducebat. Quà in sen-necessatentià quum esset, totus in hanc curam incubuit.

4. Existimabat sibi quoque virtutem exercendam esse. Nec enim fieri posse putabat, ut qui talis ipse non esset, qualem esse oporteret, is alios ad praclaras & laudabiles actiones incitaret. Quæ quum apud animum expendisset, otio primum esse sibi opus staguit, si quidem essicere vellet, uti res eximias curà complecti posser. Fieri quidem haud posse judicabat, ut proventuum curam negligeret quod prospice. jet multa in magno imperio expendi. Ruifus autem, quum magnam opum copiam possideret, harum cura semper ipsum occupari, id verò avocaturum sesciebar à cura totius summæ ierum confervandæ. Quare confiderans, quo pacto & ses familiaris rectè administrari, & iple frui otio posset, rei militaris ordinem intuebatur. Nam plerumque decuriones Ad p. curam decuriarum gerunt; ductores manipularii, decurio. 195. num; tribuni; manipulariorum ducum; decem millium præfecti tribunorum: quo quidem iplo continget, ut nemo lt, cujus cura non geratur, tametsi valde multæ sint hominum myriades. Quúmque vult imperator exercitus opera uti, latis eft, decem millium præfectis mandata dedisse. Quæ igitur horum est ratio eadem Cyrus etiam res domeficas lummatim complexus est. Quo factum, ut iplo cum paucis colloquente, domestica minimè negligerentur. Itaque deinceps ei plus erat otii, quam alii, qui vel unius domus, vel navis unius curam gererer. Sic adeo rebus fuis constitutis, suos etiam docuit eadem ratione uti. Atque

s. Cæpit deinde sibi tumere magisterium esticiundi par-pasto s. Cæpit deinde sibi tumere magisterium esticiundi par-pasto si ipes rerum tales, quales esse oporteret. Primumrequirebat Cyrus illos, quot quot aliis terram colentibus victum habere possent, suos sad portas præsso non essent; quod existimaret eos, qui ad-consue-essent nihil neque sceleris neque rei turpis admissuros; par-fecerit tim quod ipsi principi adessent, partim quod intelligerent, ut freomnes actiones suas à viris præstantissimis conspici. Qui quenter verò non adessent, eos vel intemperantiæ, vel injustitiæ, vel ipsi adnegligentiæ essent.

cer

fe (

am

ber

le 1

ple

ut

que

7,07

ma

nes

5

cos

011

vir

ità

ut

hor

mo

lole

tio

moa

tab

vel

mad

len

rear

ergo

1 edu

tion

1

negligentiæ caussa putabat abesse. Quamobrem quum hoc primum existimaret, etiam cogebat tales, ut adessent. Et. enim aliquem illorum, quos maximè charos habebat, bona ejus, qui portas non frequentaret, occupare jubebat, ac dicere, res ab le luas occupari. Hoc quum fieret, statim spoliati veniebant, quasi quibus esset illata injuria. Cyro autem longo tempore non vacabat, ut hujulmodi homines au. diret: & posteaquam audierat, diu controversiæ cognitio. nem differebat. Quæ faciens, arbitrabatur eos le ad observandum & colendum adfuefacere; fed minus odiose, quam 11 pænis irrogandis eos adesse cogeret. Hæc una docendi ratio erat, ut adeffent: alia, quod & facillima, & maxime tructuola prælentibus imperaret : item alia, quod nihil unquam ablentibus tribueret. Præcipuus vero cogendi modus erat, ut si nihil horum aliquem moveret, ei facultates adimeret, ac donaret alii, quem existimaret posse sibi opportune præsto esse. Hoc modo amicum utilem pro inutili consequebatur. Inquirit autem etiam is rex, qui nunc rerum potitur, in eos, qui quum adesse ex officio debeant, absunt. Ad hunc sanè modum Cyrus in absentes se gerebat. Illosautem qui se offerrent ac exhiberent, maxime se putabat ad præclaras & laudabiles actiones excitaturum; si quidem iple, qui princeps eorum effet, subjectis imperio declaratele niteretur virtute imprimis ornatum.

6.

6. Videbatur enim animadvertere, meliores quidem effici homines etiam legibus scriptis: sed principem bonum arbitrabatur hominibus esse legem oculis praditam : veluti qui & ordinando jubere, & ordinis negligentem cernere ac punite pollet. Ità quum sentiret, primum se cultus divini magis hoc tempore studiosum declarabat quia felicior evasisset. Atque tunc primum Magi constituti funt, qui semper cum lat prima luce Deos hymnis celebrarent, & quotidiè facrifica-Regus rent Diis illis, quibus ipfi sacrificandum dicerent. Ità quite de ex- dem id temporis constituta, nunc quoque permanent apud emplum eum regem, qui quovis tempore rerum potitur. Imitaban-tur autem eum in hoc primum Perlæ cæteri, quod & ipfi beatiores se fore arbitraremur, si Deos ità colerent, ut is qui & felicissimus effet, & imperaret. Præterea se gratiores Cyro futuros putabant, si hæc facerent. Cyrus iple religiolam suorum pietatem sibi quoque utilem ducebat esse qu'um rationem eandem sequeretur, quam illi, qui certo ju dicio cum religicfis potius, quam cum iis, qui commissi aliquid impiè videntur, navigare malunt. Prætereà futunum ratiocinabatur, ut si omnes illi rerum participes religi ofi effent, minus aliquod impium facinus tum contra se invierte.

Adp. 196.

Totus compomitur orbis

De Cyri Institutione LIB. VIII.

183

cem, tum contrà Cyrum ipsum designare vellent : qui bene se de participum collegio promeritum esse arbitrabatur.

7. Itidem quum declararet, id maximi le facere, si nec amicus, nec socius læderetur; & quum id ante oculos haberet, quod justum esset; futurum putabat, ut alii quoque se turpibus à lucris magis abstinerent, ac ratione justà rem facere mallent.

8. Etiam pudore ac verecundià putabat omnes magis impletum iri, si palam ipse declararet, ità se omnes revereri, ut nihil fædum ac turpe nec diceret, nec perpetraret. Atque hoc ità futurum, isto argumento colligebat. Etenim non dicam principem, sed illos etiam, quos alioqui non metuunt, magis reverentur homines, si verecundi sint, quam si inverecundi: & mulieres, quas esse verecundas animadvertunt, homines intuentes vicissim revereri magis volunt.

9. Putabat enim suos constantius imperio partituros, sitos qui fine reculatione parerent, in oculis omnium magis omaret, quam alios, quorum vel maxima laboriofissimæq; virtutes extare viderentur. Et, hoc quidem uti sentiebat,

ità etiam facere perleverabat.

100

Et-

ona

di-

po-

au-

au-

tio-

er-

làm

ndi

imè

un-

odus

adi-

por-

itili

2171111

Ad

sau-

at ad

dem

re le

effici

raba.

ordi-

pol-

hoc

At-

cum

ifica-

a qui-

& ipti

10. Prætereà moderationem suam oftendendo efficiebat. ut hanc etiam alii magis exercerent. Nam quam vident Ad p. homines eum, cui maxima facultas est insolenter agendi, 197. modestè le gerere: nolunt imbecilliores alii quicquam inblentius palam agere. Sic autem verecundiam ac moderationem cernebat, ut diceret, verecundos palam turpia fugere;

moderatos etiam illa, que occulte fiant.

11. Continentiam sic exercitatum iri à suis maxime putabat, si ipse declararet se per occasiones oblatarum volupatum ab iis, quæ honesta & bona essent non abstrahi: sed velle potiùs ante voluptatum gaudia laborem cum honestate conjunctum suscipere. Enimvero quum talis esser, perapud fecit, ut ad portas magna inferiorum effet modestia præaban- fantioribus cedentium; magnus erga se invicem amborum pudor & composita morum gravitas. Neminem ibi ani-madvertisses vel irascentem cum vociferatione, vel inso-

12.

ip

bo

fti

IU

fer

bu

m

in

ex

fan

op

ipl

Ac

ut

per

bor

lo i

lor

deb

Aru

tim

con

imp

lius

nun

iplo

per i cien

lis a

deci

effe

caba

pr:

e ip

em

later

DOS

entes feras segui necesse sit : & agiles efficit maxime ad quodvis opus ex equis perficiendum, propter honoris studium, & cupiditatem capiendi. Hic etiam maxime suosillos participes affuefaciebat ad continentiam, & labores, & frigora, & calores, & famem, & fitim tolerandum. Ac modo quoque tum rex, tum qui cum rege vivunt, hæc facere non cessant. Quod igitur arbitraretur, nemini convenireimperium, qui non effet subjectis sibi melior; id de iis, quæ antehac expoluimus, nulli non patet: ficut illud etiam, quod Iuos in hunc modum exercendo, multo maxime tum ad continentiam, tum bellicas artes & exercitationes ipse laborando le consuefaceret. Nam venatum quidem alios educebat, ubi nulla necessitas domi manere cogebat; ipse verò etiam, retinente domi necessitate, feras venari solebat, quæ in septis hortorum alerentur; nec vel ipse prius, quamfudaffet, sumebat conam; nec equis prius, quam essent exerciti, pabulum objiciebat. Ad hanc venationem sceptrigeros etiam suos invitabat. Itaque multum in omnibus præclaris actionibus & studiis ipse præstabat; multum, qui cum eo versabantur, ob exercitationem illam perpetuam. Arque hujusmodi sanè exemplum ipse se præbuit.

Ad t. 198.

13. Prætereà si quos alios viderit maximè rerum honestarum sectatores, eos & donis & imperiis, & sedendi loco, & omnibus honoribus ornabat. Quo factum eft, ut in omnibus ingens studium excitaret, quò quisque Cyro præstantiffimus videretur. A nimadvertiffe vero nos in Cyro id quoque putamus, quod non eo duntaxat principes existimarit prastare subjectis sibi debere, ut iis meliores essent : verumetiam blanditiis quibusdam demulcendos arbitraretur. Itaque tum sibi vesticum Medicum gestandum esse, certo judicio statuit; tum illi suo participum collegio persuant, ut eundem induerent. Nam si quid in alicujus corpore vitii esset, id occultare vestitus is Cyro videbatur; & illos, qui eum gestarent, quam pulcherrimos, & maximos exhibere. Habent enim ejul modi calceos, in quibus maxime lubjici clam aliquid potest; ut grandiores, quam sint, esse videantur. Ho etiam admittebat, ut oculis pigmenta quædam sublineren tur quo viderentur oculos habere pulcriores, quam estent & ut fucus infricaretur, quo præditi colore meliori cerne rentur, quam natura concessisset. Ad hæc eos exercuit, ut palam nec exspuerent, nec emungerent se, nec ad ullam ten spectandam se converterent, quafinihil admirarentur. Has adeò universa putabat aliquid afferre momenti, ad hoc, u subjectorum imperio suò contemtui minus expositi videren tur. Et ad hunc lane modum instruxit eos, quos beneficio

suo magistratus gerere volebat, tum exercendo, tum illo

iplo, quod eis cum majestate præesset.

ad

di-

il-

8

no-

ere

2m-

nte-

loou

ad

12-

dureiò

quæ

1 lu-

Tent

cep-

ibus

, qui

am.

esta-

0,&

mni-

stan-

quo-

narit

et, id

deren neficio 140

14. Quos autem ad serviendum instruebat, eos nec ad labores ullos liberales excitabat, nec habere arma finebat: fludioséque dabat operam, ne unquam liberalium exercitiojum caulsa vel cibo vel potu carerent. Permittebat enim Quo servis, quoties equitibus feras in campos adigerent, ut ci-pado bum ad venationem secum sumerent; ingenuorum vero ne- Cyius mini. Quando item faciendum erat iter, ad aquas eos per- fervos inde, ac jumenta, ducebat. Quum prandii tempus erat, habere expectabat eos donec aliquid comedissent, ne furcilla sive folitus. fames acrior eos affligeret. Quò fiebat, ut non aliter ac optimates, etiam hi Cyrum patiem appellarent, qui curam iplorum gereret, ut semper fine dubio mancipia manerent. Ac totum quidem imperium Perficum hoc modo firmum

ut esset, ac stabile, Cyrus effecit.

15. At fibi nihil ab iis, quos in potestatem redegissent, periculi futurum, utaliquid perpeteretur, magno animi rohore confidebat. Nam & imbelles eos existimabat, & nullo inter se conjunctos ordine videbat, ac præterea nemo ilbrum propiùs ad ipsum neque noctu, neque interdiu acce- Ad p. debat. Quos verò præstantissimos ducebat, & ab armis in- 199. fructos, & magno conjunctos numero conspiciebat, ac partim sciebat equitum duces esse, partim peditum; quorumq; complures animad vertebat esse animis elatis, quasi qui ad imperandum essent idonei; quique propiùs ad custodes ipsus Cyri accedere possent, ac plerique Cyrum ipsum sæpe-numerò convenirent, quod sieri necesse erat, siquidem operà inserum uti rollet; ab bio igitus pò cuid si mali acciderer plorum uti vellet; ab his igitur nè quid ei mali accideret, tum periculum erat, idque multis modis. Quamobrem dispindems, quo pacto ab iis quoque tutus esset, arma quidem ilisadimi, & reddi ad bellum ineptos, minimè probavit : isadimi, & reddi ad bellum ineptos, minime probavit :

quòd esse illud & cum injuria & cum imperii eversione
m get abent
declarare, quòd sidem eis non haberer, id belli arbitrabatur
m ali
Hot abat & optimum esse adsecuritatem suam, & honestissimum,
sipræstantissimos illos sibi redderet amiciores, quàm inter
se ipso essent. Quo igitur modo pervenisse nobis eò videaur, ut amaretur, exponere conabimur. Primum quovis
tempore, quàm poterar, maxime clementiam & humaniatem animi declarabat, quum existimaret perinde ac sacile
noc, u
los affectos benevolentia complecti; sic sieri non posse, ut
illi.

illi, quorum semel cognitus sit amor & benevolentia, iis odio fint, qui ab ipfis diligi videantur. Igitur quam quidem diu facultas ei deerat conferendi beneficia, donatis opibus, tum illis prospiciendo, quos secum haberet, tum pro iislaborando, & palàm declarando, se prosperis ipsorum rebus lætari, adversas graviter ferre, venari amorem eorum nitebatur.

Ef

us

(ci

ob

vi

fai

ne

cet

ni

fan

ne

ve

per

de

OTT

IU:

pre

81

gir

eti

fue

qu

tit

co

to

fas

Qu

bu

ho

ali

ut

noi

taj

10

tio

bu

ba

m

au

al

au

un

16. litate.

16. Verum posteaguam hoc adeptus est, ut beneficus esse De Cyri largiendis opibus posset : animadvertisse nobis videtur, primo quidem beneficium hominibus ex eadem impensa nullum esse gratius, quam si quis cibum ac potum impertiatur. Id quum ità se habere statuisset, primum de mensa sua mandatum dedit, ut quibus iple cibis vesceretur, iis similes sibi semper apponerentur, permultis hominibus suffecturi. Quæcunque vero apponebantur, ea semper omnia diitribuebat in amicos, quos visum esset, quo se memorem ipsorum esse ostenderet, vel benevolentiam declararet extra cibos illos, quibus iple atque convivæ vescerentur. Præterea mittebat cibos iis, quorum vel in excubiis diligentiam lulpiciens probaret, vei in præstandis obsequiis & cultu, vel aliis in actionibus fimul fignificans, non effe igno. tam fibi voluntatem eorum, gratificari fibi cupientium. Eodem honore ciborum è mensa sua donatorum domesticos suos afficiebat, si quando laudare aliquem vellet: atque etiam cibos omnes horum domesticorum in mensam suam apponi cuiabat, quod putaret hoc eis benevolentiam quandam inditurum, ficut ulu venire pueris solet. Quod si amicos aliquos à multis coli vellet, his ipfis etiam aliquid de menta sua mittebat. Hodieque adeo, si quibus de mensă regia mitti aliqua vident, eos universi magis colunt: quod illos & honoratos esse arbitrentur & auctoritate valere ad impetrandum aliquid, si sit opus. Nec his solum de caussis, quas indicavimus, lætitiam afferunt ea, quæ à rege mittuntur: sed reapse præstant suavitate, quæ de mensa regis veniunt. Atque hoc ità esse, non est mirandum. Etenim ut aliorum quoque artificiorum opera magnis in urbibus excellentia fiunt, sic etiam cibi regii longe præstantiùs elaborantur. Nam parvis in oppidis iidem spondam, januain, aratium, mensam fabricantur: atque sæpenumero idem etiam domum exftruit, & bene secum agi putat, il vel hoc modo consequarur aliquos, qui opus ei faciendum locent, quod ipfi alendo sufficiat. Fieri quidem certe nequit, ut qui multis artificiis occupatur, omnia rede faciat. At magnis in urbibus, quia multi fingulis egent, vel unum cuique lufficit artificium, ut eo se alat : sepenumerò ne unum quidem totum: led calceos alius viriles, alius muliebres facit. Lit

Ad p. 200.

## De Cyri Institutione LIB. VIII.

iis

lem bus,

sla-

a-

tur. esse

pri-

nul-

atur.

(uà imi-

uffe-

di-

ip-

xtra

Præ.

tiam

cul-

gno-

ium.

icos tque.

uam

uan-

ami-

quid

men-

unt:

e va-

lum

uæ à

men-

dum.

is in

stan-

dam,

mero

at, il dum

equit,

mag-

ique qui-

facit.

Lit

Est ubi quis se calceis duntaxat consuendis alit, quum alius tantum eos scindat. Itidem alius tantummodo tunicas scindit, alius nihil horum facit, sed eas consarcit. Quamobrem necesse est eum, qui occupatur opere minime longo, etiam id quam optime cogi perficere. Hoc ipfum & in victu accidit. Nam cui unus & idem lectum fternit, mensam instiuit, farinam subigit, alias alia obsonio parat, eum necesse est, mea quidem sententia, sic habere singula, uti cesserunt. Verum ubi satis est uni quod agat coquendis carnibus elixis, assandis alii, alii piscibus elixandis, alii aslandis, alii faciendis panibus, ac ne his quidem omnis generis, sed effici panis unam speciem probatum latis est: tum verò hæc in hunc modum facta necesse est, opinione mea, perquam excellenter esse à singulis elaborata. Et cibis quidem ità suos demerendo, longè Cyrus omnes superabat.

17. Ut autem ad homines demerendos aliis etiam rebus omnibus longè præstiterit, id quidem modo sum narratunus. Nam tametsi mortales cæteros eo ipso excelleret, quod proventus plurimos perciperet; multo tamen in hoc magis excelluit, quod unus inter omnes homines plurima largiretur. Atque hoc ità cæptum a Cyro fuit, ac permanet Ad ?. etiam nunc apud illos reges multa munificè donandi con- 201. luetudo. Quem enim novimus opulentiores amicos habere, quam habeat Rex Persarum? quis illo rege suos elegantius ornare vestitu videtur? cujus munera ejulmodi esse cognolcuntur, qualia funt pleraque regis illius, armillæ, torques, equi frænis aureis infignes? Non enim apud Perlas hæc habere cuiquam licet, cui rex ea non donarit. Quis alius magnitudine munerum efficere dicitur, ut fratribus iple adreferatur, & parentibus, & liberis? Quis alius hostes suos, multorum mensium itineris intervallo distantes, sic ulcisci & plectere potuit, ut rex Persarum? Quis alius everlo aliorum imperio, fic diem extremum obiit, ut à subject is sibi pater appellaretur, præter Cyrum? At nomen illud magis ei tribui, qui beneficia confert, quam qui tapit aliena, constat. Etiam hoc accepimus, Cyrum & illos qui & oculi & aures regis appellantur, non alià ra- Regis tione fibi conciliasse, quam munera largiendo, & honori- apud bus ac præmiis ornando. Quippe dum eos, qui nuntia- Persas bant, quæcunque ipsius interesset in tempore cognolci, oculi magnis beneficiis colerit, efficiebat, ut homines permulti & & auauribus id captarent, & notarent oculis, quo nunciato, regi res, aliquid utilitatis afferrent. Hinc multos efferegis oculos, & aures multas, existimatum fuit. Quod si quis arbitratur, unum potius effe regi oculum eximium, is rem non recte

B b 2

17.

æftimat.

æstimat. Nam unus aliquis & cernere pauca, & audite posser: & quædam quasi negligentia cæteris esset indicta, fiquidem ea de re mandata duntaxat uni darentur. Prætereà quemcunque regis oculum esse animadverterent, ab eo cavendum scirent. Verum ità se res non habet, sed audit rex quemlibet, qui se vel audivisse, vel vidisse quippiam affirmat, quod attentione dignum sit, Ità multæ regis aures, multi esse oculi existimantur: & ubique professe metuunt ea, quæ regi non expediant, tanquam fi audiret iplemet; & reformidant facere non conducentia regi, tanquam si præsens ipse adesset. Tantum igitur aberat, ut ad quempiam aliquis finistram Cyri mentionem facere fuerit aulus, ut etiam ità quilibet affectus effet, quali omnes, quibuscum quovis tempore versaretur, & oculi regis, & aures essent. Quod verò sic in ipsum affecti essent homines, ejus rei caussam equidem ignoro, quam potiorem quis putet, nisi quia pro exiguisiple meritis beneficia rependere magna vellet.

18. Ac munerum quidem amplitudine superatos ab eo fuisse alios, mirum videri non debet, quum opulentissi-

mus esset : at verò eum, qui esset regià cum dignitate, amicos officiis studiose colendo superaffe, id lane magis prædicari meretur. Enimvero traditum est, Cyrum in nulla re adeò manifesta pudoris signa dedisse, posteaquam l

I

C 1

d

0

P

E

P

n

d

9

9

Superatus esset, atque in amicorum oblequiis & cultu. Ac dictum quoddam ejus memoratur, quo similia perhibuerit

esse boni pastoris & boni regis opera. Nam pastoris esse rem & munus ut posteaquam jumentis telicitatem conciliasset,

ità deinde illis uteretur, quæ quidem pecudum esset selicitas: itémque regem urbibus & hominibus, quos iple be-

inter se affet, uti debere. Nihil mirum igitur, quum hac effet in lententià, fingulari eum contentione conatum esse homines

univerlos oblequiis & demerendo superare.

19. Præclarum certè documentum dedisse Cræso perhibetur, quum is futurum admoneret, ut multa largiendo pauper fieret; cui tamen liceret, uni quidem homini, plurimos

auri domi luæ thelauros recondere. Quæsivisse tum Cyrus opes su- dicitur: Et quantam pecunia summam habiturum me jam suise as Cræ- arbitraris, si quemadmodum tu jubes, aurum collegissem ab es tempore, quo cum imperio sum : Ibi Cræsum indicasse magnam quandam summam, & subjecisse Cyrum: Age vero, Cræse, mitte quendam cum boc Hystaspa, cuicunque sidei plurimum

habes. Tu autem Hystaspa, inquit, circumito profectus ad amicos,

ac dicito mibi quoddam ad negotium esse opus auro : (& revera m1/18

18.

Ad p. 202.

Cyrus pastoregem bonum comparabat.

19.

so de-22021-

Cyrus

Strat.

dire

icta, æte-

b eo udit

) iam

s au.

me-

t ip-

tan-, ut

e fu-

nnes,

s, &

omi-

quis

nde-

b eo tıfli-

e, a-

lagis

n in

uam

. Ac

uerit

effe

isset,

elici-

be-

et in

nines

erhi-

pau-

imos

Cyrus

fulle

ab eo mag-

vero,

imium

nicos,

evera

711/13

mihi eo est opus) jube copiam pecunia mihi quisque suppeditet quantum posit: eamque discriptam, & obsignatam literis, Crasi ministro ferendam tradat. Quúmque hæc, quæcunque dixerat, etiam mandaffet literis, atque obfignaffet, dedit eas Hystalpæ ad amicos ferendas, ascribens ad omnes, etiam Hystalpam iplum, tanquam amicum fuum, exciperent. Is quum circuiffet, & Cræfi minister literas afferret, inquit Hystalpas: Etiam mecum, rex Cyre, tibi agendum erit, ut cum divite. Nam multis tibi cum muneribus adfum, propter literas tuas. Et Cyrus: Ergo jam hic quoque thefaurus unus nobus est, Crafe: tu cateros considerato, ac rationes subducito, quanta nobis pecunia parata sint, si ad usum aliquem eis mibi sit opus. Crælus initis rationibus, multo plures reperisse fertur, quam habiturum in thefauris fuisse Cyrum dixerat, si eas collegiffet. Quod ubi patuit, dixisse Cyrus traditur: Videfne, Cræse, mibi quoque thesauros esse? Tu verò me jubes colligendo invidia me atque odio exponere, ac mercenariis custodibus prafedti fidem habere. Sed ego amicos locupletatos arbitror Ad p. mihi thesauros esse custodesque tum mei ipsius, tum 203. bonorum nostrorum sideliores, quam si præsidiarios mercede conductos eis præficerem. Etiam aliud quiddam tibi dicam. Ego id, Cræse, quo indito in hominum animos, Dii pariter omnes fecere pauperes, ne ipfe guidem vincere possum : sed expleri pecuniis nequeo, perinde aique cateri. Verum hoc discrimen inter me atque alios plurimos esse puto, quod illi pecunia copia potiti superante sufficientem, partim eam defodiant, partim numerando, metiendo, ponderando, ventilando, custodiendo sibi negotium facessant. Neque tamen interea, dum eam domi habent, plus comedunt, quam ferre possint, quod alioqui creparent; neque plures induunt vestes, quam gestare possint, quod alioqui suffocarentur; sed opes ille nimiæ nihil ens lunt aliud, quam negotiorum molestiæ. Ego & Diis inservio, & plura semper appeto: verum ubi eas comparavi quas usum mihi sufficientem excedere video; his ipsis amicorum penuna medeor, & homines ditando, ac beneficiis afficiendo, benevolentiam ex eis amorémque mibi paro: de quibus & securitatis, Egloria fructum capio. Ea verò neque putredine corrumpuntur; neque nimium excrescendo vitiantur: sed gloria quò auctior eft, eò sit major & pulcrior, & portatu levior, ac læpenumero etiam illos, qui eam gestant, expeditiores reddit. Arque ut hoc quoque scias, Cræse, non equidem eos, qui pecunias plurimas possident, & servant plurimas, felicissimos duco; quod hoc pacto qui muros custodiunt, fortunatissimi essent, quum omnia, qua sunt in urbibus custodiant: led qui parare quam plurimas juste potest, & plurimis honeste uti, hunc ego

20.

Ad p.

204.

felicissimum arbitror, etiam opum respectu. Et hæc Cyrus uti verbis proferebat, ità etiam in oculis omnium faciebat.

20. Prætereà quum animadvertisset hominum plerosque, dum hona valetudine continuò fruuntur operam dare, ut à rebus neces. sariis instructi sint, Es qua victui rectè valentium usui sunt, reponere; verùm ut posteaguam in morbum insiderint, utilia suppetant; id quia non admodum eis esse curæ cernebat, visum est ei, hac quoque in parte elaborandum esse. Itaque medicos præstantissimos ad se collegit, quòd nulli parcere sumptui vellet: ac quæcunque instrumenta quis utilia esse ipsi diceret, vel medicamenta, vel cibos, vel potum, eorum nihil erat, cujus non paratam apud se copiam reconderet. Quòd si aliquan o quispiam ex iis æger esset, quos curari convenitet: & inspiciebat & suppeditabat omnia, quibus esset opus. Etiam medicis gratiam habebat quum quis sanasset aliquem, sumptis iis, quæ haberet ipse recondita. Et his, atque aliis, multis artibus hujusmodi Cyrus essiciebat, ut

apud eos primas obtineret, à quibus diligi se vellet. 21. Quibus autem in rebus & certamina Cyrus indicebat, & proponebat præmia, quum contentiones inter luos excitare de fludiis præclaris & honestis vellet, eæ res Cyro Jaudem afferebant, quod curæ ipli effet, ut virtus coleretur: & præstantissimis quibusque certamina hæc inter ipsos sulcepta, tum contentiones tum altercationes injiciebant. Prætereà Cyrus quafi legem constituit, ut quicquid tandem el-1et dijudicari necesse, sive aliqua in lite, ceu certamine, ad judices unà currerent illi, quibus dijudicatione opus effet. Itaque manifestumest, adversarios utrosque conjectando respicere solitos ad judices optimos, sibique amicissimos. Victus autem victoribus invidebat, & eos, qui sententiam secundum se non tulissent, odio prosequebatur, victor contrà, jure le vicisse præferebat, adeoque nemini se gratiam debere putabat. Itidem qui primas inter amicos Cyri tenere volebant, perinde sibi invidebant, atque alii lolent, qui degunt in urbibus. Itaque complures malebant alius alium è medio sublatum potius, quam ut invicem adjuvando commodum aliquod fibi procurarent. Et hæc quidem indicata sunt, quò pateat, quibus artibus Cyrus effecerit, ut præstantissimi quique magis ipsum amarent, quam le mutuò.

Cyri è zz. Jam verò narrabimus, quo pacto Cyrus primum è reregià già provectus sit. Nam ipsa majestas hujus provectionis, una prode- nobis videtur ex iis esse artibus, quæ perfecerunt, ut impeuntis rium ipsius facilè contemni non posset. Primum igitur, antetompa, quam prodiret, arcessitis tam Persis, quam aliis, qui essent

cum

1

B

f

900

10

Ci

21

fu

pa

ne

Q

ra

fie

om

061

bu

dai

qu

iff

tol

qu

ſ-

)-

e-

n

1.

ui

e.

iil

bc

ii-

IS.

li-

is,

ut

at,

ci-

TO

ur:

ul-

ræ•

ef-

, ad

let.

ndo

nos.

iam

on-

iam

te-

ent,

lius

van-

dem

erit,

m le

è 16-

s, una

mpe-

ante-

Ment CUM cum imperio, vestes inter eos Medicas distribuit. Et amidum sane Medicum Persæ tunc primum induerunt. Simul inter distribuendum dicebat, velle se provehi ad fana Diis selecta, & una cum ipsis rem sacram facere. ' Quamobrem ad portas adeste, ornati vestibus istis, pri us quam sol oria-'tur, & sic confistite, quemadmodum Pheraulas Persa vobis ex me denunciabit: quúmque iple præcessero, vos loco vobis Ad p. indicato sequimini. Quod si cui vestium alia quæpiam ra- 205. tio videbitur elegantior, quam ea, qua modo prodimus, is 'illam mihi, quum redierimus, oftendar. Nam uti nobis pulcherrimum optimumq; visum fuerit, ità singula constitui debent. Posteaquam inter præstantissimos vestes elegantissimas distribuit, etiam alias vestes Medicas protulit. Plurimasenim parari curaverat, nullis parcens, five purpurei seu fusci, seu punicei, seu carryccini vel sanguinei coloris vestes essent. Has autem singulos in duces dispertitus, justit, ut eis ornarent amicos suos; ficut & ego, inquit, vos orno. Tum quidem ex iis, qui aderant, eum interrogans, Tu verò, ait, Cyre, quando exornaberis. Cui Cyrus respondens: An modo, inquit, non etiam ipsi vobis ornari videor, dum vos orno? Nimirum si possim in vos, amicos meos, esse beneficus, quamcunque tandem babeam vestem, in ea videbor, elegans. Sic illi digrelli, vestibus istis amicos arcessitos ornabant.

23. Cyrus vero quod existimaret Pheraulam, hominem cæteroqui plebeium, & ingenio valere, & omnes elegantiæ atque o dinis esse studiosum, miniméque negligentem in iis, quæ Cyro grata facere posset; & illum ipsum, qui aliquando lententiam de singulis pro dignitate ornandis oratione lua comprobaverat : hunc arcessit, & cum eo deliberat quo pacto effecturus effet, ut ipsorum provectio spectatu benevolis pulcherrima, infestis maxime formidabilis esset. Quimque dispicientibus iplis eadem vila fuissent, Pheraulam diligenter operam dare jubet, ut in crastinum ità heret provectio, quemadmodum ipsis pulcra fore paruisset. Equidem, air, quod ordinem in provectione servandum attinet, omnes tibi parere justit. Verum ut eo lubentius imperanti tibi obtemperent, age, tunicas has pro satellitum bastatorum ducibus sumito, atque etiam saga ista equestria ducibus equitum dato, Es curruum ducibus alias hasce tunicas. Ac Pheraulas quidem has acceptas perferebat. Eum ubi duces conspex-Ment, aiebant : Magnus tu fane quidem es, Pheraula, quum vobu etiam sis indicaturus, qua facienda sint. Non profesto, inquit Pheraulas, non id folum, uti quidem videtur, fed una farcinas etiam portabo. Itaque duo ista saga nunc affero, alterum tibi, ef buic alterum : quorum tu, utrum volueris, accipito. Tum deinde

2;.

deinde is, qui sagum accipiebat, invidiæ obliviscebatur; statimque ipsum in confilium adhibebat, utrum sumeret. Pheraulas, ubi de meliore sago confilium dedisset; Situ 20 p. indicaveris, ait, quod optionem tibi dederim; deinceps, ubismfus aliquid administrato, distimilem administrum invenies. Atque in hunc modum Pheraulas his distributis, ut jussus erat; statim curabat ea, quæ ad provectionem Cyri pertinerent, ut fingula quam elegantissime instructa essent. Po-Candys, stridie priùs erant omnia liquida & integra, quam illuxisset; Perfica & series ex utraque viæ parte stabant quemadmodum jam rellis quoque subfistunt, quà rex equitaturus est; atque inter has nomen, series nemini licet ingredi, qui non sit honoratorum in numero. Adstabant & flagelliferi quidam, cedentes eos, qui quam milites molesti esse vellent. Ac primum quidem satellites ad quater fibula mille stabant ante portas, in quaternos explicati: ex utiag; nedunt. ve o portarum parte millia duo. Aderant item equites onjubal- nes, & exequis descenderant, exsertis per candyas manibus, bicante. quemadmodum hac eas etiam tempestate exterunt, quoties iplos rex aspicit Stabant verò ad dextram Persæ, socii cænum ve- teil ad lævam viæ partem, eodémque modo curruum pars ro vo- utrinque dimidia. Posteaquam regiæ fores apperirentur, priiunt mum sovi quaterni pulcherrimi tauri ducebantur, & Diis berbam cæteris, quibus Magi ducendos suis è ritibus indicarant. €//e Nam Perlæ multo magis existimant divinis in rebus artificum quanopera utendum effe, quam in aliis. Secundum boves, equi dudam, cu cebantur, ad sacrificium Solis: post eos producebatur curjus co rus albus, cum aureo jugo, & coronatus, Jovi sacer. Pone for hic hunc solis currus albus, itidem uti prior ille, coronatus. intelli- Post illum currus alius tertius producebatur, cujus equi gatur. puniceis stragulis contecti erant; & post eum viri qui-Byssinus dam sequebantur, qui magno in foco ignem gestabant. Post quos jam Cyrus iple prodibat in conspectum è portis color aureo in curru, cum tiarà rectà, & tunica purpurea + semialba, (alii verò semialbam gestare non licet) & subligaculis cirmus ut cum ciura colore byssino tinctis, & toto purpureo candye. an cru Habebat & circum tiaram diadema five fasciam, idémque dis filis insigne cognatis ipsius erat, sicut & hoc tempore illud resericis. tinent. Manus extra manicas tenebat. Præter iplum cur-Per/a ru vehebatur auriga, procerus quidem ille, sed Cyrotaprimum men minor; sive hoc reipsa sic esset, seu quocunque moadora- do: multo quidem certe grandior visus est Cyrus. Eum ubi conspexissent, omnes adorando summisse venerati sunt: ritu Cy- five quia fuisset imperatum, ut aliqui venerationis hujus rum co-initium facerent, seu quod apparatus eos stupore quodam affecisset, seu quod procerus & pulcher Cyrus iple vilus ellet.

ur;

ret. 2111

1711-

At-

ffus

erti-

Po-

Tet;

jam has

nu-

qui

ater

riaq;

oni-

bus,

oties

CX-

pars

pii-

Diis

rant.

ficum

i du-

cur-

Ponè

latus.

equi

quibant.

ortis

alba,

s cir-

ndye.

mque

ad re-

curto ta-

e mos

Eum

funt:

hujus odam

vilus

ellet.

Ante id quidem tempus Persarum nemo Cyrum ità veneratus fuerat. Cum autem currus Cyri proveheretur, præibant illi quater mille satellites, bis mille ad currus utrumque latus comitabantur, sceptrigeris apparitoribus Ad p. eum in equis lublequentibus, qui & ornati erant & gesta- 207. bant tragulas, numero ferè trecenti. Præterea ducebantur equi frænis aureis infignes, qui Cyro nutriebantur, virgatis veftibus instrati, ad ducentos. Secundum hos contati bis mille, post eos primi decies mille facti equites, ubique per centenos ordinati, quorum dux erat Chrylantas. hos alii decies mille Perfici equites, eodem modo instructi, quorum dux erat Hystaspas. Post eos itidem alii decies mille, quos Datamas ducebat. Rursum post hos alii duce Gadatâ. Post eos erant equites Medi, ac post hos Armenii, pott illos Hyrcanii, poft quos Cadufii, ac post Cadufios Sacæ. Equites à tergo currus in quaternos ordinati lequebantur, quos Artabates Persa ducebat. Quúmque jam pergeret, homines permulti extra figna fequebantur, quorum alius aiiud quiddam à Cyro petebat. Itaque missis ad eos quibuldam ex sceptriferis, qui terni ab utroq; currus latere nuntiorum perferendorum caussà comitabantur, dici eis justit: fi quid aliquis ab le polceret, is præfectis inferioribus, quidcunque vellet, indicaret. Eos aiebat rem ad se delaturos. obrem illi discedentes, mox ad equites se convertebant, & quem quisque potissimum adiret, deliberabant. Cyrus autem, quos ex amicis coli maxime ab nominious vellet; eos millo quodam ad le fingillatim arcessebat, & his verbis compellabat: Si quis istorum, qui assectantur, vobis aisquid indicaret; si quidem nibil dicere videbitur, non attendite. Qui verò justa postulare visus fuerit, de hoc ad me referte, ut communi consultationes res eas expediamus. Et cæteri quidem, vocante Cyto, totis viribus adequitantes obtemperabant, 'uoque studio quoddam incrementum imperio Cyri adjungebant, & le promtissimos ad parendum demonstrabant.

24. Unus \* Diapharnes erat, minus culta vir indole, qui fe fi minus celeriter pareret, visum iri magis ingenuum ac \*al.Da. liberum existimabat. Id quum animadverteret Cyrus pri-tines. ulquam accederet secumque colloquererur, quendam è sceptrigeris lummisit, ac dicere homini justit, minilamplius eo ndi opus esse, nec deinceps eum arcessebat. Qui autem posterior illo vocasus fuerat, equo prior advectus est; eique Ad p. Cyrus equum donavit ex illorum numero, qui unà fequeban. 208. tur, & ex lceptrigeris quendam hunc deducere justit, quo ille mandasset. Hoc verò qui cernerent, esse putabant honorificum quiddam, ac multo plures istum deinceps cole-

bant. Quum ad delubra pervenissent, rem sacram Jovi fecere, tauris integris combustis, deinde Soli, combustis huic equis integris. Hinc Telluri mactatis hostiis, id fecere, quod Magi docuerant: post iis heroibus, qui terram Syriam tenerent. Quibus peractis, quia locus amænus erat, metam defignavit ad stadiorum quinque spatium; jussitque ut tributim hic equos totis viribus ad cursum emitterent. Ipse cum Persis invectus vicit, quippe cui multo maxime \*Arta- res equestris curæ fuerat. Inter Medos \* Artabates victo-

bazus, riam adeptusest. Huic enim Cyrus equum donaverat. Inter Syros, is cui Syris præerat. Inter Armenios, Tigranes. Inter Hyrcanios, equitum præfecti filius. Inter Sacas autem privatus quidam miles equo suo cæteros equos à tergo reliquit, propè dimidio spatio curriculi. Atque hic Cyrus interrogaffe juvenem dicitur, an bunc equum commutare cum regno vellet. Illum respondisse: Nollem equidem accipere regnum, verum gratiam apud virum bonum inire non recufarem. Et Cyrus: Equidem, ait, oftendere locum tibi volo, quo si vel conniventibus oculis aliquid conficias, à vivo bono non sis abervaturus. Omnino, inquit Sacas ille, oftendito eos mibi, ut posteaguam banc glebam sustulero, in istos conjiciam. Tum Cyrus ei demonstrat, quo loco amici ipsius plurimi erant. Is vero conniventibus oculis ictu glebæ locum petit,& Pheraulam casu attingit, qui prætervehebatur. Nam is forte quiddam à Cyro imperatum renuntiabat. Quúmque icu

Phepercuffus effet, nè se quidem convertit, sed id acturus perraula studium rexit, quod imperatum erat. Sacas apertis oculis, quem in pa-aitigisset, interrogat. Neminem profecto, ait Cyrus, ex it qui adfunt. At ne quidem, inquit Adolescens ille, quenquam rendo manda absentium. Imo verò, inquit Cyrus, attigisti profecto illum, qui tis Cyri. prater iftos currus celeriter equum agitat. Quifit igitur, ait, quod

> se non convertit? Nimirum furiosus quispiam est, ait Cyrus,uti quidem apparet. His adolescens auditis, quinam is effet inspecturus, ibat; ac Pheraulam reperir, qui mentum cum barba tetrà & sanguine plenum haberet. Is enim percusso è naribus fluebat. Quumque accessisset, an ictu percussus fuiffet? interrogavit. Ut vides, respondit ille. Hunc ergo tibi, ait, equum dono. Cujus rei gratia? quærebat Pheraulas. Hic jam Sacas rem narrabat, ac tandem aiebat: 'Arbitror equi-

Ad p. 209.

dem me à viro bono non aberrasse. Et Pheraulas, Opu-'lentiori, quamego sum, ait, si quidem saperes, eum dedil-' ses. Sed tamen eum accipio, & Deos precor, quorum

voluntate factum est, ut tu me ferires, facultatem mini dent perficiundi, ut hujus tui te muneris haud pæniteat.

Lt nunc quidem, ait, hoc equo meo conscenso discede:

ego

ego vero statim apud te adero. Atque ità inter le illi

permutatione utebantur.

fe-

lic

re,

11-

ne=

que

nt.

me

to-

Innes.

au-

1go

rus

cum

regrem.

i vel

iber-

, ut Cum

t. Is

Phe-

orte ictu

peruem

X 115

mani , qui

grod

is,uti t incum

cusso

uilus tibi,

Hic

equi-

Opuedil-

orum

mihi

iteat. cede:

ego

26. Ex Caduliis autem Rathonices vicit. Etiam currus 26. fingulos Cyrus ad curlum emisit. Omnibus autem victoribus & boves donabat, ut eis mactatis epularentur, & pocula. Iple victor bovem, victoriæ præmium, accepit : poculorum partem suam Pheraulæ donavit, quia visus effet ipfi, provectionem è regià præclare ordinaffe. Aique ut ista tunc à Cyro fuit instituta provectio, ità etiam hoc tempore provectio regis adhuc in ulu est; extraquam quod absunt victimæ, quoties rem sacram non facit. Posteaquam his effet impositus finis ad urbem redibant, & quibus ædes erant datæ, luas in ædes divertebant; quibus datæ non erant, ad ordines. Pheraulas autem arcessitum Sacam, qui Pheequum ei donaverat, hospitio excepit; & quum alia præ- raulas buit affatim, tum ubi cœnati essent, qua à Cyro acceperat, gratum impleta propinabat ei donabatque pocula. Sacas verò iste se dequum copiolam & elegantem vestem stragulam videret, co-clarat. piolumque & elegantem apparatum, & multos famulos; 'Dic mihi, Pheraula, inquit, an etiam domi unus ex opulentis eras? Quibus opulentis? ait Pheraulas. Imo pror-' sus ex iis, qui manibus suis victum quærunt. Etenim pater meus suis me laboribus tenuiter alens in disciplina puerili educavit. Posteaquam vero adolescentulus fa-'Aus sum, quia me in otio non poterat alere, rus abduxit, & opus illic facere juffit: ubi ego lane viciffim eum, dum ' viverer, alui tum ipie pastinando, tum conserendo agellum per exiguum, non improbum tamen, sed omnium justissimum. Nam quicquid seminis accepisser, id iplum rectè ac justè reddebat, ac fænum non valde copiosum, Atque etiam aliquando fingulari quadam natura bonitate duplum reddidit ejus, quod acceperat. Hoc pacto igitur equidem domi vivebam. Jam vero hæc universa, quæ vides, Cyrus mihi dedit. Et Sacas ille, Felicem vero te, cum alias ob res, inquit, tum ob id iplum, quod ex pau- Ad p. pere dives factus fis. Nam arbitror tibi proprerea multo ju- 210. cundiores esse divitias, quod quum pecunias ‡ vehementer ‡ Esuexpeteres, divitias adeptus fis. Et Pheraulas, Itane vero in-rire. quit, existimas, mi Saca, eò me nunc jucundius vivere, Phequò plura possideam? Nescis, ait, me & edere, & bibere, raula & dor mire nè tantillo quidem nunc suavius, quam eo tem- genero? pore quo pauper eram? Hoc lucri ex istorum copià facio, sus anie quòd plura mihi custodienda lunt, plura distribuenda in mus inalios, plurium habenda cura, cum negotiorum moleftiis. fper-Nam multi à me jam famuli cibum petunt, multi potum, nendis

CCZ

multi opibus.

multi veftem: egent medicis alii: quidam vel oves à lupis lanatas adfert, vel boves in præcipitium actos, vel morbum pecudes invasisse narrar. Quo fit, ut existimem, ait Pheraulas, plus me jam doloris ex eo percipere, quod multa possideam, quam prius, quod haberem pauca. Profecto. inquit ille Sacas, quum falva funt, plures cernens, longè majori voluptate, quam ego, afficeris. Et Pheraulas: Nequa. quam, ait, adeo jucundum est, opes possidere, quam molestum amitiere, Verum autem dicere me intelliges. Nam illorum qui opulenti funt, nemo præ voluptate vigilare cogitur: at eorum qui aliquid amittunt, neminem videas, qui præ mærore dormire possit. Nè quidem profecto eorum etiam quenquam, ait Sacas, qui aliquid accipiunt, præ voluptate dormitantem videas. Vera, inquit, narras. Namfitam jucundum effet aliquid habere quam accipere; longe divites pauperibus beatiores essent : Enimvero necesse est eum, mi Saca, qui multa possidet, ctiam multa tum in Deos, tum in amicos, tum in hospites impendere. Quisquis ergo pecuniis vehementer delectatu seum certo scias etiam vehementer angi, quum sumtum facit. Ar ego non sum profecto, inquit Sacas, ex eorum numero, sed etiam felicitatem quandam hanc effe arbitror, ut, qui multa possidet, multa expendat. Non tu igitur per Deos immortales, ait Pheraulas, jam fatim felix admodum factus es, & me beafti ! Accepta enim hæc universa possideto, & utitor iis ex animi sententià; me non aliter atque hospitem pascito, vel etiam viliùs, quam hospitem. Quippe mihisufficiet, illorum esse participem, quæcunque tu habeas. Ludis vero, inquit Sacas. Et Pheraulas juratus ait, se ifta serio dicere. Quin & alia tibi, mi Saca, præter hæc à Cyro impetrabo, ut neque per obsequium fr quentare te portas ipsius necesse fit, neque militare: sed domi tu manebis opulentus, ego hæc & tuâ, & meâ caussá faciam. Quod si etiam aliquid boni vel Cyro studiosè operam navando prætereà confequar, vel ex militià quadam; id ad te perferam, quo · liberato. Nam si ab his rebus esse mihi otiolo liceat, ar-

Ad p. 211.

plura in potestate habeas: Tantum, ait, hac tu me cura
liberato. Nam si ab his rebus esse mihi ottoso liceat, ar
bitror te & mihi, & Cyro, magno usui suturum. His
dictis, & paciscebantur hæc inter se & pactis stabant. Ac
alter quidem eorum se jam selicem existimabat, quod
multarum opum dominus esset; alter etiam selicissimum,
Qualis quod esset procuratorem habiturus, qui otium ei suppedita-

à natu- ret ad agendum quicquid animo collibuisset.

râ Phe. 27. Erat autem ea Pheraulæindoles, ut sodalitiis delectareraulas tur; nec arbitrabatur ex ullius rei cultu tantum voluptatis comfuerit, modive percipi, quanium ex hominis cultu & observantiâ. Nam

exiftimabat

eı

no

21

ca

er

cu D

ha

pr

ni;

ob

tra fi

tra

pla

pra liq

ve ibi

de

fu

is

T-

it

ta

o,

12-

a-

im

m

at

œen-

-10

ıntes

mi

um pe-

iter

uit

am

dat.

am

pta

en-

vieffe

quit

uin

, ut

effe

ego

uid

nle-

quo

cura

, ar-

His

Ac quod

um, dita-

tare-

com= Nam

abat

existimabat hominem inter omnes animantes optimum effe, ac gratissimum; quia videret eos qui ab aliquo laudarentur, vicissim hos ftudiosè laudare: operamque dare, ut gratificantibus vicissim gratificentur: & quos benevolo erga se esse animo cognoscerent, eos vicissim benevolentia complecti: quos amare se perspicerent, eos odisse nequaquam posse: parentes denique multo magis oblequiis & cultu vicissim demereri velle, quam animalia cætera; sive illi superstites essent, leu mortem obiissent. Cæteras verò animantes universas & magis ingratas, & minus beneficii memores esfe, quam bomines, sentiebat. Sic igitur & Pheraulas mitifice gaudebat quod facultatem habiturus esset, ut aliarum rerum suarum cura liberatus, amicis cæteris operam daret: itidémque Sacas, quod multa possidens, multis fruiturus esset. At Sacas quidem hic Pheraulam diligebar, qui semper aliquid afferret: Pheraulas Sacam, quod accipere omnia vellet: ac tameth plura semper ei curanda venirent, non tamen proptereà plus fibi negotii exhiberet. Et hi quidem hoc pacto degebant.

28. At Cyrus etiam factà re lacrà, epulo victoriæ instituto, illos amicos invitavit, quos aperte constaret & auctum eum maximè cupere, & animis ei tummoperè, benevolis honorem habere. Cum his invitavit & Medum illum Artabazum, & Tigranem Armenium, & equitum præfectum Hyrcanium, & Gobryam. Gadatas autem sceptrigeris ejus præerat: totaque victus ratio domestica sic erat instituta, quemadmodum Gadatas ordinaverat. Et quoties cœnabant apud Cyrum aliqui, nè fedebat quidem Gadatas, fed muneris fui curam gerebat: fin adesset nemo, & ipse cum Cyro conabat. Ad p. Delectabatur enim Cyrus consuetudine Gadatæ, qui propter 212. hæc à Cyro multis & magnis honoribus afficiebatur, ac Cyrus propter Cyrum etiam abaliis. Ad cœnam invitatiquum ve- in colnissent, non fortuito unumquemque collocabat: sed quem locatiohonore maximo dignabatur, ad lævam, quod hæc infidiis ne conobnoxia magis fit, quam dextra: fecundum ab hoc ad dex- vivatram, tertium rurlus ad lævam, quartum ad dextram: ac rum li plures etiam effent, eadem eos ratione collocabat. Arbi-certani trabatur autem utile effe, quo honore singulos ornaret, ratioplanum fieri. Nam ubi existiment homines, eum, qui nem sepræstet aliis, neque præconia neque præmia accepturum; quitur. liquidò pater, inter eos æmulationem nullam existere. Ubi vero præstantissimi cujusque conditio cernitur esse optima, bi summa eum alacritate universi certamina le suscipere declarant. Et Cyrus quidem hoc modo, quinam apud se maxima essent auctoritate, statim planum faciebat, exorlusà lessionis & assistendi loco. Neque tamen esse cuique

28.

perpetuum

ag

cu

772

cu

pr

18

te

la

id

for

7

27

agebale

Levit.

213.

perpetuum locum volebat eum, quo sedere jussus suisset; fed lege cavit, ut præclaris tacinoribus progressio fieret ad locum honoratiorem : ac fi quis ignave, nequitérq; se gereret, ad minus honorificum retrocederet. Putabat autem fibi pudendum Cyrus eum hominem qui locum in concessu principem obtineret, non etiam conspici plurimis ab sebo. nis ornatum. Atque hæc ut Cyri tempore fuerunt, ital nunc quoque servari animadvertimus.

29. Inter cœnandum, minimè visum est Gobryæ mirum Gobry- magna copia res fingulas effe apud hominem multis imperanas hu- tem: sed id potius, quod Cyrus in tanta rerum magnitudine, manita- fi quid suave visus effet consecutus, id non solus assumeret: tem Cy- sed etiam laborem susciperet rogando, ut amici præsentes eo ri ad- communiter vescerentur. Quinetiam sæpenumero videbat miratur eum nonnullis amicis absentibusea mittere, quibus forte de-

lectatusesset. Quo fiebat, utposteaquam ipsi cœnati essent,& omnia permulta quidem illa, Cyrus ex mensa huc illuc mi-sisset. Gobryas diceret: Existimabam antehac equidem, Cyre, plurimum eopraftare te cateris hominibus, quod imperatoria disciplina peritissimus esses. At nunc deos jurejurando sande testor vider mibi longè te clementia quam imperatoria laude prastare. Sicest profedo, ait Cyrus, Es quidem clementiæ, quam artis imperatoriæ opera demonstrare, multo est gratius. Quinam istue! ait Gobryas, Quod, inquit, hac demonstrando, male mortalibus facere necesse est: illa cum beneficio conjuncta sunt.

30. Deinde quum largius biberent, Cyrum Hystaspasin-Cur Hy- terrogat: Num mibi succensurus sis, Cyre, si te interrogem, quod rescire cupio ? Imò verò per Deos immortales, ait, è consta pa Chry- trario succenserem tibi, si te reticere animadverterem, de quibus santam interrogare velles. Die mibi quaso, inquit, an unquam arces. situs abs te, non accessi? Bona verba, subject Cyrus. Nan verò lentè tibi parui? Nè id quidem. Nunc aliquid mihi abste Cyrus pratuimperatum, non effectum dedi? Nibil babeo, quod querar, ait Quicquid autem facerem eorum omnium an aliquid est, quos Ad p. unquam non satis alacriter, neque cum voluptate facere me animadverteris? Idvero minime omnium, ait Cyrus. Qui igitur est, per Deos immortales, Cyre, quo Chrysantas te movil, ut sede honoratiori quam ego collocaretur? Dicamne? inquit Cyrus. Omnino, subjecit Hystaspas. Tu verò mihi russun non succensebis, ubi quod verum est, audies? Iriò voluptatent capiam, inquit, si me nullâ injuriâ affici sciam. Hic ergo de Chrysantas primum ait, non expectabat, donec arcesseretur, sed rerum nostrarum caussa prius etiam, quam arcesseretur, con caus a aderat. Pratereà non id solim faciebat, quod imperaretur:

sed quicquid animadverteret ipse, quod effectum nobis conduceret.

iffet;

et ad

e ge-

utem

ceffu

le bo.

, ità

sgebat. Quoties autem ad socios aliquid dicendum erat, quacunque debere dici à me decori ratione putabat, de iis consilium mihi fuum dabat: qua verò persentisceret me quidem scire socios cupere, sed pudore prapediri, quo minus ipse exponerem; ea sic proferebat, quasi suam ipsius fententiam pronunciaret. Quid igitur vetat, quo minus in his mihi meipso potior fuerit? Pratereà tibi semper ea, que adsunt sufficere, ait, mibi prospicere se declarat ad omnes, ecquid acceedere possit amplius, quod utilitatem afferat. Denique de meis commodis plus, ipse voluptatis ac latitia capit, quam egomet capiam. Ad ea Hystaspas, Lator, ità me Juno amet, inquit, me de his te interrogasse. Cur id potissimum? ait Cyrus. Nam & ipse inquit, hac enitar sacre. Unum modò ignoro, quo pasto essicere possim, ut manifest de dendum, an ridendum, vel quid agendum est? Et Artabazus: Saltandum tibi est, ait, more Persico. Quæ verba risus confecutus est.

31. Quum autem compotatio produceretur. Gobryam cyrides sorum alicui siliam daturus, quam id temporis, quo primum nobiscum congressus es? Num & mihi, subjecit Gobryas, verum licet dicere? Licet prosessò ait Cyrus, quippe morta. mulla interrogatio mendacium desiderat. Itaque certò scias, inquit, multò me jam lubentiùs id fasturum. Possisne mihi diirum, declarat ad omnes, ecquid acceedere postit amplius, quod utilita-

inquit, multo me jam lubentiùs id facturum. Possisne mihi dipasine cere, ait Cyrus, quamobrem? Possim verò. Dic igitur. Quia
rrogem, cernebam eos id temporis tum labores, tum pericula, prasentibus
è con animis tolerare: nunc etiam res secundas moderatè
quibus sere video. Arbitror autem, Cyre, dissicilius esse rectè ferat.

Ad p.
minem, qui res secundas, quàm qui adversas rectè ferat.

Nam lla in plerisque insolentiam, ha modestiam imomnibus expiabste citant. Et Cyrus, Audivistine, inquit, hoc Gobrya verhum,
ar, ait. Hystassa? Audivi prosedò, ait, ac si quidem ejusmodi plura
quad dixerit, multò me magis silia procum habiturus est, quàm si
ere me multa mibi pocula ostendet. Prosedò, inquit Gobryas, multa

Qui mibi sunt hujusmodi literis consignata, qua tibi ego non invidebo,
se movit, sissim meam uxorem duxeris. Pocula verò, ait, quia mibi non
inquit videris admittere, haud scio an Chrysanta buic dare debeam,
russum quando is tibi sedem tuam surripuit. Enimverò, ait Cyrus, mi
uptatem hystassa, es cateri qui adestis, si mibi rem indicaveritis, quando quis vestrum uxorem ducere conabitur; qualem es ipse vobis
seretur, candum erit, inquit, si quis ssiliam nuptum dare velit? Etiam
caretur: illud mibi significare, ait Cyrus, nam hanc artem miriscè calleo.
Quam? ait Chrysantas. Cognoscendi, inquit, quod conjugium
agebsi. suique congruat. Et Chrysantas, Die mibi per Deos immortales,
ait, inquit, multo me jam lubentius id facturum. Possisne mihi di-

31.

ait, cujusmoii uxorem mibi pulcherrime congruituram arbitreiu. Primum, inquit, parvam. Nam & tu parvus es. Quod fi granjocatur dem ducas, adsilire te necesse fuerit, catellorum more, si fortèrecum fu- &am ofculari velis. Id vero, inquit, rede abs te providetur, Nam netantillum quidem ad faltandum idoneus fum. Deinde ait, admodum tibi sima conducere. Cur illud ? Quia tu, inquit, na. fum aduncum habes. Optime igitur sima nasi forma congrueri adunca. Tune ais inquit, bene canato, quemadmodum jam ego sum, incanatum jejunámque congruere? Ità profecto, air Cyrus: nam eorum, qui pleni sunt, venter aduncus est; canatorum, simus. Et Chrylantas: Obsecro te, inquit, possifne dicere, cujusmodi uxor regi frigido sit commoda? Hic rilum & Cyrus edidit, & alii, quibus fimul ridentibus Hyftaspas dixit: Equidem te, Cyre, multo maxime ceu felicem ob hos in isto regno tuo admiror. Quid illud est? ait, Cyrus. Quoi quum frigidus sis, visum movere possis. Et Cyrus: Tu verò non magno redimeres, inquit, ut hac abs te dica effent; atque ut illi renuntiaretur, apud quam esse cupis in existimatione, quoi sis urbanus? Et his quidem jocis inter eos ludebatur. 32. Secundum illa Cyrus mundum muliebrem Tigrani

32. Ad p. 215.

Gobiya finam.

protulit, quem & uxori daret justit; quod ea virili animo militiæ mariti comes fuisset. Artabazo poculum aureum Hyrcanio equum, cum aliis multis ac pulcris rebus donavit. Tua verò, mi Gobrya, inquit, filia virum dabo. Me igitur da. bis, ait Hystaspas, ut etiam illa Gobrya scripta consequar. Et Histaf- Cyrus: Nam tibi sunt inquit, facultates, que sint puelle fortunt pe dat nis digne? Sunt professo, ait, & multo quidem majoribus etiam puuxorem opibus. Et ubinam, inquit Cyrus, has facultates habes? His, con Gobrya ait, ubi tu consedisti, qui mihi amicus es. Id verò sufficit mi bi Cyre, ait. Nam equidem accipio. Et prehensam Cyrus die Hystaspæ dextram Gobryæ dedit, & is accepit. Multa der inde munera, & elegantia quidem. Hystaspæ dedit. inde munera, & elegantia quidem, Hystaspæ dedit, quæ ap puellæ mitterer, Chrysantam vero, admotum sibi, oscula- m tus est. Et Artabazus, Profecto, Cyre, inquit, non ex eoden auro mibi poculum, & Chryfanta munus boc dedifti. At enim, ait Cyrus, etiam tibi daturus sum. Quando? quærebat illes tet Stalpas, ut me tempus illud expectaturum, nec mortem print obiturum, scias. Hoc modo tum illi contubernio finis eft len impositus. Quum autem ipsi surgerent, etiam Cyrus sur cios, qui sponte se conjunxerant, singulos domum remisse, exceptis iis, qui apud insum habare His & agros, & ædes dedit; quas etiam nunc pofterieo rum,

jum, qui tunc remansere, possident. Sunt autem plurimi

ex Medis & Hyrcaniis.

treiu.

gran-

tere-

detur.

de ait,

t, na-

ruent m jans to, ait

cana-

o si ne ritum

rum,

33. Discedentibus multa largitus, quum perfecisset, ut nihil tum præfecti, tum milites quererentur, fic eos dimifit. Cyrus Hinc militibus etiam suis pecunias, quascunque Sardibus milites acceperat, distribuit: ac decem quidem millium prætectis, suos & apparitoribus fuis eximia quædam, pro eignitate cujul piamis que largiebatur, cætera hinc indè dividebat. Data enim ornat. parte certa cuique decem præfecto, commist eos, ut perinde ac iple distribuisser in eos, ità & aliis ipli distri buerent. Ac pecuniæ quidem cæteræ sic ab eis distributæ sunt, ut præfectus quisque in præfectos inferiores, sibi parentes, explorando inquireret: tandémque sex militibus prætaspas fecti, gregariis sub se militibus exploratis, pecunias ultiob hot mas pro cujusque merito distribuerunt. Atque hoc modo Quòi justam universi portionem consecuti sunt. Acceptis autem Adp. pecuniis hisce, tunc distributis, plerique de Cyro aiebant: 216.

Nimirum multa possidet ipse quum tam multa cuique nostrum dederit. Alii dicebant: Qua sunt illa multa qua possidet i non itulla moda Cyri mos est ut sem facere velit: sed majorem vois ullo modo Cyri mos est, ut rem facere velit : sed majorem vo-

dederit. Alii dicebant: Qua funt illa multa qua possidet i non it ullo modo Cyri mos est, ut rem facere velit: sed majorem voligrani animo treum.

34. Hos sermones, hominúmque de se sententias, quum ureum. Cyrus animad vertisset; convocatis amicis, & omnibus illis onavit quos interesset arcessitis, in hanc sententiam locutus est. Vidi tur da equidem nonnullos, amici, qui existimari vellent plura possidere, ar. Et quam haberent reipsa: quòd hoc modo futurum arbitrarentur, ut magis liberales viderentur. Verim illivergere mibri videntur in partem instituto suo contrariam. Nam eum, qui multa possidere atedatur non proratione facultatum amicis palàm commodare; il verò mibi notam illiberalitatis irrogare videtur. Rursus alii quantum possideant, cateros ignorare volunt: qui & ipsi, meo judicio, malè de amicis merentur. Nam quia facultates eorum ignorantur, sape amici egentes aliquid petendo sodales hose non int, qua appellant, sed decipiuntur. Id mibi simplicissimi videtur hosostula dicio, malè de comicis facultatibus suis, pro earum ratione acedem benignitatis laudem sibi parere contendat. Quamobrem & dit enim, sesse quas videre non licet, eas oratione vobis exponam. Qua ait Hydromis este quidem opes, & multas, & insignes, eis common prime tit; & quas videre non licet, eas oratione vobis exponam. Qua ait Hydromis este quidem opes, & multas, & insignes, eis common prime tit; & quas videre non licet, eas oratione vobis exponam. Qua ait Hydromis este quidem opes, & multas, & insignes, eis common prime tit. Alias quidem opes, & multas, & insignes, eis common prime tit. Alias quidem opes, & multas, & insignes, eis common prime tit. Alias quidem opes, & multas, & insignes, eis common prime tit. Alias quidem opes, & multas, & insignes, eis common prime tit. Alias quidem prime tit. Alias quidem ea colligio, non ut ipse absumam, nec ut deterendo imminuam, quod tici imminuam, quod tici imminuam, quod tici vessi a quidem se prime tit. Pac omnia vos non titmis est. Pac omnia vos non titmis est. Pac omnia vos non titmis est. Pac fteri eo-

34.

giar: partim ut si quis vestrum egere se aliquare arbitretur, ad me venint, & quicquid forte desiderat, accipiat. Hæc in

hunc modum dicta fuere. 35. Quum autem res ità Babylone constitutas existimaret, 35. ut etiam inde abesse posset, ad iter Persicum se parabat con. valando, idemque cæteris imperabat. Posteaquam satiseo. rum habere se putaret, quibus opus sibi fore existimabat, Babylone movit. Nos autem & hæc commemoraturi fumus quantum scilicet agmen in deponendis impedimentis, quam bono se ordine gereret, ac rursum vasa colligeret celerités. que luo le loco fisteret, quo necesse erat. Nam ubicunque Ad p. caftia rex habet, ibi omnes illi, qui circum regem versan-217. tur, lub tentoriis tam æftate, quam hyeme militant. Et Cyrus ftatim quidem Cyrus iple hoc inftituit, ut tentorium itafiordinis geretur, quo solem orientem spectaret. Deinde primum, aptag; colloca- quanto ex intervallo à tabernaculo regio abesse satellitum tentoria deberent, ordinavit. Post hos locum dextrum iis, tronus quibus effet mandata panis conficiundi cura, affignavit, qui-0mmum flu- bus obsoniorum, finistrum; equis item dextrum, finistrum jumentis cæteris. Erant sic etiam distincta cætera, ut quisd:0/115. que stationem suam tum mensurâ, tum loco nôsset. Quum vero vasa colligunt, quisque vasa illa componit, quorum ipfi affignatus est usus; ac rurlum alii jumentis ea imponunt. Quò fir, ut fimul omnes impedimentorum vectores ad ea veniant, quibus vehendis ipfi funt destinati, & simul in quisque suis jumentis sua imponat. Ita tempus idem, uni p tabernaculo, & omnibus tollendis, sufficit. Eadem est impedimenta deponendi ratio. Præterea fingulis est impera-

ipfi affignatus est usus; ac rursum alii jumentis ea imponunt. Quò sit, ut simul omnes impedimentorum vectores ad ea veniant, quibus vehendis ipsi sunt destinati, & simul quisque suis jumentis sua imponat. Ita tempus idem, uni tabernaculo, & omnibus tollendis, sufficit. Eadem est impedimenta deponendi ratio. Præterea singulis est imperatum, quid sacere debeant, ut omnia necessaria parentur opportune. Idcirco tempus idem & uni parti & omnibus, ad ea paranda sufficit. Atque uti suus erat locus ministris hæc necessaria curantibus, sic & armati milites in metatione castrorum locum illum habebant qui armaturæ cuivis aptus esset, & quis esset is, nôrant; adeóque universi eum sic occupabant, ut minime de eo ambigerent. Nimirumar bitrabatur Cyrus, etiam in familia præclarum esse studium collocationis aptæ quandoquidem hoc modo. si aliqua se

collocationis aptæ quandoquidem hoc modo, si aliqua se la quis fortè indiget, planum est, quò ire debeat, ut eam sumat: sed multò pulcriùs existimabat esse, militares tribus aptà collocatione distribui, quuminusu rerum bellicarum quan-

to magissubita sunt oportunitates occasionum, tanto tlus ab zu delinquatur, qui tardius in is segerunt. Per illos verò, qui maturè adsunt, ea fieri videbat, quæ bellicis in rebus quantivis pretii sint. Hæc caussa suit, cur aptæ hujus collocationis perstudiosus esset. Ac primus quidem ipse castrorum in medio hi retur.

fe collocabat, quòd eis locus effet quàm munitiffimus. Deinde circum fe hdiffimos quosque, ficut & aliàs consueverat, habebat; atque horum in ambitu proximi tum equites, tum curruum ductores erant. Etenim arbituabatur his loco iu de fie opus, quòd ità in caftris agant, ut armis illis, quibus in hostem pugnant, expeditè uti non possint, sum quàm pum a ventrum ductores erant. Etenim arbituabatur in litter effere in aciem ea velint. Parte verò tum ipsius, tum qui Ad p, um datti quàm matrè, quàm post ipsum, & post equites. Gravis armaturæ milites, & qui crates parmás em muri, effe este equites se prius parare, maximè statrii milites ante ipso essentium; sum eix ad arma capienda præbernt. Et quemadmodum gravis armaturæ milites, sa ceitarti & sagittarii somnum instructi capiebant; ut noctu fiquid ulus posceret, perinde ac gravis armaturæ milites, paratis funtum qui dus posceret, perinde ac gravis armaturæ milites, paratis qui courum mingo etti in a seccederent, prompte sagittis & jaculis sui sutrentur. Praterea certa quidem signa præsectis, qui locorum periti sunt, plurimorum domos norunt, & eoman præsertim, quas interest nosse; si singulorum signa noruntur. Itaque si alicujus operà Cyrus egeret, hunc illi non quærebant; sed via quàm maximè compendiaria ad unumpuraturope un presertim, quas interest nosse; se singulorum signa noruntur. Itaque si alicujus operà Cyrus egeret, hunc illi non quærebant; se dvia quàm maximè compendiaria ad unumpuraturo per qua matrice si conspecti qui matrice e certa qui en si conspecti qui matrice e consu in phalangem redigere, vel prout hostes conspecti qui matrice e consu in phalangem redigere, vel prout hostes conspecti qui matrice ad accelerare, quum opus est antevertere. Hæc panten quamilibet eo loco ponere, quo plurimum fit profutura; & accelerare, quum opus est antevertere. Hæc panten quamilibet eo loco ponere, quo plurimum fit prosum æc in se collocabat, quod eis locus esset quam munitissimus. Deinde circum le fidissimos quosque, sicut & alias consueverat,

Ddz

bitrio

tenda

redit.

in metatione castrorum plerumque illa, quam diximus, col. locatione utebatur.

36. 36. Quum autem progrediendo Medorum in regionem pervenissent, Cyrus ad Cyaxarem divertit. Quumque se complexi falutaffent, primum Cyrus Cyaxari dixit : donum & curiam ei Babylone selectam esse; ut si etiam eo veniret, tanquam in sua divertere posset. Deinde muneribus alis

Ad t. permultis & infignibus eum donavit. Acceptis his Cyaxa, 219. res filiam ad ipsum mittit, quæ ei coronam auream, & ar. millas, & torquam, & Medicam vestem, quam fieri potuit pulcherrimam afferebat. Ac dum puella Cyrum coronaret,

Cyaxa-Cyaxares air: Equidem hanc ipfam tibi, Cyre, uxorem trado res Cyro qua mea est filia. Nam Es pater tuus patris mei filiam uxoren filiam duxit, qua tu natus es. Atque hac illa est, cui tu puer sape. uxorem numero id temporis, quum apud nos esses, more nutricis blandie offert. bare: quumque interrogabatur ab aliquo, cuinam effet nupturas

Cyro fe nupturam, respondebat. Addo nomine dotis, Median universam; quum natam ex me sobolem sexus virilis nullambabeam. Hæc erant Cyaxaris verba: cui respondens Cyrus Equidem, ait, mi Cyaxares, Egenus laudo, & puellam, &

Parenmunera. Sed in his tibi de sententia patris ac matris assentin tum arvolo. Et quanquam hæc ità Cyrus dicerer, puellæ tamen omnia donabat, quæcunque grata Cyaxari futura putabat permit-

Atque his peractis, in Persiam iter faciebat.

37. Quúmque pergendo Perfarum ad fines pervenisset, matricopias ibidem cæteras reliquit: iple cum amicis ad urben monia. contendit, partim secum victimas adducens, quæ univerla 37. Persarum nationi tam ad sacrificia quam ad epulas suffice Cyrus rent: partim munera ferens, qualia patri, matri, amicis in pacæteris dari deceret; & qualia magistratibus, senioribus triam æqualibus omnibus convenirent. Præterea cunctis in Per fia viris ac fæminis ea largiebatur, quæcunque solet had etiam tempestate largiri rex, quum in Persiam venit.

38. Deinde convocatis Cambyfes Perfarum fenioribus, Camby. illis magistratibus, penès quos illic rerum maximarum po fes pa. testas eft, Cyrum etiam arcessit, & hanc in sententiam ver rer Cy. ba facit: Merito ego vos, Persa, tuque itidem Cyre benevo rum & lentia complettor utrosque. Nam uti rex vobis sum, ità tu, Cyre Perfas mibi filius es. Quamobrem aquum est me, quacunque animale inter se vertere videbor ex re vestra futura, in medium proferre. enim attinet praterita, vos Cyrum auxistis exercitu tradito, & tuo de- boc ejus imperatore constituto, Cyrus ducis munere fungens. Din vincit. adjuvantibus, vobis quidem, Perfa, apud omnes homines celebrits tem nominis gloriamque peperit, & honorem per Afiam universan concilia

onem

que le

onium niret,

s aliis

yaxa.

& ar.

otuit.

naret.

trado.

exorem

y Sape.

landie pturas

Mediam

lam ha-

Cyrus

am, &

a | entire

e tamen

enisset,

urbem

niverla

(uffice-

amicis

ioribus

in Per

olet had

arum po-

iam ver

e benevo

e animad

e. Qua adito, E

ens. Das

celebrita

miversam

concilia

nit. ribus,& conciliavit: prostantistimos autem eorum, qui ejus signa secuti funt, opulentos reddidit : vulgo militum de stipendiis & victu profpexit. Quin & Perfarum equitatu instituto perfecit, ut etiam loca plana & campestria sibi vindicare possint. Itaque Ad P. si deinceps quoque hac in sententia perstiteritis, multorum mag- 220norumque bonorum auctores invicem vobis eritis. Sin autem vel tu, Cyre, propter res modo prosperas elatus animo, perinde Persis imperare tui cum captatione commodi conabere, ut cateris; vel vos, ô cives! potestati hujus invideritis, atque idcirco imperium ipsi abrogare tentaveritis: certo scitote, vosmet ipsos mutuo vobis in multis & praclaris rebus futuros impedimento. Quapropter ut bac vobis non accidant, sed bona potius conting ant: visum est mibi, posteaquam rem sacram solenni ritu fecerimus, Deosque fuerimus testati, sic paciscendum nobis esse; ut tu quidem Cyre, si quis vel in terram Persidem copias hostiles ducat, vel leges Persarum convellere conetur, omnibus viribus opem feras; vos verò, Persa, si quis vel imperium Cyro adimere, vel subditorum aliquos ad defectionem impellere aggrediatur, tum vobis ipsis, tum Cyro, prout denunciarit, subveniatis. Atq; dum equidem vixero, meum esto in Perfas imperium: verum ubi vivendi finem fecero, planum est, illud Cyri fore, si vivet : qui quidem in Persiam quum veniet, religiose fecerit si pro vobis hostias cadet, quemadmodum ipse jam sacra procuro. Ubi vero peregre aberit, restè vestra se res habebit, ut arbitror, si is ex familia nostra, qui vobis optimus esse videbitur, rem divinam perfecerit. Quæ Cambyses quum protulisset, eadem tum à Cyro, tum à Persarum magistratibus, decreto communi facto sunt approbata. Et quemadmodum id temporis hæc pacti sunt, Deosque contestati : sic & Perlæ, & rex inter se constanter eadem hoc etiam tempore oblervant. Atque his rebus peractis, Cyrus discessit.

fententia Cyaxaris filiam uxorem ducit, de qua etiam nunc Cyrus memoriæ proditur, fuisse perelegantem. Nonnulli autem uxorem Scriptores historiarum aiunt, matris cum eo sororem fuisse ducit. nuptam. Verùm ea virgo suisset omnino tunc anus. Nup-Cyaxatiis celebratis, mox cum ea discessit. Quúmq; esset Babylo-ris filine, visum est ei, satrapas jam mittendos esse ad nationes in am Saditionem redactas. Enimvero præsidiorum magistros in arpiens cibus, & tribunos eorum militum, qui per regionem in ex-Cyri cubiis erant, alii, quam sibi, parere nolebat. Atq; hæc ità consiliprospiciebat, quum cogitarer, eo pacto suturum, ut si quis um satraparum opibus & hominum multitudine fretus, insolenter se gereret, imperiúmque detrectare niteretur, mox ad verfarios suos in ipsà regione haberet. Hæc igitur sacere quum vellet initio convocandos judicabat quos adesse referret,

rémque

22I.

Ad p.

222.

rémque his prius exponendam, ut quas ob caussas mitte-Ad p. rentur ii, qui mittendi effent, scirent. Nam hac ratione laturos id æquioribu animis arbitrabatur. Sin præfectus aliquis jam conftitutus effet, arque hæc deinde animadverteret; graviter laturos ducebat, velut existimantes, ea non aliam ob caussam fieri, quam quod fides sibi non haberetur. Convocatis igitur iis, huju modi quædam locutus eft: Sunt nobis, amici, subactis in urbibus & prasidiarii milites, & eorum prafecti, quos tunc reliquimus. Illis ego discedens pracepi, nibil ut aliud curiose instituerent agere; sed munitiones & castella tuerentur. His igitur equidem magistratum non adimam, quum praclare, que justi erant, conservarint. Verum alii mihi satrapa mittendi videntur, qui regionum incolis prasint, acceptoque tributo, tum presidiariis stipendium perfolvant, tum quicguid necesse fuerit perficiant. Etiam mibi, videtur iis, qui e vobis hic degunt, & quibus ego negotia impono, dum ad obeunda quadam munera ad istas nationes eos ablego, istic Es agros & ades assignandas esse; ut & tributum buc illis afferatur, & quam eo venirent, suas in ades possint divertere. Hæc quum dixisset, plerisque amicorum in omnibus subactis urbibus donabat ædes ac subditos. Atque hac etiam tempestate posteri eorum, qui tunc illa consecuti sunt, in agrorum, quorum alii alia in regione fiti funt, possessione manent : quamvis infi apud regem fedes domesticas habeant. Necesse est autem, inquit, ut de fatrapis, ad regiones illas mittendis, ejufmodi dispeciatis qui meminerint buc ctiam mittendum este, quicquid in quovis folo pulchri bonive fuerit; ut etiam nos, qui bic manemus omnium bonorum, que ubique proveniunt, participes simus. Nam si quid uspiam rei terribilis existat, id etiam nobis propulsandum erit. Hæc locutus, finem dicendi fecit; ac deinde, quos ex amicis animadverteret eundi cupidos, secundum conditiones propositas, habito delectu tos, qui maxi-

Mega- mè viderentur idonei, satrapas misit, in Arabiam, † Megabyzum. zybum: in Cappadociam, Arrabatam: in Phrygiam majoal. Ly-rem, Artacamam: in Lyciam & Ioniam, Chryfantam: in Cariam, Adusium quem ipsi petierant: in Phrygiam, quæ al. Ca- propter Hellespontum fita, & Æolidem, Pharnuchum. Cilidusium. ciæ veio, & Cypio, & Paphlagonibu satrapas Persicos nullos misit; quod ultro visi essent adversus Babylonem Cyri

> figna secuti. Sed tamen his etiam tributa in dixit afferenda. 40. Ut autem Cyrus id temporis conftituit, sic etiam nunc arcium præsidia regis in potestate sunt, & præsidiaricrum tribuni à rege conftituuntur, & apud regem descripti census eorum exstant. Præterea latrapis omnibus, quos emittebat, edixit; ut omnia, quacunque se facere viderent, pro vi-

rabus

n

16

) -

1-

12 ,

hi

p-

C-

iè

72-

05 مي

m

us

00-

10-

m-

e/t

24/-

ic-

bic

ipes

obis

de-

un-

axi-

ga-

a 10-

: 111

quæ Cili-

nul-

Cyri

nda.

nunc

rum

cen-

mit-

10 VI-13bus

ribus imitarentur. Primum equites & curruum agitatores ex Cyri ad illis Persis ac sociis, qui comitarentur ipsos, instituerent. Qui-fatracunque vero & agros, & domos publicas confecuti effent, eos ad pas frequent andam portam cogerent, utque, temperantia studiose ad-manda. diffi, satrapa semet tutendos exhiberent, si quid usus posceret, ta. Etiam liberos, qui eis nascerentur, ad portam educarent & instituerent, quemadmodum apud ipfum fieret. Itidem fatrapam, quos baberet ad portam venatum producere debere : ac cum fe. tum suos ad res bellicas exercere. Qui autem mihi, ait, pro ratione potestatus sua currus plurimos, plurimos & lectissimos equites effecerit; hunc ego, tanquam egregium belli socium, & qui custodia imperii, tum Persici, tum mei, sit particeps, bonoribus ornabo.

41. Sint apud vos etiam sessionibus perinde atque apud me, viri prastantissimi pra cateris honorati. Sit & mensa qua sicut & mea primum domesticos alat; deinde sat bene instructa sit etiam ad impertiendum amicis, honor emque illis exhibendum, qui fingulos in dies aliquid praclare gerent. Etiam scepta vobis hortonum sunto, ac feras alite, nec ipsi unquam labore nullo pracedente cibum vobis apponite, neg; pabulum equis non exercitiis objicite. Non enim fieri poterit ut unus ego virtute humana vestrum omnium bona tuear: sed necesse est magno me pariter animo, cum viris fortibus, à me summittendis, auxilio vobis esse: ac vos itidem fortes effe vivos oportet, & cum veftris, qui & ipfi viri fortes sint, socia mecum arma conjungere. Velim hoc etiam consideretis, nibil me horum, ad que jam vos cobortor, ser vis imperare: & qua vobisfaciunda esse aio, hac ipsemet exsequi omnia studeo. Denig; ut vos ego me imitari jubeo ficetiam vos magistratus illos, quivestroimperio continentur adimitationem vestri condocefacere. Atque hæc uti tum Cyrus instituit, sic etiam hodie cuncta regis imperio subjecta præsidia custodiuntur, & omnes magiftratuum portæ officiosè frequentantur,omnésque tum amplæ, tum exiguæ domus fimili modo administrantur; omnes ex iis, qui adiunt, præstantissimi sessionibus honoris ergo supra cæteros ornantur: omnia itinera eodem modo instituuntur, pérq; paucos præfectos res omnino multæ brevi compendio curantur. His indicatis, quemadmodum se gerere Ad p. singuli deberent; ac manu militum cuiq; data, sic eos dimilit; ut prædiceret univerlis, para ent lefe, quodfulcipienda in annum proximum effet expeditio, & lustrandi milites, arma, equi, currus. Hoc etiam ab auctore Cyro profectum, ut aiunt, nunc quoque fervari animad vertimus.

42. Circumit hinc indè quilpiam regiones cum exercitu fingulis annis, qui fi farraparum aliquis indiger auxilio, fert er auxilium: fi quis infolenter le gerit, eum sanam ad mentem revocar Quòd fi quis vel tributum afferre negligit, vel incolas tueri, vel ut terra culta fir, vel aliquid aliud ex iis, 41.

42.

quæ sunt imperata, prætermittit, hæc ille corrigit omnia. Si verò nequeat facere, regi denunciat. Is ubi rem audit, de eo, qui spreto imperio se contumaciter gerit, deliberat, ac læpenumero ii de quibus dicitur. Regis filius descendit, Regis frater, Regis oculus, licet aliquando non conspiciantur, circitores illi sunt. Nam unulquisque horum

è vià revocatur, ubi rex ità jubet.

43. Etiam aliud quiddam excogitaffe Cyrum cognovi. mus, quod ad magnitudinem imperii pertinet, de quo cele-Equi vereda- riter intelligeret, qui etiam terum longe temotarum status rit pri- esset. Quum enim considerasset, quantum itineris equus mum à agitatione diurna conficere viribus integris posset: equorum stabula parari curavit, quæ tantundem distarent, & in his dispositi. equos constituit, cum illis, qui eorum curam gererent. Ordinavit & quolibet loco quendam, qui tum ad recipiendum literas allatas, tum ad tradendum eas aliis idoneus effent; quique defatigatos equos & homines exciperet, ac recentes lummitteret. Atque hoc in itinere nè noctu quidem interdum cessari dicitur, sed nuncio diurno succedere nocturnum. Quæ quidem ità quum fiunt, aiunt nonnullos iter hujulmodi gruum volatu celeriùs conficere. Quod fi verè non dicitur, saltem hoc manifestum est, omnium pedestrium itinerum, quæ homines conficiant, hoc velociffimum elle. Bonum est autem, ut quamprimum aliquid animadvertitur, etiam cura fine dilatione adhibeatur.

44. Cyrus varias fibi nationes fubjicit Ad p. 214.

44. Posteaquam annus præteriisset. Cyrus exercitum Babylonem coëgit; habuisséque proditur ad centum viginti equitum millia, currus falcatos bis mille, peditum millia lexcenta. Quo apparatu facto, expeditionem illam suscepit, quâ nationes universas fibi subjecisse dicitur quæ extra Syriam ad mare rubrum usque sedes suas habent. Postea iuscepta in Ægyptum fertur expeditio, qua Ægyptum lubegerit. Itaque deinceps imperium Cyri terminabat ad solem orientem, mare rubrum; ad septentriones, pontus Euxinus; occidentem versus. Cyprus & Ægyptus; versus meridiem Æthiopia. Quarum regionum extremi fines partim ob calorem, partim propter frigus, partim propter aquam, partim ob aquæ inopiam habitari difficulter possunt. Quibus lple quum in horum medio viveret, hibernum tempus fep-

iocu de tem mensium Babylone degebat, quod ifta regio tepida sit: gere fo- tres vernos menses, Susis: ipsa æftate vigente, menses dulitusfu- os Echatanis, quod quia faceret, semper in calore frigoréque verno vitam egisse dicitur. erit.

45. Erat autem ea hominum erga ipsum affectio, ut natio quævis detrimentum accipere se duceret si non Cyro mitterent quicquid ipfis egregium in regione sua vel nasceremia.

idit,

erat,

cen-

con-

ruin

ovi-

cele-

atus

quus

rum

n his

Or-

dum

ent;

entes

nter-

ctur-

s iter

vere

eftri-

mum

verti-

n Ba-

ginti

nillia

ulce-

æ ex-

Po-

ptum

at ad

ontus

ersus

par-

ter a-

ffunt.

s lep-

a fit:

s du-

gore-

natio

mit.

scere-

tur,

tur, vel aleretur, vel arte perficeretur. Itidem quævis urbs, Cyrus quivis homo privatus opulentum se arbitrabatur, si rem Cy-omnito gratam præstitisset. Nam & accipiebat à singulis Cyrus buschaea, quorum copiam illi, qui dabant, haberent: & vicissim 128. eis largiebatur, quibus eos defici animadverteret. Postea- Cyri quam hoc modo ad ætatem provectiorem accessisset, admo- postredum senex vice jam septima, ex quo imperium adeptus erat, mus in in Persiam venit. Quo tempore tum pater, tum mater ip- Persiam fius jamdudum, ceu credi par est, è vivis excesserant. Hæc advenquum ritè rem sacram procurasset, ex instituto patrio cho- tus. rum Perlarum duxisset, ac pro more dona in omnes diftri Cyrus buillet: contopitus in regia, tomnium hujulmodi vidit. Ac- de morcedere quispiam ad ipsum visus est, humana specie augu- te diviflior, qui diceret: Para te, Cyre; Nam ad Deos nunc iturus nitus es. Hoc somnio viso, excitatus est; propeq; scire jam vi- admodebatur, vitæ sibi finem adesse. Quamobrem sumtis mox netur. hostiis, Jovi patrio, & Soli, & Diis cæteris in summis montium jugis, qui Perfis sacrificandi mos eft, rem divinam fecit, & hujulmodi preces concepit: Jupiter patrie, tug; Sol, ac vos Dii universi, accipite hac sacra, quibus & multu preclarisq3 actionibus finem impono, & gratias vobis ago, quòd mihi tum extis, tum signis calestibus, tum auguriis, tum omnibus ea significastis, que vel faciunda, velomittenda erant. Magnas etiam vobis gratias ago, quòd & ipse curam de me vestram agnoverim, & nunquam me rebus prosperis supra conditionem humanam extulerim. Rogo vos, ut nunc quoque liberis, uxori, amicis, patria felicitatem largiamini : mibi ver- peto, ut quale concessistis avum, talem etiam exitum detis.

46. His peractis, quum domum revertisset, quieti se dare decrevit, & decubuit. Posteaquam tempus ità posceret, ac- Ad p. cedunt ii, quibus hoc erat negotii datum, atque ut lavet, 225. hortantur. Suaviter ille se quiescere dicebat. Itidem illi, quibus erat negotii datum, quum tempusesset, cœnam ipsi apponunt. At Cyri animus non ille quidem cibum admittebat, sed sitire videbatur, itaque cum voluptate bibit. Eadem illi quum altero, atque item tertio die accidissent, filios arcessivit, qui sortè tunc securi patrem, in Persia degebant. Arcessivit, & amicos, & Persarum magistratus, qui jam universi quum adessent, hujusmodi orationem exorsus est.

47. Instat modo, mei silii, ac vos amici, qui adestis, vi
tæ meæ sinis; quando id multis indiciis certò cognosco. Extre
Vos autem, ubi vitam cum morte commutavero, de me maCy
tanquam beato, & dicere omnia, & facere oportet. Nam ri &

w quum puer essem, eorum, quæ illå in ætate præclara sapien
existimantur, fructum mihi consecutus esse videor: & ado-tissima

E e

lescens oratio.

lescens, eorum quæ habet adolescentia, & virilem prorsus ad ætatem ubi perveni, eorum, quæ virilis ætas habet. Quin & progressu temporis vires meas auctas animadvertere videbat. Itaque senectutem meam adolescentia nunquam imbeciliorem factam lenti, neque vel expetiisse me animo meo, vel aggressum quicquam memini cujus non factus fim compos. Amicos quidem certe fortunatos per me factos vidi, hostes in tervitutem à me redactos, patriam antehac nullo in Afia claram imperio, nunc dignitate principe ornatam relinquo: quæ deniq; sum consecu-' tus eorum nihil non confervasse me scio. Et quanquam præterito tempore nihil non ex voto mihi succederet, tamen quia comes mihi metus erat, nè quid in futurum vel viderem vel audirem, vel pateret rei gravis non is mihi concessit, ut prorsus elato animo essem, vel essusè lætarer. Nunc si moriar, vos quidem, filii, quos mihi Dii nasci voluere, superstites relinquo; & patriam, & amicos itidem relinquo fortunatos. Qui possit igitur sieri, ut ego onon merito beatus prædicer, & æterna hominum memo. ria celebrer? Est autem mihi declarandum hoc quoq; cui regnum relinquam, nè id relictum in ambiguo, negotia vobis facessat. Complector equidem, filii, pari utrumg; vestium benevolentia: verum & confilio providere & ' ducis officio fungi, quacunq; in re tempus & ulus postulet, eum jubeo, qui natu major est, & ulum rerum majorem de consentanea quadam ratione habet. Equidem ut ab hac mea vestraque patria sum institutus, natu majoribus, non modo fratribrs, sed civibus etiam, de via, sedibus, dicendi loco cedendum esse; sic & ipse, filii, ab initio vos insti-' tui, ut natu majoribus honorem principem deferatis, & ' vicissim minoribus honore præeatis. Quamobrem ita, quæ à me dicuntur, accipite; ut qui tum prisca, tum moribus recepta, atque etiam legibus consentanea proferam. Ac tuum quidem, Cambyles, regnum esto; Diis illud, ac me, tibi largientibus, quantum quidem in me est: tibi vero, Tanaoxares, hoc tribuo, ut Medorum, & Armeniorum, & tertio loco Cadusiorum satrapas sis. Quæ tibi quum largior, majus quidem imperium, & regni nomen natu majori me relinquere arbitror, tibi verò felicitatem magis omnes expertem molestiæ. Nam qua delectatione humana cariturus sis, equidem non video. Nimirum universa quæ hominibus afferre voluptatem videntur, tibi funt affutura. Amorem verò illorum, quæ confectu dim cilia lunt, & multaium rerum sollicitam occupationem, & witæalienam à quiete rationem, pungente animum æmu-

· latione

Ad p. 226.

latione rerum à me gestarum, & insidiarum molitionem, earundémque structurum ab aliis metum; hæc, inquam, necesse est illum, qui regno potietur, magis quam te, comitentur. Atque hæc, sat scio, multa objiciunt, impedimenta, quo minus animo læto quis esse possit. Te quoque, mi Cambyles, scire volo, non autem hoc sceptrum este, quod regnum tibi conservet : sed amici fideles regibus Es verissimum, Es tutissimum sceptrum sunt. At vero non nalci homines fidos existimabis, quod ita iidem omnibus fidos se declararent: ficut & naturalia cætera conspiciuntur esse omnibus eadem: sed fidi qui fint, eos abs quovis homine tales effici necesse est. Parantur autem, non vi, led potius beneficentia. Quamobrem si voles & alios tibi adjungere, qui in conservandi regni quali societatem veniant, nequaquam aliunde initium facito quam ab eo, qui loco tecum eodem ortus est. Nam & cives exteris magis funt nobis conjuncti, & contubernales iis, qui nobilcum eodem in contubernio non vivunt. At vero qui eodem semine prognati, ab eadem nutriti matre, in eadem domo creverunt, & ab iildem parentibus diliguntur, eundémq; patrem & eandem matrem appellant; qui fieri possit, ut non omnium fint conjunctissimi? Ne igitur ea bona, per quæ Dir fratres mutuam ad conjunctionem deducunt, fruitra vobis esse concessa patiamini; sed super hæc ipla statim studia quædam alia benevolentiæ & amoris exstruite: quo fiet, ut amicitia vestra semper invicta fit. Nimirum lui iphus curam gerit, qui fratri prospicit. Nam cui frater magnus adeo est ornamento, ut fratri? Quis hominem præpotentem honore tanto prolequetur, quanto frater? quemnam aliquis magis metuat, li fratrem habeat virum atis, & magnum, atq; ipsum fratrem? Quamobrem nemo te cele- Ad p. m ita, rius huic obediat, nemo alacrius ad iplum veniat. Quip- 227. ım mope nec secundæ nec adversæ tristésque res hujus, ad quenoferam. quam magis propriè pertinent, quam ad te. Hoc etiam lud, ac velim, cuinam gratificando majora te conlecuturum Ipeoi vero, rare debeas, quam si gratificeris fratri? Cui opem ferendo, rum, & belli socium firmiorem tibi adjunges? Quem turpius est Hunc quum non amare, quam fratrem? Quemnam omnium laudabi- locum en natu lius est observare honorando, quam fratrem? Solus est M. Ciem mafrater, mi Cambyles, qui si apud fratrem locum principem cero in one huobtineat, nequit ad eum perringere aliorum invidia. Catone Quare vos obtestor per Deos patrios, mei filii, prolequi- majore mini volmet honore, fi quidem ullum vobis cordi est gra- intertu diffitificandi mihi studium. Non enim liquido scire vos pretationem, arbitrari debetis, me posteaquam vivendi finem fecero,ni- tur, mæinu. E e z latione

ım uniur, tibi

bet.

-19V

un-

me

non per

pa-

gni-

ecu-

uam

t, tan vel

nihi

arer.

nalci

S iti-

t ego

nemo.

q; cui

gotia

rumq;

ere &

stulet,

em de

ac mea

n mo-

icendi

infti-

' hil futurum. Nam ne modo quidem animum meum cer-' nebatis, sed esse eum deprehendebatis ex iis, quæ agebat. 'An nec dum animadvertiftis, quos terrores illorum animi, qui vim & injuriam passi sunt, homicidis incutiant? quos ' scelerum vindices nefariis immittant? Anne permansuros fuisse putatis extinctorum honores, si nihil eorum animis juris ac potestatis reliquum esset ? Equidem, filii, nequaquam pertuaderi mihi unquam paffus fum, animum, quandiu mortali corpore contineatur, vivere: posteaquam ab eo diremptus sit, mori. Nam animum video his morti obnoxiis corporibus, quamdiu in eis negat, vitam impertiri. Ne id quidem persuaderi possum, non lapere animum, posteaquam ab hoc infipiente corpore leparatur: led quum à corpore secreta est pura mens & integra, tum eam sapi. entissimam esse, vero maxime consentaneum fuerit. Quum dissolvitur homo, nonest obscurum, ad ressui generis singula commigrare, extra unum animum, qui folus neque dum adest, neque dum discedit, cernitur. † Animadvertital.ve- flis, nibil effe morti hominis similius somno. At per somnum his in maxime hominis animus divinitatem suam declarat, atq; etiam futura prospicit: quippe qui tunc uti quidem apparet, maxime sit liber. Quare si hæc ita sunt, quemadmodum equidem existimo, & animus hoc corpus relinquit; reveriti animum meum, quæ vos rogo, præftate. Sin hæc 'ita non funt, sed animus & manet in corpore, & cum eo 'interit : vos tamen Deos, qui immortales sunt, & intuentur & possunt omnia, ordinémq; universitatis hujus expertem detrimenti & senectæ, & extra omnem errorem positum, " \* præ pulchritudine atque etiam magnitudine inexplica-Pra ce- bilem, conservant: Deos, inquam, pertimescite, ut nihil levitate ' impii, nihil nefarii vel committatis, vel deliberetis. Poft Deos universam hominum nationem, quæ perpetua luccessione continuatur, reveremini. Nam Dii vos caligine quadam non tegunt, sed actiones vestras semper in omni-' um mortalium luce versari necesse est: quæ si puræ le-' cretæque ab injustitia patuerint, potentes vos inter ho-' mines, universos reddent. Sin aliquid alter in alterum ' injuriæ cogitaveritis, apud omnes homines fidem amittetis. Nam nemo poterit amplius vobis credere, ta-' metsi magnopere cupiat, si videat affici illum injuria, Itaque ii latis qui sit amicitiæ jure conjunctissimus. ego vos doceo, quales volimet erga vos gerere debeatis, (recte eft) fin autem, ab iis faltem discite, qui ante nos Nam multi exstitere, quæ doctrinæ ratio optima ett. parentes erga liberos, multi erga fratres in amore conftantes fuere; nonnulli etiam his contraria inter se mutuo

0

C

l

t

b

8

fi

f

Pi

C

defig-

mentem

\* al. Ad p.

228.

S

S

S

5

i

.

1,

n

i.

n

1-

le

n

1-

)-

;

C

0

ur

m

n.

a-

ft

C-

ne

se-

10-

ımı

it-

taiâ,

tis,

nos

antuò lìg-

defignarunt. Utris igitur animadverteritis ea, quæ perpetrarunt, profuisse ; illorum si facta prætuleritis alteris. recte vobis consulueritis. Ac de his quidem jam fortasse satis. Cæterum corpus meum, filii, quum diem in terris supremum claulero, nec in auro condite, nec in argento, nec ulla in re alia, sed terræ quamprimum reddite. Quid enim beatius, quam in terram abdi, quæ omnia præclara. bona omnia profert ac nutrit? Equidem ceteroqui studiolus hominum fui, jamque adeo perlubenter mihi videor ejus rei particeps futurus, quæ in homines est benefica. Enimvero deficere me videtur animus, ea parte qua, ceu consentaneum est, omnes desicere incipit. Quamobrem accedat fi quis vestrum vel dextram meam vult contingere, vel in oculos viventis adhuc intueri. Ubi vero tectus & obvelatus fuero, ne quis hominum, mei filii, corpus meum videat, ac nè vos quidem ipfi, etiam atque etiam oro. Persas quidem omnes, ac socios meum ad monumentum evocate; quo mihi gratulentur, cui jam in tuto agenti nihil accidere mali possit, sive adeò cum numine divino fuero, five in nihilum redigar. Quotquot autem venerint, hos illis beneficiis affectos, quæcunque in hominis fortunati funere lolenne eft exhiberi, dimittite. Denique hoc ex me postremum memineritis: Si benefici in amicos fueritis, etiam hoftes puniendi facultatem vos habiturus. Valete, filii chari, atque idem matri verbis meis renunciate. Itidem omnes amici, qui adestis, & ' qui abestis, salvete. Hæc quum locutus esset, atque omnibus dextram porrexisset, obvelavit le, vitamque cum morte commutavit.

48. Fuisse quidem regnum Cyri inter ea, quæ Asia vidit, longè præclarissimum ac maximum, vel ipsum de se testa- Ad p. tur. Terminis inclulum fuit, ad solem orientem, mari ru- 229. bro: ad Septentriones Ponto Euxino: ad occasum, Cypro Histo-& Ægypto: ad meridiem, Æthiopia. Tantum verò quum ria con esset, uno tamen Cyri arbitrio gubernabatur: qui subjectos clusio, sibi liberum instar & honore prosequebatur, & obsequiis quamosibi devinciebat, quum subjecti Cyrum vicissim tanquam res Perpatrem venerarentur. Is ubi diem suum obiit, mox inter farum iplos filios est coortum dissidium, mox urbes & nationes novos defecerunt, rebus universis in pejus vergentibus. Quod cum quidem verè me dicere, primum docere de rebus divinis in- prifeis cipiam. Equidem scio, priùs regem, ac regi subjectos etiam confert. iis, qui vel extrema facinora delignafient, five jusquiandum dedissent, idiplum tervasse; five junxissent dextras, firmiter promiss stetisse. Quod si tales non fuissent, &

SC.

Intelli- ejulmodi de se opinionem excitassent, sicut hodiéque ne git Cy- quidem unus fidem eis adhibet, quod ipsorum impietas jam perspecta sit, ità nec illorum militum prætores, qui minoexpeditionem cum \* Cyro susceperunt, fidem eis habuissent. rem, de Jam vero cum priscæ de illis opinioni credidissent, seipsos hujus eis tradiderunt, & ad regem deductis capita fuerunt ampuexpedi- tata. Multi etiam barbari, qui hanc expeditionem una susceperant, alii alia sidei pollicitatione decepti, perierunt. tione. Sunt etiam, quod hæc attinet, multo nunc deteriores. Nam califque du- olim si quis pro rege salutem in discrimen consiceret, vel cibus urbem aut nationem ejus imperio adjecisset, vel aliquid Gracis aliud preclare fortitérque pro rege perfecisset, hi scilicet alibi erant, qui honoribus cumularentur. Nunc si quis perinde Xenoac Mithridates, patre Ariobarzane prodito, & quemadmophon. dum Leomithres uxore, liberis, & amicorum quoque liberis apud Ægyptum obsidibus relictis, & sanctissimo jurejurando violato, regi quod expediat, facere videatur: hi vero funt, qui maximis honoribus ornantur. Quæ quum omnes Aliatici videant, etiam ipsi ad impietatem & injustitiam deflexerunt. Nam quales sunt ii, qui prasunt, tales & illi plerumque solent effe, qui corum imperio subjecti sunt. Hinc factum, ut magis jam fint nefarii, quam olim fuerint.

49. 49. Pecunias verò quod attinet, hoc modo nunc magis injusti funt. Non enim duntaxat eos, qui admodum multa lceleratè designarunt; sed jam illos quoque, qui nihil injusti admisere, comprehendunt; ac præter jus & æquum pecunias solvere cogunt. Quò fit, ut nihilo minus ii, quorum res lauta videtur esse, sibi metuant; atque aliquid injuste patrarunt. Iidem cum potioribus congredi reculant, neque ad expeditionis regiæ copias adjungere se audent. Qua-

propter omnibus licet, qui bellum ipfis faciunt, in eorum 2300 regione citra pugnam omnem pro lubitu vagari, tum propter iplorum erga Deos impietatem, tum propter injurias, quas hominibus inferunt. Atque hoc modo funt iplorum

animi prorlus jam deteriores quam olim.

50. Nè corporum quidem eos illa ratione, qua priùs, curain habere, jam narrabo. Nam erat in eorum institutis, ut nec exlpuerent, nec emungerentur. Perspicuum est autem, ad iplos non ea de caussa sanxisse, quod corporis humori parcendum existimarent; sed quod laboribus ac sudore solida effici corpora vellent. Jam verò manet id quidem adhuc nè vel expuant, vel emungant se; sed laborum exercitia nulli usquam curæ sunt. Enimvero erat etiam apud illos olim hoc institutum, ut semel tantum pascerentur; quo tam ad expedienda negotia, quam ad laborum exercitationes

tati mel

inc

diu

fero

tare

tun

has

uti rec

fac

qua

leg

abi

mi

exe

ve

rui

di

pa

lal

di

eq

qu

qu

pr

tu

pl

Vi

no

pl

li

lu

de

TO

to

ti

e

f

De Cyri Institutione LIB. VIII.

215

tationes die toto fruerentur : jam restat id quidem, ut semel duntaxat cibum capiant, sed cum eo tempore vesci incipiant, quo folent, qui maxime matutino prandent, tam diu comedere ac bibere perseverant, quam diu solent, qui fero admodum cubitum eunt.

51. Erat item in corum institutis, ne ad convivia importarentur obbæ; quod existimarent minus tum corpora, tum animos debilitari, fi quis non nimium hauriat. Nunc has non importari, restat id quidem; tantum vero bibunt ut non importent, sed ipfi exportentur, quando nimirum

recto corpore non amplius exire pollunt.

nè

as

ui

it.

20

U-

là.

It.

m

el

id

et

de

0-

15

lo

11,

a-

ee-

10

11-

6-

ti

as

es

2-

ue

a-

m

0-

S,

m

10

ut

n,

TI

0.

d-

r-

ıd

1;

es

52. Erat & illud unum ex institutis patriis, quod itinera facientes neque commedebant, neque bibebant, neque quicquam eorum palam faciebant, quæ de his necessario consequuntur. Hoc tempore manet id quidem ut ab his rebus abstineant: verum itinera tam brevia conficiunt, ut nihil

mirum fit à rebus illis necessariis eos abstinere.

53. Toties olim venatum ibant, ut solæ venationes ad exercendum tam iplos quam equos lufficerent. Posteaquam vero rex Artaxerxes, & iplius familiares, vino cepislet obrui, non jam ampliùs ipsi perinde, ac priùs, venatum prodibant, & alios ad venationes educebant. Quin & illis palam invidebant, qualique le potiores oderant quicunque laborum amantes, cum equitibus suis venarentur. Est hodiéque in ulu, pueros ad portas institui; verum utartem equestrem discant & exerceant, id scilicet extinctum est; quod iffic non fint, ubi specimen edendo, gloriam conlequi possint.

54. Est & illud penitus perversum, quod pueri audientes priùs illic judicia justa judicari, justiriam dicere videban- Ad p. tur. Nam manifesto vident eos superiores discedere, qui 231. plurimum largiuntur. Etiam illorum, quæ terra nascuntur vires pueri antehac dilcebant, quo utilibus uterentur, à noxiis abstinerent: nunc ea sic edoceri videntur uti quamplurimum noceant. Quo fit, ut nulquam plures, quam illic, vel extinguantur venenis, vel perniciosè lædantur.

55. Etiam multo nunclunt addictiores deliciis & vitæ voluptariæ, quam Cyrifeculo. Nam ea tempestatePersica quidem institutione & continentia adhuc utebantur, vestitu ve-10 & elegantia Medorum: nunc à Persis profectain laborum tolerantiam extingui patiuntur & Medorum mollitiem retinent. Libet autem iplorum etiam delicias & voluptatem explanare. Nam primum eis non latis eft, cubilia molliter sterni; sed jam spondarum quoque pedes tapetibus imponunt, ne pavimentum obnitatur, led tapetes nonnihil cedant.

Præterea

5T.

52.

53.

55 . .

Præterea quæ ad mensam coquuntur, eorum quicquid priùs inventum fuit, nihil est detractum; & alia quædam artisicia nova semper excogitant. Idem in opsoniis sit. Nam in utroque habent, qui semper aliquid novi consiciant. Quinetiam hiberno tempore non caput solùm, non corpus, non pedes ipsis satis est tegi: sed etiam ad extremas manus habent tegumenta quædam hirsuta, & digitabula. Æstate nec arborum nec specuum ipsis umbræsussicium; sed in his adstant eis homines, qui & alia excogitant umbracula. Jam si etiam pocula maximo numero habeant, eo ipso tanquam ornamento semet ostentat. Sed ea comparata improbis esse artibus, nulla in turpitudinis parte ponunt. Nam & injustitia & lucri turpis cupiditas, mirisice apud eos creverunt.

56. Etiam illud priùs erat eis in more patrio positum, ut pedites in itineribus obeundis non conspicerentur; idque alia nulla de caussa, quam ut equestris rei peritissimi evaderent. Jam verò multò plus stragulorum in equis, quam in cubilibus habent. Non enim tam equestris res ipsis est cura, quam ut molliter sedeant. Bellica quidem studia quod attinet, qui non in illis consentaneum suerit, nunc prorsus eos deteriores esse quam olim suerint? quibus superiori tem-

pore patrium fuit, ut quotquot agros possiderent, equites Ad p. inde suppeditarent, qui militatum irent : qui vero in præ-232. fidiis degerent, fiquidem aliquando suscipienda esset pro defentione regionis expeditio, stipendiis militarent. At nunc & oftiarii, & panis & optoniorum opifices, & pocillatores & balneatores, & qui cibos in menlas apponunt, & qui eos tollunt, & qui cubitum deducunt, & qui de somno excitant, & qui eos pigmentis illinendis & infricandis exornant, & eleganter cætera quoque componunt; hi omnes à viris præcipua potentia præditis equites facti funt, ut stipendia fibi mereant. Et hominum quidem illi multitudinem quandam oculis exhibent, non tamen ullus eorum bello est usus; quod quidem ex illis ipsis, quæ usu veniunt manifestum est. Nam illorum in agro facilius hostes quam amici, versantur. Enimvero quum ex ferentariorum ordine Cyrus eos eximeret, ac tum iplos, tum equos armaret, & cuique daret in manum tragulam unam, cominus eis in hoftem usus est. Nunc neque amplius levi

57. Itidem pedites habent illi quidem crates, & copidas, & fecures, quibus perinde, ac ipfius Cyri tempore, prælium ineant: verum ne illi quidem manum conferere volunt. Nec falcatos item currus ad eos ufus, quibus à Cyro destinati fu-

certamine cum hoste congrediuntur, neque cominus pug-

erunt,

er

fo

ra

fu

tu

il

fp

21

ci

ip

CE

12

V

21

ja

n

58.

erunt, adhibent. Nam is aurigas honoribus auctos & ad fortitudinem consuefactos habuit, qui gravem in armaturam impetum facerent. Hodierni Perlæ, quum eos qui funt in curribus, ne quidem norint, inexercitatos arbitrantur pares futuros exercitatis. Faciunt verò illi quidem impetum, sed priùs quam intra hostes penetrent, partim sponte sua delabuntur. partim desiliunt. Quò sit, ut ab aurigis destiruta vehicula jugalium sæpenumero plus amicis detrimenti afferant, quam hostibus. Enimyero quum ipsi intelligant, quales sint ipsorum apparatus bellici, cedunt aliis: neque quisquam amplius absque Græcis ad bellum se comparat, sive adeò ipsi bellum inter se gerant, seu contra eos Græci copias educant: quòd animadvertant, etiam adversus Græcos non nisi cum Græcorum auxiliis, sibi bellica esse suscipienda. Et arbitror sanè me jam perfecisse, quod institueram.

58. Quippe demonstratum aio, Persas, & alios Persis conjunctos, minus erga Deos esse religiosos, & erga cognatos magis impios, & injustiores erga cæteros, & bellicis in rebus esseminatos jam magis, quam prius. Quod si quis contraria sententiæ meæ statuit, saltem eorum sacta consideret, ac meis ea rationibus testimonium perhi-

bere comperiet.

ùs

fi-

in

in-

on

12-

lec

id-

m

ım

ois

n-

nt.

e-9

iâ

nt.

)i-

e,

It-

OS

n-

es

ro lt

& 10 K- es ut 1- 11 e- 1

2

C

FINIS.





### In Cyri-Pædiam INDEX locupletissimus.

Bradatæ magnanimi-	Araspas ab
tas sorte confirmata	perari non
A 6 150	A quo tam
Is ab uxore splendi-	A Cyro con
de armatur & ad	Ut transfug
virtutem accendi-	Ad Cyrum
tur 151	Hoftium co
Ipfius follicitudo pro exercitu	Armenioru
Cyri 155	rum ftudii
Pugnat 157	Armenius a
Interimitur 158	Ipfius cum
Actiones hominum latere non	Tacet
poffunt 212	Quot copia
Apparitorum idem honos qui	nias
caduceorum & legatorum 40	A Cyro lul
Adufius artificiosè Carum con-	Armenius re
troversiam componit 166	captat
Adusius Cariæ satrapa 206	A Cyro ad
Ægyptii strenui 158, 159	Nuntium à
Perlas cogunt pedem referre 158	Cyro gratia
A Cyro coguntur & ipsi pedem	Artabatas (
referre 159	
Cyro se dedunt, modò nè adver-	Artabazi de
fus Cræsum militent 160	Artabazi q
Aqualitas inter Persas II	Artacamas
Aglaitadas morofus 41	fatrapa
Amittere acerbius quam non	Artagerles
acquirere .177	perturbati
De amore dissertatio 104, 137	Artes bond
Aniqua immortalis 212	Afcia, lima
Animalia castrata non sunt inu-	faria
tilia 175	Afiatici in
Apunierga regem suum studium	Ebrii
106	Bonis invi
Aquila aurea fignum Perfici im-	Judicant fe
perii 153	ra largiun
Aquila dextra bonum omen 34	Se mutuo v
23 June deatha bondin omen 34	Inforum m

Araspas ab amore credit s	e ſu-
perari non posse	105
A quo tamen superatur	137
A Cyro confolatur	ib.
Ut transfuga Affyrium adit	
Ad Cyrum revertitur	148
Hoftium confilia detegit	ib.
Armeniorum propensum in	
rum fludium	18
Armenius ad Cyrum descend	
Ipfius cum Cyro colloquiu	m 67
Tacet	2b.
Quot copias habet, quot p	
nias	61
A Cyro lubens multatur	ib.
Armenius rebellandi occasio	
captat	
	52
A Cyro ad officium reducit	
Nuntium à Cyro accipit	55
Cyro gratias agit	66
Artabatas Cappadociæ sat	
A 1 - 1 1 1 1 C 1	206
Artabazi de bello sententia	
Artabazi querela	173
Artacamas Phrygiæ majef	
fatrapa	206
Artagerses integris ordin	upus
perturbatos urget	157
Artes bonorum fontes	161
Afcia, lima, lora, in bello n	
faria 144,	145
Afiatici impii & injusti	214
Ebrii	215
Bonis invident	ib.
Judicant secundum eos qui	plu-
ra largiuntur	ib.
Se mutuo venenis petunt	ib.
Ipforum mollities	ib.
H	yeme
	70 00

	에게 가장 하면서 모양하고 있는데 가장 소리를 하게 하셨다.
Hyeme manus tegunt 216	Cadusius excurrens temere occi-
Quos militiæ addicant ib.	ditur 121
Qualis apud ipsos curruum fal-	Cambyses Cyrum & Persas per-
catorum usus ib.	petuo interse devincit 204
Non fine Græcis militant ib.	
그 이 마시아 하는데 하면 그가 있는데 이 없는데 되었습니까? 아이들이 아이를 하는데 하는데 그렇게 되었습니다.	(BENERAL BENERAL B
Asiatici in bellum euntes, pretiofa	Cameli duntaxat equos terrent
fua secum ferunt, & quare 89	& fugant 157
Assyriarum ejulationes in fuga	Candys Perfica vestis 192
fuorum 78	Cares discordes Cyrum implo-
Affyrii audacter è castris prode-	rant 165
unt 74	Ab Adusio parcificantur 165
Affyrii exercitus quantus 35	Castra quomodo locanda 73"
Affyrii filius uxorem ducturus	Chaldai bellicofi 64
venatur in confinio Medorum	Rapto vivunt 67
16	Chaldai prædatores multantur
Exagro Medico prædas agit ib.	161
	크레프스 중요하다 그 아니까지 하나를 내고 있어? 하나 하나 하나 가지 않는데 하는데 있다. 나이어 하는데
Ab Astyage & Cyro impeditur	Chryfantæ laus 200
A.C	Chrysantas quid de obsidenda
Assyrii fossa se cingunt 72	Babylone senserit 169
Affyrii in mærore 80	Suadet ut Cyrus sibi domum pa-
Fugiunt 78	ret 174
Assyrii regis ad suos exhortatio	Chryfantas verba post Cyrum
75	faciens, timiditatem exercitus
Assyrio duellum offert Cyrus 113	elevat 143
Assyrius de Medis debilitandis	Chryfantas ambit eques fieri or
cogitat 20	Chryfantas Lyciæ & Ioniæ fa-
Assyrius in Lydiam proficiscitur	tra pa 206
136	Colloquia Cyri cum suis 40
Aftyagis mors	Conditionis potioris captatio in
p	
Abulana dagahat Cuma hua-	bello magni est momenti 140
PAbylone degebat Cyrus hye-	Contentio inter milites non fine
D me 208	fructu 38
Babyloniorum fines invadit Cy-	Convictus integrarum centuria-
rus 112	rum magni usûs ib.
Babylon, somno & vino immer-	Cræli fuga 85
sa, à Cyro capitur 170	Cræsus ad Cyrum adducitur 161
Belli adversus Assyrios initium	Apollinem tentat 162
20	Confulit ib.
Bellum non temerè movendum	Responsum ab illo habet ib.
	Ipsius uxor verè beata 16;
Bona & mala edifcenda 29	
C	Cræfus Cyro tradit libellos opum
Adufii & Sacæ Affyrio in-	fuarum 167
0.0	
Alacriter cum Cyro militant 115	Sardes fugit
	Cunctatio

Cunctatio in bellis perniciofa 70	De cœnâ Medicâ ib.
Currus falcatià Cyro, Abradata,	Liberalitas erga de se bene me-
Cyaxare confecti 141	ritos 8, 14, 18
Curius falcati valde utiles in	Offensa in Sacam
bello 160	Quid de vinosis senserit ib.
Curius quatuor temonum, &	Apud avum Aftyagem manet, &
equorum octo 139	cur 10
Cyaxares ad Cyrum 127	Judex dictus non bene judicat is
Ipsius invidia ib.	Ipfius humanitas & liberalis am-
Olculum Cyri respuit ib.	bitio ib.
Ac de ipso conqueritur ib.	In avum pietas 12
Invidiam fuam prodit 129	Loquacitas ib.
Variis exemplis Cyrum in culpâ	In adolescentia mores ac fludia
esse vult ostendere 128	ib.
Cyaxares Affyagi patri fuccedit	Venandi cupiditas 13, 15
19	Sacam non amplius odit 13
Cyaxares auxilia petit à Persis&	Ipfius temeritas in venatione ib.
à Cyro 20	Inbello 17
Cyaxares cum tertia Medorum	Ferit cervum, aprum 13
parte domi remanet 127	Eósque Astyagi effert 14
Cyaxares de bello cum Cyro con-	Ipfius verecundia
fultat 133	Ingeniosè quærit compos voti
Machinam se fabricaturum pol-	fieri ab Astyage 14
	Armatur 16
	Affyrios invadit 20
Cyaxares negat perfequendos ho-	A patre revocatur 18
	Ab omnibus diligitur ib.
Cyaxares offenditur, quòd Cy-	Eum osculatur cognatus quidam
rusnoluerit magnificè vestiris;	ib.
Cyaxaris temulentia & dolor 94	Cujus operâ utitur 82
Ipfius iracundia & minæ in Cyrum & Medos ib.	Redit in patriam 18
	Ei traditur exercitus cum impe-
Medos revocat, sed incassum ib.	Tio 20
Cyri oratio, 18,20, 36,57,49,74,	Ejus religio 23
79,80,87,89.95,96,106,117,122,	
142, 144, 152, 168, 172, 176, 201	
Cyrus imperandi peritus 1	Ad Cyaxarem cum exercitu ve-
Omnibus aliis regibus præstan.	nit 34
tior ib.	Curat fabricari arma Persis, ut
Quas nationes subegerit 2	cominus possint pugnare 37
Honoris avidiffimus ib.	Suos milites exercet 38 Illos docet ac instruit ib.
Ipsius parentes 2, 7	
Educatio 3	Suos nifi sudaffent, prandere non
Reliquis omnibus præstitit 7	finebat 39
Ipsius de pulcritudine laus &	Quos ad comam invitabat, &
patris judicium, 8	44430
	Quibus

. (1

6. 8 96. 2 0 1 1. 2. 2. 1. 2. 3 4 3 ti 46 0 8 b. m. 28 20 36 2 4 tt 78 b. n 926 5

Quibus colloquiis utebantur	40	Tefferam militarem dat, pæana
Ipfius folertia in militum anir	nis	canit 77
excitandis	50	Iplius exercitus alacriter in Af-
Ad Cyaxarem venit Indorum		fyrios tendit ib.
gatis appulfis	ib.	Militum ipfius ardor in conflictu
Cyrus se purgat Cyaxari, qu	od	ib.
magnifice noluerit vestiri	51	Victoria ib.
Armenium invadit	53	Suos à castrorum oppugnatione
Ipfius confilia prævidit	56	revocat 78
Ipfius filium, filias, uxores, of	pes	Hostes ad pugnam provocat ib.
capit	ib.	Erga deos ac homines gratus 79
Caduceatorem ad Armenia	ım	Hostes vult persequi 89
mittit	55	Callide Cyaxarem fallit 81
Illum cogit ut in se sententi		Cum Hyrcaniis pacifeitur 8
dicat	57	Impense à Medis diligitur 2b.
Benignè cum Armenio agit	61	Prodigio confirmatur 84
Chaldworum montes vult occ	cu-	Hyrcanios excipit 85
pare '	64	Iterum vincit 86
Chaldæos deturbat de jugis me		Arma ab hoftibus dedita crema-
tium	65	ri jubet 87
In quibus castellum exstruit		Ut commeatus abundet, prospi-
Chaldæos benignitate sua		cit ib.
amicos reddit	ib.	Ad temperantiam suos hortatur
Pacem inter Armenios & Chi		ib.
	67	Divisionem pecuniarum permit-
Ad Indum mittit qui pecun		tit Medis, Hyrcaniis, ac Tigra-
petant	ib.	ni 88
	68	Persicum equitatum parat 89
Utab Armeniis exceptus	ib.	Captivos liberat 92
Copias & pecunias Cyaxari m		Quibus conditionibus 93
tit	69	Quo pacto fures intercipiebat&
Ipsius liberalitas	ih.	transfugas ib-
	ib.	Alium exercitum è Persia arcessir
	70	95
Pulcherrime exercitum instru		NunciumCyaxaris prudenter al-
	id.	loquitur 96
Cyaxari auctor eft ut in hoft		Curat per suos, nè Medi ipsum
eatur	b.	deferant ib.
Diis sacrificat eosque placat		Ad Cyaxarem scribit 97
Ipsius solertia in locandis cast		De prædå dividendå agit 98
apinus tolerera in ipeandis car		Equos Affyriorum Periis curat
Prælio se parat	73 ib.	dari 99
Cyaxare prudentior	ib.	Diis, Cyaxari, & Medis partim
Transfugas Affyrios audit	ih.	prædæ curat dari ib.
In Assyrios tendit	76	Ingenuos in libertatem vindicat,
on almyrios tendre	10	eófque

eosque in militum numero habet	Ab omnibus suis rogatur ut ma-
100	neat 133
Gobryæ pollicetur, se ipsius filii	Jocatur ib.
necem ulturum 101	Cum Cyaxare de bello consultat
Cantatricem sibi selecto Medo	ib.
cuidam petenti donat 102	Sententiam dicit 134
Araspætradit ad servandam Pan-	Machinam fabricat 135
theam & tabernaculum 103	Castra metatur in loco saluberri-
Ipfius votum in gratiam de le	mo, & accessu facillimo 136
bene meritorum 106	Affyrii confilium folus intelligit
A 1 O - 1 1'	ib.
	그림으로 그렇게 하는데 그는 그 이렇게 그렇게 그렇게 하나 하는데 하는데 하는데 모든데 그렇게 다른데
In cujus munitionem ingreditur	Currus novos excogitat ufu ve-
Pagunié Como fibi à Cabrus abla	terum fublato ib.
Pecuniálque fibi à Gobryâ obla-	Camelos congregat 137
tas, ipsius filiæ donat 108	Curat ut Araspas veluti transfu-
Gobryam convivam habet 109	ga, Assyrium accedat 138
Cyrus quam providens ib.	Abradatam benignè excipit 139
Babyloniorum fines invadit 112	Octo juges currus facit ib.
In Gobryam liberalitas 113	Ab Indo pecunias accipit, cu-
Assyrio duellum offert ib.	ratque ut nonnihil eorum qui il-
Gadatam amicum sibi facit 115	las attulerant, Assyrium adeant
Exercitum suum expeditissimum	spectandi caussa 140
reddit 117	Contentionem inter amicos ex-
Duces & præfectos exercitus sui	citat, quò strenuiores sierent
nominatim instruit 118	ib.
Ipfius indust ia fingularis in	Suis terrorem eximit 142
nocturno itinere 119	Suis auctor est ut abstemii sint ib.
Gadatæ suppetias fert 120	Adversus hostes pergit 146
In suos merita transfert, quæ sibi	Ad pugnam se comparat 147
debebantur 121	Captivos Affyrios interrogat ib.
Erga Cadufios miseratio 122	Araspam redeuntem excipit 148
Eos consolatur ib.	Exercitum suum inftruit 149
Cyrus Cadusiorum cædem ulcif-	Suos ad virtutem hortatur 154
citur 123	Præliatur adversus maximas ho-
Agricolis parcendum censet ib.	[1] [1] [1] [1] [1] [1] [1] [1] [1] [1]
	flium copias
Equitatum Perficum auget 124	Dum Ægyptios urget, equo deci-
Babylonem rurfus adit 125	dir, ac discrimen vitæ adit 159
Sed non è propinquo & cur ib.	Non finit Ægyptios amplius à
Assyriorum castella capit 126	fuis cædi ib.
Cyaxarem arcessit ib.	Illis ignoscit ib.
Et se purgat 128	Larissam & Cyllenem illis habi-
Ipsius querelas abrumpit 131	tandas dat 160
Cum Cyaxare redit in gratiam	Sardes capit ib.
ib.	Chaldwos prædæ cupidos multar
Delicatam cœnam respuit 132	161
Expeditionem vult continuari il.	Cresum

CSA PO TAEM A LE MOS CHOF "FIC M'ALS E PH SELQ CP

Cræsum ad se adduci jubet ib.	Religiosam suorum pietatem fi
Sardes non vult diripi ib.	utilem credit 182
A Diis ortus, & à puero virtute	Suos blanditiis demulcet 184
præditus 163	Vestitum Medicum sibi ut luis
Cræso permittit uxorem & uni-	optat ib.
versam familiam, sed ei pugnas	Servos ut habuit 185
& bella adimit ib.	Quo pacto se gesserit cum iis
Thesauros à Crœso accipit ib.	quos sibi subjecerat ib.
Abradatæ mortem noscit 164	Ipfius liberalitas 186
Eumque deplorat ib.	Plurima suis largiebatur ib.
Monumentum ipfi & Pantheæ	Pater patriæ appellatus 187
& eunuchis erigit 165	Opes suas Cicelo demonstrat ab.
A Cræso libellos opum, quæ in	amicis prompté collectas 183
plaustris erant, accipit 167	Diis inservit & amicos ditat 189
Eos qui in potestatem suam ve-	Medicos colligit, & medicamen-
nerant, funditores facit ib.	
Multas regiones subigit 168	Cupiebat potiùs à suis amari,
Cyrus Babylonem rurfus adit ib.	
Suis cavit à Babyloniorum in-	quam ut lui se invicem ama- rent ib.
cursione ib.	
	Ipfius provectio pompola ib.
Ipsius de obsidenda Babylone consultatio ib.	Suis vestes & saga donat
	Sacrificat 193
Fossam circa Babylonem agit,	Quando primum veneratus ib.
ac turres erigit 169	Facta re sacrà, ad epulum victo-
Fluvium deflectens, Babylonem	
noctu capit 170	Quomodo convivas collocat ib.
Curat ut Babylonii agros colant	A Gobryâ laudatur 198
35.1.0	Cur Chrysantem Hystaspæ præ-
Majestatem regiam ut sit confe-	
cutus ib.	
Aditum se convenientibus præ-	
bet 172	Ordinis valde studiosus 202
Sacrificat Vestæ, Jovi, ac aliis	
174	
Eunuchos fibi custodes adsciscit	
175	
Persas sibi satellites legit 176	
Hortatur fuos ad laborem, tem-	Cyaxaris filiam uxorem ducit
perantiam, & fortitudinem ib.	205
Stabile imperium constituit 180	Satrapas mittitad nationes suba:
Equorum & canum curam qui-	ctas ib.
bus commiserit ib.	Quid iis injunxerit 207
Quid quisque ex suis posset no-	Equos veredarios disponit 208
verat 180, 181	Quam numerofum exercitum ha-
Curat ut sui frequenter sibi ad	
portas adfint ib.	

· 45 -5 t . - . 7 - 8 9 . - - to - to - to - to - 5 8 9 4 - 7 1 9 ab. - 10 b at 1

1

I

1 0000

I HH H HCHAH HH TG TH F

Index	rerum.
Quas provincias subegerit. ib.	Equos Affyriorum Perfis dari cu-
Quibus locis hyeme, vere, æstate	pit Cyrus 99
degerit ib.	Equus multum valet oculis &
Omnibus charus 209	auribus 92
Ipfius in Perfiam postremus ad-	Eunuchi custodes Cyri 175
ventus ib.	Exercitui via facillima, celerri-
Divinitus de morte monetur ib.	ma 55
Diis sacrificat ib.	Exercitus Cyri latera infirmars6
Regnum duobus filiis partiturz 10	Exercitus Cyri follicitus ob im-
Illosque sancte monet 211, 212,	mensam Aslyriorum multitu-
Cornus Guum wult torm roddi	dinem 142
Corpus suum vult terræ reddi	Exercitus nunquam debet effe o- tiofus 27
Prohiber, ne quis corpus suum	tiolus 27
post mortem videat ib.	TAbri ærarii, tignarii & fu-
Moritur ib.	L tores, usui in bello 145
Ipfius regnum quantum ib	Falx, &c. in bello necessaria ib.
Post mortem ipfius filii dissident	Fames & frigus adverfarii po-
ib.	tentissimi 135
Urbes & nationes decficiunt ib. D.	Forum castrense non violandum
Aipharnes cunctanter Cy-	Forum liberum apud Persas 3
rum adit 193	Ipsius divisio ib.
Defidia facit, ut corpora & men-	Fratrum concordiæ fructus 211
tes malè se habeant 176	Frigi s & fames adversarii inex-
Dis in omnibus consulendi 33	pugnabiles 135
Dii omnia norunt ib.	Fuga in bello quam damnofa &
Diligamur ut à nostris quid	ignominiola 75
faciendum?  Divitum moleftia  106	Adams ad Cyrum deficit
Divitum moleftia 196 Docemur aliter adulti, quàm pu-	Adatas ad Cyrum deficit
eri 31	Agro fuo timet 116
Dolabra, falx, farculum, ligo,in	Proditur ab uno ex suis 119
bello necessaria 145	Quo fit ut Assyrius castellum
-1,	ipfius occupet 121
E	Gadatas domui Cyri præeft120
T Chatanis aftate degebatCy.	Gadatas in infidias delabitur ib.
<b>L</b> rus 208	Ab uno ex suis vulneratur ib.
Equeftres copiæ noctu tumultu-	Qui tandem occiditur 121
olæ 72	Cyro gratias agit ib
Equi camelos fugiunt 157	Coram Cyro fortunam deplorat
Equi veredarii, sivedispositi 208	ib.
Qui iter volatu gruum celerius	Gadatas, munitis castellis, Cy-
conficient ib.	rum comitatur 125
	Machie

3 -- 7

Machinam se frabricaturum pol-	Imperare opus arduum 23
licetur. 135	Imperare res difficillima. 2
Gobryas ad Cyrum venit. 100	Imperatoriæ tei præceptorum
Queritur de atrocitate Assyrii.	congeries. 25
101	Imperator curare debet ne quid
Ipfius filium Affyrius accidit. ib.	defit exercitui. 24
Petit à Cyro, ut filii necem ul-	Imperator infidiator effe debet,
ciscatur, tum suo, tum filiæ no- mine. ib.	mentis suæ occultator, fraudu- lentus, veterator, fur, raptor. 29
Magnifice Cyrum & fuos exci-	Imperator nomina suorum tenere
pit. 108	debet. 118
Cum Cyro cœnat. 109	Imperator nunquam debet armis
Gobryas Cyrum laudat. 198	deftitui. 177
Gordius, eodem momento fit ex	Imperator subditis melior esse
fervo liber & Lydorum rex.	debet. 178
Græci milites in pretio. 217	Imperatoris boni munus. 110
Græci perfidi à Perfis habiti. 214	Imperator subjectis pejor esse non
Græci tributarii Cyro fiunt. 166	debet. 178
Greges paftoribus obsequentio-	Imperium parari potest audacia
res, quam homines suo magi-	sola, retineri verò temperantia,
ftratui.	continentia. 177
n n	Indorum legati ad Cyaxarem &
T TIppocentauri. 91	Cyrum.
Homo animantium opti-	Indi speculatores Cyro rationem
	reddunt apparatûs A syriaci. 141
	Indorum rex Cyro pecunias mit-
Honorati ad portas. 180	tit. 140
Hoftes Cyro arma tradunt, quæ	Ingrati apud Persas multantur. 4
concremantur. 87	
Hoftium copiæ quantæ fint ex-	Judicandum fecundum leges. IE
plorandum. 147	T Abaras Carribus funt of family
Hyrcanii sele Cyro offerunt. 82	Abores fortibus funt obfonia
Cum iplo fædus ineunt. 83	loco.
Ipsi præeunt. ib.	
Ad ipfius castra transeunt. 85	
Hyrcanius enititur, ut Medi a-	C 1 .
pud Cyrum maneant. 107	
Hyftaspas adversus Phrygas. 166	
Hyftaspas Chrysantæ cur præla-	1 11 01 :
tus. 198	
Gobryæ filiam in uxorem acci- pit. 200	faria. ib.
Hystaspas Cyri sententiam ap- probat. 88	
TC-:	M.
IGnis in bello ubi excitandus	1 1 1 2
	7

Mala & bona ediscenda. 30 Matrimonia line parentum con-	Parendum magistratui. 179 Pastoris & Regis similitudo. 188
fensu non contrahenda. 204 Medi plaustris hostium potiuntur	Peccat, qui per ignorantiam non delinquit.
Medi volunt cum Cyro manere.	Pecuniæ in bello necessariæ. Persæ apud matres non educan-
Medorum erga Cyrum studia. 83	rur. Persæ degeneres Cyro mortuo.214
Megabyzus Arabiæ satrapa. 206 Mescatores in bello, & quidillis	Persæ equites præstantissimi. 160
Metus omnium suppliciorum	Persæ, etiam pueri, virtuti stu- dent. 21 Persæ in scholis justitià instituti.
gravissimum. 60 Miles obediens laudandus, contumax puniendus. 28	omnium honorum funt capaces: qui verò non ità instituti, ab
Militaribus exhortationibus	honoribus arcentur. 6, 7
quid tribuendum. 75 Milites non ex civibus tantum	Ipsorum moderatio ib. Persæ nonnulli à Cyro satellites electi. 175
eligendi, sed undique. 45 Militum malorum remotio quam	Reliquis etiam secum manenti-
utilis. 44 Mithridates patrem prodit. 214	Perfarum arma.
Modestia eorum qui cum Cyro.	Persarum cujusibet ætatis educa- tio. 4, 5, 6
Molæ manuariæ parandæ. 144	Temperantia. 109
Morti somnus simillimus. 212 O.	Perfarum in venatione abstinen-
Psonia, acida, acria, & salsa sont in bello potiora. 144	Persarum leges. Persarum mos in militibus le-
Opfonii loco fortibus funt labo-	gendis. 20 Persarum numerus. 6
Ordo Cyri exercitus in itinere.	Persarum puberum exercitia. 5 Persarum temperantia. 109
Ordo eximius in Cyri agmine observatur. 202	Perficus mos cognatos ofculan- da. 18
Anthea. 103 Ab Araspa adamatur, qui ei	Persis non licet frænis aureis uti, nisi sibi illa à rege data sint. 187 Persis opsonium sames, posus a-
chum, Cyrum certiorem facit.	Persis panis est pro cibo, nastur-
Curat, ut Abradates maritus ad	tium pro opfonio, aqua pro po- tu. 47
Cyrum deficiat. 139	Pharnuchus Phrygiæ Æolidis sa-
Maritum ornat. Panthea sibi manus offert. 165	Pheraulæ indoles. 196 Pheraula

Pheraula provectionem Cyri in-	Silentium in bello necessarium.
ftruit. 192	118
Quibus moribus. 195	Somnus morti simillimus. 212
Sacam ditat. 195, 196	Speculatores Cyri. 146
Divitias abhorret. 196	Stratagemata varia.
Phrygiæ rex capitur. 167	Subject is omnibus succensere non
Pompa Cyri. 100	confultum. 128
Potu ac cibo commoveri, bellui-	Sues in protegenda sobole ani- mosæ. 81
Prædæ intentus non miles, fed farcinarius calo. 85	Susis vere degebat Cyrus. 208
Præmia qualia effe debeant, &	Abernacula pro qualibet
erga quales. 43	denturia. 38
Princeps bonus, lex oculis præ-	Tigranes ad Cyrum venit. 57
dita. 182 Proventus cura non negligenda.	Apud eum pro patre intercedit.
181	Ipfius præceptor à patre occifus.
Prudens fit, qui prudens dici	62
vult. 28	Ipfius uxoris pudicum respon-
Pueri simpliciter docendi, adulti	fum. 63
non item. R. 31	Tigranes procurat ut Medi apud
D Egio incolas habens, mag.	Cyrum maneant. 107
ni pretii possessio est. 92	Tonitru dextrum, bonum omen.
Regis boni & paftoris boni ope-	V. 153
ra similia. 188	
Regis filius, frater, oculus, quid.	V rem bellicam. 183, 184
208	Venatio quantum confert ad rem
Regum multi oculi & aures. 187	militarem addiscendam. 5
Religio omnia præcedat. 33	Verecundi palàm, moderati e-
S.	tiam occultè turpia fugiunt, 183
CAcæ cum Cyto non convenit.9	Verecundi pluris funt, quam in-
S Convenit: 13	verecundi. 7b.
Saca & Cadulii, Affyrio infensi.	
111	Vim vi repellere justum. 22
Alacriter cum Cyro militant, 115	Virtus ad ardua ducit. 44
Sacæ & Pheraulæ mutua dona.195	Virtus landata crescit. 21
Sacrificia varia Cyri. 192	2012 <u>- 프로</u> 스
Sambaulas deformem militem a-	fidium. 198
mat quòd firenuus effet. 45	Virtutis expers, aliis virtutem indere neguit. 181
Sarculum, ligo, dolabra, & falx,	
in bello necessaria. 145	Virtutis fructus quærendus. 21
Sardes à Cyro variis provinciis	
deffinati. 206	vatur. 79
Securis lignaria usui in bello. 145	
Servi quomodo à Cyro habiti, 185	fices habent. 186, 187
FI	NIS.

9802 -4410-11,:b76.55-65-691-53-06591-81,71-4--71-661

### EX PAUSANIA, LIB 5.

Cilluntem Lacedemonii Xenophonti Grylli filio tunc exulanti donârunt. Exagitatus verò est Xenophon à suis Civibus, quod Cyro, qui fuit Atheniensi populo inimicissimus, contra Persarum regem, quo maxime benevolo utebantur, stipendia fecisset. Quum enim Sardibus esset Cyrus, Lysandrum Aristocrati filium ad comparandum contra Athenienses classem pecunia juverat. Hac itaque Xenophonti exilii caussa fuit. Constituto autem ad Scilluntem domicilio, agri partem Ephesia Diana, & fanum dedicavit. Ex Eleis autem ii, quibus cura est antiquitatis memoriam conservare, receptam à suis Scilsuntem memorant: & Xenophontem, quod illam à Lacedamoniis accepisset, majestatis in Olympico consilio postulatum, caussam dixisse, eundemque ab Eleis absolutum, Scillunte impune domicilium habuisse. Et sane non longe à Dianio monimentum monstratur cum statuâ è Petelico marmore, quam Xenophontis esse accola dicunt.

